

Holy Bible

Aionian Edition®

हरियाणवी बाइबिल
Haryanvi Bible

AionianBible.org
The world's first Holy Bible untranslation
100% free to copy and print
also known as "The Purple Bible"

Holy Bible Aionian Edition ©

हरियाणवी बाइबिल
Haryanvi Bible

CC Attribution ShareAlike 4.0, 2018-2024

Source text: eBible.org

Source version: 2/21/2024

Source copyright: CC Attribution ShareAlike 4.0
The Love Fellowship, 2021

Formatted by Speedata Publisher 4.19.2 (Pro) on 4/23/2024

100% Free to Copy and Print

TOR Anonymously

<https://AionianBible.org>

Published by Nainoia Inc

<https://Nainoia-Inc.signedon.net>

We pray for a modern public domain translation in every language
Report content and format concerns to Nainoia Inc
Volunteer help is welcome and appreciated!

Celebrate Jesus Christ's victory of grace!

Preface

हरियाणवी at AionianBible.org/Preface

The *Holy Bible Aionian Edition* ® is the world's first Bible *un-translation*! What is an *un-translation*? Bibles are translated into each of our languages from the original Hebrew, Aramaic, and Koine Greek. Occasionally, the best word translation cannot be found and these words are transliterated letter by letter. Four well known transliterations are *Christ*, *baptism*, *angel*, and *apostle*. The meaning is then preserved more accurately through context and a dictionary. The Aionian Bible un-translates and instead transliterates eleven additional Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and all mankind, and the nature of afterlife destinies.

The first three words are *aiōn*, *aiōnios*, and *aiōdios*, typically translated as *eternal* and also *world* or *eon*. The Aionian Bible is named after an alternative spelling of *aiōnios*. Consider that researchers question if *aiōn* and *aiōnios* actually mean *eternal*. Translating *aiōn* as *eternal* in Matthew 28:20 makes no sense, as all agree. The Greek word for *eternal* is *aiōdios*, used in Romans 1:20 about God and in Jude 6 about demon imprisonment. Yet what about *aiōnios* in John 3:16? Certainly we do not question whether salvation is eternal! However, *aiōnios* means something much more wonderful than infinite time! Ancient Greeks used *aiōn* to mean *eon* or *age*. They also used the adjective *aiōnios* to mean *entirety*, such as *complete* or even *consummate*, but never infinite time. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs. So *aiōnios* is the perfect description of God's Word which has *everything* we need for life and godliness! And the *aiōnios* life promised in John 3:16 is not simply a ticket to eternal life in the future, but the invitation through faith to the *consummate* life beginning now!

The next seven words are *Sheol*, *Hadēs*, *Geenna*, *Tartaroō*, *Abyssos*, and *Limnē Pyr*. These words are often translated as *Hell*, the place of eternal punishment. However, *Hell* is ill-defined when compared with the Hebrew and Greek. For example, *Sheol* is the abode of deceased believers and unbelievers and should never be translated as *Hell*. *Hadēs* is a temporary place of punishment, Revelation 20:13-14. *Geenna* is the Valley of Hinnom, Jerusalem's refuse dump, a temporal judgment for sin. *Tartaroō* is a prison for demons, mentioned once in 2 Peter 2:4. *Abyssos* is a temporary prison for the Beast and Satan. Translators are also inconsistent because *Hell* is used by the King James Version 54 times, the New International Version 14 times, and the World English Bible zero times. Finally, *Limnē Pyr* is the Lake of Fire, yet Matthew 25:41 explains that these fires are prepared for the Devil and his angels. So there is reason to review our conclusions about the destinies of redeemed mankind and fallen angels.

The eleventh word, *eleēsē*, reveals the grand conclusion of grace in Romans 11:32. Take the time to understand these eleven words. The original translation is unaltered and a note is added to 64 Old Testament and 200 New Testament verses. To help parallel study and Strong's Concordance use, apocryphal text is removed and most variant verse numbering is mapped to the English standard. We thank our sources at eBible.org, Crosswire.org, unbound.Biola.edu, Bible4u.net, and NHEB.net. The Aionian Bible is copyrighted with creativecommons.org/licenses/by-nd/4.0, allowing 100% freedom to copy and print, if respecting source copyrights. Check the Reader's Guide and read online at AionianBible.org, with Android, and TOR network. Why purple? King Jesus' Word is royal... and purple is the color of royalty!

Table of Contents

NEW TESTAMENT

मत्ती	11
मरकुस	29
लूका	41
यूहन्ना	61
प्रेरितों के काम	76
रोमियों	95
1 कुरिन्थियों	105
2 कुरिन्थियों	115
गलातियों	121
इफिसियों	125
फिलिप्पियों	129
कुलुरिसियों	131
1 थिस्सलुनीकियों	134
2 थिस्सलुनीकियों	136
1 तीमुथियुस	138
2 तीमुथियुस	141
तीतुस	143
फिलेमोन	145
इब्रानियों	146
याकूब	153
1 पतरस	156
2 पतरस	159
1 यूहन्ना	161
2 यूहन्ना	164
3 यूहन्ना	165
यहूदा	166
प्रकाशित वाक्य	167

APPENDIX

Reader's Guide

Glossary

Maps

Destiny

Illustrations, Doré

NEW TESTAMENT



फेर यीशु नै कहा, “हे पिता इन्हने माफ कर, क्यूँके ये नही जाणदे के ये के करे सै।”
अर उनने पचीं गेर के उसके लत्ते बांड लिए।
लूका 23:34

मत्ती

1 ये यीशु मसीह के पूर्वजा के नाम सै। वो राजा दाऊद का वंशज था, अर राजा दाऊद अब्राहम का वंशज था। 2 अब्राहम का बेटा इसहाक था, अर इसहाक का बेटा याकूब था, फेर याकूब तै यहूदा अर उसके भाईयाँ का जन्म होया। 3 यहूदा के बेटे फिरिस अर जोरह थे। (फिरिस अर जोरह की माँ का नाम तामार था।) फिरिस का बेटा हिस्रोन था। हिस्रोन का बेटा एराम था, 4 एराम का बेटा अम्मीनादाब था। अम्मीनादाब तै नहशोन, अर नहशोन तै सलमोन का जन्म होया, 5 सलमोन का बेटा बोआज था। (बोआज की माँ का नाम राहाब था।) बोआज अर रुत तै ओबेद का जन्म होया, अर ओबेद का बेटा यिश्थै था। 6 अर यिश्थै का बेटा राजा दाऊद था। (राजा सुलैमान दाऊद का बेटा था।) जो उस बिरबानी तै जन्मा था जो पैहले उरिय्याह की घरआळी थी, 7 सुलैमान का बेटा रहबाम था। अर रहबाम का बेटा अबिय्याह था। अर अबिय्याह तै आसा का जन्म होया। 8 आसा का बेटा यहोशाफात था। फेर यहोशाफात तै योराम अर योराम तै उज्जियाह का जन्म होया। 9 उज्जियाह का बेटा योताम था अर योताम, आहाज का। फेर आहाज तै हिजकिय्याह का जन्म होया। 10 हिजकिय्याह तै मनशिशह का जन्म होया। मनशिशह का बेटा आमोन था, अर आमोन तै योशिय्याह का जन्म होया। 11 फेर इस्राएल के माणसां नै कैदी बनाके बेबीलोन देश ले जाण के बखत योशिय्याह तै युकुन्याह, अर उसके भाईयाँ का जन्म होया। 12 बेबीलोन देश म्ह पोहचाये जाये पाच्छे युकुन्याह तै शालतियेल का जन्म होया, फेर शालतियेल तै जरुब्बाबिल का जन्म होया। 13 जरुब्बाबिल तै अबीहूद का जन्म होया, अबीहूद तै एलयाकीम का अर एलयाकीम तै अजोर का जन्म होया। 14 अजोर का बेटा सदोक था। सदोक तै अखीम अर अखीम तै इलीहूद का जन्म होया। 15 इलीहूद का बेटा इलियाजार था। अर इलियाजार मत्तान का। मत्तान का बेटा याकूब था। 16 अर याकूब तै यूसुफ का जन्म होया, जो मरियम का धणी था। अर मरियम तै यीशु जो मसीह कुहावै सै, पैदा होया। 17 इस तरियां अब्राहम तै दाऊद तक चौदहा पीढ़ी होई, अर दाऊद तै लेके इस्राएलियाँ नै कैदी बनाके बेबीलोन देश भेज्जे जाण तक चौदहा पीढ़ी, अर इस्राएलियाँ कैदी बनाके बेबीलोन देश म्ह भेज्जे जाण के बखत तै मसीह तक चौदहा पीढ़ी और होई। 18 यीशु मसीह का जन्म इस तरियां होया, कै जिन उसकी माँ मरियम की सगाई यूसुफ के गेल होगी, तो उनका ब्याह होण तै पैहल्याए बेरा पाट्या के वा पवित्र आत्मा की शक्ति तै गर्भवती सै। 19 पर उसका धणी यूसुफ जो एक धर्मी माणस था, उसनै बदनाम न्ही करणा चाहवै था, इस खात्तर उस ताहीं चुपके तै छोड़ण का विचार करया। 20 जिन वो इन बातों नै सोचै ए था तो परमेसवर का सुगंदूत उसनै सपनै म्ह आके कहण लागया, “हे यूसुफ! दाऊद के वंशज, तू अपणी घरआळी मरियम नै अपणे उरै ल्याण तै ना डरे, क्यूँके जो उसकी कोख म्ह सै, वो पवित्र आत्मा की ओड़ तै सै। 21 वो बेटा जाम्येगी अर तू उसका नाम यीशु धरिये, क्यूँके वो अपणे माणसां का उनके पापां तै उद्धार करैगा।” 22 वो सारा इस खात्तर होया के जो वचन प्रभु नै यशायाह नबी के जरिये कहा था, वो पूरा हो 23 देख्खो एक कुँवारी गर्भवती होगी अर एक छोरा जण्येगी, अर उसका नाम इम्मानुएल धरया जावैगा, जिसका मतलब सै “परमेसवर म्हारे गैल सै।” 24 फेर यूसुफ नीद तै जाग के परमेसवर के सुगंदूत के हुकम के मुताबिक मरियम नै अपणी घरआळी बनाके अपणे याड़े ले आया। 25 अर जिन ताहीं उसनै छोरा ना जणया जिन तक यूसुफ उसके धोरे न्ही गया अर उसनै बाळक का नाम यीशु धरया।

2 हेरोदेस राजा जिन यहूदिया परदेस पै राज करण लागरया था, तो उस परदेस के बैतलहम नगर म्ह यीशु का जन्म होया। तो थोड़े बखत बाद कई विद्वान जो तारां का ज्ञान राक्खै थे, पूरब तै यरुशलम नगर म्ह आये। 2 वो आके बुड़झण लाग्गे, यहूदियाँ का राजा जिसका जन्म होया सै, वो किन्त सै? हमनै पूरब दिशा म्ह उसका तारा देख्खा सै, जो उसके जन्म के

बारे म्ह बतावै सै, इस करके हम उसकी आराधना करण आये सां। 3 यो सुणके हेरोदेस राजा अर उसके गैल यरुशलम नगर के सारे लोग चिन्ता करण लाग्गे। 4 फेर उसनै माणसां के सारे प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ ताहीं कठ्ठा करके उनतै बुड़झया, के पवित्र ग्रन्थ के कहवै सै? “मसीह का जन्म किन्त होणा चाहिये?” 5 उननै उस ताहीं कहा, “यहूदिया परदेस के बैतलहम नगर म्ह,” क्यूँके नबियाँ कै जरिये योए पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या गया सै: 6 “हे बैतलहम नगर, तू जो यहूदा कै परदेस म्ह सै, तू किसे भी ढाळ तै यहूदा के अधिकारियां म्ह सारा तै छोटा कोन्या। क्यूँके तेरे म्ह तै एक राजा लिकड़ैगा, जो मेरी प्रजा इस्राएल की रुखाळी करेगा।” 7 हेरोदेस जाणणा चाहवै था के उस बाळक की उम्र किन्तनी सै, इस करके उसनै तारां का ज्ञान राक्खण आळा ताहीं लुट्ठ्या बुलाके उनतै बुड़झया के तारा ठीक किस बखत दिख्या था। 8 अर राजा नै यो कहके उन ताहीं बैतलहम नगर भेज्जा, “जाओ, उस बाळक के बारे म्ह ठीक-ठाक बेरा पाड़ो, अर जिन वो मिल ज्या तो मन्ने खबर द्यो, ताके मै भी आणके उसकी आराधना करूँ।” 9 वे राजा की बात सुणके चले गए, अर जो तारा उननै पूरब दिशा म्ह देख्खा था, वो उनके आग्गे-आग्गे चाल्या। अर जइँ बाळक था, उस घर के उपर जाके रुक गया। 10 उस तारे नै देखके वे घणे आनन्दित होए, जो उस घर के उपर रुक गया था। 11 उननै उस घर म्ह जाके उस बाळक ताहीं उसकी माँ मरियम के गैल देख्खा, अर झुकके बाळक की आराधना करी, अर अपणा-अपणा झोळा खोल के उस ताहीं सोन्ना, लोबान, अर गन्धरस की भेट चढ़ाई। 12 फेर सपनै म्ह परमेसवर नै या चेतावनी दी के हेरोदेस राजा के धोरे फेर ना जाइयो, वे राजा ताहीं बिना बताये दुसरे राह तै अपणे देश म्ह चले गये। 13 विद्वानां के चले जाणके बाद परमेसवर के एक सुगंदूत नै सपनै म्ह आके यूसुफ तै कहा, “उठ! उस बाळक नै अर उसकी माँ नै लेके मिस देश म्ह भाग ज्या। अर जिन ताहीं मै तेरे तै ना करूँ, जिन ताहीं ओड़ै रहिये। क्यूँके हेरोदेस राजा इस बाळक नै टोहके उस ताहीं उसनै मरवाणा चाहवै सै।” 14 फेर वो रात नै ए उठके बाळक अर उसकी माँ नै लेके मिस देश नै चाल पड्या। 15 अर हेरोदेस राजा कै मरण तक ओड़ै रह्या। ताके वो वचन जो प्रभु नै होशे नबी के जरिये कहा था वो पूरा हो “मन्ने अपणे बेटे ताहीं मिस देश तै बुलाया।” 16 जिन हेरोदेस राजा नै यो देख्खा, के विद्वानां नै उसके गैल थोक्खा करया सै, फेर वो छो म्ह भरगया। उसनै सैनिकां ताहीं भेजके विद्वानां के जरिये ठीक-ठाक बताये होइ बखत के मुताबिक बैतलहम नगर अर उसके लोवे-धोवे की जगहाँया के सारे छोरयां ताहीं जो दो साल के या उसतै छोटे थे, वे सब मरवा दिए। 17 फेर जो वचन यिर्मयाह नबी के जरिये कहा गया था, वो पूरा होया, 18 “रामाह नगर म्ह एक रोण की आवाज सुणाई देई, रोणा अर घणाए बिलाप। राहेल अपणे बाळकां के खात्तर रोवै थी, अर चुप न्ही होणा चाहवै थी, क्यूँके वे इब मरगे थे।” 19 हेरोदेस राजा कै मरण कै पाच्छे, परमेसवर का सुगंदूत मिस देश म्ह यूसुफ तै सपनै म्ह बोल्या, 20 “उठ, बाळक अर उसकी माँ नै लेके इस्राएल के देश म्ह चल्या ज्या, क्यूँके हेरोदेस राजा अर उसके माणस जो बाळक नै मारणा चाहवै थे, वे मर लिये सै।” 21 यूसुफ नीद तै जाजा, अर बाळक अर उसकी माँ नै गेल्या लेके इस्राएल देश म्ह बोहड़ आया। 22 पर या सुणके के अरखिलाउस अपणे पिता हेरोदेस राजा की जगहां यहूदिया परदेस पै राज करै सै, ओड़ै जाण तै डरगया। फेर सपनै म्ह परमेसवर की ओड़ तै चेतावनी पाके गलील परदेस म्ह चल्या गया। 23 अर नासरत नाम के नगर म्ह जा बस्या, ताके वो वचन पूरा हो, जो नबियाँ के जरिये यीशु के बारे कहा गया था: “वो नासरी कुहावैगा।”

3 उन दिनां म्ह यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा आके यहूदिया परदेस के जंगल-बियाबान म्ह यो प्रचार करण लाग्या: 2 “पाप करणा छोड़ द्यो, क्यूँके सुर्ग का राज्य धोरे आ लिया सै।” 3 यो वोए सै, जिसका जिक्र यशायाह नबी के जरिये करया गया: “जंगल-बियाबान म्ह तै ए कोए रुक्का देवै सै, के प्रभु का राह तैयार करो अर उसकी सड़क सीध्धी करो।” 4

यूहन्ना ऊँट के रूप के लत्ते पहरणीया अर अपणी कड़ म्ह चमड़े की पेटी-बाँधि रहवे था। उसका खाणपान टिट्टियाँ अर शहद था। 5 फेर यरुशलेम नगर अर सारे यहूदिया परदेस अर यरदन नदी के लोवे-धोवे की सारी जगहां के माणस उसकै धोरे आ ग्ये। 6 उन सारया नै अपने-अपणे पापां नै मानकै यरदन नदी म्ह उसतै बपतिस्मा लिया। 7 जिब उसनै घणे सारे फेरीसियाँ अर सद्कियाँ ताहीं अपने धोरे बपतिस्मा लेण खात्तर आन्दे देख्या, तो बोल्या, “हे साँप के सप्पोलों जिसे माणसों, थम नरक की सजा तै किस ढाळ बचोगे? (questioned) 8 इस खात्तर जै थमने सच म्ह पाप करणा छोड़ दिया सै तो यो दिखण खात्तर भले काम तो करो। 9 अर अपने-अपणे मन म्ह न्यू मतना सोच्यो के म्हारा पिता अब्राहम सै। क्यूँके मै थमने कहुँ सूँ के परमेसवर इन पत्थरां तै अब्राहम कै खात्तर उलाद पैदा कर सकै सै। 10 इब कुहाड़ा दरखतां की जड़ पै धरया सै, इस करके जो-जो दरखत बढ़िया फळ न्ही ल्यांदा, वो काट्या अर आग म्ह झोक्या जावैगा। इसका मतलब यो सै परमेसवर उन सारया नै दण्ड देवैगा जो पाप करणा न्ही छोड़ते। 11 “मै तो थमने पाणी तै, पापां ताहीं छोड़ण का बपतिस्मा देऊँ सूँ, पर जो मेरे पाछे आवैगा, वो मेरे तै भी शक्तिशाली सै। मै उसकी जूती ठाण जोगगा भी कोनी। 12 वो थमने पवित्र आत्मा अर आग तै बपतिस्मा देवैगा। 12 उसका छाज उसकै हाथ म्ह सै, अर वो अपना खलिहाण आच्छी तरियां साफ करेगा, अर अपने नाज नै अपने कोठार (गोदाम) म्ह कठ्ठा करेगा, पर भुरळी ताहीं उस आग म्ह जळावैगा जो कदे बुझै कोनी।” 13 उस बखत यीशु गलील परदेस तै यरदन नदी के कन्ठारे यूहन्ना के धोरे उसतै बपतिस्मा लेण आया। 14 पर या कहके यूहन्ना उसनै रोककण लाग्या, “कै मनै तो तेरे हाथ तै बपतिस्मा लेण की जरूरत सै, अर तू मेरे धोरे आया सै?” 15 यीशु नै उसतै जवाब दिया, “कै इब तो योए होण दे, क्यूँके हमनै इस्से तरियां तै सारी धार्मिकता पूरी करणा ठीक सै।” फेर उसनै उसकी बात मान ली। 16 अर यीशु बपतिस्मा लेके जिब पाणी तै उप्पर आया, अर अकास खुलग्या, अर उसनै परमेसवर की पवित्र आत्मा ताहीं कबूतर की तरियां उतरते अर अपने उप्पर आन्दे देख्या। 17 अर देख्यो, परमेसवर सुर्ग म्ह तै बोल्या, “कै यो मेरा प्यारा बेटा सै, जिसतै मै भोत घणा राज्जी सूँ।”

4 बपतिस्मे के बाद पवित्र आत्मा यीशु नै जंगल-बियाबान म्ह लेग्या, ताके शैतान उस ताहीं परखै। 2 वो चाळीस दिन अर चाळीस रात, बिना खाए पिए रह्या, फेर उसनै भूख लाग्गी। 3 फेर शैतान नै धोरे आणके उसतै कह्या, “जै तू परमेसवर का बेटा सै, तो कहके साबित करदे, के ये पत्थर रोटी बण जावै, ताके तू इननै खा सकै।” 4 यीशु नै जवाब दिया: “पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, ‘माणस सिर्फ रोटी तै ए न्ही, पर परमेसवर के हरेक वचन तै जो उसनै मान्ने सै, जिन्दा रहैगा।’” 5 फेर शैतान उसनै पवित्र नगर यरुशलेम म्ह लेग्या अर मन्दर की चोटी पै खड्या कर दिया। 6 अर उसतै बोल्या, “जै तू परमेसवर का बेटा सै, तो अपने-आपनै तळै गेर के साबित कर। क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: वो तेरे बाबत अपने सुर्गदूतां नै हुकम देगा, अर वे तन्ने हाथों हाथ उठा लेवैगें कदे इसा ना हो के तेरे पापां म्ह पत्थर तै ठेस लागै।” 7 यीशु नै उसतै कह्या, “यो भी पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, के ‘तू अपने प्रभु परमेसवर नै ना परख्ये।’” 8 फेर शैतान उसनै घणे ऊँचे पहाड़ पे लेग्या अर सारी दुनिया का राजपाट अर उसकी शानों-शोकत दिखाके, 9 उसतै बोल्या, “जै तू झुकके मेरी भगति करे, तो मै सारा किमे तन्ने दे दिवुँगा।” 10 फेर यीशु उसतै बोल्या, “हे शैतान दूर हो ज्या, पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: तू प्रभु अपने परमेसवर की भगति कर, अर सिर्फ उस्से की सेवा करया कर।” 11 फेर शैतान उसकै धोरे तै चल्या ग्या, अर देख्ये, सुर्गदूत आणके उसकी सेवा करण लागे। 12 जिब उसनै न्यू सुणया के यूहन्ना कैदी बणा लिया सै, तो वो यहूदिया परदेस तै लिंकड़के गलील परदेस म्ह चल्या ग्या। 13 अर फेर वो गलील परदेस के नासरत नगर नै छोड़के कफरनहूम नगर म्ह, जो गलील समुन्दर के किनारे था, कफरनहूम उस क्षेत्र म्ह गलील के समुन्दरी तट पै था, जइँ जबूलन अर नत्ताली के गोत्र के माणस रहवै

थे। 14 ताके जो यशायाह नबी कै जरिये कह्या गया था, वो पूरा हो 15 “जबूलन अर नत्ताली जाति के परदेस, गलील समुन्दर के किनारे यरदन नदी के पार, गलील परदेस म्ह रहण आळे गैर यहूदी माणस” 16 “जो माणस अन्धकार म्ह जीण लागरे थे, उननै तेज चान्दणा देख्या। वे उस जगहां म्ह जीण लागरे थे, जित्त हर घड़ी मौत का खतरा था, उनपै चान्दणा चमक्या।” 17 उस बखत तै यीशु नै प्रचार करणा अर कहणा शरु करया, “पाप करणा छोड़ दो, क्यूँके सुर्ग का राज्य धोरे आया सै।” 18 गलील परदेस म्ह गलील समुन्दर के किनारे घूमदे होए उसनै दो भाईयाँ ताहीं शमोन जो पतरस कुहावे सै, अर उसके भाई अन्द्रियास ताहीं समुन्दर म्ह जाळ गेरते देख्या, क्यूँके वे मछवारे थे। 19 यीशु नै उनते कह्या, “मेरे पाछे आओ, मै थमने माणसां ताहीं कठ्ठे करण आळे बणाऊँगा ताके वो मेरे चेल्लें बणे।” 20 वे जिब्बे जाळां नै छोड़के उसके चेल्लें बणण खात्तर उसकै पाछे हो लिये। 21 ओड़ तै आगै चालके, यीशु नै दो और भाईयाँ ताहीं यानी जब्दी के बेटे याकूब अर उसके भाई यूहन्ना ताहीं देख्या। वे अपने पिता जब्दी के गैल किस्ती पै अपने जाळां ताहीं ठीक करे थे। यीशु नै उन ताहीं भी बुला लिया। 22 वे जिब्बे किस्ती अर अपने पिता नै छोड़के उसके चेल्लें बणण खात्तर उसकै पाछे हो लिये। 23 यीशु सारे गलील परदेस म्ह फिरता होया उनकै आराधनालयाँ म्ह उपदेश सुणान्दा, अर राज्य का सुसमाचार सुणान्दा अर माणसां की हरेक ढाळ की बीमारी अर कमजोरियाँ नै दूर करदा रह्या। 24 अर सारे सीरिया परदेस म्ह उसका यश फैलग्या, अर माणस सारे बिमारां नै, जो कई ढाळ की बिमारियाँ अर दुखां तै जकड़े होए थे, जिन म्ह भुंडी आत्मा थी, अर मिर्घी आळे अर लकवे के रोगी नै उसके धोरे ल्याए उसनै उन ताहीं ठीक करया। 25 अर गलील परदेस, दिकापुलिस नगर, यरुशलेम नगर, यहूदिया परदेस अर यरदन नदी के पार तै भीड़ की भीड़ उसके पाछे हो ली

5 यीशु उस भीड़ नै देखके पहाड़ पै चला ग्या, अर जब बैठग्या तो उसके चेल्लें उसके धोरे आए। 2 अर वो अपनी ऊँची आवाज म्ह उननै या शिक्षा देण लाग्या: 3 “धन्य सै वे, जो या जाणे सै के उननै परमेसवर की जरूरत सै, क्यूँके सुर्ग का राज्य उननै का सै। 4 धन्य सै वे, जो शोक करे सै, क्यूँके वे परमेसवर तै शांति पावैगें। 5 धन्य सै वे, जो नम्र सै, क्यूँके वे परमेसवर के जरिये धरती के हकदार होंगे। 6 धन्य सै वे, जो धार्मिकता का जीवन जीण खात्तर भूखे अर तिसाए सै, क्यूँके वे परमेसवर के जरिये छिकाए जावैगें। 7 धन्य सै वे, जो दया करण आळे सै, क्यूँके परमेसवर भी उनपै दया करेगा। 8 धन्य सै वे, जिनके मन शुद्ध सै, क्यूँके वे परमेसवर नै देखैगें। 9 धन्य सै वे, जो मेल करण आळे सै, क्यूँके वे परमेसवर के बेटा-बेट्टी कुहावैगें। 10 धन्य सै वे, जो धार्मिकता के कारण सताए जावे सै, क्यूँके सुर्ग का राज्य उन्हे का सै।” 11 “धन्य सों थम, जिब माणस मेरे कारण थारी बुराई करे सतावे अर झूठ बोल-बोलके थारे बिरोध म्ह सारी तरियां की बुरी बात फैलावे, क्यूँके थम मेरे चेल्लें सों। 12 फेर खुश अर मग्न होइयो, क्यूँके थारे खात्तर सुर्ग म्ह बड़ड़ा ईनाम सै। इस करके के उननै उन नबियाँ ताहीं भी इस्से ढाळ सताया था, जो थारे तै भी भोत पैहल्या थे।” 13 “थम धरती पै लोग्गां खात्तर नूण की तरियां सों, पर जै नूण का सुवाद जान्दा रहवै, तो वो किस चीज तै नमकीन करया जावैगा? फेर वो किसे काम का न्ही, सिर्फ इसकै के बाहर फेक्या ज्या अर माणसां के पैरां तळै चिकल्या ज्या।” 14 “थम दुनिया के लोग्गां खात्तर चाँदणा की तरियां सों। जो नगर पहाड़ पै बस रह्या सै वो लुत्क न्ही सकदा। 15 अर माणस दीवा जळा कै बरतन कै तळै न्ही पर टांडी पै धरे सै, फेर उसतै घर के सारे माणसां ताहीं चान्दणा ज्या सै। 16 उस्से तरियां थारा चान्दणा माणसां के स्याम्ही चमके के वे थारे भले काम्मां नै देखके थारे पिता की, जो सुर्ग म्ह सै बड़ाई करे।” 17 “या ना समझो, के मै मूसा के नियम-कायदा या नबियाँ के लेख नै मिटाण आया सूँ, मिटाण न्ही, पर पूरा करण आया सूँ। 18 क्यूँके मै थमनै सच कहुँ सूँ, के जब ताहीं धरती अर अकास सै, जद ताहीं नियम-कायदा म्ह लिखी हरेक छोटी तै छोटी बात पूरी होए बिना न्ही रहवैगी। 19 इस करके जो कोए इन छोटे तै

छोट्टे हुकम म्ह ते किसे एक नै भी न्ही मानता, अर दुसरे माणसां नै भी उसाए सिखावे, वो सुर्ग के राज्य म्ह सारा ते छोटा कुहावेगा, पर जो कोए उन सारे हुकमां पै चाल्लेगा अर उनने सिखावेगा, वोए सुर्ग राज्य म्ह महान् कुहावेगा। 20 क्यूँके मै थमने कहुँ सूँ, के जै थारा आत्मिक जीवन शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ के आत्मिक जीवन ते बढ़के न्ही हो, तो थम सुर्ग के राज्य म्ह कदे बड़ न्ही पाओगे।” 21 “थमने सुणया होगा, के थारे पूर्वजां ते कह्या, गया था के ‘खुन ना करियो’, अर ‘जो कोए खुन करेगा वो कचेह्डी म्ह दण्ड के लायक होगा।” 22 पर मै थमने या कहुँ सूँ, के जो कोए अपणे भाई पै गुस्ता करेगा, वो कचेह्डी म्ह दण्ड के लायक होगा, अर जो कोए अपणे भाई नै निकम्मा कहवेगा वो बड्डी सभा म्ह दण्ड के लायक होगा, अर जो कोए कहवे ‘अरे बेकूक’ वो नरक की आग के दण्ड के लायक होगा।” (Geenna g1067)

23 “इस करके जै तू अपना चढ़ावा मन्दर म्ह वेदी पै चढ़ावे, अर ओड़े तू याद करे, के तेरे भाई के मन म्ह तेरे खात्तर किमे बिरोध सै, 24 तो तू अपना चढ़ावा ओड़े वेदी के धारे छोड़े, अर ज्याके अपणे भाई तै मेळ-मिलाप कर अर फेर आके अपना चढ़ावा चढ़ा।” 25 “जिब तक तू अपणे बैरी के गेल्या राह म्ह सै, तो उसते जिब्बे मेळ-मिलाप करले, कदे इसा ना हो के बैरी तन्ने न्यायाधीश के हवालै, अर न्यायाधीश तन्ने सिपाही के हवालै करदे, अर तू जेळ म्ह गेर दिया जावे। 26 मै तन्ने सच कहुँ सूँ के जिब ताहीं तू पाई-पाई न्ही भरदे जद ताहीं जेळ ते छुटण न्ही पावैगा।” 27 “थमने परमेसवर का हुकम सुणया होगा के कह्या गया था, ‘जारी ना करियो।’ 28 पर मै थमने न्यू कहुँ सूँ, के जो कोए किसे बिरबानी पै भूँडी निगांह गेरे वो अपणे मन म्ह उसते जारी करग्या। 29 जै तेरी सोळी आँख तेरे तै पाप करवावे सै, तो उसने लिकाड के फेंक दे, क्यूँके तेरे खात्तर योए ठीक सै के तेरे अंगा म्ह तै एक नाश हो ज्या अर तेरी सारी देह नरक म्ह ना गेरी जावे। (Geenna g1067) 30 जै तेरा सोळा हाथ तेरे तै पाप करवावे सै, तो उसने काट के फेंक दे, क्यूँके तेरे खात्तर योए आच्छा सै के तेरे बाक्की अंगा म्ह तै एक नाश हो जावे अर तेरी सारी देह नरक म्ह न्ही गेरी जावे।” (Geenna g1067) 31 “यो भी कह्या गया था, ‘जो कोए अपनी घरआळी नै तलाक देणा चाहवे, तो उसने तलाकनामा दे।’ 32 पर मै थमने यो कहुँ सूँ के जो कोए अपनी घरआळी नै जारी कै सिवा किसे और कारण तै तलाक दे, तो वो उसते जारी करवावे सै। अर जो कोए उस छोटी होई तै ब्याह करे, वो जारी करे सै।” 33 “फेर थमने सुणया होगा के थारे पूर्वजां तै कह्या गया था, ‘झुठी कसम ना खाईयो’, पर प्रभु के खात्तर अपनी कसम नै पूरी करियो।” 34 पर मै थमने या कहुँ सूँ के कदे कसम ना खाईयो, ना तो सुर्ग की, क्यूँके वो परमेसवर का सिंहासन सै। 35 ना धरती की, क्यूँके वा उसके पैरां की पिट्टी सै, ना यरुशलम नगर की, क्यूँके वो महाराजा का नगर सै। 36 अपणे सिर की भी कसम ना खाईयो क्यूँके तू एक बाळ नै भी ना तो धोळा, अर ना काळा कर सके सै। 37 पर थारी बात ‘हाँ’ की हाँ, या ‘ना’ की ना हो, क्यूँके जो किमे इसते घणा होवे सै वो शैतान की ओड़ तै होवे सै।” 38 “थमने नियम-कायदा म्ह सुणया होगा के कह्या था, आँख के बदले आँख, अर दाँत के बदले दाँत। 39 पर मै थमने कहुँ सूँ के बुरे माणस तै झगडा मोल ना लियो, पर जो कोए तेरे सोळे गाल पै थप्पड़ मारे उस कान्ही दुसरा भी फेर दे। 40 जै कोए तेरे पै दाब देके तेरा कुड़ता लेणा चाहवे, तो उसने अंगोच्छा भी दे दे। 41 जै कोए अधिकारी तन्ने एक कोस मुफ्त म्ह ले जावे, तो उसके गेल्या दो कोस चल्या ज्या। 42 जो कोए तेरे तै माँग, उसने दे, अर जो कोए तेरे तै उधार लेणा चाहवे, उसते मुँह ना मोड़।” 43 “थमने नियम-कायदा म्ह सुणया होगा के कह्या गया था, अपणे पड़ोसी तै प्यार राखिये, अर अपणे बैरी तै बैर। 44 पर मै थमने कहुँ सूँ के अपणे बैरियाँ तै प्यार राख्यों अर अपणे सतावण आळे के खात्तर प्रार्थना करो, 45 जिसते थम अपणे सुर्गीय पिता की सिध्द ऊलाद मान्ने जाओगे। क्यूँके वो भले अर बुरे लोगां पै अपना सूरज उगाया करे सै, अर धर्मी अर अधर्मी लोगां पै मिह बरसावे सै। 46 क्यूँके जै थम अपणे प्यार करण आळा तै ए प्यार करो सों, तो कौण सा बडा काम करो सों? के चुंगी लेण आळे भी इसाए न्ही करदे? 47 जै थम अपणे भाईयाँ नै ए नमस्क

करो, तो कौणसा बड़डा काम करो सों? के गैर यहूदी भी इसाए न्ही करदे? 48 इस करके जरूरी सै के थम भी सिध्द बणो, जिंसा थारा सुर्गीय पिता सिध्द सै।”

6 “चौकस रहो! थम माणसां नै दिखण के खात्तर धर्म के काम ना करो, न्ही तो अपणे सुर्गीय पिता तै कुछ भी ईनाम न्ही पाओगे।” 2 “इस करके जिब तू दान करे, तो अपणे आंगे डिंडोरा ना पिटवाईये, जिंसा कपटी, आराधनालयाँ अर गळियाँ म्ह करे सै, ताके माणस उनकी बड़ाई करे। मै थारे ताहीं साच्ची कहुँ सूँ के उनने अपना ईनाम माणसां की बड़ाई के रूप म्ह पा लिया। 3 पर जिब तू दान करे, तो उसका किसे और नै बेरा न्ही पाटणा चाहिए। 4 ताके तेरा दान छिप्या रहवे, अर जिब तेरा पिता जो गुप्त म्ह देखे सै, तन्ने ईनाम देवेगा।” 5 “जिब तू प्रार्थना करे, तो कपटियाँ के तरियां ना हो, क्यूँके माणसां नै दिखण खात्तर आराधनालयाँ म्ह अर सड़कां के मोड़ां पै खंडे होके प्रार्थना करणा उनने आच्छा लागे सै। मै थमने साच्ची कहुँ सूँ के उनने अपना ईनाम माणसां की बड़ाई के रूप म्ह पा लिया। 6 पर जिब तू प्रार्थना करे, तो अपनी कोठड़ी म्ह जा, अर किवाड बन्द करके अपणे पिता तै, जो गुप्त म्ह सै उसते प्रार्थना कर। जद तेरा पिता, जो तेरे लुत्क कै करे होए काम्मां नै देखे सै, तो तन्ने उनका ईनाम देवेगा। 7 प्रार्थना करदे बखत दुसरी जात्तां की तरियां बडबडाइये ना, क्यूँके वे समझे सै के उनके एक बात के बार-बार बोल्लण तै उनकी सुणी जावैगी। 8 इस करके थम उनकी तरियां ना बणो, क्यूँके थारा पिता थारे माँगण तै पैहल्याए जाणे सै के थारी के-के जरूरत सै। 9 इस करके थम इस तरियां तै प्रार्थना करया करो ‘हे म्हारे पिता, तू जो सुर्ग म्ह सै, तेरा नाम पवित्र मान्या जावे।’ 10 ‘तेरा राज्य आवे। तेरी इच्छा जिंसी सुर्ग म्ह पूरी होवे सै, उसी धरती पै भी हो।’ 11 ‘म्हारे दिन भर की रोटी आज हमने दे।’ 12 ‘अर जिंसा तरियां हमने अपणे कसूरवारां ताहीं माफ करया सै, उससे तरियां तू भी म्हारे कसूरं नै माफ करदे।’ 13 ‘अर म्हारे ताहीं परखे ना, पर बुराई तै बचा, (क्यूँके राज्य, वीरता अर महिमा सदा तेरे ए सै।’ आमीन।) 14 “इस करके जै थम माणसां के कसूर माफ करोगे, तो थारा सुर्गीय पिता भी थमने माफ करेगा। 15 अर जै थम माणसां के कसूरं नै माफ न्ही करोगे, तो थारा पिता भी थारे कसूर माफ न्ही करेगा।” 16 “जिब थम ब्रत करो, तो कपटियाँ की तरियां थारे मुँह पै उदासी छाई ना रहवे, क्यूँके वे अपना मुँह बणाई राखे सै, ताके माणस उनने ब्रती जाणै। मै थमने साच्ची कहुँ सूँ के वे अपना ईनाम माणसां की बड़ाई के रूप म्ह पा चुके। 17 पर जिब तू ब्रत करे तो अपणे सिर पै तेल लगा अर मुँह धो, 18 ताके माणस न्ही पर तेरा पिता तन्ने ब्रती जाणै। तेरा पिता जो तेरे उस गुप्त म्ह करे होए ब्रत नै देखे सै, तो तन्ने उनका ईनाम देगा।” 19 “अपणे खात्तर धरती पै धन कट्टा ना करो, जडै कीडा अर काई नाश करे सै, अर जडै चोर सेंध लगावे अर चोरे सै। 20 पर अपणे खात्तर सुर्ग म्ह धन कट्टा करो, जडै ना तो कीडा अर ना काई नाश करे सै, अर जडै चोर ना सेंध लगावे अर ना चोरे सै। 21 क्यूँके जडे तेरा धन सै उडे तेरा मन भी लाग्या रहवेगा।” 22 “देह का दीवा आँख सै इस करके जै तेरी नजर सही सै तो तेरी सारी देह भी चाँदणे म्ह सै। 23 पर जै तेरी नजर खराब सै तो तेरी सारी देह भी अन्धेरे म्ह सै, इस कारण जो तू सोचवे सै के मै चाँदणे म्ह सूँ, पर वो अन्धेरा हो, तो सोचके देख वो अन्धेरा कितना बड़डा होगा!” 24 “कोए माणस दो मालिकां की सेवा एक बखत पै न्ही कर सकदा, क्यूँके वो एक तै बैर अर दुसरे तै प्यार राखेगा, या एक तै मिल्या रहवेगा अर दुसरे नै छोटा जाणैगा। थम परमेसवर अर धन दोनुआ की सेवा न्ही कर सकदे। 25 “इस करके मै थमने कहुँ सूँ के अपणे जीवन के खात्तर या चिंता ना करियो के हम के खावांगें अर के पीवांगें, अर ना अपनी देह के खात्तर के पैहरांगें। के जीवन खाणे तै, के देह लत्यां तै बढ़के कोन्या? 26 अकास के पंछियाँ नै देखीं! वे ना बोवे सै, ना काटे सै, अर ना कुठले (गोदाम) म्ह कट्टा करे सै, फेर भी थारा सुर्गीय पिता उन ताहीं खुवावे सै। के थम पंछियाँ तै घणे कीमती कोनी? 27 थारे म्ह कौण सै, जो चिंता करके अपनी उग्र म्ह एक पल

भी बढ़ा सके सै?" 28 "अर लत्यां के खातर क्यूँ चिंता करो सों? जंगली फूल्लों पै ध्यान करो के वे किस तरियां बढ़े सै, वे ना तो मेहनत करे सै, ना लतें बणावे सै। 29 तोभी मै थारे तै कहूँ सूँ के राजा सुलेमान भी, अपने सारे शानों-शोकत म्ह उन म्ह तै किसे के समान लते पैहरे होए कोनी था। 30 इस करके जिब परमेसवर मैदान की घास नै इसी सुन्दरता देवे सै, जो आज सै अर काल बाड़ म्ह झोक्की जावैगी, तो हे बिश्वास म्ह कमजोर माणसों, वो थारी चिन्ता क्यूँ न्ही करैगा?" 31 "इस करके थम चिंता करके न्यू ना कहियो के हम के खावांगें, या के पीवांगें, या के पैहरांगें? 32 क्यूँके गैर यहूदी इन सारी चिज्जां की टोह म्ह रहवे सै, पर थारा सुर्गीय पिता जाणै सै के थमनै इन सारी चिज्जां की जरूरत सै, इस करके चिन्ता ना करो। 33 इस करके पैहल्या थम परमेसवर के राज्य की खोज करो अर पवित्र जीवन जिओ, तो ये सारी चीज भी थमनै अपने-आप मिल ज्यागीं। 34 इस करके काल की चिंता ना करो, क्यूँके काल का दिन अपनी चिंता आप कर लेवैगा, आज कै खातर आज का ए दुख भतेरा सै।"

7 "दुसरयां पै दोष ना लाओ न्ही तो लोग थारे पै भी दोष लगावेंगे। 2 क्यूँके जिस तरियां थम दुसरयां पै दोष लगाओ सों, उस्से तरियां परमेसवर भी थारे पै दोष लगावैगा, जिस तरियां तै थम दुसरयां का न्याय करो सों, उस्से तरियां थारा भी न्याय करया जावैगा।" 3 "तू क्यूँ अपने भाई की आँख कै तिन्के जिसी छोट्टी सी बुराई नै देखे सै, अर अपनी आँख म्ह लठ जिसी बड़ी बुराई तन्नै कोनी दिखदी?" 4 जिब तेरी-ए आँख म्ह लठ सै, तो तू अपने भाई तै किस तरियां कहवे सै, "ल्या मै तेरी आँख तै तिन्का लिकाड़ द्यु।" 5 इस करके हे कपटी, पैहल्या अपने जीवन की बड़ी बुराई नै दूर कर फेर तू अपने भाई नै आच्छी दाऊँ बुराई तै बचा सकेगा। 6 "उन माणसां ताहीं परमेसवर का वचन ना सुणाओ जो उस ताहीं सुणाणा न्ही चाहन्दे। जै तू इसा करे सै तो पवित्र चीज कुत्याँ के आगै अर मोत्ती सूअरां के आगै फेक्कण की ढाळ होगा, इसा न्ही हो के वे उननै पैरां तळै चिकलै अर उल्टके थमनै पाडले।" 7 "परमेसवर तै माँगो, तो वो थमनै देवैगा, टोक्लेंगे तो थम पाओगे, खटखटाओ, तो थारे खातर खोल्या जावैगा। 8 क्यूँके जो कोए माँगै सै, उसनै मिले सै, अर जो टोहँ सै, वो पावे सै, अर जो खटखटावे सै, उसके खातर खोल्या जावैगा।" 9 "थारे म्ह तै इसा कौण माणस सै, के जै उसका बेट्टा रोटी माँगै, तो वो उसनै पत्थर देवे? 10 या मच्छी माँगै, तो उसनै साँप देवे? 11 इस करके जिब थम बुरे होके, अपने बाळकां नै आच्छी चीज देणा जाणो सों, तो थारा सुर्गीय पिता अपने माँगण आळा नै आच्छी चीज क्यूँ न्ही देवैगा? 12 इस कारण जो किमे थम चाहो सों के माणस थारे गेल्या करे, थम भी उनके गेल्या उसाए करो, क्यूँके नियम-कायदे अर नबियाँ की शिक्षा याए सै।" 13 "थम परमेसवर के राज्य म्ह भीड़ै फाटक तै ए दाखल हो सको सों, क्यूँके चौड़ा सै वो फाटक अर सीध्या सै वो रास्ता जो नाश नै पोहच्ये सै, अर घणोए सै जो उस म्ह दाखल होवे सै। 14 क्यूँके भीड़ा सै वो फाटक अर मुश्किल सै वो राह जो अनन्त जीवन की ओड़ पुत्वावे सै, अर भोत थोड़े सै वे लोग जो उसनै पावे सै।" 15 "झूठे नबियाँ तै चौक्कस रहो, जो भेड्डां के भेष म्ह थारे धारे आवे सै, पर भितर तै वे पाडण आळे भेड्डिये सै। 16 उनके काम्मां तै ए थम उन ताहीं पिच्छण ल्योगे। के माणस झाड़ियाँ तै अंगूर, या झाड़ जोझड़े तै अंजीर तोड़े सै? 17 इस तरियां हरेक आच्छा दरखत आच्छा फळ ल्यावे सै अर निकम्मा दरखत बुरा फळ ल्यावे सै। 18 आच्छा दरखत बुरा फळ न्ही ल्या सकदा, अर ना निकम्मा दरखत आच्छा फळ ल्या सके सै। 19 जो-जो दरखत आच्छा फळ न्ही ल्यान्दा, वो काट्या अर आग म्ह गेरया ज्या सै, उस्से तरियां झूठे नबियाँ के गैल भी इसाए होवैगा। 20 झूठे नबियाँ नै उनके काम्मां तै थम उन ताहीं पिच्छण ल्योगे।" 21 "जो मैरे तै, 'हे प्रभु! हे प्रभु!' कहवे सै, उन म्ह तै हर एक सुर्ग के राज्य म्ह दाखल न्ही होगा, पर वोए दाखल होगा जो मैरे सुर्गीय पिता की मर्जी पै चाल्ले सै। 22 न्याय के दिन घणखरे-ए माणस मैरे तै कहवेंगे, 'हे प्रभु, हे प्रभु, के हमनै तेरे नाम तै भविष्यवाणी न्ही करी, के

हमनै तेरे नाम तै ओपरी आत्मायाँ ताहीं न्ही लिकाड्या, अर तेरे नाम तै घणोए अचम्भे के काम न्ही करे?" 23 फेर मै उनतै खुलके कह दिव्यो, मन्नै थारे ताहीं कदे न्ही अपणाया। हे भुन्डे काम करण आळो, मैरे धारे तै चले जाओ।" 24 "इस करके जो कोए मेरी इन बात्तां नै सुणके उननै मान्ने सै, वो उस अकलमद माणस की ढाळ होगा जिसनै अपने घर की नीम चट्टान पै धरी। 25 अर मिह बरसया, बाढ़ आयी, आँधी आई, अर उस घर तै टकराई, फेर भी वो कोनी गिरया, क्यूँके उसकी नीम चट्टान पै धरी गयी थी। 26 पर जो कोए मेरी ये बात सुणै सै अर उनपै न्ही चाल्दा, वो उस बेकूफ माणस की ढाळ सै, जिसनै अपने घर की नीम बाळूरत पै धरी। 27 अर मिह बरसया, बाढ़ आयी, आँधी चाल्ली, अर उस घर तै टकराई अर पड़के उसका सत्यानाश होगया।" 28 जिब यीशु नै ये बात कह ली, तो इसा होया के भीड़ उसके उपदेश तै हैरान होगी, 29 क्यूँके वो उन ताहीं शास्त्रियाँ की तरियां न्ही पर अधिकार कै गैल उननै उपदेश देवा।

8 जिब यीशु उस पहाड़ तै उतरा, तो एक बड्डी भीड़ उसके पाच्छे हो ली। 2 अर, एक कोढ़ी नै धारे आके उस ताहीं नमस्कार करया अर कहा, "हे प्रभु, जै तू चाहवे, तो मन्नै ठीक कर सके सै।" 3 यीशु नै हाथ बढ़ाके उस ताहीं छुआ, अर कहा, "मै चाहूँ सूँ, के तू इस बीमारी तै ठीक हो ज्या।" अर वो जिब्बे कोढ़ तै ठीक होगया। 4 यीशु नै उसतै कहा, "देख किसे तै ना कहिये, पर जाके अपने-आपने याजक ताहीं दिख अर अपने कोढ़ तै ठीक होण के बारे म्ह जो कुछ मूसा नबी नै जो पवित्र ग्रन्थ म्ह चढ़ावा बताया सै उसनै चढ़ा, के माणसां खातर या गवाही हो, के तू ठीक होया सै।" 5 जिब यीशु कफरनहूम नगर म्ह आया तो एक सूबेदार नै धारे आके उसतै बिनती करी, 6 "हे प्रभु, मेरा नौक्कर लकवे के रोग तै घणा दुखी होरया सै।" 7 यीशु नै उस ताहीं कहा, "मै आके उसनै ठीक करूँगा।" 8 सूबेदार नै जवाब दिया, "हे प्रभु, मै इस लायक कोनी के तू मेरे घरां आवे, पर सिर्फ मुँह तै कह दे तो मेरा नौक्कर ठीक हो ज्यागा। 9 क्यूँके मै जाणु सूँ, के मै भी किसी के आदेशां का पालन करूँ सूँ, अर सिपाही मैरे आदेशां का पालन करे सै। जिब मै एक तै कहूँ सूँ, जा, तो वो जावे सै, अर दुसरे तै कहूँ, आ, तो वो आवे सै, अर अपने नौक्कर तै कहूँ सूँ, यो कर, तो वो करे सै।" 10 यो सुणके यीशु के अचम्भा होया, अर जो लोग उसके पाच्छे आवे थे उनतै कहा, "मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ के मन्नै इसाएल देश म्ह भी इसा बिश्वास न्ही देखा, जिसा इस सूबेदार का सै। 11 अर मै थमनै कहूँ सूँ के पूरब अर पच्छिम तै घणोए गैर यहूदी आवेंगे अर भोज म्ह अब्राहम अर इसहाक अर याकूब के गेल्या सुर्ग के राज्य म्ह वेदेंगे। 12 पर राज्य की ऊलाद (यहूदी लोग) बाहर अन्धरे म्ह गरे दिये जावेंगे उड़े रोणा अर दाँत पिसणा होगा।" 13 जिब यीशु नै सूबेदार तै कहा, "घर चला जा, जिसा तेरा बिश्वास सै, उसाए तेरे खातर होगा।" अर उसका नौक्कर उस्से बखत ठीक होगया। 14 यीशु जिब पतरस के घरां आया, तो उसनै उसकी सास्सु ताहीं बुखार म्ह पड्या देखा। 15 उसनै उसका हाथ पकड्या अर उसका बुखार उतर गया, अर वा उठके उसकी सेवा-पाणी लिंगा लागी। 16 जिब साँझ होई फेर माणस उसके धारे घणोए माणसां नै ल्याए जिन म्ह ओपरी आत्मा थी अर यीशु नै उन आत्मायाँ ताहीं अपने वचन तै लिकाड़ दिया, अर सारे बिमारां ताहीं ठीक कर दिया। 17 ताके जो वचन यशायाह नबी के जरिये कहा गया था वो पूरा हो "उसनै खुद ए म्हारी कमजोरी ले ली अर म्हारी बीमारी उठा ली।" 18 यीशु नै जिब अपने चौगरदू एक भीड़ देखखी तो अपने चेल्यां ताहीं गलील समुन्दर के परली ओड़ जाण का हुकम दिया। 19 यीशु अर उसके चेल्लें किस्ती की ओड़ जाण लागे थे, तो एक शास्त्री नै धारे आके उसतै कहा, "हे गुरु, जड़े किते तू जावैगा, मै तेरे पाच्छे हो ल्यूँगा, क्यूँके मै तेरा चेल्ला बणणा चाहूँ सूँ।" 20 यीशु नै उसतै कहा, "लोमडियाँ की घुरखाण अर अकास के पछियाँ के बसेरे हो सै, पर मुझ माणस के बेट्टे खातर सिर छिपाण की भी जगहां कोनी सै।" 21 एक और चेल्लै नै उसतै कहा, "हे प्रभु, पैहले मन्नै घर जाणदे, मै अपने पिता के मरण के बाद उस ताहीं दफना के आऊँगा,

फेर तेरा चेल्ला बणुगौं।” 22 यीशु नै उसते कह्या, “तू मेरै पाच्छे हो ले, अर मेरा चेल्ला बण जा अर जो आत्मिक रूप तै मर चुके सै, उनै मुदं दफणण दे।” 23 जिव यीशु किस्ती पै चढ्या, तो उसके चेल्लें उसके पाच्छे हो लिया। 24 अर देखखो, समुन्दर म्ह एक इसा बड़्डा अन्धोड उठ्या के किस्ती झाल्लें तै ढक्का लाग्गी, अर वो सोण लाग रहा था। 25 फेर चेल्यां नै धौरे आकै उस ताहीं जगया अर कह्या, “हे प्रभु, हमनै बचा, हम डूबके मरण आळे सां।” 26 यीशु नै उनते कह्या, “हे विश्वास म्ह कमजोर माणसां, क्यूँ डरो सों?” फेर उसने उठके आँधी अर पाणी ताहीं धमकाया, अर सब शान्त होग्या। 27 अर वे अचम्भा करके कहण लाग्ये, “यो किसा माणस सै के आँधी अर पाणी भी उसका हुकम मान्नै सै।” 28 जिव यीशु गलील समुन्दर के परली ओड गदरनियां के देश म्ह पुँह्या, तो दो माणस जिन म्ह ओपरी आत्मा थी कब्रिस्तान म्ह तै लिकड़के उसनै मिले। वे इतने डरावणे थे के कोए उस रास्ते तै जा नही सकै था। 29 दोनु माणसां नै किल्की मारकै कह्या, “हे परमेसवर के बेटे, म्हारा तेरे तै के काम? के तू बखत तै पैहल्या हमनै दुख देण आडै आया सै?” 30 उनतै थोड़ी सी दूर पै घणोए सूअरां का टोळ चरे था। 31 ओपरी आत्मायाँ नै उसते या कहके बिनती करी के, “जै तू हमनै लिकाड़े सै, तो सूअरां के टोळ म्ह भेजदे।” 32 उसनै उन ताहीं कह्या, “जाओ।” अर वे ज्या के सूअरां म्ह बैठगी अर देखखो, सारा टोळ ढळान पै तै झपटके पाणी म्ह ज्या पड्या, अर डूब मरया। 33 उनके पाळी भाज्ये, अर नगर म्ह जाकै ये सारी बात अर जिन म्ह ओपरी आत्मा थी उनका सारा हाल कह सुणाया। 34 फेर सारे नगर के माणस यीशु तै फेटण नै लिक्झाए, अर उस ताहीं देख के बिनती करी के म्हारी सीमा तै बाहर चल्या ज्या।

9 फेर यीशु किस्ती म्ह चढ़के उस पार गया, अर बोहड़के अपणे नगर म्ह आया। 2 अर देखखो, कई माणस लकवे के एक मरीज नै खाट पै लिटा के उसके धौरे ल्याए। यीशु नै उनका विश्वास देखके, उस लकवे के मरीज तै कह्या, “हे बेटे, धीर बाँध, मन्नै तेरे पाप माफ कर दियो।” 3 इसपै कई शास्त्रियाँ नै सोच्या, “यो तो परमेसवर की बुराई करै सै” 4 यीशु नै उनके मन की बात जाणके कह्या, “थम माणस अपणे-अपणे मन म्ह बुरा विचार क्यूँ आण देओ सों? 5 आसान के सै? यो कहणा, ‘तेरे पाप माफ होए’, या यो कहणा, ‘उठ अर हाँड-फिर।’ 6 पर इस करके के थम जाण ल्यो के मुझ माणस के बेटे नै धरती पै पाप माफ करण का हक सै।” फेर उसनै लकवे के मरीज तै कह्या, “उठ, अपणे बिस्तर ठाकै, अपणे घरां चल्या जा।” 7 वो उठके अपणे घरां चल्या गया। 8 माणस यो देखके डरगे अर परमेसवर की बड़ाई करण लाग्ये जिसनै माणस ताहीं इसा हक दिया सै। 9 ओडै तै आग्ये बड़ के यीशु नै मत्ती नाम के एक आदमी ताहीं चुंगी की चौकी पै बैठ्या देख्या, अर उसतै कह्या, “मेरा चेल्ला बणण खातर मेरै पाच्छे हो ले।” अर वो उठके उसके पाच्छे हो लिया। 10 जिव वो अर उसके चेल्लें मत्ती के घर म्ह खाणा खाण खातर बेटे तो भोत-से चुंगी लेण आळे अर जिननै लोग पापी कहवै सै वे आकै उनके गेल्या खाणा खाण बेटे। 11 या देखके फरीसियाँ नै उसके चेल्यां ताहीं कह्या, “थारा गुरु चुंगी लेण आळे अर पापी माणसां गेल्या क्यूँ खावै-पिवै सै?” 12 या सुणके यीशु नै उनतै कह्या, “वैद आच्छे-बिच्छ्यां खातर कोनी पर बिमारां खातर जरूरी सै। 13 इस करके थम जाओ अर समझ ल्यो के पवित्र ग्रन्थ के इस वचन का मतलब के सै: ‘मै बलिदान नही पर दया चाहूँ सू।’ क्यूँके जो अपणे-आपनै धर्मी कहवै मै उननै नही, पर जो अपणे-आपनै पापी कहवै सै उननै बुलाण आया सू।” 14 फेर बपतिस्मा देण आळे यूहन्ना के चेल्यां नै धौरे आणके कह्या, “के कारण सै के हम अर फरीसी इतने ब्रत करा सां, पर तेरे चेल्लें ब्रत नही करदे?” 15 यीशु नै उनतै कह्या, “के बराती, जिव ताहीं बन्दड़ा उसके गेल्या सै, शोक मना सकै सै? पर वे दिन आवैगें जिव बन्दड़ा उनतै न्यारा करया जावैगा, उस बखत वे ब्रत करैगें।” 16 “नये लत्यां की थेगळी पुराणे लत्यां पै कोए नही लगान्दा, क्यूँके वा थेगळी लत्ते तै और भी लत्ता खुस्का दे सै, अर वो और भी घणा पाट ज्या सै। 17 अर माणस नया अंगूर का रस पुराणी मशक म्ह

नही भरदे, क्यूँके इसा करण तै मशक पाट ज्या सै, अर अंगूर का रस खिंड ज्या सै, अर मशक फूट ज्या सै, पर नया अंगूर का रस नई मशकां म्ह भरा जावै सै तब वे दोनु बचे रहवै सै।” 18 वो उनते ये बात कहण ए लागरया था, के जिब्बे आराधनालयकै के सरदारां म्ह तै एक याईर नाम के आदमी नै आकै उस ताहीं नमस्कार करया अर कह्या, “मेरी बेट्टी इब्बे मरी सै, पर तू चाल के अपणा हाथ उसपै धरै, तो वा जिन्दा हो ज्यागी।” 19 यीशु उठके अपणे चेल्यां समेत उसके पाच्छे हो लिया। 20 अर देखखो, एक बिरबानी नै जिसके बाराहां साल तै लहू बहण की बीमारी थी, पाच्छे तै आकै उसके लत्ते के कोणे ताहीं छू लिया। 21 क्यूँके वा अपणे मन म्ह कहवै थी, “जै मै उसके लत्ते नै छू ल्युंगी तो ठीक हो जाऊंगी।” 22 यीशु नै घूमके उस ताहीं देख्या अर कह्या, “बेट्टी धीरज राख, तेरे विश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै।” अर वा बिरबानी उससे बखत ठीक होगी। 23 जिव यीशु याईर के घर म्ह पुँह्या अर बाँसली बजाण आळे अर भीड नै रोळा मचादे देख्या, 24 फेर कह्या, “हट जाओ, छोरी मरी कोनी, पर सोंवै सै।” इसपै वे उसका मजाक उड़ाण लाग्ये। 25 पर जिव भीड़ लिकाड़ दी, तो उसनै भित्तर ज्या के उस छोरी का हाथ पकड्या, अर वा जी उठी। 26 अर इस बात का जिक्क सारे देश म्ह फैलया। 27 जिव यीशु ओडै तै आग्ये बहारे, तो दो आन्धे उसके पाच्छे या कहन्दे होए चाल्ले, “हे दाऊद की उलाद, म्हारे पै दया कर! 28 जिव वो घर म्ह पुँह्या, तो वे आन्धे उसके धौरे आये, अर यीशु नै उनतै कह्या, “के थमनै विश्वास सै के मै थमनै चंगा कर सकूँ सू?” उननै उसतै कह्या, “हाँ प्रभु!” 29 फेर उसनै उनकी आँखां कै हाथ लगाकै कह्या, “थारे विश्वास के मुताबिक थम चंगे होजाओ।” 30 अर वे जिब्बे देखखण लाग्ये। यीशु नै उनतै समझां के कह्या, “सावधान, किसे ताहीं या बात ना बताइयो, के मन्नै थारे खातर के करया सै।” 31 पर उननै मिलके सारे देश म्ह उसका नाम फैला दिया। 32 जिव वे दोनु आन्धे बारणे जाण लागरे थे, तो देखखो, कई माणस एक गूंगी नै उसके धौरे ल्याए जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, जो उसनै बोल्लण कोनी देवै थी। 33 अर जिव यीशु नै ओपरी आत्मा लिकाड़ दी, तो गूंगा बोलण लाग्या। इसपै भीड नै अचम्भा करकै कह्या, “इसाएल म्ह इसा कदे नही देख्या गया।” 34 पर फरीसियाँ नै कह्या, “ओपरी आत्मायाँ के सरदार इस ताहीं शक्ति देवै सै, इस करके यो ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़े सै।” 35 यीशु अर उसके चेल्लें सारे नगरां अर गाम्मां म्ह फिरता होया अर उनके आराधनालयकै म्ह उपदेश सुणान्दा, अर परमेसवर के राज्य का सुसमाचार सुणादा, अर हरेक ढाळ की बीमारी अर कमजोरियाँ नै दूर करदा रहा। 36 जिव उसनै भीड देखी तो उसनै माणसां पै तरस आया, क्यूँके वे उन भेड्या की तरियां थे, जिनका कोए पाळी ना हो, वे बैचैन अर भटके होए से थे। 37 फेर उसनै अपणे चेल्यां तै कह्या, “पके होए खेत्तां की तरियां लोग तो भोत सै जो परमेसवर के वचन नै सुणणा चाहवै सै, पर फसल काटण आळे की तरियां लोग कम सै जो जाकै परमेसवर का वचन सुणावै। 38 इस करके खेत के माल्लिक यानी परमेसवर तै बिनती करो, के वो और लोगां नै भेज्जै, ताके परमेसवर का वचन भोत सारे लोगां ताहीं सुणावै।”

10 फेर यीशु नै अपणे बाराहां चेल्यां ताहीं धौरे बुलाके, उन ताहीं ओपरी आत्मायाँ पै हक दिया के उननै लिकाड़े अर सारी ढाळ की बिमारियाँ अर सारी ढाळ की कमजोरियाँ नै ठीक करै। 2 इन बाराहां प्रेरितां के नाम ये सै: पैहल्या शमौन, जो पतरस कुहावै सै, अर उसका भाई अन्ट्रियास, जब्दी का बेट्टा याकूब, अर उसका भाई यूहन्ना, 3 फिलिप्पुस, अर बरतुलमै, थोमा, अर चुंगी लेण आळा मत्ती, हलफई का बेट्टा याकूब, अर तौदै, 4 शमौन जेलोतेस, अर यहूदा इस्करियोती जिसनै वो पकड़वा भी दिया। 5 इन बाराहां चेल्यां ताहीं यीशु नै यो हुकम देके भेज्या: “गैर यहूदी लोगां कान्ही ना ज्याइयो, अर सामरियाँ के किसे नगर म्ह दाखल ना होइयो। 6 पर इस्राएल के कुण्बे की ए खुई होड़ी भेड्डां के धौरे जाइयो। 7 अर चालते-चालते यो प्रचार करो: सुर्ग का राज्य धौरे आ गया। 8 बिमारां नै ठीक करो, मरै होए नै जीवाओ, कोढियाँ नै शुद्ध करो, ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ो। थमनै मुफ्त

लिया से मुफ्त द्यो।” 9 “अपणे अंगोच्छां म्ह ना तो सोन्ना, ना चाँदी, अर ना ताम्बे के सिक्के राखियो। 10 रास्ते खातर ना झोळी लियो, ना दो कुड़ते, ना जूते अर ना लाठी लियो, क्यूँके मजदूर नै उसका खाणा मिलणा चाहिए। 11 जिस किसे नगर या गाम म्ह जाओ, तो बेरा पाड़ो के कुण लायक सै। अर जिब ताहीं उड़ै तै ना लिकड़ो, उससे के गेल्या रहों। 12 घर म्ह बढते आणी उसनै आशीर्वाद दिए। 13 जै उस घर के माणस लायक होंगे तो थारा आशीर्वाद उनपै पहुँचगा, पर जै वे लायक ना हों तो थारा आशीर्वाद थारे धोरे उल्टा ए आ ज्यागा। 14 जो कोए थमनै न्ही अपणावै अर थारी बात ना सुणै, उस घर या उस नगर तै लिकड़दे आणी अपणे पैरां की धूळ झाड़ लियो। 15 मै थमनै सच्ची कहूँ सूँ के न्याय के दिन उस नगर की हालत तै सदोम अर अमोरा के नगर की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी।” 16 “देवखो, मै थमनै भेडुं की तरियां भेडियाँ के बिचाल्ये भेज्जू सूँ, इस करके साँपां की तरियां अकलमंद अर कवुतरां की तरियां भोळे बणो। 17 पर माणसां तै चौक्कस रहों, क्यूँके वे थमनै बड़े आराधनालायँ म्ह सौपैगें, अर अपणी सभा म्ह थारे कोड़े मारैगें। 18 थम मेरे खातर राज्यपालों अर राजयां के स्याम्ही अर गैर यहूदी लोगन म्ह भेज्जे जाओगें। ताके थम मेरे बारें म्ह गवाही दे सको 19 जिब वे थमनै पकड़वावैगें तो या फिक्र ना करियो के हम किस तरियां तै या के कहवागें, क्यूँके जो किमे थारे ताहीं कहणा होगा, वो उससे बखत थारे ताहीं बता दिया जावैगा। 20 क्यूँके बोलण आळे थम न्ही सों, पर थारे सुर्गायि पिता का आत्मा थारे म्ह बोल्ले सै। 21 भाई, भाई नै अर पिता बेट्टे नै, मारण खातर सौप देंगें, अर बाळक अपणे माँ बाप के बिरोध म्ह खड़े होके उन ताहीं मरवा देवैगें। 22 मेरे नाम के कारण सारे माणस थारे तै बैर करैगें, पर जो अन्त ताहीं धीरज धरैगा उससे का उद्धार होगा। 23 जिब वे थमनै नगर म्ह सतावे, तो दुसरे म्ह भाग ज्याइयो। मै थमनै सच कहूँ सूँ, थम इस्राएल के सारे नगरां म्ह न्ही घूम सकोगें के मै माणस का बेट्टा आ जाऊँगा।” 24 “चेल्ला अपणे गुरु तै बड़इ न्ही होंदा, अर ना नौक्कर अपणे माल्लिक तै। 25 चेल्ले का गुरु के, अर नौक्कर का माल्लिक के बराबर होणा ए भोत सै। जिब उननै घर के माल्लिक तै शैतान कह्या तो उसके घरआळां नै के कुछ न्ही कहवैगें।” 26 “इस करके माणसां तै ना डरो, क्यूँके कुछ ढक्या कोनी, जो उजागर न्ही करया जावैगा, अर ना कुछ लुहक्या सै जिसका बेरा न्ही पटै। 27 जो मै थारे तै अन्धरे म्ह कहूँ सूँ, उसनै थम चाँदणे म्ह कहो, अर जो कान्नी-कान सुणो सों, उसनै छातां पै चढ़ के प्रचार करो। 28 जो देह नै घात करे सै, पर आत्मा नै घात न्ही कर सकदे, उनतै ना डरियो, पर उस परमेसवर तै डरो जो आत्मा अर देह दोनुआ नै नरक म्ह गेरके नाश कर सके सै। (Geenna g1067) 29 छोटी चिडियाँ दो पिस्या की बिक्के सै, जो ना कै बराबर सै तोभी जै वो धरती पै पड़के मरै सै तो पिता परमेसवर नै उसका भी बेरा सै क्यूँके पिता परमेसवर सब कुछ जाणण आळा सै। 30 थारे सिर के बाळ भी सारे गिणे होड़े सै। 31 इस करके डरो मतना, थम घणी गौरैयाँ (एक छोटी चिडियाँ) तै बढके सो।” 32 “जो कोए माणसां के स्याम्ही मन्ने मान लेवैगा, उसनै मै भी अपणे सुर्गायि पिता के स्याम्ही मान लूँगा। 33 पर जो माणसां के स्याम्ही मेरे बारें म्ह इन्कार करैगा, उसनै मै भी अपणे सुर्गायि पिता के स्याम्ही इन्कार करूँगा।” 34 “यो ना समझो के मै धरती पै माणसां का मिलाप करवाण आया सूँ, मै मिलाप करवाण न्ही, पर न्यारे करण आया सूँ। 35 मै तो आया सूँ, ताके माणस नै उसके पिता तै, अर बेट्टी नै उसकी माँ तै, अर बहू नै उसकी सास तै न्यारा कर गु।” 36 “माणस के बैरी उसके घर के ए लोग होंगे।” 37 “जो अपणे माँ-बाप नै मेरे तै घणा प्यारा मान्ने सै, वो मेरा चेल्ला बणण के लायक कोनी, अर जो बेट्टा या बेट्टी नै मेरे तै घणा प्यारा मान्ने सै, वो मेरे लायक कोनी। 38 अर जो अपणा दुखां का क्रूस लैके मेरे पाच्छे न्ही चाल्ले वो मेरे लायक कोनी। 39 जो अपणी जान बचावे सै, वो उसनै खोवैगा, अर जो मेरे कारण अपणी जान खोवैगा, वो उसनै पावैगा।” 40 “जो थमनै अपणावै सै, वो मन्ने अपणावै सै, अर जो मन्ने अपणावै सै, वो उस परमेसवर नै अपणावै सै, जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै। 41 जो नबियाँ नै नबी जाण के अपणावै, वो नबियाँ के जिसा

फळ पावैगा, जिसा नबी नै मिले सै, अर जो धर्मी नै धर्मी जाण के अपणावै, वो धर्मी के जिसा फळ पावैगा। 42 जो कोए मेरे इन चेल्यां म्ह तै एक नै भी मेरा चेल्यां जाण के सिर्फ एक कटोरा ठंडा पाणी पियावैगा, मै थमनै सच कहूँ सूँ, वो किसे तरियां भी अपणा फळ न्ही खोवैगा।”

11 अपणे बारहां चेल्यां ताहीं इस तरियां समझाण के बाद यीशु ओड़ै तै चाल पड्या, अर गलील परदेस के नगरां म्ह उपदेश अर प्रचार करदा घूमता रह्या। 2 यूहन्ना नै जेळ म्ह मसीह के काम्मां की खबर सुणी अर अपणे चेल्यां ताहीं यीशु तै न्यू बुइझण भेज्या, 3 अर उसतै कह्या, “के आण आळा वो मसीहा जिसका वादा परमेसवर नै करया था, तू ए सै, या हम किसे और की बात देख्खां?” 4 यीशु नै जवाब दिया, “जो कुछ थम सुणो सो अर देख्खो सो, यो सारा जाके यूहन्ना ताहीं कह द्यो, 5 के आन्धे देख्खें सै अर लंगड़े चाल्लै-फिरे सै, कोढ़ी ठीक करे जावै सै अर बहरे सुणै सै, मुर्दे जिन्दे करे जावै सै, अर कंगालां ताहीं सुसमाचार सुणाया जावै सै। 6 अर धन्य सै वे, जो मेरे पै शक न्ही करते, अर बिश्वास करणा न्ही छोड़ते।” 7 जिब यूहन्ना के चेल्लें ओड़ै तै जाण लागरे थे तो यीशु भीड़ म्ह माणसां तै यूहन्ना के बारे म्ह कहण लागया, “थम जंगल-बिबाबान म्ह के देखण गये थे? के हवा म्ह हाल्ले होए सरकंड्या नै? 8 तो फेर थम के देखण गये थे? के सुथरे लत्ते पहरे होइ माणस ताहीं? देख्खो, जो सुथरे लत्ते पहरे सै, वे राजघरां म्ह रहवें सै। 9 तो फेर क्यंते गये थे? के किसे नबी नै देखण ताहीं? हाँ, मै थमनै कहूँ सूँ, बल्के नबी तै भी बडे नै।” 10 यूहन्ना वोए सै जिसके बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: “‘देख, मै अपणे दूत ताहीं तेरे आगरे भेज्जू सूँ जो तेरे आगरे तेरा रास्ता त्यार करैगा।’” 11 मै थमनै कहूँ सूँ के जो बिबानियाँ तै जणे सै, उन म्ह तै यूहन्ना बपतिस्मा देणआळे तै बड़इ कोए न्ही होया, पर जो सुर्ग के राज्य म्ह छोटे तै भी छोटा सै वो उसतै बड़इ सै। 12 यूहन्ना बपतिस्मा देण आळे के दिनान तै इब ताहीं सुर्ग का राज्य बलपूर्वक बढण लाग रहया सै, अर बिरोधी लोग उसनै रोकण की कोशिश करण लागरे सै। 13 यूहन्ना के आण तक सारे नबी अर मूसा के नियम-कायदा म्ह, सुर्ग के राज्य की भविष्यवाणी करी गई। 14 जै थम सच म्ह भविष्यवाणीयाँ पै बिश्वास करो सों, तो सुणो यूहन्ना ए वो एलियाह सै जो दोबारा आण आळा था। 15 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले। 16 “मै आज की पीढ़ी के माणसां की बराबरी किसतै करूँ? वे उन बाळकां की ढाळ सै, जो बजारां म्ह बेट्टे होए एक-दुसरे तै रुक्के मारके शिकायत करै सै।” 17 “हमनै थारे खातर बाँसली बजाई, अर थम कोनी नाच्चे, हमनै बिलाप करया, अर थमनै छल्लती कोनी पिट्टी।” 18 “इस्से तरियां यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा ना रोटी खया करदा अर ना अंगूर का रस पिया करदा, अर थम कहो सो, ‘उस म्ह ओपरी आत्मा सै।’ 19 मुझ माणस के बेट्टे का खाण-पान और माणसां की तरियां सादा ए सै, लखाओ, थमनै मेरे ताहीं पेट्टे अर पियक्कड़ माणस, चुंगी लेणिये अर पापियाँ का साथी घोषित कर दिया। पर ज्ञान अपणे काम्मां म्ह सच्चा ठहराया गया सै।” 20 फेर यीशु उन नगरां ताहीं उल्हापा देण लागया, जिन म्ह उसनै घणे सामर्थ के काम करे थे, क्यूँके उननै पाप करणा न्ही छोड्या अर ना ए परमेसवर के राह पै चाल्ले। 21 “धिक्कार सै थारे पै खुराजिन नगर के माणसाँ! धिक्कार सै थारे पै बैतसैदा नगर के माणसाँ! जो सामर्थ के काम थारे म्ह करे गये, जै वे सूर अर सैदा नगरां म्ह करे जान्दे, तो टाट ओढ़ के, अर राख म्ह बैठके वे कदे के पाप करणा छोड़ देन्दे। 22 पर मै थमनै कहूँ सूँ के न्याय के दिन थारी हालत तै सूर अर सैदा नगरां की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी। 23 हे कफरनहूम नगर के माणसाँ, थम के सोच्यो सों, के थम सुर्ग ताहीं ऊँचके करे जाओगें? थम तो अधोलोक तक नीच्चे जाओगें, जो सामर्थ के काम थारे म्ह करे गये सै, जै सदोम नगर म्ह करे जान्दे, तो वो आज ताहीं बण्या रहन्दा। (Hades g86) 24 पर मै थमनै कहूँ सूँ के न्याय के दिन तेरी हालत तै सदोम नगर की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी।” 25 उससे बखत यीशु नै कह्या, “हे पिता, सुर्ग अर धरती के प्रभु, मै तेरा शुक्रियादा करूँ सूँ के तन्नै इन बातां ताहीं ज्ञानियाँ अर समझदार

माणसां तै ल्कोए राख्या, अर बाळकां ताहीं दिखा दिया सै। 26 हॉं, हे पिता, क्यूँके तन्नै योए भाया।” 27 “मेरे पिता नै मेरे ताहीं सब कुछ सोप्या सै, अर कोए बेट्टे ताहीं कोनी जाणदा, सिर्फ पिता के अलावा, अर कोए पिता ताहीं कोनी जाणदा, सिर्फ बेट्टे के अलावा, अर हरेक वो माणस जो परम पिता नै जाणे सै, जिसके खातर बेट्टे नै उस ताहीं जाहिर करणा चाह्या सै।” 28 “हे सारे मेहनत करण आळो अर बोझ तै दबे होड़े माणसां, मेरे धोरे आओ, मै थमनै सुख-चैन दिखूँगा। 29 मेरा जूआ अपणे उप्पर ठा ल्यो, अर मेरे तै सीखो, क्यूँके मै नरम अर मन का दीन सूं; अर थम अपणे मन म्ह सुख-चैन पाओगे। 30 क्यूँके मेरा जूआ सोखा अर मेरा बोझ हल्का सै”

12 तकरीबन उससे बखत आराम के दिन यीशु चेल्यां के गैल खेत्तां म्ह तै होके जाण लागरया था, अर उसके चेल्यां नै भूख लागी तो वे गेहूँ की बालें तोड़-तोड़के खाण लागे। 2 फरीसियां नै न्यू देखके उसतै बोल्ले, “देख, तेरे चेल्लें वो काम करै सै, जो नियम-कायदा के मुताबिक आराम के दिन करणा ठीक कोनी।” 3 यीशु नै उनतै कह्या, “के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही पढ़या, के दाऊद अर उसके साथियां नै जिब वे भूखे होए तो के करया था? 4 वो किस तरियां परमेसवर के घर म्ह गया, अर भेंट की रोटी खाई, जिनका खाणा ना तो उस ताहीं अर ना उसके साथियां ताहीं पर सिर्फ याजकां ताहीं सही था? 5 यो थमनै नियम-कायदा म्ह न्ही पढ़या के आराम के दिन मन्दर के याजक ए आराम के दिन की विधि ताहीं तोड़ै सै फेर भी उन ताहीं कोए कुछ न्ही कहन्दा? 6 पर मै थमनै कहूँ सूं के उरै वो सै जो मन्दर तै भी बड़ड़ा सै। 7 जै थम पवित्र ग्रन्थ म्ह जो लिख्या सै, उसका मतलब जाणदे के, ‘मै बलिदान न्ही पर दया चाहूँ सूं।’ तो थम बेकसूर ताहीं कसूरवार कोनी ठहरान्दे। 8 मै माणस का बेट्टा तो आराम के दिन का भी प्रभु सूं।” 9 ओड़ै तै चालके वो उनके आराधनालय म्ह आया। 10 ओड़ै एक माणस था, जिसका हाथ सूखरया था। फरीसी लोगां नै यीशु पौ दोष लाण खातर उसतै बुझया, “मूसू के नियम-कायदा के मुताबिक आराम के दिन ठीक करणा सही सै?” 11 यीशु नै उनतै कह्या, “थारै म्ह तै इसा कोण सै जिसकी एक ए भेड़ हो, अर वा आराम के दिन खडहे म्ह पड़ जावै, तो वो उस ताहीं पकड़के न्ही काडै? 12 फेर माणस तो भेड़ तै भोत घणे खास सै! ज्यातै आराम के दिन भलाई करणा ठीक सै, जिसा के माणसां नै चंगा करणा।” 13 फेर यीशु नै उस माणस तै कह्या, “अपणा हाथ बढ़ा।” उसनै बढ़ाया, अर वो दुसरे हाथ की तरियां ठीक होग्या। 14 फेर फरीसियां नै बाहरणै जाके उसके बिरोध म्ह सलाह करी के उसका नाश किस तरियां करया जावै। 15 न्यू जाणके यीशु ओड़ै तै चल्या गया। अर घणे माणस उसके पाछे हो लिए, अर उसनै सारया ताहीं ठीक करया, 16 अर उन ताहीं चेतावनी दी, के मेरे बारे म्ह किसै तै ना कहियो के मै कोण सूं। 17 ताके जो वचन यशयाह नबी के जरिये कह्या गया था, वो पूरा हो 18 “देखो, यो मेरा सेवक सै, जिस ताहीं मनै चुण्या सै, मेरा प्यारा, जिसतै मेरा मन राज्जी सै, मै अपना आत्मा उसपै तारुंगा, अर योए दुसरी जात्ता नै न्याय की खबर देवैगा। 19 “वो ना माणसां के गैल झगड़ा करेगा, अर ना किल्की मारेगा, ना बजारां म्ह उसका कोए शब्द सुणैगा। 20 “वो कुचले होए सरकण्डे की समान कमजोर माणसां ताहीं कोनी लाटाड़ेगा, अर बुझतै होए दीवे के समान, माणस मरता हो तो वो उसनै न्ही मारेगा, वो जिब ताहीं डटया रहैगा जिब ताहीं न्याय ना दुवा दे। 21 “अर दुसरी जात उसके नाम पै आस राखवैगी।” 22 फेर माणस एक आन्धे-भूँगे नै जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, जो उसनै देखण अर बोल्लण कोनी देवै थी, उसके धोरे ल्याए, अर उसनै उस ताहीं ठीक करया, अर वो गूँगा बोलण अर देखण लाग्या। 23 इसपै सारे माणस अचम्भा करके कहण लागे, “यो के दाऊद की उलाद सै!” 24 पर फरीसियां नै न्यू सुणके कह्या, “यो तो ओपरी आत्मायाँ के सरदार शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़े सै।” 25 उसने उनके मन की बात जाणके उनतै कह्या, “जिस किसै राज म्ह फूट होवै सै, वो उजड़ जावै सै, अर कोए नगर या घरना जिसम्ह फूट होवै सै, बणया कोनी रहवैगा। 26 अर जै शैतान ए शैतान नै काडै, तो वो

अपणा ए बिरोधी बणया, फेर उसका राज किस तरियां बणया रहवैगा? 27 भला, जै मै शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै काडू सूं, तो थारी पीढ़ी किसकी मदद तै काडू सै? इस करके वैए थारा न्याय करेगें। 28 पर जै मै परमेसवर के आत्मा की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै काडू सूं, तो परमेसवर का राज्य थारे धोरे आण पोंहच्या सै।” 29 “या किस तरियां कोए माणस किसै ठाड्डे माणस के घर म्ह बड़के उसका माळ लूट सके सै जिब ताहीं के पैहल्या उस ठाड्डे ताहीं ना जुड़ ले? जिब वो उसका घर लूट लेवैगा।” 30 “जो मेरे गेल्या न्ही वो मेरे बिरोध म्ह सै, अर जो मेरे गेल्या न्ही कट्टा करदा, वो खिंदावे सै। 31 ज्यातै मै थारे तै कहूँ सूं के माणस का सारे ढाळ का पाप अर बुराई माफ करी जावैगी, पर पवित्र आत्मा की बुराई माफ कोनी करी जावैगी। 32 जो कोए माणस के बेट्टे के बिरोध म्ह कोए बात कहवैगा, उसका यो कसूर माफ करया जावैगा, पर जो कोए पवित्र आत्मा के बिरोध म्ह कुछ कहवैगा, उसका कसूर ना तो इस लोक म्ह अर ना परलोक म्ह माफ करया जावैगा।” (aiōn g165) 33 “दरखत अपणे फळ तै ए पिच्छाणा जावै सै, जै दरखत नै बढ़िया कहो, तो उसके फळ नै भी बढ़िया कहो, या दरखत नै निकम्मा कहो, तो उसके फळ नै भी निकम्मा कहो। 34 हे साँप के सप्योलों जिसे माणसां, थम भुन्दे होके किस तरियां बढ़िया बात कह सकी सो? क्यूँके जो मन म्ह भरया सै, वोए मुँह पै आवे सै। 35 भला माणस अपणे मन के भले भण्डार तै भली बात लिकाड़े सै, अर बुरा माणस अपणे मन के बुरे भण्डार तै बुराई की बात काढे सै। 36 अर मै थारे तै कहूँ सूं के जो-जो निकम्मी बात माणस कहवैगें, न्याय कै दिन वे हरेक उस बात का लेखा देवैगें। 37 क्यूँके तू अपणी बात्तां के कारण बेकसूर, अर अपणी बात्तां ए के कारण कसूरवार ठहराया जावैगा।” 38 इसपै कुछ शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ नै उसतै कह्या, “हे गुरु, हम तेरे तै एक चिन्ह-चमत्कार देखणा चाहवां सा।” 39 उसने उन ताहीं जवाब दिया, “इस युग के बुरे अर जार माणस निशानी टोहें सै, पर योना नबी की निशानी नै छोड़ कोए और निशानी उन ताहीं कोनी दी जावैगी। 40 जिस तरियां योना नबी तीन रात अर तीन दिन बड़ी मछली के पेट म्ह रहया, उससे तरियां ए मै माणस का बेट्टा तीन रात अर तीन दिन धरती के भीत्तर रहूँगा। 41 निनवे नगर के माणस न्याय के दिन इस युग के माणसां के गेल्या उठके उन ताहीं कसूरवार ठहरावैगें, क्यूँके उननै योना नबी का प्रचार सुणके अपणे पापां ताहीं स्वीकार किया, अर देखवो, उरै वो सै जो योना नबी तै भी बड़ड़ा सै। 42 दक्षिण देश की राणी न्याय के दिन इस युग के माणसां के गेल्या उठके उन ताहीं कसूरवार ठहरावैगी, क्यूँके वा राजा सुलेमान का ज्ञान सुणण के खातर धरती के दुसरे सिरे तै आई, अर देखवो, उरै वो सै जो सुलेमान तै भी बड़ड़ा सै।” 43 “जिब ओपरी आत्मा माणस म्ह तै लिकड़के जावै सै, तो सूक्खी जगहां म्ह आराम टोहन्दी फिरै सै, अर पांटी कोनी। 44 फेर कहवै सै, ‘मै उससे माणस म्ह जड़ै तै लिकड़ी थी बोहड़ जाऊँगी।’ अर आके उस माणस नै घर जिसा झाड़ा-बुहारा अर सजा-धज्या पावे सै। 45 फेर वा ओपरी आत्मा जाके अपणे तै और भुंडी सात आत्मायाँ नै अपणे गेल्या ले आवे सै, अर वे उस माणस म्ह बड़के ओड़ै वास करे सै, अर उस माणस की पाछेली हालत पैहल्या तै भी भुंडी हो जावै सै। इस युग के बुरे माणसां की हालत भी इसीए होवैगी।” 46 जिब वो भीड़ तै बात करण ए लागरया था, तब उसकी माँ अर उसके भाई बाहरणै खड़े थे अर उसतै बात करणा चाहवै थे। 47 किसै नै उसतै कह्या, “देख, तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरणै खड़े सै, अर तेरे तै बात करणा चाहवै सै।” 48 या सुणके यीशु नै कहण आळे ताहीं जवाब दिया, “कोण सै मेरी माँ? अर कोण सै मेरे भाई?” 49 अर अपणे चेल्यां कान्ही अपणा हाथ बढ़ाके कह्या, “देखवो, मेरी माँ अर मेरे भाई ये सै। 50 क्यूँके जो कोए मेरे सुर्गीय पिता की इच्छा पै चाल्ले वोए मेरा भाई, मेरी बेब्बे अर मेरी माँ सै।”

13 उससे दिन यीशु घर तै लिकड़के गलील समुन्दर के किनारे जा बैठ्या। 2 अर उसके धोरे इसी भीड़ कट्टी होई के वो किस्ती पै चढ़ग्या, अर सारी भीड़ किनारे पै खड़ी रही। 3 अर उसने उनतै उदाहरणां म्ह घणीए बात

कही “एक किसान बीज बोण लिक्डया। 4 बोदे बखत कुछ बीज राही कै किनारे पड़े अर पछियाँ नै आके उन ताहीं चुग लिया। 5 कुछ बीज पथरीली धरती पै पड़े, जड़े उनताही घणी माट्टी ना मिली अर डून्धी माट्टी ना मिलण के कारण वे तोळाए जामगे। 6 पर सूरज लिक्डणै पै वे जळगे, अर जड़ ना पकड़ण के कारण सुखगे। 7 कुछ बीज झाडियाँ म्ह पड़े, अर झाडियाँ नै बढकै उन ताहीं दाब लिया। 8 पर कुछ बीज आच्छी धरती पै पड़े, कोए सौ गुणा, कोए साठ गुणा, अर कोए तीस गुणा फळ ल्याए। 9 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले।” 10 चेल्यां नै धारे आके उसतै कह्या, “तू माणसां तै उदाहरणां म्ह क्य्यातै बात करे सै?” 11 उसनै जवाब दिया, “थारे ताहीं सुर्ग के राज्य के भेद की समझ दे राख्खी सै, पर उन ताहीं न्ही। 12 क्युँके जिसके धारे सै, उसतै और दिया जावेगा, अर उसके धारे घणा हो जावेगा, पर जिसके धारे कुछ न्ही सै, उसतै जो कुछ उसके धारे सै, वो भी ले लिया जावेगा। 13 मै उनतै उदाहरणां म्ह ज्य्यातै बात करूँ सूँ, के वे देखे होए कोनी देखे अर सुणदे होए कोनी सुणदे, अर न्ही समझदे।” 14 “उनके बाबत यशायाह नबी की या भविष्यवाणी पूरी होवै सै: ‘थम सुणोगे, पर समझोगे कोनी, अर देखोगे, पर थमनै कोनी सूझोगे।” 15 “क्युँके इन माणसां का मन मोट्टा होग्या सै, अर वे कान्ना तै ऊँच्चा सुणै सै, अर उननै अण्णी आँख मूंद ली सै, कदे इसा ना हो के वे आँखां तै देख्खे, अर कान्ना तै सुणै अर मन तै समझै, अर पलट जावै, अर मै उननै ठीक करूँ।” 16 पर धन्य सै थारी आँख, क्युँके वे देख्खै सै, अर थारे कान क्युँके वे सुणै सै। 17 मै थमनै साच्यी कहूँ सूँ के घणखरे नबियाँ नै अर धर्मियाँ नै चाह्या के जो बात थम देख्खो सो, देख्खै, पर न्ही देख पाए, अर जो बात थम सुणो सो, सुणै, पर न्ही सुण पाए। 18 “इब थम बोण आळे के उदाहरण का मतलब सुणो 19 जो कोए राज्य का वचन सुणके कोनी समझदा, यो बोए सै जो राही कै किनारे बोया गया था, उस ताहीं दुष्ट आके खोस ले जावै सै। 20 अर जो पथरीली धरती पै बोया गया सै, यो वो माणस सै, जो वचन सुणके जिब्बे खुशी के गेल्या मान लेवै सै। 21 पर अपने म्ह जड़ न्ही पकड़ण के कारण वो माडे से दिन का सै, अर जिब वचन के कारण कळेश या संकट आवै सै, तो जिब्बे ठोक्कर खावै सै। 22 जो झाडियाँ म्ह बोया गया, यो वो सै, जो वचन ताहीं सुणै सै, पर इस दुनिया की फिक्र अर धन का धोक्खा वचन नै दाबै सै, यो वो फळ कोनी ल्यांदा। (aiōn g165) 23 जो आच्छी धरती पै बोया गया, यो वो सै, जो वचन ताहीं सुणके समझै सै, अर फळ ल्यावै सै, कोए सौ गुणा, कोए साठ गुणा, अर कोए तीस गुणा।” 24 यीशु नै उन ताहीं एक और उदाहरण दिया: “सुर्ग का राज उस किसान जिसा सै जिसनै अपने खेत मै बढ़िया बीज बोया। 25 पर जिब माणस सोवै थे तो उसका बैरी आके गेहूँ के बिचाळे जंगळी बीज बोके चल्या गया। 26 जिब अंकुर लिक्डे अर बाल लागी, तो जंगळी दाण्या के पौधे भी दिखण लागगे।” 27 “इसपै घरेलू नौकरां नै आके उसतै कह्या, ‘हे मालिक, के तन्नै अपने खेत म्ह बढ़िया बीज कोनी बोया था? फेर जंगळी दाण्या के पौधे उस म्ह किन्त तै आए?’” 28 “उसनै उनतै कह्या, ‘यो किसे बैरी का काम सै।’ नौकरां नै कह्या, ‘के तेरी मर्जी सै के हम जाके उन जंगळी पौधां नै कठ्ठे करा?’” 29 “उसनै कह्या, ‘ना, इसा ना हो के जंगळी दाण्या के पौधे कठ्ठे करदे हाण थम उनकै गेल्या गेहूँ नै भी पाड़ ल्यो। 30 लामणी तक दोनुना नै एक सेती बधण द्यो, अर लामणी के बखत मै काटण आळा तै कहूँगा के पैहल्या जंगळी दाण्या के पौधे कठ्ठे करके बाळण खात्तर उनके भरोट्टे जुड़ ल्यो, अर गेहूँ ताहीं मैरे खत्ते म्ह कठ्ठा करो।” 31 उसनै उन ताहीं एक और उदाहरण दिया: “सुर्ग का राज राई के एक दाणे की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे माणस नै लेके अपने खेत म्ह बो दिया। 32 वो सारे बीजजां तै छोट्टा तो होवै सै पर जिब बध जावै सै फेर सारे साग-पात तै बड़ड़ा होवै सै, अर इसा दरखत हो जावै सै के अकास के पंछी आके उसकी डाडियाँ पै बसेरा करै सै।” 33 उसनै एक और उदाहरण उन ताहीं सुणाया “सुर्ग का राज खमीर की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे बिरबान्नी नै लेके तीन पसेरी (पन्द्रह किलो) चून म्ह रळया अर होन्दे-होन्दे वो सारा चून खमीर बणग्या।” 34 ये सारी बात यीशु नै उदाहरणां म्ह

माणसां तै सिखाई, अर इस तरियां की शिक्षा देण खात्तर वो उदाहरणां का ए इस्तमाल करया करदा। 35 के जो वचन नबी के जरिये कह्या गया था, वो पूरा होवै: “मै उदाहरण कहण नै अपना मुँह खोल्लूँगा, मै उन बाताने जो दुनिया की शरुआत तै लुक्की होई सै, जाहिर करूँगा।” 36 फेर वो भीड़ नै छोड़के घरां आया, अर उसके चेल्यां नै उसके धारे आके कह्या, “खेत म्ह जंगळी दाणे का उदाहरण म्हारे ताहीं समझा दे।” 37 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “बढ़िया बीज का बोण आळा, मै माणस का बेट्टा सूँ। 38 खेत दुनिया के लोग सै, बढ़िया बीज राज्य की ऊलाद, अर जंगळी बीज शैतान की ऊलाद सै। 39 जिस बैरी नै उन ताहीं बोया वो शैतान सै। लामणी दुनिया का खात्मा सै, अर काटण आळे सुर्गदूत सै।” (aiōn g165) 40 आखर म्ह जिस तरियां जंगळी पौधे कठ्ठे करे जावै अर बाळे जा सै उससे तरियां दुनिया का खात्मा होवेगा। (aiōn g165) 41 मै माणस का बेट्टा अपने सुर्गदूतां नै भेज्जूँगा, अर वे उसकै राज्य म्ह तै सारे जो खुद पाप करै सै अर दुसरयां नै पाप करण खात्तर उकसावै सै, अर भुन्दे काम करणीया नै कठ्ठे करैगें। 42 अर उननै आग के कुण्ड म्ह गेरैगें, जड़े रोणा, अर दाँत पिसणा होवेगा। 43 उस बखत धर्मी लोग अपने पिता के राज्य म्ह सूरज की ढाळ चमकेगें। जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले। 44 सुर्ग का राज्य खेत म्ह लुक्के होइ धन की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे माणस नै पाया अर लहको दिया, अर खुशी के मारे अपना सारा कुछ बेच दिया अर उस खेत ताहीं मोल ले लिया। 45 फेर सुर्ग का राज्य एक व्यापारी की तरियां सै जो आच्छे मोतियां की टोह म्ह था। 46 जिब उसनै एक घणा महुँगा मोती मिल्या तो उसनै जाके अपना सारा कुछ बेच दिया अर उस ताहीं मोल ले लिया। 47 फेर उसनै कह्या, सुर्ग का राज्य उस मछली के बड़े जाळ की ढाळ सै जो समुन्दर म्ह गेरया जावै, अर हरेक ढाळ की मछली ताहीं समेट ल्यावै। 48 अर जिब जाळ भरया, तो मछुआरे उस ताहीं किनारे पै खींच ल्यावै, अर बैठके बढ़िया-बढ़िया मछली तो बासणा म्ह कठ्ठी करी अर बेकार बगा दी। 49 दुनिया के अन्त म्ह इस तरियां ए होवेगा। सुर्गदूत आके दुष्ट लोगां नै धर्मियां तै न्यारे करैगें, (aiōn g165) 50 अर सुर्गदूत, दुष्ट लोगां नै आग के कुण्ड म्ह गेरैगें। जड़े रोणा, अर दाँत पिसणा होवेगा। 51 “के थमनै ये सारी बात समझी?” उननै उसतै कह्या, “हाँ।” 52 यीशु नै उनतै कह्या, “इस करके हरेक शास्त्री जो सुर्ग के राज्य का चेल्ला बणया सै, उस घरवासे की तरियां सै जो अपने भण्डार तै नयी अर पुराणी चीज काढ्ठे सै।” 53 जिब यीशु नै ये सारे उदाहरण कह लिये, तो ओड़ै तै चल्या गया। 54 अर अपने नगर नासरत म्ह आके उनके आराधनालय म्ह उननै इसा उपदेश देण लागग्या के वे हैरान होके कहण लाग्ये, “इसनै यो ज्ञान अर सामर्थ के काम किन्त तै मिले? 55 के यो खात्ती का छोरा कोनी? अर के इसकी माँ का नाम मरियम अर इसके भाईयाँ का नाम याकूब, यूसुफ, शमीन अर यहूदा कोनी? 56 अर के इसकी सारी बेब्बे म्हारे बिचाळे कोनी रहन्दी? फेर इसनै यो सारा किन्त तै मिल्या?” 57 इस तरियां उननै उसके कारण ठोक्कर खाई, पर यीशु नै उनतै कह्या, “नबी का अपने गाम अर घर नै छोड़ और किते निरादर कोनी होन्दा।” 58 अर उसनै ओड़ै उनके अविश्वास के कारण घणे चमत्कार के काम न्ही करै।

14 उस बखत चौथाई देश के गलील परदेस के राजा हेरोदेस नै यीशु का जिक्क सुणया, 2 अर उसनै अपने नौकरां तै कह्या, “यो यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा सै! वो मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्या सै, इस्से करके उसतै ये सामर्थ के काम दिक्खे सै।” 3 यूहन्ना ताहीं पकड़के बाँधया अर जेळ म्ह गेर दिया था। क्युँके हेरोदेस नै अपने भाई फिलिप्पुस के जिन्दा रहन्दे उसकी घरआळी हेरोदियास ताहीं अपने धारे राखली थी, 4 क्युँके यूहन्ना नै उसतै कह्या था के इस ताहीं राखणा मूसा के नियम-कायदा कै मुताबिक तेरे खात्तर ठीक कोनी। 5 ज्यातै वो उसनै मारणा चाहवै था, पर माणसां तै डरै था क्युँके वे यूहन्ना नै नबी मान्ने थे। 6 पर जिब हेरोदेस का जन्म दिन आया, तो हेरोदियास की बेट्टी नै त्योंहार म्ह नाच दिखाके हेरोदेस ताहीं राज्जी करया। 7 इसपै उसनै कसम खाके वचन भर लिया, “जो

कुछ तू माँगगी, मैं तन्ने दियुँगा।” 8 वा अपनी माँ के उकसाण तै बोल्ली, “यूहन्ना बचतिस्मा देण आळे का सिर थाळ म्ह उरै मन्ने मँगवा दे।” 9 राजा घणा दुखी होया, पर अपनी कसम, अर गेल्या बैठण आळा के कारण, हुकम दिया के दे दिया जावै। 10 अर उसनै जेळ म्ह सैनिकां ताहीं भेजकै यूहन्ना का सिर कटवा दिया। 11 अर उसका सिर थाळ म्ह ल्याया गया अर छोरी ताहीं दिया गया, जिस ताहीं वा अपनी माँ धोरै लेगी। 12 फेर यूहन्ना के चेल्लें आए अर उसकी लाश ताहीं ले जाकै गाड़ दिया, अर जाकै यीशु ताहीं खबर दी। 13 जिब यीशु नै सुणया, तो वो किस्ती पै चढ़कै ओड़ै तै किसे सुनसान जगहां ताहीं, एकान्त म्ह चल्या गया। माणस न्यू सुणकै नगर-नगर तै पांए-पां उसके पाच्छे हो लिये। 14 यीशु किनारे पै पुहुचा तो एक बड़ी भीड़ देख्खी अर उनपै तरस खाया, अर उनके बिमारां ताहीं ठीक करया। 15 जिब साँझ होइ तो उसके चेल्यां नै उसके धोरै आकै कह्या, “या सुनसान जगहां सै, अर वार होरी सै, माणसां ताहीं बिदा करया जावै के वे बस्तियां म्ह जाकै अपने खात्तर खाणा मोल लियावै।” 16 पर यीशु नै उनतै कह्या, “उनका जाणा जरूरी कोनी! थमे इन्ने खाण नै द्यो।” 17 उननै यीशु तै कह्या, “उरै म्हारै धोरै पाँच रोटी अर दो मच्छियां नै छोड़के और कुछ कोनी सै।” 18 यीशु बोल्या, “उन ताहीं उरै मेरै धोरै लियाओ।” 19 फेर यीशु नै माणसां ताहीं घास पै बैठण खात्तर कह्या, अर उन पाँच रोटी अर दो मच्छियां ताहीं लिया; सुर्ग कान्ही लखाकै खाणे खात्तर परमेसवर का धन्यवाद करया अर रोटी तोड़-तोड़कै चेल्यां ताहीं दी, अर चेल्यां नै माणसां ताहीं। 20 जिब सारे खाके छिकगे, तो चेल्यां नै बचे होए टुकड्या तै भरी होई बारहां टोकरी ठाई। 21 अर खाण आळे लुगाईयां अर बाळकां नै छोड़के, पाँच हजार माणसां के करीबन थे। 22 फेर उसनै जिब्बे अपने चेल्यां ताहीं किस्ती पै चढ़ण के खात्तर मजबूर करया के वे उसतै पैहल्या पार चले जावै, जिब ताहीं वो अपने माणसां ताहीं बिदा करै। 23 वो माणसां ताहीं बिदा करके, प्रार्थना करण खात्तर उनतै अलग होके पहाड़ पै चल्या गया; अर साँझ ताहीं वो ओड़ै एकला था। 24 तब तक किस्ती समुन्दर के किनारे तै भोत दूर जा ली थी अर झाल्लां तै थपेड़े खाके डगमगाण लागरी थी, क्यूँके हवा स्याम्ही की थी। 25 यीशु सबेरै तीन बजे के लोवै-धोवै यीशु समुन्दर पै चाल्दे होए उनके धोरै आया। 26 चेल्लें उस ताहीं समुन्दर पै चाल्दे होए देखके घबरगे। अर बोल्ले, “यो भूत सै।” अर भय के मारे किल्ली मारण लागीं। 27 फेर यीशु नै जिब्बे उनतै बात करी अर बोल्या, “होसला राक्खो! मैं सूँ, डरो मतना।” 28 पतरस नै उसतै जवाब दिया, “हे प्रभु, जै तू ए सै, तो मन्ने अपने धोरै पाणी पै चालके आण का हुकम दे।” 29 यीशु बोल्या, “आ!” फेर पतरस किस्ती पै तै उतरके यीशु के धोरै जाण ताहीं पाणी पै चाल्लण लाग्या। 30 पर हवा नै देखके डरग्या, अर जिब डूब्लण लाग्या तो किल्ली मारके बोल्या, “हे प्रभु, मन्ने बचा!” 31 यीशु नै जिब्बे हाथ बढ़ाके थाम लिया अर उसतै बोल्या, “हे अल्पबिश्वासी, तन्ने क्यातै शक करया?” 32 जिब वे किस्ती पै चढ़गे, तो हवा थमगी। 33 इस घटना नै देखके उसके चेल्यां नै जो किस्ती पै थे, उसकी बड़ाई करके कह्या, “साच्च्य, तू परमेसवर का बेटा सै।” 34 वे गलील समुन्दर पार करके गन्नेसरत परदेस म्ह पोहचे। 35 ओड़ै के माणसां नै उस ताहीं पिच्छाण लिया अर लोवै-धोवै के सारे देश म्ह खबर भेज दी, अर सारे बिमारां नै उसके धोरै ल्याए। 36 अर उसतै बिनती करण लाग्गे के वे उननै अपने लत्ते के पल्ले तै ए छू लेण दे अर जितन्या नै उस ताहीं छुआ वे ठीक होगे।

15 फेर यरुशलेम नगर तै कुछ फरीसी अर शास्त्री यीशु के धोरै आके बोल्ले, 2 “तेरे चेल्लें बुजुर्गा के रीति-रिवाजां ताहीं क्यातै टाळे सै, क्यूँ बिना हाथ धोए रोटी खावै सै?” 3 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, “थम भी अपनी रीति-रिवाज के कारण क्यातै परमेसवर का हुकम टाळौ सो? 4 क्यूँके परमेसवर नै कह्या, ‘अपणे माँ-बाप की इज्जत कर, अर जो कोए माँ-बाप नै भुंदा बोल्लै, वो मार दिया जावै।’ 5 पर थम कहो सो के जै कोए अपने माँ-बाप तै कहवै, ‘जो कुछ मन्ने थारे ताहीं अपनी सम्पत्ति म्ह तै देण

था, वो मन्ने परमेसवर ताहीं अर्पण ताहीं कर दिया’, 6 तो वो पिता का आदर ना करै, इस तरियां थमने अपनी रीत-रिवाजां के कारण परमेसवर का वचन टाळ दिया। 7 हे कपटियों, यशयाह नबी नै थारे बारे म्ह या भविष्यवाणी ठीक करी सै” 8 ये माणस होट्टां तै तो मेरा आदर करै सै, पर उनका मन मेरै तै दूर रहवै सै। 9 “अर वे खांम-खा मेरी भगति करै सै, क्यूँके माणसां के तरीक्यां नै धर्म उपदेश करके सिखावै सै।” 10 फेर उसनै माणसां ताहीं अपने धोरै बुलाके उनतै कह्या, “सुणो, अर समझो 11 जो मुँह म्ह जावै सै, वो माणस नै अशुद्ध कोनी करदा, पर जो मुँह तै लिंकड़े सै, वोए माणस नै अशुद्ध करै सै।” 12 फेर चेल्यां नै आके उसतै कह्या, “के तन्ने बेरा सै के फरीसियां नै यो वचन सुणके ठोकर खाई?” 13 उसनै जवाब दिया, “हरेक पौधा जो मेरे सुर्गियां पिता नै न्ही लगाया, उखाड़ा जावेगा। 14 उन ताहीं जाण द्यो; वे आन्धे राह बताणीये सै अर आन्धा जै आन्धे नै राह दिखावै, तो दोन्नु ए खड्डे म्ह गिरैगें।” 15 न्यू सुणके पतरस नै उसतै कह्या, “यो उदाहरण म्हारै ताहीं समझा दे।” 16 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम भी इब ताहीं नासमझ सो? 17 के थमने न्ही बेरा के जो कुछ मुँह म्ह जावै वो पेट म्ह पड़े सै, अर संडास के जरिये लिंकड़ जावै सै? 18 पर जो कुछ मुँह तै लिंकड़े सै, वो मन तै लिंकड़े सै, अर वोए माणस ताहीं अशुद्ध करै सै। 19 क्यूँके भुन्दे विचार, हत्या, जारी, बिगान्नी बिबान्नी धोरै जाणा, चोरी, झूठी गवाही अर बुराई मन तै ए लिंकड़े सै। 20 येए सै जो माणस नै अशुद्ध करै सै, पर हाथ बिना धोए रोटी खाणा माणस नै अशुद्ध कोनी करदा।” 21 यीशु ओड़ै तै लिंकड़के, सूर अर सैदा के परदेसां कान्ही चल्या गया। 22 उस परदेस तै एक कनानी बिरबान्नी लिंकड़ी, अर किल्ली मारके कहण लाग्गी, “हे प्रभु! दाऊद की ऊलाद, मेरै पै दया कर! मेरी बेटी ताहीं ओपरी आत्मा घणी सतावै सै।” 23 पर यीशु नै उसतै कुछ जवाब कोनी दिया। फेर उसके चेल्यां नै आके उसतै बिनती करी, “इस ताहीं बिदा करो, क्यूँके वा म्हारै पाच्छे रुक्के मारदी आवण लागरी सै।” 24 यीशु नै जवाब दिया, “इसाएल के कुण्बे की खोई होइ भेट्टां नै छोड़ मै किसे के धोरै कोनी भेज्या गया।” 25 पर वा आई, अर यीशु ताहीं प्रणाम करके कहण लाग्गी, “हे प्रभु, मेरी मदद कर।” 26 यीशु नै जवाब दिया, “छोरयां की रोटी लैके कुत्त्या के आगै गेरणा ठीक कोनी।” 27 उसनै कह्या, “साच्च्य सै प्रभु, पर कुत्ते भी तो मेज के तळे बाळकां की रोटी के टुकड़े खा लवै सै।” 28 इसपै यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे नारी, तेरा बिश्वास पक्का सै। जिसा तू चाहवै सै, तेरे खात्तर उसाए हो।” अर उसकी बेटी उससे घड़ी तै चंगी होगयी। 29 यीशु ओड़ै तै गलील समुन्दर के धोरै आया, अर पहाड़ पै चढ़के बैठग्या। 30 फेर भीड़ की भीड़ उसके धोरै आई। वे अपने गेल्या लंगडा नै, आन्धा नै, टुंड्यां नै, गूंग्या नै अर दुसरे घणेए माणसां नै उसके धोरै ल्याए, अर उन ताहीं उसके पायां म्ह गेर दिया, अर उसनै उन ताहीं ठीक करया। 31 जिब माणसां नै देख्या के गुँगे बोल्लै सै, अर टुंडे चंगे होवै सै, अर लंगड़े चाल्लै सै, अर आन्धे देख्खै सै तो हेरान होके इसाएल के परमेसवर की बड़ाई करी। 32 यीशु नै अपने चेल्यां ताहीं बुलाया अर कह्या, “मन्ने इस भीड़ पै तरस आवै सै, क्यूँके वे तीन दिनां तै मेरे गेल्या सै अर उनके धोरै कुछ खाण नै भी कोनी। मैं उननै भूख्या बिदा करणा न्ही चाहन्दा, कदे इसा ना हो राह म्ह थक हार के बेहोस हो जावै।” 33 चेल्यां नै उसतै कह्या, “हमनै इस बण म्ह कित्त तै इतनी रोटी मिलैगी के हम इतनी बड़ी भीड़ ताहीं छिकावा?” 34 यीशु नै उनतै बुझ्याया, “थारे धोरै कितनी रोटी सै?” उननै कह्या, “सात, अर माड़ी-सी छोट्टी मच्छी।” 35 फेर उसनै माणसां ताहीं धरती पै बैठण का हुकम दिया। 36 अर उन सात रोटी अर मच्छियां ताहीं लिया, परमेसवर का धन्यवाद करके तोड्या, अर अपने चेल्यां ताहीं देन्दा गया, चेल्लें माणसां का थपेड़े इस्के तोड्या, अर अपने छिकगे अर चेल्यां नै बचे होइ टुकड्या तै सात टोकरे टाप। 38 खाण आळे बिरबानियां अर बाळकां नै छोड़के चार हजार माणस थे। 39 जिब वो भीड़ नै बिदया करके किस्ती म्ह चढ़ग्या अर मगदन देश की सीमा म्ह आया।

16 फरीसियों अर सदूकियों नै धोरे आके उस ताहीं परखण कै खात्तर उसते कहा, “हमनै सुर्ग की कोए निशानी दिखा।” 2 उसने उन ताहीं जवाब दिया, “साँझ नै थम कहो सो, ‘मौसम खुला रहवैगा, क्यातैके अकास लाल सै’, 3 अर तड़कैए नै कहो सो, ‘आज आँधी आवैगी, क्यूँके अकास लाल अर थूळ-भरया सै।’ थम अकास के लछण देखकै उसका भेद बता सको सो, पर आज कै बखत म्ह जो होण लाग रह्य सै उसनै देखकै भेद क्यूँ नही बता सकदे? 4 इस युग के बुरे अर जार माणस चिन्ह-चमत्कार टोहँ सै, पर योना नबी के चिन्ह-चमत्कार नै छोड़ उन ताहीं और कोए चिन्ह-चमत्कार कोनी दिया जावैगा।” अर वो उननै छोड़कै चल्या गया। 5 चेल्लेँ समुन्दर के परली ओड़ पोहचे, पर वे रोटी लेणा भूलगे थे। 6 यीशु नै उनकी कपट रूपी शिक्षा के बारेँ म्ह उनतै कहा, “देखो, फरीसियों अर सदूकियों कै खमीर तै चौकन्ने रहियो।” 7 वे आप्पस म्ह विचार करण लागे, “हम रोटी कोनी ल्याए ज्यातै वो इस तरियाँ कहवै सै।” 8 न्यू जाणकै यीशु नै उनतै कहा, “हे अल्प बिश्वासियों, थम क्यातै विचार करो सो के म्हारै धोरे रोटी कोनी सै? 9 के थम इब ताहीं नही समझदे? के थमनै उन पाँच हजार की पाँच रोटी याद कोनी, अर ना यो के थमनै कितनी टोकरीयाँ ठाई थी? 10 अर उन चार हजार की सात रोटी, अर ना यो के थमनै कितने टोकरे टाए थे? 11 थम क्यातै नही समझदे के मननै थारे तै रोटीयाँ के बाबत नही कहा, पर यो के फरीसियाँ अर सदूकियाँ के खमीर तै चौकन्ने रहियो।” 12 फेर उनकै समझ म्ह आया के उसनै रोटी कै खमीर तै नही, पर फरीसियाँ अर सदूकियों की शिक्षा तै चौकन्ने रहण नै कहा था। 13 यीशु कैसरिया फिलिप्पी के परदेस म्ह आया, अर अपणे चेल्याँ तै बुझण लागया, “लोग मुझ माणस कै बेटे नै के कहवै सै?” 14 वे बोल्ले, “कुछ तो यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा कहवै सै, अर कुछ एलियाह, अर कुछ यिर्मयाह या नबियाँ म्ह तै कोए एक कहवै सै।” 15 उसनै उनतै कहा, “पर थम मननै के कहो सो?” 16 शमीन पतरस नै जवाब दिया, “तू जिन्दे परमेसवर का बेटा मसीह सै।” 17 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे शमीन, योना के बेटे, तू थन्य सै; क्यूँके माँस अर लहू नै नही, पर मेरे पिता नै जो सुर्ग म्ह सै, या बात तेरे पै जाहिर करी सै। 18 अर मै भी तेरे तै कहूँ सूँ के तू पतरस सै, अर मै इस पत्थर पै अपणी कलीसिया बणाऊँगा, अर अथोलोक के फाटक उसपै हावी कोनी होवैगें। (Hades g86) 19 मै तन्ने सुर्ग के राज्य की ताळी दिउँगा जो कुछ तू धरती पै बंधेगा, वो सुर्ग म्ह बंधेगा; अर जो तू धरती पै खोलैगा, वो सुर्ग म्ह खुलैगा।” 20 फेर उसनै चेल्याँ ताहीं चितया के किसे तै ना कहियो के मै मसीह सूँ। 21 उस बखत तै यीशु अपणे चेल्याँ तै बताण लागया, “जरूरी सै के मै यरुशलेम म्ह जाऊँ अर यहूदी अगुवें, प्रधान याजकाँ, शास्त्रियाँ के हाथ्याँ तै घणा दुख ठाऊँ; अर मार दिया जाऊँ; अर तीसरे दिन जी उठूँ।” 22 इसपै पतरस उसनै न्यारा ले जाके झिडकण लागया, “हे प्रभु, परमेसवर इसा ना करै! तेरे गेल्या इसा कदे ना होवैगा।” 23 उसनै पलटके पतरस तै कहा, “हे शेतान, मेरे स्याम्ही तै दूर हो! तू मेरे खात्तर ठोक्कर का कारण सै; क्यातैके तू परमेसवर की बाताँ पै नही, पर माणसाँ की बाताँ पै मन लगावै सै।” 24 फेर यीशु नै अपणे चेल्याँ तै कहा, “जो कोए मेरा चेल्ला बणणा चाहवै, वो अपणी ए इच्छा पूरी ना करै बल्के अपणे दुखाँ का क्रूस ठाकै, मेरे पाच्छे हो लवै। 25 क्यूँके जो अपणी जान बचाणा चाहवैगा, वो उसनै खोवैगा; अर जो कोए मेरे खात्तर जान खोवैगा, वो उसनै पावैगा। 26 जै माणस सारी दुनिया नै पा लेवै, अर अपणी जान का नुकसान ठावै, तो उसनै के फायदा होगा? या माणस अपणी जान के बदले के देवेगा? 27 मै माणस का बेटा अपणे सुर्गदूताँ के गेल्या अपणे पिता की महिमा म्ह आऊँगा, अर उस बखत मै हेरक नै उसके काम्माँ के मुताबिक प्रतिफळ देऊँगा।” 28 “मै थारे तै साच्ची कहूँ सूँ जो आडै खड़े सै उन म्ह तै कुछ इसे सै के जिब तक वे मुझ माणस के बेटे नै उसके राज्य म्ह आन्दे होए ना देख लेगें तब ताहीं मौत उननै छू भी नही पावैगी।”

17 छ: दिनाँ पाच्छे यीशु नै पतरस अर याकूब अर उसके भाई यूहन्ना ताहीं गेल्या लिया, अर उन ताहीं एक्ले म्ह किसे ऊँचे पहाड़ पै लेग्या। 2 ओड़े उनके स्याम्ही उसका रूप म्ह बदलाव होया, अर उसका मुँह सूरज की ढाळ चमक्या अर उसके लते चाँदणे की ढाळ धोळे होये। 3 अर मूसा नबी अर एलियाह उसके गेल्या बात करदे होड़ दिक्खे। 4 इसपै पतरस नै यीशु तै कहा, “हे प्रभु, म्हारा उरै रहणा ठीक सै। जै तेरी मर्जी हो तो मै उरै तीन मण्डप बणाऊँ, एक तेरे खात्तर, एक मूसा नबी खात्तर, एक एलियाह नबी खात्तर।” 5 वो बोल्लणए लागरया था के एक चमकदा होया बादळ उनपै छाग्या, अर उस बादळ म्ह तै या वाणी लिक्की, “यो मेरा प्यारा बेटा सै, जिसतै मै राज्जी सूँ: इसकी सुणो।” 6 चेल्लेँ न्यू सुणकै मुँह कै बळ गिरगे अर घणे डरगे। 7 यीशु नै धोरे आके उन ताहीं छुया, अर बोल्या, “उठो, डरो मतना।” 8 फेर उननै अपणी निगाँह करी अर यीशु नै छोड़ और किसे ताहीं कोनी देख्या। 9 जिब वे पहाड़ पै तै उतरण लागे थे, तो यीशु नै उनतै यो हुकम दिया, “जिब ताहीं मै माणस का बेटा मेरे होया म्ह तै जिन्दा नही हो जाऊँगा, तब ताहीं जो कुछ थमनै देख्या सै किसे तै ना कहियो।” 10 इसपै उसके चेल्याँ नै उसतै बुझ्या, “फेर शास्त्री क्यातै कहवै सै के एलियाह का पैहल्या आण जरूरी सै।” 11 उसनै जवाब दिया, “एलियाह जरूर आवैगा, अर सारा कुछ सुधरेगा। 12 पर मै थमनै कहूँ सूँ के एलियाह आ लिया, अर माणसाँ नै उस ताहीं नही पिच्छाणा, पर जिंसा चाहा उसापै उसके गेल्या करया। इस तरियाँ तै मै माणस का बेटा भी उनके हाथ्याँ तै दुख ठाऊँगा।” 13 फेर चेल्याँ नै समझया के उसनै म्हारै तै यूहन्ना बपतिस्मा देणीये के बाबत कहा सै। 14 जिब वो भीड़ के धोरे पोहचे, तो एक माणस उसके धोरे आया, अर गोड़े टेक के कहण लागया, 15 “हे प्रभु, मेरे बेटे पै दया कर! क्यूँके उस ताहीं मिर्घी आवे सै, अर वो घणा दुख ठावे सै; अर बार-बार आग म्ह अर बार-बार पाणी म्ह पड़ ज्या सै। 16 अर मै उसनै तेरे चेल्याँ धोरे ल्याया था, पर वे उसनै ठीक कोनी कर सके।” 17 यीशु नै जवाब दिया, “हे अबिश्वासी अर जिदी माणसाँ, मै कद ताहीं थारे गेल्या रहूँगा? कद ताहीं थारी सहूँगा? उसनै उरै मेरे धोरे ल्याओ।” 18 फेर यीशु नै ओपरी आत्मा ताहीं धमकाया, वा उस म्ह तै लिक्किया अर छोरा उससे बखत ठीक होग्या। 19 फेर चेल्याँ नै एक्ले म्ह यीशु के धोरे आके कहा, “हम उसनै क्यातै नही काळ सके?” 20 उसनै उनतै कहा, “अपणे बिश्वास की कमी के कारण, क्यूँके मै थमनै साच्ची कहूँ सूँ, जै थारा बिश्वास राई के दाणे के बराबर भी हो, तो इस पहाड़ तै कह सकोगे, ‘उरै तै सरकके ओड़े चल्या जा’, तो वो चल्या जावैगा, अर कोए बात थारे खात्तर मुश्किल कोनी होवैगी।” 21 (पर या जात बिना प्रार्थना अर ब्रत के कोनी लिक्किया) 22 जिब वे गलील परदेस म्ह थे, तो यीशु नै उनतै कहा, “मै माणस का बेटा माणसाँ के हाथ्याँ म्ह पकड़वाया जाऊँगा। 23 वे मननै मार देवैगें, अर मै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।” इसपै वे घणे उदास होए। 24 जिब वे कफरनहूम पोहचे, तो मन्दर का कर लेण आळा नै पतरस के धोरे आणके बुझ्या, “के थारा गुरु, मन्दर का कर कोनी देद?” 25 उसनै कहा, “हाँ, देवै सै।” जिब वो घराँ आया, तो यीशु नै उसके बुझण तै पैहल्याए उसतै कहा, “हे शमीन, तू के सोच्चे सै? धरती के राजा चुंगी किन तै लेवै सै? अपणे बेट्याँ तै या बिगान्याँ तै?” 26 पतरस नै उसतै कहा “बिगान्याँ तै।” यीशु नै उसतै कहा “तो बेटे बचगे। 27 तोभी इस खात्तर के हम उननै ठोक्कर ना खुवावा, तू झील कै किनारे जाके कांडा गरे, अर जो मच्छी पैहले लिक्कै, उसनै ले, उसका मुँह खोल्लण पै तेरे ताहीं एक सिक्का (जिसकी किम्मत चार दिन की मजदूरी के बराबर हो सै) मिलैगा, उससे नै लेके मेरे अर अपणे बदले म्ह दे दिये।”

18 उस घड़ी चेल्लेँ यीशु के धोरे आके बुझण लागे, “सुर्ग कै राज्य म्ह बड़ड़ा कौण सै?” 2 इसपै उसनै एक बाळक ताहीं धोरे बुलाके उनके बिचाळे खड्या करया, 3 अर कहा, “मै थमनै सच कहूँ सूँ के जिब ताहीं थम नही बदलो अर बाळकाँ की ढाळ नम्र नही बणो, थम सुर्ग कै राज्य म्ह बड़ नही सकदे। 4 जो कोए अपणे-आपनै इस बाळक की ढाळ छोटा करेगा, वो सुर्ग

के राज्य मह बड़ड़ा होवेगा। 5 अर जो कोए मेरे नाम तै एक इसे बाळक ताहीं अपणावै सै वो मन्ने अपणावै सै।” 6 पर जो कोए इन छोट्या बाळकां समान जो मेरे पै बिश्वास करै सै, किसे तै भी पाप करवावै, तो उसके खातर भला योए सै के एक बड्डी चाक्की का पाट उसके गळ मह लटकाया जावै, अर वो डून्हा समुन्दर मह डबोया जान्दा। 7 ठोकरां कै कारण दुनिया पै हाय! ठोकरां का लागणा जरूरी सै; पर थिक्कार सै उस माणस पै जिसकै जरिये ठोक्कर लागी सै। 8 जै तेरा हाथ या तेरा पैर तेरे तै पाप करवावै सै, तो उसने काटके बगा दे, टुंडा या लंगड़ा होके जीवन मह दाखल होणा इसते भला सै के दो हाथ या दो पैर रहंदे होए तू अनन्त आग मह गेरया जावै। (aiōnios g166) 9 जै तेरी आँख तेरे तै पाप करवावै सै, तो उस ताहीं लिकाड़के फेक दे, काणा होके अनन्त जीवन मह बड़णा तेरे खातर भला सै, ना के दो आँख रहंदे होए तू नरक की आग मह गेरया जावै। (Geenna g1067) 10 देखो, थम इन छोट्या मह तै किसे नै तुच्छ ना जाणीयो, क्यूँके मै थमनै कहुँ सूँ के सुर्ग मह उनके सुर्गादूत मेरे सुर्गीय पिता की मौजूदगी मह सदा रहवै सै। 11 (क्यूँके मै माणस का बेटा खोये होया नै बचाण आया सूँ।) 12 थारा इसके बारे मह के विचार सै? जै किसे माणस की सौ भेड़ हों, अर उन मह तै एक भटक जावै, तो के वो निन्यानवे ताहीं छोड़के, अर पहाड़ां पै जाके, उस भटकी होई नै कोनी ठोहवेगा? 13 अर जै इसा हो के उसने पावै, तो मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ, के वो उन निन्यानवे भेड़ां के खातर जो भटकी कोनी थी, इतणा आनन्द कोनी करैगा जितना के इस भेड़ के खातर करैगा। 14 इससे ढाळ थारे पिता की जो सुर्ग मह सै या मर्जी कोनी के इन छोट्यां मह तै एक भी नाश हो। 15 “जै तेरा बिश्वासी भाई तेरे खिलाफ कसूर करै, तो जा अर एकले मह बतळा के उसनै समझा, जै वो तेरी सुणके पछतावै तो तन्ने अपणे भाई ताहीं पा लिया। 16 जै वो तेरी न्ही सुणै, तो एक या दो जन नै अपणे गेल्या और ले जा, क्यूँके मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक ‘हरेक बात दो या तीन तै ज्यादा गवाह के स्पाम्ही सच साबित हो जावै।’ 17 जै वो उनकी भी न्ही मान्ने, तो कलीसिया तै कह दे, पर जै वो कलीसिया की भी कोनी मान्ने तो तू यो समझ ले के वो गैर यहूदी अर चुंगी लेण आळे जिसा सै।” 18 “मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ, जो कुछ थम धरती पै बांधोगे, वो सुर्ग मह बंधेगा अर जो कुछ थम धरती पै खोल्लोगे, वो सुर्ग मह खुल्लेगा।” 19 “फेर मै थमनै कहुँ सूँ, जै थारे मह तै दो जणे धरती पै किसे बात के खातर एक मन होके बिनती करै, तो वा मेरे पिता की ओड़ तै जो सुर्ग मह सै, उनके खातर हो जावेगी। 20 क्यूँके जड़े दो या तीन मेरे नाम पै कट्टे होवै सै, ओड़ै मै उनके बिचाळै मह होऊँ सूँ।” 21 जिन पतरस नै धोरे आके उसतै कह्या, “हे प्रभु, जै मेरा भाई कसूर कदा रहवै, तो मै कितनी बार उस ताहीं माफ करूँ? के सात बार?” 22 यीशु नै उसतै कह्या, “मै तेरे तै यो न्ही कहन्दा के सात बार, बल्के सात बार के सत्तर गुणा तक माफ करिये।” 23 “इस करके सुर्ग के राज्य की तुलना इस उदाहरण तै करी जा सके सै, किसे राजा नै अपणे नौकरां का लेक्खा (ब्यौरा) लेणा चाह्या। 24 जिन वो लेक्खा लेण लाग्या, तो एक जणा उसके स्पाम्ही ल्याया गया जो दस हजार तोड़े का कर्जवान था। 25 जिन के चुकता करण नै उसके धोरे कुछ कोनी था, तो उसके माल्लिक नै कह्या, “यो अर इसकी घरआळी अर बाळ-बच्चे अर जो कुछ इसका सै सारा बेच्या जावै, अर कर्ज चुकता करया जावै।” 26 “इसपै उस नौक्कर नै उसके पायां मह पड़के उस ताहीं कह्या, ‘हे राजा धीरज धर, मै सारा कुछ भर दियूँगा।’ 27 इसपै राजा नै तरस खाके उस नौक्कर ताहीं छोड़ दिया, अर उसका कर्जा भी माफ कर दिया।” 28 “पर जिन वो नौक्कर बाहरणै लिकड़या, तो उसके साथ के नौकरां मह तै एक उसतै मिल्या जो उसके सौ दीनार (100 दिन की मजदूरी) का कर्जदार था; उसनै पकड़के उसका गळा घोट्या अर कह्या, ‘जो कुछ मेरा तेरे पै कर्ज सै भर दे।’” 29 “इसपै उसका साथ का नौक्कर पायां मह पड़के उसतै बिनती करण लाग्या, ‘धीरज धर, मै सारा कुछ भर दियूँगा।’” 30 वो न्ही मान्या, पर जाके उस ताहीं जेळ मह गेर दिया के जिन ताहीं कर्जा ना भर दे, तब तक ओड़ै रहवै। 31 उसके गेल्या के नौक्कर यो जो होया था देखके घणे उदास होए, अर जाके अपणे राजा

ताहीं पूरा हाल बता दिया। 32 “फेर राजा नै उस ताहीं बुलाके उसतै कह्या, ‘हे दुष्ट नौक्कर, तन्ने जो मेरे तै बिनती करी, तो मन्ने तेरा वो सारा कर्जा माफ कर दिया। 33 ज्यांतै जिन ढाळ मन्ने तेरे पै दया करी, उससे तरियां के तन्ने भी अपणे साथ के नौक्कर पै दया न्ही करणी चाहिये थी?’ 34 अर उसके माल्लिक नै छो मह आके उस ताहीं दण्ड देणआळे के हाथ्यां मह सौप दिया, के जिन ताहीं वो सारा कर्जा भर न्ही देवै, तब तक उनके हाथ्यां मह रहवै। 35 “इससे ढाळ जै थारे मह तै अपणे भाई नै ना माफ करै तो मेरा पिता जो सुर्ग मह सै थारे तै उसाए करैगा।”

19 जिन यीशु नै ये बात कह ली, तो गलील परदेस तै चल्या गया; अर यरदन नदी कै परली ओड़ यहूदिया परदेस मह आया। 2 फेर बड्डी भीड़ उसके पाछै हो ली, अर उसने ओड़ै उन ताहीं चंगा करया। 3 फेर फरीसी उसने परखण खातर धोरे आके बोल्ले, “के किसे भी कारण तै अपणी घरआळी ताहीं छोड़णा ठीक सै?” 4 उसनै जवाब दिया, “के थमनै न्ही पढ़्या के जिसनै उन ताहीं बणाया, उसनै शरूआत तै नर अर नारी बणाके कह्या, 5 इस कारण माणस अपणे माँ-बाप तै न्यारा होके अपणी घरआळी के गेल्या रहवेगा अर वे दोन्नु एकए तन होवेगें? 6 इस करके इब वे दो न्ही, पर एक तन सै। इस करके जिन ताहीं परमेसवर नै जोड़या सै, उन ताहीं माणस न्यारा ना करै।” 7 उननै उसतै कह्या, “फेर मूसा नबी नै यो क्यताे ठहराया के तलाक देके उस ताहीं छोड़दे?” 8 उसनै उनतै कह्या, “मूसा नबी नै थारे मन की कठोरता के कारण थारे तै अपणी-अपणी घरआळी ताहीं छोड़ देण का हुकम दिया, पर शरूआत मह इसा कोनी था। 9 अर मै थमनै कहुँ सूँ, के जो कोए जारी नै छोड़के और किसे कारण तै अपणी घरआळी नै छोड़के दुसरा ब्याह करे, वो जारी करे सै, जो उस छोड़ै होई तै ब्याह करे, वो भी जारी करे सै।” 10 चेल्यां नै यीशु तै कह्या, “जै माणस का बिबान्नी के गेल्या इसा सम्बन्ध सै, तो ब्याह करणा आच्छा कोनी।” 11 यीशु नै उनतै कह्या, “हरेक कोए इन उपदेशां पै चाल न्ही सकदे, सिर्फ वे जिन ताहीं या शक्ति देई गई सै। 12 क्यूँके कुछ नपुंसक इसे सै, जो माँ के पेट या गर्भ ए तै इसे जन्मे; अर कुछ नपुंसक इसे सै, जिन ताहीं माणस नै नपुंसक बणाया; अर कुछ नपुंसक इसे सै, जिन नै सुर्ग के राज्य के खातर खुद ताहीं नपुंसक बणाया सै। जो इस बात ताहीं समझ सके सै, वे समझ लें।” 13 फेर माणस बाळकां नै उसके धोरे ल्याए, के वो उनके उप्पर हाथ धरे अर प्रार्थना करै; पर चेल्यां नै उन ताहीं धमकाया। 14 यीशु नै कह्या, “बाळकां नै मेरे धोरे आण यो, अर उन ताहीं मना मतना करो, क्यूँके सुर्ग का राज्य इसाए का सै।” 15 अर वो उनपै हाथ धरके ओड़ै तै चल्या गया। 16 एक माणस यीशु के धोरे आया अर उसतै कह्या, “हे गुरु, मै कौण सा भला काम करूँ के अनन्त जीवन पाऊँ?” (aiōnios g166) 17 यीशु नै उसतै कह्या, “तू मेरे तै भलाई के बाबत क्यताे बुझई सै? भला तो एकैए सै, पर जै तू जीवन मह दाखल होणा चाहवै सै, तो हुकमां नै मान्या कर।” 18 उसनै यीशु तै कह्या, “कौण-से हुकम?” यीशु बोल्या, “खून ना करियो, जारी ना करियो, चोरी ना करियो, झूठी गवाही ना दियो, 19 अपणे माँ-बाप का आदर करियो, अर अपणे पडौसी तै अपणे जिसा प्यार राखियो।” 20 उस जवान नै उसतै कह्या, “इन सारया ताहीं तो मन्ने मान्या सै, इब मन्ने किस बात की कमी सै?” 21 यीशु नै उसतै कह्या, “जै तू सिध्द होणा चाहवै सै तो जा, अपणा सारा माळ बेचके कंगालां ताहीं दे, अर तन्ने सुर्ग मह धन मिलेगा; अर आके मेरा चेल्ला बणण खातर मेरे पाछै हो लो।” 22 पर वो जवान या बात सुणके उदास होके चल्या गया, क्यूँके वो घणा साहूकार था। 23 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै कह्या, “मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ के साहूकार का सुर्ग के राज्य मह बड़णा ओक्खा सै। 24 थारे ताहीं फेर कहुँ सूँ के जिस तरियां तै ऊँट का सूई के मोरे मह तै लिकड़णा आसान हो सके सै। पर परमेसवर के राज्य मह साहूकार का बड़णा भोत मुश्किल सै।” 25 न्यू सुणके चेल्यां नै हेरान होके कह्या, “फेर किसका उद्धार हो सके सै।” 26 यीशु नै उनकी ओड़ लखाके कह्या, “माणसां तै तो यो कोनी हो सकदा, पर परमेसवर तै सारा

कुछ हो सके सै।” 27 इसपै पतरस नै उसतै कहा, “देख, हम तो सारा कुछ छोड़के तेरे पाच्छे हो लिए सा: तो हमनै के मिलैगा?” 28 यीशु नै उनतै कहा, “मै थमने साची कहुँ सूँ के नयी सृष्टि म्ह जिब माणस का बेटा अपनी महिमा के सिंहासन पै बैँगा, तो थम भी जो मेरे पाच्छे हो लिए सो, बारहं सिंहासनं पै बैठके इस्राएल के बारहं गोत्रं का न्याय करोगे। 29 अर जिस किसे नै घर, या भाई-भाण, या माँ-बाप, या बाळ-बच्चे, या खेतं ताहीं मेरे नाम के खातर छोड़ दिया सै, उस ताहीं सौ गुणा मिलैगा, अर वो अनन्त जीवन का हकदार होवैगा। (aiōnios g166) 30 पर भोत-से जो पैहले सै, पाच्छले होंगे; अर जो पाच्छले सै, पैहले होंगे।”

20 यीशु नै अपने चेल्यां ताहीं सिखाण खातर एक और उदाहरण दिया, “सुमा का राज्य किसे घर के मालिक की ढाळ सै, जो तड़केए लिकड़या के अपने अंगूर के बाग म्ह मजदूरं नै लावै। 2 वो मजदूरं नै एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) रोज की दिहाड़ी पै ल्याया अर उननै अपने अंगूर के बाग म्ह भेज्या।” 3 “फेर सबेरे के नौ बजे पाच्छे उसनै लिकड़के और माणसां ताहीं बजार म्ह खड़े देख्या, 4 अर उसनै कहा, ‘थम भी अंगूर के बाग म्ह जाओ, अर मै एक दिन की जो भी मजदूरी थारी बणै सै वा थमनै दिवुंगा।’ अर वे भी काम पै चले गये। 5 फेर उसनै बारहं बजे अर तीन बजे के लोवे लिकड़के उससे तरियां करया। 6 तकरीबन पाँच बजे फेर वो अपने घर ते गया अर उसनै फेर कई माणसां ताहीं ओड़े खड़े देख्या, अर उसनै कहा, ‘थम क्यातै सारे दिन उरे बेकार खड़े रहों सों?’ उननै उसतै कहा, ‘ज्यातै के किसे नै म्हारे ताहीं मजदूरी पै कोनी लगाया।’” 7 “उसनै उनतै कहा, ‘थम भी मेरे अंगूर के बाग म्ह काम करण खातर जाओ।’” 8 “साँझ नै अंगूर के बाग के मालिक नै अपने भण्डारी तै कहा, ‘मजदूरं ताहीं बुलाके पाच्छल्यां तै लेके पैहल्या ताहीं उननै मजदूरी दे-दे।’” 9 “जो पाँच बजे लगाये थे, उन ताहीं एक-एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) मिल्या। 10 जो पैहल्या आये उननै यो सोच्या के म्हारे ताहीं घणा मिलैगा, पर उननै भी एक-एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) ए मिल्या। 11 मजदूरी तो उननै ले ली पर वे अंगूर के बाग के मालिक पै बिरडाके कहण लागे, 12 ‘जो पाच्छे लागे थे, उननै बस एक घंटा काम करया, अर तन्नै म्हारे ताहीं भी उतनाए दिया जितना उन ताहीं, जिब के हमनै दिन-भर बोझ ठाया अर घाम सहया?’” 13 “बाग के मालिक नै उन म्ह तै एक ताहीं जवाब दिया, ‘हे दोस्त, मन्नै तेरे गैल कोए अन्याय कोनी करया। के तन्नै ए मेरे तै एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) कोनी तय करया था? 14 जो तेरा सै, ठा ले अर चल्या जा; मेरी मर्जी के जितना तन्नै दिवुँ उतनाए इस पाच्छले ताहीं भी दिवुँ। 15 के यो ठीक कोनी के मै अपने धन का जो चाहूँ वो करूँ? के मेरे भले होण के कारण तू कड़वी नजर तै देखखे सै?’” 16 “इस तरियां तै जो पाच्छले सै, वे पैहले होंगे, जो पैहले सै, पाच्छले होवैगें।” 17 जब यीशु अपने बारहं चेल्यां गैल यरुशलेम नगर म्ह जाण लागरया था तो उन ताहीं एकान्त म्ह लेया, अर राह म्ह चालते-चालते उनतै बोल्या, 18 “देखो, हम यरुशलेम नगर म्ह जावां सा; अर मै माणस का बेटा प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ के हाथ्यां पकड़वाया जाऊँगा, वे मेरे खातर मौत की सजा तय करेगें। 19 अर मेरे ताहीं गैर यहूदियाँ के हाथ्यां म्ह सोपेगें, वे मेरा मजाक उड़ावेंगे, कोड़े मारेगें, क्रूस पै चढ़ावेंगे, अर मै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।” 20 फेर जब्दी के बेट्यां की माँ नै, अपने बेट्याँ के गेल्या यीशु के धारे आके प्रणाम करया, अर उसतै कुछ माँगण लागी। 21 यीशु नै उसतै कहा, “तू के चाहवे सै?” वा यीशु तै बोली, “मन्नै वचन दे, के मेरे ये दो बेटे तेरे राज्य म्ह एक तेरे सोळे अर दुसरा तेरे ओळे कान्ही बेटुँ।” 22 यीशु नै जवाब दिया, “थमनै न्ही बेरा के थम के माँगो सों। जो दुख का कटोरा मै पीण पै सूँ के थम वो दुख का कटोरा पी सकी सों?” उननै उस ताहीं कहा, “पी सकां सा।” 23 उसनै उनतै कहा, “थम मेरे दुख का कटोरा तो पी ल्योगे, पर अपने सोळे अर ओळे कान्ही किसे ताहीं बिठाणा मेरा काम कोनी, पर जिनके खातर मेरे पिता की ओड़ तै त्यार करया गया, उननै ए खातर सै।”

24 न्यू सुणके दसो चेल्ले उन दोन्नु भाईयाँ पै छो करण लागे। 25 यीशु नै उन ताहीं धारे बुलाके कहा, “थम जाणो सो के गैर यहूदियाँ के हाकिम उनपै राज करे सै; अर जो बड़े सै, वे उनपै हक जमावे सै। 26 पर थारे म्ह इसा कोनी होवैगा; जो कोए थारे म्ह बड़ड़ा होणा चाहवै, वो थारा सेवक बणै, 27 अर जो थारे म्ह प्रधान होणा चाहवै, वो दास बणै, 28 जिसा के मै माणस का बेटा, ज्यातै कोनी आया के मेरी सेवा-पाणी करी जावै, पर ज्यातै आया के खुद सेवा-पाणी करूँ, अर घणखरयां के छुटकारे के खातर अपनी जान देऊँ।” 29 जिब वे यरीहो नगर तै लिकड़े थे, तो एक बड्डी भीड़ यीशु के पाच्छे हो ली। 30 अर दो आन्धे, जो सड़क के किनारे बेटे थे, न्यू सुणके के यीशु जाण लागरया सै, रुक्का मारके कहण लागे, “हे प्रभु, हे दाऊद की ऊलाद, म्हारे पै दया कर।” 31 माणसां नै उन ताहीं धमकाया के बोल-बाल्ले रहवै; पर वे और भी रुक्के मारके बोले, “हे प्रभु, दाऊद की ऊलाद, म्हारे पै दया कर।” 32 फेर यीशु नै खड़े होके, उन ताहीं बुलाया अर कहा, “थम के चाहवो सो के मै थारे खातर करूँ?” 33 उननै उसतै कहा, “हे प्रभु, योए के हम देखण लाग जावां।” 34 यीशु नै तरस खाके उनकी आँखां पै हाथ लगाया, अर वे जिब्बे देखण लागे; अर उसके पाच्छे हो लिये।

21 जिब वे यरुशलेम नगर के लोवे पोहचे अर जैतून पहाड़ पै बैतफगे गाम के धारे आये, तो यीशु नै दो चेल्यां ताहीं न्यू कहके भेज्या, 2 “स्याम्ही के गाम म्ह जाओ। ओड़े पोहोचदये एक गधी बंधी होई, अर उसके गेल्या बच्चा थमनै मिलैगा। उननै खोल के मेरे धारे ल्याओ। 3 जै थारे तै कोए कुछ कहवै, तो कहियो के प्रभु नै इसकी जरूरत सै, अर वो तोळा उसनै भेज देवैगा।” 4 यो ज्यातै होया के जो वचन नबी के जरिये कहा गया था, वो पूरा हो 5 “यरुशलेम के लोगो तै कहो, ‘देख, थारा राजा थारे धारे आवे सै; वो नम्र सै, अर गधे पै बैठया सै; बल्के गधी के बच्चे पै।’” 6 चेल्यां नै जाके, जिसा यीशु नै उनतै कहा था, उससे तरियां करया। 7 अर गधी अर बच्चे ताहीं ल्याके, उसपै अपने लत्ते गेरे, अर वो उसपै बैठग्या। 8 फेर घणखरे माणसां नै अपने लत्ते राह म्ह बिछाये, अर माणसां नै दरखतां तै डालियाँ काटके राह म्ह बिछाई। 9 जो भीड़ आगै-आगै अर पाच्छे-पाच्छे चाल्ली आवे थी, रुक्के मार-मारके कहवै थी, “दाऊद की ऊलाद ताहीं होशाना, धन्य सै वो जो प्रभु के नाम तै आवे सै, अकास म्ह होशाना।” 10 जिब वो यरुशलेम म्ह बड़या, तो सारे नगर म्ह खलबल्ली माचगी, अर माणस कहण लागे, “यो कोण सै?” 11 माणसां नै कहा, “यो गलील परदेस के नासरत नगर का नबी यीशु सै।” 12 यीशु नै परमेसवर के मन्दर म्ह जाके उन सारया ताहीं, जो मन्दर म्ह लेण-देण करे थे, काढ दिया, अर सर्राफां (पईसा का लेण देण करण आळे) के पीढे अर कबूतर बेचणीयाँ की चौकियाँ उल्ट दी; 13 अर उनतै कहा, “लिख्या सै, ‘मेरा घर प्रार्थना का घर कुहावैगा; पर थम उसनै डाकुवां की गुफा बणाओ सो।’” 14 फेर आन्धे अर लंगड़े, मन्दर म्ह उसके धारे आये, अर उसनै उन ताहीं ठीक करया। 15 पर जिब प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ नै इन अनोक्खे काम्मां ताहीं, जो उसनै करे, अर छोरयां ताहीं मन्दर म्ह दाऊद की ऊलाद ताहीं होशाना रुक्के मारदे देख्या, तो वे छो म्ह भरगे, 16 अर उसतै कहण लागे, “के तू सुणै सै के ये के कहवे सै?” यीशु नै उनतै कहा, “हाँ; के थमनै यो कदे कोनी पढ्या: ‘बाळकां अर दूध पीन्दे बच्चां के मुँह तै तन्नै घणी जै-जै काराई?’” 17 फेर वो उननै छोड़के नगर के बाहरण आके बैतनिय्याह गाम म्ह गया अर ओड़े रात बिताई। 18 तड़केए जिब वो नगर नै बोहड़ण लागरया था तो उसनै भूख लागी। 19 सड़क के किनारे अंजीर का एक दरखत देखके वो उसके धारे गया, अर पत्त्या नै छोड़ उस म्ह और कुछ ना पाके उसतै कहा, “इब तै तेरे म्ह फेर कदे फळ कोनी लागे।” अर अंजीर का दरखत जिब्बे सूखग्या। (aiōn g165) 20 न्यू देखके चेल्यां नै हैरानी होई अर उननै कहा, “यो अंजीर का दरखत जिब्बे किस तरियां सूखग्या?” 21 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “मै थमनै साची कहुँ सूँ, जै थम बिश्वास राक्खो अर शक ना करो, तो ना केवल यो करोगे जो इस अंजीर के दरखत गेल्या करया गया सै, पर जै इस

पहाड़ न कहोगे, 'उखड़ जा, अर समुन्दर म्ह जा पड़', तो यो भी हो जावैगा। 22 अर जो कुछ थम प्रार्थना म्ह बिश्वास तै माँगोगे वो सारा थमनै मिलैगा।" 23 वो मन्दर जाके उपदेश देवे था, तो प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै उसकै धारे आके बुझ्झया, "तू ये काम किसके हक तै करे सै? अर तरे ताहीं यो हक किसनै दिया सै?" 24 यीशु नै उनतै जवाब दिया, "मै भी थारे तै एक बात बुझ्झु सूं; जै वो मन्नै बताओगे, तो मै भी थमनै बताऊंगा के ये काम किस हक तै करूं सूं; 15 यूहन्ना का बपतिस्मा कित्त तै था? सुर्ग की ओड़ तै या माणसां की ओड़ तै?" फेर वे आप्स म्ह बहस करण लाग्गे, "जै हम कहाँ 'सुर्ग की ओड़ तै' तो वो म्हारे तै कहवैगा, 'फेर थमनै उसका बिश्वास क्यातै न्ही करया?' 26 अर जै कहाँ 'माणसां की ओड़ तै' तो हमनै भीड़ का डर सै, क्यूँके वे सारे यूहन्ना ताहीं नबी मान्ने सै।" 27 फेर उननै यीशु ताहीं जवाब दिया, "हमनै न्ही बेरा।" यीशु नै भी उनतै कहा, "तो मै भी थमनै कोनी बतान्दा के ये काम किस हक तै करूं सूं।" 28 "आच्छा बताओ थम इस बारें म्ह के कहो सो? के किसे माणस के दो बेटे थे; उसनै पैहले के धारे जाके कहा, 'हे बेटे, आज अंगूर के बाग म्ह काम कर।'" 29 "पर बेटे नै जवाब दिया, 'मै कोनी जान्दा', पर कुछ बखत के बाद अपने दिए होए जवाब पै उसनै धारे पछलावा होया अर वो चल्या गया।" 30 "फेर पिता नै दुसरे के धारे जाके न्यूए कहा, उसनै जवाब दिया, 'जी हॉं जाऊं सूं', पर कोनी गया।" 31 "इन दोनुवां म्ह तै किसनै पिता की मर्जी पूरी करी?" उननै कहा, "पैहले नै।" यीशु नै उनतै कहा, "मै थारे तै साच्ची कहुँ सूं के चुंगी लेण आळे अर बेश्याएँ थारे तै पैहल्या परमेसवर के राज्य म्ह दाखल हो जावैगे। 32 यो मै इस खात्तर कहुँ सूं क्यूँके यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा धर्म की राह दिखान्दे होए थारे धारे आया, अर थमनै उसका बिश्वास कोनी करया; पर चुंगी लेण आळे अर बेश्यायों नै उसका बिश्वास करया अर थमनै न्यू देखके भी पाप करणा कोनी छोड्या अर ना ए उसका बिश्वास करया।" 33 एक और उदाहरण सुणो एक घर का मालिक था, जिसनै अंगूर का बाग लगाया, अर उसकै चौगरदे नै बाड़ा बाँधया, अर रस का कुण्ड खोद्या, अर रुखाळ खात्तर एक मचान बणाया; अर किसानां ताहीं उसका ठेक्का देकै परदेस चल्या गया। 34 जिब फळ का बखत लोवै आया, तो उसनै अपने नौकरां ताहीं उसका फळां का हिस्सा लेण नै किसानां धारे भेज्या। 35 पर किसानां नै उसके नौकरां ताहीं पकड़के, किसे ताहीं छेल्या, अर किसे ताहीं मार दिया, अर किसे पै पत्थर बरसाए। 36 फेर उसनै पैहल्या तै घणे और नौकरां ताहीं भेज्या, अर उननै भी उससे तरियां करया। 37 आखर म्ह उसनै अपने बेटे ताहीं उनकै धारे न्यू सोचके भेज्या के वे मैरे बेटे की इज्जत करेगें 38 "पर किसानां नै बेटे ताहीं देखके आप्स म्ह कहा, 'यो तो वारिस सै, आओ, इसनै मार देवा अर इसकी विरासत ले लेवां।'" 39 अर उननै उस ताहीं पकड़्या अर अंगूर के बाग तै बाहरणे काढके मार दिया। 40 "इस करके जिब अंगूर के बाग का मालिक आवैगा, तो उन किसानां के गेल्या के करेगा?" 41 उननै उसतै कहा, "वो उन भुन्दे माणसां का भुंडी ढाळ नाश करेगा; अर अंगूर के बाग का ठेका दुसरे किसानां ताहीं देवैगा, जो बखत पै उस ताहीं फळ दिया करेगें।" 42 यीशु नै उनतै कहा, "के थमनै कदे भी पवित्र ग्रन्थ म्ह यो कोनी पढ्या: 'जिस पत्थर ताहीं राजमिस्त्रियाँ नै बेकार ठहराया था, वोए कुणे के सिरे का पत्थर होगया? यो प्रभु की ओड़ तै होया, अर म्हारी निगांह म्ह अनोख्वा सै।'" 43 "ज्यांतै मै थमनै कहुँ सूं के परमेसवर का राज्य थारे तै ले लिया जावैगा अर इसी जात ताहीं दिया जावैगा, जो उसका आच्छा फळ ल्यावै सै। 44 जो इस पत्थर पै पड़ेगा, वो चकणाचूर हो जावैगा; अर जिसपै वो पड़ेगा, उसनै पिस देवैगा।" 45 प्रधान याजक अर फरीसी उसके उदाहरणां नै सुणके समझगे, के वो उनके बाबत कहवै सै। 46 अर उननै उस ताहीं पकड़्या चाम्झगे, पर माणसां तै डरगे क्यूँके वे उसनै नबी मान्ने थे।

22 इसपै यीशु फेर उनतै उदाहरणां म्ह कहण लाग्या, 2 "सुर्ग का राज्य उस राजा की ढाळ सै, जिसनै अपने बेटे का ब्याह करया। 3 अर

उसनै अपने नौकरां ताहीं भेज्या, के न्यूदे होड़ माणसां ताहीं ब्याह के जिमणे म्ह बुलावे; पर उननै आणा न्ही चाह्वा।" 4 "फेर उसनै और नौकरां ताहीं न्यू कहके भेज्या, 'न्यूदे होड़ माणसां ताहीं कहो देखवो, मन्नै भोज त्यार कर लिया सै, अर मेरे बळध अर पळे होड़ डानगर काट लिये सै: सारा कुछ त्यार सै; ब्याह के जिमणे म्ह आओ।'" 5 पर वे बेपरवाह होके चले गये, कोए अपने खेतां म्ह, कोए अपने धन्धे पै। 6 और कई माणसां नै तो राजा के नौकरां ताहीं पकड़के उनकी बेजती करी अर उन ताहीं मार दिया। 7 जिब राजा नै यो सुणया तो छो भ्र भरग्या, अर अपनी पलटन भेजके उन हत्यारा का नाश करया, अर उनके नगर फूँक दिए। 8 फेर राजा नै अपने नौकरां तै कहा, 'ब्याह का भोज तो त्यार सै, पर के न्यूदे होड़ माणस इस जोगे कोनी ठहरे। 9 इस करके चौराहयाँ पै जाओ, अर जितने माणस थमनै मिले, सारया ताहीं ब्याह के भोज म्ह बुला ल्याओ। 10 इस तरियां उसके नौकरां नै सड़कां पै जाके के भुन्दे, के आच्छे, जितने मिले सारया ताहीं कट्टा करया; ब्याह का घर मेहमानां तै भरग्या। 11 जिब राजा मेहमानां नै देखण भीत्तर आया, तो उसनै ओड़ै एक माणस ताहीं देख्या, जो ब्याह आळे लते कोनी पहररया था। 12 उसनै उसतै बुझ्झया, हे दोस्त, तू ब्याह म्ह पैहरे जाण आळे लते पहरे बिना उरै क्यातै आ गया। उसका मुँह बन्द होइया। 13 फेर राजा नै नौकरां तै कहा, 'इसके हाथ-पैर जुड़के उस ताहीं बाहरणे अन्धरे म्ह गेर द्यो, ओड़ै रोणा, अर दौत पिषणा होवैगा। 14 "क्यूँके बुलाये होड़ तो घणे सै पर चुणे होए कम सै।" 15 फेर फरीसियाँ नै आके आप्स म्ह विचार करया, के उसनै किस ढाळ बात्तां म्ह फसावा। 16 इस तरियां उननै अपने चेल्यां ताहीं हेरोदेस राजा के समर्थकां के गेल्या उसके धारे न्यू कहण नै भेज्या, 'हे गुरु, हमनै बेरा सै, के तू साच्चा सै, अर परमेसवर की राह सच्चाई तै सिखावे सै; अर किसे की परवाह कोनी करदा, क्यूँके तू माणसां का मुँह देखके बात कोनी करदा। 17 इस करके हमनै बता तन्नै के समझ आवै सै? कैसर तै चुंगी देणा ठीक सै के न्ही।" 18 यीशु नै उनका कपट जाणके कहा, "हे कपटियों, मन्नै क्यातै परखो सो? 19 कर का सिक्का मेरे ताहीं दिखाओ।" फेर उसके धारे एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) लियाये। 20 उसनै उनतै कहा, "या छाप अर नाम किसका सै?" 21 उननै उसतै कहा, "कैसर का।" फेर उसनै उनतै कहा, "जो कैसर का सै, वो कैसर ताहीं; अर जो परमेसवर का सै, वो परमेसवर ताहीं द्यो।" 22 न्यू सुणके उननै हेरानां होई, उस ताहीं छोड़के चले गये। 23 उससे दिन सदूकी को कहवै सै के मेरे होया का दुबारा जिन्दा उठणा सै ए कोनी, उसके धारे आये अर उसतै बुझ्झया, 24 "हे गुरु, मूसा नबी नै कहा था के जै कोए माणस बेऊलादा मर जावे, तो उसका भाई उसकी घरआळी तै ब्याह करके अपने भाई के खात्तर पीठी पैदा करै। 25 इब म्हारे उरै सात भाई थे; पैहल्ला ब्याह करके मरग्या, अर ऊलाद ना होण के कारण अपनी घरआळी अपने भाई के खात्तर छोड़ गया। 26 इससे तरियां दुसरे अर तीसरे नै भी करया, अर सातुवां तक योए होया। 27 सारया पाच्छे वा बिरबान्नी भी मरगी। 28 आखर म्ह जिन्दा होण पै वा सातुवां म्ह तै किसकी घरआळी होवैगी? क्यूँके वा सारया की घरआळी बण ली थी।" 29 यीशु नै उनतै जवाब दिया, "थारी गलती या सै के थम पवित्र ग्रन्थ अर परमेसवर की सामर्थ नै न्ही जाणते। 30 क्यूँके मरके जिन्दा हो जाणके बाद ब्याह शादी कोनी होन्दी, पर सुर्ग म्ह परमेसवर के सुर्गदूतां की ढाळ होवैगें। 31 पर मरके जिन्दा हो जाणके बाबत के थमनै यो वचन कोनी पढ़या जो परमेसवर नै थारे तै कहा 32 'मै अब्राहम का परमेसवर, अर इसहाक का परमेसवर, याकूब का परमेसवर सूं? वो मेरे होया का न्ही, पर जिन्दा का परमेसवर सै।" 33 न्यू सुणके माणस उसके उपदेश तै हेरान होए। 34 जिब फरीसियाँ नै सुणया के यीशु नै सदूकियाँ का मुँह बन्द कर दिया, तो वे कठे होए। 35 शास्त्री समाज के माणसां म्ह तै एक नै उस ताहीं परखण के खात्तर उसतै बुझ्झया, 36 "हे गुरु, नियम-कायदा म्ह कौण सा हुकम बड़्हा सै?" 37 यीशु नै उसतै कहा, "तू परमेसवर अपने प्रभु तै अपने पुरे मन अर अपने सारे प्राण अर अपनी सारी बुद्धि के साथ प्यार राख। 38 पैहला अर बड़्हा हुकम तो योए सै। 39 अर उससे जिसा यो दुसरा भी सै के तू

अपणे पडोसी तै अपणे जिंसा प्यार राख। 40 ये दो हुकम सारे नियम-कायदे अर नबियाँ का निचोड़ (आधार) सै।” 41 जिब फरीसी कठे थुं, तो यीशु नै उनतै बुझया, 42 “मसीह के बारे म्ह थम के सोच्यो सो? वो किसका बेटा सै?” उननै यीशु तै कह्या, “दाऊद का।” 43 यीशु नै उनतै बुझया, “तो दाऊद आत्मा म्ह होके उसनै प्रभु क्यंता कहवै सै?” 44 “प्रभु नै, मेरे प्रभु तै कह्या, मेरे सोळे कान्ही बैठ, जिब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ ताहीं तेरे पायां म्ह ना झुका दियुँ।” 45 “भला, जिब दाऊद उसनै प्रभु कहवै सै, तो वो उसका बेटा किस ढाळ होया?” 46 उसके जवाब म्ह कोए भी एक बात न्ही कह सक्या। पर उस दिन तै दुबारे उसतै कीमे और बुझाण की हिम्मत कोनी करी।

23 फेर यीशु नै भीड़ तै अर अपणे चेल्यां ताहीं कह्या, 2 “शास्त्री अर फरीसी माणसां नै मूसा नबी के नियम-कायदे सिखाण का हक सै; 3 ज्यांतै ये थारे तै जो कुछ कहवै वो करियो अर मानिये, पर उन जिसे काम ना करियो; क्यूँके ये सिखावै तो सै पर खुद करदे कोनी। 4 ये थारे पै कई नियम लागू करे सै जिसका पालन करणा ओकरा सै, ये माणसां नै उनपै चाल्लण खात्तर मजबूर करे सै; पर ये खुद अपणे नियमां नै कोनी मानते।” 5 ये अपणे सारे काम माणसां ताहीं दिखाण के खात्तर करे सै: ये अपणे ताबिजां नै चौड़ा करे सै जिनपै ये पवित्र ग्रंथ के वचन लिखके शरीर पै बाँधले सै, अर अपणे लत्यां की झाल्लर बधावे सै, ताके लोग उननै धर्मा समझे। 6 भोज म्ह खास-खास जगहां, अर आराधनालयों के खास-खास जगहां बैठणा, 7 बजारां म्ह नमस्कार, अर माणसां म्ह गुरु कुहाणा उननै भावै सै। 8 पर थम गुरु ना कुहाणा, क्यूँके थारा एके गुरु सै, अर थम सारे भाई-भाण के समान सों। 9 धरती पै किसे नै अपना पिता ना कहियो, क्यूँके थारा एके आत्मिक पिता सै, जो सुर्ग म्ह सै। 10 अर स्वामी भी ना कुहाणा, क्यूँके थारा एके माल्लिक सै, यानिके मसीह। 11 जो थारे म्ह बड़ड़ा हो, वो थारा सेवक या नौकर बनो। 12 जो कोए अपणे-आपनै बड़ड़ा बणावेगा, वो छोट्टा करया जावेगा; अर जो कोए अपणे-आपनै छोट्टा बणावेगा, वो बड़ड़ा करया जावेगा। 13 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम माणसां के खात्तर सुर्ग राज्य का बाराणा बन्द करो सो, ना तो थम खुद उस म्ह दाखल होवो सो अर ना उस म्ह दाखल होण आळा नै दाखल होण घो सो। 14 (हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम बिधवा के घरां नै खा जाओ सो, अर अपणे-आपनै धर्मा दिखाण खात्तर घणी वार ताहीं प्रार्थना करदे रहे सो: ज्यांतै थारे ताहीं परमेसवर की ओड़ तै घणा दण्ड मिलैगा।) 15 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम एक माणस ताहीं अपणे पंथ म्ह ल्याण के खात्तर दूर-दूर ताहीं हान्डी सो, अर जिब वो पंथ म्ह आ जावे सै, तो खुद तो नरक म्ह जाओ सों पर दुसरयां नै अपणे तै दुगणा नरक जाण का भागी बणा घो सो। (Geenna g1067) 16 हे आन्धे अगुवों, थारे पै धिक्कार सै! थम जो या शिक्षा घो सो, के जै कोए मन्दर की सूह खावै तो किमे न्ही, पर जै कोए मन्दर के सोन्ने की सूह खावै तो उसतै बन्द जावेगा। 17 हे बेअक्लो अर आंध्यो, कौण बड़ड़ा सै; मन्दर का सोन्ना या वो मन्दर जिसनै उस सोन्ने ताहीं पवित्र बणाया सै? 18 थम यो भी सिखाओ सो के जै कोए वेदी की सूह खावै तो किमे न्ही, पर जो भेंट उसपै सै, जै कोए उसकी कसम खावै तो बन्द जावेगा। 19 हे आंध्यो, कौण बड़ड़ा सै; भेंट या वेदी जिसम्ह भेंट पवित्र होवै सै? 20 इस करके जो वेदी की कसम खावै सै, वो उसकी अर जो कुछ उसपै सै, उसकी भी कसम खावै सै। 21 जो मन्दर की कसम खावै सै, वो परमेसवर जो उस म्ह रहवै सै, उसकी भी कसम खावै सै। 22 जो सुर्ग की कसम खावै सै, वो परमेसवर के सिंहासन की अर उसपै बैठण आळे की भी कसम खावै सै। 23 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम पुदीने, सौंफ, जीरे का दसमां हिस्सा तो घो सो, पर थमनै नियम-कायदा की गहरी बात्तां ताहीं यानिके न्याय, दया, अर वफादारी का तिरस्कार करो सों; थमनै दसमां हिस्सा भी देणा चाहिये पर उन खास बात्तां नै भी नजरअंदाज ना करो। 24 हे आन्धे अगुवों, थम छोट्टे-छोट्टे नियमां का पालन करणा का तो भोत ध्यान

राखवों सों, जिस तरियां पाणी म्ह तै माच्छर ताहीं तो छाण ल्यो सो, पर परमेसवर के खास हुकम का पालन कोनी करते, जो ऊँट नै निगळ जाणके समान सै। 25 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! क्यूँके थम लालची अर स्वार्थी सों, पर थम अपणे-आपनै पवित्र राखण का ढोंग करो सों, इस खात्तर थम उन कटोरे अर थाळी के समान सों जो उप्पर तै तो साफ सै पर भित्तर तै ये गन्दे सै। 26 हे आन्धे फरीसियों, पैहल्या माणस नै लूटणा बन्द करो जिब्बे थम धर्म के काम का पालन कर पाओगे अर फेर थम उस कटोरे अर थाळी के समान होवेंगें जो भीत्तर बाहर तै भी साफ हों सै। 27 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम चुन्ने फिरी होई कब्रां के जिसे सो जो उप्पर तै तो सुथरी दिक्खे सै, पर भीत्तर मुर्दा की हाड्डियाँ अर सारे ढाळ की गन्दगी तै लुकी होई सै। 28 इस्से तरियां तै थम भी उप्पर तै माणसां ताहीं धर्मा दिक्खो सो, पर भीत्तर अधर्म अर कपट तै भरे सो। 29 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम उन नबियाँ की कब्र समारो सो अर धर्मियाँ की कब्र सजाओ सो, जिन ताहीं थारे पूर्वजां नै मारा था। 30 “अर कहो सो, ‘जै हम अपणे बाप-दायां के दिनां म्ह होन्दे तो नबियाँ की हत्या म्ह उनके साइ्ही कोनी होन्दे।’ 31 इसतै तो थम अपणे आप ए या गवाही घो सो के थम नबियाँ के हत्यारां के वंशज सो। 32 ठीक सै थम अपणे पूर्वजां के पाप का घड़ा भरते जाओ।” 33 हे साँप के सप्योलों जिसे माणसां, थम नरक की सजा तै किस ढाळ बचोगे? (Geenna g1067) 34 इस करके देख्यो, मै थारे धोरे नबियाँ अर समझदार अर शास्त्रियाँ ताहीं भेज्जू सूं, अर थम उन म्ह तै कुछां नै मार दोगे अर क्रूस पै चढ़ावोगे, अर कुछां नै अपणे आराधनालयों म्ह कोड़े मारोगे अर एक नगर तै दुसरे नगर ताहीं भजादे फिरोगे। 35 जिसतै धर्मा हाबिल तै लेके बिरिक्याह के बेटे जकर्याह तक, जिस ताहीं थमनै मन्दर अर वेदी के बिचाळे मार दिया था, जितने भी धर्मा माणसां ताहीं मारया सै, वो सारा दण्ड थारे सिर पै पड़ेगा। 36 मै थमनै सच कहूँ सूं, ये सब का दण्ड इस पीढ़ी के माणसां नै भुगतणा पड़ेगा। 37 “हे यरुशलैम नगर के लोगों, हे यरुशलैम नगर के लोगों! थम नबियाँ नै मार देओ सो, अर जो थारे धोरे भेज्जे गप, उनपै पत्थर बरसाओ सो। कितनी ए बर मननै चाह्या के जिस ढाळ मुर्गी अपणे बच्चां ताहीं अपणे पाक्खां के तळे छुपा ले सै, उससे तरियां ए मै भी थारे बाळकां नै कट्टा कर लूँ, पर थमनै कोनी चाह्या। 38 देख्यो, थारा घर थारे खात्तर उजाड़ छोड्या जावै सै। 39 क्यूँके मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के इब तै जिब ताहीं थम न्ही कहोगे, ‘थम्ये सै, जो प्रभु के नाम तै आवै सै’ तब तक थम मननै फेर दुबारे कदे कोनी देख्योगे।”

24 जिब यीशु मन्दर तै लिकड़के जाण लागरया था, तो उसके चेल्लें उस ताहीं मन्दर की बणावट दिखाण के खात्तर उसके धोरे आये। 2 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम ये सारी इमारत न्ही देखते? मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, उरै पत्थर पै पत्थर भी कोनी रहवेगा, जो गेरया ना जावेगा।” 3 जिब यीशु जैतून के पहाड़ पै बैठ्या था, तो चेल्यां नै एकले म्ह उसके धोरे आके कह्या, “हमनै बता, ये बात कद होवेगी? तेरे आण का अर दुनिया के अन्त की के निशांनी होवेगी?” (aiōn g165) 4 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “चौकन्ने रहियो! कोए थमनै भकाण न्ही पावै, 5 क्यूँके घणखरे इसे होवेंगें जो मेरे नाम तै आके कहवेंगें, मै मसीह सूं, अर घणाए ताहीं भकावेंगें। 6 थम रोळे अर लड़ाईया का जिक्र सुणोगे, तो घबराईयो ना क्यूँके इनका होणा जरूरी सै, पर उस बखत खात्मा कोनी होवेगा। 7 क्यूँके जात पै जात, अर राज्य पै राज्य चढ़ाई करेगा, अर जगहां-जगहां अकाळ पड़ेंगें, अर हाल्लण आवेंगें। 8 ये सारी बात दुखां की शरूआत होवेगी।” 9 फेर माणस क्लेश देण के खात्तर थमनै पकड़वावेंगें, अर थमनै मार देवेंगें, अर मेरे नाम के कारण सारी जात्तां के माणस थारे तै बैर राक्खेंगें, क्यूँके थम मेरे पै बिश्वास करो सों। 10 फेर घणखरे मेरे पै बिश्वास करणा छोड़ देंगें, अर एक-दुसरे नै पकड़वावेंगें, अर एक-दुसरे तै बैर राक्खेंगें। 11 घणखरे झूठे नबी आवेंगें, अर घणाए ताहीं भकावेंगें। 12 अधर्म के बढ़ण तै ये एक-दुसरे तै प्यार करणा छोड़ देंगें, 13

पर जो अन्त तारीं मेरे पै विश्वास राख्केगा, उससे तारीं बचाया जावेगा। 14 अर परमेसवर के राज्य का जो सुसमाचार उसरी दुनिया म्ह प्रचार करया जावेगा, ताके सारी जात्तां नै इस तारीं स्वीकार करण का मौक्का मिले, ताके थम मेरे गवाह होओ, फेर दुनिया का अन्त आ जावेगा। 15 इस करके जिब थम उस उजाड़ण आळी घृणित चीज तारीं जिसका जिक्क दानियेल नबी के जरिये होया था, पवित्र जगहां पै खड़े देख्को (जो पढ़ै, वो समझै), 16 फेर जो यहूदिया परदेस म्ह हो, वे पहाड़ां पै भाज जावै। 17 जो छत पै हो, वो अपणे घर म्ह तै समान लेण नै तळै न्ही उतरै, 18 अर जो खेत म्ह हो, वो अपणा लत्ता लेण नै पाछै न्ही बोहड़ै। 19 उन दिनां म्ह जो गर्भवती अर दूध पिलान्दी बिरबान्नी होवैगीं, उनके खात्तर भागणा भी मुश्किल होगा! 20 प्रार्थना करया करो के थमनै जाड्डे म्ह या आराम के दिन भाजणा ना पड़ै। 21 क्यूँके उस बखत इसा भारया कळेश होवेगा, जिसा दुनिया की शरूआत तै ना इब तारीं होया ना कदे होवेगा। 22 “अर जै वे दिन घटाए न्ही जान्दे तो कोए प्राणी कोनी बचदा, पर छॉट होया के कारण वे दिन घटाए जावैंगे। 23 उस बखत जै कोए थमनै कहवै, ‘देख्को, मसीह उरै सै!’ या ‘ओड़ै सै!’ तो बिश्वास ना” करियो। 24 क्यूँके झूठे मसीह अर झूठे नबी उठ खड़े होवैंगे, अर बड़े-बड़े चमत्कार, अर अनोक्के काम दिखावैंगे के जै हो सकया तो छॉट होया तारीं भी भका देवैंगे। 25 देख्को, मन्ने पैहल्याए थारे तै वो सारा कुछ कह दिया सै। 26 “इस करके जै वे थारे तै कहवै, ‘देख्को, वो बण म्ह सै’, तो बाहरणै ना लिक्ड़यो; या ‘देख्को, वो कोठडी म्ह सै’, तो बिश्वास ना करियो। 27 क्यूँके जिस तरियां बिजळी पूरब तै लिक्ड़के पश्चिम तारीं चमके सै, उससे तरियां मुझ माणस के बेटे का भी आणा होवेगा। 28 जाडै लाश हो, उडैए चील कठ्ठे होवैंगे।” 29 उन दिनां के कळेश के पाछै जिब्बे सूरज अन्धेरे म्ह हो जावेगा, चाँद का चाँदणा जान्दा रहवेगा, अर तारे अकास तै तळै पड़ैंगे, अर अकास की शक्तियां हलाई जावैंगीं। 30 फेर माणस के बेटे का निशान अकास म्ह दिखैगा, अर फेर धरती के सारे खानदान्ना के माणस छत्ती पिटैंगे; अर माणस के बेटे तारीं बड्डी सामर्थ अर महिमा के गेल्या अकास के बादळां पै आन्दे देख्खोगे। 31 वो तुरही की तेज आवाज के गेल्या अपणे सुर्गदूतां नै खन्दावेगा, अर वे अकास के इस सिरे तै उस सिरे तारीं, च्दरु दिशायां तै उसके चुणे होया नै कठ्ठे करैंगे। 32 अंजीर के दरखत तै यो उदाहरण सीक्खो: जिब उसकी डाळी कोमल हो जावै अर पत्ते लिक्ड़ण लाग या सै, तो थम जाण ल्यो के गर्मी का बखत लोवे सै। 33 इससे तरियां तै जिब थम इन सारी बात नै देख्को, तो जाण ल्यो के वो लोवै सै, बल्के दरबाजे पै सै। 34 मै थमनै साच्ची कहुँ सूं के जिब तारीं ये सारी बात पूरी ना हो लवै, जद तारीं इस पीढ़ी का अन्त कोनी होवेगा। 35 धरती अर अकास टळ जावैंगे, पर मेरी बात कदे न्ही टळैगी। 36 “उस दिन अर उस बखत कै बारै म्ह कोए न्ही जाण्दा, ना सुर्गदूत अर ना बेटा, पर सिर्फ पिता। 37 जिसा पूर्वज नूह के दिनां होया था, उससे तरियां ए माणस के बेटे का आणा होगा। 38 क्यूँके जिस तरियां बाढ़ तै पैहले के दिनां म्ह, जिस दिन तारीं नूह जहाज पै न्ही चढ़या, उस दिन तारीं माणस खावे-पीवे थे, अर उन म्ह ब्याह होवै थे। 39 अर जिब तारीं बाढ़ आके उन सारया तारीं बहा न्ही लेगया, जद तारीं उननै किमे बेरा न्ही पाट्या; इससे तरियां ए मुझ माणस के बेटे का आणा भी होगा। 40 उस बखत दो जणे खेत म्ह होंगे, एक ठाया जावेगा अर दुसरा छोड़ दिया जावेगा। 41 दो बिरबान्नी एक साथ चाक्की पीसदी होवैगी, एक ठा ली जावैगी अर दुसरी छोड़ दी जावैगी।” 42 इस करके जागदे रहो, क्यूँके थमनै न्ही बेरा के थारा प्रभु किस दिन आवैगा। 43 पर न्यू जाण ल्यो के जै घर का माल्लिक नै बेरा हो के चोर किस घड़ी आवैगा तो जागदा रहन्दा, अर अपणे घर म्ह सेंध लागण न्ही देन्दा। 44 ज्यांतै थम भी त्यार रहो, क्यूँके जिस घड़ी के बारै म्ह थम सोचदे भी कोनी, उससे घड़ी मै माणस का बेटा आ जाऊँगा। 45 “आखर म्ह वो बिश्वास जोगगा अर अकलमंद दास कौण सै, जिस तारीं माल्लिक नै अपणे नौक्कर-चाकरां पर सरदार ठहराया के बखत पै उननै खाणा देवै? 46 धन्य सै वो नौक्कर, जिस तारीं उसका माल्लिक आके इसाए करदा पावै। 47 मै थमनै साच्ची कहुँ सूं, वो उसनै अपणी सारी

धन-सम्पत्ति का माल्लिक बणावेगा। 48 पर जै वो दुष्ट दास सोच्यण लाग्गे के मेरे माल्लिक कै आण म्ह वार सै, 49 अर अपणे साथी नौकरां नै पिट्टण लाग्गे, अर शराबियाँ के गेल्या खावे-पीवे। 50 तो उस नौक्कर का माल्लिक उस दिन बोहड़ैगा, जिब वो उसकी बाट ना देख्दा हो, अर इसे बखत म्ह आवैगा जिसका उसनै ना बेरा हो, 51 जिब वो उसनै भारी सजा देगा उसकी गिणती कपटियाँ के म्ह गिणी जावैगी: ओड़ै रोणा अर दाँत पिसणा होगा।”

25 यीशू नै अपणे चेल्यां तारीं एक और उदाहरण देके कह्वा, “सुर्ग का राज्य उन दस कुँवारियाँ के जिसा होगा जो अपणी मशाल लेके बन्दे तै फेटण लिक्ड़ौ। 2 उन म्ह पाँच बेअक्ल अर पाँच समझदार थी। 3 बेअक्ली कुँवारियाँ नै अपणी मशाल तो ली, पर अपणे गेल्या फालतू तेल न्ही लिया; 4 पर समझदारां नै अपणी मशालां के गेल्या अपणी कुपियाँ म्ह तेल भी भर लिया। 5 जिब बन्दे के आण म्ह वार होई, तो वे सारी ऊँघण लाग्गी अर सोगी।” 6 “आध्धी रात नै धूम माच्ची: ‘देख्को, बन्दड़ा आण लागरया सै! उसतै फेटण नै चाल्लो!’” 7 “फेर वे सारी कुँवारियाँ उठके अपणी मशाल ठीक करण लाग्गी। 8 अर बेअक्लियाँ नै समझदारां तै कह्वा, ‘अपणे तेल म्ह तै कुछ हमनै भी द्यो, क्यूँके म्हारी मशाल बुझ्झण लागरी सै।” 9 “पर समझदारां नै जवाब दिया, ‘कदे यो म्हारै अर थारे खात्तर पूरा ना पड़ै; भला तो योए सै के थम बेचणीयाँ के धारे जाके अपणे खात्तर मोल लियाओ।” 10 जिब वे मोल लेण नै जावै थी तो बन्दड़ा आण पोंहच्या, अर जो त्यार थी, वे उसके गेल्या ब्याह के घर म्ह चली गई अर बारणा मूंद दिया गया। 11 “इसके पाछै वे दुसरी कुँवारियाँ भी बोहड़के आई अर बन्दे तै कहण लाग्गी, ‘हे माल्लिक, हे माल्लिक, म्हारै खात्तर किवाड़ खोल जा।” 12 “उसनै जवाब दिया, ‘मै थारे तारीं साच्ची कहुँ सूं, मै थमनै कोनी जाण्दा।” 13 इस करके चोक्कने रहो, क्यूँके मेरे आण के उस दिन नै थम कोनी जाणते, ना उस घड़ी नै जिस दिन म्ह आऊँगा। 14 सुर्ग का राज्य उस माणस के उदाहरण के समान भी सै, जिसनै परदेस जान्दे बखत अपणे नौकरां तारीं बुलाके अपणी कुछ सम्पत्ति उन तारीं सौप दी, ताके वे व्यापर करके घणा धन जोड़ ले। 15 उसनै एक तै पाँच तोड़े (1 तोड़ा 15 साल की मजदूरी के बराबर सै), दुसरे तारीं दो, अर तीसरे तारीं एक; यानिके हरेक नै उसकी काबिलियत के मुताबिक दिया, अर फेर परदेस चल्या गया। 16 फेर, जिस तारीं पाँच तोड़े मिले थे, उसनै जिब्बे जाके उनतै लेण-देण करया, अर पाँच तोड़े और कमाए। 17 इससे तरियां तै जिस तारीं दो मिले थे, उसनै भी दो और कमाए। 18 पर जिस तारीं एक मिल्या था, उसनै जाके माट्टी खोदी, अर अपणे माल्लिक का धन लह्को दिया। 19 घणे दिनां पाछै उन नौकरां का माल्लिक आया, अर उनतै हिसाब लेण लागया, के उननै उन पर्ईसा तै के कुछ करया। 20 जिसनै पाँच तोड़े मिले थे, उसनै पाँच तोड़े और ल्याके कह्वा, हे माल्लिक, तन्ने मेरे तारीं पाँच तोड़े सौप्ये थे, लखा, मन्ने ये पाँच तोड़े और कमाए सै। 21 उसके माल्लिक नै उसतै कह्वा, शाबाश, हे भरोस्से के लायक आच्छे नौक्कर, तू थोड़े-से धन म्ह भी भरोसमंद लिक्ड़या, मै तन्ने घणी चिज्जां का अधिकारी बणाऊँगा। अपणे माल्लिक कै आनन्द म्ह साइड़ी हो। 22 फेर जिस तारीं दो तोड़े मिले थे, उसनै भी आके कह्वा, हे माल्लिक, तन्ने मेरे तारीं दो तोड़े सौप्ये थे, देख, मन्ने दो तोड़े और कमाए सै। 23 उसके माल्लिक नै उसतै कह्वा, शाबाश, हे भरोस्से के लायक आच्छे नौक्कर, तू थोड़े म्ह भी भरोसमंद लिक्ड़या; मै तन्ने घणी चिज्जां का अधिकारी बणाऊँगा। अपणे माल्लिक कै आनन्द म्ह साइड़ी हो। 24 फेर जिस तारीं एक तोड़ा मिल्या था, उसनै आके कह्वा, हे माल्लिक, मै तन्ने जाणु था, के तू इसा माणस सै: जित्त किते तू बीज न्ही बोन्दा ओड़ै फसल काटू सै, अर जित्त न्ही खिंडान्दा ओड़ै तै कठा करै सै। 25 जै मै तेरा तोड़ा खो देता तो तू मन्ने दण्ड देता, ज्यांतै मै डरगया अर जाके तेरा तोड़ा माट्टी म्ह दबा दिया, देख, जो तेरा सै, वो यो सै। 26 उसके माल्लिक नै उस तारीं जवाब दिया, हे दुष्ट अर आलसी नौक्कर, जिब तन्ने न्यू बेरा था के जित्त मन्ने बीज न्ही बोया ओड़ै तै फसल काटू सूं, अर जित्त

मन्ने न्ही खिंडाया ओडै तै कठ्ठा करूँ सू; 27 जै तन्ने बेरा था के मे इसा सू, तो तू मेरा धन सर्राफां नै ए दे देँदा, फेर मै आके अपना धन ब्याज सुधां ले लेन्दा। 28 मालिक नै अपने नौकरां तै कह्या, ज्यातै वो तोड़ा उसतै ले ल्यो, अर जिसके धोरे दस तोड़े सै उसनै दे द्यो। 29 क्यूँके जिस किसे धोरे सै, उस ताहीं और दिया जावैगा; अर उसके धोरे घणा हो जावैगा: पर जिसके धोरे न्ही सै, उसतै वो भी जो उसके धोरे सै, ले लिया जावैगा। 30 इस निकम्मे नौकर नै बाहर अन्धेरे म्ह गेर द्यो, जित्त रोणा अर दौँत पिसणा होगा। 31 जित्त मै माणस का बेट्टा अपनी महिमा म्ह आऊँगा अर सारे सुगंदूत मेरे गेल्या आवेगें, तो मै अपनी महिमा के सिंहासन पै बैठूँगा। 32 अर सारी जात मेरे स्याम्ही कठ्ठी करी जावैगी; अर जिस ढाळ पाळी भेड्डां नै बकरियाँ तै न्यारी कर देवे सै, उससे तरियां मै उननै एक-दुसरे तै न्यारा करूँगा। 33 मै भेड्डां नै अपनी सोळी ओड़ अर बकरियाँ नै ओळी ओड़ खड्या करूँगा। 34 “फेर मै राजा अपनी सोळी ओड़ आळा नै करूँगा, ‘हे मेरे पिता के धन्य माणसों, आओ, उस राज्य के हकदार हो जाओ, जो दुनिया की शुरुआत तै थारे खात्तर त्यार करया गया सै। 35 क्यूँके जित्त मै भूख्खा था, तो थमनै मेरे ताहीं खाण नै दिया; मै तिसाया था, तो थमनै मेरे ताहीं पाणी पिलाया; मै परदेशी था, तो थमनै मेरे ताहीं अपने घरां ठहराया; 36 मै उघाड़ा था, तो थमनै मेरे ताहीं लत्ते पहिराए; मै बीमार था, तो थमनै मेरा बेरा लिया, मै जेळ म्ह था, तो थम मेरे तै मिलण आये।” 37 “फेर धर्मी उस ताहीं जवाब देवेंगे, ‘हे प्रभु, हमनै कद तेरे ताहीं भूख्खा देख्या अर खुवाया? या कद तिसाया देख्या अर पाणी पिलाया? 38 हमनै कद तेरे ताहीं परदेशी देख्या अर अपने घरां ठहराया? या उघाड़ा देख्या अर लत्ते पहिराये? 39 हमनै कद तेरे ताहीं बीमार या जेळ म्ह देख्या अर तेरा बेरा लेण आये?’” 40 “फेर मै राजा उननै जवाब देऊँगा, ‘मै थमनै साच्ची कहुँ सू के थमनै जो मेरे इन छोट्या तै छोट्टे बिश्वासी भाईयाँ म्ह तै किसे एक के गेल्या करया, वो मेरे ए गेल्या करया।” 41 “फेर मै ओळे कान्ही आळा ताहीं कहुँगा, ‘हे श्रापित माणसों, मेरे स्याम्ही तै उस अनन्त आग म्ह चले जाओ, जो परमेसवर नै शैतान अर उसके दूतां खात्तर त्यार करी सै। (aiōnios g166) 42 क्यूँके मै जित्त भूख्खा था, तो थमनै मेरे ताहीं खाण नै कोनी दिया; मै तिसाया था, तो थमनै मेरे ताहीं पाणी कोनी पियाया; मै जित्त परदेशी था, तो थमनै मेरे ताहीं अपने घरां कोनी ठहराया; 43 मै नंगा था, तो थमनै मेरे ताहीं लत्ते कोनी पहिराए; मै जित्त बीमार था, तो थमनै मेरा बेरा कोनी लिया, मै जेळ म्ह था, तो थम मेरे तै मिलण कोनी आये।” 44 “फेर वे जवाब देवेंगे, ‘हे प्रभु, हमनै तेरे ताहीं कद भूख्खा, या तिसाया, या परदेशी, या उघाड़ा, या बीमार, या जेळ म्ह देख्या, अर तेरी सेवा-पाणी न्ही करी?’” 45 “फेर मै उननै जवाब देऊँगा, ‘मै थमनै साच्ची कहुँ सू के थमनै जो मेरे इन छोट्या तै छोट्या म्ह तै किसे एक के गेल्या न्ही करया, वो मेरे गेल्या भी न्ही करया।” 46 “अर अधर्मी जन अनन्त दण्ड भोगें पर धर्मी जन अनन्त जीवन म्ह दाखल होंगे।” (aiōnios g166)

26 जित्त यीशु नै ये सारी बात कह ली तो अपने चेल्यां तै कहण लागया, 2 “थमनै बेरा सै के दो दिनां पाछे फसह का त्यूँहार सै, अर मै माणस का बेट्टा क्रूस पै चढ़ाण के खात्तर पकड़वाया जाऊँगा।” 3 फेर प्रधान याजक अर प्रजा के यहूदी अगुवें, काडपा नामक महायाजक के आँगण म्ह कठ्ठे होए, 4 अर आप्पस म्ह विचार करण लागे के यीशु ताहीं धोक्खे तै पकड़के मार देवा। 5 पर वे कहवै थे, “त्यूँहार कै बखत न्ही, कदे इसा ना हो के माणसां म्ह रोळा माच ज्या।” 6 जित्त यीशु बैतनिय्याह गाम म्ह शमोन कोदी के घरां था, 7 तो एक बिरबान्नी संगमरमर के बरतन म्ह महँगा खसबूदार तेल लेके उसके धोरे आई, अर जित्त वो खाणा खाण नै बेठ्या था तो उसके सिर पै उंडेल दिया। 8 न्यू देखके उसके चेल्लें खीजके अर कहण लागे, “इसका क्यातै नाश करया गया? 9 इस ताहीं तो बढ़िया दाम्मां पै बेचके कंगालां म्ह बांडया जा सके था।” 10 न्यू जाणके यीशु नै उनतै कह्या, “बिरबान्नी नै क्यातै सताओ सो? उसनै मेरे गेल्या भलाई करी सै। 11 कंगाल तो थारे गेल्या सारी हाण रहवै सै, पर मै थारे गेल्या सारी हाण कोनी

रहूँगा। 12 उसनै मेरी देह पै जो यो महँगा खसबूदार तेल उंडेला सै, वो मेरे गाड़े जाणके खात्तर करया सै। 13 मै थमनै साच्ची कहुँ सू, के सारे दुनिया म्ह जित्त किते भी यो सुसमाचार प्रचार करया जावैगा, ओडै उसके इस काम का जिक्र भी उसकी याद म्ह करया जावैगा।” 14 फेर यहूदा इस्करियोती नै, जो बारहां चेल्यां म्ह तै एक था, प्रधान याजकां के धोरे जाके कह्या, 15 “जै मै यीशु नै थारे हाथ्यां म्ह पकड़वा दिवूँ, तो मन्ने के योगे?” उननै तीस चाँदी के सिक्के तौलके दे दिये। 16 अर वो उससे बखत तै यीशु नै पकड़वाण का मौक्का तोह लाया। 17 अखमीरी रोटी के त्यूँहार के पैहलड़े दिन, चेल्लें यीशु के धोरे आके बुझ्झण लागे, “तू कित्त चाहवै सै के हम तेरे खात्तर फसह खाण की त्यारी करा?” 18 यीशु बोल्या, “नगर म्ह फलाणा माणस नै जाके उसतै कहो, ‘गुरु कहवै सै के मेरा बखत लोवे सै। मै अपने चेल्यां के गेल्या तेरे उँरे फसह का त्यूँहार बणाऊँगा।” 19 आखर चेल्यां नै यीशु का हुकम मान्या अर फसह का भोज त्यार करया। 20 जित्त साँझ होई तो यीशु बारहां चेल्यां के गेल्या खाणा खाण के खात्तर बेठ्या। 21 जित्त वे खाण लागे थे तो यीशु नै कह्या, “मै थमनै साच्ची कहुँ सू के थारे म्ह तै एक मन्ने धोक्खा देके पकड़वावैगा।” 22 इसपे चेल्लें घणे उदास होए, अर हरेक उसतै बुझ्झण लाग्या, “हे गुरु, के वो मै सू?” 23 यीशु नै जवाब दिया, “जिसनै मेरे गेल्या थाळी म्ह हाथ घाल्या सै, वोए मन्ने पकड़वावैगा। 24 मै माणस का बेट्टा तो जिसा मेरे बारे म्ह लिख्या सै, अर जावे ए सै; पर उस माणस पै धिक्कार सै जिसके जरिये मै माणस का बेट्टा पकड़वाया जाऊँगा: जै उस माणस का जन्म ए न्ही होँदा, तो उसके खात्तर भला होँदा।” 25 फेर यीशु के पकड़वाण आळे यहूदा नै कह्या, “हे गुरु, के वो मै सू?” यीशु उसतै बोल्या, “तन्ने कह लिया।” 26 जित्त वे फसह खाण लागे थे, तो यीशु नै रोटी ली, अर आशीष माँगके तोड़ी, अर चेल्यां ताहीं देके कह्या, “ल्यो, खाओ; या मेरी देह सै।” 27 फेर यीशु नै अपना कटोरा लेके परमेसवर का धन्यवाद करया, अर उन ताहीं देके कह्या, “थम सारे इस म्ह तै पियो, 28 क्यूँके यो करार का मेरा वो लहू सै, जो घणखरयां के खात्तर पापां की माफी के खात्तर बहाया जावै सै। 29 मै थमनै साच्ची कहुँ सू के अंगूर का यो रस उस दिन ताहीं कदे न्ही पिऊँगा, जित्त थारे गेल्या अपने पिता के राज्य म्ह नया न्ही पीऊँ।” 30 फेर वे भजन गाके जैतून के पहाड़ पै गए। 31 फेर यीशु नै उनतै कह्या, “थम आज ए रात नै मेरे बाबत ठोक्कर खाओगे, क्यूँके लिख्या सै: ‘मै पाळी नै मारूँगा, अर ठोळ की भेड़ तित्तर-बितर हो जावैगी।” 32 “पर मै अपने जिन्दा उठण के बाद थारे तै पैहल्या गलील परदेस म्ह मिलूँगा।” 33 इसपे पतरस नै उसतै कह्या, “जै सारे छोडै तो छोडै, पर मै तेरा साथ कदे न्ही छोडूँगा।” 34 यीशु नै उसतै कह्या, “मै तेरे तै सच कहुँ सू के आज ए रात नै मुर्गे के बाँग देण तै पैहल्या, तू तीन बर मेरे बारे म्ह मुकरैगा।” 35 पतरस नै उसतै कह्या, “जै मन्ने तेरे गेल्या मरणा भी पड़े, तोभी मै तेरा इन्कार कदे कोनी करूँगा।” इससे तरियां और सारे चेल्यां नै भी न्यूए कह्या। 36 फेर यीशु अपने चेल्यां के गेल्या गतसमनी नामक एक जगहां म्ह आया अर अपने चेल्यां तै कहण लाग्या, “उँरेए बेट्टे रहियो, जित्त ताहीं मै ओडै प्रार्थना करूँ।” 37 वो पतरस अर जब्दी के दोन्नु बेट्टा नै गेल्या लेया, अर उदास अर कांल होण लाग्या। 38 फेर उसनै उनतै कह्या, “मेरा मन घणा उदास सै, उँरे ताहीं के मेरा जी लिकड़ण नै होरया सै। थम उँरे ठहरो अर जागदे रहो।” 39 फेर वो माड़ा और आगै सरक के मुँह के बळ गिरया, अर या प्रार्थना करण लाग्या, “हे मेरे पिता, जै हो सके तो यो दुख का कटोरा मेरे तै टळ जावे, तोभी जिसा मै चाहूँ सू इसा न्ही, पर जिसा तू चाहवै सै उससे तरियां ए होवै।” 40 फेर उसनै चेल्यां के धोरे आके उन ताहीं सोन्दे पाया अर पतरस तै कह्या, “के थम मेरे गेल्या एक घड़ी भी कोनी जाग सके? 41 जागदे रहो, अर प्रार्थना करदे रहो के थम परखे ना जाओ, आत्मा तो त्यार सै पर देह कमजोर सै।” 42 फेर उसनै दुसरी बार जाके या प्रार्थना करी, “हे मेरे पिता, जै यो मेरे लिए बिना न्ही हट सकदा, तो तेरी मर्जी पूरी हो।” 43 फेर उसनै आके उन ताहीं फेर सोन्दे पाया, क्यूँके उनकी आँखां म्ह नींद भरी थी। 44 उननै छोड़के वो फेर चल्या गया, अर उन्हे शब्दां म्ह फेर

तीसरी बार प्रार्थना करी। 45 फेर उसने चेल्यां के धौरै आके उनतै कहा, “इब सोन्दे रहो, अर आराम करो: देखखो, बखत आण पोंहच्या सै, अर मै माणस का बेट्टा पापियाँ के हाथ्यां पकड़वाया जाऊँगा। 46 उठो, चाल्लां; देखखो, मेरा पकड़ण आळा धौरै आण पोंहच्या सै।” 47 वो न्यू कहण ए लागरया था के यहूदा जो बारहां चेल्यां म्ह तै एक था आया, अर उसकै गेल्या प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां की ओड़ तै बड्डी भीड़, तलवार अर लाठी लिये होए, आई। 48 यीशु कै पकड़वाण आळे यहूदा नै उन ताहीं यो इशारा दिया था: “जिस ताहीं मै चूम ल्यूँ वोए सै; उस ताहीं पकड़ लियो।” 49 अर जिब्बे यीशु कै धौरै आके कहा, “हे गुरु, नमस्कार!” अर उस ताहीं घणा चुम्या। 50 यीशु नै उसतै कहा, “हे दोस्त, जिस काम के खातर तू आया सै, उसनै करले।” फेर उननै धौरै आके यीशु पै हाथ गेया अर उस ताहीं पकड़ लिया। 51 यीशु के साथियाँ म्ह तै एक नै हाथ बढ़ाके अपणी तलवार खींच ली अर महायाजक के नौकर पै चलाके उसका कान उड़ा दिया। 52 फेर यीशु नै उसतै कहा, “अपणी तलवार म्यान म्ह धर ले क्यूँके जो तलवार चलावै सै वे सारे तलवार तै नाश करे जावेंगे। 53 के तन्नै न्ही बेरा के मै अपणे पिता तै बिनती कर सकूँ सूं, अर वो सुर्यादूतां की बारहां पलटन तै घणे मेरे इब्बे हजर कर देवंगा।” 54 पर पवित्र ग्रन्थ की ये बात के इसाए होणा जरूरी सै, किस ढाळ पूरी होवेगी? 55 उस बखत यीशु नै भीड़ तै कहा, “के थम तलवार अर लाठी लैके मन्नै डाकू की ढाळ पकड़ण के खातर लिक्के सो? मै हरेक दिन मन्दर म्ह बैठके उपदेश दिया करूँ था, अर थमनै मेरे ताहीं कोनी पकड़्या। 56 पर यो सारा ज्यांतै होया सै के नबियाँ के वचन पूरे होवै।” फेर सारे चेल्लें उसनै छोड़के भाजगे। 57 फेर यीशु के पकड़ण आळे उस ताहीं काइफा नामक महायाजक के धौरै लेगे, जित्त शास्त्री अर यहूदी अगुवें कठ्ठे होए थे। 58 पतरस दूर ए दूर उसके पाच्छे-पाच्छे महायाजक के आँगण ताहीं गया, अर भीत्तर जाके अन्त देखण नै सिपाहियाँ कै गेल्या बैठया। 59 सारे प्रधान याजक अर यहूदी अगुवां की सभा यीशु नै मारण के खातर उसके बिरोध म्ह झुट्टी गवाही की टोह म्ह थे, 60 पर घणखरे झुट्टे गवाह के आण पै भी कोनी पाई। आखर म्ह दो जणे आये, 61 अर बोल्ले, “इसनै कहा सै के मै परमेसवर के मन्दर नै गेरे सकूँ सूं अर उस ताहीं तीन दिन म्ह बणा सकूँ सूं।” 62 फेर महायाजक नै खड़े होके यीशु तै कहा, “के तू कोए जवाब न्ही देदा? ये माणस तेरे बिरोध म्ह के गवाही देवे सै?” 63 पर यीशु बोल-बाल्ला रहया। फेर महायाजक नै उसतै कहा, “मै तन्नै जिन्दे परमेसवर की कसम दिवूँ सूं के जै तू परमेसवर का बेट्टा मसीह सै, तो म्हारे ताहीं कह दे।” 64 यीशु नै उसतै कहा, “तन्नै आप ए कह दिया; बल्के मै तेरे तै यो भी कहूँ सूं के इब तै थम मुझ माणस के बेट्टे नै सब तै सर्वशक्तिमान की सोळी ओड़ बेट्टे, अर अकास के बादळां पै आन्दे देखखोगे।” 65 फेर महायाजक नै अपणे लत्ते पाड़के कहा, “इसनै परमेसवर की बुराई करी सै, इब हमने गवाह की के जरूरत? देखखो, थमनै इब्बे या बुराई सुणी सै। 66 थम के सोच्यो सो?” उननै जवाब दिया, “यो मारण जोगा सै।” 67 फेर उननै उसके मुँह पै थुक्या अर उसके घुस्से मारे, दुसरयां नै थपड़ मारके कहा, 68 “हे मसीह, म्हारे तै भविष्यवाणी करके कह के किसनै तेरे ताहीं मारया?” 69 पतरस बाहरणै आँगण म्ह बैठया था के एक नौकराणी उसके धौरै आई अर बोल्ली, “तू भी तो गलीलवासी यीशु कै गेल्या था।” 70 उसनै सारया के स्याम्ही यो कहके नाट्या, “मन्नै न्ही बेरा तू के कहवै सै।” 71 जिव वो बाहरणै देहळियाँ म्ह गया, तो दुसरी नौकराणी उसनै देखके उनतै जो ओड़े थे कहा, “यो भी तो यीशु नासरी के गेल्या था।” 72 वो कसम खाके फेर नाट्या: “मै उस माणस नै कोनी जाण्दा।” 73 माडी बार पाच्छे माणसां नै जो ओड़े खड़े थे, पतरस के धौरै आके उसतै कहा, “साच्चए तू भी उन म्ह तै एक सै, क्यूँके तेरी बोल्ली तेरा भेद खोल्लै सै।” 74 फेर वो धिक्कारण अर कसम खाण लाग्या: “मै उस माणस नै कोनी जाण्दा।” जिब्बे मुर्गे नै बाँग देई। 75 जिव पतरस नै यीशु की कही होई बात याद आई “मुर्गे के बाँग देण तै पैहल्या तीन बर तू मेरा इन्कार करेगा।” अर वो बारणै ज्याके फूट-फूटके रोण लाया।

27 तड़के ए तड़के सारे प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै यीशु ताहीं मारण की सलाह करी। 2 उननै यीशु ताहीं बाँधया अर ले जाके पिलातुस राज्यपाल के हाथ्यां म्ह सौप दिया। 3 जिव उसके पकड़वाण आळे यहूदा नै अहसास होया के यीशु ताहीं मौत की सजा सुणाई गई सै तो वो पसताया अर वे तीस चाँदी के सिक्के प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां ताहीं बोहड़ाया 4 अर कहा, “मन्नै बेकसूर माणस ताहीं मारण के खातर पकड़वाके पाप करया सै।” उननै कहा, “हमनै के मतलब? तू ए जाणौ।” 5 फेर वो उन सिक्का नै मन्दर के आँगण म्ह बगाके बाहरणै चल्या गया, अर जाके अपणे-आप ताहीं फाँसी लगा ली। 6 प्रधान याजकां नै उन सिक्का ताहीं लेके कहा, “म्हारे नियम-कायदे इस बात की इजाजत कोनी देदा के हम इन सिक्कयां नै मन्दर के खजाने म्ह धरा, क्यूँके इसका इस्तमाल किसे ताहीं मारवाण खातर करया गया सै, या लहू की किम्मत सै।” 7 आखर म्ह उननै सलाह करके उन सिक्कयां तै परदेशियाँ के गाड्डे जाणके खातर कुम्हार का खेत मोल ले लिया। 8 इस कारण वो खेत आज ताहीं लहू का खेत कुह्लावै सै। 9 ताके जो वचन यिर्मयाह नबी कै जरिये कहा गया था वो पूरा होया: “उननै वे तीस सिक्के यानिके उस ठहराए होए मोल ताहीं (जिस ताहीं इस्राएल की ऊलाद म्ह तै कितन्याँ नै ठहराया था) ले लिया, 10 अर जिस तरियाँ प्रभु नै मेरे ताहीं हुकम दिया था, उससे तरियाँ ए उननै कुम्हार के खेत नै खरीदण खातर उसका इस्तमाल करया।” 11 जिव यीशु राज्यपाल के स्याम्ही खड्या था तो राज्यपाल नै उसतै बुझया, “के तू यहूदियाँ का राजा सै?” यीशु नै उसतै कहा, “तू आप ए कहण लागरया सै।” 12 जिव प्रधान याजक अर यहूदी अगुवें उसपै इल्जाम लावै थे, तो उसनै कुछ जवाब कोनी दिया। 13 इसपै पिलातुस नै उसतै कहा, “के तू न्ही सुणदा के ये तेरे बिरोध म्ह कितनी गवाही देवे सै?” 14 पर उसनै उस ताहीं एक बात का भी जवाब कोनी दिया, उरे ताहीं के राज्यपाल ताहीं घणी हेरानी होई। 15 राज्यपाल का यो रिवाज था के उस त्योंहार म्ह माणसां के खातर किसे एक कैदी नै जिसनै वे चाहवै थे, रिहा कर देवै था। 16 उस बखत उनके उरे बरअब्बा नाम का एक मान्या होड़ कैदी था। 17 आखर जिव वो कठ्ठे होए, तो पिलातुस नै उनतै कहा, “थम किसनै चाहो सो के मै थारे खातर रिहा करूँ? बरअब्बा ताहीं, या यीशु ताहीं जो मसीह कुह्लावै सै।” 18 क्यूँके उसनै बेरा था के उननै उस ताहीं जळण तै पकड़वाया था। 19 जिव वो न्याय की गद्दी पै बैठया होया था तो उसकी घरआळी नै उस ताहीं कुहवां भेज्या, “तू उस धर्मी के मामलै म्ह हाथ ना गेरिये, क्यूँके मन्नै आज सपनै म्ह उसके कारण घणा दुख ठाया सै।” 20 प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै माणसां ताहीं उकसाया के वे बरअब्बा नै माँग ले, अर यीशु का नाश करावै। 21 राज्यपाल नै उसतै बुझया, “इन दोनुआ म्ह तै किसनै चाहो सो के मै थारे खातर छोड़ दिवूँ?” उननै कहा, “बरअब्बा ताहीं।” 22 पिलातुस नै उनतै कहा, “फेर यीशु ताहीं, जो मसीह कुह्लावै सै, के करूँ?” सारया नै उसतै कहा, “यीशु क्रूस पै चढ़ाया जावै।” 23 हाकिम नै कहा, “क्यातै, उसनै के बुरा करया सै?” पर वे और भी रुक्के मारण लागगे, “वो क्रूस पै चढ़ाया जावै।” 24 जिव पिलातुस नै देख्या के किमे न्ही बण पडरया पर उलटा दंगा बढ़दा जावै सै, तो उसनै पाणी लैके भीड़ के स्याम्ही अपणे हाथ धोए अर कहा, “मै इस धर्मी के लहू तै बेकसूर सूं: थमे जाणो।” 25 सारे माणसां नै जवाब दिया, “इसकी मौत के जिम्मेदार हम अर म्हारी ऊलाद होवंगे!” 26 इसपै उसनै बरअब्बा ताहीं उनके खातर रिहा कर दिया, अर यीशु के कोड़े लगवाके सौप दिया, के क्रूस पै चढ़ाया जावै। 27 फेर राज्यपाल के सिपाहियाँ नै यीशु ताहीं किले म्ह ले जाके सारी पलटन उसके चौगरदे नै कट्टी करी, 28 अर उसके लत्ते तारके उस ताहीं लाल रंग का चोगा पहिराया, 29 अर काण्डयाँ का ताज गुन्दके उसके सिर पै धरया, अर उसके सोळे हाथ्यां म्ह सरकण्डा दिया अर उसके आग्रे गोड्डे टेक के उसका मखौल उड़ाण लागगे अर कहा, “हे यहूदिया परदेस के राजा, नमस्कार।” 30 अर उसपै थुक्या; अर वोए सरकण्डा लैके उसके सिर पै मारण लागगे। 31 जिव उननै उसका मखौल कर लिया, तो वो चोगा उसपै तै तारके फेर

उसके के लते उस ताहीं पिहराए, अर क्रूस पै चढ़ाण के खात्तर ले चाल्ले। 32 बाहरणे जान्दे होए, उन ताहीं शमोन नाम का एक कुरेनी माणस मिल्या। उननै उस ताहीं बेकार म्ह पकड्या के उसका क्रूस ठाके ले चाल्ले। 33 उस जगहां पै पोहवे जो “खोपड़ी” यानी इब्रानी भाषा म्ह “गुलगुता” कुहावे सै। 34 उननै सिरका मिल्या होइ अंगूर का रस उस ताहीं पीणनै दिया, पर उसनै चाखके पीणा न्ही चाह्वा। 35 फेर उननै उस ताहीं क्रूस पै चढ़ाया, अर पर्ची गेर के उसके लते बांड लिये, 36 अर ओड़ै बैठके उसका पैहरा देण लागगे। 37 अर उसका दोषपत्र लिखके उसके सिर पै लगाया, के, “यो यहूदियाँ का राजा यीशु सै।” 38 फेर उसके गेल्या दो डाकू एक सोळी ओड़ अर एक ओळी ओड़, क्रूस पै चढ़ाए गए। 39 राह म्ह आण-जाण आळें सिर हला-हलाके उसकी बेजती करे थे, 40 अर वे कहवै थे, “हे मन्दर नै ढाण आळें अर तीन दिनं म्ह बणाण आळें, अपणे-आपनै तो बचा! जै तू परमेसवर का बेट्टा सै, तो क्रूस पै तै उतर आ।” 41 इस्से तरियां तै प्रधान याजक भी शास्त्रियाँ अर यहूदी अगुवां सुधा मजाक करके कहवै थे, 42 “इसनै औरां ताहीं बचाया, अर अपणे-आपनै न्ही बचा सकदा। यो तो ‘इसाएल का राजा’ सै। इब क्रूस पै तै उतर आवै तो हम उसपै बिश्वास करां। 43 उसनै परमेसवर पै भरोस्सा राख्या सै; जै जो इसनै चाहवै सै, तो इब इसनै छुड़ा लेवै, क्यूँकि इसनै कह्वा था, ‘मै परमेसवर का बेट्टा सूं।’” 44 इस्से ढाळ डाकू भी जो उसके गेल्या क्रूस पै चढ़ाए गए थे, उसकी बेजती करे थे। 45 दोफारी तै लेके तीन बजे ताहीं उस सारे देश म्ह अँधेरा छाया रहया। 46 तीसरे पहर के लोवे यीशु नै जोर तै बोल्या, “एली, एली, लमा शबक्तनी?” यानिके “हे मेरे परमेसवर, हे मेरे परमेसवर, तन्नै मेरे ताहीं क्यांतै छोड़ दिया?” 47 जो उड़े खड़े थे, कितन्याँ नै न्यू सुणके कह्वा, “वो तो एलिय्याह ताहीं बुलावै सै।” 48 उन म्ह तै एक जिबे भाज्या, अर स्पंज (फोम) लेके सिरके म्ह डबोया, अर सरकण्डे पै धरके उस ताहीं चुसाया। 49 औरां नै कह्वा, “रहज्या, देखो एलिय्याह उसनै बचाण आवै सै के न्ही।” 50 फेर यीशु नै जोर तै किल्की मारके जी दे दिया। 51 अर देखो, मन्दर का पड़दा उपपर तै तळै ताहीं पाटके दो टुकड़े होग्या अर धरती काम्बगी चट्टान तड़कगी, 52 अर कब्रे खुलगी, अर मरे होइ भोत-से पवित्र माणस जो पैहले मुर्दे थे वे जिन्दा होग्ये, 53 अर उसके जिन्दा होण के पाछे वे कब्रां म्ह तै लिकड़के पवित्र नगर म्ह गए अर घणाए ताहीं दिक्खे। 54 फेर सूबेदार अर जो उसके गेल्या पैहरा दे रे थे, हाल्लण अर जो कुछ होया था उस ताहीं देखके घणे डरगे अर कह्वा, “साच्चए यो परमेसवर का बेट्टा खु।” 55 ओड़ै घणखरी बिरबान्नी जो गलील परदेस तै यीशु की सेवा कर दी होइ उसके गेल्या आई थी, दूर तै देखै थी। 56 उन म्ह मरियम मगदलीनी, अर याकूब अर योसेस की माँ मरियम, अर जब्दी के बेट्याँ की माँ थी। 57 जब साँझ होई तो यूसुफ नामका अरिमतिया गाम का एक साहूकार माणस, जो खुदे यीशु का चेल्ला था। 58 उसनै पिलातुस धारे जाके यीशु की लाश माँगी। इस करके पिलातुस नै यीशु की लाश देण का हुकम दिया। 59 यूसुफ नै यीशु की लाश ली, उस ताहीं धोळी चादर म्ह लपेट्या, 60 अर उस ताहीं अपनाई नई कब्र म्ह धरया, जो उसनै चट्टान म्ह खुदवाई थी, अर कब्र के बारणै पै एक बड़ड़ा पत्थर गिरड़ा कै चल्या गया। 61 मरियम मगदलीनी अर दुसरी मरियम ओड़ैए कब्र कै स्याम्ही बेठ्ठी थी। 62 आगला दिन आराम का दिन था, उस दिन प्रधान याजकां अर फरीसियाँ नै पिलातुस कै धारे कठ्ठे होके कह्वा, 63 “हे महाराज, म्हारे ताहीं याद सै के उस थोकखेबाज नै जिब वो जिन्दा था, तो उसनै न्यू कह्वा था, ‘मै मरण के तीन दिन पाछे जिन्दा हो जाऊँगा।’ 64 इस करके हुकम दे के तीसरे दिन ताहीं कब्र की रुखाळी सावधानी तै करी जावै, इसा ना हो के उसके चेल्लें आके उसकी लाश नै चुरा ले जावै, अर माणसां तै कहण लाग्गै, ‘वो मरे होया म्ह तै जिन्दा होग्या सै।’ फेर पाछला थोकखा पैहलडे तै भी बड़ड़ा होगा।” (पैहला थोकखा के वो खुद नै परमेसवर का बेट्टा बतावै सै, दुसरा यो के इब वो तीसरे दिन मरे होया मै तै जी उठुँगा) 65 “पिलातुस नै उनतै कह्वा, ‘थारे धारे परहेदार तो सै जाओ, अपनाई समझके

मुताबिक कब्र की रुखाळी करो। 66 आखर वे पैहरेदारां नै गैल लेकै ग्ये, अर कब्र के पत्थर पै मोँहर लगाके कब्र की रुखाळी करी।”

28 आराम कै दुसरे दिन पाछे, हफ्तै कै पैहलडे दिन, तड़कै ए तड़कै मगदला कस्बे की मरियम अर दुसरी मरियम कब्र नै देखण आई। 2 अर देखो, एक बड़ड़ा हाल्लण आया, क्यूँके प्रभु का सुगुदत सुगुं तै उतरया अर धारे आके उसनै पत्थर ताहीं गिरड़या दिया, अर उसपै बैठग्या। 3 उसका रूप बिजळी बरगा था अर उसके लते पाळे की ढाळ थोळे थे। 4 उसके डर तै परहेदार काम्बगं, अर मुर्दे की ढाळ होग्ये। 5 सुगुदत नै बिरबानियाँ ताहीं कह्वा, “मतना डरो, मन्नै बेरा सै के थम यीशु नै जो क्रूस पै चढ़ाया गया था, टोहो सो। 6 वो उरै न्ही सै, पर अपणे वचन के मुताबिक जिन्दा होग्या सै। आओ, या जगहां देखो, जित्त प्रभु राख्या गया था, 7 अर तावळे जाके उसके चेल्यां ताहीं कहे के वो मरे होया म्ह तै जिन्दा होग्या सै, अर वो थारे तै पैहल्या गलील परदेस म्ह जावै सै, उड़े उसका दर्शन पाओगे! देखो, मन्नै थारे तै कह दिया।” 8 वे भय अर घणी खुशी के गेल्या कब्र तै तावळी बोहड़के उसके चेल्यां ताहीं खबर देण नै भाज्जी गई। 9 फेर यीशु उन ताहीं मिल्या। अर कह्वा, “सुखी रहो।” उननै धारे आके अर उसके पाँ पकड़के उस ताहीं प्रणाम करया। 10 फेर यीशु नै उनतै कह्वा, “मतना डरो; मेरे चेल्यां तै जाके कहे के गलील परदेस म्ह चले जावै, उड़े वो मन्नै देखेंगे।” 11 जिब वे चेल्यां ताहीं या खबर देण जाण लागरी थी। तो पैहरेदारां म्ह तै, जो कब्र की रुखाळी करै थे, उन म्ह तै कईयाँ नै नगर म्ह आके सारा हाल प्रधान याजकां तै कह सुणाया। 12 फेर उननै यहूदी अगुवां के गेल्या कठ्ठे होके सलाह करी अर सिपाहियाँ ताहीं घणाए धन देके हुकम दिया, 13 “के माणसां तै न्यू कहियो के जिब हम रात नै सोण लागरे थे, तो उसके चेल्लें आके उसकी लाश नै चुरा लेगे। 14 जै थारे सोण की खबर राज्यपाल कै कान्नां ताहीं पोहोचैगी, तो हम उसनै समझा लेवेंगे अर थमनै जोखिम तै बचा लेवांगें।” 15 आखर उननै रपिये लेके जिसे सिखाए गये थे, उससे तरियां ए करया। या बात आज ताहीं यहूदी माणसां म्ह मान्नी जावै सै। 16 ग्यारहां चेल्लें गलील परदेस म्ह उस पहाड़ पै गये, जिस ताहीं यीशु नै उन ताहीं बताया था। 17 उननै उसका दर्शन पाके उस ताहीं प्रणाम करया, पर कईयाँ नै शक होया के यीशु जिन्दा होग्या सै। 18 यीशु नै उनके धारे आके कह्वा, “सुगुं अर धरती का सारा हक मेरे ताहीं दिया गया सै। 19 इस करके थम जाओ, सारी जात्तां के माणसां ताहीं चेल्ला बणाओ; अर उननै पिता, पुत्र अर पवित्र आत्मा के नाम तै बपतिस्सा द्यो, 20 अर उननै सारी बात जो मन्नै थारे ताहीं हुकम दिया सै, मानना सिखाओ: अर देखो मै दुनिया के अंत तक सदा थारे गैल रहूँगा।” (aiōn g165)

मरकुस

1 यो सुसमाचार यीशु मसीह के बारे में है। जो परमेसवर का बेटा है। अर इसकी शुरुआत इस तरियां होई 2 जिसा के यशायाह नबी की किताब में परमेसवर ने अपने बेटे ताहीं कहा है: “देख, मैं अपने दूत ने तेरे आगे भेजूं सूं, जो तेरे खातर लोगां न तैयार करेगा। 3 जंगल-बियाबान में एक-रुक्का मारणीये का बोल सुणाई देवे सै के प्रभु के आण खातर अपने-अपने तैयार करो।” 4 वो दूत यूहन्ना था, जो जंगल-बियाबान में कहवै था, “पाप करणा छोड़ दो अर बयूहना ल्यो परमेसवर थारे पाप माफ कर देगा।” 5 सारे यूहूदिया परदेस के, अर यरुशलेम नगर के सारे बासिन्दे लिकड़के उसके धौरे गए, अर अपने पापां नै मानके यरदन नदी में उसतै बपतिस्मा लिया। 6 यूहन्ना ऊँट के रूप के लते पहरे, अर अपनी कड़ में चमड़े की पेट्री बाँधे रहवै था, अर टिड्डियाँ अर शहद खायो करै था। 7 अर न्यू प्रचार करै था, “मेरे पाछे वो आण आळा सै, जो मेरे तै शक्तिशाली सै, मैं इस लायक कोनी के झुकके उसके जूत्तों के फिते खोलूँ। 8 मन्ने तो थारे ताहीं पाणी तै बपतिस्मा दिया सै पर वो धमने पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा देवेगा।” 9 उन दिनां में यीशु नै गलील परदेस के नासरत नगर तै होके, यरदन नदी में यूहन्ना तै बपतिस्मा लिया। 10 अर जब वो पाणी में तै लिकड़के उप्पर आया, तो जिबे उसने अकास ताहीं खुल्ले अर पवित्र आत्मा ताहीं कबूतर की तरियां अपने उप्पर आन्दे देख्या। 11 अर परमेसवर सुर्ग में तै बोल्या, “तू मेरा प्यारा बेटा सै, तेरे तै मैं राज्जी सूँ।” 12 फेर पवित्र आत्मा नै जिबे उस ताहीं जंगल-बियाबान कान्ही भेज्या। 13 जंगल-बियाबान में चाळीस दिन ताहीं शैतान उस ताहीं परखता रहया, अर वो जंगल-बियाबान में पशुआं के गेल्या रह्या, अर सुर्गदूत उसकी सेवा करदे रहे। 14 यूहन्ना के पकड़े जाणके कुछ बखत पाछे, यीशु नै गलील परदेस में आके परमेसवर के राज्य का सुसमाचार प्रचार करया, 15 अर कहा, “बखत पूरा होया सै, अर परमेसवर का राज्य धौरे आरया सै; पाप करणा छोड़ दो, अर परमेसवर के सुसमाचार पै बिश्वास करो।” 16 गलील परदेस में गलील समुन्दर के किनारे जान्दे होइ, उसने शमीन अर उसके भाई अन्द्रियास ताहीं समुन्दर में जाळ गेर दे देख्या; क्यूँके वे मछवारे थे। 17 यीशु नै उनतै कहा, “मेरे पाछे आओ, मैं धमने माणसां ताहीं कट्टे करण आळे बणाऊँगा ताके वो मेरे चेल्लें बणे।” 18 वे जिबे जाळां नै छोड़के उसके चेल्लें बणण खातर उसके पाछे हो लिये। 19 थोड़ा आगे चालके, उसने जब्दी के बेटे याकूब अर उसके भाई यूहन्ना ताहीं, किस्ती पै जाळां ताहीं ठीक करदे देख्या। 20 उसने जिबे उन ताहीं बुलाया; अर वे अपने पिता जब्दी ताहीं मजदूरों के गेल्या किस्ती पै छोड़के, उसके चेल्लें बणण खातर उसके पाछे हो लिये। 21 जब यीशु अर उसके चेल्लें कफरनहूम नगर में आए, अर वो जिबे आराम के दिन आराधनालय में जाके उपदेश देण लाग्या। 22 अर माणस उसके उपदेश तै हैरान होगे; क्यूँके वो उनने शास्त्रियाँ की ढाळ न्ही, पर अधिकार तै उपदेश देवै था। 23 उससे बखत, उनके आराधनालय में एक माणस था, जिसमें ओपरी आत्मा थी। 24 उसने रुक्का मारके कहा, “हे नासरत के यीशु, हमने तेरे तै के काम? के तू म्हाारा नाश करण नै आया सै? मैं तन्ने जाणूँ सूँ, तू कौण सै? तू परमेसवर की ओड़ तै भेज्या होया पवित्र मसीह सै!” 25 यीशु नै उसतै धमकाके कहा, “चुपचाप रहे, अर इस माणस में तै लिकड़ जा।” 26 फेर ओपरी आत्मा ऊँची आवाज में किल्वी मारके उस में तै लिकड़गी। 27 इस बात पै सारे माणस अचम्भा करदे होए आप्पस में बहस करण लागे, “या के बात सै? यो तो कोए नया-ए उपदेश सै! वो हक के गेल्या ओपरी आत्मायां नै भी हुकम देवै सै, अर वे उसका हुकम मान्ने सै।” 28 अर उसका नाम जिबे गलील के पूरे परदेस में हरेक जगह फैलग्या। 29 यीशु अर उसके सारे चेल्लें जिबे आराधनालय में तै लिकड़के, याकूब अर यूहन्ना के गेल्या शमीन अर अन्द्रियास के घरों आये। 30 शमीन की सास्सू के बुखार चढ़या था, अर उसके चेल्यां नै जिबे उसके बाबत यीशु ताहीं

बताया। 31 फेर यीशु नै धौरे जाके उसका हाथ पकड़के उस ताहीं ठाया, अर उसका बुखार उतर गया, अर वा उनकी सेवा-पाणी करण लागी। 32 साँझ के बखत जब सूरज डूबग्या तो माणस सारे बिमारां ताहीं अर उनने, जौनमें ओपरी आत्मा थी, यीशु के धौरे ल्याए। 33 अर साब्ला नगर दरवाजे पै कट्टा होया। 34 उसने घणखरयां ताहीं जो कई ढाळ की बिमारियां तै दुखी थे, ठीक करया, घणखरी ओपरी आत्मायां ताहीं काढ्या, अर ओपरी आत्मायां ताहीं बोल्लण कोनी दिया, क्यूँके वे उसने पिच्छाणे थी, के यीशु परमेसवर की ओड़ तै भेज्या होया मसीह सै। 35 तड़केए दिन लिकड़ण तै पैहल्या, यीशु शमीन के घर तै उठके लिकड़या, अर एक बियाबान जगहों में गया अर उड़े प्रार्थना करण लाग्या। 36 फेर शमीन अर उसके साथी उसकी टोह में गए। 37 जब वो मिल्या, तो उस ताहीं कहा, “सारे नगर के माणस तन्ने टोहवै सै।” 38 उसने उनतै कहा, “आओ; हम और किते लोवै-धोवै की बस्तियां में जावां, के मैं उड़े भी प्रचार करूँ, क्यूँके मैं इसे खातर आया सूँ।” 39 अर वो सारे गलील परदेस में उनके आराधनालयों में जा-जाके उन ताहीं उपदेश सुणांदा अर ओपरी आत्मायां ताहीं लिकाड़दा रह्या। 40 एक कोढ़ी उसके धौरे आया, उसतै बिनती करी, अर उसके आगे गोठे टेकके उस ताहीं कहा, “जै तू चाहवै तो मन्ने ठीक कर सके सै।” 41 उसने उसपै तरस सके हाथ बढ़ाके, अर उस ताहीं छूके कहा, “मैं चाहूँ सूँ, के तू इस बीमारी तै ठीक हो ज्या।” 42 अर जिबे उसका कोढ़ जान्दा रह्या, अर वो ठीक होग्या। 43 फेर उसने उस ताहीं चेतावनी देके जिबे बिदा करया, 44 अर उसतै कहा, “लखा, किसे तै कुछ मतना कहिये, पर जाके अपने-आपने याजक ताहीं दिखा, अर अपने कोढ़ तै ठीक होण के बारे में जो कुछ मूसा नबी नै जो पवित्र ग्रन्थ में चढ़ावा बताया सै उसने चढ़ा, के माणसां खातर या गवाही हो, के तू ठीक होग्या सै।” 45 पर वो बाहरणै जाके इस बात का घणा प्रचार करण अर याड़े ताहीं फैलाण लागग्या के यीशु दुबारे सरेआम नगर में कोनी जा सक्या, पर बाहरणै सुनसान स्थानां में रह्या, अर चौगरदे तै माणस उसके धौरे आन्दे रहे।

2 थोड़े दिनां पाछे यीशु फेर कफरनहूम नगर में आया, अर माणसां नै सुणया के वो घर में सै। 2 फेर इतने माणस कट्टे होए के दरवाजे धौरे भी जगहों कोनी थी, अर वो उनने परमेसवर के वचन सुणाण लागरया था। 3 अर चार माणस एक लकवे के मरीज ताहीं बिस्तर पै लिटाके उसके धौरे ल्याए। 4 पर जब वे भीड़ के कारण उसके धौरे कोनी पोहच सके, तो उनने उस छात ताहीं जिसके तळै यीशु था, खोल दिया; तो उस बिस्तर समेत जिसपै वो लकवे का मरीज लेट्या था, नीचे उतार दिया। 5 यीशु नै उनका बिश्वास देखके उस लकवे के मरीज ताहीं कहा, “हे बेटे, मन्ने तेरे पाप माफ कर दिये।” 6 फेर घणे शास्त्री जो उड़े बेटे थे, अपने-अपणे मन में सोचण लागे, 7 “यो माणस न्यू क्यांतै कहवै सै? यो तो परमेसवर की बुगई करै सै! परमेसवर नै छोड़के और कौण पाप माफ कर सके सै?” 8 यीशु नै जिबे अपने मन में जाण लिया के वे अपने-अपणे मन में इसा विचार क्यांतै करण लागरे सै? अर उनतै कहा, “धम अपने-अपणे मन में यह यो विचार क्यूँ करण लागरे सो? 9 आसान के सै? के लकवे के मरीज ताहीं यो कहणा के तेरे पाप माफ होए, या फेर यो कहणा के उठ अपना बिस्तर ठाके हॉड-फिर? 10 पर जिसतै थम जाण ल्यो के मुझ माणस के बेटे नै धरती पै पाप माफ करण का भी हक सै।” उसने उस लकवे के मरीज ताहीं कहा, 11 “मैं तेरे तै कहूँ सूँ, उठ, अपने बिस्तर ठाके अपने घरां चल्या जा।” 12 वो उठ्या अर जिबे बिस्तर ठाके उसके स्याम्ही तै लिकड़ग्या; इसपै सारे हैरान होगे, अर परमेसवर की बड़ाई करके कहण लागे, “हमने इसा पैहल्या कदे कोनी देख्या।” 13 यीशु दुबारा लिकड़के गलील समुन्दर के किनारे गया, अर सारी भीड़ उसके धौरे आई, अर वो उनने उपदेश देण लाग्या। 14 जान्दे होए उसने हलफई के बेटे लेवी जिसका नाम मत्ती था, चुंगी की चौकी पै बेटे देख्या, अर उसतै कहा, “मेरा चेला बणण खातर मेरे पाछे हो लो।” अर वो उठके उसके पाछे हो लिया। 15 जब वो मत्ती के घर में खाणा

खाण बेठ्या, तो घणोए चुंगी लेण आळे अर जिननै लोग पापी कहवै थे, यीशु अर उसके चेल्या गेल्या खाणा खाण बेट्टे; क्यूँके वे घणो सारे थे, अर उसके साथ हो लिए थे। 16 शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ नै न्यू देखके के वो तो पापी अर चुंगी लेण आळा गेल्या खाणा खावै सै, उसके चेल्यां ताहीं कहा, “वो तो चुंगी लेण आळे अर जिननै लोग पापी कहवै सै, उनके गेल्या खावै-पीवै सै।” 17 यीशु नै या सुणके उनतै कहा, “आच्छे-बिच्छयां नै वैद की जरूरत कोनी, पर बिमारां नै सै: जो अपणे-आपने धर्मी कहवै सै, मै उननै न्ही, पर जो अपणे-आपने पापी कहवै सै उननै बुलाण आया सूं।” 18 यूहन्ना के चेल्लें, अर फरीसी ब्रत करया करै थे, तो उननै आके उसतै कहा, “यूहन्ना के चेल्लें अर फरीसियाँ के चेल्लें ब्रत क्यातै करै सै, पर तेरे चेल्लें ब्रत न्ही राखदे?” 19 यीशु नै उनतै कहा, “जिब ताहीं बन्दड़ा बरातियाँ कै गेल्या सै, के वे ब्रत राख सके सै? आखर जिब ताहीं बन्दड़ा उनके गेल्या सै, जद ताहीं वे ब्रत कोनी कर सकदे। 20 पर वे दिन भी आवैगें जिब बन्दड़ा उनतै न्यारा करया जावैगा; उस बखत वे ब्रत करैगें। 21 “नये लत्यां की थेगळी पुराणे लत्यां पै कोए न्ही लगान्दा, न्ही तो वा थेगळी उस म्ह तै खुस्का लेवैगी, यानिके नया, पुराणे तै, अर वो पैहल्या तै घणा पाट जावैगा। 22 नये अंगूर के रस ताहीं पुराणी मशकां म्ह कोए कोनी राखदा, न्ही तो अंगूर का रस मशकां नै पाड़ देवैगा, अर अंगूर का रस अर मशक दोनुआ का नाश हो जावैगा, पर नया अंगूर का रस नई मशकां म्ह भरया जावै सै।” 23 न्यू होया के आराम के दिन यीशु चेल्यां कै गैल खेतां म्ह तै होकै जाण लागरया था, अर उसके चेल्लें चान्दे होए गेहूँ की बाल तोड़ण लागे। 24 तो फरीसियाँ नै उस ताहीं कहा, “देख, ये आराम के दिन वो काम क्यातै करै सै? जो नियम-कायदा के खिलाफ सै।” 25 यीशु नै उनतै कहा, “के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही पढ़या के जिब म्हारे पूर्वज दाऊद नै जरूरत होई, अर जिब वो अर उसके साथी भूखे होए, फेर उसनै के करया था? 26 उसनै किस ढाढ अबियातार महायाजक के बखत, परमेसवर के घर म्ह जाके भेंट की रोटी खाई, जिनका खाणा याजकां नै छोड़ और किसै के खातर खाणा ठीक कोनी, अर अपणे साथियाँ ताहीं भी दी?” 27 फेर उसनै उन ताहीं कहा, “आराम का दिन माणस खातर बणाया गया सै, ना के माणस आराम के दिन के खातर। 28 इस करके मै माणस का बेट्टा आराम के दिन का भी मालिक सूं।”

3 यीशु फेर आराम के दिन आराधनालय म्ह गया; उड़ै एक माणस था जिसका हाथ सूखरया था, 2 अर फरीसी यीशु पै दोष लाण खातर उसकी टाह म्ह थे के देखवै, वो आराम के दिन उसनै ठीक करे सै के न्ही। 3 उसनै सूखे हाथ आळे माणस तै कहा, “बीच म्ह खड्या होज्या?” 4 अर उनतै कहा, “के मूसा के नियम-कायदा के मुताबिक आराम के दिन भला करणा ठीक सै या बुरा करणा, जान बचाणा या मारणा?” पर वे बोल-बाल्ले रहे। 5 फेर उसनै उनके मन की कठोरता तै काल होके, उन ताहीं छो तै चोगरदेनै देख्या, अर उस माणस ताहीं कहा, “अपणा हाथ बढ़ा।” उसनै बढ़ाया, अर उसका हाथ ठीक हो गया। 6 फेर फरीसी बाहरणै जाके जिब्वे हेरोदेस राजा के समथकां कै गेल्या उसके बिरोध म्ह सलाह करण लागे के उसका नाश किस तरियां करया जावै। 7 यीशु अपणे चेल्यां गेल्या गलील समुन्दर कान्ही चल्या गया; अर गलील तै एक बड्डी भीड़ उसके पाछे हो ली; 8 अर यहूदिया नगर, अर यरुशलैम नगर, अर इडूमिया परदेस, अर यरदन नदी के परली ओड़, अर सूर अर सैदा नगर के लोवै-धोवै तै एक बड्डी भीड़ न्यू सुणके के वो किसै अचम्भे आळे काम करै सै, उसनै देखखण आई। 9 यीशु नै अपणे चेल्यां तै कहा, “भीड़ की बजह तै एक छोटी किस्ती मेरे खातर तयार राखियाँ ताके वे मन्नै दाब न्ही सकै।” 10 क्यूँके उसनै घणखरयां ताहीं ठीक करया था, इस करके जितने माणस बीमार थे, उस ताहीं छूण खातर उसपै पड़ण लागे थे। 11 जिन म्ह ओपरी आत्मा भी जिब उस ताहीं देखे थी, तो उसके स्पाम्ही गिर ज्या थी, अर किल्ली मारके कहवै थी, तू परमेसवर का बेट्टा सै। 12 अर उसनै ओपरी आत्मायाँ ताहीं

चेतावनी देके कहा के मेरे बारे म्ह किसै तै ना कहियो के मै कोण सूं। 13 फेर यीशु पहाड़ पै चढ़या, अर जिन नै वो चाहवै था उन ताहीं अपणे धोरे बुलाया; अर वे उसके धोरे आए। 14 फेर उसनै उन म्ह तै बारहा चेल्यां ताहीं नियुक्त करया के वे उसके गेल्या-गेल्या रहवै, अर वो उननै भेजके के वे प्रचार करै, 15 अर ओपरी आत्मा ताहीं काढ़ण का हक राखवै। 16 वे बारहा चेल्लें ये सै: “शमौन जिसका नाम उसनै पतरस धरया, 17 अर जब्दी का बेट्टा याकूब अर याकूब का भाई यूहन्ना, जिसका नाम उसनै बुनरगिस यानिके ‘गरजण का बेट्टा’ धरया।” 18 अर अन्द्रियास, अर फिलिप्पुस, अर बरतुल्लै, अर मत्ती, अर थोमा, अर हलफई का बेट्टा याकूब, अर तदै, अर शमौन कनानी, 19 अर यहूदा इस्करियोती जिसनै उस ताहीं पकड़वा भी दिया था। 20 फेर यीशु घरां आया; अर इसी भीड़ कठी होई, के यीशु अर उसके चेल्यां पै रोटी भी कोनी खाई गई। 21 जिब उसके कुणबा आळा न्यू सुणया, तो वे उस ताहीं घरां ले जाण खातर लिक्डे; क्यूँके वे कहवै थे, “के उसका दिमाग ठिकाणै कोनी सै” 22 शास्त्री भी जो यरुशलैम नगर तै आये थे, वे कहवै थे, “उस म्ह शैतान सै,” अर न्यू भी के “वो ओपरी आत्मायाँ के सरदार शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़े सै।” 23 ज्यातै यीशु उननै धोरे बुलाके उदाहरणां म्ह कहण लाया, “शैतान क्यूँकर ओपरी आत्मायाँ नै काढ सके सै?” 24 जै किसै राज्य म्ह फूट पड़े, तो वो राज्य किस तरियां टिक्या रह सके सै? 25 अर जै किसै घर म्ह फूट पड़े, तो वो घर क्यूँकर डट्या रह सकेगा? 26 इस करके जै शैतान खुद का ए बिरोधी होके अपणे म्ह फूट गैरे, तो वो किस तरियां बणया रह सके सै? उसका तो नाश हो जावै सै। 27 “पर कोए माणस किसै ठाड्डे माणस कै घर म्ह बड़के उसका माळ कोनी लूट सकदा, जिब तक के पैहल्या उस ठाड्डे माणस ताहीं ना जुड़ ले; जिब वो उसके घर नै लूट लेवैगा। 28 मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं के माणसां के सारे पाप अर बुराई जो वे करै सै, माफ करे जावैगें, 29 पर जो कोए पवित्र आत्मा कै बिरोध म्ह बुराई करे सै, वो कदे माफ कोनी करया जावैगा: बल्के वो अनन्त पाप का कसूरवार बण ज्यागा।” (aiōn g165, aiōnios g166) 30 क्यूँके वे न्यू कहवै थे के उस म्ह ओपरी आत्मा सै। 31 फेर यीशु की माँ अर उसके भाई आए, अर बाहरणै खडे होके उस ताहीं बुलावा भेज्या। 32 भीड़ उसके लोवै-धोवै बेठी थी, अर उननै उसतै कहा, “देख, तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरणै तन्नै तोहवै सै।” 33 यीशु नै उनतै जवाब दिया, “मेरी माँ अर मेरे भाई कोण सै?” 34 अर जो उसके लोवै-धोवै बेट्टे थे, उनपै निगाह करके कहा, “देखखें, मेरी माँ अर मेरे भाई ये सै। 35 क्यूँके जो कोए परमेसवर की इच्छा पै चाल्लै, वोए मेरा भाई, मेरी बेब्बे, अर मेरी माँ सै।”

4 यीशु फेर गलील समुन्दर कै किनारे उपदेश देण लागया: अर इसी बड्डी भीड़ उसके धोरे कठी होगी के वो समुन्दर म्ह एक किस्ती पै चढ़के बैठया, अर सारी भीड़ जमीन पै समुन्दर कै किनारे खड़ी रही। 2 अर वो उननै उदाहरणां म्ह घणीए बात सिखाण लाया, अर अपणे उपदेश म्ह उन ताहीं कहा, 3 “सुणो! एक किसान बीज बोण लिक्डया। 4 बोंदे बखत कुछ राही कै किनारे पड़े, अर पछियाँ नै आके उन ताहीं चुग लिया। 5 कुछ पथरीली धरती पै पड़े जड़े उसनै घणी माट्टी ना मिली, अर ढुंघी माट्टी ना मिलण के कारण तोळाए उग्या, 6 अर जिब सूरज लिक्डया तो जळगे, अर जड़ ना पकड़ण के कारण सुखगे। 7 कुछ झाड़ियाँ म्ह पड़े, अर झाड़ियाँ नै आगी बड़के उन ताहीं दाब दिया, अर वो फळ कोनी ल्याये। 8 पर कुछ आच्छी धरती पै पड़े, अर वो उग्या अर बड़के फळ ल्याये; अर कोए तीस गुणा, कोए साठ गुणा अर कोए सौ गुणा फळ ल्याया।” 9 फेर उसनै कहा, “जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले।” 10 जिब यीशु एक्ला रहया, तो उसके साथियाँ नै उन बारहां चेल्यां सुधा उसतै इन उदाहरणां कै बारे म्ह बुझया। 11 उसनै उनतै कहा, “थारे ताहीं तो परमेसवर कै राज्य के भेद की समझ दे राखी सै, पर बाहर आळा खातर सारी बात उदाहरणां म्ह होवै सै।” 12 इस करके के “वे देखदे होए देखे पर उननै दिखाई ना देवै अर

सुणदे होए सुणै भी पर ना समझै; इसा ना हो के वे पाप करणा छोड़दे, अर वे माफ करे जावै।” 13 फेर यीशु नै उनते कहा, “के थम यो उदाहरण कोनी समझै? तो फेर और सारे उदाहरणां नै किस तरियां समझोगे? 14 किसान जो बीज बोण आळा सै वो वचन बोण आळे कै समान सै। 15 राही कै किनारे गिरे बीज उन माणसां की तरियां सै जो वचन सुणै सै, तो शैतान जिब्बे आकै वचन नै जो उन म्ह बोया गया था, ठा ले जावै सै। 16 उरसे तरियां-ए जो पथरीली धरती पै बीज गिरे सै, ये वे सै जो वचन सुणकै जिब्बे खुश होकै अपना लेवै सै। 17 पर उनकै भीत्तर जड़ नही पकड़ण के कारण थोड़े-से दिनां के खात्तर रहे सै; इसके बाद जिब वचन के कारण उनपे कळेश या संकट आवे सै, तो वे जिब्बे ठोक्कर खा जावै सै। 18 जो झाड़ियाँ म्ह बीज गिरे ये वे सै जिन नै वचन सुणया, 19 अर दुनिया की फिक्र, अर धन का धोक्खा, अर दुसरी चिज्जां का लालच म्ह पड़कै वचन नै दाब देवै सै अर वो फळदा कोनी। (aiōn g165) 20 अर जो आच्छी धरती पै बीज गिरे, ये वे सै जो वचन सुणकै अपना लेवै सै अर फळ ल्यावै सै, कोए तीस गुणा, कोए साठ गुणा अर कोए सौ गुणा।” 21 यीशु नै उनते एक और उदाहरण दिया, “के दीवै नै इस खात्तर कोनी जळान्दे, के उसने बरतन या खाट के तळै धर देवां? पर इस खात्तर के टांडी पै थरया जावै? 22 इसा कुछ भी नही जो लुख्या हो, अर खोल्या नही जावैगा अर ना कुछ गुप्त सै, जिसके बारे में बेरा ना लागै। 23 जै किसे के कान हों, तो ध्यान तै सुण ले।” 24 फेर उसने उनते कहा, “चौक्कस रहियो की के सुणो सो। जिस नाप तै थम नाप्पो सों उरसे नाप तै थारे खात्तर भी नाप्या जावैगा। अर थारे ताहीं घणा दिया जावैगा। 25 क्यूँके जिसके धारे सै, उस ताहीं दिया जावैगा, अर जिसके धारे नही सै, उसते वो भी जो उसके धारे सै, ले लिया जावैगा।” 26 फेर यीशु नै उन ताहीं एक और उदाहरण दिया, “परमेसवर का राज्य इसा सै, जिसा कोए माणस धरती पै बीज छिड़के सै, 27 अर रात नै सोग्या अर सबेरे जाग गया, अर वो बीज इसा उगै अर बधे सै के उसने बेराए कोनी लाग्या। 28 धरती खुद-बै-खुद फळ लावै सै, पैहल्या अंकुर, फेर बाल, अर फेर बाल म्ह त्यार दाणा। 29 पर जिब दाणा पक जावै सै, फेर वो जिब्बे दांती लावै सै, क्यूँके लामणी का बखत आण पोहचा सै।” 30 फेर यीशु नै उन ताहीं एक और उदाहरण दिया, “हम परमेसवर के राज्य की बराबरी किसते करां अर किस उदाहरण तै उसका खुलास्सा करां? 31 वो राई के दाणे की ढाळ सै: जिब धरती म्ह बोया जावै सै तो धरती के सारे बीज्जां तै छोटा होवै सै, 32 पर जिब बोया गया, तो जामकै सारे सागपात तै बड़डा हो जावै सै, अर उसकी इतनी बड़्ठी डाळी लिक्कै सै के अकास के पंछी उसकी छाया तळै बसेरा कर सकै सै।” 33 यीशु उन ताहीं इस तरियां कै घणे उदाहरण दे-देकै उनकी समझकै मुताबिक वचन सुणावै था, 34 अर इस तरियां की शिक्षा देण खात्तर वो उदाहरणां का ए इस्तमाल करया करदा; पर एक्ले म्ह वो अपने चेल्यां ताहीं सारी बाततां का मतलब बतावै था। 35 उरसे दिन जिब सौंझ होई, तो यीशु नै चेल्यां तै कहा, “आओ, हम समुन्दर के परली ओड़ चाल्लां।” 36 अर वे भीड़ नै छोड़के जिसा वो था, उसाए उस ताहीं किस्ती पै गेल्या ले चाल्ले; अर उसके गेल्या और भी किस्ती थी। 37 फेर बड़ीए आँधी आई, अर पाणी की झाल किस्ती कै उरै ताहीं लागी के वा पाणी तै भरण नै होगी। 38 पर यीशु पाच्छले हिस्से म्ह गद्दी लगाई सोण लाग रह्या था। फेर उनने उस ताहीं जगाकै उसते कहा, “हे गुरु, के तन्नै चिन्ता कोनी के हम डूबके मरण आळे सां?” 39 फेर उसने उठकै आँधी ताहीं धमकाया, अर पाणी की झाल तै कहा, “शांत रहे, थम ज्या।” अर आँधी थमगी अर पूरी तरियां शान्त छगी। 40 उसने उनते कहा, “थम क्यूँ डरो सों? के थमने इब ताहीं विश्वास कोनी?” 41 वे घणे डरगे, अर आप्पस म्ह बोल्ले, “यो कौण सै के आँधी अर पाणी की झाल भी उसका हुकम मानै सों?”

5 यीशु अर उसके चेल्लें गलील समुन्दर कै परली ओड़ गिरासेनियों कै परदेस म्ह पोहचे, 2 जिब यीशु किस्ती पै तै उतरया तो जिब्बे एक माणस जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, कब्रिस्तान म्ह तै लिक्कै उसते मिल्या। 3 वो

कब्रिस्तान म्ह रहा करै था अर कोए उस ताहीं बेल्लां तै भी कोनी जुड़ सकै था, 4 क्यूँके वो घणीए बर बेड़ियाँ अर बेल्लां तै जुड्यां गया था, पर उसने बेल्लां ताहीं तोड़ दिया था अर बेड़ियाँ के टुकड़े-टुकड़े कर दिये थे, अर कोए उस ताहीं बस म्ह कोनी कर सकै था। 5 वो सारीहाण रात-दिन कब्रिस्तानां अर पहाड़ां म्ह किल्की मारदा अर खुद नै पत्थरां तै जख्मी करै था। 6 वो यीशु नै दूर तै ए देखकै भाजकै आया, उसके पायां म्ह पड़कै घुटने टेक दिए, 7 अर जोर तै किल्की मारकै कहा, “हे यीशु, परमप्रधान परमेसवर के बेटे, मन्ने तेरे तै के काम? मै तन्नै परमेसवर की कसम दियुँ सूं के मन्ने काल ना करै।” 8 क्यूँके उसने उसते कहा था, “हे ओपरी आत्मा, इस माणस म्ह तै लिक्कै आ।” 9 यीशु नै उसते बुझया, “तेरा के नाम सै?” उसने उस ताहीं कहा, “मेरा नाम सेना सै, क्यूँके हम घणे सां।” 10 अर उसने यीशु तै घणी बिनती करी, “के हमने इस परदेस तै बाहरणै ना खन्दवै।” 11 उदै पहाड़ पै सूअरां का एक बड़्ठा टोळ चरै था। 12 ओपरी आत्मायाँ नै यीशु तै बिनती करकै कहा, “हमने उन सूअरां म्ह भेजदे के हम उनके भीत्तर समा जावां।” 13 यीशु नै उन ताहीं हुकम दिया अर ओपरी आत्मा लिक्कै सूअरां कै भीत्तर समागी अर टोळ, जो कोए दो हजार का था, ढळान पै तै झपटकै गलील समुन्दर म्ह पड़कै डूब मरया। 14 उनके पाठीयाँ नै जो डरे होए थे, भाजकै कस्बे अर गाम्मां म्ह खबर सुणाई, अर जो होया था, माणस उस ताहीं देखण आए। 15 अर यीशु कै धारे आकै वे उस ताहीं जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, यानिके जिस म्ह सेना बड़ी थी, लत्ते पहरे अर सोध्दी म्ह बेट्टे देख्या। 16 अर देखण आळा नै उसका, जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, अर सूअरां का पूरा किस्सा उन ताहीं कह सुणाया। 17 फेर वे उसते बिनती करके कहण लागे के म्हारी सीमा तै लिक्कै ज्य्या। 18 जिब यीशु किस्ती पै चढ़ण लाग्या, तो वो जिस म्ह पैहल्या ओपरी आत्मा थी, उसते बिनती करण लाया, के “मन्ने अपने गेल्या रहण दे।” 19 पर यीशु नै उस ताहीं मंजूरी कोनी देई, अर उसते बोल्या, “अपणे घरां जाकै अपने माणसां नै बता, के तेरे पै दया करकै प्रभु नै तेरे खात्तर किसे बड़े-बड़े काम करे सै।” 20 वो जाकै दिकापुलिस नगर म्ह इस बात का प्रचार करण लाग्या, के यीशु नै मेरे खात्तर किस ढाळ के बड़े काम करे; अर जिसने भी यो सुणया वे सारे अचम्भा करण लागै। 21 जिब यीशु किस्ती तै दुसरे किनारे पै गया, तो एक बड़्ठी भीड़ उसके धारे कट्टी होगी; वो गलील समुन्दर का किनारा था। 22 आराधनालयों के सरदारां म्ह तै एक याईर नाम का आदमी आया, अर उसने देखके उसके पायां के म्ह पड़या, 23 अर न्यू कहकै उस ताहीं बिनती करी, “मेरी छोट्टी छोरी मरण नै होरी सै: तू आके उसपै हाथ धरदे, तो वा ठीक होके जिन्दा हो जावै।” 24 फेर वो उसके गेल्या चाल्या; अर बड़्ठी भीड़ उसके पाच्छे हो ली, याइ ताहीं के माणस उसपै पड़ण लागरे थे। 25 एक बिरबान्नी थी, जिसके बारहा साल तै लहू बहण की बीमारी थी। 26 उसने घणे डाक्टरां तै ईलाज करवा के भी बड़ा दुख ठाया, अर उसने अपना सारा रिपायँ खर्च के भी कोए फायदा कोनी होया, पर उसकी बीमारी और भी घणी बढगी थी। 27 वा बिरबान्नी यो सुणके, यीशु माणसां नै ठीक करे सै भीड़ म्ह उसके पाच्छे तै आई अर उसके लत्ते ताहीं छू लिया, 28 अर वा भी कहवै थी, “जै मै उसके लत्ते नै छू लूँगी, तो ठीक हो जाऊँगी।” 29 अर जिब्बे उसका लहू बहण बन्द हो गया, अर उसने अपने देह म्ह बेरा लाग्या के मै उस बीमारी तै चंगी होगी सूं। 30 यीशु नै जिब्बे खुद तै बेरा पाटग्या के मेरे म्ह तै सामर्थ लिक्कै सै, अर भीड़ के पाच्छे फिरके बुझया, “मेरे लत्ते किसने छुए?” 31 उसके चेल्यां नै उसते कहा, “तू देखके सै के भीड़ तेरपै गिरण-पड़ण लागरी सै, अर तू पच्छे सै के किसने मेरे ताहीं छुया?” 32 फेर उसने उस ताहीं देखण खात्तर जिसने यो काम करया था, चोगरदेने निगाह घुमाई। 33 फेर वा बिरबान्नी न्यू जाणके के मेरी किसी भलाई होई सै, डरगी अर काम्बदी होई आई, अर उसके पायां म्ह पड़के उस ताहीं सारा हाल सच-सच कह दिया। 34 यीशु नै उसते कहा, “बेट्टी, तेरे विश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै, खुशी-खुशी जा, अर अपनी इस बीमारी तै ठीक रह।” 35 यीशु न्यू कहवै था के आराधनालय के सरदार याईर के घर तै माणसां नै आकै

कह्या, “तेरी छोरी तो मर ली सै, इब गुरु नै क्यातै काल करे सै?” 36 जो बात वे कहरे थे, उस ताहीं यीशु नै बेगोरी करके, आराधनालय के सरदार तै कह्या, “मंतना डरे, सिर्फ बिश्वास राखा।” 37 अर उसनै पतरस अर याकूब अर उसके भाई यूहन्ना नै छोड़, किसे दुसरे ताहीं अपने गेल्या आण ना दिया। 38 आराधनालय के सरदार के घर म्ह पोहचके, उसनै माणसां ताहीं घणे रोन्दे अर किल्की मारदे देख्या। 39 फेर उसनै भीत्तर जाके उनतै कह्या, “थम क्यातै रोळा मचाओ अर रोओ सो, छोरी मरी कोनी, पर सोवै सै।” 40 वे उसका मजाक उड़ाण लागे, पर उसने सारया ताहीं बाहर लिकाड़के छोरी के माँ-बाप अर अपने चेल्यां के गेल्या भीत्तर गया, जित्त छोरी पड़ी थी। 41 अर छोरी का हाथ पकड़के उसतै कह्या, “तलित्ता कूमी!” जिसका मतलब सै, “हे छोरी, मै तेरे तै कहुँ सू, उठा।” 42 अर वा छोरी जो बारहा साल की थी, जिब्बे उठके चाल्लण-फिरण लागी; अर इसपै माणस घणे हैरान होगे। 43 फेर उसनै उन ताहीं चेतावनी देकै हुकम दिया के इस बात का किसे नै भी बेरा ना पाटण दियो अर कह्या, “इसनै कुछ खाण नै घो।”

6 कफरनहूम नगर तै लिकड़के यीशु अपने नासरत नगर म्ह आया, अर उसके चेल्लें भी उसके पाछे गए। 2 आराम के दिन वो आराधनालय म्ह उपदेश देण लाग्या, अर घणखरे माणसां नै सुणके अचम्भा करया अर कहण लागे, “इसनै इतनी बात कइ तै आगी?” यो कौण सा ज्ञान सै जो उस ताहीं दिया होया सै? किस ढाळ के सामर्थ के काम उसके हाथ्यां तै दिक्खे सै? 3 के यो वोए खाल्ती कोनी, जो मरियम का छोरा, अर याकूब, योसेस, यहूदा, अर शमीन का भाई सै? के उसकी सारी बेब्बे याइँ म्हारे बिचाळै कोनी रहन्दी? इस करके उननै उसका बिश्वास कोनी करा। 4 यीशु नै उनतै कह्या, “नबी का अपने गाम, अर अपने कुण्बे, अर अपने घर नै छोड़के और किते भी निरादर कोनी होन्दा।” 5 वो उड़के कोए चमत्कार के काम नही कर सक्या, सिर्फ थोड़े-से बिमारां पै हाथ धरके उन ताहीं ठीक करया। 6 अर यीशु नै उनके अबिश्वास पै हैरानी होई अर चौगरदे के गाम्मां म्ह उपदेश सुणांदा हांडया। 7 यीशु नै बारहां चेल्यां ताहीं अपने धोरे बुलाया अर उननै ओपरी आत्मार्थ्य पै हक दिया अर उननै दो-दो करके भेजण लाग्या; 8 उसनै चेल्यां ताहीं हुकम दिया, “रास्ते खातर लाह्ठी नै छोड़ और कुछ ना लियो, ना तो रोटी, ना झोळी, ना बटुए म्ह पईसे, 9 जूते तो पैहरियो पर पैहरण खातर दो कुड़ते ना लियो।” 10 अर यीशु नै चेल्यां ताहीं कह्या, “जित्त किते थम जिस घर म्ह जाओ, तो जिब ताहीं उड़ै तै बिदा ना होइयो तब तक उससे घर म्ह ठहरे रहो। 11 जिस जगहां के माणस थमनै नही अपणावै अर थारी नही सुणै, उड़ै तै चाल्दे-ए अपने ताल्वां की धूळ झाड़ दियो के या उनके बिरुध्द गवाही होवै।” 12 फेर चेल्यां नै जाके प्रचार करया के पाप करणा छोड़ घो, 13 अर घणीए ओपरी आत्मा ताहीं काढ्या, अर घणे बिमारां पै तेल मळ के उन ताहीं ठीक करया। 14 राजा हेरोदेस नै भी यीशु का जिक्र सुणया, क्यूँके उसका नाम फैल गया था, अर उसनै कह्या, के “यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा मरया होया म्ह तै जिन्दा होया सै, इस्से करके उसतै ये सामर्थ के काम होवै सै।” 15 दुसरे माणसां नै कह्या, “यो एलिय्याह सै।” पर कुछ दुसरयां नै कह्या, “वो एक नबी सै पुराणे नबियाँ म्ह तै किसे कै बरगा।” 16 हेरोदेस नै न्यू सुणके कह्या, “जिस यूहन्ना का सिर मन्नै कटवाया था, वोए जिन्दा होया सै।” 17 हेरोदेस नै अपने भाई फिलिप्युस की घरआळी हेरोदियास के कारण, जिसतै उसनै ब्याह कर लिया था, माणसां ताहीं भेजके यूहन्ना ताहीं पकड़वाके जेळ म्ह गेर दिया था। 18 क्यूँके यूहन्ना नै हेरोदेस तै कह्या था, “अपणे भाई की घरआळी ताहीं राखणा मूसा के नियम-कायदा के मुताबिक तेरे खातर ठीक कोनी।” 19 इस करके हेरोदियास यूहन्ना तै बैर राख्या करै थी अर वा चाहवै थी के उसनै मरवा देवै, पर इसा हो नही सक्या, 20 क्यूँके हेरोदेस यूहन्ना नै धर्मी अर पवित्र माणस जाणके उसतै डरे था, अर उसका बचाव करै था, अर उसकी बात सुणके घणा घबरावै था, फेर भी उसकी बात्तां नै आनन्द तै सुणै था। 21 आखिरकार एक इसा मौक्का आया, जिब हेरोदेस नै अपने जन्म दिन पै

अपणे प्रधाना, सेनापतियाँ, अर गलील के बड़े माणसां के खातर जीमणा करया। 22 तो हेरोदियास की बेटी भीत्तर आई, अर नाचके हेरोदेस ताहीं अर उसके गेल्या बैठण आळा ताहीं राज्जी करया। फेर राजा नै छोरी तै कह्या, “तू जो चाहवै मेरे तै माँग ले, मै तन्नै वोए दियुंगा।” 23 हेरोदेस नै कसम खाई, “मै अपना आध्या राज्य तक जो कुछ तू मेरे तै माँगी मै तन्नै दियुंगा।” 24 उसनै बाहरणै जाके अपनी माँ तै बुझया, “मै के माँगू?” वा बोल्ली, “यूहन्ना बपतिस्मा देण आळे का सिर।” 25 वा जिब्बे राजा धोरे भीत्तर आई अर उसतै बिनती करी, “मै चाहूँ सू के तू इब्बे यूहन्ना बपतिस्मा देण आळे का सिर एक थाळ म्ह मन्नै मंगवा दे।” 26 फेर राजा घणा दुखी होया, पर अपनी कसम के कारण अर गेल्या बैठण आळा के कारण उस ताहीं टाळणा कोनी चाह्या। 27 आखर म्ह राजा नै जिब्बे एक सिपाही ताहीं हुकम देकै भेज्या के उसका सिर काट ल्यावै। 28 उसनै जेळखान्ने म्ह जाके उसका सिर काट्या, अर एक थाळ म्ह धरके ल्याया अर छोरी ताहीं दिया, अर छोरी नै अपनी माँ तै दिया। 29 न्यू सुणके यूहन्ना के चेल्लें आए, अर उसकी लाश नै लेगे अर कन्न म्ह धर दी। 30 चेल्लें बोहड़के यीशु के धोरे आये, जो कुछ उननै करया अर सिखाया था, सब कुछ उस ताहीं बता दिया। 31 यीशु नै चेल्यां तै कह्या, “आओ हम किसे एकांत जगहां म्ह चालके माड़ा आराम करां।” क्यूँके घणे माणस आवे-जावे थे, अर उननै जगगा का मौक्का भी कोनी मिलै था। 32 ज्यातै वे किस्ती पै चढ़के सुनसान जगहां म्ह न्यारे चले गए। 33 घणा नै यीशु अर उसके चेल्यां ताहीं जान्दे देखके पिछाण लिया, अर सारे नगरां तै कट्टे होके उड़ै पांए-पाँ भाज लिए अर उनतै पैहल्या जा पोहचे। 34 उसनै उतरके बड़ी भीड़ देख्की, अर उनपै तरस खाया, क्यूँके वे उन भेड्या की तरियां थे, जिनका कोए रुखाळा ना हो; अर वो उननै घणीए बात सिखाण लाग्या। 35 जिब दिन घणा ढळ्या, तो उसके चेल्लें उसके धोरे आके कहण लागे, “या सुनसान जगहां सै, अर दिन घणा ढळ्या सै। 36 उननै बिदा करके चौगरदेके गाम्मां अर बरिस्तियां म्ह जाके, अपने खाण खातर कुछ मोल लियावै।” 37 यीशु नै जवाब दिया, “थमे उननै खाण नै घो।” चेल्यां नै उस ताहीं कह्या, “के हम दो सौ दिनार (200 दिन की मजदूरी) की रोटी मोल ल्यावां, अर उननै खुआवां?” 38 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “जाके देख्को थारे धोरे कितनी रोटी सै?” उननै कह्या, “पाँच रोटी अर दो मच्छी भी।” 39 फेर यीशु नै उन ताहीं हुकम दिया के सारया नै हरी घास पै टोळ म्ह बिठा घो। 40 वे सौ-सौ अर पचास-पचास करके टोळ म्ह बैठगं। 41 यीशु नै उन पाँच रोटी अर दो मच्छियाँ ताहीं लिया, अर सुर्ग के कान्ही लखाके परमेसवर का धन्यवाद करया, अर रोटी तोड़-तोड़के चेल्यां ताहीं देन्दा गया के वे माणसां ताहीं बाँडे, अर वे दो मच्छियाँ भी उन सारया म्ह बाँड दी। 42 सारे खाके धापगे, 43 अर उननै टुकड्या अर मच्छियाँ तै भरी होई बारहा टोकरीयाँ ठाई। 44 जिन नै रोटी खाई, वे पाँच हजार आदमी थे। 45 फेर यीशु नै जिब्बे अपने चेल्यां ताहीं किस्ती पै चढ़ण के खातर मजबूर करया, ताके वे उसतै पैहल्या उस पार बैतसैदा नगर म्ह चले जावै, जिब तक के वो माणसां ताहीं बिदा करै। 46 चेल्यां नै बिदा करके यीशु पहाड़ पै प्रार्थना करण खातर गया। 47 जिब साँझ होई, तो किस्ती समुन्दर के बिचाळै थी, अर यीशु एक्ला किनारे पै था। 48 जिब उसनै देख्या के वे किस्ती चलाणा म्ह घणी मेहनत करण लागे सै, क्यूँके हवा उनके स्याम्ही की थी, तो सबैरे तीन बजे कै लोवै-धोवै यीशु समुन्दर पै चाल्दे होए उनके धोरे आया; अर उनतै आगै लिकड़ जाणा चाहवै था। 49 पर चेल्यां नै उस ताहीं समुन्दर पै चाल्दे देखके समझया के भूत सै, अर किल्की मारण लागे; 50 क्यूँके सारे उसनै देखके घबरागे थे। पर उसनै जिब्बे उनतै बात करी अर कह्या, “होसला राक्खो, मै सू; डरो मतना।” 51 फेर वो उनके धोरे किस्ती पै आया, अर हवा थमगी: अर वे घणा अचम्भा करण लागे। 52 चेल्लें उस रोटी की घटना के बारे म्ह कोनी समझै थे, क्यूँके उनके दिल कठोर होरे थे। 53 वे गलील समुन्दर पार करके गन्नेसरत परदेस म्ह पोहचे, अर किस्ती घाट पै लाई। 54 जिब यीशु किस्ती पै तै उतरया तो माणसां नै उस ताहीं पिछाण लिया, 55 लोवै-धोवै के सारे नगर म्ह भाज्जे-भाज्जे, अर बिमारां नै खाटां पै

लादकै, जित्त-जित्त खबर मिली के यीशु ओड़ै सै, उड़े-उड़े लिए हान्दे। 56 अर जित्त किते भी वो गाम्मां, नगरां, या बरिसियाँ म्ह जावै था, माणस बिमारां नै बजारां म्ह धरके उसतै बिनती करे थे के वो उनै अपने लत्ते के पल्ले तै ए छू लेण दे: अर जितने उसनै छुवै थे, सारे ठीक हो जावै थे।

7 एक दिन कुछ फरीसी अर शास्त्री जो यरुशलेम नगर तै आए थे, यीशु के धोरै कट्टे होए, 2 अर उननै उसके कुछ चेल्यां ताहीं बिना सुच्ये होए यानिके बिना हाथ धोए रोटी खांदे देख्या, 3 क्यूँके फरीसी अर सारे यहूदी, बड़े बुजुर्ग के रीति-रिवाजां प चाल्ले सै अर जिब ताहीं ठीक ढाळ हाथ न्ही धो लेंदे जद ताहीं कोनी खान्दे। 4 अर बजार तै आके, जिब तक के अपने हाथ न्ही धो लेते, जद ताहीं रोटी कोनी खान्दे; और घणीए बात सै, जो उनके रीति-रिवाजां का हिस्सा सै, जिस तरियां कटोरे, अर लोट्टे, अर ताम्बे के बरतनां ताहीं धोणा मान्जणा। 5 इस करके उन फरीसियाँ अर शास्त्रियाँ नै यीशु तै बुझ्झया, “तेरे चेल्ले क्यतां बड़े बुजुर्ग के रीति-रिवाजां पै कोनी चाल्दे, अर बिना हाथ धोए रोटी खावै सै?” 6 यीशु नै फरीसियाँ अर शास्त्रियाँ ताहीं कह्या, “यशायाह नबी नै थम कपटियाँ के बारे म्ह घणी ठीक भविष्यवाणी करी; जिसा लिख्या सै: ‘थे माणस होत्रां तै तो मेरा आदर करे सै पर उनका मन मेरे तै दूर रहवै सै। 7 वे खामखां मेरी पूजा करे सै, क्यूँके माणसां के हुकमां नै धर्म का उपदेश करके सिखावै सै।’” 8 “क्यूँके थम परमेसवर के हुकम नै टाळके माणसां के रिवाजां ताहीं मान्ने सो।” 9 उसनै उन ताहीं कह्या, “थम अपने रिवाजां नै मानण के खातर परमेसवर का हुकम कितनी बढ़िया ढाळ टाळ घो सो। 10 क्यूँके मूसा नबी नै कह्या सै, ‘अपणे माँ-बाप की इज्जत कर’ अर ‘जो कोए अपने माँ-बाप नै भुंदा बोल्ले, वो जरूर मारया जावै।’ 11 पर थम कहो सो के जै कोए अपने माँ-बाप तै कहवै, ‘जो कुछ मनै थारे ताहीं अपनी सम्पत्ति म्ह तै देणा था, वो मनै परमेसवर ताहीं अर्पण कर दिया।’ 12 तो थम उननै उसके माँ बाप की कुछ भी सेवा करण न्ही देन्दे। 13 इस तरियां थम अपनी रीत-रिवाजां तै, जिन ताहीं थमनै ठहराया सै, परमेसवर का वचन टाळ घो सो; अर इसे-इसे घणखरे काम करो सो।” 14 फेर यीशु नै माणसां ताहीं अपने धोरै बुलाके कह्या, “थम सारे मेरी सुणो, अर समझो। 15 इसी कोए चीज कोनी जो माणस म्ह बाहर तै बड़के उस ताहीं अशुद्ध करे; पर जो चीज माणस के भीत्तर तै लिक्डै सै, वैए उस ताहीं अशुद्ध करे सै। 16 (जै किसे के कान हो तो वो ध्यान तै सुण ले।)” 17 जिब यीशु भीड़ नै छोड़के घरां आया, तो उसके चेल्यां नै इस उदाहरण के बारे म्ह उसतै बुझ्झया। 18 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम भी इसे नासमझ सो? के थमनै न्ही बेरा के जो चीज बाहर तै माणस के भीत्तर जावै सै वा उसनै अशुद्ध कोनी कर सकदी? 19 क्यूँके वा उसके मन म्ह न्ही, पर पेट म्ह जावै सै, अर संडास म्ह लिक्ड जावै सै?” न्यू कहके उसनै सारी खाणे की चिज्जां ताहीं शुद्ध ठहराया। 20 फेर उसनै कह्या, “जो माणस म्ह तै लिक्डै सै, वोए माणस नै अशुद्ध करे सै। 21 क्यूँके भीत्तर तै, यानिके माणस के मन तै, भुन्डे-भुन्डे ख्याल, जारी, चोरी, हत्या, बिगानी बिरबानी के धोरै जाणा, 22 लोभ, दुष्टता, छळ, लुचपण, जलन, बुराई, घमण्ड, अर बेअक्ली लिक्डै सै। 23 ये सारी भुंड़ी बात भीत्तर तै ए लिक्डै सै अर माणस नै अशुद्ध करे सै।” 24 फेर यीशु ओड़ै तै उठके सूर अर सैदा के परदेस म्ह आया; जित्त एक घर म्ह गया अर वो चाहवै था ताके किसे नै उनके बारे म्ह बेरा न्ही लागै, पर वो लुट्क न्ही सक्या। 25 अर जिब्बे एक बिरबानी जिसकी छोटी छोरी म्ह ओपरी आत्मा थी, उसका जिक्र सुणके आई, अर उसके पायां म्ह पड़गी। 26 वा सुरुफिनिकी परदेस के यूनानी जात की थी। बिरबानी नै उसतै बिनती करी के मेरी छोरी म्ह तै ओपरी आत्मा लिक्दा दे। 27 उसनै उसतै कह्या, “पैहल्या मेरे बच्चें जो यहूदी सै उननै खा लेण दे, क्यूँके बाळकां की रोटी लेके कुत्ता के आगै गेरणा ठीक कोनी।” (यहूदी दुसरी जात के माणसां नै कुत्ता के समान समझै थे) 28 उसनै उस ताहीं जवाब दिया, “साच्ची सै प्रभु; पर कुत्ते भी तो मेज के तळे बाळकां की रोटी के टुकड़े खा लेंवै सै।” 29 यीशु नै उसतै

कह्या, “तेरी बात सुणके तेरे बिश्वास का बेरा पाट्टे सै इस कारण चली जा; ओपरी आत्मा तेरी छोरी म्ह तै लिक्डय्यी सै।” 30 उसनै अपने घरां आके देख्या के छोरी खाट पै पड़ी सै, अर ओपरी आत्मा लिक्डय्यी सै। 31 फेर यीशु सूर अर सैदा के परदेसां तै लिक्डके दिकापुलिस नगर तै होंदा होड़ गलील समुन्दर पै पोंहच्या। 32 तो आदमियां नै एक बैहरे ताहीं जो हाकळा भी था, उसके धोरै आके उसतै बिनती करी के अपना हाथ उसपै धरै। 33 फेर यीशु उसनै भीड़ तै न्यारा लेग्या, अपनी आनाळी उसके कान्ना म्ह घाल्ली, अर अपनी आनाळी पै थूकके उसकी जीभ ताहीं छुया; 34 अर सुर्ग कान्ही देखके आह भरी, अर उसतै कह्या, “इप्फत्तह!” यानिके “खुल ज्या!” 35 वो सही तरियां सुणण, अर वो सुथरी-ढाळ बोल्लण लाग्या। 36 फेर उसनै उन ताहीं चिताया कह्या के किसे तै ना कहियो; पर जितना यीशु नै उन ताहीं बताया उतनाए वे और प्रचार करण लागे। 37 वे घणे हैरान होके कहण लागे, “उसनै जो कुछ करया सारा ठीक करया सै; वो बैहरया नै सुणण की, गूँगा नै बोल्लण की ताकत देवै सै।”

8 एक दिन जिब भीड़ कट्टी होई, अर उनके धोरै इब कुछ खाण नै कोनी बचा था, तो यीशु नै अपने चेल्यां ताहीं धोरै बुलाके उनतै कह्या, 2 “मनै इस भीड़ पै तरस आवै सै, क्यूँके ये तीन दिनां तै बराबर मेरे गेल्या सै, अर इब उनके धोरै कुछ खाण नै भी कोनी बचा। 3 जै मै उननै भूखखा घरां भेज घु, तो राह म्ह थक हार के बैहोस हो ज्यांगें; क्यूँके इन म्ह तै कई लोग दूर तै आरे सै।” 4 उसके चेल्यां नै जवाब दिया, “उरै जंगल-बियाबान म्ह इतनी रोटी कोए कित्त तै ल्यावै के वे छिक्क ज्या?” 5 यीशु नै उनतै बुझ्झया, “थारे धोरै कितनी रोटी सै?” उननै कह्या, “सात।” 6 फेर उसनै माणसां ताहीं धरती पै बैठण का हुकम दिया, अर वे सात रोटी ली अर परमेसवर का धन्यवाद करके तोड़ी, अर अपने चेल्यां नै देन्दा गया, अर उननै वे रोटी माणसां के आगै परोस दी। 7 उनके धोरै माड़ी-सी छोटी मच्छियां भी थी; उसनै परमेसवर का धन्यवाद करके उन ताहीं माणसां के आगै धरण का हुकम दिया। 8 वे खाके छिकगे अर चेल्यां नै बचे होड़ टुकड्या के सात टोकरे भरके ठापे। 9 अर सारे लोग चार हजार के करीबन थे; फेर यीशु नै उन ताहीं भेज दिया, 10 अर वो जिब्बे अपने चेल्यां के गेल्या किस्ती म्ह चढ़के दलमनूता परदेस नै चल्या गया। 11 जब फरीसियाँ नै देख्या के यीशु दलमनूता परदेस म्ह आ गया तो वे उसतै बहस करण लागे, अर वो परखण खातर के परमेसवर नै यीशु ताहीं भेज्या सै, उसतै कोए सुर्गीय चिन्ह-चमत्कार की माँग करी। 12 यीशु नै अपनी आत्मा म्ह आह भरके कह्या, “इस बखत के माणस क्यतां चिन्ह-चमत्कार टोहें सै? थै मनै साच्ची-साच कहुँ सुँ, के इस बखत के माणसां नै कोए चिन्ह-चमत्कार कोनी दिया जावैगा।” 13 अर वो उननै छोड़के फेर किस्ती पै चढ़ग्या अर गलील समुन्दर के परली ओड़ चल्या गया। 14 चेल्ले रोटी लेणा भूलगे थे, पर किस्ती म्ह उनके धोरै सिर्फ एक-ए रोटी थी। 15 यीशु नै उनकी कपट रूपी शिक्षा के बारे म्ह चिताया, “लखाओ, फरीसियाँ अर हेरोदेस के खमीर तै चौकन्ने रहो।” 16 वे आप्पस म्ह विचार करके कहण लागे, “म्हारे धोरै तो रोटी सै कोनी।” 17 न्यू जाणके यीशु नै उनतै कह्या, “थम क्यतां आप्पस म्ह यो विचार करे सो के म्हारे धोरै रोटी कोनी? के इब ताहीं थम न्ही जाणे अर न्ही समझे के थारा मन कठोर होग्या सै? 18 के आँख होते होए भी कोनी देखदे, अर कान होते होए भी कोनी सुणदे? के थारे याद कोनी। 19 के जिब मनै पाँच हजार माणसां के खातर पाँच रोटी तोड़ी थी तो थमनै बचे होड़ टुकड्या के कितने टोकरे भरके ठापे थे, उननै उसतै कह्या, बारहा टोकरे।” 20 “अर जिब चार हजार माणसां के खातर सात रोटी थी तो थमनै बचे होड़ टुकड्या के कितने टोकरे भरके ठापे थे?” उननै उसतै कह्या, “सात टोकरे।” 21 उसनै उनतै कह्या, “के थम इब ताहीं न्ही समझदे?” 22 यीशु अर उसके चेल्ले बैतसैदा कस्बे म्ह आए; अर आदमी एक आन्धे नै उसके धोरै लियाये अर उसतै बिनती करी के उसनै छुवै। 23 वो उस आन्धे का हाथ पकड़के गाम तै बाहरणै लेग्या, अर अपनी आंगळी पै थूकके उसकी आँखां

पै हाथ धरते होए उसतै बुझ्झया, “के तू कुछ देख्खै सै?” 24 उसने निगांह ठाके कइया, “मै माणसां नै देख्खूँ सू; वे मन्ने चाल्दे होए दरखां की ढाळ दिक्खै सै।” 25 फेर उसने दुबारा उसकी आँखां पै हाथ धरे, अर आन्धे नै ध्यान तै देख्खा। वो ठीक होग्या, अर सारा कुछ सुथरी-ढाळ देख्खण लाग्या। 26 उसने उस तार्हीं न्यू कहकै घरां भेज्या, “इस गाम म्ह भी ना जाईये।” 27 यीशु अर उसके चेल्लेँ कैसरिया फिलिप्पी परदेस के गाम्मां म्ह चले गये। राह म्ह उसने अपणे चेल्यां तै बुझ्झया, “माणस मन्ने के कहवै सै?” 28 उननै जवाब दिया, “यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा, पर कोए एलिय्याह अर कोए-कोए तो उसने पुराणे नबियाँ म्ह तै एक सै भी कहवै सै।” 29 उसने उनतै बुझ्झया, “पर थम मन्ने के कहो सो?” पतरस नै जवाब दिया, “तू मसीह सै।” 30 फेर उसने उन तार्हीं समझाके कइया के मेरे बारे म्ह यो किसे तै ना कहियो। 31 फेर यीशु चेल्यां नै सिखाण लाग्या के माणस कै बेट्टे (उसने अपणे बारें म्ह कइया था) खात्तर जरूरी सै के वो घणा दुख ठावै, यहूदी अगुवें, प्रधान याजकां, अर शास्त्री उसने तुच्छ समझके मार देवें, अर वो तीसरे दिन म्ह जिन्दा हो जावैगा। 32 उसने या बात उनतै साफ-साफ कह दी। इसपै पतरस उसने न्यारा ले जाके झिड़कण लाग्या, क्यूँके उसने सोच्या के मसीह मर नही सकदा। 33 पर यीशु नै पलटके अपणे चेल्यां कान्ही देख्खा, अर पतरस तै झिड़कके कइया, “हे शैतान, मेरे स्याम्ही तै दूर हो; क्यूँके तू परमेसवर की बात्तां पै नही, पर माणसां की बात्तां पै मन लगावै सै।” 34 यीशु नै भीड़ तार्हीं अपणे चेल्यां सुधा बुलाके कइया, “जो कोए मेरा चेल्ला बणणा चाहवै, वो अपणी ए इच्छा पूरी ना करे बल्के अपणे दुखां का क्रूस ठाके, मेरे पाच्छे हो लैवै। 35 क्यूँके जो कोए अपणी जान बचाणा चाहवै वो अनन्त काल खात्तर गवावैगा, पर जो कोए मेरे अर सुसमाचार खात्तर अपणी जान गवावैगा, वो उसने अनन्त काल खात्तर बचावैगा। 36 जै माणस सारी दुनिया की चिज्जां नै पा लेवै अर फेर भी अनन्त जीवन नै नही पा सकै, तो उसतै के फेयदा होगा? 37 कोए भी माणस अनन्त जीवन की तुलना दुनिया की किसी भी चीज तै नही कर सकता? 38 जो कोए इस जार अर पापी युग कै बिचाळै मेरै तै अर मेरे वचन तै इन्कार करैगा, तो मै माणस का बेट्टा भी जिब पवित्र सुर्गदूतां के गेल्या अपणे पिता की महिमा सुधा आऊँगा, तो मै भी उसतै इन्कार करैगा।”

9 यीशु नै उनतै कइया, “मै थारे तै साच्ची कहुँ सू के जो उरै खडे सै, उन म्ह तै कई इसे माणस सै, के जिब तार्हीं परमेसवर के राज्य नै सामर्थ सुधा आन्दा होया नही देख लेवेंगे, जद तक नही मरेंगे।” 2 छ: दिनां पाच्छे यीशु नै पतरस अर याकूब अर यूहन्ना तार्हीं गेल्या लिया, अर एकान्त म्ह किसे ऊँचे पहाड़ पै लेग्या। ओडै उनके स्याम्ही उसका रूप बदल ग्या, 3 अर उसके लत्ते इसे चमकण लाग्गे उरै तार्हीं जमा धोळाधप होया, के धरती पै कोए धोळ्बी भी उसा धोळा नही लिकाड़ सकदा। 4 अर उननै मूसा नबी के गेल्या एलिय्याह नबी दिख्या; वे यीशु के गेल्या बात करै थे। 5 इसपै पतरस नै यीशु तै कइया, “हे गुरु, म्हारा उरै रहणा ठीक सै: इस करके हम तीन मण्डप बणावा; एक तेरे खात्तर, एक मूसा नबी खात्तर, एक एलिय्याह नबी खात्तर।” 6 क्यूँके उसने कोनी बेरा था, के वो के जवाब देवै, ज्यांतै के वे घणे डरगे थे। 7 फेर एक बादळ उनपै छाग्या, अर उस बादळ म्ह तै परमेसवर नै कइया, “यो मेरा प्यारा बेट्टा सै, इसकी सुणो।” 8 फेर उननै चाणचक चौगरदेके निगांह घुमाई, अर यीशु नै छोड़ अपणे गेल्या और किसे तार्हीं कोनी देख्खा। 9 पहाड़ तै उतरदी आणी यीशु नै उन तार्हीं हुकम दिया के जिब तार्हीं मै माणस का बेट्टा मरे होया म्ह तै जिन्दा नही हो जाऊँगा, तब तक जो कुछ थमने देख्खा सै वो किसे तै ना कहियो। 10 चेल्यां नै या बात अपणे मन म्ह ए राक्खी, अर आप्पस म्ह बहस करण लाग्गे, के “मरे होया म्ह तै जी उठण का के मतलब हो सकै सै?” 11 अर उननै उसतै बुझ्झया, “शास्त्री क्यांतै कहवै सै के एलिय्याह नबी का पहलया आणा जरूरी सै?” 12 यीशु नै उन तार्हीं जवाब दिया, “यो सच सै एलिय्याह नबी पहलया आके सारा कुछ सुधारैगा, पर मेरे बारें म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह यो क्यांतै लिख्या सै के

वो घणा दुख ठावैगा, अर तुच्छ गिण्या जावैगा? 13 पर मै थमने कहुँ सू के एलिय्याह नबी तो (जो यूहन्ना सै) आ लिया, अर जिसा के उसके बारें म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, उनने जो कुछ चाह्या उसके गेल्या करया।” 14 यीशु अर उसके तीन चेल्लेँ दुसरयां चेल्यां कै धारे आये, तो देख्खा के उनके चौगरदे नै घणी भीड़ लागरी सै अर शास्त्री उनके गेल्या बहस कररे सै। 15 यीशु तार्हीं देख्दे ए सारे घणे हैरान होण लाग्गे, अर उननै यीशु कान्ही भाजके उसतै नमस्कार करया। 16 यीशु नै उनतै बुझ्झया, “थम इनतै के बहस कररे सो?” 17 भीड़ म्ह तै एक नै उसतै जवाब दिया, “हे गुरु, मै अपणे बेट्टे तार्हीं जिसम्ह ओपरी आत्मा सै, जो उसने बोल्लण कोनी देती। मै उस तार्हीं तेरे धारे ल्याया था। 18 जित्त किते ओपरी आत्मा उसने पकड़ै सै, उडैए पटक देवै सै: अर वो मुँह म्ह तै झाग भर लावे सै, अर दाँत पिसदा, अर सुखदा जावै सै। मन्ने तेरे चेल्यां तै कइया के वे ओपरी आत्मा नै काढ देवै, पर वे काढ नही सके।” 19 न्यू सुणके यीशु नै उनतै जवाब देके कइया, “हे अबिश्वासी माणसां, मै कद तार्हीं थारे गेल्या रूँगा? अर कद तार्हीं थारी रूँगा? बाळक नै मेरे धारे ल्याओ।” 20 फेर वे बाळक नै यीशु के धारे लियाये: अर जिब ओपरी आत्मा नै यीशु तार्हीं देख्खा, तो उस ओपरी आत्मा नै जिब्बे उस तार्हीं मरोड्या, अर वो धरती पै पड़ग्या, अर मुँह तै झाग बगान्दे होए लोट्टण लाग्या। 21 यीशु नै उसके पिता तै बुझ्झया, “इसकी या हालत कद तै सै?” उसने कइया, “बाळकपण तै। 22 उसने इस तार्हीं नाश करण खात्तर कदे आग अर कदे पाणी म्ह गेरया, पर जै तू कुछ कर सकै, तो म्हारै पै तरस खाके म्हारा भला कर।” 23 यीशु नै उसतै कइया, “या के बात होई! जै तू कर सकै सै? बिश्वास करण आळा खात्तर सारा कुछ हो सकै सै।” 24 बाळक के पिता नै जिब्बे जोर तै कइया, “हे प्रभु, मै बिश्वास करूँ सू, मेरे अबिश्वास का उपाय कर।” 25 जिब यीशु नै देख्खा के माणस भाजके भीड़ लावे सै, तो उस ओपरी आत्मा तार्हीं न्यू कहके धमकाया, “हे गूँगी अर बेहरी करण आळी ओपरी आत्मा, मै तन्ने हुकम दिवूँ सू, उस म्ह तै लिकड़ आ, अर उस म्ह फेर कदे ना बड़ीये।” 26 फेर वा किल्की मारके अर उस तार्हीं घणा मरोडके, लिकड़ आई; अर बाळक मरया होया-सा होग्या, उरै तार्हीं के घणे आदमी कहण लाग्गे के वो मरग्या। 27 पर यीशु नै उसका हाथ पकड़के उस तार्हीं ठाया, अर वो खड्या होग्या। 28 जिब वो घरां आया, उरै उसके चेल्यां नै एक्ले म्ह उसतै बुझ्झया, “हम उस तार्हीं क्यांतै नही काढ सके?” 29 उसने उनतै कइया, “या जात, बिना प्रार्थना किसे और उपाय तै कोनी लिकड़ सकदी।” 30 फेर यीशु अर उसके चेल्यां नै ओडै तै लिकड़के, गलील परदेस का राह लिया। यीशु नही चाहवै था के कोए उननै जाणै, क्यूँके वो अपणे चेल्यां तार्हीं सिखाणा चाहवै था 31 यीशु उपदेश देन्दा अर अपणे बारे म्ह चेल्यां तै कहवै था, मै “माणस का बेट्टा माणसां के हाथ्थां म्ह पकड़वाया जाऊँगा, अर वे मन्ने मार देवेंगे, अर मै मरण कै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।” 32 पर या बात उनकी समझ म्ह कोनी आई, अर वे उसतै बुझ्झण तै डरै थे। 33 यीशु अर उसके चेल्लेँ कफरनहूम कस्बे म्ह आये; अर घर म्ह आके उसने चेल्यां तै बुझ्झया, “राह म्ह थम किस बात पै बहस कररे थे?” 34 वे बोल-बाल्ले रहे, क्यूँके राह म्ह उनने आप्पस म्ह या बहस करी थी के म्हारै म्ह तै बड़्हा कोण सै। 35 फेर यीशु नै बैठके बारहा चेल्यां तार्हीं बुलाया अर उनतै कइया, “जै कोए बड़्हा होणा चाहवै, तो सारया तै छोट्टा अर सारया का सेवक बणै।” 36 अर उसने एक बाळक लेके उनके बिचाळै खड्या करया अर उस तार्हीं गोद्दी म्ह लेके उन तार्हीं कइया, 37 “जो कोए मेरे नाम तै इसे बाळकां म्ह तै किसे एक नै भी अपणावे सै, वो मन्ने अपणावे सै; अर जो कोए मन्ने अपणावे सै, वो मन्ने नही, बल्के मेरे भेजण आळे नै अपणावे सै।” 38 यूहन्ना नै यीशु तार्हीं कइया, “हे गुरु, हमने एक माणस तार्हीं तेरे नाम तै ओपरी आत्मा नै लिकाड़दे देख्खा अर हम उसने मना करण लाग्गे, क्यूँके वो म्हारी तरियां तेरा चेल्ला नही था।” 39 उसने कइया, “उस तार्हीं मना मत करो; क्यूँके इसा कोए नही जो मेरे नाम तै अदभुत काम करे, अर दुसरे पल मेरी बुराई करे 40 क्यूँके जो म्हारै बिरोध म्ह नही, वो म्हारै कान्ही सै। 41 जै कोए एक कटोरा पाणी भी थमने ज्यांतै प्यावे के थम

मसीह के सो तो मैं थमनै सच कहूँ सूँ के वो अपना ईनाम किसे तरियां भी नही खोवेगा।” 42 पर जो कोए इन छोट्टे बाळकां के समान जो मेरे पै बिश्वास करै सै, किसे ते भी पाप करवावे तो उसके खातर भला योए सै के एक बड्डी चाक्की का पाट उसके गळ म्ह लटकाया जावै अर वो समुंदर म्ह गेरया जावै। 43 जै तेरा हाथ तेरे तै पाप करवावे तो उसनै काट दे। टुंडा होके अनन्त जीवन म्ह बड़णा तेरे खातर भला सै इसके बजाये के दो हाथ रहंदे होए नरक की आग म्ह गेरया जावै जो कदे नही बुझै। (Geenna g1067) 44 (जडै उनका कीड़ा कोनी मरदा अर आग कोनी बुझदी।) 45 जै तेरा पैर तेरे तै पाप करवावे तो उसनै काट दे। लंगड़ा होके अनन्त जीवन म्ह बड़णा तेरे खातर भला सै इसके बजाये के दो पैर रहंदे होए नरक की आग म्ह गेरया जावै। (Geenna g1067) 46 (जडै उनका कीड़ा कोनी मरदा अर आग कोनी बुझदी।) 47 जै तेरी आँख तेरे तै पाप करवावे तो उसनै लिकाड़ दे। काणा होके परमेसवर के राज्य म्ह बड़णा तेरे खातर भला सै के दो आँख रहंदे होए तू नरक म्ह गेरया जावै। (Geenna g1067) 48 “जडै उनका कीड़ा कोनी मरदा अर आग कोनी बुझदी।” 49 हरेक माणस आग तै शुद्ध करया जावेगा, जिस तरियां बलिदान नून तै शुद्ध करया जावेगा। 50 “नून एक जरूरत की चीज सै, पर जै नून का सुवाद जान्दा रहवै तो उसनै किस तरियां नमकीन करोगे? अपणे म्ह नून जिसा गुण राख्खो, अर आप्पस म्ह मेळ-मिलाप तै रहो।”

10 यीशु ओड़ै तै ठठके यहूदिया नगर की सीमा नै पार करके, यरदन नदी के परली ओड़ आया। भीड़ उसके धौरे कठी होगी, अर अपणी रीत के मुताबिक उननै दुबारे उपदेश देण लाग्या। 2 फेर फरीसियाँ नै यीशु के धौरे आके उस ताहीं परखण खातर उसतै बुझ्या, “के यो ठीक सै के माणस अपणी घरआळी नै छोड्ठे?” 3 यीशु नै उनतै पूछ्या, “मूसा नबी नै थारे ताहीं के हुकम दिया सै?” 4 उननै कहा, “मूसा नबी नै तो तलाकनामा देके अर छोड़ण का हुकम दिया सै।” 5 यीशु नै उनतै कहा, “थारे मन की कठोरता के कारण उसनै थारे खातर यो हुकम लिख्या।” 6 “पर सृष्टि की शरूआत तै परमेसवर नै नर अर नारी करके उन ताहीं बनाया सै। 7 इस कारण माणस अपणे माँ-बाप तै न्यारा होके अपणी घरआळी गेल्या रहवेगा, 8 अर वे दोनु कठ्ठे रहवेंगे; ज्यांत के वे इब दो नही पर एक तन सै। 9 इस करके जिस ताहीं परमेसवर नै जोड़या सै उस ताहीं माणस न्यारा ना करै।” 10 जब वे दोबारा घरां आये, तो चेल्यां नै तलाक के बारे म्ह उसतै फेर बुझ्या। 11 यीशु नै उनतै कहा, “जो कोए अपणी घरआळी नै छोड़के दुसरी तै ब्याह करे तो वो उस पैलडी के बिरोध म्ह जारी करै सै; 12 अर जै घरआळी अपणे धणी नै छोड़के दुसरे तै ब्याह करै तो वा जारी करै सै।” 13 फेर माणस अपणे बाळकां नै उसके धौरे ल्याण लागे के वो उनपै हाथ धरे, पर चेल्यां नै उन ताहीं धमकाया। 14 यीशु नै न्यू देख छे म्ह होके कहा, “बाळकां नै मेरे धौरे आण द्यो अर उननै मना मतना करो, क्यूँके परमेसवर का राज्य बाळकां के समान सै। 15 मै थमनै सच कहूँ सूँ के जो कोए परमेसवर के राज्य नै बाळक की तरियां नही अपनावे, वो उस म्ह कदे नही बड़ण पावेगा।” 16 अर उसनै उन ताहीं गोद्दी म्ह लिया, अर उनपै हाथ धरके उन ताहीं आशीर्वाद दिया। 17 जब यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम की ओड़ जाण लागरे थे, तो एक माणस उसके धौरे भाज्दा होया आया, अर उसके आगे घुटने टेक के उसतै बुझ्या, “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का हकदार होण खातर मै के करुँ?” (aiōnios g166) 18 यीशु नै उसतै कहा, “तू मन्ने उत्तम क्यांतै कहवै सै? परमेसवर नै छोड़के कोए उत्तम कोनी। 19 तन्नै हुकमां का तो बेराए सै: ‘खून नही करणा, जारी नही करणा, चोरी नही करणा, झूठी गवाही नही देणा, छळ नही करणा, अपणे माँ-बाप का आदर करणा।” 20 उसनै यीशु तै कहा, “हे गुरु, इन सारया नै मै बाळकपण तै मानता आऊँ सूँ।” 21 यीशु नै उसपै निगांह करके उसतै प्यार करया, अर उसतै कहा, “तेरे म्ह एक बात की कमी सै। जा, जो कुछ तेरा सै उसनै बेचके कंगालां ताहीं दे, अर तन्नै सुर्ग म्ह धन मिलेगा, अर आके मेरा चेल्ला बणण खातर मेरे पाछे हो ले।” 22 इस बात तै उसके मुँह पै उदासी छाग्यी,

अर वो दुखी होदा होया चल्या गया, क्यूँके वो घणा साहूकार था। 23 यीशु नै चौगरदेके देखके अपणे चेल्यां तै कहा, “साहूकारां का परमेसवर के राज्य म्ह दाखल होणा कितना ओक्खा सै।” 24 चेल्लें उसकी बात तै हैरान होए। इसपै यीशु नै उनतै दुबारे कहा, “हे बाळकों, जो धन पै भरोस्सा राख्खे सै, उनके खातर परमेसवर के राज्य म्ह बड़णा कितना ओक्खा सै! 25 ऊँट का सुई के छेद म्ह तै लिकड़णा आसान हो सके सै। पर परमेसवर के राज्य म्ह साहूकार का बड़णा भोत मुश्किल सै।” 26 वे घणोए हैरान होके आप्पस म्ह कहण लागे, “तो फेर किसका उद्धार हो सके सै?” 27 यीशु नै उनकी ओड़ देखके कहा, “माणसां तै तो यो नही हो सकदा, पर परमेसवर तै हो सके सै; क्यूँके परमेसवर खातर कुछ भी मुश्किल कोनी।” 28 पतरस उसतै कहण लाग्या, “देख, हम तो सब कुछ छोड़के तेरे चेल्लें बणगे सा।” 29 यीशु नै कहा, “मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूँ के इसा कोए कोनी, जिसनै मेरे अर मेरे सुसमाचार के खातर घर, भाण-भाई, माँ-बाप, बाळ-बच्चे या जमीन-जायदाद ताहीं छोड़ दिया हो, 30 अर इब इस युग म्ह सताव के बदले म्ह घर, भाण-भाई, माँ-बाप या बाळ-बच्चे अर जमीन-जायदाद का सौ गुणा पर आण आळे बखत म्ह अनन्त जीवन पावेगा। (aiōn g165, aiōnios g166) 31 पर घणखरे जो पैहले सै, पाछले होंगे; अर जो पाछले सै, वे पैहले होंगे।” 32 वे यरुशलेम नगर म्ह जान्दे होए राह म्ह थे, अर यीशु उनके आगे-आगे जाण लाग रहाया था: चेल्लें हैरान थे अर जो चेल्यां के गैल-गैल चाल्ले थे, वे डररे थे। फेर वो उन बारहां चेल्यां नै न्यारा ले ज्याके उनतै ये बात कह्ल लाग्या, जो उसके गेल्या होण आळा था, 33 “देखो, हम यरुशलेम नगर म्ह जावां सा, अर मै माणस का बेटा प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ के हाथ्यां पकड़वाया जाऊंगा, अर वे मन्ने मारण खातर गैर यहूदियाँ के हाथ्यां म्ह सौपेगें। 34 वे मेरा मजाक उड़ावेगें, मेरे पै थूकेगें, मेरे कोरडे मारेगें अर मन्ने मार देवेगें, अर तीसरे दिन मै जिन्दा हो जाऊंगा।” 35 कुछ दिनां बाद जद्दी के दोनु बेटे याकूब अर यूहन्ना नै यीशु के धौरे आके कहा, “हे गुरु, हम चाहवां सां के जो कुछ हम तेरे तै माँगा, वो तू म्हारे खातर करै।” 36 यीशु नै उनतै कहा, “थम के चाहो सो के थारे खातर करुँ?” 37 उननै यीशु तै कहा, “हमनै यो हक दे, के तेरी महिमा म्ह म्हारे म्ह तै एक तेरे सोळे अर दुसरा तेरे ओळे कान्ही बेट्टे।” 38 यीशु नै उनतै कहा, “थम नही जाणदे के थम के माँगो सो? अर जो दुख का कटोरा मै पीण पै सूँ, के थम पी सको सो? अर जो मीत का बपतिस्मा मै लेण पै सूँ, के थम ले सको सो?” 39 उननै यीशु तै कहा, “थम कर सका सां।” यीशु नै उनतै कहा, “जो दुख का कटोरा मै पीण पै सूँ, थम पी ल्योगे; अर जो बपतिस्मा मै लेण पै सूँ, उसनै ले भी ल्योगे। 40 पर जिन खातर वा जगहां त्यार करी गई सै, उन ताहीं छोड़ और किसे नै अपणी सोळी अर अपणी ओळी ओड़ बिठाणा मेरा काम कोनी।” 41 न्यू सुणके बाकी दस चेल्लें याकूब अर यूहन्ना तै चिड़गे। 42 तो यीशु नै उन ताहीं धौरे बुलाके उनतै कहा, “थमनै बेरा सै के जो गैर यहूदियाँ के हाकिम समझे जावे सै, वे उनपै राज करे सै; अर उन म्ह जो बड़े सै, उनपै हक जमावें सै। 43 पर थारे म्ह इसा नही होणा चाहिये, बल्के जो कोए थारे म्ह बड़ड़ा होणा चाहवें वो थारा सेवक बणै; 44 अर जो थारे म्ह प्रधान होणा चाहवें, वो सारया का दास बणै। 45 क्यूँके मै माणस का बेटा ज्यांतै कोनी आया के अपणी सेवा-पाणी करवाऊँ, पर ज्यांतै आया के खुद सेवा-पाणी करुँ, अर घणखरयां के छुटकारे के खातर अपणी जान देऊँ।” 46 यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम नगर जाते बखत यरीहो नगर म्ह आये, अर जब वो अर उसके चेल्लें, अर एक बड्डी भीड़ यरीहो नगर तै लिकड़े जाण लागरी थी, तो सड़क के किनारे एक आन्धा भिखारी बैठया था, जो तिमार्ई का बेटा बरतिमार्ई था, 47 उसनै न्यू सुणके के नासतर का यीशु उरे सै, रुक्के मार-मारके कहण लाग्या, “हे दाऊद की उलाद, यीशु मेरे पै दया कर!” 48 घणाए नै उस ताहीं धमकाया के बोल-बाल्ला रह, पर वो और भी रुक्के मारण लाग्या, “हे दाऊद की उलाद, मेरे पै दया कर!” 49 फेर यीशु नै ठहरके कहा, “उस ताहीं बुलाओ।” अर आदमियाँ नै उस आन्धे ताहीं बुलाके उसतै कहा, “धीरज धर! उठ! यीशु तन्नै बुलावे सै।” 50 वो अपना

चोगा बगाके तोळा उठवा, अर यीशु के धोरे आया। 51 इसपे यीशु नै उसते कह्या, “तू के चाहवै सै के मे तेरे खातर करे?” आन्धे नै उसते कह्या, “हे गुरु, वोए के मे देखखण लागू।” 52 यीशु नै उसते कह्या, “चल्या जा, तेरे बिश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै।” वो जिब्बे देखण लाग्या, अर राह म्ह उसके पाच्छे हो लिया।

11 जिब यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम नगर कै लोवे, जैतून पहाड़ पै बैतफगे अर बैतनिय्याह गाम कै धोरे आये तो उसने अपणे चेल्यां म्ह तै दोगां ताहीं न्यू कहके भेज्या, 2 “स्याम्ही कै गाम म्ह जाओ, अर उस म्ह पोहचदे एक गधी का बच्चा, बन्धया होया थमनै मिलेगा। जिसकी सवारी किसने नै इब ताहीं न्ही करी सै, उसने खोल ल्याओ। 3 जै थारे तै कोए बुड़्झै, वो के करो सो? तो कहियो, ‘प्रभु नै इसकी जरूरत सै, अर वो तोळा उसने भेज देवेगा।’” 4 चेल्यां नै जाके उस गधी के बच्चे ताहीं बाहरणी दरबाजे कै धोरे आँगण म्ह बन्धया होया पाया, अर खोल्लण लाग्गे। 5 उन म्ह तै जो ओड़ै खड़े थे, कई कहण लाग्गे, “यो के करो सो, गधी कै बच्चे नै क्यातै खोल्लो सो?” 6 जिसा यीशु नै कह्या था, उससे तरियां उननै कह दिया; फेर माणसां नै उन ताहीं जाण दिया। 7 चेल्यां नै गधी कै बच्चे ताहीं यीशु कै धोरे ल्याके उसपे अपणे लत्ते बिछाये अर वो उसपे बैठग्या। 8 फेर घणखरे माणसां नै अपणे लत्ते राह म्ह बिछाये अर औरां नै खेतां म्ह तै डालियाँ काटके फैला दी। 9 जो उसके आगै-आगै अर पाच्छे-पाच्छे चाल्ले थे, रुक्के मार-मारके कहन्दे जावै थे, “होशाना!” “धन्य सै वो जो प्रभु कै नाम तै आवै सै!” 10 म्हारे पिता दाऊद का राज्य जो आवै सै; “धन्य सै! अकास म्ह होशाना!” 11 यीशु यरुशलेम नगर पोहचके मन्दर म्ह आया, अर चौगरदे की सारी चिज्जां नै देखके बारहां चेल्यां कै गेल्या बैतनिय्याह गाम म्ह गया, क्यूँके साँझ होगयी थी। 12 आगले दिन सबेरे जिब यीशु अर उसके चेल्लें बैतनिय्याह गाम तै लिक्ड़े तो यीशु नै भूख लाग्गी। 13 यीशु दूर तै अंजीर का हार दरखत देखके उसके धोरे गया के, के बेरा उस म्ह कुछ पा ज्या: पर पत्त्या नै छोड़के उस म्ह कुछ न्ही पाया; क्यूँके फळ लाग्गण का बखत कोनी था। 14 यीशु नै उस दरखत ताहीं देखके उस ताहीं कह्या, “आज कै पाच्छे कोए तेरा फळ न्ही खावेगा!” अर उसके चेल्लें सुणण लागरे थे। (ai0n g165) 15 फेर यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम म्ह आये, अर वो मन्दर म्ह गया; अर ओड़ै जो व्यापार करै थे उननै बाहरणै लिकाड़ण लाग्या, सर्राफां (पर्ईसा का लेण देण करण आळे) के पीढ़े अर कबूतर बेचणीयाँ की चौकियाँ उल्ट दी, 16 अर मन्दर म्ह किसे ताहीं भी व्यापार करण खातर आण-जाण कोनी दिया। 17 अर उपदेश देके उनतै कह्या, “के पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही लिख्या सै, के मेरा घर सारी जातां कै खातर प्रार्थना का घर कुहावेगा? पर थमनै इस ताहीं डाकुआं की गुफा बना दी सै।” 18 या घटना सुणके सारे प्रधान याजक अर शास्त्री लोग उसनै मारण का मौक्का तोह लाग्गे; पर वे भीड़ तै डरे थे, क्यूँके सारे माणस उसके उपदेश तै भोत परभावित होवै थे। 19 अर उस दिन साँझ होन्दे यीशु अर उसके चेल्लें रात काटण खातर यरुशलेम नगर तै बाहरणै चले गये। 20 फेर तड़कैर नै जिब यीशु अर उसके चेल्लें ओड़ै के जावै थे तो उननै उस अंजीर के दरखत ताहीं जड़ तै ए सूख्या होया देख्वा। 21 पतरस नै वो बात याद आई, अर उसने उनतै कह्या, “हे गुरु, देख! यो अंजीर का दरखत जिस ताहीं तन्नै श्राप दिया था, वो सूख ग्या सै।” 22 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “परमेसवर पै बिश्वास राख्खो। 23 मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ के जो कोए इस पहाड़ नै कहवै, ‘तू उखड़ जा, अर समुन्दर म्ह जा पड़,’ अर अपणे मन म्ह शक ना करै, बल्के बिश्वास करै के जो कहुँ सूँ वो हो जावेगा, तो उसके खातर वोए होवेगा। 24 ज्यांतै मै थमनै कहुँ सूँ के जो कुछ थम प्रार्थना करके माँगो, तो बिश्वास कर ल्यो के थमनै मिलग्या, अर थारे खातर हो जावेगा। 25 अर जिब कदे थम प्रार्थना खातर खड़े होओ, तो जै थारे मन म्ह किसे कै बिरोध म्ह कुछ हो, तो उसनै माफ करो: ज्यांतै के थारा सुर्गीय पिता भी थारे अपराध माफ करै। 26 अर जै थम माफ ना करो तो थारा पिता भी जो सुर्ग म्ह सै, थारा कसूर माफ कोनी

करेगा।” 27 यीशु अर उसके चेल्लें फेर यरुशलेम म्ह आये, अर जिब वो मन्दर म्ह टहलरया था तो सारे प्रधान याजक अर शास्त्री अर यहूदी अगुवें उसके धोरे आके बुड़्झण लाग्गे, 28 “तू ये काम किस हक तै करे सै? अर यो हक तेरे ताहीं किसनै दिया सै के तू ये काम करे?” 29 यीशु नै उनतै कह्या, “मै भी थारे तै एक बात बुड़्झु सूँ; मन्ने जवाब दियो तो मै थमनै बताऊँगा के ये काम किस हक तै करूँ सूँ। 30 यूहन्ना ताहीं बपतिस्मा देण का हक परमेसवर की ओड़ तै था या माणसां की ओड़ तै था? मन्ने जवाब द्यो।” 31 फेर वे आप्पस म्ह बहस करण लाग्गे के जै हम कहां, परमेसवर की ओड़ तै, तो वो कहवेगा, फेर थमनै बिश्वास क्यातै न्ही करया? 32 अर जै हम कहां, माणसां की ओड़ तै, तो माणसां की भीड़ का डर सै, क्यूँके सारे जाणे सै के यूहन्ना साच्चीये नबी था। 33 उननै यीशु ताहीं जवाब दिया, “हमनै न्ही बेरो।” यीशु नै उनतै कह्या, “मै भी थारे तै कोनी बतान्दा के ये काम किस हक तै करूँ सूँ।”

12 यीशु उदाहरणां म्ह उनतै बात करण लाग्या: “किसे माणस नै अंगूर का बाग लगाया, अर उसके चौगरदे नै बाड़ा बाँधया, अर रस का कुण्ड खोद्या, अर रुखाळ खातर एक मचान बणाया; अर किसानां ताहीं उसका ठेक्का देके परदेस चल्या गया। 2 फेर फळ तोड़ण का बखत लोवै आया, तो बाग के माल्लिक नै अपणे नौक्कर ताहीं उसका फळ लेण नै किसानां धोरे भेज्या के किसानां तै अंगूर के बाग के फळां का हिस्सा लेवे। 3 पर किसानां नै उस नौक्कर ताहीं पकड़के छेल्या अर खाल्ली हाथ भेज दिया। 4 फेर उसनै एक और नौक्कर ताहीं उनके धोरे भेज्या; उननै उसकी बेजती करी उसका सिर फोड़ दिया अर। 5 फेर उस माल्लिक नै एक और ताहीं भेज्या; उननै उस नौक्कर ताहीं भी मार दिया। फेर उसनै और घणाए ताहीं भेज्या; उन म्ह तै उननै कुछ तो छेत्ते अर कुछ मार दियो।” 6 “इब माल्लिक के धोरे एकैए आदमी रहया जो उसका प्यारा बेटा था; आखर म्ह उसनै अपणे बेटे ताहीं भी उनके धोरे न्यू सोचके भेज्या के वे मेरे बेटे की इज्जत तो जरूर करैगें।” 7 पर उन किसानां नै आप्पस म्ह कह्या, “वोए तो वारिस सै; आओ, हम इसनै मार द्या, फेर यो अंगूर का बाग म्हारा हो जावेगा।” 8 अर उननै उस ताहीं पकड़के मार दिया, अर अंगूर के बाग तै बाहरणै बगा दिया। 9 इस करके अंगूर के बाग का माल्लिक के करेगा? वो आके उन किसानां का नाश करेगा, अर अंगूर के बाग का ठेक्का दुसरे किसानां नै दे देवेगा। 10 के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो वचन कोनी पढ्या: जिस पत्थर ताहीं राजमिस्त्रियाँ नै बेकार बताया था, वोए कोणे का खास पत्थर होग्या; 11 यो प्रभु की ओड़ तै होया, अर यो म्हारे खातर अनोक्खा सै। 12 फेर यहूदियाँ के प्रधान नै उस ताहीं पकड़णा चाह्या; क्यूँके वे समझ्गे थे, के उसनै म्हारे बिरोध म्ह यो उदाहरण कह्या सै: पर वे माणसां तै डरगे, अर उसनै छोड़के चले गये। 13 फेर यहूदियाँ के प्रधान नै यीशु ताहीं बात्तां म्ह उलझाण खातर कुछ फरीसियाँ अर हेरोदेस राजा के समर्थकां ताहीं उसके धोरे भेज्या। 14 उननै आके यीशु तै कह्या, “हे गुरु, हमनै बेरा सै, के तू साच्चा सै, अर किसे की परवाह न्ही करदा, क्यूँके तू माणसां का मुँह देखके बात कोनी करदा, पर परमेसवर की बातें सच्चाई तै सिखावै सै। तो के कैसर ताहीं कर देणा ठीक सै या कोनी? 15 हम देवां, या न्ही देवां?” उसनै उनका कपट जाणके उनतै कह्या, “मन्ने क्यातै परखो सो? एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) मेरे धोरे ल्याओ, के मै उसनै देखूँ।” 16 वे लियाए, अर उसनै उनतै कह्या, “या छाप अर नाम किसका सै?” उननै कह्या, “कैसर का।” 17 यीशु नै उनतै कह्या, “जो कैसर का सै वो कैसर ताहीं, अर जो परमेसवर का सै परमेसवर ताहीं द्यो।” फेर वे उसपे घणे हैरान होण लाग्गे। 18 फेर सदूकी लोग भी, जो कहवै सै के मेरे होए जिन्दा होए न्ही सकदे; उसके धोरे आके उसतै बुड़्झया, 19 “हे गुरु, मूसा नबी नै म्हारे खातर पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै के जै किसे का भाई बेऊलादा मर जावै अर उसकी घरआळी रह जावै, तो उसका भाई उसकी घरआळी तै ब्याह कर लेवै अर अपणे भाई खातर पीढ़ी पैदा करै। 20 उदाहरण के तौर पै सात भाई थै। पैहल्ला भाई

ब्याह करके बेऊलादा मरगया। 21 फेर दुसरे भाई नै उसकी बिरबानीनी तै ब्याह कर लिया अर वो भी बेऊलादा मरगया; अर उससे तरियां तीसरे नै भी करगया। 22 अर सातुवां के ऊलाद कोनी होई। सारया पाच्छे वा बिरबानी भी मरगी। 23 आखर म्ह जिन्दा होण पै वा उन म्ह तै किसकी घरआळी होवैगी? क्यूँके वा सातुवां की घरआळी हो ली थी।” 24 यीशु नै उनतै कह्या, “थारी गलती या सै के थम पवित्र ग्रन्थ अर परमेसवर की सामर्थ नै न्ही जाणते। 25 क्यूँके जी उठण कै बाद ब्याह शादी कोनी होन्दी, पर सुर्ग म्ह वो परमेसवर के सुर्गदूतां की ढाळ होवैगें। 26 मेरे होया के जिन्दा होण के बारे म्ह के थमने मूसा नबी की किताब म्ह जळती होई झाड़ी की कथा म्ह कोनी पढ़या के परमेसवर नै उसतै कह्या, ‘मै अब्राहम का परमेसवर, अर इसहाक का परमेसवर, अर याकूब का परमेसवर सूं?’ 27 परमेसवर मेरे होया का न्ही बल्के जिन्दयां का परमेसवर सै; थम बड्डी भूल म्ह पड़े सो।” 28 शास्त्री समाज के माणसां म्ह तै एक नै आके उन ताहीं बहस करदे सुण्या, अर न्यू जाणकै उसनै उन ताहीं ठीक ढाळ तै जवाब दिया, अर उसतै बुझ्याया, “सारया तै खास हुकम कौण सा सै?” 29 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “सारे हुकमां म्ह तै यो खास सै: ‘हे इस्राएल के माणसां सुणो! प्रभु म्हारा परमेसवर सिर्फ एही प्रभु सै, 30 अर तू प्रभु अपने परमेसवर तै अपने सारे मन तै, अर अपने सारे प्राण तै, अर अपनी सारी समझ तै, अर अपनी सारी शक्ति तै प्यार राखणा।’ 31 अर दुसरा यो सै, ‘तू अपने पड़ोसी तै अपने जिसा प्यार राखणा।’ इसतै बड़डा और कोए हुकम कोनी।” 32 शास्त्री नै उसतै कह्या, “हे गुरु, जमा ठीक! तन्ने साच्ची कही के परमेसवर एक-ए सै, अर उस ताहीं छोड़के और कोए कोनी। 33 अर उसतै सारे मन तै, अर सारे प्राण तै, अर सारी समझ तै, अर सारी शक्ति तै प्यार राखणा; अर पड़ोसी तै अपने जिसा प्यार राखणा, ये दोन्नु हुकम होमबलियाँ अर बलिदानां तै बाध सै।” 34 जिब यीशु नै देख्या के उसने समझदारी तै जवाब दिया, तो उसतै कह्या, “तू परमेसवर कै राज्य तै दूर कोनी।” अर किसै नै फेर उसतै बुझणा की हिम्मत कोनी होई। 35 फेर यीशु नै मन्दर म्ह उपदेश देन्दे होए न्यू कह्या, “शास्त्री क्यूँ कहवै सै के मसीह दाऊद का बेटा सै? 36 क्यूँके दाऊद नै खुद ए पवित्र आत्मा म्ह होके कह्या सै, ‘परमेसवर यहोवा नै मेरे प्रभु तै कह्या, ‘मेरे सोळी ओड़ बैठ, जिब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ नै हरा कै, तेरे पायां की चौक्री न्ही बणा दिव्युं।’” 37 “दाऊद तो खुद ए माणस प्रभु कहवै सै, फेर वो उसका बेटा किस ढाळ होया?” अर भीड़ के उसने उसकी राज्जी होके रहियो थे। 38 यीशु नै अपने उपदेश म्ह उनतै कह्या, “शास्त्रियाँ तै चौकन्ने सुणियो, जो लाम्बे-लाम्बे चोगे पहरे होड़ हाँडे अर बजारां म्ह नमस्कार चाहवै सै, 39 अर आराधनालयाँ म्ह खास-खास जगहां बैठणा, जिम्मण म्ह खास-खास जगहां भी चाहवै सै। 40 वे बिधवायाँ के घर खा जावै सै अर दिखण खातर घणी वार ताहीं प्रार्थना करदे रहवै सै। ये घणा दण्ड पावैगें।” 41 यीशु मन्दर के भण्डार के स्याम्ही बैठके देखवै था के आदमी मन्दर के दानपात्र म्ह किस तरियां पईसे घालें सै; अर घणखरे साहकारां नै घणाए कुछ घाल्या। 42 इतने म्ह एक कंगाल बिधवा नै आके दो दमड़ी घाल्लीं। (जो एक थले के बराबर होवै सै) 43 फेर उसने अपने चेल्यां ताहीं धारे बुलाके कह्या, “मै थमने सच कहूँ सूं के मन्दर के दानपात्र म्ह घाल्लण आळा म्ह तै इस कंगाल बिधवा नै सारया तै बाध घाल्या सै; 44 क्यूँके सारया नै अपने धन की बढ्दी म्ह तै घाल्या सै, पर इसने अपनी घटदी म्ह तै जो उसकै धारे जीवन चलाण खातर था, वो सारा घाल दिया।”

13 जिब यीशु मन्दर तै लिक्डै था, तो उसके चेल्यां म्ह तै एक नै उसतै कह्या, “हे गुरु, लखा, किसे बड़े-बड़े पत्थरां तै बणाये होए किसे सुथरे भवन सै!” 2 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम ये बड़े-बड़े पत्थरां के भवन देख्को सो: पर उँरे एक पत्थर भी कोनी बचैगा जो गेरया न्ही जावैगा।” 3 जिब यीशु मन्दर के स्याम्ही जैतनु कै पहाड़ पै बैठ्या था, तो पतरस, याकूब, यूहन्ना अर अन्द्रियास नै न्यारे जाके उसतै बुझ्याया, 4 “हमने बता के ये बात कद होवैगी? अर जिब ये सारी बात पूरी होण पै होवैगी उस बखत की के

निशानी होवैगी?” 5 यीशु उनतै कहण लाया, “चौकन्ने रहियो के कोए थमनै भकावे न्ही। 6 क्यूँके घणखरे मेरे नाम तै आके कहवैगें, ‘मै मसीह सूं।’ अर घणाए नै भकावैगें। 7 जिब थम रोळे, अर लड़ाईया का जिक्क सुणो, तो घबराईयो ना; क्यूँके इनका होणा जरूरी सै, पर उस बखत खात्मा कोनी होवैगा। 8 क्यूँके जात पै जात, राज्य पै राज्य चढ़ाई करैगा। भोत सारी जगहां पै हाल्लण आवैगें, अर अकाळ पड़ैगें, ये तो दुखां की शरुआत ए होवैगी।” 9 “पर थम अपने बारे म्ह चौकन्ने रहो; क्यूँके माणस थारे ताहीं बड्डी सभा म्ह सौपैगें अर थम आराधनालयाँ म्ह छितोगे, अर मेरे कारण हाकिमां अर राजां के आगे खड़े करे जाओगे, ताके थम मेरे बारे म्ह गवाही दे सको। 10 पर जरूरी सै के पैहल्या सुसमाचार सारी जात्तां म्ह प्रचार करया जावै। 11 जिब वे थमने ले जाके सौपैगें, तो पैहल्या तै फिक्र ना करियो इब हम के कहवागें; पर जो कुछ थमने उस बखत बताया जावै वोए कहियो; क्यूँके बोल्लण आळे थम कोनी सो, पर पवित्र आत्मा सै।” 12 “भाई नै भाई, पिता नै बेटा मारण खातर सौप देंगें, अर बाळक माँ-बाप के बिरोध म्ह खड़े होके उन ताहीं मरवा देवैगें। 13 अर मेरे नाम के कारण सारे माणस थारे तै बैर करैगें; पर जो आखर ताहीं धीरज धरैगा, उससे का उद्धार होवैगा।” 14 (पढ़ण आळा इस बात नै समझ लेव्के, “जिस दिन थम मन्दर म्ह उस उजाड़ण आळी घृणित चीज नै समझ लेव्के, जिस ताहीं मन्दर म्ह न्ही होणा चाहियो, तब जो यहूदिया परदेस म्ह हो वे पहाड़ां पै भाज जावै; 15 जो छत पै हो, वो घर म्ह कुछ लेण खातर भीत्तर ना जावै, 16 अर जो खेत म्ह हो, वो अपने लत्तें लेण खातर घर नै ना बोहडें। 17 उन दिनां म्ह जो गर्भवती अर दूध पिलान्दी बिरबानी होवैगीं, उनके खातर भागणा भी मुश्किल होगा! 18 अर प्रार्थना करया करो के यो जाड्यां म्ह न्ही हो। 19 क्यूँके वे दिन इसे क्लेश के होवैगें के सृष्टि की शरुआत तै, जो परमेसवर नै रचाई सै, इब ताहीं ना तो होए अर ना फेर कदे होवैगें।” 20 अर जै प्रभु उन दिनां नै न्ही घटान्दा, तो कोए जीव भी कोनी बचदा; पर उन छॉटे होया के कारण जिन ताहीं उसने छाट्या सै, उन दिनां ताहीं घटया। 21 उस बखत जै कोए थमनै कहवै, देख्को, मसीह उँरे सै, या देख्को, ओड़ै सै, तो बिश्वास ना करियो; 22 क्यूँके झूठे मसीह अर झूठे नबी उठ खड़े होवैगें, अर बड़े-बड़े चमत्कार अर अनोक्खे काम दिखवैगें के जै हो सक्या तो छॉटे होया ताहीं भी भका देवैगें। 23 पर थम चौकन्ने रहियो; देख्को, मनने थारे तै सारी बात बखत तै पैहल्याए बता दी सै। 24 उन दिनां म्ह, उस क्लेश के पाच्छे सूरज अन्धेरा हो जावैगा, अर चाँद चाँदणा कोनी देवैगा; 25 अर अकास के तारे पड़ण लागैगें; अर अकास की शक्तियाँ हलाई जावैगीं। 26 फेर मुझ माणस के बेटे नै बड्डी सामर्थ अर महिमा कै गेल्या सब लोग बादळां पै आन्दे देखवैगें। 27 उस बखत मै अपने सुर्गदूतां नै भेजके, धरती कै इस सिरे तै अकास कै उस सिरे ताहीं, च्यार दिशायां तै अपने चुणे होए माणसां नै कठ्ठा करुंगा। 28 अंजीर के दरखत तै यो उदाहरण सीक्खो: जिब उसकी डाळी कोमल हो जावै, अर पत्ते लिक्डण लागें सै; तो थम जाण ल्यो सो के गर्मी का बखत लोवै सै। 29 इससे तरियां जिब थम इन बातानं नै होन्दे देख्को, तो जाण ल्यो के वो भोत तावळा आपण आळा सै। 30 मै थमने साच्ची कहूँ सूं के जिब ताहीं ये बात न्ही हो लेन्दी, जद ताहीं ये पीड़ी खतम न्ही होवैगी। 31 धरती अर अकास टळ जावैगें, पर मेरी बात कदे न्ही टळैगी। 32 “उस दिन या उस बखत के बारे म्ह कोए न्ही जाणदा, ना सुर्गदूत अर ना बेटा; पर सिर्फ पिता जाणै सै। 33 लखाओ, जागदे अर प्रार्थना करदे रहो; क्यूँके थमने न्ही बेरा के वो बखत कद आवैगा। 34 मेरे आण का बखत उस माणस के समान सै, जो परदेस जानदे बखत अपना घर छोड़ जावै, अर अपने नौकरां ताहीं हक देवै, अर हरेक नै उसका काम बता देवै, अर परेदार ताहीं जागदे रहण का हुकम देवै। 35 “इस करके जागदे रहो, क्यूँके थमने न्ही बेरा के घर का मालिक कद आवैगा, साँझ नै या आध्धी रात नै, या मुर्गे के बाँग देण के बखत या तड़के ए तड़के नै। 36 इसा ना हो के वो चाणचक आके थमने सोदे पावै। 37 अर जो मै थमने कहूँ सूं, वोए सारया नै कहूँ सूं: जागदे रहो!”

14 दो दिनां पाछे फसह अर अखमीरी रोटी का त्योहार होण आळा था। प्रधान याजक अर शास्त्री इस बात की टाह म्ह थे के यीशु तार्हीं किस ढाळ कपट ते पकड़के मार देवे; 2 पर वे कहवै थे, “त्योहार के दिन न्ही, कदे इसा ना हो के माणसां म्ह रोळा माचवै।” 3 जब यीशु बैतनिय्याह नगर म्ह आया, ओइ यीशु शमौन नाम के माणस जो कोढ़ ते ठीक होया था, उसके घरां खाणा खाण बेठ्या, तो एक बिरबानी संगमरमर के बरतन म्ह जतामांसी का शुद्ध महंगा खसबूदार तेल लेके आई, अर बरतन तोड़के महंगा खसबूदार तेल उसके सिर पै उंडेल दिया। 4 पर उन म्ह तै कई माणस अपणे मन म्ह बडबड़ाने लागे, “इस महंगा खसबूदार तेल का क्यांतै सत्यानाश कर दिया? 5 क्यूँके यो महंगा खसबूदार तेल तो तीन सौ दीनार (तीन सौ दिन की मजदूरी) तै भी घणी किम्मत पै बेचके कंगालां म्ह बांडया जा सकै था।” अर उस बिरबानी तार्हीं झिड़कण लागे। 6 यीशु नै कहा, “उस तार्हीं छोड़ दो; उसनै क्यांतै सताओ सो? उसनै मेरै गेल्या भलाई करी सै। 7 कंगाल थारे गेल्या सारी हाण रहवै सै, अर थम जब चाहो जद उनतै भलाई कर सको सो; पर मै थारे गेल्या सारी हाण कोनी रहूँगा। 8 जो कुछ वा कर सकी, उसनै करया; उसनै मेरै गाढ़े जाण की त्यारी म्ह पैहला ए महंगा खसबूदार तेल मेरी देह पै उंडेला सै। 9 मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ के सारे दुनिया म्ह जित्त किते भी सुसमाचार प्रचार करया जावैगा, जो उसनै करया यो सदा याद करया जावैगा।” 10 फेर यहूदा इस्करियोती जो बारहा चेल्यां म्ह तै एक था, प्रधान याजकां के धारे गया के यीशु तार्हीं उनके हाथ पकड़वा देवै। 11 वे न्यु सणुके राज्जी होगे, अर उस तार्हीं रपिये देण खात्तर मानगे; अर वो मौक्का तोहू लाग्या के उस तार्हीं किसे ढाळ पकड़वाया जावै। 12 अखमीरी रोटी के त्योहार के पैहले दिन, जिसम्ह वे फसह खात्तर मेन्ने का बलिदान करे थे, उसके चेल्यां नै उसतै बुझ्या, “तू कित्त जाणा चाहवै सै के हम जाके तेरे खात्तर फसह भोज की त्यारी करा?” 13 उसनै अपणे चेल्यां म्ह तै दो तार्हीं न्यु कहके भेज्या, “यरुशलेम नगर म्ह जाओ, अर एक माणस पाणी का पैँढा टाप होए थमनै मिलैगा, उसके पाछे हो लियो; 14 अर वो जिस घर म्ह जावै, उस घर के माल्लिक तार्हीं कहियो, ‘गुरु कहवै सै के बैठक कित्त सै? जिसम्ह मै अपणे चेल्यां गेल्या फसह भोज खाऊँ।’ 15 वो थमनै एक सजी-सजाई, अर त्यार करी होइ बड़ी अटारी दिखा देवैगा, ओइे म्हारे खात्तर त्यारी करो।” 16 चेल्ले लिकड़के नगर म्ह आये, अर जिसा यीशु नै उनतै कहा था, उससे तरियां पाया; अर फसह का भोज त्यार करया। 17 जब साँझ होई, तो यीशु बारहा चेल्यां के गेल्या आया। 18 जब वे बेट्टे खाणा खावै थे, तो यीशु नै कहा, “मै थमनै साच्ची कहुँ सूँ के थारे म्ह तै एक, जो मेरै गेल्या खाणा खाण लागरया सै, वो मन्ने धोक्खा देकै पकड़वावैगा।” 19 उनपै उदासी छाग्यी अर वे एक-एक करके उसतै कहण लागे, “के वो मै सूँ?” 20 उसनै उनतै कहा, “वो बारहां चेल्यां म्ह तै एक सै, जो मेरै गेल्या थाळी म्ह हाथ घाले सै। 21 क्यूँके मै माणस का बेट्टा तो, जिसा मेरे बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै; मेरा मर जाणा तो पक्का सै, पर उस माणस पै धिक्कार सै जिसके जरिये मै माणस का बेट्टा पकड़वाया जाऊँगा! जै उस माणस का जन्म ए न्ही होँदा, तो उसके खात्तर भला होँदा।” 22 जब वे खाण ए लागरे थे, उसनै रोटी लेकै परमेसवर का धन्यवाद करया, अर आशीष माँगके तोड़ी, अर उन तार्हीं दी, अर कहा, “ल्यो, या मेरी देह सै।” 23 फेर यीशु नै अंगूर के रस का कटोरा लेकै परमेसवर का धन्यवाद करया, अर उन तार्हीं दिया; अर उन सारया नै उस म्ह तै पिया। 24 अर उसनै उनतै कहा, “यो अंगूर का रस मेरे लहू नै दर्शावै सै, जिसका करार परमेसवर नै लोगां तै करया जो घणाए खात्तर बहाया जावै सै।” 25 “थमनै साच्ची कहुँ सूँ के अंगूर के रस नै मै इब तै इसनै उस दिन तक न्ही पीऊँगा, जब तार्हीं परमेसवर के राज्य म्ह थारे गेल्या नया रस न्ही पीऊँ।” 26 फेर वे भजन गाके बाहरणै जैतून के पहाड़ पै गए। 27 जब यीशु अर उसके चेल्ले राह म्ह थे, तो उसनै उनतै कहा, “थम सारे मेरा साथ छोड़के चले जाओगे,” “क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै:” मै रुखाळे नै मारूँगा, अर झुण्ड की सारी भेड़ तित्तर-बितर हो जावैगी। 28 पर मै अपणे जी उठण के बाद थारे तै

पैहल्या गलील परदेस म्ह मिलूँगा। 29 पतरस नै उसतै कहा, “जै सारे छोड़े तो छोड़े, पर मै तेरा साथ कटे न्ही छोड़ूँगा।” 30 यीशु नै उसतै कहा, “मै तेरे तै सच कहुँ सूँ आज ए इस्से रात नै मुर्ग के दो बर बाँग देण तै पैहल्या, तू तीन बर मेरे बारे म्ह मुकरैगा।” 31 पर उसनै और भी पक्के बिश्वास तै कहा, “जै मन्ने तेरे गेल्या मरणा भी पड़े, तोभी मै तेरा इन्कार कदे कोनी करूँगा।” इस्से तरियां और सारया चेल्यां नै भी कहा। 32 फेर यीशु अर उसके चेल्ले गतसमनी नामक बाग म्ह एक जगहां म्ह आए, अर उसनै अपणे चेल्यां तै कहा, “उरै बेट्टे रहो, जब तार्हीं मै प्रार्थना करूँ।” 33 अर वो पतरस, याकूब अर यूहन्ना तार्हीं अपणे गेल्या लेग्या; अर घणाए काल अर दुखी होण लाग्या, 34 अर उनतै कहा, “मेरा मन घणा उदास सै, उरै तार्हीं के मै मरण पै सूँ: थम उरै ठहरो, अर जागदे रहो।” 35 फेर वो माड़ा आगै सरक्या अर धरती पै पड़के प्रार्थना करण लाग्या के जै हो सकै तो या मुसीबत की घड़ी मेरै पै तै टळ जावै, 36 अर कहा, “हे अब्बा, हे पिता, तू सारा कुछ कर सकै सै; इस दुख का कटोरे तार्हीं मेरे धारे तै हटा ले: तोभी जिसा मै चाहूँ सूँ उसा न्ही, पर जो तू चाहवै सै वोए हो।” 37 फेर यीशु आया अर चेल्यां तार्हीं सोन्दे पाके पतरस तै कहा, “हे शमौन, तू सोवै सै? के तू एक घड़ी भी कोनी जाग सक्या? 38 जागदे रहो अर प्रार्थना करदे रहो के थम इम्तिहान म्ह ना पड़ो। इस म्ह कोए शक कोनी के आत्मा तो त्यार सै, पर देह कमजोर सै।” 39 अर यीशु फेर चल्या गया अर दोबारा भी वाए प्रार्थना करी। 40 फेर आकै उन तार्हीं सोन्दे पाया, क्यूँके चेल्यां की आँख नींद तै भरी थी; अर न्ही जाणै थे, के उसनै के जवाब देवै। 41 फेर तीसरी बर आकै उनतै कहा, “थम इब भी सोण लागरे सोण सों? बखत आ लिया; देखो, मै माणस का बेट्टा पापियाँ के हाथ्यां पकड़वाया जाऊँ सूँ। 42 उठो, चाल्ला! लखाओ, मेरा पकड़वाण आळा लोवै आण पोंहच्या सै।” 43 यीशु न्यु कहण ए लागरया था के यहूदा जो बारहा चेल्यां म्ह तै एक था, अपणे गेल्या प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ अर यहूदी अगुवां की ओड़ तै एक बट्टी भीड़ लेकै जिबके आण पोंहच्या, जो तलवार अर लाठी लेरे थे। 44 यीशु कै पकड़वाण आळे नै उन तार्हीं यो इशारा दिया था के जिस तार्हीं मै चुम्बू वोए यीशु होगा, उस तार्हीं पकड़के सावधानी तै ले जाईयो। 45 वो आया, अर जिबके उसके धारे जाके बोल्या, “हे गुरु!” अर उस तार्हीं चुम्ब्या। 46 फेर उननै उसपै हाथ गेरे के उस तार्हीं पकड़ लिया। 47 उन बारहा चेल्यां म्ह जो धारे खड़े थे, एक नै तलवार खिचके महायाजक के नौक्कर पै चलाई, अर उसका कान उड़ा दिया। 48 यीशु नै उनतै कहा, “के थम डाकू जाणके मन्ने पकड़ण के खात्तर तलवार अर लाठी लेकै लिकड़े सो? 49 मै तो हरेक दिन मन्दर म्ह थारे गेल्या रहके उपदेश दिया करूँ था, अर जब थमनै मेरै तार्हीं कोनी पकड़्या: पर न्यु ज्यांतै होया सै के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिखी बात पूरी होवै।” 50 यो सब देखके सारे चेल्ले उसनै छोड़के भाजगे। 51 एक जवान अपणी उघाड़ी देह पै चादर ओढ़े होइ उसके पाछे हो लिया, अर माणसां नै उस तार्हीं पकड़्या। 52 पर वो चादर छोड़के उघाड़ा भाजग्या। 53 फेर वे यीशु तार्हीं महायाजक के धारे लेगे, अर सारे प्रधान याजक, यहूदी अगुवे अर शास्त्री उसके ओड़े कट्टे होगे। 54 पतरस दूर ए दूर उसके पाछे-पाछे महायाजक के आँगण कै भीत्तर तार्हीं गया, अर सिपाहियाँ के गेल्या बैठके आण पै सीकण लाग्या। 55 प्रधान याजक अर यहूदी अगुवां की सभा यीशु तार्हीं मारण कै खात्तर उसके बिरोध म्ह गवाही की तोह म्ह थे, पर कोन्या मिली। 56 क्यूँके घणखरे उसके बिरोध म्ह झूठी गवाही देवे थे, पर उनकी गवाही एक सी कोनी थी। 57 फेर कुछ माणसां नै उठके यीशु के बिरोध म्ह या झूठी गवाही दी, 58 “हमनै इस तार्हीं कहन्दे सुणया सै, ‘मै इस हाथ के बणाए होइ मन्दर नै गेर दिवूँगा, अर तीन दिन म्ह दुसरा बणाऊँगा, जो हाथ्यां तै न्ही बणया हो।’” 59 इस बात म्ह भी उनकी गवाही एक सी कोनी लिकड़ी। 60 फेर महायाजक नै बिचाळे खड़े होके यीशु तै बुझ्या, “तू कोए जवाब न्ही देँदा? ये माणस तेरे बिरोध म्ह के गवाही देवै सै?” 61 पर वो बोल-बाल्ला रहया, अर कुछ जवाब न्ही दिया। महायाजक नै उसतै दुबारा बुझ्या, “के तू ए परम धन्य परमेसवर का बेट्टा मसीह सै?” 62 यीशु नै कहा, “हाँ मै ए सूँ: अर थम मुझ माणस के बेट्टे

ताहीं सर्वशक्तिमान परमेश्वर की सोळी ओड़ बेट्ठे, अर अकास के बादळां के गेल्या आन्दे देख्योगे।” 63 फेर महायाजक नै अपणे लत्ते पाड़के कह्या, “इब हमने गवाह की और के जरूरत सै?” 64 थमने या बुराई सुणी। थारी के राय सै? उन सारया नै कह्या के यो मारण कै जांगा सै। 65 फेर कई तो उसपै थूकते, अर कई उसका मुँह ढकते होए, कई उसके घुस्से मारते होए उसतै कहण लागगे, जै तू नबी सै, “तो भविष्यवाणी कर!” के तेरे कौण मारै सै, अर सिपाहियाँ नै उस ताहीं पकड़के थपड़ मारे। 66 जिव पतरस तळे आँगण म्ह था, तो महायाजक की नौकराणियाँ म्ह तै एक उड़े आई, 67 अर पतरस ताहीं आग सिक्दे देखके उस ताहीं गौर तै देख्या अर कहण लागगी, “तू भी तो उस नासरत के यीशु के गेल्या था।” 68 पतरस मुकरग्या, अर बोल्या, “मै ना ए जाण्डा अर ना ए समझू सूं के तू के कहवै सै।” फेर वो बाहरणै देहळीया म्ह गया; अर मुर्गे नै बाँग दी। 69 वा नौकराणी उसने ओड़ै देखके उनतै जो धोरै खड़े थे, दुबारा कहण लागगी, “यो उन म्ह तै एक सै।” 70 पर वो फेर मुकरग्या। माड़ी बार पाच्छे उनै जो धोरै खड़े थे फेर पतरस ताहीं कह्या, “पक्का तू उन म्ह तै एक सै, क्यूँके तू गलीली भी सै।” 71 फेर वो थिक्कारण अर कसम खाण लाग्या, “मै उस माणस नै, जिसका थम जिक् करे सो, कोनी जाण्डा।” 72 फेर जिब्बे दुसरी बार मुर्गे नै बाँग देई पतरस ताहीं वाए बात जो यीशु नै उसतै कही थी याद आई “मुर्गे के दो बर बाँग देण तै पैहल्या तू तीन बार मेरा इन्कार करैगा।” अर वो इस बात नै सोचके फूट-फूटके रोण लाग्या।

15 सबेरा होन्दे जिब्बे सारे प्रधान याजकां, यहूदी अगुवां अर शास्त्रियाँ नै बल्के यहूदी अगुवां की सभा नै सलाह करके यीशु ताहीं बंधवाया, अर उस ताहीं ले जाके यहूदिया परदेस के हाकिम पिलातुस के हाथ्यां म्ह सोप दिया। 2 पिलातुस नै यीशु तै बुझ्या, “के तू यहूदिया का राजा सै?” उसने उस ताहीं जवाब दिया, “तू आप ए कहण लागरया सै।” 3 प्रधान याजक यीशु पै घणी बातां के इल्जाम लावै थे। 4 पिलातुस नै उसतै फेर बुझ्या, “के तू कुछ जवाब कोनी देँदा, लखा, ये तेरे पै कितनी बातां के इल्जाम लावै सै?” 5 यीशु नै फेर कुछ जवाब कोनी दिया; उरै ताहीं के पिलातुस नै घणी हैरानी होई। 6 पिलातुस उस त्योंहार म्ह किसे एक कैदी नै जिसनै वे चाहवै थे, उन माणसां खात्तर छोड़ दिया करै था। 7 बरअब्बा नाम का एक माणस उन रोळे करणीया गेल्या कैदी था, जिन नै रोळे म्ह खून करया था। 8 अर भीड़ पिलातुस के धोरै जाके उसतै बिनती करण लागगी, के जिसा तू म्हारै खात्तर करदा आया सै उससे तरियां कर। 9 पिलातुस नै उन ताहीं जवाब दिया, “थम के चाहो, के मै थारे खात्तर यहूदियाँ के राजा नै छोड़ दियूँ?” 10 क्यूँके पिलातुस जाणै था के प्रधान याजकां नै यीशु ताहीं चाल तै पकड़वाया था। 11 पर प्रधान याजकां नै माणसां ताहीं उकसाया के वो यीशु की जगहां बरअब्बा नै छोड़ दे। 12 न्यू सुण पिलातुस नै उनतै फेर बुझ्या, “तो जिसने थम यहूदियाँ का राजा कहे सो, उसका मै के कहूँ?” 13 वे फेर रुक्के मारण लागगे, “उसनै क्रूस पै चढ़ा द्यो!” 14 पिलातुस नै उनतै फेर कह्या, “क्यांतै उसने के बुरा करया सै?” पर वे और भी रुक्के मारण लागगे, “उसनै क्रूस पै चढ़ा द्यो!” 15 फेर पिलातुस नै भीड़ ताहीं राज्जी करण की चाहन्ता तै, बरअब्बा ताहीं उनकै खात्तर छोड़ दिया, अर यीशु के कोरडे लगवाके सिपाहियाँ के हाथ म्ह सोप दिया के क्रूस पै चढ़ाया जावै। 16 यीशु ताहीं सिपाही किले के भीत्तर के आँगण म्ह ले गये जो प्रिटोरियम कुहावै सै, अर सारी पलटन ताहीं बुला ल्याए। 17 फेर सिपाहियाँ नै उसका मजाक उड़ाण खात्तर उस ताहीं बैजनी लत्ते पहिराए अर काण्डयां का मुकुट गूँथके उसके सिर पै धरया, 18 अर न्यू कहके उस ताहीं नमस्कार करण लागगे, “हे यहूदियाँ के राजा, नमस्कार!” 19 वे उसके सिर पै सरकण्डे मारदे, अर उसपै थूकदे, अर गोठ्ठे टेक कै उसने प्रणाम करदे रहे। 20 जिव उननै उसका मजाक उड़ा लिया, तो उसपै तै बैजनी लत्ते उतारके उससे के लत्ते पहिराए; अर फेर उस ताहीं क्रूस पै चढ़ाण कै खात्तर बाहरणै ले गये। 21 सिकन्दर अर रूफुस का पिता शमीन, जो कुरेन परदेस का

बसिन्दा था, वो यरुशलेम की ओड़ आण लागरया था; उननै उस ताहीं बेकार म्ह पकड्या ताके यीशु का क्रूस ठाके ले चाल्लै। 22 वे यीशु ताहीं गुलगुता नामक जगहां पै लियाए, जिसका मतलब खोपड़ी की जगहां सै। 23 ओड़ै उस ताहीं सिरका मिल्या होड़ अंगूर का रस देण लागगे, पर उसनै कोनी लिया। 24 फेर उननै उस ताहीं क्रूस पै चढ़ाया अर उसके लत्यां पै पर्ची गेर कै, के किसनै के मिलै, उननै बांड लिये। 25 अर सबेरे के नौ बजे थे, जिव उननै यीशु ताहीं क्रूस पै चढ़ाया। 26 अर उसका दोषपत्र लिखके क्रूस के उपपर लगा दिया के “यहूदियाँ का राजा।” 27 उननै उसके गेल्या दो डाकू, एक उसकी सोळी अर एक उसकी ओळी ओड़ क्रूस पै चढ़ा दिये। 28 (तब पवित्र ग्रन्थ का वो वचन के वो अपराधियाँ गेल्या गिण्या गया, पूरा होया।) 29 अर राह म्ह जाण आळे सिर हला-हल्लाके अर न्यू कहके उसकी बेजती करै थे, “वाह! मन्दर के गेरण आळे, अर तीन दिन म्ह बणाण आळे! 30 क्रूस पै तै उतरके अपणे-आपने बचाले।” 31 इससे तरियां तै प्रधान याजक भी, शास्त्रियाँ सुधा, आप्पस म्ह मजाक करके कहवै थे, “इसनै औरां ताहीं बचाया, पर अपणे-आपने न्ही बचा सकदा। 32 इस्राएल का राजा, मसीह, इब क्रूस पै तै उतर आ, के हम देखके बिश्वास करया।” अर जो डाकू उसके गेल्या क्रूस पै चढ़ाए गए थे, वे भी उसकी बेजती करै थे। 33 दोफारी होण पै सारे देश म्ह अँधेरा छाग्या, अर तीन बजे ताहीं रहया। 34 तीन बजे यीशु नै बड़े जोर तै रुक्के मारके कह्या, “इलोई, इलोई, लमा शबक्तनी?” जिसका मतलब यो सै, “हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तन्नै मेरे ताहीं क्यांतै छोड़ दिया?” 35 जो धोरै खड़े थे, उन म्ह तै कितन्यां नै न्यू सुणके कह्या, “लखाओ, वो एलियाह ताहीं बुलावै सै।” 36 अर एक नै भाजके फोम ताहीं सिरके म्ह इबोया, अर सरकण्डे पै धरके उस ताहीं चुसाया अर कह्या, “ठैहर जाओ, देख्यां, एलियाह उस ताहीं उतारण खात्तर आवे सै के न्ही।” 37 फेर यीशु नै बड़े जोर तै किल्की मारके जी दे दिया। 38 अर मन्दर का पड़दा उपपर तै तळे ताहीं पाटकै दो टुकड़े होग्या। 39 जो सूबेदार उसके स्याम्ही खड्या था, जिव उस ताहीं इस ढाळ किल्की मारके जी देन्दे देख्या, तो उसनै कह्या, “साच्चए यो माणस, परमेश्वर का बेटा था!” 40 कई बिरबान्नी भी दूर तै देख्खे थी: उन म्ह मरियम मगदलीनी, छोटे याकूब अर योसेस की माँ मरियम, अर सलोमी थी। 41 जिव यीशु गलील परदेस म्ह था, तो ये जनानियाँ जो यीशु की चेल्ली थी, वो उसकी सेवा-पाणी करया करै थी; अर घणखरी बिरबान्नी भी थी, जो उसके गेल्या यरुशलेम नगर तै आई थी। 42 यो जो आरक के दिन का एक दिन पहले की तैयारी का दिन था, अर इब साँझ हो गयी थी। 43 अरिमतिया गाम का बासिन्दा यूसुफ आया, जो बड्डी सभा का खास माणस था अर खुद भी परमेश्वर के राज्य की बात देख्खे था। वो हिम्मत करके पिलातुस के धोरै गया अर यीशु की लाश माँगी। 44 पिलातुस नै हैरानी होई के वो इतनी तावळी मरग्या, उसनै सूबेदार ताहीं बुलाके बुझ्या, “के उस ताहीं मेरे होए वार होई सै?” 45 जिव उसनै सूबेदार के जरिये हालत जाण ली, तो लाश यूसुफ ताहीं दुवा दी। 46 फेर उसनै मलमल की एक चादर मोल ली, अर लाश ताहीं उतारके उस चादर म्ह लपेटा, अर एक कन्न म्ह जो चट्टान म्ह खोद राक्खी थी धरया, अर कन्न के बारणै पै एक पत्थर गिरड़ा दिया। 47 मरियम मगदलीनी अर योसेस की माँ मरियम देख्खे थी के वो कित धरया गया सै।

16 जिव आराम का दिन बीतग्या, तो मरियम मगदलीनी, अर याकूब की माँ मरियम, अर सलोमी नै खसबूदार चीज मोल ली, ताके आके यीशु की लाश पै मळे। 2 हफते के पैहलडे दिन तड़के ए तड़के सूरज निकड़ाए था, वे कन्न पै आई, 3 अर आप्पस म्ह कहवै थी, “म्हारै खात्तर कन्न के दरबाजे पै तै पत्थर कौण गिरड़ावैगा?” 4 जिव उननै कन्न की ओड़ निगांह करी, तो देख्या के पत्थर गिरड़या होया सै! यो घणाए बड़्डा था। 5 कन्न के भीत्तर जाके उननै एक जवान ताहीं धोळे लत्ते पहरे होड़ सोळी ओड़ बेट्ठे देख्या, अर उननै घणी हैरान होई। 6 उसनै उनतै कह्या, “हैरान मतना होवो, थम यीशु नासरी नै दोहो सो, जो क्रूस पै चढ़ाया गया था, वो जिन्दा होग्या सै, अर उरै

कोनी; लखाओ, याए वा जगहां सै, जित्त उनने यीशु की लाश ताहीं धरया था। 7 पर थम जाओ, अर उसके चेल्यां अर पतरस ताहीं कहो के वो थारे तै पैहल्या गलील परदेस म्ह जावैगा। जिंसा के उसने थारे तै कह्या था, थम ओड़ैए उसनै देखोगे।” 8 अर वे लिकड़कै कन्न तै बाहर भाजगयी; क्यूँके वे काम्बगी अर उनकै घबराट होगी थी; अर उननै किसे तै कुछ न्ही कह्या, क्यूँके वे डरै थी। 9 (note: The most reliable and earliest manuscripts do not include Mark 16:9-20.) हफ्तै के पैहल्ले दिन सबेर होन्दे यीशु जिन्दा होके पैहलम-पैहल्या मरियम मगदलीनी ताहीं जिंसा तै उसनै सात ओपरी आत्मा काड्डी थी, दिख्या। 10 उसनै जाके यीशु के साथियाँ ताहीं खबर दी, जो दुख म्ह डूबरे थे, अर रोवे थे। 11 उननै न्यू सुणके के वो जिन्दा सै, अर मरियम मगदलीनी नै उस ताहीं देख्या सै, उसकी बात का बिश्वास कोनी करा। 12 इसकै बाद यीशु दुसरे रूप म्ह उन म्ह तै दो चेल्यां ताहीं दिख्या, जिब वे गाम कान्ही जावै थे। 13 उननै भी यरुशलेम नगर तै बोहड़कै दुसरयां ताहीं इस बारें म्ह खबर दी, पर उननै उनका भी बिश्वास कोनी करया। 14 पाच्छे यीशु उन ग्यारहां चेल्यां ताहीं भी दिख्या, जिब वे खाणा खाण बेठे थे, अर उनकै अबिश्वास अर मन की कठोरता पै उल्हाणा दिया, क्यूँके जिन नै उसकै जिन्दा होण के पाच्छे उस ताहीं देख्या था, चेल्यां नै उनका भी बिश्वास कोनी करया था। 15 अर यीशु नै उनतै कह्या, “थम सारी दुनिया म्ह जाके सारी सृष्टि के माणसां ताहीं सुसमाचार प्रचार करो। 16 जो बिश्वास करै अर बपतिस्मा लेवै उस्से का उद्धार होवैगा, पर जो बिश्वास कोनी करैगा वो कसूरवार ठहराया जावैगा; 17 बिश्वास करण आळा म्ह या निशान्नी होवैगी के वे मेरै नाम तै ओपरी आत्मायाँ नै काड्डें, नई-नई भाषा बोल्लैगें, 18 साँप नै हाथ्यां म्ह ठा लेवैगें, अर जै वे गलती तै जहर भी पी जावै तोभी उनका कुछ न्ही बिगड़ेगा; वे बिमारां पै हाथ धरेंगें, अर वे चंगे हो जावेंगे।” 19 फेर प्रभु यीशु उनतै बात करण के पाच्छे सुगं पै ठा लिया गया, अर परमेसवर के सोळी ओड़ बैठया। 20 अर उननै लिकड़कै हरेक जगहां प्रचार करया, अर प्रभु उनकै गेल्या काम करदा रहया, अर उन निशान्नी के जरिये जो गैल-गैल होवै थे, अर साबित करदा रहया के वचन सच्चा सै। आमीन।

लूका

1 हे जनाब थियुफिलस, घणखरयां माणसां नै म्हारे बिचाळे घटी बातां का ब्यौरा लिखण की कोशिश करी सै। 2 शुरुआत तै ए जो यीशु मसीह की सेवकाई म्ह साथ थे अर वे बाद म्ह वचन के सेवक बणगे, उननै ए आँखां देखी बात म्हारे ताहीं बताई। 3 इस करके हे जनाब थियुफिलस, मननै भी वो ठीक लाग्या के उन सारी बातां का सारा हाल शुरु तै आच्छी दाहू परख के, उननै तरे खात्तर क्रमानुसार लिखूँ 4 के तू या जाण ले के वो बात जिनकी तन्नै शिक्षा पाई सै, वो सच्ची सै। 5 यहूदिया परदेस के राजा हेरोदेस के बखत म्ह अबिव्याह कै टोळ म्ह जकरयाह नाम का एक याजक था, अर उसकी घरआळी का नाम एलीशिबा था, अर दोनु हासन की पीढ़ी के थे। 6 वे दोनु परमेसवर के स्याम्ही धर्मी थे, अर प्रभु के सारे हुकम अर नियमां पै बेखोट चालण आळे थे। 7 पर उनके कोए भी ऊलाद कोनी थी, क्यूँके एलीशिबा बाँझ थी, अर वे दोनु ए बूढ़े थे। 8 एक दिन मन्दर म्ह जिब याजक के काम की बारी जकरयाह के टोळ की आई, तो वो परमेसवर के स्याम्ही पूजा करण खात्तर ओड़े मौजूद था, 9 तो याजकां की रीत के मुताबिक उसके नाम की चिट्ठी लिक्डी के प्रभु के मन्दर म्ह जाके धूप जळावे। 10 धूप जळाण के बखत माणसां की भीड़ बाहरणु आँगण म्ह प्रार्थना करै थी। 11 उस बखत प्रभु का एक सुर्गदूत धूप की वेदी के सोळी ओड़ खड्या दिख्या। 12 जकरयाह देखके घबरगया अर घणा डरगया। 13 पर सुर्गदूत उसतै बोल्या, “हे जकरयाह, डरे ना, क्यूँके परमेसवर नै तेरी प्रार्थना सुणली सै, अर तेरी घरआळी एलीशिबा तरे खात्तर एक बेटा जाम्मेगी, अर तू उसका नाम यूहन्ना धरिये। 14 वो तरे ताहीं तो आनन्द अर खुशी देवेगा, साथ म्ह भोत-से माणस भी उसके जन्म तै राज्जी होवेंगे। 15 क्यूँके वो प्रभु के स्याम्ही घणा महानु होगा, अर उस ताहीं कदे भी मदिरा, नशीली चीज न्ही पीणी सै, अर अपणी माँ की कोख तै ए पवित्र आत्मा तै भर ज्यागा। 16 अर इस्राएल के भोत-से माणसां के मन प्रभु परमेसवर की ओड़ मोड़ देवेगा। 17 यूहन्ना एलिव्याह नबी की आत्मा अर सामर्थ्य म्ह भरा होगा, अर वो परमेसवर के राह नै तैयार करेगा, वो माँ-बाप का मन बाळकां की ओड़ मोड़ देवेगा। हुकम ना मानण आळे अधर्मियाँ की सोच नै धर्मियाँ की सोच म्ह बदल देवेगा।” 18 जकरयाह नै सुर्गदूत तै बुझ्या, “इस बात का मे किस तरियां बिश्वास करूँ? के ये म्हारे गैल होवेगा, क्यूँके मे तो बूढ़ा सूँ, अर मेरी घरआळी भी बूढ़ी होरी सै।” 19 सुर्गदूत नै उसतै जवाब दिया, “मे जिब्राईल सूँ, जो परमेसवर के आगै खड्या रहूँ सूँ, अर मे तरे तै बात करण अर सुसमाचार देण खात्तर भेज्या सूँ। 20 अर देख जिब ताहीं ये बात पूरी ना हो लेंगी, तू गूँगा रहवेगा अर बोल न्ही पावेगा क्यूँके तन्नै मेरी बातां का बिश्वास न्ही करया, जो अपणे बखत पै पूरी होंगी।” 21 बाहर जकरयाह की बात देखखण आळे माणस अचम्भे म्ह पड़गे, के उसनै मन्दर म्ह इतनी वार क्यूँ लाग्गी। 22 जिब वो बाहर आया, तो उन ताहीं बोल न्ही पाया आखर वो जाणगे के उसनै मन्दर म्ह कोए दर्शन पाया सै, अर वो उन ताहीं इशारे करदा रह्या, अर गूँगा होगया। 23 जिब उसकी याजकीय सेवा कै दिन पूरे होए, तो वो यरुशलम नगर नै छोड़ अपणे घरां चल्या गया। 24 कई दिनां पाच्छै उसकी घरआळी एलीशिबा गर्भवती होगी, अर पाँच महिने तैई अपणे-आप ताहीं ल्हकोए राख्या, 25 उसनै अपणे-आप तै कह्या, प्रभु नै इन दिनां म्ह दया की मेहर करके मेरे खात्तर इसा करया सै, “के माणसां के बीच म्ह मेरा अपमान दूर हो।” 26 एलीशिबा के छठा महिन्ना चढ़ रह्या था, परमेसवर की ओड़ तै जिब्राईल सुर्गदूत, गलील परदेस के नासरत नगर म्ह, 27 एक कुँवारी के धोरे भेज्या जिसकी सगाई यूसुफ नाम के दाऊद कै घराने कै एक माणस तै होई थी, उस कुँवारी का नाम मरियम था। 28 जिब्राईल सुर्गदूत नै उसके धोरे आके कह्या, “आनन्द अर जयजयकार तेरी हो तरे पै ईश्वर का अनुग्रह होया सै! प्रभु तरे गेल्या सै।” 29 मरियम या बात सुणके भोत घबरा गयी, अर सोच म्ह पड़गी के इन बातां का के मतलब हो सके सै? 30 सुर्गदूत नै

उसतै कह्या, “हे मरियम, डरे ना, क्यूँके परमेसवर का अनुग्रह तरे पै होया सै। 31 अर देख, तू गर्भवती होगी, अर तरे एक छोरा पैदा होगा, तू उसका नाम यीशु धरिये। 32 वो महानु होगा अर परमप्रधान का बेटा कुहावेगा, अर प्रभु परमेसवर उसके पूर्वज दाऊद का सिंहासन उसनै देवेगा, 33 अर वो इस्राएल कै घराने पै सदा राज करेगा, अर उसके राज्य का अंत न्ही होगा।” (aiōn g165) 34 मरियम नै सुर्गदूत तै कह्या, “यो किस तरियां होगा। मै तो कुँवारी सूँ।” 35 सुर्गदूत नै उस ताहीं जवाब दिया, “पवित्र आत्मा तरे पै आवेगा अर परमप्रधान की सामर्थ्य तरे पै छाया करेगी, इस खात्तर वो जो बाळक पैदा होण आळा सै, पवित्र अर परमेसवर का बेटा कुहावेगा। 36 अर सुण, तेरी रिस्तेदार जो एलीशिबा सै उसके भी बुढ़ापे म्ह बेटा होण आळा सै, जो बाँझ कुहावे थी यो उसका, छठा महिन्ना सै। 37 क्यूँके परमेसवर खात्तर कुछ भी मुश्किल कोनी सै।” 38 मरियम नै कह्या, “देख, मै प्रभु की दास्सी सूँ, मेरै तै तरे कहैए वचन कै मुताबिक हो।” फेर सुर्गदूत उसके धोरे तै चल्या गया। 39 कई दिनां बाद मरियम ताळी तैयार होके पहाड़ी परदेस के यहूदा नगर म्ह गयी, 40 अर जकरयाह के घर म्ह जाके एलीशिबा ताहीं नमस्कार करया। 41 ज्योए एलीशिबा नै मरियम का नमस्कार सुणया, त्योए बाळक उसके पेट म्ह उछळया, अर एलीशिबा पवित्र आत्मा तै भरगी। 42 अर उसनै ऊँच्ची आवाज म्ह बोलके कह्या, “तू बिरबानियाँ म्ह धन्य सै, अर तेरी कोख का फळ धन्य सै! 43 मै खुशनसीब सूँ जो प्रभु की माँ मेरै धोरे मिलण खात्तर आई? 44 देख, ज्योए तरे नमस्कार का बोल मेरे कान्ना म्ह पड्या, त्योए बाळक मेरै पेट म्ह खुशी तै उछळ पड्या। 45 धन्य सै तू क्यूँके तन्नै बिश्वास करया कै जो बात प्रभु नै तरे ताहीं कही, वे पूरी होई!” 46 फेर मरियम नै कह्या, “मेरा जी प्रभु की बड़ाई करै सै 47 अर मेरी आत्मा मेरै उद्धार करण आळे परमेसवर तै खुश होई,” 48 “क्यूँके उसनै अपणी दास्सी की लाचारी पै निगाह करी सै, इस खात्तर देखको, इब तै सारे युग-युग के माणस मननै धन्य कहवेंगे,” 49 “क्यूँके उस शक्तिशाली नै मेरै खात्तर बड़े-बड़े काम करै सै। उसका नाम पवित्र सै,” 50 “अर उसकी दया उनपै, जो उसतै डरे सै, पीढ़ी तै पीढ़ी बणी रहवें सै।” 51 “उसनै अपणी शक्ति तै बड़े-बड़े काम करै सै, अर जो अपणे-आप म्ह घमण्ड करै थे, उन ताहीं तित्तर-बितर कर दिया।” 52 “उसनै शासकां ताहीं उनके सिंहासनां पै तै गिरा दिया, अर नम्र लोगां ताहीं ऊँच्चा उठा दिया।” 53 “उसनै भूख्या ताहीं बढ़िया चिजनां तै छिकाया सै, अर साहूकारां ताहीं खाल्ली हाथ भेज दिया।” 54 “उसनै अपणे सेवक इस्राएल ताहीं सम्भाल लिया, ताके अपणी उस दया नै उसद करै,” 55 “जो उसनै अब्राहम अर उसकी पीढ़ी पै सदा खात्तर दया करण का वादा करया सै।” (aiōn g165) 56 मरियम करीब तीन महिने उसके गेल्या रहके उल्टी अपणे घरां चली गयी। 57 फेर एलीशिबा कै दिन पूरे होए अर उसनै बेटा जाम्या। 58 उसके पड़ोसी अर रिस्तेदारां नै या सुणके के प्रभु नै उसपै बड़ी दया करी सै, उसके गेल्या खुशी मनाई, 59 आठवे दिन वे बाळक का खतना करण ताहीं आये, अर उसका नाम उसके पिता के नाम पै जकरयाह धरणा चाहवे थे। 60 इस पर उसकी माँ एलीशिबा नै जवाब दिया, “ना, इसका नाम यूहन्ना धरो।” 61 उननै उस ताहीं कह्या, “तरे रिस्तेदारा म्ह किसे का यो नाम न्ही सै!” 62 फेर उसके पिता तै इशारा करके पूछ्या कै तू उसका नाम कै धरणा चाहवे सै? 63 उसनै लिखण की पट्टी पै लिख दिया, “उसका नाम यूहन्ना सै,” अर सारा नै अचम्भा होया। 64 फेर उसकी आवाज बोहड़ आई, अर वो बोल्लण अर परमेसवर का धन्यवाद करण लाग्या। 65 उसके लोवै-धोरे कै सब रहण आळे डरगे, अर उन सारी बातां की चर्चा यहूदिया परदेस के सारे पहाड़ी देश म्ह फैलगी, 66 अर सब सुणण आळा नै अपणे-अपणे मन म्ह विचार करके कह्या, “यो बाळक किसा होगा?” क्यूँके प्रभु की शक्ति उसके साथ सै। 67 उसका पिता जकरयाह पवित्र आत्मा तै भरगया, अर भविष्यवाणी करण लाग्या: 68 “प्रभु इस्राएल का परमेसवर धन्य सै, क्यूँके उसनै अपणे माणसां पै निगाह करी अर उनका उद्धार करया सै, 69 अर अपणे दास दाऊद कै घराने म्ह म्हारे खात्तर एक शक्तिशाली उद्धारकर्ता ताहीं भेज्या सै, 70 (भोत पैहेले प्रभु

नै अपने पवित्र नबियाँ के जरिये यो कहा था) (aiōn g165) 71 के वो हमने दुश्मनों तै बचावेगा अर मेरे तै नफरत करण आळे की ताकत तै भी हमने बचावेगा। 72 उसने कहा, के वो म्हारे पूर्वजा पँ दया करेगा अर अपने पवित्र करार नै याद राखेगा, 73 अर वो करार जो उसने म्हारे पूर्वज अब्राहम तै करया था, 74 उसने वादा करया सै, के वो म्हारे दुश्मनों के हाथ तै हमने छुड़ावेगा, 75 ताके जिन्दगी भर उसके आगै पवित्रता अर धार्मिकता तै बिना डरँ उसकी सेवा कर सकां। 76 हे मेरे बेटे, तू परमप्रधान का नबी कुह्लावेगा, क्यूँके तू प्रभु का रास्ता तयार करण के खातर आगै-आगै चालेगा, 77 तू उसके माणसां नै उद्धार का ज्ञान देगा, जो पापां की माफी तै मिले सै। 78 यो म्हारे परमेसवर की उस बड़ी दया तै होगा। जिस तरियां सूरज चमके सै, उसी तरियां मसीहा भी सुर्ग तै म्हारे धारे आवेगा 79 ताके अन्धेरे अर मोत की छाया म्ह बैठण आळा नै रोशनी दे, वा रोशनी सही राह पै चाल्लण म्ह म्हारी मदद करेगी।” 80 अर बाळक यूहन्ना देह अर आत्मा म्ह मजबूत होन्दा गया, अर इस्राएल के माणसां पै जाहिर होण तै पैहले वो जंगल-बियाबान म्ह रह्या।

2 उन दिनां म्ह औगुस्तुस कैसर की कान्ही तै हुकम लिक्ड़या के, सारे रोमी साम्राज्य के माणसां की जनगणना करके उनके नाम लिक्खे जावै। 2 (या पैहली नाम लिखाई उस बखत होई, जिब क्विरिनियुस सीरिया परदेस के इलाके का राज्यपाल था)। 3 सारे माणस नाम लिखाण के खातर अपने-अपणे पुश्तैनी नगर म्ह गए। 4 आखर यूसुफ भी इस करके के वो भी दाऊद के कुम्बे अर पीढ़ी का था, गलील परदेस कै नासरत नगर तै गया, यहूदिया परदेस म्ह दाऊद के बैतलहम नगर म्ह आया, 5 ताके अपनी मंगेतर मरियम कै गेल्या जो गर्भवती थी, उस जनगणना म्ह नाम लिखवावै। 6 उनके बैतलहम नगर रहन्दे होए उसके जाम्मण के दिन पूरे होए, 7 अर मरियम नै अपना जेठ्ठा छोरा जाम्या अर उस ताहीं लत्ते म्ह लपेटके खोर म्ह धरया, क्यूँके उनके खातर सराये म्ह जगहां कोनी थी। 8 अर उस देश म्ह कई पाळी थे, जो रात नै मदानां म्ह रहके अपनी भेड़ों के टोळ की रुखाळ करे थे। 9 अर उससे रात नै प्रभु का एक सुर्गदूत उनके धारे आण खड्या होया, अर प्रभु का प्रताप उसके उप्पर चमक्या, अर वे घणे डरगे। 10 सुर्गदूत नै उनतै कहा, “मतना डरो, क्यूँके देखखों, मै थमनै घणी खुशी की खबर सुणाऊँ सँ, जो सारे माणसां खातर होगी, 11 आज दाऊद कै नगर बैतलहम म्ह थारे खातर एक उद्धारकर्ता जाम्या सै, अर योए मसीह प्रभु सै। 12 अर उसकी थारे खातर या निशान्नी होगी के थम एक बाळक नै लत्ते म्ह लिपट्या होइ अर खोर म्ह लेट्या होइ पाओगे।” 13 फेर चाणचक उस सुर्गदूत गेल्या सुर्गदूतां का एक टोळ परमेसवर की भगति करदे होए अर न्यू कहन्दे दिख्या, 14 “अकास म्ह परमेसवर की महिमा अर धरती पै उन माणसां म्ह जिनते वो राज्जी सै, शान्ति हो।” 15 जिब सुर्गदूत उसके धारे तै सुर्ग म्ह चले गए, तो पाळीयाँ नै आप्पस म्ह कहा, “आओ, हम बैतलहम नगर जाके या बात जो होई सै, अर जो प्रभु नै म्हारे ताहीं बताई सै, देखखी।” 16 अर उननै जिब्बे जाके मरियम अर यूसुफ ताहीं अर खोर म्ह उस बाळक ताहीं लेट्या देख्या। 17 जिब पाळीयाँ नै बाळक ताहीं देख्या तो उननै वे सारी बात जो सुर्गदूत नै इस बाळक के बाबत उनतै कही थी, यूसुफ अर मरियम ताहीं बताई। 18 अर पाळीयाँ की ये बात सुनके सारे सुणण आळा नै अचम्भा करया। 19 पर मरियम ये बात अपने मन म्ह धरके सोचदी रई। 20 अर जिसा पाळीयाँ ताहीं सुर्गदूतां नै कहा था, सब कुछ उसाए सुणके अर देखके, वे परमेसवर की महिमा अर जय-जयकार करदे होए बोहड़गे। 21 जिब आठ दिन पूरे होए अर उसके खतने का बखत आया, तो उसका नाम यीशु धरया गया, अर यो नाम सुर्गदूत के जरिये, मरियम के गर्भ म्ह आण तै पैहल्या बताया गया था। 22 जिब मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक मरियम अर यूसुफ के सूँच्चे होण के दिन पूरे होए, तो वे दोन्नु यीशु नै यरुशलेम नगर के मन्दर म्ह लेगे के प्रभु के स्याम्ही ल्याए, 23 (जिसा के प्रभु के नियम-कायदा म्ह लिख्या होइ सै: हरेक जेठ्ठा बेटा प्रभु के खातर

पवित्र ठहरेगा।) 24 अर प्रभु के नियम-कायदा के वचन के मुताबिक “एक कबूतर या मोड़ी के दो बच्चे ल्याके बलि करे।” 25 उस बखत यरुशलेम नगर म्ह शमीन नाम का एक माणस था। वो धर्मी अर परमेसवर का भगत था, अर वो मसीह की बात देखण लागरया था, ताके इस्राएल के माणसां नै शान्ति मिलै अर पवित्र आत्मा उसपै था। 26 अर पवित्र आत्मा के जरिये उसपै जाहिर होया था के जिब तक वो प्रभु के मसीह नै देख न्ही लेगा, जद ताहीं मौत नै कोनी देखखेगा। 27 शमीन आत्मा की अगुवाई तै मन्दर म्ह आया, अर जिब माँ-बाप उस बाळक यीशु ताहीं भीत्तर ल्याए, ताके उसके खातर नियम-कायदा के रिवाज के मुताबिक करे, 28 फेर उसने बाळक यीशु ताहीं अपनी गोदी म्ह लिया अर परमेसवर का धन्यवाद करके कहा 29 “हे प्रभु माल्लिक, इब तू अपने दास नै अपने वचन के मुताबिक शान्ति तै इब मर जाणदे, 30 क्यूँके मेरी आँखां नै उद्धारकर्ता ताहीं देख लिया सै, 31 जिस ताहीं तन्नै सारे देशां के माणसां के स्याम्ही भेज्या सै, 32 ताके वो गैर यहूदियाँ ताहीं चाँदणा देण के खातर उजाळा, अर तेरे अपने माणस इस्राएल की महिमा हो।” 33 यीशु के माँ-बाप इन बाततां तै, जो शमीन नै यीशु के बारे म्ह कही थी, सुणके अचम्भा करे थे। 34 फेर शमीन नै उन ताहीं आशीर्वाद देके, उसकी माँ मरियम तै कहा, “देख, यो बाळक इस्राएल म्ह भोत-से माणसां के पतन अर उत्थान का कारण बणैगा, अर या निशान्नी के रूप म्ह परमेसवर की ओड़ तै भेज्या होया सै, अर भोत सारे लोग उसके बिरुध बोल्लेंगे। 35 इसका नतिज्जा यो होगा के भोत सारे मनां के विचार जाहिर हो जावेंगे, अर एक भोत बड़ा दुख तेरे पै आवेगा।” 36 अशेर के गोत म्ह तै हन्नाह नामक फनूएल की बेट्री एक नबी थी। वा घणी बूढ़ी थी, अर ब्याह होण के सात साल पाछे उसका धणी गुजर गया। 37 वा चौरासी साल तै बिधवा थी: अर मन्दर म्ह जाणा कोनी छोड्या करे थी, पर ब्रत अर प्रार्थना कर-करके रात-दिन भगति करया करे थी। 38 जिब यूसुफ, मरियम अर बाळक यीशु, मन्दर म्ह थे, तो हन्नाह उनके धारे आई अर परमेसवर का धन्यवाद करण लागी, अर उसने उन सारया ताहीं इस बाळक यीशु के बारे म्ह बताया, जो यरुशलेम के छुटकारे की बात देखखे थे। 39 यहूदी नियम-कायदा नै पूरा करण के बाद यूसुफ अर मरियम गलील परदेस के नासरत नगर म्ह अपने घरां बोहड़ आये। 40 अर बाळक यीशु बढ़दा, अर मजबूत होन्दा, अर बुद्धि तै भरपूर होदा गया, अर परमेसवर का अनुग्रह उसपै था। 41 यीशु के माँ-बाप हरेक साल फसह के त्यौहार म्ह यरुशलेम जाया करे थे। 42 जिब यीशु बारहां साल का होया, तो वे त्यौहार की रीति के मुताबिक यरुशलेम नगर म्ह गए। 43 जिब यीशु के माँ-बाप त्यौहार मनाके अपने घरां बोहड़ण लागरे थे, तो बाळक यीशु यरुशलेम म्ह रहया, अर इसका उसके माँ-बाप नै कोनी बेरा था। 44 वे न्यू समझके के वो दुसरे मुसाफिरां कै गेल्या होगा, एक दिन का सफर पार करगे: अर उस ताहीं अपने कुम्बे आळा म्ह अर जाण-पिच्छाण आळा म्ह टोह लागे। 45 पर जिब कोनी मिल्या, टोन्दे-टोन्दे यरुशलेम म्ह दुबारे बोहड़गे, 46 अर तीन दिन के पाछे उननै वो मन्दर के आँगण म्ह उपदेशकां के बिचाळे बेट्रे, उनकी सुणदे अर उनतै सवाल बुझते पाया। 47 जितने उसकी सुणे थे, वे सारे उसकी समझ अर उसके जवाब तै हैरान थे। 48 फेर उसके माँ-बाप उस ताहीं देखके हैरान होए अर उसकी माँ नै उसतै कहा, “हे बेट्रे, तन्नै म्हारे गेल्या इसा बरताव क्यातै करया? देख, तेरा बाप अर मै तन्नै ढूँढ़-ढूँढ़के परेशान होरे थे?” 49 उसने उनतै कहा, “थम मन्नै क्यातै टोहो सों? के बेरा कोनी मन्नै मेरे पिता के घरां होणा जरूरी सै?” 50 पर जो बात उसने उनतै कही, उननै कोनी समझया। 51 फेर वो उनके गेल्या गया, अर नासरत म्ह आया, अर उनके बस म्ह रह्या, अर उसकी माँ नै ये सारी बात अपने मन म्ह राखी। 52 अर यीशु समझ अर कद-काट्टी म्ह, अर परमेसवर अर माणसां के अनुग्रह म्ह बढ़दा गया।

3 जिब रोम साम्राज्य म्ह तिबिरियुस कैसर राजा बण्या तो उसके पंद्रहवें साल म्ह जिब चौथाई देश म्ह पुन्तियुस पिलातुस यहूदिया परदेस का राज्यपाल था, अर हेरोदेस गलील परदेस म्ह इतूरैय अर त्रखोनितिस

परदेस म्ह उसका भाई फिलिप्पुस राज करै था, अर अबिलेने परदेस म्ह लिसानियास राज करै था 2 अर जिब हन्ना अर कैफा महायाजक थे, उस बखत परमेसवर का वचन जंगल-बियाबान म्ह जकरयाह के बेटे यूहन्ना के धोरे पोंहच्या। 3 यूहन्ना यरदन नदी कै लोवै-धोवै के साब्ले परदेस म्ह जाकै, पापां की माफी का प्रचार करण लागग्या, के पाप करणा छोड़ घो अर बपतिस्मा ल्यो। 4 जिसा यशायाह नबी के कहे होए वचनां की किताब म्ह लिख्या सै: “जंगल-बियाबान म्ह एक रुक्के मारणीये का वचन होरया सै के, प्रभु की राही त्यार करो, उसकी सड़क सीधी बणाओ। 5 हरेक घाटी भर दी जावैगी, अर हरेक पहाड़ अर टिल्ला तळै करया जावैगा, अर जो टेढ़ा सै सीधा, अर जो ऊँच्चा नीच्चा सै वो बरोब्बर राह बणैगा। 6 अर हरेक माणस परमेसवर के उद्धार नै देखखैगा।” 7 जो भीड़ की भीड़ उसतै बपतिस्मा लेण नै लिक्ड़ के आवै थी, उनतै यूहन्ना कहवै था, “हे साँप के सप्पोलों जिसे माणसों, थारे तै कौण बताग्या के परमेसवर के आण आळे छो तै भागो। 8 इस खात्तर जै थमनै सच म्ह पाप करणा छोड़ दिया सै तो यो दिखाण खात्तर भले काम तो करो, अर अपणे-अपणे मन म्ह न्यू मतना सोचो के हम अब्राहम के वंश तै सां, क्यूँके मै थमने क्यूँ सूँ के परमेसवर इन पत्थरां तै भी अब्राहम के खात्तर ऊलाद पैदा कर सकै सै। 9 इब कुहाड़ा दरखतां की जड़ पै धरया सै, इस करके जो-जो दरखत बढिया फळ नही ल्यांदा, वो काट्या अर आग म्ह झोक्या जावैगा।” इसका मतलब यो सै परमेसवर उन सारया नै दण्ड देवैगा जो पाप करणा नही छोड़ते। 10 फेर माणसां नै उसतै बुझया, “तो हम परमेसवर के दण्ड तै बचण खात्तर के करा?” 11 उसनै जवाब दिया, “जिसके धोरे दो कुड़ते हों, वो उसके गेल्या जिसके धोरे नही सै उसके गैल बांड ल्यो अर जिसके धोरे खाणा हो, वो भी न्यूए करै।” 12 चुंगी लेण आळे भी बपतिस्मा लेण आए, अर उसतै बुझया, “हे गुरु, हम के करा?” 13 उसनै उनतै कह्या, “ईमानदार रहों अर जितना रोमी सरकार नै कर तय करया सै, उसतै ज्यदा ना लियो।” 14 कुछ सिपाहियाँ नै भी उसतै बुझया, “हम के करा?” उसनै उनतै कह्या, “फिसे पै जुल्म करके पईसे ना लियो, अर ना झुट्टा इल्जाम लाड़्यो, अर अपणी तन्खा पै संतोष करियो।” 15 जिब माणस मसीहा की आस लगाये होए थे, अर सारे अपणे-अपणे मन म्ह यूहन्ना के बाबत विचार कररे थे, के योए मसीह तो नही सै। 16 तो यूहन्ना नै उन सारया तै कह्या, “मै तो थमनै पाणी तै बपतिस्मा दिवुँ सूँ, पर वो आण आळा सै, जो मेरै तै घणा शक्तिशाली सै, मै तो इस लायक भी कोनी के उसके जूत्याँ के फित्ते खोल सकूँ, वो थमने पवित्र आत्मा अर आग तै बपतिस्मा देवैगा। 17 उसका छाज, उसके हाथ म्ह सै, अर वो अपणा खलिहाण आच्छी तरियां साफ करैगा, अर नाज नै अपणे कोठार (गोदाम) म्ह कठ्ठा करैगा, पर भुरळी ताहीं उस आग म्ह जळावैगा जो कदे बुझै कोनी।” 18 आखर वो घणीए शिक्षा दे-देके माणसां तै सुसमाचार सुणान्दा रह्या। 19 पर जिब उसनै चौथाई देश म्ह गलील परदेस के राजा हेरोदेस तै उसके भाई फिलिप्पुस की घरआळी हेरोदियास के बाबत अर सारे बुरे कामां के बाबत जो उसनै करे थे, उल्हाण दिया, 20 तो हेरोदेस नै उन सारया तै बढ़के यो बुरा काम भी करया के यूहन्ना ताहीं जेळ म्ह गेर दिया। 21 जिब सारे माणसां नै बपतिस्मा लिया अर यीशु भी बपतिस्मा लेकै प्रार्थना कर रह्या था, तो अकास खुलग्या, 22 अर पवित्र आत्मा शारीरिक रूप म्ह कबूतर की तरियां उसपै उतरया, अर परमेसवर सुर्ग म्ह तै बोल्या “तू मेरा प्यारा बेटा सै, मै तेरतै राजी सूँ।” 23 जिब यीशु खुद उपदेश देण लागग्या, तो करीबन तीस साल की उम्र का था अर (जिसा समझा जावै सै) यीशु यूसुफ का बेटा था, अर यूसुफ एली का बेटा था, 24 अर एली मत्तात का बेटा था, अर मत्तात लेवी का बेटा था, अर लेवी मलकी का बेटा था, अर मलकी यन्ना का बेटा था, अर यन्ना यूसुफ का बेटा था, 25 अर यूसुफ मत्तियाह का बेटा था, अर मत्तियाह आमोस का बेटा था, अर आमोस नहूम का बेटा था, अर नहूम असल्याह का बेटा था, अर असल्याह नोगह का बेटा था, 26 अर नोगह मात का बेटा था, अर मात मत्तियाह का बेटा था, अर मत्तियाह शिमी का बेटा था, अर शिमी योसेख का बेटा था, अर योसेख

योदाह का बेटा था, 27 अर योदाह यूहन्ना का बेटा था, अर यूहन्ना रेसा का बेटा था, अर रेसा जरुब्बाबिल का बेटा था, अर जरुब्बाबिल शालतियेल का बेटा था, अर शालतियेल नेरी का बेटा था, 28 अर नेरी मलकी का बेटा था, अर मलकी अदी का बेटा था, अर अदी कोसाम का बेटा था, अर कोसाम इलमोदाम का बेटा था, अर इलमोदाम एर का बेटा था, 29 अर एर येशू का बेटा था, अर येशू इलाजार का बेटा था, अर इलाजार योरीम का बेटा था, अर योरीम मत्तात का बेटा था, अर मत्तात लेवी का बेटा था, 30 अर लेवी शमोन का बेटा था, अर शमोन यूहूदा का बेटा था, अर यूहूदा यूसुफ का बेटा था, अर यूसुफ योनान का बेटा था, अर योनान इलयाकीम का बेटा था, 31 अर इलयाकीम मलेआह का बेटा था, अर मलेआह मिन्नाह का बेटा था, अर मिन्नाह मत्ताता का बेटा था, अर मत्ताता नातान का बेटा था, अर नातान दाऊद का बेटा था, 32 अर दाऊद यिशै का बेटा था, अर यिशै ओबेद का बेटा था, अर ओबेद बोआज का बेटा था, अर बोआज सलमोन का बेटा था, अर सलमोन नहशोन का बेटा था, 33 अर नहशोन अम्मीनादाब का बेटा था, अर अम्मीनादाब अरनी का बेटा था, अर अरनी हिस्रोन का बेटा था, अर हिस्रोन फिरिस का बेटा था, अर फिरिस यूहूदा का बेटा था, 34 अर यूहूदा याकूब का बेटा था, अर याकूब इसहाक का बेटा था, अर इसहाक अब्राहम का बेटा था, अर अब्राहम तिरह का बेटा था, अर तिरह नाहोर का बेटा था, 35 अर नाहोर सरूग का बेटा था, अर सरूग रऊ का बेटा था, अर रऊ फिलिग का बेटा था, अर फिलिग एबिर का बेटा था, अर एबिर शिलह का बेटा था, 36 अर शिलह केनान का बेटा था, अर केनान अरफक्षद का बेटा था, अर अरफक्षद शेम का बेटा था, अर शेम नूह का बेटा था, अर नूह लिमिक का बेटा था, 37 अर लिमिक मथूशिलह का बेटा था, अर मथूशिलह हनोक का बेटा था, अर हनोक यिरिद का बेटा था, अर यिरिद महललेल का बेटा था, अर महललेल केनान का बेटा था, 38 अर केनान एनोश का बेटा था, अर एनोश शेत का बेटा था, अर शेत आदम का बेटा था, अर आदम परमेसवर का बेटा था।

4 फेर यीशु पवित्र आत्मा तै भरया होया, यरदन नदी तै बोहड़या, अर चाळीस दिन ताहीं पवित्र आत्मा कै सिखाण तै जंगल-बियाबान म्ह हाण्डदा रहया, 2 उन चाळीस दिनां म्ह शैतान उस ताहीं परखता रहया। उन दिनां म्ह उसनै कुछ नही खाया, अर जिब वे दिन पूरे होए, तो उसनै भूख लागगी। 3 फेर शैतान नै उसतै कह्या, “जै तू परमेसवर का बेटा सै, तो साबित करदे, अर इस पत्थर तै कह, के रोटी बण जावै, ताके तू इनै खा सकै।” 4 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: ‘माणस सिर्फ रोटी तै जिन्दा कोनी रहन्दा।’” 5 फेर शैतान उसनै घणे ऊँच्चे पहाड़ पै लेग्या अर उस ताहीं माड़ी वार म्ह दुनिया के राज्य दिखाए, 6 अर उसतै बोल्या, “मै यो सारा हक, अर उसकी शानों-शोकत तन्नै दिवुँगा, क्यूँके वो मेरैतै सौँप्या गया सै: अर जिसनै चाहूँ उसनै दे दिवुँ सूँ। 7 इस करके जै तू मेरी भगति करै, तो यो सब कुछ तेरा हो ज्यगा।” 8 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “लिख्या सै: ‘तू प्रभु अपणे परमेसवर की भगति कर, अर सिर्फ उससे की भगति कर।’” 9 फेर उसने उस ताहीं पवित्र नगर यरुशलेम म्ह ले जाके मन्दर की चोटी पै खड्या करया अर उसतै बोल्या, “जै तू परमेसवर का बेटा सै, तो अपणे-आपनै उरै तै तळै गेर दे अर अपणे-आपनै साबित करदे।” 10 “क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: ‘वो तेरे बाबत अपणे सुरादतां नै हुकम देवैगा, के वे तेरी रुखाळी करै,’” 11 “अर वे तन्नै हाथों-हाथ उठा लेवैगें, इसा ना हो के तेरे पायां म्ह पत्थर तै ठेस लागैगें।” 12 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “पवित्र ग्रन्थ म्ह यो भी लिख्या सै: ‘तू प्रभु अपणे परमेसवर नै ना परखै।’” 13 जिब शैतान उस ताहीं परख के हार लिया, तो कुछ बखत खात्तर उसके धोरे तै चल्या गया। 14 फेर यीशु पवित्र आत्मा की सामर्थ तै भरया होइ गलील परदेस बोहड़या, अर उसकी चर्चा लोवै-धोवै के सारे देशां म्ह फैलगी। 15 वो उनके आराधनालयों म्ह उपदेश सुणान्दा रह्या, अर सारे उसकी बड़ाई करै थे। 16 फेर यीशु नासरत नगर म्ह आया, जइ पाळा-पोरया गया था, अर अपणी रीति कै मुताबिक आराम कै

दिन आराधनालय मह जाके पवित्रग्रन्थ पढ़ण के खातर खड्या होया। 17 यशायाह नबी की किताब उस ताहीं दी गई, अर उसनै किताब खोल के, वा जगहां लिकाड़ी जड़े लिख्या था: 18 “प्रभु का आत्मा मेरे पै से, इस करके के उसनै कंगालां ताहीं सुसमाचार सुणण के खातर मेरा अभिषेक करया सै, अर मेरे ताहीं इस करके भेज्या सै के कैदियाँ नै छुड़ाण का अर आंध्याँ नै देखण जोग्गा बणाण की खुशी की खबर का प्रचार करूँ अर कुचले होया नै छुड़ाऊँ, 19 अर प्रभु के राज्जी रहण के साल का प्रचार करूँ।” 20 फेर यीशु नै किताब बन्द करके सेवक के हाथ्यां मह दे दी अर बैठग्या, अर आराधनालय के सारे माणसां की निगाहं उसपै थी। 21 फेर वो उनतै कहण लागग्या, “आज ए यो पवित्र ग्रन्थ मह लिख्या होइ वचन थारे स्यामही पूरा होया।” 22 सारया नै उस ताहीं सराहया, अर जो अनुग्रह की बात उसके मुँह तै लिक्डै थी, उनतै हैरान होए, अर कहण लाग्गे, “के यो यूसुफ का छोरा कोनी?” 23 उसनै उनतै कहा, “थम मेरे पै या कहावत जरूर कहोगे के ‘हे वैद्य, खुद नै ठीक कर! जो कुछ हमनै सुण्या के कफरनहूम नगर मह करया गया सै, उसनै उरै खुद के नगर मह भी कर।” 24 अर उसनै कहा, “मै थमनै सच-सच करूँ सूं कोए नबी अपणे गाम मह आदर-मान कोनी पान्दा। 25 मेरी बुरिस के एलिथ्याह नबी के दिनां मह जब साढ़े तीन साल ताहीं अकास तै बारिस न्ही होई, उरै ताहीं के सारे देश मह बड़्ड़ा अकाळ पड्या, तो इस्राएल देश मह घणीए बिधवा थी। 26 पर एलिथ्याह उन मह तै किसै के धोरे कोनी भेज्या गया, सिर्फ सैदा परदेस के सारफत नगर मह एक बिधवा के धोरे। 27 अर एलीशा नबी के बखत इस्राएल देश मह घणे कोढ़ी थे, पर सीरिया परदेस का सेनापति नामान नामक कोढ़ी नै छोड़के उन मह तै कोए शुद्ध कोनी करया गया।” 28 ये बात सुणद-ए जितने आराधनालय मह थे, सारया के छो उठग्या, 29 अर उठके उस ताहीं नगर तै बाहरणै लिकाड़या, अर जिस पहाड़ पै उनका नगर बसरया था, उसकी चोटी पै ले चाल्ले, ताके उसने उड़ै तै तळै गेरके मार दें। 30 पर यीशु उनकै बिचाळै तै लिक्डके चल्या गया। 31 फेर वो गलील परदेस के कफरनहूम नगर मह गया, अर आराम के दिन माणसां ताहीं उपदेश देवै था। 32 वे उसके उपदेश तै हैरान होगे क्यूँके उसका वचन हक सुधां था। 33 आराधनालय मह एक माणस था, जिस मह ओपरी आत्मा थी, उसनै जोर तै किल्की मारी, 34 “हे नासरत के यीशु, हमनै तेरे तै के काम? के तू म्हारा नाश करण नै आया सै? मै तन्ने जाणुं सूं, तू कोण सै? तू परमेसवर की ओड़ तै भेज्या होया पवित्र मसीह सै!” 35 यीशु नै उसतै धमकाके कहा, “चुपचाप रहै, अर इस माणस मह तै लिक्ड जा!” फेर ओपरी आत्मा उसनै बिचाळै पटकके बिना नुकसान करे उस मह तै लिक्डगी 36 इसपै सारे हैरान होए, अर वे आप्पस मह बतळाण लाग्गे, “यो किसा वचन सै? क्यूँके वो हक अर सामर्थ के गेल्या ओपरी आत्मायाँ नै हुकम देवै सै, अर वे लिक्ड जावै सै।” 37 इस करके चौगरदे नै हरेक जगहां उसका जिक्र होण लाग्या। 38 यीशु आराधनालय मह तै उठके शमौन के घरां गया। शमौन की सास्सू के बुखार चढ़रया था, अर उननै उस खातर उसतै बिनती करी। 39 उसनै उसके धोरे खड्या होके बुखार ताहीं धमकाया अर बुखार उतर गया, अर वो जिब्बे उठके उनकी सेवा-पाणी करण लाग्गी। 40 सूरज डूबदे बखत, जिन-जिनके उरै माणस कई ढाळ की बिमारियाँ मह पड़े होए थे, वे सारे उननै उसके धोरे ल्याए, अर उसनै एक-एक पै हाथ थरके उन ताहीं ठीक करया। 41 अर ओपरी आत्मा भी किल्की मारदी अर न्यू कहन्दी होई के, “तू परमेसवर का बेड़ा सै” घणखरया मह तै लिक्डगी। पर वो उननै धमकांदा अर बोल्ल्या न्ही देवे था, क्यूँकि वे जाणै थी के यीशु ए परमेसवर की ओड़ तै भेज्या होया मसीह सै। 42 जब सबेरे होई तो यीशु लिक्डके एक बियाबान जगहां मह गया, अर भीड़ की भीड़ उसनै टोहन्दी होई उसके धोरे आई, अर उसनै रोकण लाग्गी के वो उनकै धोरे तै न्ही जावै। 43 पर उसनै उनतै कहा, “मन्नै दुसरे नगरां मह भी परमेसवर के राज्य का सुसमाचार सुणाणा जरूरी सै, क्यूँके मै इसे खातर भेज्या गया सूं।” 44 अर वो गलील परदेस के आराधनालयाँ मह उपदेश सुणांदा रहा।

5 जब यीशु गन्नेसरत की झील के किनारे पै खड्या था, तो भीड़ परमेसवर का वचन सुणण के खातर उस ताहीं धरे खड़ी थी, तो इसा होया 2 के उसनै झील के किनारे दो किस्ती लाग्गी होइ देख्खी, अर मछुआरे उनपै तै उतरके मच्छियाँ के जाळ नै धोवै थे। 3 उन किस्तियाँ मह तै एक पै, जो शमौन की थी, चढ़के यीशु नै उसतै बिनती करी के किनारे तै माड़ा सा डिगा ले चाल्लै। फेर वो किस्ती पै बैठके माणसां नै उपदेश देण लागग्या। 4 जब यीशु नै माणसां तै ये बात कर ली, तो शमौन तै बोल्या, “डुंघे मह ले चाल, अर मच्छी पकड़ण खातर अपणा जाळ गेर।” 5 शमौन नै उसतै जवाब दिया, “हे गुरु, हमनै सारी रात मेहनत करी अर कुछ न्ही मिल्या, फेरभी तेरे कहण तै जाळ गेरूंगा।” 6 जब पतरस अर उसके साथियाँ नै इसा करया, तो घणी मच्छी घेर ल्याए, अर उनके जाळ पाटण नै होण लाग्गे। 7 इस करके उननै दुसरी किस्ती मह बेट्ठे अपणे साथियाँ ताहीं भी इशारा करके मदद खातर बुलाया, वे आ गये अर उननै आके दोन्नु किस्ती उरै ताहीं भर ली के डूबण लाग्गी। 8 न्यू देखके शमौन पतरस यीशु के पायां मह पड़ग्या, अर बोल्या, “हे प्रभु, मेरे धोरे तै जा, क्यूँके मै पापी माणस सूं।” 9 क्यूँके इतनी मच्छियाँ के पकड़े जाण तै उसनै अर उसके साथियाँ नै घणा अचम्भा होया, 10 अर उससे तरियां जब्दी के बेट्ठे याकूब अर यूहन्ना नै भी, जो शमौन के दुसरे साथी थे, अचम्भा होया। फेर यीशु नै शमौन तै कहा, “मतना डरो, इब तै मै थमनै माणसां ताहीं कट्ठे करण आळे बणाऊंगा ताके वो मेरे चेल्लें बणे।” 11 अर वे किस्तियाँ नै किनारे पै ल्याए अर वे जिब्बे सब कुछ छोड़के उसके चेल्लें बणण खातर उसके पाछे हो लिये। 12 जब वो किसे नगर मह था, तो उड़ै कोढ़ तै भरया होया एक माणस आया, अर उसनै यीशु ताहीं देखके अर मोथ्था पड़के बिनती करी, “हे प्रभु, जै तू चाहवै तो मन्नै ठीक कर सके सै।” 13 उसनै हाथ बढ़ाके उस ताहीं छुया अर बोल्या, “मै चाहूँ सूं, तू इस बीमारी तै ठीक हो ज्या।” अर उसका कोढ़ जिब्बे जान्दा रह्या। 14 फेर उसनै उस ताहीं समझाके कहा, “किसे तै ना कहिए, पर जाके अपणे-आपने याजक ताहीं दिखा, अर अपणे कोढ़ तै ठीक होण के बारे मह जो कुछ मूसा नबी नै जो पवित्र ग्रन्थ मह चढ़ावा बताया सै उसनै चढ़ा, के माणसां खातर या गवाही हो, के तू ठीक होग्या सै।” 15 पर यीशु का जिक्र हरेक जगहां फैल्दा गया, अर भीड़ की भीड़ उसकी सुणण के खातर अर अपणी बिमारियाँ तै ठीक होण के खातर कट्ठी होई। 16 पर वो सुनसान जगहां मह न्यारा जाके प्रार्थना करया करै था। 17 एक दिन इसा होया के यीशु उपदेश देण लागग्या था अर ठीक करण खातर प्रभु की सामर्थ उसके गेल्या थी, अर फरीसी अर शास्त्री उड़ैए बेट्ठे थे, जो गलील अर यहूदिया परदेस के हरेक गाम अर यरुशलेम नगर तै आए थे। 18 उस बखत कई माणस एक माणस नै जो लकवे का बीमार था, खाट पै ल्याए, अर वे उसनै भीत्तर ले जाण अर यीशु के स्यामही धरण का जुगाड़ टोह लागरे थे। 19 पर जब भीड़ के कारण उसनै भीत्तर कोनी ले जा सके तो उननै छात पै चढ़के अर टाट्टी हटाके, उस ताहीं बिस्तर समेत बिचाळै यीशु के स्यामही उतार दिया। 20 उसने उनका बिश्वास देखके उसतै बोल्या, “हे भाई, मन्नै तेरे पाप माफ कर दियो।” 21 फेर शास्त्री अर फरीसी बहस करण लाग्गे, “यो कौण सै जो परमेसवर की बुराई करे सै? परमेसवर नै छोड़ और कौण पाप माफ कर सके सै?” 22 यीशु नै उनके मन की बात जाणके, उनतै कहा, “थम अपणे मन मह क्यूँ विवाद करण लागरे सो की मै परमेसवर की बुराई करूँ सै? 23 आसान के सै? के यो कहणा के ‘तेरे पाप माफ होए’, या यो कहणा के ‘उठ अर हॉड-फिर’? 24 पर इस करके के थम जाणो, के मुझ माणस के बेट्ठे नै धरती पै पाप माफ करण का भी हक सै।” उसनै उस लकवे के मरीज तै कहा, “मै तेरे तै कहूँ सै के अपणे बिस्तर ठाके अपणे घरां चल्या जा।” 25 वो जिब्बे उनकै स्यामही उठ्या, अर जिस खाट पै पड्या था उसनै ठाके, परमेसवर की बड़ाई करदा होया अपणे घरां चल्या गया। 26 फेर सारे हैरान होए अर परमेसवर की बड़ाई करण लाग्गे अर घणे डरके बोल्ले, “आज हमनै अनोक्खी बात देख्खी सै।” 27 इसके बाद यीशु बाहरणै गया अर लेवी नाम के एक चुंगी लेण आळे ताहीं चौकी पै बेट्ठे देख्या, अर

उसते बोलया, “मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरे पाच्छे हो ले।” 28 फेर वो सारा कुछ छोड़के उसके पाच्छे हो लिया। 29 फेर लेवी ने अपने घरां उसके खात्तर बड़ड़ा जिम्मण का न्यौदा दिया, अर चुंगी लेण आळे अर दुसरे माणसां की जो उसके गेल्या खाणा खाण नै बेट्टे थे, एक बड़ी भीड़ थी। 30 इसपै फरीसी अर उनके शास्त्री उसके चेल्लां तै न्यू कहके बिरड़ाण लाग्गे, “थम चुंगी लेण आळे अर जिननै लोग पापी कहवै सै, उनके गेल्या खाओ-पीओ सो?” 31 यीशु नै उनतै जवाब दिया, “वेद आच्छे-बिच्छयां खात्तर कोनी, पर बिमारां खात्तर जरूरी सै। 32 मै धर्मियां नै न्ही, पर पापियां नै मन पलटन के खात्तर बुलाण आया सूं।” 33 उननै उसतै कह्या, “यूहन्ना के चेल्लें तो बराबर ब्रत अर प्रार्थना करया करे सै अर उरस्से तरियां फरीसियां के चेल्लें भी, पर तेरे चेल्लें तो खावै-पीवै सै।” 34 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम बरातियाँ तै, जिब्बताहीं बन्दड़ा उनकै गेल्या रहवें, ब्रत करा सको सो?” 35 “पर वे दिन भी आवेंगें, जिब बन्दड़ा न्यारा करया जावैगा, फेर वे उन दिनां म्ह ब्रत करैगें।” 36 यीशु नै एक और उदाहरण दिया, “कोए माणस नये लत्यां म्ह तै पाड़के पुराणे लत्यां पै थैळी न्ही लगान्दा, न्ही तो नया पाट ज्यागा अर वा थैळी पुराणे पै मेळ भी न्ही खावैगी। 37 अर कोए नया अंगूर का रस पुराणी मशका म्ह न्ही भरदा, न्ही तो नया अंगूर का रस पुराणी मशकां नै पाड़के बह ज्यका, अर मशक फूट ज्या सै। 38 पर नया अंगूर का रस नई मशकां म्ह भरणा चाहिए। 39 कोए माणस पुराणा अंगूर का रस पीके नया अंगूर का रस कोनी चाहन्दा क्यूँके वो कहवै सै, के पुराणा-ए बढ़िया सै।”

6 फेर आराम के दिन यीशु चेल्लां के गैल खेतं म्ह तै होके जाण लागरया था, अर उसके चेल्लें गेहूँ की बालें तोड़-तोड़के अर हाथ्यां तै मसळ-मसळ के खाण लागरे सो। 2 फेर फरीसियाँ म्ह तै कुछ कहण लाग्गे, “थम यो काम क्यातै करो सो जो आराम के दिन करणा ठीक कोनी?” 3 यीशु नै उनतै जवाब दिया, “के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही पढ़्या के दाऊद नै, जिब वो अर उसके साथी भूखे थे तो के करया? 4 वो किस तरियां परमेसवर के घर म्ह गया, अर भेंट की रोटी खाई, जिनका खाणा याजकां नै छोड़ और किसे खात्तर ठीक कोनी, अर अपने साथियाँ ताहीं भी दी?” 5 अर उसनै उनतै कह्या, “मै माणस का बेट्टा आराम के दिन का भी प्रभु सूं।” 6 इसा होया के किसे और आराम के दिन वो आराधनालय म्ह जाके उपदेश देण लाग्या, अर उड़ै एक माणस था जिसका सोळा हाथ सूखरया था। 7 शास्त्री अर फरीसी यीशु पै दोष लाग के मौक्के की टाह म्ह थे के देखे वो आराम के दिन ठीक करे सै के न्ही। 8 पर वो उनकी सोच जाण था, इस करके उसनै सूखे हाथ आळे माणस कह्या, “उठ, बिचाळे खड्या होज्या।” वो उठ खड्या होया। 9 यीशु नै उनतै कह्या, “मै थारे तै बुद्धू सूं के मूसा के नियम-कायदा के मुताबिक आराम के दिन के ठीक सै, भला करणा या बुरा करणा, जान बचाणा या नाश करणा?” 10 फेर उसनै चोगरदेनै उन सारया कान्ही देखके उस सूखे हाथ आळे माणस तै बोल्या, “अपणा हाथ बढ़ा।” उसनै न्यूप करया, अर उसका हाथ दुबारा ठीक होया। 11 पर वे फरीसी अर शास्त्री आप्पे तै बाहर होके आप्पस म्ह बहस करण लाग्गे के हम यीशु के गैल के करा? 12 उन दिनां म्ह यीशु पहाड़ पै प्रार्थना करण लाग्या, अर परमेसवर तै प्रार्थना करण म्ह सारी रात बिताई। 13 जिब दिन लिकड़या तो उसनै अपने चेल्लां ताहीं बुलाके उन म्ह तै बारहां छॉट लिए, अर उन ताहीं प्रेरित कह्या, 14 अर वे ये सै: शमौन जिसका नाम उसनै पतरस भी थरया, अर उसका भाई अन्द्रियास, अर याकूब, अर यूहन्ना, अर फिलिप्पुस, अर बरतुलमै, 15 अर मत्ती, अर थोमा, अर हलफई का बेट्टा याकूब, अर शमौन जो जेलोतेस कहुवावै सै, 16 अर याकूब का बेट्टा यहूदा, अर यहूदा इस्करियोती जो उसका पकड़वाण आळा बणया। 17 फेर यीशु उनकै गेल्या उतरके चौरस जगहां म्ह खड्या होया, अर उसके चेल्लां की बड़ी भीड़, अर सारे यहूदिया परदेस अर यरुशलेम नगर, सूर अर सैदा नगर के समुन्दर के किनारे तै घणे माणस, 18 जो उसकी सुणण अर अपनी बिमारियां तै चंगे होण खात्तर उसके धौरे आए थे, उड़ै थे, अर आपोरी आत्मा तै सताए होए भी

ठीक करे जावै थे। 19 सारे उसनै घूणा चाहवै थे, क्यूँके उस म्ह तै सामर्थ लिकड़के सारया नै ठीक करै थी। 20 फेर यीशु नै अपने चेल्लां कान्ही देखके कह्या, “धन्य सो थम जो दीन सो, क्यूँके परमेसवर का राज्य थारा सै।” 21 धन्य सो थम जो इब भूखे सो, क्यूँके थम परमेसवर के जरिये छिकाए जाओगे। धन्य सो थम जो इब रोओ सो, क्यूँके हांसोगे। 22 धन्य सो थम जिब मुझ माणस कै बेट्टे के बाबत माणस थारे तै बैर करैगें, अर थमनै लिकाड़ देवेंगें, अर थारी बुराई करैगें, अर थारा नाम बुरा जाणके काट देवेंगें। 23 उस दिन आनन्द तै उछळियो, क्यूँके लखाओ, थारे खात्तर सुगं म्ह बड़ड़ा इनाम सै, उनके पूर्वजां नै भी नबियाँ के गेल्या भी इसाए करया करै थे। 24 पर धिक्कार सै थारे पै! जो साहकार सो, क्यूँके थमनै अपने सारे सुख भोग चुके सों। 25 धिक्कार सै थारे पै! जो छिकरे सो, क्यूँके भूखे होओगे। धिक्कार सै थारे पै! जो इब हाँसो सो, क्यूँके थम बिलख-बिलख के रोओगे। 26 “धिक्कार सै थारे पै! जिब सारे माणस थारे ताहीं आच्छा कहवै, क्यूँके थारे पूर्वज भी झूठे नबियाँ के गेल्या भी इसाए करै थे।” 27 “पर मै थम सुणण आळा तै कहूँ सूं, के अपने बैरियाँ तै प्यार राखो, जो थारे तै बैर करै, उनका भला करो। 28 जो थमनै श्राप देवै, उनै आशीष दो, जो थारी बेजती करै, उनके खात्तर प्रार्थना करो। 29 जो तैरे एक गाल पै थपड़ मारे उसकी ओड़ दुसरा भी फेर दे, अर जो तेरी धोती खोस ले, उसनै कुड़ता लेण तै भी मना मत करो। 30 जो कोए तेरे तै माँगै, उसनै दे, अर जो तेरी चीज खोस ले, उसतै माँगै ना। 31 जिसा थम चाहो सो के माणस थारे गेल्या करै, थम भी उनकै गेल्या उसाए करो।” 32 “जै थम अपने प्यार करण आळा तै ए प्यार करो, तो उसका के फायदा? क्यूँके पापी भी अपने प्यार करण आळा के गेल्या प्यार करै सै। 33 जै थम अपने भलाई करण आळा ए गेल्या भलाई करो सों, तो थारी के बड़ाई? क्यूँके पापी भी इसाए करै सै। 34 जै थम उननै ए उधार द्यो सो जिनतै थमनै दुबारे मिल जाण की आस हो सै, तो कौण सी बड़ी बात सै? क्यूँके पापी, पापियाँ नै उधार देवै सै, के उतनाए दुबारे पावै। 35 बल्के अपने बैरी तै प्यार करो, अर भलाई करो, अर दुबारे मिलण की उम्मीद राखके उधार ना द्यो, तो थारे खात्तर बड़ड़ा इनाम होवैगा, अर थम परमप्रधान की ऊलाद मान्ने जाओगे, क्यूँके परमेसवर का धन्यवाद ना करण आळा अर बुरे माणस पै भी दया करै सै। 36 जिसा थारा पिता दयालु सै, उरस्से ए ढाळ थम भी दयालु बणो।” 37 “दोष ना लमओ, तो थारे पै भी दोष न्ही लगाया जावैगा। कसूरवार ना ठहराओ, तो थमनै भी कोए कसूरवार कोनी ठहरावैगा। माफ कर द्यो, तो थम भी माफ करे जाओगे। 38 दिया करो तो थारे ताहीं भी दिया जावैगा। माणस पूरा नाप दबा दबाके अर हला-हलाके अर उभरदा होया थारी गोदी म्ह घाल्लेंगें, क्यूँके जिस नाप तै थम नाप्यो सों, उरस्से नाप तै थारे खात्तर भी नाप्या जावैगा।” 39 फेर उसनै उनतै एक उदाहरण कह्या, “के आन्धा, आन्धे नै राह बता सके सै? के दोन्नु खड्डे म्ह कोनी गिरेंगें?” 40 चेल्ला अपने गुरु तै बड़ड़ा न्ही, पर जो कोए आच्छा सीखा होगा, वो अपने गुरु के ढाळ होगा। 41 “तू क्यूँ अपने भाई की आँख के तिन्के जिसी छोटी सी बुराई नै देखे सै, अर अपनी आँख म्ह लठ जिसी बड़ी बुराई तन्ने कोनी दिखदी?” 42 जिब तू अपनी ए आँख का लठ कोनी देख्दा, तो अपने भाई तै किस तरियां कह सके सै, “हे भाई, आ मै तेरी आँख म्ह तै तिन्का लिकाड़ द्यु?” हे कपटी, पैहल्या अपनी जीवन की बुराई दूर कर फेर तू अपने भाई नै आच्छी दाऊं बुराई तै बचा सकेगा। 43 “कोए आच्छा दरखत कोनी जो बेकार फळ ल्यावै, अर ना तो कोए बेकार दरखत सै जो आच्छा फळ ल्यावै। 44 हरेक दरखत अपने फळ तै पिच्छाणा जावै सै, क्यूँके माणस झाड़ियाँ तै अंजीर कोनी तोड़दे अर ना बड़बेरी तै अंगूर। 45 भला माणस अपने मन के भले भण्डार तै भली बात लिकाड़ै सै, अर बुरा माणस अपने मन के बुरे भण्डार तै बुराई की बात लिकाड़ै सै, क्यूँके जो मन म्ह भरया सै वोए उसकी जुबान पै आवै सै।” 46 “जिब थम मेरा कहणा न्ही मान्दे तो क्यातै मान्ने ‘हे प्रभु, हे प्रभु’ कहो सो? 47 जो कोए मेरे धौरे आवै सै अर मेरी बातानं नै सुणके उननै मान्ने सै, मै थमनै बताऊँ के वो किसकी तरियां सै: 48 वो उस माणस की ढाळ

सै, जिसने घर बनाएँ बखत धरती डून्ही खोदके चट्टान पर नीम बनाई, अर जिब बाढ़ आई तो थारा उस घर पै लागी पर उसने हला न्ही सकी, क्यूँके वो पक्का बनारया था। 49 पर जो सुणके कोनी मान्दा वो उस माणस की ढाळ सै, जिसने माट्टी पै बिना नीम घर बनाया, जिब उसपै धारा लागी तो वो जिब्बे पड़ग्या अर पड़के उसका सत्यानाश होग्या।”

7 जिब उसने माणसां तै ये सारी बात कह दी, तो कफरनहूम नगर म्ह आया। 2 उडै किसे सूबेदार का एक नौक्कर जो उसका प्यारा था, बीमारी तै मरण पै था। 3 उसने यीशु का जिक्क सुणके यहूदिया परदेस के कई यहूदी अगुवां ताहीं उसतै या बिनती करण नै उसके धोरै भेज्या के आके मेरे नौक्कर नै ठीक करे। 4 वे यीशु के धोरै आए, अर उसतै घणी बिनती करके कहण लागे, “वो इस जीणगा सै के तू उसके खात्तर न्यू करे, 5 क्यूँके वो म्हारी जात तै प्यार राख्खे सै, अर उससे नै म्हारे आराधनालय ताहीं बनवाया सै।” 6 यीशु उनके गेल्या गया, पर जिब वो घर तै माड़ी-सी दूर था, तो सूबेदार नै उसके धोरै कई साथियाँ तै न्यू कहवां भेज्या, “हे प्रभु, काल ना होवै, क्यूँके मै इस लायक कोनी के तू मेरी छात के तळे आवै। 7 इसे करके मन्ने खुद ताहीं इस लायक भी कोनी समझा के तेरे धोरै आऊँ, पर सिर्फ मुँह तै कह दे तो मेरा नौक्कर ठीक हो ज्यगा। 8 क्यूँके मै जाणुं सूँ, के मै भी किसी के आदेशां का पालन करूँ सूँ, अर सिपाही मेरे आदेशां का पालन करे सै। जिब मै एक तै कहूँ सूँ, जा, तो वो जावे सै, अर दुसरे तै, आ, तो वो आवे सै, अर अपने नौक्कर तै कहूँ सूँ, यो कर, तो वो करे सै।” 9 यो सुणके यीशु के अचम्भा होया अर उसने मुँह फेरके उस भीड़ तै जो उसके गेल्या आवै थी, कहा, “मै थमने कहूँ सूँ के मन्ने इसाएल म्ह भी इसा विश्वास न्ही देखा।” 10 फेर भेज्जे होए वे माणस जिब घरां बोहडे तो उनने उस नौक्कर ताहीं निरोगी पाया। 11 थोडे दिनां पाच्छे यीशु नाईन नाम के एक नगर म्ह गया, अर उसके चेल्ले अर बड्डी भीड़ उसके गेल्या जाण लागरी थी। 12 जिब वो नगर के फाटक के धोरै पोंहच्या, तो लख्याओ, माणस एक मुदे नै बाहरणे लेके जावे थे, जो अपणी माँ का एकला बेटा था, अर वा बिधवा थी, अर नगर के घणखरे माणस उसके गेल्या थे। 13 बिधवा ताहीं देखके प्रभु नै उसपै तरस आया, अर उसतै कहा, “मतना रोवै।” 14 फेर यीशु नै धोरै आके अर्थां ताहीं छुया, अर अर्थां ठाण आळे ठैहरगे। फेर यीशु नै कहा, “हे जवान, मै तन्ने कहूँ सूँ, उठ!” 15 फेर वो मुर्दा उठ बेठ्या, बोल्लण लाग्या। उसने उस ताहीं उसकी माँ तै सौंप दिया। 16 इस घटना तै सारे डरगे, अर वे परमेसवर की बड़ाई करके कहण लागे, “म्हारे बिचाळे एक बड़ड़ा नबी आया सै, अर परमेसवर नै अपने माणसां पै दया की निगाह करी सै।” 17 अर उसके बारे म्ह या बात सारे यहूदिया परदेस अर लोवै-धोवै के सारे परदेसां म्ह फैलगी। 18 यूहन्ना ताहीं उसके चेल्यां नै इन बातां की खबर दी। 19 फेर यूहन्ना नै अपने चेल्यां म्ह तै दोगां ताहीं बुलाके प्रभु के धोरै न्यू बुद्धण खात्तर भेज्या, “के आण आळा तूए सै, या हम किसे और की बाट देख्खां?” 20 उनने उसके धोरै आके कहा, “यूहन्ना बपतिस्मा देणआळे नै म्हारे ताहीं तेरे धोरै न्यू बुद्धण नै भेज्या सै, के आण आळा वो मसीहा जिसका वादा परमेसवर नै करया था, तू ए सै, या हम किसे और की बाट देख्खां?” 21 उससे बखत उसने घणाए ताहीं बिमारियाँ, अर काल्ली, अर ओपरी आत्मारियाँ तै छुटाया, अर घणाए की आँख खोल दी, 22 अर उसने उनतै कहा, “जो कुछ थमने देखा अर सुणया सै, जाके यूहन्ना ताहीं कह घो, के आन्धे देख्खे सै, लंगड़े चाल्लै-फिरै सै, कोढी शुद्ध करे जावे सै, बहरे सुण सै, मुर्दे जिन्दे करे जावे सै, अर कंगालां ताहीं सुसमाचार सुणाया जावे सै। 23 थन्य सै वे जो मेरे पै शक न्ही करते, अर विश्वास करणा न्ही छोड़दे।” 24 जिब यूहन्ना के भेज्जे होड़ माणस चले गये तो यीशु यूहन्ना के बारे म्ह माणसां तै कहण लाग्या, “थम जंगल-बियाबान म्ह के देखण गये थे? के हवा म्ह हाल्दे होए सरकडे नै?” 25 तो फेर थम बण म्ह के देखण गये थे? के कोमल लत्ते पहरे होए माणस नै? लख्याओ, जो चमकले लत्ते पहरे अर असो-आराम म्ह रहवें सै, वे राजघरां म्ह रहवें सै। 26 तो फेर थम बण म्ह के देखण गये थे? के किसे नबी

नै? हाँ, मै थमने कहूँ सूँ, बल्के नबी तै भी बड़े नै। 27 यो वोए सै, जिसके बारे म्ह लिख्या सै: लखा, “मै अपने दूत नै तेरे आगै-आगै भेज्जुं सूँ, जो तेरे आगै तेरी राही सीध्धी करेगा।” 28 “मै थमने कहूँ सूँ के जो बिरबानियाँ तै जणे सै, उन म्ह तै यूहन्ना बपतिस्मा देणआळे तै बड़ड़ा कोए न्ही पर जो परमेसवर के राज्य म्ह छोट्टे तै छोट्टा सै, वो उसतै भी बड़ड़ा सै।” 29 फेर हरेक किसे नै, उरै ताहीं के चुंगी लेण आळे माणसां नै भी यूहन्ना की बात सुणके उसतै बपतिस्मा लेके यो मान लिया के परमेसवर ए धर्मी सै। 30 पर फरीसियाँ अर शास्त्रियाँ नै यूहन्ना तै बपतिस्मा कोनी लेके परमेसवर के मनसां ताहीं अपने बारे म्ह टाळ दिया। 31 “पर मै इस युग के माणसां की बराबरी किसतै करूँ के वे किसकी ढाळ सै?” 32 वे उन बाळकां की ढाळ सै जो बजारां म्ह बेट्टे होए एक-दुसरे तै रुक्के मारके शिकायत करे सै, हमने थारे खात्तर बाँसली बजाई, अर थम कोनी नाच्चे, हमने बिलाप करया, अर थम कोनी रोए! 33 क्यूँके यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा ना रोटी खाया होया करदा अर ना अंगूर का रस पिया होया करदा, अर थम कहो सो, उस म्ह ओपरी आत्मा सै। 34 मुझ माणस के बेट्टे का खाण-पान और माणसां की तरियां सादा ए सै, लखाओ, थमने मेरे ताहीं पेट्टे अर पियक्कड़ माणस, चुंगी लेणिये का अर पापियां का साथी घोषित करे दिया। 35 पर ज्ञान अपने कामां म्ह सच्चा ठहराया गया सै। 36 फेर किसे फरीसी नै उसतै बिनती करी के वो उसके गेल्या खाणा खावै, आखर वो उस फरीसी सै घरां जाके खाणा खाण बेठ्या। 37 उस नगर की एक पापण बिरबान्नी न्यू जाणके के यीशु फरीसी के घर म्ह खाणा खाण बेठ्या सै, संगमरमर के बरतन म्ह महंगा खसबूदार तेल ल्याई, 38 अर उसके पायां के धोरै, पाच्छे खड़ी होके, रोँदी होई उसके पायां नै आसूआं तै भेण लागी अर अपने सिर के बाळां तै पूँझण लागी, अर उसके पायां नै बार-बार चूमके उनपे महंगा खसबूदार तेल मळ्या। 39 न्यू देखके शमौन फरीसी जिसने यीशु ताहीं बुलाया था, अपने मन म्ह सोच्यण लाग्या, “जै यो नबी होन्दा तो जाण जान्दा के या जो उसने छूण लागरी सै, वा कौण अर किसी बिरबान्नी सै, क्यूँके वा तो पापण सै।” 40 यीशु नै उसके मन के विचार जाणके उस ताहीं उदाहरण म्ह कहा, “हे शमौन, मन्ने तेरे तै कुछ कहणा सै।” वो बोल्या, “हे गुरु, कहा।” 41 यीशु नै एक और उदाहरण दिया, “किसे साहूकार के दो देणदार थे, एक पाँच सौ अर दुसरा पचास दीनार (50 दिन की मजदूरी) का देणदार था। 42 जिब उनके धोरै चुकाण नै कुछ न्ही रखा तो उसने दोनुआ का कर्ज माफ कर दिया। इस करके उन दोनु माणसां म्ह तै कौण उसतै घणा प्यार राख्खेगा?” 43 शमौन नै जवाब दिया, “मेरी समझ म्ह वो माणस, जिसका घणा कर्जा माफ होया।” यीशु नै उसतै कहा, “तन्ने ठीक कहा सै।” 44 अर उस बिरबान्नी कान्ही पलटके उसने शमौन तै कहा, “तन्ने देखा सै के इस बिरबान्नी नै के करया सै? मै तेरे घरां आया पर तन्ने मेरे पैर धोण नै पाणी भी कोनी दिया, पर इसने मेरे पैर आँसूआँ तै भेये अर अपने बाळां तै पूँजे। 45 तन्ने मेरे ताहीं चुम्या न्ही, पर जिब तै मै आया सूँ जिब्बे तै इसने मेरे पायां ताहीं चुमना न्ही छोड़्या। 46 तन्ने मेरे सिर पै तेल कोनी मळ्या, पर इसने मेरे पायां पै इत्र मळ्या सै। 47 इस करके मै तन्ने कहूँ सूँ के इसने कई पाप करे थे, जो माफ होगे, क्यूँके इसने मेरे तै घणा प्यार करया सै, पर जिसका पाप कम माफ होया सै, वो कम प्यार करे था।” 48 अर उसने बिरबान्नी तै कहा, “तेरे पाप माफ होए।” 49 फेर जो माणस उसके गेल्या खाणा खाण नै बेट्टे थे, वे अपने-अपणे मन म्ह सोच्यण लागे, “यो के परमेसवर सै, जो पापां नै भी माफ कर सके सै?” 50 पर उसने उस बिरबान्नी ताहीं कहा, “परमेसवर नै तेरे ताहीं बचाया सै, क्यूँके तन्ने मेरे पै विश्वास करया सै, खुश होके चली जा।”

8 इसके बाद यीशु नगर-नगर अर गाम-गामां म्ह प्रचार करदा होया, अर परमेसवर के राज्य का सुसमाचार सुणादा होया हांडण लाग्या, अर वे बाराहां चेल्ले उसके गेल्या थे, 2 अर कुछ बिरबान्नी भी थी जो ओपरी आत्मारियाँ तै अर बिमारियाँ तै छुटाई गई थी, अर वे ये सै: मरियम जो

मगदलीनी कुह्लावै थी, जिसमह तै सत ओपरी आत्मा लिक्की थी, 3 अर हेरोदेस राजा के भण्डारी खुजा की घरआळी योअन्ना, अर सूंसन्नाह, अर घणखरी दुसरी बिरबान्नी। ये अपणे धन तै यीशु अर उसके चेल्यां की सेवा-पाणी करै थी। 4 जिब बड़ी भीड़ कट्टी होई अर नगर-नगर के माणस उसके धोरे चालकै आवै थे, तो उसने उदाहरण म्ह कह्या 5 “एक किसान बीज बोण लिक्किया। बोदे होए कुछ बीज राही कै किनारे पड़े, अर रोंधा गया, अर अकास के पछियाँ नै उस ताहीं चुग लिया। 6 कुछ बीज चट्टान पै पड्या, अर जामग्या, पर नमी ना मिलण के कारण सूख गया। 7 कुछ झाड़ियाँ कै बिचाळै पड्या, अर झाड़ियाँ नै गेलै-गेलै बढ़के उस ताहीं दबा लिया। 8 कुछ आच्छी धरती पै पड्या, अर उनके सौ गुणा फळ ल्याया।” न्यू कहकै वो जोर तै बोल्या, “जिसके कान हो वो ध्यान तै सुण ले।” 9 उसके चेल्यां नै उसतै बुझ्या के इस उदाहरण का के मतलब सै? 10 उसनै कह्या, “थारे ताहीं परमेसवर कै राज्य के भेद की समझ दे राख्खी सै, पर औरां नै उदाहरणां म्ह सुणाया जावै सै, इस करके के ‘वे देखे होए भी कोनी देखे, अर सुणदे होए भी कोनी समझै।” 11 उदाहरण का मतलब यो सै: बीज परमेसवर का वचन सै 12 राही के किनारे के वे सै, जिन नै सुणया, फेर शैतान आके उनके मन म्ह तै वचन ठाले जावै सै के कदे इसा ना हो के वे विश्वास करके उद्धार पावै। 13 चट्टान पै के वे सै, के जिब सुणै सै, तो खुश होके वचन नै अपणावै सै, पर जड़ कोनी पकड़दे वे माड़ी वार ताहीं विश्वास राख्खें सै अर मुसीबत कै बखत बहक जावै सै। 14 जो झाड़ियाँ म्ह पड्या, यो वे सै जो सुणै सै, पर आगै जाके फिक्र, अर धन, अर जिन्दगी के ऐसो-आराम म्ह फँस जावै सै अर उनका फळ कोनी पकदा। 15 पर आच्छी धरती के वे सै, जो वचन सुणके भले अर आच्छे मन तै साम्ये राख्खें सै, अर धीरज तै फळ ल्यावै सै। 16 “कोए दीवा जळा के बरतन तै कोनी ढकदा, अर ना खात तळे धरे सै, पर टांडी पै धरे सै ताके भीत्तर आण आळे नै चँपणा मिले। 17 कुछ लुहक्या कोनी जो दिखाया कोनी जावै, अर ना किमे लुहक्या सै जिसका बेरा न्ही पटै। 18 ज्यांतै चौकस रहो के थम किस तरियां सुणो सो? क्यूँके जिसकै धोरे सै उसतै दिया जावैगा, अर जिसकै धोरे न्ही सै उसतै वो भी ले लिया जावैगा, जिसनै वो अपणा समझै सै।” 19 यीशु की माँ अर उसके भाई उसके धोरे आए, पर भीड़ के कारण उसतै मिल न्ही सके 20 उसतै कह्या गया, “तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरणे खड़े होए, तेरे तै मिलणा चाहवें सै।” 21 यीशु नै इसके जवाब म्ह उनतै कह्या, “मेरी माँ अर मेरे भाई येए सै, जो परमेसवर का वचन सुणै अर मान्ने सै।” 22 फेर एक दिन वो अर उसके चेल्लें किस्ती पै चढ़े, अर उसनै उनतै कह्या, “आओ, समुन्दर के परली ओड़ चाल्लां।” आखर उननै किस्ती खोल दी। 23 पर जिब किस्ती चालरी थी, तो वो सोग्या अर समुन्दर पै आँधी आगी, अर किस्ती पाणी तै भरण लागी अर वे खतरे म्ह थे। 24 फेर उननै धोरे आके उस ताहीं जगाया, अर कह्या, “हे माल्लिक! हे माल्लिक! हम डूबके मरण आळे सां।” फेर उसनै उठके आँधी ताहीं अर पाणी की झाल्लां ताहीं धमकाया अर वे थमगे अर शान्ति होई। 25 फेर उसनै उनतै कह्या, “थारा विश्वास किन्त था?” पर वे डरगे अर हैरान होके आप्पस म्ह कहण लागे, “यो कोण सै जो आँधी अर पाणी नै भी हुकम देवै सै, अर वे उसकी मान्ने सै?” 26 फेर वे गिरासेनियों कै देश म्ह पोहचे, जो उस पार गलील समुन्दर के स्याम्ही सै। 27 जिब वो किनारे पै उतरया तो उस नगर का एक माणस उसतै मिल्या जिसमह ओपरी आत्मा थी। वो घणे दिनां तै उघाड़ा था अर ना घरां रहवें था बल्के कब्रिस्तान म्ह रह्या करै था। 28 वो यीशु नै देखके जोर तै किक्की मारके उसके स्याम्ही पड़के जोर तै बोल्या, “हे परमप्रधान परमेसवर के बेटे यीशु! मन्ने तेरे तै के काम? मै तेरे तै बिनती करँ सूँ, मन्ने काल ना करे।” 29 क्यूँके वो उस ओपरी आत्मा ताहीं उस माणस म्ह तै लिक्कण का हुकम देवै था, इस करके के वो उसपै बार-बार हावी होवै थी। ऊतो माणस उसनै साँकळां अर बेलां तै जुड़े थे फेरभी वो बन्धनां नै तोड़ देवै था, अर ओपरी आत्मा उसनै बण म्ह भजाए फिरै थी। 30 यीशु नै उसतै बुझ्या, “तेरा के नाम सै?” उसनै कह्या, “सेना,” क्यूँके घणीए ओपरी आत्मा उस म्ह रहवें थी। 31 उननै यीशु बिनती

करी के हमने अथाह कुण्ड म्ह जाण का हुकम ना देवै। (Abyssos g12) 32 उड़े पहाड़ पै सूअरां का एक बड़्या टोळ चरे था, इस करके उननै उसतै बिनती करी के हमने उन म्ह बैठणे दे। उसने उन ताहीं जण दिया। 33 फेर ओपरी आत्मा उस माणस म्ह तै लिक्कै सूअरां म्ह जा पड़ी अर वो टोळ ढळान पै तै झपटके गलील समुन्दर म्ह जा पड्या अर डूब मरया। 34 पाळी यो जो होया था देखके भाज्ये, अर नगर म्ह अर गाम्मां म्ह जाके उसकी खबर दी। 35 माणस जो होया था उसनै देखण नै लिक्के, अर यीशु के धोरे आके जिस माणस तै ओपरी आत्मा लिक्की थी, उसनै यीशु के पायां के धोरे लत्ते पहरे अर सोध्दी म्ह बेट्टे देखके डरगे, 36 अर देखण आळा नै उन ताहीं बताया के वो ओपरी आत्मायां का कांल करया होड़ माणस किस तरियां ठीक होया। 37 फेर गिरासेनियों कै लोवै-धोवै के सारे माणसां नै यीशु तै बिनती करी के म्हारे उरै तै चल्या जा, क्यूँके वे घणे डरगे थे। आखर म्ह वो किस्ती पै चढ़के बोहड़ आया। 38 जिस माणस म्ह ओपरी आत्मा लिक्की थी वो उसतै बिनती करण लाग्या के मन्ने अपणे गेल्या रहण दे, पर यीशु नै उस ताहीं बिदा करके कह्या, 39 “अपणे घरां बोहड़ जा अर माणसां तै बता के परमेसवर नै तेरे खात्तर किसे बड़े-बड़े काम करे सै।” वो जाके सारे नगर म्ह प्रचार करण लाग्या के यीशु नै मेरे खात्तर किसे बड़े-बड़े काम करे। 40 जिब यीशु बोहड़या तो माणस उसतै राज्जी होके मिले, क्यूँके वे सारे उसकी बाट देख्खे थे। 41 इतने म्ह यार्डर नाम का एक माणस आया, जो आराधनालय का सरदार था, अर यीशु के पायां म्ह पड़के उसतै बिनती करण लाग्या के मेरे घरां चाल, 42 क्यूँके उसकी बारहां साल की एकलौती बेट्टी थी, अर वा मरण नै होरी थी। जिब वो जाण लागरया था, जद माणस उसपै पड़ण लागरे थे। 43 एक बिरबान्नी नै जिसके बारहां साल तै लहू बहण की बीमारी थी, अर जो अपणी सारी कमाई डाक्टरां के पाच्छे बरतगी थी, फेरभी किसे कै हाथ तै चंगी कोनी हो सकी थी, 44 पाच्छे तै आके उसके लत्ते ताहीं छुया, अर जिबे उसका लहू बहणा बन्द होगा। 45 इसपै यीशु नै कह्या, “मेरेताहीं किसनै छुया?” जिब सारे नाटण लागे, तो पतरस अर उसके साथियाँ नै कह्या, “हे माल्लिक, तन्ने तो भीड़ दबाण लागरी सै अर तेरे पै पड़ण लागरी सै।” 46 पर यीशु नै कह्या, “किसे नै मेरे ताहीं छुआ सै, क्यूँके मन्ने बेरा पाटग्या के मेरे म्ह तै सामर्थ लिक्की सै।” 47 जिब बिरबान्नी नै देख्या के मै लुत्क कोनी सकदी, फेर काम्बदी होई आई अर उसके पायां पै पड़के सारे माणसां कै स्याम्ही बताया के उसनै किस कारण उस ताहीं छुया, अर किस तरियां जिबे चंगी होई। 48 उसनै उसतै कह्या, “बेट्टी, तेरे विश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै, खुशी-खुशी चली जा।” 49 वो न्यू कहवै था के किसे नै आराधनालय कै सरदार यार्डर कै उरै तै आके कह्या, “तेरी छोरी मर ली सै: गुरु नै काल ना करे।” 50 यीशु नै न्यू सुणके उसतै जवाब दिया, “मतना डरै, सिर्फ विश्वास राख, तो वा बच जावैगी।” 51 घर म्ह आके उसनै पतरस, यूहन्ना, याकूब, अर छोरी के माँ-बाप नै छोड़ दुसरे किसे नै अपणे गेल्या भीत्तर कोनी आण दिया। 52 सारे उसके बाबत रोण-पिटण लागरे थे, पर उसनै कह्या, “रोओ मतना, वा मरी कोनी पर सोवै सै।” 53 वे न्यू जाणके के वा मरगी सै उसका मजाक उड़ाण लाग्ये। 54 पर उसनै उसका हाथ पकड़्या, अर रुक्का मारके कह्या, “हे छोरी, उठ!” 55 फेर उसका जी बोहड़ आया अर वा जिबे उठ बेट्टी। फेर उसनै हुकम दिया के उसनै कुछ खाण नै द्यो। 56 उसके माँ-बाप हैरान होए, पर उसनै उन ताहीं चिताया के यो जो होया सै किसे तै ना कहियो।

9 फेर उसनै अपणे बारहां चेल्यां ताहीं बुलाके उननै सारी ओपरी आत्मायाँ अर बिमारियाँ ताहीं दूर करण की सामर्थ अर हक दिया, 2 अर उननै परमेसवर कै राज्य का प्रचार करण अर बिमारां ताहीं आच्छा करण खात्तर भेज्या। 3 उसनै उनतै कह्या, “राह खात्तर कुछ ना लियो, ना तो लाठी, ना झोळी, ना रोटी, ना रपिये अर ना दो-दो कुड़ते। 4 जिस किसे घर म्ह उतरो, उड़ैए रहो, अर उड़ैए तै बिदा होइयो। 5 जो कोए थमने न्ही अपणावै, उस नगर तै जान्दे होए अपणे पायां की धूळ झाड़ दियो के उनपै गवाही होवै।” 6

आखर म्ह वे लिकडके गाम-गाम सुसमाचार सुणान्दे, अर हरेक माणसां नै ठीक करदे होए हांडे रहे। 7 चौथौ देश के गलील परदेस का राजा हेरोदेस यो सारा सुणके घबराग्या, क्यूँके कईयां नै कहा, के यूहन्ना मेरे होया म्ह तै जिन्दा होया सै, 8 अर कईयां नै न्यू कहा के एलियाह दिख्या सै, अर औरां नै न्यू के पुराणे नबियाँ म्ह तै कोए जिन्दा होया सै। 9 पर हेरोदेस नै कहा, “यूहन्ना का तो मन्ने सिर कटवाया, इब यो कौण सै जिसके बाबत इसी बात सुणु सूं?” अर उसनै उस ताहीं देखण की चाहन्ना करी। 10 फेर प्रेरितां नै बोहडके जो कुछ उनै करया था, उस ताहीं बता दिया, अर वो उनै न्यारे करके बैतसैदा नामक नगर म्ह लेग्या। 11 न्यू जाणके भीड़ उसके पाच्छे हो ली, अर वो राज्जी होकै उनतै मिल्या, अर उनतै परमेसवर के राज्य की बात करण लाग्या, अर जो चंगे होणा चाहवै थे उन ताहीं ठीक करया। 12 जिव दिन छिपण लाग्या तो बारहां नै आकै उसतै कहा, “भीड़ नै जाणदे के चौगरदे के गाम्मां अर बस्तियाँ म्ह जाके ठहरे अर खाणे का जुगाड़ करै, क्यूँके हम उरै बियाबान जगहां म्ह सां।” 13 यीशु नै उनतै कहा, “थमे उनै खाण नै घो।” उनै कहा, “म्हारे धोरे पाँच रोटी अर दो मच्छियाँ नै छोड़के और कुछ सोनी, पर हॉ, जै हम जाके इन सारया खातर खाणा मोल ल्यावां, फेर हो सके सै।” वे माणस तो पाँच हजार माणसां के करीबन थे। 14 फेर उसनै अपने चेल्यां तै कहा, “उनै पचास-पचास करके लैणपता म्ह बिठा घो।” 15 उनै न्यूए करया, अर सारया ताहीं बिठा दिया। 16 फेर यीशु नै वे पाँच रोटी अर दो मच्छियाँ ली, सुर्ग कान्ही लखाके परमेसवर का धन्यवाद करया, अर रोटी तोड़-तोड़के चेल्यां ताहीं देंदा गया के माणसां ताहीं बांडे। 17 फेर सारे खाके छिकगे, अर चेल्यां नै बचे होइ टुकड्या तै भरी होई बारहां टोकरी ठाई। 18 जिव वो एकले म्ह प्रार्थना करै था अर चेल्लें उसके गेल्या थे, तो उसनै उनतै बुझ्या, “माणस मन्ने के कहवै सै?” 19 उनै जवाब दिया, “यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा, अर कोए एलियाह, अर कोए यो के पुराणे नबियाँ म्ह तै कोए जिन्दा होया सै।” 20 उसनै उनतै बुझ्या, “पर थम मन्ने के कहो सो?” पतरस नै जवाब दिया, “परमेसवर का मसीह।” 21 फेर उसनै उनतै चिताकै कहा के यो किसे तै ना कहियो। 22 फेर उसनै कहा, “मुझ माणस के बेटे खातर जरूरी सै के मै घणा दुख ठाऊँ, अर यहूदी अगुवें, प्रधान याजक अर शास्त्री मन्ने तुच्छ समझके मार देवै, अर मै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।” 23 उसनै सारया तै कहा, “जो कोए मेरे मेरा चेल्ला बणणा चाहवै, वो अपनी ए इच्छा पूरी ना करे बल्के हरेक दिन अपने दुख का क्रूस ठाके, मेरे पाच्छे हो लेवै। 24 क्यूँके जो कोए अपनी जान बचाणा चाहवैगा वो उसनै खोवैगा, पर जो कोए मेरी खातर अपनी जान खोवैगा वो उसनै बचावैगा। 25 जै माणस सारी दुनिया नै पा लेवै अर अपनी जान खो दे या उसका नुकसान ठावै, तो उसनै के फायदा? 26 जो कोए मेरे तै अर मेरी बातां तै सरमावैगा, मै माणस का बेटा भी, जिव अपनी अर अपने पिता की अर पवित्र सुर्गदूतां की महिमा सुधां आऊँगा, तो उसतै सरमावैगा। 27 “मै थमने साच्ची कहूँ सूं, के जो याडै खड़े सै, उन म्ह तै कुछ इसे सै के जिव ताहीं परमेसवर का राज्य ना देख लेवें, जद ताहीं मौत उननै कदे छू भी न्ही पावैगी।” 28 इन बातां के कोए आठ दिनां पाच्छे वो पतरस, यूहन्ना अर याकूब नै गेल्या लैके प्रार्थना करण खातर पहाड़ पै गया। 29 जिव वो प्रार्थना करै था, तो उसके मुँह का रूप बदल गया, अर उसके लत्ते धोळे होकै चमकण लागे। 30 अर लखाओ, मूसा नबी अर एलियाह नबी ये दो माणस उसके गेल्या बतळावै थे। 31 ये महिमा सुधां दिक्खे अर यीशु के मरण का जिन्न करै थे, जो यरुशलम म्ह होण आळा था। 32 पतरस अर उसके साथी नींद म्ह होरे थे, अर जिव ठीक तरियां सोध्दी म्ह आए, तो उसकी महिमा अर उन दो माणसां नै, जो उसके गेल्या खड़े थे, देख्या। 33 जिव वे उसके धोरे तै जाण लागे, तो पतरस नै यीशु तै कहा, “हे माल्लिक, म्हारा उरै रहणा भला सै: आखर म्ह हम तीन मण्डप बणावा, एक तेरे खातर, एक मूसा नबी खातर, एक एलियाह नबी के खातर।” उसनै बेरा कोनी था के कह के रखा सै। 34 वो न्यू कहवैए था के एक बाहळ आकै उनपै छाग्या, अर जिव वे उस बाहळ तै धिरण लागे तो वे डरगे। 35

फेर उस बाहळ म्ह तै या वाणी लिकड़ी, “यो मेरा बेटा अर मेरा चुण्या होया सै, इसकी सुणो।” 36 या आवाज होन्दे यीशु एकला होग्या, अर वे बोल-बाल्ले रहे, अर जो कुछ देख्या था उसकी कोए बात उन दिनां म्ह किसे तै न्ही कही। 37 दुसरे दिन जिव वो पहाड़ तै उतरया तो एक बड्डी भीड़ उसतै आ मिली। 38 अर लखाओ, भीड़ म्ह तै एक माणस नै किल्की मारके कहा, “हे गुरु, मै तेरे तै बिनती करूँ सूं के मेरे बेटे पै दया की निगाह फेर दे, क्यूँके वो मेरा एकला बेटा सै। 39 अर दे, एक भुंड़ी ओपरी आत्मा उसनै पकड़ै थी, अर वो चाणचक किल्की मारे था, अर वा उसने इसा मरोड़े थी के वो मुँह म्ह तै झाग भर लावै सै, उसनै रोंदके घणी मुश्किल तै छोड़ै थी। 40 मन्ने तेरे चेल्यां तै बिनती करी के उसने लिकाड़े, पर वे कोनी काढ सके।” 41 यीशु नै जवाब दिया, “हे अबिश्वासी अर जिदी माणसां, मै कद ताहीं थारे गेल्या रहूँगा अर थारी सहूँगा? अपने बेटे नै उरै लिया।” 42 जिव वो आवै था तो ओपरी आत्मा नै उस ताहीं पटकके मरोड्या, पर यीशु नै उस ओपरी आत्मा ताहीं धमकाया अर छोरे ताहीं ठीक करके पिता तै थमा दिया। 43 फेर सारे माणस परमेसवर के घणे सामर्थ तै हेरान होए। पर जिव सारे माणस उन सारे काम्मां तै जो वो करै था, हक्के-बक्के थे, तो उसनै अपने चेल्यां तै कहा, 44 “थम इन बातां पै गौर करो, क्यूँके मै माणस का बेटा माणसां के हाथ्यां म्ह पकड़वाया जाण पै सूं।” 45 पर वे इस बात नै कोनी समझै थे, अर या बात उनतै लुक्की रही के उननै उसका बेरा न्ही पाटै, अर वे इस बात के बारे म्ह उसतै बुझण तै उरै थे। 46 फेर उन म्ह या बहस होण लागी के म्हारे तै बड़्ठा कोण सै। 47 पर यीशु नै उनके मन के विचारां ताहीं पढ़ लिया, अर एक बाळक नै लेके अपने धोरे खड्या करया, 48 अर उनतै कहा, “जो कोए मेरे नाम तै इस बाळक नै अपणावै सै, वो मन्ने अपणावै सै, अर जो कोए मन्ने अपणावै सै, वो मेरे भेजण आळे नै भी अपणावै सै, क्यूँके जो थारे म्ह सारया म्ह छोटे तै छोटा सै, वोए बड़्ठा सै।” 49 फेर यूहन्ना नै कहा, “हे स्वामी, हमने एक माणस ताहीं तेरे नाम तै ओपरी आत्मा लिकाड़े देख्या, अर हमने उसतै मना करया, क्यूँके वो म्हारी तरियां तेरा चेल्ला न्ही था।” 50 यीशु नै उसतै कहा, “उसनै नाटो ना, क्यूँके जो थारे बिरोध म्ह न्ही, वो थारे कान्ही सै।” 51 जिव उसके उपर ठाए जाण के दिन पूरे होण पै थे, तो उसनै यरुशलम जाण का विचार पक्का करया। 52 उसनै अपने आगरे दूत भेज्जे। वे सामरियां के एक गाम म्ह गए ताके उसके खातर जगहां त्यार करे। 53 पर उन माणसां नै उस ताहीं उतरण कोनी दिया, क्यूँके वो यरुशलम जावै था। 54 न्यू देखके उसके चेल्लें याकूब अर यूहन्ना नै कहा, “हे प्रभु, तू के चाहवै सै के हम हुकम देवां, के अकास तै आग गिरके उननै भस्म करदे?” 55 पर उसनै बोहडके उन ताहीं धमकाया (अर कहा, “थम न्ही जाणदे के थम किसी आत्मा के सो। क्यूँके माणस का बेटा लोग्गां नै जान तै मारण कोनी आया, बल्के उननै बचाण आया सै।”) 56 अर वे किसे दुसरे गाम म्ह चले गये। 57 जिव वे राह म्ह जावै थे, तो किसे नै उसतै कहा, “जित्त-जित्त तू जावैगा, मै तेरे पाच्छे हो ल्यूँगा।” 58 यीशु नै उसतै कहा, “लामडियां की घुरखाण अर अकास के पंछियां के बसेरे हो सै, पर माणस के बेटे खातर सिर छिपण की भी जगहां कोनी।” 59 उसनै दुसरे तै कहा, “मेरे पाच्छे हो लो।” उसनै कहा, “हे प्रभु, पैहले मन्ने घर जाणदे, मै अपने पिता के मरण के बाद उस ताहीं दफना के आऊँगा, फेर तेरा चेल्ला बणुगा।” 60 उसनै उसतै कहा, “जो आत्मिक रूप तै मर चुके सै, उननै मुर्दे दफणाण दे। पर तू जाके परमेसवर के राज्य की कथा सुणा।” 61 एक और नै भी कहा, “हे प्रभु, मै तेरे पाच्छे हो लूँगा, पर पैहलया मन्ने जाणदे के अपने घर के माणसां तै बिदा हो लाऊँ।” 62 यीशु नै उसतै कहा, “जो कोए अपना हाथ हळ पै धरके पाच्छे देखे सै, वो परमेसवर के राज्य के जोगा कोनी।”

10 इन बातां के बाद प्रभु यीशु नै सत्तर और चेल्लें तैयार करे, अर जिस-जिस गाम अर जगहां पै वो खुद जाण आळा था, उडै उननै दो-दो करके अपने आगरे भेज्या। 2 उसनै अपने चेल्यां तै कहा, “पके

होए खेत्ता की तरियां लोग तो भोत सै जो परमेसवर के वचन नै सुणणा अर समझणा चाहवै सै। पर फसल काटण आळे थोड़े लोग सै, जो उन ताहीं जाके परमेसवर का वचन सुणा अर समझा सकै। इस करके खेत के माल्लिक यानी परमेसवर तै बिनती करो, के वो और लोगों नै भेज्जै, ताके परमेसवर का वचन सारे लोगों तक पोहच सकै सै।” 3 जाओ, देख्खों, मै थमनै भेङ्गा की तरियां भेड़ियाँ के बिचाल्ये भेज्जुं। 4 इस करके ना बटुआ, ना झोळी, ना जूते ल्यो, अर ना राह म्ह किसै तै नमस्कार करो। 5 जिस किसे घर म्ह जाओ, पैहले कहो, इस घर का कल्याण हो। 6 जै उड़ै कोए कल्याण कै जोगगा होगा, तो थारा कल्याण उसपै थमैगा, न्ही तो थारे थोरे उल्टा ए आ उच्यगा। 7 उस्से घर म्ह रहो, अर जो कुछ उनतै मिलै, वोए खाओ-पीओ, क्यूँके मजदूर नै अपणी मजदूरी मिलणी चाहिए, घर-घर न्ही हांडणा। 8 जिस नगर मै जाओ, अर उड़ै के माणस थमनै उतारै, तो जो कुछ थारे स्याम्ही धरया जावै वोए खाओ। 9 उड़ै के बिमारां नै ठीक करो अर उनतै कहो, परमेसवर का राज्य थारे थोरे आण पोहच्यो सै। 10 पर जिस नगर म्ह जाओ, अर उड़ै के माणस थमनै न्ही अपणावै, तो उनके बजारां म्ह जाके कहो, 11 थारे नगर की धूळ भी, जो म्हारे पायां म्ह लागी सै, हम थारे स्याम्ही झाड़ देवां सां, फेरभी न्यू जाण ल्यो के परमेसवर का राज्य थारे थोरे आण पोहच्यो सै। 12 मै थमनै कहूँ सूँ, “के उस दिन उस नगर की हालत तै सदोम नगर की हालत घणी सहण जोगी होवैगी।” 13 “थिक्कार सै थारे पै खुराजिन नगर के माणसों। थिक्कार सै थारे पै बैरसैदा नगर के माणसों। जो सामर्थ के काम थारे म्ह करे गये, जै वे सूर अर सैदा नगर म्ह करे जान्दे, तो टाट ओढ़ कै, अर राख म्ह बैठके वे कदे के पाप करणा छोड़ देन्दे। 14 पर न्याय कै दिन थारी हालत तै सूर अर सैदा नगर की हालत घणी सहण जोगी होवैगी। 15 अर हे कफरनहूम नगर, तू के सोच्ये सै, के तू सुर्ग ताहीं ऊँच्या करया जावैगा? तू तो अधोलोक तक नीचे जावैगा। (Hades 986) 16 “जो थारी सुणी सै, वो मेरी सुणी सै, अर जो थमनै तुच्छ समझै सै, वो मन्ने तुच्छ समझै सै, अर जो मन्ने तुच्छ समझै सै, वो मेरे भेजण आळे ताहीं तुच्छ समझै सै।” 17 वे सत्तर चेल्लें राज्जी होन्दे होए बोहड़े अर बोल्ले, “हे प्रभु, तेरे नाम तै ओपरी आत्मा भी म्हारा कहणा मान्ने थी।” 18 यीशु नै उनतै कह्या, “जिब थम ओपरी आत्मयाँ नै लिकाड़ो थे तो मन्ने शैतान ताहीं सुर्ग तै बिजळी की तरियां पड़ता होया देख्या। 19 लखाओ, मन्ने थारे ताहीं साँपां अर बिच्छुआं ताहीं पायां तळे रोंदण का, अर बैरी की सारी सामर्थ पै हक दिया सै, अर किसे चीज तै थमनै थारा कुकसान कोनी होवैगा। 20 फेरभी इतने राज्जी मतना होवो के आत्मा थारा कणगा मान्ने सै, पर इततै राज्जी होवो थारे नाम सुर्ग पै लिक्खे सै।” 21 उस्से बखत यीशु पवित्र आत्मा म्ह होके खुशी तै भरग्या, अर कह्या, “हे पिता, सुर्ग अर धरती के प्रभु, मै तेरा शुक्रियादा कहूँ सूँ, के तन्ने इन बात्तां ताहीं ज्ञानियाँ अर समझदारां तै ल्कोए राख्या, अर बाळकां ताहीं दिखा दिया सै।” हाँ, हे पिता, क्यूँके तन्ने योए भाया। 22 मेरे पिता नै मेरे ताहीं सब कुछ सौप दिया सै, अर किसे नै न्ही बेरा के बेटा कोण सै, सिवा पिता के, अर पिता कोण सै न्यू भी किसे नै कोनी बेरा सिवाए बेटे के, अर वो जिसपै बेटा उस ताहीं जाहिर करणा चाहवै। 23 फेर चेल्यां की ओड़ बोहड़के एक्ले म्ह बोल्या, “धन्य सै वे आँख, जो ये बात जो थम देख्यो सो। 24 क्यूँके मै थमनै कहूँ सूँ के घणखरे नबियाँ अर राजयां नै चाह्या के जो बात थम देख्यो सो, देख्ये, पर न्ही देख्यो, अर जो बात थम सुणो सो, सुणै पर न्ही सुणी।” 25 एक दिन यीशु माणसां नै उपदेश देण लागरया था, तो एक शास्त्री उठ्या अर न्यू कहके उस ताहीं परखण लाय्या, “हे गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होण खात्तर मै के कर्हें?” (aiōnios 166) 26 यीशु नै उसतै कह्या, “नियम-कायदा म्ह के लिख्यो सै? अर तू उसनै किस तरियां समझै सै?” 27 उसनै जवाब दिया, “तू प्रभु, अपणे परमेसवर तै अपणे सारे मन, अपणे पूरे प्राण अर अपणे सारी शक्ति अर अपणी सारी बुद्धि कै गेल्या प्यार राख, अर अपणे पड़ोसी तै अपणे जिसा प्यार राख।” 28 यीशु नै उसतै कह्या, “तन्ने ठीक कह्या, न्यूए करिये जिब्बे तू अनन्त जीवन पावैगा।” 29 पर उसनै खुद ताहीं धर्मी जाहिर करण

की इच्छा तै यीशु तै बुझ्या, “तो मेरा पड़ोसी कोण सै?” 30 यीशु नै एक कर्हणी बताके जवाब दिया, “एक माणस यरुशलैम नगर तै यरीहो नगर म्ह जावै था, के डाकुआं नै घेर के, उसका सब कुछ खोस के, उस ताहीं नंगा कर दिया, अर पिट-छेतके उस ताहीं अधमरा छोड़के चले गये। 31 अर इसा होया के उस्से राही तै एक यहूदी याजक जावै था, पर उसनै उस ताहीं देखके उसकी मदद कोनी करी अर चल्या गया। 32 इस्से ढाळ एक लेवी उस जगहां पै आया, उसनै भी उसकी मदद कोनी करी, अर वो चल्या गया। 33 फेर सामरी गाम का एक राहगीर ओड़े तै लिंकड्या, अर उस माणस ताहीं देखके उसपै तरस खाया। 34 उसनै उसके थोरे आँके उसके घायों पै तेल अर अंगूर का रस गेर के पट्टी बाँध्थी, अर अपणे गधे पै चढ़ाके सराय म्ह लेग्या, अर उसकी सेवा-पाणी करी। 35 दुसरे दिन उसनै दो दीनार (दो दिन की मजदूरी) काढ कै सराय कै माल्लिक तै दिये, अर कह्या, इसकी सेवा-पाणी करिये, अर जो कुछ तेरा और लागैगा, वो मै बोहड़दा होया भर घुगां।” 36 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “इब यो बता तेरी समझ तै जिस माणस ताहीं डाकुआं नै घायल करा था, उन तीनां म्ह तै उस माणस का सच्चा पड़ोसी कोण था?” 37 उसनै कह्या, “वोए जिसनै उसपै दया करी।” यीशु नै उसतै कह्या, “जा, तू भी न्यूए करया कर।” 38 जिब यीशु अर उसके चेल्लें जावै थे तो वो एक गाम म्ह गया, अर मार्था नाम की एक बिबाबन्नी नै बड़ी उदारता तै उसका आदर-सत्कार करया। 39 मरियम नाम की उसकी एक बेब्बे थी। वा प्रभु कै पायां म्ह बैठके उसका वचन सुणे थी। 40 पर मार्था सेवा-पाणी करदे-करदे परेशान होगी, अर उसके थोरे आँके कहण लाग्गी, “हे प्रभु, के तन्ने कुछ भी फिक्र कोनी के मेरी बेब्बे नै सारा काम का बोझ मेरे पै गेर दिया सै? इस करके उसतै कह के मेरी मदद करै।” 41 प्रभु यीशु मसीह नै मार्था तै जवाब दिया, “मार्था, हे मार्था, तू घणी बात्तां खात्तर फिक्र करे, अर परेशान हो ज्या सै। 42 पर एक बात जरूर सै, अर उस बढ़िया हिस्से ताहीं मरियम नै छौट लिया सै जो उसतै खोस्या कोनी जावैगा।”

11 यीशु किसे जगहां प्रार्थना करण लागरया था। जिब उसनै प्रार्थना कर ली, तो उसके चेल्यां म्ह तै एक नै उसतै कह्या, “हे प्रभु, जिस तरियां यहून्ना नै अपणे चेल्यां ताहीं प्रार्थना करणी सिखाई उस्से तरियां ए तू भी हमनै सीखा दे।” 2 उसनै उनतै कह्या, “जिब थम प्रार्थना करो, तो कहो, ‘हे पिता, तेरा नाम पवित्र मान्या जावै, तेरा राज्य आवै, 3 म्हारी दिन भर की रौटी हरेक दिन हमनै दिया कर, 4 अर म्हारे पापां नै माफ कर, क्यूँके हम भी अपणे हरेक कसूरवार ताहीं माफ करां सां, अर म्हारे ताहीं परखे ना।” 5 फेर यीशु नै चेल्यां तै कह्या, “मान ल्यो थारा एक दोस्त सै, अर थम आध्थी रात नै उसके थोरे ज्याके उसतै बिनती करो, ‘हे दोस्त, मन्ने तीन रौटी दे। 6 क्यूँके मेरा एक दोस्त सफर करके मेरे थोरे आया सै, अर उस ताहीं खुआण खात्तर मेरे थोरे कुछ भी कोनी।’ 7 अर वो भीत्तर तै थमनै जवाब देवै सै, मन्ने दुखी ना करे, इब तो मन्ने कुवाड़ मूंद राख्ये सै अर मेरे बाळक मेरे थोरे बिछाणा पै सै, इस करके मै उठके तन्ने कुछ भी न्ही दे सकदा? 8 मै थमनै कहूँ सूँ, हालाकि वो माणस उस ताहीं रौटी ना भी देणा चाहवै, तोभी दोस्त होण के नाते वो जरूर उठेगा, अर दोस्त के बार-बार बिनती करण पै, उसकी जरूरत के मुताबिक उस ताहीं जरूर देवैगा।” 9 अर मै थारैतै कहूँ सूँ, के माँगो तो थमनै दिया जावैगा, टोळ्ळों, तो थम पाओगे, खटखटाओ, तो थारे खात्तर खोल्या जावैगा। 10 क्यूँके जो कोए माँगै सै, उसनै मिलै सै, अर जो टोहँ सै, वो पावै सै, अर खटखटावै सै, उसके खात्तर खोल्या जावैगा। 11 थारे म्ह तै इसा कोण पिता होगा, के जिब उसका बेटा रौटी माँगै, तो उसनै पत्थर देवै, या मच्छी माँगै, तो बदले म्ह उसनै साँप देवै? 12 या अंडा माँगै तो उसनै बिच्छु दे? 13 इस करके जिब थम भरे होके, अपणे बाळकां नै आच्छी चीज देणा जाणो सां, तो थारा सुर्गीय पिता अपणे माँगण आळा नै पवित्र आत्मा क्यूँ न्ही देवैगा। 14 फेर यीशु नै एक गूँगा माणस म्ह तै ओपरी आत्मा ताहीं लिकाड़्या। जिब ओपरी आत्मा लिंकडगी तो गूँगा बोलण लागग्या, अर माणसां कै अचम्भा होया। 15 पर उन म्ह तै कुछ

नै कह्या, “यो तो ओपरी आत्मायाँ के प्रधान शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड्डे सै।” 16 औराँ नै उस ताहीं परखण के खातर उसतै अकास की एक निशानी माँगी। 17 पर उसनै उनके मन की बात जाणके, उनतै कह्या, “जिस-जिस राज्य म्ह फूट आवै सै, वो राज्य उजड़ जावै सै, अर जिस घर म्ह फूट होवै सै, वो नाश हो जावै सै।” 18 जै शैतान खुद का बिरोधी हो जावै, तो उसका राज्य किस तरियाँ बणया रहवैगा? क्यूँके थम मेरे बाबत कहो सो के यो शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै काड्डे सै। 19 भला जै मै शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै काड्डे सूं, तो थारी ऊलाद किसकी मदद तै काड्डे सै? इस करके वेए थारा न्याय करेगें। 20 पर जै मै परमेसवर के सामर्थ तै ओपरी आत्मायाँ नै काड्डे सूं, तो परमेसवर का राज्य थारे धौरे आण पोंहच्या सै। 21 जिब ठाड्डा माणस हथियार लिये होए अपणे घर की रुखाळी करै सै, तो उसका थन बचा रहवैगा। 22 पर जिब उसतै बाध कोए और ठाड्डा धावा बोलके उसनै जीत लेवै सै, तो उसके वे राख जिनपै उसका बिश्वास था, खोस लेवै सै अर उसका धन लूटके बांड देवै सै। 23 जो मेरे गेल्या न्ही वो मेरे बिरोध म्ह सै, अर जो मेरे गेल्या न्ही कड्डा करदा, वो खिंडावै सै। 24 “जिब ओपरी आत्मा माणस म्ह तै लिकड़के जावै सै, तो सूक्यी जगहां म्ह आराम टोह्न्दी फिरे सै, अर वा पांड़ी कोनी। फेर वा कहवै सै, ‘मै उससे माणस म्ह जडै तै लिकड़ी थी बोहड़ जाऊँगी।’ अर आके उस माणस नै घर जिसा झाड़ा-बुहारा अर सजा-धज्या पावै सै। 25 अर आके उसनै झाड़ा-बुहारा अर सजा-धज्या पावै सै। 26 फेर वा ओपरी आत्मा जाके अपणे तै भुंडी सात और आत्मायाँ नै अपणे गेल्या ले आवै सै, अर वे उस म्ह बड़के वास करै सै, अर उस माणस की पाछली हालत पैहल्या तै भी भुंडी हो जावै सै।” 27 जिब यीशु ये बात कहवै था तो भीड़ म्ह तै किसे बिरबान्नी नै जोर तै बोलके कह्या, “धन्य सै वो बिरबान्नी जिस तू जन्मा अर उसका तन्ने दूध पिया।” 28 उसनै कह्या, “हाँ, पर धन्य वे सै, जो परमेसवर का वचन सुणै अर मान्ने सै।” 29 जिब बड्डी भीड़ कट्टी होंदी जावै थी तो वो कहण लाग्या, “इस युग के माणस बुरे सै, वे चिन्ह-चमत्कार टोह्ने सै, पर योना नबी के चिन्ह-चमत्कार नै छोड़के उन ताहीं कोए और चिन्ह-चमत्कार कोनी दिया जावैगा। 30 जिसा योना नबी निनवे के आदमियाँ खातर निशानी ठहरी, उससे तरियाँ मै माणस का बेट्टा भी इस युग के आदमियाँ के खातर ठहरेगा। 31 दक्षिण देश की राणी न्याय के दिन इस बखत के माणसां के गेल्या उठके उन ताहीं कसूरवार ठैहरावैगी, क्यूँके वा राजा सुलैमान का ज्ञान सुणण खातर धरती के सिरे तै आई, अर देख्खों, उरे वो सै जो राजा सुलैमान तै भी बड्डा सै। 32 निनवे नगर के माणस न्याय कै दिन इस युग के माणसां के गेल्या उठके, उन ताहीं कसूरवार ठैहरावैगें, क्यूँके उननै योना नबी का प्रचार सुणके अपणे पापां ताहीं स्वीकार करया, अर देख्खो, उरे वो सै जो योना नबी तै भी बड्डा सै। 33 “कोए माणस दीवा जळा के बरतन के तळै न्ही थरदा, पर टांडी पै धरै सै के भीत्तर आण आळा नै चाँदणा मिलै। 34 देह का दीवा आँख सै, इस करके जिब तेरी निगांह आच्छी सै तो तेरी सारी देह भी उजाळा होगा। पर जिब तेरी आँख ठीक कोनी सै तो तेरी सारी देह भी अँधेरे म्ह सै। 35 इस करके चौकन्ने रहे के जो चाँदणा थारे म्ह सै वो अँधेरा ना हो जावै। 36 इस करके जै तेरी देह म्ह चाँदणा हो अर उसका कोए हिस्सा अन्धेरे म्ह ना रहवै तो सारा का सारा इसा चाँदणा होगा, जिसा उस बखत होवै सै जिब दीवा अपणी चमक तै थारे ताहीं चाँदणा देवै सै।” 37 जिब वो बात करै था तो किसे फरीसी नै उसतै बिनती करी के मेरे उरे आके खाणा खाईयों। वो भीत्तर जाके खाणा खाण तै पैहल्या हाथ कोनी धोए। 38 फरीसी नै न्यु देखके हैरानी होई के उसनै खाणा खाण तै पैहल्या हाथ कोनी धोए। 39 प्रभु नै उसके मन के विचारां ताहीं पढके उसतै कह्या, “हे फरीसियों, थम कटोरे अर थाली नै उप्पर-उप्पर तै तो माँजो सो, पर थारे भीत्तर अन्धे अर बुराई भरी सै। 40 हे बेअक्लो! जिसनै बाहरणै का हिस्सा बणाया, के उसनै भीत्तर का हिस्सा कोनी बणाया? 41 पर हाँ, भीत्तर आळी चिज्जां नै दान कर घो, तो देख्खो, सारा कुछ थारे खातर पवित्र हो जावैगा।” 42 पर हे फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम पुदिने अर

सुदाब का अर कई तरियाँ के साग-पात का दसमां हिस्सा घो सो, पर न्याय ताहीं अर परमेसवर के प्यार ताहीं टाळ घो सो, आच्छा तो था के इन्ने भी करदे रहन्दे अर उननै भी कोनी छोड़दे। 43 हे फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम आराधनालयॉं म्ह खास-खास आसन नै चाहो सो अर बजारां म्ह नमस्कार चाहो सो। 44 “धिक्कार सै थारे पै! क्यूँके थम उन लुकही होई कब्जां की तरियां सो, जिनपै माणस चाल्लै सै पर कोनी जाणदे।” 45 फेर एक शास्त्री नै उसतै जवाब दिया, “हे गुरु, इन बातां नै कहके तू म्हारी बुराई करै सै।” 46 पर यीशु नै जवाब दिया, “हे शास्त्रियों थारे पै धिक्कार सै! थम नियम-कायदा का इसा बोझ जिनका ठाणा ओक्खा सै, माणसां पै लादो सो, पर थम खुद उनकी मदद खातर उस बोझ नै अपणी आन्गळी तै भी कोनी छुन्दे।” 47 “धिक्कार सै थारे पै! थम उन नबियाँ की कब्र बणाओ सो, जिन ताहीं थारे पूर्वजां नै मार दिया था।” 48 आखर म्ह थम गवाह सो, अर अपणे पूर्वजां के काम्मां तै रजामंद सो, क्यूँके उननै उन ताहीं मार दिया अर थम उनकी कब्र बणाओ सो। 49 इस करके परमेसवर की समझ नै भी कह्या सै, “के मै उनके धौरे नबियाँ अर प्रेरितां नै भेज्जुंगी, अर वे उन म्ह तै कईयाँ नै मार देगे, अर कईयाँ नै दुखी करेगें।” 50 ताके जित्त नबियाँ का लहू दुनिया की शरूआत तै बहाला गया सै, सारया का ब्यौरा इस युग के माणसां तै लिया जावै, 51 हाबिल की हत्या तै लेके जकय्राह की हत्या ताहीं, जो वेदी अर मन्दर कै बिचाळै मारया गया। मै थारे तै सच कहूँ सूं, इन सारया का ब्यौरा इस्से बखत के माणसां तै लिया जावैगा। 52 “धिक्कार सै थम शास्त्रियाँ पै! थमनै ज्ञान की ताळी तो ले ली, पर थम खुद कोनी दाखल होए, अर दाखल होण आळे ताहीं भी रोक घो सो।” 53 जिब वो उडै तै लिकड़या, तो शास्त्री अर फरीसी भुण्डी तरियां उसके पाच्छे पड़गे अर छेड़ण लागे के वो घणखरी बातां का जिक्र करै, 54 अर ताक म्ह लागे रहे के उसके मुँह तै कही होई कोए बात पकड़ै।

12 इतने म्ह जिब हजारों की भीड़ लागी, उरे ताहीं के वे एक-दुसरे पै पड़ण लागे थे, तो यीशु नै सारया तै पैहल्या अपणे चेल्यां तै यो कह्या, “फरीसियों के कपट रूपी खमीर तै चौकन्ने रहो। 2 कुछ ढक्या कोनी, जो उघाइया न्ही जावैगा, ना कुछ लुहक्या सै, जिसका बेरा न्ही पडै। 3 इस करके जो कुछ थमनै अन्धेरे म्ह कह्या सै, वो उजाळे म्ह सुणया जावैगा, अर जो थमनै कोठड़ियां म्ह चुपके-चुपके कह्या सै, वो छत पै तै प्रचार करया जावैगा। 4 “मै थारे तै जो मेरे साथी सो कहूँ सूं, के जो देह नै घात करै सै पर उसतै ज्यादा और कुछ न्ही कर सकदे, उनतै ना डरियो। 5 मै थमनै समझाऊँ सूं के थमनै किसतै डरणा चाहिये, घात करण के बाद, जिस ताहीं नरक म्ह गेरण का हक सै, उससे तै डरियो। हाँ, मै थारे तै कहूँ सूं उससे तै डरियो। (Geenna 9:1067) 6 के दो पिस्या की पाँच गौरैयाँ (एक छोटी चिड़ियाँ) न्ही बिकदी? फेरभी परमेसवर उन म्ह तै एक नै भी कोनी भुल्दा। 7 थारे सिर के एक-एक बाळ भी गिणे होड़े सै, इस करके डरो मतना, थम घणी गौरैयाँ तै बढके सो।” 8 “मै थारे तै कहूँ सूं जो कोए माणसां के स्याम्ही मन्ने मान लेवैगा, उसनै मै माणस का बेट्टा भी परमेसवर के सुगंदूतां के स्याम्ही मान लेऊँगा। 9 पर जो माणसां के स्याम्ही मेरा इन्कार करेगा, उसका भी परमेसवर के सुगंदूतां के स्याम्ही इन्कार करया जावैगा।” 10 जो कोए मुझ माणस के बेट्टे के बिरोध म्ह कोए बात कहवै, उसका वो कसूर माफ कर दिया जावैगा, पर जो पवित्र आत्मा की बुराई करै, उसका वो कसूर माफ कोनी करया जावैगा। 11 जिब माणस थमनै आराधनालयॉं अर हाकिमां अर अधिकारियां के स्याम्ही ल्यावै, तो फिक्र ना करियो के हम किस तरियां तै, या के जवाब देवां, या के कहवागें। 12 क्यूँके पवित्र आत्मा उससे बखत थमनै सीखा देगा के, के कहणा चाहिये। 13 फेर भीड़ म्ह तै एक नै यीशु तै कह्या, “हे गुरु, मेरे भाई तै कह के बाप के जमीन-जायदाद नै मेरे गेल्या बांड लेवै।” 14 उसनै उसतै कह्या, “हे भले माणस, किसनै मेरे ताहीं थारा जमीन-जायदाद बटवारा करण आळा न्यायी बणा दिया सै?” 15 अर यीशु नै उनतै कह्या, “चौकन्ने रहो, अर सारी तरियां कै

लोभ-लालच तै खुद नै बचाके राख्खो, क्यूँके किसे का जीवन उसके घणी जमीन-जायदाद तै कोनी होंदा।” 16 यीशु नै उनतै एक उदाहरण देके कहा, “किसे साहूकार की धरती म्ह घणी पैदावार होई।” 17 फेर वो अपणे मन म्ह विचार करण लाग्या, मै के कइँ? क्यूँके मेरे धौरे जगहां कोनी जित्त अपणी उपज वैगरा धरँ। 18 अर उसनै कहा, मै न्यू कइँगा मै अपणे नाज के गोदाम नै तोड़के, उनतै नाज के और बड़े गोदाम बनाऊँगा, अर उडै अपणा सारा नाज अर धन धरँगा, 19 अर अपणे-आप तै कइँगा, के तेरे धौरे घणे साल खात्तर घणा धन धरया सै, चैन कर, खा, पी, मोज कर। 20 पर परमेसवर नै उसतै कहा, हे बेकूफ, तू इस्से रतर मर जावैगा, फेर जो कुछ तन्नै कठ्ठा करया सै, वो किसका होगा? 21 “इस्से तरियां वो माणस भी सै, जो अपणे खात्तर धन कठ्ठा करै सै, पर परमेसवर की निगाह म्ह साहूकार कोनी।” 22 फेर यीशु नै अपणे चेच्यां तै कहा, “इस करके मै थमनै कइँ सूँ, अपणे जीवन के खात्तर या चिंता ना करो के हम के खावांगें, ना अपणी देह की के, के पैहरांगें। 23 क्यूँके जीवन खाणे तै बढ़के सै, अर देह लत्यां तै बढ़के सै। 24 कागं पाँ ध्यान द्यो, वे ना बोवै सै, ना काटै सै, अर ना उनके भण्डार अर गोदाम होवै सै, फेरभी परमेसवर उननै पाळे सै। थारी किम्मत पंछियाँ तै बाध सै।” 25 थारे म्ह तै इसा कौण सै, जो चिंता करण तै अपणी उग्र का एक पल भी बढ़ा सके सै? 26 इस करके जै थम अपणी जिन्दगी म्ह छोट्टे-छोट्टे काम भी नही कर सकदे, तो जिन्दगी की बड़ी-बड़ी बात्तां खात्तर क्यातै फिक्र करो सो? 27 “जंगली फूल्लां पै ध्यान करो, के वे किस तरियां बढ़ै सै, वे मेहनत करके अपणे खात्तर लत्तें कोनी बनाते। तोभी मै थारे तै कइँ सूँ, के राजा सुलैमान भी, अपणे सारे शानों-शोकत म्ह, उन म्ह तै, किसे के समान लत्ते पैहरे होए कोनी था। 28 इस करके जै परमेसवर मैदान की घास नै, जो आज सै अर काल बाड़ म्ह झोककी जावैगी, इसे लत्तें पहरावै सै, तो हे बिश्वास म्ह कमजोर माणसां, वो थारी चिन्ता क्यूँ नही करैगा? 29 अर थम इस बात की टोह म्ह ना रहो के, के खावांगें अर के पीवांगें, अर शक ना करो। 30 क्यूँके परमेसवर ताहीं ना जाणण आळे लोग, इन सारी चिज्जां की टोह म्ह रहवै सै: पर थारा सुर्गीय पिता जाणै सै, के थमनै इन चिज्जां की जरूरत सै। 31 पर परमेसवर के राज्य की खोज करो तो ये चीज भी थमनै मिल जावैगी।” 32 “हे छोट्टे टोळ, मतना डरै, क्यूँके थारे सुर्गीय पिता नै न्यू भाया सै, के थमनै अपणा राज्य देवै। 33 अपणा धन बेचके दान कर द्यो, अर अपणे खात्तर इसे बटुए बनाओ, जो पुराणे कोनी होन्दे, यानिके परमेसवर नै खुश करण आळे भले काम करके सुर्ग म्ह इसा धन कठ्ठा करो जो खतम कोनी होन्दा, अर जिसके धौरे चोर कोनी जान्दा, अर कीड़ा कोनी बिगाड़दा। 34 क्यूँके जड़ै थारा धन सै, उडै थारा मन भी लाग्या रहवैगा।” 35 “हमेशा परमेसवर के काम्मां खात्तर तैयार रहों, अर थम प्रभु के आण खात्तर, दिवे जळा के तैयार रहों, 36 अर थम उन माणसां के बरगे बणो, जो अपणे माल्लिक की बाट देखते रहवै सै, के वो ब्याह तै कद बोहड़ैगा, ताके जिब आके दरबाजा खटखटावै, तो जिब्बे उसके खात्तर खोल द्यो। 37 धन्य सै वे नौक्कर जो माल्लिक के बोहड़ण की बाट देखते होए तैयार रहवै सै, मै थमनै साच्ची कइँ सूँ, के माल्लिक भी खुद एक नौक्कर की तरियां उन ताहीं खाणा खुआण खात्तर बिठावैगा, अर खुद उनकी सेवा-पाणी करैगा। 38 जै वो आध्दी रात नै या उसके बाद आके उन ताहीं तैयार पावै, तो वे नौक्कर धन्य सै। 39 पर न्यू जाण ल्यो, के जै घर का माल्लिक नै बेरा हो, के चोर ठीक किस घड़ी आवैगा तो वो तैयार रहन्दा, अर अपणे घर म्ह चोरी नही होण देन्दा। 40 थम भी मेरे बोहड़ के आण खात्तर तैयार रहो, क्यूँके जिस घड़ी के बारे म्ह थम सोचदे भी कोनी, उससे घड़ी मै माणस का बेटा सुर्ग तै आ जाऊँगा।” 41 फेर पतरस बोल्या, “हे प्रभु, के यो उदाहरण तन्नै म्हारे खात्तर दिया से या सारया खात्तर दिया सै।” 42 प्रभु नै जवाब दिया, “वो बिश्वास जोगगा अर अकलमंद भण्डारी कौण सै, जिसका माल्लिक उस ताहीं नौक्कर-चाकरां पै सरदार ठहरावै, के उननै बखत पै खाणा देवै।” 43 धन्य सै वो नौक्कर, जिस ताहीं उसका माल्लिक आके इसाए करदा पावै। 44 मै थमनै साच्ची कइँ सूँ, वो उस ताहीं अपणी सारी धन-सम्पत्ति का

माल्लिक बनावैगा। 45 पर जै वो नौक्कर सोचण लाग्गे के मेरा माल्लिक आण म्ह वार कर रह्या सै, उसके साथ के नौक्कर नौकराणियाँ ताहीं मारण लागज्या अर खाण-पीण अर दारूबाज होण लाग्गे। 46 तो उस नौक्कर का माल्लिक इसे दिन आवैगा, जिब वो उसकी बाट देख्दा ना हो, अर इसे बखत म्ह आवैगा जिसका उसनै ना बेरा हो, अर उसनै भारी सजा देके उसकी गिणती बिश्वास लायक माणसां म्ह कोनी करी जावैगी। 47 वो नौक्कर घणा छितैगा, जो अपणे माल्लिक की मर्जी जाणै था, अर तैयार नही रह्या अर ना उसकी मर्जी के मुताबिक चाल्या। 48 पर हरेक वो नौक्कर जो अपणे माल्लिक की मर्जी नै कोनी जाणै, फेर इसा काम करै सै जो मार खाण के लायक सै, वो कम छितैगा। इस करके जिस ताहीं घणा दिया गया सै, उसतै घणा माँग्या जावैगा, अर जिस ताहीं घणा सौप्या सै, उसतै घणा लिया जावैगा। 49 “मै धरती पै आग लाण नै आया सूँ, अर कितना आच्छा होन्दा, के या इस्से बखत सुलग जान्दी! 50 मननै तो एक बड़ी भारी बिपदा का बपतिस्मा लेणा सै, अर जिब ताहीं वो ना हो ले जद ताहीं मै इस्से बिपदा म्ह रहूँगा! 51 के थम समझो सो के मै धरती पै मिलाप करवाण आया सूँ? मै थमनै कइँ सूँ ना, बल्के न्यारे करण आया सूँ। 52 क्यूँके इब तै एक घर म्ह पाँच माणस आप्पनस म्ह बिरोध राख्खें, तीन जन जो मेरे पै बिश्वास नही करके, वो उन दो जन का बिरोध करैंगे जो मेरे पै बिश्वास राख्खे। 53 पिता बेटे तै, अर बेटा बाप तै बिरोध राख्खैगा, माँ बेट्री तै, अर बेट्री माँ तै, सास्सू बहू तै, अर बहू सास्सू तै बिरोध राख्खैगी।” 54 यीशु नै भीड़ तै कहा, “जिब थम बाइळ नै पश्चिम तै उठदे देख्खो सो, तो जिब्बे कहो सो के मिह आवैगा, अर न्यूप होवै सै, 55 अर जिब दक्षिणी हवा चाल्दी देख्खो सो, तो कहो सो के बड़ी गर्मी पड़ैगी, अर न्यूप हो सै। 56 हे कपटियाँ! थम धरती अर अकास के रूप-रंग म्ह भेद जाण सको सो, पर परमेसवर जो इस युग म्ह करण लागरया सै उसका भेद क्यातै नही जाणदे? 57 “थम खुद फैसला क्यातै कोनी कर लेंदे के ठीक सै?” 58 जिब तू अपणे बैरी के गेल्या हाकिम के धौरे जावै सै, तो राही म्ह उसतै छुटण की कोशिश करले, इसा ना हो के वो तन्नै न्यायाधीश के धौरे घसीट के ले जावै, अर न्यायाधीश तन्नै सिपाही के हवालै करदे अर सिपाही तन्नै जेळ म्ह गेर दे। 59 मै तेरे तै कइँ सूँ के जिब ताहीं तू पाई-पाई नही भर देवैगा, तब तक जेळ तै छुटण नही पावैगा।

13 उस बखत कुछ माणस आण पोहचे, अर यीशु तै उन गलीली माणसां का जिक्क करण लाग्गे, जिन ताहीं पिलातुस नै मन्दर म्ह बलिदान करते बखत मार दिया था, अर उनका ए लहू बलिदान की भेट तै मिला दिया था। 2 न्यू सुणकै उसनै उनतै जवाब म्ह कहा, “के थम समझो सो के ये गलीली माणस और बाकी सारे गलीलावासियाँ तै घणे पापी थे के उनपै इसी बिपदा आण पड़ी? 3 मै थमनै कइँ सूँ के ना, पर जै थम पाप करणा नही छोड़ोगे तो थम भी इस्से तरियां नाश होओगे। 4 अर थम के सोच्यों सों, के उन अठारह माणसां के बारे म्ह जिनपै शीलोह का गुम्मत पड्या, अर वे दब के मरगे: यरुशलेम के दुसरे सारे बासिन्द्यां तै घणे अपराधी थे? 5 मै थमनै कइँ सूँ, के जै थम पाप करणा नही छोड़ोगे तो थम भी इस्से तरियां नाश होओगे।” 6 फेर यीशु नै यो उदाहरण भी देके कहा, “किसे अंगूर के बाग म्ह अंजीर का दरखत लागरया था। वो उस म्ह फळ टोह आया, पर कोनी मिल्या। 7 फेर उसनै बाग कै रुखाळै तै कहा, लखा, तीन साल तै म्ह इस अंजीर के दरखत पै फळ टोह आऊँ सूँ, पर कोनी पान्दा। इसनै काट बगा के यो धरती नै भी क्यूँ रुंथै।” 8 उसनै उसतै जवाब दिया, “हे माल्लिक, इस साल और रहण दे के मै इसके चोंगरदेके माट्टी खोदके खाद गेरू। 9 जै आगले साल इसके फळ आ ग्या तो ठीक, नही तो इसनै कटवा दियो।” 10 आराम के दिन यीशु एक आराधनालय म्ह उपदेश देवै था। 11 उडै एक बिरबान्नी थी जिसमँ अठारह साल तै एक कमजोर करण आळी ओपरी आत्मा थी, अर वा कुबड़ी होगी थी अर किसे तरियां भी सीध्दी कोनी हो सके थी। 12 यीशु नै उस ताहीं देखके बुलाया अर कहा, “हे नारी, तू अपणे इस रोग तै मुक्त होगी सै।” 13 फेर उसनै उसपै हाथ धरया, अर वा जिब्बे

सीधी होगी अर परमेसवर की बड़ाई करण लागी। 14 इस करके के यीशु नै आराम कै दिन उस ताहीं ठीक करया था, आराधनालय का सरदार चिड़ के माणसां तै कहण लागया, “काम करण के छः दिन सै, उन ए दिनां म्ह आकै अपने रोग ठीक कराओ, पर आराम कै दिन नही।” 15 न्यू सुणके प्रभु यीशु नै जवाब दिया, “हे कपटियों, के आराम कै दिन थारे म्ह तै हरेक अपने बळध या गधे नै थान म्ह तै खोल कै पाणी पियाण कोनी ले जान्दा? 16 तो के या बिरबानी जो अब्राहम की पीढ़ी सै, जिस ताहीं शैतान नै अठारह साल तै जुड़ राख्या था, के इस ताहीं आराम कै दिन इसके बन्धन तै मुक्त करणा नही चाहिये था?” 17 जब यीशु नै ये बात कही, तो उसके सारे बिरोधी शर्मिन्दा होगे, अर साबती भीड़ उन महान काम्मां तै जो वो करै था, राज्जी होई। 18 फेर यीशु नै कह्या, “परमेसवर का राज्य किस जिसा सै? अर मै उसका उदाहरण किसतै यु? 19 वो राई कै दाणै की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे माणस नै लेकै अपने बाग म्ह बोया: अर वो बढ़के दरखत बणग्या, अर आकास के पंछियाँ नै उसकी ढाळियाँ पै बसेरा करया।” 20 यीशु नै दुबारे कह्या, “मै परमेसवर के राज्य का उदाहरण किसतै यु? 21 वो खमीर की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे बिरबानी नै लेकै तीन परसेरी (पन्द्रह किलो) चून म्ह रळया, अर होन्दे-होन्दे सारा चून खमीर बणग्या।” 22 यीशु अर उसके चेल्लें नगर-नगर, अर गाम-गाम होके उपदेश देन्दे होए यरुशलम नगर की ओड़ जावै थे, 23 तो किसे नै उसतै बुझ्या, “हे प्रभु, के थोड़े ए माणसां का उद्धार होगा?” यीशु नै उनतै कह्या, 24 “भीड़े दरबाजे तै बड़ण की कोशिश करो, क्यूँके मै थमनै कहुँ सूँ के घणखरे उस म्ह बड़ण चाहवैगें, अर कोनी बड़ सकैगें। 25 क्यूँके परमेसवर जो घर का मालिक सै उठके दरबाजा भेड़ देगा, अर थम बाहरणै खड़े होए खटखटाके कहण लागो, हे प्रभु, म्हारे खात्तर दरबाजा खोल दे, अर वो जवाब देवै, मै थमनै कोनी जाणदा, थम कित्त के सो?” 26 फेर थम कहण लागोगे, हमनै तेरे स्याम्ही खाया-पिया अर तन्नै म्हारे बजारां म्ह उपदेश दिया। 27 पर वो कहवैगा, मै थमनै कहुँ चुक्या सुँ, मै कोनी जाणदा, थम कित्त के सो। हे भुन्दे काम करण आळो, थम सारे मेरै तै दूर रहो। 28 जब अब्राहम अर इसहाक अर याकूब अर सारे नबियाँ ताहीं परमेसवर राज्य म्ह बेट्ठे, अर खुद नै बाहरणै लिकाड़े होए देखखोगे, “उड़े रोणा अर दाँत पिषणा होगा। 29 पूरी दुनिया के माणस आकै परमेसवर के राज्य के भोज म्ह शामिल होवैगें। 30 अर सच्चाई या सै के जो पाछले सै वे पहले होंगे, अर जो पहले सै वे पाछले होंगे।” 31 उससे बखत कुछ फरीसियाँ नै आकै यीशु तै कह्या, “उरै तै लिकड़ज्या, क्यूँके हेरोदेस तन्नै मार देणा चाहवै सै।” 32 यीशु नै उनतै कह्या, “जाके उस लोमड़ी तै कह द्यो के लखा, मै आज अर काल ओपरी आत्मायाँ नै काढूँ सूँ अर बिमारां नै ठीक करूँ सूँ, अर तीसरे दिन अपना काम पूरा करूँगा। 33 फेर भी यो जरूरी सै के मै आज, काल अर परसो सफर करूँ, क्यूँके हो नही सकदा के कोए नबी यरुशलम नगर के बाहरणै मारया जावै। 34 “हे यरुशलम के माणसाँ! हे यरुशलम के माणसाँ! तन्नै भोत-से नबियाँ ताहीं मारया सै, जो भोत पहले रहवै थे, अर उन माणसां ताहीं भी पत्थरां तै मार दिया जिन ताहीं थारे धोरे भेज्जे थे। कितनी ए बर मन्नै न्यू चाह्या के जिस ढाळ मुर्गी अपने बच्चां नै अपने पाकखां तळै कट्टे करै सै, उससे तरियाँ ए मै भी तेरे बाळकां नै कट्टा करूँ, पर थमनै न्यू नही चाह्या। 35 देखखो, थारा घर थारे खात्तर उजाड़ छोड्या जावै सै, मै थमनै कहुँ सूँ: जब ताहीं थम नही कहोगे, “थन्य सै वो, जो प्रभु के नाम तै आवै सै,” जद ताहीं थम मन्नै दुबारे कदे नही देखखोगे।”

14 एक खास मौकके पै जब मसीह आराम कै दिन फरीसियाँ के सरदारां म्ह तै किसे के घरां रोटी खाण नै गया, अर वे सारे उननै घणी उत्सुकता तै देखण लागरे थे। 2 उड़े एक माणस था, जिसम्ह जलोदर की बीमारी थी। 3 इसपै यीशु नै शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ तै कह्या, “के नियम-कायदा के मुताबिक आराम कै दिन आच्छा करणा ठीक सै या नही?” 4 पर वे बोल-बाल्ले रहे। फेर यीशु नै उस रोगी पै हाथ धरके उस ताहीं ठीक करके,

उस ताहीं बिदा कर दिया। 5 अर उनतै कह्या, “थारे म्ह तै इसा कौण सै, के जै थारा बेट्टा या बळध कुएँ म्ह आराम के दिन पड़ज्या अर वो उसनै जिब्बे बाहरणै कोनी लिकड़े?” 6 वे इन बातों का कुछ जवाब कोनी दे पाए। 7 जब यीशु नै देखा के न्योदे होए माणस किस तरियाँ खास-खास जगहां छॉट लेवें सै तो एक उदाहरण देके कह्या, 8 “जब कोए तन्नै ब्याह म्ह बुलावै, तो खास माणसां की जगहां पै नही बैठणा, कदे इसा ना हो के उसनै तेरे तै भी बड़े ताहीं न्योद राख्या हो, 9 अर जिसनै तेरे ताहीं अर उस ताहीं दोनुआ ताहीं न्योदा दिया सै, आके कहवै, ‘इसनै जगहां दे,’ अर फेर तन्नै शर्मिन्दा होके सारया तै पाच्छे बैठणा पड़े। 10 पर जब तू न्योदा जावै तो सारया तै पाच्छली जगहां बैठ के जब वो, जिसनै तेरे ताहीं न्योदा सै आवै, तन्नै कहवै, ‘हे दोस्त, आगरे बढ़के बैठ,’ फेर तेरे गेल्या बैठण आळा के स्याम्ही तेरी बड़ाई होवैगी। 11 क्यूँके जो कोए अपने-आपनै बड़्या बणावैगा, वो छोट्टा करया जावैगा, अर जो कोए अपने-आपनै छोट्टा बणावैगा, वो बड़्या करया जावैगा।” 12 फेर यीशु नै फिरीसी तै जिसनै उसका न्योदा दिया था उसतै कह्या, “जब तू दिन का या रात का भोज करै, तो अपने साथियाँ या भाईयाँ या कुण्बे या साहूकर पड़ोसियाँ नै ना न्योद, कदे इसा ना हो के वे भी तन्नै न्योदा देवै, अर तेरा बदला हो जावै। 13 पर जब तू भोज करै तो माणस, टुंडे, लंगड़े अर आंध्याँ नै न्योद। 14 तब तू धन्य होवैगा, क्यूँके उन कामसां के धोरे बदले म्ह देण खात्तर कुछ कोनी, परमेसवर तन्नै उस काम का बदला धर्मियाँ कै जिन्दा होण के बाद देवैगा।” 15 यीशु कै गेल्या खाणा खाण आळा म्ह तै एक नै ये बात सुणके उसतै कह्या, “धन्य सै वो जो परमेसवर के राज्य म्ह भोज खावैगा।” 16 यीशु नै उसतै कह्या, “किसे माणस नै बड़्या भोज करया अर घणा ताहीं न्योदा। 17 जब खाणा त्यार होग्या तो उसनै अपने नौकर के हाथ न्योदे होए माणसां ताहीं कहां भेज्या, ‘आओ, इब खाणा त्यार सै।’” 18 “पर वे सारे के सारे माफी माँगण लागे। पैहल्ये नै उसतै कह्या, ‘मन्नै खेत मोल लिया सै, अर जरूरी सै के उसनै देखखूँ, मै तेरे तै बिनती करूँ सूँ मन्नै माफ करदे।” 19 दुसरे नै कह्या, ‘मन्नै पाँच जोड़े बळध मोल लिए सै, उननै परखण जाऊँ सूँ, मै तेरे तै बिनती करूँ सूँ, मन्नै माफ करदे।’” 20 एक और नै कह्या, ‘मन्नै ब्याह करया सै, इस करके मै नही आ सकदा।’ 21 उस नौकर नै आके अपने मालिक ताहीं ये बात कह सुणाई। फेर घर के मालिक नै खुन्दक म्ह आके, अपने नौकर तै कह्या, “नगर के बजारां अर गळियाँ म्ह इब्बे जाके कन्नालाँ नै, टुंड्यां नै, लंगड्यां नै, अर आंध्याँ नै उर लेके आओ।” 22 नौकर नै दुबारे कह्या, “हे मालिक, जिस ढाळ तन्नै कह्या था, उससे तरियाँ ए करया गया सै, अर फेर भी जगहां सै।” 23 मालिक नै नौकर तै कह्या, “सड़कां पै अर बाड्या की कान्ही जा अर माणसां नै मजबूर करके लिया ताके मेरा घर भरज्या। 24 क्यूँके मै थमनै कहुँ सूँ के उन पैहले बुलाए होड़ माणसां म्ह तै कोए मेरे खाणे नै कोनी चाखेगा।” 25 जब बड़्ठी भीड़ यीशु कै गेल्या जावै थी, तो उसनै बोहड़के उनतै कह्या, 26 जै कोए मेरा चेल्ला बणणा चाहवै सै, अर अपने माँ-बाप अर घरआळी अर बाळकां नै अर भाईयाँ नै अर भाणां नै बल्के अपने जीवन नै भी मेरे तै ज्यादा प्यार करै सै, तो वो मेरा चेल्ला नही हो सकदा। 27 अर जो कोए अपने दुखां का क्रूस ना ठावै, अर मेरे पाच्छे नही आवै, वो भी मेरा चेल्ला कोनी हो सकदा। 28 उदाहरण के तौर पै “थारे म्ह तै कौण सै जो घर बणाणा चाहन्दा हो, अर पैहल्या बैठके खर्चा नही फैलावै के पूरा करण की गुंजास मेरे धोरे सै के नही? 29 जै वो आस ना होया करदा हो, तो जब वो नीम धर ले पर काम पूरा ना कर पावै, तो सारे देखखण आळे न्यू कहके उसका मखौल उड़ावैगे, 30 ‘के जो माणस बणाण तो लाग्या पर पूरा कोनी कर पाया?’” 31 या कौण इसा राजा सै जो दुसरे राजा तै युध्द करण जान्दा हो, अर जो विचार करले के जो बीस हजार सैनिक लेके मेरे पै चढ्या आवै सै, के मै दस हजार सैनिक लेके उसका सामना कर सकूँ सूँ के नही? 32 नही तो उसके दूर रहन्दे होए वो दूतां नै भेजके उसतै मिलाप करणा चाहवैगा। 33 इससे ढाळ थारे म्ह तै कोए अपना सारा कुछ त्याग नही देवै, वो मेरा चेल्ला कोनी हो सकदा। 34 “नूण तो बढ़िया सै, पर जै नूण का सुवाद जान्दा रहवै,

तो वो किस चीज तै नमकीन करया जावैगा। 35 वो ना तो धरती कै अर ना खाद कै खात्तर काम म्ह आवै सै: उसनै तो माणस बाहरणै बगा देवै सै। जिसके कान हों वो ध्यान तै सुण ले।”

15 सारे चुंगी लेण आळे अर पापी माणस, यीशु कै धोरे आया करै थे ताके उसकी सुणी। 2 पर फरीसी अर शास्त्री बरड़ाकै कहण लाग्गे, “यो तो पापियाँ तै मिले सै अर उनकै गेल्या खावै भी सै।” 3 फेर उसनै उनतै यो उदाहरण कइया 4 “थारे म्ह तै कौण सै जिसकी सौ भेड़ हों, अर उन म्ह तै एक खुज्या, तो निन्यानमै नै बण म्ह छोड़के, उस खुई होइ नै जिब ताहीं पा न्ही लेन्दी टोह्न्दा ना रहवै? 5 अर जिब पा ज्या सै, फेर वो घणा राज्जी होकै उस ताहीं कंधे पै ठा लेवै सै, 6 अर अपने घरां आके साथियाँ अर पड़ोसियाँ नै कट्ठा करके कहवै सै, ‘मेरे गेल्या खुशी मनाओ, क्यूँके मेरी खुई होइ भेड़ पागी सै।’ 7 मै थमनै कहूँ सूँ, के इस्से तरियाँ तै पापां नै छोड़ण आळे एक पापी खात्तर उन निन्यानभे धर्मियाँ की तुलना म्ह सुर्ग म्ह इसतै भी घणा आनन्द मनाया जावै सै, जिननै पापां की माफी माँगण की जरूरत कोनी।” 8 यीशु नै एक और उदाहरण दिया “के कौण इसी बिरबान्नी होगी जिसके धोरे दस सिक्के हों, अर उन म्ह तै एक खुज्या, तो वा दीवा बाळ के अर घर झाड़-बुहारके, जिब ताहीं पा न्ही जावै जी लाके टोह्न्दी ना रहवै? 9 अर जिब पा ज्या सै, तो वा अपणी सहेलियाँ अर पड़ोसणां नै कट्ठा करके कहवै सै, ‘मेरे गेल्या खुशी मनाओ, क्यूँके मेरा खुया होया सिक्का पाया सै।’ 10 मै थमनै कहूँ सूँ के इस्से ढाळ जिब कोए माणस अपने पापां नै छोड़के परमेसवर की राह पै चाल्लणा शरु करै सै तो उसके खात्तर भी, परमेसवर के सुर्गदूतां के स्याम्ही उतणा ए आनन्द मनाया जावै सै।” 11 फेर यीशु नै एक और उदाहरण देके कइया, “किसे माणस के दो बेटे थे। 12 उन म्ह तै छोटेकै नै पिता तै कइया, हे पिता, सम्पत्ति म्ह तै जो मेरा बाँडे आवै सै वो मन्ने इब्बे दे घो। इस करके पिता नै उन ताहीं अपणी सम्पत्ति का बंडवारा कर दिया। 13 घणे दिन कोनी बीते थे के छोटा बेटा सारा कुछ कट्ठा करके दूर देश म्ह चल्या गया, अर उड़े बुरे काम्मां म्ह अपणा धन उड़ा दिया। 14 जिब वो सारा कुछ खर्च कर गया, तो उस देश म्ह भारया अकाळ पड्या, अर वो कंगाल होगया, अर उसके धोरे खाण नै कुछ भी न्ही रह्या। 15 इस करके वो उस देश के बाशिंदां म्ह तै एक कै धोरे काम करण खात्तर, अर उसनै उस ताहीं अपने खेतां म्ह सूअर चराण खात्तर भेज्या। 16 वो भोत भूख्खा था अर वो चाहवै था के उन फळियाँ म्ह तै जिन नै सूअर खावै थे, अपना पेट भरे, अर उस ताहीं कोए कुछ कोनी देवै था। 17 जिब छोटे बेटे के होश ठिकाने आये अर अपने-आप तै कहण लाया, मेरे पिता के धोरे इसे भोत मजदूर सै जिनके खाणा खाण कै बाद भी घणाए बच जावै सै, पर मै उरै भूख्खा मरण लाग रह्या सूँ। 18 इस करके मै इब उठके अपने पिता धोरे जाऊँगा अर उसतै कहूँगा के पिता जी, मन्ने परमेसवर जो सुर्ग म्ह सै, उसके अर तेरे बिरोध म्ह पाप करया सै। 19 इब इस जोगगा कोनी रह्या के तेरा बेटा कुहाऊँ, मन्ने अपने एक मजदूर की ढाळ राख ले।” 20 “पर वो उस देश नै छोड़ के अपने बाप कै घर की ओइ चाल्या, वो इब्बे कुछ ए दूर था के उसके बाप तै उस ताहीं देख्या उसपै तरस आया, अर भाजके अपने बेटे ताहीं छान्तै के लगाके, उस ताहीं चुमता रह्या। 21 बेटे नै उसतै कइया, पिता जी, मन्ने परमेसवर जो सुर्ग म्ह सै, उसके अर तेरे बिरोध म्ह पाप करया सै, अर इब इस जोगगा कोनी रह्या के तेरा बेटा कुहाऊँ। 22 पर बाप नै अपने नौकरां तै कइया, ‘तावळ करके सुथरे-सुथरे लत्ते लिकाड़के उसनै पिहराओ, अर उसके हाथ्यां म्ह गुट्टी, अर पायां म्ह जूती पहाराओ, 23 अर बढ़िया भोज तैयार करो ताके हम खावां अर खुशी मनावां। 24 क्यूँके मेरा यो बेटा मरया था, दुबारे जीया सै: खुग्या था अर इब पाग्या सै।’ अर वे खुशी मनाण लाग्गे। 25 पर उसका जेटा बेटा खेत म्ह काम करण लागरया था। जिब वो आन्दे होए घर के धोरे पौहय्या, तो उसनै गाण-बजाण अर नाचण का बोल सुणया। 26 आखर म्ह उसनै एक नौकर बुलाके बुड़झया, यो के होण लाग रह्या सै? 27 उसनै उस ताहीं कइया, तेरा भाई बोहड़ आया सै, अर तेरे बाप नै

बढ़िया भोज तैयार करवाया सै, इस करके के वो ठीक-ठाक घरा आ गया सै। 28 न्यू सुणके वो छो ते भरनया अर भीत्तर जाणा कोनी चाह्या, पर उसका बाप बाहरणै आके उसनै मनाण लागया। 29 उसनै बाप तै कइया, ‘देख, मै इतने साल तै तेरी सेवा-पाणी कर रह्या सूँ, अर कदे भी तेरा हुकम कोनी टाळया, फेरभी तन्ने मेरे ताहीं कदे भी कोए बढ़िया चीज कोनी दी, ताके मै अपने साथियाँ गेल्या आनन्द कर सकूँ। 30 पर जिब तेरा यो बेटा आया, जिसनै तेरी सम्पत्ति अयाशियाँ म्ह उड़ा दी सै, तो उसके खात्तर तन्ने बढ़िया भोज तैयार करया।’ 31 उसके बाप नै उसतै कइया, मेरे बेटे, तू सारी हाण मेरे गेल्या सै, अर जो कुछ मेरा सै वो सारा तेराए सै। 32 पर इब आनन्द अर मगन होणा चाहिये क्यूँके यो तेरा भाई जो मरे होए माणसां की तरियां था दुबारा जी गया सै, खुग्या था, इब पाग्या सै।”

16 फेर यीशु नै चेल्यां ताहीं एक और उदाहरण देके कइया, “किसे साहूकार का एक भण्डारी था, अर लोगां नै उसके स्याम्ही उसपै यो इल्जाम लाया के वो तेरा सारा धन उड़ा देवै सै। 2 आखर म्ह उसनै अपने भण्डारी ताहीं बुलाके कइया, ‘यो के सै मै तेरे बाबत के सुणू सूँ?’ अपने भण्डारीपण का हिसाब दे, क्यूँके तू आगै तै भण्डारी कोनी रह सकदा।” 3 फेर भण्डारी सोच्यण लाग्या, इब मै के करूँ? क्यूँके मेरा मालिक इब भण्डारी का काम मेरै तै खोस्से सै। माट्टी खोदण का काम मेरै तै होवै कोनी, अर भीख मांगदे होए मन्ने शर्म आवैगी। 4 मै जाण गया के मै के करूँ, ताके मै जिब भण्डारी के काम तै हटाया जाऊँ तो माणस मन्ने अपने घरां म्ह ले लेवै। 5 फेर उसनै अपने मालिक के देणदारां ताहीं एक-एक करके बुलाया अर पैहल्या तै बुड़झया, “तेरे उपर मेरे मालिक का कितना कर्जा सै?” 6 उसनै कइया, “सौ मण तेल,” फेर उसनै उसतै कइया, “अपणा खात्ता अर बही ले अर बैठके तावळा पचास लिख दे।” 7 फेर उसनै दुसरे तै बुड़झया, “तेरे पै कितना कर्जा सै?” दुसरे नै कइया, सौ मण गेहूँ, फेर उसनै उसतै कइया, “अपणा खात्ता अर बही लेके अर बैठके अस्सी लिख दे।” 8 मालिक नै उस अधर्मी भण्डारी ताहीं सराहया के उसनै कितनी चतुराई तै काम करया सै। क्यूँके इस दुनिया के माणस अपने बखत के माणसां के गेल्या व्यवहार म्ह चांदणे के माणसां तै घणे चलाक सै। (aiōn g165) 9 अर मै थमनै कहूँ सूँ के दुनिया की धन-दौलत तै भले काम करके अपने खात्तर साथी बणा ल्यो, ताके जिब वो धन दौलत न्ही रहवै तो अनन्त काल के घर म्ह थारे स्वागत हो। (aiōnios g166) 10 वे लोग जो थोड़े-तै भी थोड़े म्ह भी विश्वास जोगे सै, वे घणे म्ह भी विश्वास जोगे होंगे, जो थोड़े-तै भी थोड़े म्ह बेईमान सै, वो घणा म्ह भी बेईमान होंगे। 11 इस करके जिब थम संसारिक धन म्ह विश्वास जोगा न्ही ठहरे, तो साच्चा धन थमनै कौण देवैगा? 12 अर जै थम संसारिक धन-दौलत न इस्तमाल करण म्ह भरोस्सेमंद न्ही ठहरे, तो परमेसवर थमनै सुर्गियां धन क्यूँ देवैगा? 13 “कोए नौकर दो मालिकां की सेवा एक बखत पै न्ही कर सकदा, क्यूँके वो एक तै बैर अर दुसरे तै प्यार राखेगा, या एक तै मिल्या रहवैगा अर दुसरे नै छोटा जाणैगा। थम परमेसवर अर धन दुनोआ की सेवा न्ही कर सकदे।” 14 फरीसी जो लोभी थे, ये सारी बात सुणके, मखौल करण लाग्गे। 15 यीशु नै उनतै कइया, “थम तो माणसां के स्याम्ही खुद नै धर्मा ठहराओ सों, पर परमेसवर थारे मन नै जाणै सै, क्यूँके जो चीज माणसां की निगांह म्ह महानू सै, वा परमेसवर के लोवै घृणित सै।” 16 जब तक यूहन्ना आया, जिब ताहीं मूसा के नियम-कायदे अर नबी का प्रभाव माणसां पै रह्या। उस बखत तै परमेसवर के राज्य का सुसमाचार सुणाया जाण लागरया सै, अर हरेक उस म्ह तेज्जी तै इसकी ओइ खिचे आण लागरे सै। 17 अकास अर धरती का टळ जाणा आसान सै, पर नियम-कायदा की हर छोटी बात भी पूरी होके रहवैगी। 18 उदाहरण के तौर पे “जो कोए अपणी घरआळी नै छोड़के दुसरी तै ब्याह करै सै, वो जारी करै सै, अर जो कोए इसी छोड़ी होई बिबान्नी तै ब्याह करै सै, वो भी जारी करै सै।” 19 फेर यीशु नै कइया, “एक साहूकार माणस था जो बैजनी अर मलमल के महँगे लत्ते पहरदा अर हरेक दिन ऐसो-आराम तै अर मौजे तै रहवै

था। 20 लाजर नाम का एक कंगाल जिसके घा: होरे थे उसकी देहली पै छोड़ दिया जावे था। 21 अर वो चाहवे था, के साहूकार के मेज की जूठण तै अपणा पेट भरे, उरे ताहीं के कुत्ते भी आके उसके घा: नै चाट्या करे थे।” 22 इसा होया के वो कंगाल मरया, अर सुर्गदूतां नै उस ताहीं लैके अब्राहम की गोद म्ह पोंहच्या। वो साहूकार भी मारया अर गाड्या गया, 23 साहूकार नरक म्ह गेरया गया, अर नरक की ताडना तै दर्द म्ह पड़े होए अपणी निगांह ठाई, दूर तै ए अब्राहम के साथ लाजर ताहीं देख्या। (Hadēs g86) 24 फेर उसने रुक्का मारके कह्या, हे पिता अब्राहम, मेरे पै दया करके लाजर नै भेजदे, ताके वो अपणी आनगळी का कुणा पाणी म्ह डबोके मेरी जीभ नै शीळी करे, क्यूँके मैं इस आग तै तडफू सूँ। 25 “अर अब्राहम बोल्या, ‘हे बेटे, याद कर, के तन्नै अपणी जिन्दगी म्ह बढ़िया तै बढ़िया चीज ले ली सै’, अर उससे तरियां लाजर नै तुच्छ चीज, पर इब वो उरे सुख अर शान्ति पा रह्या सै, अर तू तडफ रह्या सै। 26 इन सबके अलावा म्हारै अर तेरे बिचाळै एक बड़ी खाई ठहराई गई सै, के जो उरे तै तेरी ओड़ आणा चाहवे, वे ना जा सकै, अर ना कोए उड़े इस पाससै म्हारै धौरै आ सकै।” 27 साहूकार बोल्या, तो हे पिता, मै तेरे तै बिनती करूँ सूँ, के उस ताहीं मेरे बाप के घरां भेज, 28 क्यूँके मेरे पाँच भाई सै, वो उनके स्याम्ही इन बातां की गवाही दे, इसा ना हो के वे भी दुख की जगहां म्ह आवै। 29 अब्राहम नै उसतै कह्या, उनके धौरै तो मूसा के नियम-कायदे, नबी अर नबियाँ की किताब सै, वे उनकी सुणै। 30 साहूकार बोल्या, “न्ही, पिता अब्राहम, पर जै कोए मरे होया म्ह तै उनके धौरै जावै, तो वे पाप करणा छोड़ देंगे।” 31 अब्राहम नै उसतै कह्या, “जिब वे मूसा नबी अर नबियाँ की न्ही सुणदे, तो जै मरे होया म्ह तै कोए जी भी जा, तोभी उसकी कोनी मान्नें।”

17 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै कह्या, “हो न्ही सकदा के ठोक्कर ना लाग्गै, पर धिक्कार सै, उस माणस पै जिसके बाबत ठोक्कर लाग्गै सै। 2 पर जो कोए इन छोट्या बाळकां समान जो मेरे पै बिश्वास करे सै, किसे तै भी पाप करवावे तो उसके खात्तर भला योए सै के एक बड्डी चाक्की का पाट उसके गळ म्ह लटकाया जावे अर वो समुंदर म्ह गेरया जावै।” 3 सावधान रहों, “जै तेरा बिश्वासि भाई पाप करे तो उसने समझ, अर जै पछतावे तो उसने माफ करदे। 4 जै हरेक दिन वो तेरे बिरुद्ध म्ह सात बार भी पाप करे, अर सातु बार तेरे धौरै आके कहवे, मै पछताऊँ सूँ, तो उसने माफ करदे।” 5 फेर प्रेरितां नै प्रभु यीशु तै बिनती करी, “के म्हारे बिश्वास नै बढ़ा।” 6 प्रभु बोल्या, “जै थमने राई के दाणे बराबर भी बिश्वास होन्दा, तो थम इस शहतूत के दरखत नै कहन्दे के जड़ तै उखड़के समुन्दर म्ह जा लाग, तो वो थारी मान लेन्दा।” 7 फेर यीशु नै कह्या, “मान ल्यो थारे म्ह तै किसे के धौरै एक नौक्कर सै जो नौक्कर हळ चलान्दा या भेड़ चरान्दा हो, अर जिब वो खेत तै बोहड़ आवै, तो के थम उसतै कहोंगे, ‘आके मेरे गेल खाणा खाण बैठ ज्या?’ 8 पर इसके बजाये के वो अपणे नौक्कर न्यू कोनी कहवैगा, ‘मेरे खात्तर खाणा त्यार कर, अर मेरे ताहीं खाणा परोसण खात्तर तैयार हो ज्या, जिब ताहीं मै खाऊँ पीऊँ तब ताहीं मेरी सेवा-पाणी कर, इसके पाछे तू भी खा-पी लिये?’ 9 के वो उस नौक्कर का शयान मान्नेगा के उसने वैए काम करे जिसका हुकम दिया सै? 10 इससे तरियां तै थम भी जिब उन सारे काम्मां नै कर ल्यो जिसका हुकम थारे ताहीं दिया गया सै, तो उस ताहीं कर लेण के बाद थमने कहणा चाहिये, ‘हम नौक्कर सां, हम किसे बड़ाई के हकदार कोनी हमने तो बस अपणा फर्ज निभाया सै।’” 11 फेर जिब यीशु यरुशलेम जाण लागरया था तो सामरिया अर गलील परदेस के बिचाळै की सीमा तै होन्दा होया लिक्ड्या। 12 तो गाम म्ह बड़दे बखत उसने दस कोढ़ी मिले वे दूर खड़े थे। 13 वे जोर तै रुक्का मारके बोल्ते, “हे यीशु, हे माल्लिक, म्हारै पै दया कर!” 14 यीशु नै उन कान्ही लखाके कह्या, “यरुशलेम के मन्दर म्ह जाओ, अर खुद नै याजकां ताहीं दिखाओ, ताके वो भी देखे के थम ठीक होए साँ के न्ही।” अर जान्दे ए जान्दे वे कोढ़ तै मुक्त होगये। 15 फेर उन म्ह तै एक न्यू देखके के मै ठीक होग्या सूँ, जोर-जोर तै

परमेसवर की बड़ाई करता होया यीशु के धौरै बोहड़या, 16 अर यीशु के पायां पै मुंह के बळ पड़के उसका धन्यवाद करण लाया, अर वो सामरी था। 17 इसपे यीशु नै कह्या, “के दस कोढ़ी चंगे न्ही होए, तो फेर नौ किन्त सै? 18 के गैर यहूदी नै छोड़ कोए और न्ही लिक्ड्या जो परमेसवर की बड़ाई करद?” 19 फेर उसने उस ताहीं कह्या, “उठके चल्या जा, तन्नै बिश्वास करया इस खात्तर तू ठीक होग्या सै।” 20 फेर फरीसियां नै यीशु तै बुद्झया के परमेसवर का राज्य कद आवैगा, तो उसने उनतै जवाब दिया, “परमेसवर का राज्य इस ढाळ आवैगा के थम उसने अपणी आँखां तै न्ही देख सकदे। 21 अर ना ए माणस इसके बारे म्ह न्यू कह सकेंगे, देख्खों यो सै परमेसवर का राज्य। क्यूँके परमेसवर का राज्य थारे बिचाळै सै।” 22 फेर यीशु नै चेल्यां तै कह्या, “वो दिन आवैगा, जिब थम उस दिन नै देखणा चाहोंगे जिब मै माणस का बेटा बोहड़ के आऊँगा पर थम उस दिन नै देख न्ही पाओगे।” 23 माणस थारे तै कहवेंगे, लखाओ, “मसीहा उड़े सै।” या लखाओ, “वो आड़े सै।” पर थम यो सुणके चले ना जाइयो, अर ना उनके पाछे लागियो। 24 क्यूँके जिस तरियां बिजली अकास के एक छोर तै कोंध के अकास के दुसरे छोर ताहीं चमके सै, उससे तरियां मै माणस का बेटा भी अपणे दिनां म्ह जाहिर होऊँगा। 25 पर पैहल्या जरूरी सै के मै घणा दुख ठावे, अर इस युग के माणस मेरे ताहीं नकार देंगे। 26 जिसा पूर्वज नूह के दिनां म्ह होया था, उससे तरियां मुझ माणस के बेटे के दिनां म्ह भी होवैगा। 27 जिस दिन तक नूह जहाज म्ह न्ही चढ़या, उस दिन तक माणस खावै-पीवै थे, अर उन म्ह ब्याह होवै थे। फेर बाढ़ नै उन सारया का नाश करया। 28 ठीक याए हालात लूत के दिनां म्ह होई थी, जिब वो सदोम नगर म्ह रहवै था। माणस खावै-पीवै, लेणा-देणा करदे, दरखत लगान्दे अर घर चिणें थे, 29 पर जिस दिन लूत सदोम तै लिक्ड्या, उस दिन आग अर गन्धक अकास तै बरसी सारे नगर के माणसां ताहीं नाश कर दिया। 30 यो उस दिन की तरियां होणा जिब मै माणस का बेटा बिना बताये आ जाऊँगा। 31 “उस दिन जो छत पै हो, अर उसका समान घर म्ह हो, अर वो उसने लेण खात्तर तळै न्ही उतरें, अर उससे तरियां जो खेतां म्ह हो, वो पाछे न्ही बोहड़ें। 32 याद राखियों लूत की घरआळी के गैल के होया था! 33 जो कोए अपणी जान बचाणा चाहवे, वो उसने खोवैगा, अर जो कोए उसने खोवै वो उसने जिन्दा राखवैगा। 34 मै थमने कहूँ सूँ, उस रात नै दो माणस एक खाट पै होंगे, एक ठाया जावैगा अर दुसरा छोड़ दिया जावैगा। 35 दो बिरबान्नी एक साथ चाक्की पीसदी होवैगी, एक ठा ली जावैगी अर दुसरी छोड़ दी जावैगी। 36 (दो जणे खेत म्ह होंगे, एक ठाया जावैगा अर दुसरा छोड्या जावैगा।) 37 न्यू सुण उनै उसतै बुद्झया, “हे प्रभु, यो किन्त होवैगा?” यीशु नै उनतै कह्या, “जड़े लाश हो सै, उड़ैए चील कठ्ठे होवै सै, उससे तरियां यो हरेक कोए जाण लेवैगा के यो किन्त होगा।”

18 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै इसके बाबत कह्या, के रोज प्रार्थना करणी चाहिये अर हिम्मत न्ही हारनी चाहिये, उनतै यो उदाहरण दिया, 2 “किसे नगर म्ह एक न्यायाधीश रहवै था, जो ना परमेसवर तै डरे था अर ना किसे माणस की परवाह करया करे था। 3 उससे नगर म्ह एक बिधवा भी रहवै थी, जो उसके धौरै आ-आके कह्या करै थी, मेरा न्याय चुकाके मन्ने बैरी तै बचा।” 4 कुछ बखत ताहीं तो वो कोनी मान्या पर आखर म्ह मन म्ह सोचके बोल्या, “ऊंतो मै परमेसवर तै कोनी डरदा, अर ना माणसां की कुछ परवाह करूँ सूँ, 5 फेरभी या बिधवा मन्ने काल राख्खे सै, इस करके मै उसका न्याय चुकाऊँगा, कदे इसा ना हो के घड़ी-घड़ी आके आखर म्ह मेरी नास्सा म्ह दम करदे।” 6 प्रभु यीशु नै कह्या, “सुणो, इस अधर्मा न्यायाधीश नै देख के सीखों। 7 के परमेसवर अपणे चुणे होया का न्याय कोनी करैगा, जो दिन-रात उसके नाम की दुहाई देंदे रहवै सै? के वो उनकी मदद करण म्ह वार लगावैगा? 8 मै थमने कहूँ सूँ, जो जिब्बे उनका न्याय करैगा। फेर भी मै माणस का बेटा जिब आऊँगा, तो के मै धरती पै मेरे पै बिश्वास करणीया नै पाऊँगा?” 9 यीशु नै उन माणसां तै यो उदाहरण दिया, जो अपणे बारे म्ह यो

सोचते थे, के हम धर्मी सां, अर दुसरयां नै नकारै थे। 10 “दो माणस मन्दर म्ह प्रार्थना करण नै गए, एक फरीसी था अर दुसरा चुंगी लेण आळा, 11 फरीसी खड्या होके अपणे मन म्ह न्यू प्रार्थना करण लाग्या, हे परमेसवर, मै तेरा धन्यवाद करूँ सूँ के मै और माणसां की तरियां अन्धेर करण आळा, जुल्मी, अर जार कोनी, अर ना इस चुंगी लेण आळे की तरियां सूँ। 12 मै हप्तै म्ह दो बर ब्रत राखूँ सूँ, मै अपणी सारी आमदणी का दसमां हिस्सा भी तेरे ताहीं देऊँ घु सूँ।” 13 पर चुंगी लेण आळे नै दूर खडे होके, सुर्ग के कान्ही निगांठ ठाणा भी कोनी चाह्या, बल्के दुखी होके अपणी छत्ती पीट-पीटकै कह्या, “हे परमेसवर, मुझ पापी पै दया कर!” 14 “बिश्वास करो वास्तव म्ह योए चुंगी लेण आळा माणस (परमेसवर की ओड़ तै) धर्मी ठहरया जाके घरां गया, ना के वो फरीसी माणस। क्यूँके जो कोए अपणे-आपने बड़ड़ा बणावैगा, वो छोट्टा करया जावैगा, अर जो कोए अपणे-आपने छोट्टा बणावैगा, वो बड़ड़ा करया जावैगा।” 15 फेर माणस अपणे बाळकां नै भी उसके धौरे ल्याण लागे के वो उनपै हाथ धरे, पर चेल्यां नै देख उन ताहीं धमकाया। 16 यीशु नै बाळकां ताहीं धौरे बुलाके कह्या, “बाळकां नै मेरे धौरे आण घो अर उननै रोक्को मतना: क्यूँके परमेसवर का राज्य इसाए का सै। 17 मै धमनै सच कहूँ सूँ के जो कोए परमेसवर के राज्य नै बाळक की तरियां कोनी अणवाये वो उस म्ह कदे न्ही बड़ सकदा।” 18 किसै सरदार नै उसतै बुझया, “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का हकदार होण खात्तर मै के कहे?” (aiōnios g166) 19 यीशु नै उसतै कह्या, “तू मन्ने उत्तम क्यातै कहवै सै? कोए उत्तम कोनी, सिर्फ एक, यानिके परमेसवर। 20 तन्ने हुकमां का तो बेराए सै: ‘जारी ना करिये, खून ना करिये, अर चोरी ना करिये, अर झूठी गवाही ना दियो, अपणे माँ-बाप का आदर करियो।’” 21 उसनै कह्या, “मै तो इन सारया नै बाळकपण तै ए मान्दा आऊँ सूँ।” 22 न्यू सुणके यीशु नै उसतै कह्या, “तेरे म्ह इब भी एक बात की कमी सै, अपणा सब कुछ बेचके कंगालां ताहीं बांड दे, अर तन्ने सुर्ग म्ह धन मिलैगा, अर आके मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरे पाच्छे हो ले।” 23 वो न्यू सुणके घणा उदास होया, क्यूँके वो घणा साहूकार था। 24 यीशु नै उस ताहीं देखके कह्या, “साहूकारां का परमेसवर के राज्य म्ह बड़णा कितना ओक्खा सै। 25 जिस तरियां तै ऊँट का सूई के मोरै म्ह तै लिकड़णा मुश्किल सै। उससे तरियां परमेसवर के राज्य साहूकार का बड़णा भी मुश्किल सै।” 26 इसपै सुणण आळा नै कह्या, “तो फेर किसका उद्धार हो सके सै?” 27 उसनै कह्या, “जो माणसां तै न्ही हो सकदा वो परमेसवर तै हो सके सै।” 28 पतरस नै कह्या, “लखा, हम तो घर-बार छोड़के तेरे पाच्छे हो लिये सां।” 29 उसनै उनतै कह्या, “मै धमनै साच्ची-साच कहूँ सूँ के इसा कोए कोनी जिसनै परमेसवर के राज्य के खात्तर घर, या घरआळी, भाई, या माँ-बाप, या बाळ-बच्चे ताहीं छोड़ दिया हो, 30 अर इस बखत कई गुणा घणा न्ही पावै अर परलोक म्ह अनन्त जीवन।” (aiōn g165, aiōnios g166) 31 फेर उसनै बारहां चेल्यां ताहीं गैल लेके उनतै कह्या, “देखो, हम यरुशलेम नगर म्ह जावां सां, अर जितनी बात मुझ माणस के बेटे खात्तर नबियाँ नै लिक्खी होई सै, वे सारी पूरी होवैगी। 32 क्यूँके मै गैर यहूदियाँ के हाथ्यां म्ह सौया जाऊँगा, अर मेरा मजाक उड़ावैगें, मेरी बेजती करैगें, अर मेरे पै थूकैगें, 33 अर मेरे कोड़े मारैगें, अर मन्ने छेतैगें अर मार देवैगें, अर मै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।” 34 पर उननै इन बाततां म्ह तै कोए बात न्ही समझी, अर या बात उनतै लुक्की रही, अर जो कह्या गया था वो उनकी समझ कोनी आया। 35 जिव वो यरीहो नगर के लोवे पोंहया, तो एक आन्धा सड़क के किनारे बेठ्या होया भीख माँगण लागरया था। 36 वो भीड़ के चाल्लण की आवाज सुणके बुझण लागरया, “यो के होरया सै?” 37 उननै उसतै बताया, “यीशु नासरी जाण लागरया सै।” 38 फेर उसनै रुक्का मारके कह्या, “हे यीशु, दाऊद की उल्लाद, मेरे पै दया कर!” 39 जो आगै-आगै जाण लागरे थे, वे उसनै धमकाण लागये के बोल-बाल्ला रहै, पर वो और भी रुक्का मारण लाग्या, “हे दाऊद की उल्लाद, मेरे पै दया कर!” 40 फेर यीशु नै खडे होके हुकम दिया के उसनै मेरे धौरे ल्याओ, अर जिव वो धौरे आया तो उसनै उसतै

बुझया, 41 “तू के चाहवै सै के मै तेरे खात्तर कहे?” उसनै कह्या, “हे प्रभु, योए के मै देखण लागू।” 42 यीशु नै उसतै कह्या, “देखण लाग, तेरे बिश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै।” 43 फेर वो जिब्बे देखण लागया अर परमेसवर की बड़ाई करदा होया उसकै पाच्छे हो लिया, अर सारे आदमियाँ नै देखके परमेसवर की जै-जै कार करी।

19 यीशु यरीहो नगर म्ह बड़ण लागरया था। 2 ओड़े जक्कई नाम का एक माणस था जो चुंगी लेण आळा का सरदार, अर साहूकार था। 3 वो यीशु नै देखणा चाहवै था के वो कौण सै। पर भीड़ के कारण देख न्ही सके था, क्यूँके वो बोन्ना था। 4 फेर उस ताहीं देखण खात्तर वो आगै भाजके गुलर के दरखत पे चढ़या, क्यूँके यीशु नासरी उससे राह तै जाण आळा था। 5 जिव यीशु नासरी उसके धौरे आया, तो उप्पर लखाके उसनै कह्या, “हे जक्कई, तोळा उतरया, क्यूँके आज मन्ने तेरे घरां जरूर रहणा सै।” 6 वो दरखत तै उतरके राज्जी होके यीशु नै अपणे घरां लेग्या। 7 न्यू देखके सारे माणस बरड़ण लागे, “वो तो एक पापी माणस के घरां रुकरया सै।” 8 जिव यीशु जक्कई के घर खाणा खाण लागरया था तो जक्कई नै खडे होके प्रभु तै कह्या, “हे प्रभु यीशु, देख, मै अपणी आध्धी सम्पत्ति कंगालां नै घु सूँ, अर किसे का कुछ भी जुल्म करके ले लिया सै तो उस ताहीं चौगुणा बोहड़ा घु सूँ।” 9 फेर यीशु नै उसतै कह्या, “आज इस घर के माणसां पै उद्धार आया सै, इस करके के यो भी अब्राहम के वंश तै सै। 10 मै माणस का बेट्टा खोए होया नै टोह अर उनका उद्धार करण आया सूँ।” 11 जिव वे ये बात सुणै थे, तो यीशु नै एक उदाहरण देके कह्या, इस करके के वो यरुशलेम के धौरे था, अर वे समझै थे के परमेसवर का राज्य इब्बे जाहिर होण आळा सै। 12 आखर उसनै कह्या, “एक साहूकार माणस दूर देश तै चल्या के राजपद पाके बोहड़े।” 13 उसनै अपणे नौकरां म्ह तै दस ताहीं बुलाके उन ताहीं दस मोंहर दी अर उनतै कह्या, “मेरे बोहड़ण ताहीं लेण-देण करियो।” 14 पर उसके नगर के बासिन्दे उसतै बैर राखवै थे, अर उसके पाच्छे दूतां तै कुहा भेज्या, “हम न्ही चाहन्दे के यो म्हारे पै राज करे।” 15 “जिव माल्लिक राजपद पाके बोहड़या, तो इसा होया के उसनै अपणे नौकरां ताहीं जिन ताहीं रपिये दिये थे, अपणे धौरे बुलाया ताके बेरा करे के उननै लेण-देण म्ह के-के कमाया।” 16 फेर पैहल्डे नै आके कह्या, “हे माल्लिक, तेरी मोंहर तै दस और मोंहर कमाई सै।” 17 उसनै उसतै कह्या, “शाबाश, हे आच्छे नौकर! तू घणैए थोड़े म्ह भरोसमद लिकड़या इब दस नगरां का हक राख।” 18 दुसरे नौकर नै आके कह्या, “हे माल्लिक, तेरी मोंहर तै पाँच और मोंहर कमाई सै।” 19 माल्लिक नै उसतै कह्या, “तू भी पाँच नगरां पै हाकिम होज्या।” 20 तीसरे नौकर नै आके कह्या, “हे माल्लिक, देख, तेरी मोंहर या सै: जिस ताहीं मन्ने अंगोच्छे म्ह जुड़ राखी थी। 21 क्यूँके मै तेरे तै डहूँ था, इस करके के तू कठोर माणस सै: जो तन्ने न्ही धरया उसनै ठा ले सै, अर जो तन्ने न्ही बोया, उस ताहीं काट्टै सै।” 22 माल्लिक नै उसतै कह्या, “हे दुष्ट नौकर, मै तेरेए मुँह तै तन्ने कसूरवार ठहराऊँ सूँ। जिव तन्ने मेरा बेरा सै के करड़ा माणस सूँ, जो मन्ने न्ही धरया उसनै ठा ल्यु सूँ, अर जो मन्ने न्ही बोया, उस ताहीं काट्टू सूँ, 23 तो तन्ने मेरे रपिये सर्रांफां के धौरे क्यातै कोनी धरे के मै आके ब्याज सुधां ले लेन्दा?” 24 अर जो माणस धौरे खडे थे, उसनै उनतै कह्या, “वा मोंहर उसतै ले ल्यो, अर जिसके धौरे दस मोंहर सै उसनै दे घो।” 25 उननै उसतै कह्या, “हे माल्लिक, उसके धौरे दस मोंहर तो सै।” 26 “मै धमनै कहूँ सूँ के जिसके धौरे सै, उस ताहीं दिया जावैगा, अर जिसके धौरे न्ही सै, उसतै वो भी जो उसके धौरे सै ले लिया जावैगा। 27 पर मेरे उन बैरियां ताहीं जो न्ही चाहवै थे के मै उनपै राज कहेँ, उन ताहीं उरे ल्याके मेरे स्याम्ही घात करो।” 28 ये बात कहके यीशु यरुशलेम नगर के कान्ही चेल्यां के आगै-आगै चाल्या। 29 जिव वो जैतून नामक पहाड़ पे बैतफगे अर बैतनिय्याह गाम के धौरे पोंहया, तो उसनै अपणे चेल्यां म्ह तै दोगां ताहीं न्यू कहके भेज्या, 30 “स्याम्ही के गाम म्ह जाओ, अर उस म्ह पोहोचये एक गधी का बच्चा

जिसपै कोए कदे नही बैठ्या हो, बन्ध्या होइ थमने मिलैगा, उसने खोल कै लियाओ। 31 जै थारे तै कोए बुझ्झी के क्यातै खोल्लो सो, तो कहियो के प्रभु नै इसकी जरूरत सै। 32 जो भेज्जे गए थे, उनने जाके जिसा यीशु नै कह्या था, उससे तरियां पाया। 33 जिव वे गधी कै बच्चे नै खोल्लै रहे थे, तो उसके मालिकां नै उनतै बुझ्झ्या, “इस बच्चे नै क्यातै खोल्लो सो?” 34 चेल्यां नै कह्या, “प्रभु नै इस ताहीं काम म्ह ल्याणा सै।” 35 वे उसने यीशु कै धोरे लियाए, अर अपणे लत्ते उस गधी के बच्चे पै गेरके यीशु ताहीं उसपै बिठा दिया। 36 जिव वो जाण लागरया था, तो वे अपणे लत्ते राह म्ह बिछान्दे जावे थे। 37 यरुशलेम नगर के धोरे आन्दे होए जिव यीशु जैतून पहाड़ की ढलाण पै पोंहच्या, तो चेल्यां का सारा टोळ उन सारे सामर्थ के कामां के कारण जो उनने देखे थे, राज्जी होके जोर तै परमेसवर की जय-जयकार करण लागे 38 “धन्य सै वो राजा, जो प्रभु कै नाम तै आवे सै! सुगं म्ह शान्ति अर अकास मण्डप म्ह महिमा हो!” 39 फेर भीड़ म्ह तै कुछ फरीसी यीशु तै कहण लागे, “हे गुरु, इस बात के कारण अपणे चेल्यां नै धमका।” 40 उसने जवाब दिया, “मै थमने कहूँ सूँ, जै ये बोल-बाल्ले रहे तो स्तुति इन पत्थरां तै लिक्ड़ण लागेगी।” 41 जिव यीशु यरुशलेम नगर के धोरे आया तो नगर नै देखके माणसां खातर रोया 42 अर बोल्या, “कितना भला होन्दा के तू, हॉ, तू ए आज इगणाए समझ लेन्दा की परमेसवर के साथ शान्ति का के मतलब सै, पर यो तेरे तै लट्को के राख्या गया सै। 43 क्यूँके वे दिन तेरे म्ह आवैगें के तेरे बैरी मोर्चा बाँधके तन्नै घेर लेवैगें, अर चौगरदे तै तन्नै दबावैगें ताके थारा राह बन्द होज्या, 44 अर तेरा बैरी तन्नै अर तेरे बाळकां ताहीं जो तेरे म्ह सै, माट्टी म्ह मिलावैगें, अर तेरे म्ह पत्थर पै पत्थर भी कोनी रहवेगा, जो गेरया ना जावेगा, क्यूँके तन्नै उस मौकके ताहीं जिव तेरे पै दया की निगाह होई थी तो तन्नै कोनी पिच्छाणा।” 45 फेर वो मन्दर म्ह जाके समान बेचण आळा ताहीं बाहरणै लिक्ड़ण लाग्या, 46 अर उनतै कह्या, “पवित्र शास्त्र म्ह लिख्या सै, ‘मेरा घर प्रार्थना का घर होग,’ पर थमने इस ताहीं डाकुआं की गुफा बणा दिया।” 47 वो हरेक दिन मन्दर म्ह उपदेश दिया करै था, अर प्रधान याजक अर शास्त्री अर माणसां के मुखिया उसका नाश करण का मौकका टोहें थे। 48 पर कोए जुगाड़ कोनी काढ सके थे, के यो किस तरियां करा, क्यूँके सारे माणस घणे चाह तै उसकी सुणै थे।

20 एक दिन इसा होया के जिव यीशु मसीह मन्दर म्ह माणसां नै उपदेश देवे था अर सुसमाचार सुणावे था, तो प्रधान याजक अर शास्त्री, यहूदी अमुवां के गेल्या धोरे आके खडे होए, 2 अर कहण लागे, “म्हारे ताहीं बता, तू इन कामां नै किसकै हक तै करे सै, अर वो कौण सै जिसनै तेरे ताहीं यो हक दिया सै?” 3 उसने उनतै कह्या, “मै भी थारे तै एक बात बुझ्झूँ सूँ, मन्ने बताओ। 4 यूहन्ना का बपतिस्मा सुर्ग की ओड़ था या माणसां की ओड़ तै था?” 5 फेर वे आप्पस म्ह कहण लागे, “जै हम कहां, ‘सुर्ग की ओड़,’ तो वो कहवेगा, ‘फेर थमने उसका बिश्वास क्यातै नही करया?’ 6 अर जै हम कहां, ‘माणसां की ओड़,’ तो सारे माणस म्हारे पै पत्थर बरसावैगें, क्यूँके सारे जाणे सै के यूहन्ना साच्चीये नही था।” 7 आखर उनने जवाब दिया, “हमने नही बेरा के वो किस ओड़ तै था।” 8 यीशु नै उनतै कह्या, “तो मै भी कोनी बतान्दा के मै ये काम किस हक तै करूँ सूँ।” 9 फेर वो माणसां तै यो उदाहरण कहण लाग्या: “किसे माणस नै अंगूर का बाग लगाया, अर किसानां तै उसने ठेक्का दे दिया अर घणे दिनां खातर परदेस चल्या गया। 10 जिव बखत आया तो उसने किसानां के धोरे एक नौक्कर ताहीं भेज्या के वे अंगूर के बाग के कुछ फळां का हिस्सा उसने देवे, पर किसानां नै उस ताहीं छेतकै रिक्ते हाथ्यां बोहड़ा दिया। 11 फेर उसने एक और नौक्कर ताहीं भेज्या, अर उनने उस ताहीं भी छेतकै अर उसकी बेजती करके रिक्ते हाथ्यां बोहड़ा दिया। 12 फेर उसने तीसरा भेज्या, उनने उस ताहीं भी घायल करके लिक्ड़ दिया।” 13 फेर अंगूर के बाग कै माल्लिक नै कह्या, “मै के करूँ? मै अपणे प्यारे बेटे नै भेज्जुंगा, हो सके सै वे उसकी इज्जत करै।” 14 जिव किसानां नै उस ताहीं देख्या तो आप्पस म्ह विचार करण लागे, “यो तो

वारिस सै, आओ, हम इसने मार दया के विरासत म्हारी हो जावै।” 15 अर उनने उस ताहीं अंगूर के बाग तै बाहरणै लिक्ड़के मार दिया। इस करके अंगूर के बाग का माल्लिक उनके गेल्या के करेगा? 16 वो आके उन किसानां का नाश करेगा, अंगूर के बाग औरां नै सोपेगा। न्यू सुणके उनने कह्या, “परमेसवर करै इसा ना हो।” 17 उसने उनकी ओड़ देखके कह्या, फेर यो के लिख्या सै: “जिस पत्थर नै राजमिस्त्रियां नै निकम्मा ठहराया था, वोए कोणे का सिरा होग्या। 18 “जो कोए उस पत्थर पै पड़ेगा वो चकणाचूर हो जयागा, अर जिसपै वो पड़ेगा, उसने पिस देवेगा।” 19 उससे बखत शास्त्रियां अर प्रधान याजकां नै उस ताहीं पकड़णा चाह्या, क्यूँके वे समझगे थे के उसने म्हारे पै यो उदाहरण कह्या, पर वे माणसां तै डरगे। 20 अर वे उसकी टाह म्ह लागे अर भेदिए भेज्जे के धर्म का भेष धरके उसकी कोए ना कोए बात पकड़ै, ताके उस ताहीं राज्यपाल के हाथ अर अधिकार म्ह सौंप दें। 21 उनने उसतै न्यू बुझ्झ्या, “हे गुरु, हमने बेरा सै के तू ठीक कहवे अर सिखावे भी सै, अर किसे की मैरे कोनी लेन्दा, बल्के परमेसवर की राह सच्चाई तै बतावे सै। 22 के म्हारा कैसर तै चुंगी देणा ठीक सै या कोनी?” 23 उसने उनकी श्याणपत ताहीं ताड़के उनतै कह्या, 24 “एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) मन्ने दिखाओ। इसपै किसकी छाप अर नाम सै?” 25 उनने कह्या, “कैसर का।” 25 उसने उन ताहीं कह्या, “तो जो कैसर का सै, वो कैसर नै द्यो, अर जो परमेसवर का सै, वो परमेसवर नै द्यो।” 26 वे माणसां के स्याम्ही इस बात म्ह उसने पकड़ कोनी सके, बल्के उसके जवाब तै हैरान होके बोल-बाल्ले रहगे। 27 फेर सदूकी जो कहवे सै के मरे होया का जिन्दा होणा सै ए कोनी उन म्ह तै कुछ नै उसके धोरे आके बुझ्झ्या, 28 “हे गुरु, मूसा नबी नै म्हारे खात्तर यो लिख्या सै: जै किसे का भाई अपनी घरआळी कै रहन्दे बेऊलादा मर जावे, तो उसका भाई उसकी घरआळी तै ब्याह करले, अर अपणे भाई कै खातर पीड़ी पैदा करै। 29 सात भाई थे, पैहलड़ा भाई ब्याह करके बेऊलादा मरया। 30 फेर दुसरे 31 अर तीसरे नै भी उस बिरबान्नी तै ब्याह कर लिया। इस तरियां तै सातु बेऊलादे मरगे। 32 आखर म्ह वा बिरबान्नी भी मरगी। 33 आखर म्ह जिन्दा होण पै वा उन म्ह तै किसकी घरआळी होवेगी, क्यूँके वा सातुवां की घरआळी हो ली थी।” 34 यीशु नै उनतै कह्या, “इस युग की ऊलादां म्ह ब्याह होवे सै, (aiōn g165) 35 पर जो माणस इस जोगे ठहरैगें के उस युग नै अर मरे होया म्ह तै जिन्दा टठुणके पद नै पा लेवे, उन म्ह ब्याह शादी कोनी होन्दी। (aiōn g165) 36 वे दुबारे मरण के भी कोनी, क्यूँके वे सुर्गदूतां की ढाळ होवैगें, अर पुनरुत्थान की ऊलादा होणे तै परमेसवर की भी ऊलादा होवैगें। 37 पर इस बात ताहीं के मरे होए जिन्दा होवे सै, मूसा नबी नै भी झाड़ी की कहाँनी म्ह दिखाया सै के वो प्रभु ताहीं ‘अब्राहम का परमेसवर, अर इसहाक का परमेसवर अर याकूब का परमेसवर कहवे सै।’ 38 परमेसवर तो मुर्दा का कोनी पर जिन्दा का परमेसवर सै: क्यूँके उसके लोवै सारे जिन्दे सै।” 39 फेर न्यू सुणके शास्त्रियां म्ह तै कुछ नै न्यू कह्या, “हे गुरु, तन्नै ठीक कह्या।” 40 अर उनने दुबारे उसतै कुछ और बुझ्झण की हिम्मत कोनी करी। 41 फेर उसने उनतै बुझ्झ्या, “मसीह नै दाऊद की ऊलादा किस तरियां कहवे सै?” 42 दाऊद खुदे भजन संहिता की किताब म्ह कहवे सै: 43 प्रभु नै मैरे प्रभु तै कह्या, “मैरे सोळे कान्ही बैठ, जिव ताहीं के मै तेरे बैरियां तेरे पायां म्ह नही झुका दिरूँ।” 44 दाऊद तो उसने प्रभु कहवे सै, “तो फेर वो उसकी ऊलादा किस ढाळ होया?” 45 जिव सारे सुणै थे, तो उसने अपणे चेल्यां तै कह्या, 46 “शास्त्रियां तै चौकन्ने रहियो, जिनताहीं लाम्बे-लाम्बे चोगे पहरके हांडणा आच्छा लागे सै, अर जिन नै बजारां म्ह नमस्कार, अर आराधनालयों म्ह खास बैदणा अर जिम्मण म्ह खास जगहां प्यारी लागे सै। 47 वे बिधवायां के घर खा जावै सै, अर दिखणा खात्तर घणी वार ताहीं प्रार्थना करदे रहवे सै: ये घणा दण्ड पावैगें।”

21 फेर उसने निगाह ठाके सहूकरां ताहीं अपना-अपणा दान भण्डार म्ह घालदे देख्या। 2 उसने एक कंगाल बिधवा ताहीं भी उस म्ह दो दमड़ी

(जो एक धेले के बराबर होवे सै) घालदे देख्या। 3 फेर उसने कहा, “मै थमने सच कहूँ सूँ के इस कंगाल बिधवा नै सारया तै बाध घाल्या सै। 4 क्यूँके उन सारया नै अपणी-अपणी बढ़दी म्ह तै दान म्ह कुछ घाल्या सै, पर इसने अपणी घटी म्ह तै अपणी सारी कमाई घाल्ली सै।” 5 जिन घणखरे माणस मन्दर कै बाबत कहरे थे के वो किसे सुथरे पत्थरां अर भेटां की चिज्जां तै समारया गया सै, तो उसने कहा, 6 “वे दिन आवैगें, जिन म्ह यो सारा जिन नै थम देखो सो, उन म्ह तै उरै किसे पत्थर पै पत्थर भी कोनी रहवैगा, जो गेरया न्ही जावैगा।” 7 उनने उसतै बुझ्या, “हे गुरु, यो सारा कद होवैगा? अर ये बात जिन पूरी होण पै होवैगी, तो उस बखत की के निशान्नी होवैगी?” 8 उसने कहा, “चौकन्ने रहियो के भकाए ना जाओ, क्यूँके घणखरे मेरे नाम तै आके कहवैगें, ‘मै वोए सूँ’ अर न्यू भी के, ‘बखत लोवे आण पोंहच्या सै,’ थम उनके पाच्छे ना चले जाड्यो। 9 जिन थम रोळे अर झगड़े का जिक्र सुणो तो घबराईयो ना, क्यूँके इनका पैहल्या होणा जरूरी सै, पर उस बखत जिबे खात्मा कोनी होवैगा।” 10 फेर उसने उनतै कहा, “जात पै जात अर राज्य पै राज्य चढ़ाई करैगा, 11 अर बड़े-बड़े हाल्लण आवैगें, अर जगहां-जगहां अकाळ अर महामारियां पड़ैंगी, अर अकास म्ह खतरनाक बात अर बड़े-बड़े निशान जाहिर होवैगें।” 12 पर इन सारी बाततां तै पैहल्या मेरे नाम के बाबत थमने पकड़ेंगें, अर काल करेगें, अर आराधनालयों म्ह सौपैगें, अर जेळ म्ह गिरवावैगें, राज्यपालों अर राजयां के स्याम्ही ले जावैगें। 13 पर यो थारे खात्तर गवाही देण का मौक्का हो जावैगा। 14 इस करके अपणे-अपणे मन म्ह ठान ल्यो के हम पैहल्या तै जवाब देण की फिक्र कोनी करागें। 15 क्यूँके मै थारे ताहीं इसा बोल अर समझ दिर्युंगा के थारे सारे बिरोधी सामना या खण्डन कोनी कर सकैगें। 16 थारे माँ-बाप, अर भाई अर कुणबा, अर साथी भी थमने पकड़वावैगें, उरै ताहीं के थारे म्ह तै कईयां नै मरवा देवैगें। 17 मेरे नाम के कारण सारे माणस थारे तै बैर राखवैगें। 18 पर थारे सिर का एक बाळ भी बाँका कोनी होवैगा। 19 अपणे धीरज तै थम अपणी जान नै बचाए राखोगे। 20 “जिन थम यरुशलम की पलटन तै घिरया होया देख्यो, तो जाण लियो के उसका उजड़ जाणा लोवे सै। 21 फेर जो यहूदिया परदेस म्ह हों पहाड़ां पै भाज जावै, अर जो यरुशलम नगर के भीत्तर हों वे बाहरणै लिकड़ जावै, अर जो गाम्मां म्ह हों वे उस म्ह न्ही जावै। 22 क्यूँके ये बदला लेण के इसे दिन होगे, जिन म्ह लिक्खी होई सारी बात पूरी हो जावैगी। 23 उन दिनां म्ह जो गर्भवती अर दूध पिलान्दी बिरबान्नी होवैगी, उनके खात्तर भागणा भी मुश्किल होगा। क्यूँके देश म्ह बड़ड़ा क्लेश अर इन माणसां पै बड़ड़ा प्रकोप होवैगा। 24 वे तलवार की कौर हो जावैगें, अर सारे देश के माणसां म्ह केदी होके पोहुचाये जावैगें, अर जिन ताहीं गैर यहूदी का बखत पूरा कोनी होवै, जद ताहीं यरुशलम गेरजात्तां तै रोंधा जावैगा। 25 “सूरज, चाँद, अर तारां म्ह निशान्नी दिखैगी, अर धरती पै देश-देश के आदमियां पै संकट होगा, क्यूँके वे समुन्दर के गरजण अर लहरां के रोळें तै घबरां जावैगें। 26 भय के कारण अर दुनिया पै आण आळी घटनायां की बात देखे-देखे माणसां के जी म्ह जी कोनी रहवैगा, क्यूँके अकास की शक्तियां हलाई जावैगी। 27 फेर वे माणस के बेटे नै सामर्थ अर बड़ी महिमा के गेल्या बादळां पै आन्दे देखैगें। 28 जिन ये बात होण लागै, तो सीधे होके अपणे सिर उपर ठाईयो, क्यूँके थारा छुटकारा लोवे होगा।” 29 यीशु नै उनतै एक उदाहरण देके कहा, “अंजीर के दरखत अर सारे दरखतां नै देख्यो। 30 ज्योए उन म्ह कोंपले लिकड़ै सै, तो थम खुद जाण ल्यो सो, के गर्मी का बखत लोवे सै। 31 इस तरियां तै जिन थम ये बात होन्दे देख्यो, तो जाण ल्यो के परमेसवर का राज्य लोवे सै।” 32 मै थमने साच्ची कहूँ सूँ के जिन ताहीं ये सारी बात न्ही हो ले, जद तक इस पीढ़ी का कदे भी अन्त कोनी होवैगा। 33 धरती अर अकास टळ जावैगें, पर मेरी बात कदे न्ही टळैगी। 34 “इस करके चौकन्ने रहियो, इसा ना हो के थारा मन खुमार, अर मतवालेपण, अर इस जिन्दगी की फिक्र तै सुस्त हो जावै, अर वो दिन थारे पै फन्दे की ढाल चाणचक आण पड़ै। 35 क्यूँके वो सारी धरती के सारे बासिन्दा पै इस तरियां आण पड़ैगा। 36 इस करके

जागदे रहो अर हर बखत प्रार्थना करदे रहो के थम इन सारी आण आळी घटनायां तै बचण अर माणस के बेटे के स्याम्ही खड़े होण के जोगे बण सको।” 37 वो दिन म्ह मन्दर म्ह उपदेश देवे था, अर रात नै बाहरणे जाके जैतून नामक पहाड़ पै रूहा करै था, 38 अर सबैरै नै तड़के सारे माणस उसकी सुणण की खात्तर मन्दर म्ह उसके धोरे आया करै थे।

22 अखमीरी रोटी का त्योंहार जो फसह कुहावे सै, धोरे था, 2 अर प्रधान याजक अर शास्त्री इस बात की तोह म्ह थे। के यीशु नै किस तरियां मारे, पर वे माणसां तै डरे थे। 3 फेर शैतान यहूदा म्ह बडग्या, जो इस्करियोती कुहावे अर बारहां चेल्यां म्ह गिण्या जावे था। 4 उसने जाके प्रधान याजकां अर परहेदार के सरदारां के गेल्या बातचीत करी के किस तरियां यीशु नै उनके हाथ पकड़वांवां। 5 वे राज्जी होए, अर उस ताहीं रुपिये देण का वादा किया। 6 वो मान गया अर मौक्का तोह लाग्या के जिन भीड़ न्ही हो तो उसने उनके हाथ पकड़वा दे। 7 फेर अखमीरी रोटी के त्योंहार का दिन आया, जिसम्ह फसह का मेम्ना बलि करणा जरूरी था। 8 यीशु नै पतरस अर यूहन्ना ताहीं यो कहके भेज्या, “जाके म्हारे खाण खात्तर फसह त्यार करो।” 9 उननै यीशु तै बुझ्या, “तू कित्त चाहवै सै के हम उसने त्यार करा?” 10 यीशु नै चेल्यां ताहीं कहा, देख्यो, नगर म्ह बडतेए एक आदमी पाणी का पैंढा ठाए होए थमने मिलैगा, जिस घर म्ह वो जावै थम उसके पाच्छे चले जाड्यो, 11 अर उसके घर के मालिक तै कहियो, “गुरु तेरे तै बुझ्यै सै के वा बैठक कित्त सै जिस म्ह मै अपणे चेल्यां के गेल्या फसह खाऊँ?” 12 वो थमने एक सजी-सजाई बड़ी अटारी दिखा देवैगा, ओड़ेए त्यारी करियो। 13 उननै जाके, जिसा उसने उनतै कहा था, उससे तरियां पाया अर फसह का भोज त्यार करया। 14 जद वा घड़ी आगी, के यीशु प्रेरितां गेल्या खाणा खाण बेठ्या। 15 अर उसने उन ताहीं कहा “मन्ने बड़ी लालसा थी के मरण तै पैहल्या यो फसह भोज थारे गेल्या खाऊँ। 16 क्यूँके मै थमने सच कहूँ सूँ के मै इसने जिन तक न्ही खाऊँगा जब तक वो परमेसवर के राज्य म्ह पूरा न्ही हो।” 17 फेर उसने अंगूरां के रस का कटोरा लेके परमेसवर का धन्यवाद करया अर कहा, “इसने ल्यो अर आप्पस म्ह बाँट ल्यो। 18 क्यूँके मै थमने कहूँ सूँ के जिन ताहीं परमेसवर का राज्य न्ही आवै तब तक मै अंगूर का रस इब तै कदे न्ही पिऊँगा।” 19 फेर यीशु नै रोटी ली अर परमेसवर का धन्यवाद करके तोड़ी, अर चेल्यां ताहीं या कहके दी, “या मेरी देह सै जो थारे खात्तर दी जा सै: मेरी याद म्ह न्यूप करया करो।” 20 इसे तरियां तै उसने खाणे के पाच्छे कटोरा भी यो कहन्दे होए दिया, “यो कटोरा मेरे उस लहू म्ह जो थारे खात्तर बहाया जा सै नया करार सै। 21 पर देख्यो, जो मन्ने पकड़वावैगा वो म्हारे गेल्या इस भोज म्ह शामिल सै। 22 क्यूँके मै माणस का बेटा तो जिसा मेरे खात्तर तय करया गया सै, ठीक उससे तरियां होण लागरया सै, पर धिक्कार सै उस माणस पै जिसके जरिये मै पकड़वाया जाऊँ सूँ।” 23 फेर वे आप्पस म्ह पूछताछ करण लाग्ये के म्हारे म्ह तै कौण सै, जो यो काम करैगा। 24 उन म्ह या बहस भी होगी के म्हारे मै तै कौण बड़ड़ा समझा जावे सै। 25 यीशु नै उन ताहीं कहा, “और गैर यहूदियां के राजा उनपै राज करै सै, अर जो उनपै हक जमावै सै वे भले कुहावे सै। 26 पर थम इसे ना होड्यो, बल्के जो थारे म्ह बड़ड़ा सै वो छोट्टे के बरोबर अर जो प्रधान सै, वो सेवक के बरोबर बणै। 27 क्यूँके बड़ड़ा कौण सै, वो जो खाणे पै बेठ्या सै, या वो जो सेवा करै सै? के वो न्ही जो जिम्मण बेठ्या सै? पर मै थारे बिचाळै सेवक बरोबर सूँ। 28 थम वो सों, जो मेरी मुसीबतां म्ह लगातार मेरे गेल्या रहे, 29 अर जिस तरियां मेरे पिता नै मेरे खात्तर एक राज्य ठहराया सै, उससे तरियां मै भी थारे खात्तर ठहराऊँ सूँ, 30 ताके थम मेरे राज्य म्ह मेरी मेज पै खाओ-पीओ बल्के सिंहासनां पै बैठके इस्राएल के बारहां गोत्रां का न्याय करो।” 31 “शमौन, हे शमौन! देख शैतान नै परमेसवर तै हुकम ले लिया सै, के थारे ताहीं परखे जिस तरियां किसान गेहूँ नै भूसी तै न्यारा करै सै। 32 पर मन्ने तेरे खात्तर बिन्ती करी ताके थम मेरे पै बिश्वास करणा ना छोड़ दे, अर जिन थम पाप

करणा छोड़ दे, तो अपने भाईयों ने भी इसाए करण खातर कहियो।” 33 उसने उसते कहा, “हे प्रभु मे, तेरे गेल्या जेठ जाण, बल्के मरण नै भी त्यार सू।” 34 उसने कहा, “हे पतरस, मै तन्ने सच कहूँ सू, के आज मुर्गा बाँग नही देवगा जब ताहीं तू तीन बर मेरे बारे मह मुकरैगा जावेगा, के मै तन्ने नही जाणदा।” 35 फेर यीशु नै चेल्यां ताहीं कहा, “जिब मन्ने थारे ताहीं वचन सुणाण खातर बटुए, अर झोळी, अर जूल्यां के बिना भेज्या था, तो के थमने किसे चीज की कमी होई थी?” उननै कहा, “किसे चीज की नही।” 36 उसने चेल्यां तै कहा, “पर इब जिसके धोरे बटुआ ना हो वो उसने ले अर उससे तरियां जिसके धोरे तलवार नही हो तो वो अपने लत्ते बेचके एक मोल लेवे। 37 क्यूँके मै थमने कहूँ सू, यो जो पवित्र ग्रन्थ मह लिख्या सै, ‘वो गुन्हेगार गेल्या गिण्या गया, उसका मेरे मह पूरा होणा जरूरी सै, क्यूँके मेरे बारे मह लिखी सारी बातों का होणा जरूरी सै।” 38 चेल्यां नै कहा, “हे प्रभु याइ दे तो तलवार सै।” यीशु नै उन ताहीं कहा, “भतेरी सै।” 39 फेर यीशु बारणै लिकड़के अपनी रीत के मुताबिक जैतून के पहाड़ पै गया, अर चेल्लें उसके पाच्छे हो लिये। 40 उस जगहां पोहुच के उसने चेल्यां तै कहा, “प्रार्थना करो के थम परखे ना जाओ।” 41 अर आप उनते न्यारा एक डळा फेकण के बराबर जितनी दूर गया, अर गोड्डे टेक के प्रार्थना करण लाग्या, 42 “हे पिता जे तू चाहवे तो इस दुख के कटोरे ने मेरे धोरे ते हटा ले, तोभी मेरी नही पर तेरी मर्जी पूरी हो।” 43 फेर सुर्ग तै एक सुर्गदूत उसने दिख्या जो उसनै सामर्थ्य दिया करे था। 44 वो और घणे संकट मह काल होके और भी मन तै प्रार्थना करण लाग्या, अर उसका पसीन्ना मान्ने लहू की बड्डी-बड्डी बूँदां के जू धरती पै गिरे था। 45 फेर वो प्रार्थना तै उठ्या अर अपने चेल्यां के धोरे आके उन ताहीं उदासी के मारे सोन्दे पाया। 46 अर उनतै कहा, “क्यूँ सोवों सों? उठो, प्रार्थना करो के थम परखे ना जाओ।” 47 यीशु न्यु कहण ए लागरया था, के एक भीड़ आई, अर उन बरहां चेल्यां मह तै एक जिसका नाम यहूदा था उसके आगै-आगै आण लाग रहा था। वो यीशु के धोरे आया के उसने चूम ले। 48 यीशु नै उसतै कहा, “हे यहूदा, के तू चुम्मा लेके माणस के बेटा नै पकड़वावे सै?” 49 उसके साथियों नै जद देख्या के, के होण आळा सै, तो कहा “हे प्रभु, के हम तलवार चलावां?” 50 अर उन मह तै एक नै महायाजक के नौकर पै तलवार चलाके उसका सोळा कान उड़ा दिया। 51 इसपै यीशु नै कहा, “इब ब्रस करो।” अर उसका कान छू के उस ताहीं ठीक करया। 52 फेर यीशु नै प्रधान याजकां अर मन्दर के पैहेरदारों के सरदारों अर यहूदी आगुवां तै, जो उसपै चढ़ गये थे, कहा, “के थम मन्ने डाकू जाणके तलवार अर लाठी लेके लिकड़े सो? 53 जद मै मन्दर मह हरेक दिन थारे गेल्या था, तो थमने मेरे हाथ भी कोनी लाया, पर यो थारा बखत सै, अर अन्धकार का हक सै।” 54 फेर वे यीशु नै पकड़के ले चाल्ले, अर महायाजक के घर मह लाये, पतरस दूरे ए दूर उसके पाच्छे-पाच्छे चाल्ले था। 55 अर जद वे आँगण मह आग सुलगाके कठुे बेट्टे, तो पतरस भी उसके बिचाळे बैठग्या। 56 फेर एक नौकराणी उस ताहीं आग के चाँदणे मह बेठ्या देखके अर उस कान्ही देखके कहण लागगी, “यो भी तो उसके गेल्या था।” 57 पर पतरस नै यो कहके मना कर दिया, के “हे, जानानी मै उसने कोनी जाणदा।” 58 थोड़ी हाण पाच्छे किसे और नै पतरस ताहीं देखके कहा, “तू भी तो उन मह तै ए सै।” उसनै कहा, “हे भाई, मै वो कोनी।” 59 कोए एक घंटे के पाच्छे एक और माणस पक्के बिश्वास तै कहण लाग्या, “सही मह यो भी तो उसके गेल्या था, क्यूँके यो गलीलवासी सै।” 60 पतरस नै कहा, “हे भाई, मै नही जाणदा के तू के कहवे सै।” वो या कहवेए था के मुगें नै बाँग देई 61 फेर घूमके प्रभु नै पतरस की ओड़ देख्या अर पतरस नै प्रभु की बात वाद आई जो उसने कही थी: “आज मुगें के बाँग देण तै पैहल्य्या, तू तीन बर इन्कार करैगा।” 62 अर वो बारणै लिकड़के नै फूट-फूटके रोण लाग्या। 63 जो माणस यीशु नै पकड़े होए थे, वे उसका मजाक बणाके पीटण लागगे, 64 अर उसकी आँख ढँक के उसतै बुझ्या, “भविष्यवाणी करके बता के तेरे किसने मारया।” 65 अर उननै घणीए बुराई की बात उसके बिरोध मह कही। 66 जिब दिन लिकड़या तो यहूदी अगुवें, प्रधान याजक अर शास्त्री कठुे होए,

अर उस ताहीं अपनी बड्डी सभा मह ल्याके बुझ्या, 67 “जे तू मसीह सै, तो म्हारे ताहीं कह दे।” उसने उनतै कहा, “जे मै थारे तै कहूँ, तो बिश्वास कोनी करोगे, 68 अर जे बुझ्यु, तो जवाब नही दोगे। 69 पर इब तै मै माणस का बेटा सर्वशक्तिमान परमेसवर के सोळी ओड़ बेठ्या रहूँगा।” 70 इसपै सब नै कहा, “तो के तू परमेसवर का बेटा सै?” यीशु नै उन ताहीं कहा, “थम अपने-आपे कहां सों, क्यूँके मै सू।” 71 फेर उननै कहा, “इब हमनै गवाह की के जरूरत सै, क्यूँके हमनै आपे उसके मुँह तै सुण लिया सै।”

23 फेर सारी मंडळी उठके यीशु नै राज्यपाल पिलातुस के धोरे लेग्यी। 2 वो ये कहके उसपै इल्जाम लगाण लागगे, “हमनै इस ताहीं माणसां नै भकांटे, अर कैसर नै चुंगी देण तै मना करदे, अर खुद नै मसीह, राजा कहन्दे होए सुणया सै।” 3 पिलातुस नै उसतै बुझ्या, “के तू यहूदियों का राजा सै?” उसने उस ताहीं जवाब दिया, “तू आप ए कहण लागरया सै।” 4 फेर पिलातुस नै प्रधान याजकां तै अर माणसां तै कहा, “मन्ने इस आदमी मह कोए खोट नही पाया।” 5 पर वे और भी बिश्वास के गेल्या कहण लागगे, “यो गलील परदेस तै लेके याइ ताहीं, सारे यहूदिया परदेस के माणसां नै उपदेश देके दंगा करवावे सै।” 6 या सुणके पिलातुस नै बुझ्या, “के यो आदमी गलीलवासी सै?” 7 अर या जाणके के वो हेरोदेस की रियासत का सै, उस ताहीं हेरोदेस के धोरे भेज दिया, क्यूँके उस बखत वो भी यरुशलेम मह था। 8 हेरोदेस यीशु नै देखके घणा राज्जी होया, क्यूँके वो घणे दिनां तै उसनै देखणा चाहवे था, इस खातर के उसके बारे मह सुणया था, अर उसतै किमे चमत्कार देखण की आस राक्खे था। 9 वो उसतै भोत-सी बात बुझता रहा, पर उसने उस ताहीं कोए भी जवाब नही दिया। 10 प्रधान याजक अर शास्त्री खड़े होए तन मन तै उसपै इल्जाम लगान्दे रहे। 11 फेर हेरोदेस नै अपने सिपाहियों के गेल्या उसकी बेजती करके मजाक उड़ाया, अर भड़कीले लत्ते पिराह के उस ताहीं पिलातुस के धोरे भेज दिया। 12 उससे दिन पिलातुस अर हेरोदेस साथी बणगे, इसतै पैहल्य्या वे एक-दुसरे के दुश्मन थे। 13 पिलातुस नै प्रधान याजकां, सरदारों अर माणसां नै बुलाके उन ताहीं कहा, 14 “थम इस आदमी नै माणसां का भकाण आळा बताके मेरे धोरे ल्याए सों, अर देख्यो, मन्ने थारे स्याम्ही उसकी जाँच करी, पर जिन बातों का थम उसपै इल्जाम लगाओ सों उन बातों के बारे मह मन्ने इस मह कोए भी खोट कोनी पाया, 15 ना हेरोदेस नै दोषी पाया, क्यूँके उसने इस ताहीं म्हारे धोरे भेज दिया सै: अर देख्यो, उसतै इसा कुछ कोनी होया के वो मौत की सजा के काबिल ठहराया जावे। 16 इस खातर मै इसनै छित्वा के छोड़ यु सू।” 17 (पिलातुस त्योहार के बखत उनके खातर एक केदी नै छोड़ण पै मजबूर था।) 18 फेर सारे मिलके चिल्ला उठे, “इसका काम तमाम करदे, अर म्हारे खातर बरअब्बा नै छोड़दे।” 19 वो किसे बलवे के कारण जो नगर मह होया था, अर हत्या के कारण जेठ मह गेरया गया था 20 पर पिलातुस नै यीशु ताहीं छोड़ण की इच्छा तै माणसां ताहीं फेर समझाया, 21 आखर उननै रुक्के मारके कहा, “उसनै क्रूस पै चढ़ा, क्रूस पै।” 22 उसनै तीसरी बर उन ताहीं कहा, “क्यातै उसने के बुरा करया सै? मन्ने उन मह मौत की सजा के काबिल कोए बात कोनी पाई। इस तरियां मै इसनै छित्वा के छोड़ देऊ सू।” 23 पर वे रुक्के मार-मारके पाच्छे पड़ गये के वो क्रूस पै चढ़ाया जावे, अर उनका रुक्के मारणा तेज होग्या। 24 आखर पिलातुस नै हुकम दिया के उनकी बिनती के मुताबिक करया जावे। 25 उसनै उस आदमी के जो बलवे अर हत्या के कारण जेठ मह गेरया गया था, अर जिसनै वो माँग्ये थे, छोड़ दिया, अर यीशु नै उनकी इच्छा के मुताबिक सौप दिया। 26 जिब वो यीशु नै लेके जावे थे, तो उननै एक माणस जिसका नाम शमौन कुरेनी था, जो गाम मह तै आवे था, पकड़के उसपै क्रूस लाद दिया के उससे यीशु के पाच्छे-पाच्छे ले चाल्ले। 27 माणसां की भीड़ उसके पाच्छे-पाच्छे हो ली उन मह घणीए बिरबान्नी भी थी जो उसके खातर छात्ती पीट्टे अर रोवे धोवे थी। 28 यीशु नै उनके कान्ही मुड़के कहा, “हे यरुशलेम की बेटियों, मेरे खातर ना रोओ, पर अपने अर अपने बाळकों के खातर रोओ 29 क्यूँके देख्यो, वे दिन आवे सै,

जिन मह माणस कहवैं, 'धन्य सै वे जो बिरबानी जो बाँझ सै अर वे गर्भ जिननै उलादा न्ही पैदा करी, अर वे स्तन जिन नै दूध न्ही पियाया।' 30 उस बखत 'माणस पहाड़ां अर टीलां तै कहण लाग्ये के म्हारे पै आण पड़े, अर हमनै ढँक ल्यो।' 31 क्यूँके वे जिब हरे रुखां गेल्या इसा करै सै, तो सूख्या कै गेल्या के किमे न्ही करया ज्यागा? 32 वे और दो माणसां नै भी जो बुरे काम करण आळे थे यीशु कै गेल्या मारण नै ले चाल्ले। 33 जद वे उस जगहां पै पोहचे जो 'खोपड़ी' यानी इब्रानी भाषा म्ह 'गुलगुता' कुहावै सै, तो उननै ओड़ै यीशु ताहीं अर बुरे काम करण आळे ताहीं भी, एक नै सोळी अर दुसरें नै ओळी ओड़ कूस पै चढ़ाए। 34 फेर यीशु नै कह्या, 'हे पिता इन्हनै माफ कर, क्यूँके ये न्ही जाणदे के ये के करै सै।' अर उननै पर्ची गेर के उसके लत्ते बाँड लिए। 35 माणस खड़े-खड़े देखखे थे, अर सरदार भी मजाक करके कहवै थे 'इसनै औरां ताहीं बचाया, जै यो परमेसवर का मसीह सै, अर उसका छाट्या होए सै, तो अपने-आपने बचाले।' 36 सिपाही भी धौरे आके अर सिरका देके उसका मजाक बना के कहवै थे, 37 'जै तू यहूदियाँ का राजा सै, तो अपने-आपने बचाले!' 38 अर उसके उपर एक दोषपत्र भी लगा दिया: 'यो यहूदियाँ का राजा सै।' 39 जो बुरे काम करणिये ओड़ै लटकाए गए थे, उन म्ह तै एक नै उसकी बेजती करके कह्या, 'के तू मसीह कोनी? फेर अपने-आपने अर हमने बचा।' 40 इसपे दुसरें नै उस ताहीं धमका के कह्या, 'के तू परमेसवर तै भी कोनी डरदा? तू भी तो वाए सजा पा रया सै, 41 हम तो न्याय के मुताबिक सजा पारे सां, क्यूँके हम अपने काम्मां की ठीक सजा पारे सां, पर उसनै कोए गलत काम न्ही करया।' 42 फेर उसनै कह्या, 'हे यीशु, जद तू अपने राज्य म्ह आवै, तो मेरी खियास करिये।' 43 उसनै उस ताहीं कह्या, 'मै तन्ने सच कहुँ सँ के आजै तू मेरे गेल्या सुगलोक म्ह होगा।' 44 करीबन दोषफारे तै तीन बजे ताहीं सारे देश म्ह अन्धरा होया रह्या, 45 अर सूरज का चँदणा जान्दा रह्या, अर मन्दर का पड़दा बिचाळे तै पाटया, 46 अर यीशु नै जोर तै किल्की मारके कह्या, 'हे पिता, मै अपनी आत्मा तेरे हाथ्थां म्ह सँपू सँ।' अर या कह के जी दे दिया। 47 सूबेदार नै जो कुछ होया था देखके परमेसवर की बड़ाई करी, अर कह्या, 'पक्का यो माणस धर्मी था।' 48 अर भीड़ जो यो देखखण नै कठी होई थी, इस घटना नै देखके दुख के मारे छात्ती पीटती होई बोहड़्या। 49 पर उसके सब जाण-पिच्छाण, अर जो बिरबानी गलील परदेस तै उसके गेल्या आई थी, दूर खड़ी यो सब देखखे थी। 50 ओड़ै यूसुफ नाम का यहूदी अगुवां की सभा का एक सदस्य था जो आच्छा अर धर्मी आदमी था 51 वो सभा के फैसले अर इस काम तै राज्जी कोनी था। वो यहूदिया परदेस के नगर अरिमतिया गाम का रहण आळा अर परमेसवर के राज्य की बात देखण आळा था। 52 उसनै पिलातुस के धौरे जाके यीशु की लाश माँग्यी, 53 अर उस ताहीं उतार के मलमल की चादर म्ह लपेट्या, अर एक कन्न म्ह धरया, जो पत्थरां म्ह खुदी होए थी, अर उस म्ह कोए कदे न्ही राख्या गया था। 54 वो त्यारी का दिन था, अर आराम का दिन शरु होण आळा था। 55 उन बिरबानियाँ नै जो उसके गेल्या गलील परदेस तै आई थी, पाच्छै-पाच्छै जाके उस कन्न ताहीं देख्या, अर यो भी के उसकी लाश किस रीति तै राखी गयी सै। 56 फेर उननै घर बोहड़ के खुशबुदार चीज अर इत्र त्यार करया, अर आराम के दिन उननै हुकम के मुताबिक आराम करया।

24 पर हफते के पहलड़े दिन तड़के-तड़के नै वे उन खुशबुदार चिज्जां नै जो उननै बणाई थी, लेके यीशु की कन्न पै आई। 2 उननै पत्थर कन्न पै तै गिरड़या होया पाया, 3 पर भीत्तर जाके प्रभु यीशु की लाश कोनी पाई। 4 जब वे इस बात तै हिरान होरी थी तो देखखो दो माणस चमकदे होए लत्ते पहरी होए उनके धौरे आण खड़े होए। 5 जिब वे डरगी अर धरती की ओड़ मुँह झुकाए रही तो उननै उन ताहीं कह्या, 'थम जान्दे नै मेरे होया म्ह क्यूँ टोहो सो? 6 वो उरै कोनी, पर जिन्दा होगया सै। याद करो के उसनै गलील परदेस म्ह रहंदे होए थारे तै के कह्या था, 7 जरूरी सै के मै माणस का बेटा पापियाँ के हाथ्थां म्ह पकड़वाया जाऊँ, अर कूस पै चढ़ाया जाऊँ, अर

तीसरे दिन जी उठु।' 8 फेर उसकी बात उनके याद आई, 9 अर कन्न तै उल्ले आके उननै उन ग्यारहां नै अर, सारया ताहीं ये सब बात कह दी। 10 जिन नै प्रेरितां तै ये बात कही वे मरियम मगदलीनी अर योअन्ना अर याकूब की माँ मरियम अर उसके साथ की और भी बिरबानी थी। 11 पर उनकी बात उन ताहीं कहाँनी-सी लाग्यी, अर उननै उसका बिश्वास कोनी करया। 12 फेर पतरस कन्न पै भाज्या गया, अर झुकके लत्यां की पट्टियाँ का ढेर पड़े देखखे, अर जो होया था उसतै अचम्भा होया करदा होया अपने घरां चल्या गया। 13 उससे दिन उन म्ह तै दो चेल्लें इम्माऊस नाम के गाम म्ह जाण लागरे थे, जो यरुशलेम तै कोए सात कोस की दूरी पै था। 14 वे इन सब बाततां पै जो होई थी, आप्पस म्ह बातचीत करदे जाण लागरे थे, 15 अर जद वे आप्पस म्ह बातचीत अर पूछताछ करै थे तो यीशु खुद धोरे आके उनकै गेल्या चाल्लण लाग्या। 16 पर परमेसवर नै उनकी आँख न्यू बन्द कर दी थी के यीशु ताहीं पिच्छाण ना सकै। 17 यीशु नै उनतै बुझया, 'ये के बात सै, जो थम चाल्दे-चाल्दे आप्पस म्ह करो सों?' वे खड़े होगे अर उनका मुँह भोत उदास था। 18 या सुणके चेल्यां म्ह तै क्लियुपास नाम के एक चेल्लें नै कह्या, 'इसा लागे सै के तू यरुशलेम म्ह एक्ला परदेशी सै, जो न्ही जाणदा के इन दिनां म्ह इस नगर म्ह के-के होया सै?' 19 यीशु नै उनतै बुझया, 'कोण सी बात? उननै उस ताहीं कह्या, यीशु नासरी जो नबी था उसकी बात, जो परमेसवर अर सारे माणसां के स्याम्ही काम अर वचन म्ह सामर्थी था। 20 अर प्रधान याजकां अर म्हारे सरदारां नै उस ताहीं पकड़वा दिया ताके उसतै मौत का हुकम दिया जावै, अर उस ताहीं कूस पै चढ़वाया। 21 पर हमनै उम्मीद थी के योए इसाएल नै रोमी साम्राज्य तै छुटकारा देवेगा। इन सारी बाततां के सिवा इस घटना नै होए आज तीसरा दिन सै, 22 अर म्हारे म्ह तै कई बिरबानियाँ नै भी म्हारे ताहीं उल्लङ्घन म्ह गेर दिया, जो आज सबैरे कन्न पै ग्यी थी, 23 अर जिब उसकी लाश कोनी पाई तो वा या कहन्दी आई के हमनै सुगंदूतां के दर्शन पाये, जिन नै कह्या के यीशु जिन्दा सै। 24 फेर म्हारे साथियाँ म्ह तै कई कन्न पै गये, अर जिसा बिरबानियाँ नै कह्या था उसाए पाया, पर वो कोनी देख्या।' 25 फेर यीशु नै उन दो चेल्यां तै कह्या, 'हे सब बेकुरफों अर नबियाँ की सारी बाततां पै बिश्वास करण न्हा नासमझों! 26 के जरूरी कोनी था के मसीह ये दुख उठाके अपनी महिमा म्ह दाखल हो?' 27 फेर उसनै मूसा नबी तै अर सारे नबियाँ तै शरु करके सारे पवित्र ग्रन्थां म्ह तै अपने बारे म्ह लिक्खी बाततां का मतलब, उन ताहीं समझा दिया। 28 इतने म्ह वो उस गाम के धौरे पोहचे जित्त वे जावै थे, अर उसके ढंग तै इसा लाग्या के वो आग्ये जाणा चाहवै सै। 29 पर उननै ये कहके उस ताहीं रोक्या, 'म्हारे गेल्या रह, क्यूँके साँझ होली सै अर दिन इब घणा ढळग्या सै।' फेर वो उनकै गेल्या रहण के खातर भीत्तर गया। 30 जद वो उनकै गेल्या खाणा खाण बेठ्या, तो उसनै रोटी लेके धन्यवाद करया अर उस ताहीं तोड़के उननै देण लाग्या। 31 फेर उनकी आँख खुलगी, अर उननै उस ताहीं पिच्छाण लिया, अर वो उनकी आँखां तै ओन्झळ होगया। 32 उननै आप्पस म्ह कह्या, 'जद वो म्हारे तै रास्ते म्ह बात करे था अर पवित्र ग्रन्थ का मतलब हमनै समझावै था, तो के म्हारे मन म्ह जोश न्ही आया?' 33 वो उससे बखत जिब्बे उठके यरुशलेम नगर म्ह चले गये, अर उन ग्यारहां चेल्यां अर उनकै साथियाँ ताहीं उननै कठ्ठे मिलगे। 34 वो कहवै थे, 'प्रभु साच्चे जी उठ्या, अर शमीन नै दिख्या।' 35 फेर उन दो चेल्यां नै भी राह म्ह होई घटना के बारे ब्योरा सुणया अर किस तरियां खाणा खान्दे बखत उननै मसीह यीशु ताहीं पिच्छाणा लिया था। 36 वे ये बात करे ए थे के वो खुद ए उनके बिचाळे आण खड्या होया, अर उन ताहीं कह्या, 'धमनै शान्ति मिले।' 37 पर वे घबरागे अर डरगे, अर समझे के हम किसे भूत नै देखखां सां। 38 यीशु नै उनतै कह्या के, 'क्यूँ घबराओ सों? अर थारं मन म्ह क्यूँ बेहम हो सै? 39 मेरे हाथ-पायां नै देखखो के मै वोए सँ। मननै हू के देखखो, क्यूँके आत्मा के हाड-माँस कोनी होन्दे जिसा मेरे म्ह देखखो सों।' 40 न्यू कहके उसनै उन ताहीं अपने हाथ पैर के घा दिखाए। 41 जद खुशी के मारे उननै बिश्वास कोनी होया, अर वो अचम्भा मान्ने थे, तो यीशु नै उन ताहीं बुझया, 'के याडै थारे

धारे किमे खाण नै सै?” 42 चेल्यां नै उस ताहीं भुनी होई मच्छी का टुकड़ा दिया। 43 उसनै वो मच्छी का टुकड़ा लेके उनकै आगै खाया। 44 फेर उसनै उन ताहीं कह्या, “ये मेरी वे बात सै, जो मन्ने थारे गेल्या रहंदे होए थारे तै कही थी के जरूरी सै जितनी बात मूसा नबी की नियम-कायदा अर नबियाँ अर भजनां की किताबां म्ह मेरे बारै म्ह लिक्खी सै, सारी पूरी हों!” 45 फेर उसनै पवित्र ग्रन्थ बुझाण के खात्तर उनकी बुद्धि खोल दी, 46 अर उनतै कह्या, “यो पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै के मसीह दुख ठावैगा, अर तीसरे दिन मेरे होया म्ह तै जी उठैगा, 47 अर यरुशलेम तै लेकै सारी जात्तां म्ह पापां नै छोड़ण का अर पापां की माफी का प्रचार, उसकै-ए नाम तै करया जावैगा। 48 थम इन सारी बात्तां के गवाह सों। 49 अर देख्खो, मै थारे पै पवित्र आत्मा भेज्जैगा जिसा मेरे पिता नै कह्या सै, जिब तैई पवित्र आत्मा थारे पै न्ही आवै, अर थम सुर्ग तै सामर्थ ना पाओ, जब ताहीं इसे नगर म्ह रुके रहो।” 50 फेर यीशु उननै बैतनिय्याह गाम ताहीं बाहर लेग्या, अर अपणे हाथ ठाकै उन ताहीं आशीर्वाद दिया, 51 अर उननै आशीष देंदे होए वो उनतै न्यारा होग्या अर सुर्ग पै उठा लिया। 52 फेर वो उसनै नमस्कार करके बड़ी खुशी तै यरुशलेम चले गए, 53 अर वे लगातार मन्दर म्ह हाज्जर होकै परमेसवर की भगति करया करै थे।

यूहन्ना

1 दुनिया बणण तै पैहल्या वचन था, अर वचन परमेसवर कै गेल्या था, अर वचन परमेसवर था। 2 यो वचन ए शरुआत तै परमेसवर कै गेल्या था। 3 दुनिया की हरेक चीज उससे कै जरिये बणी सै, अर उसके बिना किसे भी चीज की रचना न्ही होई। 4 वो जीवन का जरिया था, अर वो जीवन मानव जाति कै खात्तर चाँदणा था। 5 चाँदणा अन्धेरे म्ह चमकै सै, अर अन्धेरा उस ताहीं बुझा न्ही सक्या। 6 परमेसवर कै ओड़ तै भेज्जा होया एक माणस आया, जिसका नाम यूहन्ना था। 7 वो गवाही देण खात्तर आया के माणसां नै चाँदणे की गवाही देवे, के सारे माणस उसके जरिये चाँदणे पै बिश्वास करै। 8 वो खुद तै वो चाँदणा कोनी था, पर माणसां नै उससे चाँदणे की गवाही देण खात्तर आया था। 9 जो साच्चा चाँदणा था, हरेक माणस नै ज्ञान का चाँदणा देवे सै, वो धरती पै आण आळा था। 10 वो दुनिया म्ह था, अर दुनिया उसके जरिये बणी, अर दुनिया के माणसां नै उस ताहीं न्ही पिच्छाणया। 11 वो अपने यहूदी माणसां के धोरे आया अर उसके अपने लोगां नै उस ताहीं कोन्या अपणाय। 12 पर जितन्या नै उस ताहीं अपणाय, उसनै उन ताहीं परमेसवर के ऊलाद होण कि हक दिया। 13 वे कुदरती तौर पै ना तो पूर्वजां तै, ना देह की मर्जा तै, ना माणसां की मर्जा तै, पर परमेसवर की मर्जा तै पैदा होए सै। 14 अर वचन देह धारण करके आया, अर अनुग्रह अर सच्चाई तै भरके म्हारे बिचाळे रहण लागया, अर हमनै उसकी इसी महिमा देख्खी, जिसे पिता कै इकलौते बेटे की महिमा। 15 यूहन्ना नै उसके बारे म्ह गवाही दी, अर रुक्का मारके बोल्या, “यो वोए सै, जिसका मन्ने जिक्र करया के जो मेरे पाच्छे आण लागरया सै, वो मेरतै घणा महान सै क्यूँके वो मेरतै पैहल्या था।” 16 क्यूँके उसकी करुणा अर सच्चाई की भरपूरी म्ह तै हम सारया नै आशीष पै आशीष पाई। 17 इस खात्तर के नियम-कायदे तो मूसा नबी तै मिले, पर अनुग्रह अर सच्चाई यीशु मसीह कै जरिये पोहची। 18 परमेसवर ताहीं किसे नै कदे कोन्या देखा, पर परमेसवर के इकलौते बेटे नै, जो सदा परमपिता कै गैल सै, उससे नै म्हारे ताहीं दिखाया। 19 यूहन्ना की गवाही या सै, के जिब यहूदी अगुवां नै यरुशलेम तै याजकां अर लेविवां नै उसतै यो बुझ्ण नै भेज्या, के “तू कौण सै?” 20 फेर उसने नाट्या कोनी, पर मान लिया के “मै मसीह कोनी।” 21 फेर उनने यूहन्ना तै बुझ्णया, “तो फेर तू कौण सै? के तू एलिय्याह नबी सै?” उसने साफ-साफ कह दिया के, “मै मसीह कोनी।” “तो के तू वो नबी सै?” उसने जवाब दिया, “ना।” 22 फेर उनने यूहन्ना तै बुझ्णया, “फेर तू सै कौण? ताके हम अपने भेजण आळा ताहीं जवाब देवां। तू अपने बारे म्ह के कहवै सै?” 23 वो बोल्या, “जिसा यशायाह नबी नै बोल्या सै: ‘मै जंगल-बियाबान म्ह एक रुक्का देवण आळे का वचन सूँ, के थम प्रभु का रास्ता सीध्या करो।’” 24 वे फरीसियों के कान्ही तै भेज्जे होइ थे। 25 उनने उसतै यो सवाल बुझ्णया, “जै तू ना मसीह सै, अर ना एलिय्याह, अर ना वो नबी सै, तै फेर बपतिस्मा क्यातै देवै सै?” 26 यूहन्ना नै उन ताहीं जवाब दिया, “मै तो थमने पाणी तै बपतिस्मा देऊँ सूँ, पर थारे बीच म्ह एक माणस खड्या सै जिसने थम कोनी जाणदे। 27 यानी मेरे पाच्छे आण आळा सै, जिसके जूत्यां के फिते भी मै खोल्लण जोग्गा कोनी।” 28 ये बात यरदन नदी तै परली ओड़ बैतनिय्याह गाम म्ह होई, जइँ यूहन्ना माणसां ताहीं बपतिस्मा दिया करदा। 29 दुसरे दिन यूहन्ना नै यीशु ताहीं अपनी ओड़ आन्दे देखके बोल्या, “देख्खो, यो परमेसवर का मेम्ना सै जो दुनिया का पाप ठावे सै। 30 यो वोए सै जिसके बारे म्ह मन्ने कह्या था, एक माणस मेरे बाद आवै सै जो मेरतै महान सै, ज्यातै वो मेरतै पैहल्या था। 31 मै खुद तो उसने कोनी पिच्छाणु था, पर इस्से खात्तर मै पाणी तै बपतिस्मा देन्दा होया आया, ताके इस्राएल के माणस उसने जान ले।” 32 अर यूहन्ना नै या गवाही दी: “मन्ने सुर्ग तै पवित्र आत्मा ताहीं कबूतर की तरियां अकास तै उतरदे अर उस ताहीं मसीह यीशु पै ठहरते देखा सै।” 33 मै तो उसने पिच्छाणु कोनी था, पर जिसने मेरे ताहीं पाणी तै बपतिस्मा देण

के खात्तर भेज्या, उससे नै मेरे ताहीं कह्या, “जिसपै तू आत्मा नै उतरदे अर ठहरदे देख्खे, वोए पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा देणिया सै।” 34 “अर मन्ने देखा, अर गवाही दी सै, के योए परमेसवर का बेटा सै।” 35 आगले दिन यूहन्ना अपने दो चेल्यां कै गैल फेर ओड़ खडे थे, 36 अर उसने यीशु ताहीं जो उसके धोरे तै जाण लागरया था, उसकी ओड़ लखाके बोल्या, “देख्खो, यो परमेसवर का मेम्ना सै।” 37 जिब्बे वे दोनु चेल्लें उसकी या बात सुणके यीशु कै गैल हो लिए। 38 यीशु नै मुड़के उन ताहीं गैल आन्दे देखा अर उनतै बोल्या, “थम के चाहो सो?” वे उसतै बोल्ले, “हे गुरु, तू कित्त रहवै सै?” 39 यीशु उनतै बोल्या, “चाल्लो, तो देख लियो।” फेर उनने उसके रहण की जगहां देख्खी, अर उस दिन उसके गेल्या रहे। क्यूँके साँझ के करीब चार बजगे थे। 40 उन दोनुआ म्ह तै, जो यूहन्ना की बात सुणके यीशु कै गेल्या हो लिए थे, एक तो शमौन पतरस का भाई अन्दियास था। 41 उसने पैहल्या अपने संगे भाई शमौन तै मिलके उसतै बोल्या, “हमनै ख्रिस्त यानी मसीह (परमेसवर का अभिषिक्त) मिलगया।” 42 फेर अन्दियास शमौन नै यीशु कै धोरे ल्याया। यीशु नै उसकी ओड़ लखाके कह्या, “तू यूहन्ना का बेटा शमौन सै: तू कैफा यानिके पतरस कुआवगा।” 43 आगले दिन यीशु नै गलील परदेस जाण का इरादा करया, वो फिलिप्पुस तै मिल्या अर बोल्या, “मेरे पाच्छे हो ले।” 44 फिलिप्पुस, अन्दियास अर पतरस के नगर बैतसैदा का रहणीया था। 45 फिलिप्पुस नतनएल तै मिल्या अर उसतै बोल्या, “जिसका जिक्र मूसा नबी नै नियम-कायदा म्ह अर नबियां नै करया सै, वो हमनै मिलगया सै! वो यूसुफ का बेटा, यीशु नासरी सै।” 46 नतनएल नै उसतै बुझ्णया, “के कोए उत्तम चीज भी नासतर तै लिंकड़ सकै सै?” फिलिप्पुस उसतै बोल्या, “चालके देख ले।” 47 यीशु नै नतनएल ताहीं अपनी ओड़ आन्दे देखके उसके बारे म्ह कह्या, “देख्खो, यो साच्चए इस्राएली सै: इस म्ह कपट कोनी।” 48 नतनएल नै उसतै बुझ्णया, “तू मन्ने किस तरियां जाणे सै?” यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “इसतै पैहल्या के फिलिप्पुस नै तेरे ताहीं बुलाया, तो मन्ने तेरे ताहीं देखा था जिब तू अंजीर कै दरखत तळै था।” 49 नतनएल नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे गुरु, तू परमेसवर का बेटा सै, तू इस्राएल का राजा सै।” 50 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “मन्ने जो तेरे तै कह्या के मन्ने तेरे ताहीं अंजीर कै दरखत तळै देखा, के तू इस्से बात पै बिश्वास करे सै? तू इसतै भी बड़े-बड़े काम देख्खेगा।” 51 फेर उसने कह्या, “मै तेरे तै सच-सच कहुँ सूँ, के थम सुर्ग नै खुल्या होइ अर परमेसवर के सुर्गदूतां ताहीं मुझ माणस के बेटे के खात्तर नीच्चे उतरदे अर उपर जान्दे होए देख्खोगे।”

2 फेर तीसरे दिन गलील परदेस के काना नगर म्ह किसे का ब्याह था, अर यीशु की माँ भी ओड़ैए थी। 2 यीशु अर उसके चेल्लें भी उस ब्याह म्ह न्योद राख्खे थे। 3 जिब अंगूर का रस खतम होगया, फेर यीशु की माँ उसतै बोल्ली, “उनके धोरे अंगूर का रस कोनी रहया।” 4 यीशु नै उसतै कह्या, “हे नारी, या बात तू मेरे तै क्यूँ कहवै सै? इब्बे मेरा बखत कोनी आया।” 5 पर उसकी माँ नै नौकरां तै कह्या, “जो कुछ यो थारे ताहीं कहवै, न्यूप करियो।” 6 यहूदी परम्परा के मुताबिक शूद्र करण के खात्तर ओड़ै छ: पत्थर के पण्डे धरे थे, जिन म्ह दो-दो, तीन-तीन मण पाणी आवै था। 7 यीशु नै उनतै कह्या, “पैढ़ा म्ह पाणी भर घो।” अर उनने वे मुँह तक भर दिए। 8 फेर यीशु नै नौकरां ताहीं कह्या, “इब काढके भोज कै प्रधान धोरे ले जाओ।” अर वे लेगे। 9 जिब भोज कै प्रधान नै वो पाणी चाख्या, जो अंगूर का रस बणग्या था अर वे न्ही जाणै था के वो कड़ै तै आया सै पर जिन नौकरां नै पाणी काढ्या था वे जाणै थे फेर भोज कै प्रधान नै बन्दे ताहीं बुलाके उसतै कह्या, 10 “हरेक माणस पैहल्या बढिया अंगूर का रस देवे सै, अर जिब माणस पीके छिक्क जावे सै, फेर हल्का देवे सै, पर तन्ने बढिया अंगूर का रस इब ताहीं राख राख्या सै।” 11 यीशु नै गलील परदेस के काना नगर म्ह अपना यो पैहला चिन्ह-चमत्कार दिखाके अपनी महिमा जाहिर कर दी अर जिसकी बजह तै उसके चेल्यां नै उसपै बिश्वास करया। 12 इसके बाद वो अर उसकी

माँ अर उसके भाई अर उसके चेल्लें कफरनहम नगर म्ह गए अर ओड़ै कुछ दिन रहे। 13 यूहूरियाँ का फसह का त्यौहार लोवे था, अर यीशु यरुशलेम नगर म्ह गया। 14 उसनै मन्दर म्ह बळध, भेड़ अर कबूतर बेचण आळे अर सर्राफां (पर्ईसा का लेण देण करण आळे) ताहीं बेट्टे होए पाया। 15 फेर उसनै जेवडियाँ का कोरडा बणाके, सारी भेड्डां अर बळधां ताहीं मन्दर तै काढ दिया, अर सर्राफां के पर्ईसे खिन्डा दिए अर उनके पीढे पलट दिए, 16 अर कबूतर बेचण आळा ताहीं बोल्या, “इन्हनै उरै तै ले जाओ। मेरै पिता कै घर नै व्यापर का घर ना बणाओ।” 17 फेर उसके चेल्यां नै याद आया के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या होइ सै, “तेरे घर की धुन मन्नै खा ज्यागी।” 18 इसपै यहूदी अगुवां नै यीशु तै कहा, “तू म्हारे ताहीं कौण सा अदभुत निशान दिखा सके सै?” जो इस तरियां के काम तू करै सै, यो साबित हो सके, के तू उसका हक राख्खे सै। 19 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “इस मन्दर नै ढा दो, मै इसनै तीन दिन म्ह बणा दिऊँगा।” 20 यहूदी अगुवां नै कहा, “इस मन्दर के बणाण म्ह छियालिस साल लागे सै, अर के तू इसनै तीन दिन म्ह बणा देवेगा?” 21 पर यीशु नै उनतै अपणी देह रूपी मन्दर के बारे म्ह कहा था। 22 आखर म्ह जिब वो मरे होया म्ह तै जिन्दा होया, जिब उसके चेल्यां नै याद आई, के उसनै यो कहा था, अर उननै पवित्र ग्रन्थ के वचन जो यीशु के जिन्दा होए के बारे म्ह बतावे सै, अर उननै यीशु के जरिये कहे होए वचनां पै बिश्वास करण। 23 फसह के त्यौहार के दिनां म्ह जिब यीशु यरुशलेम नगर म्ह था, तो उसके जरिये करे गये चिन्ह-चमत्कार के काम्मां नै देखके घणे माणसां नै उसपै बिश्वास करया। 24 पर यीशु नै अपणे-आप ताहीं उनकै भरोसै पै कोनी छोड्या, ज्यातै वो सारया नै जाणै था, 25 अर उसनै इस बात की जरूरत कोनी थी के कोए आके उसनै माणसां के बारे म्ह बतावे, क्यूँके वो खुदे जाणै था के माणस कै मन म्ह के सै?

3 फरीसियाँ म्ह तै नीकुदेमुस नाम का एक माणस था, जो यहूदियाँ का प्रधान था। 2 उसनै रात नै यीशु के धोरे आके उस ताहीं कहा, “हे गुरु, हमनै बेरा सै के तू परमेसवर की ओड़ तै म्हारे ताहीं सिखाण खातर आया सै, ज्यातैए कोए इन चिन्ह-चमत्कारां नै जिननै तू दिखावे सै, जै परमेसवर उसके गेल्या ना हो, तो दिखा कोन्या सकदा।” 3 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “मै थारे ताहीं सच कहूँ सूँ, जै कोए नए सिरे तै ना जन्म ले तो परमेसवर का राज्य देख नही सकदा।” 4 नीकुदेमुस नै उस ताहीं कहा, “माणस जिब बूढा होज्या, तो किस ढाळ जन्म ले सके सै? के वो अपणी माँ के गर्भ म्ह दुसरी बर भीत्तर बड़के जन्म ले सके सै।” 5 यीशु नै जवाब दिया, “मै तेरे तै सच कहूँ सूँ, जिब ताहीं कोए माणस पाणी अर आत्मा तै ना जन्मे तो वो परमेसवर के राज्य म्ह बड़ नही सकदा। 6 क्यूँके मानव देह म्ह जन्म सिर्फ देह का जन्म सै, जिब के आत्मा तै जन्म नया जन्म सै। 7 हेरान ना होवे, के मन्नै तेरे तै कहा, के थारे ताहीं नए सिरे तै जन्म लेणा जरूरी सै। 8 हवा जितोड़ चाहवे सै उतोड़ चाल्ले सै, अर तू उसकी आवाज सुणे सै, पर जाणदा कोनी, के वा कड़े तै आवे सै अर कितोड़ नै जावे सै? जो कोए पवित्र आत्मा तै जन्मा से वो इसाए सै।” 9 नीकुदेमुस नै उस ताहीं जवाब दिया, के या बात किस ढाळ हो सके सै? 10 या सुणके यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “तू इसाएलियाँ का गुरु होके भी के इन बात्तां नै कोनी समझदा?” 11 मै तेरे तै साच्ची-साच कहूँ सूँ के हम जो जाणां सां, वो कहां सां, अर जिस ताहीं हमनै देख्या सै उसकी गवाही देवां सां, अर जो हम कहां सां, उसका थम बिश्वास कोनी करदे। 12 जिब मन्नै थारैतै दुनिया की बात कही, अर थम बिश्वास नही करदे, तो जै मै थमनै सुर्ग की बात कहूँ, तो फेर किस ढाळ बिश्वास करोगे? 13 अर कोए सुर्ग पै कोनी चढ़ा, सिर्फ वोए एक सै जो सुर्ग तै उतरा यानिके मै माणस का बेट्टा। 14 अर जिस ढाळ तै मूसा नबी नै जंगल-बियाबान म्ह कांस्सी का साँप बणाके उस ताहीं ऊँच्चे पै चढ़ाया, उससे ढाळ तै जरूरी सै के मै माणस का बेट्टा भी ऊँच्चे पै चढ़ाया जाऊँ। 15 ताके जो कोए मेरे पै बिश्वास करै वो अनन्त जीवन पावे। (aiōnios g166) 16 क्यूँके परमेसवर नै दुनिया के माणसां तै इसा प्यार राख्या के

उसनै अपना इकलौता बेट्टा दे दिया, ताके जो कोए उसपै बिश्वास करै, वो नाश कोनी होवे, पर अनन्त जीवन पावे। (aiōnios g166) 17 क्यूँके परमेसवर नै अपना बेट्टा दुनिया म्ह इस खातर नही भेज्या, के दुनिया पै दण्ड का हुकम देवे, पर इस खातर भेज्या के दुनिया उसके जरिये उद्धार पावे। 18 जो परमेसवर के बेट्टे पै बिश्वास करै सै, उसपै दण्ड का हुकम कोन्या होन्दा, पर जो उसपै बिश्वास नही करता, वो कसूरवार बणैगा, ज्यातै के उसनै परमेसवर के इकलौते बेट्टे के नाम पै बिश्वास कोनी करया। 19 अर दण्ड कै हुकम का कारण यो सै के चान्दणा दुनिया म्ह आया सै, अर माणसां नै अन्धेरे ताहीं चाँदणे तै घणा प्यारा जाणया क्यूँके उनके काम बुरे थे। 20 क्यूँके जो कोए पाप करे सै, वो चाँदणे तै बेर राख्खे सै, अर चाँदणे धोरे कोनी आन्दा, क्यूँके उसके पाप उजागर हो जावेंगे। 21 पर जो सच्चाई पै चाल्ले सै वो चाँदणे धोरे आवे सै, ताके ये साबित हो जावे के उसके काम परमेसवर की ओड़ तै कराये गये सै। 22 फेर यीशु अर उसके चेल्लें यहूदिया परदेस म्ह पोहचे, अर वो ओड़ै उनके गेल्या रहके माणसां ताहीं बपतिस्मा देण लागया। 23 यूहन्ना भी शालेम नगर के धोरे ऐनोन नामक गाम म्ह बपतिस्मा देवे था, क्यूँके ओड़ै घणाए पाणी था, अर माणस आके बपतिस्मा लेवे थे। 24 यूहन्ना उस बखत ताहीं जेळखाने म्ह कैद नही करया था। 25 ओड़ै यूहन्ना के कुछ चेल्यां का किसे यहूदी गेल्या पाणी तै शुद्धिकरण के बारे म्ह बहस होया। 26 अर यूहन्ना के चेल्यां नै आके उस ताहीं कहा, “हे गुरु, जो माणस यरदन नदी कै परली ओड़ तेरी गेल्या था, अर जिसके बोरें म्ह तन्नै कहा सै, देख, वो यीशु बपतिस्मा देवे सै, अर सारे उसके धोरे आवे सै।” 27 यूहन्ना नै जवाब दिया, “माणस नै तब तक कुछ नही मिल सकता, जिब तक वो सुर्ग तै ना दिया जावे।” 28 थारे ताहीं तो पैहले मन्नै बताया था के “मै मसीह कोनी, पर उसतै पैहले भेज्या गया सूँ।” 29 बन्दड़ा बन्दड़ी तै ब्याह करै सै, पर बन्दड़े का साथी जो खड्या होया उसकी आवाज सुणे सै, बन्दड़े के वचन तै घणा खुश होवे सै, अर मै भी खुश सूँ। 30 जरूरी सै के वो बधे अर मै घटूँ। 31 जो सुर्ग तै आवे सै, वो सारया म्ह सबतै महान सै, जो धरती कान्ही तै आवे सै वो धरती का सै, अर धरतीए की बात कहवे सै: जो सुर्ग कान्ही तै आवे सै, वो सारया तै उप्पर सै। 32 उसनै जो कुछ देख्या अर सुणया सै, वो उससे की बात करै सै, पर उसकी गवाही कोए नही मानता। 33 जिसनै उसकी गवाही अपनाई उसनै इस बात पै छाप लगा दी के परमेसवर साच्चा सै। 34 क्यूँके जिस ताहीं परमेसवर नै भेज्या सै, वो परमेसवर की बात कहवे सै, क्यूँके परमेसवर उननै बिना किसे माप के पवित्र आत्मा देवे सै। 35 पिता अपणे बेट्टे तै प्यार करै सै, अर उसनै सारी चीज उसके हाथ्थां म्ह दे दी सै। 36 जो बेट्टे पै बिश्वास करै सै, अनन्त जीवन उससे का सै, पर जो बेट्टे की बात कोनी मान्दा, उसनै वो अनन्त जीवन कोनी मिलै, इसकी बजाये उसपै परमेसवर का छो बणया रहवेगा। (aiōnios g166)

4 फेर जिब यीशु नै बेरा पाट्या के फरीसियाँ नै सुणया सै के यीशु यूहन्ना तै घणे चेल्लें बणावे सै अर उननै बपतिस्मा देवे सै। 2 (ऊतो यीशु खुद नही बल्कि उसके चेल्लें बपतिस्मा देवे थे) 3 फेर वो यहूदिया परदेस नै छोड़के दुबारे गलील परदेस म्ह चलया गया, 4 इस बार उसनै सामरिया परदेस होके जाणा पड्या था। 5 इस करके वो सामरिया परदेस के सुखार नामक एक नगर म्ह आया, यो नगर उस जगहां के धोरे था जो याकूब नै अपणे बेट्टे यूसुफ ताहीं दिया था। 6 अर याकूब का कुआँ भी ओड़ैए था। यीशु सफर का थक्या होइ उस कुएँ नै प्यूप बैठया। दोपहर का बखत होरया था। 7 इतनै म्ह एक सामरी बिरबानी पाणी भरण आई। यीशु नै उस ताहीं कहा, “मन्नै पाणी पिया।” 8 क्यूँके उसके चेल्लें नगर म्ह खाणा मोल लेण जारे थे। 9 उस सामरी बिरबानी नै उस ताहीं कहा, “तू यहूदी होके मेरे तै सामरी बिरबानी तै पाणी क्यातै माँगै सै?” (क्यूँके यहूदी सामरियाँ तै नफरत करै थे।) 10 यीशु नै जवाब दिया, “जै तू जाणदी के परमेसवर तन्नै के देणा चाहवे सै, अर वो कौण सै, जो तेरे तै कहवे सै, ‘मन्नै पाणी पिया,’ फेर तू उसतै माँगदी, अर वो तन्नै जीवन का पाणी देन्दा।” 11 बिरबानी नै उस

ताही कहा, “हे प्रभु, तेरे धोरे पाणी भरण नै तो किमे से भी कोनी, अर कुआँ डून्हा सै, तो फेर वो जीवन का पाणी तेरे धोरे कड़े तै आया? 12 के तू म्हारे पूर्वज याकूब तै बड़ड़ा सै, जिसनै म्हारे ताहीं यो कुआँ दिया, अर खुद भी अपने ऊलादां, अर अपने डानारां सुधा इस म्ह तै पिया?” 13 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “जो कोए यो पाणी पीवैगा वो फेर तिसाया होगा, 14 पर जो कोए उस पाणी म्ह तै पीवैगा जो मै उस ताहीं दियुँगा वो फेर अनन्त काल ताहीं तिसाया कोनी होवैगा, बल्के जो पाणी मै उस ताहीं दियुँगा वो उस म्ह तै एक चोवा बण ज्यगा जो अनन्त जीवन खात्तर उमड़दा रहवैगा।” (aiōn g165, aiōnios g166) 15 बिरबानी नै उस ताहीं कहा, “हे प्रभु, वो पाणी मन्ने दे ताके मै तिसाई ना होऊँ अर ना पाणी भरण नै इतनी दूर आऊँ।” 16 यीशु नै उस ताहीं कहा, “जा अपने धणी नै याड़े बुला ल्या।” 17 बिरबानी नै जवाब दिया, “मै बिना धणी की सूँ।” यीशु नै उस ताहीं कहा, “तू ठीक कहावै सै, मै बिना धणी की सूँ।” 18 क्यूँके तन्ने पाँच धणी कर लिए सै, अर जिस माणस के गेल्या तू डूब सै वो भी तेरा धणी कोनी। या तन्ने साच्ची-ए कही सै।” 19 बिरबानी नै उस ताहीं कहा, “हे प्रभु, मन्ने लागे सै तू नबी सै। 20 म्हारे सामरी पूर्वजां नै इस्से पहाड़ पै भगति करी, अर यहूदी लोग कहवै सै, के वा जगहाँ जड़े भगति करणी चाहिए यरुशलेम नगर म्ह सै।” 21 यीशु नै उस ताहीं कहा, “हे नारी,” मेरी बात का भरोसा कर, के वो बखत आवै सै, के थम ना तो इस पहाड़ पै पिता की भगति करोगे, ना यरुशलेम म्ह। 22 थम जिसनै कोनी जाणदे, उसकी भगति करो सो, अर हम यहूदी लोग जिसनै जाणा सा उसकी भगति करा सां, क्यूँके उद्धार यहूदियाँ म्ह तै सै। 23 पर वो बखत आवै सै, बल्कि डूब भी सै, जिसम्ह सच्चे भगत पिता की भगति आत्मा अर सच्चाई तै करेगें, क्यूँके पिता अपने खात्तर इसेए भगतां नै टोहवै सै। 24 परमेसवर आत्मा सै अर जरूरी सै के उसकी भगति करण आळे आत्मा अर सच्चाई तै उसकी भगति करै। 25 बिरबानी नै उस ताहीं कहा, “मै जाणुं सूँ के मसीह” जो ख्रिस्त कुहावै सै, “आण आळा सै, जिब वो आवैगा, फेर म्हारे ताहीं सारी बात बता देवैगा।” 26 यीशु नै उस ताहीं कहा, “मै जो तेरे तै बोल्लण लागरया सूँ, मै वोए सूँ।” 27 इतनै म्ह उसके चेल्लें आण पोहचे, अर हेरान होण लागे के वो बिरबानी तै बतळावै था, फेर भी किसे नै कोनी बुझ्या, “तू के चाहवै सै? या क्यातै उसतै बतळावै सै?” 28 फेर बिरबानी अपना पैदा छोड़के नगर म्ह चली गई, अर माणसां तै कहण लागीं, 29 “आओ एक माणस नै देखखो, जिसनै सारा किमे जो मन्ने करया मेरे तै बता दिया। कदे योए तो मसीह नही सै?” 30 तब वे नगर के बासिन्दे गाम तै लिंकड़के यीशु के धोरे आण लागे। 31 इस बिचाळे उसके चेल्ल्यां नै यीशु तै या बिनती करी, “हे गुरु, किमे खा ले।” 32 पर उसनै उन ताहीं कहा, “मेरे धोरे खाण खात्तर इसा खाणा सै जिसनै थम कोनी जाणदे।” 33 फेर चेल्ल्यां नै आप्पस म्ह कहा, “के कोए उसके खात्तर खाणा लेकै आया सै?” 34 यीशु नै उनतै कहा, “मेरा खाणा यो सै के अपने भेजण आळे की मर्जी के मुताबिक चाल्लुँ अर उसके काम नै पूरा करूँ जो उसनै कहा सै। 35 के थम कोनी कहन्दे, ‘लामणीयां के डूबे चार महिन्ने रहे सै?’ अपनी आँखां तै देखखीं जितने माणस आण लागरे सै, वो उस खेत की तरियां सै जो काटण खात्तर तैयार सै। 36 पैहले तै मजदूर काम करण लागरया सै अर अपनी मजदूरी पाण लागरया सै, इसका मतलब यो सै के वो माणसां नै कट्टा करण लागरया सै जो अनन्त जीवन पागे। (aiōnios g166) 37 क्यूँके याड़े या कहावत ठीक बेट्टे सै: बोणआळा और सै, अर काटण आळा और। 38 मन्ने तेरे ताहीं वो खेत काटण खात्तर भेज्या जिसम्ह थमने मेहनत कोन्या करी दुसरयां नै मेहनत करी अर थम उनकी मेहनत के फळ म्ह हिस्सेदार होए।” 39 उस नगर के घणखरे सामरियाँ नै उस बिरबानी के कहण तै यीशु पै विश्वास करया, क्यूँके उसनै कहा था, के “उसनै सारा किमे जो मन्ने करया सै, मेरे तै बता दिया।” 40 ज्यातै जिब सामरी उसके धोरे आए, तो उसतै बिनती करण लागे के म्हारे याड़े रह। आखर म्ह वो ओड़ै दो दिन ताहीं रहया। 41 उसके वचन के कारण और भी घणखरे माणसां नै विश्वास करया

42 अर उस बिरबानी तै कहा, “डूब हम तेरे कहण तै विश्वास कोनी करदे, क्यूँके हमनै खुदे सुण लिया, अर जाणगे सा के योए साच्चाए म्ह दुनिया का उद्धार करणीया सै।” 43 फेर दो दिनां के पाच्छे वो ओड़ै तै लिंकड़के गलील परदेस म्ह गया। 44 क्यूँके यीशु नै खुदे गवाही दी के नबी अपने गाम म्ह आदर मान कोनी पान्दा। 45 जिब वो गलील परदेस म्ह आया, तो गलील परदेस के माणस राज्जी होके उसतै मिले, क्यूँके जितने काम उसनै यरुशलेम म्ह त्योंहार के बखत करे थे, उननै उन सारया ताहीं देख्या था, क्यूँके वे भी त्योंहार म्ह जाते थे। 46 फेर वो दुबारे गलील परदेस के काना नगर म्ह आया, जड़े उसनै पाणी ताहीं अंगूर का रस बनाया था। ओड़ै राजा का एक कर्मचारी था जिसका बेटा कफरनहूम नगर म्ह बीमार था। 47 वो या सुणके के यीशु यहूदिया परदेस तै गलील परदेस म्ह आ रहया सै, उसके धोरे गया अर उसतै बिनती करण लागमया के चालकै मेरे बेट्टे नै ठीक कर दे: क्यूँके वो मरण आळा था। 48 यीशु नै उस ताहीं कहा, “जिब ताहीं थम चमत्कार अर अचम्भे के काम कोनी देखदे जद ताहीं कदे भी विश्वास कोनी करोगे।” 49 राजा के कर्मचारी नै उसतै कहा, “हे प्रभु, मेरे बाळक की मौत होण तै पैहल्या चाल।” 50 यीशु नै उस ताहीं कहा, “जा, तेरा बेट्टा जिन्दा सै।” उस माणस नै यीशु की कही होई बात का विश्वास करया अर चल्या गया। 51 वो रास्ते म्ह था के उसके नौकर उसतै आ मिले अर कहण लागे, “तेरा छोरा जिन्दा सै।” 52 उसनै उसतै बुझ्या, “किस बखत वो ठीक होण लागमया?” उननै उस ताहीं कहा, “काल दोफहरे एक बजे उसका बुखार उतर गया।” 53 फेर बाप जाण गया के यो उससे बखत होया जिस बखत यीशु नै उस ताहीं कहा, “तेरा बेट्टा जिन्दा रहवैगा,” अर उसनै अर उसके सारे कुणबे नै विश्वास करया। 54 यो दुसरा अचम्भे का काम था जो यीशु नै यहूदिया परदेस तै गलील परदेस म्ह आके दिखाया।

5 इन बातां के पाच्छे यहूदियाँ का एक त्योंहार आया, अर यीशु यरुशलेम नगर म्ह गया। 2 यरुशलेम म्ह भेड़-फाटक के धोरे एक कुण्ड सै जो इब्रानी भाषा म्ह बैतहसदा कुहावै सै, उसके पाँच घाट सै। 3 इन म्ह घणखरे बीमार, आन्धे, लंगड़े अर सूखे अंगआळे (पाणी के हाल्लण के आस म्ह) पड़े रहवै थे। 4 (क्यूँके खास बखत पै परमेसवर के सुगदूत कुण्ड म्ह उतरके पाणी नै हलाया करे थे। पाणी हाल्ले जो कोए पैहल्या उतरदा वोए ठीक हो जान्दा चाहे उसके कोए बीमारी क्यूँ ना हो।) 5 उड़े एक माणस था, जो अड़तीस साल तै बीमारी म्ह पड्या था। 6 यीशु नै उस ताहीं पड्या होया देखके अर न्यू जाणके के वो घणे दिनां तै इसी हाल्लत म्ह पड्या सै, उसतै बुझ्या, “के तू ठीक होणा चाहवै सै?” 7 उस बीमार नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे प्रभु, मेरे धोरे कोए माणस कोनी के जिब पाणी हलाया जावै, तो मन्ने कुण्ड म्ह उतारै, पर मेरे पोंहोचदे-पोंहोचदे दुसरा मेरतै पैहल्या पाणी म्ह उतर जावै सै।” 8 यीशु नै उस ताहीं कहा, “उठ, अपने बिस्तर ठाके, हाँड-फिर।” 9 वो माणस जिबे ठीक होगया, अर अपने बिस्तर ठाके हाँड-फिरण लागमया। 10 वो आराम का दिन था। ज्यातै यहूदी उस ताहीं जो ठीक होया था, कहण लागे, “आज तो आराम का दिन सै, तेरा बिस्तर ठाणा नियम-कायदा के मुताबिक ठीक कोनी।” 11 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, “जिसनै मेरे ताहीं ठीक करया, उससे नै मेरे ताहीं कहा, ‘अपणा बिस्तर ठा अर हाँड-फिर।’” 12 उननै उसतै बुझ्या, “वो कोण माणस सै जिसनै तेरे तै कहा, ‘बिस्तर ठा, अर हाँड-फिर?’” 13 पर जो ठीक होया था वो कोनी जाणै था के वो कोण सै, क्यूँके उस जगहाँ पै भीड़ होण के कारण यीशु ओड़ै तै चला गया था। 14 इन बातां के पाच्छे वो यीशु नै मन्दर म्ह मिल्या। यीशु नै उस ताहीं कहा, “देख, तू ठीक होया सै: दुबारा पाप ना करिये, इसा ना हो के इततै कोए भारी संकट तेरे पै आण पड़े।” 15 उस माणस नै जाके यहूदियाँ तै कह दिया के जिसनै मेरे ताहीं ठीक करया वो यीशु सै। 16 इस कारण यहूदी अगुवें यीशु नै तंग करण लागे, क्यूँके वो इसे काम आराम के दिन करया करदा। 17 इसपै यीशु नै उन ताहीं कहा, “मेरा पिता सारी हाण काम करै सै, अर मेरे ताहीं भी करते रहणा सै।” 18 यीशु की बात के

कारण यहूदी अगुवें और भी घणे उस ताहीं मारण खातर कोशिश करण लाग्गे, क्यूँके वो ना सिर्फ आराम के दिन का नियम तोड्या करदा, पर परमेसवर नै अपना पिता कहकै खुद ताहीं परमेसवर के बरोबर भी ठेहरावे था। 19 इसपै यीशु नै उस ताहीं कह्या, “मै थारैताहीं साच्ची-साच कहुँ सूँ, बेट्टा खुद तै किमे न्ही कर सकदा, सिर्फ वो जो पिता नै करदे देखे से, क्यूँके जिन-जिन काम्मां नै वो करे सै उननै बेट्टा भी इस्से ढाळ करे सै। 20 क्यूँके पिता बेट्टे तै प्यार करे सै अर जो-जो काम वो खुद करे सै, वो सारे उसतै दिखावे सै: अर वो इसतै भी बडे काम उस ताहीं दिखावेगा, ताके थम हेरान होओ। 21 जिसा पिता मरे होया नै ठावे अर जिवावे सै उससे ढाळ बेट्टा भी जिननै चाहवे सै उननै जिवावे सै। 22 पिता किसे का न्याय कोनी करदा, पर न्याय करण का सारा काम बेट्टे ताहीं सोंप राख्या सै, 23 ताके सारे माणस जिस ढाळ पिता की इज्जत करे सै उससे ढाळ बेट्टे की भी इज्जत करै। जो बेट्टे की इज्जत कोनी करदा, वो पिता की भी इज्जत कोनी करदा, जिसनै उस ताहीं भेज्या सै।” 24 मै थारैतै साच्ची-साच कहुँ सूँ, जो मेरा वचन सुणके उसपै बिश्वास करे सै, जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै, वो अनन्त जीवन पावे सै, अर उसपै दण्ड का हुकम कोनी होन्दा, पर वो मौत नै पार करके जीवन म्ह दाखल हो लिया सै। (aiōnios g166) 25 “मै थारैतै साच्ची-साच कहुँ सूँ, वो बखत आवे सै, अर इब सै, जिसम्ह मेरे होइ परमेसवर के बेट्टे का वचन सुणें, अर जो सुणेंगे वे जिवेंगे। 26 क्यूँके जिस ढाळ तै पिता खुद म्ह जीवन राखे सै, उससे ढाळ तै उसनै बेट्टे ताहीं भी यो अधिकार दिया सै के खुद जीवन राखे सै, 27 बल्के मेरे ताहीं माणसां के न्याय करण का भी अधिकार दिया सै, ज्यांतै के मै माणस का बेट्टा सूँ।” 28 इसतै हेरान मतना होओ: क्यूँके वो बखत आवे सै के जितने मरे होए लोग कब्रं म्ह सै वे मेरा वचन सुणके लिंकड़ आवेंगे। 29 जिन नै भले काम करे सै वे जीवन के पुनरुत्थान खातर जी जावेंगे अर जिन नै बुरे काम करे सै वे दण्ड के पुनरुत्थान खातर जी जावेंगे। 30 “मै खुद तो कुछ कोनी कर सकदा, जिसा सुणु सूँ, उससे तरियां न्याय करुँ सूँ, अर मेरा न्याय साच्चा सै, क्यूँके मै अपनी मर्जी कोनी पर अपने भेजण आळे की मर्जी चाहुँ सूँ।” 31 जै मै खुदे अपनी गवाही छुँ, तो मेरी गवाही साच्ची कोनी। 32 एक और सै जो मेरा पिता सै, वो मेरी गवाही देवे सै, अर मै जाणु सूँ, के मेरी जो गवाही वो देवे सै, वा साच्ची सै। 33 थमने यहून्ना तै बुझाव्या अर उसनै सच्चाई की गवाही दी सै। 34 पर मै अपने बारे म्ह माणसां की गवाही कोनी चाहन्दा, फेर भी मै ये बात ज्यांतै कहुँ सूँ के थारा उद्धार हो। 35 यहून्ना तो बळदे अर चमकदे होए दीवे कै समान था, अर थमनै किमे वार ताहीं उसके चाँदणे म्ह मगन होणा भाया। 36 पर मेरे थारे जो गवाही सै वा यहून्ना की गवाही तै बड्डी सै, क्यूँके जो काम पिता नै मेरे ताहीं निपटान नै सौप्या सै यानिके योए काम जो मै करुँ सूँ, वे मेरे गवाह सै के पिता नै मेरे ताहीं भेज्या सै। 37 अर पिता जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै, उससे नै मेरी गवाही दी सै। थमनै ना कदे उसका वचन सुण्या, अर ना उसकी शकल देख्खी सै, 38 अर उसके वचन ताहीं मन म्ह बणाए कोनी राखदे, क्यूँके जिस ताहीं उसनै भेज्या थम उसका बिश्वास कोनी करदे। 39 थम पवित्र ग्रन्थ म्ह टोक्को सो, क्यूँके समझों सो के उस म्ह अनन्त जीवन थारे ताहीं मिले सै, अर यो वोए सै जो मेरी गवाही देवे सै, (aiōnios g166) 40 फेर भी थम अनन्त जीवन पाण खातर मेरे थारे आणा कोनी चाहन्दे। 41 मै माणसां तै आदर कोनी चाहन्दा। 42 पर मै थमनै जाणु सूँ, के थारे म्ह परमेसवर खातर प्यार कोनी। 43 थम मेरे ताहीं पसन्द न्ही करते जिब के मै उनणे पिता के नाम तै आया सूँ, जै दुसरा कोए खुद के नाम तै आवे, तो उसनै थम अपना लोगे। 44 थम मेरे पे किस तरियां बिश्वास कर सको सो? क्यूँके थम तो आप्स दे एक-दुसरे तै तारीफ सुणणा चाहो सो, अर उस तारीफ की ओइ देखते भी कोनी जो एकमात्र परमेसवर तै आवे सै। 45 न्यू ना समझियों के मै पिता के स्याम्ही थारे म्ह खोट काहूँ सूँ, थारे म्ह खोट काढणिया तो मूसा नबी सै, जिसपै थमनै भरोस्सा करया सै। 46 क्यूँके जै थम मूसा नबी पै बिश्वास करदे, तो मेरा भी बिश्वास करदे, ज्यांतै के उसनै मेरे बारे म्ह लिख्या सै। 47 पर जै थम उसके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिक्खी

होई बात्तां पे बिश्वास कोनी करदे, तो मेरी बात्तां पे किस तरियां बिश्वास करोगे?

6 इन बात्तां के पाछे यीशु गलील समुन्दर यानिके तिबिरियास की झील के धारे गया। 2 अर एक बड्डी भीड़ उसके गेल्या हो ली क्यूँके जो अचम्भे के काम वो बिमारां पे दिखावे था वे उननै देख्या करे थे। 3 फेर यीशु पहाड़ पै चढके अपने चेल्यां के गेल्या बैठया। 4 यहूदियाँ के फसह का त्योहार लोवे था। 5 जिब यीशु नै अपनी आँख ठाके एक बड्डी भीड़ ताहीं अपने कान्ही आन्दे देख्या, फेर फिलिपुस ताहीं कह्या, “हम इनके खाणे के खातर कडै तै रोटी मोल ल्यावां?” 6 उसनै या बात उस ताहीं आजमाण ताहीं बोली, क्यूँके वो खुदे जाणै था के वो के करेगा। 7 फिलिपुस नै उस ताहीं जवाब दिया, “दो सौ दीनार (200 दिन की मजदूरी) की रोटी भी उन खातर पूरी कोनी पडै के उन म्ह तै हरेक नै माड़ी-माड़ी मिल जा।” 8 उसके चेल्यां म्ह तै शमौन पतरस का भाई अन्द्रियास नै उस ताहीं कह्या, 9 “याइए एक छोरा सै जिसके धारे जो की पाँच रोटी अर दो मच्छी सै, पर इतने माणसां खातर वे के सै?” 10 यीशु बोल्या, “माणसां नै बिठा द्यो।” उस जगहां घणी घास थी: फेर माणस जिन म्ह आदमियों की गिणती करीबन पाँच हजार की थी, बैठगे। 11 फेर यीशु नै रोटी ली अर परमेसवर का धन्यवाद करके बैठण आळा ताहीं बांड दी: अर उससे ढाळ मच्छियाँ म्ह तै जितनी वे चाहवे थे, बांड दी। 12 जिब वे खाके छिकगे फेर वो चेल्यां तै बोल्या, “बचे होइ टुकडे कठु कर ल्यो के किमे बगायां न्ही जावें।” 13 आखर म्ह उननै कठु करया, अर जो की पाँच रोटियाँ के टुकड्या तै जो खाण आळा तै बची होइ थी, बारहा टोकरी भरी। 14 फेर जो अचम्भे के काम उसनै कर दिखाये उसनै वे माणस देखके कहण लागे, “वो नबी जो दुनिया म्ह आण आळा था, पक्का योए सै।” 15 यीशु न्यू जाणके के वे मन्ने राजा बणाण खातर पकड़णा चाहवे सै, फेर पहाड़ पै एकला चल्या गया। 16 जिब सौँझ होई, तो उसके चेल्लें झील के किनारे गए, 17 अर किस्ती पै चढके झील के परली ओइ कफरनहूम नगर म्ह जाण लागे। उस बखत अन्थेरा होगया था, अर यीशु इब ताहीं उनके धारे कोनी आया था। 18 अर आँधी के कारण समुन्दर म्ह झाल उठुण लागी। 19 जिब वे खते-खते तीन-चार कोस के करीबन लिंकड़गे, फेर उननै यीशु ताहीं समुन्दर पै चाल्दे अर किस्ती के धारे आन्दे देख्या, अर डरगे। 20 पर उसनै उनतै कह्या, “मै सूँ, डरो मतना।” 21 आखर म्ह वे उसनै किस्ती पे चढ़ाण नै राज्जी होए अर जिब्बे वा किस्ती उस जगहां पे जा पोहची जडै वे जाण लागे थे। 22 जो लोग गलील समुन्दर के उस पार रहगे थे, उननै दुसरे दिन देख्या के याइे सिर्फ एक ए किस्ती थी, अर यीशु अपने चेल्यां गेल्या उस किस्ती पै कोनी चढ्या था, पर सिर्फ उसके चेल्लें एकले ए चले गए थे। 23 तिबिरियास नगर की कुछ किस्ती उस जगहां के धारे आके रुकी, जडै प्रभु नै परमेसवर का धन्यवाद करके भीड़ ताहीं रोटी खुआई थी। 24 जिब भीड़ नै देख्या के याइे ना यीशु सै अर ना उसके चेल्लें, फेर वे भी छोटी-छोटी किस्तियाँ पे चढके यीशु नै टोन्दे होए कफरनहूम नगर पोहचे। 25 गलील समुन्दर के परली ओइ जिब वे उसतै मिले तो बोल्ले, “हे गुरु, तू याइे कद आया?” 26 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “मै थारैताहीं साच्ची-साच कहुँ सूँ, थम मन्ने ज्यांतै कोनी टोक्को सो के थमनै अचम्भे के काम देखे, पर ज्यांतै के थमनै पेट भरके रोटी खाई थी।” 27 उस खाणे खातर मेहनत ना करो जो सड़ जावे सै, पर उस खाणे खातर जतन करो जो कदे खराब न्ही होंदा अर अनन्त जीवन देवे सै, मै माणस का बेट्टा यो खाणा थारे ताहीं देऊंगा, क्यूँके पिता परमेसवर नै मेरे ताहीं इसा करण का हक दिया सै। (aiōnios g166) 28 वे उसतै बोल्ले, “परमेसवर के काम करण खातर हम के करा?” 29 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “परमेसवर चाहवे सै, के थम उसपै बिश्वास करो, जिस ताहीं उसनै भेज्या सै।” 30 फेर वे उसतै बोल्ले, “फेर तू कौण सा निशान दिखावे सै के हम उसनै देखके तेरा बिश्वास करा? तू कौण सा काम दिखावे सै? 31 म्हारे पूर्वजां नै जंगल-बियाबान म्ह मन्ना खया, जिसा पवित्र शास्त्र म्ह लिख्या सै, ‘परमेसवर नै उन ताहीं खाण

खातर सुर्ग तै रोटी देई।” 32 यीशु नै उनतै कहा, “मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहूँ सूँ, के मूसा नबी नै थारे ताहीं वा रोटी सुर्ग तै कोनी दी, पर मेरा पिता थमनै सुर्ग तै असली रोटी देवे सै। 33 क्यूँके परमेसवर की रोटी वाए सै, जो सुर्ग तै उतरकै दुनिया के माणसां ताहीं जिन्दगी देवे सै।” 34 फेर यो सुणकै यीशु तै बिनती करी, “के हे प्रभु, वा रोटी हमनै सदा दिया कर।” 35 यीशु नै उनतै कहा, “जीवन की रोटी मै सूँ: जो मैरे धौरे आवैगा, वो कदे भूख्खा कोनी रहवैगा, अर जो कोए मैरे पै बिश्वास करैगा, वो कदे तिसाया कोनी होवैगा। 36 पर मन्ने थारे ताहीं पैहले तै कहा था, के थमनै मेरेताहीं देख भी लिया सै, फेर भी बिश्वास कोनी करदे। 37 वे सारे जो पिता नै मेरे ताहीं दिये सै, वे मेरे धौरे आवेंगे, अर हर एक जो कोए मैरे धौरे आवैगा उसनै मै कदे भी कोनी छोड़ूंगा। 38 पर मै अपणी मर्जी कोनी पर अपणे भेजण आळे पिता की मर्जी पूरी करण खातर सुर्ग तै उतरया सूँ। 39 अर मैरे भेजण आळे की मर्जी या सै के जो किमे उसनै मैरे ताहीं दिया सै, उस म्ह तै मै किसे नै ना खोऊँ, पर उसनै आखर के दिनां म्ह दुबारे जिन्दा कर वूँ। 40 क्यूँके मैरे पिता की मर्जी या सै के जो कोए बेट्टे नै अपणा के उसपै बिश्वास करै, वो अनन्त जीवन पावे, अर मै उसनै आखरी के दिनां म्ह दुबारे जिन्दा करूँगा।” (aiōnios g166) 41 इसपै यहूदी उसपे बिरड़ाण लागे, क्यूँके उसनै कहा था, “जो रोटी सुर्ग तै उतरी, वा मै सूँ।” 42 अर वे बोल्ले, “के यो यीशु सै, यूसुफ का बेट्टा, जिसकै माँ-बाप नै हम जाणां सां? फेर वो किस ढाळ कह सके सै के मै सुर्ग तै उतरया सूँ?” 43 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “आप्स म्ह मतना बिरड़ाओ।” 44 कोए मैरे धौरे कोनी आ सकदा जिब ताहीं पिता, जिसनै मेरेताहीं भेज्या सै, उसनै खींच नही लैवे, अर मै उसनै आखर के दिनां म्ह फेर जिन्दा करूँगा। 45 नबियाँ के लेखां म्ह यो लिख्या सै: “वे सारे परमेसवर की ओड़ तै सिखाए होए होवेंगे।” जिस किसे नै पिता तै सुणया अर सिख्या सै, वो मैरे धौरे आवे सै। 46 किसे नै पिता ताहीं कोनी देख्या, सिवाए उसके, जो परमेसवर की ओड़ै तै सै, सिर्फ उससे नै पिता ताहीं देख्या सै। 47 मै थारेताहीं साच्ची-साच कहूँ सूँ, के जो कोए बिश्वास करै सै, अनन्त जीवन उससे का सै। (aiōnios g166) 48 जीवन की रोटी मै सूँ। 49 थारे पूर्वजां नै जंगल-बियाबान म्ह मन्ना खाया अर मरगे। 50 या वा रोटी सै जो सुर्ग तै उतरी सै, ताके माणस उस म्ह तै खावे अर ना मरै। 51 जीवन की रोटी जो सुर्ग तै उतरी सै, मै सूँ। जै कोए इस रोटी म्ह तै खावे, तो सारी हाण जिन्दा रहवैगा, अर जो रोटी मै दुनिया के जीवन खातर दियुंगा, वो मेरा माँस सै। (aiōn g165) 52 इसपै यहूदी न्यू कहके आप्पस म्ह बहस करण लागे, “यो माणस किस ढाळ हमनै अपणा माँस खाण नै दे सके सै?” 53 यीशु नै उन ताहीं कहा, “मै थारेताहीं साच्ची-साच कहूँ सूँ, के जिब ताहीं थम मुझ माणस के बेट्टे का माँस ना खाओ, अर मेरा लहू ना पियो, थारे म्ह जीवन कोनी। 54 जो मेरा माँस खावे अर मेरा लहू पीवे सै, अनन्त जीवन उससे का सै, अर आखरी के दिनां म्ह मै उसनै दुबारे जिन्दा कर दियुंगा। (aiōnios g166) 55 क्यूँके मेरा माँस सच म्ह खाण की चीज सै, अर मेरा लहू सच म्ह पीण की चीज सै। 56 जो मेरा माँस खावे अर मेरा लहू पीवे सै वो मैरे म्ह डट्या रहवे सै, अर मै उस म्ह। 57 जिसा जिन्दे पिता नै मेरेताहीं भेज्या सै, अर मै पिता के कारण जिन्दा सूँ, उससे ढाळ वो भी जो मन्ने खावैगा मैरे कारण जिन्दा रहवैगा। 58 जो रोटी सुर्ग तै उतरी सै याए सै, उस रोटी बरगी कोनी जो पूर्वजां नै खाई अर मरगे, जो कोए या रोटी खावैगा, वो सदा ताहीं जिन्दा रहवैगा।” (aiōn g165) 59 ये बात उसनै कफरनहूम नगर के एक आराधनालय म्ह उपदेश देन्दे बखत कही। 60 उसके चेल्यां म्ह तै घणखरा नै या सुणके कहा, “या सख्त शिक्सा सै, इसनै कौण सुण सके सै?” 61 यीशु नै अपणे मन म्ह न्यू जाणके के मैरे चेल्ले आप्पस म्ह इस बात पै बिरड़ावे सै, उन ताहीं बुझ्या, “के इस बात तै थारे ताहीं ठेस लागे सै?” 62 जै थम मुझ माणस के बेट्टे नै जड़ै मै पैहल्या था, ओड़ैए उप्पर जान्दे देखखगे, तो के होगा? 63 आत्मा ए सै जो देह नै जीवन देवे सै, देह का कोए महत्व कोनी, जो वचन मन्ने थारैतै कह्ले सै, वे आत्मा सै, अर जीवन भी। 64 पर थारे म्ह तै किमे इसे सै जो बिश्वास कोनी करदे। क्यूँके यीशु पैहल्या तै ए जाणे था के

जो बिश्वास नही करदे, वे कौण सै, अर कौण मेरे ताहीं पकड़वावेगा। 65 अर वो बोल्या, “ज्यातै मन्ने थारे ताहीं कहा था के जिब ताहीं किसे नै पिता की ओड़ तै यो वरदान ना मिले तब ताहीं वो मैरे धौरे कोनी आ सकदा।” 66 इसपै उसके चेल्यां म्ह तै घणखरे उल्टे हटगे अर उसके बाद उसके गेल्या कोनी चाल्ले। 67 फेर यीशु नै उन बारहां चेल्यां तै कहा, “के थम भी चले जाणां चाहो सो?” 68 शमौन पतरस नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे प्रभु, हम किसके धौरे जावां? अनन्त जीवन की बात तो तैरेए धौरे सै, (aiōnios g166) 69 अर हमनै बिश्वास करया अर जाणगे सै के परमेसवर का पवित्र जन तूए सै।” 70 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “के मन्ने थम बारहां चेल्यां ताहीं कोन्या छाट्या? फेरभी थारे म्ह तै एक जन शैतान सै।” 71 यो उसनै शमौन इस्करियोती के बेट्टे यहूदा के बारे म्ह कहा था, क्यूँके वोए जो बारहां चेल्यां म्ह तै एक था, उस ताहीं पकड़वाण म्ह था।

7 इन बातां के हो लेण के पाछे यीशु गलील परदेस म्ह सफर करण लाग्या, जो यहूदिया परदेस म्ह जाणा कोनी चाहवे था, क्यूँके यहूदी लोग उस ताहीं मारण की ताक म्ह थे। 2 यहूदियां का झोपड़ियां का त्यौहार लोवे था। 3 ज्यातै उसके भाईयां नै उस ताहीं कहा, “याडै तै यहूदिया परदेस नै जा, ताके जो काम तू करे सै उनने तेरे चेल्ले ओड़ै भी देखखे। 4 क्यूँके इसा कोए नही होगा जो मशहुर होणा चाहवे, अर लुक्क के काम करै। जै तू यो काम करे सै, तो खुद नै दुनिया म्ह साबित कर।” 5 क्यूँके उसके भाई भी उसपै बिश्वास कोनी करे थे। 6 फेर यीशु नै उनतै कहा, “मेरे खातर इब्बे सही बखत कोनी आया, पर थारे खातर सारा बखत सही सै। 7 दुनिया थारे तै बैर कोनी कर सकदी, पर वा मैरे तै बैर करे सै क्यूँके मै उसके बिरोध म्ह या गवाही दियुँ सूँ के उसके काम भुन्डे सै। 8 थम त्यौहार म्ह जाओ, मै इब्बे इस त्यौहार म्ह कोनी जान्दा, क्यूँके इब्बे मेरा सही बखत कोनी आया।” 9 वो उनतै ये बात कहके गलील परदेस म्ह रहया। 10 पर जिब उसके भाई त्यौहार म्ह जा लिए तो वो खुद भी, जाहिर म्ह नही पर मान्नी गुप्ती तै गया। 11 त्यौहार म्ह कुछ यहूदी लोग यीशु ताहीं टोन्दे होए पूछताछ करण लागरे थे, “के वो कड़ै सै?” 12 फेर भी यीशु के बारे म्ह बड़ी बहस होण लागरी थी, कई माणस कहवे थे, “के वो भला माणस सै।” अर कईयां का कहणा था, “के ना, वो माणसां नै बहकावे सै।” 13 फेर भी यहूदियां के डरके मारे कोए भी माणस यीशु के बारे म्ह खुलके कोनी बोल्ले था। 14 जिब त्यौहार के आध्थे दिन बीतते, फेर यीशु मन्दर म्ह जाके उपदेश देण लागया। 15 फेर यहूदियां नै हेरान होके कहा, “इसनै बिना पढे ज्ञान किस तरियां आ ग्या?” 16 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “जो उपदेश मै देऊँ सूँ, मेरा अपणा कोनी, पर उसतै आवे सै जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै। 17 जै कोए माणस उसकी मर्जी पै चाल्लण का प्रण करै, तो उस ताहीं यो बेरा लाग ज्यागा, के यो उपदेश परमेसवर की ओड़ तै सै, या मै अपणी ओड़ तै देऊँ सूँ। 18 जो अपणी ओड़ तै कुछ कहवे सै, वो खुद की बड़ाई चाहवे सै, पर जो अपणे भेजण आळे की बड़ाई चाहवे सै वोए साच्चा सै, अर उस म्ह अधर्म कोनी। 19 के मूसा नबी नै थारेताहीं नियम-कायदे कोनी दिये? फेरभी थारैम्ह तै कोए नियम-कायदा पै कोनी चाल्दा। थम मन्ने क्यातै मारणा चाहो सो?” 20 माणसां नै जवाब दिया, “तेरे म्ह ओपरी आत्मा सै! कौण तन्ने मारणा चाहवे सै?” 21 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “मन्ने आराम के दिन एक चमत्कार करया, अर थम सारे छो म्ह हगे। 22 इससे खातर मूसा नबी नै थारेताहीं खतने का नियम दिया था (यो नियम मूसा नबी का नही था बल्के या थारे पूर्वजां तै ए लाग लागरी सै) अर थम आराम के दिन माणस का खतना करो सो। 23 जिब आराम के दिन माणस का खतना करया जावे सै ताके मूसा नबी के नियम-कायदा का हुकम नही टळै। फेर थम मैरे पै क्यातै छो करो सो के मन्ने आराम के दिन एक माणस ताहीं पूरी तरियां ठीक करया। 24 मूँह देख्या न्याय मतना करो, पर सही-सही न्याय करो।” 25 फेर यरुशलम म्ह रहण आळे माणसां म्ह तै कईयां नै कहा, “के यो वोए कोनी जिस ताहीं यहूदी अगुवें मार देणा चाहवे सै?” 26 पर लखाओ, “वो तो

सरेआम बात करै सै अर कोए उसतै किमे कोनी कहन्दा। के यो न्ही हो सकता के यहूदी अगुवां नै साच्चे बेरा पाटया सै, के योए मसीह सै? 27 इसके बारे म्ह हमनै बेरा सै यो कितका सै, पर मसीह जिब आवेगा तो कोए कोनी जाणे के वो कितका सै।” 28 फेर यीशु नै मन्दर म्ह उपदेश देन्दे होए रुक्का मारके कहा, “थम मन्ने जाणो सो, अर न्यू भी जाणो सो के मै कित तै आया सूं। मै तो खुद कोनी आया, पर मेरा भेजण आळा साचा सै, उसनै थम कोनी जाणदे। 29 पर मै उसनै जाणु सूं, क्यूँके मै उसके कान्ही तै आया सूं, अर उससे नै मेरे ताहीं भेज्या सै।” 30 यो सुणके यहूदी अगुवां नै यीशु ताहीं पकड़णा चाहा, फेरभी किसे नै उसके हाथ कोनी लाया, क्यूँके उसके मरण का सही बखत इब्बे कोनी आया था। 31 फेर भी भीड़ म्ह तै घणखरे माणसां नै उसपै बिश्वास करया, अर बोल्ते, “मसीह जिब आवेगा तो के इसतै घणे अचम्भे के काम दिखावेगा जो इसनै दिखाए?” 32 फरीसियाँ नै भीड़ म्ह माणस ताहीं यीशु के बारे म्ह चुपके-चुपके बात करते सुण्या, तो प्रधान याजक अर फरीसियाँ नै यीशु ताहीं पकड़ण खात्तर मन्दर के सिपाहियाँ ताहीं भेज्या। 33 मसीह यीशु बोल्या, “मै थोड़ी बार ताहीं थारे गेल्या सूं, फेर अपणे भेजण आळे धोरे उल्टा चल्या जाऊँगा। 34 थम मन्ने टोहओगे, पर कोनी पाओगे, अर जडै मै सूं, ओइ थम कोनी आ सकदे।” 35 इसपै यहूदी अगुवां नै आप्पस म्ह कहा, “यो कित जावेगा, के हम इसनै कोनी टोह सकदे? के यो जो यूनानी परदेशियाँ म्ह तो बसणा न्ही चाहन्दा, ताके यूनानियाँ ताहीं भी उपदेश दे? 36 इसकी इस बात का के मतलब सै? जो उसनै बोल्ली सै, के थम मन्ने टोहओगे, पर कोनी पाओगे, अर जडै मै सूं, ओइ थम न्ही आ सकदे।” 37 त्योहार के आखरी दिन, जो खास दिन सै, यीशु खड्या होया अर रुक्का मारके कहा, “जै कोए तिसाया हो तो मेरे धोरे आवे अर पीवै। 38 जो कोए मेरे पै बिश्वास करेगा, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “उसकी अंतरआत्मा म्ह तै जीवन के जल की नदियाँ बह लिकडैगी, जो अनन्त जिन्दगी देवे सै।” 39 यीशु नै यो वचन पवित्र आत्मा के बारे म्ह कहा, जो बिश्वास करण आळा नै मिलण आळी थी, क्यूँके इब ताहीं पवित्र आत्मा कोनी उतरया था, क्यूँके यीशु इब ताहीं अपणी महिमा म्ह कोनी पोंहच्या था। 40 फेर भीड़ म्ह तै कईयॉं नै या बात सुणके कहा, “साच्चे योए वो नबी सै, जिसके आण की हम आस देखखां थे।” 41 अर कईयॉं नै कहा, “यो मसीह सै” पर कई बोल्ते, “मसीह गलील परदेस तै तो न्ही आवेगा?” 42 पवित्र ग्रन्थ यो कहवै सै, के मसीह दाऊद की पीढ़ी तै अर बैतलहम नगर तै आवेगा, जडै दाऊद रहवै था? 43 आखर म्ह उसके कारण माणसां म्ह फूट पड़ी। 44 उन म्ह तै कई उस ताहीं पकड़णा चाहवै थे, पर किसे नै उसके हाथ कोनी लाया। 45 फेर सिपाही, प्रधान याजकां अर फरीसियाँ के धोरे बोहड़ आए, उननै उन ताहीं कहा, “थम उसनै क्यातै न्ही ल्याए?” 46 सिपाहियाँ नै जवाब दिया, “इसी बात बताण आळा माणस हमनै आज ताहीं कदे भी कोनी मिल्या।” 47 फरीसियाँ नै उन ताहीं जवाब दिया, “के थम भी भळोई म्ह आगै? 48 के सरदारां या फरीसियाँ म्ह तै किसे नै भी उसपै बिश्वास करया सै? 49 पर ये माणस जो मूसा नबी के नियम-कायदे कोनी जाणदे, परमेसवर की ओइ तै सरापित सै।” 50 नीकुदेमुस जो उन म्ह तै एक था, वो मसीह यीशु तै पैहल्या मिल चुका था, उन ताहीं बोल्या, 51 “के म्हारे नियम-कायदे किसे माणस नै, जिब ताहीं पैहल्या उसकी सुणके जाण ना लेवै, के वो के करै सै, कसूरवार मान्ने सै?” 52 उननै नीकुदेमुस ताहीं जवाब दिया, “तू भी गलील परदेस का सै? पवित्र ग्रन्थ म्ह डूँड अर देख के गलील परदेस तै कोए नबी कोनी आवै।” 53 फेर सारे अपणे-अपणे घरां चले गए।

8 यीशु अपणे चेल्पां के गेल जैतून के पहाड़ पे गया। 2 तडुकैए आगले दिन यीशु फेर मन्दर म्ह आया। भोत सारे माणस उसके धोरे आए अर वो बैठके उननै उपदेश देण लागया। 3 जिब वो बोलण लागरया था, तो जिब्बे शास्त्री अर फरीसी एक बिरबान्नी नै ल्याए, जो जारी करते होए रंगे हाथ पकड़ी गयी थी, अर उस ताहीं माणसां के स्याम्ही खड्या कर दिया, अर

यीशु ताहीं कहा, 4 “हे गुरु, या बिरबान्नी जारी कर दी रंगे हाथ पकड़ी गयी सै। 5 मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह उसनै म्हारे ताहीं हुकम दिया सै, के इसी बिरबान्नी नै पत्थर बरसा के मार द्यो। पर तू इस बिरबान्नी के बारे म्ह के कहवै सै?” 6 उननै यीशु ताहीं परखण खात्तर या बात कही, ताके उस म्ह खोत लिकाड़ण का कोए सुराग मिले जावै। पर यीशु कोड्डा होके आन्गळी तै धरती पै लिखण लाग्या। 7 जिब वे बार-बार उसतै सवाल करते रहे, तो फेर उसनै सीध्या होके उन ताहीं कहा, “थारे म्ह जिसनै भी कोए पाप न्ही करया हो, वोए उसके सबतै पैहला पत्थर मारै।” 8 फेर यीशु कोड्डा होके आन्गळी तै धरती पै लिखण लाग्या। 9 जिब माणसां नै यो सुण्या तो सबतै पैहले बूढ़े माणस अर फेर एक-एक करके ओइ तै खिसकण लाग्गे, क्यूँके वे सब जाणे थे, के हम सब पापी सां, अर सिर्फ यीशु अर वा बिरबान्नी ओइ रहगे। 10 यीशु खड्या होया अर उस बिरबान्नी ताहीं कहा, “हे नारी, वे कित गए? के किस्से नै तेरे ताहीं दण्ड न्ही दिया?” 11 वा बोल्ली, “हे प्रभु, किसे नै न्ही।” यीशु बोल्या, “मै भी तेरे ताहीं दण्ड न्ही देऊँगा, जा, अर दुबारा कदे पाप ना करिए।” 12 मन्दर म्ह अपणे उपदेश नै दुबारे शरु करदे होए यीशु नै माणसां तै कहा, “दुनिया का चोंदणा मै सूं, जो कोए मेरे पाच्छे चाल्लेगा, वो अन्धैरे म्ह कदे कोनी चाल्लेगा, पर वो चोंदणा पावेगा जो अनन्त जीवन देवे सै।” 13 फरीसियाँ नै उस ताहीं कहा, “तू अपणी गवाही खुद देवै सै, इस खात्तर तेरी गवाही साच्ची कोनी।” 14 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “भलाए मै अपणी गवाही खुद देऊँ सूं, फेर भी मेरी गवाही मान्नी जावेगी, क्यूँके मै जाणु सूं, के मै कित तै आया सूं, अर कितोड़ जाऊँ सूं? पर थम कोनी जाणदे के मै कित तै आऊँ सूं, या कितोड़ जाऊँ सूं। 15 थम मानवीय सोच तै, न्याय करो सो, मै किसे का न्याय कोनी करदा। 16 जै मै न्याय करूँ भी तो वो सही ए होगा, क्यूँके मै एक्ला कोनी, पर परम पिता, जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै, वो अर मै दोन्नु मिलके न्याय करा सां। 17 थारे मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह भी लिख्या सै, के दो जणयां की गवाही सच के रूप म्ह मान्नी जा सकै सै। 18 एक तो मै खुद अपणी गवाही दियुँ सूं, अर दुसरा मेरा पिता मेरी गवाही देवै सै, जिसनै मेरेताहीं भेज्या।” 19 उननै उस ताहीं कहा, “तेरा पिता कित सै?” यीशु नै जवाब दिया, “ना थम मन्ने जाणो सो, ना मेरे पिता नै, जै मन्ने जाणदे तै मेरे पिता नै भी जाणदे।” 20 यीशु नै ये वचन मन्दर म्ह उपदेश देन्दे होए भण्डार घर म्ह बोल्ली, अर किसे नै उस ताहीं कोनी पकड्या, क्यूँके उसके दुख ठाण का अर मरण का बखत इब ताहीं कोनी आया था। 21 यीशु नै फेर उन ताहीं कहा, “मै जाऊँ सूं, अर थम मन्ने टोहओगे, अर अपणे पाप म्ह मरोगे। जडै मै जाऊँ सूं, ओइ थम न्ही आ सकदे।” 22 इसपै यहूदी अगुवां नै कहा, “के वो खुद नै मार देवेगा, जो कहवै सै, ‘जडै मै जाऊँ सूं, ओइ थम न्ही आ सकदे?’” 23 यीशु नै उन ताहीं कहा, “थम इस दुनिया म्ह पैदा होए सों, अर मै सुरग तै आया सूं। थम इस दुनिया के सो, मै इस दुनिया का कोनी। 24 ज्यांतै मन्ने थारे ताहीं कहा के थम अपणे पापां म्ह मरोगे, जै थारा मेरे म्ह बिश्वास कोनी के मै कौण सूं, तो थम मरोगे, अर थारे पाप माफ कोनी होंगे।” 25 यहूदी अगुवां नै यीशु ताहीं कहा, “के तू कौण सै?” वो उनतै बोल्या, जिब तै मन्ने प्रचार करणा शरु करया सै, तब तै मै थमनै कहन्दा आया सूं, “के मै कौण सूं?” 26 “थारे बारे म्ह कहण खात्तर अर फैसला करण खात्तर मेरे धोरे भोत कुछ सै, पर सच्चाई याए सै के जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै, मै वोए कहूँ सूं, जो मन्ने उसतै सुण्या सै, वोए दुनिया के माणसां तै कहूँ सूं।” 27 वे न्यू न्ही समझै के म्हारे तै, पिता के बारे म्ह कहवै सै। 28 फेर यीशु बोल्या, “जिब थम मुझ माणस के बेट्टे नै ऊँच्चे पै चड्ढाओगे, जिब जाणोगे के मै वोए सूं। मै खुद तै किमे कोनी करदा, पर जिस तरियां मेरे पिता नै, मेरे ताहीं सिखाया सै, उससे ढाळ ये बात कहूँ सूं। 29 मेरा भेजण आळा मेरे गेल्या सै, उसनै मेरेताहीं एक्ला कोनी छोड्या क्यूँके मै सारी हाण वैए काम करूँ सूं, जिसतै वो राज्जी होवै सै।” 30 वो ये बात कहणे लागरया था, के घणखरयां नै उसपै बिश्वास करया। 31 फेर यीशु नै उन यहूदियाँ तै जिन नै उसपै बिश्वास करया था, बोल्या, “जै थम मेरे वचन म्ह बणे रहोगे, तो साच-ए मेरे चेल्लें ठहरोगे।” 32

थम सच नै जाणोगे अर सच थमने आजाद करेगा। 33 उननै उस ताहीं जवाब दिया, “हम तो अब्राहम के वंशज सा, कदे किसे के गुलाम कोनी बणे। फेर तू किस तरियां कहवै सै, के थम आजाद हो जाओगे?” 34 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “मै थारैतै साच्ची-साच कहूँ सूँ, के जो कोए पाप करै सै, वो पाप का गुलाम सै। 35 गुलाम सारी हाण घर म्ह कोनी रहन्दा, बेट्टा सारी हाण घरां रहवै सै। (aiōn g165) 36 ज्याँतै जै बेट्टा थमनै आजाद करेगा, तो साच्चे थम आजाद हो जाओगे। 37 मै जाणु सूँ, के थम अब्राहम के वंश के सो, फेर भी थम मेरे वचनां नै कोनी मानते, ज्याँतै थम मन्ने मारणा चाहो सो। 38 मै वोए कहूँ सूँ, जो मेरे पिता नै मेरे ताहीं दिखाया सै, अर थम वोए करो सों, जो थमनै अपने पिता तै सुणया सै।” 39 उननै उस ताहीं जवाब दिया, “म्हारा पूर्वज तो अब्राहम सै।” यीशु उनतै बोल्या, “जै थम अब्राहम के वंशज होन्दे, तो अब्राहम जिसे काम करदे। 40 पर इब थम मेरे ताहीं मारणा चाहो सो, जिसनै थारे ताहीं वो साच्चा वचन बताया जो परमेसवर तै सुणया, इस तरियां तो अब्राहम नै कोनी करया था। 41 थम अपने पिता के जिसे काम करो सो।” उननै यीशु ताहीं कह्या, “हम जारी तै कोनी जणे, म्हारा एक ए पिता सै यानिके परमेसवर।” 42 यीशु उनतै बोल्या, “जै परमेसवर थार पिता होन्दा, तो थम मेरे तै प्यार करदे, क्यूँके मै परमेसवर की ओड़ तै आया सूँ। मै खुद कोनी आया, पर उससे नै मेरे ताहीं भेज्या। 43 थम मेरी बात क्याँतै न्ही समझदे? ज्याँतै के थम मेरे वचनां नै अपनादे कोनी। 44 थम अपने पिता शैतान की ओड़ तै सो, अर अपने पिता की मर्जी पूरी करणा चाहो सो। वो तो शरु तै ए खुन्नी सै, अर सच पै टिक्या ए कोनी रहया, क्यूँके सच उस म्ह सै ए कोनी। जिव वो झूठ बोल्लै सै, तो अपने सुभाव तै ए बोल्लै सै, क्यूँके वो झूठा सै बल्के झूठ का बाप सै। 45 पर मै जो सच बोल्लू सूँ, इस्से करके थम मेरा विश्वास कोनी करदे। 46 थारे म्ह तै कोण मन्ने पापी ठहरावै सै? जै मै सच बोल्लू सूँ, तो थम मेरा विश्वास क्याँतै न्ही करदे? 47 जो परमेसवर कान्ही तै होवै सै, वो परमेसवर की बात सुणै सै, अर थम ज्याँतै कोनी सुणदे के परमेसवर की ओड़ तै कोनी सो।” 48 न्यु सुण यहूदियाँ नै उस ताहीं कह्या, “के हम ठीक कोनी कहन्दे के तू सामरी सै, अर तेरे म्ह भुन्डी ओपरी आत्मा सै?” 49 यीशु नै जवाब दिया, “मेरै म्ह भुन्डी ओपरी आत्मा कोनी,” पर मै अपने बाप की इज्जत कहूँ सूँ, अर थम मेरी बेजती करो सो। 50 पर मै अपना मान-सम्मान कोनी चाहन्दा, हँ, एक सै जो चाहवै सै, अर न्याय करण आळा सै। 51 मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूँ, “के जै कोए माणस मेरे वचनां नै मानेगा, तो वो अनन्त काल ताहीं कोनी मरे।” (aiōn g165) 52 यहूदियाँ नै उस ताहीं कह्या, “इब हम जाणगे के तेरे म्ह भुन्डी ओपरी आत्मा सै। अब्राहम मरया अर नबी भी मरये सै, अर तू कहवै सै, ‘जै कोए मेरे वचनां नै मानेगा, तो वो अनन्त काल ताहीं कोनी मरे।’ (aiōn g165) 53 म्हारा पूर्वज अब्राहम तो मरया। के तू उसतै भी बड्डा सै? अर नबी भी मरये। तू अपने-आपनै के माने सै?” 54 यीशु नै जवाब दिया, “जै मै खुद अपनी महिमा कहूँ, तो मेरी महिमा किमे कोनी। पर मेरी महिमा करण आळा मेरा पिता सै, जिसनै थम कहो सो के वो थारा परमेसवर सै। 55 थमनै तो उस ताहीं कोनी जाणया, पर मै उस ताहीं जाणु सूँ। जै मै कहूँ के मै उस ताहीं कोनी जाण्दा, तो मै थारी ढाळ झूठा ठहरूंगा, पर मै उस ताहीं जाणु अर उसके वचनां नै मानु सूँ। 56 थारा पूर्वज अब्राहम मेरा दिन देखण की आस म्ह घणा मगन था, अर उसनै देख्या अर आनन्द करया।” 57 यहूदियाँ नै उस ताहीं कह्या, “इब ताहीं तू पचास साल का कोनी, फेर भी तन्ने अब्राहम ताहीं देख्या सै?” 58 यीशु उनतै बोल्या, “मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूँ, के पैहल्या इसके के अब्राहम पैदा होया, मै सूँ।” 59 या बात सुणके माणसां नै यीशु ताहीं मारण खातर पत्थर ठाए, पर यीशु लुप्तकै मन्दर तै लिकड़ गया।

9 ओड़ तै जान्दे होए राह म्ह एक यीशु ताहीं जन्म तै आन्धा एक माणस मिला। 2 उसके चेल्यां नै उसतै बुझया, “हे गुरु, किसनै पाप करया था के यो आन्धा पैदा होया, इस माणस नै या इसके माँ-बाप नै?” 3 यीशु नै

जवाब दिया, “ना तो इसनै पाप करया था, ना इसके माँ-बाप नै पाप करया, पर यो ज्याँतै आन्धा पैदा होया ताके परमेसवर की शक्ति दिखाई जा सके। 4 जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै, हमनै उसके काम दिन-ए-दिन म्ह करणा जरूरी सै। वा रात आण आळी सै, जिस म्ह कोए माणस काम न्ही कर पावैगा। 5 जिव ताहीं मै दुनिया म्ह सूँ, जद ताहीं दुनिया का चान्दणा सूँ।” 6 न्यु कहके यीशु नै धरती पै थुक्या, अर उस थूक तै माट्टी का लेप बनाया, अर उस लेप ताहीं आँधे की आँखां पै लगाके। 7 उसतै बोल्या, “जा,” “शीलोह कै कुण्ड म्ह” (शीलोह का मतलब भेज्या होया सै)। उसनै जाके अपना मुँह धोया, अर जिव वो बोहड़ा तो उसनै दिक्खण लाग्या। 8 फेर भिखारी के पड़ोसी अर उन माणसां नै जिननै उस ताहीं पैहल्या भीख माँगदे देख्या था, एक-दुसरे तै कहण लागे, “के यो वोए न्ही सै, जो बेठ्या भीख माँग्या करै था?” 9 कई माणस बोल्ले, “यो वोए सै,” दुसरे बोल्ले, “कोनी, पर उसकै जिसा सै।” उसनै कह्या, “मै वोए सूँ।” 10 फेर वे उसतै बुझण लागे, “तेरी आँखां की रोशनी किस तरियां आगी?” 11 उसनै जवाब दिया, “यीशु नामक एक माणस नै माट्टी का लेप बनाया, अर मेरी आँखां पै लाके मेरे ताहीं बोल्या, ‘जा, शीलोह म्ह जाके अपना मुँह धो लो,’ बस फेर के था मै गया अर अपना मुँह धोया अर देखण लाग्या।” 12 उननै उसतै बुझया, “वो माणस किस्त सै?” वो बोल्या, “मै कोनी जाण्दा।” 13 माणस उसनै जो आन्धा था फरीसियाँ कै धोरे ले आए। 14 जिस दिन यीशु नै माट्टी लगाके उसकी आँख खोल्ली थी, वो आराम का दिन था। 15 फेर फरीसियाँ नै भी उनतै बुझया के उसकी आँखां की रोशनी किस ढाळ मिली। उसनै उन ताहीं कह्या, “उसनै मेरी आँखां पै माट्टी लाई, फेर मन्ने अपना मुँह धो लिया, अर इब देखूँ सूँ।” 16 इसपै कई फरीसी कहण लागे, “यो माणस परमेसवर की ओड़ तै कोनी, क्यूँके वो आराम के दिन नै कोनी मान्दा।” दुसरे बोल्ले, “पापी माणस इसे अचम्भे के काम किस ढाळ दिखा सके सै?” आखर म्ह उन म्ह फूट पड़गी। 17 उननै उस आँधे तै फेर कह्या, “जिस माणस नै तेरे ताहीं आँखां की रोशनी दी सै। तू उसके बारे म्ह के कहणा चाहवै सै?” उसनै कह्या, “वो नबी सै।” 18 पर यहूदी अगुवां नै विश्वास कोनी होया, के वो आन्धा था, अर इब वो देखवै सै, इस खातर उननै उसके माँ-बाप ताहीं बुलाया। 19 अर उनतै बुझया, “के यो थारा बेट्टा सै, जिसके बारे मै थम कहों सों, के वो जन्म तै आन्धा था? फेर इब वो किस तरियां देखवै सै?” 20 उसके माँ-बाप नै जवाब दिया, “हँ, या तो जाणा सा के यो म्हारा बेट्टा सै, अर या भी के यो आन्धा जन्मा था, 21 पर न्यु कोनी जाणदे, के इब यो किस तरियां देखखण लाग्या, अर ना न्यु जाणदे के किसनै इसकी आँखां की रोशनी दी सै। वो बाळक कोनी सै, उससे तै बुझल्यो, वो अपने बारे म्ह खुद ए बतावैगा।” 22 ये बात उसके माँ-बाप नै ज्याँतै कही क्यूँके वे यहूदी अगुवां तै डरे थे, क्यूँके यहूदी अगुवां नै एक्का कर लिया था, के जै कोए कहवै के वो मसीह सै, तो उस ताहीं आराधनालय म्ह तै लिकाड़ दिया जावैगा। 23 इस्से कारण उसके माँ-बाप नै कह्या, “वो बाळक कोनी, उससे तै बुझल्यो।” 24 फेर यहूदी अगुवां नै उस माणस ताहीं जो आन्धा था, दुसरी बर बुलाके उसतै कह्या, “सच बता अर जो तू ठीक होया सै, तो तू सच बोलके परमेसवर की महिमा कर, हम जाणां सां के वो माणस पापी सै।” 25 उसनै जवाब दिया, “मै न्ही जाण्दा, के वो पापी सै के न्ही, मै एक बात जाणु सूँ, के मै आन्धा था अर इब देखवूँ सूँ।” 26 उननै उस ताहीं फेर दुबारे कह्या, “उसनै तेरे गेल्या के करया? अर किस ढाळ तेरी आँखां की रोशनी आगी?” 27 उसनै उन ताहीं कह्या, “मन्ने तो थारे ताहीं पैहले भी बता दिया, पर थम उस बात नै सुणते कोनी, इब दुसरी बर क्याँतै सुणणा चाहवो सो? के थम भी उसके चेल्लें बणाणा चाहवो सो?” 28 फेर वे उसतै आच्छा-भुन्डा कहके बोल्ले, “तूए उसका चेल्ला सै, हम तो मूसा नबी के चेल्लें सां। 29 हम जाणा सां, के परमेसवर नै मूसा नबी तै बात करी, पर इस माणस नै कोनी जाणदे के कड़ै तै आया सै।” 30 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, “या तो अचम्भे की बात सै, के थम न्ही जाणदे के वो किस्त का सै, फेर भी उसनै मेरी आँखां की रोशनी दे दी। 31 हम जाणां सां, के परमेसवर पापियाँ की

कोनी सुणदा, पर जै कोए परमेसवर का भगत हो अर उसकी मर्जी पै चाल्दा हो, तो वो उसकी जरूर सुणो सै। 32 दुनिया के शरूआत तै यो कदे सुणनै म्ह कोनी आया, के किसे नै जन्म तै आन्धे की आँखां की रोशनी दी हो। (aiōn g165) 33 जै यो माणस परमेसवर के कान्ही तै न्ही होन्दा, तो किमे भी कोनी कर सकदा।” 34 उननै उस ताहीं जवाब दिया, “तू तो जमाए पापां म्ह जन्मा सै, तू हमनै के सिखावै सै?” अर उननै उस ताहीं आराधनालय तै बाहरणै लिकाड़ दिया। 35 यीशु नै सुणया के उननै उस ताहीं बाहरणै लिकाड़ दिया सै, अर जब उसतै मिल्या तो बोल्या, “के तू परमेसवर के बेट्टे पै बिश्वास करै सै?” 36 उसनै जवाब दिया, “हे जनाब, परमेसवर का बेट्टा कौण सै, के मै उसपै बिश्वास करूँ?” 37 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “तन्नै उस ताहीं देख्या भी सै, अर जो तेरे गेल्या बात करण लाग रह्या सै, वो मै ए सूं।” 38 उसनै कह्या, “हे प्रभु, मै तेरे पै बिश्वास करूँ सूं।” अर उस ताहीं मोध्या पड़के प्रणाम करया। 39 फेर यीशु बोल्या, “मै इस दुनिया म्ह न्याय खात्तर आया सूं, ताके जो आन्धे सै, वे देखवै, अर जो देखवै सै, वे आन्धे हो जावै।” 40 जो फरीसी उसके गेल्या थे, उननै या बात सुणके उस ताहीं कह्या, “के हम भी आन्धे सां?” 41 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “जै थम आन्धे होन्दे तो पापी कोनी होते, पर इइ जिसा के थम कहो सो, के थम देखवो सों, तो सच म्ह थारा पाप माफ न्ही हो सकदा।”

10 यीशु नै कह्या, “मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहुँ सूं, के जो कोए भेड्या के बाड़े म्ह दरबाजे तै न्ही आन्दा, बल्के बाड़ा कूदके बड़े सै, वो चोर अर डाकू सै। 2 पर जो दरबाजे तै भीत्तर बड़े सै वो भेड्यां का पाळी सै। 3 उस खात्तर द्वारपाल दरबाजा खोल देवै सै, अर भेड उसका बोल सुणो सै, अर वो अपनी उन भेड्यां नै नाम ले-लेके बुलावै सै, अर बाड़े तै बाहरणो ले जावै सै। 4 जब वो अपनी सारी भेड्यां नै बाहरणो काढ लेवै सै, तो उनके आगै-आगै चाल्लै सै, अर भेड उसके गैल-गैल हो ले सै, क्यूँके वो उसका बोल पिच्छाणै सै। 5 पर भेड बिगान्ने के गेल्या कोनी चाल्लै, पर उसतै भाज्जैगी, क्यूँके वे बिगान्ने का बोल कोनी पिच्छाणदी।” 6 यीशु नै उन ताहीं यो उदाहरण देके कह्या, पर वे कोनी समझे के वो उनतै के समझणा चाहवै। 7 फेर यीशु नै उन ताहीं दुबारे कह्या, “मै थारेताहीं साच्ची-साच कहुँ सूं, भेड्यां का दरबाजा मै सूं। 8 जितने मेरै तै पैहल्या आप वे सारे चोर अर डाकू सै, पर मेरी भेड्यां नै उनकी एक न्ही सुणी। 9 दरबाजा मै सूं, जै कोए मेरे जरिये भीत्तर बड़े सै, तो वो उद्धार पावैगा, अर भीत्तर बाहर आण-जाण लाग ज्यागा अर खाण खात्तर खाणा पावैगा।” 10 चोर किसे और काम खात्तर कोनी पर सिर्फ चोरी करण अर घात करण अर नुकसान करण नै आवै सै, मै ज्यांतै आया के वे जिन्दगी पावै अर भोत-ए घणी पावै। 11 आच्छा पाळी मै सूं, आच्छा पाळी भेड्यां के खात्तर अपनी मर्जी तै जान देवै सै। 12 मजदूर जो ना पाळी सै अर ना भेड्यां का माल्लिक सै, भेडिये नै आन्दे देखके भेड्यां नै छोड़के भाज जावै सै, अर भेडिया उननै पकड़ै सै, अर उनपै हमला करै देवै सै। 13 वो ज्यांतै भाज जावै सै क्यूँके वो मजदूर सै, उसनै भेड्यां की फिक्र कोनी। 14 “काम्मल चरवाहा मै सूं, मै अपनी भेड्यां नै जाणु सूं, अर मेरी भेड मन्ने जाणै सै। 15 जिस ढाळ पिता मन्ने जाणै सै, अर मै पिता नै जाणु सूं, अर मै अपनी भेड्यां खात्तर अपनी जान दियुँ सूं। 16 मेरी और भी भेड सै, जो इस बाड़े की कोनी। मन्ने उन ताहीं भी ल्याणा जरूरी सै। वे मेरा बोल पिच्छाणैगी, फेर एकैए रेवड़ अर एकैए पाळी होगा। 17 पिता ज्यांतै मेरै तै प्यार करै सै, क्यूँके मै अपनी जान अपनी मर्जी तै दियुँ सूं, के उसनै दुबारे ले लूं। 18 कोए मेरी जान मेरै तै खोसदा कोनी, बल्के मै उसनै खुदे उसनै अपनी मर्जी तै दियुँ सूं। मन्ने उसके देण का भी हक सै, अर उस ताहीं दुबारा लेण का भी हक सै, यो हुकम मेरै पिता नै मेरै ताहीं दिया सै।” 19 इन बातां के कारण यहूदियाँ म्ह दुबारे फूट पड़ी। 20 उन म्ह तै घणखरे माणस कहण लागगे, “उस म्ह ओपरी आत्मा सै, अर वो बावळा सै, उसकी क्यांतै सुणो सो?” 21 दुसरे माणसां नै कह्या, “ये वचन इसे माणस की न्ही हो सकदे, जिसम्ह ओपरी आत्मा हो। के ओपरी आत्मा आन्ध्यां नै आँखां की

रोशनी दे सकै सै?” 22 यरुशलम नगर म्ह स्थापन का त्योहार मनाया जायया था, अर जाड्यां का मौसम था। 23 यीशु मन्दर म्ह सुलेमान के बराम्दा म्ह हण्डण लागयया था। 24 फेर यहूदियाँ नै उस ताहीं आ धेरया अर बुडझया, “तू म्हारे मन नै कद ताहीं दुबिध्या म्ह गरे राखैगा? जै तू मसीह सै, तो म्हारे तै साफ-साफ बता दे।” 25 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “मन्ने थारैतै कह दिया पर थम बिश्वास करदेए कोनी। जो काम मै अपणे पिता के नाम तै करूँ सूं, वैए मेरे गवाह सै, 26 पर थम ज्यांतै बिश्वास कोनी करदे क्यूँके थम मेरी भेड्यां म्ह तै कोनी सो। 27 मेरी भेड मेरा बोल पिच्छाणै सै, मै उननै जाणु सूं, अर वे मेरे पाच्छे-पाच्छे चाल्लै सै 28 अर मै उन ताहीं अनन्त जीवन दियुँ सूं। वे कदे नाश कोनी होवैगी, अर कोए उननै मेरे हाथ तै खोस न्ही सकदा। (aiōn g165, aiōnios g166) 29 मेरा पिता, जिसनै उन ताहीं मेरै तै दिया सै, सारया तै बड्डा सै, अर कोए उननै पिता के हाथ्यां तै खोस कोनी सकदा। 30 मै अर पिता एक सां।” 31 यहूदियाँ नै यीशु पै मारण खात्तर दुबारा पत्थर ठा लिये। 32 इसपै यीशु नै उन ताहीं कह्या, “मन्ने थारे तै अपणे पिता की ओड़ तै घणे भले काम दिखाए सै, उन म्ह तै कौण से काम खात्तर थम मेरै पै पत्थर मारणा चाहो सो?” 33 यहूदियाँ नै उस ताहीं जवाब दिया, “भले काम खात्तर हम तेरे पै पत्थर कोनी मारदे, पर परमेसवर की बुराई करण के कारण, अर ज्यांतै के तू माणस होके खुद नै परमेसवर कहवै सै।” 34 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “के थारे मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह कोनी लिख्या सै, ‘मन्ने कह्या, थम ईश्वर सो?’ 35 जै उसनै उन ताहीं ईश्वर कह्या, जिनके थारे परमेसवर का वचन पोंहच्या (अर पवित्र ग्रन्थ की बात झूठ न्ही हो सकदी), 36 तो जिस ताहीं पिता नै पवित्र ठहराके दुनिया म्ह भेज्या सै, थम मेरे ताहीं कहो सो, ‘तू बुराई करै सै, ज्यांतै के मन्ने यो कह्या, ‘मै परमेसवर का बेट्टा सूं?’ 37 जै मै अपणे पिता के काम कोनी करदा, तो मेरा बिश्वास ना करो। 38 पर जै मै करूँ सूं, तो चाहे मेरा बिश्वास ना भी करो, पर उन काम्मां का तो बिश्वास करो, ताके थम जाणो अर समझो के पिता मेरै म्ह सै अर मै पिता म्ह सूं।” 39 फेर यहूदियाँ नै दुबारे उस ताहीं पकड़ण की कोशिश करी पर वो उनके हाथ्यां तै लिक्ड़ गया। 40 यीशु दुबारे यरदन नदी के परली ओड़ै उस जगहं पै चल्या गया, जडै यूहन्ना पैहल्या बपतिस्मा दिया करै था, अर वो ओड़ै रहया। 41 घणखरे माणस उसके धोरे आके कहवै थे, “यूहन्ना नै तो कोए चमत्कार कोनी दिखाया, पर जो किमे यूहन्ना नै इसके बारे म्ह कह्या था, वो सारा कुछ साच्ची था।” 42 अर ओड़ै भोत-से माणसां नै यीशु पै बिश्वास करया।

11 लाजर नामका एक माणस बीमार था, जो बैतनिय्याह गाम का था, अर उसकी दो भाण थी मरियम अर मार्था। 2 या वाए मरियम थी जिसनै बाद म्ह प्रभु पै खसबूदार तेल गेर के उसके पायां ताहीं बाळां तै पुन्जयां था, लाजर इस्से का भाई था जो बीमार था। 3 इस करके उसकी भाणां नै यीशु ताहीं कुहवां भेज्या, “हे प्रभु, लखा, जिसतै तू प्यार करै सै, वो बीमार सै।” 4 न्यू सुणके यीशु न्यू बोल्या, “या बीमारी मरण का कारण कोनी, पर परमेसवर की महिमा खात्तर सै, ताके उसके जरिये परमेसवर के बेट्टे की महिमा होवै।” 5 मार्था उसकी बेब्बे अर लाजर तै यीशु प्यार करै था। 6 पर जब उसनै सुणया के लाजर बीमार सै, तो जिस जगहं पै वो था, ओड़ै दो दिन और रुक गया। 7 दो दिन बाद फेर उसनै चेल्यां ताहीं कह्या, “आओ, हम फेर यहूदिया परदेस म्ह चाल्लां।” 8 चेल्यां नै उस ताहीं कह्या, “हे गुरु, कुछ दिन पैहल्या तो यहूदी तेरे पै पत्थर बरसा के तन्नै मारणा चाहवै थे, अर के तू फेर भी उड़ैए जाणा चाहवै सै?” 9 यीशु नै जवाब दिया, “के दिन के बारहा घन्टे कोनी होन्दे? जै कोए दिन म्ह चाल्लै तो ठोक्कर कोनी खान्दा, क्यूँके वे इस दुनिया के उजाळ नै देखवै सै। 10 पर जै कोए रात म्ह चाल्लै तो ठोक्कर खावै सै, क्यूँके उस म्ह उजाळा कोनी।” 11 उसनै ये बात कही, अर इसके बाद उन ताहीं कहण लाया, “के म्हारा साथी लाजर सो गया सै, पर मै उसनै जगण जाऊँ सूं।” 12 फेर चेल्यां नै उस ताहीं कह्या, “हे प्रभु, जै वो सो गया सै तो वो ठीक हो ज्यागा।” 13 यीशु नै तो उसकी मौत के बाबत

कह्या था, पर उनसे सोच्या के उसने नींद तै सोण के बाबत कह्या सै। 14 फेर यीशु नै उन ताहीं साफ-साफ कह दिया, “लाजर मर लिया सै, 15 यो थारे अ हित म्ह सै, के मे उड़े कोनी था, क्यूँके इब थम मेरे पे बिश्वास कर सकोगे, आओ, हम उसके धौरे चाल्ला।” 16 फेर थोमा नै जो दिदुमुस कुहावै सै, अपणे गेल्या के चेल्यां ताहीं कह्या, “आओ, हम भी प्रभु के गेल्या मरण नै चाल्ला।” 17 बैतनिय्याह गाम पोहचे पाच्छे यीशु नै न्यू बेरया पाट्या के लाजर नै कन्न म्ह धरे चार दिन हो लिए सै। 18 बैतनिय्याह गाम यरुशलेम के धौरे कोए दो कोस की दूरी पे था, 19 घणखरे यहूदी माणस मार्था अर मरियम के धौरे उसके भाई की मौत के बाबत दीलास्सा देण नै आरे थे। 20 जिव मार्था नै यीशु के आण की खबर सुणी, तो मार्था उसतै मिलण खात्तर गई, पर मरियम घरा ए बेठ्टी रही। 21 मार्था नै यीशु ताहीं कह्या, “हे प्रभु, जै तू आई होंदा, तो मेरा भाई कदे नही मरदा। 22 अर इब भी मन्ने बेरा सै, जो कुछ तू परमेसवर तै माँगगा, परमेसवर तन्ने देवैगा।” 23 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “तेरा भाई जी ज्यागा।” 24 मार्था नै उस ताहीं कह्या, “मन्ने बेरा सै, के आखर के दिन म्ह पुनरुत्थान के बखत वो जी ज्यागा।” 25 यीशु नै मार्था तै कह्या, “पुनरुत्थान अर जीवन मै ए सूँ जो कोए मेरे पे बिश्वास करेगा, वो जै मर भी जावै फेर भी जिवैगा, 26 अर जो कोए जीवै सै, अर वो मेरे पे बिश्वास करे सै, तो अनन्त काल ताहीं कोनी मरेगा। के तू इस बात पे बिश्वास करे सै।” (aiōn g165) 27 मार्था नै यीशु तै कह्या, “हॉ, हे प्रभु, मै बिश्वास करूँ सूँ, के परमेसवर का बेट्टा मसीह जो दुनिया म्ह आण आळा था, वो तूए सै।” 28 न्यू कहके मार्था चली गयी, अर अपणी बेब्बे मरियम ताहीं एकले म्ह बुलाके चुपके तै कह्या, “गुरु याडैए सै अर तन्ने बुलावै सै।” 29 न्यू सुण ति ए मरियम जिब्बे उठके उसके धौरे आई। 30 यीशु इब्बे गाम तै बाहरे था, पर उससे जगहां था जडै मार्था उसतै मिली थी। 31 फेर जो यहूदी माणस उसके गेल्या घर म्ह थे अर उस ताहीं दीलास्सा देवे थे, न्यू देखके के मरियम जिब्बे उठके बारणे चली गयी सै, न्यू समझे के वा कन्न पै रोण नै जावे सै, तो उसके पाच्छे हो लिये। 32 जिव मरियम उडै गई जडै यीशु था, तो उसने देखे उसके पायां म्ह पडके कह्या, “हे प्रभु, जै तू आई होन्दा फेर मेरा भाई कोनी मरदा।” 33 जिव यीशु नै जो यहूदी माणस उसके गेल्या आये थे, रोन्डे होए देख्या, तो आत्मा म्ह घणाए दुखी अर उदास होग्या, 34 अर कह्या, “थमने उसकी लाश किन्त धर राख्की सै?” उनने उस ताहीं कह्या, “हे प्रभु, चालके देख ले।” 35 यीशु रोण लाग्या। 36 फेर यहूदी माणस कहण लागे, “लखाओ, वो लाजर तै किन्तना प्यार करे था।” 37 पर उन म्ह तै कईयॉं नै कह्या, “के यो जिसने आंध्यॉं ताहीं रोशनी दे दी, के यो लाजर ताहीं मरण तै नही बचा सके था?” 38 यीशु मन म्हए फेर घणाए दुखी होके कन्न पै आया। वा एक गुफा थी अर एक पत्थर उसपै धरया था। 39 यीशु नै कह्या, “पत्थर हटादो।” लाजर की बेब्बे मार्था उसतै कहण लागी, “हे प्रभु, उस म्ह तै इब तो बदबू आवै सै, क्यूँके उसने मरे चार दिन हो लिए सै।” 40 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “के मन्ने तेरे तै कोनी कह्या था के जै तू बिश्वास करेगी, तो परमेसवर की महिमा नै देखेगी।” 41 फेर उनने पत्थर ताहीं हटायो। यीशु नै सुगं कान्ही निगाह ठाके कह्या, “हे पिता, मै तेरा धन्यवाद करूँ सूँ, के तन्ने मेरी सुण ली सै। 42 अर मन्ने बेरा था के तू सारी हाण मेरी सुणी सै, पर जो भीड़ आसै-पासै खड़ी सै, उनके बाबत मन्ने कह्या, ताके वे बिश्वास करै, के तन्ने मेरेताहीं भेज्या सै।” 43 न्यू कहके ठाडू आवाज म्ह रुक्का मारया, “हे लाजर, लिकड़ आ।” 44 जो मर लिया था उसके हाथ पैर पट्टियाँ तै बंधे हुए थे, अर उसके मुँह पै अंगोच्छा लिपटरया था। यीशु नै उन ताहीं कह्या, “उसने खोलदो अर जाण धो।” 45 फेर जो यहूदी मरियम धौरे मिलण आरे थे, अर उसका यो चमत्कार देख्या था, उन म्ह तै घणखरयां नै उसपै बिश्वास करया। 46 पर उन म्ह तै कईयॉं नै फरीसियाँ धौरे जाके यीशु के काम्मां की खबर दी। 47 ज्यातै प्रधान याजकां अर फरीसियाँ नै यहूदी अगुवां की सभा करी, अर कह्या, “हमने के करणा चाहिये? यो माणस तो घणे चमत्कार दिखावै सै। 48 जै हम उसने न्यूप करण द्या, तो फेर सारे उसपै बिश्वास करैगें, अर रोमी सैनिक आके म्हारे देश अर मन्दर दोनुवां पै कब्जा कर लवैगें।” 49 फेर उन

म्ह तै काड्फा नामका एक माणस नै जो उस साल का महायाजक था, उन ताहीं कह्या, “थम किमे न्ही जाणदे। 50 अर ना ए थमने इस बात की समझ सै, के इस्से म्ह थारा फायदा सै, के बजाये इसके के सारे माणस ए नाश हो जावै, सब खात्तर एक आदमी नै मरणा होगा।” 51 पर या बात उसने अपणी ओड़ तै कोन्या कही, पर उस साल का महायाजक होण के नाते या भविष्यवाणी करी, के यीशु उस जात खात्तर मरेगा। 52 अर ना सिर्फ यहूदी जात खात्तर बल्के ज्यातै के परमेसवर की खिंड-मिंड ऊलादां नै एक करदे। 53 इस तरियां उससे दिन तै यहूदी अगुवें उस ताहीं मारण खात्तर साजिस रचाण लागे। 54 ज्यातै यीशु उस बखत तै यहूदी लोगां म्ह घाट दिक्खण लाग्या, अर यरुशलेम नगर नै छोड़के वो जंगल-बियाबान के धौरे इफ्राईम नामक एक नगर कान्ही चल्या गया, अर अपणे चेल्यां गैल उडैए रहण लाग्या। 55 यहूदियाँ का फसह का त्यौहार लोवै था, अर घणेए माणस फसह तै पैहल्या अपणे गाम्मां म्ह तै यरुशलेम नगर म्ह गए, के खुद नै पवित्र करै। 56 वे यीशु नै टोह लागे अर मन्दर म्ह खड़े होके आप्पस म्ह बतलाण लागे, “थम के सोच्यो सो? के वो त्यौहार म्ह कोनी आवैगा?” 57 अर प्रधान याजकां अर फरीसियाँ नै हुकम दे राख्या था, के जै कोए न्यू जाणे सै, के यीशु किन्त सै तो बतावै, ताके वे उसने पकड़ ले।

12 फेर यीशु फसह का त्यौहार तै छः दिन पैहल्या बैतनिय्याह गाम म्ह आया जित्त लाजर था, जिस ताहीं यीशु नै मरया होड़ म्ह तै जिन्दा करया था। 2 उडै उनने यीशु के खात्तर भोज तैयार करया, अर मार्था सेवा करण लागरी थी, अर लाजर भी उन म्ह तै एक था जो उसके गेल्या खाणा खाण बेट्टे थे। 3 फेर मरियम नै जटामांसी फूल का आध्या सेर घणा महंगा खसबूदार तेल लेके यीशु के पायां पै गेरया, अर अपणे बाळां तै उसके पैर पुन्डे, अर खसबूदार तेल की खस्बू तै घर खसबूदार होग्या। 4 पर उसके चेल्यां म्ह तै यहूदा इस्करियोती नामका एक चेल्ला जो उस ताहीं पकड़वाणा चाहवै था, कहण लाग्या, 5 “यो महंगा खसबूदार तेल तीन सौ दीनार (तीन सौ दिन की मजदूरी) म्ह बेचके कंगालां ताहीं क्यातै कोनी दिया गया?” 6 उसने या बात ज्यातै कोनी कही के उसने कंगालां की फिन्न थी बल्के ज्यातै के वो चोर था, अर उसके धौरे पिस्स्या की थैल्ली रद्दा करै थी अर उस म्ह जो कुछ गेरया जान्दा, वो काठ लेवै था। 7 यीशु नै कह्या, “उस ताहीं यो करण द्यो, यो मेरे गाड्डे जाण की तैयारी के खात्तर सै। 8 क्यूँके कंगाल तो थारे गेल्या सारी हाण रहवैगे, पर मै थारे गेल्या सारी हाण कोनी रूहंगा।” 9 फसह का त्यौहार म्ह आई यहूदियाँ की एक बड़ीए भीड़ नै जिव बेरा लाग्या के वो बैतनिय्याह गाम म्ह सै, तो वे ना सिर्फ यीशु के बाबत आये पर ज्यातै भी के लाजर नै देखवै, जिस ताहीं यीशु मसीह नै मरया होड़ म्ह तै जिन्दा करया था। 10 फेर प्रधान याजकां नै लाजर ताहीं भी मारण की सलाह करी। 11 क्यूँके उसके बाबत घणखरे यहूदी चले गये अर यीशु पे बिश्वास करया। 12 दुसरे दिन घणखरे माणसां नै जो फसह के त्यौहार म्ह आरे थे न्यू सुणया, के यीशु यरुशलेम नगर म्ह आरया सै। 13 ज्यातै उनने खजूर की डाळी ली, अर उसतै फेट्टण नै लिकड़े, अर रुक्के मारण लागे, “होशाना! (मतलब जै-जै करण हो) धन्य इस्राएल का राजा, जो प्रभु के नाम तै आवै सै।” 14 जिव यीशु यरुशलेम नगर के धौरे आया, तो उसने एक गधे का बच्चा मिल्या, फेर वो उसपे बैठगया, 15 जिस्सा पवित्र शास्त्र म्ह लिख्या सै, “हे सियोन की बेट्टी, मतना डरै, लखा, तेरा राजा गधी के बच्चे पै चढ़ा होड़ चाल्या आवै सै।” 16 यीशु के चेल्लें ये बात पैहल्या कोनी समझे थे, पर जिव यीशु की महिमा दिक्खी फेर उनके याद आया के ये बात उसके बाबत लिक्खी होड़ थी, अर माणसां नै उसके गेल्या न्यूप बरताव करया था। 17 फेर उसके गैल जो भीड़ थी उनने या गवाही दी, जो उस बखत उसके गेल्या थे, जिव उसने लाजर ताहीं कन्न म्ह तै बुलाके मरया होया म्ह तै जिन्दा करया था। 18 ज्यातै माणस यीशु तै फेट्टण नै आरे थे क्यूँके उनने सुणया था के उसने यो अचम्भे का काम करया था। 19 फेर फरीसियाँ नै आप्पस म्ह कह्या, “सोचके तो देख्यो, के थारे तै कुछ भी कोनी बणदा। लखाओ, दुनिया उसके गैल हो ली

सै।” 20 जो माणस उस फसह के त्योंहार म्ह भगति करण नै आये थे उन म्ह तै कुछ यूनानी थे। 21 उननै गलील परदेस के बैतसैदा नगर के बासिन्दे फिलिप्पस के धोरे आके उसतै बिनती करी, “श्रीमान, हम यीशु तै फेटणा चाहवां सां।” 22 फिलिप्पस नै आके अन्द्रियास तै कहा, फेर अन्द्रियास अर फिलिप्पस नै जाके यीशु ताहीं कहा। 23 इसपै यीशु नै उन ताहीं कहा, “वो बखत आ गया सै के मुझ माणस के बेटे की महिमा हो। 24 मै थारे तै साच्ची-साच कहूँ सूँ, के जब ताहीं गेहूँ का दाणा धरती म्ह पड़के मर नही जान्दा, वो एकला रहवै सै, पर जब मर जावै सै, तो वो अनगणित दाण्या नै जन्म देवै सै। 25 जो अपने जीवन नै प्यारा जाणै सै, वो उसनै खो देवै सै, अर जो इस दुनिया म्ह अपने जीवन नै प्यारा कोनी जाण्दा, वो अनन्त जीवन के खातर उसकी रुखाळी करेगा। (aiōnios g166) 26 जै कोए मेरी सेवा करे, तो वो मेरा चेल्ला बण जावै, अर जब जड़ै मै सूँ, उड़ै मेरा सेवक भी होवैगा। जै कोए मेरी सेवा करे, तो पिता उसका आदर करेगा। 27 “इब मेरा जी भोत दुखी सै। ज्यातै इब मै के कहूँ? ‘हे पिता, मन्ने इस दुख की घड़ी तै बचा?’ पर मै इस्से खातर इस दुनिया म्ह आया सूँ, ताके मै दुख सहू। 28 हे पिता अपने नाम की महिमा कर।” फेर या अकास वाणी होई, “मन्ने इसकी महिमा करी सै, अर फेर भी करेगा।” 29 फेर जो माणस खड़े होए सुणरे थे, उननै कहा के बाहळ गरजा। दुसर फेर नै कहा, “कोए सुगंदूत उसतै बोल्या।” 30 इसपै यीशु नै कहा, “या आवाज मेरे खातर नही, पर थारे खातर आई सै। 31 इब इस दुनिया का न्याय होवै सै, इब इस दुनिया का अधिकारी काढ्या जावैगा। 32 अर मै जै धरती पै तै ऊँचे पै चढ़ाया जाऊँगा, तो सारया नै अपने कान्ही खिचुँगा।” 33 न्यु कहके उसनै यो बता दिया के वो किस ढाळ की मौत तै मरेगा। 34 इसपै माणसां नै यीशु ताहीं कहा, “हमनै मूसा नबी के नियम-कायदा की या बात सुणी सै के मसीह सदा जिन्दा रहवैगा, फेर तू क्यातै कहवै सै के माणस का बेटा ऊँचे पै चढ़ाया जाणा जरूरी सै? यो माणस का बेटा कौण सै?” (aiōn g165) 35 यीशु नै उन ताहीं कहा, “चाँदणा (यीशु नै अपने-आप तै कहा सै) इब थोड़ी देर ताहीं थारे बिचाळै सै। जब ताहीं चाँदणा थारे गेल्या सै जद ताहीं चाल्दे रहो, इसा ना हो के अँधेरा थारे ताहीं घेर लेवै, जो अँधेरे म्ह चाल्लै सै वो कोनी जाण्दा के कड़े जावै सै। 36 जब ताहीं चाँदणा थारे गेल्या सै, चाँदणे पै बिश्वास राख्खो ताके थम चाँदणे की ऊलाद बणो।” ये बात कहके यीशु चल्या गया अर उनतै दूर रहल। 37 यीशु मसीह नै उनके स्याम्ही इसनै चमत्कार दिखाए, फेर भी उननै उसपै बिश्वास कोनी करया, 38 ताके यशायाह नबी का वचन पूरा हो जो उसनै कहा “हे प्रभु, म्हारे संदेश का किसनै बिश्वास करया सै? अर प्रभु की शक्ति किसपै जाहिर होई सै?” 39 इस बाबत वे बिश्वास कोनी कर सके, क्यूँके यशायाह नै न्यु भी कहा सै: 40 “उसनै उनकी आँख आँधी, अर उनके मन कठोर कर दिए सै, कदे इसा ना हो के वे आँखां तै देखवै, अर मन तै समझे, अर पलटै, अर मै उननै ठीक करे।” 41 यशायाह नै ये बात ज्यातै कही, के उसनै यीशु मसीह की महिमा देख्खी, अर उसनै उसके बारे म्ह बताया। 42 फेरभी यहूदी सरदारों म्ह तै घणाए नै उसपै बिश्वास करया, पर फरीसियाँ के कारण खुलके कोनी मान्ने थे, क्यूँके उननै डर था कदे वे आराधनालय म्ह तै लिकाड़े ना जावै 43 क्यूँके माणसां की ओड़ तै करी जाण आळी बड़ाई उननै परमेसवर की ओड़ तै बड़ाई की बराबरी म्ह घणी प्यारी लागै थी। 44 यीशु नै रुक्का मारके कहा, “जो मेरे पै बिश्वास करे सै, वो मेरे पै नही बल्के मेरे खन्दानआळै पै बिश्वास करे सै। 45 अर जो मन्ने देख्खे सै, वो मेरे खन्दानआळै नै देख्खे सै। 46 मै दुनिया म्ह चाँदणा बणके आया सूँ, ताके जो कोए मेरे पै बिश्वास करे वो अँधेरे म्ह कोनी रहवै।” 47 “जै कोए मेरे वचन सुणके भी उननै नही मानता, तोभी मै उसनै कसूरवार कोनी ठहरान्दा, क्यूँके मै दुनिया के माणसां ताहीं कसूरवार ठहराण खातर कोनी, पर दुनिया के माणसां का उद्धार करण खातर आया सूँ। 48 जो कोए मन्ने नकारे सै, अर मेरे सुसमाचार नै कोनी अपनावै, उस ताहीं कसूरवार ठहराण आळा तो एके सै, यानिके जो वचन मन्ने कहा सै, वोए पाच्छले दिन म्ह उस ताहीं कसूरवार ठहरावैगा। 49

क्यूँके मै अपनी ओर तै बात नही कहन्दा, पर पिता जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै, उसनै मेरे ताहीं हुकम दिया सै के, के मै कहूँ अर किस तरियां बोल्हूँ? 50 अर मन्ने बेरा सै के उसका हुकम अनन्त जीवन देवे सै। ज्यातै मै जो कुछ कहूँ सूँ, ठीक उसाए कहूँ सूँ, जिसा पिता नै मेरे ताहीं कहण का हुकम दिया सै।” (aiōnios g166)

13 फसह के त्योंहार तै पैहल्या, जब यीशु नै बेरा लागग्या, के मेरा वो बखत आ लिया सै, के दुनिया छोड़के पिता के धोरे उल्टा जाऊँ, तो अपने मानण आळा तै, जो दुनिया म्ह थे, जिसा प्यार वो करया करदा, आखर ताहीं उसाए प्यार करदा रहल। 2 यीशु अर उसके चेल्लें साँझ नै खाणा खाण लागे थे। शमीन के बेटे यहूदा इस्करियोती के मन म्ह शैतान नै यो विचार घाल दिया था, के वो यीशु के गेल्या धोक्खा करे। 3 यीशु यो जाणे था, के पिता नै सब कुछ उसके हाथ म्ह सौंप दिया सै, अर यो भी के वो परमेसवर की ओड़ तै आया सै, परमेसवर के धोरे ए उल्टा जाण लागरया सै। 4 इस खातर वो खाणा छोड़के खड्या होग्या, उसनै अपने उपरले लत्ते उतार दिये, अंगोच्छा लेके अपनी कमर म्ह बाँध लिया। 5 फेर बास्सण म्ह पाणी भरके चेल्यां के पैर धोये, अर जो अंगोच्छा कमर पै बाँध राख्या था, उससे तै पूँझण लागग्या। 6 जब वो शमीन पतरस के धोरे आया, फेर पतरस नै उस ताहीं कहा, “हे प्रभु, के तू मेरे पैर धोवैगा?” 7 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “जो मै करेँ सूँ, तू उसका मतलब इब्ने नही समझ पावैगा, पर इसके बाद समझैगा।” 8 पतरस नै उस ताहीं कहा, “मै अपने पैर तेरे ताहीं कदे नही धोण दिऊँगा।” न्यु सुणके यीशु नै उस ताहीं कहा, “जै मै तेरे पैर ना धोऊँ, तो तू मेरा चेल्ला नही कुहावैगा।” (aiōn g165) 9 शमीन पतरस नै उस ताहीं कहा, “हे प्रभु, फेर मेरे पैर ए नही बल्के मेरे हाथ अर सिर भी धोदे।” 10 यीशु नै उस ताहीं कहा, “जो माणस न्हा लिया हो उस ताहीं पैर के सिवाय और कुछ धोण की जरूरत कोनी, पर वो पूरी तरियां साफ हो चुका सै, थम सारे साफ सो, पर एक नै छोड़ के।” 11 यीशु तो अपने पकड़वाण आळै नै जाणे था, ज्यातै उसनै कहा, “थम सारे साफ सो, पर एक नै छोड़ के।” 12 जब यीशु नै पैर धो लिये, अर अपने लत्ते दुबारा पहरेके फेर बैठग्या, तो उन ताहीं कहण लागग्या, “के थम समझे के मन्ने थारे गेल्या के करया?” 13 थम मन्ने गुरु अर प्रभु कहो सो, अर सही कहो सो, क्यूँके मै वोए सूँ। 14 जब मन्ने गुरु अर प्रभु होके थारे पैर धोए, तो थमनै भी मेरी तरियां एक-दुसरे के पैर धोणे चाहिये। 15 क्यूँके मन्ने थारे ताहीं नमूना दिखाया सै, के जिसा मन्ने थारे गेल्या करया सै, थम भी उसाए करया करे। 16 मै थारे तै साच्ची-साच कहूँ सूँ, नोक्कर अपने माल्लिक तै बड़्ठा कोनी, अर ना प्रेरित अपने भेजण आळे तै। 17 इब थम ये बात जाणगे सों, जै उनपै चाल्लों तो थम सुखी रहोगे। 18 मै थम सारया के बारे म्ह कोनी कहन्दा, मै उननै जाणुँ सूँ, जिनताहीं मन्ने छाँट लिया सै, (अर यो भी के यहूदा बिश्वासघाती सै) क्यूँके मन्ने उस ताहीं इस खातर छाट्या सै, ताके पवित्र ग्रन्थ का यो वचन पूरा हो, “जो मेरी रोटी खावै सै, उसनै मेरे पै लात ठाई।” 19 “ये सब कुछ मन्ने थारे ताहीं पैहले ए बता दिया था, के जब न्यु हो जावै तो थम बिश्वास करियो के मै वोए सूँ। 20 मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहूँ सूँ, के जो मेरे भेज्जे होया नै अपनावै सै, वो मन्ने अपनावै सै, अर जो मन्ने अपनावै सै, वो मेरे भेजण आळे नै अपनावै सै।” 21 ये बात कहके यीशु आत्मा म्ह दुखी होया अर या गवाही दी, “मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहूँ सूँ, के थारे म्ह तै एक मन्ने धोक्खा देके पकड़वावैगा।” 22 चेल्लें यो शक करते होए के वो किसके बाबत कहवै सै, एक-दुसरे के कान्ही लखाण लागगे। 23 उसके चेल्यां म्ह तै यहून्ना जिस ताहीं यीशु प्यार राख्खे था, यीशु के धोरे बैठ्या था। 24 शमीन पतरस नै यहून्ना कान्ही इशारा करके उस ताहीं बुझिया, “बता तो, वो किसके बाबत कहवै सै?” 25 फेर उसनै उससे ढाळ यीशु की छाती के कान्ही झुकके उस ताहीं बुझिया, “हे प्रभु, वो कौण सै?” 26 यीशु नै जवाब दिया, “जिस ताहीं मै यो रोटी का टुकड़ा डुबोके घुगां वोए सै।” अर उसनै टुकड़ा डुबोके शमीन के बेटे यहूदा

इस्करियोती ताहीं दिया। 27 टुकड़ा खान्दे शैतान यहूदा इस्करियोती म्ह बड़य्या। फेर यीशु नै उस ताहीं कह्या, “जो तू करै सै, तोळा करा।” 28 भोज पै बैठण आळे चेल्यां म्ह ते किसै नै भी यो कोनी बेरा लागण पाया के उसनै या बात उसतै किस मतलब तै कही। 29 कईयॉ नै सोच्या के रपियाँ की थैल्ली यहूदा के धोरे रहवै सै, ज्यांतै यीशु उस ताहीं कहवै सै के त्योहार के खात्तर जरूरी समान मोल ले आओ या गरीबां नै कुछ देवै, इस खात्तर यहूदा नै रोटी का टुकड़ा लिया। 30 आखर म्ह वो टुकड़ा खाके जिब्बे बाहरणै लिकड़ग्या, अर रात का बखत था। 31 जिब यहूदा बाहरणै लिकड़ग्या तो यीशु नै कह्या, “इब मुझ माणस के बेटे की महिमा होई सै, अर परमेसवर की महिमा मेरे म्ह होई सै, 32 परमेसवर भी अपणे बेटे की महिमा करेगा, अर वो जिब्बे करेगा।” 33 हे बाळकों, मैं थोड़ी सी वार और थारे धोरे सू, फेर थम मन्नै टोहओगे, अर जिसा मन्नै यहूदियाँ ताहीं कह्या, “जडै मै जाऊँ सू, उडै थम कोनी आ सकदे, न्यू इब मै थारे ताहीं भी कहुँ सू।” 34 “मै थमनै नया हुकम घु सू, के एक-दुसरे तै प्यार करो, जिसा मन्नै थारैतै प्यार करया सै, उससे तरियां थम भी एक-दुसरे तै प्यार करो। 35 जै आप्पस म्ह प्यार राक्खोगे, तो इसतै सारया नै बेरा पाट्टेगा के थम मेरे चेल्लें सो।” 36 शमौन पतरस नै उस ताहीं कह्या, “हे प्रभु, तू किंत जा सै?” यीशु नै जवाब दिया, “जडै मै जाऊँ सू, उडै तू इब्बे मेरे पाच्छे न्ही आ सकदा, पर इसके बाद मेरे गेल्या आवैगा।” 37 पतरस नै उसतै कह्या, “हे प्रभु, इब्बे मै तेरे पाच्छे क्यातै न्ही आ सकदा? मै तो तेरी खात्तर अपनी जान भी देण नै तैयार सू।” 38 यीशु नै जवाब दिया, “के तू मेरी खात्तर अपनी जान दे देवैगा? मै तेरे तै सच कहुँ सू, के मुगें के बाँग देण तै पैहल्या तू तीन बार मेरे बारे म्ह मुकरेगा।

14 “अपणे मन नै दुखी ना होण द्यो, थम परमेसवर पै विश्वास राक्खो सो, अर मेरे पै भी विश्वास राक्खो। 2 मेरे पिता के घर म्ह घणीए रहण की जगहां सै, जै न्ही होंदी तो मै थारे ताहीं कह देँदा, क्यूँके मै थारे खात्तर जगहां त्यार करण नै जाऊँ सू। 3 अर जै मै जाकै थारे खात्तर जगहां त्यार करूँ, तो फेर दुबारे आकै थमनै अपणे उरे ले जाऊँगा के जडै मै रहुँ उडै थम भी रहो। 4 अर जित्त म्ह जाऊँ सू, थम ओडै की राह जाणो सो।” 5 थोमा नै उसतै सवाल करया, “हे प्रभु, हमनै तेरे ठिकाणै का ए कोनी बेरा तो उसका राह किस तरियां जाण सका सां?” 6 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “मै ए वो राह अर सच अर अनन्त जीवन सू, बिना मेरे जरिये कोए पिता धोरे कोनी पोच सकदा। 7 जै थम सच म्ह ए मन्नै जाणदे होन्दे, तो मेरे पिता नै भी जाणदे, इसके बाद थमनै उस ताहीं जाण लिया सै, अर उस ताहीं देख भी लिया सै।” 8 फिलिप्पुस नै उस ताहीं कह्या, “हे प्रभु, तू म्हारे ताहीं पिता के दर्शन ए करा दे, योए म्हारे खात्तर भतेरा होगा।” 9 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “हे फिलिप्पुस, मै इतने दिन तै थारे गेल्या सू, के तू मन्नै कोनी जाणदा? जिसनै मेरेताहीं देख्या सै उसनै पिता ताहीं देख्या सै। फेर क्यातै कहवै सै के पिता नै म्हारेताहीं दिखा?” 10 के तन्नै विश्वास कोनी के मै पिता म्ह सू, अर पिता मेरे म्ह सै? ये वचन जो मै थारे ताहीं बताऊँ सू, अपनी ओड़ तै कोनी बतान्दा, पर मेरे भित्तर बसा पिता ए सै, जो मेरे म्ह होके अपणे काम पूरा करण लागरया सै। 11 मेरा-ए विश्वास करो के मै पिता म्ह सू, अर पिता मेरे म्ह सै, ना तो काम्मां के कारण मेरा विश्वास करो। 12 मै थारैतै साच्ची-साच कहुँ सू, के जो मेरे पै विश्वास राक्खै सै, ये काम जो मै करूँ सू, वो भी करेगा, बल्के इन्तै भी बड़े-बड़े काम करेगा, क्यूँके मै इब पिता के धोरे जाऊँ सू। 13 मेरे नाम तै थम जो कुछ माँगोगे, वोए मै करूँगा, जिसतै बेटे के जरिये पिता की महिमा हो। 14 जै थम मेरे तै मेरे नाम तै कुछ माँगोगे, तो मै उस ताहीं पूरा करूँगा। 15 “जै थम मेरे तै प्यार करो सो, तो मेरे हुकमां नै मान्णोगे। 16 मै पिता तै बिनती करूँगा, अर वो थारे ताहीं एक और मददगार देवैगा के वो सारीहाण थारे गेल्या रहवै। (aiōn g165) 17 यानिके सच का आत्मा, जिस ताहीं दुनिया कोनी अपना सकदी, क्यूँके वो ना उसनै देख्खै सै, अर ना उस ताहीं जाणै सै, थम उसनै जाणो सो, क्यूँके आज वो थारे गेल्या सै, अर आण आळे बखत म्ह भी वो थारे म्ह बणा

रहवैगा।” 18 “मै थारे ताहीं अनाथ कोनी छोडूँगा, मै थारे धोरे बोहड़ के आऊँगा। 19 थोड़ा ए बखत बाकी सै, जिब दुनिया मेरे ताहीं कोनी देख्खेगी, पर थम मन्नै देख्खोगे, ज्यांतै के मै जिन्दा सू, थम भी जिन्दा रहोगे। 20 जिब मै बोहड़ के आऊँगा, उस दिन थमनै बेरा लागैगा, के मै अपणे पिता म्ह सू, अर थम मेरे म्ह, मै थारे म्ह। 21 वो, जो मेरे हुकम नै मान्णै सै अर उननै निभावै सै, वोए मेरतै प्यार करै सै, अर जो मेरतै प्यार करै सै, वोए मेरे पिता का प्रियजन होगा, मै उसतै प्यार करूँगा, अर अपणे-आप ताहीं उसपै जाहिर करूँगा।” 22 उस यहूदा नै (जो इस्करियोती कोनी था) यीशु ताहीं कह्या, “हे प्रभु, इसा के होया के तू अपणे-आप ताहीं म्हारे पै जाहिर करणा चाहवै सै, अर दुनिया के माणसां पै न्ही?” 23 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “जै कोए मेरे तै प्यार करै सै, तो वो मेरी शिक्षा का पालन करेगा, वो मेरे पिता का प्रियजन बणैगा, अर हम उसके धोरे आकै उसके गेल्या वास करागें।” 24 वो, जो मेरतै प्यार कोनी करदा, वो मेरे वचन नै कोनी मानता, अर जो वचन थम सुणो सो वो मेरे कोनी बल्के पिता के सै, जो मेरा भेजण आळा सै। 25 “ये बात मन्नै थारे गेल्या रहंदे होए थारैतै कही। 26 पर मददगार यानिके पवित्र आत्मा जिस ताहीं पिता मेरे नाम तै भेज्जैगा, वो थारे ताहीं इन सारी बातों की शिक्षा देवैगा, अर जो कुछ मन्नै थारे तै कह्या सै, वो सारा कुछ थारे ताहीं याद दुआवैगा।” 27 मै थारे ताहीं शान्ति देके जाऊँ सू, अपनी शान्ति थारे ताहीं दियुँ सू, जिसे दुनिया थारे ताहीं शान्ति देवै सै, मै थमनै उसी शान्ति कोनी देँदा अपणे मन नै दुखी ना होण द्यो अर ना डरियो। 28 थमनै सुणया के मन्नै थारे ताहीं के कह्या, “मै जाऊँ सू, अर थारे धोरे फेर आऊँगा।” जै थम मेरे तै प्यार करदे, तो यो जाणके राज्जी होन्दे, के मै पिता के धोरे जाऊँ सू, जो मेरे तै घणा महान् सै। 29 यो सब होण तै पैहल्या मन्नै थारे ताहीं इसके बारे म्ह बता दिया सै, के जिब यो हो जावै, तो थम विश्वास करो। 30 मै इब थारे तै घणा कुछ न्ही कहुँगा, क्यूँके इस दुनिया का शासक (शैतान) आवै सै। मेरे पै उसका कोए हक कोनी, 31 दुनिया यो समझ ले के मै पिता तै प्यार करूँ सू, योए कारण सै के मै उसके सारे हुकमां का पालन करूँ सू। उठो, हम याडै तै चाल्लें।

15 यीशु नै कह्या, “मै सच्ची अंगूर की बेल की तरियां सू, अर मेरा पिता किसान की तरियां सै। 2 मेरे मै लाग्गी हरेक डाळी जो फळ न्ही देन्दी, उस ताहीं वो काट देवै सै, पर हरेक एक फळ देण आळी डाळी ताहीं छांगै सै ताके वा और घणा फळ ल्यावै। 3 थम तो उस वचन के कारण जो मन्नै थारैताहीं कह्या सै, शुद्ध होगे सो। 4 थम मेरे म्ह बणे रहो, अर मै थारे म्ह, जिस तरियां डाळी जै अंगूर की बेल म्ह बणी न्ही रहवै तो खुद तै कोनी फळ सकदी, उससे तरियां थम भी जै मेरे म्ह बणे न्ही रहो तो कोनी फळ सकदे।” 5 मै अंगूर की बेल की ढाळ सू अर थम डाळी सो। जो मेरे म्ह बणया रहवै सै अर मै उस म्ह, वो घणाए फळ फळै सै, क्यूँके मेरे तै न्यारे पाटके थम कुछ न्ही कर सकदे। 6 जै कोए मेरे म्ह न्ही बणया रहंदा, तो वो डाळी की तरियां बगा दिया जावैगा, अर सूख जावै सै, अर माणस उन ताहीं कट्टे करके आग म्ह डोक देवै सै, अर वे बळ जावै सै। 7 जै थम मेरे म्ह बणे रहो अर मेरे वचन थारे म्ह बणे रहवै, तो थारे माँगण पै थारी इच्छा पूरी करी जावैगी। 8 थारे फळ की भरपूरी म्ह मेरे पिता की महिमा अर थारा मेरे चेल्लें होण का सबूत सै। 9 जिसा पिता नै मेरे तै प्यार करया, उसाए मन्नै थारैतै प्यार करया, मेरे प्यार म्ह बणे रहो। 10 जै थम मेरे हुकमां नै मान्णोगे, तो मेरे प्यार म्ह बणे रहोगे, जिस ढाळ के मन्नै अपणे पिता का हुकम मान्या सै, अर उसके प्यार म्ह बणा रहूँ सू। 11 मन्नै ये बात थारे तै ज्यांतै कही, के जो आनन्द मेरे म्ह सै, वो थारे म्ह भी हो अर बढ़ता जावै। 12 “मै थमनै नया हुकम घु सू, के एक-दुसरे तै प्यार करियो, जिसा मन्नै थारैतै प्यार करया सै, उसाए थम भी एक-दुसरे तै प्यार करियो। 13 इसतै बड़्ड़ा प्यार किसे का कोनी के कोए अपणे दोस्तां के खात्तर अपनी जान दे। 14 जो हुकम मै थारे ताहीं दियुँ सू, जै थम उसपै चाल्लें सो तो थम मेरे साथी सो।” 15 मन्नै थारे ताहीं नौक्कर न्ही, पर साथी मान्या सै, क्यूँके नौक्कर माल्लिक के काम्मां

तै अनजाण रहवै सै, मन्ने थारे ताहीं वे सारी बात बता दी सै, जो मन्ने पिता तै मिली सै। 16 थमने मेरे ताहीं कोनी चुपया पर मन्ने थारे ताहीं चुपया सै अर थारेताहीं काम पै लाया सै, के थम जाके फळ ल्याओ अर थारा फळ बणा रहवै, के थम मेरे नाम तै जो कुछ पिता तै माँगो, वो थारे ताहीं दे दे। 17 मेरा हुकम यो सै के थम एक-दुसरे तै प्यार करो। 18 “जै दुनिया के माणस थारैतै बैर राखवै सै, तो जाण ल्यो के उसने थारैतै पैहल्या मेरे तै बैर राख्या सै। 19 जै थम दुनिया के माणसां जिसे होन्दे, तो दुनिया थारे तै आपण्यां जिसा प्यार करदी, पर थम दुनिया के कोनी, बल्के मन्ने थारैताहीं दुनिया म्ह तै छॉट लिया सै, इस करके दुनिया के माणस थारे तै बैर राखवै सै। 20 याद राखवो मन्ने थारे तै के कहा था, ‘नौकर अपणे मालिक तै बड़ड़ा कोनी होंदा,’ जिब उनने मेरे ताहीं सताया, तो थारैताहीं भी सतावेंगें। जै उनने मेरी शिक्षा मानी, तो थारी भी माँनंगें। 21 पर यो सब कुछ माणस मेरे नाम के कारण थारे गेल्या करैगें, क्यूँके माणस मेरे भेजण आळे नै कोनी जाणदे। 22 जै मैं न्ही आन्दा, अर उनतै बात न्ही करता, फेर वे पापी कोनी ठहरदे, पर इब उनने उनके पाप खात्तर कोए बहाना कोनी। 23 जो मेरे तै बैर राखवै सै, वो मेरे पिता तै भी बैर राखवै सै। 24 जै मैं उनके बीच म्ह वे काम न्ही करता, जो और किसे नै कोनी करे, तो वे पापी कोनी ठहरदे, पर इब तो जो कुछ मन्ने करया से उनने मेरे ताहीं देख लिया सै, उनने मेरे ताहीं अर मेरे पिता दोनुआ तै बैर करया। 25 पर यो इस करके होया के जो उनके नियम-कायदा म्ह लिख्या सै वो सच हो सकै, ‘उनने मेरे तै खामखां बैर करया।’” 26 पर जिब वो मददगार (सच का आत्मा जो पिता की ओड़ तै आवे सै) धोरे आवैगा, जिसनै मैं थारे धोरे पिता की ओड़ तै भेज्जूंगा, तो वो मेरी गवाही देवेगा, 27 अर थम भी मेरे गवाह सो, क्यूँके थम शरू तै मेरे गेल्या रहे सो।

16 “ये बात मन्ने थारैतै ज्यांतै बताई सै के थारा विश्वास डगमगा न्ही जावै।” 2 वे थमने आराधनालयॉ म्ह तै काढ देवेंगें, बल्के वो बखत आवे सै, के जो कोए थमने मार देवेगा, वो न्यू समझीगा के मैं परमेसवर की सेवा करूँ सूँ। 3 इसा वे ज्यांतै करैगें के उनने ना पिता ताहीं जाणया सै, अर ना मन्ने जाणै सो। 4 पर ये बात मन्ने ज्यांतै थारैतै कही, के जिब इनका बखत आवे तो थमने याद रहवै के मन्ने थारैतै पैहल्याए उसके बारे म्ह बता दिया था। “मन्ने शरू म्ह थारैतै ये बात ज्यांतै कोनी कही क्यूँके मैं थारे गेल्या था।” 5 पर इब मैं अपने भेजण आळे के धोरे जाऊँ सूँ, अर थारे म्ह तै कोए मेरे तै कोनी बुझता, “तू किन्त जावै सै?” 6 पर मन्ने जो ये बात थारैतै कही सै, ज्यांतै थारा मन दुख तै भरया सै। 7 फेरभी मैं थारैतै साच्ची कहुँ सूँ के मेरा जाणा थारे खात्तर ठीक सै, क्यूँके जै मैं ना जाऊँ तो वो मददगार थारे धोरे कोनी आवैगा, पर जै मैं जाऊँगा, तो उस ताहीं थारे धोरे भेज्जूंगा। 8 वो आके दुनिया के माणसां ताहीं पाप अर धार्मिकता अर न्याय के बाबत बतावैगा। 9 पाप के बारे म्ह ज्यांतै के वे मेरे पै विश्वास कोनी करदे। 10 अर धार्मिकता के बारे म्ह ज्यांतै के मैं पिता के धोरे जाऊँ सूँ, अर थम मन्ने दुबारे कोनी देखोगे, 11 न्याय के बारे म्ह ज्यांतै के दुनिया का शासक कसूरवार ठहराया जा चुक्या सै। 12 मन्ने थारे तै और भी घणीए बात कहणी सै, पर इब्के थम उनने सह न्ही सकदे। 13 पर जिब वो यानिके सच का आत्मा आवैगा, तो थम सारया नै सच का रास्ता बतावैगा, क्यूँके वो अपनी ओड़ तै कोनी कहवैगा पर जो कुछ सुणेगा वोए कहवैगा, अर होण आळी बात थारे ताहीं बतावैगा। 14 वो मेरी महिमा करेगा, क्यूँके उस ताहीं मेरी ओड़ तै जो मिला सै, वो थारे ताहीं मेरी बात्तां म्ह तै लेके बतावैगा। 15 वो सब कुछ, जो पिता का सै, वो सारा मेरा सै, ज्यांतै मन्ने कहा के वो मेरी बात्तां म्ह तै लेके थारे ताहीं बतावैगा। 16 “थोड़ी देर म्ह थम मन्ने कोनी देखोगे, अर फेर थोड़ी देर म्ह मन्ने दुबारा देखोगे।” 17 फेर उसके कुछ चेल्यां नै आप्स म्ह कहा, “उसका इस बात तै के मतलब सै जो वो म्हारे ताहीं कहवै सै, ‘थोड़ी देर म्ह थम मन्ने कोनी देखोगे, अर फेर थोड़ी देर म्ह मन्ने दुबारा देखोगे?’ अर यो ‘ज्यांतै के मैं पिता के धोरे जाऊँ सूँ?’” 18 फेर उनने कहा, “यो ‘थोड़ी देर’ जो वो कहवै सै, या के बात सै? हम कोनी जाणदे के वो के कहवै

सै।” 19 यीशु नै न्यू जाणके के वे मेरतै बुझणा चाहवै सै, उन ताहीं कहा, “के थम आप्स म्ह मेरी इस बात बाबत जाँच-पड़ताळ करो सो, ‘थोड़ी देर म्ह थम मन्ने कोनी देखोगे, अर फेर थोड़ी देर म्ह मन्ने दुबारा देखोगे?’ 20 मैं थारे तै साच्ची-साच कहुँ सूँ, के जिब मैं मँगंगा तो थम रोओगे अर बिलाप करोगे, पर दुनिया राज्जी होवेगी। थमने दुख होगा, पर थारा दुख आनन्द म्ह बदल जावैगा। 21 जाप्ये के बखत बिरबानी नै दुख होवै सै, क्यूँके उसके दुख का बखत आरया सै, पर जिब वा बाळक नै जन्म दे सै, तो इस खुशी तै, के दुनिया म्ह एक माणस पैदा होया, उस दुख नै फेर याद कोनी कर दी। 22 उससे तरियां थारे म्ह भी इब तो दुख सै, पर मैं थारे तै दुबारा मिलूंगा अर थारे मन आनन्द तै भर जावेंगे, थारा आनन्द कोए थारे तै खोस न्ही सकदा। 23 उस बखत थम मेरतै कुछ न्ही बुझोगे। मैं थारैतै सच कहुँ सूँ, जै थम पिता तै कुछ माँगोगे, तो वो मेरे नाम तै थमने देवेगा। 24 इब ताहीं थमने मेरे नाम तै पिता तै कुछ न्ही मांग्या, माँगो, तो पा ल्योगे ताके थारा आनन्द पूरा हो जावै। 25 “मन्ने ये बात थारैताहीं उदाहरणां म्ह कही सै, पर वो बखत आवे सै, जिब पिता के बारे म्ह मैं उदाहरणां म्ह न्ही कहुँगा, पर साफ शब्दां म्ह थारे ताहीं बताऊँगा। 26 उस दिन थम मेरे नाम तै माँगोगे, अर मैं थारैतै न्यू कोनी कहन्दा के मन्ने ए थारे खात्तर पिता तै बिनती करणी पड़ैगी, 27 क्यूँके मेरा पिता तो खुदे थारैतै प्यार करे सै, ज्यांतै के थमने मेरतै प्यार करया सै अर यो विश्वास करया सै के मैं पिता की ओड़ तै भेज्या होड़ सूँ। 28 मैं पिता की ओड़ तै दुनिया म्ह आया सूँ, अर इब दुनिया नै छोड़के पिता के धोरे जाऊँ सूँ।” 29 उसके चेल्यां नै कहा, “हाँ, इब तू उदाहरणां म्ह न्ही, बल्के साफ शब्दां म्ह समझणा लागरया सै। 30 इब हम समझगे सां, के तू सब कुछ जाणै सै, अर इब किसे नै तेरे तै कोए सवाल पूछण जुरत कोनी, इस खात्तर हम विश्वास करा सां के तू परमेसवर की ओड़ तै आया सै।” 31 न्यू सुणके यीशु नै उन ताहीं कहा, “के थमने इब विश्वास होया सै?” 32 लखाओ, वो बखत आवे सै बल्के आण पहोंच्या सै के थम सारे खिंड-मिन्ड होके अपने-अपणे घर बोहड़ जाओगे, अर मन्ने एकला छोड़ दोगे, फेरभी मैं एकला कोनी क्यूँके पिता मेरे गेल्या सै। 33 “मन्ने ये बात थारैतै ज्यांतै कही सै, के थम मेरे म्ह शान्ति पाओ। दुनिया म्ह थारे पै क्लेश होवै सै, पर हिम्मत राखियो, मन्ने दुनिया ताहीं जीत लिया सै।”

17 यीशु नै ये बात कही अर अपनी नजर अकास कान्ही ठाके कहा, “हे पिता, वो बखत आण पहोंच्या सै, अपने बेटे की महिमा कर, के बेटा भी तेरी महिमा कर सकै, 2 क्यूँके तन्ने उस ताहीं सारी मानवजाति पै हक दिया, के वो सब नै अनन्त जीवन देवे जो तन्ने उस ताहीं सौप्या सै। (aiōnios g166) 3 अर अनन्त जीवन यो सै के वे तुझ, जो के एकमात्र सच्चे परमेसवर अर यीशु मसीह नै जिस ताहीं तन्ने भेज्या सै, जाणै। (aiōnios g166) 4 जो काम तन्ने मेरे ताहीं सौप्या था, उस ताहीं पूरा करके मन्ने धरती पै तेरी महिमा करी सै। 5 जो महिमा मेरी तेरे गेल दुनिया की सृष्टि तै पैहल्या थी, इब हे पिता, तू अपने गेल्या मन्ने भी महिमावान कर।” 6 “मन्ने तेरा नाम उन माणसां पै जाडिर करया सै दुनिया म्ह तै जिनताहीं तन्ने छोटके मेरे ताहीं सौप्या था, वे तेरे थे पर तन्ने उन ताहीं मेरे ताहीं सौप्या सै, अर उनने तेरे वचन का पालन करया सै।” 7 इब जाणगे सै के जो कुछ तन्ने मेरे ताहीं दिया सै, वो सारा तेरी ओड़ तै सै, 8 क्यूँके जो बात तन्ने मेरे ताहीं बताई, मन्ने उन ताहीं उनके धोरे पहोंच्या दी सै, अर उनने उन ताहीं अपना लिया, अर सच म्ह ए जाण लिया सै के मैं तेरी ओड़ तै आया सूँ, अर उनने विश्वास भी कर लिया सै के तू ए मेरा भेजण आळा सै। 9 मैं उन खात्तर बिनती करूँ सूँ, दुनिया के माणसां के खात्तर बिनती कोनी करता पर उनैए के खात्तर करूँ सूँ जिन ताहीं तन्ने मेरे ताहीं दिया सै, क्यूँके वे तेरे सै, 10 अर जो कुछ मेरा सै वो सारा तेरा सै, अर जो तेरा सै वो मेरा सै, अर मन्ने उनके जरिये महिमा पाई सै। 11 इब मैं इस दुनिया म्ह कोनी रहुँगा, अर मैं तेरे धोरे आऊँ सूँ, पर ये दुनिया म्ह रहवेंगे, हे पवित्र पिता, अपने नाम की शक्ति तै उनकी रुखाळ कर, जो तन्ने मेरे ताहीं दिया सै, ताके जिस तरियां मैं अर तू एक सां,

वे भी एक हो सके। 12 जब मैं उनके गेल्या था, तो मन्ने उन ताहीं तेरे नाम म्ह, जो तन्ने मेरे ताहीं दिया था, उनकी रखाळ करी, अर उन म्ह तै किसे का नाश कोनी होया, सिवाए उसके जिस ताहीं खोणा जरूरी था, वो भी ज्यांते के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो लिखा होइ सच हो। 13 पर इब मैं तेरे धोरे आऊँ सूँ, अर ये बात दुनिया म्ह रहते होए कहुँ सूँ, ताके वे अपने मनां म्ह मेरे भरपूर आनन्द नै पा सके। 14 मन्ने तेरा वचन उन ताहीं पोहोचा दिया सै, अर दुनिया के माणसां नै उनतै बैर करया, क्यूँके जिस तरियां मैं इस दुनिया का कोनी, उससे तरियां वे भी इस दुनिया के कोनी। 15 मैं या बिनती कोनी करदा के उनने तू दुनिया तै लिकाड़ ले, बल्के तू उनने उस शेतान तै बचाए राख। 16 जिस तरियां मैं दुनिया का कोनी, उससे तरियां वे भी दुनिया के कोनी। 17 तेरा वचन साच्या सै, सच कै जरिये तू उनने अलग करण खात्तर समर्पित कर। 18 जिस तरियां तन्ने मेरे ताहीं दुनिया म्ह भेज्या, उससे तरियां मन्ने भी उन ताहीं दुनिया म्ह भेज्या, 19 मैं उनके खात्तर खुद नै तेरी सेवा म्ह समर्पित कहुँ सूँ, ताके वे भी सच कै खात्तर समर्पित हो जावै। 20 “मैं केवल इन्हे खात्तर बिनती कोनी करदा, पर उन माणसां खात्तर भी जो इनके वचन कै जरिये मेरे पै बिश्वास करैयें, 21 ताके वे सब एक हों, जिस तरियां हे पिता तू मेरे म्ह सै, अर मैं तेरे म्ह सूँ, उससे तरियां वे भी म्हारे म्ह एक हो, जिसते दुनिया के माणस बिश्वास करे के तन्ने ए मेरे ताहीं भेज्या सै। 22 वा महिमा जो तन्ने मेरे ताहीं दी, मन्ने उन ताहीं दी सै, ताके वे उससे तरियां ए एक होवै जिस तरियां हम एक सा, 23 मैं उन म्ह अर तू मेरे म्ह ताके वे सिध्द होके एक हो जावै, अर दुनिया नै बेरा पाट्टे के तन्ने ए मेरे ताहीं भेज्या, अर जिस तरियां तन्ने मेरे तै प्यार करया उससे तरियां उनतै प्यार करया।” 24 हे पिता, मैं चाहुँ सूँ, के जिन ताहीं तन्ने मेरे ताहीं सौप्या सै, जड़े मैं सूँ उड़े वे भी मेरे गेल्या हो, के वे मेरी उस महिमा नै देखे जो तन्ने मेरे ताहीं दी सै, क्यूँके तन्ने दुनिया नै बणाण तै पैहल्या मेरतै प्यार करया सै। 25 “हे धार्मिक पिता, दुनिया के माणसां नै तो तेरे ताहीं कोनी जाणया, पर मन्ने तेरे ताहीं जाण लिया सै, अर मेरे चेल्यां नै भी बेरा पाट्या के तन्ने ए मेरे ताहीं भेज्या सै। 26 मन्ने तेरे ताहीं उनपै जाहिर करया सै, अर जाहिर होन्दा रहूंगा, के जो प्यार तन्ने मेरतै करया था वोए प्यार उन म्ह बस जावै, अर मैं उन म्ह रहूँ।”

18 जब यीशु नै प्रार्थना खतम कर ली, तो वो अपने चेल्यां कै गेल्या किद्रोन नाळे किले परली ओड़ गया। उड़े एक फूल्लां का बाग था, जिस म्ह वो अर उसके चेल्लें गए। 2 यीशु का पकड़ाण आळा यहूदा भी उस जगहां नै जाणे था, क्यूँके यीशु अपने चेल्यां कै गैल उड़े जाया करै था। 3 फेर यहूदा, सिपाहियाँ के एक टोळ नै अर प्रधान याजकां अर फरीसियाँ की ओड़ तै मन्दर के पहरेदारानं नै लेके, दीवे अर मशाल अर हथियारां नै लेके उड़े आया। 4 फेर यीशु, उन सारी बातानं नै जो उसपै बीतण आळी थी जाणकै, लिंकड़के उन ताहीं पूछा, “किसनै टोहो सो?” 5 उननै उस ताहीं जवाब दिया, “यीशु नासरी नै।” यीशु नै उन ताहीं कहा, “मैए सूँ।” यीशु नै पकड़वाण आळा यहूदा भी उनके गेल्या खड्या था। 6 जब यीशु नै उनतै कहा, “मैं सूँ।” वे पाच्छे हटकै धरती पै पड़गे। 7 फेर उसनै दुबारे उन ताहीं बुझया, “थम किसनै टोहो सो?” वे बोल्ले, “यीशु नासरी नै।” 8 यीशु नै जवाब दिया, “मन्ने तो थारे ताहीं कह दिया सै के वो मैं सूँ, जै थम मन्ने टोहो सो तो इन माणसां नै जाण दो।” 9 यो इस करके के खुद उसके जरिये कहा गया यो वचन पूरा हो, “मन्ने उन म्ह तै एक भी न्ही खोया, जिन ताहीं तन्ने मेरतै सौप्या था।” 10 फेर शमोन पतरस नै तलवार, जो उसके धोरे थी, खींची अर महायाजक के नौक्कर पै चलाके उसका सोळा कान उड़ा दिया, उस नौक्कर का नाम मलखुस था। 11 फेर यीशु नै पतरस तै कहा, “अपणी तलवार म्यान म्ह धर। जो दुख का कटोरा पिता नै मेरे ताहीं दिया सै, के मैं उसने न्ही पीऊँ?” 12 फेर रोमी सिपाहियाँ अर उनके सूबेदार अर यहूदिया परदेस के मन्दर के पहरेदारानं नै यीशु ताहीं पकड़के बांध लिया, 13 अर पैहल्या उस ताहीं हन्ना के धोरे ले गए, क्यूँके वो उस साल के महायाजक काइफा का सुसरा था। 14 यो वोए काइफा था, जिसनै यहूदियाँ

ताहीं सलाह दी थी के म्हारे माणसां खात्तर एक आदमी का मरणा ठीक सै। 15 शमोन पतरस अर एक और दुसरा चेल्ला भी यीशु के पाच्छे हो लिए। यो चेल्ला महायाजक का जाण-पिच्छाण का था, ज्यांते वो यीशु के गेल्या महायाजक कै आँगण म्ह गया, 16 पर पतरस बाहरणै दरबाजे पै खड्या रहा। फेर दुसरा चेल्ला जो महायाजक की जाण-पिच्छाण का था, वो बाहरणै लिंकड़या अर पहरेदारणी तै कहके पतरस ताहीं भीत्तर लियाया। 17 उस नौकराणी नै, जो पहरेदारणी भी थी, पतरस तै कहा, “कदे तू भी इस माणस के चेल्यां म्ह तै तो न्ही सै?” उसनै कहा, “मैं कोनी।” 18 नौक्कर अर मन्दर के पहरेदारानं नै जाट्टे के कारण आग जळा राखी थी, अर खड़े होके सेक्के थे, अर पतरस भी उनके गेल्या खड्या आग सेक्के था। 19 फेर महायाजक नै यीशु तै उसके चेल्यां कै बाबत अर उसके उपदेशां कै बाबत जाँच-पड़ताळ करी। 20 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “मन्ने हरेक माणस तै खुलके बात करी, मन्ने सभायां अर आराधनालयां म्ह, जड़े सारे यहूदी कट्टे होया करै सै, सारी हाण उपदेश दिया अर लुत्क कै कुछ कोनी कहा। 21 तू क्यूँ मेरे तै सवाल बुझ्झै सै? सवाल उनतै कर जिननै मेरे वचन सुणे सै, वे जाणे सै, के मन्ने उन ताहीं के-के कहा।” 22 जब उसने न्यू कहा, तो मन्दर के पहरेदारानं म्ह तै एक नै जो धोरे खड्या था, यीशु के थप्यड़ मारके कहा, “के तन्ने महायाजक ताहीं इस तरियां जवाब देण की हिम्मत किसी करी?” 23 यीशु नै उसतै जवाब दिया, “जै मेरा कण्ठा गलत सै तो साबित करो पर मन्ने जो कहा सै वो सही सै तो फेर थम मेरे क्यूँ मारण लागरे सों?” 24 इस खात्तर यीशु ताहीं जो इब भी बाँधे होए थे, हन्ना नै काइफा महायाजक कै धोरे भेज दिया। 25 शमोन पतरस खड्या होया आग सेक्के था, फेर उननै उसतै कहा, “कदे तू भी उसके चेल्यां म्ह तै तो न्ही सै?” उसने नाट-के कहा, “मैं कोनी।” 26 महायाजक के नौकरानं म्ह तै एक, जो उसके कुण्ठे म्ह तै था, जिसका कान पतरस नै काट दिया था, बोल्ला, “के मन्ने तेरे ताहीं यीशु के गेल्या फूल्लां के बाग म्ह कोनी देखा था?” 27 पतरस फेर नाट्या, अर जिब्बे मुर्गे नै बाँग देई। 28 फेर वे यीशु ताहीं काइफा के धोरे तै किले म्ह लेगे, अर तड़केए का बखत था, पर वे खुद किले कै भीत्तर कोनी गए ताके वे फसह का भोज खाण तै पैहल्या अशुद्ध ना हों जावै। 29 फेर राज्यपाल पिलातुस उनके धोरे बाहरणै लिंकड़के आया अर कहा, “थम इस माणस पै किस बात का दोष लाओ सो?” 30 उननै उस ताहीं जवाब दिया, “जै वो बुरे काम करणीया न्ही होंदा तो हम इसने तेरे धोरे कोनी ल्यान्दे।” 31 पिलातुस नै उनतै कहा, “थमै इसने ले जाके अपने नियम-कायदा कै मुताबिक इसका न्याय करो।” यहूदी अगुवां नै उसतै कहा, “हमनै हक कोनी के किसे की जानलेवां।” 32 “यो इस करके होया, ताके यीशु की वा बात पूरी हो जो उसने यो इशारा देदे होइ कही थी के उसकी मौत किस ढाळ होगी।” 33 फेर पिलातुस दुबारे किले कै भीत्तर गया, यीशु ताहीं बुलाके उसने बुझया, “के तू यहूदियाँ का राजा सै?” 34 यीशु नै जवाब दिया, “के तू या बात अपनी ओड़ तै कहवै सै या दुसरयां नै मेरे बाबत तेरे तै न्यू कहा सै?” 35 पिलातुस नै जवाब दिया, “के मैं यहूदी न्ही सूँ, तेरी-ए कोम अर प्रधान याजकां नै तेरे ताहीं मेरे हाथ म्ह सौप्या सै। तन्ने के करया सै?” 36 यीशु नै जवाब दिया, “मेरा राज्य इस दुनिया का कोनी, जै मेरा राज्य इस दुनिया का होंदा, तो मेरे सेवादार लड़दे के मैं यहूदी अगुवां के हाथ्यां सौप्या कोनी जान्दा पर सच्चाई तो या सै के मेरा राज्य आड़े का सै ए कोनी।” 37 पिलातुस नै उसतै कहा, “के तू राजा सै?” यीशु नै जवाब दिया, “तू कहवै सै के मैं राजा सूँ। मन्ने ज्यांते जन्म लिया अर ज्यांते दुनिया म्ह आया सूँ, के सच की गवाही दिर्युँ। जो कोए सच का सै, वो मेरा वचन सुणे सै।” 38 पिलातुस नै उसतै कहा, “सच के सै?” न्यू कहके वो फेर यहूदी अगुवां के धोरे लिंकड़ आया अर उन ताहीं कहा, “मैं तो उस म्ह कुछ खोट कोनी पांदा।” 39 पर थारे यो रिवाज सै के मैं फसह पै थारे खात्तर एक माणस नै छोड़ दिर्युँ। आखर के थम चाहो सो, “के मैं थारे खात्तर यहूदियाँ के राजा नै छोड़ दिर्युँ?” 40 फेर उननै रुक्के मारके कहा, “इसनै न्ही, पर म्हारे खात्तर बरअब्बा नै छोड़दे।” जब के बरअब्बा बिद्रोही था।

19 फेर पिलातुस राज्यपाल ने यीशु के कोड़े लगावाण खातर सिपाहियों के हाथ सौप दिया। 2 सिपाहियों ने काण्डियों का मुकुट ढूँढके उसके सिर पै धरया, अर उस ताहीं बैजनी लत्ते पहिराये, 3 अर उसके धोरे आ-आके कहण लागे, “हे यहूदियों के राजा, प्रणाम!” अर उसके थप्पड़ भी मारे। 4 फेर पिलातुस नै दुबारे बाहरणै लिकड़के माणसां ताहीं कहा, “लखाओ, मै उसनै थारे धोरे फेर लयाया सुं, ताके थमनै बेरा लागै के मै उस म्ह कुछ भी खोट कोनी पान्दा।” 5 फेर यीशु ताहीं काण्डियों का मुकुट अर बैजनी लत्ते पहरे होइ बाहरणै लेग्या, अर पिलातुस नै उन ताहीं कहा, “देखखों, इस माणस नै!” 6 जिब प्रधान याजकां अर मन्दर के पैहेरेदारां नै उस ताहीं देखा, तो रुक्के मारके कहा, “उस ताहीं क्रूस पै चढ़ा, क्रूस पै।” पिलातुस नै उनतै कहा, “थमे उसने ले जाके क्रूस पै चढ़ाओ, क्यूँके मै उस म्ह कोए खोट कोनी पान्दा।” 7 यहूदी अगुवां नै उस ताहीं जवाब दिया, “म्हारे नियम-कायदे सै अर उस नियम-कायदा के मुताबिक इस माणस नै मौत की सजा मिलणी चाहिये, क्यूँके इसनै खुद ताहीं परमेसवर का बेटा होण का दावा करया सै।” 8 जिब पिलातुस नै या बात सुणी तो और भी घणा डरग्या, 9 अर दुबारे किले के भीत्तर गया अर यीशु तै कहा, “तू कितका सै?” अर यीशु नै उसतै कुछ भी जवाब कोनी दिया। 10 इसपै पिलातुस नै उसतै कहा, “मरते क्याते न्ही बोल्दा? के तन्ने कोनी डेर के तेरे ताहीं छोड़ देण का हक मेरै ताहीं सै, अर तेरे ताहीं क्रूस पै चढ़ाण का भी मेरै ताहीं हक सै।” 11 यीशु नै जवाब दिया, “जै तेरे ताहीं परमेसवर की ओड़ तै हक न्ही दिया जान्दा, तो तेरा मेरै पै कोए हक कोनी होंदा, ज्यातै जिसनै मेरै ताहीं तेरे हाथ पकड़ाया सै उसका पाप घणा सै।” 12 इस बात नै सुणके पिलातुस नै उस ताहीं छोड़ देणा चाहा, पर यहूदी माणसां की भीड़ नै रुक्के मार-मारके कहा, “जै तू इसने छोड़ देवेगा, तो तू केसर का बिरोध्दी बण जावेगा। जो कोए खुद नै राजा होण का दावा करे सै, वो केसर का बिरोध्द करे सै।” 13 ये बात सुणके पिलातुस यीशु नै बाहरणै लयाया अर उडै न्याय की गद्दी पै बैठग्या, जो इब्रानी भाषा म्ह “गम्बता” कुहावै सै, जिसका मतलब चोतरा हो सै। 14 यो फसह की त्यारी का दिन था, अर दोफाहरा का बखत था। फेर उसनै यहूदी माणसां ताहीं कहा, “यो रह्या थारा राजा!” 15 पर उननै और ऊँच्ची आवाज म्ह कहा, “उस ताहीं मार घो! उस ताहीं मार घो! उस ताहीं क्रूस पै चढ़ा।” पिलातुस नै उनतै कहा, “के मै थारे राजा नै क्रूस पै चढ़ाऊँ?” प्रधान याजकां नै जवाब दिया, “केसर नै छोड़ म्हारा और कोए राजा कोनी।” 16 फेर पिलातुस नै यीशु ताहीं क्रूस पै चढ़ाण खातर उनके हवालै कर दिया। 17 फेर सिपाही यीशु नै ले गए, अर यीशु अपना क्रूस ठाए होए उस जगहां तक बाहर गया, जो “खोपड़ी” यानी इब्रानी भाषा म्ह “गुलगुता” कुहावै सै। 18 उडै उननै उस ताहीं अर उसके गेल्या और दो माणसां ताहीं क्रूस पै चढ़ाया, एक इस ओड़ अर एक दुसरी ओड़, अर बिचाळै यीशु ताहीं। 19 पिलातुस नै एक दोषपत्र लिखके क्रूस पै लगवा दिया, अर उसपै लिख्या होया था, “यीशु नासरी, यहूदियों का राजा।” 20 यो दोषपत्र घणखरे यहूदियों नै पढ़या, क्यूँके यरुशलेम नगर जडै यीशु क्रूस पै चढ़ाया गया था नगर के धोरे थी, अर दोषपत्र इब्रानी अर लतीनी अर यूनानी म्ह लिख्या होया था। 21 फेर यहूदियों के प्रधान याजकां नै पिलातुस तै कहा, “यहूदियों का राजा” मतना लिखै पर यो के उसनै कहा, “मै यहूदियों का राजा सुं।” 22 पिलातुस नै जवाब दिया, “मन्ने जो लिखणा था, लिख दिया।” 23 जिब सिपाहियां नै यीशु ताहीं क्रूस पै चढ़ा दिया, तो उसके लत्ते लेके चार हिस्यां म्ह बांड लिए, हरेक सिपाही खातर एक हिस्सा, अर कुड़ता भी लिया, पर कुड़ता बिन सिलाई उपर तै तळै ताहीं सिम्या होया था। 24 इस करके सिपाहियां नै आप्पस म्ह कहा, “हम इस ताहीं पाड़ा कोनी, पर इसपै पर्ची गरे के, के यो किसका होवेगा।” न्यू इस करके होया के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो लिख्या होया वो पूरा हो, “उननै मेरे लत्ते आप्पस म्ह बांड लिए अर मेरे लत्ते पै पर्ची गेरी।” 25 आखर म्ह सिपाहियां नै इसाए करया। यीशु के क्रूस के धोरे यीशु की माँ, अर उसकी मौस्सी, क्लोपास की घरआळी मरियम, अर मगदल गाम की मरियम खड़ी थी। 26 जिब यीशु नै अपनी माँ,

अर उस चेल्लें ताहीं जिसते वो प्यार करै था, धोरे खड़े देखा तो अपनी माँ तै कहा, “हे नारी, लखा, यो तेरा बेटा सै।” 27 फेर उस चेल्लें तै कहा, “या तेरी माँ सै।” अर उससे बखत वो चेल्ला उस ताहीं अपने घरां लेग्या। 28 इसके पाछै यीशु नै बेरा लाग्या के इब उसने सारा काम पूरा कर लिया सै, ज्यातै के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो कहा गया वो पूरा हो, कहा, “मै तिसाया सुं।” 29 उडै सिरके तै भरया होइ एक बास्सण धरया था, आखर म्ह सिपाहियां नै सिरके म्ह भेके स्पंज (फोम) ताहीं जुफे की लाठी पै धरके उसके मुँह के लगाया 30 जिब यीशु नै वो सिरका चखा, तो कहा, “पूरा होया,” अर सिर झुकाके जी दे दिया। 31 इब यो त्यारी का दिन था, अर आगला दिन आराम का दिन अर फसह का दिन था, यो यहूदी माणसां खातर एक खास दिन था, अर वे न्ही चाहवै थे, के इस दिन देह क्रूस पै टंगी रहवै, इस करके यहूदियां नै पिलातुस तै बिनती करी के उन माणसां की टाँग तोड़ दी जावै, जो क्रूस पै चढ़ाये गये थे। 32 आखर म्ह सिपाहियां नै आके उन माणसां म्ह तै पैहले की टाँग तोड़ी फेर दुसरे की भी, जो उसके गेल्या क्रूस पै चढ़ाए गए थे, 33 पर जिब यीशु के धोरे आके देखा के वो मर लिया सै, तो उसकी टाँग कोनी तोड़ी। 34 पर सिपाहियां म्ह तै एक नै बरछी तै उसका पंजर चीर दिया, अर उस म्ह तै जिब्बे लहू अर पाणी लिकड़या। 35 जिस माणस नै वो देखा, उसनै गवाही दी सै, अर उसकी गवाही साच्ची सै, अर उननै बेरा सै के वो साच्ची कह सै के थम भी बिश्वास करो। 36 ये बात ज्यातै होई के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो कहा गया वो पूरा हो, “उसकी कोए हाड्डी कोनी तोड़ी जावेगी।” 37 फेर एक और जगहां पै पवित्र ग्रन्थ म्ह न्यू लिख्या सै, “जिस ताहीं उननै बेधा सै, उसनै वे देखखेंगे।” 38 इन बातों पाछै अरिमतिया गाम के यूसुफ नै जो यीशु का चेल्ला था, पर यहूदी अगुवां के डर के मारे इस बात नै लकोए राखवै था, पिलातुस तै बिनती करी, के वो यीशु की लाश ले जा सकै सै। पिलातुस नै उसकी बिनती सुणी, अर वो आके उसकी लाश लेग्या। 39 नीकुदेमुस भी, जो पैहले यीशु के धोरे रात नै गया था, पचास सेर के करीबन रखा होइ गन्धरस अर एलवा (काण्डियां आळा पौधा) लियाया। 40 फेर उननै यीशु की लाश ली, अर यहूदियों के गाड्णुण के रिवाज के मुताबिक उस ताहीं खुशबुदार द्रव्य के गेल्या कफन म्ह लपेट्या। 41 उस जगहां पै जडै यीशु क्रूस पै चढ़ाया गया था, एक फूल्लां का बगीचा था, अर उस फूल्लां की क्यारी म्ह एक नई कन्न थी जिसमह कदे कोए कोनी राख्या गया था। 42 ज्यातै उननै यीशु की लाश ताहीं उससे कन्न म्ह धर दिया, क्यूँके वा लोवै ए थी, अर वो यहूदियों के आराम की त्यारी का दिन भी था।

20 हफते के पैहले दिन तड़केए सूरज लिकड़ण तै पैहल्या अन्धेरे रहंदे ए मगदल गाम की मरियम कन्न पै गई, अर पत्थर ताहीं कन्न पै तै हटया होइ देखा। 2 फेर वा भाज्जी अर शमीन पतरस अर उस दुसरे चेल्ले के धोरे जिसते यीशु प्यार राखवै था, आके कहा, “वे प्रभु की लाश नै कन्न म्ह तै काढ लेगे सै, अर हमनै न्ही बेरा के उस ताहीं कित्त धर दिया सै।” 3 फेर पतरस अर वो दुसरा चेल्ला लिकड़के कन्न के कान्ही चाल्ले। 4 वे दोन्नु गैल-गैल भाजरे थे, पर दुसरा चेल्ला पतरस तै तेज भाजके कन्न पै पैहल्या पोंहच्या, 5 अर झुक्के लत्ते पड़े देखे, तोभी वो भीत्तर कोनी गया। 6 फेर शमीन पतरस उसके पाछै-पाछै पोंहच्या, अर कन्न के भीत्तर गया अर उसनै भी लत्ते पड़े देखे, 7 अर वो अंगोच्छा जो उसके सिर पै बन्धया होइ था, लत्यां के गेल्या कोनी पड्या था, पर न्यारा एक जगहां लपेटके धरया होया देखा। 8 फेर दुसरा चेल्ला भी जो कन्न पै पैहल्या पोंहच्या था, भीत्तर गया अर देखके बिश्वास करया के यीशु मुर्दा म्ह तै जिन्दा होग्या। 9 पतरस अर दुसरा चेल्ला इब ताहीं पवित्र ग्रन्थ की वा बात कोनी समझे थे के उसनै मेरे होया म्ह तै जी उठणा होगा। 10 फेर चेल्लें अपने घरां बोहड़गे। 11 पर मरियम रोदी होई कन्न के धोरे ए बाहरणै खड़ी रही, अर रोन्दे-रोन्दे कन्न के कान्ही कोड़ी होके, 12 दो सुगंदूतां ताहीं धोळे-चमकदे लत्ते पहरे होइ एक सिरहाणै अर दुसरे ताहीं पायां की ओड़ बैठे देखा, जडै यीशु की लाश धरी गई थी। 13 उननै उस ताहीं कहा, “हे नारी, तू क्याते रोवै सै?” उसनै उन

ताही कहा, “वे मेरे प्रभु की लाश नै ठा लेगे अर मन्ने कोनी बेरा के उसने कित्त धर राख्या सै।” 14 न्यू कहकै वा पाछै मुड़ी अर यीशु ताहीं खडे देख्या, पर पिच्छाण्या कोनी के यो यीशु सै। 15 यीशु नै उसतै कहा, “हे नारी, तू क्यातै रोवै सै? किसने टोहवै सै?” उसने माळी समझकै उस ताहीं कहा, “हे श्रीमान, जै तन्नै उस लाश ताहीं ठा लिया सै, तो मन्ने बता के उस ताहीं कित्त धर राख्या सै, अर मै उसनै ले जाऊँगी।” 16 यीशु नै उस ताहीं कहा, “मरियम!” उसनै बोहड़कै उस ताहीं इब्रानी म्ह कहा, “रब्बुनी!” यानिके “हे गुरु”। 17 यीशु नै उस ताहीं कहा, “पैरां म्ह लिपटके मन्ने मतना छुओ, क्यूँके मै इब ताहीं पिता के धोरे उप्पर कोनी गया, पर मेरे भाईयों के धोरे जाके उनतै कह दे, के मै अपने पिता अर थारे पिता, अर अपने परमेसवर अर थारे परमेसवर के धोरे उप्पर जाके आऊँ सूँ।” 18 मरियम मगदलीनी नै जाके चेल्यां ताहीं बताया, “मन्ने प्रभु ताहीं देख्या, अर उसनै मेरे तै ये बात कही।” 19 उससे दिन जो हफ्ते का पैहलड़ा दिन था, साँझ के बखत यहूदियाँ के डर के मारे चेल्ले जिब किवाड़ मूदे होड़ एक कमरे म्ह थे, तो यीशु उनके बिचाळे आ खड्या होया अर उनतै बोल्या, “थमनै शान्ति मिलै।” 20 अर न्यू कहकै उसने अपने हाथ्यां के घा अर अपना पंजर उनतै दिखाए। फेर चेल्ले यीशु नै देखके राज्जी होए। 21 यीशु नै फेर उनतै कहा, “थमनै शान्ति मिलै: जिस तरियां पिता नै मेरे ताहीं दुनिया म्ह भेज्या सै, उससे तरियां ए मै थमनै दुनिया म्ह भेज्जू सूँ।” 22 न्यू कहकै उसने उनपै फूँक मारी अर उसनै कहा, “पवित्र आत्मा ल्यो। 23 जिनके पाप थम माफ करो, वे उनके खात्तर माफ करे गए सै, जिनके थम राक्खो, वे राक्खे गए सै।” 24 पर बारहा चेल्यां म्ह तै एक, यानिके थोमा जो दिदमुस कुहावै सै, जिब यीशु आया तो उनके गेल्या कोनी था। 25 जिब दुसरे चेल्ले उसतै कहण लागे, “हमनै प्रभु ताहीं देख्या सै,” फेर उसनै उनतै कहा, “जिब ताहीं मै उसके हाथ्यां म्ह कील्लां के छेद न्ही देख ल्यौ, अर कील्लां के छेदां म्ह अपणी आंगळी न्ही घाल ल्यौ, अर उसके पंजर म्ह अपणा हाथ ना घाल ल्यौ, जद ताहीं विश्वास कोनी कइंगा।” 26 आठ दिन के पाछै उसके चेल्ले फेर घर के भीत्तर थे, अर थोमा उनके गेल्या था, अर किवाड़ मूद राक्खे थे, फेर यीशु आया अर उनके बिचाळे खड्या होके कहा, “थमनै शान्ति मिलै।” 27 फेर उसनै थोमा तै कहा, “अपणी आंगळी याड़े ल्याके मेरे हाथ्यां नै देख अर अपना हाथ ल्याके मेरे पंजर म्ह घाल, अर अबिश्वासी न्ही पर बिश्वासी बण।” 28 न्यू सुणकै थोमा नै जवाब दिया, “हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेसवर!” 29 यीशु नै उसतै कहा, “तन्नै तो मेरे ताहीं देखके बिश्वास करया सै, धन्य वे सै जिन नै बिन देखके बिश्वास करया।” 30 यीशु नै और भी घणखरे चमत्कार चेल्यां के आगै दिखाए, जो इस किताब म्ह कोनी लिक्खे गए, 31 पर ये ज्य़ातै लिक्खे गए सै के थम बिश्वास करो के यीशु ए परमेसवर का बेटा मसीह सै, अर बिश्वास करके उसके नाम म्ह अनन्त जिन्दगी पाओ।

21 इन बात्तां के पाछै यीशु नै खुद ताहीं तिबिरियास झील के किनारे चेल्यां पै जाहिर करया, अर इस ढाळ जाहिर करया 2 शमौन पतरस, अर थोमा जो दिदमुस कुहावै सै, अर गलील परदेस के काना नगर का नतनएल, अर जब्दी के बेटे, अर उसके चेल्यां म्ह तै दो और जणे कठ्ठे थे। 3 शमौन पतरस नै उन ताहीं कहा, “मै मच्छी पकड़ण नै जाऊँ सूँ।” उननै उसतै कहा, “हम भी तेरे गेल्या चाल्लां सां।” इस करके वे लिकड़के किस्ती पै चढ़े, पर उस रात उननै कुछ न्ही पकड़्या। 4 सबेर होन्दे-ए यीशु किनारे पै आ खड्या होया, फेरभी चेल्यां नै कोनी पिच्छाणा के यो यीशु सै। 5 फेर यीशु नै उन ताहीं कहा, “हे बाळकों, के थारे धोरे कुछ खाण नै सै?” उननै जवाब दिया, “कोनी।” 6 यीशु नै उन ताहीं कहा, “किस्ती कै सोळी ओड़ जाळ गेरो फेर पाओगे।” आखर उननै जाळ गेरया, अर इब घणी मच्छियाँ के बाबत जाळ उनपै खिच्या कोनी। 7 फेर उस चेल्ले नै जिसतै यीशु प्यार करै था, पतरस तै कहा, “यो तो प्रभु सै!” शमौन पतरस नै न्यू सुणके के वो तो प्रभु सै, अपना बाहरी कपड़ा लपेट्या अर झील म्ह कूद पड्या, क्यूँके उस बखत वो अंगोच्छे-अंगोच्छे म्ह था। 8 पर दुसरे चेल्ले डोंगी पै मच्छी तै भरया

होड़ जाळ खिचदे होए आए, क्यूँके वे किनारे तै घणी दूर कोनी, पर कोए दो सौ हाथ (सौ मीटर) की दूरी पै थे। 9 जिन चेल्ले किनारे पै उतरे, तो उननै कोयले की आग अर उसपै मच्छी धरी होई, अर रोटी देक्खी। 10 यीशु नै उनतै कहा, “जो मच्छी थमनै इब्ले पकड़ी सै, उन म्ह तै कुछ ल्याओ।” 11 फेर शमौन पतरस नै डोंगी पै चढ़के एक सौ तरेपन बड़ी मच्छियाँ तै भरया होड़ जाळ किनारे पै खिच्या, अर इतनी मच्छी होन्दे होए भी जाळ कोनी पाट्या। 12 यीशु नै उनतै कहा, “आओ, खाणा खाओ।” चेल्यां म्ह तै किसे की हिम्मत कोनी होई, के उसतै बुड़्झै, “तू कौण सै?” क्यूँके उननै बेरा था, के हो ना हो यो प्रभु ए सै। 13 यीशु आया अर रोटी लेके उन ताहीं दी, अर उससे ढाळ मच्छी भी। 14 यो तीसरी बार सै के यीशु मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्ठण के पाछै चेल्यां नै दिखाई दिया। 15 खाणा खाणे के पाछै यीशु नै शमौन पतरस तै कहा, “हे शमौन, यूहन्ना के बेटे, के तू चेल्यां तै बाध मेरतै प्यार करै सै?” उसनै उसतै कहा, “हाँ प्रभु, तन्नै तो बेरा सै के मै तेरे तै प्यार राक्खूँ सूँ।” उसनै उसतै कहा, “मेरे मेम्ना नै चरा।” 16 उसनै दुसरी बार उसतै कहा, “हे शमौन, यूहन्ना के बेटे, के तू मेरै तै प्यार राक्खै सै?” उसनै उसतै कहा, “हाँ प्रभु, तन्नै तो बेरा सै के मै तेरे तै प्यार राक्खूँ सूँ।” उसनै उसतै कहा, “मेरी भेड्वां की रुखाळी कर।” 17 उसनै तीसरी बार उस ताहीं कहा, “हे शमौन, यूहन्ना के बेटे, के तू मेरतै प्यार राक्खै सै?” पतरस कांल होया के उसनै उसतै तीसरी बार इसा कहा, “हे शमौन, यूहन्ना के बेटे, के तू मेरतै प्यार राक्खै सै?” अर उसतै कहा, “हे प्रभु, तन्नै तो सारा कुछ बेरा सै, तन्नै न्यू बेरा सै के मै तेरे तै प्यार राक्खूँ सूँ।” यीशु नै उसतै कहा, “मेरी भेड्वां नै चरा।” 18 मै तेरे तै साच्ची-साच कहूँ सूँ, “जिब तू जवान था तो अपणी कड़ बाँधके जड़े चाहवै था उड़े हाँडे था, पर जिब तू बूढ़ा होगा तो अपणे हाथ पसारेगा, अर दुसरा तेरी कड़ बाँधके जड़े तू ना चाहवैगा उड़े तन्नै ले जावैगा।” 19 यीशु नै इन बात्तां तै इशारा करया के पतरस किसी मौत तै परमेसवर की महिमा करैगा, अर फेर उसनै उसतै कहा, “मेरे पाछै हो ले।” 20 पतरस नै बोहड़के उस चेल्ले ताहीं पाछै आन्दे देखा, जिसतै यीशु प्यार राक्खै था, जो खाणे के बखत उसके साथ बैठेचा था, उसतै बुड़्झया, “हे प्रभु, तेरा पकड़वाण आळा कौण सै?” 21 उस ताहीं देखके पतरस नै यीशु तै कहा, “हे प्रभु, इसका के हाल होगा?” 22 यीशु नै उसतै कहा, “जै मै चाहुँ के वो मेरे आण ताहीं रुक्या रहवै, तो तन्नै इसतै के? तू मेरै पाछै हो ले।” 23 ज्य़ातै भाईयों म्ह या बात फैलीगी के वो चेल्ला कोनी मरेगा, फेरभी यीशु नै उसतै न्यू कोनी कहा के वो कोनी मरेगा, पर यो के, “जै मै चाहुँ के वो मेरे आण ताहीं रुक्या रहवै, तो तन्नै इसतै के?” 24 यो वोए चेल्ला सै जो इन बात्तां की गवाही देवै सै अर जिसनै इन बात्तां ताहीं लिख्या सै, अर हमनै बेरा सै के उसकी गवाही साच्ची सै। 25 और भी घणेए काम सै, जो यीशु नै करे, जै वे एक-एक करके लिखे जान्दे, तो मै समझू सूँ के किताब जो लिक्खी जान्दी वा दुनिया म्ह भी कोनी समान्दी।

प्रेरितों के काम

1 हे थियुफिलुस, मन्ने पैहल्डी किताब उन सारी बातों के बारे में लिखि, जो यीशु शुरु तै लैके सुर्ग म्हा ठाए जाण तक करदा अर सिखान्दा रहया, 2 पर यीशु तार्हीं परमेसवर के जरिये सुर्ग म्हा उठाए जाण तै पैहले उसने अपणे चुणे होए प्रेरितां तार्हीं पवित्र आत्मा के जरिये हुकम दिया। 3 यीशु के दुख ठाण के पाच्छे उन प्रेरितां के स्याम्ही भोत-से पक्के सबूत दिखाए के वो जिन्दा सै, अर वो चाळीस दिन तक उननै दिखदा रहया, अर परमेसवर के राज्य की बात करदा रहया। 4 अर एक दिन मसीह यीशु नै उनतै कठ्ठे करके उन तार्हीं हुकम दिया, “यरुशलेम नगर नै ना छोड़ो, पर पिता की उस प्रतिज्ञा की पूरे होण की बात देखदे रहो, जिसका जिक्र थम मेरै तै सुण चुके सो। 5 क्यूँके यूहन्ना नै तो पाणी तै बपतिस्मा दिया सै पर थोड़े दिनां पाच्छे थम पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा पाओगे।” 6 चेल्लें जिब यीशु तै दुबारा मिले तो उननै उसतै बुझया, “हे प्रभु, के वो बखत आ ग्या सै, के तू इस्राएल तार्हीं छुड़वा के उसनै दुबारा बसाके राजा के रूप म्हा सब पै शासन करेगा।” 7 उसनै उनतै कहा, “उस बखत या युगा तार्हीं, जिन तार्हीं पिता नै अपणे अधिकार म्हा कर राख्या सै, उननै जाणणा थारा काम कोनी। 8 पर जिब पवित्र आत्मा थारे पै आवेगा फेर थम सामर्थ पाओगे, अर यरुशलम नगर अर सारे यहूदिया और सामरिया परदेसां म्हा, अर धरती के सिरे तार्हीं मेरे बारे में गवाही द्योगे।” 9 न्यू कहके यीशु उनके देखदे-देखदे परमेसवर के जरिये उपर ठा लिया गया, अर बाहल नै उस तार्हीं उनकी आँखां तै लट्को लिया। 10 उसके जान्दे बखत जिब वे अकास की ओड़ देखे थें, तो देखवो, चाणचक दो माणस धोले लते पहरे ओड़ उनके लोवै आण खड़े होए, 11 अर उनतै कहा, “हे गलील परदेस के माणसां, थम खड़े अकास काऩही क्यातै लखाओ सो? योए यीशु, जो परमेसवर के जरिये थारे थोरै तै सुर्ग पै ठा लिया गया सै, जिस तरियां तै थमनै उस तार्हीं सुर्ग नै जान्दे देख्या उरसे तरियां तै वो दुबारा आवेगा।” 12 जिब सुर्गदूत चले गये, तो चेल्लें जैतून नाम के पहाड़ तै जो यरुशलम नगर तै करीब आधे कोस की दूरी पै सै, यरुशलम नगर म्हा बोहदे। 13 जिब वे नगर पोहचे तो उस चुबारे पै गये, जित्त पतरस अर यूहन्ना अर याकूब अर अन्द्रियास अर फिलिप्पुस अर थोमा अर बरतुल्मे अर मत्ती अर हलफई का बेटा याकूब अर शमौन, जेलोतेस अर याकूब का बेटा यहूदा ये सारे माणस ओड़े थे। 14 ये सारे कई बिरबानियाँ अर यीशु की माँ मरियम अर उसके भाईयाँ के गेल्या कठ्ठे होके एक मन तै प्रार्थना म्हा लागे रहे। 15 उन्हे दिनां म्हा पतरस बिश्वासियाँ के बिचाळे म्हा जो एक सौ बीस आदमियाँ के करीबन थे, खड्या होके कहण लाग्या, 16 हे भाईयो, जरूरी था के पवित्र ग्रन्थ का वो लेख पूरा हो जो पवित्र आत्मा नै दाऊद के मुँह तै यहूदा के बाबत, जो यीशु के पकड़वाण आळा का अगुवां था, पैहल्याए तै कहा था। 17 क्यूँके वो तो म्हारे म्हा गिण्या गया, अर इस सेविकाई म्हा साइझी होया। 18 “जिसा थम जाणो सो (उसनै पाप की कमाई तै एक खेत मोल लिया, अर सिर के बळ गिरया अर उसका पेट पाटग्या अर उसकी सारी आन्दड़ी लिकड़गी। 19 इस बात तार्हीं यरुशलम नगर के सारे रहणीये जाणगे, उरै तार्हीं के उस खेत का नाम उनकी भाषा म्हा ‘हक्कलदमा’ यानिके ‘लहू का खेत’ पड़ग्या।)” 20 “दाऊद नै भजन संहिता म्हा लिख्या सै, ‘उसका घर उजड़ जावै, अर यो भी लिख्या सै, के उस म्हा कोए न्ही बसै,’ अर ‘उसका पद कोए और ले लेवै।’” 21 “इस करके यो जरूरी सै के एक इसा माणस छोट्या जावै, जो प्रभु यीशु के सारे कामां के हरेक बखत का गवाह हो, प्रभु यीशु तार्हीं यूहन्ना के जरिये बपतिस्मा दिये जाण तै लैके, सुर्ग म्हा स्वीकार किये जाण तक, 22 वो माणस म्हारे गैल प्रभु यीशु के जिन्दा होण का गवाह बणै।” 23 फेर उननै दो नाम सुझाए, एक यूसुफ जो बरसब्बा कुहावै था, जिसका उपनाम यूसुतुम सै, दुसरा मत्तियाह तार्हीं, 24 अर या प्रार्थना करी, “हे प्रभु, तू जो सारया के मनां नै जाणै सै, न्यू बता के इन दोनुआ म्हा तै तन्नै किस तार्हीं चुणया सै, 25 के वो इस सेवा के काम अर प्रेरितों की वा खाल्ली

जगहां ले, जिसनै यहूदा छोड़के अपनी जगहां चल्या गया, जित्त उसनै जाणा चाहिए था।” 26 फेर उननै उनके बाबत पर्चीं गेरी, अर पर्चीं मत्तियाह के नाम लिकड़ी। आखर वो उन ग्यारहां प्रेरितां के गेल्या गिण्या गया।

2 यहूदियां के पिन्तेकुस्त त्यौहार के दिन, यीशु के चेल्लें एक जगहां कठ्ठे थे। 2 चाणचक अकास तै तेज आँधी जिसी आवाज आई, अर उसतै सारा घर जित्त वे बेटे थे, गूँजग्या। 3 अर उननै एक आग की लपट दिक्खी, जो जीभ के समान थी, वा आग की लपट अलग-अलग होके उन सब के उपपर आ उतरी। 4 वे सारे पवित्र आत्मा तै भरगे, अर जो वरदान पवित्र आत्मा नै उन तार्हीं दिया, उसके मुताबिक वो अन्य-अन्य भाषा बोल्लण लागे। 5 उस बखत पूरी दुनिया की हरेक जात म्हा तै यहूदी-भगत यरुशलम नगर म्हा रहण लागरे थे। 6 जिब आँधी जिसा शब्द गरजा, तो भीड़ लागी अर आदमी घबरागे, क्यूँके हर एक अपनी-अपनी भाषा म्हा चेल्यां तार्हीं बोलदे सुणण लागरे थे। 7 वे सारे हैरान अर अचम्भा करके कहण लागगे, “देखवो, जो वे बोल्लण लागरे सै के सारे गलीलवासी कोनी? 8 तो यो के होण लागरया सै, के जो म्हारे म्हा तै हर एक इन तार्हीं अपनी-अपनी जन्म-भूमि की भाषा म्हा बात करतै सुणै सै! 9 हम जो पारथी अर मेदी अर एलामी अर मेसोपोटामिया अर यहूदिया अर कप्पूकिया अर पुन्तुस अर आसिया परदेस, 10 कुछ फ्रुगिया, पंपूलिया परदेस अर कुछ मिस्र देश अर लीबिया देश जो कुरेने नगर के लोवे-धोरै सै, इन सारे देशां के रहण आळे अर रोमी प्रवासी, 11 यानिके यहूदी माणस अर यहूदी पंथ धारण करण आळे, क्रेतो दीप अर अरब देश के माणस भी सै, पर अपनी-अपनी भाषा म्हा उनतै परमेसवर के बड़े-बड़े कामां का जिक्र सुणै सै।” 12 अर वे सारे हैरान होए अर घबराके एक-दुसरे तै कहण लागगे, “यो के होण लागरया सै?” 13 पर औरां नै मखौल करके कहा, “वे तो नई मदिरा के नशे म्हा चूर सै।” 14 जिब पतरस उन ग्यारहां प्रेरितां के गेल्या खड्या होया, अर ठाडू आवाज म्हा बोल्या, “हे यहूदियासियां अर हे यरुशलमवासियां, न्यू जाण ल्यो, अर कान लाके मेरी बात सुणो।” 15 जिसा थम समझरे सो, ये आदमी नशे म्हा कोनी, क्यूँके इब्बे दिन के नौ बजे सै। 16 जो थम म्हारे साथ होते होए देखण लागरे सो, यो योएल नबी के जरिये कही गई भविष्यवाणी का पूरा होणा सै। 17 “परमेसवर कहवै सै, के अन्त के दिनां म्हा इसा होवेगा के मै अपना आत्मा सारे माणसां तार्हीं दियुँगा, अर थारे बेटे अर थारी बेट्टी भविष्यवाणी करेगी, अर थारे जवान दर्शन देखेंगे, अर थारे बुजुर्ग सपना देखेंगे।” 18 उन दिनां म्हा, मै अपने दास्तां, अर दासियां तार्हीं अपनी आत्मा दियुँगा, अर वे भविष्यवाणी करेगे। 19 अर मै उपर अकास म्हा अनोखे काम अर तळे धरती पै निशान, यानिके लहू अर आग अर धुम्मे का बाहल दिखाऊँगा। 20 प्रभु के महान अर तेजस्वी दिन के आण तै पैहल्या सूरज अँधेरा अर चाँद लहू-सा हो जावेगा। 21 अर जो कोए प्रभु का नाम लेवेगा, उसका उद्धार होवेगा। 22 “हे इस्राएलियों, इन बातों नै सुणो यीशु नासरी एक माणस था जिसका परमेसवर की ओड़ तै होण का सबूत उन सामर्थ के कामां अर हैरानी के कामां अर चमत्कारां तै जाहिर सै, जो परमेसवर नै थारे बिचाळे उसके जरिये कर दिखए जिसके बारे म्हा थमनै खुदे बेरा सै। 23 उरसे यीशु तार्हीं, जो परमेसवर की ठहराई होई योजना अर पूर्व ज्ञान के मुताबिक पकड़वाया गया, थमनै अर्थमियाँ के हाथ्यां तै क्रूस पै चढ़ाके उस तार्हीं मार दिया। 24 पर उरसे तार्हीं परमेसवर नै मौत के बन्धनां तै छुड़ाके जिन्दा करया, क्यूँके यीशु तार्हीं अपने बस म्हा राखणा मौत खातर असम्भव था।” 25 राजा दाऊद यीशु के बारे म्हा कहवै सै, “मै प्रभु नै सारी हाण अपने थोरै देखदा रहया क्यूँके वो मेरी सोळी ओड़ सै, मै उनतै न्ही डरूँगा जो लोग मेरा नुकसान करणा चाहवै सै।” 26 इरसे कारण मेरा मन आनन्दित होया, अर मै खुशी तै गाऊँगा, बल्के मेरी आस भी उरसे म्हा बणी रहवेगी। 27 क्यूँके तू मेरे प्राणां नै अधोलोक म्हा कोनी छोड़ेगा, अर ना अपने पवित्र माणस नै सड़ण देवेगा। (Hades g86) 28 “तन्नै मेरै तार्हीं जीण का राह बताया सै, तू मन्ने दर्शन के जरिये आनन्द तै भर देवेगा।” 29 “हे भाईयो, मै

कुलपति राजा दाऊद के बारे में थरे तै हिम्मत करके कहूँ सूँ के वो तो मरग्या अर गाड्या भी गया अर उसकी कन्न आज ताहीं म्हारे उरें न्यू-की-न्यू सै। 30 वो नबी था अर उसने बेरा था के परमेसवर नै मेरे ते वादा करया सै के मै तेरी पीढ़ी म्ह तै एक माणस नै तेरे सिंहासन पै बिठाऊँगा, 31 उसनै होण आळी बात ताहीं पैहल्याए तै देखके मसीह के जिन्दा उठण के बारे में भविष्यवाणी करी के ना तो उसका प्राण अधोलोक म्ह छोड्या गया अर ना उसकी देह सड़ण पाई। (Hades 986) 32 इससे यीशु ताहीं परमेसवर नै जिन्दा करया, जिसके हम सारे गवाह सां। 33 इस तरियां परमेसवर के सोल्ले हाथ पै सबते ऊँच्या पद पाके, अर पिता तै वो पवित्र आत्मा पाके जिसका वादा लिया गया था, उसनै यो उण्डेल दिया सै जो थम देखखो अर सुणो सो। 34 क्यूँके दाऊद तो सुर्ग पै कौनी चढ्या, पर वो खुद कहवै सै, 'प्रभु परमेसवर नै मेरे प्रभु तै कहा, 'मेरे सोळी ओड़ नै बैठ, 35 "जिब ताहीं के मे तेरे बैरियां नै तेरे कसमां तळै ना झुका दिवूँ।" 36 "आखर इसाएल का सारा खानदान पक्की तरियां तै जाण लैवै के परमेसवर नै उससे यीशु ताहीं जिस ताहीं थमनै क्रूस पै चढाया, प्रभु भी ठहराया अर मसीह भी।" 37 जिब माणसां नै यो सुणया, तो बिश्वास होग्या था के उननै गलत काम करया सै, अर वे पतरस अर बाकी प्रेरितां तै बुड्झण लागे, "हे भाईयो, हम के करा?" 38 पतरस नै उनतै कहा, "पाप करणा छोड़ दो, अर थारे म्ह तै हरेक अपणे-अपणे पापां की माफी कै खात्तर यीशु मसीह कै नाम तै बपतिस्मा लैवै, जिब थम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। 39 क्यूँके या प्रतिज्ञा थम, अर थारी ऊलादां, अर उन सारे दूर-दूर के आदमियां खात्तर भी सै जिन ताहीं प्रभु म्हारा परमेसवर अपणे धौरे बुलावैगा।" 40 पतरस नै कई और बाचां तै, भी गवाही दे-देके समझाया के अपणे-आपनै इस टेढ़ी जात तै बचाओ। 41 आखर जिननै उसके वचन पै बिश्वास करके बपतिस्मा लिया, अर उससे दिन तीन हजार माणसां के करीबन उन म्ह मिलगे। 42 जिननै पतरस के वचन पै बिश्वास करया, वे प्रेरितां तै शिक्षा लेन्दे, अर संगति राखदे, अर रोट्टी तोड़ण, अर प्रार्थना करण म्ह मग्न रहे। 43 अर सारे के यरुशलेम माणस डरगे, अर घणे अनोक्खे काम अर चमत्कार प्रेरितां के जरिये जाहिर होवै थे। 44 अर सारे बिश्वास करणीये कठ्ठे रहवै थे, अर उनकी सारी चीज साझे म्ह थी। 45 वे अपणी-अपणी जायदाद अर सामान बेच-बेचके जिसकी जरूरत होवै थी बांड दिया करे थे। 46 वे हरेक दिन एक मन होके मन्दर म्ह कठ्ठे होवै थे, घर-घर रोट्टी तोड़दे होए खुशी अर मन की सीधायी तै खाणा खावै थे, 47 अर परमेसवर की जय-जयकार करै थे, अर सारे माणस उनतै राज्जी थे जो उद्धार पावें थे, उन ताहीं प्रभु हरेक दिन उन म्ह मिला देवै था।

3 पतरस अर यूहन्ना दोफाहरे के तीन बजे पाच्छे प्रार्थना के बखत मन्दर म्ह जाण लागे थे। 2 अर माणस एक जन्म तै लंगड़े नै ल्यावै थे, जिस ताहीं वे हरेक दिन मन्दर के बाहरणै पै जो सुन्दर नामक फाटक कुहावै सै, बिठा देवै थे, के वो मन्दर म्ह जाण आळा तै भीख माँगै। 3 जिब उसनै पतरस अर यूहन्ना ताहीं मन्दर म्ह जान्दे देख्या, तो उनतै भीख माँगै। 4 पतरस नै यूहन्ना के गेल्या उसकी ओड़ गौर तै देखके कहा, "म्हारी ओड़ लखा!" 5 आखर वो उनतै कुछ पाण की आस राखते होए उनकी ओड़ लखाना लाग्या। 6 फेर पतरस नै कहा, "चाँदी अर सोनो तो मेरे धौरे सै न्ही, पर जो मेरे धौरे सै वो तन्नै दिवूँ सूँ, यीशु मसीह नासरी कै नाम तै उठ अर चाल-फिर।" 7 पतरस नै उसका सोळा हाथ पकड़के उस ताहीं ठाया, अर जिब्ले उसके पायां अर टाखणयां म्ह ताकत आगी। 8 वो उछळते-कूदते खड्या होग्या अर चाल्लण-फिरण लाग्या, अर चाल्दा, अर कुद्दा, अर परमेसवर की जय-जयकार करदा होया उनके गेल्या मन्दर म्ह गया। 9 सारे आदमियां नै उस ताहीं चाल्दे-फिरदे अर परमेसवर की जय-जयकार करदे होए देखके, 10 उस ताहीं पिच्छाण लिया के यो वोप सै जो मन्दर के "सुन्दर" नामक फाटक पै बैठके भीख मांग्या करै था, अर उस घटना तै जो उसके गेल्या होई थी वे घणे अचम्भित अर हैरान होए। 11 जिब वो पतरस अर यूहन्ना ताहीं पकड़े होए था, तो सारे माणस घणे हैरान होन्दे होए उस

बरामदा म्ह जो सुलेमान का कुहावै सै, उनके धौरे भाज्जे आये। 12 न्यू देखके पतरस नै माणसां तै कहा, "हे इस्राएलियों, थम इस माणस पै क्यातै हैरान होवो सो, म्हारी ओड़ क्यातै इस ढाळ लखाओ सो, के मान्नी हमनै-ए अपणी सामर्थ या भगति तै इस ताहीं चाल्लण-फिरण जोगगा बणा दिया। 13 अब्राहम अर इसहाक अर याकूब के परमेसवर, म्हारे पूर्वजां के परमेसवर नै अपणे सेवक यीशु मसीह की महिमा करी, जिस ताहीं थमनै पकड़वा दिया, अर जिब राज्यपाल पिलातुस नै उस ताहीं छोड़ देण का विचार करया, फेर थमनै उसके स्याम्ही उसका इन्कार करया। 14 थमनै उस धर्मी अर पवित्र का इन्कार करया, अर बिनती करी के एक खून्नी ताहीं थारे खात्तर छोड़ दिया जावै, 15 अर थमनै अनन्त जीवन के कर्ता ताहीं मार दिया, जिस ताहीं परमेसवर नै मेरे होया म्ह तै जिन्दा करया, अर इस बात के हम गवाह सां। 16 मसीह यीशु के नाम म्ह बिश्वास के कारण इस माणस नै जिसनै थम जाणो सो, जिसनै थम इस बखत देखखण लागे सो, उस ताहीं ताकत दी सै, यो माणस यीशु के नाम म्ह अर मसीह यीशु पै बिश्वास के जरिये कती भला चंगा होया सै, जिसा के थम खुद देख सको सो।" 17 "इब हे भाईयो, थमनै बेरा सै के थमनै अर थारे अगुवां नै यो काम अज्ञानता म्ह करया, क्यूँके थम न्ही जाणो थे के वो मसीह सै। 18 पर जिन बाचां ताहीं परमेसवर नै सारे नबियां के मुँह तै पैहल्याए तै बता दिया था, के उसका मसीह दुख ठावेगा, उन ताहीं उसनै इससे ढाळ पूरा करया। 19 इस करके, पाप करणा छोड़ दो अर बोहड़ आओ के थारे पाप मिटाए जावै, जिसतै प्रभु के स्याम्ही तै सुख-चैन के दिन आवै, 20 अर वो यीशु ताहीं भेज्जै, जो थारे खात्तर पैहल्या तै ए मसीह ठहराया गया सै। 21 जरूरी सै के वो सुर्ग म्ह उस बखत ताहीं रहवै जिब ताहीं के वो सारी बाचां का सुधार ना कर लैवै जिसका जिक्र पुराणे बखत तै परमेसवर नै अपणे पवित्र नबियां के मुँह तै करया सै। (aiōn 9165) 22 जिस ढाळ के मूसा नबी नै कहा, 'परमेसवर थारे भाईयां म्ह तै थारे खात्तर मेरे जिसा एक नबी भेज्जैगा, जो किमे वो थारे तै कहवै उसकी सुणीयो।' 23 पर हरेक माणस जो उस नबी की न्ही सुणै, आदमियां म्ह तै नाश करया जावैगा।" 24 "अर शमूल तै लेके उसके पाच्छे आळा ताहीं जितने नबी बोल्ले उन सारया नै इन दिनां का सन्देशा दिया सै। 25 थम सारे नबियां की ऊलाद अर उन करार के हिस्सेदार सो, जो परमेसवर नै थारे बाप-दादां तै करया, जिब उसनै अब्राहम तै कहा, 'तेरी पीढ़ी के जरिये धरती के सारे खानदान आशीष पावेंगे।' 26 परमेसवर नै अपणे सेवक ताहीं मेरे होया म्ह तै ठाके सब तै पैहल्या थारे धौरे भेज्या, के थारे म्ह तै हरेक ताहीं उसकी बुराईयां तै पलटा के आशीष देवै।"

4 जिब वे आदमियां तै न्यू कहण लागे थे, तो याजक अर मन्दर के सरदार अर सद्की दल के लोग उनपै चढ़ आये। 2 क्यूँके वे घणे खुन्दक म्ह थे के वे आदमियां ताहीं सिखावै थे, अर यीशु का उदाहरण दे-देके प्रचार करै थे, के परमेसवर मुर्दा नै एक दिन जिन्दा करेगा जिसा उसनै यीशु ताहीं करया। 3 उननै उन ताहीं बन्दी बणाके दुसरे दिन तक हालात म्ह राख्या क्यूँके साँझ होगी थी। 4 पर वचन के सुणण आळा म्ह तै घणाय नै बिश्वास करया, अर उनकी गिणती पाँच हजार माणसां के करीबन होगी थी। 5 दुसरे दिन इसा होया के उनके सरदार, यहूदी अगुवें, शास्त्री 6 अर महायाजक हन्ना, कैफा, यूहन्ना, सिकन्दर अर जितने महायाजक के कुण्बे के थे, सारे यरुशलेम नगर म्ह एक जगहां कठ्ठे होए। 7 वे उन ताहीं बिचाळै खड्या करके बुड्झण लागे के थमनै यो काम किसके सामर्थ तै अर किसके नाम तै करया सै। 8 फेर पतरस नै पवित्र आत्मा तै भरके उनतै कहा, 9 "हे माणसां के सरदारो अर यहूदी अगुवो, इस कमजोर माणस गेल्या जो भलाई करी गयी सै, जै आज म्हारे तै उसके बारे में पूछताछ करी जावै सै, के वो किस ढाळ ठीक होया।" 10 तो थम सारे अर सारे इस्राएली आदमी जाण लैवै के यीशु मसीह नासरी कै नाम तै जिस ताहीं थमनै क्रूस पै चढाया, अर परमेसवर नै मेरे होया म्ह तै जिन्दा करया, यो माणस थारे स्याम्ही भला-चंगा खड्या सै। 11 यीशु मसीह ए वो पत्थर सै जिस ताहीं थम राजमिस्रियां

नै नकार दिया, अर वो सिरे का पत्थर होगया। 12 “यीशु के अलावा किसे दुसरे नाम म्ह उद्धार कोनी, क्यूँके सुर्ग के तळे माणसां म्ह और कोए दुसरा नाम कोनी दिया गया, सिर्फ यीशु के जरिये हम उद्धार पा सकां सां।” 13 जिब उननै पतरस अर यूहन्ना की हिम्मत देखखी, अर न्यू बेरा लाग्या के ये अनपढ़ अर साधारण सा माणस सै, तो अचम्भा करया, फेर उन ताहीं पिच्छाणया के ये यीशु कै गेल्या रहे सै। 14 उस माणस ताहीं जो ठीक होया था, पतरस अर यूहन्ना कै गेल्या खड़े देखके, वे बिरोध म्ह किमे न्ही कह सके। 15 पर उन ताहीं यहूदी अगुवां की सभा तै बाहर जाण का हुकम देके, वे आप्पस म्ह विचार करण लाग्गे, 16 “हम इन माणसां कै गेल्या के करा? क्यूँके यरुशलेम नगर के सारे रहणीया नै बेरा पाटरया सै, के इनके जरिये एक मशहुर चमत्कार दिखाया गया सै, अर हम उसके बारे म्ह नाट न्ही सकदे। 17 पर माणसां म्ह इस सुसमाचार का और घणा प्रसार ना हो।” 18 फेर उन ताहीं बुलाया अर चेतानी देके न्यू कहा, “यीशु कै नाम पै ना तो वे चर्चा करै अर ना सिखाइयो।” 19 पर पतरस अर यूहन्ना नै उन ताहीं जवाब दिया, “थमे न्याय करो, के यो परमेसवर के धौरे भला सै के हम परमेसवर की बात तै बढ़के थारी बात मान्ना। 20 क्यूँके यो तो म्हारै तै न्ही हो सकदा के जो हमनै देख्या अर सुणया सै, वो न्ही कहा।” 21 फेर उननै उन ताहीं और धमकाके छोड़ दिया, क्यूँके आदमियाँ के कारण उन ताहीं सजा देण का कोए मौक्का न्ही मिल्या, इस करके के जो घटना होई थी उसके कारण सारे आदमी परमेसवर की बड़ाई करै थे। 22 वो माणस जो अचम्भे के काम तै ठीक होया था, चाळीस बरस तै घणी उम्र का था। 23 वे छूट कै अपणे साथियाँ के धौरे आए, अर जो किमे प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै उनतै कहा था, उन ताहीं सुणया दिया। 24 न्यू सुणके उननै एक मन होके ठाडू आवाज तै परमेसवर तै कहा, “हे माल्लिक, तू वोए सै जिसनै सुर्ग अर धरती अर समुन्दर अर जो किमे उन म्ह सै बणाया सै। 25 तन्नै पवित्र आत्मा के जरिये अपणे सेवक म्हारे पूर्वज दाऊद के मुँह तै कहा, “गैर यहूदियाँ नै रोळा क्य़ातै मचाया? अर देश-देश के माणसां नै क्य़ातै बेकार म्ह बात सोच्यी?” 26 प्रभु अर उसके अभिषिक्त के बिरोध म्ह धरती के राजा खड़े होए, अर हाकिम एक सेती कठ्ठे होए। 27 “क्यूँके साच्चए तेरे सेवक यीशु कै बिरोध म्ह, जिसका तन्नै अभिषेक करया, हेरोदेस अर पुन्तियुस पिलातुस भी गैर यहूदियाँ अर इस्राएलियाँ के गेल्या इन नगर म्ह कठ्ठे होए, 28 के जो किमे पैहल्या तै तेरी सामर्थ अर बुद्धि तै ठहरा था वोए करे। 29 इब हे प्रभु, उनकी धमकियाँ नै सुण, अर अपणे दास्तां ताहीं यो वरदान दे के तेरा वचन बड़ी हिम्मत तै सुणावै। 30 ठीक करण कै खात्तर तू अपना हाथ बढ़ा के चमत्कार अर अनोक्खे काम तेरे पवित्र सेवक यीशु के नाम तै करे जावै।” 31 जिब उननै प्रार्थना कर ली, तो वा जगहां जित्त वे कठ्ठे थे काम्बगी, अर वे सारे पवित्र आत्मा तै भरगे, अर परमेसवर का वचन हिम्मत तै सुणान्दे रहे। 32 बिश्वास करण आळा का टोळ एक चित्त अर एक मन का था, उरै ताहीं के कोए भी अपणी सम्पत्ति अपणी न्ही कहवै था, पर सारा किमे साइड़ी म्ह था। 33 प्रेरित बड़ी सामर्थ तै प्रभु यीशु के जिन्दा होण की गवाही देन्दे रहे, अर उन सारया पै घणा अनुग्रह था। 34 अर उन बिश्वासियाँ म्ह कोए भी गरीब कोनी था, क्यूँके जिनके धौरे धरती या घर थे, वे उननै बेच-बेचके, बिकी होई चिज्जां का दाम ल्यावै थे, अर उस ताहीं प्रेरितां के पायां म्ह धरै थे। 35 अर जिसी जिसकी जरूरत होवै थी, उसके मुताबिक हरेक ताहीं बांड दिया करै थे। 36 यूसुफ नाम का साइप्रस टापू का एक लेवी था जिसका नाम प्रेरितां नै बरनबास (यानिके उत्साहित करण आळा) धरया था। 37 उसकी किमे धरती थी, जिस ताहीं उसनै बेच्या, अर दाम के रपिये प्रेरितां के पायां म्ह धर दिए।

5 हनन्याह नाम का एक माणस अर उसकी घरआळी सफरीना नै अपणी कुळ जमीन बेच्यी। 2 अर उसके दाम म्ह तै कुछ अपणे खात्तर राख लिया, अर या बात उसकी घरआळी भी जाणै थी, उसका एक हिस्सा ल्याके प्रेरितां के पायां म्ह धर दिया। 3 पतरस बोल्या, “हे हनन्याह! शैतान नै

तेरे मन म्ह या बात क्य़ातै घाल्ली के तू पवित्र आत्मा तै झूठ बोल्लै, अर जमीन के दाम म्ह तै किमे राख लेवै? 4 के बेचण तै पैहल्या वा जमीन तेरी कोनी थी? अर जिब बिकगी तो उस धन पै तेरा हक कोनी था? तन्नै या बात अपणे मन म्ह क्य़ातै सोच्यी? तन्नै माणसां तै न्ही, पर परमेसवर तै झूठ बोल्या सै।” 5 या बात सुणदे हनन्याह जमीन पै गिर पड्या अर जी लिकड़ग्या, सारे सुणण आळे घणे डरगे। 6 फेर जवानां नै उठके उसकी लाश ताहीं कपड़े म्ह लपेटा अर बाहरणै ले जाके गाड़ दिया। 7 करीबन तीन घंटा के पाछे उसकी घरआळी, जिसनै बेराए कोनी था जो किमे होया था, भीत्तर आई। 8 फेर पतरस नै उसतै कहा, “मन्नै बता के थम दोनुआं नै वा जमीन इतनै म्ह बेच्यी थी?” वा बोल्ली, “हाँ, इतनै ए म्ह।” 9 पतरस नै उसतै कहा, “या के बात सै के थम दोनुआं नै प्रभु की आत्मा ताहीं परखण खात्तर एक्का करया? लखा, तेरे धणी नै गाड्ठण आळे बाहरणै ए खड़े सै, अर तन्नै भी बाहरणै ले जावैगे।” 10 फेर वा जिब्बे उसके पायां म्ह गिर पडी, अर जी लिकड़ग्या, अर जवानां नै भीत्तर आके उस ताहीं मरया पाया, अर बाहरणै ले जाके उसके धणी के धौरे ए उस ताहीं भी गाड़ दिया। 11 यरुशलेम की सारी कलीसिया अर इन बात्तां के सारे सुणनियाँ भोत घणे डरगे। 12 प्रेरितां के जरिये घणे चमत्कार अर अनोक्खे काम आदमियाँ के बिचाळे दिखाए जावै थे, अर वे सारे एक चित्त होके सुलेमान के बरामदे म्ह कठ्ठे होया करै थे। 13 पर औरां म्ह तै किसे और की या हिम्मत कोनी होवै थी के उन म्ह जा मिलै, फेर भी आदमी उनकी बड़ाई करै थे। 14 प्रभु म्ह बिश्वास करण आळी की गिणती बढ़ती गई भोत घणे बिश्वासी प्रभु म्ह आ मिले, लोग-लुगाईयाँ का एक भोत बड़ा टोळ बणग्या। 15 जो प्रेरित करण लागरे थे, उसकी बजह तै माणस, बिमारां ताहीं सडकां पै ल्या-ल्याके, खाट-खटोल्यां पै लिटा देवै थे, के जिब पतरस आवै, तो उसकी छाया-ए उन म्ह तै किसे पै पड़ जावै। 16 यरुशलेम नगर के लोवै-धोवै के नगरां तै भी घणे माणस बिमारां अर भुंडी ओपरी आत्मायाँ के सताए होया ताहीं चेल्यां के धौरे ल्या-ल्याके, कठ्ठे होवै थे, अर सारे ठीक कर दिए जावै थे। 17 फेर महायाजक अर उसके सारे मित्तर जो सदूकियाँ के पंथ के थे, प्रेरितां तै जळण लागगे। 18 अर प्रेरितां ताहीं पकड़के जेळ म्ह बन्द कर दिया। 19 पर रात नै प्रभु के एक सुर्यादूत नै जेळ के किवाड़ खोल के उन ताहीं बाहरणै ल्याके कहा, 20 “जाओ, मन्दर म्ह खड़े होके अनन्त जीवन की सारी बात आदमियाँ ताहीं सुणाओ।” 21 वे न्यू सुणके सबेरा होन्दे मन्दर म्ह जाके उपदेश देण लागगे। फेर महायाजक अर उसके मित्तरां नै आके यहूदी अगुवां की सभा अर इस्राएलियाँ के सारे बुजुर्गां ताहीं कठ्ठे करया, अर जेळ म्ह कहवां भेज्या के उन ताहीं ल्याओ। 22 पर मन्दर के पैहरेदारां नै उड़े पोहचके उन ताहीं जेळ म्ह कोन्या पाया, अर बोहड़के संदेशां दिया, 23 “हमनै जेळ ताहीं घणी चौकसी तै बन्द कर राख्या था, अर पैहरेदारां ताहीं बाहरणै दरवाज्यां पै खड़े पायां, पर जिब खोल्या, तो भीत्तर कोए ना मिल्या।” 24 जिब मन्दर के सरदार अर प्रधान याजकां नै या खबर सुणी, तो वे घबरागे थे, अर वे यो विचार करण लागगे के इन बात्तां का नतिज्जा के होगा! 25 इतनै म्ह किसे नै आके उन ताहीं बताया, “देखखो, जिन ताहीं थमनै जेळ म्ह बन्द कर राख्या था, वे माणस मन्दर म्ह खड़े होके आदमियाँ नै उपदेश देण लागरे सै।” 26 फेर सरदार, पैहरेदारां कै गेल्या ओड़े जाके, प्रेरितां ताहीं यहूदी अगुवां की सभा कै स्याम्ही लीआया, पर हंगे तै न्ही, क्यूँके वे आदमियाँ तै डरै थे के कदे म्हारै पै पत्थर ना बरसा देवै। फेर महायाजक नै उनतै बुझइया, 28 “के हमनै थारे ताहीं चिताके हुकम न्ही दिया था के थम इस नाम तै उपदेश ना दियो? फेरभी, थमनै सारे यरुशलेम नगर ताहीं अपणे उपदेश तै थर दिया सै अर उस माणस की हत्या का कसूर थम म्हारै पै लगाणा चाहो सो।” 29 फेर पतरस अर दुसरे प्रेरितां नै जवाब दिया, “माणसां के हुकम तै बढ़के परमेसवर के हुकम का पालन करणा ए म्हारा फर्ज सै। 30 म्हारै पूर्वजां कै परमेसवर नै यीशु ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, जिस ताहीं थमनै क्रूस पै लटकाके मार दिया था। 31 उरसे ताहीं परमेसवर नै प्रभु अर उद्धारकर्ता ठेहराया अर परमेसवर नै मसीह यीशु ताहीं

अपणे सोळे हाथ कान्ही बैठोया, ताके इस्पाएल के माणस पाप करणा छोड़ दे, अर अपणे पापां खातर उन ताहीं माफी मिल सके। 32 हम इन बातां के गवाह सां अर उससे तरियां पवित्र आत्मा भी, जिस ताहीं परमेसवर ने उन ताहीं दिया सै जो उनका हुकम मान्ने सै।” 33 यहूदी अगुवां की सभा के सारे माणस या बात सुणके जळगे, अर प्रेरितां ताहीं मारणा चाह्वा। 34 पर गमलीएल नामक एक फरीसी नै जो शास्त्री अर सारे आदमियाँ म्ह आदर-मान राख्खै था, यहूदी अगुवां की सभा म्ह खड़े होके प्रेरितां ताहीं थोड़ी देर खातर बाहरणै ले जाण का हुकम दिया। 35 फेर वो बोल्या, “हे इस्पाएलियों, थम जो किमे इन माणसां गैल करणा चाहवो सौ, सोच-समझके करियो। 36 इन दिनां ते पैहल्या थियूदास भी दावा करे था के मै भी किमे सूं अर तकरीबन चार सौ माणस उसके चेल्ले बणगे, पर वो मारया गया, अर उस ताहीं मानण आळे सब लोग बिखरगे अर उनका नामो-निशान भी कोनी रह्वा। 37 उसके पाछे नाम लिखाई के दिनां म्ह गलीलवासी यहूदा आया, अर कई आदमी अपनी ओड़ कर लिये, वो भी मर गया, अर जितने आदमी उसने मान्ने थे, सारे तित्तर-बितर होगये। 38 ज्यातै मै थारे तै कहुँ सूं, इन माणसां तै दूर ए रहो अर इन्तै किमे काम ना राख्खो, क्यूँके जै यो धर्म या काम माणसां की ओड़ तै हो फेर तो मिट जावगा। 39 पर जै परमेसवर की ओड़ तै सै, तो थम उन ताहीं कदे भी न्ही मिटा सकदे। कदे इसा ना हो के थम परमेसवर तै भी लड़णआळे ठहरो।” फेर उननै उसकी बात मान ली। 40 अर प्रेरितां ताहीं बुलाके छितवाया, अर यो हुकम देके छोड़ दिया के यीशु के नाम तै दुबारा कोए बात ना करणा। 41 वे इस बात तै राज्जी होके यहूदी अगुवां की सभा के स्याम्ही तै चले गये, के हम यीशु के नाम के खातर बेईज्जत होण के जोगे तो ठहरे। 42 वे हरेक दिन मन्दर म्ह अर घर-घर म्ह उपदेश करण तै, अर इस बात का सुसमाचार सुणाण तै के यीशु ए मसीह सै न्ही रके।

6 उन दिनां म्ह जिब चेल्यां की गिणती घणी बधण लाग्गी, फेर यूनानी भाषा बोल्लण आळे यहूदी चेल्ले इज्जानी भाषा बोल्लण आळे यहूदी चेल्यां पै बिरड्डण लाग्गे, के हरेक दिन पईसा अर खाणे के मामले म्ह म्हारी बिधवायाँ की सुध कोनी ली जान्दी। 2 फेर उन बारहां चेल्यां नै उन बिश्वासियाँ ताहीं जो यरुशलम म्ह थे, अपणे धारे बुलाके कह्वा, “यो ठीक कोनी के हम परमेसवर का वचन छोड़के खिलाण-पिलाण की सेवा म्ह रह्वां। 3 इस करके, हे बिश्वासी भाईयो, अपणे म्ह तै सात बढ़िया नाम्मी माणसां ताहीं जो पवित्र आत्मा अर बुद्धि तै भरे हो, जिनके बारे म्ह सब नै बेरा हो, छोट ल्यो, के हम उननै इस काम पै ला देवां। 4 पर हम तो प्रार्थना म्ह अर वचन के प्रचार अर शिक्षा देण की सेवा म्ह लागे रहवांगे।” 5 या बात सारे टोळ नै आच्छी लाग्गी, अर उननै स्तिफनुस नामक एक माणस ताहीं जो बिश्वास अर पवित्र आत्मा तै भरया था, अर फिलिप्पुस, अर प्रूखुरस, अर नीकानोर, अर तीमोन, अर परमिनास, अर अन्ताकियावासी नीकुलाउस ताहीं जो यहूदी पंथ म्ह आ गया था, छोट लिया। 6 इन ताहीं प्रेरितां के स्याम्ही ल्याए अर उननै प्रार्थना करके उनपै हाथ धरे, ताके वे उस काम नै करै। 7 परमेसवर का वचन फैलदा गया अर यरुशलम नगर म्ह चेल्यां की गिणती घणी बढ़ी गई, अर भोत सारे यहूदी याजक भी प्रभु यीशु के सुसमाचार पै बिश्वास करके मानणआळे होगे। 8 स्तिफनुस अनुग्रह अर सामर्थ तै भरया-पूरा होके आदमियाँ म्ह बड़े-बड़े अनोक्खे काम अर चमत्कार दिखाया करै था। 9 फेर वो आराधनालय म्ह तै जो लिबिरतिनो की कुह्वावे थी, अर कुरेनी अर सिकन्दरिया अर किलिकिया अर आसिया परदेस के आदमियाँ म्ह तै कई माणस उठके स्तिफनुस तै बहसण लाग्गे। 10 पर उस ज्ञान अर उस पवित्र आत्मा का जिसतै वो बात करै था, वे सामना न्ही कर सके। 11 इसपै उननै कई आदमियाँ ताहीं उकसाया जो कहण लाग्गे, “हमनै इस ताहीं मूसा नबी अर परमेसवर के बिरोध म्ह बुराई की बात कहन्दे होए सुणया सै।” 12 उननै स्तिफनुस के बिरुद्ध माणसां, यहूदी अगुवां अर शास्त्रियाँ ताहीं उकसाया अर आके उस ताहीं पकड़के यहूदी अगुवां

की सभा के स्याम्ही ले गये। 13 अर उननै झूठे गवाह खड़े करे, जिननै स्तिफनुस पै यो इलजाम लगाके, कह्वा, “यो माणस इस पवित्र जगहां अर मूसा के नियम-कायदे के बिरोध म्ह बुराई करणा न्ही छोड़दा। 14 क्यूँके हमनै उस ताहीं न्यू कहन्दे सुणया सै के योए यीशु नासरी इस मन्दर नै गेर देवैगा, अर उन रिवाज्जां नै बदल देवैगा जो मूसा नबी नै म्हारे ताहीं साँपी सै।” 15 फेर सारे आदमियाँ नै जो यहूदी अगुवां की सभा म्ह बेट्टे थे, उसपै निगांह गड़ाई तो उसका मुँह सुगंदूत जिसा दिख्वा।

7 फेर महायाजक नै स्तिफनुस तै बुझ्वाया, “के यो इलजाम सच सै?” 2 उसनै कह्वा, “हे भाईयो, अर बुजुगो सुणो। म्हारा पूर्वज अब्राहम हारान नगर म्ह बसण तै पैहल्या जिब वो मेसोपोटामिया परदेस म्ह था, तो तेजोमय परमेसवर नै उस ताहीं दर्शन दिया, 3 अर उसतै बोल्या, ‘तू अपणे देश अर अपने कुम्बे म्ह तै लिकड़के उस देश म्ह जा, जिस ताहीं मै तन्नै दिख्वाऊंगा।’” 4 फेर अब्राहम कसदियो के देश तै लिकड़के हारान नगर म्ह जा बस्या। उसके पिता की मौत के पाछे परमेसवर नै उस ताहीं ओड़ै तै इस देश म्ह ल्याके बसाया जिसम्ह इब हम बसां सां, 5 अर उस ताहीं कुछ भी विरासत न्ही दी, बल्के पैर धरण भर की भी उस म्ह जगहां कोनी देई, पर परमेसवर नै वादा करया, के मै यो देश तेरे अर तेरे बाद तेरे वंश के हाथ कर दिवूंगा, हालाकि उस बखत उसके कोए बेट्टा कोनी था। 6 अर परमेसवर नै यो भी कह्वा, “वे लोग उननै गुलाम बणा लेंगे, अर चार सौ साल ताहीं उनके गैल भुंडा बरताव करेंगे।” 7 फेर परमेसवर नै यो भी कह्वा, “के जिस जात के वे गुलाम होवेंगे, उस ताहीं मै सजा देऊंगा, अर इसके बाद वे लिकड़के इस्से देश म्ह मेरी भगति करेंगे।” 8 अर परमेसवर नै अब्राहम के गैल खतने का करार करया, जिब अब्राहम के बेट्टे इसहाक का जन्म होया, तो आठवै दिन उसका खतना करया गया, अर इसहाक तै याकूब अर याकूब तै बारहां कुलपति पैदा होए। 9 “कुलपतियाँ नै अपणे भाई यूसुफ तै जळण करके उस ताहीं मिस्र देश जाण आळा ताहीं बेच्या। पर परमेसवर उसके गेल्या था, 10 अर परमेसवर नै यूसुफ ताहीं उसके सारे क्लेशां तै छुड़ाके मिस्र देश के राजा फिरौन की निगांह म्ह अनुग्रह अर बुद्धि दी, अर फिरौन नै उस ताहीं मिस्र देश पै अर अपणे सारे घर पै हाकिम बणा दिया। 11 “जिब यूसुफ मिस्र देश का हाकिम था, तो सारे मिस्र देश अर कनान देश म्ह अकाळ पड़ग्या, जिसतै हरेक जगहां हाहाकार माचग्या, अर म्हारे पूर्वजां ताहीं नाज कोनी मिलै था। 12 पर याकूब नै न्यू सुणके के मिस्र देश म्ह नाज सै, म्हारे पूर्वजां ताहीं नाज मोल लेण खातर पैहली बार भेज्वा। 13 जिब वे दुसरी बार नाज मोल लेण खातर गये, तो यूसुफ नै खुद ताहीं अपणे भाईयाँ पै जाहिर करया, अर यूसुफ के परिवार के बारे म्ह फिरौन नै बेरा पाग्या। 14 फेर यूसुफ नै अपणे बाप याकूब अर अपणे साबतै कुम्बे ताहीं, जो पचत्तर माणस थे, बुलवा भेज्वा। 15 फेर याकूब मिस्र देश गया, अर कुछ साल्लां बाद ओड़ैए वो अर म्हारे पूर्वज मरगये। 16 उनकी लाश शकेम नगर म्ह पहुँचाके उस कब्र म्ह धरी गई, जिस ताहीं अब्राहम नै चाँदी देके शकेम नगर म्ह हमोर की उलाद तै मोल लिया था।” 17 “पर जिब उस वादा के पूरे होण का बखत लेवे आया जो परमेसवर नै अब्राहम तै करया था, तो मिस्र देश म्ह वे आदमी बढ़गये अर घणे होगये। 18 फेर मिस्र देश म्ह दुसरा राजा होया जो यूसुफ ताहीं कोनी जाणै था। 19 उसनै म्हारे जाति भाईयाँ तै हेरा-फेरी करके म्हारे पूर्वजां के गेल्या उरै ताहीं भुंडा बीवार करया, के अपणे माँ-बाप नै अपणे बाळकां ताहीं बगाणे पड़गे, के एक भी बाळक जिन्दा ना रहवें। 20 “उस बखत मूसा नबी पैदा होया। वो परमेसवर की निगांह म्ह घणा सुथरा था। वो तीन महिन्ने ताहीं अपणे बाप के घरां लुट्को के पाळया गया। 21 जिब उसके परिवार आळे उस ताहीं और न्ही लह्को सके, तो उननै मूसा ताहीं छोड़णा पड्या, फेर फिरौन की बेट्टी नै उस ताहीं ठा लिया, अर अपना बेट्टा करके पाळया। 22 मूसा नबी नै मिस्र देश की सारी विद्या पढ़ाई गई, अर वो बोलण म्ह अर काम करण म्ह, दोनुआ म्ह सामर्थी था।” 23 “जिब मूसा नबी चाळीस साल का होया, तो उसके मन म्ह आया के मै अपणे इस्पाएली भाईयाँ तै मिलूँ। 24

उसने एक इस्राएली माणस पै जुल्म होन्दे देखके उस ताहीं बचाया, अर उस मिस्री आदमी ताहीं मारके सताए होए का बदला लिया। 25 मूसा नै सोच्या के उसके भाई-बन्धु जाण जावेंगे के उन ताहीं गुलामी तै छुटकारा दुआण खात्तर परमेसवर उसका इस्तमाल करण लाग रह्या सै, पर वे इस ताहीं समझ न्ही पाये। 26 दुसरे दिन जिब वे आप्पस म्ह लड़े थे, तो वो उड़ै तै आण लिकड़या, अर न्यू कहकै उननै मेल करण कै खात्तर समझाया, 'हे भले माणसों, थम तो भाई-भाई सो, एक-दुसरे पै क्यातै जुल्म करो सो?' 27 "पर जो अपने पड़ोसी पै जुल्म करै था, उसनै उस ताहीं न्यू कहकै धक्का दिया, 'तेरे ताहीं किसनै म्हारे पै हाकिम अर न्यायाधीश ठहराया सै?' 28 के जिस ढाळ तै तन्नै काल उस मिस्री आदमी ताहीं मार दिया मननै भी मार देणा चाहवै सै?' 29 या बात सुणके मूसा नबी डरके भाज्या अर मिधान देश म्ह परदेशी होकै रहण लाग्या, अर ओड़ै उसके दो बेटे पैदा होए।" 30 "जिब मूसा ताहीं ओड़ै रहन्दे पूरे चाळीस साल बीतगे, तो परमेसवर नै एक सुर्गदूत के रूप म्ह सीनै पहाड़ के बण म्ह उस ताहीं बळदी होई झाड़ी की ज्वाला म्ह दर्शन दिया। 31 मूसा नबी नै यो बळदी होई झाड़ी का दर्शन देखकै हैरानी होई, अर जिब देखण खात्तर लोवै गया, तो प्रभु की या वाणी सुणाई दी, 32 'मै तेरे पूर्वज, अब्राहम, इसहाक, याकूब का परमेसवर सूँ' फेर मूसा नबी डर के मारे काम्बग्या, उरै ताहीं के उसकी देखण की हिम्मत भी कोनी होई।" 33 "फेर प्रभु नै मूसा नबी तै कहा, 'अपणे पायां तै जूती उत्तार ले, क्यूँके जिस जगहां तू खड्या सै, वा पवित्र धरती सै। 34 मननै साच्ये अपणे आदमियाँ की जो मिस्र देश म्ह सै, भुन्डी हालत देखकी सै, अर उनकी आह अर उनका रोणा सुणया सै, ज्यातै उन ताहीं छुड़ाण कै खात्तर उतरया सूँ। इब आ, मै तन्नै मिस्र देश भेज्जूंगा।" 35 "जिस मूसा नबी ताहीं उननै न्यू कहकै नकारा दिया था, 'तेरे ताहीं किसनै म्हारे पै हाकिम अर न्यायाधीश ठहराया सै?' उससे ताहीं परमेसवर नै हाकिम अर छुड़ाण आळा ठहराके उस सुर्गदूत के जरिये जिसने उस ताहीं झाड़ी म्ह दर्शन दिया था, भेज्या। 36 योए माणस मिस्र देश अर लाल समुन्दर अर जंगळ म्ह चाळीस साल ताहीं अनाकखे काम अर चमत्कार दिखा-दिखाके उन ताहीं लिकाड़ ल्याया।" 37 यो वोए मूसा नबी सै, जिसनै इस्राएल के माणसां तै कहा, "परमेसवर थारे भाईयाँ म्ह तै थारे खात्तर मेरै जिसा एक नबी ठावैगा। 38 यो वोए सै, जिसनै जंगळ म्ह इस्राएली मण्डळी के बिचाळै उस सुर्गदूत के साथ सीनै पहाड़ पै उसतै बात करी, अर म्हारे पूर्वजां के गेल्या था, उससे ताहीं जिन्ददा वचन मिल्या ताके म्हारे तक पोहोचावै।" 39 पर म्हारे पूर्वजां नै उसकी मानणी कोनी चाह्नी, बल्के उस ताहीं हटाके अपने मन मिस्र देश की ओड़ पलटे, 40 अर मूसा नबी के भाई हारुन तै, कहा, म्हारे खात्तर इसा देवता बणा, जो म्हारे आगै-आगै चाल्लै, क्यूँके यो मूसा नबी जो हमनै मिस्र देश तै लिकाड़ ल्याया, हमनै न्ही बेरा के उसके के होया? 41 उन दिनां म्ह उननै एक बाछे की मूर्ति बणाके उसके आगै बलि चढ़ाई, अर अपने हाथ्यां तै बणाई होई मूर्ति तै मग्न होण लागे। 42 इस खात्तर परमेसवर नै मुँह मोड़के उन ताहीं छोड़ दिया, के अकास के सूरज चाँद सितारां ताहीं परमेसवर मानके पुजै, जिसा नबियाँ की किताब म्ह लिख्या सै, "हे इस्राएल के घराने, के थम जंगळ म्ह चाळीस साल ताहीं पशुबलि अर अन्नबलि मेरै ताहीं ए चढ़ान्दे रहे?" 43 "थम उस तम्बू ताहीं जिस म्ह मोलेक देवता की मूर्ति अर अपने रिफान देवता, के तारे नै लिये फिरे, यानिके उन मूरतां ताहीं जिन ताहीं थमनै आराधना करण के खात्तर बणाया था। इस करके मै थारे ताहीं बेबीलोन देश तै परली ओड़ ले जाके बसाऊंगा।" 44 "मिलापआळे तम्बू की जंगल-बियाबान म्ह म्हारे पूर्वजां के बिवाळे था, जिसा उसनै ठहराया जिसनै मूसा नबी तै कहा, 'जो रूप तन्नै देख्ये सै, उसके मुताबिक इसनै बणा।' 45 उससे तम्बू नै म्हारे पूर्वज पाच्छले बखत तै पाकै यहोशू के गेल्या उरै लियाये, जिस बखत के उनने उन दुसरी जातां पै हक पाया, जिन ताहीं परमेसवर नै म्हारे पूर्वजां कै स्याम्ही तै लिकाड़ दिया, अर वो तम्बू राजा दाऊद के बखत ताहीं रहया। 46 दाऊद पै परमेसवर नै अनुग्रह करया, राजा दाऊद नै याकूब के परमेसवर के खात्तर रहण की जगहां बाणाण की बिनती करी। 47 पर

उसके बेटे राजा सुलेमान नै उसके खात्तर घर बणाया।" 48 पर परमप्रधान हाथ के बणाए होए घरां म्ह कोनी रहन्दा, जिसा के यशयाह नबी की किताब म्ह कहा, 49 "परमेसवर कहवै सै, सुर्ग मेरा सिंहासन अर धरती मेरी पायां तळै की पीठी सै, मेरै खात्तर थम किस ढाळ का घर बणाओगे? अर मेरै आराम कि कौण-सी जगहां होवैगी?" 50 के ये सारी चीज मेरे जरिये न्ही बणाई गई सै? 51 "हे जिदी, अर मन अर कान के खतनारहित आदमियो, थम सारी हाण पवित्र आत्मा का बिरोध करो सो। जिसा थारे पूर्वज करै थे, उससे तरियां ए थम भी करो सो। 52 के कोए इसा भी नबी था, जिस ताहीं थारे पूर्वजां नै न्ही सताया हो? उननै तो उस ताहीं भी मार दिया, जिननै भोत पैहले ए तै उस मसीहा के आण की मुनादी कर दी थी, जिस ताहीं इब थमनै धोकखे तै पकड़वा दिया अर मार दिया। 53 थमनै सुर्गदूतां कै जरिये ठहराये होए नियम-कायदे तो पाए, पर उसका पालन कोनी करया।" 54 ये बात सुणके यहूदी अगुवें छो म्ह भरगे अर स्तिफनुस पै दौत पिस्सण लागे। 55 पर उसनै पवित्र आत्मा तै पूरी तरियां भरके सुर्ग की ओड़ देख्या अर परमेसवर की महिमा अर यीशु ताहीं परमेसवर के सोळी ओड़ खड्या देखके 56 कहा, "देख्यो, मै सुर्ग नै खुल्या होया, अर माणस के बेटे ताहीं परमेसवर के सोळी ओड़ खड्या देख सूँ।" 57 फेर ये बात सुणते ए सुणण आळा नै चीखते होए अपने कान्ना पै हाथ रख लिये, अर वे छो म्ह एक साथ उसपै टूट पड़े, 58 अर स्तिफनुस ताहीं यरुशलेम नगर कै बाहरणै लिकाड़के उसपै पत्थर बरसाण लागे। गवाहां नै अपने लत्ते शाऊल नामक एक जवान कै पायां कै धौरे उतारके धर दिए। 59 वे स्तिफनुस पै पत्थर बरसान्दे रहे, अर वो न्यू कहके प्रार्थना करदा रह्या, "हे प्रभु यीशु, मेरी आत्मा ताहीं अपनाले।" 60 फेर गोठ्ठे टेकके ठाडू आवाज म्ह रुक्का मारया, "हे प्रभु, यो पाप उनपै मतना ला।" अर न्यू कहके उसनै अपने प्राण दे दिए।

8 शाऊल उसके मारण म्ह सहमत था। उससे दिन यरुशलेम नगर की कलीसिया म्ह घणा दंगा शरु होग्या अर प्रेरितां नै छोड़के सारे के सारे यहूदिया अर सामरिया परदेस म्ह खिंड-मिंड होग्ये। 2 कुछ परमेसवर भगतां नै स्तिफनुस ताहीं कन्न म्ह धरया अर उसके खात्तर घणा बिलाप करया। 3 शाऊल कलीसिया नै सताण लागरया था, अर घर-घर म्ह बड़के माणसां अर लुगाईयां ताहीं घिसड़ा-घिसड़ा कै जेळ म्ह गेरै था। 4 जो विश्वासी खिंड-मिन्ड होए थे, वे सुसमाचार सुणान्दे होए हान्दे, 5 अर फिलिप्पुस सामरिया परदेस के एक नगर म्ह जाके माणसां म्ह मसीह का प्रचार करण लाग्या। 6 जो बात फिलिप्पुस नै कही उन ताहीं आदमियाँ नै सुणके अर जो चमत्कार वो दिखावै था उन ताहीं देख देखके, एक चित्त होके मन लगाया। 7 क्यूँके घणखरयां म्ह तै भुंड़ी ओपरी आत्मा ठाडू आवाज म्ह किल्की मारदी होई लिकड़ययी, अर घणखरे लकवे के बीमार अर लंगड़े भी ठीक करे गये, 8 अर उस नगर म्ह घणी खुशी मनाई गई। 9 उस नगर म्ह शमौन नाम का एक माणस था, जो जादू-टोणा करके सामरिया परदेस के आदमियाँ नै हैरान करदा अर खुद ताहीं एक बड़ड़ा माणस बतावै था। 10 छोट्या तै लेके बड़्यां ताहीं सारे उसका आदर करके कहवै थे, "यो माणस परमेसवर की वा शक्ति सै, जो महान् कुहावै सै।" 11 उसनै घणे दिनां तै उन ताहीं अपने जादू के काम्मां तै हैरान कर राख्या था, ज्यातै वे उसकी घणी मान्ने थे। 12 पर जिब माणसां नै परमेसवर के राज्य अर यीशु मसीह के नाम का सुसमाचार, फिलिप्पुस के संदेश म्ह सुणया, तो सारे माणसां अर लुगाईयाँ नै विश्वास करया अर सब नै बपतिस्मा ले लिया। 13 फेर शमौन नै खुद भी फिलिप्पुस के संदेश का विश्वास करया अर बपतिस्मा लेके उसके गेल्या रहण लाग्या। वो चमत्कार अर बड़े-बड़े सामर्थ के काम होन्दे देखके हैरान होवै था। 14 जिब प्रेरितां नै जो यरुशलेम नगर म्ह थे, सुणया के सामरिया परदेस के माणसां नै परमेसवर का वचन मान लिया सै तो पतरस अर यूहन्ना ताहीं उनके धौरे भेज्या। 15 उननै ओड़ै जाके उनके खात्तर प्रार्थना करी के पवित्र आत्मा पावै। 16 क्यूँके वो इब ताहीं इन म्ह तै किसे पै भी कोनी उतरया था, उननै तो सिर्फ प्रभु यीशु के नाम तै बपतिस्मा लिया था। 17 फेर प्रेरितां नै

उनपै हाथ धरे अर उननै पवित्र आत्मा पाया। 18 जिब शमोन नै देख्या के प्रेरितां के हाथ धरणा तै पवित्र आत्मा दिया जावे सै, तो उनके धोरे रपिये ल्याके कह्या, 19 “या शक्ति मन्ने भी धो, के जिस किसे पै हाथ धरूं वो पवित्र आत्मा पावै।” 20 पतरस नै उसतै कह्या, “तेरे रपिये तेरे गेल्या नाश होज्या, क्यूँके तन्नै परमेसवर का दान रपियाँ तै मोल लेण का विचार करया। 21 इस बात म्ह ना तेरा हिस्सा सै, ना हक, क्यूँके तेरा मन परमेसवर के आगै सच्चा कोनी। 22 इस करके अपना इस बुरी सोच नै छोड़के प्रभु तै प्रार्थना कर, हो सकै सै वो तेरे मन का यो बुरा विचार माफ करदे। 23 क्यूँके मै देखूँ सूं के तू कड़वाहट तै भरया सै अर पाप के चुंगल म्ह फँसा सै।” 24 शमोन नै जवाब दिया, “धम मेरे खातर प्रभु तै प्रार्थना करो के जो बात थमनै कही, उन म्ह तै कोए भी मेरे पै नही आवै।” 25 आखर म्ह वे गवाही देकै प्रभु यीशु का वचन सुणाके यरुशलेम नगर नै बोहड़गे, अर सामरिया के घणखरे गाम्मां म्ह सुसमाचार सुणान्दे गये। 26 फेर प्रभु के एक सुरगदूत नै फिलिप्पुस तै कह्या, “उठ अर दक्षिण की ओड़ उस राह पै जा, जो यरुशलेम नगर तै गाज़ा नगर म्ह जावै सै।” यो बियाबान राह सै। 27 वो उठके चल दिया, अर देखखो, कूश देश का एक माणस आण लागरया था जो खोजा (किन्नर) अर कूशियाँ की राणी कन्दके का मंत्री अर खज्जांची था। वो आराधना करण खातर यरुशलेम नगर म्ह आया था। 28 वो अपने रथ पै बैठ्या होया था, अर यशयाह नबी की किताब पढ़्या होया बोहड़ण लागरया था। 29 फेर पवित्र आत्मा नै फिलिप्पुस ताहीं कह्या, “लोवै जाके इस रथ के गेल्या हो लो।” 30 फिलिप्पुस दौड़ के रथ के धोरे पोहचा अर उस ताहीं यशयाह नबी की किताब पढ़ते होए सुणया, अर बुड़झया, “तू जो पढ़े सै, के उसनै समझै भी सै?” 31 वो बोल्या, “जिब ताहीं कोए मेरे ताहीं नही समझावे तो मै किस ढाळ समझूँ।” अर फिलिप्पुस तै बिनती करी के वो रथ पै चढ़के उसके धोरे बैठे। 32 पवित्र ग्रन्थ का जो पाठ वो पढ़े था, वो यो था: “वो भेड़ की ढाळ मारण खातर पोहचाया गया, अर जिस तरियां मेम्ना अपने ऊन काटण आळा के स्याम्ही बोल-बाल्ला रहवै सै, उससे तरियां ए उसनै भी अपना मुँह कोनी खोल्या।” 33 “उस ताहीं अपमानित करया गया अर उस ताहीं कोए न्याय नही मिल्या। उसके बखत के माणसां का ब्यौरा कौण देवैगा? क्यूँके धरती तै उसका प्राण ठा लिया जावै सै।” 34 इसपै खोजे (किन्नर) नै फिलिप्पुस तै बुड़झया, “मै तेरे तै बिनती करूं सूं, न्यू बता के नबी यो किसके बारे म्ह कहवै सै, अपने या किसे दुसरे के बारे म्ह?” 35 फेर फिलिप्पुस नै बताणा शरु करया, अर इस्से पवित्र ग्रन्थ तै शरु करके उस ताहीं यीशु का सुसमाचार सुणया। 36 राह म्ह चाल्दे-चाल्दे वे किसे तालाब के धोरे पोहये। फेर खोजे नै कह्या, “लख्वा उरे पाणी सै, इब मन्ने बपतिस्मा लेण म्ह के रोक सै।” 37 फिलिप्पुस बोल्या, “जै तू पूरे मन तै बिश्वास करै सै तो ले सकै सै।” उसनै जवाब दिया, “मै बिश्वास करूं सूं के यीशु मसीह परमेसवर का बेटा सै।” 38 फेर उसनै रथ खड्या करण का हुकम दिया, अर फिलिप्पुस अर खोजा (किन्नर) दोन्नु तालाब म्ह बड़गे, अर उसनै खोजा (किन्नर) ताहीं बपतिस्मा दिया। 39 जिब वे पाणी म्ह तै लिकड़के ऊपरान आये, तो प्रभु का आत्मा फिलिप्पुस ताहीं ठा लेग्या, अर खोजे नै उस ताहीं दुबारा नही देख्या, अर वो खुश था क्यूँके परमेसवर नै उस ताहीं बचा लिया सै। 40 फिलिप्पुस अशदोद नगर म्ह आ लिकड़या, अर जिब ताहीं कैसरिया नगर म्ह नही पोहच्य्या, तब तक नगर-नगर सुसमाचार सुणान्दा गया।

9 शाऊल जो इब ताहीं प्रभु यीशु के चेल्यां ताहीं धमकाण अर मारण की धुन म्ह था, महायाजक के धोरे गया 2 अर उसतै दमिश्क नगर के आराधनालयों के नाम पै इस बाबत म्ह चिटियाँ माँगी के, के चाहे माणस हो, चाहे लुगाई हो, जिन नै वो इस पंथ म्ह पावै उन ताहीं बाँधके यरुशलेम नगर लियावै। 3 पर चाल्दे-चाल्दे जिब शाऊल अर उसके साथी दमिश्क नगर के लोवै पोहच्ये, तो चाणचक अकास तै उसके चौगरदे नै चाँदणा चमक्या, 4 अर वो धरती पै पड़ग्या अर परमेसवर का यो शब्द सुणया, “हे शाऊल, हे

शाऊल, तू मन्ने क्यातै सतावै सै?” 5 उसनै बुड़झया, “हे प्रभु, तू कौण सै?” उसनै कह्या, “मै यीशु सूं, जिस ताहीं तू सतावै सै। 6 पर इब उठके नगर म्ह जा, अर जो तन्नै करणा सै वो तेरे तै कह्या जावेगा।” 7 जो माणस उसके गेल्या थे, वे हैरान रहग्ये, क्यूँके बोल तो सुणै थे पर किसे ताहीं देखखे कोनी थे। 8 फेर शाऊल धरती पै तै उठ्या, पर जिब आँख खोल्ली तो उस ताहीं किमे कोनी दिख्या, अर वे उसका हाथ पकड़के दमिश्क नगर म्ह ले गये। 9 वो तीन दिन ताहीं कोनी देख सक्या, अर ना खाया अर ना पिया। 10 दमिश्क नगर म्ह हनन्याह नामक एक चेल्ला था, उसतै प्रभु यीशु नै दर्शन म्ह कह्या, “हे हनन्याह!” वो बोल्या, “हाँ, प्रभु!” 11 फेर प्रभु नै उसतै कह्या, “उठके उस गळी म्ह चलया जा जो ‘सीध्थी’ कुह्लावे सै, अर यहूदा के घर म्ह शाऊल नामक एक तरसुसवासी नै बुड़ा, क्यूँके देख, वो प्रार्थना करण लागरया सै, 12 अर उसनै दर्शन म्ह हनन्याह नामक एक माणस ताहीं भीत्तर आन्दे अर अपने उपर हाथ धरदे देख्या सै, ताके दुबारा आँखां की रोशनी पावै।” 13 हनन्याह नै जवाब दिया, “हे प्रभु, मन्ने इस माणस के बारे म्ह घणाए तै सुणया सै के इसनै यरुशलेम नगर म्ह तेरे आदमियाँ गेल्या बड्डी-बड्डी बुराई करी सै, 14 अर उरै भी इस ताहीं प्रधान याजकां की ओड़ तै हक मिल्या सै के जो माणस तेरे म्ह बिश्वास राख्ये सै, उन सारया नै बाँधके यरुशलेम ले जा।” 15 पर प्रभु नै उसतै कह्या, “तू चलया जा, क्यूँके तू तो गैर यहूदी अर राजयां अर इस्राएलियों के स्याम्ही मेरा नाम का प्रचार करण के खातर चुणया होया पात्र सै। 16 अर मै उसनै बताऊँगा, के मेरे बारे बताण के खातर उसनै किसा-किसा दुख ठाणा पड़ेगा।” 17 फेर हनन्याह उठके उस घर म्ह गया जडै शाऊल रुक्या था, अर उसपै अपना हाथ धरके कह्या, “हे भाई शाऊल, प्रभु, यानिके यीशु, जो उस राह म्ह, जिसतै तू आया तेरे ताहीं दिख्या था, उससे नै मेरे ताहीं भेज्या सै के तू दुबारा आँखां की रोशनी पावै अर पवित्र आत्मा तै भरया-पूरा हो जावै।” 18 अर जिब्बे उसकी आँखां तै छिलके-से पड़े अर वो देखण लाग्या, अर उठके बपतिस्मा लिया, 19 फेर खाणा खाके हिम्मत पाई। शाऊल कई दिन उन चेल्यां के गेल्या रहया जो दमिश्क नगर म्ह थे। 20 अर वो जिब्बे दमिश्क नगर के आराधनालयों म्ह यीशु का प्रचार करण लाग्या, के वो परमेसवर का बेटा सै। 21 सारे सुणण आळे हैरान होके कहण लागे, “के यो वोए माणस नही सै जो यरुशलेम नगर म्ह उन ताहीं जो यीशु मसीह के बिश्वासी थे, उनका नाश करया करे था, अर उरै भी इस्से खातर आया था, के उननै बाँधके प्रधान याजकां के धोरे ले जावै?” 22 पर शाऊल अर भी सामर्थी होंदा गया, अर इस बात का सन्भूत दे-दैके, के मसीह यीशु-ए सै, दमिश्क नगर के रहणीये यहूदियाँ का मुंह बन्द करदा रहया। 23 जिब शाऊल नै ओड़े रहन्दे होए भोत दिन बीतगे, तो यहूदियाँ नै मिलके उस ताहीं मारण की साजस रची। 24 पर उनकी साजिस का शाऊल नै बेरा पाटग्या। वे तो उसनै मारण खातर रात-दिन फाटकां पै घात म्ह लागे रहवै थे। 25 पर रात नै उसके चेल्यां नै उस ताहीं टोकरे म्ह बिठाया, अर दमिश्क नगर की चारदीवारी पै तै लटकाके उतार दिया। 26 यरुशलेम नगर म्ह पोहचके शाऊल नै चेल्यां के गेल्या मिल जाण की कोशिश करी, पर सारे उसतै डरे थे, क्यूँके उननै बिश्वास कोनी होवै था, के वो भी चेल्ला सै। 27 पर बरनबास नै उस ताहीं अपने गेल्या प्रेरितां के धोरे ले जाके उन ताहीं बताया के इसनै किस ढाळ तै राह म्ह प्रभु यीशु ताहीं देख्या, अर यीशु नै इसतै बात करी, फेर दमिश्क नगर म्ह इसनै किस तरियां हिम्मत दिख्वाके यीशु के नाम का प्रचार करया। 28 वो उनके गेल्या यरुशलेम नगर म्ह आन्दा-जान्दा रहया 29 अर बेधड़क होके प्रभु का नाम तै प्रचार करै था, अर यूनानी भाषा बोल्लण आळे यहूदियाँ के गेल्या बोलचाल अर बहस करै था, पर वे उसनै मारण की कोशिश करण लागे। 30 न्यू जाणके भाई उस ताहीं कैसरिया नगर लियाये, अर तरसुस नै भेज दिया। 31 इस तरियां सारे यहूदिया परदेस, अर गलील परदेस, अर सामरिया परदेस की कलीसिया नै चैन मिल्या, अर उसकी बढोतरी होन्दी गई, अर वा प्रभु के भय अर पवित्र आत्मा की शान्ति म्ह चाल्दी अर बढ्दी गई। 32 फेर इसा होया के पतरस हरेक जगहां हांडदा होया, उन पवित्र आदमियाँ के धोरे भी

पोंहच्या जो लुद्दा नगर म्ह रहवें थें। 33 ओड्डे उसने एनियास नामक लकवे का रोगी एक माणस मिल्या, जो आठ साल तै खाट पै पड्या था। 34 पतरस नै उसतै कह्या, “हे एनियास! यीशु मसीह तन्ने ठीक करे सै। उठ, अपना बिछाणा ठा।” फेर वो जिब्बे उठ खड्या होया। 35 फेर लुद्दा नगर अर शारोन के सारे रहणीये उस ताहीं देखकै प्रभु की ओड़ फिरे। 36 याफा नगर म्ह तबीता यानिके दोरकास नाम की एक बिश्वासण रहवै थी। वा घणे भले-भले काम अर दान करया करै थी। 37 उन्हे दिनां म्ह जिब पतरस लुद्दा नगर म्ह था, तो वा बीमार होकै मरग्यी, अर उनने उस ताहीं नुहाकै चुबारे पै धर लिया। 38 लुद्दा नगर याफा नगर के धोरे था, चेल्यां नै न्यू सुणकै पतरस ओड्डे सै, दो माणस भेजकै उसतै बिनती करी, “म्हारे धोरे आण म्ह वार ना लावे।” 39 फेर पतरस उठकै उसके गेल्या हो लिया, अर जिब वो पोंहच्या तो वे उसने उस चौबारे म्ह ले गये। सारी बिधवां रोदी होई उसके धोरे आण खडी होई, अर जो कुडते अर लते दोरकास नै उनकै गेल्या रहंदे होए बणाए थे, दिखाण लागगी। 40 फेर पतरस नै सारया ताहीं बाहरणै कर दिया, अर गोड्डे टेक के प्रार्थना करी अर लाश की ओड़ लखाकै कह्या, “हे तबीता, उठ!” फेर उसने अपना ओंख ठोला दी, अर पतरस ताहीं देखकै उठ बेठी। 41 उसने हाथ बज्जिके उस ताहीं ठाया, अर पवित्र आदमी अर बिधवायां ताहीं बुलाकै उस ताहीं जिन्दा दिखा दिया। 42 या बात साब्वत याफा नगर म्ह फैलग्यी, अर घणखरयां नै प्रभु यीशु पै बिश्वास करया। 43 अर पतरस याफा नगर म्ह शमौन नामक किसे चमड्डे का धन्धा करणीये कै उरै घणे दिनां ताहीं रहया।

10 कैसरिया नगर म्ह कुरनेलियुस नाम का एक माणस था, जो इतालियानी नामक पलटन का सूबेदार था। 2 वो भगत था, अर अपणे साब्वे कुणबे सुधा परमेसवर तै डरै था, अर गरीब यहूदी आदमियाँ ताहीं घणा दान देवे था, अर बराबर परमेसवर की प्रार्थना करै था। 3 उसने दिन के बजे के लोवै दर्शन म्ह साफ तौर तै देखा के परमेसवर का एक सुगंदूत उसके धोरे भीत्तर आके कहवै सै, “हे कुरनेलियुस!” 4 कुरनेलियुस नै उस ताहीं गौर तै देखा अर डरकै कह्या, “हे प्रभु, के हुकम सै?” उसने उसतै कह्या, “तेरी प्रार्थनाएँ अर तरे दान याद के खात्तर परमेसवर कै स्याम्ही पोहचे सै, 5 अर याफा नगर म्ह माणस भेजकै शमौन नै, जो पतरस कुह्वावै सै, बुलवा ले। 6 वो शमौन, चमड्डे का धन्धा करण आळे कै उरै मेहमान सै, जिसका घर समुन्दर कै किनारे सै।” 7 जिब वो सुगंदूत जिसने उसतै बात करी थी चल्या गया, तो कुरनेलियुस नै दो नौक्कर, अर जो उसके लोवै हाजिर रहया करे थे उन म्ह तै एक भगत सिपाही ताहीं बुलाया, 8 अर उन ताहीं सारी बात बताकै याफा नगर की ओड़ भेज्या, ताके पतरस ताहीं ले आवे। 9 दुसरे दिन जिब वे तीन आदमी जो कुरनेलियुस जरिये भेजे गये थे, चाल्दे-चाल्दे नगर कै धोरे पोहचे, तो दोफारी कै लोवै पतरस छाट पै प्रार्थना करण चढ्या। 10 उसने भूख लागगी अर कुछ खाणा चाहवै था, पर जिब वे खाणा त्यार करै थे तो वो बेसुध होगया, 11 अर उसने देखा, के अकास खुलग्या, अर एक बड़ी चादर च्यार कुणयां तै लटकदी होई, धरती की ओड़ उतरै सै। 12 जिस म्ह धरती के सारे ढाल के चार पैरां आळे अर रेंगेणेआळे जिनोर अर अकास के पंथी थे। 13 उसने एक इसा बोल सुणया, “हे पतरस उठ, मार अर खा।” 14 पर पतरस नै कह्या, “ना प्रभु, कती भी न्ही, क्यूँके मन्ने कदे कोए अशुद्ध चीज न्ही खाई सै।” 15 फिर दुसरी बर उस ताहीं बोल सुणाई दिया “जो किमे परमेसवर नै शुद्ध कर दिया सै, उस ताहीं अशुद्ध मतना कहवै।” 16 तीन बर इस तरियां ए होया, फेर जिब्बे वा चादर अकास म्ह ठा ली गई। 17 जिब पतरस अपणे मन म्ह दुबिध्या म्ह था, के यो दर्शन जो मन्ने देखा इसका के मतलब हो सके सै, तो देखको, वे माणस जिन ताहीं कुरनेलियुस नै भेज्या था, शमौन कै घर का पता लगाकै दरबाजे पै आण खड़े होए, 18 अर रुक्का मारकै बुझ्झण लागे, “के शमौन जो पतरस कुह्वावै सै, याडैए सै के?” 19 पतरस तो उस दर्शन पै सोचण ए लागरया था, के पवित्र आत्मा नै उसतै कह्या, “देख, तीन माणस तेरी टोह म्ह सै। 20

आखर उठकै तळै जा, अर बेझिझक उनकै गेल्या हो ले, क्यूँके मन्ने ए उन ताहीं भेज्या सै।” 21 फेर पतरस नै उतरके उन माणसां ताहीं कह्या, “देखको, जिसकी टोह म्ह थम सो, वो मै सू। थारे आण का के कारण सै?” 22 वे बोल्ले, “कुरनेलियुस सूबेदार जो धर्मी अर परमेसवर तै डरणआळा अर सारी यहूदी जात म्ह नामी माणस सै, उसने एक पवित्र सुगंदूत तै यो निर्देश पाया सै के तेरे ताहीं अपणे घरां बुलाकै तेरे तै वचन सुणौ।” 23 फेर उसने उन ताहीं भीत्तर बुलाकै उनकी मेहमान-नवाजी करी। दुसरे दिन वो उनकै गेल्या गया, अर याफा नगर के बिश्वासी भाईयाँ म्ह तै कुछ उसके गेल्या हो लिए। 24 आगले दिन वे कैसरिया नगर पोहचे, अर कुरनेलियुस अपणे कुणबे आळा अर प्यारे साथियाँ ताहीं कठा करके उनकी बाट देख्खे था। 25 जिब पतरस भीत्तर आवे था, तो कुरनेलियुस उसतै मिल्या, अर उसके पायां म्ह पडकै उस ताहीं प्रणाम करया, 26 पर पतरस नै उस ताहीं ठा कै कह्या, “खड्या हो, मै भी तो माणस सू।” 27 अर उसके गेल्या बतळान्दा भीत्तर गया, अर घणे आदमियाँ ताहीं कठ्ठे देखके 28 पतरस नै उनतै कह्या, “थमने बेरा सै के हम यहूदियाँ के खात्तर गैर यहूदियाँ तै संगति करणा या उसके उरै जाणा कानून के खिलाफ सै, पर परमेसवर नै मेरै तै बताया सै के किसे माणस ताहीं अपवित्र वा अशुद्ध ना कहूँ। 29 ज्यांतै मै जिब बुलाया गया तो बिना कुछ कहे चल्या आया। इब मै बुझ्झू सू के मेरै ताहीं किस काम के खात्तर बुलाया गया?” 30 कुरनेलियुस बोल्या, “इस्से घडी, पूरे चार दिन होए, मै अपणे घर म्ह दोफाहरे पाच्छे तीन बजे प्रार्थना करण लागरया था, तो एक माणस चमकीला बाणा पहरे होए, मेरै स्याम्ही आण खड्या होया 31 अर कहण लाग्या, ‘हे कुरनेलियुस, तेरी प्रार्थनाएँ अर तरे दान याद कै खात्तर परमेसवर कै स्याम्ही पोहचे सै। 32 इस करके किसे नै याफा नगर भेजके शमौन जो पतरस कुह्वावै सै, बुलवा ले। वो शमौन, चमड्डे का धन्धा करण आळे कै उरै मेहमान सै, जिसका घर समुन्दर कै किनारे सै।’ 33 फेर मन्ने जिब्बे तेरे धोरे आदमी भेज्जे, अर तन्ने भला करया जो आ ग्या। इब हम सारे उरै परमेसवर कै स्याम्ही सां, ताके जो किमे परमेसवर नै तेरे तै कह्या उस ताहीं सुणां।” 34 फेर पतरस बोल्या, “इब मेरै पक्का यकिन होगया के परमेसवर किसे का पक्षपात कोनी करदा, 35 बल्के हरेक जात म्ह जो परमेसवर तै डरै अर धर्म के काम करै सै, वो उसने भावै सै। 36 थम जाणो सों के परमेसवर नै इस्राएल के माणसां ताहीं अपना संदेश भेज्जा, उसने शान्ति के बारे म्ह सुसमाचार सुणया जो माणसां ताहीं यीशु मसीह पै बिश्वास करण के जरिये मिले सै। 37 वो वचन थमने बेरा सै, जो यूहन्ना के बपतिस्मा के प्रचार के पाच्छे गलील परदेस तै शरु होकै साब्वे यहूदिया परदेस म्ह फैलग्या। 38 परमेसवर नै किस तरियां तै यीशु नासरी ताहीं पवित्र आत्मा अर सामर्थ तै अभिषेक करया, वो भलाई करदा अर सारया ताहीं जो शैतान के सताए होड़ थे, आच्छा करदा फिरया, क्यूँके परमेसवर उसके गेल्या था।” 39 “हम उन सारे काम्मां के गवाह सां, जो उसने यहूदिया परदेस अर यरुशलैम नगर म्ह भी करे, अर उनने उस ताहीं क्रूस पै लटकाकै मार दिया। 40 उस ताहीं परमेसवर नै तीसरे दिन जिन्दा करया, अर जाहिर भी कर दिया सै, 41 सारे आदमियाँ पै न्ही बल्के उन गवाह पै जिन ताहीं परमेसवर नै पैहल्ल्या तै छॉट लिया था, यानिके म्हारे पै जिन नै उसके मेरे होया म्ह तै जिन्दा उठण कै पाच्छे उसके गेल्या खाया-पिया, 42 अर उसने म्हारे ताहीं हुकम दिया के आदमियाँ म्ह प्रचार करो अर गवाही द्यो, के यो वोए सै जिस ताहीं परमेसवर नै जिन्दा अर मरया होया का न्यायी ठहराया सै। 43 उसकी सारे नबी गवाही देवें सै के जो कोए उसपै बिश्वास करेगा, उस ताहीं उसके नाम तै पापां की माफी मिलेगी।” 44 पतरस यो बात कहण ए लागरया था के पवित्र आत्मा वचन के सारे सुणण आळा पै उतर आया। 45 अर जितने खतना करे होए बिश्वासी पतरस कै गेल्या आये थे, वे सारे हैरान होए के गैर यहूदियाँ पै भी पवित्र आत्मा का दान ढाळा गया सै। 46 क्यूँके उनने उन ताहीं कई ढाल की भाषा बोल्दे अर परमेसवर की बडाई करदे सुणया। इसपै पतरस नै कह्या, 47 “के कोए पाणी नै रोक सके सै के ये बपतिस्मा ना पावै, जिनने म्हारे की ढाल परमेसवर की ओड़ तै पवित्र आत्मा पाया सै?”

48 अर उसने हुकम दिया के उननै यीशु मसीह के नाम म्ह बपतिस्मा दिया जावै। फेर उननै उसतै बिनती करी के वो कुछ दिन और उनके गेल्या रहवै।

11 फेर प्रेरितां अर बिश्वासी भाईयाँ नै जो यहूदिया परदेस म्ह थे सुण्या के गैर यहूदियाँ नै भी परमेसवर का वचन मान लिया सै। 2 आखर म्ह जिब पतरस यरुशलेम नगर म्ह आया, तो खतना किये होए आदमी उसतै बहस करण लागे, 3 “तन्ने खतनारहित आदमियाँ के उरे जाके उनके गेल्या खाया।” 4 फेर पतरस नै उन ताहीं शरु तै आखर ताहीं सारा किमे कह सुणाया 5 “मै याफा नगर म्ह प्रार्थना करण लागरया था, अर बेसुध होके एक दर्शन देखा के एक बड्डी चारु कुपयाँ तै लटकदी होई, अकास तै उतरके मै रै धौरे आई।” 6 जिब मन्ने उसण पै गौर करया, तो उस म्ह धरती के चार पैरां आळे अर बणपशु अर रेंगण आळे जिनोर अर अकास के पंछी देख्के, 7 अर यो बोल भी सुण्या, “हे पतरस उठ, मार अर खा।” 8 मन्ने कह्या, “ना प्रभु, ना, क्यूँके कोए अशुद्ध चीज मैरै मुँह म्ह कदे न्ही गई।” 9 इसके जवाब म्ह अकास तै दुसरी बर आवाज होई, “जो किमे परमेसवर नै शुद्ध ठैहराया सै, उस ताहीं अशुद्ध मतना कहवै।” 10 तीन बर इसा होया, फेर सारा किमे दुबारा अकास पै खींच लिया गया। 11 जिब्ले तीन माणस जो कुरनेलियुस नै कैसरिया परदेस तै मैरै धौरे भेज्के थे, उस घर पै जिसम्ह हम थे, आण खडे होए। 12 फेर पवित्र आत्मा नै मैरै तै बेझिझक होके उनके गेल्या जाण खातर कह्या, अर छः भाई भी मैरै गेल्या हो लिये, अर हम उस माणस के घरां गये। 13 उसनै म्हारै ताहीं बताया, के उसनै एक सुर्गदूत ताहीं अपणे घर म्ह खड्या देखा, जिसनै उसतै कह्या, “याफा नगर म्ह माणस भेजके शमोन ताहीं जो पतरस कुहावै सै, बुलवा ले। 14 वो थारे तै इसी बात कहवैगा, जिनके जरिये तू अर तेरा सारा घराना उद्वार पावैगा।” 15 जिब म्ह बात करण लाग्या, तो पवित्र आत्मा उनपै उससे तरियां तै उतरया जिस तरियां तै शरु म्ह म्हारै पै उतरया था। 16 फेर मन्ने प्रभु का यो वचन याद आया, जो उसनै कह्या था, “यूहन्ना नै तो पाणी तै बपतिस्मा दिया, पर थम पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा पाओगे। 17 इस खातर जिब परमेसवर नै उन ताहीं भी वोए दान दिया, जो म्हारे ताहीं प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै मिल्या था, तो मै कौण था जो परमेसवर नै रोक सकदा?” 18 यो सुणण के बाद उसके जवाब म्ह वे यहूदी बिश्वासी कुछ भी न्ही बोल पाए, अर परमेसवर की बड़ाई करके कहण लागे, “फेर तो परमेसवर नै गैर यहूदियाँ ताहीं भी अनन्त जीवन के खातर पापां की माफी अर यीशु मसीह पै बिश्वास करण का दान दिया सै।” 19 जो आदमी उस क्लेश के मारे जो स्तिफनुस के कारण पड्या था, खिंड-मिंड हो गये थे, वे हांडदे-हांडदे फीनीके परदेस अर साइप्रस टापू अर अन्ताकिया नगर म्ह पोहचे, पर यहूदियाँ नै छोड़ किसे और ताहीं वचन कोनी सुणावै थे। 20 पर उन म्ह तै कुछ बिश्वासी साइप्रस टापू अर कुरेनवासी थे, जो अन्ताकिया नगर म्ह आके यूनानियाँ ताहीं भी प्रभु यीशु का सुसमाचार सुणण लागे। 21 प्रभु का हाथ उनपै था, अर घणे आदमी बिश्वास करके प्रभु की ओड़ फिरे। 22 जिब उनका जित्र यरुशलेम नगर की कलीसिया के लोगां के सुणण म्ह आया, तो उननै बरनबास ताहीं अन्ताकिया नगर भेज्या। 23 वो उडै पोहचके अर परमेसवर के अनुग्रह नै देखके राज्जी होया, अर सारया ताहीं उपदेश दिया के तन-मन लगाके प्रभु तै लिपटे रहो। 24 वो एक भला माणस था, अर पवित्र आत्मा अर बिश्वास तै पूरा भरया था, अर दुसरे घणखरे आदमी प्रभु म्ह आ मिले। 25 फेर वो शाऊल नै टोह के खातर तरसुस नगर म्ह चल्या गया। 26 जिब वो उसतै मिल्या तो उस ताहीं अन्ताकिया नगर ल्याया, अर इसा होया के वे एक साल ताहीं कलीसिया के गेल्या मिलदे अर प्रभु यीशु मसीह का घणे आदमियाँ ताहीं उपदेश देन्दे रहे, अर चेल्लें सारया तै पैहल्या अन्ताकिया नगर ए म्ह मसीह कुहाए। 27 उननै दिनां म्ह कई नबी यरुशलेम नगर तै अन्ताकिया नगर आए। 28 उन म्ह तै अगबुस नामक एक नबी नै खडे होके आत्मा की प्रेरणा तै न्यू बताया के सारी दुनिया म्ह बड्ड़ा अकाळ पडैगा, वो अकाळ (रोम के सम्राट) कलीदियुस के बखत म्ह पड्या। 29 फेर चेल्यां नै फैसला

लिया के हरेक अपणी-अपणी पूंजी के मुताबिक यहूदिया परदेस म्ह रहण आळे भाईयाँ की मदद के खातर किमे भेज्के। 30 उननै इस तरियां ए करया, अर बरनबास अर शाऊल के हाथ कलीसिया के अगुवां के धौरे कुछ भेज दिया।

12 उस बखत हेरोदेस राजा नै कलीसिया के कई माणसां ताहीं सताण के मकसद तै बन्दी बना लिया। 2 उसनै प्रेरित यूहन्ना के भाई याकूब ताहीं तलवार तै मरवा दिया। 3 जिब उसनै देखा के यहूदी माणस इसतै राज्जी होवै सै, तो उसनै पतरस ताहीं भी पकड़ लिया। वे अखमीरी रोटी के त्योहार के दिन थे। 4 हेरोदेस नै उस ताहीं पकड़के जेळ म्ह गेरया, अर चार-चार सिपाहियाँ के चार पहरया म्ह राख्या, इस विचार तै के फसह के बाद उसनै आदमियाँ के स्याम्ही ल्यावै। 5 जेळ म्ह पतरस बन्द था, पर कलीसिया उसके खातर लौ लाके परमेसवर तै प्रार्थना करण लागरी थी। 6 जिब हेरोदेस राजा उसनै आदमियाँ के स्याम्ही ल्याण आळा था, उससे रात पतरस दो जंजीरां तै बंध्या होइ दो सिपाहियाँ के बिचाळे सोण लागरया था, अर पहरेदार दरबाजे पै जेळ की रुखाळी कररे थे। 7 तो देख्के, प्रभु का एक सुर्गदूत आण खड्या होया अर उस कोठड़ी म्ह चाँदण चमक्या, अर उसनै पतरस की पासळी पै हाथ मारके उस ताहीं जगाया अर बोल्या, “उठ, तावळ कर।” अर उसके हाथ्यां तै बेड़ी खुलके गिरगी। 8 फेर सुर्गदूत नै उसतै कह्या, “कमर बाँध, अर अपणे जूते पहर ले।” उसनै उससे ढाळ करया। फेर उसनै उसतै कह्या, “अपणे लत्ते पहरके मैरे पाच्छे हो ले।” 9 वो लिकड़के उसके पाच्छे हो लिया, पर उसनै न्यू न्ही बेरा था के जो किमे सुर्गदूत कर रखा सै वो साच्ची सै, बल्के न्यू समझी था के जणु मै दर्शन देखण लागरया सै। 10 फेर वे पैहल्या अर दुसरे पहरे तै लिकड़के उस लोहे के फाटक पै पोहचे, जो नगर की ओड़ सै। वो उनके खातर अपणे-आपे खुलगाया, अर वे लिकड़के एक गळी म्ह गए, अर जिब्ले ए सुर्गदूत उसनै छोड़के चल्या गया। 11 फेर पतरस नै चेत म्ह होके कह्या, “इब मन्ने सच का बेरा पटया सै के प्रभु नै अपना सुर्गदूत भेजके मैरै ताहीं हेरोदेस राजा के हाथ्यां तै छुड़ा लिया, अर यहूदी अगुवां की सारी मनसा पै पाणी फेर दिया सै।” 12 न्यू जाणके वो उस यूहन्ना की माँ मरियम के घरां आया, जो मरकुस कुहावै सै। ओड़ै घणे आदमी कठ्ठे होके प्रार्थना करण लागरे थे। 13 जिब उननै दरबाजा खटखटाया, तो रुदे नामक एक नौकरणी देखण नै आई। 14 पतरस का बोल पिच्छाणके उसनै खुशी के मारे दरबाजा न्ही खोल्या, पर भाजके भीत्तर गई अर बताया के पतरस दरबाजे पै खड्या सै। 15 उननै उसतै कह्या, “तू बावळी सै।” पर वा पूरे बिश्वास तै बोल्ली के पतरस ए सै। फेर उननै कह्या, “उसका सुर्गदूत होगा।” 16 पर पतरस खटखटान्दा ए रहया आखर म्ह उननै दरबाजा खोल्या, अर उस ताहीं देखके हैरान होगे। 17 फेर उसनै उन ताहीं हाथ तै इशारा करया के बोल-बाल्ले रहवै, अर उन ताहीं बताया के प्रभु किस ढाळ उस ताहीं जेळ तै लिकाड़ ल्याया सै। फेर बोल्या, “याकूब अर दुसरे भाईयाँ नै या बात बता दियो।” फेर लिकड़के दुसरी जगहां चल्या गया। 18 तड़केए जेळ के सिपाहियाँ म्ह घणी भगदड़ माचगी के पतरस कित्त गया। 19 जिब हेरोदेस राजा नै उसकी तोहया-टाही करवाई अर न्ही मिल्या, तो पैहरेदारां की जाँच करके हुकम दिया के वे मार दिये जावै, अर वो यहूदिया परदेस नै छोड़के कैसरिया नगर म्ह जाके रहण लाग्या। 20 हेरोदेस राजा सूर अर सैदा नगर के लोगां तै घणा नाराज था। वे एक टोळ बणाके उसतै मिलण आये, राजा का एक खास कर्मचारी बलास्तुस ताहीं मनाके राजा तै मेल करणा चाह्या, क्यूँके राजा के देश म्ह उनके देश का पालन-पोषण होवै था। 21 खास दिन पै हेरोदेस राजा राजसी-बाणा पहरके सिंहासन पै बैठ्या, अर उन ताहीं खुलास्सा करण लाग्या। 22 फेर आदमियाँ नै रुक्का मारया, “यो तो माणस का न्ही ईश्वर का बोल सै।” 23 उससे घड़ी प्रभु के एक सुर्गदूत नै जिब्ले आके हेरोदेस राजा ताहीं झिड़का, अर वो कीड़े पड़के मरग्या। क्यूँके उसनै परमेसवर की महिमा कोनी करी, 24 पर परमेसवर का वचन बढ़दा अर फैलदा गया। 25 जिब बरनबास अर

शाऊल नै अपनी सेवा पूरी कर ली तो यूहन्ना जो मरकुस कुहावे था, गेल्या लेकै यरुशलेम नगर तै बोहड़े।

13 अन्ताकिया नगर की कलीसिया म्ह कई नबी अर उपदेशक थे, यानी बरनबास, शमौन जो नीगर (काळा आदमी) कुहावे सै, अर शाऊल अर कुरेनी लुकियुस, मनाहेम जिसका पालन-पोषण चौथाई देश के राजा हेरोदेस कै गेल होया था। 2 जिब ये लोग प्रभु की आराधना अर ब्रत करण लागरे थे, तो पवित्र आत्मा नै उनतै क्हा, “मैरे खात्तर बरनबास अर शाऊल नै उस काम के खात्तर न्यारा करो जिसके खात्तर मन्ने उन ताहीं बुलाया सै।” 3 फेर उननै ब्रत अर प्रार्थना करके अर उनपै हाथ धरके उन ताहीं परमेसवर के काम खात्तर बिदा करया। 4 शाऊल अर बरनबास पवित्र आत्मा के भेज्जै होए सिलूकिया बन्दरगाह गये, अर ओड़ै तै जहाज पै चक्कै साइप्रस टापू कान्ही चाल्ले, 5 अर सलमीस नगर म्ह पोहचके, परमेसवर का वचन यहूदियाँ के आराधनालयों म्ह सुणाया। यूहन्ना उनका सेवक था। 6 वे उस सारे टापू म्ह होन्दे होए पाफुस परदेस ताहीं पोहचे। ओड़ै उननै बारयीशु नामक एक यहूदी जादूगर अर झूठा नबी मिल्या। 7 वो राज्यपाल सिरगियुस पौलुस कै गेल्या था, जो अकलमद माणस था। उसनै बरनबास अर शाऊल ताहीं अपने धौरे बुलाके परमेसवर का वचन सुणाणा चाह्हा। 8 पर इलीमास जादूगर नै (क्यूँके योए उसकै नाम का मतलब सै) उनका बिरोध करके हाकिम ताहीं यीशु पै बिश्वास करण तै रोकणा चाह्हा। 9 फेर शाऊल नै जिसका नाम पौलुस भी सै, पवित्र आत्मा तै पूरी तरियाँ भरके उसकी ओड़ टकटकी लाके देख्या अर बोल्या, 10 “हे सारे कपट अर सारी ढाळ कि चतुराई तै भरे होड़ शैतान की उलाद, सारे धर्मा के बैरी, के तू प्रभु के सीध्दी रही नै टेढ़ी करणा न्ही छोड्डेगा।” 11 इब लखा, “प्रभु का हाथ तेरे बिरोध म्ह उठ्या सै, अर तू कुछ बखत ताहीं आन्धा रहवैगा अर सूरज नै कोनी देखवैगा।” फेर जिबे धुँधळापण अर अन्धेरा उसपै छा गया, वो आस्सी-पासै टटोळण लाग्या ताके कोए उसका हाथ पकड़के ले चाल्लै। 12 फेर हाकिम नै जो होया था उस ताहीं देखके अर प्रभु के उपदेश तै हैरान होके यीशु पै बिश्वास करया। 13 पौलुस अर उसके मित्र पाफुस परदेस तै पाणी का जहाज खोल कै पंफूलिया परदेस के पिरगा नगर म्ह आये, अर यूहन्ना उननै छोड़के यरुशलेम नगर बोहड़ गया। 14 पिरगा नगर तै आगे बढ़के वे पिसिदिया परदेस के अन्ताकिया नगर म्ह पोहचे, अर आराम कै दिन आराधनालय म्ह जाके बैठये। 15 मूसा के नियम-कायदे अर नबियाँ की किताब नै पढ़ण के पाछे आराधनालय के सरदारान नै उनकै धौरे कहवां भेज्या, “हे भाईयो, जै आदमियाँ के उपदेश कै खात्तर थारे मन म्ह कोए बात हो तो कहो।” 16 फेर पौलुस नै खड़े होके अर हाथ तै इशारा करके क्हा, “हे इस्राएलियों, अर गैर यहूदी जो परमेसवर तै डरण आळो, सुणो!” 17 इस्राएल के परमेसवर नै म्हारे पूर्वजा ताहीं छोट लिया, अर जिब वे मिस्र देश म्ह परदेशी होके रहवे थे, तो उनकी बढोतरी करी, अर अपनी शक्ति के दम पै उननै लिकाड़ ल्याया। 18 वो कोए चाळीस साल ताहीं जंगल-बियाबान म्ह उनकी सहण करदा रहया, 19 अर कनान देश की सात जातान का नाश करके उनका देश कोए साढ़े चार सौ साल म्ह इनकी वसियत म्ह कर दिया। 20 “इसके बाद परमेसवर नै शमूएल नबी ताहीं उन म्ह न्यायाधीश ठहराया। 21 इसके पाछे उननै शमूएल तै उनपै एक राजा ठहराण की माँग करी, फेर परमेसवर नै चाळीस साल कै खात्तर बिन्यामीन के गोत्र म्ह तै एक माणस, यानिके कीश के बेटे शाऊल ताहीं उनपै राजा ठहराया। 22 फेर परमेसवर नै शाऊल ताहीं पद तै हटाके दाऊद ताहीं उनका राजा बणाया, जिसके बारे म्ह उसनै गवाही दी, ‘मन्ने एक माणस यिश्वा का बेटा दाऊद, जो मेरी इच्छा के मुताबिक मिलग्या सै, वोए मेरी सारी इच्छा पूरी करेगा।’” 23 इससे पीढ़ी म्ह तै परमेसवर नै अपने वादा कै मुताबिक इस्राएल के धौरे एक उद्धारकर्ता, यानिके यीशु भेज्या। 24 यीशु कै आण तै पैहल्या यूहन्ना नै सारे इस्राएलियों नै अपने पाप मान के परमेसवर की ओड़ मुडुण का अर बपतिस्मा का प्रचार करया। 25 जिब यूहन्ना अपनी सेवा पूरी करण पै था, तो उसनै क्हा, “थम

मन्ने के समझो सो? मै मसीह कोनी! बल्के देखो, मेरे पाछे एक आण आळा सै, जो भोत महान् सै, जिसके जूत्याँ के फित्ते भी मै खोल्लण जोगगा कोनी।” 26 “हे भाईयो, थम जो अब्राहम की उलाद सो, अर थम गैर यहूदी जो परमेसवर तै डरो सो, थारे धौरे इस उद्धार का वचन भेज्या गया सै। 27 यरुशलेम नगर के रहणआळो अर उनकै सरदारान नै, ना मसीह यीशु ताहीं पिच्छाणा अर ना नबियाँ की बात समझी, जो हरेक आराम कै दिन पढ़ी जावै सै, ज्यांतै उस ताहीं कसूरवार ठहराके उन बातान नै पूरा करया। 28 उननै मारण कै जोगगा कोए कसूर उस म्ह कोनी पाया, फेरभी राज्यपाल पिलातुस तै बिनती करी, के वो मार दिया जावै। 29 जिब उननै उसके बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ लिक्खी होई सारी बात पूरी करी, तो उस ताहीं क्रूस पै ते उतारके कब्र म्ह धरया। 30 पर परमेसवर नै उस ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, 31 अर वो उन ताहीं जो उसकै गेल्या गलील परदेस तै यरुशलेम नगर आये थे, घणे दिनान ताहीं अपने चेल्यान नै दिख्दा रहया, आदमियाँ के स्याम्ही इब वैए उसके गवाह सै।” 32 हम थमनै उस वादा के बारे म्ह जो बाप-दादा तै करया गया था, यो सुसमाचार सुणावां सां, 33 के परमेसवर नै यीशु ताहीं जिन्दा करके, वोए वादा म्हारी उलाद के खात्तर पूरा करया, जिसके भजन संहिता दो म्ह लिख्या सै, “तू मेरा बेटा सै, आज तै ए मै तेरा पिता बगण्या सू।” 34 अर उसके इस तरियाँ तै मरे होया म्ह तै जिन्दा होण के बारे म्ह भी के वो कदे न्ही सड़ै, परमेसवर नै यो क्हा सै, “मै दाऊद पै की पवित्र अर अटल दया तेरे पै करेगा।” 35 दाऊद नै और जगहां भी भजन संहिता म्ह भी लिख्या सै, “तू अपने पवित्र माणस नै सड़ण न्ही देवैगा।” 36 दाऊद तो परमेसवर की मर्जा कै मुताबिक अपने बखत म्ह सेवा करके मर गया, अर अपने बाप-दादा म्ह जा मिल्या, अर सड़ भी गया। 37 पर जिस ताहीं परमेसवर नै जिन्दा करया, वो सड़ण कोनी पाया। 38 ज्यांतै, हे भाईयो, थम जाण ल्यो के इससे के जरिये पापां की माफी का सुसमाचार थारे ताहीं दिया जावै सै, 39 अर पापां तै मुक्त करण म्ह मूसा नबी के नियम-कायदे हमेशा नाकामयाब रहे सै, हरेक जो बिश्वास करै सै, वो यीशु के जरिये सारे पापां तै मुक्त करया जावै सै। 40 ज्यांतै चौकन्ने रहो, इसा ना हो के जो नबियाँ की किताब म्ह आया सै, थारे पै भी आण पड़े 41 “हे बुराई करण आळो, देखो, अर हैरान होवो, अर मिट जाओ, क्यूँके मै थारे दिनान म्ह एक काम करे सू, इसा काम के जै कोए थारे तै उसका जिन्न करे, तो थम भी बिश्वास कोनी करोगे।” 42 जिब पौलुस अर बरनबास यहूदी सभाधर तै बाहरणै लिक्कण लागरे थे, तो माणस उनतै बिनती करण लागे के आगले आराम कै दिन म्हारे ताहीं ये बात फेर सुणाई जावै। 43 जिब सभा उठ ली फेर भोत-से यहूदी अर यहूदी पंथ म्ह आये होए भगतां म्ह तै घणखरे पौलुस अर बरनबास कै पाछे हो लिये, अर उननै उन ताहीं बात करके समझाया के परमेसवर कै अनुग्रह म्ह बणे रहो। 44 आगले आराम कै दिन नगर के तकरीबन सारे लोग परमेसवर का वचन सुणण नै कट्टे हो गये। 45 पर यहूदी भीड़ नै देखके मन ए मन म्ह जळण लागे, अर बुराई करदे होए पौलुस की बातान के बिरोध म्ह बोल्लण लागे। 46 फेर पौलुस अर बरनबास हिम्मत करके कहण लागे, “जरूरी था के परमेसवर का वचन पैहल्या थारे तै सुणाया जान्दा, इब जिब के थमनै इस ताहीं नकार दिया सै, अर यो करते होए अपने-आप ताहीं अनन्त जीवन कै खात्तर अयोग्य घोषित कर दिया सै, तो देखो, हम गैर यहूदियाँ के कान्ही फिरां सां। (aiōnios g166) 47 क्यूँके प्रभु नै म्हारे ताहीं यो हुकम दिया सै, ‘मन्ने तेरे ताहीं गैर यहूदियाँ के खात्तर चाँदणा ठहराया, ताके तू धरती कै छोर ताहीं उद्धार का दरबाजा हो।” 48 न्यू सुणके गैर यहूदी राज्जी होए, अर परमेसवर के वचन की बड़ाई करण लागे, अर जितने अनन्त जीवन कै खात्तर ठहराए गये थे, उननै बिश्वास करया। (aiōnios g166) 49 फेर प्रभु का वचन उस सारे देश म्ह फैलाण लाग्या। 50 पर यहूदी अगुवां नै भगत अर आच्छे खानदान की लुगाईयाँ ताहीं अर नगर के खास आदमियाँ ताहीं उकसाया, अर पौलुस अर बरनबास कै खिलाफ दंगा करा के उन ताहीं अपनी सीमा तै लिकाड़ दिया। 51 फेर

पौलुस अर बरनबास उनके स्याम्ही पायां की धूळ झाड़के इकुनियुम नगर म्ह चले गये। 52 अर चेल्लें आनन्द अर पवित्र आत्मा तै भरदे चले गये।

14 इकुनियुम नगर म्ह इसा होया के वे यहूदियाँ के आराधनालय म्ह गैल-गैल गये, अर इस ढाळ बात करी के यहूदियाँ अर यूनानियाँ म्ह घणखरयां नै बिश्वास करया। 2 पर बिश्वास ना करण आळे गैर यहूदियाँ के मन बिश्वासी भाईयाँ के बिरोध म्ह उकसाये अर कडुवाणप पैदा करया। 3 पौलुस अर बरनबास घणे दिन ताहीं उड़े रहे, अर प्रभु के भरोसै पै हिम्मत तै बात करै थे, अर वो उनके हाथ्यां तै चमत्कार अर अनोक्खे काम करवा के अपने अनुग्रह के वचन ताहीं साबित करदा रह्या। 4 पर नगर के लोग्गां म्ह फूट पड़गी थी, इसतै घणेपे तो यहूदियाँ कान्ही अर घणेपे प्रेरितां कान्ही होग्ये। 5 जिब गैर यहूदी अर यहूदी उनकी बेजती करण नै अर उनैके पत्थर मारण के खात्तर अपने सरदारों सुधा उन कान्ही भाज्जे, 6 फेर वे इस बात नै जाणगे अर लुकाउनिया परदेस के लुस्त्रा अर दिरबे नगरां म्ह, अर लोवै-धोरै के परदेसां म्ह भाजगे 7 अर ओड़े सुसमाचार सुणाण लाग्गे। 8 लुस्त्रा नगर म्ह एक माणस बेठ्या था, जो पायां तै लाचार था। वो जन्म तै ए लंगड़ा था, अर कदे न्ही चाल्या था। 9 वो पौलुस नै बात करदे सुणे था। पौलुस नै उसकी ओड़ टकटकी लाके देख्या के उसनै ठीक होण का बिश्वास सै, 10 अर ठाडू आवाज म्ह बोल्या, “अपणे पायां के बळ सौध्या खड्या हो।” फेर वो उछळके चाल्लण-फिरण लाग्या। 11 लोग्गां नै पौलुस का यो काम देखके लुकाउनिया की भाषा म्ह ठाडू आवाज म्ह कह्या, “देवता माणस के रूप म्ह होके म्हारै धोरै उतर आये सै।” 12 उननै बरनबास ताहीं ज्यूस देवता, अर पौलुस ताहीं हिरमेस कह्या क्यूँके वो खास संदेश देण आळा था। 13 ज्यूस देवता के उस मन्दर का पुजारी जो उनके नगर के स्याम्ही था, बळथ फूल्लां के हार फाटकां पै ल्याके लोग्गां के गेल्या बलिदान करणा चाहवै था। 14 पर बरनबास अर पौलुस प्रेरितां नै जिब यो सुणया, तो अपने लत्ते पाड़े अर भीड़ म्ह लपके, अर रुक्का मारके कहण लाग्गे, 15 “हे भले माणसों, थम के करो सों? हम भी तो थारे तरियां दुख-सुख भोगण आळे माणस सां, अर थमनै सुसमाचार सुणावां सां के थम इन बेकार चिज्जां तै न्यारे होके जिन्दे परमेसवर के कान्ही फिरो, जिसनै सुर्ग अर धरती अर समुन्दर अर जो किमे उन म्ह सै बणाया सै। 16 उसनै बीत्ते होए बखत म्ह सारी जात्तां ताहीं अपने-अपणे रास्तयां पै चाल्लण दिया। 17 फेर भी वो अपने भले काम करण के जरिये अपने बारे म्ह गवाही देंदा रहया, अर अकास तै मिह अर फळआळी ऋतु देके थारे मन नै खाणे अर खुशी तै भरदा रहया।” 18 न्यु कहवै भी उननै लोग्गां ताहीं बड्डी मुश्किलां तै रोक्या के उनके खात्तर बलिदान ना करै। 19 पर कुछ यहूदियाँ नै अन्ताकिया नगर अर इकुनियुम नगर तै आके लोग्गां ताहीं अपनी ओड़ कर लिया, अर पौलुस पै पत्थर बरसाए, अर मरया होड़ सोचके उस ताहीं नगर के बाहरणै घसीट लेगे। 20 पर चेल्लें जिब उसके चौगरदेके आण खड़े होए, तो वो उठके नगर म्ह गया अर दुसरे दिन बरनबास के गेल्या दिरबे नगर कान्ही चल्या गया। 21 वे उस नगर के लोग्गां ताहीं सुसमाचार सुणाके अर घणे चेल्लें बणाके, लुस्त्रा अर इकुनियुम अर अन्ताकिया नगर नै बोहड़ आये, 22 अर चेल्यां के मनानै नै स्थिर करदे अर उत्साहित करते होए या शिक्षा देते रह्ये के बिश्वास म्ह बणे रहो, अर न्यु कहवै थे, “हमनै घणे दुख ठाके परमेसवर के राज्य म्ह बड़णा होगा।” 23 अर उननै हरेक कलीसिया म्ह उनके खात्तर अगुवें ठहराए, अर ब्रत सुधा प्रार्थना करके उन ताहीं प्रभु के हाथ्यां म्ह सौध्या जिसपै उननै बिश्वास करया था। 24 फेर पिसिदिया परदेस तै होन्दे होए वे पंफूलिया परदेस पोहचे, 25 फेर पिरागा नगर म्ह वचन सुणाके अतलिया नगर म्ह आये, 26 अर ओड़े तै वे पाणी के जहाज तै अन्ताकिया नगर गये, जित्त वे उस काम के खात्तर जो उननै पूरा करया था परमेसवर के अनुग्रह म्ह सोपे गये थे। 27 अन्ताकिया नगर पोहचके उननै कलीसिया कठी करी अर बताया के परमेसवर नै उनके गेल्या होके किसे बड़े-बड़े काम करे, अर गैर यहूदियाँ

के खात्तर बिश्वास का बारणा खोल दिया। 28 अर वे चेल्यां के गेल्या घणे दिन ताहीं रहे।

15 फेर कुछ यहूदी बिश्वासी यहूदिया परदेस तै आके भाईयाँ नै सिखाण लाग्गे “जै मूसा नबी की रीत पै थारा खतना न्ही हो तो थम उद्धार कोनी पा सकदे।” 2 जिब पौलुस अर बरनबास का उनतै घणा वाद-विवाद अर बहस होई तो यो फैसला लिया गया के पौलुस अर बरनबास अर उन म्ह तै कुछ माणस इस बात के बारे म्ह प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवां के धोरै यरुशलेम नगर म्ह जावै। 3 कलीसिया नै उन ताहीं बिदा करया, अर वे फीनीके अर सामरिया परदेसां तै होन्दे होए गैर यहूदियाँ के जरिये यीशु मसीह पै बिश्वास करण का जिक्क करते गये, जिसतै सारे बिश्वासी भाई घणे राज्जी होए। 4 जिब वे यरुशलेम नगर पोहचे, तो कलीसिया अर प्रेरित अर कलीसिया के अगुवें उनतै खुशी के गैल मिले, अर पौलुस अर बरनबास नै बताया के परमेसवर नै उनके गेल्या होके किसे-किसे काम करे थे। 5 पर फरीसियाँ के पंथ म्ह तै जिन नै बिश्वास करया था, उन म्ह तै कितन्याँ नै उठके कह्या, “गैर यहूदियाँ ताहीं खतना करण अर मूसा नबी के नियम-कायदे नै मानण का हुकम देणा चाहिए।” 6 फेर प्रेरित अर कलीसिया के अगुवें इस बात के बारे म्ह विचार करण के खात्तर कठ्ठे होए। 7 फेर पतरस नै घणी बहस हो जाणके पाचूँ खड़े होके उनतै कह्या, “हे भाईयो, थमनै बेरा सै के घणे दिन होए परमेसवर नै थारे म्ह तै मेरे ताहीं छाँट लिया के मेरे मुँह तै गैर यहूदी सुसमाचार का वचन सुणके बिश्वास करै। 8 मन के जाँचण आळे परमेसवर नै उन ताहीं भी म्हारै की तरियां पवित्र आत्मा देके यो बताया सै के वे सब भी उसके माणस सै, 9 अर बिश्वास के जरिये उनके मन शुद्ध करके म्हारै म्ह अर उन म्ह किमे फर्क कोनी राख्या। 10 तो उइ धम क्यातै परमेसवर नै परखो सों, ताके गैर यहूदी चेल्यां के कंध्या पै इसा जूआ धरो, जिसनै ना म्हारे बाप-दादे ठा सके थे अर ना हम ठा सकां सां? 11 हों, म्हारा यो यकिन सै के जिस तरियां तै वे प्रभु यीशु के अनुग्रह तै उद्धार पावेंगे, उससे तरियां तै हम भी पावांगें।” 12 फेर सारी सभा चुपचाप बरनबास अर पौलुस की सुणाण लाग्गी, के परमेसवर नै उनके जरिये गैर यहूदियाँ म्ह किसे बड़े-बड़े चमत्कार, अर अनोक्खे काम दिखाए। 13 उनके भाषण के खतम होण पै याकूब सभा ताहीं कहण लाग्या, “हे भाईयो, मेरी सुणो।” 14 शमीन पतरस नै बताया के परमेसवर नै पहले-पहल गैर यहूदियाँ पै किसी दया की निगाह करी के उन म्ह तै अपने नाम के खात्तर एक प्रजा बणा ले। 15 नबियाँ लेख भी इस बात का समर्थन करै सै, जिसा के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै 16 “इसके पाचूँ मै फेर आके दाऊद का पड्या होड़ डेरा उठाऊंगा, अर उसके खण्डरां नै दुबारा बणाऊंगा, अर उस ताहीं खड्या करूंगा,” 17 जिसके कारण बाकी की बची होड़ मानवजाति परमेसवर नै पा सके, अर वे सारी गैर यहूदी भी, जिनपे मेरे नाम की छाप लाग्गी सै, प्रभु नै दोहवें, 18 यो वोए प्रभु कहवै सै जो दुनिया की शुरुआत तै इन बात्तां की खबर देंदा आया सै। (aiōn g165) 19 “ज्यातै मेरा विचार यो सै के हम उन गैर यहूदियाँ खात्तर कोए मुसीबत पैदा ना करा, जो परमेसवर के कान्ही फिरे सै, हम उन ताहीं दुख ना देवां, 20 पर आच्छा तो यो होगा के हम उन ताहीं यो हुकम लिख भेज्जा, के वे मूर्तियाँ नै चढ़ाण आळी चिज्जां अर जारी अर गळा घोटे होया के माँस तै अर लहू तै दूर रहवै। 21 क्यूँके गुजरे बखत तै नगर-नगर मूसा नबी के नियम-कायदे का प्रचार करण आळे होन्दे चले आये सै, अर वा हरेक आराम के दिन आराधनालय म्ह पढ़ी जावै सै।” 22 फेर सारी कलीसिया सुधा प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवां नै आच्छा लाग्या के अपने म्ह तै कुछ माणसां नै चुणे, यानिके यहूदा जो बरसब्बा कुहावै सै, अर सीलास ताहीं जो भाईयाँ म्ह मुखिया थे, अर उन ताहीं पौलुस अर बरनबास के गेल्या अन्ताकिया नगर खन्दावै। 23 उननै उनके हाथ या चिट्ठी लिख भेजी “अन्ताकिया नगर, सीरिया अर किलिकिया परदेस के रहण आळे भाईयाँ नै जो गैर यहूदियाँ म्ह तै सै, प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवें भाईयाँ का नमस्कार। 24 हमनै सुणया सै के म्हारै म्ह तै कुहां नै ओड़े जाके,

थारे ताहीं अपणी बात्तां तै उरा दिया, अर थारे मन उल्ट दिये सै पर हमने उन ताहीं हुकम कोनी दिया था। 25 इस करके हमने एक चित्त होके ठीक जाण्या के छोट होइ माणसां ताहीं अपणे प्यारे बरनबास अर पौलुस के गेल्या थारे धोरे भेज्या। 26 ये इसे माणस सै जिन नै अपणी ज्यानं म्हारे प्रभु यीशु मसीह के नाम के खातर जोखम म्ह गेरी सै। 27 ज्यांतै हमने यहूदा अर सीलास ताहीं भेज्या सै, के थम खुद उनके ए मुँह तै इस बारें म्ह सुण सको। 28 पवित्र आत्मा नै अर हमने ठीक जाण पाट्टी के इन जरूरी बात्तां नै छोड़, थारे पै और बोझ ना गेरै, 29 के थम मूर्तियाँ पै बलि करे होया तै अर लहू तै, अर गळा घोटे होए पशुआं के मांस तै, अर जारी तै दूर रहो। इनतै दूर रहो तो थारा भला होगा। बाकी सब ठीक-ठाक सै।” 30 फेर वे बिदा होके अन्ताक्रिया नगर पोहचे, अर सभा नै कठ्ठी करके वा चिट्ठी उन ताहीं दे दी। 31 वे चिट्ठी पढ़के उस उपदेश की बात ते घणे राज्जी होए। 32 यहूदा अर सीलास नै जो आप भी नबी थे, घणी बात्तां तै विश्वासी भाईयाँ ताहीं उपदेश देके पक्का करया। 33 वे कुळे दिन रहके, विश्वासी भाईयाँ तै शान्ति के गेल्या बिदा होए के अपणे खन्दान आळा के धोरे जावै। 34 (पर सीलास नै ओड़े रहणा आच्छा लाग्या।) 35 पर पौलुस अर बरनबास अन्ताक्रिया नगर म्ह रह गये अर और घणखरे आदमियाँ के गेल्या प्रभु यीशु के वचन का उपदेश करे अर सुसमाचार सुणान्दे रहे। 36 कुळे दिनां पाच्छे पौलुस नै बरनबास तै कहा, “जिन-जिन नगरां म्ह हमनै प्रभु का वचन सुणाया था, आओ, फेर उन म्ह चालके अपणे विश्वासी भाईयाँ ताहीं देखके के वे किस तरियां सै।” 37 फेर बरनबास नै यहून्ना ताहीं जो मरकुस कुह्रावै सै, गेल्या लेण का विचार करया। 38 पर पौलुस नै उस ताहीं जो पंफुलिया परदेस म्ह उनतै न्यारा होग्या था, अर काम पै उनके गेल्या कोनी गया, गेल्या ले जाणा ठीक कोनी समझया। 39 आखर म्ह इसा वाद-विवाद होया के वे एक-दुसरे तै न्यारे पाटणे, अर बरनबास, मरकुस नै लेके जहाज पै साइप्रस टापू चल्या गया। 40 पर पौलुस नै सीलास ताहीं छोट लिया, अर विश्वासी भाईयाँ तै परमेसवर के अनुग्रह म्ह सौँप्या जाके ओड़े तै चल्या गया, 41 अर वो कलीसियाओं ताहीं स्थिर करदा होया सीरिया अर किलिकिया परदेस तै होन्दे होए लिक्डया।

16 फेर वो दिरेबे अर लुस्त्रा नगर म्ह भी गया। ओड़े तीमुथियुस नाम का एक चेल्ला था, उसकी माँ एक यहूदी विश्वासी थी, पर उसका बाप यूनानी था। 2 वो लुस्त्रा अर इकुनियुम नगर के भाईयाँ म्ह उसका आच्छा नाम था। 3 पौलुस की मर्जी या थी के वो उसके गेल्या जावै, अर जो यहूदी माणस उन जगहां म्ह थे उनके कारण उननै उनका खतना करया, क्यूँके वे सारे जाण थे, के उनका बाप यूनानी था। 4 पौलुस अर उसका साथी नगर-नगर जान्दे होइ चेल्यां ताहीं वे सारे हुकम सोपते जावै थे, जो यरुशलेम नगर के प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवां नै तय करी थी। 5 इस तरियां कलीसिया विश्वास म्ह पक्की होंदी गई अर गिणती दिन-ब-दिन बधती गई। 6 वे फुगिया अर गलातिया परदेसां म्ह तै होके गये, क्यूँके पवित्र आत्मा नै उननै आसिया परदेस म्ह वचन सुणाण तै मना करया। 7 उननै मूसिया परदेस के लौवै पोहचके, बिथुनिया परदेस म्ह जाणा चाह्या, पर पवित्र आत्मा नै उन ताहीं जाण कोनी दिया। 8 आखर म्ह वे मूसिया परदेस तै होके त्रोआस म्ह आये। 9 ओड़े पौलुस नै रात नै दर्शन देख्या के एक मकिदुनिया परदेस का माणस खड्या होया उनतै बिनती करके कहण लागारया सै, “पार उतरके मकिदुनिया परदेस म्ह आ, अर म्हारी मदद कर।” 10 उसके यो दर्शन देखदे हमने जिब्बे मकिदुनिया परदेस जाणा चाह्या, न्यू सोचके के परमेसवर नै म्हारे ताहीं उनतै सुसमाचार सुणाण के खातर बुलाया सै। 11 इस करके त्रोआस नगर तै जहाज खोल के हम सीधे सुमात्राके टापू अर दुसरे दिन नियापुलिस नगर म्ह आये। 12 ओड़े तै हम फिलिपी नगर पोहचे, जो मकिदुनिया परदेस का खास नगर अर रोमियों का मोहल्ला सै, अर हम उस नगर कुळे दिन रहे। 13 आराम के दिन हम नगर के फाटक के बाहरणी नदी के किनारे न्यू सोचके गये के ओड़े प्रार्थना करण की जगहां होगी, अर बैठके उन लुगाईयाँ तै जो कठ्ठी

होई थी, बतळाण लागे। 14 थुआतीरा नगर की बँजनी लत्ते बेचण आळी एक लुदिया नाम की परमेसवर की भगतणी उनकी बात सुणण लागरी थी। प्रभु नै उसका मन खोल्या ताके वा पौलुस की बात्तां पै मन लगावै। 15 जिन उसनै अपणे कुणबे सुधा बपतिस्मा लिया, तो उसनै म्हारे तै बिनती करी, “जै थम मनै प्रभु की विश्वासिणी समझो सै, तो चालके मेरे घर म्ह रहो,” अर वा हमनै मनाके ले गई। 16 जिन हम प्रार्थना करण की जगहां पै जाण लागरे थे, तो हमनै एक कम उम्र की दास्सी मिली जिसम्ह भविष्य बतान आळी आत्मा थी, अर वा भविष्य बताके अपणे मालिकां के खातर घणाए कमा लेवे थी। 17 वा पौलुस के अर म्हारे पाच्छे आके नै किल्की मारण लागगी, “ये माणस परमप्रधान परमेसवर के दास सै, जो म्हारे ताहीं उद्धार के राह की कथा सुणावे सै।” 18 वा घणे दिनां ताहीं न्यूए कर दी रही, पर पौलुस परेशान होग्या, अर बोहड़के उस ओपरी आत्मा तै बोल्यो, “मै तन्नै यीशु मसीह के नाम तै हुकम दियूँ सूँ के उस म्ह तै बाहरणै लिक्ड जा।” अर वा उससे बखत लिक्डगी। 19 जिन उसके मालिकां नै देख्या के म्हारी कमाई की आस खतम होग्या, तो पौलुस अर सीलास नै पकड़के चौक म्ह प्रधानां के धोरे खींच ल्याए, 20 अर उन ताहीं न्यायाधीश के धोरे ल्याए अर बोल्ले, “ये माणस जो यहूदी सै, म्हारे नगर म्ह दंगा मचाण लागरे सै, 21 अर इसे रीति-रिवाज बतावे सै, जिन ताहीं हम रोमियों के खातर अपणाना सही कोनी।” 22 फेर भीड़ के माणस उनके बिरोध म्ह कठ्ठे होके उनपै चढ़ याए, अर हाकिमां नै उनके लत्ते पाड़के उतार दिये, अर उनके बैत मारण का हुकम दिया। 23 घणी बैत मारे पाच्छे उननै उन ताहीं जेळ म्ह गेर दिया अर दोग्गा ताहीं हुकम दिया के उननै चौक्कस राखिये। 24 उसनै इसा हुकम पाके उन ताहीं भित्तरली कोठड़ी म्ह राख्या अर उनके पाँ काठ की बेड़ियाँ तै जकड़ दिये। 25 आध्नी रात के बखत पौलुस अर सीलास प्रार्थना करदे होए परमेसवर के भजन गाण लागरे थे, अर कैदी उनकी सुणण लागरे थे। 26 इतनै म्ह चाणचक बड़ड़ा हाल्लण आ ग्या, उरै ताहीं के जेळ की नीम भी हालगी, अर जिब्बे सारे दरबाजे खुलगे, अर सारया के बन्धन खुलके पड़गे। 27 दोग्गा जागग्या, अर जेळ के दरबाजे खुल्ले देखके समझ गया के कैदी भाजगे सै, इस करके उसनै तलवार खिंचके खुद ताहीं मारणा चाह्या। 28 पर पौलुस नै ठाडू आवाज म्ह रुक्का मारया, “अपणे-आपनै किमे नुकसान ना पोहोचाइये, क्यूँके हम सारे उरैए सां।” 29 फेर दोग्गा दिवां मँगके भितर आया, अर काम्बदा होया पौलुस अर सीलास के आगै पड्या, 30 अर उन ताहीं बाहरणी ल्याके बोल्यो, “हे भले माणसां, उद्धार पाण के खातर मै के कहेँ?” 31 उननै कहा, “प्रभु यीशु मसीह पै विश्वास कर, तो तू अर तेरा कुणबा उद्धार पावैगा।” 32 अर उननै उस ताहीं अर उसके सारे घर के माणसां ताहीं प्रभु का वचन सुणाया। 33 रात नै उससे बखत उसनै उन ताहीं ले जाके उनके घाव धोये, अर उसनै अपणे सारे माणसां सुधा जिब्बे बपतिस्मा लिया। 34 फेर दोग्गै नै उन ताहीं अपणे घरां ले जाके उनके आगै खाणा धरया, अर साब्ले कुणबे सुधा परमेसवर पै विश्वास करके आनन्द करया। 35 आगले दिन फेर हाकिमां नै सिपाहियों के हाथ्यां कहवां भेज्या के उन माणसां नै छोड़ घो। 36 दोग्गै नै ये बात पौलुस तै कही, “हाकिमां नै थारे ताहीं छोड़ देण का हुकम दिया सै। ज्यांतै इब खुश होके जाओ।” 37 पर पौलुस नै उनतै कहा, “उननै म्हारे ताहीं जो रोमी माणस सै, कसूरवार ठहराए बिना माणसां के स्याम्ही मारया अर जेळ म्ह गेरया। इब के हमनै बोल-बाल्ले लिकाइण लागरे सै? इसा कोनी, पर वे खुद आके हमनै बाहरणै लिकाइै।” 38 सिपाहियाँ नै ये बात हाकिमां तै कही, अर वे न्यू सुणके के वे रोम के बासिन्दे सै, डरगे, 39 अर आके उन ताहीं मनाया, अर बाहरणै ले जाके बिनती करी के नगर चले जाओ। 40 वे जेळ तै लिक्डके लुदिया के उरै गये, अर विश्वासी भाईयाँ तै भेंट करके उन ताहीं शान्ति देई, अर चले गये।

17 पौलुस अर सीलास अम्फिपुलिस अर अपुल्लोनिया नगरां तै होके थिस्सलुनीके नगर म्ह आये, जित्त यहूदियाँ का एक आराधनालय था। 2 पौलुस अपणी रीत के मुताबिक उनके धोरे गया, अर तीन्नु आराम के दिनां

मह पवित्र ग्रन्थ म्ह ते उनके गेल्या बहस करी, 3 अर वो उनका मतलब खोल-खोल के समझावे था के मसीह नै दुख ठाणा, अर मरे होया म्ह तै जिन्दा उठणा, जरूरी था, अर “योए यीशु जिसकी मैं थमने कथा सुणाऊँ सू, मसीह सै।” 4 कितने यहूदी अर परमेसवर के भगत यूनानियाँ म्ह तै घणखरयां नै, अर घणी आच्छे खानदान की लुगाईयाँ नै मान लिया, अर पौलुस अर सीलास कै गेल्या मिलगे। 5 पर यहूदियाँ नै जळण तै भरकै बाजारू माणसां म्ह तै कुछ दुष्ट माणसां ताहीं अपणे गेल्या लिया, अर भीड़ कठी करकै नगर म्ह दंगा मचाण लागे, अर यासोन के घर पै चढाई करकै उन ताहीं आदमियाँ कै स्याम्ही ल्याणा चाह्या। 6 उननै जिब वे ओड़ै नही मिले तो वे किल्की मारदे होए यासोन अर कुछ बिश्वासी भाईयाँ ताहीं नगर के हाकिमां कै स्याम्ही खींच ल्याए, “ये माणस जिन नै दुनिया ताहीं उल्टा-पुल्टा कर दिया सै, उरै भी आ लिए सै। 7 यासोन नै उन ताहीं अपणे घरां रहण की इजाजत दी सै। ये सारे के सारे न्यू कहवे सै के यीशु राजा सै, अर कैसर के हुकमां का बिरोध करै सै।” 8 उननै आदमियाँ ताहीं अर नगर के हाकिमां ताहीं न्यू सुणाकै डरा दिया। 9 ज्यांतै उननै यासोन अर बाकी माणसां तै जमानत पै उन ताहीं छोड़ दिया। 10 बिश्वासी भाईयाँ नै जिब्बे राते-रात पौलुस अर सीलास ताहीं बिरिया नगर भेज दिया, अर वे ओड़ै पोहचके यहूदियाँ के आराधनालय म्ह गये। 11 ये माणस तो थिस्सलुनीके नगर के यहूदियाँ तै आच्छे थे, अर उननै घणे चाह तै वचन अपणाया, अर हर-रोज पवित्र ग्रन्थां म्ह टोहन्दे रहे के ये बात न्यू सै के नही। 12 ज्यांतै उन म्ह तै घणखरयां नै, अर यूनानी आच्छे खानदान की बिरबानियाँ म्ह तै अर माणसां म्ह तै भी घणखरयां नै बिश्वास करया। 13 पर जिब थिस्सलुनीके नगर के यहूदी जाणगे के पौलुस बिरिया नगर म्ह भी परमेसवर का वचन सुणावे सै, तो ओड़ै भी माणसां ताहीं उकसाण अर गड़बड़ मचाण लागे। 14 फेर बिश्वासी भाईयाँ नै जिब्बे पौलुस ताहीं बिदा करया के समुन्दर के किनारे चल्या जावे, पर सीलास अर तीमुथियुस बिरिया रहगे। 15 पौलुस के मददगार उस ताहीं एथेंस नगर तक लेगे, अर सीलास अर तीमुथियुस कै खातर या आत्ता पाकै बिदा होए के उसकै धौरे घणी तगाजै तै आवै। 16 जिब पौलुस एथेंस नगर म्ह उसकी बात देख्खे था, तो नगर नै मूर्तियाँ तै भरया होड़ देख्खे भोत परेशान होग्या। 17 इस करके वो आराधनालय म्ह यहूदियाँ तै अर भगतां तै, अर चौक म्ह जो माणस उसतै फेटै थे उनतै हरेक दिन बहस करया करे था। 18 फेर इपिकूरी अर स्तोईकी उपदेशकां म्ह तै कुछे उसतै तर्क करण लागे, अर कुछां नै कहा, “यो बकवादी के कहणा चाहवै से?” पर दुसरयां नै कहा, “वो दुसरे देवत्यां का प्रचारक दिक्खे सै” क्यूँके वो यीशु का अर पुनरुत्थान का सुसमाचार सुणावे था। 19 फेर वे उसनै अपणे गेल्या अरियुपगुस नामक आराधनालय म्ह लेगे अर बुझ्झया, “के हम जाण सकां सां के यो नया पंथ जो तू सुणावे सै, के सै?” 20 क्यूँके तू अनोक्खी बात म्हारे ताहीं सुणावे सै, ज्यांतै हम जाणणा चाहवां सां के इनका के मतलब सै।” 21 (ज्यांतै के सारे एथेंसवासी अर परदेशी जो ओड़ै रहवे थे, नयी-नयी बात कहण अर सुणण के सिवाए और किसे काम म्ह बखत कोनी बितावें थे।) 22 फेर पौलुस नै अरियुपगुस के बिचाळे खड़े होके कहा, “हे एथेंस के माणसां, मैं देख्खूँ सू के थम हर बात म्ह देवत्यां के घणे मानण आळे सो। 23 क्यूँके मैं हांडदे होए जिब थारी पूज्जण की चिज्जां नै देखण लागरया था, तो एक इसी वेदी भी मिली, जिसपै लिख्या था, ‘अनजाणे ईश्वर के खातर।’ इस करके जिसनै थम बिना बरे पूज्जो सो, मैं थमनै उससे परमेसवर का सुसमाचार सुणाऊँ सू।” 24 जिस परमेसवर नै धरती अर उसकी सारी चिज्जां ताहीं बणाया, वो सुर्ग अर धरती का मालिक होके, हाथ के बणाए होड़ मन्दरां म्ह कोनी रहन्दा, 25 उसनै माणसां की जरूरत कोनी, क्यूँके वो तो खुदे सारया ताहीं जिन्दगी अर साँस अर सारा किमे देवे सै। 26 उसनै एक ए मूल तै माणसां की सारी जात सारी धरती पै रहण कै खातर बणाई सै, अर उनकै ठहराए होड़ बखत अर रहण या निवास की हदां ताहीं ज्यांतै बाँधया सै, 27 के वे परमेसवर नै टोहवै, कदाचित उस ताहीं टटोळके पावे, फेरभी वो म्हारे म्ह तै किसे तै दूर कोनी। 28 क्यूँके उससे म्ह म्हारा जीवन, चलणा-फिरणा अर

म्हारी पहचान बणै सै, जिस ढाळ थारे कितने कवियाँ नै भी कहा सै, “हम तो उससे के वंशज सां।” 29 “इस करके म्ह परमेसवर का वंश होके म्हारा यो समझणा सही कोनी के ईश्वरत्व सोन्ने-चाँदी, पत्थर के जिसा सै, जो माणसां की कारीगरी अर कल्पना तै गढ़े गये हो। 30 ज्यांतै परमेसवर नै अज्ञानता के बखत पै खियास कोनी करी, पर इब हरेक जगहां सारे माणसां ताहीं पाप छोड़ण का हुकम देवे सै। 31 क्यूँके उसनै एक दिन तय करया सै, जिसम्ह वो धार्मिकता म्ह खुद के जरिये ठहराया गये उस माणस के जरिये दुनिया का न्याय करेगा, जिन ताहीं उसनै मरे होया म्ह तै दुबारा जिन्दा करके या बात सारे माणसां के स्याम्ही साबित कर दी सै।” 32 मरे होया के पुनरुत्थान की बात सुणके कुछ तो मखोल करण लागे, अर कुछां नै कहा, “या बात हम तेरे तै फेर कवे सुणांगे।” 33 इसपै पौलुस उनके बिचाळे तै लिक्डग्या। 34 पर कई माणस प्रभु यीशु के गेल्या मिलगे, अर बिश्वास करया, जिन म्ह दियुनुसियुस जो अरियुपगुस का सदस्य था, अर दमरिस नामकी एक लुगाई थी, अर उनकै गेल्या कुछ और भी माणस थे।

18 इसके पाच्छे पौलुस एथेंस नगर नै छोड़के कुरिन्थुस नगर म्ह आया। 2 ओड़ै उसनै अक्विला नामक एक यहूदी मिल्या, जिसका जन्म पुन्तुस परदेस म्ह होया था। वो अपणी घरआळी प्रिसकिल्ला कै गेल्या इटली देश तै इब्बे आया था, क्यूँके सम्राट क्लौदियुस नै सारे यहूदियाँ ताहीं रोम तै लिक्ड जाण का हुकम दिया था। ज्यांतै वो उनके उरै गया। 3 पौलुस अर अक्विला का एक ए काम-धन्धा था, इस करके वो उनके गेल्या रहया अर वे काम करण लागे, अर उनका काम-धन्धा तम्बू बणाण का था। 4 पौलुस हरेक आराम के दिन आराधनालय म्ह बहस करके यहूदियाँ अर यूनानियाँ ताहीं भी समझावे था, के यीशु ए मसीह सै। 5 जिब सीलास अर तीमुथियुस मकिदुनिया परदेस तै आये, तो पौलुस वचन सुणाण की धुन म्ह यहूदियाँ ताहीं गवाही देण लाया के यीशु ए मसीह सै। 6 पर जिब यहूदी बिरोध अर बुराई करण लागे, तो उसनै अपणे लत्यां तै धूळ झाड़के उनतै कहा, “इब जै परमेसवर थमनै इस पाप की सजा देवे तो उसकी मौत के जिम्मेदार थम खुदे हो! मैं बेकसूर सू। इब तै मैं गैर यहूदियाँ के धौरे जाऊंगा।” 7 पौलुस यहूदी आराधनालय तै लिक्डके वो तीतुस यूस्तुस नामक परमेसवर के एक भगत कै घरां आया, जिसका घर आराधनालय तै लाया होड़ था। 8 फेर आराधनालय के सरदार क्रिस्पुस नै अपणे सारे कुपे सुधा प्रभु पै बिश्वास करया, अर घणखरे कुरिन्थवासी सुणके बिश्वास लाये, अर बपतिस्मा लिया। 9 प्रभु नै एक रात दर्शन कै जरिये पौलुस तै कहा, “मतना डरै, बल्के कहे जा अर बोल-बाल्ला मतना रहवै, 10 क्यूँके मैं तेरे गैल सू, अर कोए तेरे पै चढाई करके तेरा नुकसान कोनी करेगा, क्यूँके इस नगर म्ह मेरे घणे माणस सै।” 11 ज्यांतै पौलुस उन म्ह परमेसवर का वचन सिखान्दे होए डेढ़ साल ताहीं रहया। 12 जिब गलिलयो अखाया परदेस का राज्यपाल था, तो यहूदी माणस एकका करके पौलुस पै चढ़ आये, अर उस ताहीं न्याय गद्दी कै स्याम्ही ल्याके कहण लागे, 13 “यो माणसां नै समझावे सै, के परमेसवर की आराधना इस ढाळ तै करो, जो नियम-कायदे कै उल्ट सै।” 14 जिब पौलुस बोल्लण पैए था, तो गलिलयो नै यहूदियाँ ताहीं कहा, “हे यहूदियाँ, जै या किमे अन्याय या दुष्टता की बात होन्दी, तो सही था के मैं थारी सुणादा। 15 पर जै या बहस शब्दां, अर नाम्मां, अर थारे उरै के नियम-कायदे के बारे म्ह सै, तो थमे जाणो, क्यूँके मैं इन बात्तां का न्यायाधीश कोनी बणाणा चाहन्दा।” 16 अर उसनै उन ताहीं न्याय गद्दी कै स्याम्ही तै लिक्ड दिया। 17 जद सारे माणसां नै आराधनालय के सरदार सोस्थिनेस ताहीं पकड़के न्याय गद्दी कै स्याम्ही मारया। पर गलिलयो नै इन बात्तां की भी किमे चिन्ता कोनी करी। 18 पौलुस घणे दिन ताहीं कुरिन्थुस नगर रहया। फेर बिश्वासी भाईयाँ तै बिदा होके किन्थिया बन्दरगाह म्ह ज्यांतै सिर मुण्डाया, क्यूँके उसनै मन्नत मान्नी थी, अर जहाज पै सीरिया परदेस नै चल्या गया अर उसकै गेल्या प्रिसकिल्ला अर अक्विला थे। 19 उसनै इफिसुस नगर पोहचके उन ताहीं ओड़ै छोड्या, अर खुद आराधनालय म्ह

जाके यहूदियाँ तै बहस करण लाग्या। 20 जिव माणसां नै उसतै बिनती करी, “म्हारे गेल्या कुछ और दिन रहा।” तो उसने कोनी मानी, 21 पर न्यू कहके उसतै बिदा होया, “जै परमेसवर नै चाह्या तो मै थारे धारे फेर आऊँगा।” फेर वो इफिसुस नगर तै जहाज खोल कै चाल दिया, 22 अर कैसरिया नगर म्ह उतरकै (यरुशलेम नगर नै) गया अर कलीसिया ताहीं नमस्कार करके अन्ताकिया नगर म्ह आया। 23 फेर किमे दिन रहके वो ओड़ै तै लिंकडया, अर एक और तै गलातिया अर फुगिया परदेसां म्ह सारे चेल्यां ताहीं स्थिर करदा हांडया। 24 अपुल्लोस नामक एक यहूदी, जिसका जन्म सिक्न्दरिया नगर म्ह होया था, जो ज्ञानी माणस था अर पवित्र ग्रन्थ ताहीं आच्छी तरियां तै जाणै था, इफिसुस नगर म्ह आया। 25 उसनै प्रभु कै राह की शिक्षा पाई थी, अर मन लाकै यीशु कै बारे म्ह सही-सही सुणावे अर सिखावे था, पर वो सिर्फ यूहन्ना के बपतिस्मा की बात जाणै था। 26 वो आराधनालय म्ह बिना डरे बोल्लण लाग्या, पर प्रिसकिल्ला अर अक्विला उसकी बात सुणके उस ताहीं अपने उरै लेगे अर परमेसवर की राह उस ताहीं और भी सही-सही बताई। 27 जिव उसनै फैसला करया के पार उतरकै अखाया परदेस म्ह जावे तो विश्वासी भाईयाँ नै उस ताहीं धीरज बन्धाकै चेल्यां ताहीं लिख्या के वे उसतै आच्छी डाळ फेटै, अर उसनै ओड़ै पोहचके उन माणसां की घणी मदद करी जिन नै अनुग्रह के कारण विश्वास करया था। 28 क्यूँके वो पवित्र ग्रन्थ तै सबूत दे-देके के यीशु ए मसीह सै, घणे तावळेपण तै यहूदियाँ ताहीं सारया कै स्याम्ही निरुतर (बोलती बन्द) करदा रहया।

19 जिव अपुल्लोस कुरिन्थुस नगर म्ह था, तो पौलुस उप्पर के सारे परदेस तै होकै इफिसुस नगर म्ह आया। ओड़ै कई चेल्यां ताहीं मिल्या। 2 उनतै बोल्या, “के थमनै विश्वास करदे बखत पवित्र आत्मा पाया था?” उननै उसतै कहा, “हमनै तो पवित्र आत्मा का जिक्क भी कोनी सुण्या।” 3 पौलुस नै उनतै कहा, “तो फेर थमनै किसका बपतिस्मा लिया?” वे बोल्ले, “यूहन्ना का बपतिस्मा।” 4 पौलुस बोल्या, “यूहन्ना नै न्यू कहा, के पाप करणा छोड़ दो, अर बपतिस्मा ल्यो, परमेसवर थारे पाप माफ कर देगा, अर जो मैरे पाच्छे आण आळा सै, उसपै विश्वास करियो, यानिके यीशु पै।” 5 न्यू सुणके उननै प्रभु यीशु कै नाम म्ह बपतिस्मा लिया। 6 जिव पौलुस नै उनपै हाथ धरे, तो पवित्र आत्मा उनपै उतरया, अर वे अन्य-अन्य भाषा बोल्लण अर भविष्यवाणी करण लागे। 7 ये सारे करीबन बारहा माणस थे। 8 पौलुस आराधनालय म्ह जाके तीन महिने ताहीं बिना डरे होके बोलदा रहया, अर परमेसवर के राज्य कै बारे म्ह बहस करदा अर समझान्दा रहया। 9 पर जो माणसां कठोर थे उननै उसका विश्वास कोनी करया, बल्के माणसां कै स्याम्ही इस पंथ नै बुरा कहण लागे, तो उसनै उन ताहीं छोड़ दिया अर चेल्यां ताहीं साथ लैके तुर्नुनुस की पाठशाला म्ह गये, जित्त वे रोज भीड़ तै परमेसवर के बारे म्ह बहस करया करै थे। 10 दो साल ताहीं न्यूए होन्दा रहया, उरै ताहीं के आसिया परदेस के रहणीये के यहूदी के यूनानी सारया नै प्रभु का वचन सुण लिया। 11 परमेसवर नै पौलुस ताहीं अदभुत चमत्कार करण की सामर्थ्य दी। 12 उरै ताहीं के रुमाल अर अन्नोछे उसके गत तै छुआ के बिमारां पै गेरे थे, अर उनकी बीमारी जान्दी रहवै थी, अर भुंडी ओपरी आत्मा उन म्ह तै लिंकड जाया करै थी। 13 पर कुछ यहूदी लोग जो झाड़ा-फूँक करदे हान्डे थे, न्यू करण लागे के जिन म्ह भुंडी ओपरी आत्मा हो उनपै प्रभु यीशु का नाम न्यू कहके फूँके, “जिस यीशु का प्रचार पौलुस करै सै, मै थारे ताहीं उस्से आदमी की कसम दिवुँ सू।” 14 अर स्क्कवा नाम का एक यहूदी प्रधान याजक के सात बेटे थे, जो इस्से तरियां ए करै थे। 15 पर भुंडी ओपरी आत्मा नै उन ताहीं जवाब दिया, “यीशु ताहीं मै जाणु सू, अर पौलुस ताहीं भी पिच्छाणु सू, पर थम कौण सो?” 16 अर उस माणस नै जिसमह भुंडी ओपरी आत्मा थी उनपै लपकके अर उन ताहीं बस म्ह करके, उनपै इसा दुर्गात मचाया के वे उघाड़े अर घायल होके उस घर तै लिंकड भाज्जे। 17 या बात इफिसुस नगर के रहण आळे सारे यहूदी

अर यूनानी भी जाणगे, अर वे सारे डरगे, अर प्रभु यीशु के नाम की बड़ाई होई। 18 जिन नै विश्वास करया था, उन म्ह तै घणखरयां नै आके अपणे-अपणे कामां ताहीं मान लिया अर दिखा दिया। 19 जादू करण आळा म्ह तै घणाए नै अपणी-अपणी सारी पोथी कठ्ठी करके सारया कै स्याम्ही जळा दी, अर जिव उसका दाम जोड़या गया, तो पचास हजार चाँदी के सिक्के कै बराबर लिंकडया। 20 इस तरियां प्रभु का वचन सामर्थी तरिकके तै फैलदा अर हावी होदा गया। 21 जिव ये बात हो ली तो पौलुस नै आत्मा म्ह ठाण लिया के मकिदुनिया अर अखाया परदेस तै होके यरुशलेम नगर जाऊँ, अर बोल्या, “यरुशलेम जाणके बाद मन्ने रोम ताहीं भी देखणा जरूरी सै।” 22 इस करके अपणी सेवा करणीया म्ह तै तीमुथियुस अर इरास्तुस ताहीं मकिदुनिया परदेस भेजके खुद किमे दिन आसिया परदेस म्ह रहग्या। 23 उस बखत उस पन्थ के बारे म्ह घणा दंगा माच्य। 24 क्यूँके देमेत्रियुस नाम का एक सुनार अरतिमिस के चाँदी के मन्दर बणवाके कारिगरां ताहीं घणा काम दुवाया करै था। 25 उसनै उन ताहीं अर इस्से तरियां की चिज्जां के कारिगरां ताहीं कठ्ठा करके कहा, “हे भाईयो, थमनै बेरा सै के इस काम तै हमनै कितना धन मिले सै। 26 थम देखखो अर सुणो सो के सिर्फ इफिसुस नगर म्ह ए कोनी, बल्के कई बर सारे आसिया परदेस म्ह न्यू कह-कहके इस पौलुस नै घणे माणसां ताहीं समझाया अर भकाया भी सै, के जो हाथ की कारीगरी सै, वे ईश्वर कोनी। 27 इसतै इब सिर्फ इस्से बात का ए भय न्ही सै के म्हारे इस धन्धे की इज्जत-मान जान्दी रहवैगी, बल्के न्यू भी के महान् देवी अरतिमिस का मन्दर तुच्छ समझया जावेगा, अर जिस ताहीं सारा आसिया परदेस अर दुनिया पूजै सै उसका महत्व भी जान्दा रहवैगा।” 28 कारीगर न्यू सुणके खुन्दक तै भरगे अर किल्ली मार-मारके कहण लागे, “इफिसियाँ की अरतिमिस देवी, महान् सै!” 29 अर सारे नगर म्ह घणा दंगा माच्य, अर माणसां नै मकिदुनियावासी गयुस अर अरिस्तर्खुस ताहीं जो पौलुस के संगी मुसाफर थे, पकड़ लिया, अर एक सेती रंगशाला म्ह भाज्जे। 30 जिव पौलुस नै माणसां के धारे भीत्तर जाणा चाह्या तो चेल्यां नै उस ताहीं जाण न्ही दिया। 31 आसिया परदेस के हाकिमां म्ह तै भी उसके कई साथियाँ नै उसके धारे कहवां भेज्या अर बिनती करी के रंगशाला म्ह जाके जोखम ना ठाईयो। 32 भीड़ म्ह तै कोए कुछ चिल्लावे था अर कोए कुछ, सारी भीड़ पूरी तरियां घबराई होई थी, अर घणखरे माणसां नै तो न्यूए कोनी बेरा था के वे क्यां खातर कठ्ठे होए सै। 33 फेर उननै सिक्न्दर ताहीं, जिस ताहीं यहूदियाँ नै खड्या करया था, भीड़ म्ह आगै बढ़ाया। सिक्न्दर हाथ तै इशारा करके माणसां कै स्याम्ही जवाब देणा चाहवै था। 34 पर जिव उननै बेरा लागग्या के वो यहूदी सै, तो सारे के सारे एक बोल म्ह कोए दो घंटे ताहीं चिल्लान्दे रहे, “इफिसियाँ की अरतिमिस देवी, महान् सै।” 35 फेर नगर के मन्त्री नै माणसां ताहीं शान्त करके कहा, “हे इफिसुस नगर के माणसां, किसनै न्ही बेरा के इफिसियाँ का नगर महान् अरतिमिस देवी के मन्दर, अर ज्यूस की ओड़ तै गिरी होड़ मूर्ति का टहलुआ सै।” 36 आखर म्ह जिव के इन बातों का खण्डन ए कोनी हो सकदा, तो सही सै के थम शान्त रहो अर बिना सोच्चे-समझे किमे ना करो। 37 क्यूँके थम इन माणसां नै ल्याए सो जो ना मन्दर के लुट्टण आळे सै अर न म्हारी देवी के बुराई करणीये सै। 38 इस करके देमेत्रियुस अर उसके मित्तर-कारिगरां ताहीं किसे तै एतराज हो तो कच्छेड़ी जा सके सै अर हाकिम भी सै, वे एक-दुसरे पै दोष लावै। 39 पर जै थम किसे और बात के बारे म्ह किमे बुझणा चाहो सो, तो बखत पै सभा म्ह फैसला करया जावेगा। 40 आज की इस घटना के कारण म्हारे पै उपद्रव का इल्जाम लागणा का खतरा सै, क्यूँके इसके खातर कोए भी ठोस कारण दिखाई कोनी देदा, “हम इस भीड़ के कठ्ठा होण का कोए जवाब कोनी दे सकांगे।” 41 न्यू कहके उसनै सभा ताहीं बिदा करया।

20 जिव दंगा थम ग्या तो पौलुस नै चेल्यां ताहीं बुलाके उत्साहित करया, अर उनतै बिदा होकै मकिदुनिया परदेस की ओड़ चाल दिया। 2 उस सारे परदेस म्ह तै होके अर चेल्यां ताहीं घणा समझाके वो यूनान देश म्ह

आया। 3 जब तीन महिन्ने रहके वो ओड़ै तै जहाज पै सीरिया परदेस की ओड़ जाण पै था, तो यहूदी अगुवें उसकी टाह म्ह लागे, ज्यांतै उसने निश्चय करया के मकिदुनिया परदेस होके बोहड़ जावै। 4 बिरियावासी पुरुस का बेटा सोपत्रसुस अ थिस्सलुनीकियां नगर म्ह तै अरिस्तर्खुस अर सिकुन्दुस, अर दिरबे नगर का गयुस, अर तीमुथियुस, अर आसिया परदेस का तुखिकुस अर त्रुफिमस आसिया परदेस ताहीं उसके गैल हो लिये। 5 ये म्हारे मुसाफिर साथी म्हारे तै पैहले चले गये। 6 अर हम अखमीरी रोटी के त्योंहार के दिनां के पाछै फिलिप्पी तै जहाज पै चढ़के पाँच दिन म्ह त्रोआस म्ह उसके धोरे पोहचे, अर सात दिन ताहीं रहे। 7 हफते के पैहलड़े दिन जब हम प्रभुभोज के खात्तर कठ्ठे होए, तो पौलुस जो दुसरे दिन चले जाण पै था, उनतै बात करी, आध्मी रात ताहीं बात करदा रहया। 8 जिस चौबारे पै हम कठ्ठे थे, उस म्ह घणे दीवे जळण लागरे थे। 9 अर यूतुखुस नाम का एक जवान खिड़की पै बेठ्या होया नींद की झपकियाँ लेण लागरया था। जब पौलुस वारी ताहीं बात करदा रहया तो यूतुखुस नींद के झोक्के म्ह तीसरी अटारी पै तै पड़गया, अर उसकी मौत होगी। 10 पौलुस नीचै गया, उसके धोरे जाके उसतै लिपटगया, अर गळे लाके कह्या, “घबराओ ना, वो जीवै सै।” 11 अर उसने दुबारा उप्पर जाके रोटी तोड़ी अर खाके दिन लिक्ड़ण ताहीं उनतै बात करदा रहया, सबरा होगया। फेर वो चल्या गया। 12 अर वे उस जवान ताहीं जिन्दा लियाए अर माणस भोत खुश होए। 13 हम पाणी के जहाज पै सवार होके अस्सुस नगर की ओड़ बढ़े, जइ हमने पौलुस ताहीं साथ लेके आगै बढ़णा था, पर पौलुस ओड़ै पैदल राह तै पोहोचा था, क्यूँके या उसकी पैहले तै बणाई तरकीब थी। 14 अस्सुस नगर उन ताहीं मिल्या तो हमने उस ताहीं पाणी के जहाज म्ह अपणे साथ लिया अर मिलुलेने नगर म्ह जा पोहचे। 15 ओड़ै तै जहाज खोल के हम दुसरे दिन खियुस टापू के स्याम्ही पोहचे, अर आगले दिन सामुस टापू म्ह जाण लागे, पर उसके आगले एक दिन के बाद मीलेतुस बन्दरगाह म्ह आये। 16 पौलुस नै इफिसुस नगर म्ह ना उतरके आगै बढ़ जाण का इरादा करया क्यूँके वो चाहवै था के आसिया परदेस म्ह ठहरण की बजाए जै हो सकया तो तगाजै तै पिन्तेकुस्त के त्योंहार के मौकके पै यरुशलेम नगर म्ह पोहच जावै। 17 मीलेतुस नगर तै पौलुस नै इफिसुस नगर म्ह समाचार भेजके कलीसिया के अगुवां ताहीं बुलवाया। 18 जब वे उसके लोवै आये, तो उनतै कह्या, “थमने बेरा सै के पैहलड़े ए दिन तै जब मै आसिया परदेस म्ह पोंहच्या, मै हर-बखत थारे गेल्या किस ढाळ रहया, 19 यानिके घणी दीनता तै, अर ऑसू बहा-बहाके, अर उन मुसीबतां म्ह जो यहूदियाँ की साजिस के कारण मेरे पै आण पड़ी, मै प्रभु की सेवा करदा ए रहया। 20 अर जो-जो बात थारे फायदे की थी, उन ताहीं बताण अर माणसां के स्याम्ही अर घर-घर सिखाण तै कदे न्ही झिझक्या, 21 बल्के यहूदियाँ अर यूनानियाँ के स्याम्ही गवाही देंदा रहया के परमेसवर की ओड़ मन फिराणा अर म्हारे प्रभु यीशु पै बिश्वास करणा चाहिये।” 22 इब देखखो, मै पवित्र आत्मा म्ह बन्ध्या होया यरुशलेम नगर नै जाऊँ सूँ, अर मन्ने न्ही बेरा के ओड़ै मेरे पै के-के बीतेगी। 23 सिर्फ यो के पवित्र आत्मा हरक नगर म्ह गवाही दे-देके मेरे तै कहवै सै के बन्धन अर कळेथ तेरे खात्तर त्यार सै। 24 पर मै अपनी जान नै किमे न्ही समझदा के उसतै प्यार राक्खूँ, बल्के यो के मै अपनी दौड़ ताहीं अर उस सेवा नै पूरी करूँ, जो मन्ने परमेसवर के अनुग्रह के सुसमाचार पै गवाही देण के खात्तर प्रभु यीशु तै पाई सै। 25 इब देखखो, मन्ने बेरा सै के थम सारे जिन म्ह मै परमेसवर के राज्य का प्रचार करया सै, मेरा मुँह दुबारा कोनी देखखोगे। 26 ज्यांतै मै आज के दिन थारे तै गवाही देके कहूँ सूँ, के मै किसे की भी मौत का कसूरवार न्ही सूँ। 27 क्यूँके मै परमेसवर की सारी इच्छा नै थारे ताहीं बताण म्ह कदे कोनी हिचकिचाया। 28 इस करके थम अपना ध्यान राक्खो अर उस टोळ का भी, जिसका रुखाळा थारे ताहीं पवित्र आत्मा ठहराया सै, के थम परमेसवर की कलीसिया की रुखाळी करो, जिस ताहीं उसने खुद अपना लहू तै मोल लिया सै। 29 मन्ने बेरा सै के मेरे जाणके बाद पाड़ण आळे भेड़िये थारे म्ह आवेगें जो टोळ नै कोनी छोड़ेंगें। 30 थारे ए बिचाळै तै भी इसे-इसे माणस उठेंगें,

जो चेल्यां ताहीं अपणे पाछै खींच लेण ताहीं टेढ़ी-मेढ़ी बात कहवेंगें। 31 इस करके जागदे रहो, अर याद राक्खो के मन्ने तीन साल्लां ताहीं रात-दिन ऑसू बहा-बहाके हरक ताहीं चेतावनी देणा न्ही छोड़्या। 32 “अर इब मै थमने परमेसवर अर उनके अनुग्रह के वचन की देखभाळ म्ह सौपण लागरया सूँ, जिस म्ह थारी बढ़ोतरी करण अर उन सब के साथ मीरास देण की ताकत सै, जो प्रभु खात्तर न्यारे करे गये सै। 33 मन्ने किसे के चाँदी, सोने या लत्ते का लोभ कोनी करया। 34 थमने खुदे बेरा सै के इन्हे हाथ्यां नै मेरी अर मेरे साथियाँ की जरूरत पूरी करी सै। 35 मन्ने थारे ताहीं सारया किमे करके दिखाया के इस तरियां तै मेहनत करदे होए कमजोरं ताहीं सम्भालणा अर प्रभु यीशु के वचन याद राखणा जरूरी सै, जो उसने खुदे कह्या सै: ‘लेण तै देणा धन्य सै।’” 36 न्यू कहके उसने गोड़ु टेक्के अर उन सारया के गेल्या प्रार्थना करी। 37 फेर वे सारे घणे रोये अर पौलुस के गळे लिपटके उस ताहीं चुम्पण लागे। 38 वे खासकर इस बात तै दुखी थे जो उसने कही थी के थम मेरा मुँह दुबारा कोनी देखखोगे। इसके बाद वे पौलुस के साथ पाणी के जहाज तक गये।

21 जब हमने उनतै न्यारे होके जहाज खोल्या, तो सीध्दी राही तै कोस टापू म्ह आये, अर दुसरे दिन रुदुस टापू म्ह अर ओड़ै तै पतरा टापू म्ह। 2 ओड़ै एक जहाज फिनीके परदेस नै जान्दा होया मिल्या, अर हमने उसपै चढ़के अपना सफर शुरु करया। 3 हमने ओळै हाथ कान्ही साइप्रस टापू दिखया, तो हम उसने छोड़के सीरिया परदेस की ओड़ बढ़ते गये अर सूर नगर म्ह जा पोहचे, क्यूँके ओड़ै जहाज तै समान उतारया जाणा था। 4 चेल्यां नै पाके हम ओड़ै सात दिन ताहीं रहे। उनने पवित्र आत्मा के सिखाए पौलुस तै कह्या के ओड़ै (यरुशलेम नगर म्ह) पाँ ना धरिये। 5 सात दिन के बाद जब ओड़ै तै म्हारे जाण का बखत आया, तो वे पूरे परिवार के साथ म्हारे ताहीं बिदा करण खात्तर नगर की सीमा तक आये, अर समन्दर के किनारे हमने घुटने टेकके प्रार्थना करी, 6 फेर एक-दुसरे तै बिदा होके, हम तो जहाज पै चढ़गे अर वे अपने-अपणे घरं बोहड़गे। 7 जब हम सूर नगर तै जहाज पै सफर करके पतुलिमयिस नगर म्ह पोहचे, अर बिश्वासी भाईयाँ नै नमस्कार करके उनके गेल्या एक दिन रहे। 8 दुसरे दिन हम ओड़ै तै चालके कैसरिया नगर म्ह आये, अर फिलिप्पुस सुसमाचार प्रचारक के घर म्ह जो उन सात आदमियाँ म्ह तै एक था, जिन ताहीं प्रेरितां नै बिधवा जनानियाँ की सेवा करण खात्तर यरुशलेम म्ह छाट्या था, हम उससे के घर म्ह ठहरे। 9 उसकी चार कुंवारी बेट्टी थी, जो भविष्यवाणी करया करे थी। 10 जब हम ओड़ै घणे दिन ताहीं रह लिये, तो अगबुस नाम का एक नबी यहूदिया परदेस म्ह आया। 11 उसने म्हारे धोरे आके पौलुस का कमरबन्द लिया, अर अपणे हाथ-पाँ बँधके कह्या, “पवित्र आत्मा न्यू कहवै सै के जिस माणस का यो कमरबन्द सै, उस ताहीं यरुशलेम नगर म्ह यहूदी इस्से तरियां तै बाँधेंगें, अर गैर यहूदियाँ के हाथ्यां म्ह सौपेंगें।” 12 जब हमने ये बात सुणी, तो हमने अर ओड़ै के माणसां नै पौलुस तै बिनती करी के यरुशलेम नगर नै ना जाइए। 13 पर पौलुस नै जवाब के दिया, “थम के करो सो के रो-रोके मेरा मन तोड़ो सो? मै तो प्रभु यीशु के नाम के खात्तर यरुशलेम नगर म्ह ना सिर्फ बाँधे जाण ए के खात्तर बल्के मरण के खात्तर भी त्यार सूँ।” 14 जब उसने न्ही मान्नी तो हम न्यू कहके बोल-बाल्ले रहगे, “प्रभु की मर्जी पूरी हो।” 15 कई दिनां पाछै हमने त्यारी करी अर यरुशलेम नगर नै चाल दिए। 16 कैसरिया नगर तै भी कुछ चेल्लें म्हारे गेल्या हो लिए, अर म्हारे ताहीं ठहराण खात्तर साइप्रसवासी मनासोन के घर ले गये, वो सब तै पैहले के चेल्यां म्ह तै एक था। 17 जब हम यरुशलेम नगर म्ह पोहचे, तो बिश्वासी भाई घणी खुशी के गेल्या हम तै मिले। 18 दुसरे दिन पौलुस म्हारे ताहीं लेके याकूब के धोरे गया, जित्त सारे कलीसिया के अगुवें कठ्ठे थे। 19 जद उसने उन ताहीं नमस्कार करके, जो-जो काम परमेसवर नै उसकी सेवा के जरिये गैर यहूदियाँ म्ह करे थे, एक-एक करके सारे बताए। 20 उनने न्यू सुणके परमेसवर की महिमा करी, फेर उसतै बोल्या, “हे भाई, तू देखखे सै के

यहूदियाँ मह तै कई हजारां नै विश्वास करया सै, अर सारे नियम-कायदे कै खात्तर मानण मह पक्के सै। 21 उननै यो सुण राख्या सै के तू गैर यहूदी माणसां के बीच मह रहन्दे होए यहूदियाँ ताहीं या शिक्षा देण लागरया सै के मूसा नबी के नियम-कायदा नै छोड़ धो, ना तो अपने बाळकां का खतना करो अर ना रीति-रिवाज्जां पै चाल्लों। 22 तो फेर के करया जावै? माणस जरूर सुणै के तू आया सै। 23 इस करके जो हम तेरे तै कहां सां, वो कर। म्हारा सुझाव मान उरै इसे चार माणस सै, जिन नै कसम खाई सै।” 24 तू उनके गेल जा, शुद्ध होण की विधि पूरी कर, अर उसके मुण्डन का खर्चा ठा, फेर सारया नै यो बेरा लाग ज्यागा के जो कुछ भी बात तेरे बारे मह कह्या गया सै, उस मह कोए सच्चाई न्ही सै पर तू खुद भी नियम-कायदे का पालन करे सै। 25 पर उन गैर यहूदियाँ के बारे मह जिन नै विश्वास करया सै, हमनै यो फैसला करके लिख भेज्या सै “के वे मूर्तियाँ कै स्याम्ही बलि करे हाड़ माँस तै, अर लहू तै अर घेटी घोट्टे होयां के माँस तै अर जारी तै बचे रहवै।” 26 फेर पौलुस उन माणसां नै लेकै, अर दुसरे दिन उनके गेल्या शुद्ध होके मन्दर मह गया, अर ओड़ै बता दिया के शुद्ध होण कै दिन, यानिके उन मह तै हरेक कै खात्तर चढ़ावा चढ़ाए जाण तक के दिन कद पूरे होवैगें। 27 जिव वे सात दिन पूरे होण पै धो, तो आसिया परदेस के यहूदियाँ नै पौलुस ताहीं मन्दर मह देखके सारे माणसां ताहीं उकसाया, अर न्यू रुक्का मारके उस ताहीं पकड़ लिया, 28 “हे इस्राएलियों, मदद करो, यो वोए माणस सै, जो माणसां के, अर नियम-कायदे के, अर इस जगहां कै बिरोध मह हरेक जगहां सारे माणसां नै सिखावै सै, उरै ताहीं के यूनानियाँ ताहीं भी मन्दर मह ल्याके उसनै इस पवित्र जगहां ताहीं अपवित्र करया सै।” 29 उननै इसतै पैहल्या इफिसुसवासी त्रुफिमस ताहीं पौलुस कै गेल्या नगर मह देखा था, अर सोचवै थे के पौलुस उसनै मन्दर मह लियाया सै। 30 फेर सारे नगर मह दंगा माचरया, अर माणस भाजके कठ्टे होए, अर पौलुस नै पकड़के मन्दर कै बाहरणै घसीट ल्याए, अर जिब्बे किवाड़ बन्द करे गये। 31 जिव वे उसनै मार देणा चाहवै थे, तो पलटन के सरदार नै सन्देशा पोंहच्या के सारे यरुशलेम नगर मह दंगा माचरया सै। 32 फेर वो जिब्बे सिपाहियाँ अर सूबेदारां नै लेकै उनके धोरे तळै भाज आया, अर उननै पलटन के सरदार अर सिपाहियाँ ताहीं देखके पौलुस ताहीं मारणा-छेतणा छोड़ दिया। 33 फेर पलटन के सरदार नै धोरे आके पौलुस ताहीं पकड़ लिया, अर दो साँकळां तै बाँधण का हुकम देके बुड़झण लागया, “यो कोण सै अर इसनै के करया सै?” 34 पर भीड़ मह तै कोए किमे अर कोए किमे चिल्लान्दा रहया। जिव रोले के कारण वो सही सच्चाई न्ही जाण सकया, तो उस ताहीं गढ़ मह ले जाण का हुकम दिया। 35 जिव वो सीढ़ी पै पोंहच्या, तो इसा होया के भीड़ की दाब कै मारे सिपाहियाँ नै उस ताहीं ठाकै ले जाणा पड्या। 36 क्यूँके माणसां की भीड़ न्यू चिल्लान्दी होई उसके पाछे पड़री थी, “उसनै खतम कर धो।” 37 जिव वे पौलुस नै गढ़ मह ले जावण आळे थे, तो उसनै पलटन के सरदार तै कह्या, “जे मन्नै इजाजत हो तो मै थारे तै किमे कहूँ?” वो बोल्या, “के तू यूनानी भाषा जाणै सै? 38 “के तू मिस्र देश का कोनी, जो इन दिनां तै पैहल्या बिद्रोही बणके, चार हजार हथियार सुधा माणसां नै जंगळ मह लेया?” 39 पौलुस नै कह्या, “मै तो तरसुस का यहूदी माणस सुं! मै किलिकिया परदेस के तरसुस नगर का बासिन्दा सुं। मै तेरे तै बिनती करुं सुं के मन्नै माणसां तै बात करण दे।” 40 जिव उसनै हुकम दिया, तो पौलुस नै सीढ़ी पै खड़े होके माणसां ताहीं हाथ तै इशारा करया। जिव वे चुप होए तो वो इब्रानी भाषा मह बोल्लण लागया:

22 “हे भाईयो अर बुजुर्गां, मेरा बदले मह जवाब सुणो, जो मै इब थारे स्याम्ही ल्याऊँ सुं।” 2 वे न्यू सुणके के वो हम तै इब्रानी भाषा मह बोल्लै सै, अर भी बोल-बाल्ले होगे। फेर उसनै कह्या 3 “मै तो यहूदी माणस सुं, जो किलिकिया के तरसुस नगर मह जन्मा, पर इस नगर मह मामलीएल के पायां के धोरे बैठके पढ़ाया गया, अर पूर्वजां के नियम-कायदा नै ठीक रीति तै सिखाया गया अर परमेसवर कै खात्तर इसी धुन लारया था, जिस तरियां

थम सारे आज लारे सो। 4 मन्नै माणस अर लुगाई दोनुआ ताहीं जुड़-जुड़के अर जेळ मह गेर-गेर के, इस पंथ नै उरै ताहीं सताया के उन ताहीं मरवा भी दिया। 5 इस बात के खात्तर महायाजक अर सारे यहूदी अगुवें गवाह सै, के उनतै मै भाईयाँ के नाम पै चिट्ठियाँ लेके दमिशक नगर नै चाल्या जाऊँ था, के जो ओड़ै हों उन ताहीं भी सजा दुवाण कै खात्तर बाँधके यरुशलेम नगर लाऊँ। 6 “जिव मै चाल्दे-चाल्दे दमिशक नगर के लोवै पोंहच्या, तो इसा होया के दोपहर कै करीबन चाणचक एक घणा चाँदणा अकास तै मेरै चौगरदे नै चमक्या। 7 अर मै धरती पै गिर गया अर यो शब्द सुणया, ‘हे शाऊल, हे शाऊल, तू मन्नै क्यताँ सतावे सै?’” 8 मन्नै जवाब दिया, “हे प्रभु, तू कोण सै?” उसनै मेरे तै कह्या, “मै यीशु नासरी सुं,” जिस ताहीं तू सतावे सै। 9 मेरे साथियाँ नै चाँदणा तो देखा, पर मेरे तै जो बोल्ले था उसने समझ कोनी पाए। 10 फेर मन्नै कह्या, “हे प्रभु, मै के कहूँ?” प्रभु नै मेरे तै कह्या, “उठके दमिशक नगर मह जा, अर जो किमे तेरे तै करण कै खात्तर ठहराया गया सै ओड़ै तेरे तै सब बता दिया जावेगा।” 11 जिव उस चाँदणे के तेज के मारे मन्नै किमे कोनी दिख्या, तो मै अपने साथियाँ का हाथ पकड़े होए दमिशक नगर मह आया। 12 “फेर हनन्याह नामक नियम-कायदे कै मुताबिक एक भगत माणस, जो ओड़ै के रहणीये सारे यहूदियाँ मह सुनाम्मी था, मेरे धोरे आया,” 13 अर खड़े होके मेरे तै कह्या, “हे भाई शाऊल, फेर देखण लाग।” उससे बखत मेरी आँख खुलगी अर मन्नै उस ताहीं देखा। 14 फेर उसनै कह्या, “म्हारे बाप-दादा के परमेसवर नै तेरे ताहीं ज्याँते ठहराया के तू उसकी मर्जी नै जाणै, अर उस धर्मी नै देखवै अर उसके मुँह की बात सुणै। 15 क्यूँके तू उसकी ओड़ तै सारे माणसां के स्याम्ही उन बातों का गवाह होगा जो तन्नै देखी अर सुणी सै। 16 इब क्यताँ वार करै सै? उठ, बपतिस्मा ले, अर उसका नाम लेके अपने पापां की माफी पा ले।” 17 “जिव मै दुबारा यरुशलेम नगर मह आके मन्दर मह प्रार्थना करण लागरया था, तो बेसुध होग्या, 18 अर उस ताहीं देखा के वो मेरे तै कहवै सै, ‘तावळ करके यरुशलेम नगर तै झट दे-सी लिक्डज्या,’ क्यूँके वे मेरे बारे मह तेरी गवाही कोनी मानैगें।” 19 मन्नै कह्या, “हे प्रभु, उननै तो खुदे बेरा सै के मै तेरे पै विश्वास करण आळा नै जेळ मह गेरू अर जगहां-जगहां आराधनालय मह छित्ताऊँ था। 20 जिव तेरे गवाह स्तिफनुस का लहू बहाया जाण लागरया था जद मै भी ओड़ैए खड्या था अर इस बात मह सहमत था, अर उसके मारणीयां के लत्यां की रुखाळी करुं था।” 21 अर प्रभु नै मेरे तै कह्या, “चल्या जा क्यूँके मै तेरे ताहीं गैर यहूदियाँ के धोरे दूर-दूर भेज्जूंगा।” 22 माणस इस बात तक उसकी सुणदे रहे, फेर जोर तै चिल्लाए, “इसे माणस का नाश करो, उसका जिन्दा रहणा ठीक कोनी!” 23 जिव वे चिल्लान्दे अर लत्ते बगान्दे अर अकास मह धूळ उड़ावै थे, 24 तो पलटन के सरदार नै कह्या, “इस ताहीं गढ़ मह ले जाओ, अर कोड़े मारके जाँच्यो, के मन्नै बेरा लागै के माणस किस कारण उसके बिरोध मह इस ढाळ चिल्लावै सै।” 25 जिव उननै उस ताहीं फिल्यां तै बाँधया तो पौलुस नै उस सूबेदार तै जो धोरे खड्या था, कह्या, “के यो सही सै के थम एक रोमी माणस ताहीं, अर वो भी बिना कसूरवार ठहराए होए, कोड़े मारो?” 26 सूबेदार नै न्यू सुणके पलटन के सरदार के धोरे जाके कह्या, “तू यो के करै सै? यो तो रोमी माणस सै।” 27 फेर पलटन के सरदार नै उसके धोरे आके कह्या, “मन्नै बता, के तू रोमी सै?” उसनै कह्या, “हाँ।” 28 न्यू सुणके पलटन के सरदार नै कह्या, “मन्नै रोमी होण का पद घणे रपिये देके मिल्या सै।” पौलुस नै कह्या, “मै तो जन्म तै रोमी सुं?” 29 फेर जो माणस उस ताहीं जाँचण पै थे, वे जिब्बे उसके धोरे तै हटगे, अर पलटन का सरदार भी न्यू जाणके के यो रोमी सै अर मन्नै उस ताहीं बाँधया सै, डररया। 30 दुसरे दिन उसनै सही-सही जाणण की मर्जी तै के यहूदी उसपै क्यताँ दोष लावे सै, उसके बन्धन खोल दिए, अर प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां की सभा ताहीं कठ्टा होण का हुकम दिया, अर पौलुस नै तळै ले जाके उनके स्याम्ही खड्या कर दिया।

23 पौलुस नै यहूदी अगुवां की सभा की ओड़ गौर ते देख्या अर कहा, “हे भाईयो, मन्ने आज ताहीं परमेसवर के खातर जमा-कती सच्चे मन ते जीवन बिताया सै।” 2 इसपे हनन्याह महायाजक नै उन ताहीं जो उसके धोरे खड़े थे, उसके मुँह पे थप्पड़ मारण का हुकम दिया। 3 फेर पौलुस नै उस्तै कहा, “हे चुन्ना फिरी होड़ भीत, परमेसवर तेरे ताहीं मारेगा। तू नियम-कायदे के मुताबिक मेरा न्याय करण नै बेठ्या सै, अर फेर के नियम-कायदे के खिलाफ मेरे ताहीं मारण का हुकम देवै सै?” 4 जो धोरे खड़े थे उननै कहा, “के तू परमेसवर के महायाजक नै आच्छा-भुंदा बोल्ले सै?” 5 पौलुस नै कहा, “हे भाईयो, मन्ने न्ही बेरा था के यो महायाजक सै, क्यूँके वचन म्ह लिख्या सै: ‘अपणे माणसां के प्रधान नै भुंदा ना बोलिए!’” 6 फेर पौलुस नै न्यू जाणकै के एक टोळ सदूकी अर दुसरा फरीसी लोग्गां का सै, यहूदी अगुवां की सभा म्ह रक्का मारकै कहा, “हे भाईयो, मै फरीसी अर फरीसी लोग्गां के वंश का सूं, मेरे होया की आस अर पुनरुत्थान के बारे म्ह मेरा मुकद्दमा होरया सै।” 7 जब उसनै या बात कही तो फरीसियाँ अर सदूकियाँ म्ह दंगा होण लागया, अर सभा म्ह फूट पड़गी। 8 क्यूँके सदूकियाँ का बिश्वास तो न्यू कहरवै सै, के ना पुनरुत्थान सै, ना सुर्गदूत अर ना आत्मा सै, पर फरीसी इन सारवै ना मान्नै सै। 9 फेर घणा दंगा माच्या अर कुछ शास्त्री जो फरीसियाँ के टोळ के थे, उठ लिए अर न्यू कहकै दंगा करण लागे, “हम इस माणस म्ह कोए बुराई कोनी पाँदे, अर जे कोए आत्मा या सुर्गदूत उस्तै बोल्या सै तो फेर के होग्या?” 10 जब घणा दंगा होया, तो पलटन के सरदार नै इस भय तै के वे पौलुस के टुकड़े-टुकड़े ना कर देवै, पलटन ताहीं हुकम दिया के उतरके उस ताहीं उनके बिचाळै तै हाँगै तै लिकाड़ै, अर गढ़ म्ह ले जावै। 11 उससे रात प्रभु यीशु नै उसके धोरे खड़े होकै कहा, “हे पौलुस, धीरज राख, क्यूँके जिसे तन्ने यरुशलेम नगर म्ह मेरी गवाही देई, उसीए तन्ने रोम म्ह भी गवाही देणी होगी।” 12 जब दिन लिकड़या तो यहूदियाँ नै साजिस रची अर कसम खाई के जिब ताहीं हम पौलुस नै मार न्ही देवा, जै हम खावां या पीवां तो म्हारे पै धिक्कार सै। 13 जिन नै आप्पस म्ह या कसम खाई थी, वे चाळीस जणयां तै घणे थे। 14 उननै प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां के धोरे जाकै कहा, “हमनै न्यू ठान लिया सै के जिब ताहीं हम पौलुस नै मार न्ही देंदे, जद ताहीं जै किमे चाक्खां तो म्हारे पै धिक्कार सै। 15 इस करके इब यहूदी अगुवां की सभा सुधा पलटन के सरदार नै समझाओ के उसने धारे धोरे लियावे, मान ल्यो के थम उसके बारे म्ह और भी सही तै जाँच करणा चाहवो सो, अर हम उसके पोहोचण तै पैहल्याए उस ताहीं मार देण के खातर त्यार रहवांगे।” 16 पौलुस के भाणजै नै सुणया के वे उसकी टाह म्ह सै, तो गढ़ म्ह जाकै पौलुस ताहीं संदेशां दिया। 17 पौलुस नै सूबेदारां म्ह तै एक ताहीं अपणे धोरे बुलाकै कहा, “इस जवान नै पलटन के सरदार के धोरे ले जाओ, यो उसतै किमे कहणा चाहवै सै।” 18 इस करके उसने उस ताहीं पलटन के सरदार के धोरे ले जाकै कहा, “कैदी पौलुस नै मेरे ताहीं बुलाके बिनती करी के यो जवान पलटन के सरदार तै किमे कहणा चाहवै सै, उस ताहीं उसके धोरे ले जा।” 19 पलटन के सरदार नै उसका हाथ पकड़के अर न्यारा जाकै बुड़झया, “तू मेरे तै के कहणा चाहवै सै?” 20 वो बोल्या, “यहूदियाँ नै साजिस रची सै के तेरे तै बिनती करे के काल पौलुस नै यहूदी अगुवां की सभा म्ह ल्यावै, मान्नो वे और सही ढाळ तै उसकी जाँच करणा चाहवै सै। 21 पर उनकी मानियो मतना, क्यूँके उन म्ह तै चाळीस के उपर माणस उसने मारण की टाह म्ह सै, जिन नै न्यू ठान लिया सै के जिब ताहीं वे पौलुस नै मार न्ही देवै, जद ताहीं ना खावेगें अर ना पीवेंगें, अर इब वे त्यार सै अर तेरे वचन की बाट देखण लागरे सै।” 22 फेर पलटन के सरदार नै जवान ताहीं यो हुकम देकै बिदा करया, “फिसे तै ना कहिये के तन्ने मेरे तै ये बात बताई सै।” 23 फेर उसनै दो सूबेदारां ताहीं बुलाकै कहा, “दो सौ सिपाही, सत्तर सवार, अर दो सौ भालैत, रात के नौ बजे कैसरिया नगर नै जाणकै खातर त्यार कर करो। 24 अर पौलुस की सवारी के खातर घोड़े त्यार राक्खो, के उस ताहीं फेलिक्स राज्यपाल के धोरे राज्जी-खुशी तै पोहोचा दे।” 25 उसने इस तरियां की चिट्ठी भी लिक्खी 26 महामहिम

फेलिक्स राज्यपाल ताहीं व्लौकियुस लूसियास का नमस्कार। 27 इस माणस ताहीं यहूदियाँ नै पकड़के मार देणा चाहा, पर जब मन्ने जाणया के रोमी सै, तो पलटन लेके छुड़ा ल्याया। 28 मै जाणणा चाहूँ था के वे उसपै किस कारण दोष लावै सै, ज्यांतै उस ताहीं यहूदी अगुवां की सभा म्ह ले गया। 29 फेर मन्ने जाण लिया के वे अपने नियम-कायदे के रोळे के बारे म्ह उसपै इल्जाम लगावै सै, पर मार देण जोग्या या बाँधे जाणके जोग्या उस म्ह कोए कसूर कोनी। 30 जब मेरे ताहीं बताया गया के वे इस माणस की टाह म्ह लागरे सै तो मन्ने जिब्बे उस ताहीं तेरे धोरे भेज दिया, अर बैरियाँ ताहीं भी हुकम दिया के तेरे स्याम्ही उसपै नालिश करै। 31 आखर म्ह जिसा सिपाहियाँ नै हुकम मिल्या था, उससे तरियां ए वे पौलुस नै लेके रातो-रात अन्तिपत्रिस म्ह आये। 32 दुसरे दिन वे सवारा नै उसके गेल्या जाणके खातर छोड़के खुद यरुशलेम म्ह बोहड़ै। 33 उननै कैसरिया पोहचके राज्यपाल ताहीं चिट्ठी दी, अर पौलुस ताहीं भी उसके स्याम्ही खड्या करया। 34 राज्यपाल नै चिट्ठी पढ़के बुड़झया, “यो किस प्रान्त का सै?” 35 अर जब जाण लिया के किलिकिया परदेस का सै तो उसतै कहा, “जिब तेरे बैरी भी आवेंगें, तो मै तेरा मुकद्दमा करूंगा।” अर उसने उस ताहीं हेरोदेस के किले म्ह पहरे म्ह राक्खण का हुकम दिया।

24 पाँच दिन के पाच्छे हनन्याह महायाजक कई यहूदी अगुवें अर तिरतुल्लुस नामक किसे वकील नै गेल्या लेके कैसरिया नगर आ पोहचे। उननै राज्यपाल के स्याम्ही पौलुस कि बुराई करी। 2 जब पौलुस बुलाया गया तो तिरतुल्लुस उसपै इल्जाम लाके कहण लाया: “हे महामहिम फेलिक्स, तेरे जरिये हम राज्जी-खुशी सां, अर तेरे इन्तजाम तै इस जात के खातर घणीए बुराईयाँ सुधरदी जावै सै। 3 इस ताहीं हम हरेक जगहां अर हरेक तरियां तै धन्यवाद के गैल मान्नां सां। 4 मै तेरा और ज्यादा बखत कोनी लेऊँ, मै तेरे तै बिनती करूँ सूं के दया करके दो-एक बात सुण लो।” 5 “बात या सै के इस माणस ताहीं हमने एक उत्पाती के रूप म्ह पाया सै, सारी दुनिया के यहूदिया परदेस म्ह इसने दंगे भड़काए सै, यो नासरियाँ के पंथ का नेता सै। 6 उसने मन्दर ताहीं अशुद्ध करणा चाहा, पर हमने उस ताहीं पकड़ लिया। (हमने उस ताहीं अपने नियम-कायदे के मुताबिक सजा दे दी होन्दी, 7 पर पलटन के सरदार लूसियास नै उस ताहीं हाँगै तै म्हारे हाथ तै खोस लिया, 8 अर बैरियाँ ताहीं तेरे स्याम्ही आण का हुकम दिया।) इन सारी बातों नै जिनके बारे म्ह हम उसपै इल्जाम लावां सां, तू खुदे ए उसनै जाँच करके जाण लेवैगा।” 9 यहूदियाँ नै भी उसका साथ देकै कहा, ये बात इस्से ढाळ तै करी सै। 10 जब राज्यपाल नै पौलुस ताहीं बोल्लण का इशारा करया, तो उसने जवाब दिया: “मै न्यू जाणके के तू घणे साल्लां तै इस जात का न्याय करण लागरया सै, खुशी तै अपना बदले का जवाब देऊँ सूं। 11 तू आप्पे ए जाण सकै सै जब तै मै यरुशलेम नगर के मन्दर म्ह आराधना करण नै आया, मन्ने बारहा दिनां तै बाध कोनी होए, 12 उननै मेरे ताहीं ना मन्दर म्ह, ना आराधनालयों म्ह, ना किसे नगर म्ह किसे तै बहस करदे या भीड़ लगादे पाया, 13 अर ना तो वे उन बातों ताहीं, जिनका वे इब मेरे पै दोष लावै सै, तेरे स्याम्ही साबित कर सकै सै। 14 पर मै तेरे स्याम्ही यो मान ल्यो सूं के जिस पन्थ नै वे बुरा पन्थ कइवै सै, उससे की रीत पे मै अपने बाप-दादा के परमेसवर की सेवा करूँ सूं, अर जो बात नियम-कायदे अर नबियाँ की किताबां म्ह लिक्खी सै, उन सारया पै बिश्वास करूँ सूं। 15 अर परमेसवर तै आस राक्खूँ सूं जो वे खुद भी राक्खै सै, के धर्मी अर अधर्मी दोनुआ का जिन्दा उठणा होवैगा। 16 इसतै मै खुद भी कोशिश करूँ सूं के परमेसवर की, अर माणसां की ओड़ तै मेरा मन सारी-हाण बेकसूर रहवै।” 17 “घणे साल्लां पाच्छे मै गरीबां नै दान पोहोचान, अर भेंट चढ़ाना आया था। 18 उससे बखत इननै मेरे ताहीं मन्दर म्ह, शुद्ध होण की रीति पूरी करते देख्या, ओड़ै ना कोए भीड़ थी, अर ना ए किसे ढाळ का शोर, पर ओड़ै आसिया परदेस के कई यहूदी थे। 19 जै मेरे बिरोध म्ह उनकै धोरे कोए बात कहण की हो तो उरे तेरे स्याम्ही आकै मेरे पे इल्जाम लांदे। 20 या वे खुद ए बतावै के

जिब मैं यहूदी अगुवां की सभा के स्याम्ही खड्या था, तो उननै मेरै म्ह कोण सा कसूर पाया? 21 इस एक बात नै छोड़ जो मन्ने उनके बिचाळै खड्या होके कहीं थी: 'मेरे होया के जिन्दा उठण के बारे म्ह आज मेरा थारे स्याम्ही मुकद्दमा होण लागरया सै।' 22 फेलिक्स नै, जो इस पन्थ की बात सही-सही जाणै था, उन तार्हीं न्यू कहकै टाळ दिया, "जिब पलटन का सरदार लूसियास आवैगा, तो थारी बात का फैसला कर्हंगा।" 23 उसनै सुबेदार तार्हीं हुकम दिया के पौलुस तार्हीं जेळ म्ह तो राख्या जावै पर उस तार्हीं इतनी छूट जरूर दी जावै के उसके खास साथी आके उसकी सेवा कर सके। 24 कुछ दिनां पाच्छे फेलिक्स हाकिम अपनी घरआळी दुसिल्ला तार्हीं, जो यहूदी थी, गेल्या लेके आया अर पौलुस तार्हीं बुलवाके उस बिश्वास के बारे म्ह जो मसीह यीशु पै सै, उस्ततै सुणया। 25 जिब पौलुस धर्म, अर संयम, अर आण आळे न्याय का जिक्क करण लागरया था, तो फेलिक्स नै भयभीत होके जवाब दिया, "इब तो जा, मौक्का मिल लिए मैं तन्ने दुबारा बुलवाऊंगा।" 26 फेलिक्स तार्हीं पौलुस तै कुछ रपिये मिलण की भी आस थी, ज्यांतै और भी बुला-बुलाके उस्ततै बात करया करै था। 27 पर जिब दो साल बीतगे तो पुरकियुस फेस्तुस, फेलिक्स की जगहां पै आया, अर फेलिक्स यहूदियां तार्हीं राज्जी करण की मर्जी तै पौलुस तार्हीं कैदी ए छोड़ गया।

25 राज्यपाल पद का काम सम्भालण के तीन दिन बाद फेस्तुस कैसरिया नगर तै यरुशलेम नगर म्ह गया। 2 फेर प्रधान याजकां अर यहूदियां के खास माणसां नै उसके स्याम्ही पौलुस की बुराई करी, 3 के वो खियास करके पौलुस तार्हीं यरुशलेम नगर भेजदे, असल म्ह उसकी तरकीब राह म्ह मौक्का देखके पौलुस तार्हीं मारण की थी। 4 फेस्तुस नै जवाब दिया, "पौलुस कैसरिया म्ह पहरे म्ह सै, अर मैं आप्णे ए तावळ तै ओड़े जाऊंगा।" 5 फेर बोल्या, "थारे म्ह जो अधिकार राखवै सै वे गैल चाल्लै, अर जै इस माणस नै किमे गलत काम करया सै तो उसपै इल्जाम लावै।" 6 उनके बिचाळै कोए आठ-दस दिन रहके फेस्तुस कैसरिया चल्या गया, अर दुसरे दिन न्याय-गद्दी पै बैठके पौलुस तार्हीं ल्याण का हुकम दिया। 7 जिब वो आया तो जो यहूदी अगुवें यरुशलेम नगर तै आये थे, उननै लोवै-धोवै खड़े होके उसपै घणे भारया दोष लगाये, जिनका सबूत वे कोनी दे सके थे। 8 पर पौलुस नै जवाब दिया, "मन्ने ना तो यहूदियां के नियम-कायदे के अर ना मन्दर के, अर ना ए कैसर के बिरुध्द कोए अपराध करया सै।" 9 फेर फेस्तुस नै यहूदी अगुवां तार्हीं राज्जी करण के मकसद तै पौलुस तै कह्या, "के तू चाहवै सै के यरुशलेम नगर नै जावै, अर ओड़े मेरै स्याम्ही तेरा यो मुकद्दमा तय करया जावै?" 10 पौलुस नै कह्या, "मैं कैसर के न्याय-गद्दी के स्याम्ही खड्या सूं, मेरै मुकद्दमे फैसला उरैए होणा चाहिये। जिसा तन्ने आच्छी ढाळ बेरा सै, यहूदियां का मन्ने किमे अपराध कोनी करया। 11 जै मैं अपराधी सूं अर मारण के जोगगा कोए काम करया सै, तो मरण तै कोनी नाटदा, पर जिन बाततां की ये मेरै पै इल्जाम लावै सै, जै उन म्ह तै कोए भी बात साच्यी न्ही लिकड़ी, तो कोए मेरै तार्हीं उनके हाथ्यां न्ही सौंप सकदा। मैं कैसर की दुहाई यु सूं।" 12 फेर फेस्तुस नै मन्त्रियां की सभा के गेल्या बात करके जवाब दिया, "तन्ने कैसर की दुहाई दी सै, तू कैसर के ए धोरे जावैगा।" 13 कुछे दिन बीतण के पाच्छे अग्रिप्पा राजा अर बिरनीके नै कैसरिया म्ह आके फेस्तुस तै भेंट करी। 14 उननै घणे दिन ओड़े रहण के पाच्छे फेस्तुस नै पौलुस के बारे म्ह राजा तार्हीं बताया "एक माणस सै, जिस तार्हीं फेलिक्स कैदी छोड़ गया सै।" 15 जिब मैं यरुशलेम नगर म्ह था, तो प्रधान याजक अर यहूदिया परदेस के यहूदी अगुवां नै उसकी बुराई करी अर चाह्या के उसपै दण्ड का हुकम होवै। 16 पर मन्ने उन तार्हीं जवाब दिया के रोमियों की या रीत कोनी के किसे माणस तार्हीं सजा के खात्तर सौंप देवै, जिब तार्हीं मुजरिम तार्हीं अपने बैरियों के स्याम्ही खड़े होके दोष का जवाब देण का मौक्का ना मिलै। 17 आखर जिब वे कठ्ठे होए, तो मन्ने किमे वार कोनी करी, पर दुसरे ए दिन न्याय-गद्दी पै बैठके उस माणस तार्हीं ल्याण का हुकम दिया। 18 जिब उसके बैरी खड़े होए, तो उननै इसी गलत बाततां की

इल्जाम कोनी लाई, जिसा मैं समझूँ था। 19 पर वे अपने पंथ के अर यीशु नाम किसे माणस के बारे म्ह, जो मरगया था अर पौलुस उस तार्हीं जिन्दा बतावै था, बहस करै थे। 20 मैं उळझन म्ह था के इन बाततां का बेरा किस ढाळ लाऊँ? ज्यांतै मन्ने उस्ततै बुझ्झया, के तू यरुशलेम नगर जावैगा के ओड़े इन बाततां का फैसला होवै? 21 पर जिब पौलुस नै दुहाई देई के "उसके मुकद्दमे का फैसला सम्राट कै उरै हो, तो मन्ने हुकम दिया के जिब तक उस तार्हीं कैसर के धोरे न्ही भेज्जु, उस तार्हीं हिरासत म्ह राख्या जावै।" 22 फेर अग्रिप्पा नै फेस्तुस तै कह्या, "मैं भी उस माणस की सुणणा चाहूँ सूं।" उसनै कह्या, "तू काल सुण लेवैगा।" 23 आखर म्ह दुसरे दिन जिब अग्रिप्पा अर बिरनीके बड़ी धूम-धड़ाके तै आये अर पलटन के सरदारों अर नगर के खास आदमियां के गेल्या दरबार म्ह पोहचे। फेर फेस्तुस नै हुकम दिया के वे पौलुस तार्हीं ली यावै। 24 फेस्तुस नै कह्या, "हे राजा अग्रिप्पा, अर हे सारे माणसों जो उरै म्हारे गेल्या सो, थम इस माणस नै देखवो सो, जिसके बारे म्ह सारे यहूदियां नै यरुशलेम नगर म्ह अर उरै भी रुक्के मार-मारके मेरै तै बिनती करी के इसका जिन्दा रहणा सही कोनी। 25 पर मन्ने बेरा पाट लिया के उसनै इसा किमे कोनी करया के मार दिया जा, अर जिब के उसनै आप्णे ए सम्राट की दुहाई दी, तो मन्ने उन तार्हीं खन्दाण का फैसला करया। 26 मन्ने उसके बारे म्ह कोए पक्की बात कोनी पाई के अपने मालिक के धोरे लिखूँ। ज्यांतै मैं उस तार्हीं थारे स्याम्ही अर खासकर हे राजा अग्रिप्पा तरे स्याम्ही ल्याया सूं के जाँचे पाच्छे मन्ने किमे लिखण का मौक्का मिलै। 27 क्यूँके कैदी तार्हीं खन्दाणा अर जो दोष उसपै लगाये सै, उन तार्हीं न्ही बताणा, मन्ने खामखां लागया सै।"

26 अग्रिप्पा नै पौलुस तै कह्या, "तेरे तार्हीं अपने बाबत बोल्लण की आज्ञा सै।" फेर पौलुस हाथ तै इशारा करके जवाब देण लागया, 2 "हे राजा अग्रिप्पा, जितनी बाततां का यहूदी अगुवें मेरै पै इल्जाम लावै सै, आज तेरे स्याम्ही उनका जवाब देण म्ह अपने तार्हीं धन्य समझूँ सूं, 3 खास करके ज्यांतै के तू सारी यहूदी प्रथा अर परेशानियां नै भली-भाँति जाणै सै। इस करके मैं बिनती करूँ सूं, धीरज तै मेरी सुण।" 4 "मेरा चाल-चलण शरुआत तै अपनी जात के बिचाळै अर यरुशलेम नगर म्ह जिसा था, उसका सारे यहूदियां नै बेरा सै। 5 जै वे गवाही देणा चाहवें, तो तू मेरै तार्हीं तब तै पिच्छाण सै जिब मैं जवान था, के मैं फरीसी होके अपने धर्म के सबतें खरे पन्थ के मुताबिक चाल्या। 6 अर आज मैं परमेसवर के जरिये म्हारे पूर्वजां नै दिए गये उस वादे की आस के कारण उरै दोषी के रूप म्ह खड्या सूं। 7 यो वोए वादा सै, जिसके पूरे होण की आस म्हारे बारहां कुल दिन-रात सच्चाई म्ह परमेसवर की भगति-आराधना करदे होए आये सै। हे राजा, आज मेरै पै यहूदियां के जरिये मुकद्दमा इस्से आस के कारण चलाया जाण लागरया सै। 8 जिब के परमेसवर मेरे होया नै जिन्दा करै सै, तो थारे उरै या बात क्यांतै बिश्वास के जोगी कोनी समझी जान्दी?" 9 "मन्ने भी समझया था के यीशु नासरी के नाम के बिरोध म्ह मन्ने भोत कुछ करणा चाहिये। 10 अर मन्ने यरुशलेम नगर म्ह न्यूए करया, अर प्रधान याजकां तै हक पाके घणखरे पवित्र माणसां तार्हीं जेळ म्ह गेरया, अर जिब वे मार दिये जावै थे तो मैं भी उनके बिरोध म्ह अपनी राय बु था। 11 हरेक आराधनालय म्ह मैं उन तार्हीं कांल कर-करके यीशु की बुराई करवाऊँ था, उरै तार्हीं के छो के मारे इसा बावळा होग्या के दुसरे नगरां म्ह भी जाके उन तार्हीं कांल करूँ था।" 12 "इस्से धुन म्ह जिब मैं प्रधान याजकां तै अधिकार अर हुकम-चिट्ठी लेके दमिश्क नगर नै जाण लागरया था, 13 तो हे राजा, राह म्ह दोफारी के बखत मन्ने अकास तै सूरज के तेज तै भी बढ़के एक चोंदणा, अपने अर अपने गेल्या चाल्लण आळा के चौरादे नै चमकदा होड़ देख्या। 14 जिब हम सारे धरती पै पड़गे, तो मन्ने इब्रानी भाषा म्ह, मेरै तै न्यू कहन्दे होए एक बोल सुणया, 'हे शाऊल, हे शाऊल, तू मन्ने क्यांतै सतावै सै? पैने पै लात मारणा तेरे खात्तर ओक्खा सै। (जै तू मन्ने सतावैगा तो तू खुद नै सतावैगा)'" 15 फेर मैं बोल्या, "हे प्रभु, तू कौण सै?" प्रभु नै कह्या, "मैं यीशु सूं, जिस

ताही तू सतावे सै। 16 पर तू उठ, अपने पायां पै खड्या हो, क्यूँके मन्ने तेरे ताहीं ज्यातै दर्शन दिया सै के तन्ने उन बातां का भी सेवक अर गवाह ठहराऊँ, जो तन्ने देखखी सै, अर उनका भी जिनके खातर मै तन्ने दर्शन दियुँगा। 17 अर मै तन्ने तेरे माणसां तै अर गैर यहूदियाँ तै बचान्दा रहूँगा, जिनके धौरे मै इब तन्ने इस करके भेज्जू सू 18 के तू उनकी आँख खोल्ले के वे अन्धैरै तै चाँदणे कान्ही, अर शैतानके अधिकार तै परमेसवर के कान्ही पलटै, इस करके के पापां की माफी अर उन माणसां के गेल्या जो मैरे पै बिश्वास करण तै पवित्र करे गये सै, वसियत पावै।” 19 “इस करके हे राजा अग्रिप्पा, मन्ने उस सुर्माँय दर्शन की बात कोनी टाळी, 20 मन्ने सबतै पैहल्या दमिश्क नगर के, फेर यरुशलैम नगर के, अर फेर यहूदिया परदेस के बासिन्दा ताहीं, अर गैर यहूदियाँ म्ह भी यो प्रचार करदा रह्या के पाप करणा छोड़के परमेसवर कान्ही बोहड़ आओ, अर अपने सुभाव के जरिये यो साबित करो के थमनै पाप करणा छोड़ दिया सै। 21 इन बातां के कारण यहूदी मन्ने मन्दर म्ह पकड़के मार देण की कोशिश करै थे। 22 पर परमेसवर की मदद तै मै आज ताहीं बणया सूँ छोट्या-बड़या सारया के स्याम्ही गवाही हूँ सूँ, अर उन बातां नै छोड़ किमे कोनी कहन्दा जो नबियाँ अर मूसा नबी नै भी कान्हा के होण आळी सै, 23 के मसीह नै दुख ठाणा होगा, अर वोए सब तै पैहल्या मरे होया म्ह तै जी उठके, म्हारे माणसां म्ह गैर यहूदियाँ म्ह चाँदणे का प्रचार करैगा।” 24 जिव वो इस तरियां तै जवाब देण लागरया था, तो फेस्तुस नै ऊँक्यी आवाज म्ह कह्या, “हे पौलुस, तू बावळा सै। घणे ज्ञान नै तेरे ताहीं बावळा कर दिया सै।” 25 पर पौलुस नै कह्या, “हे महामहिम फेस्तुस, मै बावळा कोनी, पर सच्चाई अर बुद्धि की बात कहुँ सूँ। 26 राजा नै भी जिसके स्याम्ही मै बिना डरे बोल्लण लागरया सूँ, इन बातां का बेरा सै, अर मन्ने बिश्वास सै के इन बातां म्ह तै कोए उसतै लुक्की कोनी, क्यूँके यो वाक्या गुप्त म्ह कोनी होया। 27 हे राजा अग्रिप्पा, के तू नबियाँ का बिश्वास करे सै? हौं, मन्ने बेरा सै के तू बिश्वास करे सै।” 28 फेर अग्रिप्पा नै पौलुस तै कह्या, “तू माड़े-से समझण तै मन्ने मसीह बणणा चाहवे सै?” 29 पौलुस बोल्या, “परमेसवर तै मेरी प्रार्थना सै के, देर या सबेर तै, पर ये सारे सुणण आळे, जो आज मेरी बात सुणै सै, वे मैरे समान हो जावै।” 30 फेर राजा अर अधिकारी अर बिरनीके अर उनके गेल्या बैठणीये उठ खड़े होए, 31 न्यायालय तै बाहर लिकाड़के आप्पस म्ह कहण लागे, “यो माणस इसा तो किमे कोनी करदा, जो मौत की सजा या जेळ, म्ह गेरण जोगा हो।” 32 अग्रिप्पा नै फेस्तुस तै कह्या, “जै यो माणस केसर की दुहाई न्ही देँदा, तो छूट सके था।”

27 जिव फेस्तुस राज्यपाल के जरिये यो पक्का होग्या के हम जहाज के जरिये इटली देश जावां, तो उननै पौलुस अर कुछ दुसरे कैदियाँ ताहीं भी यूलियुस नामक ओगुस्तुस सम्राट की पलटन के एक सूबेदार के हाथ्यां सौंप दिया। 2 अद्रुमुत्तियुम नगर के एक जहाज पै जो आसिया परदेस के किनारे की जगहां पै जाण पै था, पाणी रास्ते हमनै अपना सफर शरु करया, अर अरिस्तुखुस नामक जो मकिदुनिया परदेस के थिस्सलुनीके नगर का एक बसिन्दा था। 3 दुसरे दिन हम सैदा नगर पोहचये गये, अर यूलियुस नै पौलुस पै दया करके उस ताहीं साथियाँ के उरै जाण दिया के उनतै जरूरी चीज ले आवां। 4 ओड़ै तै हमनै सफर दुबारा शरु करया, हवा के पलट होण के कारण हम साइप्रस टापू की ओट म्ह होके चाल्ले, 5 अर किलिकिया परदेस अर पंफूलिया किनारे के लौवै के समुन्दर म्ह होके लूसिया के मूर नगर म्ह उतरे। 6 ओड़ै सूबेदार नै सिकन्दरिया नगर का एक जहाज इटली देश जान्दा होड़ मिल्या, अर उसनै म्हारे ताहीं उस जहाज पै चढ़ा दिया। 7 जिव हम घणे दिनां ताहीं होळे-होळे चालके मुश्किल तै कनिदुस करबे के स्याम्ही पोहचे, तो इस करके के हवा म्हारे ताहीं आगै बढण कोनी देवे थी, हम सलमोने के स्याम्ही तै होके क्रेते टापू की आड़ म्ह चाल्ले, 8 अर उसके किनारे-किनारे मुश्किल तै चालके “शुभलंगरबारी” नामक एक जगहां पोहचे, जित्त तै लसया नगर लौवै था। 9 जिव घणे दिन बीत लिये अर पाणी

के सफर म्ह जोखम ज्यातै होवै थी ब्रत के दिन इब बीत लिये थे। आखर म्ह पौलुस नै उन सारया ताहीं कहके चेतावनी दी, 10 “हे सज्जनों, मन्ने इसा लागे सै के इस सफर म्ह मुश्किल अर घणा नुकसान, ना सिर्फ माळ अर जहाज की बल्के म्हारी जान का भी, होणआळा सै।” 11 पर सूबेदार नै पौलुस की बातां तै कप्तान अर जहाज के माल्लिक की बातां तै बाध मान्या। 12 शुभ लंगरबारी नाम का बंदरगाह जाड्डा काटण कै खातर सही कोनी था, ज्यातै घणाए का विचार होया के ओड़ै तै आगै बड़ जावां जै किसे तरियां तै हो सके तो फीनिक्स पोहचके जाड्डा काटे। यो तो क्रेते टापू का एक बंदरगाह सै जो दक्षिण-पश्चिम अर उत्तर-पश्चिम कान्ही खुल्लै सै। 13 जिव दक्षिणी हवा होळे-होळे चाल्लण लागी, तो न्यू सोच्या के उनकी तरकीब पूरी करण खातर बड़िया बखत था, लंगर उठाया अर किनारे धौरे होन्दे होए क्रेते टापू के किनारे जाण लागे। 14 पर माड़ी वार म्ह धरती के कान्ही तै बड्डी ए आँधी उठी, जो “यूरुकुलिन” कुह्लावे सै। 15 जिव आँधी जहाज पै लागी तो जहाज उसके स्याम्ही ठैहर कोनी सक्या, इस करके हमनै जहाज ताहीं हवा के बाहाव छोड़ दिया, अर इससे तरियां बहन्दे होए चाल्ले गये। 16 फेर कौदा नामक एक छोटे-से टापू की आड़ म्ह बहन्दे-बहन्दे हम मुश्किल तै डोंगी नै बस म्ह कर सके। 17 फेर जहाज के मल्लाहा नै उस ताहीं ठाके सही उपाय करके जहाज ताहीं तळे तै रस्यां तै कसके बाँध्या, अर सुराँस खाडी के चोरबालू पै फँस जाणके डर तै उननै लंगर ताहीं थोड़े नीचवे उतारके जहाज ताहीं हवा के बाहाव के गैल-गैल बहण कै खातर छोड़ दिया। 18 जिव हमनै आँधी तै घणे हिचकोले अर धक्के खाए, तो दुसरे दिन वे जहाज का माळ बगाण लागे, 19 अर तीसरे दिन उननै अपने हाथ्यां तै जहाज का साज-सामान भी बगा दिया। 20 जिव घणे दिन ताहीं ना सूरज, ना तारे दिक्खे अर बड्डी आँधी चाल्दी रही, तो आखर म्ह म्हारे बचण की सारी उम्मीद जान्दी रही। 21 जिव वे घणे दिन ताहीं भूखे रह लिये, तो पौलुस नै उनके बिचाळे खड़े होके कह्या, “हे भाईयो, चाहिये था के थम मेरी बात मानके क्रेते टापू तै आगै ए ना बढते तो या मुसीबत न्ही आन्दी अर ना यो नुकसान ठान्दे। 22 पर इब मै थमनै समझाऊँ सूँ के धीरज राखखो, क्यूँके थारे म्ह तै किसे की जान का नुकसान कोनी होवेगा, पर सिर्फ जहाज का। 23 क्यूँके परमेसवर जिसका मै सूँ, अर जिसकी भगति कहुँ सूँ उसके सुराँदूत नै आखरी रात मैरे धौरे आके कह्या, 24 ‘हे पौलुस, डरे मतना! तन्ने केसर के स्याम्ही खड्या होण जरूरी सै। परमेसवर नै सारया ताहीं जो तेरे गेल्या सफर करे सै, जीवन दान दिया सै।’ 25 ज्यातै, हे भले माणसां, सब करो, क्यूँके मै परमेसवर का बिश्वास कहुँ सूँ, के जिसा मैरे तै कह्या गया सै, उसाए होगा। 26 पर म्हारे ताहीं किसे टापू पै जा टिकणा होगा।” 27 जिव चौदहवीं रात आई, अर हम अद्रिया समुन्दर म्ह भटकदे होए हौं डरे थे, तो आध्दी रात के लौवै मल्लाहां नै अंदाजे तै जाणया के हम किसे देश के लौवै पोहच रहे सां। 28 पाणी की गहराई नापण पै उननै एक सौ बीस फुट डूच्या पाया, अर थोड़ा आगै बढके दुबारा थाह लेई तो नब्बे फुट पाया। 29 फेर पथरीली जगहां तै टकरण के डर तै उननै जहाज की पिछली ओड़ चार लंगर गेरे, अर सबेरे होण की चाह करदे रहे। 30 पर जिव मल्लाह जहाज पै तै भाजणा चाहवै थे, अर गलही तै लंगर गेरण कै बहाणे डोंगी समुन्दर म्ह उतार दी, 31 तो पौलुस नै सूबेदार अर सिपाहियाँ तै कह्या, “जै ये जहाज पै न्ही रहे, तो थम भी कोनी बच सकदे।” 32 फेर सिपाहियाँ नै जोड़े काटके डोंगी गेर दी। 33 जिव सबेरे होण पै था, फेर पौलुस नै न्यू कहके, सारया ताहीं खाणा खाण के खातर बिनती की, “आज चौदहा दिन होगे सै के थम चिन्ता करते-करते भूखे रहे, अर किमे न्ही खाजा। 34 ज्यातै थारे तै समझाऊँ सूँ के किमे खा ल्यो, जिसतै थारा बचाव होवे, क्यूँके थारे म्ह तै किसे का सिर का एक बाल भी कोनी गिरैगा।” 35 न्यू कहके उसनै रोटी लेके सारया के स्याम्ही परमेसवर का धन्यवाद करया अर तोड़के खाण लाग्या। 36 इस बात तै वे सारे उत्साहित होके खाणा खुवाण लागे। 37 हम सारे मिलके जहाज पै दो सौ छिहत्तर जणे थे। 38 जिव वे खाणा खाके छिक्क लिये, तो गेहूँ ताहीं समुन्दर म्ह बगाके जहाज हल्का करण लागे। 39 जिव दिन

लिकड़या तो उनने उस देश ताहीं कोनी पिच्छाणा, पर एक खाड़ी देख्खी जिसका किनारा चौरस था, अर विचार करया के जै हो सके तो इस्से पै जहाज नै टिकावै। 40 फेर उनने लंगरा ताहीं खोल के समुन्दर म्ह छोड़ दिया अर उससे बखत पाल के रस्से ढीलकर दिये, अर हवा के स्याम्ही आगला पाल चढ़ाके किनारे कै कान्ही चाल्ले। 41 पर दो समुन्दर के संगम की जगहां पड़के उनने जहाज ताहीं टिकाया, अर आगला भाग तो टिक गया, पर पिछली ओड़ लहरा तै टूटण लागी। 42 फेर सिपाहियाँ का यो विचार होया के कैदियाँ ताहीं मार देवें, इसा ना हो के कोए तैर कै लिकड़ भाज्जै। 43 पर सूबेदार नै पौलुस ताहीं बचाण की मर्जी तै उन ताहीं इस विचार तै रोक्या अर न्यू कह्या, के जो तैर सके सै, पैहल्या छलाँग मारके किनारे पै लिकड़ जावै। 44 अर बाकी कोए फट्टा पै, अर कोए जहाज की दुसरी चीज कै सहारै लिकड़ जावै। इस तरियां तै सारे धरती पै बच लिकड़े।

28 जिब हम बच लिकड़े, तो बेरा लाग्या के यो माल्टा टापू कुह्वावै सै। 2 ओड़ै के बासिन्द्यां नै म्हारै पै अनोकखी दया करी, क्यूँके मिह बरसण के कारण ठण्ड थी, ज्यांतै आग सुलगाके हम सारया ताहीं ठहराया। 3 जिब पौलुस नै लाकड़ियाँ का भरोटा कट्ठा करके आग पै धरया, तो एक साँप आँच पाके लिकड़या अर उसकै हाथ तै लिपट गया। 4 जिब उन बासिन्द्यां नै साँप ताहीं उसकै हाथ तै लिपटे होड़ देख्या, तो आप्पस म्ह कह्या, “साच्चए यो माणस खुन्नी सै के फेर भी समुन्दर तै बच गया, तोभी न्याय नै जिन्दा कोनी रहण दिया।” 5 फेर उसनै साँप ताहीं आग म्ह झटक दिया, अर उस ताहीं किमे नुकसान कोनी होया। 6 पर वे लोग बाट देख्खे थे के वो सूज जावैगा या चाणचक पड़के मर जावैगा, पर जिब वे घणी वार ताहीं देखदे रहे अर देख्या के उसका किमे भी कोनी बिगड़या, तो अपना विचार बदलके कह्या, “यो तो कोए देवता सै।” 7 उस जगहां के लोवै-धोवै उस टापू के प्रधान पुबलियुस की धरती थी। उसने म्हारै ताहीं अपने घरां ले जाके तीन दिन मित्तर की ढाळ सेवा-पाणी करी। 8 पुबलियुस का बाप बुखार अर बवासीर तै बीमार पड्या था। आखर म्ह पौलुस नै उसकै धोरे कमरे म्ह जाके प्रार्थना करी अर उसपै हाथ धरके उस ताहीं ठीक करया। 9 जिब इसा होया तो उस टापू के बाकी बीमार पौलुस कै धोरे आये अर वे चंगे करे गये। 10 उननै म्हारा घणा आदर-मान करया, अर जिब हम चाल्लण लागे तो जो किमे म्हारै खात्तर जरूरी था, उनने जहाज पै धर दिया। 11 तीन महिन्ने कै पाच्छे हमने सिकन्दरिया जावण आळे जहाज पै सफर शरु करया, यो जहाज ठण्ड के कारण इस टापू म्ह ठहरा होया था, इस जहाज के आगले भाग पै एक जोड़ी देवत्यां का एक निशान था। (दियुसकुरी गद्दी होई थी) 12 सुरकूसा नगर म्ह लंगर गेर के हम तीन दिन टिके रहे। 13 ओड़ै तै आगवै बढ़के हम रेगियुम नगर म्ह आये, अर एक दिन कै पाच्छे दक्षिणी हवा चाल्ली, फेर हम दुसरे दिन पुतियुली नगर म्ह आये। 14 ओड़ै हमने बिश्वासी भाई मिले, उनके कहणे तै हम उनके उरै सात दिन ताहीं रहे, अर इस तरियां तै हम रोम देश कान्ही चाल्ले। 15 कुछ बिश्वासी भाई रोम देश तै म्हारी खबर सुणके अपियुस कै चौक अर तीन-सराए ताहीं म्हारै तै फेटण नै लिकड़ आये, जिन नै देखके पौलुस नै परमेसवर का धन्यवाद करया अर बड़ा उत्साहित होया। 16 जिब हम रोम नगर म्ह पोहचे, तो पौलुस ताहीं एक सिपाही कै गेल्या जो उसकी रुखाळी करै था, एक्ले रहण का हुकम मिलग्या। 17 तीन दिन कै पाच्छे उसने यहूदियाँ के खास माणसां ताहीं बुलाया, अर जिब वे कठ्ठे होए तो उनतै कह्या, “हे भाईयो, मन्ने अपने माणसां के या बाप-दाद्या के बीवारां के बिरोध म्ह किमे भी कोनी करया, तोभी कैदी बणाके यरुशलेम नगर तै रोमी सरकार कै हाथ्यां साँप्या गया। 18 उननै मेरै ताहीं जाँचके छोड़ देणा चाह्या, क्यूँके मेरै म्ह मौत कै जोग्गा कोए कसूर कोनी था। 19 पर जिब यहूदी अगुवें इसके बिरोध म्ह बोल्लण लागे, तो मन्ने कैसर की दुहाई देणी पड़ी यो न्ही के मन्ने अपने माणसां पै कोए दोष लाणा था। 20 ज्यांतै मन्ने थारे ताहीं बुलाया सै के थारे तै मिलूँ अर बतळाऊँ, क्यूँके इस्राएल की आस के खात्तर वो मसीह इस बेल तै

जकड़े होए सै।” 21 उननै उसतै कह्या, “ना हमने तेरे बारे म्ह यहूदिया परदेस तै चिट्ठी पाई, अर ना बिश्वासी भाईयाँ म्ह तै किसे नै आके तेरे बारे म्ह किमे बताया अर ना बुरा कह्या। 22 पर तेरा विचार के सै? वोए हम तेरे तै सुणणा चाहवां सां, क्यूँके हमनै बेरा सै के हरेक जगहां इस पंथ के बिरोध म्ह माणस बात करै सै।” 23 फेर जो यहूदी पौलुस कै गैल थे, उनने उसके खात्तर एक दिन ठहराया, अर घणे माणस उसके उरै कठ्ठे होए, अर वो परमेसवर कै राज्य की गवाही देँदा होया, अर मूसा नबी के नियम-कायदे अर नबियाँ की किताबां तै यीशु के बारे म्ह समझा-समझाके सबेरै तै साँझ ताहीं वर्णन करदा रहया। 24 फेर कुछां नै उन बाततां ताहीं मान लिया, अर कुछां नै बिश्वास कोनी करया। 25 जिब वे आप्पस म्ह एक पंथ कोनी होए, तो पौलुस की इस बात के कहण पै चाल्ले गये “पवित्र आत्मा नै यशयाह नबी कै जरिये थारे बाप-दाद्या तै सही ए कह्या था,” 26 “जाके इन माणसां तै कह, के सुणदे तो रहोगे, पर ना समझोगे, देखदे तो रहोगे, पर ना बुझोगे! 27 क्यूँके इन माणसां का मन मोट्टा अर उनके कान भारया हो गये सै, अर उनने अपनी आँख मूंद ली सै, इसा ना हो के वे कदे आँखां तै देख्खे अर कान्ना तै सुणै अर मन तै समझै अर पलटै, अर मै उन ताहीं ठीक करूँ।” 28 “इस करके थम जाणो सो के परमेसवर के इस उद्धार की कथा गैर यहूदियाँ के धोरे भेज्जी गयी सै, अर वे स्वीकार करंगे।” 29 जिब उसने न्यू कह्या तो यहूदी आप्पस म्ह घणे बहस करण लागे अर ओड़ै तै चले गये। 30 वो पूरे दो साल अपने किराए कै घर म्ह रहया, 31 अर जो उसकै धोरे आवै थे, उन सारया तै मिलदा रहया अर बिना रोक-टोक घणा निडर होके परमेसवर कै राज्य का प्रचार करदा अर प्रभु यीशु मसीह की बात सिखान्दा रहया।

रोमियों

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का दास सै अर परमेसवर के जरिये प्रेरित होण के खातर चुण्या गया अर उसका सुसमाचार सुणाण खातर न्यारा करया गया सै। 2 यीशु के इस दुनिया म्ह आण तै भोत पैहले परमेसवर नै वादा करया था, के वो नबियाँ के जरिये इस सुसमाचार ताहीं जाहिर करे, जिननै इसके बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै। 3 यो सुसमाचार परमेसवर के बेटे के बारे म्ह सै, जो म्हारा प्रभु यीशु मसीह सै। वो शारीरिक तौर पै तो राजा दाऊद की पीढ़ी तै पैदा होया, 4 पर पवित्र आत्मा की शक्ति तै मेरे होया म्ह तै जिन्दा होण के कारण परमेसवर का बेटा कुहाया। 5 मसीह के जरिये हमनै अनुग्रह अर प्रेरिताई परमेसवर तै मिली, ताके उसके नाम के कारण गैर यहूदी माणस मसीह म्ह विश्वास करके उसकी मान्ने, 6 थम गैर यहूदी विश्वासी जो रोम नगर म्ह सों, उन माणसां म्ह शामिल सों, जिन ताहीं परमेसवर नै यीशु मसीह के माणस होण खातर बुलाया सै। 7 या चिट्ठी रोम नगर के उन सारे माणसां के नाम सै, जो परमेसवर के प्यारे सै, अर उसके पवित्र जन होण के खातर बुलाए गये सै। मै प्रार्थना करूँ सूँ, के म्हारे पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिलदी रहवै। 8 सब तै पैहल्या मै थम सारया के खातर यीशु मसीह के जरिये अपने परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूँ, क्यूँके यीशु मसीह म्ह थारे विश्वास का जिक्र साबती दुनिया म्ह होरया सै। 9 परमेसवर, जिसकी सेवा मै पूरे मन तै करूँ सूँ, अर उसके बेटे के सुसमाचार के बारे म्ह माणसां ताहीं बताऊँ सूँ, वोए मेरा गवाह सै, के मै अपनी प्रार्थना म्ह थमनै किस तरियां सारी हाण याद करूँ सूँ। 10 अर बिनती करूँ सूँ, के जै हो सक्था तो परमेसवर की इच्छा के मुताबिक मै थारे तै मिलण भी आऊँ। 11 क्यूँके मै थारे तै मिलण की लालसा करूँ सूँ, ताके मै थमनै कोए आत्मिक आशीष दियुँ जिसतै थम विश्वास म्ह मजबूत हो जाओ। 12 मेरे कहण का मतलब यो सै, के जब मै थारे तै मिलु, तो मै थारे ताहीं अर थम मन्ने उत्साहित कर सको, थम मेरे विश्वास नै जाणके मजबूत हो जाओ, अर मै थारे विश्वास नै जाणके मजबूत हो जाऊँ। 13 हे विश्वासी भाईयो, मै चाहूँ सूँ के थम इस बात नै जाणो, के मन्ने कई बार थारे धारे आण की योजना बणाई, के मै थारे बीच म्ह उसीए आत्मिक बढ़ोतरी देख सकूँ, जिसी मन्ने बाककी गैर यहूदियाँ म्ह देखखी सै, पर इब तक मेरे आण म्ह रुकावट ए होन्दी रही सै। 14 मै उन संस्कारी माणसां का जो यूनानी भाषा अर सभ्यता नै जाणै सै, अर जो माणस उनकी भाषा अर सभ्यता नै नही जाणते, अर अकलमंद अर बेअक्ल माणसां ताहीं वचन सुणाण का मन म्ह बोझ राखूँ सूँ। 15 इस करके म्ह मै थमनै भी जो रोम नगर म्ह रहो सो, सुसमाचार सुणाण खातर जमा उत्सुक सूँ। 16 क्यूँके मै मसीह के सुसमाचार के बारे म्ह कोनी सरमान्दा, परमेसवर अपनी शक्ति के जरिये सब नै बचावे सै जो सुसमाचार पै विश्वास करे सै, पैहल्या यहूदियाँ ताहीं अर फेर गैर यहूदी ताहीं। 17 क्यूँके सुसमाचार हमनै बतावै सै, के परमेसवर अपनी नजर म्ह हमनै किस तरियां धर्मा बणावै सै। जो शरु तै लेकै अंत तक मसीह पै विश्वास करण तै हो सै, जिंसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या भी सै, के परमेसवर अपनी नजर म्ह धर्मा जन बणावै सै, वो विश्वास तै जिन्दा रहवैगा। 18 परमेसवर का छो तो उन माणसां की सारी अभागति अर अधर्म के काम्मां के कारण जो माणस करै सै, सुर्ग तै जाहिर हो सै, वो अपने सब अधर्म के काम्मां तै माणस ताहीं, परमेसवर की सच्चाई के बारे म्ह जाणण तै रोक्के सै। 19 वे परमेसवर के बारे म्ह इस करके सही अर आसान्नी तै जाण सकै सै, क्यूँके परमेसवर नै उन ताहीं इन बातों के बारे म्ह बताया सै। 20 सच यो सै के दुनिया की शरुआत तै ए परमेसवर के अनदेखे गुण, उसकी अनन्त सामर्थ्य अर उनका परमेसवरत्व, दुनिया म्ह सै, अर दिक्खे भी सै, इस करके माणस के धारे कोए बहाना कोनी, के वो परमेसवर नै नही जाणता। (aidios g126) 21 परमेसवर का ज्ञान होण पै, भी उननै ना तो उस ताहीं

परमेसवर होण के लायक सम्मान दिया, अर ना ए उसका धन्यवाद करया। इसके उल्ट वो उसके बारे म्ह बेकार की बात सोच्यण लाग्गे, अर जिंसा उन ताहीं सोचणा चाहिए था उसा नही सोच्य, पर बुरा ए सोच्य। 22 वे अपने-आप ताहीं अकलमंद मानके बेअक्ले बण्गे, 23 अर अविनाशी परमेसवर की महिमा नही करी, बल्के नाशवान माणस, अर पछियाँ, रेंगण आळे अर चार पैरां आळे जानवरां की मूर्ति की आराधना करण लाग्गे। 24 इस करके परमेसवर नै उन ताहीं उनके मन की बुरी इच्छा के मुताबिक गलत काम करण खातर छोड़ दिया ताके वे आप्स म्ह अपने शरीरां तै गन्दे काम करे। 25 क्यूँके उननै परमेसवर के बारे म्ह सच्ची बातों ताहीं जाणण की बजाये झूठ पै विश्वास करया, अर सृष्टि की चिज्जां की आराधना अर सेवा करी, ना के उस सृजनहार परमेसवर की जो सदा खातर महिमा के लायक सै! आमीन। (aiōn g165) 26 ज्यांतै परमेसवर नै उन ताहीं उनकी नीच कामनाओं के बस म्ह छोड़ दिया, जिंसा कारण उनकी लुगाईयाँ नै भी प्राकृतिक संभोग की जगहां अप्राकृतिक संभोग अपणालिया। 27 उससे तरियां ए लुगाईयाँ के गेल्या प्राकृतिक संभोग नै छोड़के माणस दुसरे माणस के खातर आप्स म्ह कामुकता म्ह जळण लाग्गे, अर माणस का माणस के गेल्या बेशर्मा के काम करणा उनके उप्पर दण्ड लेकै आये। 28 अर जब उननै परमेसवर ताहीं जाणणा बेवकूफी लाग्य, तो परमेसवर नै भी उन ताहीं उनके निकम्मे मन के बस म्ह छोड़ दिया, ताके वे बुरे काम करे। 29 ज्यांतै वे सारे ढाळ के अधर्म, दुष्टता, लालच, अर बैर-भाव तै भरो, अर जळण, हत्या, झगडे, छळ, ईर्ष्या तै भरो, अर चुगलखोर, 30 बदनाम करण आळे, परमेसवर तै नफरत करण आळे, बुराई करण आळे, दुसरयां की बेजती करण आळे, डिंगमार, घमण्डी, भुंडी-भुंडी बातों के बणाण आळे, माँ-बाप का हुकम ना मानण आळे, 31 बेअक्ले, विश्वासघाती, प्यार अर दया की कमी अर निर्दयी होये। 32 वे तो परमेसवर की या धार्मिक विधि नै जाणै सै, के इसे-इसे काम करण आळे मौत के दण्ड के जोग्गे सै, फेरभी ना सिर्फ आप ए इसे काम करे सै, बल्के इसे काम करण आळा तै राज्जी भी होवै सै।

2 इस करके हे मेरे विश्वासी भाईयो, थम जो कोए भी क्यूँ ना हो, थारे धारे इस बात का कोए जवाब कोनी, के थम जो दुसरयां पै दोष लगाओ सों, तो उस बात के कारण खुद अपने-आप पै दण्ड लेकै आओ सों, क्यूँके जिंसा बात के बारे म्ह थम उसनै दोषी बणाओ हो, थम खुद भी वोए काम करो सों। 2 हमनै यो बेरा सै, के परमेसवर उसका न्याय धार्मिकता के साथ जरूर करेगा, जो इसे बुरे काम करे सै। 3 जिब के थम जो इसे-इसे काम करणीया पै दोष लगाओ सों, अर खुद वैए काम करो सों, के न्यू समझों सों के थम परमेसवर के दण्ड तै बच जाओगे? 4 के थम परमेसवर की भलाई, सहनशीलता, अर धीरजरूपी धन ताहीं तुच्छ जाणो सों? के थम नही समझते के परमेसवर की भलाई ए थारे ताहीं पाप छोड़णा सिखावै सै? 5 पर थम हठिल्ले सों, अर पाप करणा नही छोड़दे, अर ना ए अपने-आपनै बदलना चाहन्दे। इस करके जिंसा दिन परमेसवर अपना छो दिखवैगा, उस दिन धार्मिकता के साथ उसका न्याय जाहिर होवैगा, अर वो थारे ताहीं भारी दण्ड देवैगा। 6 परमेसवर हरेक नै उसके काम के मुताबिक फळ देवैगा। 7 जो माणस भले काम करते रहवै सै, अर परमेसवर की महिमा, आदर अर अनन्त जीवन की खोज म्ह लागे रहवै सै, परमेसवर उन सारया ताहीं अनन्त जीवन देवैगा। (aiōnios g166) 8 पर जो मतलबी सै अर सच नै कोनी मान्दे, बल्के अधर्म नै मान्ने सै, उनपै परमेसवर का छो अर प्रकोप पड़ेगा। 9 कळेथ अर संकट हरेक माणस पै आवैगा। परमेसवर सबतै पैहल्या यहूदियाँ का अर बाद म्ह उन माणसां का न्याय करेगा जो गैर यहूदी सै। 10 पर महिमा, आदर अर शान्ति हरेक नै मिलेगी, जो भले काम करे सै, पैहल्या यहूदी ताहीं फेर उन माणसां ताहीं जो गैर यहूदी सै। 11 क्यूँके परमेसवर किसे का पक्षपात कोनी करदा। 12 वे सारे गैर यहूदी माणस जिननै परमेसवर के नियम-कायदे जो मूसा नबी ताहीं मिले थे, उन ताहीं जाणे बिना जिनसने पाप करया सै, वे नियम-कायदा नै बिना जाणे नाश भी होवेंगे, पर जिन नै नियम-

कायदे नै जाणकै भी पाप करया सै, उनका न्याय भी नियम-कायदे कै मुताबिक करया जावेगा। 13 क्यूँके परमेसवर की निगाह म्ह नियम-कायदे कै सुणण आळे धर्मी माणस कोनी, पर नियम-कायदे पै चाल्लण आळा नै धर्मी बणावैगा। 14 फेर जिब गैर यहूदी लोग जिनकै धोरे मूसा नबी के नियम-कायदे कोनी, कुदरती तौर पैए नियम-कायदे की बात्तां पै चाल्लै सै, तो नियम-कायदे उनके धोरे ना होण पै भी, उन ताहीं बेरा सै, के उननै के करणा सै, अर के न्ही करणा। 15 वे नियम-कायदे की बात अपणे-अपणे दिलां म्ह लिखी होई दिखावै सै अर उनकी अन्तरात्मा भी इसकी गवाही देवै सै, के ये बात सच सै, क्यूँके उनके विचार उनपै दोष लगावै सै, या फेर यो बतावै सै के वो ठीक करै सै। 16 यो सब उस दिन स्पष्ट हो जावेगा, जिब परमेसवर मेरै जरिये सुणाये गये सुसमाचार के मुताबिक, माणसां की लुबही होई बात्तां का न्याय, यीशु मसीह कै जरिये करेगा। 17 थम खुद नै यहूदी कुहावै सों, अर मूसा नबी के नियम-कायदे पै भरोसा राख्खों सों, परमेसवर थारे पै दया करै सै, इस कारण थम घमण्ड करण लागरे सों। 18 अर थमनै परमेसवर की मर्जी का बेरा से, थम आच्छी-आच्छी बात्तां नै तो चाहो सों, क्यूँके थारे ताहीं ये बात मूसा नबी के नियम-कायदे म्ह तै सिखाई गई सै। 19 अर थमनै इस बात का पूरा भरोसा सै, के थम आंध्यों नै राह दिखाण आळे अर अन्धकार म्ह भटके होए माणसां खात्तर परमेसवर का चाँदणा सों। 20 अर बेअक्लां नै सिखाण आळे अर बाळकां के उपदेशक सों। थमनै बेरा सै के परमेसवर के नियम-कायदे थमनै पूरी तरियां तै ज्ञान अर सच्चाई देवै सै। 21 इस करके थम जो दुसरयां नै शिक्षा देओ सों, तो अपणे-आपनै शिक्षा क्यूँ न्ही देन्दे? थम उपदेश देओ सों, के “चोरी ना करियो,” के थम खुद चोरी कोनी करतै! 22 थम जो कहवै सों, के “जारी ना करियो,” के खुद जारी कोनी करतै? थम जो मूर्तियां नै नफरत करो सों, के खुद ए मन्दरां नै कोनी लूटतै? 23 थम जो नियम-कायदे नै जाणण का घमण्ड करो सों, के नियम-कायदे नै ना मानके परमेसवर का अनादर कोनी करतै? 24 “थम यहूदियाँ के कारण गैर यहूदियाँ म्ह परमेसवर के बारे म्ह बुरा भला कह्या जावै सै, जिंसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या भी सै।” 25 मै थमनै कुछ बताऊँ सूँ, थारा खतना करया जाणा जिब्ले फायदेमन्द सै, जिब थम नियम-कायदा नै मान्ने, जै थम इसा न्ही करतै तो थम उन माणसां की ढाळ सों जिनका खतना न्ही होया। 26 जै बिना खतना करे होए माणस नियम-कायदे की विधियाँ नै मान्ने, तो परमेसवर उन ताहीं अपणे माणस क्यूँ न्ही कहवैगा। 27 बिना खतना होए माणस जो परमेसवर के हुकमां नै मान्ने सै, वे थारी बुराई करेगें जिनके धोरे परमेसवर के नियम-कायदे सै जिन ताहीं थम मानते न्ही। 28 असली यहूदी वो कोनी जो सिर्फ यहूदी माँ-बाप तै पैदा होया सै, अर ना ए वो असली खतना सै, जो दिखाण खातर देह म्ह करया गया सै। 29 यहूदी वो सै, जो अपणे मन म्ह यहूदी सै, अर खतना वो सै, जो पवित्र आत्मा के जरिये मन का करया जावै सै, ना के वो जो नियम-कायदा के मुताबिक करया जावै सै, इस ढाळ के माणसां की तारीफ माणसां की ओड़ तै न्ही, पर परमेसवर की ओड़ तै करी जावै सै।

3 कोए कह सके सै, के भला यहूदी होण का के फायदा, या खतना करण का के फायदा? 2 यहूदी होण के भोत फायदे सै, क्यूँके परमेसवर के वचन यहूदियाँ ताहीं ए सौंपे गये सै। 3 अगर कुछ यहूदी माणस बिश्वासघाती लिंकडै भी तो उसतै के फर्क पड़े सै? परमेसवर अपणे वादे पूरा करण म्ह बिश्वास जोग्गा सै, तो इसका यो मतलब कोनी के परमेसवर भी बिश्वासघाती सै। 4 न्ही! बिल्कुल न्ही! बल्के परमेसवर सच्चा सै, अर दुनिया का हरेक माणस झुग्रा ठेहरै, जिंसा पवित्र ग्रन्थ म्ह परमेसवर के बारे म्ह लिख्या सै, “जिसतै तू अपणी बात्तां म्ह धर्मी साबित हो अर न्याय करदे बखत तू जीत पावै।” 5 इस करके जै म्हारे बुरे काम परमेसवर की धार्मिकता साबित कर देवै सै, तो हम के कह्ना? के न्यू कह्ना के परमेसवर जो छो करै सै, तो के वो अन्यायी सै? (यो तो मै दुनियावी नजरिये तै कहूँ सूँ)। 6 न्ही! बिल्कुल न्ही! जै परमेसवर यहूदी माणसां का न्याय सही तरिकके तै न्ही कर सकता, तो वो

दुनिया के माणसां का भी न्याय सही तरिकके तै न्ही कर सकता? 7 के कोए कह सके सै, जै मेरा झूठ परमेसवर की सच्चाई नै दिखावै अर उसकी महिमा नै बढ़ावै, तो परमेसवर किस तरियां मन्ने परख के पापी साबित कर सके सै? 8 कई माणस यो कह के मेरे पै दोष लगावै सै, के “आओ, हम बुरे काम करा के इसतै ए कुछ भलाई हो जा” जो मेरे बिरुध्द इसी बात कहवै सै वो दण्ड के लायक सै। 9 तो फेर हम के कह सका सां? के हम यहूदी गैर यहूदियाँ तै आच्छे सां? कदे भी न्ही! क्यूँके हम यहूदी अर गैर यहूदी दोनुवां पै यो दोष ला चुके सां के वे सारे के सारे पाप की शक्ति के बस म्ह सै। 10 जिंसा के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: “कोए भी माणस परमेसवर की नजर म्ह धर्मी कोनी, एक भी कोनी। 11 कोए भी माणस समझदार कोनी, कोए परमेसवर का टोह आळा कोनी। 12 सारे माणस परमेसवर की राह तै भटक गये सै, सबके सब परमेसवर की नजर म्ह निकम्मे बणगे सै, कोए भी भलाई करण आळा कोनी, एक भी कोनी। 13 उनका मुँह खुली होई कब्र की ढाळ सै, जिंसा म्ह तै बदबू आवै सै। क्यूँके अपणे मुँह तै वे भुंदा बोल्लै सै, अर वे जो भी बोल बोल्लै सै वो साँप के जहर की तरियां जहरीले सै। 14 उनका बोल थ्राप अर कड़वावट तै भरया सै। 15 वो लहू बहाण खात्तर फुर्तिले सै, 16 वे जिंत्त भी किते जावै सै ओड़े नाश अर कळेश लेके जावै सै, 17 वे न्ही जाणते के माणसां के गैल खुशी अर शान्ति तै किस तरियां जीणा सै। 18 उन म्ह परमेसवर का डर सै ए कोनी।” 19 हमनै बेरा सै के मूसा नबी के नियम-कायदे जो कुछ कहवै सै, उन्हे तै कहवै सै, जो नियम-कायदे कै अधीन सै, ताके कोए भी माणस भान्ना न्ही बणा सके, अर दुनिया के सारे माणस परमेसवर के स्याम्ही दोषी ठेहराये जावै। 20 क्यूँके मूसा नबी के नियम-कायदे के पुगाण तै कोए माणस उसके स्याम्ही धर्मी कोनी बणैगा, क्यूँके नियम-कायदा के जरिये हमनै बेरा लागै सै के हम पापी सां। 21 पर इब नियम-कायदा नै मान्ने बिना धार्मिकता जो परमेसवर तै मिले सै, अर जिसके बारे म्ह मूसा नबी के नियम-कायदा अर नबियाँ की किताब्लां म्ह भोत पैहले लिख्या सै, के परमेसवर हमनै धर्मी किस तरियां बणावै सै। 22 मतलब यो के हम प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै धर्मी बणा सां, जो यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै सब माणसां खात्तर सै। क्यूँके परमेसवर की नजर म्ह सब माणस एक समान सै। 23 क्यूँके सारया नै पाप करया सै, अर सब परमेसवर की महिमा तै दूर होगे सै, 24 परमेसवर नै म्हारे पै अनुग्रह करया, के उसने यीशु मसीह के जरिये म्हारे ताहीं म्हारे पापां के दण्ड तै छुड़ा लिया, अर म्हारे ताहीं बिना कुछ करे धर्मी बणाया। 25 परमेसवर नै यीशु मसीह ताहीं म्हारे पाप की कीमत चुकाण खात्तर इस दुनिया म्ह भेज्जा, यीशु मसीह नै म्हारे खात्तर अपना लहू बहा के अपणी जान दे दी। ताके हम उसपै बिश्वास करण के जरिये परमेसवर के धोरे आ सकां, अर उसने इसा यो दिखाण खात्तर करया, के वो पैहले जमाने म्ह भी पापी माणसां गैल सबर तै रहण म्ह अर उनके पाप माफ करण म्ह धर्मी था, बल्के इब भी उसकी धार्मिकता जाहिर हो जावै, जिसतै वे खुद धर्मी बणै अर जो प्रभु यीशु म्ह बिश्वास राख्खे सै, वो परमेसवर की नजर म्ह भी धर्मी बण जावै। 27 तो के हम किसे बात पै घमण्ड कर सकां सां? उसके खात्तर कोए जगहां न्ही। के नियम-कायदा के जरिये या उननै मानण के जरिये सां? न्ही! पर यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै घमण्ड करां सां। 28 इस करके हम इस नतीजै पै पोहचे सा, के परमेसवर म्हारे ताहीं यीशु मसीह पै बिश्वास करण के जरिये धर्मी बणावै सै, ना के मूसा नबी के नियम-कायदा ताहीं मानण तै। 29 परमेसवर सिर्फ यहूदियाँ ए का परमेसवर कोनी, पर वो गैर यहूदियाँ का भी परमेसवर सै। 30 क्यूँके एक ए परमेसवर सै, जो खतना आळा नै यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै अर बिन-खतना आळा ताहीं भी, बिश्वास के जरिये धर्मी बणावै सै। 31 तो के म्हारा बिश्वास नियम-कायदे नै बेकार बतावै सै? न्ही! बिल्कुल न्ही! बल्के इसके उल्ट जिब हम बिश्वास करा सां तो हम समझ जावां सां, के परमेसवर नै म्हारे ताहीं नियम-कायदा क्यूँ दिये।

4 तो हम यहुदी होण के नाते म्हारे पूर्वज अब्राहम के बारे में कहवा।

2 जे अब्राहम आच्छे काम्मां तै धर्मी बणाया जान्दा, तो वो इसका घमण्ड कर सके था, पर वो परमेसवर के स्याम्ही आच्छे काम्मां के जरिये घमण्ड नही कर सकदा। 3 पवित्र ग्रन्थ के कहवे सै? न्यू के “अब्राहम नै परमेसवर के वादे पै बिश्वास करया, अर परमेसवर नै उसके बिश्वास के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया।” 4 जो मेहनत करै सै उसकी मजदूरी नै ईनाम नही कहन्दे, बल्के वो तो उसका हक सै। 5 पर माणस काम्मां के जरिये धर्मी कोनी बणता, पर भगतिहीन माणस जो परमेसवर पै बिश्वास करै सै उसके बिश्वास के करण वो धर्मी बणै सै। 6 जिसनै परमेसवर बिना काम्मां के धर्मी बणावे सै, पवित्र ग्रन्थ म्ह राजा दाऊद भी धन्य उस ताहीं कहवे सै। 7 “धन्य सै, वे जिनके अधर्म माफ होए, अर पाप भूला दिये गये। 8 धन्य सै वो माणस जिसके पापां का हिसाब परमेसवर नही राखदा।” 9 के या आशीष जिन माणसां का खतना हो लिया, उनके ए खातर सै, या जिनका खतना नही होया उन खातर भी सै? हम न्यू कहां सां, “अब्राहम नै परमेसवर पै बिश्वास करया, अर परमेसवर नै उसके बिश्वास के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया।” 10 तो यो कद होया? खतने की हालत म्ह या बिना खतने की हालत म्ह? खतने की हालत म्ह कोनी पर बिना खतने की हालत म्ह। 11 जब अब्राहम का खतना नही होया था, जब भी परमेसवर नै उस ताहीं स्वीकार करया, अर उस ताहीं धर्मी बणाया, खतने का निशान अब्राहम ताहीं अपनाण की छाप सै, इस करके अब्राहम उन माणसां का आत्मिक पूर्वज सै, जो बिश्वास करै सै पर जिनका खतना नही होया, वो बिश्वास के जरिये धर्मी बणे। 12 अर वो उन खतना करे होए माणसां का आत्मिक पूर्वज सै, जो ना सिर्फ खतना करे होए सै, पर उनका बिश्वास उसाए हो जिंसा उनके पूर्वज अब्राहम का तब था, जब उसका खतना नही होया था। 13 परमेसवर नै अब्राहम ताहीं अर उसके वंश ताहीं पूरी दुनिया देण का वादा करया, यो इस करके कोनी होया के अब्राहम नै नियम-कायदा ताहीं मान्या, क्यूँके उसनै परमेसवर पै बिश्वास करया, इस बजह तै उसनै उस ताहीं धर्मी बणा दिया। 14 अब्राहम अर उसके वंश ताहीं यो वादा इस खातर दिया गया, क्यूँके उननै नियम-कायदा ताहीं मान्या, तो बिश्वास बेकार अर वादा झूठा लिंकड्या। 15 परमेसवर का छो नियम-कायदा नै ना मानण आळा पै पड़े सै, अर जित नियम-कायदे कोनी ओड़ै उसका उल्लंघन भी कोनी। 16 इस बजह तै वादा परमेसवर पै बिश्वास करण तै मिले सै, जो अनुग्रह के मुताबिक से, यो वादा अब्राहम के सारे वंश ताहीं मिल्या सै, ना के सिर्फ उन ताहीं जो माणस मूसा नबी के नियम-कायदा नै मान्ने सै, पर उन माणसां के खातर भी जो अब्राहम की ढाळ परमेसवर पै बिश्वास करै सै, क्यूँके अब्राहम ए म्हारे सारया का पूर्वज सै। 17 जिंसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “मन्नै तेरे ताहीं घणीए जात्तां का पूर्वज बणाया सै” परमेसवर की नजर म्ह अब्राहम म्हारा पूर्वज सै। उननै उस परमेसवर पै बिश्वास करया, जो मरे होया नै जिन्दा करै सै, अर जो बात सै ए नही उनका नाम इसा लेवे सै के मान्ने वे सै। 18 परमेसवर नै अब्राहम तै कह्या, तेरे भोत-से वंश होवेगे। पर अब्राहम नै सोच्या के बुढ़ापे म्ह, मेरे किस तरियां उलाद पैदा होगी? क्यूँके वो तकरीबन सौ साल का हो लिया था, अर सारा भी बूढ़ी होण के कारण बच्चे पैदा कोनी कर सके थी। इन सारी बाततां तै साफ जाहिर था, के उसके भोत-से वंशज नही हो सकदे, तोभी अब्राहम का बिश्वास कमजोर नही होया, वो परमेसवर के वादे पै बिश्वास करदा रह्या, अर उसनै आस नही तोड़ी। 20 अर ना ए अबिश्वासी होके परमेसवर के वादा पै शक करया, पर बिश्वास म्ह पक्का होके उसकी महिमा करी। 21 अर पक्के तौर पै जाणया के जिस बात का परमेसवर नै वादा करया सै, वो उसनै पूरा करण म्ह भी सामर्थी सै। 22 अर परमेसवर नै उसके बिश्वास के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया। 23 अर पवित्र ग्रन्थ के इस वचन नै, “बिश्वास के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया।,” ना सिर्फ यो वचन अब्राहम के खातर लिख्या गया, 24 बल्के म्हारे खातर भी जिनके खातर लिख्या गया, जो बिश्वास के जरिये धर्मी बण जावैगा, यानिके के म्हारे खातर, जो उसपै बिश्वास करा सां, जिसनै

म्हारे प्रभु यीशु ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया। 25 यीशु मसीह म्हारे अपराधा के खातर पकड़वाया अर मारा भी गया, अर म्हारे ताहीं धर्मी बणाण के खातर परमेसवर नै उस ताहीं जिन्दा कर दिया।

5 इस करके जब हम मसीह पै बिश्वास करण तै धर्मी बणा दिए गये सां, तो परमेसवर तै म्हारा मेळ-मिलाप अपने प्रभु यीशु मसीह के जरिये हो लिया। 2 बिश्वास के जरिये मसीह नै म्हारी पोहच पिता के उस अनुग्रह तक कर दी सै। उस अनुग्रह म्ह हम बणे होए सां, अर परमेसवर की महिमा की आस म्ह खुश सां। 3 सिर्फ योए नही, बल्के हम मुसीबतां म्ह भी खुश रहवां, न्यू जाणके के मुसीबतां तै धीरज, 4 धीरज तै खरयां लिंकडणा, अर खरे लिंकडण तै आस होवे सै। 5 अर आस तै निराशा नही होन्दी, क्यूँके पवित्र आत्मा जो परमेसवर नै म्हारे ताहीं दिया सै, उसके जरिये परमेसवर का प्यार म्हारे मन म्ह भरया गया सै। 6 क्यूँके जब हम कमजोर थे, तो मसीह परमेसवर के बताये गये सही बखत पै बुरे माणसां के खातर मरया। 7 किसे धर्मी माणस के खातर कोए जान देवे यो तो मुश्किल सै, पर शायद कोए भले माणस खातर जान देण खातर तैयार हो सके सै। 8 पर परमेसवर म्हारे पै अपने प्यार की भलाई इस तरियां तै साबित करै सै, के जब हम पापी ए थे, जिब्बे मसीह यीशु म्हारे खातर मरया। 9 जब के इब यीशु के लहू बहाण के कारण परमेसवर नै म्हारे ताहीं अपनी नजर म्ह धर्मी बणाया सै, तो उसके जरिये परमेसवर के छो तै क्याते नही बचांगे? 10 क्यूँके जब हम परमेसवर के बेरी थे, तो उसके बेटे की मौत के जरिये म्हारा मेळ-मिलाप परमेसवर के गेल्या होया, अर सब तै आच्छी बात या सै, के मेळ-मिलाप हो जाण के कारण उसके बेटे यीशु मसीह के जरिये दिए गये जीवन के कारण म्हारा उद्धार पक्का सै। 11 इब तो म्हारे प्रभु यीशु मसीह के जरिये, परमेसवर म्ह म्हारा मेळ-मिलाप होया सै, इस खातर हम उस म्ह खुश सां। 12 परमेसवर नै एक माणस आदम बणाया, जिसके कारण दुनिया म्ह पाप आया, अर उस पाप के करण मौत आई, अर इस तरियां तै मौत सारे माणसां म्ह फैलगी, क्यूँके आदम के वंश होण के कारण सब पापी बणगे। 13 मूसा नबी के नियम-कायदा के दिए जाण तै पैहले भी, दुनिया म्ह माणस पाप करै थे, पर वो पाप गिणया कोनी जावे था, क्यूँके ओड़ै नियम-कायदे कोनी थे, जिन ताहीं तोड्या जा सके। 14 तोभी आदम तै लेके मूसा नबी तक सब नै मौत आई। जिस तरियां आदम नै परमेसवर के हुकम ताहीं तोड्या उसकी तरियां हमनै उसके हुकम ताहीं नही तोड़ा, अर आदम यीशु मसीह का नमूना था जो आण आळा था। 15 पर आदम के अपराध अर परमेसवर के अनुग्रह के वरदान के बीच म्ह एक भोत बड़ा अन्तर सै, क्यूँके जब एक माणस आदम, के अपराध करण के कारण, भोत-से माणसां की मौत होई, पर दुसरे माणस यीशु मसीह के जरिये, परमेसवर का अनुग्रह भोत-से माणसां पै होया सै। 16 तो परमेसवर के वरदान का नतिज्जा आदम के पाप तै भोत अलग सै। उसका पाप दण्ड लेके आवै सै, पर परमेसवर का वरदान म्हारे ताहीं धर्मी बणावे सै, भलाए हम कई पापां के दोषी क्यूँ ना हो। 17 क्यूँके एक माणस के अपराध के कारण सब नै मौत आई। पर इसतै ज्यादा परमेसवर का अनुग्रह अर धार्मिकता का वरदान सै, जो उस ताहीं पावे सै, वो पाप अर मौत पै यीशु मसीह के जरिये जयवन्त होवे सै, अर वे उसके गैल अनन्त जीवन म्ह राज करैगें। 18 जिस तरियां आदम का अपराध, सारे माणसां के खातर दण्ड लेके आया, ठीक उससे तरियां ए मसीह यीशु के धार्मिकता के काम करण तै, सारे माणसां नै जिन्दीगी मिली, अर वे परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणै। 19 क्यूँके जिंसा एक माणस के हुकम ना मानण तै भोत-से माणस पापी बणे, उससे तरियां ए एक माणस के हुकम मानण तै भोत-से माणस धर्मी बणैगें। 20 मूसा के नियम-कायदे म्हारे ताहीं इस खातर दिए गये, ताके माणस देख सके के वे कितने पापी सै पर जब माणस पाप पै पाप करै सै, तो ओड़ै परमेसवर का अनुग्रह उसतै भी घणा होया करै। 21 सारे माणसां नै पाप पै पाप करया, अर वे मरगे, पर

म्हारे प्रभु यीशु मसीह के जरिये परमेसवर का अनुग्रह हमने धर्मा बनावै सै, अर म्हारे ताहीं अनन्त जीवन देवै सै। (aiōnios g166)

6 कोए कह सकै सै? के परमेसवर अपने अनुग्रह तै म्हारे पाप माफ करै सै, पर इसा मत सोचवै के पाप करदे रहवां ताके अनुग्रह घणा हो। 2 न्ही! बिल्कुल न्ही! हम जब पाप के खात्तर मरगये तो हमनै आगै तै दुबारा पाप न्ही करणा चाहिए। 3 हम जाणा सां, के हम सारे जिननै मसीह यीशु के नाम म्ह बपतिस्मा लिया सै, यो इसा सै, के जिसा हम मसीह के गैल मर जावां सां, अर उसके साथ गाड्डे जावां सां, ताके जिस तरियां मसीह पिता परमेसवर की महिमा के जरिये मरे होया म्ह तै जिन्दा करया गया, उरसे तरियां ए हमनै भी नया जीवन जीणा चाहिए। 5 क्यूँके जै हम उसकी मौत की समानता म्ह बपतिस्म के जरिये उसके गेल्या एक हो जावां सां, तो पक्के तौर पै उसके जिन्दा उठण की समानता म्ह भी एक हो जावांगें। 6 इरसे तरियां म्हारा पुराणा पापी सुभाव यीशु मसीह के गेल्या क्रूस पै चढ़ाया गया, ताके जो पापी सुभाव म्हारी देह म्ह सै वो नाश हो जावै, अर हम आगै दुबारा पाप की गुलामी म्ह न्ही रहवां। 7 क्यूँके जब हम मसीह के गैल मरा सां, तो हम पाप की शक्ति तै आजाद हो जावां सां। 8 इस करके जै हम मसीह के गेल्या मरगे, तो म्हारा बिश्वास यो सै के उसके गेल्या जीवांगें भी। 9 क्यूँके न्यू बेरा सै, के मसीह मरे होया म्ह तै जिन्दा उठके दुबारा फेर न्ही मरेगा, उरपै फेर मौत का राज न्ही होवैगा। 10 क्यूँके मसीह पाप के खात्तर एक ए बार मर गया, पर इब जो जिन्दा सै, तो परमेसवर की महिमा करण के खात्तर जिन्दा सै। 11 इरसे तरियां थम भी अपने-आप ताहीं पाप के खात्तर तो मरया होइ, पर परमेसवर की महिमा थार खात्तर मसीह यीशु म्ह जिन्दा समझो। 12 इस करके पाप की लालसा थार नाश होणा आळी देह म्ह राज न्ही करै, के थम उसकी लालसाओं के कब्जे म्ह ना रहो। 13 अपने देह के अंगा ताहीं अधर्म के काम्मां खात्तर इस्तमाल ना करो, पर अपने-आप ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा जाणके अपनी जिन्दगी परमेसवर ताहीं दे दो, अर अपने देह के अंगा ताहीं धार्मिक काम्मां खात्तर परमेसवर नै सौंप दो। 14 फेर थारे पै पाप का राज कोनी होवैगा, क्यूँके थम नियम-कायदे के अधीन म्ह न्ही, बल्के परमेसवर के अनुग्रह के अधीन म्ह जीण लागरे सों। 15 तो इसका मतलब के सै? के हम नियम-कायदे का अधीन म्ह न्ही, बल्के परमेसवर के अनुग्रह के अधीन सां, इस करके के हम पाप कर सका सां? न्ही! बिल्कुल न्ही! 16 थम जाणो सों के जब थम खुद नै किसे का गुलाम होण खात्तर देओ सों, तो थम वोए करो सों, जो थारा माल्लिक कहवै सै। थम पाप के गुलाम भी बण सकों सों, जो मौत लेकै आवै सै, या फेर थम परमेसवर के हुकम नै मानके धार्मिकता का जीवन जी सको सों। 17 थम पाप के गुलाम थे, पर इब थमनै वे सारी शिक्षा मान्नी सै, जो थारे ताहीं मिली ली, इस करके मै परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूं। 18 इब पाप की शक्ति तै छुटायै जाकै परमेसवर के दास बणो ताके थम धर्म के काम करो। 19 मै थारे ताहीं आसान तरिकके लिखूँ सूं, ताके आम आदमी भी आसान्नी तै समझ सकै, के जब थम अपनी पिच्छली जिन्दगी की गुलाम थे, अर थम हरेक ढाळ के अशुद्ध अर भुन्डे काम करो थे। तो इब थम अपनी देह नै धार्मिक जीवन के दास बणा ल्यो, ताके थम पवित्र जीवन जी सको। 20 जब थम पाप के गुलाम थे, तो थम धार्मिकता के काम न्ही कर पाओ थे। 21 थम बुरा काम करो थे, अर इब उन बुरे काम्मां के कारण शर्मिन्दा सों, तो थमनै के मिल्या? इन सारी बात्तां का नतिज्जा मौत सै। 22 पर इब पाप तै आजाद होकै अर परमेसवर के दास बणके इब थम वो काम करो सों, जिसतै थम पवित्र बणो सों, अर उसका नतिज्जा अनन्त जीवन सै। (aiōnios g166) 23 क्यूँके पाप का नतिज्जां तो मौत सै, पर परमेसवर का वरदान म्हारे प्रभु मसीह यीशु म्ह अनन्त जीवन सै। (aiōnios g166)

7 हे बिश्वासी भाईयो, थमनै बेरा सै, (मै नियम-कायदे के जाणण आळा तै कहूँ सूं) के जब ताहीं माणस जिन्दा रहवै सै, तब तक उसनै नियम-

कायदे मानने पड़ेगें। 2 उदाहरण के तौर पै एक ब्याता लुगाई नै मरते दम तक नियम-कायदे के मुताबिक अपने धणी के साथ रहणा चाहिये, पर जै धणी मर जा, तो वा धणी के नियम-कायदे तै आजाद हो जा सै। 3 ज्यांतै जै धणी कै जिन्दे जी वा किसे दुसरे माणस की हो जावै, तो जार कुहावैगी, पर जै धणी मर ज्या, तो वा उस नियम-कायदे तै आजाद हो जा सै, उरै ताहीं के जै किसे दुसरे माणस की हो जावै तोभी जार कोनी ठैहरैगी। 4 उरसे तरियां ए हे मेरे बिश्वासी भाईयो, जब थम मसीह के साथ मरगे, तो थम नियम-कायदा खात्तर मरगे, इब थम मसीह के हो, जो मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्या, ताके हम परमेसवर के खात्तर धार्मिक जीवन जी सका। 5 क्यूँके जब हम अपने देह की इच्छा के मुताबिक जिवां सां, तो पाप की लालसा म्हारे अंगा म्ह काम करै सै, अर नियम-कायदे ए उन लालसा नै उजागर करके मौत नै लेके आवै सै। 6 हम नियम-कायदा खात्तर मरगे जिसके बन्धन म्ह हम पहले थे। इब हम पवित्र आत्मा की मानके, नये सिरे तै परमेसवर की सेवा कर सकां सां। 7 तो हम के कहां? के मूसा नबी के नियम-कायदे पाप सै? न्ही! बिल्कुल न्ही! बल्के नियम-कायदा ए सै, जो मेरे ताहीं बतावै सै, के पाप के सै! जै नियम-कायदे न्ही कहन्दे, के लालच मतना करै तो मै लालच नै जाण ए न्ही पान्दा। 8 पर पाप नै मौक्का पाके, हुकम के जरिये मेरे म्ह सारी तरियां का लालच पैदा करया, क्यूँके बिना नियम-कायदे पाप मुर्दा सै। 9 एक बखत था जब मै मूसा नबी के नियम-कायदे बिना जीऊँ था, पर जब मन्ने मूसा नबी के नियम-कायदा ताहीं जाणया, तो मेरे म्ह पाप करण की इच्छा होण लागी, अर मै मरे होया जिसा होगया। 10 अर वो हुकम जिसतै मन्ने जिन्दगी मिलणी थी वो मेरी आत्मिक मौत का कारण बणया। 11 क्यूँके पाप नै मौक्का पाके हुकम के जरिये मेरे ताहीं भकाया, अर उरसे के जरिये मेरी आत्मिक मौत भी हो गई। 12 ज्यांतै हम यो नतिज्जा लिकाड़ा सां, के नियम-कायदे पवित्र सै, अर हुकम पवित्र, धर्मा अर खरया सै। 13 तो के मूसा नबी के नियम-कायदे जो खरे थे, मेरे खात्तर मौत लेकै आये? न्ही! बिल्कुल न्ही! यो पाप ए था जिसनै इसा करया। पर नियम-कायदे जो खरे थे, मेरे खात्तर मौत लेकै आये, ताके पाप की असलियत जाहिर हो जा, अर हुकम दिखावै सै के पाप घणाए बुरा सै। 14 क्यूँके हमनै बेरा सै, के मूसा नबी के नियम-कायदे तो आत्मिक सै, पर मै शारीरिक सूं, अर पाप का गुलाम सूं। 15 अर जो मै करूँ सूं, उस ताहीं कोनी जाण्दा, क्यूँके जो मै चाहूँ सूं, वो न्ही करया करदा, पर जिसतै मन्ने घणा आवै सै वोए करे सूं। 16 जै जो मै न्ही चाहन्दा वोए बुरे काम करूँ सूं, तो मै मान ल्यूँ सूं, के मूसा नबी के नियम-कायदे खरे सै। 17 तो इसी हालत म्ह जो मेरे म्ह बुरे काम करै सै, वो मै न्ही, बल्के पाप सै, जो मेरे म्ह बस्या होया सै। 18 क्यूँके मन्ने बेरा सै के मेरे म्ह यानिके मेरे पापी सुभाव म्ह कोए अच्छी चीज वास कोनी कर दी। मेरा जी तो भले काम करण की इच्छा तो करै सै, पर भले काम मेरे तै बणदे कोनी। 19 क्यूँके जिस अच्छे काम करण नै मेरा जी करै सै, वो तो कोनी करदा, पर जो बुरे काम करणा न्ही चाहन्दा, वोए करूँ सूं। 20 इस करके जै मै वोए करूँ सूं जो न्ही चाहन्दा, तो उसका करण आळा मै कोनी रहया, पर पाप से जो मेरे भितर म्ह बस रहया सै। 21 इस तरियां तै मन्ने सच का बेरा पटै सै, के जब मै भलाई करण की इच्छा करूँ सूं, तो बुराई ए करूँ सूं। 22 क्यूँके मै भीतरी माणस-पण तै तो परमेसवर के नियम-कायदे तै घणा खुश रहूँ सूं। 23 पर मेरे भितर एक नियम-कायदा की शक्ति काम करण लागरी सै, जो मेरी पापी अन्तरात्मा तै युद्ध करै सै। या नियम-कायदा की शक्ति मेरी अन्तरात्मा नै पाप का गुलाम बणावै सै जो इब भी मेरी देह म्ह सै। 24 मै किसा निरभागा माणस सूं! मन्ने इस पापी सुभाव तै जो मौत लेकै आवै सै, कोण छुड़ावैगा? 25 म्हारे प्रभु यीशु मसीह के जरिये परमेसवर का धन्यवाद होवै। ज्यांतै मै अपनी समझ तै तो परमेसवर के नियम-कायदे नै मानना चाहूँ सूं, पर पापी सुभाव के कारण मै पाप का गुलाम सूं।

8 इस करके इब जो मसीह यीशु पै बिश्वास करै सै, उनपै दण्ड का हुकम कोनी। 2 क्यूँके पवित्र आत्मा थमनै वा जिन्दगी देवैगा, जो मसीह यीशु

की ओड़ तै आवे सै, अर वो थारे ताहीं पाप अर मौत तै आजाद करे सै। 3 क्यूँके जो काम मूसा नबी के नियम-कायदे पापी सुभाव के कारण देह म्ह नही कर सके, उस ताहीं परमेसवर नै करया, यानिके अपणे ए बेटे ताहीं इन्सान के रूप म्ह पापबलि होण कै खातर भेज दिया, परमेसवर नै पाप की शक्ति ताहीं अपणे बेटे की देह के बलिदान के जरिये तोड़ दिया। 4 ज्यांतै के मूसा नबी के नियम-कायदे की विधि म्हारे म्ह पूरी करी जावै, जो पापी सुभाव कै मुताबिक नही, बल्के पवित्र आत्मा कै मुताबिक चाल्लै सै, 5 क्यूँके जो अपणे पापी सुभाव के कारण चाल्लै सै, वो बुरी चिज्जां कै बारे म्ह सोच्ये सै, पर जो-जो पवित्र आत्मा के जरिये चाल्लै सै, वो उन चिज्जां के बारे म्ह सोच्ये सै, जो पवित्र आत्मा ताहीं खुश करे सै। 6 जै थम अपणी पापमय लालसा के मुताबिक चाल्लोंगे तो मरोगे, पर पवित्र आत्मा के कहे मुताबिक चाल्लोंगे तो जिन्दगी अर शान्ति पाओगे। 7 क्यूँके पापमय लालसा के मुताबिक चालणा तो परमेसवर तै बैर राखणा सै, क्यूँके ना तो वो परमेसवर के नियम-कायदे कै अधीन सै अर ना कदे हो सके सै। 8 अर जो पापमय लालसा के मुताबिक चाल्लै सै, वे परमेसवर नै खुश नही कर सकदे। 9 पर जबि के परमेसवर का पवित्र आत्मा थारे म्ह बसे सै, तो थम पापमय लालसा के मुताबिक नही पर पवित्र आत्मा के कहे मुताबिक चाल्लों। जै किसे म्ह मसीह का आत्मा कोनी चाल्दा तो वो परमेसवर का माणस कोनी। 10 जै मसीह थारे म्ह वास करे सै, तो पाप के कारण देह मरी होई सै, पर धार्मिकता के कारण थारी आत्मा जिन्दा सै। 11 जै परमेसवर का आत्मा जिसनै मसीह यीशु ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, थारे म्ह बस्या होया सै, तो जिसनै मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, वो थारी नाश होण आळी देह नै भी अपणे पवित्र आत्मा कै जरिये जिन्दा करेगा, जो थारे म्ह बस्या होया सै। 12 इस करके हे बिधासी भाईयो, हम पापी सुभाव के कर्जदार कोनी के हम इसके मुताबिक बरताव करों। 13 क्यूँके जै थम पापी सुभाव के मुताबिक जीओगे, तो मरोगे जै पवित्र आत्मा तै पापमय लालसा के काम्मां नै मारोगे तो जिन्दे रहोगे। 14 ज्यांतै के जितने माणस परमेसवर के आत्मा के चलाए चाल्लै सै, वैए परमेसवर की उलाद सै। 15 क्यूँके थारे ताहीं गुलामी की आत्मा कोनी दी गई, के थम डरो, पर पवित्र आत्मा हमनै परमेसवर की उलाद बणावै सै, जिसतै हम हे अब्बा, हे पिता कहकै बोल्लां सों। 16 पवित्र आत्मा आप ए म्हारी आत्मा कै गेल्या गवाही देवै सै, के हम परमेसवर की उलाद सां, 17 अर जै उलाद सां तो वारिस भी, बल्के परमेसवर के वारिस अर मसीह कै संगी वारिस सँ, अगर हम मसीह के ढाळ दुख ठावांगे, तो हम उसकी महिमा म्ह भी शामिल हो पावांगे। 18 मनै पक्का यकिन सै, के इस बखत के दुख अर क्लेश उस महिमा कै स्याम्ही, उस महिमा के समान जो प्रभु म्हारे ताहीं देवगा, किमे भी कोनी सै। 19 क्यूँके सृष्टि की सारी चिज्जें घणी उम्मीद भरी निर्गांह तै परमेसवर की उलाद की बाट देखण लागरी सै। 20 परमेसवर की बणाई गई हर एक चीज नै अपणे मकसद ताहीं खो दिया सै, यो इस करके नही के सृष्टि खुद चाहवै थी, पर परमेसवर नै इसा करया, पर फेर भी आस सै। 21 सृष्टि भी खुद उस दिन की बाट देखवै सै, जबि वो मौत अर विनाश की गुलामी तै छुटकारा पाकै, परमेसवर की महिमा म्ह उसकी उलाद कै साथ शामिल होवेंगे। 22 क्यूँके हमनै बेरा सै के सारी सृष्टि इब ताहीं मिलकै कराहती अर दर्दा म्ह पड़ी, उस जनानी की तरियां सै, जिसा बच्चा होण तै पैहले दर्दा म्ह तड़फै सै। 23 अर सिर्फ परमेसवर की बणाई सृष्टि ए न्ही, पर हम भी जिस म्ह होण आळी महिमा के पैहले तै स्वाद चखण के रूप म्ह पवित्र आत्मा का वास सै, हम दुख भी अपणे-आप म्ह कराहवा सां। यो जिब्ले होगा जबि हम देह तै आजाद होवांगे, अर परमेसवर हमनै अपणी उलाद बणाण कै खातर अपणावै। 24 आण आळी महिमा की आस के जरिये ए थारा उद्धार होया सै, जै थम उन चिज्जां की आस राखखों सों जो थारे धोरे पैहले तै सै, तो थारी आस धरणा बेकार सै, कोए भी उस चीज की आस कोनी राखदा, जो उसकै धोरे पैहले तै सै। 25 हम उन चिज्जां की आस करां सां, जो म्हारे धोरे इब ताहीं सै कोनी, तो हम धीरज तै बाट देख्खां सां, जबि तक वो चीज हमनै

मिल ना जावै। 26 प्रार्थना करण खातर म्हारे धोरे बुद्धि कोनी, पर पवित्र आत्मा म्हारी मदद करे सै, क्यूँके हमनै नही बेरा के किन बात्तां के खातर प्रार्थना करणी चाहिये, पर पवित्र आत्मा आप्पे इसी आह भर-भरकै, जो बयान तै बाहरणै सै, म्हारे खातर बिनती करे सै। 27 परमेसवर जो मनां का जाँचण आळा सै उसनै बेरा सै, के पवित्र आत्मा का मकसद के सै? क्यूँके वो पवित्र माणसां कै खातर परमेसवर की मर्जी कै मुताबिक बिनती करे सै। 28 हमनै बेरा सै के जो माणस परमेसवर तै प्यार राखवै सै, उनकै खातर सारी बात मिलकै भलाई ए नै पैदा करे सै, यानिके उनके खातर जो उसकी मर्जी कै मुताबिक चुणे होए सै। 29 क्यूँके जिन ताहीं परमेसवर नै पैहल्या तै चुण्या होया सै, उन ताहीं उसके बेटे यीशु मसीह जिसे बणाण खातर ठहराया भी सै, ताके वो घणे भाईयाँ म्ह पैहल्ड़ा यानी जेट्ठा बणै। 30 फेर जिन माणसां ताहीं उसनै पैहल्या तै ठहराया, उन ताहीं चुण्या भी, अर जिन ताहीं चुण्या, उन ताहीं धर्मी भी बणाया सै, अर जिन ताहीं धर्मी बणाया, उन ताहीं अपणी महिमा म्ह भागीदारी भी बणाया सै। 31 तो इन बात्तां तै हम यो नतिज्जां लिकाड़ा सां, जै परमेसवर म्हारी कान्ही सै, हमनै कौण हरा सकै सै? 32 परमेसवर वो सै जिसनै अपणे खुद के बेटे ताहीं भी म्हारे खातर बलिदान करण म्ह कोए संकोके कोनी करया, तो जो उसनै म्हारे तै वादा करया सै, वो सारा कुछ म्हारे ताहीं क्यूँ नही देवगा? 33 कोए भी हमनै परमेसवर के स्याम्ही दोषी नही ठहरा सकता? परमेसवर ए सै जो म्हारे ताहीं धर्मी बणावै सै। 34 कोए भी हमनै दोषी नही ठहरा सकता? क्यूँके यीशु मसीह ए सै, जो मरया बल्के मुर्दा म्ह तै जिन्दा भी उठ्या, अर परमेसवर कै सोळी ओड़ सै, अर म्हारे खातर बिनती भी करे सै। 35 कौण हमनै मसीह कै प्यार तै न्यारा करेगा? के क्लेश, संकट, उपद्रव, अकाळ, नंगाई, जोख्खम, या तलवार? 36 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “तेरे खातर लोग हमनै रोज मारण की धमकी देवै सै, हम मरण आळी भेङ्गां की तरियां समझे गये सां।” 37 पर इन सारी बात्तां म्ह हम उसके जरिये जिसनै म्हारे तै प्यार करया सै, जयवन्त तै भी बाध सै। 38 क्यूँके मै जाणुं सूं, के कोए भी चीज मसीह नै म्हारे तै प्यार करण तै नही रोक सकदी। इसतै कोए फर्क नही पड़ता के चाहे हम जिवां या मरा, सुराद्दूत, प्रधानताएँ, शक्तियाँ जो सुरां म्ह सै इन म्ह तै कोए भी हमनै मसीह के प्यार तै अलग नही कर सकदी, अर इब जो होण लागरया सै, जो भविष्य म्ह होण आळा सै, गहराई, ऊँचाई हमनै परमेसवर के प्यार तै, जो म्हारे प्रभु यीशु मसीह म्ह सै अलग नही कर सकदी।

9 जै कोए भी चीज हमनै परमेसवर के प्यार तै अलग नही कर सकदी, तो क्यूँ इसाएली, मेरे यहूदी भाई परमेसवर तै दूर सै? मेरा मन उन खातर भोत दुखी सै, जै उन माणसां के छुटकारे खातर मेरे उप्पर चाहे दोष भी लगाये जावै या मसीह तै अलग करया जावै, तोभी मै इसके खातर तैयार सूं, अर मै मसीह नै गवाह मानते होए सच बोल्लू सूं, पवित्र आत्मा अर मेरी अन्तरात्मा भी या गवाही देवै सै के मै झूठ कोनी बोल्ला। 4 वे इसाएल देश के माणस सै, अर वे परमेसवर के गोद लिये होड़ माणस सै, अर महिमा, करार, नियम-कायदे अर परमेसवर की आराधना करण का हक अर वादे उन्हे के सै। 5 अब्राहम, इसहाक, याकूब ये सारे पूर्वज भी उन्हे के सै, अर मसीह भी देह के भाव तै उन्हे म्ह तै इसाएली सै। जो सारया के उप्पर परम परमेसवर सै, युगानयुग धन्व हो। आमीन। (aiōn g165) 6 पर इसा कोनी के परमेसवर अपणे वादे तै मुकर गया, ज्यांतै के जो इसाएल के वंशज सै, वे सारे सच्चे इसाएली कोनी। 7 अर ना अब्राहम का वंश होण कै कारण सारे उसकी सच्ची उलाद होगी, पर पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “इसहाक के वंश म्ह जन्म लेण तै ए सारे उसकी सच्ची उलाद नही हो जान्दी।” 8 यानिके जो दुनियावी तौर पै शारीरिक रूप तै जन्मे होए परमेसवर की उलाद कोनी, पर वायदे की उलाद सै। 9 क्यूँके वादे का वचन यो सै: “आगले साल मै इस्से बखत दुबारा आऊँगा, अर तब सारा के एक बेटा पैदा होवेगा।” 10 अर सिर्फ योए न्ही, पर जबि रिबका के गर्भ म्ह एक ए आदमी यानिके म्हारे पूर्वज

इसहाक तै जुड़वां बाळक पैदा होए। 11 इब तै पैहले के वो पैदा होते अर कुछ बुरा या भला काम जाणते, परमेसवर नै रिबका तै कह दिया था के “जेद्दा बेटा छोटळै का गुलाम होवेगा,” परमेसवर नै यो दिक्खाण के खात्तर कइया, वो अपने मन की इच्छा तै खुद चुनाव करै सै, ना के उनके भले या बुरे कामां तै। 13 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “मन्ने एसाव तै बढ़कै याकूब ताहीं घणा प्यार करया।” 14 ज्यांतै हम के कइयां? के परमेसवर की अपनी इच्छा तै चुनाव करणा अन्याय सै? न्ही! बिलकुल न्ही! 15 क्यूँके परमेसवर मूसा नबी तै कहवै सै, “मै जिस किसे पै दया करणा चाहूँ, उसपै दया करूँगा, अर जिस किसे पै तरस खाणा चाहूँ उससे पै तरस खाऊँगा।” 16 इस करके परमेसवर उस ताहीं चुणै सै, जिसके उपर वो दया दिखाणा चाहवै सै, उसका चुनाव इस बात पै आधारित कोनी, के लोग के चाहवै सै, अर वे के करण की कोशिश करै सै। 17 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह परमेसवर नै फिरौन (मिस्र के राजा) तै कइया, “मन्ने तेरे ताहीं ज्या ए तै राजा बणाया सै, के तेरे म्ह अपनी सामर्थ दिखाऊँ, अर मेरे नाम का प्रचार सारी धरती पै होवै।” 18 इस करके वो जिसपै चाहवै सै उसपै दया करै सै, अर जिस ताहीं चाहवै सै उस ताहीं हठील्ला बना देवै सै। 19 तब घणखरे माणस मेरे तै कहवेंगे, “जै इसा सै, वो परमेसवर किस तरियां कह सके सै, के हम गलत सौ? क्यूँके परमेसवर जो करणा चाहवै सै उसने करण तै कौण रोक सके सै?” 20 हे भले माणस, भला तू कौण सै जो परमेसवर तै वाद-विवाद करै? के बणाई होई चीज बणाण आळै तै कह सके सै, “तन्ने मेरे ताहीं इसा क्यांतै बणाया सै?” 21 के कुम्हार ताहीं माट्टी पै हक कोनी के एक ए लोदे म्ह तै एक बासण आदर कै खात्तर, अर दुसरे ताहीं अनादर कै खात्तर बणावै? 22 परमेसवर अपना छो अर अपनी सामर्थ उनके बिरुद्ध दिखाणा चाहवै सै, जो नाश ए होण लायक सै, पर वो धीरज धरे सै क्यूँके वो दिखाणा चाहवै सै के वो कितना महान सै, वो उन माणसां पै दया करै सै, जिन ताहीं उसने अपनी महिमा म्ह साँझा करण खात्तर चुण्या सै। 24 यानिके म्हारे पै जिन ताहीं उसने ना सिर्फ यहूदी माणसां म्ह तै, बल्के गैर यहूदियाँ म्ह तै भी चुण्या। 25 जिसा के वो होशे नबी की किताब म्ह भी गैर यहूदियाँ के बारे म्ह कहवै सै, “जो मेरी प्रजा कोनी थी, उन ताहीं मै अपनी प्रजा कहूँगा, अर जिनतै मै प्यार न्ही करूँ था, उन ताहीं प्यार करूँगा। 26 अर जिस जगहां पै परमेसवर नै इसा कइया था, के थम मेरी प्रजा कोनी सौ, उससे जगहां पै परमेसवर उन ताहीं अपनी ऊलाद कहवैगा।” 27 अर यशायाह नबी इस्राएल के माणसां कै बारे म्ह रुक्का मारके कहवै सै, “चाहे इस्राएल की ऊलादां की गिणती समुन्दर के बालू कै बराबर हो, तो भी उन म्ह तै थोड़े ए बरेंगे। 28 क्यूँके परमेसवर धरती पै तावळा-ए आवैगा, अर एक बार म्ह ए सबका न्याय करैगा।” 29 जिसा यशायाह नबी नै पैहल्या भी कइया था, “जै सेनाओं का प्रभु म्हारे खात्तर कुछ वंश न्ही छोड़दा, तो म्हारी हालत सदोम अर अमोरा नगर के जिसी हो जान्दी, जिस ताहीं परमेसवर नै पूरी तरियां तै नाश कर दिया।” 30 ज्यांतै हम के कइयां? गैर यहूदियाँ नै अपने-आप ताहीं धर्मी बणाण की कोशिश न्ही करी, पर परमेसवर नै मसीह यीशु पै बिश्वास करण के कारण उन ताहीं धर्मी बना दिया। 31 जो इस्राएली मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानके धर्मी बणाणा चाहवै थे वे धर्मी न्ही बना पाये। 32 यो किस तरियां हो सके सै? इस करके के वे बिश्वास तै न्ही, पर मान्ना आच्छे कामां तै धर्मी बणाणा चाहवै थे। उनै उस ठोकर के पत्थर पै ठोकर खाई, 33 जिसा पवित्र ग्रन्थ यीशु मसीह के बारे कहवै सै, “देखो, मै यरूशलेम नगर म्ह एक ठेस लागण का पत्थर, अर ठोकर खाण की चट्टान राखवूँ सँ, अर जो कोए उसपै बिश्वास करैगा वो शर्मिन्दा कोनी होवेगा।”

10 हे बिश्वासी भाईयो, मेरे मन की इच्छा अर मेरे यहूदी माणसां खात्तर, परमेसवर तै मेरी याए प्रार्थना सै के वे बचाए जावै। 2 क्यूँके मै उनकी गवाही हूँ सँ, के उन ताहीं परमेसवर कै खात्तर उत्साह रहवै सै, पर सही समझके गेल्या न्ही। 3 क्यूँके वा धार्मिकता जो परमेसवर की ओड़ तै आवै सै, उस ताहीं वे समझण म्ह नाकामयाब रहे अर अपने तरिकके तै धर्मी

बणाण की कोशिश करी, वे परमेसवर की धार्मिकता के अधीन न्ही होए। 4 क्यूँके मसीह नै पैहले तै ए उस मकसद ताहीं पूरा कर लिया सै। जिस खात्तर नियम-कायदे दिए गये थे, उसका नतिज्जां यो होया के जो यीशु मसीह पै बिश्वास करै सै वो धर्मी बणाए जावेंगे। 5 क्यूँके मूसा नबी नै नियम-कायदा तै धर्मी बणाण के बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह यो लिख्या सै, के जो माणस उनै मान्ने सै, वो इस्से कारण तै जिन्दा रहैगा। 6 पर बिश्वास के जरिये धर्मी बणाये जाण के बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ या कहवै सै, के “तू अपने मन म्ह न्यू ना कहिये, के मसीह ताहीं नीच्चे ल्याण खात्तर सुर्ग पै कौण चढ़ेगा?” 7 या “अथोलोक म्ह कौण उतरेगा?” (यानिके मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा उपर लाण कै खात्तर!) (Abysos g12) 8 पर के कहवै सै, योए के “परमेसवर का वचन तेरे थोरे सै, ताके तू उसने अपने मुँह तै अंगीकार कर सके अर अपने मन म्ह राख सके,” यो वोए बिश्वास का वचन सै, जो हम प्रचार करा सां। 9 जै तू माणसां के स्यामी यीशु नै प्रभु मान ले, अर अपने मन तै बिश्वास करै के परमेसवर नै उस ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, तो परमेसवर तन्ने बचावैगा। 10 क्यूँके हम अपने मन तै बिश्वास करां सां, तो हम परमेसवर के जरिये धर्मी बणाए जावै सै, अर हम मुँह तै अंगीकार करां सां, के हम मसीह पै बिश्वास करां सां, तो इस करके हम बच जावेंगे। 11 क्यूँके यशायाह नै पवित्र ग्रन्थ म्ह मसीह के बारे म्ह यो लिख्या सै, “जो कोए उसपै बिश्वास करैगा वो शर्मिन्दा कोनी होवैगा।” 12 यहूदियाँ अर यूनानियाँ म्ह किमे फर्क कोनी, ज्यांतै के परमेसवर सारया का प्रभु सै, जो उसका नाम लेवै सै उस ताहीं वो बचावै सै। 13 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै के “जो कोए प्रभु का नाम लेवैगा, वो बचाया जावैगा।” 14 पर जिन माणसां नै मसीह पै बिश्वास न्ही करया, तो वे उसने मदद खात्तर किस तरियां पुकारेंगे? अर जिसके बारे म्ह सुण्या न्ही उसपै किस तरियां बिश्वास करेंगे? अर वे किस तरियां सुणेंगे जब तक कोए प्रचारक ना जावै। 15 जै प्रचारक भेजे ना जावै, तो किस तरियां प्रचार करै? जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “जो आच्छी बातों का सुसमाचार लेके आवै सै, उनके पाँव कितने सुहावने सै।” 16 पर सारया नै उस सुसमाचार पै बिश्वास कोनी करया जिसा यशायाह नबी कहवै सै, “हे प्रभु, किस्से नै भी म्हारे सन्देश पै बिश्वास न्ही करया?” 17 पर मसीह के बारे म्ह वचन सुणाण तै बिश्वास होवै सै। 18 पर मै पूछु सँ, के यहूदियाँ नै, मसीह के बारे म्ह न्ही सुण्या? सुण्या तो जरूर सै, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “उनके बोल साबूती धरती पै, अर उनके वचन दुनिया के कुणे ताहीं पोहोचगे सै।” 19 फेर मै पूछु सँ, के इस्राएली लोग मसीह के बारे म्ह सन्देश ताहीं समझै सै? पैहल्या तो प्रभु नै मूसा नबी के जरिये यो कइया, “मै उन गैर यहूदियाँ के जरिये थारे मन म्ह जळण पैदा करूँगा, मै थमने यहूदियाँ के जरिये मूर्ख समझण आळे माणसां तै गुस्सा दिलाऊँगा।” 20 फेर जो बात प्रभु नै कही वा बात यशायाह नबी बड़ी हिम्मत करके कहवै सै, “जो मन्ने न्ही टोहवै थे, उनै मेरे ताहीं पा लिया, अर जो मन्ने बुझी भी कोनी थे, उनपै मै जाहिर होया।” 21 पर इस्राएल देश के माणसां के बारे म्ह, परमेसवर यशायाह नबी के जरिये न्यू भी कहवै सै, “मै सारा दिन अपने हाथ, एक हुकम ना मानण आळी अर विवाद करण आळी प्रजा के कान्ही पसारे रहया।”

11 ज्यांतै मै पूछु सँ, के परमेसवर नै अपनी प्रजा ताहीं छोड़ दिया? न्ही! बिलकुल न्ही! मै भी तो इस्राएली सँ, मै अब्राहम की पीढ़ी अर बिन्यामीन कै गोत्र म्ह तै सँ। 2 परमेसवर नै अपनी उस प्रजा ताहीं कोनी छोड्या, जिस ताहीं उसने पैहल्याए तै चुण्या सै। के थमने न्ही बेरा के पवित्र ग्रन्थ एलियाह नबी कै बारे म्ह के कहवै सै, वो इस्राएल के माणसां कै बिरोध म्ह परमेसवर तै शिकायत करे सै। 3 “हे प्रभु, उनै तेरे नबियाँ ताहीं मार दिया, अर तेरी वेदियाँ ताहीं नाश कर दिया सै, अर मै ए एकला बचा सँ, जो तेरे पै बिश्वास करूँ सँ अर जिन्दा सँ, अर वे मेरी जान भी लेणा चाहवै सै।” 4 तब परमेसवर नै एलियाह नबी तै कइया, “मन्ने अपने खात्तर सात हजार माणसां ताहीं राख राख्या सै, जिन नै बाल देवता की मूर्ति की

आराधना करण खातर गोठ्ठे कोनी टेक्के सै।” 5 ठीक इस्से तरियां तै इस बखत भी, परमेसवर के अनुग्रह तै अलग करे होए कुछ यहूदी माणस बचरे सै, जिन ताहीं उसने अपने खातर चुण्या सै। 6 जै उन ताहीं परमेसवर नै अपने अनुग्रह तै चुण्या सै, तो यो आच्छे काम्मां तै न्ही होया, न्ही तो अनुग्रह फेर अनुग्रह न्ही रहया। 7 फेर इसका नतिज्जा के लिकइया? हालाकि इस्राएली माणस जो परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणणा चाहवै थे, पर वो बण न्ही पाए, पर परमेसवर नै जिन ताहीं चुण्या वे उसके गैल धर्मी बण गये, अर बचे होइ माणस हठीले करे गये अर उननै उसकी सुणण तै इन्कार कर दिया। 8 जिंसा पवित्र ग्रन्थ म्ह यशायाह नबी नै लिख्या सै, “परमेसवर नै उन ताहीं आज के दिन तक सुस्त दिमाग दे राख्या सै, अर इसी आँख दी जो ना देखवै, अर इसे कान दिये जो ना सुणे।” 9 अर राजा दाऊद कहवै सै, “के जिंसा एक पंछी खाणा खाण खातर जाळ म्ह फँस जावै सै अर जानवर खड्डे म्ह गिर जावै सै, उसी तरियां ये माणस भी परमेसवर की ओड़ तै दण्ड पावेंगें। 10 उनकी आँख आँधी हो जावै ताके वो देख न्ही पावै, अर वे सारी हाण मुसीबतां म्ह फसे रहवै।” 11 तो मै पूछूँ सूं, के यहूदी लोग ठोक्कर खाण के कारण सदा के खातर नाश होगे? न्ही! बिलकुल न्ही! पर उनके अबिश्वास के कारण गैर यहूदियाँ ताहीं उद्धार मिल्या, ताके इस्राएल के माणसां के जळण होवै। 12 ज्यत्तै जै उनका अबिश्वास दुनिया की गैर यहूदियाँ के खातर भलाई का कारण बणै, तो इस्राएल के माणसां का परमेसवर के धौरे बोहड़ के आणा और भी आच्छा क्यूँ न्ही होगा। 13 मै थम दुसरी जातां तै ये बात कहूँ सूं। जिब के मै गैर यहूदियाँ के खातर प्रेरित सूं, तो मै अपणी सेवा की बड़ाई करूँ सूं, 14 ताके किसे तरियां तै मै अपने कुण्वे आळे माणसां म्ह जळण पैदा करवा के उन म्ह तै एक-आथै का उद्धार कराऊँ। 15 क्यूँके जिब इस्राएली माणसां का छोड़ दिया जाणा, गैर यहूदियाँ का परमेसवर के साथ मेळ-मिलाप का कारण होया। तो उनका मसीह ताहीं अपनाया जाणा, इसा होगा, जिंसा किसे माणस का मुर्दा म्ह तै जिन्दा जाणा। 16 मै थमनै एक उदाहरण देऊँ सूं, यो यहूदी माणसां का रिवाज सै, जिब हम चून गुंथा सां, तो उस म्ह तै पैहले रोटी का एक पेड़ा परमेसवर के खातर लिकाड़ा सां, तो पूरा गुन्था होया चून भी परमेसवर के खातर सै, उस्से तरियां जिंसा तरियां जड़ परमेसवर की सै, तो डाळी भी उस्से की सै। 17 इस्राएल के माणस जैतून की डाळी की तरियां सै अर पिता अब्राहम, इसहाक अर याकूब पेड़ की जड़ की तरियां सै, पर जै कुछ डाळी तोड़ दी गई, अर तू जंगली जैतून होके उन म्ह कलम करया गया, अर यहूदी माणसां ताहीं मिलण आळी आशीष का फायदा थारे ताहीं भी होया, जिंसा जैतून के पेड़ की डाळी पेड़ की जड़ तै रस हासिल करे सै। 18 तो थम यो घमण्ड ना करियो, के थम उन कटी होई डाळियाँ तै बढ़िया सों, यो याद राख्खों के थम जड़ नै कोनी पर, जड़ थमनै सम्भाले सै। 19 फेर थम बोल सकों सों के “परमेसवर पेड़ तै टुट्टी होए डाळियाँ की तरियां थमनै छोड़ देगा।” ताके गैर यहूदियाँ ताहीं अपनावे, जो के उन डाळियाँ की तरियां सै जो कलम करके लगाई गई सै। 20 यो सच सै के वे तो अबिश्वास के कारण तोड़ी गई, पर तू बिश्वास तै बण्या रहवै सै ज्यत्तै घमण्ड ना होवै, पर भय मान, 21 क्यूँके जिब परमेसवर नै खुद की डाळियाँ पै दया न्ही करी तो वो थारे पै भी दया न्ही करैगा। 22 ज्यत्तै परमेसवर की दया अर कठोरता नै देख! जो अबिश्वासी माणसां खातर कठोरता अर थारे खातर दया सै, जै थम असलियत म्ह उसकी दया की हद म्ह न्ही बणे रहवेंगें, तो थारे ताहीं भी काट के अलग कर दिया जावैगा। 23 यहूदी लोग भी जै बिश्वास करणा शुरू करके सै। 24 एक जंगली डाळी खातर एक आच्छे पेड़ का हिस्सा बणणा कुदरती न्ही सै, अर जो यहूदी कोनी जंगली जैतून के पेड़ की डाळी की तरियां सै, जो के एक आच्छे जैतून के पेड़ म्ह लगाई गई सै, पर यहूदी एक डाळी की तरियां सै जो आच्छे पेड़ तै उगै सै, पक्के तौर पै वे अपने पेड़ म्ह शामिल हो सकै सै। 25 हे बिश्वासी भाईयो, मै न्ही चाहन्दा के थम इस भेद तै अनजाण रहों, इसा ना हो के थम अपने-आप पै घमण्ड करण लागगों,

जिब तक गैर यहूदी परमेसवर के धौरे ना आवै सै, तब तक इस्राएल के कुछ माणस सख्त बणे रहवेंगें। 26 अर इसके बाद सारे इस्राएल के माणस उद्धार पावेंगें। जिंसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “छुटाण आळा यरुशलेम तै आवैगा, अर अभगति नै याकूब के वंश तै दूर करैगा। 27 अर उनकै गेल्या मेरा यो करार होगा, जिब मै उनके पापां नै माफ कर दिवूँगा।” 28 यहूदी लोग परमेसवर के दुश्मन बणगे थे, क्यूँके वे उस सुसमाचार पै बिश्वास करणा न्ही चाहन्दे, यो थारे खातर फायदेमन्द होया, पर परमेसवर उनतै प्यार करे सै, क्यूँके उसने अपने खातर उन ताहीं चुण्या सै, योए वो वादा सै जो उसने म्हारे पूर्वजां तै करया था। 29 क्यूँके परमेसवर अपने वरदानां तै, अर बुलाहट तै कदे भी पाच्छे कोनी हटदा। 30 एक बखत था जिब थम गैर यहूदियाँ नै परमेसवर ताहीं ठुकरा दिया था, पर इब इस्राएल के माणसां नै परमेसवर ताहीं ठुकरा दिया, इस कारण थारे पै दया दिखाई गई। 31 थारे पै दया दिखाण के कारण उनपै भी दया दिखाई जावैगी। 32 क्यूँके सारे माणसां नै परमेसवर के हुकम का उलंघण करया सै, योए कारण सै के परमेसवर उनके गैल कैदियाँ की ढाळ बरताव करे सै, वो इस करके इसा करे सै के सब माणसां पै दया हो सके। (Ephes 1:6) 33 ओह! किंसा अपार सै परमेसवर की बुद्धि अर ज्ञान का भण्डार! कितने महान् सै उसके फैसले! अर किंसा रहस्यमयी सै उसके काम करण का तरिककां! 34 “भला कोण जाण सके सै परमेसवर के मन नै? या कौण उसका सलाहकार होया सै? 35 या किंसेन परमेसवर ताहीं कुछ दिया सै, जिंसाका बदला उस ताहीं दिया जावै?” इसा कोए कोनी। 36 क्यूँके सब कुछ उस्से के कान्ही तै आवै सै, अर उस्से नै सब कुछ बणाया सै अर सब कुछ उस्से का सै। उसकी महिमा युगानुयुग होन्दी रहवै आमीन। (aiōn 1:6)

12 ज्यत्तै हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे तै परमेसवर की दया याद दुवाकै बिन्ती करूँ सूं, के अपणी जिन्दीगी ताहीं जिन्दा, पवित्र अर परमेसवर ताहीं भान्दा होया बलिदान करके चढ़ाओ। योए परमेसवर की सेवा करण का सही तरिककां सै। 2 इस दुनिया के माणसां बरगे ना बणगे, पर परमेसवर थारी सोच नै बदले, अर थारा चाल-चलण भी बदलता जावै, जिंसातै थम परमेसवर की भली, अर आच्छी लागण आळी, अर सिध्द इच्छा अनुभव तै बेरा पाड़ सके। (aiōn 1:6) 3 क्यूँके मै उस अनुग्रह के कारण जो मैरे ताहीं मिल्या सै, थारे म्ह तै हरेक तै कहूँ सूं, के जिंसा समझणा चाहिये, उसतै बढ़के कोए भी अपने-आपनै ना समझै। पर इसकी बजाए सदबुद्धी राखके, जिंसा परमेसवर नै जितना बिश्वास थारे ताहीं दिया सै उसके मुताबिक अपने-आपनै समझो। 4 क्यूँके जिंसा म्हारी एक देह म्ह घण-ए अंग सै, अर सारे अंगा का एके काम कोनी। 5 इस्से तरियां हम जो मसीह म्ह बिश्वास करा सां, हम उसके देह के कुछ अंग बणगे सां, अर हम दुसरे तै जुड़े होए सां। 6 जिब के उस अनुग्रह के मुताबिक जो परमेसवर नै म्हारे ताहीं दिया सै, हमनै न्यारे-न्यारे वरदान मिले सै। तो जिंसा ताहीं परमेसवर नै भविष्यवाणी का दान दिया सै, वो उन ए बातानं नै बोल्ले जो उसनै बिश्वास दिलाते हो के ये परमेसवर की ओड़ तै सै। 7 जै दुसरयां की सेवा करण का दान मिल्या हो, तो सेवा म्ह लाग्या रहवै, जै कोए सिखाण आळा हो, तो सिखाण म्ह लाग्या रहवै। 8 जो उस्ताहित करण आळा हो, वो उस्ताहित करण म्ह लाग्या रहवै, दान देण आळा हो उदारता तै देवै, जो अणुवाई करे, वो जोश तै करे, जो दया करे, वो खुशी तै करे। 9 प्यार करण का दिखावा ना करो, बुराई तै नफरत करो, भलाई म्ह उत्सुक रहो। 10 एक-दुसरे तै इस तरियां प्यार करो, जणु एक ए परिवार के हो, आप्सस एक एक-दुसरे का बढ़-चढ़के आदर करो। 11 कड़ी मेहनत करो अर आलसी ना बणो, आत्मिक जोश तै भरे रहो। प्रभु की सेवा पूरे मन तै करदे रहो। 12 आस म्ह खुश रहो, क्लेश म्ह धीरज धरो, प्रार्थना म्ह सारी हाण लाग्गे रहो। 13 पवित्र माणसां ताहीं जो किंमे जरूरी हो, उस म्ह उनकी मदद करो, अर अजनबी माणसां की सदा सेवा-पाणी म्ह लाग्गे रहो। 14 अपने सताण आळा ताहीं आशीष द्यो, आशीष दो श्राप ना द्यो। 15 आनन्द करण आळा के गेल्या आनन्द करो, अर रोण आळा के

गेल्या रोओ। 16 जिस तरियां थम अपनी परवाह करो सों, उससे तरियां दुसरयां की परवाह करो, खुद पै घमण्ड ना करो, पर दीन-दुखियां के गेल्या संगति राख्खो, अपनी नजर म्ह अकलमंद ना होवो। 17 बुराई के बदले किसे तै बुराई ना करो, जो बात सारे माणसां के लोवै आच्छी सै, उनकी फिर्क करया करो। 18 जित्त ताहीं हो सकै, थम पूरे मन तै सारे माणसां के गेल्या मेळ-मिलाप राख्खो। 19 हे प्यारे विश्वासी भाईयो, बदला ना लियो, पर परमेसवर ताहीं बदला लेण का मौक्का द्यो, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “बदला लेणा मेरा काम सै, प्रभु कहवै सै मैं ए बदला ल्यूंगा।” 20 पर वचन यो भी कहवै “जै तेरा बैरी भूख्खा हो तो उस ताहीं खाणा खुवा, जै तिसाया हो तो उस ताहीं पाणी पिला, क्यूँके तेरे इसा करण तै वो खुद शर्मिन्दा हो जावैगा।” 21 बुराई तै ना जीत हासिल करो, पर भलाई तै बुराई नै जीत ल्यो।

13 हरेक माणस शासन करण आळे अधिकारियां के अधीन रहवै, क्यूँके सारे अधिकार परमेसवर की ओड़ तै आवै सै, अर जो अधिकार सै, वे परमेसवर नै बनाये सै। 2 ज्यांतै जो कोए भी माणस उन माणसां का पालन करण तै इन्कार करै सै, जिनके धोरे शासन करण की शक्ति सै, तो वो परमेसवर की विधि का बिरोध करै सै, अर बिरोध करण आळे दण्ड पावेंगे। 3 क्यूँके हाकिम आच्छे काम के नही, पर भुन्डे काम के खातर डर का कारण सै। जै तू हाकिम तै बिना डरे रहणा चाहवै सै, तो आच्छा काम कर, ताके उसकी ओड़ तै तेरी बड़ाई हो। 4 क्यूँके वो तेरी भलाई के खातर परमेसवर का सेवक सै। परन्तु जै तू बुराई करै, तो डर, क्यूँके उसनै दण्ड देण का हक सै, अर वो परमेसवर का सेवक सै ताके उसके छो के मुताबिक भुन्डे काम करण आळे ताहीं सजा देवै। 5 ज्यांतै थम उनके अधीन रहें ना सिर्फ उसके दण्ड तै बचण खातर बल्के साफ अन्तरात्मा राख्खण खातर भी। 6 ज्यांतै चुंगी भी द्यो क्यूँके शासन करण आळे परमेसवर के सेवक सै अर सारी हाण उस फर्ज नै पूरा करण म्ह लाग्गे रहवें सै। 7 ज्यांतै हरेक का हक चुकाया करो, जिस ताहीं चुंगी देणी चाहिये, उस ताहीं चुंगी देओ, कर देण आळे ताहीं कर देओ, जिसतै डरणा चाहिये, उसतै डरो, जिसका आदर-मान करणा चाहिये, उसका आदर-मान करो। 8 एक ए चीज सै जिसके थमनै कर्जदार होणा चाहिए, वो सै थारा आप्स म्ह प्यार, क्यूँके जो एक-दुसरे तै प्यार करै सै, उससे नै परमेसवर के नियम-कायदा ताहीं पूरा करया सै। 9 क्यूँके, मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह भोत-से हुकम सै, “जारी ना करणा, खून ना करणा, चोरी ना करणा, लालच ना करणा,” अर इन्ने छोड़ और कोए भी हुकम हो, तो सारया का निचोड़ इस एक हुकम म्ह पाया जावै सै, “अपणे पड़ोसी तै अपणे जिसा प्यार करो।” 10 प्यार पड़ोसी की कुछ बुराई कोनी करदा, जो प्यार करै सै, वो परमेसवर के नियम-कायदा नै पूरा करै सै। 11 आप्स म्ह हरेक नै एक-दुसरे तै प्यार करते रहणा चाहिए, क्यूँके वो बखत आवै सै, के जिब परमेसवर हमनै इस बुरी दुनिया तै छुड़ावैगा, जिब हमनै पैहली बार मसीह म्ह विश्वास करया था, तब तै इब वो बखत धोरे आ लिया सै, तो थारे ताहीं नींद तै जागणा चाहिए अर सावधान रहणा चाहिए। 12 दुनिया म्ह रहण का म्हारा बखत लगभग एक रात की ढाळ सै, जो खत्म होण आळी सै, अर मसीह के बोहड़ण आळा बखत भोत लवै सै, ज्यांतै हमनै अन्धकार के काम्मां नै छोड़के, चाँदणे की ढाळ आच्छे काम करणे चाहिए, जो बुराई का बिरोध करण म्ह म्हारे हथियार बणै सकै। 13 आओ! हम खुद नै सही तरिकेके तै चलाणा शरू करा, जो उन माणसां की तरियां सै जो चाँदणे म्ह रहवै सै, पर अँधेरे म्ह रहण आळे माणसां की ढाळ ना बणो जो भोग-विलास, दारूबाजी, जारी, लुचपण, रोळे अर जळण करण जिसा काम करै सै। 14 बल्के प्रभु यीशु मसीह ताहीं कवच बणा के पैहर ल्यो, अर देह की पापी अभिलाषायां नै पूरा करण का उपाय ना करो।

14 जो माणस विश्वास म्ह कमजोर सै, उस ताहीं अपनी संगति म्ह ले ल्यो, पर उस ताहीं के करणा चाहिए के नही करणा चाहिए इस बारे म्ह बहस ना करो। 2 एक नै विश्वास सै, के सारा कुछ खाणा सही सै, पर

जो विश्वास म्ह कमजोर सै वो साग-पात ए खावै सै। 3 अर माँस-मच्छी खाण आळे साग-पात खाण आळे ताहीं तुच्छ ना जाणै, अर ना साग-पात खाणआळा, माँस-मच्छी खाणआळे पै दोष लावै, क्यूँके परमेसवर नै दोनुआ ताहीं अपनाया सै। 4 तू कौण सै जो दुसरे के नौक्कर पै दोष लावै सै? पर उसकी कामयाबी या नाकामयाबी उसके माल्लिक के ए हाथ्यां म्ह सै, बल्के वो कामयाब ए कर दिया जावैगा, क्यूँके प्रभु उस ताहीं कामयाब कर सकै सै। 5 इस तरियां कई माणस तो एक दिन नै दुसरे तै बाध मानै सै, अर कई माणस सारे दिनां नै एक जिसा जाणै सै, इस तरियां तै हरेक अपणे ए मन म्ह, इस बात नै पक्का कर लेवै जो वो सोचै सै वोए सही सै। 6 जो कोए किसे दिन नै बाध मानै सै, वो प्रभु नै आदर मान देण खातर मानै सै। जो कोए माँस-मच्छी खावै सै, वो प्रभु नै आदर मान देण खातर खावै सै, क्यूँके वो परमेसवर का धन्यवाद करै सै, अर जो साग-पात खावै सै, क्यूँके वो प्रभु नै आदर मान देण खातर खावै अर परमेसवर का धन्यवाद करै सै। 7 क्यूँके हम सारे प्रभु के सां। म्हारे म्ह तै ना तो कोए अपणे खातर जिन्दा सै, अर ना कोए अपणे खातर मरे सै, पर परमेसवर ताहीं खुश करण खातर करै सै। 8 जै हम जिवां सां, तो प्रभु के खातर जिवां सां, अर जै मरा सां, तो प्रभु के खातर ए मरा सां, हम जिवां या मरा, हम प्रभु ए के सां। 9 क्यूँके मसीह यीशु इस्से खातर मर अर मुर्दा म्ह तै जिन्दा भी हो गया के वो मरे होया अर जिन्दयां का, दोनुआं का प्रभु होवै। 10 तू अपणे विश्वासी भाई पै क्यातै दोष लावै सै? या फेर क्यातै अपणे विश्वासी भाई नै तुच्छ जाणै सै? परमेसवर हम सारा का न्याय करैगा। 11 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “प्रभु कहवै सै, मेरे जीवन की कसम, के हरेक घुटना मेरे स्याम्ही टिकैगा, अर हरेक कोए अपनी जुबान तै मन्ने परमेसवर मान लेवैगा।” 12 ज्यांतै म्हारे म्ह तै हरेक नै अपणे-अपणे काम का लेक्खा परमेसवर ताहीं देणा पड़ैगा। 13 इस खातर आम्गे तै हम एक-दुसरे पै दोष नही लावांगें, पर थम या ठान ल्यो के कोए अपणे विश्वासी भाई के स्याम्ही पाप करण की बजह ना बणै। 14 मन्ने बेरा सै अर प्रभु यीशु म्ह मन्ने पक्का यकिन होया सै, के कोए खाण-पीण की चीज अपणे-आप तै अशुद्ध कोनी, पर जो उस ताहीं अशुद्ध समझै सै, उसके खातर अशुद्ध सै। 15 जै तेरा विश्वासी भाई तेरे खाणे के कारण दुखी होवै सै, तो फेर तू मसीह की प्यार की रीत पै नही चाल्दा, जिसके खातर मसीह मरा, तेरे खाणे की बजह तै तेरा विश्वासी भाई मसीह तै पाछै ना हटै। 16 इस करके जै तू अपनी नजर म्ह बढ़िया काम करै सै, पर दुसरा उसनै बुरा मानै सै तो उसनै ना करो। 17 क्यूँके परमेसवर का राज्य खाणा-पीणा कोनी, पर धार्मिकता अर मेळ-मिलाप म्ह ए खुशी सै, जो पवित्र आत्मा तै मिलै सै। 18 जो कोए इस तरियां तै मसीह की सेवा करै सै, इसतै परमेसवर खुश होवै सै, अर माणसां म्ह भी उसकी तारीफ होवै सै। 19 ज्यांतै हम उन काम्मां म्ह लाग्गे रह्वां जिनतै मेळ-मिलाप अर शान्ति होवै, अर एक-दुसरे का विश्वास मजबूत होवै। 20 खाणे के खातर परमेसवर का काम ना बिगाड़ै। सारी ढाळ का खाणा शुद्ध सै, पर उस माणस के खातर पाप करण की बजह ना बणो, जिस ताहीं उसके खाणे तै ठेस लाग्गे सै। 21 भला तो यो सै के तू ना माँस-मच्छी खा अर ना अंगूर का रस पी, ना और किमे इसा करै जिसतै तेरे विश्वासी भाई के विश्वास नै ठेस लाग्गे। 22 जै तू विश्वास करै के तू सही करै सै, तो इन बातों नै अपणे ए अर परमेसवर के बीच म्ह राख। धन्य सै वो जो उस बात म्ह, जिस ताहीं वो सही समझै सै, अपणे-आपनै कसूरवार नही समझदे। 23 पर इब थारे मन म्ह शक सै, के खाणा सै अर के नही खाणा अर फेर भी खा ल्यो सै, तो पाप करो सों। क्यूँके थम अपणे विश्वास के मुताबिक नही करते अर जै थम इसा काम करो सों, जिसपै थमनै विश्वास सै, वो काम गलत सै, तो वो पाप सै।

15 हो सकै सै के हम जो विश्वास म्ह मजबूत सां, हम जाणा सां के इन बातों तै कोए फर्क नही पड़ता, हम इस खातर यो काम नही करते के हम अपणे-आपनै खुश कर सका, हमनै उन माणसां का डर अर शंका का भी ध्यान करणा सै, के जो यो सोचै सै के हम गलत सां। 2 म्हारे म्ह तै

हेरक ने अपने विश्वासी भाई के साथ भले काम करने चाहिए, जो उसने खुश करे। उस तरह विश्वासी मंह मजबूत बनाए रखवै। 3 क्योंकि मसीह ने अपने-आप ताहीं खुश कोनी करया, पर जिंसा पवित्र ग्रन्थ मंह लिख्या सै, “तेरी बुराई करण आळा नै मेरी बुराई करी सै।” 4 जितनी बात पैहल्या तै पवित्र ग्रन्थ मंह लिक्खी गई, वे म्हारी ए सिखाण कै खात्तर लिक्खी गई सै, ताके हम धीरज अर उत्साह जो म्हारे ताहीं पवित्र ग्रन्थ देवै सै, उसके जरिये हमने आस मिलै। 5 मै प्रार्थना करूँ सँ के धीरज अर उत्साह का दात्ता परमेसवर, थमने यीशु मसीह की तरियां जीवन बिताण अर एक-दुसरयां के साथ शान्ति तै रहण मंह मदद करै। 6 ताके थम सब कठ्ठे होके म्हारे परमेसवर प्रभु यीशु मसीह के पिता की महिमा करो। 7 इस करके एक-दुसरे नै अपनाओ जिंसा मसीह नै थारे ताहीं अणगाया सै, यो इस खात्तर करो के माणस परमेसवर की जै-जै कार करै। 8 ज्यातै मै कहूँ सँ के जो वादे म्हारे पूर्वजां ताहीं दिए गये थे, उन वादा नै मजबूत करण खात्तर मसीह, परमेसवर की सच्चाई साबित करण खात्तर मसीह, यहूदी माणसां का सेवक बणया। 9 अर गैर यहूदी भी परमेसवर की दया के कारण उसकी महिमा करै, जिंसा पवित्र ग्रन्थ मंह लिख्या सै, “ज्यातै मै गैर यहूदी माणसां मंह तेरा धन्यवाद करूँगा, अर तेरे नाम के भजन गाऊँगा।” 10 फेर कहा सै, “हे गैर यहूदी माणसां, परमेसवर की प्रजा के गैल आनन्द करो।” 11 अर फेर पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, “हे गैर यहूदी माणसां, प्रभु की जय-जयकार करो, अर हे राज्य-राज्य के सारे माणसां, उसकी बड़ाई करो।” 12 अर यशायाह नबी पवित्र ग्रन्थ मंह कहवै सै, “यिंशै के वंश तै एक बेटा पैदा होगा, अर सारी जात्तां पै राज करेगा, वो गैर यहूदी माणसां नै बचावैगा।” 13 मै प्रार्थना करूँ सँ, के परमेसवर जो आस का दात्ता सै, थारे ताहीं विश्वास करण मंह सारी तरियां के आनन्द अर शान्ति तै भरपूर करै, के पवित्र आत्मा की सामर्थ तै थारी आस बधती जावै। 14 हे मेरे विश्वासी भाईयो, मै अपने-आप थारे बारे मंह पक्का जाणु सँ, के थम भी आप ए भलाई तै भरे होए सों, अर थमने बेरा होणा चाहिए के थमने के करणा चाहिए, अर एक-दुसरे नै सीखा भी सको सों। 15 तोभी मन्ने कई बात्तां के बारे मंह थारे ताहीं जो हिम्मत करके लिख्या। यो उस अनुग्रह के कारण होया जो परमेसवर नै मेरे ताहीं दिया सै, 16 के मै गैर यहूदियाँ के खात्तर मसीह यीशु का सेवक होके परमेसवर के सुसमाचार की सेवा याजक के ढाळ करूँ, ताके गैर यहूदियाँ ताहीं परमेसवर खात्तर भेंट के रूप मंह दे सकूँ, जिंसेके साथ वो खुश होवै सै, जिन ताहीं पवित्र आत्मा नै पवित्र माणस बना दिया। 17 ज्यातै मै यीशु मसीह के कारण ए परमेसवर की सेवा पै गर्व कर सकूँ सँ। 18 क्योंकि मै हिम्मत के गैल सिर्फ उन बात्तां बारे मंह जिक्र करणा चाहूँ सँ, जो मसीह नै मेरे ताहीं करण के काबिल बणाया, ताके जो मन्ने कहा अर करया सै उसके जरिये गैर यहूदी माणस परमेसवर का हुकम मानै। 19 पवित्र आत्मा के जरिये दी गई शक्ति तै मै अदभुत चिन्ह-चमत्कार करूँ सँ, इस कारण जित भी मै यरुशलेम नगर तै लेके चौगरदेके इल्लुरिकुम परदेस तक गया, ओड़े मन्ने सारया ताहीं यीशु मसीह का सुसमाचार सुणाया। 20 पर मेरे मन की इच्छा या सै के जित-जित मसीह यीशु का नाम न्ही लिया गया, ओड़ेए सुसमाचार सुणाऊँ, अर उस मकान बणाण आळे मिस्त्री की ढाळ ना होऊँ जो दुसरे की नीम पै घर बनावे सै। 21 पर जिंसा पवित्र ग्रन्थ मंह लिख्या सै मै उस ताहीं पूरा करणा चाहूँ सँ, “जिनके धारे यीशु मसीह का सुसमाचार न्ही पोहच्या, वैए देखेंगे, अर जिन नै न्ही सुणा वैए समझेंगे।” 22 ज्यातै मै थारे धारे आण तै बार-बार रुक्या रहया। 23 पर इब यरुशलेम नगर अर इल्लुरिकुम परदेस मंह मन्ने माणसां ताहीं परमेसवर का वचन सुणा दिया सै, जिनने यीशु मसीह के बारे मंह सुणया ए न्ही था, अर इब मै थारे तै आके मिलूँगा, जिंसेकी लालसा मन्ने घणे साल्लां तै थी। 24 ज्यातै जिव मै स्पेन देश मंह जाऊँगा, तो थारे धारे होंदा होया जाऊँगा, क्योंकि मन्ने उम्मीद सै के उस सफर मंह थारे तै भेंट होवैगी, अर जिव थारी संगति तै मेरा जी खुश हो जावै, तो थम मेरी स्पेन देश जाण मंह मदद कर दिओ। 25 पर इब तो मै यरुशलेम नगर मंह जाऊँ सँ ताके ओड़े परमेसवर के पवित्र माणसां नै दान दे सकूँ। 26 क्योंकि मकिदुनिया अर

अखाया परदेस के माणसां नै यो आच्छा लागया के यरुशलेम नगर के गरीब माणसां के खात्तर कुछ दान कठ्ठा करै। 27 उननै आच्छा तो लाग्या, पर वे यरुशलेमवासियों के कर्जदार भी सै, क्योंकि यहूदियाँ नै गैर यहूदियाँ के साथ परमेसवर की आत्मिक बात्तां का साँझा करया सै, यो सही सै गैर यहूदियाँ की दुनियावी चिज्जां नै यहूदियाँ के गैल साँझा करै। 28 ज्यातै मै यरुशलेम नगर मंह जाण लागरया सँ, ताके वो दान दे सकूँ, जो मन्ने कठ्ठा करया सै, उसके बाद थारे तै रोम देश मंह मिलके स्पेन देश मंह जाऊँगा। 29 अर मन्ने बेरा सै के जिव मै थारे धारे आऊँगा, तो मै मसीह की आशीष नै थारे साथ साँझा करूँगा। 30 हे विश्वासी भाईयो, म्हारे प्रभु यीशु मसीह मंह विश्वास के कारण अर जो पवित्र आत्मा नै म्हारे ताहीं जो प्यार दिया सै मै थारे तै बिनती करूँ सँ, के मेरे खात्तर अर मेरे साथ मन तै परमेसवर तै प्रार्थना करो 31 ताके मै यहूदिया परदेस के अविश्वासियाँ तै बचा रहूँ, अर जो दान मै यरुशलेम नगर मंह लेके जाण लागरया सँ, वो परमेसवर के पवित्र माणसां खात्तर खुशी का कारण बणै। 32 अर मै परमेसवर की मर्जी तै थारे धारे आनन्द के गैल आके थारे गेल्या आराम पाऊँ। 33 मै प्रार्थना करूँ सँ, शान्ति का दात्ता परमेसवर थारे सारया के गेल्या रहवै। आमीन।

16 मै थारे तै फिबे के खात्तर जो म्हारी विश्वासी भाण अर किंखिया नगर की कलीसिया की सेविका सै, मै चाहूँ सँ के थम उसका आदर करो। 2 थम यो जाणके उसका इसा स्वागत करो जिंसा थम परमेसवर के पवित्र माणसां का करो सों, अर जिस किसे बात मंह उस ताहीं थारी जरूरत होवै, उसकी मदद करो, क्योंकि वा भी घणखरयां की बल्के मेरी भी उपकार करण आळी रही सै। 3 प्रिसकिल्ला विश्वासी भाण अर उसके धणी अक्विला नै जो मसीह यीशु मंह मेरे गैल काम करणीये सै, उन ताहीं मेरा नमस्कार। 4 उननै मेरे प्राण के खात्तर अपना ए जीवन जोखिम मंह गेर दिया था, अर सिर्फ मै ए न्ही, बल्के गैर यहूदियाँ की सारी कलीसिया भी गेर देया धन्यवाद करै सै। 5 अर उस कलीसिया नै भी नमस्कार जो उनके घर मंह कठ्ठा होवै सै। मेरे प्यारे भाई इपैनुतुस नै, जिंसेन आसिया मंह सब तै पैहले मसीह पै विश्वास करया, उस ताहीं भी मेरा नमस्कार। 6 विश्वासी भाण मरियम ताहीं, जिंसेन थारे खात्तर घणी मेहनत करी, नमस्कार। 7 विश्वासी भाई अन्दुनीकुस अर उसकी भाण यूनियास नै जो मेरे यहूदी साथी सै, जो मेरे गेल्या कैद होए थे अर प्रेरितां मंह बड़ा नाम्मी सै, अर मेरे तै पैहल्या मसीह मंह आए थे, नमस्कार। 8 विश्वासी भाई अम्प्लियातुस नै, जो प्रभु मसीह मंह मेरा प्यारा सै, नमस्कार। 9 विश्वासी भाई उरबानुस नै, जो मसीह मंह म्हारा गैल काम करणीया सै, अर मेरे प्यारे विश्वासी भाई इस्तखुस नै नमस्कार। 10 विश्वासी भाई अपिल्लेस नै जो मसीह मंह खरयां लिंकड्या, नमस्कार। विश्वासी भाई अरिस्तुबुलुस के कुणबे नै नमस्कार। 11 मेरे विश्वासी साथी हेरोदियोन नै नमस्कार। विश्वासी भाई नरकीस्तुस का कुणबे के जो माणस परमेसवर पै विश्वास करै सै, उन ताहीं नमस्कार। 12 युफेना अर त्रूफोसा विश्वासी भाणां नै जो प्रभु मंह मेहनत करै सै, नमस्कार। प्यारी विश्वासी भाण पिरिसिस नै, जिंसेन प्रभु मंह घणी मेहनत करी, नमस्कार। 13 विश्वासी भाई रूपुस नै जो प्रभु नै अपना होण खात्तर चुणया सै, अर उसकी माँ नै, जो मेरी भी माँ के समान सै, दोनुआ नै, नमस्कार। 14 विश्वासी भाई अंसुक्रितुस, फिलगोन, हिर्मस, पत्रुबास, हर्मास अर उनके साथ के सारे विश्वासी भाईयाँ नै, नमस्कार। 15 विश्वासी भाई फिलुगुस, यूलिया अर नेर्युस अर उसकी बेबे, अर विश्वासी भाई उलुम्पास अर उनके साथ के सारे पवित्र माणसां नै नमस्कार। 16 आप्पस मंह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलके प्यार तै नमस्कार करो। थारे ताहीं मसीह की सारी कलीसियाओं की ओड़ तै नमस्कार। 17 इब हे विश्वासी भाईयो, मै थारे तै बिनती करूँ सँ, के जो माणस उस सच्ची शिक्षा के उल्ट जो थमने मिली सै, अर उन माणसां नै जो फूट गेरण अर ठेस लागण का कारण बणै सै, उननै ताड़ लिया करो अर उनतै दूर रहो। 18 क्योंकि इसे माणस म्हारे प्रभु मसीह के न्ही, पर अपनी ए इच्छा पूरी करै सै, अर चिकणी-चुपड़ी बात्तां तै सीधे-सादे माणसां नै भका देवें सै। 19

थारा, परमेसवर के हुकम मानण का जिक्क सारे माणसां म्ह फैल गया सै, ज्यांतै म्ह थारे बारे म्ह आनन्द करूँ सूँ, पर मै न्यू चाहूँ सूँ के थम भलाई के खात्तर अकलमद, पर बुराई के खात्तर भोळे बणे रहो। 20 शान्ति का परमेसवर शैतान की शक्तियाँ नै खतम करके, थारे अधीन कर देवेगा। म्हारै प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थारे पै होंदा रहवै। 21 मेरे गैल काम करणीया बिश्वासी भाई तीमुथियुस का, अर मेरे कुण्बे आळे भाई लूकियुस, यासोन अर सोसिपत्रुस का थारे ताहीं नमस्कार। 22 मै तिरतियुस जो पौलुस की चिट्ठी लिखण म्ह मदद करण लागरया सूँ, मेरा प्रभु म्ह थारे ताहीं नमस्कार। 23 बिश्वासी भाई गयुस भी थारे ताहीं नमस्कार करै सै मै इब उसके घर म्ह रहण लागरया सूँ, जित्त कलीसिया कठी हो सै। बिश्वासी भाई इरास्तुस जो नगर का भण्डारी सै, अर भाई क्वारतुस का भी थारे ताहीं नमस्कार। 24 मै प्रार्थना करूँ सूँ के म्हारै प्रभु मसीह का अनुग्रह थारे पै होंदा रहवै। 25 इब जो मन्नै थारे ताहीं सुसमाचार सुणाया सै, यानिके यीशु मसीह के संदेश के प्रचार के मुताबिक जो थमनै बिश्वास म्ह मजबूत कर सकै सै, उस भेद के प्रकाशन के मुताबिक जो पुराणे बखत तै लुहक्या रहया। (aiōnios g166) 26 पर इब जाहिर होके, सनातन परमेसवर के हुकम तै, अर नबियाँ की किताबां के जरिये गैर यहूदियाँ ताहीं बताया गया सै, ताके वे भी बिश्वास करके हुकम मानणआळे हो जावे, (aiōnios g166) 27 यीशु मसीह के जरिये उस एकमात्र बुद्धिमान परमेसवर की युगानुयुग महिमा होन्दी रहवै। आमीन। (aiōn g165)

1 कुरिन्थियों

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो परमेश्वर की इच्छा तै प्रभु यीशु मसीह का प्रेरित होण के खातर बुलाया गया अर बिश्वासी भाई सोस्थिनेस भी मेरे गैल सै। 2 मै या चिट्ठी परमेश्वर की उस कलीसिया के माणसां ताहीं लिखूँ सूं, जो कुरिन्थुस नगर म्ह सै, अर जिन ताहीं परमेश्वर नै मसीह यीशु म्ह अपणे खातर अलग तै छोट के राखे सै, अर उसनै म्हारे ताहीं अपणे पवित्र माणस होण के खातर बुलाया सै, अर उन सारया के नाम भी जो हरेक जगहाँ म्हारे अर अपणे प्रभु यीशु मसीह की सेवकाई करे सै। 3 हम प्रार्थना करां सां, के म्हारे पिता परमेश्वर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। 4 मै थारे बारे म्ह अपणे परमेश्वर का सारी हाण धन्यवाद करूँ सूं, क्यूँके मसीह यीशु म्ह परमेश्वर का अनुग्रह जो थारे पै होया सै, उसके कारण उसनै थारे ताहीं भोत सी आशीष दी सै। 5 थम मसीह यीशु म्ह सारी ढाळ तै सम्पन्न करे गये सों, उसनै थारे ताहीं हरेक ढाळ के आत्मिक वरदान दिए सै, ताके थम दुसरयां नै वचन का ज्ञान अर सुसमाचार सुणा सकीं। 6 जो खास काबलियत थारे ताहीं मिली सै, वा साबित करे सै, के मसीह यीशु के बारे जो सन्देस सै, वो सच्चा सै। 7 इस कारण जिब थम म्हारे प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण की बात देखण लागरे सों, तो पवित्र आत्मा नै थारे ताहीं हरेक ढाळ के आत्मिक वरदान दिये सै। 8 परमेश्वर थमनै आखिर ताहीं बिश्वास म्ह मजबूत करेगा, ताके थम म्हारे प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण के दिन म्ह बेकसूर ठहरो। 9 परमेश्वर इसाए करेगा, क्यूँके जो वो कहवै सै, अर उसनै वो करण म्ह बिश्वास लायक सै, अर उसनै थारे ताहीं अपणे बेटे, म्हारे प्रभु यीशु मसीह की संगति म्ह बुलाया सै। 10 हे बिश्वासी भाईयो, जो प्रभु यीशु मसीह नै मेरे ताहीं हक दिया सै, उसके कारण मै थारे तै बिनती करूँ सूं, के थम सारे एक-दुसरे तै सहमत रहो, थम एकता बणाए राखवो ताके थारे म्ह फूट ना होवै, अर थम एक मत हो के आप्स म्ह मिले रहो। 11 क्यूँके हे मेरे बिश्वासी भाईयो, खलोए के कुणबे के माणसां नै मेरे ताहीं थारे बारे म्ह बताया सै, के थारे म्ह झगड़ें होवै सै। 12 मेरे कहण का मतलब यो सै के, थारे म्ह तै कोए अपणे-आपनै पौलुस का, कोए अपुल्लोस का, कोए कैफा का, कोए मसीह का चेल्ला कहवै सै। 13 जो थम करो सों वो ठीक कोनी, के मसीह बट ग्या? के मै पौलुस थारे खातर क्रूस पै चढ़ाया गया? के थमनै मेरे नाम तै बपतिस्मा मिल्या? 14 मै परमेश्वर का धन्यवाद करूँ सूं, बिश्वासी भाई क्रिस्पुस अर गयुस नै छोड़, मन्ने थारे म्ह तै किसे ताहीं भी बपतिस्मा कोनी दिया। 15 कदे इसा ना हो के कोए थारे म्ह तै कहवै के थमनै मेरे नाम पै बपतिस्मा मिल्या सै। 16 अर हाँ, मन्ने स्तिफनास के कुणबे ताहीं भी बपतिस्मा दिया, इन्ने छोड़ मै न्ही जाणदा के मन्ने और किसे ताहीं भी बपतिस्मा दिया। 17 क्यूँके मसीह नै मेरे ताहीं बपतिस्मा देण ताहीं न्ही, बल्के सुसमाचार सुणाण ताहीं भेज्या सै, अर मन्ने माणसां ताहीं सुसमाचार चतुर विचार के मुताबिक कोनी सुणाया, इसा ना हो के मसीह के क्रूस पै मरण की कथा बेकार ठहरे। 18 क्यूँके क्रूस पै मसीह यीशु के मरण की कथा, नाश होण आळे माणसां के खातर बेकूफी सै, पर हम उद्धार पाण आळा के खातर परमेश्वर की सामर्थ सै। 19 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह परमेश्वर नै कहा सै, के “जो अपणे-आपनै ज्ञानवान समझ सै, मै उननै दिखा दिवूंगा के असलियत म्ह उनका ज्ञान बेकूफी तै भरया सै, अर वे बेकूफ सै।” 20 किन्त रहया ज्ञानी? किन्त रहया शास्त्री? किन्त रहया इस दुनिया का विवाद करण आळा? के परमेश्वर नै दुनिया के ज्ञान ताहीं बेकूफी न्ही ठहराया? (aiōn g165) 21 क्यूँके परमेश्वर नै यो आच्छा लाया के दुनिया के माणस अपणे ज्ञान के मुताबिक परमेश्वर ताहीं न्ही जाण सकै, तो उसनै म्हारे जरिये सुसमाचार के प्रचार ताहीं इस्तमाल करया, ताके उन माणसां नै बचा सके जिननै उसपै बिश्वास करया सै, पर कुछ लोगां नै इस ताहीं बेकूफी समझा। 22 यहूदी लोग ए इस ताहीं बेकूफी समझै सै, क्यूँके वे सुगं तै चिन्ह-चमत्कार की बात्तां नै ए सच मान्ने सै, अर यूनानी

लोग ज्ञान की टोह म्ह रहवै सै। 23 पर हम तो उस क्रूस पै चढ़ाए होड़ मसीह का प्रचार करा सां, जो यहूदी लोगां के खातर ठोक्कर का कारण अर गैर यहूदियाँ के खातर बेकूफी सै। 24 पर जिन ताहीं परमेश्वर नै बुलाया सै, के यहूदी लोग, के यूनानी लोग, योए मसीह यीशु परमेश्वर का सामर्थ अर परमेश्वर का ज्ञान सै। 25 क्यूँके जो परमेश्वर की बेकूफी लागै सै, वो माणसां के ज्ञान तै ज्ञानवान सै, अर जो परमेश्वर की कमजोरी लागै सै, वो माणसां की ताकत तै घणी ताकतवर सै। 26 हे बिश्वासी भाईयो, याद करो के थम किसे थे जिब परमेश्वर नै थारे ताहीं बुलाया था, ना तो दुनिया के मुताबिक घणे ज्ञानवान, अर ना घणे सामर्थी, अर ना घणे आच्छे खानदान आळे थे। 27 बल्के परमेश्वर नै दुनिया के बेकूफां ताहीं छोट लिया सै के ज्ञानवानां ताहीं शर्मिन्दा करे, अर परमेश्वर नै दुनिया के कमजोरां ताहीं छोट लिया सै के ठाड्यां नै शर्मिन्दा करे। 28 अर परमेश्वर नै उन माणसां ताहीं चुण्या, जो दुनिया की निगाह म्ह नीच अर तुच्छ सै। इनके जरिये परमेश्वर नै, जो घणे खास समझे जावै सै, उन ताहीं बेकार ठहरा दिया। 29 परमेश्वर नै यो इस करके करया, ताके कोए प्राणी उसके स्यामी घमण्ड न्ही करण पावै। 30 परमेश्वर के जरिये करे गये काम के नतिज्जें तै थम मसीह यीशु म्ह सो, जो परमेश्वर की ओड़ तै म्हारे खातर ज्ञान, धार्मिकता, पवित्रता, अर छुटकारा बणगे। 31 ताके जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, उससे तरियां ए होवै, “जो घमण्ड करे वो प्रभु नै जो करया उसपै घमण्ड करे।”

2 हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे धोरे बात्तां की चतुराई अर ना ए उत्तम ज्ञान का प्रदर्शन करण आया, बल्के मै थारे धोरे परमेश्वर का सन्देस सुणाण आया था। 2 क्यूँके मन्ने यो ठान लिया था, के मै मसीह यीशु अर उसकी क्रूस की मृत्यु के अलावा, किसे और चीज के बारे म्ह थारे तै ना सुणु। 3 मै कमजोरी अर डरके गेल्या, घणा धरथराता होया थारे गेल्या रहया। 4 अर मेरी शिक्षा, अर प्रचार म्ह ज्ञान की लुभाण आळी बात कोनी, पर पवित्र आत्मा नै सामर्थी रूप तै जाहिर करया सै, के जो सन्देस मन्ने थारे ताहीं सुणाया सै, वो सच्चा सै। 5 ज्याते के थारा बिश्वास माणसां के ज्ञान पै न्ही, पर परमेश्वर की सामर्थ के आसरे हो। 6 फेर भी मै, जो बिश्वास म्ह मजबूत सै उन ताहीं, ज्ञान भरया सन्देस सुणाऊँ सूं, पर यो इस दुनिया का अर इस दुनिया के नाश होण आळे हाकिमां का ज्ञान कोनी। (aiōn g165) 7 पर जो ज्ञान हम सुणावां सां, वो परमेश्वर का ज्ञान सै, जो छिप्या होया था, कोए भी उस ताहीं इब ताहीं न्ही समझ पाया था, परमेश्वर नै दुनिया बणाण तै पैहले ए यो फैसला कर लिया था, के उसका ज्ञान म्हारे खातर महिमा लेके आवेगा। (aiōn g165) 8 परमेश्वर की योजना ताहीं इस दुनिया के हाकिमां म्ह तै कोए न्ही जाण पाया, क्यूँके जे वे जाणदे तो तेजोमय प्रभु ताहीं क्रूस पै कोनी चढ़ान्दे। (aiōn g165) 9 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “जो कदे आँखां तै देख्या कोनी गया, अर कान तै सुण्या कोन्या गया, अर जो बात माणसां के चित्त म्ह कोनी चढ़ी, वे सारी बात परमेश्वर नै उन खातर तैयार करी जो उसतै प्यार करे सै।” 10 पर परमेश्वर नै उन बात्तां ताहीं अपणे पवित्र आत्मा के जरिये म्हारे पै जाहिर करया, क्यूँके पवित्र आत्मा सारी बात, बल्के परमेश्वर की गहरी बात्तां नै भी जाँचै सै। 11 माणसां म्ह तै कोण किसे माणस की बात्तां नै जाणे सै, सिर्फ माणस की आत्मा जो उस म्ह सै? उससे तरियां ए परमेश्वर की बात्तां नै भी कोए न्ही जाणदा, सिर्फ परमेश्वर की आत्मा। 12 पर परमेश्वर नै म्हारे ताहीं अपणा आत्मा दिया सै, अर हम इसा न्ही सोचते जो दुनिया के लोग सोचै सै, इस करके हम उन आशीषां नै पिच्छाण सका सां जो परमेश्वर नै म्हारे ताहीं मुफ्त म्ह दी सै। 13 अर हम ये बात थारे ताहीं बतावां सां, हम माणसां के ज्ञान की सिखाई होड़ बात्तां नै न्ही, पर पवित्र आत्मा की सिखाई होड़ बात्तां नै आत्मिक माणसां ताहीं सिखावा सां। 14 पर शारीरिक माणस परमेश्वर के आत्मा की बात अणान्दा कोनी, क्यूँके वे उसकी निगाह म्ह बेकूफी की बात सै, अर ना वो उन ताहीं जाण सकै सै क्यूँके उनकी जाँच आत्मिक तरियां तै होवै सै। 15 आत्मिक माणस सारा किमे जाँचै सै, पर वो दुसरयां के जरिये

जाँचया नही जान्दा। 16 यो सच सै, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या से, के कोए भी नही जानता के प्रभु के मन म्ह के सै? पर हम बिश्वासी माणस जाणा सां के मसीह के मन म्ह के सै।

3 हे बिश्वासी भाईयो, जिब मै थारे साथ था तो थारे ताहीं आत्मिक बात नही सीखा पाया, जिस तरियां मै आत्मिक माणसां नै सिखाऊँ सूँ, पर मन्ने थारे तै दुनियावायी माणसां की तरियां बात करी, क्यूँके थम मसीह म्ह इब भी बाळक के समान सों। 2 मन्ने थारे ताहीं परमेसवर के सुसमाचार की शुरुआती शिक्षा ए सिखाई, जिस तरियां कोए इन्सान छोटे बाळक नै दूध पियावै सै, अर मन्ने थारे ताहीं वचन की गहरी बात नही सिखाई जो की रोटी की तरियां सै, क्यूँके थम इब्ने उस ताहीं अपना नही सकदे। 3 क्यूँके इब ताहीं थम दुनियावायी माणसां के पापी सुभाव के मुताबिक जीवन जिओ सों। ज्यातै के इब भी थारे म्ह जळण अर झगड़े सै, तो के थम दुनियावायी माणसां की तरियां कोनी? थम उन माणसां की तरियां सों जो परमेसवर के कोनी। 4 क्यूँके जिब एक माणस कहवै सै, “मै पौलुस का चेल्ला सूँ,” अर दुसरा कहवै सै, “मै अपुल्लोस का चेल्ला सूँ,” तो के थम दुनियावायी माणस की तरियां कोनी? 5 अपुल्लोस कौण सै? अर पौलुस कौण सै? सिर्फ सेवक, जिनके जरिये थमने मसीह म्ह बिश्वास करया। हम सब नै वोए काम करया जो म्हारे ताहीं प्रभु नै दिया। 6 यो उस पौधे की ढाळ सै, जो मन्ने लगाया, अपुल्लोस नै सींचा, अर परमेसवर नै बढ़ाया। 7 ज्यातै ना तो लाणआळा किमे सै अर ना सींचण आळा, पर परमेसवर ए सारा किमे सै जो बढ़ाण आळा सै। 8 पौधा लगाण आळा अर उस ताहीं सींचण आळा दोनुआ का एक्के मकसद सै, पर हरेक माणस अपना ए मेहनत के मुताबिक अपना ए मजदूरी पावैगा। 9 क्यूँके हम परमेसवर के गैल काम करणीये सां, अर थम परमेसवर की खेती अर उस घर की ढाळ सों जिस ताहीं परमेसवर बणाण लाग रह्या सै। 10 परमेसवर नै जो वरदान मेरे ताहीं दिए सै, तो मन्ने एक अकलमंद चिणाई आळे मिस्त्री की तरियां घर की नीम धरी, अर दुसरा उसपे रद्दा धरे सै। पर हरेक माणस चौककस रहवै के वो उसपे किसा रद्दा धरे सै। 11 क्यूँके जो नीम धरी सै, वा यीशु मसीह सै, कोए दुसरी नीम कोनी धर सकदा। 12 जै सेवक परमेसवर की सच्ची शिक्षा सिखावै सै, जो परमेसवर नै उस ताहीं दी सै, तो वो उस राज मिस्त्री की ढाळ सै, जो उस नीम पै आच्छे समान तै, जुकर सोन्ना, चाँदी, बेसकिमती पत्थर के जरिये, नीम पै घर बणावै सै, अर जै वो झूठी शिक्षा नै सिखावै सै, तो वो उसकी ढाळ सै, जो लाकड़ी, घास-फूस तै नीम पै घर बणावै सै। 13 तो हरेक माणस अपने काम नै देखेगा के उसने किसा काम करया सै, क्यूँके यीशु मसीह जाहिर कर देवैगा जिब वो बोहड़ के आवैगा, यो उस दिन की तरियां होगा जिब वो समान आग म्ह डाला जावैगा तो वो देखेगा के किसने किसा काम करया सै, फेर वो फैसला करैगा के किसने आच्छा अर किसने बुरा काम करया सै। 14 जिस किसे का बणाया गया घर उस नीम पै डटया रहवैगा, तो वोए उसकी मजदूरी पावैगा। 15 जै मसीह तय करै के जो काम करया सै वो सही कोनी तो मसीह उस काम करण आळे नै मजदूरी नही देवैगा, पर वो अनन्त जिन्दगी नै नही खोवेगा जो परमेसवर नै उस ताहीं दी सै। 16 के थमने नही बेरा के थम परमेसवर के मन्दर सो, अर परमेसवर की आत्मा थारे म्ह वास करै सै? 17 जै कोए परमेसवर कै मन्दर नै नाश करैगा, तो परमेसवर उसने नाश करैगा, क्यूँके परमेसवर का मन्दर पवित्र सै, अर वो थम सो। 18 धोक्खे म्ह ना रहों, जै थारे म्ह तै कोए यो सोच बैठे के वो दुनियावायी बात्ता के मुताबिक अकलमंद सै, तो ठीक तो यो होगा के वो खुद नै बेकूफ बणाले ताके अकलमंद बण जावै। (aiōn g165) 19 क्यूँके इस दुनिया का ज्ञान परमेसवर की नजर म्ह बेकूफी सै, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “वो ज्ञानियाँ ताहीं उनकी श्याणपत म्ह फँसा देवे सै।” 20 अर यो भी लिख्या सै, के “प्रभु ज्ञानियाँ के विचारां नै जाणै सै, के वो बेकार सै।” 21 ज्यातै माणसां पै कोए घमण्ड ना करै, क्यूँके सारा किमे थारा सै। 22 के पौलुस, के अपुल्लोस, के कैफा, के दुनिया, के जीवन, के मरण, के वर्तमान,

के भविष्य, सारा किमे थारा सै, 23 अर थम मसीह के सो, अर मसीह परमेसवर का सै।

4 माणस हमने मसीह के सेवक अर परमेसवर के भेदां के भण्डारी समझै, जो माणसां नै परमेसवर का भेद समझावै सै। 2 फेर उरै भण्डारी म्ह या बात देखी जावै सै, के वो बिश्वास कै जोगगा हो। 3 पर मेरी निगांहे म्ह या घणी छोटी बात सै, के थम या माणसां का कोए न्यायाधीश मन्ने परखै, बल्के मै खुद अपने-आप ताहीं कोनी परखदा। 4 क्यूँके मेरा मन मेरे ताहीं किसे बात म्ह कसूरवार कोनी ठहरान्दा, इस म्ह मै बेकसूर कोनी ठहरदा, पर मेरा परखण आळा प्रभु सै। 5 ज्यातै जिब ताहीं प्रभु का आणा ना हो, कोए किसे नै परखै ना, वो माणसां के विचारां नै साफ-साफ जाहिर कर देगा, अर वो माणसां के मनां के मकसद नै दिखावैगा, फेर परमेसवर की ओड़ तै हरेक की बड़ाई होवैगी। 6 हे बिश्वासी भाईयो, मन्ने अपना अर अपुल्लोस का जिक्र उदाहरण के तौर पै करया सै, यो बताण खातर के मै थारे ताहीं के कहणा चाहूँ सूँ, जै थम उसपै ध्यान करो, जो पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, अर उसतै आगै ना बढ़ो, इसा ना हो के थम एक माणस का पक्ष ल्यो, अर दुसरे का अपमान करो। 7 थारे ताहीं कौण कहवै सै, के थम दुसरां तै उत्तम हो? हर काबलियत थमने परमेसवर की ओड़ तै मिली सै, अर सब कुछ परमेसवर के जरिये दिया गया सै, तो थमने घमण्ड करण का कोए हक कोनी? 8 थम सोचो सों के थारे धौरे पवित्र आत्मा के सारे वरदान सै, जो माणसां ताहीं दिए जावै सै, थम यो सोच्यों सों के म्हारे बिना सहयोग के थम राजा बणगे सो, अर थम साहूकार भी बण लिए सो, पर आच्छा तो यो होंदा के थम असलियत म्ह ए राजा बणे होन्दे, अर हम भी थारे गेल्या राज करदे। 9 परमेसवर नै हम प्रेरितां ताहीं सारया तै आखरी जगहों पै राख्या सै। हम उन माणसां की तरियां सां, जिनकी मौत का हुकम हो लिया सै, क्यूँके हम सुर्यादूतां अर दुनिया के माणसां कै खातर एक तमाशा बणे सां। 10 माणस हमने बेकूफ समझै सै, क्यूँके हम मसीह का प्रचार करया सां। थम या सोच्यों सों के थम अकलमंद सों, क्यूँके मसीह कै गैल थारा रिश्ता सै। भोत सारे माणस या सोचवै सै के प्रेरित होण का म्हारे धौरे अधिकार कोनी, पर थम घमण्ड तै कहां सों, के थारे धौरे परमेसवर की शक्ति सै। माणस म्हारा नही थारा आदर करै सै। 11 हम आज तक भूक्खे-प्यासरे मार खावां सां, अर पांटे-पुराणे लत्यां म्ह रहवां सां, अर ना ए म्हारे घर-बार सै। 12 अर अपने ए हाथ्यां तै काम करके मेहनत करा सां। माणस म्हारे ताहीं बुरा कहवै सै, हम आशीष देवां सां, वे सतावै सै, हम सहण करा सां। 13 वे बदनाम करै सै, हम प्यार तै बोल्ला सां। आज भी दुनिया के माणस म्हारा आदर कोनी करते, क्यूँके वे न्यू समझै सै के हम बेकार के माणस सां। 14 मै थमने शर्मिन्दा करण कै खातर ये बात कोनी लिखदा, मेरा मकसद यो सै के मै थमने सुधार क्यूँके थम मेरे उन प्यारे बाळकां की ढाळ सों, जिनतै मै प्यार करूँ सूँ। 15 जै मसीह म्ह थारे सिखाण आळे दस हजार भी होन्दे, तो भी थारे पिता घणे कोनी, क्यूँके मसीह यीशु म्ह थारे ताहीं सुसमाचार सुणाण कै कारण मै थारा पिता बणाया। 16 मै थारे तै बिनती करूँ सूँ के मेरे जिसा जीवन जिओ। 17 इस करके मन्ने तीमथियुस ताहीं जो प्रभु म्ह मेरा प्यारा अर बिश्वास कै जोगगा बेटा सै, थारे धौरे भेज्या सै। वो थमने मसीह यीशु म्ह मेरा चाल-चलण याद करवावैगा, जिस तरियां के हरेक जगहों मै हरेक कलीसिया म्ह उपदेश देऊँ सूँ। 18 थारे म्ह तै घणखरे तो यो सोचवै सै, के मै थमने दुबारा मिलण कोनी आऊँगा, इस करके वे घमण्डी होगे सै। 19 पर प्रभु नै चाहा तो मै थारे धौरे तावळा-ए आऊँगा, अर देखूँगा के ये घमण्डी माणस सिर्फ बणावटी बात करै सै, या इनके धौरे परमेसवर की सामर्थ सै। 20 क्यूँके परमेसवर का राज्य बात्तां म्ह नही पर परमेसवर की सामर्थ के साथ जीण म्ह सै। 21 थम के चाहो सों, जो मै थारे गैल करूँ? जै थम अपना बुरा सुभाव नही छोड़ोगे तो मै सखताई तै थारे गैल पेश आऊँ, अर जै बुरा सुभाव छोड़ दोगे तो मै प्यार अर नरमाई तै थारे धौरे आऊँगा।

5 कई माणसां नै थारे बारें म्ह बतया सै, के कलीसिया म्ह कई माणस सै जो जारी करे सै, बल्के इसी जारी जो अबिश्वासी माणसां म्ह भी कोनी होन्दी, के एक माणस अपनी सौतेल्ली माँ गैल गलत सम्बन्ध राख्खे सै। 2 कलीसिया के माणसां नै इस बात तै दुखी अर उदास होणा चाहिए, जिननै इसा काम करया सै, उननै कलीसिया तै काढ देणा चाहिए, पर थम तो इसी बातों पै घमण्ड करो सों। 3 भलाए मै थारे तै दूर था, पर इसा मान्ना, जणु मै आत्मा म्ह थारे धोरे था, अर इसा पाप करण आळे माणस के बारें म्ह मेरा योए हुकम सै। 4 थमने यो करणा चाहिए, के जिब थम बिश्वासी भाई कठ्ठे होओ सों, तो यो याद राख्खों के यीशु मसीह का अधिकार थारे धोरे सै, अर इसा मान्ना जणु मै आत्मा म्ह थारे साथ सू। जिब परमेसवर का सामर्थ थारे साथ हो, 5 तब वो माणस जो पाप करण लागरया सै, उस ताहीं कलीसिया तै लिकाड़ द्यो, अर उस ताहीं शैतान के हाथ म्ह सोंप द्यो। ताके वो अपने पापां खातर माफी माँग ले, अर वो आदमी माफी माँग ले सै, तो वो उस दिन बच जावैगा, जिस दिन प्रभु यीशु मसीह बोहड़के आवैगा। 6 थारा घमण्ड करणा आच्छा कोनी, के थमने न्ही बेरा के माड़ा-सा खमीर पुरे गुन्दे होए आटे ताहीं खमीर बणा दौरे सै। उससे तरियां जै एक माणस पाप करदा रहवै तो उस ताहीं देखके और माणस ना पाप करणा शुरु कर देंगे। 7 जिस तरियां यहूदी माणस फसह का त्योहार मनाण तै पैहले, अपने घर तै खमीर काढ देवै सै, उससे तरियां थम उस जार माणस नै अपने टोळ म्ह तै लिकाड़ द्यो, तो थम वो बिश्वासियाँ का टोळ बण जाओगे, जिन म्ह कोए भी जाण-बुझ के पाप करण आळा न्ही होगा, अर परमेसवर थारे मन नै भितर तै साफ करैगा, जै थम मसीह पै बिश्वास करोंगे, क्यूँके मसीह म्हारे खातर मरया ताके हमने पापां तै आजाद करदे, वो उस भेड़ की ढाळ सै, जिस ताहीं यहूदी लोग फसह के त्योहार पै बलिदान करे सै। 8 तो आओ, हम फसह का त्योहार मनावों, ना तो पुराणे खमीर तै, ना बुराई अर दुष्टता के खमीर तै, बल्के खराई अर सच्चाई की अखमीरी रोटी तै। जिसका मतलब यो सै, के जिस तरियां थम बिश्वासी बणण तै पैहले जिओ थे, उस तरियां जीणा छोड़के मसीह के पाछे चालणा शुरु कर द्यो, ताके थारे मनां म्ह कोए बुराई ना रह पावै। 9 मन्ने अपनी पैहले की चिट्ठी म्ह यो लिख्या था, के जारी करणीया की संगति ना करियो। 10 मेरा मतलब यो कोनी, के थम जमाए इस दुनिया के जारी, लालची, अन्धेर या मूर्तिपूजा करण आळे माणसां तै कोए सम्बन्ध ना राखियों, क्यूँके इस तरियां के माणसां तै बचण खातर तो थमने दुनिया ए छोड़णी पड़ेगी। 11 पर मेरा कहणा यो सै के जै कोए भाई बिश्वासी कुहाके, जार, लालची, मूर्तिपूजा करणीये, गाळी देण आळा, दारूबाज, या अन्धेर करणीया हो, तो उसकी संगति मतना करियो, बल्के इसे माणस के गेल्या खाणा भी ना खाईयों। 12 अबिश्वासी माणसां का न्याय भला मै क्यूँ करूँ? मन्ने दुसरयां तै के काम? पर या जिम्मेदारी थारी सै के थम उनकी बारीकी तै जाँच करो, जो कलीसिया म्ह सै। 13 जिसा के पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के अबिश्वासी माणसां का न्याय परमेसवर करै सै। ज्यांतै उस बुरे काम करणीये ताहीं अपने बिचाळे तै लिकाड़ द्यो।

6 जै थारे म्ह किसे का दुसरे बिश्वासी गैल झगड़ा हो जावै, तो अपना फैसला परमेसवर के पवित्र माणसां के धोरे ले जाओ, ना के उस न्यायाधीश के धोरे जो के अबिश्वासी सै। 2 के थमने बेरा कोनी के दुनिया का न्याय पवित्र माणस करोंगे? ज्यांतै जिब थमने दुनिया के माणसां का न्याय करणा सै, तो के थम छोट्या तै छोट्टे झगड्या का भी फैसला करण जोगे कोनी? 3 के थमने न्ही बेरा के हम सुर्मात्तां का न्याय करारों? तो उसकी बराबरी म्ह ये दुनियावाी झगड़े के सै? 4 जै थारे बीच दुनियावाी झगड़े सै, तो फैसला करण खातर उननै ए बिठाओगे, जो कलीसिया म्ह किमे कोनी समझे जावै सै? 5 मै थमने शर्मिन्दा करण के खातर न्यू कहुँ सू। के साच्च्य थारे म्ह एक भी अकलमंद न्ही मिलदा, जो अपने बिश्वासी भाईयाँ के बीच होए झगड़े नै सुलझा सकै? 6 पर याडै तो एक बिश्वासी भाई दुसरे बिश्वासी भाई नै कचेह्दी म्ह घसीटै सै, अर वो भी अबिश्वासी माणसां के स्याम्ही। 7

पर सच म्ह ए थारे म्ह मुकदमे चाल्लण लागरे सै, तो थम मसीह के माणस कोनी, इसकी बजाए थम खुद ए अन्याय अर अपना नुकसान क्यातै न्ही सहन्दे? 8 पर थम तो खुदे अन्याय करो सों, अर नुकसान पोहोचाओ सौ, अर वो भी दुसरे बिश्वासी भाईयाँ ताहीं। 9 के थमने न्ही बेरा के जुल्मी माणस परमेसवर के राज्य के वारिस न्ही होवेंगे? धोख्ना ना खाओ, बेश्या के धोरे जाणीए, मूर्ति पूजणीये, बिगान्नी लुगाई के धोरे जाणीए, लुच्चे, माणसां के गेल्या कुकर्म करणीये, 10 चोर, लालची, दारूबाज, गाळी देणीये अर अन्धेर करणीये परमेसवर के राज्य के वारिस न्ही होवेंगे। 11 अर थारे म्ह तै कई इसेए थे, पर प्रभु यीशु मसीह के नाम तै अर म्हारे परमेसवर के आत्मा तै थारे पाप धोए गये, अर पवित्र अर धर्मी बणे। 12 थम कह सकी सों, के मै कुछ भी करण खातर आजाद सू, पर मै कहुँ सू, के सारी चीज मेरे फायदे की कोनी, जिब के मै सब कुछ कर सकूँ सू, पर मै किसे चीज का गुलाम कोनी। 13 थम कह सकी सों, के “खाणा पेट के खातर, अर पेट खाणे के खातर सै,” यो सच सै, पर परमेसवर पेट अर खाणे नै दोनुआ ताहीं नाश करैगा। उससे तरियां देह जारी कै खातर कोनी, बल्के प्रभु की महिमा खातर सै, अर प्रभु देह का रूखाळिया सै। 14 इससे तरियां म्हारी देह भी महत्वपूर्ण सै, क्यूँके जिस तरियां परमेसवर नै अपनी सामर्थ तै प्रभु यीशु ताहीं जिन्दा करया, अर वो म्हारे ताहीं भी जिन्दा करैगा। 15 के थमने बेरा सै के थारी देह मसीह का अंग सै? तो के मै मसीह के अंग लेके उन ताहीं बेश्या के संग जोड़ द्युँ? कदे भी न्ही। 16 के थमने न्ही बेरा के जो कोए बेश्या तै संगति करै सै, वो उसके गेल्या एक तन हो जावै सै, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “वे दोनुए एक तन होवेंगे।” 17 अर जो प्रभु की संगति म्ह रहवै सै, उसकी अर परमेसवर की आत्मा एक हो जावै सै। 18 जारी तै बचे रहो। और दुसरा कोए पाप म्हारे देह पै असर कोनी गेरे जितना के जारी, पर जारी करणीया अपनी ए देह के खिलाफ पाप करे सै। 19 के थमने न्ही बेरा के थारी देह पवित्र आत्मा का मन्दर सै, जो थारे म्ह बस्या होया सै, अर थारे ताहीं परमेसवर की ओड़ तै मिल्या सै, अर थम परमेसवर के सो। 20 क्यूँके थम दाम देके मोल लिये गये सो, ज्यांतै अपनी देह के जरिये परमेसवर की महिमा करो।

7 उन बातों के बारें म्ह जो थमने मेरे ताहीं चिट्ठी म्ह पच्छी थी, के यो ठीक सै, के माणस ब्याह ना करै। 2 क्यूँके भोत सारे माणस जारी करै सै, इस करके हरेक माणस जारी तै बचण खातर ब्याह करले, अर धणी-बीर एक-दुसरे के प्रति वफादार हो। 3 पति अपनी पत्नी की शारीरिक इच्छा पूरी करे, अर उससे तरियां ए पत्नी भी अपने पति की शारीरिक इच्छा पूरी करे। 4 पत्नी का अपनी देह पै हक कोन्या पर उसके पति का हक सै, उससे तरियां ए पति नै भी अपनी देह पै हक कोनी, पर पत्नी का सै। 5 थम एक-दुसरे तै न्यारे ना रहो, पर सिर्फ कुछ बखत खातर आप्स म्ह सलाह करके प्रार्थना के खातर बखत लिकाड़ो, अर फेर एक साथ रहो, इसा ना हो के थारे असंयम के कारण शैतान थमने इम्तिहान म्ह फँसा ले। 6 पर मेरा यो सुझाव सै, ना के आज्ञा। 7 मेरा तो यो सुझाव सै, के जिसा मै अकेल्ला सू, उससे तरियां ए सारे माणस भी अकेल्ले रहे। हरेक माणस ताहीं परमेसवर की ओड़ तै एक तरियां का उपहार मिला सै, किसे ताहीं ब्याह का, अर किसे ताहीं एक्ला रहण का। 8 अविवाहितां अर बिधवायां के बारें म्ह मेरी या सलाह सै, के उनके खातर एक्ला रहणा ठीक सै, जिसा मै सू। 9 पर जै वे खुद पै काबू ना राख सकै, तो ब्याह करै, क्यूँके ब्याह करणा वासना म्ह जळण तै भला सै। 10 जिनका ब्याह होगया सै, उन ताहीं मै न्ही, बल्के प्रभु यीशु हुकम देवै सै, के पत्नी अपने पति तै तलाक ना देवै 11 जै तलाक हो भी जावै, तो पत्नी बिना दुसरा ब्याह करे रहवै, या पत्नी अपने पति तै दुबारा मेल कर लेवै, अर पति अपनी पत्नी नै तलाक ना दे। 12 दुसरयां तै, प्रभु यीशु मसीह न्ही पर मै ए कहुँ सू, जै किसे भाई की पत्नी बिश्वास ना राखदी हो अर उसके गेल्या रहण म्ह राज्जी हो, तो वो उस ताहीं तलाक ना देवै। 13 जिस बिरबान्नी का धणी बिश्वास ना राखदा हो, अर उसके गेल्या रहण म्ह राज्जी हो, तो वा धणी नै तलाक ना देवै। 14 बिश्वासी

पत्नी होण के कारण अविश्वासी पति ताहीं भी परमेसवर अपने ए लोग मान्ने सै, क्यूँके उसकी पत्नी विश्वासी सै, इस्से तरियां जै विश्वासी पति हो तो उसके कारण अविश्वासी पत्नी ताहीं भी परमेसवर अपने ए लोग मान्ने सै, क्यूँके उसका पति विश्वासी सै, जै यो सच न्ही होन्दा तो थारा अविश्वासी पति या पत्नी परमेसवर के न्ही कुहान्दे, अर थारे बाळ-बच्चे भी परमेसवर के न्ही कुहान्दे, पर इब वे परमेसवर के कुहवै सै। 15 पर जो माणस विश्वास कोनी राखदा, अर जै वो तलाक देणा चाहवै, तो उस ताहीं तलाक देण घो, इसी दशा म्ह विश्वासी भाई या भाण ब्याह के बन्धन तै आजाद हो जावै सै। क्यूँके परमेसवर नै म्हारे ताहीं मेळ-मिलाप के खात्तर बुलाया सै। 16 क्यूँके हे बिरबान्नी, तू के जाणै सै के तू अपने धणी का उद्धार करा लेवेगी? अर हे भले माणस, तू के जाणै सै के तू अपनी पत्नी का उद्धार करा लेवेगी? 17 परमेसवर नै जिस ताहीं जिस दशा म्ह राख्या सै, अर जिस रूप म्ह मसीह पै विश्वास करण खात्तर बुलाया सै, वो उस्से म्ह बणया रहवै। मै सारी कलीसियां ताहीं योए सुझाव देऊं सूं। 18 जो यहूदी माणस परमेसवर पै विश्वास करै सै, उस ताहीं खतने के निशान नै हटाण की जरूरत कोनी, अर जो गैर यहूदी माणस परमेसवर पै विश्वास करै सै, उस ताहीं खतना करवाण की जरूरत कोनी। 19 इस बात तै कोए फर्क न्ही पड़ता के किसे माणस का खतना होया सै या कोनी होया, पर सब तै जरूरी बात या सै, के वो परमेसवर के हुकमां नै मान्ने। 20 हरेक माणस मसीह बणण तै पैहले जिस हालत म्ह बुलाया गया हो, उस्से हालत म्ह रहवै। 21 जै तू गुलाम की हालत म्ह बुलाया गया सै, तो फिक्क ना करै, पर जै तू आजाद हो सके, तो तू आजाद होण की कोशिश कर। 22 क्यूँके जो दास की हालत म्ह मसीह पै विश्वास करण खात्तर बुलाया गया सै, वो मसीह का आजाद करया होया सै। उस्से तरियां ए जो आजादी की हालत म्ह बुलाया गया सै, वो मसीह का दास सै। 23 परमेसवर नै थम दाम देके मोल लिये हो, इस करके थम माणसां के दास न्ही, पर परमेसवर के दास बणो। 24 मै दुबारा तै कहूँ सूं, हे विश्वासी भाईयो, मसीह पै विश्वास करण तै पैहले थम जिस हालत म्ह बुलाये गये थे, विवाहित या अविवाहित उस्से हालत म्ह परमेसवर के गेल्या रहों। 25 अविवाहितां के बारे म्ह प्रभु का कोए हुकम मान्ने कोनी मिल्या, पर प्रभु नै दया करके मेरे ताहीं बुद्धि दी सै, जिसपै भरोस्सा करया जा सके सै, अर मै थमने सलाह देऊँ सूं। 26 मेरी समझ म्ह यो ठीक सै के आजकाल के कळेश के कारण, जै माणस कुवारा सै, तो वो कुवारा ए रहवै। 27 जै तेरी पत्नी सै, तो उसने तलाक देण की कोशिश ना करै, अर जै तेरे पत्नी कोन्या, तो अपने खात्तर उसने टोहवै ना। 28 पर जै तू ब्याह भी करै, तो पाप कोनी, अर जै कोए कुंवारी छोरी ब्याह करै सै, तो यो कोए पाप कोनी। हालाकि शादीशुदा माणस इस दुनिया म्ह भोत सी परेशानियां का सामना करैगें, अर मै चाहूँ सूं के थम इन परेशानियां म्ह ना पड़ो। 29 हे विश्वासी भाईयो, मेरा मतलब यो सै के मसीह के आण का बखत थोड़ा ए बाक्की रह गया सै, इस करके आज तै या चिन्ता ना करो के थारी पत्नी सै या न्ही, पर परमेसवर की सेवा म्ह लागे रहों। 30 रोण आढे, आनन्द करण आढे, अर चिज्जां नै मोल लेण आढे इन चिज्जां के बारे म्ह घणा ना सोचै, क्यूँके इन सारी बात्तां की फिक्क थमने परमेसवर की सेवा तै भटका देवेगी। 31 जो भी इस दुनिया म्ह सै, उनने अपने खात्तर ज्यादा कीमती ना समझों, क्यूँके दुनिया की सारी चीज नाश हो जावैगी। 32 मेरी इच्छा या सै के थम संसारिक जिन्दगी की अभिलाषा तै मुक्क रहों। कुंवारे माणस प्रभु की सेवा करण की फिक्क म्ह रहवै सै के प्रभु ताहीं किस तरियां खुश करै। 33 पर ब्याहता माणस दुनिया की चिज्जां की फिक्क म्ह रहवै सै, के अपनी पत्नी नै किस तरियां तै खुश करै। 34 कुंवारी अर ब्याहता बिरबान्नी म्ह भी फर्क सै, कुंवारी बिरबान्नी प्रभु की सेवा की फिक्क म्ह रहवै सै, अर वा देह अर आत्मा म्ह पवित्र रहण की कोशिश कर दी रहवै सै, पर ब्याहता बिरबान्नी दो बात्तां की फिक्क म्ह रहवै सै, के अपने पति नै किस तरियां खुश राख्खूं, अर परमेसवर नै किस तरियां खुश राख्खूं। 35 मै या बात थारी ए भलाई खात्तर कहूँ सूं, ना के थमने फसाण के मारे, बल्के ज्यातै के जिसा शोभा देवै सै, उसाए करया जावै, के

थम एक चित्त होके प्रभु की सेवा म्ह लागे रहो। 36 जै किसे पिता नै यो लागे के मै अपनी कुंवारी बेटी के ब्याह म्ह देर करके उसके गैल अन्याय करूँ सूं, क्यूँके उसकी उम्र ढळण लागरी सै, तो वो वोए करे जो उसने ठीक लागे सै, वो उसने ब्याह करण दे, यो कोए पाप कोनी। 37 पर जिस पिता नै मन म्ह यो ठान लिया सै, के वो अपनी छोरी का ब्याह कोनी करै, तो उस ताहीं कोए उसका ब्याह करण खात्तर मजबूर ना करै, यो उसका हक सै जो वो चाहवै वोए करै, अर वो अपनी छोरी नै कुवारी ए राक्ख सकै सै। 38 ज्यातै जो अपनी कुवारी छोरी का ब्याह कर देवै सै, तो वो सही करै सै, अर जो ब्याह न्ही करदा, वो और भी सही करै सै। 39 बिरबान्नी जिब ताहीं धणी के गैल बंधी रहवै सै, जिब ताहीं के उसका धणी जिन्दा सै, पर जै उसका धणी मर जावै तो जिसतै चाहवै वा ब्याह कर सके सै, पर वो परमेसवर पै विश्वास करण आळा हो। 40 पर जै वा दुबारा ब्याह ना करै, तो मैरे विचार म्ह और भी ज्यादा सुखी सै, अर मै समझूँ सूं, के परमेसवर का आत्मा मेरी अगुवाई करै सै।

8 थारी चिट्ठियां म्ह मूर्तियां के आग्रे चढ़ाई होइ चिज्जां के खाण के बारे म्ह थमने पूछा था। हम सारया नै इस बात के बारे न्ह कुछ ज्ञान सै। ज्ञान म्हारे म्ह बमण्ड पैदा करै सै, पर प्यार तै बढ़ोतरी होवै सै, अर प्यार म्हारे ताहीं दुसरयां की मदद करणा सिखावै सै। 2 जै कोए समझै सै के वो सब कुछ जाणै सै, तो वो इब ताहीं यो कोनी जाणता के किस तरियां जाणणा चाहिये। 3 पर जै कोए परमेसवर तै प्यार करै सै, तो परमेसवर भी उस ताहीं जाणै सै। 4 मूर्तियां के स्याम्ही बलि करी होई चिज्जां के खाण के बारे म्ह हम जाणा सां, के दुनिया म्ह कोए भी मूर्ति सच्चा परमेसवर कोनी, क्यूँके एकैए सच्चा परमेसवर सै। 5 फेर भी धरती अर अकास पै भोत सै, जिन ताहीं लोग ईश्वर अर देवता कहवै सै, पर म्हारे खात्तर तो एकैए परमेसवर सै। यानिके पिता जिसकी ओइ तै सारी चीज सै, अर हम उस्से के खात्तर सां। एकैए प्रभु सै, यानिके यीशु मसीह जिसके जरिये सारी चीज बणाई गई, अर हम भी उस्से के जरिये जिन्दे सां। 7 पर म्हारे कुछ विश्वासी भाईयां नै इब ताहीं बेरा कोनी के मूर्तियां म्ह कोए शक्ति कोनी। क्यूँके वे पैहले मूर्तियां की पूजा करै थे, जिब वे मूर्तियां ताहीं दी गई बलि म्ह तै खावै सै, तो गलती तै इब भी मूर्तियां की पूजा करण म्ह शामिल सै, अर गलती तै सोचै सै के उनने पाप कर दिया जिब वे मूर्ति के स्याम्ही चढ़ाई चीज खा लेवै सै। 8 खाणा हमने परमेसवर के लोवै कोनी पोहोचान्दा। खाण तै इन्कार करण तै परमेसवर म्हारे तै खुश न्ही होन्दा, अर ना ए खाणा म्हारे ताहीं परमेसवर की निगांह म्ह आच्छा बणादा। 9 पर सावधान! इसा ना होवै के थारी या आजादी कदे विश्वास म्ह कमजोर लोगां खात्तर ठोक्कर का कारण हो जावै। 10 थम जाणो सों के मूर्त असली देवता कोनी, अर थम मूरतां के मन्दर म्ह खाओ सां, पर जो विश्वास म्ह कमजोर आदमी थारे ताहीं ओइ खान्दे देख्खे सै तो वो उत्साहित होवेगा, ताके मूर्ति के स्याम्ही बलि करया गया माँस वो खावै, जिब के उस ताहीं बेरा सै के यो पाप सै, जै वो इसा काम करै सै। 11 इस तरियां तै तेरे ज्ञान के कारण वो विश्वास म्ह कमजोर भाई जिसके खात्तर मसीह मरया, मसीह म्ह विश्वास करणा छोड़ देवेगा। 12 इस तरियां तै विश्वासी भाईयां के खिलाफ अपराध करण तै अर उनकी कमजोर अन्तरात्मा ताहीं चोट पोहोचण तै, थम मसीह के खिलाफ अपराध करो सो। 13 इस कारण जै मूर्तियां ताहीं दिया गया खाणा खाण तै दुसरे विश्वासियां खात्तर विश्वास छोड़ण का कारण बणै सै, तो मै उस तरियां का खाणा कदे न्ही खाऊँगा ताके दुसरे विश्वासी भाई विश्वास करणा ना छोड़ दे। (aiōn 9165)

9 जो मै चाहूँ सूं, वो सब कुछ करण खात्तर मै आजाद सूं, मै प्रेरित सूं। मन्ने म्हारे प्रभु यीशु ताहीं देख्खा सै, थम प्रभु म्ह मेरी मेहनत का ईनाम सों। 2 जै दुसरे माणस या न्ही मानते के मै प्रभु यीशु का प्रेरित सूं, तो भाईयो थमने विश्वास करणा होगा, क्यूँके मै वो सूं, जो थारे धारे सुसमाचार

लेके आया। थारा प्रभु यीशु मसीह म्ह विश्वास यो बतावे सै के मै प्रेरित सूं। 3 जो माणस मेरे प्रेरित होण पै शक करे सै, उनके खातर योए मेरा जवाब सै। 4 बरनबास अर मेरे खातर, प्रेरित होण के कारण म्हारे ताहीं यो हक सै, के हम अपने काम के खातर थारे तै आर्थिक मदद ले सका सां। 5 के हमने यो हक कोनी, के किसे मसीह भाण के गेल्या ब्याह करके उस ताहीं अपने गैल सफर म्ह लेके जावां, जिसा दुसरे प्रेरित अर प्रभु का भाई याकूब, यहूदा अर पतरस करे सै। 6 मेरे अर बरनबास के धोरे भी यो हक सै, के हम और प्रेरितां के स्याम्ही आर्थिक मदद हासिल करां अर म्हारे ताहीं जीण खातर कोए काम करण की जरूरत कोनी। 7 कोण सा फौज्जी अपने खर्च तै जंग लड़े सै? कोण अंगूर का बाग लगाके उसका फळ न्ही खान्दा? कोण भेड्डां की रुखाळी करके उनका दूध कोनी पीन्दा? 8 मै इन बाततां नै सिर्फ माणस होण के नाते कोनी कहन्दा। मूसा नबी के नियम-कायदे भी योए कहवै सै, क्यूँके मूसा नबी के नियम-कायदे म्ह लिख्या सै, “नाज लिकाडते बखत चाल्दे होए बळध का मुँहा ना बाँधियो।” के परमेसवर बळधां की ए फिक्र करै सै? 10 यो खास करके म्हारे खातर कह्ला गया सै, हाँ, म्हारे खातर ए लिख्या गया सै, क्यूँके यो जरूरी सै, के खेत बाहण आळा अर खलिहाण म्ह, भूसी तै नाज अलग करण आळा फसल का कुछ हिस्सा पाण खातर तो आस राख्खे ए गा। 11 हमने परमेसवर के सुसमाचार का प्रचार थारे बीच म्ह करया। उस माणस की ढळ जो पौधे लगावै सै, हमने थारे भित्त परमेसवर के सन्देश ताहीं लगाया सै। इस करके यो म्हारा हक सै, के म्हारी आर्थिक जरूरतां के खातर हम थारी मदद हासिल करां। 12 थमनै दुसरे माणसां की भी आर्थिक मदद करी, जिननै थारे ताहीं सुसमाचार सुणाया था, बरनबास अर मै उनतै भी ज्यादा आर्थिक मदद पाण का हक राख्खां सां, हालाकि, म्हारे म्ह तै किसे नै भी जोर कोनी दिया के थम उन चिज्जां नै द्यो जिनकी हमने जरूरत सै। बल्के हम सब कुछ सहण खातर तैयार सां, ताके हम किसे ताहीं भी मसीह के बारे म्ह सुसमाचार पै विश्वास करण म्ह अडचन पैदा ना करा। 13 के थमनै न्ही बेरा के जो मन्दर म्ह काम करण आळे सै, वे मन्दर म्ह तै खाणा खावै सै? पर जो वेदी पै बलि चढ़ावै सै वे बलिदानां का हिस्सा लेवै सै? 14 इससे तरियां तै प्रभु नै भी ठहराया के जो माणस सुसमाचार सुणावै सै, उनकी जिन्दगी का गुजारा उन माणसां तै होणा चाहिए जो सुसमाचार सुणे सै। 15 पर मन्ने इन म्ह तै किसे भी अधिकार का इस्तमाल कोनी करया, अर ना ए मै इस मकसद तै लिख्खूं सूं, के मेरे खातर इसा कुछ करया जाय। बजाये इसके, के कोए मन्ने, मेरी इस बात के गर्व तै अलग करै। इसतै आच्छा मै मर जाणा समझूगां। 16 जै मै सुसमाचार सुणाऊँ, तो इस म्ह मन्ने गर्व करण का कोए हक कोनी। या तो मेरे ताहीं सौप्पी गई जिम्मेदारी सै। जै मै सुसमाचार न्ही सुणाऊँ, तो मेरे पै धिक्कार सै! 17 जै मै यो काम करूँ सूं, जो मन्ने अपनी मर्जी तै चुण्या सै, तो मेरे ताहीं एक ईनाम मिलैगा, अर जै या मेरी अपनी मर्जी कोनी, पर एक जिम्मेदारी सै, जो मेरे ताहीं परमेसवर की ओड़ तै मिली सै, तो मै किसे भी ईनाम की उम्मीद न्ही कर सकता। 18 तो मेरी कोण सी मजदूरी सै? या मेरी खुशी सै, के बिना भुगताण के मै सुसमाचार का प्रचार करण लागरया सूं, मेरे धोरे खर्चा मांगण का भी हक सै। 19 इसका मतलब यो कोनी के मै माणसां का कहणा मान्नु, भलाए वे लोग मेरी आर्थिक मदद करे सै, पर मै इसके खातर मजबूर कोनी, फेर भी मै हरेक किसे का दास बनगया सूं, ताके उन ताहीं मसीह के धोरे ल्या सकूँ। 20 जिन मै यहूदी नियम-कायदा नै मानण आळा था, तो मै भी उन नियम-कायदा के अधीन था, मै यहूदी माणसां के खातर यहूदी बणया, ताके यहूदी माणसां नै परमेसवर के धोरे ले आऊँ। भलाए मेरे ताहीं नियम-कायदे मानण की जरूरत कोनी, फेर भी मन्ने इसा करया, ताके मै उन ताहीं मसीह के धोरे ल्या सकूँ जो नियम-कायदा के अधीन सै। 21 इससे तरियां जिब मै गैर यहूदी माणसां के गैल काम करूँ सूं, तो मै एक गैर यहूदी की तरियां रूहूं सूं, जो यहूदी नियम-कायदा नै कोनी मानते, ताके मै उन ताहीं मसीह खातर जीत सकूँ। पर मन्ने बेरा था के मै परमेसवर के नियम-कायदा के बिना न्ही रूहूं था, क्यूँके मै मसीह के नियम-

कायदा के अधीन सूं। 22 जिन मै उन माणसां के गैल सूं जिनका विश्वास कमजोर सै, तो मै उनकी तरियां बरताव करूँ सूं, ताके मेरी कोशिश के जरिये कुछ माणसां का उद्धार हो जावै। 23 मै यो सब कुछ सुसमाचार के खातर करूँ सूं ताके उन आशीषां का हिस्सेदार बण सकूँ जिनका वादा सुसमाचार म्ह करया गया सै। 24 के थमनै न्ही बेरा के दौड़ म्ह तो भाज्जे सारे ए सै, पर ईनाम एक ए ले जावै सै? इससे तरियां, हम सब नै वो करणा चाहिए जो हम परमेसवर ताहीं खुश करण के खातर कर सका सां ताके हम उस ईनाम नै पा सका जो परमेसवर आण आळे बखत म्ह देवैगा। 25 हरेक खिलाड़ी जो प्रतियोगिता म्ह भाग लेवै सै, कठोर संयम का पालन करे सै। वे तो एक (नाशवान) नाश होण आळे मुकुट नै पाण के मकसद तै यो सब करे सै, पर हम यो सब कुछ (अविनाशी) नाश ना होण आळे मुकुट नै पाण खातर करां सां। 26 इस करके जिसा दौड़ण आळा अपने मकसद के गैल दौड़े सै, अर जिस तरियां मुक्केबाज अपने मुक्क्यां नै अपने अधीन राख्खे सै, उससे तरियां मै भी अपनी मसीह जिन्दगी नै एक मकसद के गैल जीण लागरया सूं। 27 मै अपनी देह नै मसीह के अधीन राख्खूं सूं, ताके मै अपनी बुरी इच्छा नै पूरी ना करूँ, मै जो दुसरे माणसां खातर सुसमाचार का प्रचार करण लाग रह्हा सूं, अर मै खुद ईनाम के खातर अयोग्य करार हो जाऊँ।

10 हे विश्वासी भाईयो, मै न्ही चाहन्दा के थम इस बात तै अनजाण रहो के म्हारे सारे पूर्वजां के गैल जंगल-बियाबान म्ह के होया। परमेसवर नै उन सारया की एक बाढ़ळ के जरिये अगुवाई करी, जो उनके आगे-आगे चाल्लै था, अर उन ताहीं लाल समुन्दर के बिचाळै तै इस तरियां तै पार लेग्या, जिस तरियां सुखी धरती पै ले जाया गया हो। 2 मूसा नबी के पाछे चाल्लण के कारण, उन सारया नै बाढ़ळ म्ह अर समुन्दर म्ह बपतिस्मा ले लिया था। 3 उन सारया नै वो खाणा खाया जो परमेसवर नै सुर्गा तै दिया था। 4 उननै वो पाणी पिया जो पत्थर की चट्टान तै लिकड्या था, पत्थर की चट्टान की तुलना हम मसीह के गैल कर सका सां, जो उनके गैल चाल्लै था, अर उन ताहीं जीवन देवे था। 5 पर परमेसवर उन म्ह तै घणखरयां तै राज्जी कोन्या होया, ज्यातै वे जंगल-बियाबान म्ह ढेर होगये। 6 ये बात म्हारे ताहीं चेतावनी के रूप म्ह दी सै, ताके हम बुरे काम्मां की लालसा ना करां। 7 अर ना थम मूर्ति पूजणीये बणो, जिस तरियां के उन म्ह तै कितने बणगे थे, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “लोग एक दावत म्ह खाण-पीण नै बेठ्ठे, अर फेर भोगविलास के काम करण खातर उठगे।” 8 अर ना हम जारी करा, जिसा उन म्ह तै कितन्यां नै करी, अर एक दिन म्ह तेईस हजार मरगये। 9 अर ना हम प्रभु नै परखां, जिसा उन म्ह कितन्यां नै करया, अर साँपां के जरिये मरगे। 10 अर ना थम कुड़कुडाओ, जिस तरियां तै उन म्ह कितने कुड़कुडाए, अर नाश करण आळे सुर्गदूतां के जरिये मारे गये। 11 पर ये सारी बात, जो उनपै आण पड़ी, चेतावनी की तरियां थी, वे म्हारी चेतावनी के खातर जो दुनिया के आखरी बखत म्ह रहवै सै, लिक्खी गई सै। (aiōn g165) 12 इस करके जै कोए इसा माणस सै जो कहन्दा हो, के परमेसवर पै उसका भरोस्सा अट्ट सै, तो उसनै सावधान रहणा चाहिए, के वो चाणचक किसे इम्तिहान म्ह ना पड़ जावे अर वो पाप ना कर बैठे। 13 पाप करण की इच्छा पक्की हम सब के धोरे आवै सै। पर परमेसवर साच्चा अर विश्वास लायक सै, वो थमनै सामर्थ तै बाहर इम्तिहान म्ह कोनी गरेगा, जो माणस के सहण तै बाहरणै सै, बल्के वो थमनै शक्ति देवैगा के थम पाप ना करो। 14 इस कारण, हे मेरे प्यारे दोस्तों, मूर्तिपूजा तै बचे रहो। 15 मै अकलमंद जाणके थारे तै कहुँ सूं, जो मै कहुँ सूं, उसके बारे म्ह सोच्यों के वो सही सै या गलत। 16 जिन हम उसके कटोरे म्ह तै (अंगूर का रस) पीवां सां, जिस ताहीं हम प्रभु भोज म्ह इस्तमाल करां सां, जिसके खातर हम परमेसवर का धन्यवाद करा सां, हम असलियत म्ह मसीह के लहू म्ह साझी होण लागरे सां, अर जिन हम रोटी तोड़ा सां अर इस ताहीं खावां सां, तो हम असलियत म्ह मसीह के देह म्ह साझा करण लागरे सां। 17 जिन के सिर्फ एकैए रोटी सै, जो मसीह सै, भलाए हम घणो सां, फेर भी हम एक देह बण जावां सां, क्यूँके

हम सब एक रोटी म्ह तै ए खावां सां। 18 इस्राएल के माणसां के बारें म्ह सोच्यों, जिब वे सारे माणस खावे सै, जो परमेसवर ताहीं चढ़ाया जावे सै, उसतै वे परमेसवर की आराधना म्ह शामिल हो जावे सै, इस्से तरियां जो वो खाणा खावे सै, जो मूर्ति के आगै चढ़ाया जावे सै, तो वो भी मूर्ति की आराधना म्ह शामिल होवे सै, 19 मेरे कहण का मतलब के सै? यो सै के मूर्ति असलियत म्ह देवता सै, जिनके खातर बलिदान करे जावे सै अर के इस बलिदान की कोए अहमियत सै? 20 न्ही, बल्के जो माणस मूर्तियाँ नै बलिदान करे सै, वे परमेसवर के खातर न्ही पर ओपरी आत्मायाँ के खातर बलिदान करे सै, अर मै न्ही चाहन्दा के थम ओपरी आत्मायाँ के गैल-साइड्री होवो। 21 यो थारे खातर ठीक कोनी के, थम वो खाओ अर पीओ सों, जो ओपरी आत्मायाँ ताहीं चढ़ाया जावे सै, अर वो भी खाओ अर पीओ सों, जो हमनै प्रभु की मौत की याद दुवावे सै। 22 जै हम इसा करां सां, तो हम परमेसवर नै घणा गुस्सा दुवावां सां, अर हम परमेसवर तै घणे ताकतवर कोनी। 23 हम सब कुछ करण खातर आजाद सां, हम कहवां सां, हाँ, पर सब कुछ म्हारे खातर आच्छा कोनी, हम सब कुछ करण खातर आजाद सां, पर सब कुछ म्हारे बिश्वास नै कोनी बढ़ाते। 24 कोए अपनी ए भलाई नै न्ही, बल्के औरों की भलाई के बारें म्ह सोच्यों। 25 हालाकि जिब थम कस्साइयों धारे माँस लेण खातर बजारां म्ह जाओ सों, तो उनतै या ना पूछो, के यो मूर्तियाँ के आगै चढ़ाया गया सै या न्ही, अर इसतै थारी अन्तरात्मा भी दुखी न्ही होगी। 26 थम इस करके खा सको सों क्यूँके पवित्र ग्रन्थ कहवे सै, “क्यूँके धरती अर धरती पै जो कुछ भी सै सब कुछ प्रभु का सै।” 27 जै अबिश्वासियाँ म्ह तै कोए थमनै न्योदा देवे, अर थम खाण खातर जाणा चाहो, तो जो किमे थारे स्याम्ही धरया जावे वोए खा ल्यो, अर थमनै यो न्ही पूछणा चाहिए, के यो चढ़ावा सै या न्ही, ताके चढ़ावा हो तो थम खुद नै दोषी महसूस कोनी करोगे। 28 पर जै कोए थारे तै कहवे, “यो खाणा तो मूर्ति ताहीं बलि करया गया था,” तो इस ताहीं अपनी अन्तरात्मा के कारण न्ही, बल्के थमनै बताण आळे माणस की अन्तरात्मा के कारण इसनै ना खाओ। 29 मै थारी अन्तरात्मा के बारें म्ह न्ही, पर उस बताण आळे माणस की अन्तरात्मा बारें म्ह कहूँ सूँ। जै थम खाण की आजादी पै जोर देओ सों, अर दुसरे माणस नै लागू सै के यो पाप सै, तो उसका के फायदा सै? कुछ भी तो कोनी। 30 जै मै मूर्तियाँ के आगै चढ़ाई होए चीज ताहीं धन्यवाद करके खाणे म्ह शामिल होऊँ सूँ, तो उसके खातर मेरे पै दोष क्यूँ लगाया जावे सै, जिसके खाणे खातर मन्ने परमेसवर के प्रति धन्यवाद जाहिर करया? 31 सारी बात्तां का निचोड़ यो सै के थम चाहे खाओ, चाहे पीओ, चाहे जो किमे करो, सारा किमे परमेसवर की महिमा के खातर करो। 32 मै जो कुछ भी करूँ सूँ, हरेक ताहीं खुश करण की कोशिश करूँ सूँ, अपने-आप का भला कोनी सोचदा, बल्के सबके भले के खातर सोचूँ सूँ, ताके वो बचाए जा सकै। उससे तरियां थम भी इस्से तरियां जिओ, ताके यहूदी, गैर यहूदी अर परमेसवर की कलीसिया के माणसां के खातर उद्धार पाण म्ह रुकावट ना बणो।

11 जिस तरियां मै मसीह के जिसी चाल चालूँ सूँ, थम भी मेरी सी चाल चालूँ। 2 हे बिश्वासि भाईयो, मै थारी तारीफ करूँ सूँ। क्यूँके थम मेरे ताहीं हर बखत याद करो सों, अर जितनी शिक्षा मन्ने थारे ताहीं दी सै, उनका सावधानी तै पालन करते रहों। 3 पर एक बात सै जो मै चाहूँ सूँ के थम उसनै जाण ल्यो, वा या सै के हरेक माणस का सिर मसीह सै, अर बिरबानी का सिर उसका धणी सै, अर मसीह का सिर परमेसवर सै। 4 जिब थम कलीसिया म्ह कठे होओ सों, तो जो माणस सिर ढके होए प्रार्थना या भविष्यवाणी करे सै, वो मसीह का अपमान करे सै। 5 पर जो बिरबानी उघाड़े सिर प्रार्थना या भविष्यवाणी करे सै, इसका मतलब सै के वा अपने धणी का अपमान करे सै, क्यूँके वा गन्जी होण के बरोब्बर सै। 6 जै बिरबानी ओढ़णी ना ओढ़े तो बाळ भी कटवा लेवे, जै बिरबानी के खातर बाळ कटवाणा या गन्जी होणा बड़े शर्म की बात सै, तो ओढ़णी

ओढ़े। 7 हाँ, एक माणस नै सिर ढक्ण की जरूरत कोनी, क्यूँके परमेसवर नै उस ताहीं खुद के समान बणा दिया सै, अर उस ताहीं अपने जिसा सुभाव अर महिमा दी सै, पर बिरबानी मर्द की शोभा सै। 8 क्यूँके पैहला माणस बिरबानी तै न्ही होया, पर पैहली बिरबानी हवा, माणस तै होई। 9 परमेसवर नै पैहले माणस ताहीं बिरबानी की मदद करण खातर न्ही बणाया था, बल्के उसनै बिरबानी ताहीं बणाया ताके माणस की मदद करै। 10 अर इस बजह तै सुगंदूतां की मौजूदगी के कारण बिरबानी खातर जरूरी सै, के अधिकार के रूप म्ह उसनै अपने सिर पै कुछ ओढ़णा चाहिए। 11 फेर भी प्रभु म्ह ना तो बिरबानी माणस तै, अर ना माणस बिना बिरबानी तै आजाद सै। 12 भलाए परमेसवर नै पैहले इन्सान तै पैहली जनानी बणाई, अर या जनानी ए सै जो इन्सान नै जन्म देवे सै, पर सारी चीज परमेसवर तै सै। 13 थम आप ए विचार करो, के कलीसिया म्ह बिरबानी नै उघाड़े सिर परमेसवर तै प्रार्थना करणा शोभा देवे सै? 14 के सुभाव के तौर पै भी थमनै न्ही बेरा के जै माणस लाम्बे बाळ राखे, तो उसके खातर अपमान सै। 15 पर जै लुगाई लाम्बे बाळ राखे तो उसके खातर शोभा सै, क्यूँके बाळ उसकी ओढ़णी के खातर दिए गये सै। 16 पर जै कोए मेरे तै सहमत कोनी, तो म्हारे धारे अर परमेसवर की कलीसिया के धारे आराधना करण का इसके अलावा कोए और रिवाज कोनी। 17 इब जो बात मै थारे ताहीं बताऊँ सूँ, उसके खातर मै थारी बड़ाई कोनी करदा, ज्यातै के थारे कठे होण तै भलाई न्ही, पर नुकसान होवे सै। 18 क्यूँके मेरे सुगण म्ह आया सै, के जिब थम कलीसिया म्ह आराधना के खातर कठे होवो सों, तो थारे म्ह फूट होवे सै, अर मै मान्नु सूँ के यो सच सै। 19 पर यकीनन थारे बीच बटवारा होणा चाहिए, ताके जिनके धारे परमेसवर की मंजूरी सै, उन ताहीं पिच्छाणा जावे। 20 आखर म्ह थम जो एक जगहां म्ह कठे होवो सों, म्हारे प्रभु यीशु मसीह की मौत नै याद करण के खातर होओ सों, यो प्रभु-भोज खाण के खातर न्ही। 21 क्यूँके खाण के बखत एक-दुसरे तै पैहल्या अपना खाणा खा लेवे सै, इस ढाळ कोए तो भूख्खा रहवे सै अर कोए मतवाला हो जावे सै। 22 के खाण-पीण के खातर थारे घर कोनी? या थम परमेसवर की कलीसिया का तिरस्कार अर गरीबां नै शर्मिन्दा करण पै तुले होए सों? इब मै थारे तै के कहूँ? के इस बात म्ह थारी बड़ाई करूँ? ना! बिलकुल न्ही। 23 मन्ने थारे ताहीं जितनी शिक्षा दी सै वोए शिक्षा सै, जो मन्ने परमेसवर की ओड़ तै मिली थी, के प्रभु यीशु जिस रात पकड़ाया गया, रोटी लेई, 24 अर परमेसवर का धन्यवाद करके उसनै तोड़ी अर कहा, “या मेरी देह सै, जो थारे खातर सै: मेरी यादगारी खातर न्यूए करया करो।” 25 इसे तरियां उसनै खाणे के बाद अंगूर के रस का कटोरा भी लिया अर कहा, “यो कटोरा मेरे लहू म्ह नया करार सै: जिब कदे पीओ, तो मेरी यादगारी के खातर न्यूए करया करो।” 26 क्यूँके जिब कदे थम या रोटी खाओ अर इस कटोरे म्ह तै पीओ सो, तो प्रभु की मौत नै जिब ताहीं वो न्ही आवे, प्रचार करदे रहो। 27 ज्यातै जो कोए इस तरिकके तै प्रभु की रोटी खावे या उसके कटोरे म्ह तै पीवे, जिसतै मसीह का आनंद हो, तो वो प्रभु की देह अर लहू के बिरुध पाप करे सै। 28 ज्यातै माणस अपने-आप ताहीं जाँच लेवे अर इस्से तरियां तै इस रोटी म्ह तै खावे, अर इस कटोरे म्ह तै पीवे। 29 क्यूँके जो खांदे-पिदे बखत प्रभु की देह के साथ अपने रिश्ते नै न्ही पिच्छाणता, वो इस खाणे अर पीणे तै अपने उप्पर दण्ड ल्यावे सै। 30 अर दण्ड की शरूआत थारे बीच हो ली सै, इस्से कारण थारे म्ह तै घणखरे कमजोर अर बीमार सै, अर घणखरे मर भी गये। 31 जै हम अपने-आपनै जाँचदे तो दण्ड न्ही पांदे। 32 पर प्रभु म्हारे ताहीं दण्ड देके म्हारी ताड़ना करे सै, ज्यातै के हम न्याय के दिन दुसरे माणसां के साथ दंडित ना करे जावां। 33 इस करके, हे बिश्वासि भाईयो, जिब थम प्रभु भोज खाण खातर कठे होओ सो, तो एक-दुसरे के खातर ठहरे रहो, ताके थम मिलके प्रभु भोज खा सको। 34 जै कोए भूख्खा हो तो अपने घर म्ह खा लेवे, ताके जिब थम एक साथ आओगे, तो थम सही तरियां तै बरताव करोगे, अर परमेसवर थारा न्याय कोनी करेगा। दुसरी बात्तां नै मै जिब्बे सुलझाऊँगा जिब आऊँगा।

12 हे विश्वासी भाईयो, इब पवित्र आत्मा के जरिये दी गई उन खुबियाँ तै तालुकात राखती उन बात्तां के बारे म्ह मै न्ही चाहन्दा के थम अनजाण रहो। 2 थम जाणो सो, के प्रभु म्ह विश्वास करण ते पैहले थम किसे थे, कोए थमने राह दिखावे था ताके थम मूर्तियाँ की पूजा कर सको जो बोल न्ही सकदी। 3 ज्यातै मै थमने बताणा चाहूँ सूँ, के जो कोए परमेसवर की आत्मा की अगुवाई ते बोल्लै सै, वो न्ही कहन्दा के यीशु श्रापित सै, अर ना कोए पवित्र आत्मा कै बिना कह सकै सै के यीशु प्रभु सै। 4 आत्मिक वरदान तो कई ढाळ के सै, पर या पवित्र आत्मा ए सै जो इन सबका भण्डार सै। 5 अर काम भी कई ढाळ के सै, जो हम परमेसवर खात्तर करा सां, पर हम सब एकए परमेसवर की सेवा करा सां। 6 परमेसवर म्हारी जिन्दगी म्ह कई ढाळ के तरिककां तै काम करै सै, पर यो वोए परमेसवर सै, जो हमने उसके काम करण की काबलियत देवै सै। 7 एक इसी काबलियत सै जो म्हारे म्ह तै हरेक ताहीं दी जावै सै, जो पवित्र आत्मा की मौजूदगी नै दिखवै सै ताके हम अपणे संगी विश्वासियाँ की मदद कर सका। 8 परमेसवर की आत्मा एक माणस ताहीं बुद्धि तै भरा सन्देश बोल्लण की काबलियत देवै सै, अर वाए आत्मा किसे दुसरे माणस नै ज्ञान तै भरा सन्देश बोल्लण की काबलियत देवै सै। 9 वो एक माणस ताहीं मसीह म्ह मजबुत्ती तै विश्वास करण की काबलियत देवै सै, अर दुसरे माणस ताहीं आत्मा, बीमार लोगां नै ठीक करण की काबलियत देवै सै। 10 किसे ताहीं सामर्थ के काम करण की ताकत, अर किसे ताहीं भविष्यवाणी की, अर किसे ताहीं आत्मायाँ की परख, अर किसे ताहीं घणी ढाळ की भाषा, अर किसे ताहीं भाषायां का मतलब बताणा की काबलियत दी। 11 पर ये परमेसवर की आत्मा सै, जो सारी काबलियत का भण्डार सै, अर वो हर किसे नै बाट देवै सै, जिसा वो चाहवै सै। 12 जिस तरियां देह के भोत सारे अंग होवै सै, पर भोत सारे अंग मिलके एक देह नै बणावै सै, उससे ढाळ मसीह देह सै, अर सब विश्वासी उसके देह के अंग सै। 13 क्यूँके हम सब यहूदी, यूनानी, गुलाम अर आजाद, एकए देह की तरियां सां, अर परमेसवर हम सब नै पवित्र आत्मा का बपतिस्मा देवै सै, अर हम सारया नै एके तरियां का पवित्र आत्मा पाया सै। 14 देह म्ह एके अंग न्ही, पर भोत-से सै। 15 जै पैर कहवै के मै हाथ कोनी, इस करके देह का अंग कोनी, तो के उसके इसा कहण तै वो देह का अंग कोनी? 16 अर जै कान कहवै, के मै आँख कोनी, इस करके देह का अंग कोनी, तो के वो इस कारण देह का अंग कोनी? 17 जै साबती देह आँख होन्दी तो सुणणा किन्त तै होंदा? जै साबती देह कान ए होंदी तो सूँघणा किन्त तै होंदा? 18 पर सचमुच परमेसवर नै देह के सारे अंगा ताहीं अपनी मर्जी के मुताबिक एक-एक करके देह म्ह सही जगहां पै राख्या सै। 19 जै सारे अंग एके अंग होन्दे, तो देह किन्त तै होंदी? 20 बल्के अंग तो भतरे सै, पर देह एके सै। 21 आँख हाथ तै कोनी कह सकदी, “मन्ने तेरी जरूरत कोनी,” अर ना सिर पैर तै कह सकै सै, के “मन्ने तेरी जरूरत कोनी।” 22 पर देह के कुछ अंग जो दुसरे अंगा तै कमजोर लागवै सै, भोत-ए जरूरी सै। 23 अर देह के जिन अंगा नै हम कम आदर देवां सां, वे सै जिन ताहीं हम बड़ी सावधानी तै ढका सां, इस करके उन अंगा की हम सावधानी तै हिफाजत करा सां, जिन ताहीं देख्या न्ही जा सकता, जिन के आदर के लायक अंगा नै इस खास देखभाळ की जरूरत कोनी। इस करके परमेसवर नै देह ताहीं एक साथ राख्या सै, ताके उन अंगां ताहीं खास आदर अर देखभाळ दी जावै, जिनका महत्व कम सै। 25 ताके देह म्ह फूट ना पड़े पर देह के सारे हिस्से दुसरे अंगा की देखभाळ करै। 26 जै देह का कोए अंग दुख पावै सै, तो उसके गैल देह के सारे अंग दुख पावै सै, अर जै एक अंग की बड़ाई होवै सै, तो उसके गैल्या सारे अंग आनन्द मनावै सै। 27 इस्से ढाळ थम सारे मिलके मसीह की देह सो, अर थारे म्ह तै हरेक उसके देह के कुछ हिस्सां के रूप म्ह उसके अंग सों 28 मसीह की इस देह म्ह जो के कलीसिया सै, परमेसवर नै म्हारे ताहीं न्यारे-न्यारे ढाळ के काम करण कै खात्तर दिया, सब तै पैहल्या प्रेरितां, फेर नबी, तीसरे शिक्षक, फेर सामर्थ के काम करण आळे, फेर चंगाई देण आळे, भलाई करण आळे, अर अगुवें, अर अन्य भाषा बोल्लण की काबलियत दी।

29 के सारे प्रेरित सै? न्ही! के सारे नबी सै? न्ही! के सारे उपदेशक सै? न्ही! के सारे सामर्थ के काम करण आळे सै? न्ही! 30 के सारया नै चंगा करण का वरदान मिल्या सै? न्ही! के सारे अन्य भाषा बोल्लै सै? न्ही! 31 के सारे अन्य भाषा का मतलब बताणीये सै? न्ही! थम सबतै उपयोगी वरदानां की धुन म्ह रहो, पर मै थमने सारया तै बढ़िया राह बताऊँ सूँ।

13 जै मै माणसां अर सुगंदूतां की बोल्ली बोल्लूँ अर दुसरयां तै प्यार ना करूँ, तो मै ठनठनादा होया पीत्तळ, अर झंझनाती होई झंझूँ सूँ। 2 अर जै मै भविष्यवाणी कर सकूँ, अर सारे भेद अर सारी ढाळ के ज्ञान ताहीं समझूँ, अर मन्ने उरै ताहीं इतणा विश्वास हो के मै पहाड़ां ताहीं हटा दिवूँ, पर दुसरयां तै प्यार ना करूँ, तो मै कुछ भी कोनी। 3 जै अपना सारा धन कंगालां नै खुवा दिवूँ, या अपनी देह जळण के खात्तर दे दिवूँ, अर दुसरयां तै प्यार ना करूँ, तो मन्ने किमे भी फायदा कोनी। 4 जो लोग दुसरयां तै प्यार करै सै, वे पूरे धीरज अर दयालु तरिकके तै काम करै सै, वे नफरत न्ही करते, अर वे खुद की बड़ाई न्ही करते। 5 वे दुसरयां का अनादर कोनी करते, वे स्वार्थी कोनी अर ना ए तावळे नाराज होवै सै, पर आसानी तै उन माणसां ताहीं माफ करदे सै जो उनके खिलाफ बुरा बरताव करै सै। 6 जिन लोग बुरे काम करै सै तो वे खुश कोनी होन्दे, पर जिन लोग सही काम करै सै तो वे खुश होवै सै। 7 प्यार सारी बात्तां नै सह लेवै सै, अर हमेशा म्हारे हरेक हालातां म्ह विश्वास करण म्ह, परमेसवर पै भरोस्सा राखण म्ह, अर दुख अर मुसीबतां नै धीरज तै सहण करण म्ह म्हारी मदद करै सै। 8 प्यार सदा तक रहण आळा सै। जइँ ताहीं भविष्यवाणीयां का सवाल सै, वे थोड़े ए बखत खात्तर सै, भाषाएँ बिना शब्द की हो जावैगीं अर ज्ञान मिट जावैगा। 9 क्यूँके म्हारा ज्ञान अर म्हारी भविष्यवाणी का वरदान अधूरा सै। 10 पर जिन हम सिद्धता तक पोहच जावांगे तो, वो सब, जो अधूरा सै, मिट जावैगा। 11 जिन मै बाळक था, तो मै बाळकां की ढाळ बोल्लूँ था, बाळकां जिसे मेरी सोच थी, बाळकां जिसे समझ थी, पर जिन श्याणा हो गया तो बाळकां के जिसे बात छोड़ दी। 12 इब जो हम परमेसवर के बारे म्ह जाणा सां, वो सब शीशे म्ह धुँधळा दिखाई देण की ढाळ सै, पर बाद म्ह हम उस ताहीं आम्ही-स्याम्ही देखखांगे, इब्बे हम सब कुछ न्ही जाणते, पर बाद म्ह हम सब किमे जाण जावांगे जिस तरियां परमेसवर म्हारे ताहीं जाणै सै। 13 ये तीनु चीज सदा खात्तर सै, विश्वास, आस, अर प्यार पर इन म्ह सारया तै बड़ड़ा प्यार सै।

14 एक-दुसरे तै प्यार करण की कोशिश करो, अर आत्मिक वरदानां की भी धुन म्ह रहो, खास करके यो के भविष्यवाणी करो। 2 क्यूँके जो अन्य भाषा म्ह बात करै सै वो माणसां तै न्ही पर परमेसवर तै बात करै सै, ज्यातै के उसकी बात कोए न्ही समझदा, क्यूँके वो की बात पवित्र आत्मा की शक्ति तै बोल्लै सै। 3 पर जो भविष्यवाणी करै सै, वो विश्वासियां नै मजबूत करण की, उत्साहित करण की, अर शान्ति की बात कहवै सै। 4 जो अन्य भाषा म्ह बात करै सै, वो अपना ए विश्वास मजबूत करै सै, पर जो भविष्यवाणी करै सै, वो कलीसिया के विश्वासियां के विश्वास नै मजबूत करै सै। 5 मै चाहूँ सूँ के थारे म्ह तै हरेक नै अन्य भाषायां म्ह बात करण की काबलियत मिलै, पर इसकी बजाए आच्छा तो यो सै के थमने भविष्यवाणी की काबलियत मिलै, क्यूँके जो भविष्यवाणी करै सै, वो उस अन्य भाषा बोल्लण आळा तै, जो उसका मतलब खोल के बताए बिना अन्य भाषा म्ह बात करै सै, उसतै आच्छा सै, क्यूँके उसका मतलब खोल के बताये जाण पै कलीसिया के विश्वासियां के विश्वास की बढ़ोतरी हो सकै सै। 6 ज्यातै, हे विश्वासी भाईयो, जै मै थारे तै अन्य भाषा म्ह बात करूँ, तो उसतै थमने के फायदा होगा, जै इस म्ह थारे खात्तर कोए प्रकाशन, ज्ञान, भविष्यवाणी या शिक्षा की बात ना हो, तो मै इस म्ह थारा के भला करूँगा? 7 इस्से ढाळ बेजान चीज म्ह तै भी आवाज लिक्ड़े सै, चाहे बाँसुरी हो या संगीत के साज, जै उनतै लिक्ड़े सुरां म्ह फर्क ना हो तो यो किस तरियां बेरा लागेगा के यो

कौण सा साज बजाया जाण लागा रह्वा सै। 8 अर जै तुरही का शब्द साफ ना हो, तो कौण लड़ाई के खातर तयारी करेगा? 9 इस्से तरियां जै थम अन्य भाषा म्ह बोल्लों सों, अर थारे शब्दां नै कोए समझ न्ही पावे, के थम के बोल्लण लागरे सों? तो यो तो हवा तै बात करण जिसा होगा। 10 भलाए दुनिया म्ह कितनी ए ढाळ की भाषा क्यूँ ना हों, पर हरेक भाषा का मतलब सै। 11 पर जै मै किसे भाषा का मतलब ना समझूँ, तो बोल्लण आळे की निगांह म्ह परदेशी ठहरेगा, अर बोल्लण आळा भी मेरी निगांह म्ह परदेशी ठहरेगा। 12 ज्यांतै थम भी जिब आत्मिक वरदानां की खोज म्ह हो, तो इसे वरदानां की लालसा राक्खों, जिसतै कलीसिया के विश्वासी माणसां का विश्वास भी मजबूत हो सके। 13 इस कारण जो अन्य भाषा बोल्ले, वो प्रार्थना करे के उसका खोल कै मतलब भी बता सके। 14 ज्यांतै जै मै अन्य भाषा म्ह प्रार्थना करूँ, तो मेरी आत्मा प्रार्थना करे सै, पर मेरी बुद्धि काम न्ही देदी। 15 इस बजह तै मै आत्मा तै भी प्रार्थना करूँगा, अर बुद्धि तै भी प्रार्थना करूँगा, मै आत्मा तै भी गाऊँगा, अर बुद्धि तै भी गाऊँगा। 16 मान ल्यो के कई आम आदमी थारे गैल परमेसवर की आराधना म्ह शामिल होवै सै, अर जिब थम अपनी आत्मा के साथ परमेसवर की आराधना करण लागरे सों, जो यो थम बोल्लो सों वो उननै समझ कोनी आन्दगा, तो परमेसवर का धन्यवाद करण के बाद, उननै किस तरियां बेरा लागेगा के कद “आमीन” कहणा सै, जो थम कहण लागरे सों? 17 परमेसवर का धन्यवाद करणा थारे खातर अदभुत हो सके सै, पर यो दुसरयां ताहीं उनके विश्वास म्ह मजबूत न्ही बना सकदा। 18 मै अपने परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूं, के मै थम सारया तै घणा अन्य भाषायां म्ह बोल्लूँ सूं। 19 पर कलीसिया म्ह अन्य भाषा म्ह दस हजार बात कहण तै यो मन्ने और भी सही लागे सै, के दुसरयां नै सिखाण के खातर मै बुद्धि तै पाँच ए बात कह सकूँ। 20 हे विश्वासी भाईयो, इन बाततां नै समझण म्ह बाळक ना बणो, बुराई करण म्ह तो बाळक बणे रहो, पर इस तरियां के मामलां नै समझण म्ह श्याणे बणो। 21 पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, के प्रभु कहवै सै, “के मै अजनबियाँ के जरिये बात करूँगा, जो अन्य भाषा बोल्लैगें, तोभी वे मेरी न्ही सुणेंगें।” 22 ज्यांतै अन्य भाषा विश्वासियाँ के खातर न्ही, पर अविश्वासियाँ के खातर निशानी सै, जो ये भाषा न्ही समझते, पर भविष्यवाणी अविश्वासियाँ के खातर न्ही, पर विश्वासियाँ के खातर निशानी सै। 23 इस करके जै कलीसिया एक जगहां कट्टी हो, अर सारे के सारे अन्य भाषा बोल्लै, जो ये भाषा न्ही समझते, या अविश्वासी माणस भीतर आ जावै, तो के वे थमने बावळे न्ही कहवैगें? 24 पर जै सारे भविष्यवाणी करण लागे, अर कोए अविश्वासी माणस या जो भविष्यवाणी नै न्ही समझते हो, भीतर आ जावै, तो उननै अपने पापां का अहसास होगा अर जो थम बोल्लण लागरे सों उसकी बजह तै अपने-आप ताहीं कसूरवार महसूस करैगें। 25 अर परमेसवर का संदेश उस ताहीं उसकी बुराई या उसकी गुप्त सोच का अहसास करां देवेगा। वो महसूस करेगा के वो पापी सै, अर वो पाप करणा छोड़ देगा अर वो झुकके प्रभु की आराधना करेगा, अर मान लेवेगा के सच म्ह ए परमेसवर थारे बिचाळे सै। 26 हे विश्वासी भाईयो, सुणो के ये बात किस तरियां होणी चाहिये? जिब थम आराधना खातर कट्टे होवो सो, तो थारे म्ह तै कोए तो भजन गावै सै, कोए उपदेश देवै सै, कोए प्रभु के जरिये दिए गये प्रकाशन सै, कोए अन्य भाषा म्ह बात करै सै, कोए उसका मतलब बतावै सै। इन सारी बाततां का मकसद योए सै, के कलीसिया विश्वास म्ह मजबूत हो सके। 27 जै अन्य भाषा म्ह बात करे तो ज्यादा तै ज्यादा दो या तीन माणस बारी-बारी तै बोल्लै, अर एक माणस उन बाततां का खोल कै मतलब भी बतावै। 28 पर जै खोल कै मतलब बताणीया ना हो, तो अन्य भाषा बोल्लण आळा कलीसिया म्ह शान्त रहवै, अर अपने मन म्ह परमेसवर तै बात करै। 29 नबियाँ म्ह तै दो या तीन बोल्लै, अर बाकी माणस उनके वचन नै परखै। 30 जै उस बखत ओड़ै कोए बेठ्या हो जिस ताहीं ईश्वरीय प्रकाशन मिलै, तो पैहले आळा माणस चुप हो जावै अर दुसरे माणस नै बोल्लण दे। 31 थम सारे एक-एक करके भविष्यवाणी कर सको हो, ताके सारे सीखे अर सारे उत्साहित भी

हो जावै। 32 अर नबियाँ की आत्मा नबियाँ कै बस म्ह सै, उसके भित्तर इतनी काबलियत सै, के वो अपनी इच्छा के मुताबिक बोल सके सै, अर चुप भी रह सके सै। 33 क्यूँके परमेसवर गड़बड़ी का न्ही, पर शान्ति का परमेसवर सै। यो वो नियम सै जिसका पालन परमेसवर के माणसां के सारी कलीसियाओं म्ह करया जाणा चाहिए। 34 बिरबानी कलीसिया की सभा म्ह चुपचाप रहवै, क्यूँके उन ताहीं बात करण का हुकम कोनी, पर अधीन रहण का हुकम सै, जिसा नियम-कायदे म्ह लिख्या भी सै। 35 जै वे किमे सिखणा चाहवै, तो घर म्ह अपने-अपणे धणी तै बुझै, क्यूँके बिरबानी का कलीसिया म्ह घणा बोलणा शर्म की बात सै। 36 इसा क्यूँ सै के थारे म्ह तै कुछ पैहले उपर लिखे होए नियमां का पालन न्ही करणा चाहन्दे? के थमने लागे सै, के थम परमेसवर का वचन देण आळे पैहले आदमी सों? 37 जै कोए माणस खुद नै नबी या आत्मिक माणस समझै, तो न्यू जाण ले के जो बात मै थमनै लिखूँ सूं, वे प्रभु के हुकम सै। 38 जै कोए माणस इन बाततां पै विश्वास न्ही करदा, तो थम भी उसकी बाततां पै विश्वास ना करो, जो वो बोल्लण लागरया सै। 39 इस करके हे विश्वासी भाईयो, भविष्यवाणी करण की धुन म्ह रहो, अर अन्य भाषा बोल्लण तै मना ना करो। 40 कलीसिया म्ह जो कुछ भी करो सों, आच्छी तरियां अर सही ढंग तै करया जावै।

15 हे विश्वासी भाईयो, इब मै थमने वोए सुसमाचार याद दिवाऊँ सूं, जो पैहल्या सुणया जा चुक्या सै, जिस सुसमाचार का थमनै विश्वास भी करया था, अर थम उस विश्वास म्ह बणे भी रहो। 2 जै थम सुसमाचार म्ह विश्वास करणा जारी राक्खों सों, जो मन्ने थारे ताहीं सुणया था तो परमेसवर थमनै सुसमाचार के जरिये बचावेगा, जै थम उस सुसमाचार पै विश्वास करणा छोड़ द्यो, तो थारा मसीह पै विश्वास करणा बेकार सै। 3 इस्से कारण मन्ने थारे ताहीं सब तै खास सन्देस बताया सै, जो मेरे ताहीं प्रभु यीशु तै मिल्या सै, वो सन्देस यो सै, के पवित्र ग्रन्थ के वचन के मुताबिक यीशु मसीह म्हारे पापां के खातर मारया गया, 4 गाड्या गया, अर पवित्र ग्रन्थ के मुताबिक तीसरे दिन जिन्दा भी होया, 5 अर उसके बाद वो पतरस ताहीं अर फेर बाराहं चेल्यां नै दिख्या। 6 फेर वो पाँच सौ तै ज्यादा चेल्यां नै एक साथ दिख्या, जिन म्ह तै घणखरे तो इब ताहीं जिन्दे सै पर कई मर लिये सै। 7 इसके बाद वो याकूब नै अर फेर सारे प्रेरितां नै भी दिख्या। 8 सब तै आखर म्ह मन्ने भी दिख्या, मेरे ताहीं प्रभु नै अदभुत तरिकके तै प्रेरित बणाया। 9 क्यूँके मै प्रेरितां म्ह सारया तै कम महत्वपूर्ण सूं, बल्के प्रेरित बणण के जोगगा भी कोनी था, क्यूँके मन्ने परमेसवर की कलीसिया के विश्वासियाँ ताहीं सताया था। 10 पर मै जो कुछ भी सूं, परमेसवर के अनुग्रह तै प्रेरित सूं, उसका अनुग्रह जो मेरे पै होया, वो बेकार न्ही होया, पर मन्ने उन और प्रेरितां तै बाध मेहनत भी करी, तोभी या मेरी ओड़ तै न्ही होई, पर परमेसवर का अनुग्रह तै होई जो मेरे पै था। 11 ज्यांतै चाहे मै हूँ, चाहे दुसरे प्रेरित हों, हम सब नै मसीह के बारे म्ह एक जिसा प्रचार करा, अर इस्से पै थमनै विश्वास भी करया। 12 मै थारे तै एक बात पूछूँ सूं, जिब तै हम सारया नै यो प्रचार करया सै, के परमेसवर नै मसीह ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, तो थारे म्ह तै कई क्यूँ न्ही मानते के विश्वासी भी मरके जिवेंगे? 13 जै मेरे होया का जी उठणा सै ए कोनी, तो मसीह भी मेरे होया म्ह तै जिन्दा कोनी होया, 14 अर जै मसीह मेरे होया म्ह तै न्ही जी उठ्या, तो म्हारा प्रचार करणा बेकार सै अर थारा विश्वास करणा भी बेकार सै। 15 इसतै भी बढ़के यो सै के हम परमेसवर के झुट्टे गवाह साबित होण लागरे सां, क्यूँके हमनै उनके बारे म्ह या गवाही दी सै के उननै मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया सै, पर जै मेरे होए वास्तव म्ह जिन्दे न्ही करे गये होन्दे तो परमेसवर नै मसीह ताहीं भी जिन्दा न्ही करया। 16 अर जै मेरे होए माणस जिन्दा न्ही होन्दे, तो मसीह भी मरे होया म्ह तै जिन्दा कोनी होया। 17 अर जै मसीह मरया होया म्ह तै जिन्दा कोनी होया, तो थारा विश्वास करणा बेकार सै, अर थम इब ताहीं अपने पापां म्ह जीण लागरे सो। 18 बल्के जो मसीह पै विश्वास करण आळे मर लिये सै, वे भी नाश होए। 19 जै हम सिर्फ इस्से जीवन म्ह

मसीह तै आस राक्खां सां, ना के आण आळी दुनिया के खात्तर, तो हम सारे माणसां तै घणे अभागे सां। 20 पर सच म्ह-ए परमेसवर नै मसीह ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया सै, अर वो पैहला माणस सै, जो मरे होया म्ह तै जिन्दा करया गया। 21 क्यूँके जिब एक माणस आदम कै जरिये दुनिया म्ह मौत आई, तो दुसरा माणस मसीह कै जरिये मरे होया का दोबारा जिन्दा हो जाणा भी होया। 22 अर जिस तरियां आदम के पाप के जरिये सारे माणस मरे सै, उससे तरियां ए मसीह नै जो करया, उसके जरिये सारे माणस मरे होया म्ह तै जिन्दा भी करे जावेंगे। 23 पर हरेक माणस इस तरियां जिन्दा होवेगा, परमेसवर नै पैहल्या मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, फेर मसीह कै आण पै परमेसवर उन लोगां नै भी जिन्दा करेगा जो मसीह के सै। 24 इसके बाद दुनिया का अन्त होगा। उस बखत मसीह सारी प्रधानता, अर सारा हक अर सामर्थ का अन्त करके राज्य नै परमेसवर पिता के हाथ म्ह सौंप देवेगा। 25 क्यूँके जिब तक परमेसवर अपने बैरियां नै पूरी तरियां तै हरा ना देवै, तब तक मसीह का राज्य करणा जरूरी सै। 26 सारया तै आखरी बैरी जो नाश करया जावेगा, वो मौत सै। 27 पवित्र ग्रन्थ म्ह भजनकार नै लिख्या सै, के परमेसवर सब कुछ मसीह के अधीन कर देवेगा, तो यो तय सै, के परमेसवर शामिल कोनी, क्यूँके वो ए सै जिसनै मसीह ताहीं अधिकार दिया सै। 28 जिब सब कुछ मसीह के अधीन हो जावेगा यानी बेटे के अधीन, तो बेटा आप भी परमेसवर के अधीन हो जावेगा, जिसनै उस ताहीं यो अधिकार दिया था। परमेसवर ए प्रभु सै, जो सब कुछ अर हर किसे म्ह काम करे सै। 29 जै मरे होया का पुनरुत्थान कोनी, तो उस परम्परा का के मतलब सै, जिस म्ह माणस मरे होया की जगहां पै बपतिस्मा लेण लागरे सै? जै परमेसवर मरे होए माणस ताहीं जिन्दा नही करदा, तो माणस इस परम्परा नै क्यूँ मानण लागरे सै? 30 म्हारे खात्तर जै मुर्दा का जी उठणा सै, तो खुद ताहीं खतरा म्ह गेरणा बेकफी सै। 31 हे विश्वासी भाईयो, मै हर दिन मौत का सामना करूं सू, यो भी सच सै, के प्रभु यीशु मसीह म्ह मन्नै थारे पै गर्व सै। 32 मै इफिसुस नगर म्ह बड़ी तै बड़ी मुसीबतां म्ह तै गुजरा सू, जो जंगली-जानवरों की तरियां मेरा बिरोध करे सै, तो मन्नै के फायदा होया? जै मुर्दे जिन्दे नही करे जावेंगे, तो हम कह सका सां, के “आओ, खावां-पीवां, क्यूँके काल तो मरणा ए सै।” 33 धोक्खा ना खाओ, “भुंडी संगति आच्छे चाल-चलण नै बिगाड़ देवे सै।” 34 अपने सोच्यण के तरिककें नै ठीक कर लणो, अर पाप करणा छोड़ द्यो, क्यूँके कुछ इसे सै जो परमेसवर नै नही जाणदे। मै थमने शर्मिन्दा करण के खात्तर न्यण कहूं सू। 35 उदाहरण के तौर पै जै कोए न्यु कहवेगा, “के परमेसवर मुर्दा नै किस तरियां तै जिवावे सै, अर उनकी देह किसी होवे सै?” 36 हे निरे बेअक्लो! जिब तू बीज नै माट्टी म्ह बोवे सै, तो वो अंकुरित कोनी होवे सै, अर जिब वो अंकुरित होवे सै तो वो बीज कोनी रहन्दा। 37 जै तू गेहूँ या कोए दुसरा बीज बोवे सै, तो तू शरु म्ह ए पौधा नही लगान्दा, बल्के बीज नै ए लगावे सै, जो बाद म्ह पौधा बणे सै। 38 परमेसवर जिसा चाहवे उसा आकार पौधे नै देवे सै, हरेक ढाळ के बीज का उगण का अपना अलग ए तरिककां होवे सै। 39 दुनिया के सब प्राणियाँ की देह एक जिसे कोनी होन्दी, माणसा की देह न्यारी सै, डांगरा की न्यारी सै, पछियाँ की देह न्यारी सै, मच्छियाँ की देह न्यारी सै। 40 अर जिस तरियां धरती पै अलग-अलग तरियां की देह सै, उससे तरियां अकास म्ह भी सूरज, चाँद अर तारे सै। अकास म्ह चिज्जां की एक अलग तरियां की खूबसूरती हो सै, अर धरती पै, की चिज्जां की खूबसूरती अलग ढाळ की हो सै। 41 सूरज का तेज न्यारा सै, चाँद का तेज न्यारा सै, अर तारा के टोळ का तेज न्यारा सै, (क्यूँके एक तारे तै दुसरे तारे के तेज म्ह फर्क सै)। 42 तो यो मरे होए माणसां का जी उठणा भी इसाए होगा। देह जिस ताहीं वे दफणावे सै वो गळ जा सै, पर जिब यो फेर तै जी उठे सै, तो या एक इसी देह होगी जो गळे कोनी। 43 जिब म्हारी देह दफणाई जावे सै, तो वा बदसूरत अर कमजोर हो सै, पर जिब दुबारा तै जीवन मिले सै, तो वा सुथरी अर मजबूत हो सै। 44 जिस तरियां म्हारी देह माँस अर लहू तै बणी सै, इससे तरियां इसी देह भी सै जिस ताहीं जीवन परमेसवर के आत्मा के जरिये मिले सै, अर जो म्हारी

देह माँस अर लहू तै बणी सै, उस देह म्ह बदल जावेगा, जिस ताहीं जीवन परमेसवर की आत्मा तै मिले सै। 45 पवित्र ग्रन्थ म्ह भी लिख्या सै, के “पैहलड़ा माणस, यानिके आदम जिन्दा प्राणी बणया” अर आखरी आदम जो मसीह सै, वोए सै जो हमनै अनन्त जीवन देवे सै। 46 माँस अर लहू तै बणी देह पैहल्या वजूद म्ह आई, फेर उस देह ताहीं परमेसवर की आत्मा के जरिये जीवन मिले सै। 47 पैहलड़ा माणस धरती तै, यानिके माट्टी तै बणया होया था, दुसरा माणस जो मसीह था सुर्ग तै आया। 48 धरती पै रहण आळे लोग, धरती के पैहले माणस आदम की ढाळ माट्टी तै बणे सै, पर सुर्ग म्ह रहण आळे लोग, सुर्ग के माणस मसीह यीशु की तरियां सै। 49 हम सबका रूप आदम की ढाळ सै, जो माट्टी तै बणया सै, उससे तरियां एक दिन हमनै मसीह का रूप भी मिलेगा, जो सुर्गीय सै। 50 हे विश्वासी भाईयो, मै चाहूं सू के थम जाण ल्यो, के म्हारी देह जो लहू अर माँस तै बणी सै, इस देह के साथ हम परमेसवर के सुर्गीय राज्य म्ह नही रह सकदे। हम सुर्ग म्ह उस देह के साथ नही रह सकदे जो नाश हो जावे सै, क्यूँके ओड़े कोए मौत कोनी। 51 देख्यो, मै थारे तै एक भेद की बात बताऊं सू, म्हारे म्ह तै कुछ बिश्वासी मरे कोनी, पर उनकी देह बदल जावेगी। 52 अर यो पलभर म्ह, पलक झपकदे ए जिब आखरी तुरही फूक्की जावेगी तो मुर्दे सदा रहण खात्तर जिन्दा हो जावेंगे, अर जो जिन्दा सै उनकी देह सुर्गीय देह म्ह बदल जावेगी। 53 क्यूँके यो जरूरी सै, ताके म्हारी या नाशवान देह अविनाशी देह म्ह बदल जावे, अर या मरणहार देह कदे ना मरण आळी देह म्ह बदल जावे। 54 जिब इसा होवे सै, तो जो परमेसवर नै पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, वो पूरा हो जावेगा, “मौत पूरी तरियां तै हार जावेगी अर वजूद म्ह कोनी रहवेगी। 55 हे मौत, तेरी जीत कित्त रही? हे मौत, तेरा डंक कित्त रहया?” (Hādēs g86) 56 पाप वो डंक सै जो मौत नै लेके आवे सै, अर नियम-कायदे पाप नै शक्ति देवे सै। 57 पर परमेसवर का धन्यवाद हो, जो म्हारे प्रभु यीशु मसीह कै जरिये हमनै पाप अर मौत पै जयवन्त करे सै। 58 ज्यातै हे मेरे प्यारे भाईयो, मजबूत अर पक्के रहो, अर प्रभु के काम म्ह सारी हाण बढ़ते जाओ, क्यूँके थम जाणो सो के थारी मेहनत प्रभु म्ह बेकार नही सै।

16 इब यरुशलेम नगर म्ह परमेसवर के पवित्र माणसां के खात्तर कठ्टे करे गये उस चन्दे के बारे म्ह, जिसा हुकम मन्नै गलालिया परदेस की सारी कलीसियां ताहीं दिया, उसाए थम भी करो। 2 हफते के पैहलड़े दिन थारे म्ह तै हरेक, अपना आमदणी के मुताबिक कुछ धन अपने धोरे अलग धरो, ताके मेरे आण पै थमने चन्दा कट्टा करणा नही पड़े। 3 अर जिब मै ओड़े होऊंगा, तो उन माणसां ताहीं दान लेण खात्तर यरुशलेम भेज्जूंगा जिन ताहीं थमने भरोस्सेमंद समझा सै, मै उन बिश्वासियाँ के हाथ एक चिट्ठी भी भेज्जूंगा ताके ओड़े के बिश्वासी भी उन ताहीं जाण सके। 4 जै मेरा भी जाणा जरूरी होया, तो वे मेरे गेल्या जावेंगे। 5 पर मन्नै पैहले मकिदुनिया परदेस जाणा सै, फेर मै मकिदुनिया परदेस तै होके थारे थारे आऊंगा। 6 पर हो सके सै, के थारे धोरे ए लम्बे बखत ताहीं ठेहर जाऊं, अर पूरा जाइ थारे धोरे रहूं, फेर जिस सफर पै मन्नै जाणा हो उसपै थम मन्नै भेज दियो। 7 जै या परमेसवर की इच्छा सै, तो मै थारे धोरे बाद म्ह, घणे दिनां खात्तर आऊंगा, बजाए इसके के इब मै थोड़े दिनां खात्तर, थारे धोरे आऊं। 8 पर मै पिन्तेकुस्त त्यौहार तक इफिसुस नगर म्ह रहूंगा, 9 क्यूँके याड़े भोत सारे लोग सै, जो परमेसवर के वचन के बारे म्ह सुणाणा चाहवे सै, अर मेरा याड़े रहणा जरूरी सै, हालाकि याड़े मसीह के भोत बिरोधी सै। 10 जिब तीमुथियुस कुरिन्थुस नगर म्ह आ जावे सै, तो उसके गैल सम्मानपूर्वक बरताव करियो, क्यूँके वो मेरी तरियां प्रभु का काम करे सै। 11 ज्यातै कोए उसनै तुच्छ नही जाणे, पर जो सफर खात्तर जरूरी चीज सै उसनै दे दिओ, ताके वो मेरे धोरे आ जावे, क्यूँके मै उसकी बाट देक्वूं सू, के वो बिश्वासी भाईयाँ के गैल आवे। 12 बिश्वासी भाई अपुल्लोस तै मन्नै घणी बिनती करी सै, ताके वो थारे धोरे और दुसरे बिश्वासी भाईयाँ के गेल्या आ जावे, पर वो इस सफर के खात्तर तैयार कोनी, पर जिब सही बखत होगा तो वो थारे

धरै आ जावैगा। 13 चौक्कस रहो, बिश्वास म्ह डटे रहो, निडर बणे रहों, बिश्वास म्ह मजबूत बणो। 14 जो किमे करो सो प्यार तै करो। 15 हे बिश्वासी भाईयो, थम स्तिफनास के कुणबे नै जाणो सो के वे अखाया परदेस के पैहले बिश्वासी सै, अर पवित्र माणसां की सेवा कै खात्तर त्यार रहवें सै। 16 ज्यांतै मै थारे तै बिनती करूं सूं, के इस्यां कै अधीन रहो, बल्के हरेक के जो इस काम म्ह कड़ी मेहनती करै सै, अर जो सच्ची भगति के साथ सेवा करै सै। 17 मै स्तिफनास अर फूरतूनातुस अर अखड्कुस कै आण तै राज्जी सूं, क्यंके वो मेरी मदद करण लागरे सै, जो थम न्ही कर पाए। 18 उननै मेरी अर थारी आत्मा ताहीं चैन दिया सै, इस करके इसे माणसां का आदर करो। 19 आसिया की कलीसियाओं की ओड़ तै थारे ताहीं नमस्कार, अक्विला अर उसकी घरआळी, प्रिसकिल्ला का अर उनके घर की कलीसिया का भी, थारे ताहीं प्रभु म्ह दिल तै नमस्कार। 20 सारे बिश्वासी भाईयाँ का थारे ताहीं नमस्कार। आप्पस म्ह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलकै प्यार तै नमस्कार करो। 21 मुझ पौलुस का थारे ताहीं अपणे हाथ तै यो नमस्कार लिखूं सूं। 22 जै कोए प्रभु तै प्यार न्ही राक्खै तो वो श्रापित होवै। हे म्हारे प्रभु आ! 23 प्रभु यीशु का अनुग्रह थारे पै होन्दा रहवै। 24 मै उन सारया तै प्यार करूं सूं, जिनका मसीह यीशु के साथ रिश्ता सै। आमीन।

2 कुरिन्थियों

1 या चिट्ठी पौलुस अर म्हारे बिश्वासी भाई तीमुथियुस की ओड़ तै सै, मै पौलुस परमेसवर की इच्छा तै मसीह यीशु का प्रेरित सूं, उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस नगर म्ह सै; अर साब्त अखाया परदेस के सारे पवित्र माणसां के नाम। 2 हम प्रार्थना करा सां, के पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिलदी रहवै। 3 म्हारे प्रभु यीशु मसीह के पिता अर परमेसवर का धन्यवाद होवै, जो दया का पिता, अर जो हमेशा तसल्ली देवै सै। 4 परमेसवर म्हारे सारे दुखां म्ह तसल्ली देवै सै, ताके हम उस तसल्ली के कारण जो परमेसवर म्हारे ताहीं देवै सै, उन ताहीं भी तसल्ली दे सका, जो इस तरियां के दुखां म्ह हो। 5 क्यूँके जिस तरियां मसीह म्ह हमने घणे दुख होवै सै, उस्से तरियां ए मसीह के जरिये हमने घणी तसल्ली भी होवै सै। 6 जै हम दुख पावां सां, तो या थारी तसल्ली अर उद्धार के खात्तर, क्यूँके परमेसवर म्हारे ताहीं तसल्ली देवै सै, तो वो थमने भी तसल्ली देगा ताके थम धीरज के गेल्या उन दुखां ताहीं सह लेओ सो, जिन नै हम भी सहवां सां। 7 अर म्हारी आस थारे बारे म्ह पक्की सै, क्यूँके हमने बेरा सै, के थम जिस तरियां तै म्हारे दुखां म्ह साइझी सां, उस्से तरियां तै थम म्हारी तसल्ली म्ह भी साइझी सां। 8 हे बिश्वासी भाईयो, हम चाहवां सां, के थम म्हारे उन दुखां नै जाणो, जो आसिया परदेस म्ह म्हारे पै पड्या, हम इसे भारया बोझ तै दबगे थे, वो बोझ म्हारे सहण तै बाहर था, उरै ताहीं के हमने जिन्दा रहण की आस छोड़ दी थी। 9 बल्के हमने अपणे मन म्ह समझ लिया था, के म्हारे ताहीं मार दिया जावैगा, अर हम अपणे-आप पै भरोस्सा ना राखवां, बल्के परमेसवर पै भरोस्सा राखवां, जो मरे होया नै जिन्दा करे सै। 10 उस्से नै म्हारे ताहीं इसी बड्डी मुसीबत तै बचाया, अर बचावैगा, अर उसपै हमने भरोस्सा सै, अर वो आगमै भी म्हारे ताहीं बचान्दा रहवैगा। 11 जिस तरियां थम प्रार्थना कै जरिये म्हारी मदद करो सां, उन आशीषां के खात्तर जो भोत सारे माणसां की प्रार्थना की बजह तै हमने मिली सै, उसके कारण भोत-से माणस म्हारी ओड़ तै परमेसवर का धन्यवाद करे सै। 12 क्यूँके म्हारी अन्तरात्मा शुद्ध होण के कारण हम घमण्ड करा सां, अर दुनिया म्ह अर खास करके थारे बिच्चाळे, म्हारा चाल-चलण जो परमेसवर की ओड़ तै सै, वो पवित्रता अर सच्चाई सुधा था, ना के दुनियावी ज्ञान तै, पर परमेसवर कै अनुग्रह के साथ था। 13 क्यूँके मन्ने अपणी चिट्ठियाँ म्ह हमेशा साफ-साफ लिख्या सै, ताके जिन थम उन चिट्ठियाँ नै पढ़ों तो आसानी तै समझ सकों, पर इब भी थम उन ताहीं ठीक तै नही समझ पाते, मन्ने आस सै के एक दिन जिन प्रभु यीशु बोहड़ के आवैगा, तो थम इन ताहीं पूरी तरियां समझ ल्योगे। तब हम थारे गर्व का कारण बणागे, अर थम भी म्हारे खात्तर गर्व का कारण बणागे। 15 मन्ने भरोस्सा सै, के थम मेरी बात्तां नै पूरी तरियां तै समझगे सां, इस करके मै पैहल्या थारे धारे आणा चाहूँ था, ताके मेरे दुबारा आण तै थमने दुगणी आशीष मिलै। 16 मेरी योजना या थी, के मै थारे धारे तै होके मकिदुनिया परदेस म्ह जाऊँ, अर दुबारा मकिदुनिया परदेस तै थारे धारे आऊँ; अर मै उम्मीद करूँ सूं, के थम मन्ने यहूदिया परदेस के सफर खात्तर जरूरत की चीज देके मेरी मदद करोगे। 17 थम मेरे तै पूछ सकों सां, के मन्ने अपणी योजना क्यूँ बदली। थम के सोच्यों सां, के मन्ने या योजना लापरवाही तै बणाई, या फेर मै दुनिया के माणसां की तरियां सूं? जिनके जुबान पै तो हौं हो सै, अर मन म्ह ना हो सै। 18 जिंसा परमेसवर बिश्वास जोगगा सै, उस्से तरियां म्हारी बात भी बिश्वास जोगगी सै। 19 क्यूँके परमेसवर का बेटा यीशु मसीह जिसका म्हारे जरिये यानिके म्हारे अर सिलवानुस अर तीमुथियुस के जरिये थारे बिचाळै प्रचार होया, उस मसीह यीशु म्ह “हाँ” अर “ना” दोन्नु नही हो सकदे। पर उस म्ह “हाँ” ए “हाँ” होई। 20 क्यूँके परमेसवर के सारे वादे मसीह यीशु म्ह पूरे होए सै। ज्यांतै हम आमीन बोल्ला सां यानी “हाँ”, ताके म्हारे जरिये परमेसवर की महिमा होवै। 21 परमेसवर ए सै, जो हमने

थारे गेल्या मसीह म्ह मजबूत करै सै, परमेसवर नै म्हारे पै अपणी मोहर लगाके बयाने के रूप म्ह अपणा पवित्र आत्मा म्हारे मन म्ह बसाके म्हारे ताहीं चुण्या सै। 23 परमेसवर मेरी इस सच्चाई का गवाह सै के मै दुबारा कुरिन्थुस नगर म्ह ज्यांतै कोनी आया, के मै थमने दुख देणा कोनी चाहूँ था। 24 इसका मतलब यो कोनी के हम बिश्वास के बारे म्ह थारे पै हक जताणा चाहवां सां; पर थारे आनन्द म्ह साइझी सां, क्यूँके थम बिश्वास ए तै डटे रहो सो।

2 मन्ने अपणे मन म्ह न्यू ठान लिया था, के दुबारा थारे धारे ओड़े आके थमने दुख ना देऊँ। 2 क्यूँके जै मै थमने उदास करूँ, तो थारे अलावा मन्ने आनन्द देण आळा कोए कोनी रह्या, सिर्फ थमे सां, जिस ताहीं मन्ने उदास करया। 3 अर मन्ने याए बात थारे तै ज्यांतै लिक्खी के कदे इसा ना हो के मेरे आण पै, जिनते मन्ने आनन्द मिलणा चाहिये, मै उनते उदास होऊँ; क्यूँके थम सारया पै मन्ने इस बात का भरोस्सा सै, के जो मेरा आनन्द सै, वोए थम सारया का भी सै। 4 बडे क्लेश अर दुखी मन तै मन्ने घणेए आँसू बहा-बहाके थारे ताहीं चिट्ठी लिखी, ज्यांतै नही के थम उदास होवो पर ज्यांतै के थम उस घणे प्यार नै जाण ल्यो, जो मन्ने थारे तै सै। 5 अर जै किसे नै उदास करया सै, तो मेरे ताहीं ए नही बल्के थोड़ा-थोड़ा थारे सारया ताहीं उदास करया सै, अर मै उसकी गलतियों के बारे म्ह इसतै ज्यादा कुछ और नही कहणा चाहन्दा। 6 इसे माणस के खात्तर या सजा जो सारे बिश्वासी भाईयाँ नै उस ताहीं देई सै, वा भतेरी सै। 7 ज्यांतै इसतै भला यो सै, के उसका अपराध माफ करो अर उस ताहीं उत्साहित करो, इसा ना हो के वो माणस घणी उदासी म्ह डूब जावै। 8 इस कारण मै थारे तै बिनती करूँ सूं के उस ताहीं अपणे प्यार का सबूत द्यो। 9 क्यूँके मन्ने यो ज्यांतै भी लिख्या था के थमने परख लूँ, के थम मेरी सारी बात्तां नै मानण नै त्यार सो के नही। 10 जिस ताहीं थम किसे बाबत माफ करो सो, उस ताहीं मै भी माफ करूँ सूँ, क्यूँके जिस बात के बारे मन्ने उस ताहीं माफ करया सै, जै वो सच म्ह माफी लायक था, तो मन्ने मसीह ताहीं हाजिर जाणके उस ताहीं थारे खात्तर माफ करया सै। 11 ताके शैतान का म्हारे पै दाँव ना चाल्लै। क्यूँके हम उसके बुरे इराद्यां तै अनजाण कोनी। 12 जिन मै मसीह का सुसमाचार सुणाण नै त्रोआस नगर म्ह आया, अर प्रभु नै मेरे ताहीं वचन सुणाण खात्तर एक राह खोल दिया। 13 अपणे बिश्वासी भाई तीतुस ताहीं ओड़े ना पाके, मेरे मन नै चैन कोनी मिल्या, ज्यांतै बिश्वासी भाईयाँ तै बिदा होके मै मकिदुनिया परदेस म्ह बोहड़ ग्या। 14 पर परमेसवर का धन्यवाद हो, जो मसीह के साथ म्हारी संगति होण के कारण हमने जीत के उत्सव म्ह लिये फिरे सै, इब परमेसवर म्हारे ताहीं खसबूदार इत्र की ढाळ मसीह का ज्ञान फैलाण खात्तर हरेक जगहां इस्तमाल करै सै। 15 हम परमेसवर के खात्तर मसीह के जरिये, जळाई गई उस थूप की खस्बू की ढाळ सां, जो उद्धार पाण आळे अर नाश होण आळे दोनुआ के खात्तर सै, यो परमेसवर का सुसमाचार सै, अर सारे माणसां धारे फैल्लण लागरया सै। 16 कितन्याँ के खात्तर तो मरण के कारण मोत की गन्ध, अर कितन्याँ के खात्तर जिन्दगी के कारण जिन्दगी की खस्बू सां। कोए भी माणस इस काम नै नही कर सकता। 17 हम उन बरगे कोनी जो परमेसवर के वचन नै पईसा खात्तर प्रचार करे सै; पर यो जाण सां के परमेसवर नै म्हारे ताहीं भेज्या सै अर मन की सच्चाई तै हम उसका वचन आज्ञाकारिता अर मसीह अधिकार तै सुणावां सां, यो जाणके के परमेसवर म्हारे ताहीं देखे सै।

3 के हम दुबारा अपणी बड़ाई करण लागे? या हमने और माणसां की ढाळ सिफारिश की चिट्ठियाँ थारे धारे ल्याण की या थारे तै लेण की जरूरत सै? 2 थम म्हारे खात्तर एक चिट्ठी की ढाळ सां, जो म्हारे खात्तर सिफारिश करै सै, अर म्हारे दिलां पै लिक्खी होई सै, उस ताहीं सारे माणस पढ़ सके, अर म्हारे भले काम्मां नै पिच्छण सके। 3 यो तो साफ दिक्खे सै के थम मसीह की चिट्ठी के समान सां, जो मसीह की ओड़ तै सै, जो म्हारी

सेवकाई का फल है, अर जो स्याही तै पत्थर की पटियाँ पै न्ही, पर जिन्दे परमेसवर की आत्मा तै दिल की मांस रूपी पटियाँ पै लिक्खी सै। 4 हम इस करके कहवां सां, के हम मसीह के जरिये परमेसवर पै भरोस्सा करा सां। 5 हम यो न्ही कहन्दे के म्हारी कुछ करण की काबलियत खुद तै सै, पर वो काबलियत परमेसवर की ओड़ तै सै। 6 जिसनै म्हारे ताहीं नये करार के सेवक होण कै लायक भी बणाया, मूसा के नियम-कायदा के सेवक न्ही, बल्के पवित्र आत्मा के सेवक सां; क्यूँके मूसा के नियम-कायदे ना मानण तै मौत आवे सै, पर पवित्र आत्मा जिन्दगी देवे सै। 7 मूसा नबी के नियम-कायदे जो पत्थर की पटियाँ पै लिखे गये थे, तब परमेसवर की महिमा ओड़े जाहिर होई थी, उस कारण भौत बखत ताहीं इस्राएल के माणस मूसा नबी का चेहरा भी कोनी देखण पाए थे, क्यूँके उसका चेहरा तेजोमय था, उसके चेहरे का तेज ज्यादा बखत ताहीं कोनी रह सका, इस करके मूसा नबी ताहीं जो नियम-कायदे दिए गये थे, वे मौत नै लेके आवे थे। तो पवित्र आत्मा का काम जो नये करार के मुताबिक सै, वो और भी तेजोमय होवेगा। 9 क्यूँके जब माणसां नै कसूरवार बणाण आळा पुराणा करार तेजोमय था, तो जो माणसां नै धर्मा बणाण आळा नया करार सै और भी तेजोमय होवेगा। 10 अर जो तेज पुराणे करार तै आवे था, उसका तेज जो इब नये करार तै आवे सै, उसके आगे कुछ भी कोनी। 11 क्यूँके जो तेज मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह था, जब वो जो घटदा जावै था, तोभी वो तेजोमय था, तो उस नये करार का तेज जो स्थिर सै, वो और भी तेजोमय होवेगा। 12 ज्यांतै इसी आस राखके हम हिम्मत कै गेल्या बोल्लां सां। 13 हम मूसा नबी की ढाळ न्ही, जिसनै अपने मुँह पै पड़दा गेरया था। ताके इस्राएली माणस उस घटनाओले तेज के अन्त नै ना देख पावै। 14 पर इस्राएल के माणसां की अकल खराब होगी, क्यूँके आज ताहीं पुराणा नियम पढ़ते बखत उनके दिलां पै वोए पड़दा पड्या रहवै सै, पर वो पड़दा मसीह पै बिश्वास करण ते ए उठ जावै सै। 15 आज ताहीं जब कदे भी मूसा नबी की किताब पढ़ी जावै सै, तो उन ताहीं पूरी तरियां समझ म्ह कोनी आन्दी। 16 पर जब कदे वो यीशु मसीह पै बिश्वास करैंगे, तो वो पड़दा उठ जावैगा। 17 प्रभु तो आत्मा सै: अर जित्त किते परमेसवर का आत्मा सै, ओड़े नियम-कायदे तै आजादी सै। 18 हम परमेसवर की महिमा इस तरियां देखवां सां, जिस तरियां शीशे म्ह अपना मुँह, उस मुँह के आगे पड़दा कोनी, परमेसवर आत्मा सै। अर वो हमनै अपने तेजस्वी स्वरूप म्ह थोड़ा-थोड़ा करके बदलता जावां सै।

4 ज्यांतै जब म्हारे पै इसी दया होई के हमनै या परमेसवर के वचन प्रचार करण की सेवा मिली, तो हम हिम्मत न्ही हारते। 2 हमनै शर्मनाक अर गुप्त काम्मां ताहीं छोड़ दिया, अर ना चतुराई करते, अर ना परमेसवर कै वचन नै तोड़-मरोड़ के पेश करा सां। पर परमेसवर के वचन की सच्चाई नै माणसां के स्याम्ही जाहिर करां सां, ताके हरेक माणस परमेसवर के स्याम्ही या गवाही दे सके सै, के यो सच सै। 3 पर जै म्हारे सुसमाचार नै कोए समझ न्ही पावै, तो यो नाश होण आळा ए कै खातर गुप्त सै। 4 इस दुनिया के ईश्वर शतान नै उन अबिश्वासियाँ की अकल ताहीं, आँधी कर दिया सै, ताके उस चाँदणे नै जो मसीह के तेजोमय सुसमाचार तै आवे सै, उस ताहीं देख ना सकै। जो दिखवावै सै के परमेसवर किसा सै। (aiōn g165) 5 क्यूँके हम खुद नै न्ही, पर मसीह यीशु नै प्रचार करा सां, के मसीह यीशु ए प्रभु सै। अर अपने बारे म्ह न्यू कहवां सां, के हम यीशु कै कारण थारे सेवक सां। 6 ज्यांतै के परमेसवर नै कह्ला, “अन्धकार म्ह तै चाँदणा चमके,” अर परमेसवर म्हारे दिलां म्ह चाँदणा की तरियां समझ दे, ताके हम परमेसवर की महिमा नै समझ सका, जो यीशु मसीह म्ह सै। 7 हम माट्टी के बासणा की तरियां सां, जिस म्ह धन भरया सै, या घणगी सामर्थ्य म्हारी न्ही, बल्के परमेसवर की सै। 8 हम चौरन्दे तै कळेथ तो भोग्गां सां, पर संकट म्ह न्ही पड़दे, म्हारे धौरे उपाय तो कोनी, पर निराश न्ही होन्दे। 9 सताए तो जावां सां, पर छोड़े न्ही जान्दे; गिराए तो जावां सां, पर नाश न्ही होन्दे। 10 हम हर बखत मौत के खतरे म्ह रहवां सां, जिस तरियां यीशु म्हारे खातर मरया गया,

ताके हम दुसरे माणसां नै म्हारे उन काम्मां के जरिये दिखा सका के यीशु म्हारे म्ह बसे सै। 11 क्यूँके हम जिन्दे जी सारी हाण यीशु के कारण मौत खतरे म्ह रहवां सां, ताके मसीह यीशु का जीवन म्हारी मरण आळी देह म्ह जाहिर होवै। 12 इस करके हम मौत के खतरे म्ह रहवां सां, इसका नतिज्जा यो होगा के थमनै अनन्त जीवन मिलेगा। 13 पर हम तो प्रचार करते रहवांगे क्यूँके म्हारा बिश्वास उस भजनकार की ढाळ सै, जिसनै भजन संहिता म्ह कह्ला, “मै परमेसवर पै बिश्वास करूँ सूं,” इस खातर बोल्लू सूं। 14 इस करके हमनै बेरा सै के जिसनै प्रभु यीशु ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, वोए परमेसवर हमनै भी यीशु म्ह जिन्दा करेगा, अर थारे गेल्या हमनै भी अपनी मौजूदगी म्ह ले जावेगा। 15 क्यूँके सारे दुख हमनै सहे, ताके भौत सारे लोग जाण सकै के परमेसवर कितना करुणामय सै, अर परमेसवर की महिमा कै खातर ज्यादा तै ज्यादा लोग उसका धन्यवाद करै। 16 ज्यांतै हम हिम्मत न्ही हारते; हालाके म्हारी देह नाश होन्दी जावै सै, तोभी म्हारी अन्तरात्मा हर रोज नई होन्दी जावै सै। 17 क्यूँके म्हारी मौजूदा परेशानियाँ भौत छोट्टी सै, अर वो लम्बे बखत ताहीं कोनी रहवैगी। क्यूँके ये अनन्त महिमा का कारण बणोगी, जो म्हारे सोचण तै भी बड़ी सै। (aiōnios g166) 18 अर हम तो देख्खी होई चिज्जां ताहीं न्ही पर अनदेख्खी चिज्जां नै देखदे रहवां सां; क्यूँके देख्खी होई चीज माडे-से दिन की सै, पर अनदेख्खी चीज सारी हाण बणी रहवै सै। (aiōnios g166)

5 क्यूँके हमनै बेरा सै के पलभर का शारीरिक देह सरीखा घर जो हमनै मिल्या सै, जो नाश करया जावेगा, तो हमनै परमेसवर के कान्ही तै सुर्ग पै एक इसा घर मिलेगा, जो हाथ्थां तै बण्या होया न्ही, पर सारी हाण खातर टिकाऊ सै। (aiōnios g166) 2 इस देह म्ह तो हम कराहवा अर बड्डी लालसा राख्वां सां, ताके अपने सुर्गीय देह नै पैहर ल्या 3 क्यूँके सुर्गीय देह पैहरण तै हम उघाड़े न्ही पाए जावेंगे। 4 अर हम शारीरिक देह सरीखे घर म्ह रहन्दे होए बोझ तै दबे रोन्दे-पिटते रहवां सां, क्यूँके हम इसनै छोड़णा न्ही चाहन्दे, पर हम चाहवां सां के परमेसवर हमनै सुर्गीय देह देवे, ताके शारीरिक देह नाश होण के बाद हमनै अनन्त राज्य म्ह सुर्गीय देह मिल जावै। 5 जिसनै म्हारे ताहीं जिस सुर्गीय देह कै खातर त्पार करया सै, वो परमेसवर सै, जिसनै म्हारे ताहीं ब्याने म्ह पवित्र आत्मा भी दिया सै। 6 आखर म्ह हम सारी हाण होसला राख्वां सां, अर या जाणां सां के जब ताहीं हम देह म्ह रहवां सां, तब तक प्रभु के सुर्ग तै न्यारे सां, जो सुर्ग म्ह सै। 7 हम प्रभु यीशु पै बिश्वास करण तै जिवां सां, ना के उस ताहीं देखखण तै। 8 ज्यांतै हम होसला राख्वां सां, अर हम मरण के बाद, देह तै न्यारे होके प्रभु कै गेल्या रहणा हम और भी घणा बढ़िया समझां सां। 9 इस कारण म्हारे मन की इच्छा या सै, चाहे हम सुर्ग म्ह परमेसवर के गैल रहवां, या धरती पै रहवां, पर हम उसनै भान्दे रहवां। 10 क्यूँके जरूरी सै के हम सब मसीह कै न्याय आसन के स्याम्ही खड़े होवां, ताके हरेक माणस अपने-अपणे आच्छे-भुन्ड़े काम्मां का बदला पावै, जो उसनै शारीरिक देह कै जरिये करे सै। 11 ज्यांतै प्रभु का भय मानके हम माणसां ताहीं न्यू समझावां सां, के वे इस सच्चाई पै बिश्वास करै, अर परमेसवर जाण सै के हम कौण सां, अर मैं उम्मीद करूँ सूं, के थम भी अपनी अन्तरात्मा म्ह हमनै आच्छी तरियां जान ल्यो। 12 हम फेर भी अपनी बड़ाई थारे स्याम्ही कोनी करदे, बल्के हम अपने बारे म्ह थारे ताहीं गर्व करण का मौक्का देवां सां, के थम उननै जवाब दे सको, जो अपने मन की बजाये बाहरी रूप पै घमण्ड करे सै। 13 जै कोए कहवै के हम पागल सां, तो परमेसवर कै खातर, अर जै श्याणे सा तो थारे खातर सां। 14 क्यूँके मसीह का प्यार हमनै मजबूर कर देवै सै। ज्यांतै के हम न्यू समझां सां, के जब एक माणस सारया कै खातर मरया तो सारे माणस मरगे। 15 अर मसीह इस कारण सारे माणसां खातर मरया ताके जो जिन्दे सै, वे आगे तै अपने खातर न्ही जीवै, पर मसीह कै खातर जीवै, जो उनके खातर मरया अर दुबारा जिन्दा होगया। 16 इस करके इब हमनै माणसां ताहीं दुनियावी नजरिये तै देखणा छोड़ दिया सै। हालाके एक बखत था, जब हमनै मसीह

ताही भी दुनियावी नजरिये तै देखा था, पर इब न्ही, क्यूँके इब हम उस ताहीं जाणगे सां। 17 जै कोए मसीह म्ह विश्वास करे सै, तो वो नयीं जिन्दगी पा लेवै सै। पुराणा सुभाव चल्या जावै सै, अर नया सुभाव आ जावै सै। 18 ये सारी बात परमेसवर की ओड़ तै सै, जिसनै मसीह कै जरिये अपणे गेल्या म्हारा मेळ-मिलाप कर लिया सै, अर मेळ-मिलाप की सेवकाई का काम म्हारै ताहीं सौंप दिया सै। 19 यानिके परमेसवर नै मसीह म्ह होके अपणे गेल्या दुनिया का मेळ-मिलाप कर लिया, अर माणसां के पापां का दोष उनपै न्ही लाया, अर याए बात मेळ-मिलाप का सन्देस सै, जो परमेसवर नै म्हारै ताहीं सौंप दिया सै। 20 ज्यांतै, हम मसीह के राजदूत सां। परमेसवर म्हारै जरिये माणसां तै बिनती करण लाग रहया सै। हम मसीह की ओड़ तै थारे तै बिनती करा सां, के परमेसवर के गेल्या मेळ-मिलाप कर ल्यो। 21 मसीह जो पाप तै अनजाण था, उससे ताहीं परमेसवर नै म्हारै खात्तर पापी ठहराया, ताके हम परमेसवर की नजर म्ह धर्मा बण जावां, क्यूँके यीशु मसीह नै म्हारे पापां का दण्ड अपणे उप्पर ले लिया।

6 हम जो परमेसवर के गैल काम करणीये सां, या बिनती करां सां, के उसका अनुग्रह जो थारे पै होया, उसनै बेकार ना जाण द्यो। 2 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह परमेसवर नै कहा सै, “सही बखत पै मन्ने तेरी सुण ली, अर उद्धार के दिन मन्ने तेरी मदद करी।” सुणो, इब्बे वो सही बखत सै; अर आज ए वो उद्धार का दिन सै। 3 हम परमेसवर के गैल काम करणीया के कारण, हम किसे बात म्ह ठोक्कर खाण का कोए भी मौक्का कोनी देन्दे, ताके म्हारी सेवा पै कोए दोष ना आवै। 4 इस करके हम सारे हालातां म्ह खुद ताहीं परमेसवर के सच्चे सेवक के समान पेश करां सां, जिसा थीरज तै दुख सहण म्ह, गरीबी म्ह, हर बखत संकट सहण म्ह, 5 अर कोड़े खाण म्ह, कैद होण म्ह, रोळे-रब्दयां म्ह, मेहनत म्ह, जागदे रहण म्ह, ब्रत करण म्ह, 6 पवित्रता म्ह, ज्ञान म्ह, थीरज म्ह, करुणा तै, पवित्र आत्मा तै, 7 सच्चे प्यार म्ह, सच के वचन म्ह, परमेसवर की सामर्थ्य म्ह, हम धार्मिकता के हथियारां नै सोळे हाथ तै लड़ण खात्तर अर ओळे नै बचाव खात्तर इस्तमाल करां सां। 8 जिव माणस हमनै आच्छे या बुरे माणस कहवै, जिव वे म्हारी बड़ाई करै या अर बेजती करै, तो हम भकाण आळे जिसे लागगा सां, तोभी सच्चे सां। 9 कई माणस हमनै अनजाणा के बरगे समझै सै, तोभी हम मशहुर सां, मरे होए बरगे दिक्कां सां पर देखखो जिन्दे सां, मार खाण आळा के बरगे सां पर जी तै कोनी मारे जान्दे। 10 म्हारा पै भी दुख का बखत आवै सै, पर हम सारी हाण आनन्दित रहवां सां, हम खुद तो कंगालां की तरियां सां, पर घणखरयां नै आत्मिक रूप तै साहूकार बणा देवां सां, हम इसे सा जिस ढाळ म्हारै धोरै किमे कोनी, तोभी सारा किमे सै, येए सारी बात हमनै परमेसवर का सच्चा सेवक बणण म्ह मदद करै सै। 11 हे कुरिन्थियों नगर के बिश्वासीयां, हमनै खुलके थारे तै बात करी सै, हम पूरे मन तै थारे तै प्यार करां सां। 12 म्हारै मन म्ह थारे खात्तर प्यार कम न्ही होन्दा, पर थारा प्यार म्हारै खात्तर कम होग्या। 13 पर मै अपणे बाळक जाणके थारे तै कहूँ सूं, के थम भी उसके बदले पूरे मन तै म्हारे तै प्यार करो। 14 अबिश्वासियां के गैल साझीदार ना बणो, क्यूँके धार्मिकता अर अधर्म का मेलजोल कोनी। या चाँदणे अर अन्धकार की संगति कोनी होन्दी। 15 अर मसीह का शैतान कै गैल कोए रिश्ता कोनी होन्दा, या बिश्वासी कै गेल्या अबिश्वासी का कोए नात्ता कोनी। 16 अर परमेसवर के मन्दर म्ह मूर्तियां का काम कोनी। क्यूँके हम तो जिन्दे परमेसवर के मन्दर सां, जिसा परमेसवर नै पवित्र ग्रन्थ म्ह कहा, “मै अपणे माणसां के गैल रहूँगा, अर उन म्ह हान्डया-फिरया करूँगा, अर मै उनका परमेसवर होऊँगा, अर वे मेरे माणस होवेंगे।” 17 ज्यांतै प्रभु अपणे वचनां के जरिये कहवै सै, “उन माणसां के बिचाळै तै लिक्डो जो परमेसवर ताहीं न्ही मानते, अर न्यारे रहो, अर अशुद्ध चिज्जां तै कोए रिश्ता ना राक्खों, तो मै थमनै अपनाऊँगा। 18 अर मै थारा पिता होऊँगा, अर थम मेरे बेटे अर बेटियां होओगे। यो सर्वशक्तिमान प्रभु का वचन सै।”

7 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, जिव हमनै वो वादा मिल्या सै, ताके हम परमेसवर की उल्लाद कुहवां, तो आओ, हम अपना देह अर आत्मा नै गंदा करण आळे सारे बुरे काम छोड़ द्या, अर परमेसवर का भय मानते होए पूरी रीति तै अपणे-आपनै पवित्र करण की कोशिश करां। 2 थम म्हारे तै पूरे मन तै प्यार करो। हमनै ना किसे पै जुल्म करया, ना किसे गैल अन्याय करया, अर ना किसे ताहीं ठग्या सै। 3 मै थमनै कसूरवार ठहराण कै खात्तर न्यू न्ही कहन्दा। क्यूँके मै पैहल्याए तै कह चुक्या सूं, के हम थारे ताहीं पूरे मन तै प्यार करां सां, अर हम थारे गेल्या जीण-मरण कै खात्तर भी त्यार सां। 4 मै थारे तै घणे बिश्वास कै गेल्या बोल्लण लागरया सूं, मन्ने थारे पै घणा गर्व सै, मै बड़ा उत्साहित सूं। अपणे सारे कळेस म्ह, मै आनन्द तै घणा भरपूर रहूँ सूं। 5 त्रोआस नगर तै जिव हम मकिदुनिया परदेस म्ह आये, फेर भी म्हारी देह नै चैन कोनी मिल्या, पर हम चौगरदे तै कळेस पावां थे, बाहरणै लड़ाई-झगड़े थे, म्हारे मन म्ह डरावणी बात थी। 6 तोभी दुखियां ताहीं तसल्ली देणआळे परमेसवर नै तीतुस कै आण तै म्हारे ताहीं उत्साहित करया। 7 ना सिर्फ उसके आण तै, पर उस उत्साह के जरिये भी, जो तीतुस नै थारे म्ह पाया, उसनै थारी लालसा, थारे दुख, अर मेरे खात्तर थारी धुन की खबर म्हारे ताहीं सुणायी, जिसतै मन्ने और भी खुशी होई। 8 मै पसताऊ कोनी, के मन्ने थारे ताहीं चिट्ठी लिखीं, हालाकि मन्ने अपना चिट्ठी तै थारे ताहीं दुखी करया, मै पैहल्या तो पछताया, जिव मन्ने देख्या के थम मेरी चिट्ठी तै थोड़े बखत खात्तर तो उदास होए सां। 9 पर इब मै खुश सूं, ज्यांतै न्ही के मन्ने थारे ताहीं दुख पोंहचाया, बल्के ज्यांतै के थमनै उस दुख के कारण पाप करणा छोड़ दिया, क्यूँके थम दुखी थे, जिसा परमेसवर चाहवै था, के म्हारी ओड़ तै थमनै किसे बात का नुकसान ना पोहोचै। 10 क्यूँके परमेसवर की ओड़ तै मिलण आळा दुख, पापां नै छोड़ण का कारण बणे सै, जिसका नतिज्जा छुटकारा सै, उस तरियां के दुख का पछतावा कोनी होन्दा। पर दुनिया तै मिलण आळा दुख अनन्त मौत का कारण बणे सै। 11 इस करके सुणो, परमेसवर की ओड़ तै मिलण आळे दुख तै थम कितने गुणवाण बण गये, थारे म्ह कितना उत्साह, जबाबदारी, रिस, भय, लालसा, धुन अर बदला लेण का विचार छोड़णा, थमनै सारी तरियां तै न्यू साबित कर दिया सै, के थमनै इन सारी बात्तां म्ह कोए कमी कोनी छोड्डी। 12 फेर मन्ने पैहले जो थारे थारे वो चिट्ठी लिखी थी, वा ना तो उसके कारण लिखी, जिसनै नाइसाफी करी, अर ना उसके कारण जिसके साथ नाइसाफी करी गई, पर ज्यांतै के थारा जोश जो म्हारे खात्तर सै, वो परमेसवर के स्याम्ही थारे पै जाहिर हो जावै। 13 ज्यांतै हमनै तसल्ली मिली, म्हारी तसल्ली तो तीतुस की खुशी के कारण सै, म्हारे ताहीं और भी घणी खुशी होई क्यूँके उसका मन थारे कारण और भी ज्यादा खुशमिसाज होग्या सै। 14 क्यूँके जै मन्ने उसके स्याम्ही थारे बारे म्ह कुछ गर्व दिखाया, तो मै शर्मिन्दा कोनी होया, पर जिसा हमनै थारे तै सारी बात सच-सच कह दी थी, उससे तरियां ए म्हारा गर्व दिखाणा तीतुस के स्याम्ही भी सच्चा लिक्डया। 15 जिव तीतुस ताहीं थम सारया के आज्ञाकारी होण की बात याद आवै सै, अर किस ढाळ थम डरदे अर काम्बदे होए उसतै मिले, तो उसका प्यार थारे खात्तर और भी बधता जावै सै। 16 मन्ने घणी खुशी हो सै, क्यूँके मन्ने हरेक बात म्ह थारे पै पूरा भरोसा सै।

8 इब हे बिश्वासी भाईयो, हम थमनै परमेसवर के उस अनुग्रह की खबर देवां सां, जो मकिदुनिया परदेस की कलीसिया के बिश्वासियां पै होया सै। 2 उनकी परख बड़ी मुसीबतां म्ह होवै सै, अर घणी गरीब होण पै भी खुशी अर खुल्ले दिल तै दुसरे बिश्वासियां की मदद करी। 3 उनके बारे म्ह मेरी या गवाही सै, के उननै जितना दे सकै थे दिया, बल्के उसतै भी ज्यादा बढ़के दिया। 4 उननै भोत ज्यादा बिनती करी के यो दान उन बिश्वासी भाईयां म्ह बाट्या जावै जो यरुशलेम नगर म्ह सै। 5 उननै म्हारी सोच तै भी बढ़के करया, उननै पैहल्या काम यो करया, के उननै अपणे-आप ताहीं परमेसवर के खात्तर अर फेर म्हारे खात्तर अपणे-आप ताहीं भी दे दिया, जिसा के परमेसवर चाहवै था के वो इसा करै। 6 ज्यांतै हमनै तीतुस तै बिनती करी,

के जिस तरियां उसने पैहल्या डस दान देण के काम की शुरुआत करी थी, उससे तरियां ए वो इस सराहनीय काम ताहीं थारे बिचाळे पूरा भी करे ले। 7 ज्यांतै जिंसा थम हरेक बात म्ह यानिके बिश्वास, वचन प्रचार करण म्ह, ज्ञान अर सारी ढाळ की कोशिश म्ह, अर उस प्यार म्ह जो म्हारे तै करो सो, बढ़दे जाओ सो, उससे तरियां ए गरीब बिश्वासियाँ खात्तर दान देण म्ह भी बढ़ते जाओ। 8 मै थमनै कोए हुकम कोनी देंदा, मै सिर्फ बाकियाँ के उत्साह तै थारे प्यार की सच्चाई नै परखण लागरया सूं। 9 थम म्हारे प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह नै जाणो सो, के वो धनी होके भी थारे खात्तर कंगाल बण गया, ताके उसके कंगाल हो जाण तै थम धनी हो जाओ। 10 पिच्छली साल थमनै दान दिया बल्के दान देण की इच्छा म्ह आम्गै भी थे, इस बारे म्ह मै थमनै एक सलाह देणा चाहूँ सूं, के दान देण का सब तै बढ़िया तरिकका के से? 11 जो काम थमनै शुरु करया सै, उस ताहीं पूरा भी करो। इस काम के खतम होण तक, इसे तरियां उत्साहित बणे रहें, जिंसा तरियां उसकी योजना तैयार करते बखत थे। इस काम नै अपनी पूंजी अर काबलियत के मुताबिक पूरा भी करो, जो इस बखत थारे धोरे सै। 12 जै किसे की दान देण की इच्छा हो, तो जो कुछ उसके धोरे सै, उससे के मुताबिक उसका दान लिया जावेगा, ना के उसके मुताबिक तो उसके धोरे कोनी। 13 म्हारा मतलब सिर्फ सब के दुसरया की भलाई करण तै थम खुद दुख सहो, म्हारा मकसद सिर्फ सब के साथ एके जिंसा बरताव करो। 14 इस बखत तो थारी बढ़ोतरी उनकी जरूरत पूरी करण के खात्तर भोत सै, कदे यो भी हो सके सै, के थमनै खुद नै जरूरत पड़े अर वे अपनी बढ़ोतरी म्ह तै थारी मदद करै फेर दोन्नु पक्ष बरोबर हो जावेंगे। 15 जिंसा के पवित्र ग्रंथ म्ह लिख्या सै, “जिसनै घणा कट्टा करया उसने कुछ भी घणा न्ही पाया। अर जिसनै घाट कट्टा करया उसनै कुछ कमी कोनी होई।” 16 परमेसवर का धन्यवाद होवे, जिसनै थारे खात्तर वाए चिंता तीतुस के मन म्ह दे दी। 17 जिब हमनै उस ताहीं थारे धोरे आण खात्तर बिनती करी, तो उसने म्हारी बिनती मान ली, अर घणा उत्साहित होके वो अपनी मर्जी तै थारे धोरे चल्या गया। 18 हमनै उसके गेल्या उस बिश्वासी भाई ताहीं भी भेज्या सै, जिसका नाम सुसमाचार फैलाण के बारे म्ह सारी कलीसिया म्ह फैल्या होया सै। 19 अर इतणाए न्ही, पर वो कलीसिया के माणसां के जरिये ठहराया भी गया, ताके इस दान के काम के खात्तर म्हारे गेल्या जावै। हम दान देण की या सेवा यरुशलेम के बिश्वासियाँ ताहीं ज्यांतै करा सां के प्रभु की महिमा अर सेवा करण म्ह म्हारे मन की तयारी जाहिर हो जावै। 20 हम इस बात म्ह चौकस रहवां सां के खुल्ले दिल तै दान देण की सेवा के इस काम के बारे म्ह जो हम करां सां, कोए म्हारे पै दोष ना लाण पावै। 21 क्यूँके जो बात सिर्फ प्रभु ए के स्याम्ही न्ही, पर माणसां के स्याम्ही भी भली सै हम उननै आच्छी तरियां तै करां सां। 22 हमनै उसके गेल्या अपने एक और बिश्वासी भाई ताहीं भी भेज्या सै, जिंसा ताहीं हमनै बार-बार परख के घणा बातं म्ह हौसलै आळा पाया सै; पर इब थारे पै उसने घणा भरोस्सा सै, इस कारण वो और भी घणा हौसलै आळा सै। 23 जै कोए तीतुस के बारे म्ह बुझे, तो वो मेरा मित्र अर थारे खात्तर मेरे गैल काम करणीया सै, अर जै कोए म्हारे बिश्वासी भाईयाँ के बारे म्ह बुझे, तो वे कलीसियाओं के भेज्जे होए अर मसीह नै महिमा देण आळे सै। 24 इस करके कलीसियाओं के बिश्वासियाँ स्याम्ही अपने प्यार नै जाहिर करण के जरिये साबित करो, के म्हारा थारे बारे म्ह गर्व करणा साच्या सै।

9 मन्ने इब उन पवित्र माणसां नै जो यरुशलेम म्ह रहवै सै, उन ताहीं दान देण की सेवकाई के बारे म्ह लिखण की जरूरत कोनी। 2 क्यूँके मदद करण की थारी मन की लालसा नै मै पैहले तै ए जाणू सूं, जिसके कारण मै थारे बारे म्ह मकिदुनिया कलीसिया के बिश्वासी भाईयाँ के स्याम्ही गर्व करूँ सूं, के थम अखाया परदेस के माणस एक साल पैहल्या तै दान देण खात्तर तयार थे, अर थारे जोश नै घणखरे मकिदुनिया परदेस के बिश्वासियाँ ताहीं भी दान देण खात्तर उत्साहित करया सै। 3 पर मै थारे धोरे तीतुस अर दो बिश्वासी भाईयाँ नै भेज्जू सूं, के हमनै जो गर्व थारे बारे म्ह दिखाया, वो

इस बात म्ह बेकार ना ठहरे; पर जिंसा मन्ने कह्या उसाए थम यरुशलेम के बिश्वासी भाईयाँ नै दान देण खात्तर तयार रहो। 4 इसा ना हो के जिब मकिदुनिया के कुछ बिश्वासी भाई मेरे गेल्या आवै अर वो थमनै दान देण खात्तर तयार न्ही पावै, तो हो सके सै, के हम थारे पै भरोस्से करण के कारण शर्मिन्दा होवां, पर थम म्हारे तै भी ज्यादा शर्मिन्दा होओगे। 5 ज्यांतै मन्ने बिश्वासी भाईयाँ तै या बिनती करणा जरूरी समझया के वे पैहल्या तै थारे धोरे जावै, अर जो दान देण का वादा थमनै करया था, उसका इन्तजाम कर ल्यो, जो थमनै कंजूसी तै न्ही पर खुल्ले दिल तै देण खात्तर कह्या। 6 पर बात या सै, जो थोड़ा-सा बोवै सै, वो थोड़ा-सा काट्टा भी, अर जो घणा बोवै सै, वो घणा काट्टा। 7 हरेक माणस जिंसा मन म्ह सोचवै उसाए दान करे, ना कुढ़-कुढ़ के अर मन म्ह दाब तै, क्यूँके परमेसवर राज्जी होके देण आळे तै प्यार करै सै। 8 परमेसवर इस योग्य सै, के वो थारे ताहीं भोत-ए घणा अनुग्रह दे, ताके सब कुछ थमनै हर बात म्ह हर बखत पर्याप्त मात्रा म्ह मिलता रहवै, अर हरेक भले काम के खात्तर थारे धोरे भोत घणा होवै। 9 जिंसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “परमेसवर जरूरतमांदां नै खुल्ले दिल तै देवे सै, उसकी धार्मिकता सारी हाण बणी रहवै सै।” (aiōn g165) 10 परमेसवर ए सै जो किसानां नै बीज अर खाण खात्तर रोटी देवै सै। इस तरियां परमेसवर हमेशा थारे खात्तर धन देवेगा, ताके थम उन माणसां की मदद कर सकों जिंसा ताहीं धन की जरूरत सै। 11 थम हरेक तरियां तै आशीष पाओ, ताके थम खुल्ले दिल तै दे सकों, अर जिब थारा दान गरीब माणसां म्ह बाट्या जावै तो वे सारे परमेसवर का धन्यवाद करै। 12 क्यूँके इस दान की सेवकाई तै ना सिर्फ पवित्र माणसां की जरूरत पूरी होवै सै, पर भोत-से लोग भी दिल तै परमेसवर का धन्यवाद करै सै। 13 क्यूँके इस दान की सेवकाई नै सबूत मानके, वे परमेसवर की महिमा करेंगे, क्यूँके थमनै मसीह के सुसमाचार के हुकम नै मानके उस ताहीं अपनाया सै, अर गरीब बिश्वासियाँ की मदद खुल्ले दिल तै करी सै। 14 अर वे थारे खात्तर परमेसवर तै प्रार्थना करै सै। वे थारे तै प्यार करै सै, क्यूँके वे जाणै सै, के परमेसवर नै थारे पै बड़ा अनुग्रह करया सै। 15 परमेसवर का उसके उस दान के खात्तर धन्यवाद हो। जिंसा ताहीं हम ब्यान न्ही कर सकदे।

10 मै पौलुस, थारे ताहीं मसीह की दयालुता अर नम्रता के साथ बिनती करूँ सूं, हालाके मन्ने अहसास सै के थमनै इसा लागै सै, के आम्ने-साम्ने बात करण म्ह डरपोक सूं, अर सिर्फ चिट्ठी लिखके शिक्षा देण म्ह ए साहसी सूं। 2 मै थारे तै या बिनती करूँ सूं, के जिब मै थारे धोरे आऊँ तो मन्ने उन माणसां तै कड़ाई तै बात ना करणी पड़े, जो ये सोचवै सै के हम दुनियावी तौर तरिककां के मुताबिक चाल्लण आळे सां। 3 हालाके हम इस दुनिया म्ह रहवां सां, पर हम इस दुनिया के बाकी माणसां की ढाळ लड़दे-झगड़ते कोनी। 4 हम इन्सानी विचारां अर झूठी बहसबाजी नै नाश करण खात्तर दुनियावी हथियारां का न्ही पर परमेसवर के ताकतवर हथियारां का इस्तमाल करां सां। 5 हम इन्सानी बहस-बाजी की बजह तै आण आळी हरेक रुकावट नै दूर कर देवां सां, जो माणसां नै परमेसवर तै दूर राखवै सै, हम उनकी बिद्रोही भावना नै कैद करके मसीह का आज्ञाकारी बणा देवां सां, 6 अर जिब वे पूरी रीति तै मसीह के हुकम नै मानण आळे बण जावै सै, तो हम मसीह यीशु के हुकम नै ना मानण आळा ताहीं दण्ड देवां सां। 7 थम बहरी दिखावट पै ध्यान देओ सां। जै किसे माणस नै खुद पै यो भरोस्सा हो के वो मसीह यीशु का सै, तो वो यो भी जाण ले के जिंसा वो मसीह यीशु का सै, उससे तरियां हम भी मसीह यीशु के सां। 8 क्यूँके जै मै उस हक के बारे म्ह और भी गर्व करूँ, जो प्रभु नै थारे बिश्वास ताहीं घटाण खात्तर न्ही पर थारे बिश्वास नै बढ़ाण खात्तर म्हारे ताहीं दिया सै, तो मै शर्मिन्दा न्ही होऊँगा। 9 मै अपनी चिट्ठियाँ के जरिये थमनै डराण की कोशिश न्ही करदा। 10 क्यूँके थारे म्ह तै कई माणस कहवै सै, “की मेरी सारी चिट्ठी तो भोत कठोर अर अस्तरदार सै; पर जिब मै आम्ने-साम्ने मिलु सूं, तो मै कमजोर अर बोल्लण म्ह बेकार लागू सूं।” 11 जो इसा कहवै सै, वो न्यू समझ लवै के जिंसा पीठ

पाच्छे चिद्विषयों मह म्हारे सन्देस सै, उसरे तरियां ए थारे स्याम्ही म्हारे काम भी होवेंगे। 12 क्यूँके म्हारे मह या हिम्मत कोनी के हम अपने-आपने उन मह गिण्या अर मिलावां, जो अपनी बड़ाई खुद करै सै, अर अपने-आप ताहीं आपस मह नाप-तौलके एक-दुसरे तै बरोबरी करके बेकूफ ठहरावै सै। 13 हम तो उस काम की हद तै बाहरणै घमण्ड कदे भी न्ही करारों, जो काम परमेसवर नै म्हारे ताहीं दिया सै, पर उससे हद तक जो परमेसवर नै म्हारे खात्तर ठहरा दी सै, अर उस मह थम भी आगे सो, अर उन कामां की हद मह ए घमण्ड करारों। 14 जब हम पैहली बार थारे धोरै पोहचे तो हम घमण्ड करण मह उस हद नै न्ही लांचे जित्त परमेसवर नै म्हारे ताहीं काम करण खात्तर ठहराया था। उसनै म्हारे ताहीं थारे इलाके मह काम करण खात्तर ठहराया था, अर हम थारे ताहीं मसीह का सुसमाचार सुणाण आळे पैहले माणस सां। 15 अर हम हद तै बाहरणै दुसरयां की मेहनत पै घमण्ड न्ही करदे; पर हमनै आस सै के ज्यों-ज्यों थारा विश्वास बधता जावैगा त्यों-त्यों हम अपनी हद के मुताबिक थारे कारण और भी माणसां ताहीं मसीह का सुसमाचार सुणा पावोंगे। 16 ताके हम थारी इलाके की हद तै परे दूर-दूर जगहां मह भी माणसां ताहीं सुसमाचार सुणावां, अर न्यू न्ही के हम दुसरयां की हद के भीत्तर बणे बणाए कामां पै घमण्ड करा। 17 पर जिसा के पवित्र ग्रन्थ मह लिखा सै, जै कोए घमण्ड करे, तो वो न्ही, पर जिसकी बड़ाई प्रभु करै सै, वोए प्रभु की निगांह मह सही कुहावै सै।

11 थम उन माणसां की सह ल्यो सों जो अपनी खुद की बड़ाई करते रहवै सै, इस करके मै सोचूँ सुं, के थम मेरी भी सह ल्योणे जै मै थोड़ा सां बेकुफां के जिसा बरताव करूँ, हाँ, मेरी सह भी ल्यो सो। 2 क्यूँके मै थारे तै प्यार करूँ सुं, अर थारा ख्याल भी राखूँ सुं, जिसा परमेसवर राखे सै। थम एक पवित्र कुवारी के समान सों, जिसकी सगाई मन्ने सिर्फ मसीह यीशु तै करण की, अर उससे ताहीं सौंपण का वादा करया सै। 3 पर मै डरूँ सुं के जिस तरियां तै सौंप नै अपनी श्याणपत तै पैहली बिरबानी हवा ताहीं भकाया, उससे तरियां ए थारे मन उस सीधार् अर पवित्रता तै जो मसीह के साथ चालण तै आवै सै, उसतै कदे बहक न्ही जाओ। 4 जै कोए थारे धोरै आके किसे दुसरे यीशु का प्रचार करै, जिसका प्रचार हमनै न्ही करया; या कोए और आत्मा थमनै मिलै, जै पैहल्या ना मिला था; या और कोए सुसमाचार सुणावै, जिस ताहीं थमनै पैहल्या न्ही मान्या था, तो थम इसनै खुशी तै स्वीकार कर लेते। 5 मै तो समझूँ सुं के मै किसे बात मह बड़े तै बड़े प्रेरितां तै घाट न्ही सुं। 6 जै मै बोल्लण मै अनाड़ी सुं, तोभी मन्ने सुसमाचार अर मसीह का ज्ञान सै। मन्ने थारे ताहीं जो भी ज्ञान सिखाया सै, वो ज्ञान मन्ने थारे ताहीं साबित करके दिखाया सै। 7 इस करके मन्ने थारे खात्तर परमेसवर के सुसमाचार का प्रचार मुफ्त मह करया, के थारे ताहीं ऊँच्या करण के मकसद तै मेरा खुद ताहीं नरम बणा लेणा मेरा अपराध था? 8 मन्ने दुसरी कलीसिया तै दान कछा करया, ताके मै हर कीमत पै थारी मदद कर सकूँ, थम इस ताहीं चोरी करणा ना कहों। 9 अर जब मै थारे गेल्या था, अर मेरे ताहीं पईसा की कमी होई, तो मन्ने किसे पै बोझ न्ही गेरया, क्यूँके बिश्वासी भाईयां नै मकिदुनिया परदेस तै आके मेरी जरूरत नै पूरा करया, अर मन्ने हरेक बात मह अपने-आप ताहीं थारे पै बोझ बणण तै रोक्का, अर रोक्के रहूँगा। 10 जै मसीह की सच्चाई मेरे मह सै, तो अखाया परदेस मह कोए मन्ने इस घमण्ड तै न्ही रोक्केगा। 11 मन्ने थारे तै पईसा न्ही लिया, क्यूँके इस खात्तर न्ही, के मै थारे तै प्यार कोनी करदा? परमेसवर नै न्यू बेरा सै, के मै थारे तै प्यार करूँ सुं। 12 मै थारे तै आर्थिक मदद कोनी ल्यु, ताके मै उन माणसां नै घमण्ड करण तै रोक सकूँ, जो या कहवै सै के हम भी परमेसवर की सेवा करां सां, जिसी थम करो सों। 13 क्यूँके इसे माणस झुठे प्रेरित, अर छळ तै काम करण आळे सै, अर मसीह के प्रेरित होण का झुठ्ठा दावा करै सै। 14 या किमे अचम्भे की बात कोनी क्यूँके शैतान खुद भी ज्योतिर्मय सुगंदूत का रूप धारण करै सै। 15 इस करके जै

उसके सेवक भी धर्म के सेवकां का सा रूप धरे, तो कोए बड़ी बात कोनी, पर उनका अन्त उनके कामां के मुताबिक होवेगा। 16 मै फेर कर्हूँ सुं के, कोए मन्ने बेकूफ ना समझै, न्ही तो बेकूफ ए सोचके मेरी सह ल्यो, ताके माडा-सा मै भी घमण्ड कर सकूँ। 17 बेडखड कहे होडी मेरी बात प्रभु की ओड़ तै कोनी, ये तो एक बेकूफ की घमण्ड मह कहे होडी बात सै। 18 जब के घणखरे माणस तो अपने दुनियावी जीवन पै घमण्ड करै सै, तो मै भी घमण्ड करूँगा। 19 थम तो श्याणे होके खुशी तै बेकूफ की सह लेओ सों। 20 क्यूँके जब थमने कोए गुलाम बणा लेवै सै, या जो भी थारे धोरै सै सब ले लेवै सै, या फँसा लेवै सै, या अपने-आपने बड़ड़ा बणावै सै, या थारे मुँह पै थप्पड़ मारे सै, तो थम सह लेओ सो। 21 के थम न्यू सीच्छों सों, के मन्ने शर्मिन्दा होणा पड़ेगा क्यूँके मन्ने यो काम कोनी करया। पर जिस किसे बात मह कोए हिम्मत करै सै, मै बेकूफी तै कर्हूँ सुं, तो मै भी हिम्मत करूँ सुं। 22 के वे इब्राही सै? मै भी इब्राही सुं। के वे इस्राएली सै? मै भी इस्राएली सुं। के वे अब्राहम के वंशज सै? मै भी अब्राहम का वंशज सुं। 23 के वैए मसीह के सेवक सै--मै बेकूफ के तरियां कर्हूँ सुं--मै उनतै बाध सुं! मन्ने उनतै घण्णी मेहनत करी सै, उनतै घणा बार-बार कैदी बण्या सुं, अनगणित बार पिट्या गया सुं, कई बार मेरी जान संकट मह पड़ी। 24 पाँच बर मन्ने यहूदी अगुवां के हाथ तै उन्तालीस कोडे खाए। 25 तीन बर मन्ने बैत खाई; एक बर मेरे पै पत्थर बरसाए गये; तीन बर जहाज, जिसपै मै चढ़या था, टूट गए; एक दिन अर एक रात मन्ने समुन्दर मह काट्या। 26 बार-बार मन्ने सफर करणा पड्या। कदे नदियाँ के, कदे डाकुआं के, कदे अपने देशवासियाँ के, कदे नगरां के, जात आळा तै, कदे गैर यहूदियाँ तै, कदे जंगलां के कदे समुन्दरां के, कदे झुठे बिश्वासी भाईयाँ के बिचाळे जोखमां मह रहया। 27 मन्ने कई रात जाग के, भूख्खा-तिसाया रहके, जाड़े मह; उधाड़ा रह के, करड़ी मेहनत करी अर भोत सी मुसीबत सहण करी सै। 28 इन सारी मुसीबतां के अलावा रोज मेरे पै सारी कलीसियां की भलाई अर फिर्क का बोझ बण्या रहवै सै। 29 जब कोए कलीसियां मह कमजोर हो सै, तो मै अपने-आपनै कमजोर महसूस करूँ सुं, मै दुखी हो जाऊँ सुं, जब कोए किसे तै पाप करवावै सै। 30 जै घमण्ड करणा जरूरी सै, तो मै अपनी कमजोरी की बात्तां पै घमण्ड करूँगा। 31 परमेसवर, जो यीशु का पिता सै, वो सदा धन्य सै, वो जाणै सै के मै झूठ न्ही बोल्दा। (aiōn g165) 32 जब मै दमिश्क नगर मह था, तो अरितास राजा के राज्यपाल नै मेरे ताहीं कैदी बणाण के मकसद तै नगर मह पैहरा बिठा दिया था। 33 अर मै टोकरे मह बैठके खिड़की मह तै होके भीत पै तै तारया गया, अर उसके हाथ तै बच लिंकड़या।

12 ऊतो घमण्ड करणा मेरे खात्तर ठीक कोनी तोभी करणा पड़े सै; ज्यातै मै प्रभु के दिए होए दर्शनां अर प्रकाशनां का जिर्क करूँगा। 2 मै मसीह मह एक माणस नै जाणुं सुं; जिसनै चौदहा साल हो लिए, मै न्ही जाणदा के वो माणस देह मह था, या फेर आत्मा मह था, सिर्फ परमेसवर ए जाणै सै, इसा माणस सबतै ऊँच्ये सुर्ग मह ठा लिया गया। 3 मै उससे बात नै दोहराऊ सुं, मै न्ही जाणदा, के इसा होया था या फेर यो एक दर्शन था, परमेसवर ए जाणै सै। 4 के वो सुर्गलोक पै ठा लिया गया, अर ओड़े उसनै इसी अदभुत बात सुणी, जिनका जिल्क करणा किसे भी माणस के बस का कोनी, वे बात दुसरे माणसां ताहीं बताणा मना सै। 5 इसे माणस पै तो मै घमण्ड करूँगा, पर अपने पै अपनी कमजोरियाँ नै छोड़, अपने बारे मह घमण्ड न्ही करूँगा। 6 क्यूँके जै मै घमण्ड करणा चाहूँ भी तो बेकूफ न्ही बणुगाँ, क्यूँके सच बोल्लूँगा; मै अपनी बड़ाई न्ही करणा चाहन्दा, इसा ना होवे के जिसा कोए मन्ने देखे सै या मन्ने सुणे सै, मन्ने उसतै बाध समझै। 7 मेरे ताहीं परमेसवर नै जो अदभुत बात दिखाई सै, उन ताहीं देखके मै घमण्ड मह ना जाऊँ, इस करके मेरी देह मह काण्डा चुभाया, यानिके शैतान का एक दूत मेरे घुस्से मारे ताके मै फूल न्ही जाऊँ। 8 इसके बारे मह मन्ने प्रभु तै तीन बर बिनती करी के मेरे तै यो दूर हो जावै। 9 पर उसनै मेरे तै कहा, "मेरा अनुग्रह तेरे खात्तर भोत सै, क्यूँके मेरी सामर्थ कमजोरी मह

सिध्द होवै सै।” ज्यातै मे घणा राज्जी होके अपणी कमजोरी पै घमण्ड करुणा के मसीह की सामर्थ मेरे पै छाया कर दी रहवै। 10 इस कारण मै मसीह कै खातर कमजोरियाँ म्ह, अर बुराईयाँ म्ह, गरीबी म्ह, अर रोळयाँ म्ह, अर संकटां म्ह राज्जी सू; क्यूँके जिब मै कमजोर होऊँ सू, तभी मै मसीह की शक्ति म्ह मजबूत होऊँ सू। 11 मै बेकूफ तो बणया, पर थमनै ए मन्ने न्यू करण कै खातर मजबूर करया। थमनै तो मेरी बड़ाई करणी चाहिये थी, क्यूँके ऊतो मै किमे भी कोनी, तोभी उन बड्या तै बडे प्रेरितां तै किसे बात म्ह घाट कोनी सू। 12 सच्चे प्रेरित के लक्खण भी थारे बिचाले सारे ढाल के धीरज सुधा निशानां, अर अनोक्खे काम्मां, अर सामर्थ के काम्मां तै दिखाए गये। 13 थम कौण-सी बात म्ह दुसरी कलींसियां तै घाट थे, सिर्फ इस म्ह के मन्ने थारे पै आर्थिक बोझ कोनी गेरया। मेरा यो अपराध माफ करो। 14 देक्खो, मै तीसरी बार थारे धोरे आण नै त्यार सू, अर मै थारे तै कोए मदद नही ल्यूँगा, क्यूँके मै थारी सम्पत्ति नही बल्के थमनै ए चाहूँ सू। क्यूँके बाळकां नै माँ-बाप कै खातर धन कट्ठा नही करणा चाहिये, पर माँ-बाप नै बाळकां कै खातर धन कट्ठा करणा चाहिये। 15 थारी आत्मा के भले खातर मै पक्का अपणा सब कुछ खर्च करण खातर तैयार सू, बल्के आप भी खर्च हो जाऊँगा। मै थारे तै प्यार करूँ सू, पर थम मेरे तै भोत कम प्यार करो सों। 16 कुछ भी हो, मै थारे पै बोझ कोनी बणया। फेर भी कोए नै कोए मेरे पै यो दोष जरूर लगा सकै सै, के मन्ने श्याणपत तै थारे ताहीं धोक्खा देके फँसा लिया। 17 मन्ने ना ए तो तीतुस अर ना ए किसे और के जरिये अपणे खातर थारे तै पर्दे लिये। 18 मन्ने तीतुस ताहीं समझाके उसके गेल्या उस भाई ताहीं भेज्या। के तीतुस नै छळ करके थारे तै किमे लिया? के म्हारा सुभाव एक ए तरियां तै प्रेरित का नही था? के हम उनकी ए लीक पै नही चाल्ले? 19 थम इब भी योए समझरे सों, के हम थारे स्याम्ही बदले म्ह जवाब देण लागरे सां। हम तो परमेसवर नै हाजर जाणके मसीह म्ह बोल्लां सां, हे प्यारे विश्वासी भाईयो, हम ये सारी बात थमनै विश्वास म्ह मजबूत करण खातर कहां सां। 20 क्यूँके मन्ने इस बात का डर सै, कदे इसा ना हो के मै आके जिसा चाहूँ सू, उसाए थमनै पाऊँ; अर मन्ने भी जिसा नही चाहो सो उसाए पाओ; मन्ने इस बात का डर सै के ओड़े झगड़ा, जळण, छो, उदासी, बिरोध, चुगली, घमण्ड अर बखेड़े ना हों; 21 कदे इसा ना हो के जिब मै दुबारा आऊँ, तो मेरा परमेसवर मेरे ताहीं अपमानित करे। अर मन्ने घणखरयां खातर फेर दुखी होणा पड़े, जिन नै पैहल्या पाप करया था। अर भुन्डे काम अर जारी अर लुचपण के कारण पाप करणा नही छोड्या।

13 पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, के दो या तीन गवाहां के मुँह तै हरेक बात सच साबित हो जावै सै। जिब मै दुसरी बार थारे तै मिलण आया था, तो मन्ने उन माणसां ताहीं चेतावनी देई, जो पैहल्या तै पाप करण लागरे थे। इब मन्ने दुसरी बार चिट्ठी लिख के थारे ताहीं अर दुसरे बाकी माणसां तै भी चेतावनी देके कह्या के वे पाप ना करे। इब मै तीसरी बार थारे धोरे आण आळा सू, अर जै इब भी उन माणसां नै पाप करणा नही छोड्या सै, तो कोए भी उननै परमेसवर के दण्ड तै बचा नही पावैगा। 3 मन्ने थारे तै कह्या सै, के उन ताहीं दण्ड मिलैगा पर फेर थम सबूत चाहों सों, के ये बात मै मसीह के जरिये बोल्लू सू। अर जिब मसीह थारे ताहीं सुधारैगा तो थारे खातर कमजोर नही पर थारे बीच म्ह सामर्थी होगा। 4 वो कमजोर होते होए क्रूस पै चढ़ाया तो गया, तोभी परमेसवर की सामर्थ तै जिन्दा होया। हम भी तो मसीह के समान कमजोर सां, पर थारे खातर परमेसवर की सामर्थ तै हम उसके साथ जीवांगें। 5 अपणे-आप ताहीं परखो, के विश्वास म्ह सच्चे सां के नही। जै थम अपणे-आपनै सच्चा पाओ, तो थम इस बात नै जाण ल्योगे, के यीशु मसीह थारे म्ह वास करे सै। अर जै मसीह थारे म्ह वास नही करदा तो थम अपणे परखे जाण म्ह हारगे सों। 6 पर मेरी आस सै के थम या जाण ल्यो, के थम अपणे परखे जाण म्ह नही हारि। 7 भलाए थारे म्ह तै कईयाँ नै यो लागे सै के हम सच्चे प्रेरित कोनी। फेर भी हम अपणे परमेसवर तै या प्रार्थना करा सां के थम कोए बुराई ना करो, बल्के भलाई करो। 8 जै हम सच्चाई के बिरोध

म्ह हम कुछ भी नही कर सकदे। हम सच के पक्षधर ए रह सकां सै। 9 जिब हम कमजोर सां अर थम ठाड्डे सों, तो हम राज्जी होवां सां, अर या प्रार्थना भी करा सां, के थम विश्वास म्ह सिध्द हो जाओ। 10 इस करके मै थारे तै दूर रहके ये सारी बात लिखूँ सू, के ओड़े आण पै, मन्ने प्रभु के जरिये दिए गये हक तै मन्ने थारे ताहीं दण्ड देणा ना पड़े, क्यूँके मै इस हक ताहीं थारे विश्वास ताहीं मजबूत करण खातर इस्तमाल करणा चाहूँ सू, ना के थारे विश्वास नै कमजोर करण खातर। 11 हे विश्वासी भाईयो, आखर म्ह मै थारे तै कहणा चाहूँ सू, के आनन्दित रहों, सिध्द बणदे जाओ, अर एक-दुसरे नै उत्साहित करो, एक ए मन रहों, मिल-जुल के रहों। अर प्यार अर शान्ति का देण आळा परमेसवर थारे गेल्या होवैगा। 12 आपस म्ह एक-दुसरे तै गळे मिलके प्यार तै नमस्कार करो। 13 सारे पवित्र माणस थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। 14 प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह अर परमेसवर का प्यार अर पवित्र आत्मा का साइझापण थारे सारया के गैल होंदा रहवै।

गलातियों

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस की ओड़ तै सै, मै प्रेरित होण के खात्तर बुलाया गया सूं। मेरा प्रेरित होणा किसे माणस या माणसां की ओड़ तै न्ही बल्के यीशु मसीह के जरिये होया सै, जिस तर्हीं पिता परमेसवर नै मेरे होए म्ह तै जिवाया। 2 या चिट्ठी गलातिया परदेस की कलीसियाओं के खात्तर, उन सारे बिश्वासी भाईयाँ की ओड़ तै सै, जो मेरे गेल्या सै। 3 मै प्रार्थना करूँ सूं, के परमेसवर पिता अर म्हारे प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। 4 म्हारे परमेसवर अर पिता की मर्जी के मुताबिक मसीह यीशु नै अपणे-आप तर्हीं म्हारे पापां के कारण बलिदान कर दिया ताके हम आज की दुनिया के माणसां के बुरे असर तै बचे रहवां। (aiōn g165) 5 परमेसवर का गुणगान अर बड़ाई युगायुग होंदी रहवै। आमीन। (aiōn g165) 6 मन्ने अचम्भा होवै सै के परमेसवर नै थारे तर्हीं मसीह के अनुग्रह तै बुलाया उसतै थम इतनी तावळे भटक के अलग ए तरियां के सुसमाचार पै बिश्वास करण लागे। 7 सच्चा सुसमाचार एके सै, जो के मसीह का सै, पर बात या सै, के कुछ लोग इसे सै जो मसीह के सुसमाचार नै बदलना चाहवै सै, अर थमनै भरमाणा चाहवै सै। 8 पर जै म्हारे म्ह तै, या सुर्ग तै उतरया होया कोए सुर्गदूत भी उस सुसमाचार नै छोड़ जो हमनै थारे तर्हीं सुणाया सै, कोए अलग सुसमाचार थारे तर्हीं सुणावै, तो परमेसवर उस तर्हीं श्राप देगा। 9 जिसा हमनै पैहल्या कह्ला सै, उसाए मै इब फेर कहुँ सूं के उस सुसमाचार नै छोड़ जिस तर्हीं थमनै मान्या सै, जै कोए अलग सुसमाचार सुणावै सै, तो श्रापित हो। 10 मै माणसां नै खुश करण की कोशिश न्ही करदा, पर परमेसवर नै खुश करण की कोशिश करूँ सूं, जै मै इब लग माणसां नै खुश करदा रहन्दा तौ मसीह का दास न्ही होंदा। 11 हे बिश्वासी भाईयो, मै थमनै बता द्यु सूं, के जो सुसमाचार मन्ने सुणाया सै, वो माणस के जरिये बणाया गया कोन्या। 12 क्यूँके वो मन्ने मेरे पूर्वजां, की ओड़ तै न्ही पोंहच्या, अर ना माणसां के जरिये सिखाया गया, पर यीशु मसीह नै सुसमाचार समझण म्ह मेरी मदद करी। 13 थमनै सुणा होगा के यहूदी पंथ म्ह जो मेरा चाल-चलण था वो किसा था, मै परमेसवर की कलीसिया के बिश्वासियाँ तर्हीं घणा काल अर उन तर्हीं नाश करण की कोशिश करया करूँ था। 14 अर मै यहूदी मत म्ह अपणे पूर्वजां की शिक्षा का अध्दन करण अर उन तर्हीं मानण म्ह अपणे हम उग्र के यहूदियाँ म्ह भोत उत्सुक था। 15 पर परमेसवर की जिब इच्छा होई के वो मेरे पै अपणे बेटे नै जाहिर करै के मै गैर यहूदियाँ म्ह उसका सुसमाचार सुणाऊँ, उसनै मेरे तर्हीं मेरी माँ की कोख म्ह ए चुण लिया, अर अपणे अनुग्रह तै मेरे तर्हीं बुला लिया था। तो मन्ने किसे की राय कोनी ली, 17 अर ना यरुशलेम म्ह उनकै धोरे गया जो मेरे तै पैहल्या प्रेरित चुणे गये थे, पर जिब्बे अरब देश म्ह चल्या गया अर फेर ओड़ै तै दमिश्क नगर म्ह बोहड़ गया। 18 फेर तीन साल के पाच्छे मै पतरस जो प्रेरित सै उसतै मिलण खात्तर यरुशलेम गया, अर उसके धोरे पन्द्रह दिन तैई रह्ला। 19 पर मै प्रभु यीशु मसीह के भाई याकूब नै छोड़ और किसे प्रेरित तै न्ही मिल्या। 20 परमेसवर मेरा गवाह सै के मन्ने थारे तर्हीं जो लिख्या सै उस म्ह कुछ भी झूठ कोनी। 21 उन प्रेरितां के मिलण के बाद मै सीरिया अर किलिकिया के परदेसां म्ह आया। 22 पर यहूदिया परदेस की कलीसियां के बिश्वासी भाईयाँ नै जो मसीह म्ह बिश्वास करै थे, उननै मेरा मुँह कदे न्ही देख्या था, 23 पर न्यूप सुणया करै थे के एक बखत था जो हमनै सताण आळा था, इब वोए उस बिश्वास का सुसमाचार सुणावै सै जिसनै पैहल्या नाश करै था। 24 अर वे मेरे बारे म्ह परमेसवर की बड़ाई लगातार करै थे।

2 चौदहा साल के पाच्छे मै बरनबास के गेल्या फेर यरुशलेम नगर म्ह गया, अर तीतुस नै भी गेल्या लेग्या। 2 मै इस खात्तर ओड़ै गया क्यूँके परमेसवर नै मेरे तर्हीं ओड़ै जाण खात्तर कह्ला था, अर जिब मै ओड़ै था तो मै कलीसिया के अगुवां तै एकान्त म्ह मिला, अर उस सुसमाचार के बारे म्ह

उन तर्हीं बताया, जो मै गैर यहूदियाँ म्ह प्रचार करूँ सूं, ताके इसा ना हो के जो मन्ने पैहले अर जो इब भी करण लागरया सूं, उसका कोए नतिज्जा ना लिकड़ै। 3 पर तीतुस जो मेरा संगी साथी सै अर जो यूनानी सै, उसका कदे खतना कोनी होया पर कलीसिया के अगुवां नै जो यरुशलेम म्ह सै उस तर्हीं अपणालिया, अर उननै उस तर्हीं खतना करण खात्तर मजबूर कोनी करया। 4 तो या बात एक समस्या बणगी, उन झूठे भाईयाँ के कारण होया जो चोरी तै घुस आये थे, के उस आजादी का जो मसीह यीशु म्ह हमनै मिली सै, भेद लेके हमनै यहूदी नियम-कायदा के दुबारा तै दास बणा दे। 5 उनके साथ एक पल भी हमनै सहमत होणा न्ही चाह्ला, ताके थम सुसमाचार की सच्चाई के मुताबिक जिन्दगी जिओ। 6 उन कलीसिया के अगुवां तर्हीं जो यरुशलेम नगर म्ह थे, उननै मेरे तर्हीं मजबूर कोनी करया, के मै अपणे सन्देश नै बदलु, जो मै थमनै सिखाऊँ सूं। इसतै कोए फर्क कोनी पड़ता, के वो अगुवें मेरे खात्तर के सै, क्यूँके परमेसवर बाहरी रूप नै देखके न्याय न्ही करदा। 7 पर इसके उल्ट जिब उन अगुवां नै देख्या के परमेसवर नै पतरस तर्हीं हक दे राख्या सै, वो के यहूदी माणसां तर्हीं सुसमाचार सुणावै, उससे तरियां गैर यहूदियाँ के खात्तर मेरे तर्हीं भी सुसमाचार सुणाणा सौघ्या गया। 8 (क्यूँके जिसनै पतरस तै यहूदी माणसां म्ह प्रेरितार्दाई का काम बडे असरदार ढंग तै करवाया, उससे नै मेरे तै भी गैर यहूदियाँ म्ह असरदार काम करवाया), 9 जो लोग कलीसिया के खम्भे समझे जावै थे, यानी याकूब, पतरस, अर यूहाना, उननै अनुग्रह का वो वरदान पिच्छाणा जो मेरे तर्हीं मिला सै। उननै मेरे तर्हीं अर बरनबास तर्हीं अपणा साथी समझके म्हारे तर्हीं खास सहभागी बणा लिया। वे इस बात खात्तर सहमत होगे के हम गैर यहूदियाँ के धोरे जावै, अर वे यहूदियाँ के धोरे जावै। 10 उननै म्हारे तै सिर्फ याए बिनती करी के हम यरुशलेम के गरीब बिश्वासी भाईयाँ की मदद करां, अर इससे काम नै करण की मै खुद भी कोशिश करूँ था। 11 एक दिन जिब पतरस अन्ताकिया नगर म्ह आया, तो मन्ने बिश्वासी भाईयाँ के स्याम्ही उस तर्हीं फटकारा, क्यूँके जो वो काम करै था वो गलत था। 12 वो पैहले गैर यहूदियाँ के गैल खाया-पिया करै था, जिब कुछ बिश्वासी जो याकूब नै यरुशलेम नगर म्ह भेज्जे थे, तो उसनै अपणे-आप तर्हीं गैर यहूदियाँ तै अलग कर लिया, अर उनकै गैल खाणा-पीणा छोड़ दिया अर उसनै यहूदी माणसां के डरके मारे इसा करया, क्यूँके वे चाहवै थे, के गैर यहूदियाँ का भी खतना हो। 13 पतरस के गेल्या बाकी बचे यहूदी माणस भी उसके कपट म्ह शामिल होगे, अर उन म्ह बरनबास भी शामिल था। 14 पर जिब मन्ने देख्या के उनका सुभाव सुसमाचार की सच्चाई के मुताबिक कोनी, तो मन्ने सारे बिश्वासी भाईयाँ के स्याम्ही पतरस तै कहा, “जिब तू यहूदी होके गैर यहूदियाँ की तरियां चाल्लै सै अर यहूदी माणसां की तरियां कोनी चाल्ला, तो तू गैर यहूदियाँ नै यहूदी माणसां की तरियां चालण खात्तर क्यूँ कहवै सै।” 15 हम तो जन्म तै यहूदी सां, अर पापी गैर यहूदियाँ म्ह तै कोन्या। 16 हम यहूदी बिश्वासी यो जाणा सां, के माणस मूसा नबी के नियम-कायदा तै न्ही, पर यीशु मसीह पै बिश्वास करण के जरिये परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणै सै, इस खात्तर हमनै खुद भी प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करया, ताके हम नियम-कायदा तै न्ही, पर यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणा, क्यूँके के मूसा नबी के नियम-कायदा तै कोए माणस धर्मी न्ही बणैगा। 17 हम जो मसीह के जरिये परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणणा चांह्ला सां, बल्के इसके के हम मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानण के जरिये, तो कुछ यहूदी हमनै पापी समझे सै (क्यूँके इब हम यहूदी नियम-कायदा नै कोनी मानते) तो के इसका मतलब यीशु मसीह नै म्हारे तै पाप करवाया, न्ही बिलकुल न्ही। 18 पर मै सचमुच म्ह पाप करूँ सूं जै मै उन कामां नै करूँ सूं, जिन तर्हीं मन्ने छोड़ दिया था जिसा के माणस परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणणा चाहवै, मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण के जरिये। 19 मै जाणु सूं, के मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण तै मै धर्मी न्ही बण सकता, तो मै सोच्यु सूं, के मै नियम-कायदा के खात्तर मर जाऊँ ताके परमेसवर के खात्तर मै सदा जिन्दा रहूँ। 20 यो इसा सै, के मान्ने जिसा मै मसीह के गैल क्रूस पै

मारया गया, अर इब मै जिन्दा न्ही रह्वा, पर मसीह मेरे म्ह जीवै सै, अर इब जो मै जीण लागया सूँ, तो सिर्फ परमेसवर के बेटे पै बिश्वास करण के जरिये जिसने मेरे तै इतना प्यार करया के मेरे खातर अपनी जान दे दी। 21 मै परमेसवर के अनुग्रह नै बेकार न्ही बतान्दा, क्यूँके जै नियम-कायदे धार्मिकता का कारण होन्दे तो मसीह का जान देणा बेकार हो जान्दा।

3 हे बिना अकल के गलातिवासियो! किसनै थारे ताहीं बहका दिया सै? मन्ने थारे ताहीं समझाया सै के यीशु मसीह के क्रूस पै जान देण के जरिये उसनै के हासिल करया! 2 मेरे ताहीं एक बात बताओ के थमनै पवित्र आत्मा, मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण तै पाया था या बिश्वास की खबर तै जो हमनै थारे ताहीं सुनाई थी? 3 के थम इसे बेअकल के सों के थमनै नई जिन्दगी पवित्र आत्मा के जरिये शुरु करी पर इब थम अपनी जिन्दगी का अन्त अपनी ताकत तै करणा चाहो सों? 4 जिब थम बिश्वासी बणे तो थमनै भोत दुख ठाया, मै उम्मीद करूँ सूँ के थमनै बेकार म्ह ए वो दुख न्ही ठाया। 5 परमेसवर थमनै पवित्र आत्मा भरपूरी तै देवै सै, अर जो थारे म्ह सामर्थ के काम करै सै, के वो मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण तै या मसीह के सुसमाचार पै बिश्वास करण तै इसा करै सै? 6 अब्राहम के बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ या कहवै सै, “अब्राहम नै तो परमेसवर पै बिश्वास करया अर उसकी बजह तै परमेसवर नै उस ताहीं धर्मी बना दिया।” 7 तो यो जाण ल्यो के जो अब्राहम की तरियां बिश्वास करण आळे सै, वेए अब्राहम के वंशज कुह्लावैगें। 8 अर परमेसवर नै पवित्र ग्रन्थ म्ह पैहल्या तै ए यो कह्वा, के वो गैर यहूदियाँ नै बिश्वास के जरिये धर्मी बनावैगा, परमेसवर नै भोत पैहले तै ए अब्राहम ताहीं यो सुसमाचार सुणा दिया था, के “तेरे म्ह तै सारी जात आशीष पावैगीं।” 9 जितने मसीह पै बिश्वास करण आळे सै, वे अपने बिश्वास के कारण वोए आशीष पावैगें जो अब्राहम नै पाई थी। 10 इस करके जितने माणस मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानके परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणण की सोचवै सै, वे सारे परमेसवर की ओड़ तै श्रापित सै, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “वो श्रापित सै, क्यूँके कोए भी माणस हर पल नियम-कायदा की किताब म्ह लिखी होई सारी बात्तां नै निभा न्ही सकदा।” 11 पर या बात साफ सै, के मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण के जरिये परमेसवर की नजर म्ह कोए भी धर्मी न्ही बणदा, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के “जो मसीह पै बिश्वास करेगा, परमेसवर उसनै ए धर्मी बनावैगा।” 12 पर मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानके जीणा अर परमेसवर पै बिश्वास करके जीणा एक जिसा कोनी, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै पर “जो इन सारी बात्तां नै मान्गीगा, वो उनके कारण जिन्दा रहैगा।” 13 हम सारे परमेसवर के श्राप के लायक थे, क्यूँके हम उसके नियम-कायदा नै पूरी तरियां न्ही मानते, तोभी मसीह म्हारे ताहीं उस श्राप तै छुड़ावै सै, जो नियम-कायदा के जरिये आवै सै। जिब मसीह क्रूस पै मारया गया, तो उसनै अपने उप्पर वो श्राप ले लिया, जिसा के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, के “श्रापित सै वो जो क्रूस पै लटकया जावै सै।” 14 मसीह नै यो इस करके करया, ताके जिसका वादा परमेसवर नै अब्राहम तै करया था, वो आशीष मसीह यीशु पै बिश्वास करण तै गैर यहूदियाँ तक पोहच सके, अर हम मसीह म्ह बिश्वास के जरिये उस पवित्र आत्मा नै पा लेवां, जिसका देण का वादा उसनै म्हारे तै करया सै। 15 हे बिश्वासी भाईयो, मै रोज की जिन्दगी का उदाहरण देकै थमनै समझाऊँ सूँ, जिब दो आदमी कोए करार करै सै अर उस ताहीं पक्का करै सै, तो ना कोए उसनै घटा सके सै अर ना उस म्ह किमे बढ़ा सके सै। 16 इस तरियां परमेसवर नै वादा अब्राहम अर उसके वंश तै करया था। पवित्र ग्रन्थ न्यू कोनी कहवै, के तेरी “वंशानै नै,” जिसका मतलब भोत सारे माणस, पर यो एक माणस के बारे म्ह कहवै सै “तेरे वंश नै” अर वो मसीह सै। 17 मेरे कहण का मतलब यो सै, के परमेसवर नै अब्राहम के गैल करार करण के चार सौ तीस साल के बाद मूसा नबी के नियम-कायदे दिए, जो उस करार नै ना तो तोड़ पाए, अर ना उसके वादे नै टाळ पाए। 18 परमेसवर माणसां नै इस बजह तै आशीष कोनी देवै, के वे मूसा नबी के नियम-कायदा नै मान्ने,

बल्के वो इस करके देवै सै, क्यूँके इसका देण का परमेसवर नै वादा करया था, अर अब्राहम ताहीं भी ये आशीष इस करके मिली थी। 19 जिब फेर नियम-कायदे क्यूँ दिये गये? नियम-कायदे इस खातर दिए गये ताके लोग जाण सकै के पाप के सै। मूसा नबी के नियम-कायदे तब तक रहणे थे, जिब तक अब्राहम की पीढ़ी म्ह तै जिसका परमेसवर नै वादा करया था के वो आ ना जावै। मूसा नबी ताहीं नियम-कायदे सुर्गदूतां के जरिये दिए गये थे अर मूसा नबी लोगां के बीच एक बिचौलिया बणया। 20 परमेसवर नै अब्राहम तै वादा करया था इस करके बिचौलिया की जरूरत कोनी थी। 21 तो के मूसा नबी के नियम-कायदे परमेसवर के वादे के बिरोध म्ह सै? न्ही बिल्कुल न्ही! क्यूँके जै इसे नियम-कायदे सै, जो परमेसवर की नजर म्ह हमनै धर्मी बणावै, तो सदा का जीवन मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण तै हम पा सकां सां। 22 पर पवित्र ग्रन्थ हमनै बतावै सै के हम सब पापी सां, ताके परमेसवर उन माणसां नै जो यीशु मसीह पै बिश्वास करै सै वो दे सकै जिसका उसनै उसका वादा करया सै। 23 पर इसतै पैहल्या के लोग प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करै हम यहूदी कैद म्ह थे, नियम-कायदे म्हारी रुखाळी करै थे। हम कैद म्ह जिब ताहीं रहे जिब के मसीह कोण सै अर हम उस म्ह बिश्वास करते रहवां। 24 नियम-कायदे म्हारे ताहीं इस खातर दिए गये, ताके मसीह के आण तक वो म्हारी अगुवाई कर सके अर म्हारे ताहीं सम्भाळ सकै, ताके हम मसीह पै बिश्वास करण के जरिये परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणा। 25 जिब हमनै मसीह यीशु पै भरोस्सा करया सै तो नियम-कायदा की अगुवाई अर मदद की जरूरत कोनी। 26 थम सारे मसीह यीशु पै बिश्वास करण के कारण परमेसवर की ऊलाद सों। 27 अर थारे म्ह तै जितना नै मसीह के नाम म्ह बपतिस्मा लिया सै, उननै नई जिन्दगी पा ली सै। 28 इब मसीह म्ह यहूदी अर गैर यहूदी म्ह कोए फर्क न्ही रह्वा, अर ना नौक्कर ना आजाद म्ह, ना लोग अर लुगाई म्ह कोए फर्क रह्वा, क्यूँके थम सारे मसीह यीशु म्ह एक सों। 29 अर जै थम मसीह के सों तो अब्राहम के वंश अर वादे के मुताबिक वारिस भी सों।

4 मै थमनै एक उदाहरण देकै समझाऊँ सूँ, के बेटा पिता की सम्पत्ति का वारिस होगा, जिब ताहीं वो बाळक सै, वो एक दास की तरियां सै, इब ताहीं उसका सम्पत्ति पै कोए हक कोनी पर आण आळे बखत म्ह वो पिता की सम्पत्ति का मालिक होवैगा। 2 पर जिब ताहीं बेटे की सही उम्र न्ही हो अर सारी सम्पत्ति का मालिक ना बण जावै सै, वो रुखवाळियाँ अर भण्डारीयाँ के बस म्ह रहवै सै। 3 उससे तरियां जिब हम मसीह नै न्ही जाणा थे, तो दुनिया की रीति-रिवाजां अर नियम-कायदा के गुलाम थे। 4 पर जिब सही बखत आया तो परमेसवर नै अपना बेटा इस दुनिया म्ह भेज्या, अर एक बीरबानी नै उस ताहीं जन्म दिया, वो यहूदी माणसां म्ह पैदा होया अर उसनै मूसा के नियम-कायदा ताहीं मान्या। 5 ताके हमनै छुड़ाले जो हम मूसा नबी के नियम-कायदा के अधीन सां, अर हमनै उसकी ऊलाद होण का हक मिल्या। 6 इब थम उसकी ऊलाद सों, इस करके परमेसवर नै अपने बेटे की आत्मा नै म्हारे दिलां म्ह भेज्या सै, जो आत्मा परमेसवर ताहीं “हे अब्बा, हे पिता” कहके नै बुलावै सै। 7 इस करके तू इब नौक्कर कोनी, पर उसकी ऊलाद सै, अर परमेसवर वो सारी चीज थमनै देवैगा जिसनै उसका वादा थारे ताहीं देण का करया सै। 8 जिब थम परमेसवर नै न्ही जाणो थे तो उस बखत थम उसके गुलाम थे, जो असलियत म्ह परमेसवर सै ए कोनी। 9 इब थारा रिश्ता परमेसवर के गैल सै, उसनै म्हारे ताहीं अपना बेटा होण खातर बुलाया सै, तो उन कमजोर अर निकम्मी पुराणी शिक्षाओं के गुलाम बणण खातर क्यूँ उसकी ओड़ जाओ सों, के थम दुबारा उनके गुलाम होणा चाहो सों? 10 थम गैर यहूदी बिश्वासी लोग दिन, महिन्ना, सही बखत अर साल्लां नै मान्ने सों, जो मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक सै। 11 मै थारे बारे म्ह डरूँ सूँ, जो थम करो सों, कदे इसा ना हो के जो मेहनत मन्ने थारे खातर करी सै वा बेकार हो जावै। 12 हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे तै बिनती करूँ सूँ, के अपने-आपनै मूसा नबी के नियम-कायदा तै आजाद करो, क्यूँके

मै भी मूसा नबी के नियम-कायदा ते आजाद होग्या सूं, जिस तरियां थम गैर यहूदी होण ते नियम-कायदा ते आजाद हो, थमने मेरे साथ बुरा बरताव न्ही करया। 13 थमने याद होगा के मन्ने पैहलम पहल देह की बीमारी के कारण थारे ताहीं सुसमाचार सुणाया। 14 मेरी बीमारी थारे खात्तर मुसीबत थी, फेर भी थमने ना तो मेरे ते नफरत करी, अर ना ए मेरे ताहीं तुच्छ जाणया, पर परमेसवर के सुराद्दत बल्के खुद मसीह यीशु के समान मेरे ताहीं अपणाया 15 थम खुश थे, पर इब थारी खुशी कित्त गई? मै थारा गवाह सूं के थम मेरे खात्तर सब कुछ कुरबान कर सको थे, बल्के अपणी आँख भी लिकाड़के मन्ने दे देन्दे। 16 तो के थारे ते सच बोलण के कारण मै थारा बैरी बणग्या सूं? 17 वे थमने अपणे पक्ष म्ह करणा तो चाहवे सै, पर भले मकसद ते न्ही, बल्के उनका मतलब तो थारे ताहीं मेरे ते थ्यारा पाड़ना सै ताके थम उनके ए चेल्लें बण जाओ। 18 सदा ए आच्छे मकसद के खात्तर उत्साही होणा आच्छा सै अर सिर्फ उससे बखत न्ही, जिब मै थारे गेल्या हूँ सूं। 19 हे मेरे बाळकों, जिस तरियां एक औरत बच्चा होण के बखत जो दर्द सहवे सै उससे तरियां मै भी थारे खात्तर दर्द सहू सूं मै जिब ताहीं दर्द म्ह रहूँगा जिब ताहीं थम मसीह म्ह सिध्द ना हो जाओ। 20 जी तो इसा करै सै, के इस बखत मै थारे थोरे होन्दा अर प्यार ते थारे ताहीं समझान्दा, क्यूँके मेरी समझ म्ह कोनी आन्दा के मै थमने के कहूँ। 21 थम जो मूसा नबी के नियम-कायदा के अधीन होणा चाहवे सों, मेरी बात्तां प ध्यान द्यो, मै बताऊँ सूं के मूसा नबी के नियम-कायदा की किताब म्ह के लिख्या सै? 22 पवित्र ग्रन्थ म्ह यो लिख्या सै, के अब्राहम कै दो छोरे होए, उसका एक छोरा हाजिरा नाम की नौकराणी ते पैदा होया अर दुसरा सारा ते पैदा होया जो उसकी ब्याहता थी। 23 पर जो नौकराणी ते पैदा होया था वो एक साधारण बच्चा था जो शरीर की इच्छा ते पैदा होया, अर जो उसकी ब्याहता बीरबानी ते पैदा होया, वो परमेसवर के वादे के मुताबिक पैदा होया जो उसने अब्राहम ते करया था। 24 इन बात्तां ते हमने या सीख मिले सै, ये बीरबानी मान्ने दो करार सै। करार जो परमेसवर नै सीने पहाड़ पै इस्राएली माणसां ते जो करया था वो हाजिरा की तरियां सै। 25 अर हाजिरा मान्ने अरब देश का सीने पहाड़ सै, अर वो आज के यरुशलेम नगर की तरियां सै जडै के माणस मूसा के नियम-कायदा के समान सै। 26 पर सुर्गीय यरुशलेम अब्राहम की बिरबानी सारा के समान सै, अर उसके बाळक गुलाम कोनी, यो यरुशलेम बिश्वासियां के खात्तर मों की तरियां सै। 27 जिसा यशायाह नै पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “हे बाँझ बिरबानी, तू जो बाळक पैदा न्ही कर सकदी, आनन्दित हो, तू जो प्रसव-पीड़ा ते अनजाण सै, ऊँची आवाज म्ह जयजयकार कर, क्यूँके छोड़ी होई की ऊलाद सुहागण की ऊलाद ते भी घणी सै।” 28 हे बिश्वासी भाईयो, थम इसहाक की तरियां हो क्यूँके थारा जन्म परमेसवर के वादे के मुताबिक होया सै जो उसने अब्राहम ते करया सै। 29 अर जिसा उस बखत शरीर की इच्छा के मुताबिक जन्मा होया बेट्टा परमेसवर की आत्मा के शक्ति के मुताबिक जन्मे होए बेट्टे नै सतावे था, उससे तरियां हम भी उन माणसां ते सतावे जावां सां, जो यो चाहवे सै के परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणण खात्तर मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानना जरूरी सै। 30 पर पवित्र ग्रन्थ कहवे सै, के “नौकराणी अर उसके बेट्टे नै लिकाड़ दे, क्यूँके वो ब्याहता बिरबानी के बेट्टे के गैल कदे भी पिता की सम्पत्ति का वारिस न्ही होगा।” 31 इस करके हे बिश्वासी भाईयो, हम नौकराणी की ऊलाद कोनी जो के मूसा नबी के नियम-कायदे सै, बल्के ब्याहता बिरबानी की ऊलाद सां जो के बिश्वास सै।

5 मसीह नै म्हारे ताहीं मूसा नबी के नियम-कायदा ते आजाद कर दिया सै, इस करके अपणी आजादी बणा के राखो, अर मूसा के नियम-कायदा नै मानण खात्तर कोए थमने गुलाम ना बणावे। 2 सुणो! मै, पौलुस, थारे ते कहूँ सूं के जै खतना करावोगे, तो मसीह ते थमने किमे फायदा न्ही होगा। 3 फेर भी मै एक खतना करण आळै नै बता द्यु सूं, के उसने सारे नियम-कायदे मानने पड़ेंगें। 4 थम जो नियम-कायदा के जरिये धर्मी बणणा चाहो सों, तो फेर थमने यीशु मसीह ते रिश्ता तोड़ लिया सै, अर थमने अपणे-आप

ताहीं उस दया ते अलग कर लिया सै जिसके जरिये परमेसवर थमने बचा सके सै। 5 मै यो इस खात्तर कहूँ सूं, क्यूँके हमने पवित्र आत्मा की ओड़ ते पूरा भरोस्सा सै, के परमेसवर यीशु मसीह पै बिश्वास करण के कारण हमने धर्मी बणावैगा। 6 जै थम यीशु मसीह नै मानण आळे सों, तो उसते कोए फर्क कोनी पड़ता के थारा खतना होया सै के न्ही होया, पर जरूरी यो सै, के हम मसीह पै बिश्वास करां, अर परमेसवर अर माणसां प्रति प्यार राख्वा। 7 थम मसीह पै बिश्वास करण म्ह बढ़ण लागे थे, पर इब थमने सच्चाई मानण ते कोए रोक न्ही ले। 8 इसी सीख परमेसवर की ओड़ ते न्ही आन्दी जो थमने अपणी ऊलाद होण खात्तर बुलावे सै। 9 सीख जो सच्ची न्ही सै वो इस कहावत की तरियां सै, थोड़ा-सा खमीर सारे गूंधे होए चून नै खमीर बणा दे सै। 10 पर मै परमेसवर पै भरोस्सा राखूँ सूं, के वो थमने झूठी अर भरमाण आळी सीख ते बचावे राख्खैगा, पर जो थमने भरमा दे सै चाहे वो कोए भी क्यूँ ना हो परमेसवर ते दण्ड पावैगा। 11 हे बिश्वासी भाईयो, थम जाणो सों के मै यो प्रचार कहूँ सूं, के खतना करवाणा जरूरी कोनी, इस करके यहूदी माणस मेरे ताहीं सारी हाण सतावे सै, जै मै क्रूस नै छोड़के खतना का प्रचार करूँ तो उसते यहूदी माणस मेरे ताहीं कोनी सतावेंगें। 12 भला होदा जो थमने डामाडोल करे सै, वे अपणे-आपने नपुंसक बणा लेवे। 13 हे बिश्वासी भाईयो, थम आजाद होण के खात्तर परमेसवर के जरिये बुलाए गये सों, इस खात्तर थमने मूसा नबी के नियम-कायदा ताहीं मानण की जरूरत कोनी, पर इसा ना होवे के थम इसने बुरी लालसा पूरी करण का जरिया बणा ल्यो, पर हरेक कै गैल प्यार करो अर सेवा करो। 14 क्यूँके सारे नियम-कायदे इस एक बात म्ह पूरे हो ज्या सै, “तू अपणे पड़ोसी ते अपणे जिसा प्यार कर।” 15 पर जै थम एक-दुसरे नै जानवरां की ढाळ पाड़ खाओ सों, तो चौकस रहो, के थम एक-दुसरे नै नाश ना कर दियो। 16 पर मै कहूँ सूं, पवित्र आत्मा नै थारे जीवन म्ह अगुवाई करण द्यो, ताके थम अपणी बुरी आदत्तां नै (लालसा) नै पूरी ना कर सकों। 17 देह की बुरी लालसा पवित्र आत्मा के बिरोध म्ह, अर पवित्र आत्मा देह की बुरी लालसा के बिरोध म्ह लड़दी रहवे सै। इस कारण जो भले काम थम करणा चाहो सों वो न्ही कर पान्दे। 18 जै थम आत्मा की अगुवाई म्ह चाल्लों सों, तो थम मूसा के नियम-कायदा के अधीन न्ही सों। 19 देह के काम तो दिक्खे सै, यानी के जारी, भुन्डे काम, लुचपण, 20 मूर्तिपूजा, टोण, बैर, गुस्सा, बिरोध, फूट विधर्म, 21 डाह, मतवालापण, रासलीला अर इनके जिसे और काम सै, इनके बारे म्ह मै थारे ते पैहल्य क ह द्यु सूं जिसा पैहल्य क ह्वा था, के इसे-इसे काम करणीये परमेसवर के राज्य के वारिस न्ही होंगे। 22 पर आत्मा का फळ प्यार, आनन्द, शांति, धीरज, करुणा, भलाई, बिश्वास, 23 नम्रता, अर सयंम सै, इसे-इसे कामां के बिरोध म्ह कोए भी नियम-कायदे कोनी। 24 अर जो मसीह यीशु म्ह सै उनै देह की बुरी लालसाओं ताहीं क्रूस पै चढ़ा दिया सै। 25 क्यूँके पवित्र आत्मा नै म्हारे ताहीं नई जिन्दगी दी सै, इस खात्तर पवित्र आत्मा नै जिन्दगी के हरेक क्षेत्र म्ह अगुवाई करण द्यो। 26 हम घमण्डी होके ना एक-दुसरे नै छोड़ा, अर ना एक-दुसरे ते जळण करा।

6 हे बिश्वासी भाईयो, जै कोए माणस किसे पाप या कसूर म्ह पकड़्या भी जावे, तो थम जो पवित्र आत्मा के चलाए चाल्लों सों, उसने नरमाई के गेल्या धर्म की राह पै उल्टा ल्यावण म्ह उसकी मदद करो, अर अपणा भी ध्यान राख्खों के थम भी इसे इम्तिहान म्ह ना पड़ जाओ। 2 म्हारे म्ह ते जै कोए भी मुसीबत म्ह हो, तो हमने एक-दुसरे की मदद करणी चाहिए, अर इस तरियां हम मसीह के नियम-कायदा नै मान्ना सां। 3 क्यूँके जै कोए अपणे-आपने नै बड़ा समझै सै, तो अपणे-आपने धोक्खा देण लाग रहया सै। 4 हरेक माणस अपणे कामां नै परख ले, उसके काम आच्छे सै तो वो अपणे-आपने नै घमण्ड कर सके सै, अर उसने अपणे काम की बराबरी किसे दुसरे के काम गैल न्ही करणी चाहिए। 5 म्हारे म्ह ते हरेक माणस अपणे सुभाव के खात्तर जिम्मेदार सै। 6 यो जरूरी सै के जो माणस परमेसवर के वचनां नै सिखावे सै, तो उसकी संसारिक चिज्जां की जरूरत

सीखण आळे तै पूरी हो होगी चाहिए। 7 अपणे-आप ताहीं धोक्खा ना घो, कोए माणस यो ना सोचवे के वो परमेसवर नै धोक्खा दे सके सै। 8 क्यूँके जो माणस इसे काम करै सै उसका बुरा सुभाव उसके खात्तर मौत लेके आवै सै, पर जो माणस परमेसवर की इच्छा पूरी करै सै, तो उसका आत्मा उसनै अनन्त जीवन देवै सै। (aiōnios g166) 9 हम भले काम करण का होसला ना छोड्डा, क्यूँके जै हम हिम्मत ना छोड्डा तो परमेसवर के बखत पै कटनी काटैगें। 10 इस करके जडै ताहीं मौक्का मिलै हम सारा के गेल्या भलाई करा, खास करके बिश्वासी भाईयाँ के गैल। 11 मन्नै बड़े-बड़े अक्षरां म्ह थारे तैई अपणे हाथ तै लिख्या सै। 12 इस कारण के यहूदी लोग थमनै अपणावे, अर वे थारा खतना करवाण के खात्तर मजबूर करै सै, ताके लोग उन ताहीं इस बात का प्रचार करण खात्तर सतावै ना, के परमेसवर माणसां ताहीं जिब्बे बचावैगा जिब वे बिश्वास करैगें के मसीह क्रूस पै मरा। 13 क्यूँके खतना करण आळे खुद तो मूसा नबी के नियम-कायदा पै न्ही चाल्दे, वो थारा इस खात्तर खतना करणा चाहवै सै ताके और यहूदियाँ कै स्याम्ही घमण्ड कर सकै, के थारा खतना उनकी बजह तै होया सै। 14 खुद कै खात्तर, मै, किसे बात पै घमण्ड कोनी करणा चाहूँ, पर यीशु मसीह के क्रूस पै जान देण के कारण, मै घमण्ड करणा चाहूँ सूँ, अर जो उसने करया उस बजह तै दुनियावी चिज्जां का मेरे उप्पर कोए हक कोनी रह्या, अर इब मेरी दुनियावी चिज्जां म्ह कोए दिलचस्पी कोनी। 15 क्यूँके ना खतना अर ना बिना खतना कुछ सै, जो जरूरी बण चुके सै, जो जरूरी सै वो यो सै के परमेसवर हमनै पवित्र आत्मा के जरिये नया इन्सान बणा दे। 16 परमेसवर अपणी शान्ति अर आशीष उन सारया नै देवैगा, जो उसके हुकम नै मान्नै सै। वे परमेसवर के माणस सै। 17 आगै तै मन्नै कोए दुख ना दे, क्यूँके जो मेरे देह पै जख्मां के दाग सै वो ये दिखावे सै के मै यीशु का दास सूँ। 18 हे बिश्वासी भाईयो, म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थारी आत्मा के गेल्या रहवै। आमीन।

इफिसियों

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो परमेसवर की इच्छा तै यीशु मसीह का प्रेरित सै, मै या चिट्ठी उन पवित्र अर मसीह यीशु म्ह बिश्वासी माणसां के नाम लिखूं सूं, जो इफिसुस नगर म्ह रहवै सै। **2** मै प्रार्थना करूं सूं, के म्हारे पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिलदी रहवै। **3** म्हारे परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह के पिता का धन्यवाद हो के उसनै म्हारे ताहीं मसीह म्ह आत्मिक रूप तै हरेक तरियां तै, उन आशीषां के जरिये आशिषित करया जो सुगं तै आवै सै। **4** परमेसवर नै धरती अर अकास बणाण तै पैहले ए उसनै मसीह म्ह म्हारे ताहीं चुण लिया, ताके हम इसकी निगांह म्ह पवित्र अर बेकसूर होवां। **5** अर प्यार म्ह उसनै अपणी भले मकसद मुताबिक म्हारे ताहीं अपणे खात्तर पैहले तै ठहराया के यीशु मसीह के जरिये हम उसकी गोद ली होई ऊलाद हो। **6** तो आओ हम परमेसवर के अदभुत अनुग्रह की महिमा करा, अर यो इस खात्तर होया सै क्यूँके म्हारा रिश्ता उसके बेटे के गैल सै, जिसतै वो प्यार करै सै। **7** यीशु मसीह के लहू बहाए जाण के कारण हम छुड़ाए गये, जिसका मतलब यो सै के म्हारे सारे पाप माफ होए। परमेसवर के भोत अनुग्रह के मुताबिक मसीह म्ह उसके लहू के जरिये छुटकारा यानी पापां तै माफी मिलै सै। **8** परमेसवर नै सारी बुद्धि अर ज्ञान तै म्हारे पै भोत-ए घणी दया करी। **9** परमेसवर नै अपणी इच्छा का भेद म्हारे पै भले मकसद के मुताबिक जाहिर करया, जिस ताहीं उसनै खुद मसीह म्ह स्थापित करया। **10** अर परमेसवर की योजना के मुताबिक, तय करे गए बखत पै, जो किमे सुगं अर धरती पै सै, वो सारा किमे मसीह के हाथ म्ह सौंपेगा। **11** परमेसवर नै मसीह म्ह हम यहूदी माणसां ताहीं भी अपणे माणस होण खात्तर छोट लिया सै, क्यूँके शरु तै ए उसकी या योजना थी, उसनै यो सब कुछ अपणी इच्छा अर योजना के मुताबिक करया। **12** यो उसनै इस खात्तर करया जिसतै के हम यहूदियाँ ताहीं जो पैहले माणस सै, जो मसीह पै आस राखवै सै, अर उसकी महिमा की बड़ाई के कारण बणा। **13** अर योए थारे गैल भी होया के थमनै सच्चाई का वचन सुणया, अर वो सुसमाचार यो सै, के थमनै वो किस तरियां बचा सकै सै, जब थम मसीह पै बिश्वास करो सों तो परमेसवर थमनै वादे के मुताबिक पवित्र आत्मा देवे सै, यो दिखाण खात्तर के थम परमेसवर के माणस सों। **14** क्यूँके परमेसवर नै म्हारे ताहीं पवित्र आत्मा दिया सै, तो हम यो जाणा सां के परमेसवर म्हारे ताहीं और भी आच्छी चीज देवेगा, जिसका उसनै वादा करया सै, अर यो उस बखत होगा जब परमेसवर अपणे माणसां नै पूरी तरियां तै छुड़ावेगा, उसके अदभुत अनुग्रह की बड़ाई होवै। **15** इस कारण, जब तै मनै भी प्रभु यीशु मसीह म्ह थारे बिश्वास अर पवित्र माणसां के प्रति थारे प्यार के बारे म्ह सुणया, तो मै परमेसवर का सदा धन्यवाद करूं सूं, अर अपणी प्रार्थना म्ह थमनै हमेशा याद राखूं सूं। **17** मै प्रार्थना करूं सूं, के महिमामय परमेसवर जो के म्हारे प्रभु यीशु मसीह का पिता सै, वो थारे ताहीं आत्मिक समझ अर ज्ञान देवै, ताके थम परमेसवर नै पूरी तरियां जाण सकों। **18** मै या भी प्रार्थना करूं सूं, के वो सच्चाई जाणण म्ह थारी मदद करै के थम जाण सकों के परमेसवर के जरिये बुलाये जाण की आस के सै, अर थम जाण सकों के इतनी बड़ी अर महान् आशीष अपणे पवित्र माणसां खात्तर राख राखी सै। **19** मै चाहूं सूं के थम उसनै जाण सकी, के उस महान् परमेसवर नै यीशु मसीह पै बिश्वास करण आळे खात्तर जो शक्ति राख राखी सै, या वाए बड़ी शक्ति सै। **20** जिसनै मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिवाया अर सुगं म्ह अपणी सोळी ओड़ बैठाया। **21** सारी ढाळ की प्रधानता, हक, सामर्थ, प्रभुता के उप्पर राज करेगा जो इस लोक म्ह सै, अर आण आळे लोक म्ह भी राज करेगा। (aiōn g165) **22** परमेसवर नै सारा किमे उसके पायां तळे कर दिया, अर उसनै कलीसिया की भलाई खात्तर सब किमे उसके हाथां म्ह सौंप दिया। **23** कलीसिया मसीह की देह सै, अर

उसतै भरपूर सै, वो अपणी मौजूदगी तै हरेक चीज अर हरेक जगहां नै भरे सै।

2 पुराणे बखत म्ह थारे धोरे नई जिन्दगी कोनी थी, थम अपणे बुरे कामां अर पापां के कारण मरे होए माणसां के समान थे। **2** थम उस बखत दुनिया की रीति-रिवाज के मुताबिक, बुरी आत्मायाँ के सरदार जो अकास म्ह सै, उसके मुताबिक चाल्लो थे, जो इब भी उनके मनां म्ह काम करै सै, जो परमेसवर का हुकम न्ही मानते। (aiōn g165) **3** इन म्ह हम भी सारे के सारे पैहले अपणी देह की लालसाओं म्ह दिन बितावा, अर देह अर मन की मर्जियाँ नै पूरी करा थे, अर और माणसां की ढाळ सुभाव तै ए छो की ऊलाद थे। **4** पर परमेसवर नै जो दया का धनी सै, अपणे उस घणे प्यार के कारण जिसतै उसनै म्हारे तै प्यार करया। **5** अपणे पुराणे जीवन म्ह पापां के कारण हम मरे होए थे तो परमेसवर नै जिस तरियां यीशु मसीह ताहीं जिन्दा करया, हमनै भी आत्मिक रूप तै जिन्दा करेगा, अर सुगियाँ जगहां म्ह मसीह के गेल्या बिठावेगा, अर परमेसवर के अनुग्रह तै ए थारा उद्धार होया सै। **7** परमेसवर नै यो इस खात्तर करया के अपणी दया तै जो मसीह यीशु म्ह म्हारे पै सै, आण आळे दिनां म्ह दिखा सकै, के उसका अनुग्रह कितना बड़ा सै, हम जो मसीह म्ह सां, उसनै म्हारे पै भी अनुग्रह दिखाया। (aiōn g165) **8** जब थमनै परमेसवर पै बिश्वास करया तो उसनै अपणे अनुग्रह के जरिये थारा उद्धार करया सै, थारा उद्धार थारी ओड़ तै न्ही, बल्के परमेसवर ओड़ तै दान सै। **9** यो इस करके न्ही होया के थमनै कोए भला काम करया सै, अर थम उसपै घमण्ड करो। **10** क्यूँके हम उसके बणाए होए सां, अर मसीह यीशु म्ह उन भले कामां के खात्तर रचे गये जिन ताहीं परमेसवर नै पैहले तै म्हारे करण के खात्तर तैयार करया। **11** इस कारण थम याद राखवें के थम जन्म तै गैर यहूदी सों, अर यहूदी लोग थारा मजाक उड़ावै सै, के थारा खतना कोनी होया, पर उनका खतना होया सै, इस खात्तर वे परमेसवर के लोग सै। पर उननै खतना अपणी देह का करवाया सै मन का कोनी करवाया। **12** थम उस बखत मसीह ताहीं कोनी जाणो थे, अर थम परमेसवर के चुणे होए इस्राएली माणस कोनी थे, अर वादे के करार के भी साइड्डी कोनी थे, जो उसनै अपणे माणसां तै बाँधी थी, अर बिना आस अर दुनिया म्ह बिना ईश्वर के थे। **13** पर पैहले जो थम, परमेसवर तै दूर थे, परमेसवर नै थारे ताहीं मसीह यीशु के लहू बहाण के जरिये धोरे बुला लिये सों। **14** मसीह नै हम यहूदी अर थम गैर यहूदी माणसां म्ह शान्ति बणाई सै, पुराणे बखत म्ह यो लागै था के यहूदी अर गैर यहूदी माणसां म्ह एक दीवार सै, वो एक-दुसरे तै नफरत करै थे, पर मसीह नै वा दीवार ढा दी सै, अर दोन्नु दलां ताहीं एक कर दिया सै। **15** उसनै अपणी मौत के जरिये मूसा के नियम-कायदा ताहीं रद कर दिया, ताके वो यहूदी अर गैर यहूदी माणसां म्ह शान्ति लेकै आवै, अर इसके जरिये वो अपणे-आप म्ह यहूदी अर गैर यहूदी की जगहां एक नई जात बणा दे। **16** उसनै क्रूस पै अपणी जाण देकै यहूदी-अर गैर यहूदी माणसां म्ह बैर का नाश करके एक देह बणाके परमेसवर तै मिला दिया। **17** मसीह नै आकै थम गैर यहूदी जो उसतै दूर थे, अर थम यहूदी माणस जो परमेसवर कै लोवै थे, दोनुआ ताहीं मेळ-मिलाप का सुसमाचार सुणाया। **18** क्यूँके मसीह म्ह ए हम सब उस एक पवित्र आत्मा के जरिये ए पिता के धोरे पोहच सका सां। **19** इस करके थम गैर यहूदी इब विदेशी अर मुसाफिर कोनी रहे, पर पवित्र माणसां के साथी देशी अर परमेसवर के कुण्बे के होंगे सों। **20** थम उस घर की तरियां सों जिसकी नीम प्रेरित अर नबी सै, अर जिसके कोणे का पत्थर मसीह यीशु आप सै। **21** मसीह ए सै जिसनै घर ताहीं टिकाके राख्या सै, अर उसतै प्रभु के खात्तर एक पवित्र मन्दर बणदा जावै सै। **22** क्यूँके थम मसीह म्ह सों, इस खात्तर थम गैर यहूदी बिश्वासी परमेसवर के माणसां गैल एक होंगे, ताके थम वो घर बणदे जाओ जिस म्ह परमेसवर रहवै सै।

3 इस कारण मै पौलुस थारे खात्तर कैद म्ह सूं, क्यूँके मै थम गैर यहूदी माणसां नै सुसमाचार सुणाके मसीह यीशु की सेवा करूं सूं। **2** पक्का

थमने सुण्या होगा के परमेसवर नै अपने अनुग्रह तै थारे ताहीं सुसमाचार की खबर सुणाण की जिम्मेदारी मेरे ताहीं दी सै। 3 परमेसवर की गुप्त योजना घणे लम्बे बखत तै छुपी होई थी, पर परमेसवर नै इस ताहीं मेरे उप्पर जाहिर करया, मै इस चिट्ठी के जरिये परमेसवर के उस गुप्त भेद नै थारे ताहीं समझाणा चाहूँ सूं। 4 जब थम मेरी चिट्ठी नै पढ़ोगे तो थम जाण पाओगे, के मै मसीह के उस भेद के बारे में कितनी आच्छी तरियां जाणु सूं। 5 पुराणे बखत में परमेसवर नै इस भेद ताहीं माणसां के उप्पर जाहिर कोनी करया, पर अब उसने उस भेद ताहीं पवित्र आत्मा के जरिये, अपने पवित्र प्रेरितां अर नबियां पै जाहिर करया। 6 अर वो भेद यो सै के मसीह यीशु में सुसमाचार के जरिये गैर यहूदी वाए विरासत हासिल करै, जो यहूदी माणसां के धारे सै, अर एकए देह के अंग अर परमेसवर के वादे के साइड्डी सै। 7 परमेसवर के अनुग्रह अर बड़ी सामर्थ के जरिये मेरे ताहीं सुसमाचार सुणाण का काम मिला सै। 8 मेरे पै जो सारे पवित्र माणसां में तै, छोटे तै भी छोटा सूं, यो अनुग्रह होया के मै गैर यहूदियां नै मसीह का सुसमाचार सुणाऊँ, अर लोगां नै परमेसवर की योजना ताहीं समझण में मदद करूँ। 9 अर हरेक माणसां ताहीं समझा सकूँ के उसने उस योजना ताहीं जो उसने पैहले तै सोची थी, किस तरियां पूरी करी, या योजना पैहले तै जाहिर कोनी होई थी क्यूँके परमेसवर जो सारी चिज्जां नै रचणियां सै, उस ताहीं छिपाए राख्या। (aiōn g165) 10 ताके अब कलीसिया के जरिये, परमेसवर का बेसुमार ज्ञान आसमान के उन प्रधानां अर अधिकारियां पै जाहिर करया जावै। 11 परमेसवर नै दुनिया बणाण तै पैहले या योजना बणाई थी, जिस ताहीं उसने म्हारे प्रभु यीशु मसीह के जरिये पूरा करया। (aiōn g165) 12 क्यूँके म्हारा मसीह पै विश्वास सै, अर उसके कारण परमेसवर की मौजूदगी में हिम्मत अर भरोसे के गेल्या परमेसवर के लोवे आ सका सां। 13 इस करके मै बिनती करूँ सूं के जो कळेस थारे खातर मन्ने होवै सै, उनके कारण हिम्मत ना छोड़ो, क्यूँके हम पिता परमेसवर के धारे जा सका सां। 14 मै इस्से कारण उस पिता परमेसवर के आगै घुटने टेक के प्रार्थना करूँ सूं। 15 वोए सै जो सुर्या अर धरती पै, हरेक वंश का पिता सै। 16 मै प्रार्थना करूँ सूं, के परमेसवर अपनी महिमा के असीमित धन के मुताबिक थारे पै अनुग्रह करै, ताके थम उसकी पवित्र आत्मा तै अपने भीतरी माणसपण में सामर्थ पाके शक्तिशाली होन्दे जाओ। 17 अर विश्वास के जरिये मसीह म्हारे मन में बसे, ताके थम प्यार में मजबूत होके बणे रहों, अर सारे पवित्र माणसां के गेल्या आच्छी ढाळ समझण की ताकत पाओ, के उसके प्यार की चौड़ाई, लम्बाई, अर ऊँचाई, अर गहराई कितनी सै। 19 मै प्रार्थना करूँ सूं, के थम मसीह के उस प्यार नै जाण सको जो ज्ञान तै परै सै, ताके थारा सुभाव परमेसवर के सुभाव जिया हो जावै। 20 परमेसवर ताकतवर सै, अर वो म्हारी बिनती अर समझ तै भी घणा काम कर सकै सै, उस सामर्थ के मुताबिक जो म्हारे में काम करै सै। 21 कलीसिया में अर मसीह यीशु में उसकी बड़ाई पीढ़ी तै पीढ़ी तै युगानुयुग होंदी रहे। आमीन। (aiōn g165)

4 मै प्रभु की सेवा करण के कारण कैद में सूं, अर थारे तै बिनती करूँ सूं, के जिस बुलाहट तै परमेसवर नै थारे ताहीं बुलाया सै, उससे तरियां जीवन बिताओ। 2 यानी सारी दीनता अर नम्रता गैल, धीरज धरके प्यार तै एक-दुसरे नै सह ल्यो। 3 इसा करण की भरपूर कोशिश करो, के थम रळ-मिलके रह सकों, क्यूँके परमेसवर की आत्मा के जरिये थम एक ए होण खातर बुलाए गये सों। 4 हम सारे विश्वासी, देह के अंगां की ढाळ सां, अर सारया नै एकए पवित्र आत्मा पाई सै, उससे ढाळ जिब परमेसवर नै थारे ताहीं अपने माणस होण खातर बुलाया था, तो थारे ताहीं एक उम्मीद दी गई थी। 5 सिर्फ एके प्रभु सै, एके विश्वास सै, हम सारया नै यीशु के नाम में बपतिस्मा पाया सै, 6 सिर्फ एके परमेसवर सै जो सारे माणसां का पिता सै, जो सब के उप्पर राज करै सै, अर हम सब के जरिये काम करै सै, अर हम सारया के में रहवै सै। 7 पर मसीह नै हम सारया ताहीं उसके काम करण खातर न्यारे-न्यारे ढाळ की खास काबिलियत देई सै। 8 इस करके पवित्र-

ग्रन्थ मसीह के बारे में कहवै सै, “वो ऊँचे पै चढ़ा अर कैदियां नै बाँधले गया, अर माणसां ताहीं आत्मिक दान दिए।” 9 उसके ऊँचे पै चढ़ण का, के मतलब हो सके सै, सिवाए इसके के वो अधोलोक में भी उतर गया। 10 अर जो उतर गया, यो वोए सै, जो सुर्या में सारे तै ऊँचे पद पै पोहच गया, जिसतै के उसका राज सारे ब्रह्माण्ड में फैल जावै। 11 यो मसीह सै जो म्हारे ताहीं वरदान देवै सै, उसने कईयां तै प्रेरित, अर कईयां तै नबी, कईयां तै सुसमाचार सुणाण आळे, कईयां तै सेवक अर शिक्षक नियुक्त करया, इनकी जिम्मेदारी या सै के के ये और दुसरे माणसां नै सीखा के परमेसवर का काम करवा सके, अर कलीसिया जो मसीह की देह सै उस ताहीं मजबूत कर सके। 13 यो तब तक होन्दा रहवैगा जब तक के हम अपने विश्वास, अर परमेसवर के बेटे के बारे में अपनी समझ में एक ना हो जावां, फेर हम सिध्द बणाणे जिस तरियां मसीह सिध्द सै, अर हम पूरी तरियां तै उसके जिसे बण जावांगे। 14 मसीह में बढ़ण अर सिध्द होण के कारण, हम बाळकां के जिया बरताव ना करां, हम उस किस्ती की ढाळ ना बणा, जिसने झाल आगै-पाछे, अर हवा आसै-पासै उछाळे सै। इसका मतलब यो सै, के चलाक, अर ठग माणस अपनी झूठी शिक्षा के जरिये हमने धोख्या नही देण पावै। 15 बल्के सच नै प्यार तै बोल्लों, अर सारी बातों में मसीह यीशु की तरियां सिध्द बणो, जो के म्हारा सिर सै। 16 हम सारे जो मसीह में विश्वास करां सां, हम उसकी देह के अंग की तरियां सां, जिस तरियां एक माणस की देह, जोड़ा के जरिये एक साथ जुड़ी हो सै अर जिब देह का हर हिस्सा आच्छी तरियां काम करै सै, तो देह का विकास होके मजबूत बणे सै, इस्से तरियां म्हारे में तै जोए मसीह का काम करै सै, जो मसीह नै म्हारे ताहीं दिया सै, तो हम भी मजबूत अर सिध्द होवां सां, अर हम एक-दुसरे तै ज्यादा प्यार करां सां। 17 इस करके परमेसवर नै जो अधिकार मेरे ताहीं दिया सै, उसकी बजह तै मै न्यू करूँ सूं, के जिया अबिश्वासी माणस अपने मन की बेकार की रीति-रिवाजां में अपना जीवन जावै सै, थम आज तै इसा जीवन ना जिओ। 18 क्यूँके वे समझ नही पाण लागरे, के उस अज्ञानता के कारण, अर उनके मन की कठोरता के कारण, जो उन में सै, वे परमेसवर के उस जीवन तै न्यारे करे गए सै जो परमेसवर देवै सै। 19 वे बुरे काम की बजह तै अपनी गलती महसूस नही करते अर उनने अपने-आप ताहीं बुरे कामां खातर सौप दिया सै, वे सारी ढाळ के भुन्डे काम लगातार करीते जावै सै। 20 पर थमने मसीह की शिक्षायां में इसे काम करणे नही सीखे। 21 बल्के यो थमने यीशु मसीह के बारे में सुण्या अर जो थारे शिक्षकां नै सिखाया, वोए उसकी ओड़ तै सच्चा सन्देश सै। 22 अर थारे शिक्षकां नै थारे बुरे काम अर बुरा सुभाव छोड़णा सिखाया सै, थारी बुरी लालसायां नै थारा जीवन नाश कर दिया। 23 थम पवित्र आत्मा नै थारे सुभाव अर सोचण के तरिके नै बदलण द्यो। 24 परमेसवर नै थारे ताहीं एक नया सुभाव दिया सै, जो के उसके अपने सुभाव की तरियां सै, इस करके इस नये सुभाव के मुताबिक बरताव करो। असलियत में धर्म अर पवित्र बणो। 25 इस कारण झूठ बोलणा छोड़के हरेक अपने पड़ोसी तै सच बोल्ले, क्यूँके हम आप्पस में हम एक ही देह के अंग सां। 26 जै थारे ताहीं गुस्सा आ भी जावै तो उस गुस्से में पाप ना करियो, अर सूरज ढळण तै पैहलिया थारा गुस्सा भी नही रहणा चाहिए। 27 अर अपने-आप ताहीं शैतान नै परखण का मौकका ना द्यो। 28 चोरी करण आळा फेर चोरी ना करै, बल्के मेहनत करके अपनी कमाई के जरिये दुसरे माणसां की भी मदद कर सके, जो जरूरत मन्द हो। 29 कोए भी गलत बात थारे मुँह तै ना निकड़े, पर जरूरत के मुताबिक वोए निकड़े जो दुसरा के विश्वास की बढ़ोतरी के खातर हो, ताके वा बात जो थारे मुँह तै निकड़े सै वा सुणाण आळा नै उत्पाहित कर सके। 30 परमेसवर के पवित्र आत्मा नै दुखी ना करो, जो उसने थारे ताहीं दिया सै, जो पक्का छुटकारे के दिन थमने बचा सकै सै। 31 इस करके सारी ढाळ की कड़वाहट, प्रकोप, गुस्सा, झगड़ा, अर बुराई, सारे बैरभाव नै अपनी जिन्दगी तै लिकाड़ द्यो। 32 एक-दुसरे पै दयालु अर करुणामय हो, अर जिया परमेसवर नै

मसीह म्ह थारे कसूर माफ करे, उरसे तरियां थम भी एक-दुसरे के कसूर माफ करो।

5 थम परमेसवर के बाळक सों, जिनते वो प्यार करै सै, इस करके उसकी ढाळ बणण की कोशिश करो। 2 दुसरयां तै प्यार करण आळी जिन्दगी जिओ, जिस तरियां मसीह जिया, जिसनै थारे तै प्यार करया अर म्हारे पापां नै मिटाण खात्तर अपणे-आप ताहीं कुरबान कर दिया, अर परमेसवर उसकी कुरबानी तै खुश था, क्यूँके वा कुरबानी परमेसवर कै खात्तर खसबूदार भेट कै समान थी। 3 जिसा पवित्र माणसां कै लायक सै, उसाए थारे म्ह जारी अर किसे ढाळ के अशुद्ध काम या लोभ का जिन्नक तैई ना हो, 4 अर ना बेशर्मी, ना मूर्खता की बातचीत, ना मजाक की, क्यूँके ये बात शोभा न्ही देदी, बल्के थारे मुँह तै परमेसवर का ए धन्यवाद सुणया जावै। 5 क्यूँके थम यो आच्छी तरियां तै जाणो सों, के कोए भी जात्र, दुराचारी, या लोभी माणस जो मूर्तिपूजकां के समान सै, ये मसीह अर परमेसवर के राज्य के भागी न्ही हो सकदे। 6 कोए थमनै धोक्खा ना देवै के परमेसवर पाप करण आळे माणसां नै दण्ड कोनी देवै, क्यूँके परमेसवर का छो हुकम ना मानण आळे पै भडके सै। 7 इस करके थम उनके पापी कामां म्ह उनके साझीदार ना होओ। 8 क्यूँके थम तो पैहल्या उन माणसां की ढाळ थे जो अन्धकार म्ह थे, पर इब थम परमेसवर के लोग बणगे सों, इस करके थम इब चाँदणे म्ह सों, तो इब थमनै उन माणसां की ढाळ जीणा चाहिए जो चाँदणे म्ह सै। 9 क्यूँके जै माणस चाँदणे म्ह सै तो उसका सुभाव आच्छा अर धर्मी सै, अर उसपै बिश्वास करया जा सके सै। 10 अर यो परखो के प्रभु नै के आच्छा लागै सै। 11 थम उनके बुरे कामां म्ह उनके साझीदार ना होओ, बल्के लोगां नै बताओ के ये काम बुरे सै। 12 क्यूँके उनके गुप्त कामां का जिन्नक भी शर्म की बात सै। 13 जिब बुरे लोग थारा आच्छा सुभाव देखखे सै तो उनका बुरा सुभाव जाहिर हो जावै सै, उसकी बजह तै वो अपना बुरा सुभाव छोड़ दे सै, अर थारे जिसे आच्छे बण जावै सै। 14 इस कारण एक कहावत सै के “हे सोण आळे जाग! अर मुर्दा म्ह तै जी उठ! ताके मसीह थारे पै अपना चान्दणा चमकावै।” 15 इस करके ध्यान तै देखखों, के किसा जीवन जीण लागरे सों। बेअक्ला की तरियां न्ही पर अकलमंद की तरियां जिओ। 16 मौक्के नै घणा कीमती समझों, क्यूँके दिन बुरे सै। 17 इस कारण बेअक्ल ना होओ, पर ध्यान तै समझो के प्रभु की मर्जी के सै। 18 मदिरा पी के मतवाले ना बणो, क्यूँके इसतै लुपण होवै सै, पर पवित्र आत्मा तै भरदे जाओ। 19 जिब थम पवित्र आत्मा के कहे म्ह चाल्लोंगे तो ये काम करोगे, जिब थम कठ्ठे होओगे तो आप्पस म्ह परमेसवर के भजन, उसकी जै-जै कार अर आत्मिक गीत गाया करोगे, अर अपणे-अपणे मन म्ह प्रभु के आगै गान्दे अर कीर्तन करदे रहो। 20 अर सदा सारी बातां के खात्तर म्हारे प्रभु यीशु मसीह के नाम तै परमेसवर पिता का धन्यवाद करते रहो। 21 मसीह के प्रति श्रद्धा-भक्ति राखण के कारण एक-दुसरे के अधीन रहो। 22 हे पत्नियाँ, अपणे-अपणे पति के इस ढाळ अधीन रहो जिस ढाळ प्रभु के अधीन रहो सों। 23 क्यूँके पति तो पत्नी का सिर सै, जिस ढाळ मसीह कलीसिया का सिर सै, अर कलीसिया मसीह की देह सै अर उद्धारकर्ता भी सै। 24 पर जिस ढाळ कलीसिया मसीह कै अधीन सै, उरसे तरियां पत्नियाँ भी हर बात म्ह अपणे-अपणे पति कै अधीन रहे। 25 हे पतियाँ, अपणी-अपणी पत्नियाँ तै प्यार राखखो, जिसा मसीह नै भी कलीसिया तै प्यार करके उसके खात्तर अपणी जान दे दी। 26 ताके वो कलीसिया (बिश्वासी लोग्ग) ताहीं वचन तै नाहण के जरिये पापां तै शुद्ध करै, अर पवित्र बणावै। 27 वो अपणी कलीसिया खात्तर मरया ताके वो अपणे माणसां नै सिध्द बणाके अपणी हजुरी म्ह लया सकै, जिस म्ह ना कलंक, ना झुरी, ना कोए और इसी चीज हो बल्के पवित्र अर बेकसूर हो। 28 इस तरियां सही सै के पति अपणी-अपणी पत्नी तै अपणी देह कै समान प्यार राखखै। जो अपणी पत्नी तै प्यार करै सै। वो अपणे-आप तै प्यार करै सै। 29 क्यूँके किसे नै कदे अपणे देह तै बैर न्ही करया बल्के वो उसका पालन-पोषण करै सै,

जिसा मसीह भी कलीसिया के गैल करे सै। 30 इस करके के हम मसीह की देह के अंग के समान सां। 31 जिसा के पवित्रग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “इस कारण माणस अपणे माँ बाप नै छोड़के अपणी पत्नी तै मिल्या रहैगा, अर वे दोनु एक देह होंगे।” 32 यो भेद तो बड़ड़ा सै, पर मै याइँ मसीह अर कलीसिया के बारे म्ह कहूँ सूँ। 33 पर थारे म्ह तै हरेक अपणी पत्नी तै अपणे समान प्यार करै, अर पत्नी भी अपणे पति का डर मान्ने।

6 पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के “अपणे माँ बाप का आदर कर, तो तेरा भला होगा अर इस धरती पै तेरी उम्र भी लम्बी होवैगी।” अर यो परमेसवर की ओड़ तै दिया गया पैहला हुकम सै, जिसके गैल वादा भी सै। हे बाळकां आळो, यो थारे खात्तर सही सै, के थम जो परमेसवर पै बिश्वास करो सों, तो अपणे माँ-बाप का कहणा मान्ने। 4 हे बाळकां आळो, अपणे बाळकां नै गुस्सा ना दुवाओ, पर शिक्षा अर चेतावनी देंदे होए उनका पालन-पोषण करो। 5 हे नौकरों, जो माणस इस दुनिया म्ह थारे माल्लिक सै, उनका हुकम उरदे अर कापते होए मान्ने, जिस मन तै थम मसीह का हुकम मान्ने सों। 6 माणसां नै खुश करण आळा कै समान दिखावटी सेवा ना करो, पर थम मसीह के दास सों, इस करके थम पूरे मन तै वो काम करो जो परमेसवर चाहवै सै। 7 अर उस सेवा नै माणसां की न्ही, पर प्रभु की सेवा जाणकै सच्चे मन तै करो। 8 क्यूँके थम जाणो सों के जो कोए जिसा आच्छा काम करैगा, चाहे दास हो चाहे आजाद माणस, प्रभु तै उसका फळ पावैगा। 9 हे मालिकों, थम भी धमकी देणा छोड़के नौकरां गैल उसाए व्यवहार करो, क्यूँके थम जाणो सों के उनका अर थारा दोनुआ का माल्लिक सुर्ग म्ह सै, अर वो किसे का पक्षपात न्ही करदा। 10 इस करके मै कहूँ सूँ के थम प्रभु म्ह आत्मिक रूप तै शक्तिशाली बणो। 11 परमेसवर के सारे हथियार बाँध ल्यो ताके थम शैतान की चालां के स्याम्ही खड़े रह सको। 12 क्यूँके म्हारा यो आत्मिक युध्द माणसां तै कोनी, पर प्रधानां, अधिकारियां, अर इस संसार के अन्धकार के हाकिमां अर दुष्टता की आत्मिक सेनाओं तै सै, जो अकास म्ह सै। (aiōn g165) 13 इस करके परमेसवर के सारे हथियार बाँध ल्यो ताके जिब बुरे दिन आवै तो उनका सामना कर सको, अर सब कुछ करण म्ह मजबुती तै डटे रह सको। 14 इस करके परमेसवर की सच्चाई के मुताबिक जिओ, यो इस तरियां सै, जिसा एक सिपाही का बेल्ट तै अपणी कमर कसणा, अर धार्मिकता की झिलम पहैर ल्यो जो थारे आच्छे सुभाव नै दिखावै सै, जो थमनै शैतान के हमले तै बचावैगा। 15 जिस तरियां एक सिपाही युध्द लड़ण के खात्तर पैरां म्ह जूते पहैरै सै, उरसे तरियां थम भी परमेसवर के साथ शान्ति के सुसमाचार के जरिये, शैतान तै लड़ण खात्तर तयार हो जाओ। 16 अर इन बातां के होन्दे होए जिस तरियां सिपाही, ढाल तै अपणे-आपनै दुश्मन के तीरां तै बचावै सै, उरसे तरियां मसीह म्ह पक्का बिश्वास करो ताके थम शैतान के हमलां तै खुद नै बचा सको। 17 जिस तरियां सिपाही युध्द म्ह अपणे सिर नै बचाण खात्तर टोप पहैरै सै, उरसे तरियां परमेसवर की ओड़ तै मिल्या उद्धार भी म्हारा टोप सै, जो थमनै शैतान के हमलां तै बचावैगा, अर जिस तरियां सिपाही युध्द म्ह हलवार तै अपणे-आपनै बचावै सै, अर थम भी आत्मा की तलवार, जो परमेसवर का वचन सै, ले ल्यो, अर शैतान तै खुद नै बचा ल्यो। 18 हरेक बखत अर हरेक ढाळ तै पवित्र आत्मा की अगुवाई म्ह प्रार्थना अर बिनती करते रहों, इस करके जागते रहों अर सारे पवित्र माणसां खात्तर लगातार बिनती करते रहों। 19 अर थम मेरै खात्तर भी प्रार्थना करो, ताके मेरै बोल्लण के बखत इसे शब्द दिये जावै के मै हिम्मत के गैल सुसमाचार का भेद बता सकूँ। 20 इस्से खात्तर मै बेल्लां तै जकड़ा होया राजदूत के समान सेवा करण लाग रहया सूँ, प्रार्थना करो के जिस तरियां मन्ने बोलणा चाहिए, उरसे ढाळ बेधड़क होके सुसमाचार का प्रचार कर सकूँ। 21 तुखिकुस जो प्रभु म्ह मेरा प्यारा भाई अर बिश्वास लायक सेवक सै, यो थारे ताहीं मेरे सारे हालात अर सारी बातां के बारे म्ह बता देवैगा। 22 उस ताहीं मन्ने थारे धौरे इस्से खात्तर भेजया सै के थम म्हारी दशा नै जाणो, अर वो थारे मनां नै होसला दे। 23 परमेसवर पिता

अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै बिश्वासी भाईयाँ नै शान्ति अर बिश्वास गैल प्यार मिलै। 24 उन सारा पै अनुग्रह होदा रहवै, जो म्हारै प्रभु यीशु मसीह तै कदे ना खतम होण आळा प्यार करे सै।

फिलिपियों

1 या चिट्ठी पौलुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह के दास सै, मै पौलुस कलीसिया के सारे पवित्र माणसां, अगुवां, अर सेवकां के नाम जो प्रभु यीशु मसीह म्ह होकै फिलिप्पी नगर म्ह रहवै सै। 2 हम प्रार्थना करां सां के म्हारे पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिलदी रहवै। 3 मै जिब-जिब थमनै याद करूँ सूँ, तब-तब अपणे परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूँ, 4 अर खुशी कै गैल अउणी हरेक प्रार्थना म्ह थारे सारया खात्तर हमेशा परमेसवर तै मदद की बिनती करूँ सूँ। 5 इस करके के पहिले दिन तै जिब थमनै सुसमाचार पै बिश्वास करया, तब तै आज तक थम यीशु मसीह कै प्यार के बारे म्ह सुसमाचार फैलाण म्ह म्हारे साथ रहवै सों। 6 मन्नै इस बात का भरोसा सै, के परमेसवर जिसनै थारे म्ह आच्छा काम शरू करया सै, वोए उसनै जिब यीशु मसीह बोहड़ के आवैगा तब तक पूरा करेगा। 7 सही सै ताके मै थारे सारया खात्तर इसाए विचार करूँ। क्यूँके थारे खात्तर मेरे मन म्ह खास जगहाँ सै, इब मै कैद म्ह सूँ, अर सुसमाचार की सच्चाई नै साबित अर बचाव करण म्ह लागरया सूँ, तो थम सब मेरे गैल परमेसवर के अनुग्रह म्ह साझीदार सों। 8 इस म्ह परमेसवर मेरा गवाह सै, के मै मसीह यीशु की तरियां लगाव करके, थारे सारया की मिलण की लालसा करूँ सूँ। 9 मै या प्रार्थना करूँ सूँ, के थारा प्यार वास्तविक ज्ञान अर अन्तरात्मा म्ह और भी बढ़ता जावै। 10 ताके थम आच्छी तै आच्छी बात नै चुण सकों, अर मसीह कै बोहड़ण तक हरेक बुराई तै बचे रहों, अर टोककर ना खाओ। 11 अर उस धार्मिकता के काम नै जो यीशु मसीह कै जरिये होवै सै, भरपूर होन्दे जाओ जिसतै परमेसवर की महिमा अर बड़ाई होंदी रहवै। 12 हे बिश्वासी भाईयो, मै चाहूँ सूँ के थम यो जाण ल्यो, के जो मेरे पै बिल्या सै, उसतै भोत सारे माणसां नै सुसमाचार पै बिश्वास करया सै। 13 उरै ताहीं के महाराजा के राजभवन की सारी पलटन अर बाकी सारे माणस यो जाणगे सै, के मै कैद म्ह सूँ, क्यूँके मै मसीह का दास सूँ। 14 अर प्रभु म्ह जो बिश्वासी भाई सै, उन म्ह तै घणखरे मेरे कैद होण के कारण, साहस कै गैल परमेसवर का वचन बिना डरे सुणावै सै। 15 कुछ लोग तो जळण अर इगड़े के कारण मसीह के सुसमाचार के बारे म्ह सुणावै सै, अर कई माणस भली इच्छा तै, ताके मेरे वचन फैलाण म्ह मदद कर सकै। 16 भली इच्छा तै प्रचार करण आळे प्यार तै प्रचार करै सै, क्यूँके वो जाणै सै, के मै सुसमाचार के बचाव के खात्तर जेळ म्ह बन्द सूँ। 17 कई माणस तो जळण अर बिरोध के कारण मसीह का प्रचार करै सै, यो सोचके के मेरी कैद म्ह मेरे खात्तर और कळेथ पैदा कर सकै। 18 तो के होया? सिर्फ यो के हर ढाळ तै, बुरी इच्छा तै चाहे सच्चाई तै, मसीह के वचन का प्रचार हरेक जगहाँ करया जाण लागरया सै, अर मै इसतै आनन्दित सूँ अर आनन्दित रहूँगा भी। 19 क्यूँके मै जाणू सूँ, के थारी बिनती कै जरिये, अर पवित्र आत्मा जो यीशु मसीह की ओड़ तै आया सै, इसका प्रतिफळ जो मेरे बिश्वास म्ह बणे रहण अर कैद तै लिङ्गण का कारण होगा। 20 मै तो याए मन तै लालसा अर आस राखूँ सूँ, के मै किसे बात म्ह शर्मिन्दा ना होऊँ, पर साहस कै साथ परमेसवर का वचन सुणा सकूँ, जिसा पहिले मन्नै सुणया था, चाहे मै जिन्दा रहूँ या मरू, मसीह की बड़ाई मेरी देह के जरिये होन्दी रहवै। 21 क्यूँके मेरे खात्तर जिन्दा रहणा मसीह सै, अर मर जाणा और भी आच्छा सै, क्यूँके मै मसीह के धोरे चला जाऊँगा। 22 पर जै देह तै जिन्दा रहणा ए परमेसवर के काम के खात्तर फायदेमन्द सै, तो मै न्ही जाणदा के किसनै चुणु। 23 क्यूँके मै उळ्णन म्ह सूँ, के मै के करूँ, जी तो करै सै, के मै दुनिया छोड़के मसीह कै धोरे चला जाऊँ, क्यूँके यो घणाए आच्छा सै, 24 पर देह म्ह रहणा थारे कारण और भी जरूरी सै, ताके मै थारी मदद कर सकूँ। 25 इस करके के मन्नै इसका भरोसा सै। मै जाणू सूँ के मै जिन्दा रहूँगा, बल्के सारा कै गेल्या रहूँगा, जिसतै थमनै बिश्वास म्ह मजबूत कर सकूँ, अर उस म्ह आनन्दित रहों। 26 जिब मै थारे धोरे बोहड़ के आऊँगा तो यीशु मसीह जो

मेरे जरिये काम करण लागरया सै, उसपै थम गर्व कर सकों सों। 27 सिर्फ इतणा करो, के थारा चाल चलण मसीह कै सुसमाचार के लायक हो जावै। चाहे मै आके थमनै देखूँ, चाहे ना भी आऊँ, तोभी थारे बारे म्ह योए सुणु, के थारा एक ए मकसद हो, अर एक मन होके बिश्वास तै जो सुसमाचार तै आवै सै, उसके खात्तर मेहनत करते रहों। 28 अर किसे बात म्ह बिरोधियाँ तै भय ना खाओ। उनकै खात्तर विनाश का, अर थारे खात्तर उद्धार का साफ सबूत सै, अर यो परमेसवर की ओड़ तै सै। 29 क्यूँके मसीह कै कारण थारे पै या अनुग्रह होया के ना केवल उसपै बिश्वास करो पर उसके खात्तर दुख भी ठाओ, 30 अर थमनै उसीए मेहनत परमेसवर के खात्तर करणी सै, जिसी थमनै मेरे ताहीं पहिले फिलीपी नगर म्ह करते देखा सै, अर इब भी सुणो सों के मै उसाए करूँ सूँ।

2 थम यीशु मसीह के कारण उत्साहित हो, अर जो उसका प्यार थारे खात्तर सै, वो थमनै शान्ति देवै सै, क्यूँके पवित्र आत्मा कै गैल थारी संगति सै, अर मसीह की करुणा अर दया थारे पै सै। 2 तो मेरा यो आनन्द पूरा करो के एक मन रहों, अर एके प्यार, एके चित्त, अर एके मनसा राखवों। 3 मतलबीणण या झूठी बड़ाई कै खात्तर कुछ ना करो, पर दीनता तै एक-दुसरे नै अपणे तै घणा आदर मान घो। 4 हरेक अपणे ए हित की न्ही, बल्के दुसरयां कै हित की भी चिंता करै। 5 जिसा मसीह यीशु का सुभाव था उसाए तेरा भी सुभाव हो। 6 यीशु, परमेसवर के समान होके भी होके भी परमेसवर कै बराबर होण नै अपणे बस म्ह राखण की चीज ना समझा। 7 बल्के अपना सारा सुर्गाय हक छोड़ दिया, अर दास का रूप धारण करते होए माणस की समानता म्ह होगया। 8 अर माणस कै रूप म्ह जाहिर होके अपणे-आपनै दीन करया, अर परमेसवर का आज्ञाकारी रहया अर याडै तक के अपराधियाँ की तरियां मौत, हॉ क्रूस की मौत भी सह ली। 9 इस कारण परमेसवर नै उस ताहीं ऊँची उपाधि दी, अर उसनै वो नाम दिया जो सारे नामां म्ह ऊँच्चा सै, 10 के जो सुर्ग म्ह अर धरती पै धरती कै नीच्चे सै, वे सारी यीशु के नाम की बड़ाई करे, 11 अर परमेसवर पिता की महिमा के खात्तर हरेक इन्सान मान ले के यीशु मसीह ए प्रभु सै। 12 इस करके हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, जिस ढाळ थम सदा तै हुकम मानते आये सों, उसाए इब भी ना सिर्फ मेरे गैल रहंदे होए, पर खास करके इब मेरे दूर रहण पै, भी परमेसवर तै डरदे अर कापते होए अपणे उद्धार के काम नै पूरा करो। 13 क्यूँके परमेसवर थारे म्ह काम करण लागरया सै, अर वोए थमनै अपणी इच्छा अर सामर्थ देवै सै, वो काम करो जो उसनै पसन्द सै। 14 सारे काम बिना कुड़कड़ाए अर बिना विवाद के करया करो, 15 ताके थम परमेसवर की ऊलाद की तरियां इस दुनिया के बुरे अर मतलबी माणसां के बीच म्ह पवित्र अर बेदाग जीवन जी सकों। दुनिया के माणसां के बीच म्ह थम जीवन का वचन लिये होए, आसमान के तारां के समान चमकों। 16 जिब मसीह बोहड़ै तो मन्नै गर्व करण का कारण हो, ताके मेरी कोशिश अर मेरी मेहनत करणा बेकार ना होवै। 17 जिब मन्नै थारे ताहीं वचन सुणाया, तो थमनै यीशु मसीह पै बिश्वास करया, अर अपना जीवन भी सेवा खात्तर प्रभु ताहीं बलिदान दिया। इस करके मै प्रभु खात्तर मर भी जाऊँ, तोभी थारे साथ खुश अर आनन्दित सूँ। 18 उससे तरियां थम भी आनन्दित होओ, अर मेरे गैल आनन्द करो। 19 मन्नै प्रभु यीशु मसीह म्ह आस सै, के मै तीमुथियुस नै थारे धोरे तावळा-ए भेजुँगा, ताके थारे हाल नै जाणके, मै उत्साहित होऊँ। 20 क्यूँके मेरे धोरे तीमुथियुस के जिसा सुभाव आळा माणस और कोए न्ही सै जो शुद्ध मन तै थारी चिंता करै। 21 क्यूँके सारे अपणे स्वार्थ की खोज म्ह रहवै सै, परमेसवर के कामां खात्तर न्ही। 22 पर थम जाणो सों, के तीमुथियुस तो बिश्वास लायक अर आच्छे सुभाव का सै, जिसा बेदा पिता कै गेल्या रहवै सै, उसाए उसनै सुसमाचार के फैलाण म्ह मेरे गैल मेहनत करी। 23 इस करके मन्नै आस सै, के ज्यो ही मन्नै बेरा लागेगा के मेरा के हाल होगा, त्यों ही मै उसनै तावळी सी भेज देऊँगा। 24 अर मन्नै प्रभु म्ह भरोसा सै, के मै आप भी तावळा आऊँगा। 25 मन्नै इपफ्रुदीतुस नै थारे धोरे भेजणा जरूरी समझा,

जो मेरा भाई अर सहकर्मी साथी योध्दा, अर जरूरतां म्ह मेरी मदद करण आळा थारी ओड़ तै भेज्जा गया दूत सै। 26 क्यूँके उसका मन थारे साराया म्ह लाग्या रह्या था, अर वो बेचैन रहवै था क्यूँके थमने उसकी बीमारी का हाल सुणया था। 27 पक्का वो बीमार तो होगया था, उरै ताहीं वो मरण पै था, पर परमेसवर नै उस ताहीं मरण न्ही दिया, अर सिर्फ उरसे पै न्ही पर मेरे पै भी दया करी, ताके मन्ने दुख पै दुख ना हो। 28 इस करके मन्ने उस ताहीं भेजण का और भी जल करया, के तू उसतै फेर मिलके आनन्दित हो जा, अर मेरी भी चिन्ता घट जावै। 29 इस करके तू प्रभु म्ह उसतै घणे आनन्द के गैल मिलये, अर इसा का आदर करया करिये। 30 क्यूँके वो मसीह के काम खात्तर अपणी जान जोखिम म्ह गेर के मौत के धोरे आ गया था। ताके वो मेरी मदद कर सकै जिस काम नै थम कर न्ही पाये, क्यूँके थम दूर थे।

3 इस करके हे मेरे बिश्वासी भाईयो, प्रभु म्ह आनन्दित रहों। वेप बात थारे ताहीं बारबार लिखण म्ह मन्ने तो कोए दिक्कत कोनी होन्दी, पर ये बात थमने इस्से दूठ्ठे शिक्षाकां तै बचाके राक्खेगी। 2 उन बुरे माणसां तै चौककस रहों जो कुत्तयाँ के समान सै, अर जो कहवै सै, के उद्धार पाण खात्तर खतना करणा जरूरी सै। 3 हम्मे परमेसवर के सच्चे लोग सां, जो पवित्र आत्मा की अगुवाई म्ह आराधना करा सां, अर मसीह यीशु पै घमण्ड करा सां, पर अपणे उन काम्मां के जरिये न्ही जो हम शरीर तै करा सां। 4 पर मै तो शारीरिक काम्मां पै घमण्ड राक्ख सकू सूं। जै किसे और का शारीरिक काम्मां पै घमण्ड राक्खण का विचार हो, तो मै उसतै भी बढ़के राक्ख सकू सूं। 5 परमेसवर के हुकम के मुताबिक जन्म के आठवे दिन मेरा खतना होया, मै जन्म तै इस्राएली अर बिन्यामीन के गोत्र का सूं, मेरे माँ-बाप इब्रानी थे, इस करके मै भी इब्रानी सूं, अर (मूसा नबी के) नियम-कायदा नै मानण के कारण मै फरीसी भी था। 6 उत्साह के बारे म्ह जै कहो तो कलीसिया का सतावण आळा, अर सारे यहूदी नियम-कायदा नै मानण आळा था, इस करके लोग मन्ने धर्म मान्ने थे। 7 पर जिन बात्तां नै मै लाभ की समझ्ठू था, उन ताहीं मन्ने मसीह यीशु के कारण नुकसान समझ लिया सै। 8 बल्के अपणे प्रभु मसीह यीशु नै आच्छी तरियां जाणण के महत्व कै आगै, मै बाक्की की सारी बात्तां नै बेकार समझ्ठू सूं। जिसके कारण मन्ने उन सारी चिज्जां ताहीं छोड़ दिया सै, अर उननै कूड़ा समझ्ठू सूं। ताके मै मसीह नै आच्छी तरियां जाण सकू। 9 अर मै उसका कहलाऊँ, इब मेरी अपणी धार्मिकता वा कोनी जो नियम-कायदा के पुगाण तै आवै सै, बल्के मेरी धार्मिकता वा सै जो सिर्फ परमेसवर की ओड़ तै मसीह पै मेरे बिश्वास करण के कारण आवै सै। 10 मै चाहूँ सूं, के मसीह नै जाण ल्यु, अर मै उसके पुनरुत्थान के सामर्थ्य नै अनुभव करूँ, अर उसके गैल दुखां म्ह साझीदार हो के मसीह की मृत्यु की समानता नै पा सकू। 11 ताके मै भी मरे होए माणसां म्ह तै जी उठण आळा म्ह शामिल हो जाऊँ। 12 इसका यो मतलब कोनी के मन्ने यो सारा काम करया सै, या मै सिध्द हो लिया सूं, मै आगै बढ़ण की कोशिश करते जाण लागरया सूं, ताके मन्ने वो मिल जावै, जिसके खात्तर मसीह यीशु नै मेरे ताहीं चुणया सै। 13 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, मेरे विचार तै मै इस ताहीं इब तक पा न्ही सका सूं, पर हॉ, मै यो जरूर करण लागरया सूं, क्यूँके जो बात हो ली सै, मै उननै भूलके जो आगै होण आळा सै उसके खात्तर मेहतत करण लागरया सूं। 14 मै निशान्ने की ओड़ भाज्या चाल्या ज्या सूं ताके वो ईनाम पाऊँ, अर वो ईनाम यो सै के परमेसवर मन्ने सुर्ग म्ह बुलाण लागरया सै क्यूँके मसीह यीशु मेरे खात्तर मरया। 15 म्हारे म्ह तै जितने आत्मिक रूप तै सिध्द सै, जो इसा विचार राक्खै सै, अर जै किसे बात म्ह थारा ए विचार न्ही हो, तो परमेसवर उस ताहीं भी थारे पै जाहिर कर देगा। 16 इस करके हमने सच के मुताबिक चालणा सै, जो परमेसवर नै म्हारे पै जाहिर करया। 17 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, थारा सुभाव मेरे जिसा हो, अर उन माणसां ताहीं पिच्छणो, जिनका सुभाव मेरे जिसा सै, अर उनकी तरियां जिन्दगी जिओ। 18 क्यूँके घणेए इसी चाल चाल्लै सै, जिनका जिन्न मन्ने थारे ताहीं बार-बार करया सै, अर इब भी रो-रोके कहूँ सूं के उनका

सुभाव यो दिखावै सै, के वे मसीह कै क्रूस पै मरण के सन्देश का बिरोध करै सै। 19 उनका अंत विनाश सै, वो अपणी शारीरिक इच्छा नै ए पूरी करणा चाहवै सै, अर वे अपणी शर्म के काम जो वे करै सै, उनपै घमण्ड करै सै, अर दुनियावी चिज्जां के बारे म्ह सोचते रहवै सै। 20 पर म्हारा देश सुर्ग म्ह सै, अर हम एक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के ओड़ै तै आण की बेसबरी तै बाट देखण लाग रहे सां। 21 वो अपणी शक्ति कै असर के मुताबिक जिसके जरिये वो सारी चिज्जां नै अपणे बस म्ह कर सकै सै, म्हारी दीन-हीन देह का रूप बदलके, अपणी देह के अनुकूल बणा देगा।

4 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, मै थारे ताहीं भोत प्यार करूँ सूं, मन्ने थारे तै मिलण की बड़ी इच्छा सै। थम मेरा आनन्द अर मुकुट हो, मजबुत्ती तै बिश्वास करो, अर प्रभु के हुकम नै मानते रहों। 2 मै यूओदिया नै भी समझाऊँ सूं, अर सुन्तुखे नै भी, के थम आप्पस म्ह एक-दुसरे तै बहस मत करो। 3 हे मेरे सच्चे सहकर्मी, मै तेरे तै भी बिनती करूँ सूं के तू उन बिरबानियाँ की लड़ाई बन्द करवाण म्ह मदद कर, क्यूँके उननै मेरे गैल सुसमाचार फैलाण म्ह, क्लेमंस अर मेरे और सहकर्मियाँ गैल मेहनत करी, जिनके नाम जीवन की किताब म्ह लिखे होए सै। 4 प्रभु म्ह सदा आनन्दित रहों, मै फेर कहूँ सूं, आनन्दित रहों। 5 थारी कोमलता सारे माणसां पै जाहिर हो। प्रभु का आणा लोवै सै, 6 किसे भी बात की चिन्ता ना करो, पर हर हालात म्ह थारे निवेदन, प्रार्थना, बिनती अर धन्यवाद कै गैल परमेसवर कै आगै पेश करै जावै। 7 फेर परमेसवर की शान्ति, जो माणस की समझ तै परै सै, थारे मन अर विचारानं नै मसीह यीशु म्ह सुरक्षित राक्खेगी। 8 इस करके हे बिश्वासी भाईयो, जो बात सच सै, जो बात आदरणीय, जो धर्म सै, पवित्र सुहावनी अर जो-जो बात बड़ाई लायक सै, यानी जो भी सद्गुण अर प्रशंसा की बात सै उनपै ए मन लगाया करो। 9 जो बात थमने मेरे तै सुणी, मेरे म्ह देख्खी, सीखी, अर पाई सै, उननै मान्या करो, फेर शान्ति का परमेसवर थारे गैल रहैगा। 10 मै प्रभु मै घणा आनन्दित सूं के जिब इतने दिनां के पाछै थारी चिन्ता मेरे बारे म्ह फेर जागगी सै, पक्का थारे शरुआत म्ह भी इसका विचार था, पर थमने मौक्का न्ही मिला। 11 क्यूँके मेरे धोरे वो कोनी जो मन्ने चाहिए, पर मन्ने यो सिख्या सै के मै जिन हालातां म्ह मै सूं, उरसे म्ह सब्र करूँ। 12 मन्ने कंगाली अर भरपूरी म्ह रहणा सीख लिया सै, हरेक हालातां अर हरेक बात म्ह मन्ने तृप्त अर भूख्या रहणा, बढ़णा अर घटणा सीख लिया सै। 13 मसीह मन्ने सामर्थ्य देवै सै उस म्ह मै सब कुछ कर सकू सूं। 14 तोभी थमने भला करया के मेरे क्लेश म्ह मेरे साझीदार होए। 15 हे फिलिपी नगर के माणसां, थम आप भी जाणो सों के सुसमाचार के शरुआत म्ह, जिब मै मकिदुनिया परदेस तै बिदा होया, जब थारे अलावा किसे कलीसिया के बिश्वासी नै लेण देण के बारे म्ह मेरी मदद न्ही करी। 16 इसे ढाळ थिस्सलुनीके नगर म्ह मेरी जरूरतां नै पूरा करण म्ह थमने दो बार रपिये भेजके मेरी मदद करी। 17 मै यो न्ही लिखता, के मै दान चाहूँ सूं पर मै चाहूँ सूं के थारे दान के बदले थमने आशीष मिले। 18 मेरे धोरे सब कुछ सै, बल्के भोत घणाए सै, जो चीज थमने इपफ्रुदीतुस कै हाथ तै भेजी थी उननै पाके मै तृप्त होगया सूं, थारे दान तो मनमोहक सुगन्धित भेट की तरियां सै, अर उस बलिदान की तरियां सै, जो याजक परमेसवर नै चढ़ावै सै, अर वे उसनै भावै सै। 19 म्हारा पिता परमेसवर, अपणे अपार धन के मुताबिक जो महिमा समेत मसीह यीशु म्ह थारी हरेक जरूरत नै पूरी करेगा। 20 म्हारे परमेसवर अर पिता की बड़ाई युगानुयुग होंदी रहवै। आमीन। (aiōn g165) 21 यीशु मसीह म्ह सभी पवित्र माणसां नै, मेरी ओड़ तै नमस्कार कहो। जो बिश्वासी भाई मेरे गैल सै वे थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। 22 सारे पवित्र माणस, जो मेरे साथ सै, अर खास करके वे माणस जो कैसार के घराने तै बिश्वासी बणे सै, थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। 23 म्हारे यीशु मसीह का अनुग्रह थारी आत्मा कै गैल रहवै।

कुलुस्सियों

1 या चिट्ठी पौलुस अर म्हारे बिश्वासी भाई तीमुथियुस की ओड़ तै सै, जो परमेसवर की इच्छा तै मसीह यीशु का प्रेरित सै। 2 मसीह म्ह उन पवित्र अर बिश्वासी भाईयों के नाम जो कुलुस्से नगर म्ह रहवै सै: म्हारा पिता परमेसवर थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति देँदा रहवै। 3 जब हम थारे खात्तर बिनती करां सां, तो हम अपने प्रभु यीशु मसीह के पिता, यानी परमेसवर का धन्यवाद करा सां, 4 क्यूँके हमनै सुणया सै के यीशु मसीह पै थारा बिश्वास सै, अर सारे पवित्र माणसां तै थम प्यार करो सां। 5 जो बिश्वास अर प्यार इन बिश्वासी भाईयों के धारे सै, वो उस आस की बजह तै ए सै, जो थारे खात्तर सुर्ग म्ह धरी सै, जिसका वर्णन थमनै पैहले तै सुण राख्या सै। जब माणस थारे धारे आए अर यीशु मसीह का सुसमाचार थारे ताहीं सुणाया, जो के परमेसवर का वचन सै। 6 जो थारे धारे पोहचा सै, अर जिसा दुनिया म्ह यो नतिज्जा ल्याण लागरया सै अर दुनिया म्ह हरेक जगह फैलाण लागरया सै, उससे तरियां जिस दिन तै थमनै उस ताहीं सुणया अर या सच्चाई आच्छी तरियां समझी के परमेसवर मुफ्त म्ह उन माणसां का पाप माफ करे सै जो यीशु पै बिश्वास करे सै। थारे म्ह भी इसाए करे सै। 7 उससे की शिक्षा थमनै म्हारे गैल काम करणीये प्यारे इपफ्रास तै पाई, जो म्हारे खात्तर मसीह का बिश्वास लायक दास सै। 8 उससे नै म्हारे ताहीं पवित्र आत्मा के प्यार के बारे म्ह बताया सै, जो परमेसवर नै म्हारे ताहीं दिया सै। 9 इस करके जिस दिन तै हमनै यो सुणया सै, हम भी थारे खात्तर सदा प्रार्थना करां सां। के थम परमेसवर का आत्मा थारे ताहीं आत्मिक ज्ञान अर समझ देवे, ताके थम उसकी इच्छा नै समझ सको। 10 थारा बरताव इसा होणा चाहिए जिसा परमेसवर के माणसां का हो सै, ताके थम परमेसवर नै हरेक काम म्ह खुश कर सको, ताके थम सारी हाण भले काम करते रहें अर थम परमेसवर की पिच्छाण म्ह बढ़ते जाओ। 11 उसकी महिमा की शक्ति कै मुताबिक सारी ढाळ की सामर्थ तै शक्तिशाली होन्दे जाओ, ताके थम खुशी अर धीरज कै गैल दुखां नै सह सको। 12 अर पिता परमेसवर का धन्यवाद करते रहो, जिसनै थारे ताहीं इस लायक बनाया के थम उसके राज्य म्ह साझीदार हो सको, जो उसनै अपने माणसां खात्तर सुर्ग म्ह तैयार करया सै। 13 उससे नै म्हारे ताहीं शैतान की सामर्थ तै छुड़वके अपने प्यारे बेटे के राज्य म्ह दाखल कराया, 14 जिसतै अपने बेटे की कुरबानी के जरिये म्हारे ताहीं छुटकारा दिया, यानी पापां की माफी। 15 परमेसवर नै कोए नही देख सकता, पर जब उसका बेटा यीशु मसीह इन्सान की देह धारण करके इस धरती पै आया तो हम उसनै जाण पाए के परमेसवर किसा सै, वो बिलकुल उसके समान सै। 16 क्यूँके मसीह नै परमेसवर के साथ मिलके सारी चिज्जां की सृष्टि करी, सुर्ग की हो या धरती की, देखी या अनदेखी, के सिंहासन, के प्रभुताएँ, के प्रधानताएँ, के हक, सारी चीज उससे के जरिये अर उससे खात्तर बनाई गई। 17 सारी चिज्जां के बणण तै पैहला मसीह था, अर सारी चीज उससे म्ह मिलके काम करे सै। 18 मसीह की देह कलीसिया नै चलावै सै, जिस तरियां सिर पूरे देह नै चलावै सै, यानी मसीह कलीसिया का सिर सै, वोए शरुआत सै, अर मरे होया म्ह तै जी उठण आळा म्ह जेठ्ठा सै, ताके सारी बात्तां म्ह वोए प्रधान बणें। 19 क्यूँके पिता परमेसवर की खुशी इस्से म्ह सै के मसीह म्ह परमेसवर की सारी भरपूरी रहवै। 20 अर उसके क्रूस पै बहे होए लहू के जरिये मेळ-मिलाप करके, परमेसवर नै अपने बेटे ताहीं भेज्जा, जिसनै अपना लहू बहाया अर अपनी जाण दे दी। परमेसवर नै यो इस खात्तर करया ताके उसका अर सारी चिज्जां तै दुबारा मेळ हो सकै। इस तरियां तै उसनै अपने बीच अर सारी चीज जो सुर्ग म्ह सै या अर सारी चीज जो धरती पै सै शान्ति की स्थापना करी। 21 थम जो पैहले पराये थे अर बुरे कामां के कारण मन तै बैरी थे। 22 परमेसवर नै इब अपने बेटे ताहीं इन्सान बनाके भेज्जा ताके वो क्रूस पै मारया ज्या, जिसकी बजह तै थारा भी मेळ करवाया ताके थमनै अपने आगै पवित्र अर बिना कलंक अर बेकसूर

बणाके खड्या करे। 23 जै थम मसीह म्ह बिश्वास करो सां, अर थारा बिश्वास उस घर की तरियां हो जो मजबूत नीम पै खड्या सै, अर उस सुसमाचार की आस नै ना छोड़ो, जिस ताहीं थमनै सुणया सै, जिसका प्रचार दुनिया के माणसां म्ह करया गया सै, उसका मै, पौलुस, वचन का सुणण आळा बणया। 24 मै उन दुखां के कारण आनन्दित सूँ, जो थारे खात्तर ठाऊँ सूँ अर मसीह के क्लेश की कमी उसकी देह के खात्तर, यानी कलीसिया के खात्तर, अपने गात म्ह पूरी करूँ सूँ, 25 इस्से कलीसिया के खात्तर मै थारे खात्तर परमेसवर के जरिये सौंपी गई सेवा के मुताबिक दास चुणया गया के मै परमेसवर के आदेश नै पूरी तरियां प्रचार करूँ। 26 यानी उस राज नै जो बखत अर पीढ़ियाँ तै गुप्त रहा, पर इब उसके उन पवित्र माणसां पै दिख्या सै। (aiōn g165) 27 परमेसवर चाहवै सै के मसीह के धन अर महिमा नै गैर यहूदियों के माणस जाणै सै, अर वो राज यो सै के मसीह थारे म्ह रहवै सै, यो थमनै परमेसवर की महिमा नै साँझा करण की आस देवै सै। 28 इस खात्तर हम दुसरयां नै मसीह के बारे म्ह बतावां सां, अर हरेक आदमी नै चेतावनी देवा सां अर परमेसवर के दिए गए ज्ञान तै हरेक आदमी नै सिखावा सां, हरेक आदमी नै मसीह म्ह सिध्द करके परमेसवर के स्याम्ही पेश करणा चाहवां सां। 29 इस्से ताहीं पूरा करण खात्तर मै भोत मेहनत अर कष्ट सहू सूँ। उस सामर्थ के जरिये जो मसीह देवै सै अर जो मेरे म्ह काम करण लागरया सै।

2 मै चाहूँ सूँ के थम जाण ल्यो के थारे अर उनके खात्तर जो लौदीकिया नगर म्ह सै अर उन सारया खात्तर जिनतै मै नही मिला, मै उनके खात्तर किसी मेहनत करूँ सूँ। 2 मै इस खात्तर मेहनत करूँ सूँ ताके मै उनके बिश्वास नै मजबूत कर सकूँ। थारा एक-दुसरे के खात्तर प्यार थारे ताहीं आप्पस म्ह बाँधके राखवै, मै चाहूँ सूँ के उननै पूरा भरौस्सा हो क्यूँके उन ताहीं परमेसवर की गुप्त योजना की पूरी समझ सै, जो के मसीह सै ए। 3 परमेसवर ए सै जो बुद्धि अर ज्ञान की समझ देवै सै जो छिपे होए खजाने की ढाळ सै। 4 यो मै इस करके कहूँ सूँ के कोए आदमी थमनै झूठी शिक्षा तै ना भरमावै। 5 हालाकि मै थारे तै दूर सूँ, तोभी मै थारे बारे म्ह सोचता रहूँ सूँ, अर जिसा थमनै जीणा चाहिए उसा जीवन अर थारे मजबूत बिश्वास नै देखके जो मसीह म्ह सै, मै राज्जी होऊँ सूँ। 6 इस करके जिस तरियां थमनै मसीह यीशु ताहीं प्रभु करके मान लिया सै, उससे तरियां उस ताहीं मानते रहो। 7 थारा मसीह पै बिश्वास उस जमीन म्ह लगाये गये पेड़ की तरियां हो, जिसकी जड़ गहरी अर मजबूत हो सै। बिश्वास म्ह मजबूत होन्दे जाओ, जिसा के थारे ताहीं सिखाया गया सै, अर सदा परमेसवर का धन्यवाद करते रहो। 8 इस कारण हम मानवीय शिक्षा का पालन नही करणा चाहन्दे, ताके कोए थमनै उस बेकार ज्ञान अर धोखे के जरिये अपने बस म्ह ना करले, जो माणसां के रिवाज अर दुनियावी शिक्षा के मुताबिक तो सै, पर मसीह के मुताबिक कोनी। 9 थारे ताहीं ये लोग धोखे ना देण पावै, जब के मसीह नै मानव रूप धारण करया पर वो पूरी तरियां तै परमेसवर था। 10 अर हरेक शक्ति अर प्रधानता पै उसका अधिकार सै। जै थम मसीह के कहलाओ हो, तो थमनै किसे चीज की कमी कोनी। 11 जब थम मसीह म्ह बिश्वास करो सां, तो थारा माणसां के जरिये खतना कोनी करया जान्दा, पर मसीह के जरिये करया जावै सै, जो के खुद ताहीं पापमय सुभाव तै दूर करणा सै। 12 जब थारा बपतिस्मा होया (यो थारा पापमय सुभाव दिखावै सै) तो थम मसीह की तरियां गाड़े गये, अर जिसा मसीह जिवाया गया, अर उससे तरियां थम भी जिन्दा करे गए (नये सुभाव तै)। यो इस खात्तर होया क्यूँके थम बिश्वास करो सां, के परमेसवर नै मसीह ताहीं अपनी शक्ति तै मुर्दा म्ह तै जिवाया। 13 थम जो अपने कसूर अर अपने पापमय सुभाव तै आजाद नही थे, परमेसवर नै थारे ताहीं भी मसीह के गैल जिवाया, अर म्हारे सारे कसूर माफ कर दिए। 14 अर इसा लागै सै जिसा परमेसवर नै म्हारे पापां का वो लेख मिटा दिया, जो म्हारे खिलाफ इल्जाम नै बतावै थे। जब मसीह ताहीं क्रूस पै कील्लां तै जकड़ा गया तो उसनै उस लेख ताहीं पूरी

तरियां हटा दिया। 15 अर उसने प्रार्थना अर अधिकारों ताहीं हरा कै उनका खुल्लमखुल्ला तमाशा बणाया अर कूस के जरिये उनपै जयजयकार की आवाज सुणाई। 16 इस करके थमने कोए धोखा ना देवे, अर ना कोए थमने खाण-पीण या त्यूहार, नये चाँद अर आराम कै दिन के बारे म्ह परखे। 17 क्यूँके ये सारी आण आळी बात्तां की छाया सै, पर मूल चीज मसीह की सै। 18 कोए आदमी झूठी विनम्रता अर सुर्गदूतां की पूजा करा के थारे ताहीं दौड़ के ईनाम तै राख ना दे। इसा आदमी देखी होइ बात्तां म्ह लाग्या रहवै सै अर अपणी शरीरिक समझ पै बेकार फुल्ले सै, 19 उसने बिश्वास अर मसीह का सच्चा सन्देश सिखाणा छोड़ दिया सै, जो के देह म्ह सिर की तरियां सै। जिस तरियां एक सिर देह नै निर्देश देवे सै, उससे तरियां मसीह अपणे लोगां ताहीं निर्देश देवै के वे एक साथ अर एक जुट रहवै जिस तरियां देह के जोड़ अर नस देह नै पकड़ै सै, अर यो बढै सै, जिस तरियां परमेसवर उन ताहीं बढाणा चाहवै सै। 20 जिब के थम मसीह के गैल दुनिया की पुराणी शिक्षा की ओड़ तै मरगे सों, तो फेर क्यूँ उनकी तरियां जो दुनिया के सै जीवन बिताओ सों? थम इसी विधियाँ के बस म्ह क्यूँ रहों सों, 21 के ना तो “इसने छुईये”, ना “उस ताहीं खाके देखिये”, अर ना उसके हाथ लगाईये? 22 ये सारी चीज काम म्ह लान्दे-लान्दे नाश हो जावैगी, क्यूँके ये माणस के हुकम अर शिक्षा के मुताबिक सै। 23 ये तीन निमम बुद्धिमानी का रह दिखावै सै, जो ये सै, खुद ताहीं परमेसवर के प्रति समर्पित करणा, झूठी विनम्रता अर अपणी देह के गैल कठोरता तै बरताव करणा। पर माणस इन विधियाँ नै मान्ने सै, तोभी पापमय सुभाव नै न्ही छोड़ पान्दा।

3 यो इसा सै, के मान्ने जणु परमेसवर नै थारे ताहीं मुर्दा म्ह तै जिवा दिया हो, जिस तरियां उसने मसीह ताहीं मुर्दा म्ह तै जिवाया, तो सुर्गीय चिज्जां की खोज म्ह रहों, जड़ै मसीह परमेसवर के साथ महिमामय जगहां म्ह बेठ्या होया सै। 2 धरती पै की न्ही पर सुर्गीय चिज्जां पै ध्यान लगाओ, 3 क्यूँके यो इसा सै थम तो मर गये जिब मसीह मारा गया अर थारा जीवन मसीह के गैल परमेसवर म्ह छिप्या होया सै। 4 जिब मसीह जो म्हारा जीवन सै, बोहड़ के आवेगा, तो थम भी उसके गैल दिखोगे अर उसकी महिमा म्ह शामिल होओगे। 5 इस करके अपणे उन बुरे काम्मां नै छोड़ द्यो जो थारे पापमय सुभाव का कारण बणै सै, जो धरती पै सै, यानी जारी, अशुद्धता, दुष्कामना, बुरी लालसा अर लालची ना बणो यो मूर्तिपूजा के बराबर सै। 6 क्यूँके माणस ये बुरे काम करै सै, इस कारण परमेसवर उन ताहीं बड्डा दण्ड देवेगा। 7 अर थम भी, जिब इन बुराईयां म्ह जीवन बिताओ थे, तो इन बुरी लालसा के मुताबिक जिओ भी थे। 8 पर इब थम भी इन सारया नै, यानी छो रोष, बेसभाव, बुराई अर मुँह तै गाळी बकणा ये सारी बात छोड़ द्यो। 9 एक-दुसरे तै झूठ ना बोल्लो, क्यूँके थमने बुरा सुभाव अर बुरे काम छोड़ दिये सै। 10 अर इब थमने नये सुभाव ताहीं धारण कर लिया सै, यो नया सुभाव ज्यादा तै ज्यादा म्हारे रचण आळे के मुताबिक बणण लागरया सै, ताके हम उसने आच्छी तरियां जाण पावां। 11 इस नई जिन्दगी म्ह कोए फर्क कोनी पड़ता चाहे यूनानी हो या यहूदी हो, खतना हो या खतनारहित हो, जंगळी हो या असभ्य हो, दास हो या आजाद हो, पर मसीह नै सै, जो सब तै खास सै अर वो हम सब म्ह बसै सै। 12 क्यूँके परमेसवर नै थारे ताहीं पवित्र माणस बणण खात्तर चुण्या सै, अर वो थारे ताहीं प्यार करै सै, इस करके बडी करुणा, भलाई, दीनता, नम्रता, अर सहनशीलता नै धारण करो। 13 अर जै किसे नै किसे पै दोष लगाण का कोए कारण हो, तो एक-दुसरे की सह ल्यो अर एक-दुसरे के कसूर माफ करो, जिस तरियां प्रभु नै थारे कसूर माफ करे, उससे तरियां थम भी करो। 14 इन सारा तै बढ़के थम जो काम कर सकों सों, वो यो सै, के थम एक-दुसरे तै प्यार करो, प्यार ही सै जो म्हारे ताहीं एक-दुसरे के गैल एकता म्ह जोड़े राखवै सै। 15 जो शान्ति मसीह देवे सै, वा थारे दिलां पै राज करेगी, क्यूँके थम सारे एक देह के अंग सों, इस करके थारे ताहीं एक-दुसरे के साथ शान्ति तै रहण के खात्तर बुलाया गया सै, अर थम सदा उसका धन्यवाद करदे रहों। 16 हर बखत मसीह के वचन के उप्पर

ध्यान करते रहवों ताके थारा सोचणा अर काम करणा उसके मुताबिक हो, अर सिध्द ज्ञानसुधा एक-दुसरे नै सिखाओ अर समझाओ, अर अपणे-अपणे मन म्ह धन्यवाद कै गैल परमेसवर के खात्तर भजान अर जै-जै कार अर आत्मिक गीत गाओ। 17 वचन म्ह या काम म्ह जो किमे भी करो, सारा प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै करो, अर उसके जरिये परमेसवर पिता का धन्यवाद करो। 18 हे पत्नियां, जिसा प्रभु म्ह सही सै, उसाए अपणे-अपणे धणी कै अधीन रहो। 19 हे पतियों, अपणी-अपणी घरआळी तै प्यार राखवो, अर उनके गैल नरमाई तै पेश आओ। 20 हे बाळकों, सारी बात्तां म्ह अपणे-अपणे माँ बाप के हुकम नै मान्ने, क्यूँके प्रभु इसतै खुश होवै सै। 21 हे बाळकां आळो, अपणे बाळकां नै तंग ना करो, इसा ना होके वे परेशान हो जावै। 22 हे सेवको, जो इस दुनिया म्ह थारे माल्लिक सै, सारी बात्तां म्ह उनके हुकम का पालन करो, माणसां नै राज्जी करण आळा के समान दिखाण कै खात्तर न्ही, पर मन की सीधाई अर परमेसवर कै डर तै। 23 जो किमे थम करो सों, पूरे मन तै करो, यो समझके के माणसां कै खात्तर न्ही पर प्रभु कै खात्तर करो सों, 24 याद राखवो परमेसवर थमने ईनाम देवेगा, या फेर वो थमने आशीष म्ह साझीदार करेगा जो उसने अपणे माणसां कै खात्तर राख्खी सै, क्यूँके थम मसीह यीशु की सेवा करो सों। 25 जो बुरा काम करै सै, परमेसवर हरेक ताहीं उसकी बुराई का उसने दण्ड देवेगा, क्यूँके परमेसवर किसे के गैल पक्षपात कोनी करदा।

4 हे मालिकों, अपणे-अपणे नौकरां के गैल न्याय अर एक सा बरताव करो, या समझके के सुर्ग म्ह थारा भी एक माल्लिक सै। 2 प्रार्थना म्ह लाग्गे रहो, अर जिब प्रार्थना करो तो सावधान रहियो अर परमेसवर का धन्यवाद हमेशा करते रहो। 3 अर उसके गैल ए गैल म्हारे खात्तर भी प्रार्थना करते रहो के परमेसवर म्हारे खात्तर वचन सुणाण का इसा द्वार खोल दे, के हम मसीह के उस भेद का वर्णन कर सकां जिसके कारण मै कैद म्ह सूँ, 4 प्रार्थना करो के मै स्पष्ट रूप तै अर खुल्ले तौर पे मसीह के भेद नै बता पाऊँ। 5 अबिश्वासी के गैल जिब बात करो तो उस मौक्के का सही इस्तमाल करो। 6 थारा बोलणा सदा अनुग्रह समेत सलोना हो ताके थमने हरेक माणस ताहीं बढ़िया ढाळ तै जवाब देणा आ जावै। 7 प्यारे बिश्वासी भाईयो अर बिश्वास लायक दास तुखिकुस, जो प्रभु म्ह मैरे गैल दास सै, वो थमने सारी बात बता देगा। 8 उस ताहीं मन्ने इस खात्तर थारे धौरे भेज्जा, ताके थमने म्हारे हाल का बेरा पाट जावै अर वो थमने उत्साहित करेगा। 9 उसके गैल मन्ने उनेसिमस ताहीं भी भेज्जा सै, जो बिश्वास लायक अर प्रिय बिश्वासी भाई सै, अर वो भी थारे ए नगर का सै, ये थमने याड़े की सारी बात बता देंगे। 10 मैरे गैल कैदी अरिस्तखुंस अर मरकुस की ओड़ तै थमने नमस्कार, मरकुस जो बरनबास का चचेरा भाई सै, जिसके बारे म्ह थमने चिट्ठी मिली सै, के जै वो थारे धौरे आवै, तो उसतै आच्छी ढाळ बरताव करियो। 11 अर यीशु जो यूस्तुस कुह्वावै सै, थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। यहूदी बिश्वासियाँ म्ह तै सिर्फ ये तीन माणस सै, जो परमेसवर के राज्य के खात्तर मैरे गैल काम करणीये अर मेरे उत्साहित होण का कारण सै। 12 इपफ्रास, जो थारे नगर का सै, अर मसीह यीशु का दास सै, थारे तै नमस्कार कहवै सै। वो सदा थारे खात्तर मन लगाके प्रार्थना करै सै, अर परमेसवर तै सदा बिनती करै सै, के परमेसवर थमने मजबूत अर सिध्द बणावै, अर थमने पूरा भरोसा हो के थम परमेसवर की इच्छा का पालन करो सों। 13 मै उसका गवाह सूँ, के वो थारे खात्तर अर लौदीकिया अर हियरपुलिस नगर के माणसां कै खात्तर बडी मेहनत करता रहवै सै। 14 म्हारे प्रिय वैद लुका अर देमास का थारे ताहीं नमस्कार। 15 लौदीकिया नगर के बिश्वासी भाईयाँ नै, अर नुमफास अर उनके घर की कलीसिया नै नमस्कार कहिये। 16 जिब वा चिट्ठी थम पढ़ ल्यो तो इसा करियो के लौदीकिया की कलीसिया म्ह भी या पढी जावै, अर वा चिट्ठी जो लौदीकिया तै आवै उसने थम भी पढ़ईयो। 17 अर अरखिप्पुस तै कहिये के जो सेवा प्रभु म्ह तेरे ताहीं सौप्यी ग्यी सै, पक्का इरादा करो के उस सेवकाई नै पूरा कर सको। 18 मै (पौलुस) अपणे हाथ्यां तै थमने

नमस्कार लिखूँ सूँ। याद राखियो के मै कैद म्ह सूँ, अर मेरे खात्तर प्रार्थना
करो। परमेसवर का अनुग्रह थारे पै होदा रहवै। आमीन।

1 थिस्सलुनीकियों

1 या चिट्ठी पौलुस अर सिलवानुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै थिस्सलुनीकियों नगर की कलीसिया के उन बिश्वासियाँ के नाम लिखी सै, जो परमेसवर पिता अर प्रभु यीशु मसीह म्ह सै। परमेसवर का अनुग्रह अर शान्ति थारे ताहीं मिलदी रहवै। **2** हम अपनी प्रार्थनायां म्ह थारे ताहीं याद करदे अर सारी हाण थम सारया के बारे म्ह परमेसवर का धन्यवाद करा सां। **3** अर अपनी परमेसवर अर पिता के स्याम्ही जो काम बिश्वास तै करे, अर बिश्वासियाँ खातर इतने प्यार तै मेहनत करी, अर प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण की आस के कारण बड़ी धीरजता तै दुखां नै सहन्दे होए, सारी हाण थमनै याद करा सां। **4** हे बिश्वासी भाईयो, अर परमेसवर के प्यारे माणसां हम जाणा सां, के परमेसवर नै थारे ताहीं अपने माणस होण खातर छाट्या सै। **5** क्यूँके म्हारा सुसमाचार जो यीशु मसीह के बारे म्ह था, थारे धौरै ना सिर्फ बात्तां तै ए न्ही बल्के पवित्र आत्मा की सामर्थ अर बड़े पक्के सबूत के गैल पोंहच्या सै; जिसा थमने बेरा सै, के थारे कल्याण खातर थारे म्ह म्हारा बरताव किसा था। **6** थारे उत्पर बड़े क्लेश थे, पर थमनै पवित्र आत्मा के जरिये दिए गये आनन्द के गेल्या सुसमाचार ताहीं मान लिया, थमने म्हारी अर प्रभु यीशु की तरियां बरताव कराया। **7** उरै ताहीं के मकिदुनिया परदेस अर अखाया परदेस के सारे बिश्वासियाँ के खातर थम बढ़िया मिसाल बणै। **8** क्यूँके थारे उरै तै ना सिर्फ मकिदुनिया परदेस अर अखाया परदेस म्ह प्रभु का वचन सुणाया गया, पर थारे बिश्वास की जो परमेसवर पै सै, हरेक जगहाँ जित भी हम गये, तो हमनै माणसां तै थारे बिश्वास के बारे म्ह सुणया, इस करके हमनै माणसां ताहीं थारे बारे म्ह बताण की जरूरत ए कोनी। **9** क्यूँके वे आप ए म्हारे बारे म्ह बतावे सै, के जिब हम थारे धौरै आये, तो थमनै म्हारा स्वागत किस ढाळ कराया; अर थम किस ढाळ मूर्तियाँ तै दूर होकै, परमेसवर की ओड़ मुड़ गये, ताके जिन्दे अर सच्चे परमेसवर की सेवा करो। **10** अर परमेसवर के बेटे यीशु की सुर्ग तै बोहड़ के आण की बाट देखदे होए, जिस ताहीं परमेसवर नै मरे होयां म्ह तै जिन्दा करया, जो म्हारे ताहीं आण आळे न्याय तै बचावै सै।

2 हे बिश्वासी भाईयो, थमने आप्णे बेरा सै, के म्हारा थारे धौरै आणा कितना फायदेमन्द था, **2** बल्के थमनै खुद नै ए बेरा सै, के पैहल्या हमनै फिलिप्पी नगर म्ह दुख ठाया, के म्हारा नगर के माणसां नै सख्त बिरोध करया, अर परमेसवर नै म्हारे तै इसी हिम्मत देई, के हम परमेसवर का सुसमाचार घणे बिरोध होण के बावजूद भी थमनै सुणावां। **3** क्यूँके म्हारा उपदेश ना भ्रम तै सै, अर ना गलत इरादे तै, अर ना छळ के गैल सै; **4** पर परमेसवर नै म्हारे ताहीं लायक समझकै सुसमाचार सौँष्या, इस करके हम माणसां नै न्ही, पर जो म्हारै मनां नै जाँचण आळे परमेसवर ताहीं राज्जी करण खातर उपदेश देवा सां। **5** थमनै बेरा सै, परमेसवर गवाह सै, के हमनै कदे चापलूसी की बात कोनी करी, अर ना ए लोभ के खातर हमनै कोए इसा काम करया, अर ना कुछ थारे तै छुपाया। **6** तोभी हम माणसां तै आदर कोनी चाहवां थे, अर ना थारे तै, ना और किसे तै, हालाकि हम मसीह के प्रेरित होण के कारण थारी मदद पाणा म्हारा हक था। **7** पर जिस तरियां माँ अपने बाळकां का पालन-पोषण करै सै, उससे तरियां ए हमनै भी थारे बिचाळै रहकै नरमाई दिखाई सै; **8** एक माँ की तरियां ए हम थारी चाहना करदे होए, ना सिर्फ परमेसवर का सुसमाचार, पर अपना-अपणा प्राण भी थारे ताहीं देण नै त्यार थे, क्यूँके के हम थारे तै भोत प्यारे करां सां। **9** हे बिश्वासी भाईयो, म्हारी कड़ी मेहनत नै याद राख्खो, हमनै ज्यातै दिन-रात काम-धन्धा करदे होए, परमेसवर का सुसमाचार प्रचार करया, के थारे म्ह तै किसे पै बोझ ना बण जावां। **10** थम अर परमेसवर भी इस बात के गवाह सां, के सारे बिश्वासी भाईयाँ के गैल म्हारा सुभाव कितना सच्चा, धर्म अर बेकसूर था। **11** थमनै बेरा सै के जिसा पिता अपने बाळकां के गेल्या

बरताव करै सै, उससे तरियां ए हम भी थारे म्ह तै हरेक ताहीं उपदेश देन्दे, अर शान्ति देन्दे, अर समझावां थे **12** के थम इसा जीवन जिओ, जिसा परमेसवर चाहवै सै, जो थमनै अपने राज्य अर महिमा म्ह बुलावे सै। **13** ज्यातै हम भी परमेसवर का धन्यवाद सारी हाण करा सां के जिब म्हारै जरिये परमेसवर के सुसमाचार का वचन थमनै सुणया, तो थमनै उस ताहीं माणसां का न्ही पर परमेसवर का वचन समझकै अपनाया; अर सच म्ह यो परमेसवर का वचन सै भी, अर यो सुसमाचार थारे म्ह काम करण लागरया सै, जो यीशु पै थम बिश्वास करो सो। **14** ज्यातै थम, हे बिश्वासी भाईयो, परमेसवर की उस कलीसियाओं के स्याम्ही दुख सहण लागे जो यहूदिया परदेस म्ह सै, अर मसीह यीशु पै बिश्वास राख्खे सै, क्यूँके थमने भी अपने माणसां तै उसाए दुख पाया, जिसा उननै अपने यहूदी माणसां तै पाया था। **15** जिन नै प्रभु यीशु ताहीं अर नबियाँ ताहीं मार दिया। अर म्हारै ताहीं भी सताया, अर परमेसवर उनतै राज्जी कोनी, अर वे सारे माणसां का बिरोध करै सै। **16** अर वे दुसरी जात्तां म्ह उनके उद्धार के खातर बात करण तै हमनै रोक्के सै, अर वे पाप पै पाप करते जावै सै, जिब ताहीं के परमेसवर उननै दण्ड ना दे दे; अर इब परमेसवर उननै बड़ा भरी दण्ड देण आळा सै। **17** हे बिश्वासी भाईयो, जिब हम थोड़े बखत खातर थारे धौरै न्ही थे, पर हम सदा थारे बारे म्ह ए सोच्या थे, तो हमनै और भी बड़ी लालसा तै थारे ताहीं मिलण की अर देखण की कोशिश करी। **18** ज्यातै हमनै (यानिके मुझ पौलुस नै) एक बर न्ही बल्के दो या तीन बार आण की कोशिश करी, पर शैतान हमनै रोक्के रहया। **19** भला! म्हारी आस, खुशी या बड़ाई का ताज कौण सै? वो थमे होओगे जिब यीशु बोहड़ के आवैगें? **20** म्हारी बड़ाई अर खुशी थमे सो।

3 आखिर जिब हम थारे तै दूर ना रह पाए, तो मै पौलुस अर सीलास नै यो तय करया के एथेंस नगर म्ह एकले रह जावां। **2** अर हमनै तीमुथियुस ताहीं जो मसीह के सुसमाचार म्ह म्हारा भाई, अर परमेसवर का सेवक सै, इस करके भेज्या, के वो थारे ताहीं मसीह के बिश्वास म्ह मजबूत अर उत्साहित करै। **3** ताके कोए इन क्लेशां के कारण डगमगा न्ही जावै; क्यूँके थम जाणो सो, के म्हारे ताहीं परमेसवर नै इसे तरियां सताये जाण खातर छाट्या सै। **4** क्यूँके पैहल्या भी, जिब हम थारे साथ थे, तो थारे तै कह्या करा थे, के म्हारे ताहीं सताया जावैगा, अर इसाए होया सै, अर थम जाणो भी सो। **5** इस कारण जिब मैरै तै और न्ही रहया गया, तो थारे बिश्वास का हाल जाणण के खातर मन्ने तीमुथियुस ताहीं भेज्या, मन्ने डर था, के परखण आळे शैतान नै थारे ताहीं परख्या ना हो, अर म्हारी मेहनत बेकार ना होगी हो। **6** पर इब्ने तीमुथियुस नै जो थारे धौरै तै म्हारे उरै आकै थारे बिश्वास अर प्यार का सुसमाचार सुणाया अर इस बात ताहीं भी सुणाया, के थम सारी हाण प्यार के गेल्या म्हारै ताहीं याद करो सो, अर म्हारे देखण की चाहना राक्खो सो, जिसा हम भी थमनै देखण की। **7** हे बिश्वासी भाईयो, हम अपनी सारे दुख अर क्लेश म्ह उत्साहित सां, क्यूँके हमनै थारे बिश्वास के बारे म्ह सुणया के थम इब भी यीशु मसीह के बिश्वास म्ह मजबूत सां। **8** क्यूँके इब जै थम प्रभु म्ह मजबूत हो तो हम जिन्दे सां। **9** अर थारे बारे म्ह जो खुशी हमनै मिली सै, उसकी बजह तै हम परमेसवर का धन्यवाद किस तरियां तै करा? **10** हम दिन-रात घणीए प्रार्थना करदे रहवां सां, के थमनै दुबारा देख्वां, अर थारे मसीह पै मजबूती तै बिश्वास करण म्ह मदद करा। **11** हम प्रार्थना करां सां, के म्हारा परमेसवर अर पिता आप ए अर म्हारा प्रभु यीशु, थारे ताहीं पोंहचने म्ह म्हारी मदद करै। **12** हम प्रार्थना करां, के जिसा हम थारे तै प्यार करां सां; उससे तरियां ए थारा प्यार भी आप्पस म्ह, अर सारे माणसां के गेल्या बधे, अर परमेसवर थारे प्यार म्ह बढ़ोतरी करदा जावै। **13** हम प्रार्थना करां सां, के वो थारे मनां नै इसा मजबूत करै, के जिब म्हारा प्रभु यीशु अपने सारे पवित्र लोगां के गैल बोहड़ के आवै, तो वे म्हारे परमेसवर अर पिता के स्याम्ही पवित्रता म्ह बेकसूर ठहरै।

4 हे बिश्वासी भाईयो, हम थारे तै बिनती करा सां, अर थारे तै प्रभु यीशु म्ह समझावां सां, के इसे जिओ के, परमेसवर ताहीं हम राज्जी करणा आळे

बण सका, जिसा हमने थारे तै सिखाया सै, थम इस्से तरियां जीण लागरे थे, अर थमने उत्साहित करां सां के और भी ज्यादा इसा करते रहों। 2 क्यूँके थमने बेरा सै के हमने प्रभु यीशु के हक तै थारे ताहीं कौण-कौण से आदेश दिये सै। 3 परमेसवर की मर्जी या सै के थम पवित्र बणो: अर जारी ना करो, 4 थारे म्ह तै हरेक माणस अपना देह नै काबू करणा जाणे क्यूँके थारी देह पवित्र अर सम्मान जोगी रहवै। 5 यो काम अभिलाषा तै न्ही, ना उन जात्तां के तरियां, जो परमेसवर नै न्ही जाणदी, 6 ताके इस बात म्ह कोए अपने बिश्वासी भाई के विरुद्ध पाप ना करै, अर ना इसा मौक्का देखखे के वो पाप करै, क्यूँके प्रभु यीशु उसने दण्ड देवेगा, जो इसे काम करे सै; जिसा के हमने पैहल्याए थारे तै कह्वा अर चिताया भी था। 7 क्यूँके परमेसवर नै म्हारे ताहीं अपवित्र जीवन जीण खातर न्ही, पर पवित्र जीवन जीण खातर बुलाया सै। 8 इस करके जो इन हुकमां नै न्ही मानता, वो माणस नै न्ही, पर परमेसवर नै तुच्छ जाणै सै, जो अपना पवित्र आत्मा थारे ताहीं देवै सै। 9 पर बिश्वासी भाई-चारे के प्यार के बारे म्ह यो जरूरी न्ही, के मै थारे धारे कुछ लिक्खूँ, क्यूँके आप्पस म्ह प्यार राखणा थमने आप ए परमेसवर तै सिखाया सै; 10 थमने पैहले ए अपने बिश्वासी भाईयाँ के प्यार ताहीं दिखाया सै, जो हर जगहां सारे मकिदुनिया परदेस म्ह सै। पर हे बिश्वासी भाईयो, हम थारे तै बिनती करां सां, के थम और भी बढ़ते जाओ। 11 अर जिसे हमने थारे ताहीं हुकम दिया सै, के शान्ति तै जीवन जिओ अर दुसरे माणसां की बात्तां म्ह दखल ना दो, अर अपने-अपणे हाथ्यां तै कमाण की कोशिश करो। 12 ताके अबिश्वासी माणस देखखे, के थारा रोज का जीवन किसा सै, अर थारे बरताव नै देखके थारा आदर करै, अर अपना जरूरत कै खातर थम किसे के मोहताज ना रहो। 13 हे बिश्वासी भाईयो, हम न्ही चाहन्दे के थम उनके बारे म्ह जो मर लिये सै, अनजाण रहो; इसा ना हो के थम दुसरयां की तरियां दुख करो जिन नै आस कोनी, के वो मरके जिन्दा होवेगा। 14 क्यूँके जै हम बिश्वास करा सां के यीशु मरया अर जिन्दा भी उठ्या, तो उससे तरियां ए परमेसवर उननै भी जो यीशु पै बिश्वास करते होए मरे सै, उन ताहीं भी वापिस ले आवेगा। 15 क्यूँके हम प्रभु यीशु के वचन कै मुताबिक थारे तै न्यू कहां सां के हम जो जिन्दे सां अर प्रभु के दुबारा आण ताहीं बचे रहवांगें, तो पक्के उनतै पैहले प्रभु तै न्ही मिलेगे जो मौत की नींद सो गये सै। 16 क्यूँके प्रभु यीशु आप ए सुर्ग तै उतरैगा; अर लोग उस बखत उसकी ललकार सुणेंगे, अर प्रधान दूत का बोल नै भी सुणेंगे, अर सुर्गदूतां जरिये परमेसवर की तुरही फूँकी जावेगी; अर जो बिश्वासी लोग मसीह म्ह मरे सै, वे पैहल्या जी उठेंगे। 17 फेर हम जो जिन्दे अर बचे होड़े सां, उनके गेल्या बादळां पै ठा लिए जावांगें, ताके आसमान म्ह प्रभु यीशु तै मिला; अर इस तरियां तै हम हमेशा कै खातर प्रभु कै गेल्या रहवांगें। 18 इस तरियां इन बात्तां तै एक-दुसरे ताहीं तसल्ली दिया करो।

5 पर हे बिश्वासी भाईयो, इसकी कोए जरूरत कोनी, के हम यीशु के दोबारा आण के बखत अर काल्लां के बारे म्ह थारे धारे कुछ लिख्वां। 2 क्यूँके थम जाणो सां, के परमेसवर के आण का दिन, उस चोर की तरियां होगा, जो रात नै चोरी करण आवै सै, अर थमने बेरा भी कोनी लागेगा के चोर कद आवेगा। 3 जिन माणस कहन्दे होंगे, “राज्जी-खुशी सां, अर किमे डर कोनी,” तो उनपै चाणचक विनाश आण पड़ेगा, जिस ढाळ गर्भवती बच्चा जनन के दुख तै बच न्ही सकदी, उससे तरियां वो भी बच न्ही पावेंगे। 4 पर हे बिश्वासी भाईयो, थम तो अन्धकार के काम्मां तै अनजाण न्ही सो, के प्रभु के आण का दिन थारे पै चोर की ढाळ आ पड़े। 5 क्यूँके थम सारे चाँदणे की ऊलाद अर दिन की ऊलाद सो; हम ना रात के सां, ना अन्धकार के सां। 6 ज्यांतै हम अबिश्वासी माणसां की तरियां सोन्दे ना रहवां, पर जागदे अर चौकन्ने रहवां। 7 क्यूँके जो सोवें सै, वे रात ए नै सोवें सै, अर जो मतवाले होवै सै वे रात ए नै मतवाले होवै सै। 8 पर हम जो दिन के सां, बिश्वास अर प्यार की झिलम पैहर के अर उद्धार की आस का टोप पैहर के होशियार रहवां। 9 क्यूँके परमेसवर नै म्हारे ताहीं छो के खातर न्ही, पर

ज्यांतै ठहराया सै, के हम अपने प्रभु यीशु मसीह के जरिये उद्धार पावां। 10 वो म्हारे खातर इस कारण मरया, के हम चाहे जिन्दा हों, चाहे मर लिये हों, सारे मिलके उससे के गेल्या जिवां। 11 इस कारण एक-दुसरे ताहीं तसल्ली द्यो अर एक-दुसरे ताहीं बिश्वास म्ह मजबूत करो, जिसा के थम करो भी सो। 12 हे बिश्वासी भाईयो, हम थारे तै बिनती करा सां, के जो थारे म्ह मेहनत करै सै, अर प्रभु म्ह थारे अगुवें सै, अर थमने शिक्षा देवें सै, उनका आदर करो। 13 अर उनके काम्मां के कारण प्यार कै गेल्या उन ताहीं घणाए आदर कै जोगगा समझो। आप्पस म्ह मेळ-मिलाप तै रहो। 14 हे बिश्वासी भाईयो, हम थारे तै बिनती करां सां के जो आलसी सै, उन ताहीं समझाओ, डरपोकां ताहीं हिम्मत द्यो, कमजोरां ताहीं सम्भाळो, सारया की ओड़ सहनशीलता दिखाओ। 15 सावधान रहों! कोए किसे तै बुराई के बदले बुराई ना करै; पर सारी हाण भलाई करण खातर त्यार रहवै, आप्पस म्ह एक-दुसरे खातर आच्छे काम करो, अर दुसरयां खातर भी। 16 सारी हाण राज्जी रहो। 17 लगातार प्रार्थना म्ह लागे रहो। 18 हरेक हालात म्ह धन्यवाद करो; क्यूँके थारे खातर मसीह यीशु म्ह परमेसवर की याए मर्जी सै। 19 पवित्र आत्मा ताहीं माणसां के जीवन म्ह काम करण तै ना रोक्को। 20 परमेसवर के जरिये जो भविष्यवाणीयां माणसां ताहीं बताई गई सै उननै तुच्छ ना जाणो। 21 इन सारी बात्तां ताहीं परखो; जो आच्छी सै उसने थाम्बे राक्खो। 22 सारी ढाळ की बुराई तै बचे रहो। 23 शान्ति देण आळा परमेसवर आप ए थमने पूरी तरियां तै पवित्र करै; अर थारी आत्मा अर प्राण अर देह म्हारे प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण ताहीं पूरे-पूरे अर बेकसूर सुरक्षित रहवें। 24 थारा बुलाण आळा साच्चा सै, अर वो इसाए करेगा। 25 हे बिश्वासी भाईयो, म्हारे खातर प्रार्थना करो। 26 आप्पस म्ह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलके मसीह के प्यार म्ह नमस्कार करो। 27 मै थारे ताहीं प्रभु की हुकम देऊँ सू के या चिट्ठी सारे बिश्वासी भाईयाँ नै पढ़के सुणाई जावे। 28 म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थारे पै होंदा रहवै।

2 थिस्सलुनीकियों

1 या चिट्ठी हम पौलुस, सिलवानुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै थिस्सलुनीकियों नगर की कलीसिया के बिश्वासियाँ ताहीं लिखां सां, जो म्हारे पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह के सै। 2 म्हारे पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थमने अनुग्रह अर शान्ति मिलदी रहवै। 3 हे बिश्वासी भाईयो, थारे बारे म्ह हमनै हरेक बखत परमेसवर का धन्यवाद करणा चाहिये, अर यो सही भी सै ज्यांतै के थारा बिश्वास यीशु मसीह म्ह घणा बढ़ता जावै सै, अर थारा एक-दुसरे के खातर आप्स म्ह प्यार घणा बढ़ता जावै। 4 इस करके हम परमेसवर की कलीसिया के बिश्वासियाँ के बारे म्ह गर्व करा सां, के जितने थम इम्तिहान अर मुसीबतां तै गुजरो सों, थम उनैने धीरज तै सहण लागरे सों, अर थम फेर भी यीशु मसीह पै बिश्वास राखवों सों। 5 अर परमेसवर इन दुखां का इस्तमाल अपणे न्याय ताहीं दिखाण अर थारे ताहीं अपणे राज्य के लायक बणाण खातर करेगा, जिस खातर थम दुख भी ठाओ सो। 6 क्यूँके परमेसवर हमेशा सही न्याय करै सै, ताके जो थमने दुख देवें सै, उननै बदले म्ह वो दुख देवै। 7 अर थमने वो इस दुख तै राहत देवेगा, जो थम इब उठाण लागरे सों, अर म्हारे ताहीं भी राहत दे, यो उस बखत होगा जिब प्रभु यीशु अपणे सामर्थी सुगंदूतां के गैल, धधकती होई आग म्ह सुर्ग तै आवेगा। 8 अर जो परमेसवर नै न्ही पिच्छाणदे, अर जो म्हारे प्रभु यीशु के बारे म्ह सुसमाचार ताहीं न्ही मानते उनतै वो बदला लेवेगा। 9 वे परमेसवर तै हमेशा खातर अलग हो जावेंगे अर उसकी महिमामय शक्ति म्ह शामिल न्ही हो पावेंगे अर वे अनन्त विनाश का डडक पावेंगे। (aiōnios g166) 10 यो उस दिन होवेगा, जिब प्रभु यीशु मसीह बोहड़के आवेगा, ताके वो उन माणसां तै महिमा पावे जो उसके कहलावे सै, उन माणसां तै सम्मानित करया जावेगा जो उसपै बिश्वास करै सै, अर उस दिन थम भी उनकी तारीफ करण आळा म्ह तै एक होओगे, क्यूँके थमने उसपै बिश्वास करा, जो हमनै थारे ताहीं बताया। 11 ज्यांतै हम सारी हाण थारे बारे म्ह प्रार्थना भी करा सां, के म्हारा परमेसवर थारे ताहीं इसा करण म्ह काबिल बणावेगा, जिसके खातर उसनै म्हारे ताहीं बुलाया सै, अर वो थारी हरेक भली इच्छा नै सामर्थी रूप तै पूरा करै, अर हर उस काम नै पूरा करा जो थम बिश्वास तै करो सों। 12 इस तरियां म्हारे प्रभु यीशु मसीह का नाम थारे जरिये महिमा पावेगा, यो सब कुछ म्हारे परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह तै होवेगा।

2 हे बिश्वासी भाईयो, इब हम अपणे प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण, अर जिब हम कट्टे होके उसतै मिलगें तो उस दिन के बारे म्ह थारे ताहीं बताणा चाहूँ सों। 2 थम किसे भविष्यवाणी या किसे उपदेश या किसे चिट्ठी नै म्हारी ओड़ तै लिखी होई मानके चाणचक बोखळा ना जाइयो, अर ना ए अपणे-आप म्ह घबराईयो के परमेसवर का दिन पैहले ए आ लिया सै। 3 किसे ढाळ तै भी किसे के थोक्खे म्ह ना आइयो, क्यूँके प्रभु यीशु के आण तै पैहले इसा बखत आवेगा, जिब भोत सारे लोग परमेसवर के बिरोधी हो जावेंगे, अर वो अधर्मी माणस यानिके विनाश का बेट्टा दिखाई देवेगा, जिस ताहीं परमेसवर सदा खातर खतम कर देवेगा। 4 वो अधर्मी माणस परमेसवर अर उन दुसरी चिज्जां का बिरोध करेगा। जिनकी लोग भगति करे, वो दावा करेगा के वो उनतै भी घणा बड़ा सै, उरै ताहीं के वो परमेसवर के मन्दर म्ह बैठके अपणे-आप ताहीं ईश्वर बतावेगा। 5 के थमने याद कोनी के जिब मै थारे थोरे था, तो थारे तै ये बात कहा करूँ था? 6 वो जो अधर्मी माणस इब ताहीं दिख्या न्ही सै, क्यूँके इसा कुछ तो सै जिसने उस ताहीं रोक राख्या सै, पक्का थम जाणो सों, के वो के सै। इस करके जिब परमेसवर का बखत आवेगा तो वो अधर्मी माणस दिख जावेगा। 7 अर उस अधर्मी माणस की शक्ति पैहले तै गुप्त रूप तै इस दुनिया म्ह काम करण लागरी सै, पर वो सै जो उस शक्ति नै रोककण लागरया सै, अर जिब ताहीं वो दूर ना हो जावै तब तक वो इस ताहीं

रोकणा जारी राखेगा। 8 फेर वो अधर्मी माणस दिख जावेगा, पर बाद म्ह जिब प्रभु यीशु आवेगा तो वो अपणे मुँह की फूँक तै अधर्मी माणस ताहीं मार देवेगा, अर अपणे आगमन के तेज तै भस्म करेगा। 9 वो अधर्मी माणस शैतान की शक्ति गैल आवेगा, वो सारे ढाळ के झूठे चमत्कार, अर अचम्भे के काम करेगा, जो हमनै यो सोचवण कै खातर मजबूर करेगा के योए परमेसवर सै जो इनने करण लागरया सै। 10 वो सारी ढाळ के बुरे तरिकेके अपणावेगा उन माणसां खातर जो अनन्त विनाश के राह की ओड़ जावै सै, क्यूँके उननै सच्चाई पै बिश्वास कोनी करया जिसतै उनका उद्धार हों सके सै। 11 इससे कारण परमेसवर उन माणसां म्ह एक भटकाण आळी शक्ति नै भेज्जे सै, जो उन ताहीं सच्चाई तै दूर ले जावेगी, ताके वे झूठ पै बिश्वास करै। 12 परमेसवर उन सब का न्याय करेगा जिननै सच्चे सन्देस (यीशु मसीह के बारे म्ह) बिश्वास कोनी करया, अर जिननै अधर्म के कामां तै प्यार करया। 13 हे बिश्वासी भाईयो, उरै थारे खातर परमेसवर के स्याम्ही म्हारा हमेशा धन्यवाद देणा सही सै, थम प्रभु के प्यारे सों, क्यूँके परमेसवर नै थारे ताहीं दुनिया की शरुआत तै ए उद्धार कै खातर चुण लिया सै। ताके वो थमनै पवित्र आत्मा के काम के जरिये पवित्र बणावै, अर यीशु मसीह के सच्चे सुसमाचार पै बिश्वास करण के जरिये थमने बचाले। 14 म्हारे सुसमाचार के जरिये उसनै थारे ताहीं बचाण खातर बुलाया सै, ताके थम उसकी महिमा म्ह हिस्सा ले सको, जो परमेसवर नै म्हारे प्रभु यीशु मसीह ताहीं दी सै। 15 ज्यांतै हे बिश्वासी भाईयो, मजबूत रहो, अर जो-जो शिक्षा थमनै चाहे वचन या चिट्ठी के जरिये म्हारे जरिये सीक्खी सै, उननै थाम्बे राखवो। 16 हम प्रार्थना करां सां के खुद म्हारा प्रभु यीशु मसीह, अर म्हारा पिता परमेसवर, जिसनै म्हारे तै प्यार करया अर अनुग्रह तै अनन्त शान्ति अर घणी बढ़िया उम्मीद देई सै, (aiōnios g166) 17 थारे मनां म्ह शान्ति दे अर थमने हरेक आच्छे काम अर वचन म्ह मजबूत करै।

3 इस करके, हे बिश्वासी भाईयो, म्हारे खातर प्रार्थना करया करो के प्रभु के बारे म्ह सन्देस भोत तावळा दुसरी जगहां म्ह भी सुणाया जा सके, अर लोग उसपै बिश्वास करेगें जिसा थम बिश्वास करो सों। 2 या भी प्रार्थना करया करो के परमेसवर हमनै बैरी अर बुरे माणसां के जरिये दिए जाण आळे नुकसान तै भी बचावै, क्यूँके भोत-से लोग सुसमाचार पै बिश्वास कोनी करते। 3 पर प्रभु भरोस्सेमंद सै, वो थमनै अन्दरूनी रूप तै मजबूत करेगा अर उसकी रक्षा करेगा, ताके बुराई, शैतान थमनै नुकसान ना पहुंचा सके। 4 हमनै प्रभु म्ह थारे उप्पर भरोस्सा सै हमनै जो कुछ थारे ताहीं करण खातर कहा सै थम उसापै करण लागरे सों अर करते भी रहोगे। 5 हम प्रार्थना करा सां के प्रभु यीशु थमने यो समझण के काबिल बणावै के परमेसवर थमनै कितना प्यार करे सै, अर धीरज राखणा सिखावे जिसा मसीह राख्खे सै। 6 हे बिश्वासी भाईयो, प्रभु यीशु मसीह नै जो हक म्हारे ताहीं दिया सै, उसके कारण हम थमनै हुक्म देवां सां, के थम हरेक इसे बिश्वासी भाई तै न्यारे रहो जो कोए काम न्ही करदा, अर जो शिक्षा उसनै म्हारे तै पाई उसके मुताबिक न्ही करदा। 7 क्यूँके थम सारे अपणे-आपनै आच्छी तरियां जाणो सों, के थमनै उससे तरियां जाणा चाहिए जिस तरियां हम जिवां सां, क्यूँके जिब हम थारे बिचाळै रहण लागरे थे, तो हम आलसी कोनी थे। 8 अर किसे की रोटी मुप्त न्ही कोनी खाई, मेहनत अर कष्ट तै दिन-रात काम-धन्धा करा थे, ताके हम अपनी जरूरतां खातर थारे भरोस्से ना रहां। 9 हालाकि थारे तै आर्थिक मदद पाण का म्हारा हक बणै सै, फेर भी हम कड़ी मेहनत करा सां, पर ज्यांतै के अपणे-आप ताहीं थारे खातर आच्छा नमूना बणावां ताके थम भी म्हारे जिसा जीवन जिओ। 10 क्यूँके जिब हम थारे थोरे थे, तब भी योए कहा करा थे, के जै कोए काम करणा ना चाहवै तो उसका खाण का भी हक कोनी। 11 हम सुणां सां के कुछ माणस थारे बिचाळै सुस्त सै अर वे कोए काम न्ही करदे, पर दुसरयां के काम म्ह रुकावट करे सै, अर उन ताहीं भी काम करण तै रोक्के सै। 12 प्रभु यीशु मसीह नै म्हारे ताहीं हक दिया सै, अर हम थमनै भी समझावां सां, के चुपचाग काम करके अपनी ए कमाई तै

रोटी खाया कर। 13 पर हे बिश्वासी भाईयो, थम खुद वो काम करण तै पाच्छे ना हटियो, जो सही अर भले से। 14 जै कोए म्हारी इस चिट्ठी म्ह दी गई हिदायत नै कोनी मान्ने तो सब जाण ल्यो के वो कौण से, अर उसकी संगति ना करो, जिसतै वो शर्मिन्दा होवै। 15 तोभी उस ताहीं दुश्मन मतना समझो, पर बिश्वासी भाई जाणकै समझाओ। 16 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के प्रभु जो शान्ति का चोवा सै आप ए थारे ताहीं सारी हाण अर हरेक तरियां तै शान्ति देवै। प्रभु थम सारया के साथ रहवै। 17 मै, पौलुस, अपणे हाथ तै नमस्कार लिक्खूँ सूँ। इस्से तरियां तै मै अपणी सारी चिट्ठियाँ के अन्त म्ह न्यूए लिक्खूँ सूँ, ताके थम जाण ल्यो के ये मेरी ओड़ तै सै। 18 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थम सारया पै होदा रहवै।

1 तीमथियुस

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का प्रेरित सै, अर परमेसवर जो म्हारा उद्धारकर्ता सै, अर यीशु मसीह जो म्हारी आस सै, उसनै मेरे ताहीं प्रेरित होण खात्तर बुलाया सै। 2 मै या चिट्ठी तीमथियुस नै लिखूँ सूँ, मसीह पै बिश्वास करण के नाते तू मेरे आत्मिक बेटे की तरियां सै, मै प्रार्थना करूँ सूँ, के पिता परमेसवर, अर म्हारे प्रभु मसीह यीशु की ओड़ तै तन्नै अनुग्रह, दया अर शान्ति मिलिदी रहवै। 3 जिंसा के तू तीमथियुस जाणै सै, इफिसुस नगर म्ह कई माणस सै जो झूठी शिक्षा देवै सै, वे माणसां ताहीं लगातार झूठी कहाणियाँ अर पूर्वजां की लम्बी वंशावल्याँ नै सिखावै सै, जिंसा के मन्नै मकिदुनिया जान्दे बखत तेरे तै कह्वा था, के इफिसुस नगर म्ह रहकै उन ताहीं कह के इसी शिक्षा ना देवै, जिब वे इसी शिक्षा देवै सै, तो माणसां म्ह विवाद पैदा होवै सै, इसका नतिज्जा यो सै के ये शिक्षक परमेसवर का काम न्ही करते जो परमेसवर नै उन ताहीं दिया सै, यो तो सिर्फ मसीह पै बिश्वास करण के जरिये करया जा सकै सै। 5 योए म्हारे हुकम का मकसद सै, के थम सच्चे मन, शुद्ध अन्तरात्मा अर सच्चे बिश्वास तै एक-दुसरे के गेल्या बिना कपट के प्यार करो। 6 झूठे शिक्षकां नै इन सारी चिज्जां ताहीं छोड़ दिया सै, अर सिर्फ बेकार की चिज्जां पै बातचीत करै सै। 7 अर वकील तो बणणा चाहवै सै, पर जो बात कहवै अर जिन ताहीं मजबूती तै बोल्लै सै, उन ताहीं समझदे भी कोनी। 8 हम जाणा सां के मूसा के नियम-कायदा नै जै सही तरिककें तै सिखावै तो वो भला सै। 9 हम यो जाणा सां, के मूसा नबी के नियम-कायदे धर्मी माणस के खात्तर कोनी, पर उन माणसां खात्तर सै जो परमेसवर के नियम-कायदा नै अणदेखा करै सै, अर उन ताहीं मानते कोनी, अर उन माणसां खात्तर जो परमेसवर की आराधना कोनी करते, अर जो सारी हाण पाप करते रहवै सै, जो माणस दुष्ट सै, अर परमेसवर का आदर कोनी करते, अर जो अपने माँ-बाप नै, अर दुसरयां नै मार देवै सै। 10 जारी करणीये, माणसां गैल कुकर्म करणीये, माणस नै बेचण आळे, झूठ बोल्लण आळे, झूठी कसम खाण आळे, अर इनके अलावा खरे उपदेश के सारे बिरोधियाँ के खात्तर बणाई गई सै। 11 या सही शिक्षा उस सुसमाचार पै आधारित सै, जो के धन्य परमेसवर की महिमा के बारे म्ह सै, जिंसाकी मेरे ताहीं प्रचार करण की जिम्मेदारी दी गई सै। 12 मै अपने प्रभु मसीह यीशु का जिंसेनै मेरे ताहीं सामर्थ दी सै, धन्यवाद करूँ सूँ, के उसनै मेरे ताहीं बिश्वास जोगमा समझके अपनी सेवा के खात्तर चुण्या। 13 बिश्वास करण तै पैहले, मै बुराई करण आळा, सताण आळा, अर अन्धेर करण आळा था, तोभी मैरे पै दया होई, क्यूँके यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै पैहले मन्नै अबिश्वास अर बिना सोच्चे-समझे ये काम करे थे। 14 अर परमेसवर का अनुग्रह मेरे पै भोत-ए घणा होया, उसनै मेरे ताहीं बिश्वास अर प्यार दिया, क्यूँके मै मसीह यीशु म्ह पूँ। 15 या बात साच्ची अर हरेक तरियां तै मानण जोगी सै, के मसीह यीशु पापियाँ का उद्धार करण खात्तर दुनिया म्ह आया, जिन म्ह सारया तै बड़ड़ा पापी मै सूँ। 16 परमेसवर नै अपनी दया मेरे पै दिखाई, उसनै यो इस कारण करया ताके मुझ माणस के जरिये, जिंसेनै दुसरे माणसां तै ज्यादा बुरे काम करे सै, मसीह यीशु दिखा सकै सै, के वो मेरे खात्तर कितना धीरज राखवै सै, या उन माणसां खात्तर एक मिसाल सै जो बाद म्ह उसपै बिश्वास करैगें, अर वे अनन्त जीवन पावैगें। (aiōnios g166) 17 इब राजा जो सदा खात्तर जिन्दा सै, उस अविनाशी, अनदेकखे, एकमात्र परमेसवर का आदर अर उसकी महिमा युगानुयुग होदी रहवै। आमीना (aiōn g165) 18 हे बेटे तीमथियुस, मै यो हुकम सौंपूँ सूँ, जो उन भविष्यवाणीयाँ के मुताबिक सै, जो पैहल्या तेरे बारे म्ह करी गई थी, उनकै मुताबिक एक सिपाही की तरियां आच्छी लड़ाई नै लड़ता रह। 19 थम मसीह पै लगातार बिश्वास करते रहो, ताके थारी अन्तरात्मा साफ रहवै, कई माणसां नै अपनी साफ अन्तरात्मा ताहीं त्याग दिया सै, अर उनकी मसीह पै बिश्वास करण की काबलियत भी खतम होगी सै, अर इब वे बिश्वास भी

कोनी करते। 20 उन म्ह हुमिनयुस अर सिकन्दर भी शामिल सै, जिन ताहीं मन्नै शैतान की बुरी शक्तियाँ के हाथ सौंप दिया सै, ताके वे परमेसवर की बुराई करणा छोड़ दे।

2 इब मै सारया तै पैहल्या यो आग्रह करूँ सूँ, के बिनती, प्रार्थना, निवेदन, अर धन्यवाद सारे माणसां के खात्तर करे जावै। 2 राजयां अर सारे ऊँच्चे ओढ़ा आळा के खात्तर ज्याते ताके वो हमनै आराम अर चैन के गेल्या सारी भगति अर गम्भीरता तै जीवन बिताण देवै। 3 इसी प्रार्थना सही सै अर म्हारे परमेसवर उद्धारकर्ता नै आच्छी लागै सै। 4 वो चाहवै सै के हरेक इन्सान सच्चाई के ज्ञान नै समझ ले अर वे बच जावै। 5 क्यूँके परमेसवर एके सै, अर परमेसवर अर माणसां के बीच म्ह भी एक ए बिचोल्ला सै, जो मसीह यीशु सै, जो मानव रूप धारण करके आया। 6 मसीह नै अपने-आप ताहीं बलिदान कर दिया, ताके लोग्गां नै पाप अर मौत की शक्ति तै आजाद करै। मसीह की मौत के जरिये, परमेसवर नै यो सबूत दिया के सही बखत पै सब लोग बच जावै। 7 इस कारण तै परमेसवर नै मेरे ताहीं सुसमाचार का प्रचारक अर प्रेरित चुण्या सै, उसनै मेरे ताहीं गैर यहूदियाँ ताहीं बिश्वास अर सच्चाई का सन्देश सुणाण आळा बणया सै, मै झूठ न्ही बोल्ला, सच कहूँ सूँ। 8 ज्यातै मै चाहूँ सूँ, के हरेक जगहां सभाओं म्ह माणस जो पवित्र जिन्दगी जीवै सै, वे हाथ्यां नै ठाके बिना छो अर विवाद के परमेसवर तै प्रार्थना करै। 9 इस्से तरियां मै चाहूँ सूँ के मसीह बिरबानियाँ नै भी सही तरियां के लत्ते पैहरणे चाहिए, जो के सादे हो, ना के भड़कीले। ना के खूबसूरती तै बाळ गूँथणा, ना सोनै, मोतियाँ अर घणो महंगे लत्यां तै अपने-आपनै सवारणा। 10 पर इसके बजाए वो लोग्गां की भलाई करै, जो उननै खूबसूरत बणावै सै, क्यूँके परमेसवर की भगति करण आळी बिरबानियाँ के खात्तर योए सही सै। 11 जिब कोए, बिश्वासियाँ ताहीं सिखाण लागरया हो तो, बिरबानियाँ नै चुपचाप रहके पूरी शान्ति तै सिखाणा चाहिये। 12 मै बिरबानियाँ ताहीं मर्दानै सिखाण या उसपै हावी होण की इजाजत कोनी देंदा, जिब थम आराधना म्ह मिलो हो, तो बिरबानियाँ नै चुप रहणा चाहिए। 13 मै इस करके कहूँ सूँ, क्यूँके पैहल्या आदम, उसकै पाच्छे हवा बणाई गई। 14 आदम साँप के जरिये भकाया न्ही गया, पर बिरबानी भकाई म्ह आके कसूरवार होई। 15 तोभी बिरबानी बाळक पैदा करण के जरिये उद्धार पावैगीं, जै वा मसीह पै बिश्वास करै, दुसरे तै प्यार, अर पवित्र अर सही बरताव करै।

3 या बात सच्ची सै, के जो कलीसिया का अगुवां बणणा चाहवै सै, तो वो भले काम की चाह करै सै। 2 यो जरूरी सै के अगुवां नै बेकसूर, अर एक ए बिरबानी का धणी, संयमी, सुशील, सभ्य, मेहमान का आदर-सत्कार करणीया, अर सिखाण म्ह सही होणा चाहिए। 3 दारूबाज या मारपीट करण आळा ना हो, बल्के नरम हो, अर ना रोळा करण आळा, अर ना धन का लोभभी हो। 4 अपने घर का सही इन्तजाम करण आळा हो, अर उसनै अपने बाळ-बच्चां ताहीं हरेक काम म्ह आदरपूर्वक उनका कहणा मानना सिखाणा चाहिए। 5 जिब कोए अपने घर का ए इन्तजाम करणा ना जाण्दा हो, तो परमेसवर की कलीसिया की रुखाळी किस ढाळ करैगा? 6 वो नया बिश्वासी ना हो, इसा ना हो के घमण्ड करके शैतान की तरियां सजा भुगतै। 7 अर कलीसिया के बाहर के माणसां म्ह भी वो सम्मान लायक हो, ताके वो बदनामी अर शैतान के फंदे म्ह ना फँस जावै। 8 इस्से तरियां ए कलीसिया के सेवकां नै भी गम्भीर होणा चाहिये, दोगली बात करण आळा, दारूबाज अर नीच कमाई का लोभभी ना हो। 9 उनकै धैरे साफ अन्तरात्मा हो, क्यूँके वे मानते रहवैगें, के परमेसवर नै जो शिक्षाएँ जाहिर करी वे सच सै। 10 अर ये इन सारी बातों म्ह पैहले परखे जावै, फेर जै बेकसूर लिंकडै तो सेवक का काम करै। 11 इस्से तरियां तै बिरबानियाँ नै भी गम्भीर होणा चाहिये, दोष लाण आळी ना हों, पर सचेत अर सारी बातों म्ह बिश्वास जोगी हों। 12 कलीसिया का सेवक एक ए बिरबानी का धणी हों अर बाळ-बच्चां अर

अपणे घरां का आच्छा इन्तजाम करणा जाणदे हों। 13 क्यूँके जो कलीसिया के सेवक का काम आच्छी ढाळ तै कर सके सै, वो माणसां म्ह सम्मान लायक होगा, पर मसीह यीशु म्ह अपणे बिश्वास के बारे म्ह वो बड़ी दिलेरी तै बोल्लण आळा हो। 14 मै तेरे धौरे तावळा आण की आस करते होए भी, ये बात तेरे तै ज्यार्ते लिक्खूँ सूं, 15 ताके जै मैरे ओड़े आण म्ह देर हो भी जावै, तो मै चाहूँ सूं, थम इस बात नै जाण ल्यो, के परमेसवर का परिवार जो के एक कलीसिया सै, उस म्ह हमने एक-दुसरे तै किसा बरताव करणा चाहिए। जिन्दे परमेसवर की कलीसिया के माणस सच्चाई की शिक्षा की नीम अर खम्भे की तरियां सै। 16 हम दावे के साथ कह सकां सां, के परमेसवर नै जो शिक्षाएँ जाहिर करी सै, वो पूरी तरियां तै सच सै, यानी, वो जो देह म्ह जाहिर होया, वो पवित्र आत्मा के जरिये परमेसवर का बेट्टा साबित होया, अर उस ताहीं सुर्गदूतां नै देख्या, दुनिया के माणसां नै उसपै बिश्वास करया, दुसरी जात्तां म्ह उसका प्रचार होया, अर महिमा म्ह उप्पर ठाया गया।

4 पर पवित्र आत्मा साफ तौर पै कहवै सै, के अन्त के दिनां म्ह कुछ लोग मसीह शिक्षा ताहीं मानना छोड़ देवैगें, वो ओपरी आत्मायाँ ताहीं अपना लेवैगें जो उन ताहीं भटका देवैगी, अर वो उस झूठी शिक्षा पै मन लगावैगें जो ओपरी आत्मा की ओड़ तै सै। 2 वे पाखण्डी झूठे लोग सै जो झूठी शिक्षा सिखावे सै, उनकी अन्तरात्मा, जो सही या गलत के बीच का फैसला करै सै, वा मर चुकी सै, जिस तरियां के एक गरम लोहे नै अन्तरात्मा ताहीं जळा दिया हो। 3 ये झूठे लोग सिखावे सै, के ब्याह करणा अर कई चीज जो खाण-पीण की सै, वे गलत सै, पर परमेसवर नै इन खाण-पीण की चिज्जां ताहीं बिश्वासियाँ खातर बणाया सै, जो सच्ची शिक्षा नै जाणै सै के परमेसवर की बणाई हरेक चीज आच्छी सै, कोए भी चीज नकारन की कोनी, जै उस ताहीं धन्यवाद देके खावै। 5 क्यूँके परमेसवर के वचन अर प्रार्थना के जरिये सब कबूल हो जावै सै। 6 जै तू लगातार बिश्वासी भाई-भाणा नै याद दुआन्दा रहवै, के जो मन्ने निर्देश दिए सै, अर तू जो बिश्वास अर आच्छे शिक्षा के सन्देश के जरिये मजबूत बणाया गया सै, जिसका तन्ने पालन करया सै, तो तू यीशु मसीह का एक आच्छा सेवक सै। 7 सांसारिक अर मनघडन्त कहाँनियाँ तै दूर रहों, अर थम अपणे-आपने ईश्वरीय जीवन जीण खातर अनुशासित कर ल्यो। 8 क्यूँके देह की कसरत तै माड़ा सा फायदा होवै सै, पर भगति सारी बात्तां के खातर फैयदेमन्द सै, क्यूँके यो इस धरती पै जिन्दा रहन्दे होए अर मरण के बाद भी एक ईनाम का वादा सै। 9 या बात सच्ची अर हरेक ढाळ तै मानण जोगी सै। 10 क्यूँके हम मेहनत अर कोशिश इस्से खातर करा सां के म्हारी आस उस जिन्दे परमेसवर पै सै, जो सारे माणसां अर खास करके अपणे बिश्वासियाँ का उद्धार करणीया सै। 11 बिश्वासियाँ नै ये बात करणा अर उननै मानना सीखा। 12 छोटी उम्र के कारण कोए तन्ने तुच्छ ना समझै पर वचन, अर चाल-चलण, अर प्यार, अर बिश्वास, अर पवित्रता म्ह बिश्वासियाँ के खातर बढ़िया नमूना बण जा। 13 जिब ताहीं मै न्ही जाऊँ, जिब तक बखत लिकाड़के पवित्र ग्रन्थ बिश्वासियाँ ताहीं पढ़के सुणा, अर उन ताहीं उत्साहित अर वचन सिखाण म्ह लया रह। 14 उस आत्मिक वरदान के बारे म्ह, जो तेरे म्ह सै, अर भविष्यवाणी के जरिये कलीसिया के अगुवां के हाथ धरदे बखत तन्ने मिल्या था, निश्चित मतना रह। 15 इन बात्तां नै सोचदा रह अर इन्मै म्ह अपना ध्यान लाये रह, ताके तेरी बढ़ोतरी सारया पै दिख जावै। 16 यो ध्यान राक्खों के थम किस तरियां जिन्दगी जिओ सों, अर के सिखाओ सों। इन बात्तां पै स्थिर रह, क्यूँके इसा करदा रहवैगा तो तू अपणे अर अपणे सुणण आळा के खातर भी उद्धार का कारण होगा।

5 किसे बूढ़े ताहीं छो म्ह ना धमका, पर उस ताहीं अपना बाप जाणके समझा दे, अर जवानां नै अपना भाई जाणके समझा दे। 2 बूढ़ी बिरबानियाँ नै माँ जाणके, अर जवान बिरबानियाँ नै पूरी पवित्रता तै भाण मानके समझा दे। 3 उन बिधवा बिरबानियाँ का, जिनकी देखभाल करणीया

कोए कोनी उनका आदर कर। 4 जै किसे बिधवा के बाळक या नात्ती-पोत्ते हों, तो वे सब तै पैहल्या अपणे ए कुणबे के प्रति अपणे फर्ज नै पूरा करके परमेसवर का भगत बणणा सीखे, अर अपणे माँ-बाप के उपकारां का फळ दे, क्यूँके यो परमेसवर नै भावै सै। 5 जो सच म्ह ए बिधवा सै, अर उसका मदद करण आळा कोए न्ही, वा परमेसवर पै आस राक्खै सै, अर दिन-रात बिनती अर प्रार्थना म्ह लागगी रहवै सै। 6 पर जो बिधवा भोगविलास म्ह पड़गी, वा जिन्दे जी मरगी सै। 7 इन बात्तां का भी हुकम दिया कर ताके कोए उनपै दोष ना लगा सकै। 8 पर जै कोए अपणे रिश्तेदारां की अर खास करके अपणे कुणबे की फिक्क ना करै, तो वो बिश्वास तै मुकर गया सै अर अबिश्वासी तै भी बुरा बण गया सै। 9 उससे बिधवा का नाम लिख्या जावै जो साठ साल तै उप्पर की हो, अर जो एके धणी की बिश्वास लायक रही हों। 10 अर भले काम म्ह आच्छी नाम्मी रही हो, जिसनै बाळकां का पालन-पोषण, मेहमानां की सेवा, परमेसवर के माणसां की सेवा, दुखियाँ की मदद करी हो, अर हरेक भले काम म्ह मन लगाया हो। 11 पर जवान बिधवा बिरबानियाँ के नाम ना लिखिए, क्यूँके जिब उनकी शारीरिक अभिलाषा मसीह की सेवा करणा तै बढ़के हो जावै सै, तो वा ब्याह करणा चाहवै सै। 12 दुबारे ब्याह करके, वे खुद कसूरवार बणेगी, क्यूँके उननै अपणे पैहल्डे वादे ताहीं जो के ब्याह ना करणा का था, उन ताहीं तोड़ दिया सै। 13 इसके गेल्या ए गेल्या वे घर-घर हाँड के आलसी होणा सिक्खै सै, अर सिर्फ आलसी न्ही पर बकबक कर दी रहै सै, अर दुसरयां के काम म्ह भी दखल देती रहवै सै, अर चुगली कर दी रहवै सै। 14 ज्यार्ते मै न्यू चाहूँ सूं के जवान बिधवां ब्याह करै, अर बाळक जाँमै अर घर-बार सम्भाळै, अर किसे बिरोधी नै बदनाम करणा का मौक्का ना देवें। 15 मै इस करके कहूँ सूं, के उन म्ह तै कईयाँ नै प्रभु का कहणा मानना छोड़ दिया सै, अर शैतान के पाच्छे चालणा शरु कर दिया सै। 16 जै किसे बिश्वासी परिवार म्ह कोए बिधवां हों, तो वैए उनकी मदद करे के कलीसिया पै बोझ ना हो, ताके कलीसिया उनकी मदद कर सकै जो साच्च्य बिधवां सै। 17 कोए भी कलीसिया का अगुवां जो अपना काम आच्छी तरियां करै सै उस ताहीं बड़ा सम्मान अर पर्याप्त वेतन पाण के लायक मान्या जाणा चाहिए, खासकर जो लोग परमेसवर के सन्देश नै पढ़ाण अर प्रचार करण म्ह कड़ी मेहनत करै सै। 18 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “नाज लिकाड़ण आळे बळध का मुँह ना बाँधिये,” क्यूँके “मजदूर अपना मजदूरी का हकदार सै।” 19 किसे भी कलीसिया के अगुवे के बिरुध्द दो या तीन गवाह के बिना कोए भी उसनै दोषी ना मान्ना। 20 पाप करण आळा नै सारया के स्याम्ही समझा दे, ताके बाक्की के बिश्वासी भी डरै। 21 परमेसवर, अर मसीह यीशु अर छोट होड़ सुर्गदूतां नै मौजूद जाणके मै तन्ने हुकम देऊँ सूं, के बिना भेदभाव के तू इन हुकमां नै पूरा कर, अर सब के गैल एक जिसा बरताव कर। 22 किसे ताहीं जल्दबाजी म्ह अगुवां ना बणाईये, अर जै तू इसा करै सै, तो उसका जिम्मेदार भी तू खुद होवैगा, तू यो तय करके मै कोए पाप न्ही करैगा। 23 आण आळे बखत म्ह सिर्फ पाणी ए का पीण आळा ना रह, पर अपणे पेट के अर अपणे बार-बार बीमार होण के कारण माड़ा-माड़ा अंगूर का रस भी काम म्ह लयाया कर। 24 मै कहूँ सूं, के किसे ताहीं जल्दबाजी म्ह अगुवां ना बणाईये, क्यूँके कई लोग सब के स्याम्ही पाप करै सै, इस्तै पैहले के उनका न्याय हो, बिश्वासियाँ के स्याम्ही वे पापी बण चुके सै, दुसरे माणसां के पाप दिखाई न्ही देन्दे, पर पाच्छे नजर आवै सै। 25 उससे तरियां तै जिब माणस आच्छे काम करै सै तो दुसरे माणस उसके काम्मां नै देखे सै, अर जै इब न्ही दिखदे तो बाद म्ह वे दिख जावै सै।

6 जितने बिश्वासी गुलाम सै, वे अपणे-अपणे माल्लिक का आदर करै, ताके दुसरे लोग परमेसवर की अर म्हारी शिक्षा की बुराई ना करै। 2 जिनके माल्लिक बिश्वासी सै, वे अपणे माल्लिकां का अपमान ना करै, यो जाणके के इब तो वे उनके बिश्वासी भाई सै, बल्के वे उनकी सेवा और भी ज्यादा मन तै करै, क्यूँके वे जो सेवा तै फायदा ठाण लागरे सै, अर उननै वे मसीह म्ह अपणे भाईयाँ की तरियां प्यार करै, इन बात्तां का उपदेश देदा रह,

अर उन ताहीं मानण खात्तर भी उत्साहित करदा रह। 3 जै कोए झूठी शिक्षा देवे सै अर खरी शिक्षा नै न्ही मानता, यानिके म्हारे प्रभु यीशु मसीह की शिक्षा अर हुकम नै जिसतै परमेसवर नै महिमा मिलै सै। 4 तो वो घमण्डी सै, अर किमे न्ही जाण्दा, बल्के इसा माणस फालतू के मुद्दे अर शब्दां के बारे म्ह बहस करणा चाहवै सै, जिसतै जळण, अर झगड़े, अर बुराई की बात, भुन्डे-भुन्डे शक, 5 अर उन माणसां म्ह बेकार रगड़े-झगड़े पैदा होवै सै, जिनकी अकल खराब हो जा सै, अर वे सच तै दूर हो गये सै, जो समझै सै, के परमेसवर की सेवा करणा कमाई का साधन सै। 6 पर यो म्हारे खात्तर भला सै, के हम वो करा जिसतै परमेसवर खुश होवै सै, अर उस्से म्ह सबर करा जो वो म्हारे ताहीं देवे सै। 7 क्यूके ना हम दुनिया म्ह किमे ल्याए सां, अर ना किमे लेके जा सकां सां। 8 जै म्हारे धोरे खाण अर पैहरण नै हो, तो इन्नै म्ह सबर करणा चाहिये। 9 पर जो साहूकार होणा चाहवै सै, वे हर तरियां के पाप करण के जरिये धोक्खे म्ह पड़े सै, वे एक जानवर की तरियां जाळ म्ह फँस जावै सै, वे उन चिज्जां नै करणा चाहवै सै जो उनके खात्तर बेकूफी अर खतरनाक सै अर येए इच्छा उनके नाश का कारण बण जावै सै। 10 क्यूके रपियाँ का लोभ सारे ढाळ की बुराई की जड़ सै, जिसने पाण की कोशिश करदे होए घणखरयां नै मसीह की शिक्षा पै बिश्वास करणा बन्द कर दिया सै, क्यूके वे भोत पईसा चाहवै थे, अर उनने अपणे-आप ताहीं कई ढाळ के दुखां तै छलनी कर लिया सै। 11 पर हे तीमुथियुस, परमेसवर के जन, तू इन बात्तां तै भाज, अर धर्म, बिश्वास, प्यार, धीरज, अर नम्रता के पाच्छै चाल। 12 एक आच्छे सिपाही की तरियां जो हार न्ही मानता, परमेसवर पै बिश्वास करणा अर उसका कहणा मानना ना छोड़ै अर उस अनन्त जीवन नै पा ले, जिसके खात्तर तू बुलाया गया सै, अर भोत सारे माणसां के स्याम्ही तन्नै मान लिया सै, के तू मसीह पै बिश्वास करे सै। (aiōnios g166) 13 मै तेरे ताहीं परमेसवर नै, जो सब नै जीवन दे सै, अर मसीह यीशु नै गवाह मानके जिसने पुन्तियुस पिलातुस के स्याम्ही अपणे बारे म्ह बड़ी हिम्मत तै सच बोल्या, यो निर्देश देऊँ सूँ, 14 के जो परमेसवर नै तेरे ताहीं हुकम दिये सै, उन सब ताहीं दिल तै मान, ताके कोए भी तन्नै प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण तक गलत काम म्ह दोषी ना बता सकै। 15 परमेसवर जो एकमात्र राजा सै, वोए महिमा के लायक सै, जो राजयां का राजा, अर प्रभुओ का प्रभु सै, वो मसीह ताहीं सही बखत पै जाहिर करेगा। 16 वोए सै जो सदा खात्तर जिन्दा सै, अर वो उस चमकदार रोशनी म्ह रहवै सै, जिसके धोरे कोए न्ही आ सकदा, अर ना उस ताहीं किसे माणस नै देख्या अर ना कदे देख सकै सै। उसकी प्रतिष्ठा अर राज्य युगानुयुग रहवैगा। आमीन। (aiōnios g166) 17 इस दुनिया के साहूकारां नै आज्ञा दे, के वे घमण्डी ना हों अर अपणे धन पै भरोस्सा ना राक्खै, जो के थोड़े दिन का सै, पर परमेसवर पै भरोस्सा राक्खै, जो उदारता तै सब कुछ देवै सै, जो हमनै चाहिए, ताके हम उसका आनन्द उठा सका। (aiōn g165) 18 वे भलाई करै, अर भले काम्मां म्ह धनी बणै, अर उदार अर मदद करण म्ह त्यार हों। 19 जै वे इसा करै सै, तो इसा लागै सै, के वे सुर्ग म्ह अपणी सम्पत्ति जमा करण लागरे सै, जो असलियत म्ह खू न्ही सकदी, अर उस ताहीं सच्चा जीवन भी दिया जावैगा, जिसका मतलब सै सदा का जीवन। 20 हे तीमुथियुस, वो सब कुछ करण म्ह सावधान रह, जो परमेसवर नै तेरे ताहीं दिया सै, अर अभगति, बेकूफी भरी बात, अर उस झूठी शिक्षा तै जो सच्ची शिक्षा के बिरोध म्ह सै, जिन ताहीं वे ज्ञान की बात कहवै सै, उनतै दूर रह। 21 कई माणसां नै इस झूठे ज्ञान ताहीं अपणालिया सै, अर कहवै सै, के हमनै ज्ञान सै, इसा करण तै वे सच्ची शिक्षा तै दूर होंगे सै, मै प्रार्थना करूँ सूँ के परमेसवर का अनुग्रह उनपै भी अर थारे पै भी होन्दा रहवै।

2 तीमथियुस

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस की ओड़ तै सै, परमेसवर नै मेरे ताहीं मसीह यीशु का प्रेरित होण खात्तर चुण्या सै, ताके मै यो सन्देश प्रचार कर सकू, के परमेसवर नै अनन्त जीवन देण का वादा करया सै, जो यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै मिले सै। 2 मै तीमथियुस ताहीं या चिट्ठी लिखूं सूँ, जिसतै मै प्यार करूं सूँ, अर मै प्रार्थना करूं सूँ, के पिता परमेसवर अर म्हारे प्रभु मसीह यीशु की ओड़ तै तन्नै अनुग्रह, दया अर शान्ति मिलदी रहवै। 3 मै परमेसवर का धन्यवाद करूं सूँ, जिसकी आराधना मै साफ अन्तरात्मा तै उरसे ढाळ करूं सूँ, जिस तरियाँ मेरे पूर्वज करै थे, मै अपणी प्रार्थनायाँ म्ह तन्नै दिन रात याद करूं सूँ। 4 मननै याद सै के जिब मननै थारे ताहीं छोड़के जाणा पड्या था, तो थम मेरे खात्तर किस तरियाँ रोए थे। मै दिन-रात तेरे तै मिलण की लालसा राखूं सूँ, ताके आनन्द तै भर जाऊँ। 5 मननै तेरी माँ यूनिक्के का खरा बिश्वास भी याद सै, अर तेरी नानी लोइस का भी इसाए बिश्वास था, अर मननै पक्का बिश्वास सै के थारा भी बिश्वास उसाए होगा सै। 6 इरसे कारण मै तन्नै याद दुवाऊँ सूँ के तू परमेसवर के उस वरदान नै जो मेरे हाथ धरण कै जरिये तन्नै मिल्या सै प्रज्वलित करदे। 7 क्यूँके परमेसवर नै म्हारे ताहीं डरपोक न्ही बणाया, बल्के उसका आत्मा म्हारे मन मजबूत बणावै सै, जो म्हारे ताहीं दुसरयाँ तै प्यार करण म्ह मदद करै सै, अर म्हारे ताहीं अपणे-आप पै काब्बू राखणा सिखावै सै। 8 इस कारण म्हारे प्रभु यीशु मसीह के बारे म्ह लोगगाँ ताहीं बताण म्ह शर्मिन्दा मत होओ, अर शर्मिन्दा होणा भी न्ही चाहिए, क्यूँके मै उसकी सेवा करण के कारण जेळ म्ह सूँ, इसके बजाये थमनै उस शक्ति का इस्तमाल करणा चाहिए जो परमेसवर थमनै देवै सै, अर सुसमाचार कै खात्तर मेरे गेल्या दुख नै सह ल्यो। 9 परमेसवर नै म्हारा उद्धार करया सै, अर म्हारे ताहीं पवित्र जीवन जीण खात्तर बुलाया सै। उसनै म्हारे ताहीं इस कारण कोनी चुण्या के हमनै आच्छे काम करे सै, बल्के अपणी अनुग्रह अर इच्छा के मुताबिक चुण्या सै। उसनै यीशु मसीह ताहीं भेजके म्हारे उपर अनुग्रह दिखाण की योजना दुनिया बणाण तै पैहले ए बणा ली थी। (aiōnios g166) 10 पर इब म्हारे उद्धारकर्ता मसीह यीशु जाहिर होए, अर अपणी करुणा दिखाई, जिसनै मौत की शक्ति ताहीं हरा दिया अर म्हारे ताहीं सुसमाचार कै जरिये दिखाया के अनन्त जीवन का एक ए रास्ता सै। 11 जिसके खात्तर परमेसवर नै मेरे ताहीं प्रचारक, प्रेरित, अर उपदेशक भी बणाया। 12 इस कारण मै जेळ म्ह इन दुखानं नै भी सहूं सूँ, पर सरमान्दा कोनी, क्यूँके मै मसीह नै जाणू सूँ, जिसपै मननै बिश्वास करया सै, अर मननै पक्का बिश्वास सै के मसीह मेरी उस धरोहर की रक्षा जिब तक करदा रहवैगा जिब तक के वो आ ना ले, क्यूँके वो भरोस्सेमंद सै। 13 जो खरी बात तन्नै मेरे तै सुणी सै, उन ताहीं उस बिश्वास अर प्यार कै गैल, जो मसीह यीशु म्ह सै, अपणा बढ़िया नमूना बणाके राख। 14 अर उस धरोहर की रक्षा करो जो पवित्र आत्मा कै जरिये थारे ताहीं सौप्या गया सै, जो म्हारे भित्तर रहवै सै। 15 तन्नै बेरा सै के आसिया परदेस के भोत-से बिश्वासी भाईयाँ नै मेरे ताहीं छोड़ दिया सै, जिन म्ह फूगिलुस अर हिरमुगिनेस भी शामिल सै। 16 उनेसिफूरुस के कुणबे पै प्रभु दया करै, क्यूँके वो कई बार मेरे धारे आया अर उसनै मेरे ताहीं उत्साहित करया अर जेळ म्ह भी मेरे तै मिलण खात्तर आण म्ह शर्मिन्दागी महसूस कोनी करी। 17 पर जिब वो रोम नगर म्ह आया, तो उसनै मेरे ताहीं हरेक जगहां ढूँढ्या, अर ढूँढ के मेरे तै मिल्या। 18 (प्रभु करे के उस दिन उसपै प्रभु की दया हो)। जिब मै इफिसुस नगर म्ह था, तो उसनै वो सब कुछ मेरे खात्तर करया जिसनै थम भी जाणो सों।

2 ज्यातै हे मेरे बेटे तीमथियुस, तू उस अनुग्रह म्ह जो मसीह यीशु म्ह सै, मजबूत हो जा। 2 थमनै मेरे ताहीं कई माणसां के स्याम्ही मसीह की शिक्षा के बारे म्ह सन्देश सिखान्दे देख्या होगा। इस करके मै चाहूं सूँ, के थम उन दुसरे बिश्वासियाँ ताहीं भी वोए सन्देश सिखाओ जिन माणसां पै थम

भरोस्सा करो सों, जो दुसरयाँ नै भी वोए सन्देश सीखा सकै। 3 इरसे तरियाँ एक सैनिक धीरज तै लड़ाई के मैदान म्ह सारे दुख सहवै सै, थमनै भी सारे दुख सहण करणे पड़ेगें, जिया हम मसीह यीशु खात्तर सहवां सां। 4 जिब कोए सैनिक लड़ाई पै जावै सै, तो उसका काम अपणे-आपनै दुनियादारी के काम्मां म्ह फसाणा कोनी बल्के उसका काम अपणे भर्ती करण आळे नै खुश करणा सै। 5 जै दौड़ म्ह दौड़ण आळा सही तरीके तै न्ही दौड़ता तो वो ईनाम न्ही पा सकदा। 6 जो किसान मेहनत करै सै, फसल के पैहले हिस्से पै हक उसका सै। 7 या सोचवो के ये उदाहरण हमनै के सिखाणा चाहवै सै, परमेसवर इन सारी बातां नै समझण म्ह थारी मदद करै। 8 यीशु मसीह नै याद राख, जो दाऊद की पीढ़ी तै पैदा होया अर जिस ताहीं परमेसवर नै मेरे होया म्ह तै जिन्दा करया, अर वोए सुसमाचार सै जिसका हम प्रचार करां सां। 9 क्यूँके मै सुसमाचार सुणाऊँ सूँ, जिसके खात्तर मै भुन्डे काम करणीये की ढाळ दुख ठाऊँ सूँ, उरै ताहीं के कैद भी सूँ, पर कोए भी चीज परमेसवर का सुसमाचार प्रचार करण तै लोगगाँ नै रोक न्ही सकदी। 10 इस कारण मै छोट होए माणसां कै खात्तर सब कुछ सहूं सूँ, ताके वे भी यीशु मसीह पै बिश्वास करके बच सके अर अनन्त महिमा नै हासिल कर पावें। (aiōnios g166) 11 या बात साच्ची सै, के जै हम मसीह के गेल्या मरेगो सां, तो उसके गेल्या जीवांगें भी। 12 जै हम उसके खात्तर दुख सहन्दे रहवांगें, तो उसके गेल्या राज भी करांगें, जै हम इन्कार करां, के हम उसनै न्ही जाणते, तो वो भी कह देवैगा, के वो भी हमनै न्ही जाणता। 13 जै हम बिश्वासघाती भी हों, तो भी वो भरोस्सेमंद बणा रहवै सै, क्यूँके वो हमेशा अपणे सुभाव के मुताबिक काम कर करै सै। 14 बिश्वासियाँ नै ये बात समझा दे, अर प्रभु की मौजूदगी म्ह समझा दे, के शब्दां पै बहस-बाजी ना करया करै, जिसतै कुछ फायदा कोनी होन्दा, क्यूँके यो उन माणसां के उस बिश्वास नै नुकसान पुहचा सके सै जो उननै सुणे सै। 15 अपणे-आपनै परमेसवर का अपनाण जोगगा अर इसा काम करण आळा बणाण की कोशिश कर, जो शर्मिन्दा न्ही होण पावै, अर जो सच कै वचन नै सही ढाळ तै समझा सकै। 16 पर दुनियावी अर बेकार की बातां तै दूर रह, क्यूँके जो लोग दुनियावी अर बेकार की बातां म्ह शामिल होवै सै, वे परमेसवर तै और घणे दूर हो जावै सै। 17 उनकी बाते सड़े घांव की ढाळ फैलदी जावैगी, जो दुसरयाँ के बिश्वास नै कमजोर कर देंगी जो उन बातां नै सुणे सै, अर हुमिनयुस अर फिलेतुस उनकी तरियाँ पए सै। 18 उननै सच्चाई पै बिश्वास करणा बन्द कर दिया सै, वे कहवै सै के परमेसवर नै पैहले ए मरे होए बिश्वासियाँ ताहीं अनन्त जीवन कै खात्तर जिन्दा करया था, इस करके वे कुछ बिश्वासियाँ ताहीं कहवै सै, के मसीह पै बिश्वास ना करो। 19 परमेसवर के लोग इसी नीम की ढाळ सै जो हालदी कोनी, अर उस नीम पै या छाप लागरी सै: “प्रभु अपणे माणसां ताहीं पिच्छाणै सै,” अर “जो कोए प्रभु का नाम लेवै सै, उसनै बुराई करणा छोड़ देणा चाहिए।” 20 एक बड़े घर म्ह ना सिर्फ सोन्ने-चाँदी ए के, पर काठ अर माट्टी के बासण भी होवै सै, कुछ खास मौकके, अर कुछ रोज के खात्तर इस्तमाल करे जावै सै। 21 इरसे तरियाँ जे कोए बिश्वासी अपणे-आपनै नै इन बुरी चिज्जां तै दूर कर लेवैगा, तो वो माल्लिक के उस उपयोगी बासण की तरियाँ होवैगा, जो खास मौकका पै इस्तमाल करया जावै सै, वो पवित्र बण जावैगा, अर वो माल्लिक के जरिये हरेक भले काम के खात्तर इस्तमाल करया जावैगा। 22 जवान्नी की अभिलाषाओं तै दूर भाज्जो, अर उनकी संगति रह हों जो धार्मिकता, बिश्वास, प्यार, अर शान्ति का सुभाव राखै सै, जो साफ मन तै परमेसवर नै पुकारे सै। 23 पर बेकूफी अर अज्ञानता के बहस तै दूर रह, क्यूँके तन्नै बेरा सै के इनते झगड़े पैदा होवै सै। 24 प्रभु के दास नै झगड़ालू न्ही होणा चाहिये, पर वो सब के गेल्या नरम अर शिक्षा म्ह निपुण अर सहनशील हो। 25 वो बिरोधियाँ नै नम्रता तै समझावै, के बेरा परमेसवर उननै इसा मन देवै के वे पाप करणा छोड़ दे ताके वे भी सच नै पिच्छाणै। 26 अर ये लोग आच्छी तरियाँ फेर तै सोचवण अर शेतान के धोक्खे तै बचण के लायक हो जावेंगे, अर यो धोक्खा एक फंदे के तरियाँ सै।

शैतान नै उन ताहीं इस खात्तर पकड्या सै, ताके जो वो चाहवै सै वो उनतै करवा सकै।

3 मै इब के कहूँ सूँ, उन बात्तां पै ध्यान दे अन्त के दिनां म्ह कष्ट का बखत भी आवैगा। 2 क्यूँके माणस स्वार्थी, लोभ्भी, डिंगमार, अभिमानी, बुराई करण आळे, माँ-बाप का हुकम टाळण आळे, अहसान-फरमोस, अपवित्र, 3 निर्दयी, माफ ना करण आळे, दोष लाण आळे, असंयमी, कठोर, भले के बैरी, 4 विश्वासघाती, झूठ, घमण्डी, अर परमेसवर के न्ही बल्के सुखविलास ए के चाहणआळे होंगे। 5 वे भगति का भेष तो धरेंगे, पर वे उस शक्ति नै अपणावै कोनी, जो उननै ईश्वरीय बना सकै सै, इसा तै परे रहियो। 6 इन्हे म्ह तै वे माणस सै जो घरां म्ह दबे पाँ बड़ जावै सै, अर उन लुगाईयाँ ताहीं बस म्ह कर लेवें सै, जो पापां तै दबी अर हरेक ढाळ की अभिलाषायां कै बस म्ह हो सै। 7 अर वे हमेशा नई बात सिखदी तो रहवें सै, पर सच की पिच्छाण तक कदे न्ही पोहोचदी। 8 जिस तरियां यत्रेस अर यम्ब्रेस नै मूसा नबी का बिरोध करया था, उससे तरियां ए ये भी सच का बिरोध करै सै, ये इसे माणस सै, जिनकी बुद्धि भ्रष्ट होगी सै अर वे विश्वास कै बारे म्ह निकम्मे सै। 9 उनकी कामयाबी थोड़े बखत की थी, क्यूँके जिस तरियां माणसां नै मान लिया के यत्रेस अर यम्ब्रेस बेकूफ थे, अर हर कोए यो स्वीकार कर लेगा के वे बेकूफ सै। 10 पर तन्नै उपदेश, चाल-चलण, मनसा, विश्वास, सहनशीलता, प्यार, धीरज, अर सताए जाण, अर दुख ठाण म्ह मेरा साथ दिया, अर इसे दुखां म्ह भी जो अन्ताकिया नगर अर इकुनियुम अर लुस्त्रा नगरां म्ह मेरे पै आण पड़े थे, अर दुसरे दुखां म्ह भी जो मन्नै ठाए सै, पर प्रभु नै मेरे ताहीं उन सारया तै छुटा लिया। 12 पर जितने मसीह यीशु म्ह भगति कै गेल्या जीवन बिताणा चाहवें सै वे सारे सताए जावेंगे। 13 पर दुष्ट अर भकाण आळे बिगड़े चले जावेंगे, वे दुसरयां नै धोक्खा देवेंगे, अर खुद दुसरयां तै धोक्खा खावेंगे। 14 थमनै विश्वास करते रहणा चाहिए जो हमने थारे ताहीं सिखाया सै, क्यूँके थम हमनै जाणो सों, अर म्हारे पै भरोस्सा कर सको सों जिननै थारे ताहीं ये बातें सिखाई सै। 15 जिव थम छोटे बाळक थे, जिव तै ए थमनै अपणे पवित्र ग्रन्थां म्ह सिखाया सै, जो थारे ताहीं या समझण म्ह मदद करै के जिव थम मसीह यीशु म्ह विश्वास करो सों तो परमेसवर थमनै बचावै सै। 16 साब्ला पवित्र ग्रन्थ परमेसवर की प्रेरणा तै रचया गया, अर म्हारे ताहीं सिखाण खात्तर उपयोगी सै, के सच के सै, अर म्हारे ताहीं यो महसूस करण खात्तर के म्हारी जिन्दगी म्ह के गलत सै। यो म्हारी गलतियाँ नै सुधारै, जिव हम गलत होवां सां, अर वोए करणा सिखावै सै जो सही सै। 17 ताके परमेसवर का जन हरेक भले काम करण खात्तर त्यार अर सिध्द बन जावै।

4 जिव मसीह यीशु राजा के रूप म्ह शासन करण खात्तर आवैगा, तो वो उन जिन्दे अर मरे होए माणसां का न्याय करैगा जो मर चुके सै, तो गवाह के रूप म्ह परमेसवर अर मसीह कै साथ, मै ईमानदारी कै साथ थारे तै आग्रह करूँ सूँ। 2 के तू परमेसवर के वचन का प्रचार कर, परमेसवर के वचन ताहीं सुणाण खात्तर सदा तैयार रह, चाहे लोग इस ताहीं सुणाणा चाहवै या ना चाहवै, ताके थम माणसां नै दिखा सकों, के जो उननै करया सै, वो गलत करया सै, अर उनके पापां खात्तर उन ताहीं डाट सकों, पर थम माणसां नै उत्साहित भी करो जिव थम उननै बड़े धीरज तै सिखाओ सों। 3 क्यूँके इसा बखत आवैगा जिव माणस खरयां उपदेश न्ही सह सकेंगे, पर अपणी ए इच्छा पूरी करैंगे अर वे अपणे खात्तर कई उपदेशक कठ्ठे करैंगे जो उपदेश वे सुणाणा चाहवै सै उन ताहीं वे बतावेंगे। 4 अर वे सच्चाई नै अणदेखा कर देवेंगे, अर झूठी कथा-कहानियाँ पै मन लगावेंगे। 5 थमनै हरेक बखत अपणे-आप पै काबू राखणा चाहिए, दुख ठा, सुसमाचार प्रचार का काम कर, अर परमेसवर के जरिये दी गई सेवा नै पूरी कर। 6 जै वे मन्नै मार भी देवेंगे, तो मेरी जिन्दगी परमेसवर ताहीं चढ़ाई गई एक भेट की तरियां होगी। इस दुनिया ताहीं छोड़ण का इब मेरा बखत आ लिया सै। 7 मन्नै

मसीह की सेवा करण खात्तर कड़ी मेहनत करी सै, मन्नै अपणी दौड़ पूरी कर ली सै, मन्नै आखरी तक उसपै विश्वास करया। 8 आण आळे बखत म्ह प्रभु मेरे ताहीं मुकुट देवैगा, जो के धार्मिकता का मुकुट सै, वो जो सच्चा न्याय करै सै, अर मन्नै वो ईनाम देवैगा जिव बोहड़ के आवैगा बल्के मेरे ताहीं ए न्ही उन सब ताहीं भी देवैगा, जो उसके दुबारा आण की बात बड़ी आस तै देखण लागरे सै। 9 मेरे धोरै तावळा आण की कोशिश कर। 10 क्यूँके देमास नै इस दुनिया की चिज्जां तै प्यार करया सै, अर मेरे ताहीं छोड़ दिया सै, अर वो थिस्सलुनीके नगर म्ह चल्या गया सै। क्रैसकेंस, गलातिया नगर की ओड़ चल्या गया अर तीतुस दलमतिया परदेस कान्ही चल्या गया सै। (aiōn g165) 11 सिर्फ लूका मेरे गैल सै। मरकुस नै लेके चल्या आ, क्यूँके वो मेरे काम करण म्ह मेरी मदद करैगा। 12 तुखिकुस ताहीं मन्नै इफिसुस नगर म्ह भेज्या सै। 13 जो चोल्ला, मै, त्रोआस नगर म्ह करपुस के घर छोड़ आया सूँ, जिव तू आवै तो उस ताहीं अर उस किताब ताहीं भी लेदे आईये, खास करके चर्मपत्रों नै। 14 सिकन्दर ठठेरे नै मेरा बड़ा नुकसान करया सै, प्रभु उस ताहीं उसके काम्मां कै मुताबिक बदला देवैगा। 15 तू भी उसतै चौकन्ना रह, क्यूँके उसनै म्हारी शिक्षायां का घणाए बिरोध करया सै। 16 पैहली बार मै खुद नै बचाण खात्तर अदालत गया, कोए भी मेरे गैल न्ही था, पर सब नै मेरे ताहीं छोड़ दिया, परमेसवर इस बात का दण्ड उननै ना देवै, मै प्रार्थना करूँ सूँ, मेरे ताहीं छोड़ण के कारण उन ताहीं परमेसवर माफ करदे। 17 पर मेरे गैल मेरा प्रभु मददगार रहया, मेरे जरिये सन्देस की घोषणा पूरी तरियां सम्पन्न हो जावै अर उरै जितने भी गैर यहूदी लोग मौजूद सै, ये बात सुण ले, के उसनै मेरे ताहीं मौत के मुँह म्ह तै छुड़ाया। 18 अर प्रभु मन्नै हरेक भुन्डे काम तै छुड़ावैगा, अर वो अपणे सुर्गियां राज्य म्ह सही-सलामत ले जावैगा। उससे की महिमा युगानुयुग होन्दी रहवै। आमीन। (aiōn g165) 19 प्रिसकिल्ला अर उसका धणी अक्विला अर उनेसिफुरुस कै कुणबे नै मेरी ओड़ तै नमस्कार। 20 इरास्तुस कुरिन्थुस नगर म्ह रह गया, अर त्रुफिमस ताहीं मन्नै मीलेतुस नगर म्ह बीमार छोड्या सै। 21 जाड्डे तै पैहल्या चले आण की कोशिश कर। यूबूलुस, अर पूदेस, अर लीनुस अर क्लौदीया, अर सारे विश्वासी भाईयाँ की ओड़ तै तन्नै नमस्कार। 22 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के प्रभु तेरी आत्मा कै गैल रहवै। थारे पै अनुग्रह होंदा रहवै।

तीतुस

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस की ओड़ तै सै, जो परमेसवर का दास अर यीशु मसीह का प्रेरित सै, मैं इस करकै भेज्ना गया सूं ताके उन माणसां के बिश्वास नै स्थापित कर सकूं जिन ताहीं परमेसवर नै चुण्या सै, अर उन ताहीं सीखा सकूं के वो उस सच्चाई नै जाण सकै, जो उन ताहीं दिखा सकै के पवित्र जिन्दगी किस तरियां जीणी सै। 2 वे हमेशा के खात्तर परमेसवर के सदा रहण की आस करै सै, क्यूँके परमेसवर, जो कदे झूठ न्ही बोल्दा, उसने दुनिया बणाण तै पहिले वादा करया था के उसके लोग हमेशा खात्तर जिन्दगी रहवेंगे। (aiōnios gl166) 3 अर ठीक बखत पै परमेसवर नै यो सुसमाचार म्हारे पै जाहिर करया, अर हमने यो सुसमाचार सारया ताहीं सुणाया। परमेसवर जो म्हारा उद्धारकर्ता सै, उसने मेरे ताहीं या जिम्मेदारी दी सै, अर अपना काम करण खात्तर मेरे ताहीं उसने हुकम दिया सै। 4 मै या चिट्ठी तीतुस नै लिखूं सूं, मसीह पै बिश्वास करण के नाते तू मेरे आत्मिक बेटे की तरियां सै, मै प्रार्थना करूं सूं, के पिता परमेसवर, अर म्हारे उद्धारकर्ता प्रभु मसीह यीशु की ओड़ तै तन्ने अनुग्रह, दया अर शान्ति मिलदी रहवै। 5 मै इस करकै तन्ने क्रेते टापू म्ह छोड़ आया था, ताके तू ओड़ै उस काम नै खतम कर सके जो अधूरा रहया था, अर मेरे हुकम के मुताबिक उस टापू के हरेक नगर म्ह कलीसिया के अगुवां नै तैयार कर सकै, जिसा मननै कह्या सै। 6 अगुवां बेकसूर अर एके पत्नी का पति हो, जिनके बाळक बिश्वासी हो, अर उन म्ह लुचपण अर निरंकुशता का दोष ना हो। 7 क्यूँके अगुवां, नै परमेसवर का भण्डारी होण के कारण बेकसूर होणा चाहिए, ना जिद्दी, ना गुसेल, ना पियककड़, ना मारपीट करण आळा, ना नीच कमाई का लोभी हो, 8 पर मेहमान का आदर करण आळा, भलाई का चाहूँ आळा, अपने-आपे म्ह रहण आळा, न्यायकारी, पवित्र अर अपने मन नै काबू राखण आळा हो। 9 वो यीशु मसीह के सन्देश के बारे म्ह मजबूती तै बिश्वास करदा हो, जो हमने थारे ताहीं सिखाया सै, अर वो दुसरयां ताहीं उत्साहित कर सकै, ताके वे सही शिक्षा का पालन कर सकै, अर उन ताहीं भी समझा सकै जो सही शिक्षा का बिरोध करै सै। 10 क्यूँके भोत-से माणस सही शिक्षा के बिरुद्ध खड़े होवेंगे, जो बेकार की बात सिखावै सै अर जो दुसरयां ताहीं धोखा देवै सै, उन म्ह तै कुछ लोग यहूदी सै जो बिश्वासी बणगे सै। 11 इन माणसां ताहीं सिखाण का मौक्का न्ही देणा चाहिए, क्यूँके वे इसी शिक्षा देवै सै जो उन ताहीं देणी न्ही चाहिए, अर ये पूरे घराने का बिश्वास खतम कर देवै सै, अर वे यो इस खात्तर करै सै ताके उन ताहीं पर्ईसे मिल सकै। 12 उन म्ह तै एक जण्यै नै, जो उनका नबी सै, कह्या सै, “क्रेते नगर का माणस जिस ताहीं वे नबी मान्ने सै उसने क्रेती के माणस के बारे म्ह कह्या, के ये सदा झूठ बोल्दै सै, ये जंगली-जानवरन की तरियां बरताव करै सै, ये आलसी होवै सै अर ये भोत पेटू सै।” 13 या बात क्रेती माणसां के बारे म्ह सच सै, इस करके उनै सखताई तै चेतावनी दिया कर, के वे यीशु मसीह की सच्ची शिक्षा पै बिश्वास करै। 14 अर यहूदिया की कथा कहानियां अर माणसां के हुकम पै मन ना लगावै, जो सच तै भटक जावै सै। 15 वे माणस जिनके मन म्ह कोए पाप कोनी, उनके खात्तर सारी चीज शुद्ध सै, पर उन माणसां खात्तर जो बुरे सै, अर जो मसीह यीशु पै बिश्वास कोनी करते, उन खात्तर कोए भी चीज शुद्ध कोनी, वे हर बखत बुरे काम करै सै, क्यूँके उनका मन पूरी तरियां अशुद्ध हो लिया सै। 16 ये झूठे शिक्षक कहवै सै, के हम परमेसवर नै जाणा सां, पर उनके काम दिक्खे सै, के वो परमेसवर ताहीं न्ही जाणते क्यूँके वे घृणित अर हुकम ना मानण आळे सै, अर किसे आच्छे काम के लायक कोन्या।

2 पर तीतुस तेरे खात्तर योए सही सै के तू बिश्वासियां ताहीं वोए सीखा जो सच्ची शिक्षा के मुताबिक हो। 2 यानी के बूढ़े माणस शान्त गम्भीर अर संयमी हो, अर उनका बिश्वास, प्यार अर धीरज पक्का हो। 3 इस ढाळ बूढ़ी बिरबानियां का बरताव इसा हो के परमेसवर नै महिमा मिलै, वे लाच्छण लगाण आळी अर पियककड़ न्ही हो, पर आच्छी बात सिखाण

आळी हो। 4 जवान बिरबानियां नै तीतुस तै न्ही बल्के बूढ़ी बिरबानियां तै निर्देश पाणा चाहिए, ताके वो उन ताहीं सीखा सकै किस तरियां अपने धणी अर बाळकां तै प्यार करै। 5 अर वे मन पै काबू राखण आळी, पतिव्रता, घर का कामकाज सम्भालण आळी, भली अर अपने-अपणे धणी के प्रति बिश्वास लायक हो, ताके कोए परमेसवर के वचन की बुराई ना कर सकै। 6 इसे तरियां जवान माणसां नै भी समझाया कर, के वे खराई तै चाल्लण आळे हो। 7 हरेक काम म्ह तू अपने आच्छे बरताव तै दुसरयां खात्तर एक मिसाल बण जा, जिन तू बिश्वासियां ताहीं परमेसवर के बारे म्ह सिखावै सै, तो उन ताहीं आच्छे मकसद तै सीखा, अर इसा सीखा ताके लोग तेरा आदर कर सकै। 8 तेरी शिक्षाओं म्ह हमेशा सच्चाई हो, जिसकी आलोचना ना हो सकै, जिसतै बिरोधी नै म्हारे म्ह कोए दोष लगाण का मौक्का ना मिलै अर वो खुद पै शर्मिन्दा हो जावै। 9 नौकरां नै समझा के अपने-अपणे मालिक के कद्वे म्ह रहवै, अर सारी बातां म्ह उसने राज्जी राखवै, अर उल्ट के जवाब ना दे। 10 चोरी चलाकी ना करो, अर हमेशा यो दिक्खे के वो बिश्वास लायक सै, अर थारे आच्छे सुभाव नै देखके, वे भी म्हारे उद्धारकर्ता परमेसवर की शिक्षा ताहीं सुणाणा चाहवेंगे। 11 परमेसवर नै अपना अनुग्रह इस बात म्ह जाहिर करया के उसने मसीह यीशु ताहीं म्हारा उद्धारकर्ता बणाके भेज दिया, ताके हरेक माणस बचाए जा सकै। 12 आपनी दया के कारण परमेसवर म्हारे ताहीं सिखावै सै, के हम उन तरिककां तै बरताव करणा बन्द कर द्या, जो उस ताहीं खुश न्ही कर सकदे, अर इसी लालसा ना राख्खा जिसी अबिश्वासी लोग राख्खे सै, पर बुद्धिमानी अर धार्मिकता तै बरताव करां, अर इसा बरताव करा जो परमेसवर नै पसन्द हो, जिन तक हम दुनिया म्ह रहवां। (aiōn gl165) 13 हम इस तरिकके तै बरताव करा, जिसा के हम उस अदभुत दिन की बात देखदे हो, जिसकी हम आस राख्खां सां, यो वो दिन सै जिन यीशु मसीह जो म्हारा परमेसवर अर उद्धारकर्ता सै बड़ी महिमा म्ह इस दुनिया म्ह बोहड़ के आवेगा। 14 इस मसीह यीशु नै अपने-आप ताहीं म्हारे पापां खात्तर बलिदान कर दिया, ताके हम सारे पापां तै आजाद हो जावां, अर म्हारे ताहीं शुद्ध करया ताके हम उसके अपने खास माणस बण जावां, जो भले काम करण की बड़ी इच्छा राख्खे सै। 15 पूरे अधिकार के गैल इन सारी बातां की शिक्षा देते होए लोगां नै समझा अर उत्साहित करदा रह, अर कोए तन्ने तुच्छ न्ही जाणण पावै।

3 बिश्वासियां नै याद दुआ के हाकिमां अर अधिकारियां का आदर कर, अर उनका हुकम मान्ने, अर दुसरयां का भला करदे रहो। 2 किसे नै बदनाम ना करै, अर ना झगड़ालू बणै, पर दुसरे माणसां के खात्तर दया दिखाण आळे बणो, अर सारे माणसां के गैल बड़ी नरमाई के गैल रहवै। 3 क्यूँके हम भी पैहल्या बेअक्ल, परमेसवर का हुकम ना मानण आळे, भ्रम म्ह पड़े होए अर न्यारी-न्यारी ढाळ की बुरी अभिलाषा अर सुखभोगण की गुलामी म्ह, अर बैरभाव अर माणसां के प्रति जळण करण म्ह जीवन बिताण लागरे थे, हम घृणा के लायक माणस थे, अर हर कोए म्हारे तै घृणा करै था, अर हम भी उनतै घृणा करा थे। 4 पर फेरभी परमेसवर जो म्हारा उद्धारकर्ता सै उसने अपना दया अर प्यार हम माणसां पै दिखाया। 5 उसने म्हारे ताहीं पापां के दण्ड तै बचाया, अर यो धार्मिक कामां के जरिये न्ही होया जो हमने खुद करे, पर उसने म्हारे पै दया करी। उसने म्हारे ताहीं पवित्र आत्मा देण के जरिये बचाया, जो म्हारे पापां नै माफ करै सै, अर हमने नई जिन्दगी अर नया सुभाव देवै सै। 6 परमेसवर नै मुफ्त म्ह पवित्र आत्मा दिया ताके वो म्हारे म्ह सामर्थी रूप तै काम करै क्यूँके मसीह यीशु म्हारे पापां खात्तर मरया अर म्हारा उद्धारकर्ता बण गया। 7 ताके हम अनन्त जीवन की आस राख्ख सका, जिसका परमेसवर नै अपने माणसां ताहीं देण का वादा करया सै, अर हमने उसपे पूरा भरोसा सै, क्यूँके वो अपनी करुणा के मुताबिक म्हारे ताहीं धर्मी बणावै सै। (aiōnios gl166) 8 या बात सच सै, अर मै चाहूं सूं, के तू इन बातां के बारे म्ह मजबूती तै बोल्दै इस करकै के जिनने परमेसवर पै बिश्वास करया सै, वे भले काम करण खात्तर हमेशा ध्यान लगावेंगे। ये बात

भली अर माणसां के फायदे की सै। 9 पर बेवकूफी के विवादों, पीढियाँ, बिरोध अर झगड़ा तै जो मूसा नबी के नियम-कायदा के बारे में हो, इनतै बचा रह, क्यूँके वे फायदेमन्द कोनी बल्के बेकार सै। 10 तू उन माणसां नै एक दो बार समझा जो कलीसिया म्ह फूट गेरै सै, अर उन ताहीं इसा करण तै मना कर, उसकै बाद उनपै और बखत बरबाद ना करै। 11 तन्नै पक्का बेरा सै, के इस ढाल का माणस भटक गया सै, अर अपणे काम्मां के जरिये दोषी ठहराया जावैगा। 12 जिब मै तेरे धोरै अरतिमास या तुखिकुस नै भेज्जुँ तो मेरै धोरै निकुपुलिस नगर आण की कोशिश करिये, क्यूँके मन्नै ओड़ेए जाड्डा लिकाड़ण का मन बणाया सै। 13 जेनास वकील अर अपुल्लोस जै सफर खात्तर आगै जावै, तो जो मदद थम उनकी कर सको तो वा जरुर करियो। 14 इतणाए न्है बल्के तू बिश्वासियाँ नै यो सीखा, के वो अपना ध्यान कड़ी मेहनत करण म्ह लगावै, ताके उन माणसां खात्तर जिनकै धोरै सै कोनी उनकी जरुरत पूरी हो सकै, अर वे एक आच्छे मकसद के साथ जिन्दगी जी सकै। 15 मेरै सारे साथियाँ की ओड़ तै तेरे ताहीं नमस्कार। जो बिश्वास कै कारण म्हारै तै प्यार करै सै, उननै भी नमस्कार। थारे सारया पै परमेसवर का अनुग्रह होंदा रहवै।

फिलेमोन

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस, की ओड़ तै सै, जो मसीह यीशु का कैदी सै। हे फिलेमोन, मेरी अर बिश्वासी भाई तीमुथियुस की ओड़ तै तन्ने नमस्कार। तू म्हारा प्यारा मित्र अर मसीह के काम करण म्ह म्हारा साइड़ीदार सै। 2 मै भाण अफफिया, अर अरखिपुस ताहीं जो परमेसवर की सेवा एक सिपाही की तरियां करण लागरया सै, अर उस कलीसिया नै भी लिखूँ सूँ, जो फिलेमोन के घर म्ह कट्टी हो सै। 3 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के म्हारे पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिलती रहवै। 4 मै जिब भी थारे खात्तर प्रार्थना करूँ सूँ, तो मै सारी हाण थारे खात्तर परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूँ। 5 मै प्रभु यीशु मसीह पै थारे बिश्वास अर परमेसवर के पवित्र माणसां के प्रति प्यार के बारें म्ह सुणदा रहूँ सूँ। 6 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के जो बिश्वासियाँ गैल थारी साइड़ीदारी सै, उन भली चिज्जां के जाणण के जरिये जो परमेसवर नै म्हारे ताहीं दी सै, वा और घणी बढ़ती जावै। अर या म्हारे मसीह की महिमा खात्तर हो। 7 क्यूँके हे बिश्वासी भाईयो, मै भोत खुश सूँ, अर मेरे प्रति थारे प्यार तै मै घणा उत्साहित सूँ, अर इस कारण पवित्र माणसां नै घणी खुशी मिली सै। 8 जो हक मेरे ताहीं मसीह नै दिया सै, उसकी बजह तै मै थमनै हुकम दे सकूँ सूँ, के थमनै के करण की जरूरत सै, पर मै इसा कोनी करूँ, मै पौलुस, बुजुर्ग माणस होण के नाते अर मसीह यीशु का कैदी होण के कारण थारे तै प्यार तै बिनती करूँ सूँ। 9 मेरी बिनती या सै के उनेसिमस जो मेरै बाळक की तरियां सै, वो मसीह म्ह मेरा आत्मिक बेटा जिब बणया जिब मै कैद म्ह था, थम उसपै दया करियो। 10 वो तो पैहला तेरे किमे काम का ना था, पर इब तेरे अर मेरे दोनुआ कै खात्तर बड़े काम का सै। 12 उससे नै यानी जो मेरे दिल का टुकड़ा सै, मै तेरे धोरै भेज्जू सूँ। 13 उसनै मै अपणे ए धोरै राखणा चाहूँ था, ताके वो तेरी जगहां मेरी मदद कर सकै, जिब के मै मसीह का सुसमाचार सुणाण कै खात्तर कैद म्ह सूँ। 14 पर मन्ने तेरी इच्छा बगैर कुछ भी न्ही करणा चाह्या। मै चाहूँ था के तू मेरी मदद मजबूरी म्ह न्ही पर खुद की इच्छा तै खुशी तै करै। 15 हो सकै सै के परमेसवर नै उनेसिमस ताहीं, तेरे तै इस करके थोड़े बखत खात्तर दूर जाण का मौक्का दिया, ताके वो मसीह पै बिश्वास कर सकै, अर उसकी बजह तै तू सदा खात्तर उसने पा लेवै। (aiōnios g166) 16 पर इब वो तेरा दास ए कोनी बल्के दास तै भी बढ़कै, यानी बिश्वासी भाई सै। मै उसतै भोत प्यार करूँ सूँ, पर इब तू मेरे तै भी ज्यादा उसतै प्यार कर, दास की तरियां न्ही, पर बिश्वासी भाई की तरियां। 17 इस करके जै तू मन्ने अपणा साइड़ीदार समझै सै, तो उनेसिमस जिब थारे धोरै बोहड़ के आवैगा, तो उसनै प्यार तै अपणा लियो, जिस तरियां थम मन्ने अपणाओ सों। 18 जै उसनै तेरा कुछ भी नुकसान करया सै, या उसपै तेरा कुछ कर्ज सै, तो आके दे दियुंगा। 19 मै पौलुस अपणे हाथ तै लिखूँ सूँ, के उसका कर्जा मै आप दे दियुंगा, तू खुद जाणै सै, जै मै तेरी मदद न्ही करदा, तो तन्ने नई जिन्दगी न्ही मिलती, इस करके तू जिन्दगी भर मेरा कर्जदार सै। 20 हे मेरे प्यारे भाई, मेरे खात्तर योए कर क्यूँके हम बिश्वासी भाई सां, अर तेरे इसा करण तै मै मसीह म्ह उत्साहित हो जाऊँगा। 21 मै तेरे पै भरोस्सा करके तेरे तै लिखूँ सूँ, अर या जाणु सूँ के जो कुछ मै कहूँ सूँ, तू उसतै घणा बढ़कै करैगा। 22 अर या भी कै मेरै खात्तर रुकण की जगहां तैयार राक्खै। मन्ने उम्मीद सै, के परमेसवर थारी प्रार्थनायां का जवाब देवैगा, अर मै थारे धोरै आके थमनै देख पाऊँगा। 23 इपफ्रास, जो मेरे गैल जेळ म्ह कैद सै, क्यूँके वो यीशु मसीह की सेवा करै सै थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। 24 अर मरकुस, अरिस्तर्बुस, देमास अर लूका जो मेरे गैल परमेसवर का काम करणीये सै, इनका भी तेरे ताहीं नमस्कार। 25 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थारे साथ होंदा रहवै। आमीन।

के साथ अपने शुरुआती विश्वास नै थाम्मे राख्वां सां, तो हम मसीह के साइड्रीदार बण जावां सां। 15 जिंसा पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, “जै आज थम परमेसवर का शब्द सुणो, तो अपने मनां नै कठोर ना करो, जिंसा के छो दुवाण के बखत थारे पूर्वजां नै करया था।” 16 कौण थे वे माणस जिंनै परमेसवर की आवाज सुणके भी उस ताहीं छो दुवाया? ये वे माणस थे जिंन ताहीं मूसा नबी मिस्र देश तै बाहर लैके गया था। 17 चाळीस साल तक परमेसवर ताहीं इन माणसां नै गुस्सा दुवाया, ये इस्राएल के माणस थे, जिंनै मरुस्थल म्ह पाप करया अर वे मरगे, अर उनकी लाश जंगळ म्ह पड़ी रहीं? 18 अर जिब परमेसवर नै कसम खाई के “वे उस आराम की जगहां म्ह कदे न्ही बड़ पावेंगे, जिंत मै उनै आराम देऊंगा।” वो वास्तव म्ह उन माणसां के बारे म्ह बात करै था जिंनै उसका बिरोध करया था। 19 इस बात तै हमनै यो बेरा लागया सै, के वे अपने अबिश्वास के कारण बड़ न्ही सके।

4 इस करके परमेसवर नै म्हारे ताहीं वादा करया सै, के हम आराम की जगहां पै जावेंगे, क्यूँके आराम की जगहां म्ह बड़ण का वादा इब भी सै, तो हमनै भौत सावधान रहणा चाहिए, इसा ना हो के थारे म्ह तै कोए माणस आराम की जगहां जाण म्ह नाकामयाब हो जा, जिंन ताहीं देण का वादा परमेसवर नै म्हारे ताहीं करया सै। 2 जिंन तरियां हमनै यीशु मसीह के बारे म्ह सुसमाचार सुणया, अर उन इस्राएल के माणसां नै भी जिंन नै आराम की जगहां म्ह बड़ण के बारे म्ह सुसमाचार सुणया पर उननै उस सुसमाचार पै बिश्वास न्ही करया, इस कारण उनके खात्तर संदेश बेकार ठैहराया। 3 पर म्हारे ताहीं जो परमेसवर नै कह्वा सै, हम उसपै भरोसा करां सां, अर हम आराम की जगहां म्ह बड़ांगे। जिंसा औरां खात्तर परमेसवर नै कह्वा सै, “मन्नै अपने छो म्ह कसम खाई के वे मेरी आराम की जगहां म्ह बड़ण न्ही पावेंगे।” फेर भी उसके काम दुनिया के बणाण तै पैहल्याए पूरे हो लिए थे। 4 क्यूँके सातमै दिन के बारे म्ह परमेसवर नै पवित्र ग्रन्थ म्ह न्यु कह्वा सै, “परमेसवर नै सातमै दिन अपने सारे काम्मां ताहीं निपटा के बिश्राम करया।” 5 हमनै यो भी पढ़या के उसनै बाद म्ह कह्वा, के “वे मेरे आराम की जगहां म्ह बड़ण न्ही पावेंगे।” 6 इस्राएल के वे माणस जिंन ताहीं सुसमाचार सुणाया गया था, वो आराम की जगहां म्ह बड़ण म्ह नाकामयाब रहे, क्यूँके उननै परमेसवर के हुकम ताहीं कोनी मान्या था, पर उस आराम की जगहां म्ह जाण का इब भी मौक्का सै। 7 ज्यांतै उसनै आराम की जगहां म्ह बड़ण का एक और मौक्का तय करया, अर वो मौक्का आज सै। म्हारे पूर्वजां के बिद्रोह के कई साल्लां बाद, दाऊद के मुंह तै यो कह्वा था, “जै आज थम उसकी आवाज सुणो, तो उस ताहीं सुणके इन्कार ना करो।” 8 हम यो भी जाणा सां के परमेसवर नै जो आराम की जगहां का वादा करया सै, वो कनान देश कोनी, जिंसापै यहोशू नै म्हारे पूर्वजां की अगुवाई करी थी, जै यो कनान देश होन्दा, तो परमेसवर नै बाद म्ह यो न्ही कह्वा होगा, के एक और मौक्का सै। 9 यो भी हो सके सै, के परमेसवर के माणसां नै इस तरियां के तरिकके तै आराम करणा पड़े, जिंन तरियां तै परमेसवर नै दुनिया बणाण के सातवे दिन आराम करया था। 10 क्यूँके जो उसके आराम की जगहां म्ह बड़या सै, उनके केहवै हम उस आराम की जगहां म्ह बड़ण की कोशिश बड़ी मेहनत के साथ करा, ताके कोए भी उन माणसां की तरियां ना बणे जिंनै परमेसवर के हुकम ताहीं मानण तै इन्कार कर दिया, फेर हम उसकी आराम की जगहां म्ह बड़ण पावांगे। 12 क्यूँके परमेसवर का वचन जिन्दा, अर प्रभावशाली सै, अर वो एक दोधारी तलवार तै भी घणा पैना सै। वो प्राण अर आत्मा ताहीं, अर गाँठ-गाँठ अर गुदे-गुदे ताहीं न्यारा करके आरम-पार पाड़ दे सै अर मन की भावनायां अर विचारां ताहीं परख ले सै। 13 जिंन ताहीं लेखा देणा सै, उसकी नजर तै कोए भी प्राणी छुप्या कोनी। सारी चीज उसके स्पाम्ही साफ अर खुली होइ सै। 14 ज्यांतै जिब म्हारा इसा बड़इ महायाजक सै, जो सुर्ग म्ह चल्या गया सै, यानिके परमेसवर का बेटा यीशु,

तो आओ, हम बिश्वास म्ह पक्के बणे रहवां जो हमनै सारे माणसां के आगे स्वीकार करया सै। 15 क्यूँके म्हारा यो महायाजक जो यीशु मसीह सै, म्हारी हेरेक कमजोरियां नै जाणे सै, बल्के वो सारी बात्तां म्ह म्हारे तरियां परख्या तो गया, फेर भी निष्पाप लिंकइया। 16 इस करके आओ, हम परमेसवर के स्पाम्ही बिना डर के जावां जो करुणा तै भरा होया सै, फेर परमेसवर म्हारे पै दया करेगा, अर जिब हमनै मदद की जरूरत होगी तो वो म्हारी मदद करेगा।

5 परमेसवर इस्राएल के माणसां म्ह तै एक महायाजक ताहीं चुणै सै, अर वो महायाजक ताहीं नियुक्त करै सै, ताके वो उसकी सेवा भेट चढ़ाके, अर माणसां के पापां की माफी के खात्तर बलि चढ़ाके कर सके। 2 वो बेअक्ले अर भूले भटक्यां के गेल्या नर्मी तै बरताव कर सके सै, ज्यांतै वो आप भी कमजोरी तै धरिया सै। 3 उसके खात्तर एक महायाजक के रूप म्ह अपने अर माणसां के पापां नै दूर करण खात्तर बलि चढ़ाणा जरूरी सै। 4 कोए भी इन्सान अपने-आपनै तै महायाजक होण का पद न्ही ले सकता। एक माणस सिर्फ महायाजक जिब्बे बण सके सै, जिब परमेसवर उस ताहीं याजक होण के खात्तर बुलावे सै, जिंन तरियां हारुन ताहीं परमेसवर नै पैहला महायाजक होण खात्तर बुलाया था। 5 उससे तरियां ए मसीह नै भी खुद ताहीं महायाजक बणाके खुद का सम्मान करण का फैसला कोनी करया, परमेसवर नै उस ताहीं यो सम्मान दिया जिब उसनै कह्वा, के “तू मेरा बेटा सै, आज मन्नै ए तरे ताहीं पैदा करया सै।” 6 एक और जगहां परमेसवर उस ताहीं दुबारा कहवै सै, “तू मलिकिसिदक की रीत पै सारी हाण खात्तर याजक सै।” (aiōn g165) 7 जिब यीशु इस दुनिया म्ह रहवै था, तो ठाडू शब्दां तै रुक्का मार-मारके अर ऑसू बहा-बहाके परमेसवर तै प्रार्थनाए अर बिनती करी, जो उस ताहीं मौत तै बचा सके था, अर आदरपूर्ण सम्पर्ण के कारण परमेसवर नै उसकी सुण ली। 8 परमेसवर का बेटा होण पै भी मसीह यीशु नै दुख ठा-ठाके भी उसका हुकम मानना सिख्वा। 9 फेर सिध्द हो जाणके बाद वो खुद उन सब खात्तर, जो उसके हुकमां नै मानणीयां के खात्तर अनन्त काल के उद्धार का कारण बणगया। (aiōnios g166) 10 अर उस ताहीं परमेसवर की ओइ तै मलिकिसिदक की रीत पै महायाजक का पद मिल्या। 11 इसके बारे म्ह हमनै घणीए बात कहणी सै, पर उनके बारे म्ह खुलके जिंक्र करणा मुशिकल सै, क्यूँके थम परमेसवर के वचन के बारे म्ह जाणण खात्तर आलसी होगे सां। 12 बखत के विचार तै तो थमनै शिक्षा देण आळा बण जाणा चाहिए था, पर थमनै तो इब भी इसे माणस की जरूरत सै, जो थारे ताहीं नये सिरे तै परमेसवर की शिक्षा की शुरुआती बात ए सिखावै, थम तो इब्बे भी उन छोट्टे बाळक की ढाळ सां, जिंन ताहीं दूध चाहिए, पर भारी खाणा न्ही। 13 याद राख्वां जो माणस इब भी वचन की शुरुआती शिक्षा नै सीखण लागरे सै, वे न्ही जाणदे, के परमेसवर धर्मी बणाण के बारे म्ह के कहवै सै, वो दूध पीन्दे बाळक की तरियां सै। 14 पर जिंन माणस की तुलना थयाणे माणस तै करी जा सै, जो ठीक तै खाण चबा-चबा के खा सके सै, वो यो माणस सै जिंसाका बिश्वास पक्का सै अर जो खरी शिक्षा नै समझ सके सै, उसनै आच्छे अर बुरे की पिच्छाण करणा सीखा लिया सै।

6 इस करके जिब म्हारे ताहीं मसीह के बारे म्ह शुरु म्ह सिखाया गया था, तो आओ हम उन ताहीं छोड़ के खरी शिक्षा पै चर्चा करण खात्तर आगे बढ़दे जावां। शुरुआती शिक्षा जिंसा पाप तै भरे काम तै जो मौत नै लेके आवै सै, परमेसवर पै बिश्वास करण नै नीम की तरियां ना धरो, 2 अर बपतिस्मा अर हाथ धरण, अर मरे होया के जिन्दा उठण, अर आखरी न्याय की शिक्षा रूपी नीम दुबारा ना बणावां। (aiōnios g166) 3 जै परमेसवर नै चाह्वा तो मै थमनै खरी शिक्षा दिऊंगा। 4 क्यूँके जो माणस अपने बिश्वास नै खो दे सै, तो उन ताहीं फेर तै पश्चाताप करण के खात्तर उलटा न्ही ल्याया जा सकता। एक बार उननै परमेसवर की सच्चाई नै जाणा अर सुर्ग तै वरदान्नां ताहीं पाया, अर बाकिर्यां की तरियां पवित्र आत्मा भी पाया। 5 अर उननै अनुभव करया था के परमेसवर का वचन आच्छा सै, अर वे परमेसवर की आण

आळी शक्ति का अनुभव कर चुके थे। (aiōn g165) 6 उनमें फेर तै उल्टा ल्याण का कोए तरिकका कोन्या, क्यूँके वे परमेसवर के बेटे ताहीं अपने खात्तर दुबारा क्रूस पै चढ़ावें सै, अर सबके स्याम्ही उसपै कलंक लगावे सै। 7 जिन माणसां नै आच्छी शिक्षा मिलै सै, वे उस जमीन की तरियां सै, जित्त बारिस होन्दी ए रहवै सै, जै जमीन बढ़िया सै, तो या किसान खात्तर बढ़िया फसल देवै सै, अर उसपै परमेसवर की आशीष होवै सै। 8 पर दुसरे माणस उस जमीन की तरियां सै जो काण्डे अर खरपतवार उगावै सै तो या बेकार सै। उस ताहीं परमेसवर के जरिये श्राप दिये जाण का खतरा सै, अर वो आग तै नाश हो जावैगा। 9 हे प्यारे भाईयो, भलाए हम इस ढाळ की बात करण लागरे सां, पर हम असलियत म्ह बिश्वास न्ही करते के यो थारे खात्तर लागू होवै सै। हमने बिश्वास सै के थम बढ़िया चिज्जां खात्तर बणाये गये सां, जो उद्धार के साथ आवै सै। 10 जिसा के थमनै आच्छे काम करे सै, अर इब थम परमेसवर के नाम म्ह बिश्वासी भाईयाँ के खात्तर प्यार तै, सेवा के काम करण लागरे सां, इसकी बजह तै परमेसवर थारे ताहीं भुल्लैगा न्ही, क्यूँके वो धर्मी सै। 11 आलसी ना बणो। पर कड़ी मेहनत करण आळा की तरियां थमने इन प्रेमपूर्वक काम्मां ताहीं जारी राखणा चाहिए, ताके परमेसवर के वादे पाण खात्तर थारी आस मक्की हो। 13 जित्त परमेसवर नै अब्राहम तै कारर करया, तो तब खुद परमेसवर तै बड़ड़ा कोए और न्ही था, जिसकी कसम ली जा सकै, इस करके अपनी खुद की कसम लेन्दे होए परमेसवर नै अब्राहम तै कह्या, 14 “मै सचमुच तेरे ताहीं घणा आशीष दियूँगा, अर तेरे वंशां नै अनगिणत बणा दिऊँगा।” 15 अब्राहम नै भोत धीरज धरण कै बाद वादा का ईनाम मिल्या। 16 माणस तो अपने तै किसे बड़े का नाम लेकै कसम खाया करे सै, अर उन म्ह कसम के जरिये बात का फैसला होवै सै, अर सारा विवाद खतम हो जावे सै। 17 योए कारण था, के परमेसवर नै भी कसम खाई थी। इस बात तै वो उन माणसां नै साफ तरियां तै दिखाणा चाहवै था, के वो जो भी वादा करे सै, उस ताहीं वो पूरा करे सै। 18 तो उरे दो बात सै उसका वादा अर उसकी कसम जो कदे बदल न्ही सकन्दे अर जिनकै बारे म्ह परमेसवर कदे झूठ कोनी बोल सकता। इस करके हम जो परमेसवर के धौरे बचण आये सां अर जो आस उसनै म्हारे ताहीं दी सै उस ताहीं थाम्मे होए घणे उत्साहित सां। 19 जिस तरियां किस्ती ताहीं लंगर तै बाँध्या जावै सै, जो किस्ती नै पकड़के राक्खे सै, इस्से तरियां तै आस म्हारी जिन्दगी नै मजबूत अर टिकाए राक्खे सै, अर म्हारी आस यीशु सै, वो परमेसवर के धौरे सुर्ग म्ह पवित्र मन्दर म्ह परदे के पाच्छे पोहचा सै। 20 जित्त यीशु नै मलिकिसिदक की रीत पै सारे हाण के बखत का महायाजक बणकै, म्हारे खात्तर अगुवां के रूप म्ह दाखल होया सै। (aiōn g165)

7 यो मलिकिसिदक शालेम नगर का राजा अर परमप्रधान परमेसवर का याजक था, उनके नाम का मतलब “राजा” सै जो नियम के साथ न्याय करे सै, शालेम के राजा का मतलब सै “शान्ति का राजा।” 2 पवित्र ग्रन्थ म्ह उसके माँ-बाप, उसके पूर्वज, या उसकी मौत या जन्म के बारे म्ह, कुछ भी न्ही लिख्या गया सै। वो हमेशा खात्तर एक याजक सै। इस करके वो परमेसवर के बेटे की तरियां सै। 3 जित्त अब्राहम नै चार राजां की हत्या कर दी थी, तो मलिकिसिदक नै उसतै मुलाकात करी, अर उस ताहीं आशीर्वाद दिया। अब्राहम नै युद्ध म्ह जीत हासिल करी, अर सारी चिज्जां का दसमां हिस्सा भी दिया। 4 इब इसपै ध्यान करो के वो किसा महान् था जिस ताहीं पूर्वज अब्राहम नै दुश्मनां की लूट के बढ़िया तै बढ़िया माळ का दसमां हिस्सा दिया। 5 मूसा नबी के नियम-कायदे बतावे सै के लेवी के वंशज जो याजक का पद पावे सै, उननै इस्राएल के माणसां तै दसमां हिस्सा लेणा चाहिए, यानिके उसके खुद के माणस तै, पर वे याजक अर दुसरे बिश्वासी भाईयाँ की तरियां सै, क्यूँके वे सब अब्राहम के वंश के सै। 6 पर इसनै, जो लेवी-वंशी भी न्ही था, अब्राहम तै दसमां हिस्सा लिया, फेर भी अब्राहम वो था जिसकै धौरे परमेसवर का वादा था, फेर भी मलिकिसिदक नै उस ताहीं आशीर्वाद दिया। 7 इस म्ह कोए शक कोनी के जो आशीर्वाद देवे सै, वो उस माणस तै

बढ़ा हो सै जिस ताहीं आशीर्वाद देवे सै। 8 उरे तो याजक दसमां हिस्सा लेवै सै, भलाए वो सिर्फ एक माणस सै, जो जीवै सै अर फेर मर जावै सै, पर मलिकिसिदक, जिसनै अब्राहम तै दसमां हिस्सा लिया, वो इब भी जिन्दा सै, जिसा के पवित्र ग्रन्थ कहवै सै। 9 के जित्त अब्राहम नै मलिकिसिदक ताहीं दसमां हिस्सा दिया, जित्त ताहीं लेवी माणसां का जन्म अब्राहम के वंश म्ह न्ही होया था। पर इब भी उसके वंश होण के कारण, यो इस तरियां सै के लेवी नै खुद ही अब्राहम के जरिये मलिकिसिदक ताहीं दसमां हिस्सा दिया। 10 क्यूँके जिस बखत मलिकिसिदक उसके पिता तै मिल्या, उस बखत वो अपने पिता की देह म्ह था। 11 माणसां ताहीं जिन याजकां के आधार पै नियम-कायदे दिए गये थे, जो हारुन के परिवार का अर लेवी के गोत्र का था, पर ये याजक सिध्द न्ही बण सकै। इस करके यो जरूरी था, के एक ओर याजक आवै, जो हारुन जिसा न्ही, पर मलिकिसिदक जिसा हो। 12 क्यूँके इब एक्के तरियां का याजक कोनी, तो नियम-कायदे का भी बदलना जरूरी सै। 13 क्यूँके हम मसीह के बारे म्ह ये बात करण लागरे सां, जो एक अलग गोत्र तै थे। उस जनजाति म्ह तै किसे नै भी वेदी पै एक याजक के रूप म्ह सेवा न्ही करी, 14 सब जाणै सै, के म्हारा प्रभु यीशु यहूदा के गोत्र म्ह तै पैदा होया सै, मूसा नबी नै यहूदा के किस्ती भी वंशज के बारे म्ह न्ही बताया, जो यहूदा के याजक बणगे अर यहूदा का कोए वंशज कदे याजक न्ही बणा। 15 इब हम और भी आच्छी तरियां तै समझा सां, जित्त मलिकिसिदक कै तरियां एक ओर याजक पैदा होण आळा था, जो के यीशु मसीह सै। 16 यीशु का याजक बणणा, नियम-कायदा नै पुगाण पै, या लेवी के वंश म्ह तै पैदा होण पै आधारित कोनी। पर वो अपने अविनाशी जीवन की शक्ति के कारण याजक बणया। 17 क्यूँके उसके बारे म्ह पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, “तू मलिकिसिदक की रीत पै युगानयुग याजक सै।” (aiōn g165) 18 इस करके, पैहल्डी आज्ञा कमजोर अर बेअसर होण के कारण बदलगी। 19 (ज्यांतै के नियम-कायदे नै किसे बात ताहीं सिध्द कोन्या करया), अर उसकी जगहां पै एक बेहतर उम्मीद सै, जो के यीशु मसीह सै, जिसकै जरिये हम परमेसवर कै लोवै जा सकां सां। 20 जित्त यीशु मसीह ताहीं परमेसवर नै याजक बणा दिया तो परमेसवर नै कसम खाई। 21 क्यूँके लेवी के वंश तो बिना कसम याजक बणाए गये, पर यीशु मसीह बिना कसम के परमेसवर की ओड़ तै नियुक्त करया गया, जिसनै उसके बारे म्ह कह्या, “प्रभु नै कसम खाई, अर उसतै फेर ना पछतावेगा के तू युगानयुग याजक सै।” (aiōn g165) 22 इस करके यीशु नै म्हारे ताहीं परमेसवर के गैल सब तै आच्छे करार का वादा करे सै। 23 यीशु के याजक होण का एक और फायदा सै, पैहले तो घणी बड़ी गिणती म्ह याजक बणदे आये, क्यूँके हरेक याजक की मौत के साथ उसकी सेवा खतम हो जावै थी। 24 यीशु युगानयुग जिन्दा रहवै सै, इस कारण उसके याजक का पद कोए न्ही ले सकता। (aiōn g165) 25 इस्से खात्तर जो यीशु के जरिये परमेसवर के धौरे आवै सै, वो उनका पूरा-पूरा उद्धार कर सकै सै, क्यूँके वो उनके खात्तर बिनती करण ताहीं सारी हाण जिन्दा सै। 26 इसाए महायाजक म्हारी जरूरत नै पूरा कर सकै सै, जो पवित्र, अर बेकसूर, शुद्ध, अर पापमुक्त हो, अर सुर्ग तै भी जिस ताहीं ऊँचा करया होया हो। 27 जो महायाजक हारुन के वंश तै सै, उसनै जरूरत कोनी के हरेक दिन पैहल्या अपने पापां के खात्तर बलिदान चढ़ावै, क्यूँके यीशु नै अपने-आप ताहीं बलिदान चढ़ाके उसनै एक ए बर म्ह पूरा कर दिया। 28 क्यूँके नियम-कायदे तो कमजोर माणसां ताहीं महायाजक नियुक्त करे सै, पर कसम जो नियम-कायदा के बाद आवै सै, उस बेटे नै नियुक्त करे सै जो युगानयुग के खात्तर सिध्द महायाजक सै। (aiōn g165)

8 इब जो बात हम कहण लागरे सां उन म्ह तै सारया तै बड़ी बात या सै म्हारे धौरे इस तरियां का महायाजक सै, जो सुर्ग पै महामहीम के सिंहासन के सोळी ओड़ सै, 2 म्हारा महायाजक सब तै घणी पवित्र जगहां अर उस सच्चे तम्बू (सुर्ग म्ह) काम करे सै, जो के माणसां के जरिये न्ही, परमेसवर के जरिये बणाया गया सै। 3 क्यूँके हरेक महायाजक पापां की

माफी के खात्तर बलिदान अर भेंट चढ़ावै सै, इस कारण जरूरी सै के म्हारे महायाजक मसीह यीशु के धोरे भी चढ़ाण खात्तर किमे हो। 4 जै वो धरती पै होंदा तो कदे भी याजक न्ही होंदा, ज्यांते के मूसा के नियम-कायदे के मुताबिक भेंट चढ़ाण खात्तर याजक सै। 5 वे सुर्ग म्ह की चिज्जां के नकल अर छाया की सेवा करै सै, जिसा जिब मूसा नबी तम्बू बणाण पै था, तो उस ताहीं या चेतावनी मिली, “लखा, जो नमूना तेरे ताहीं पहाड़ पै दिखाया गया था, उसके मुताबिक सारा किमे बणाणा।” 6 पर जो काम यीशु ताहीं दिया गया सै, वो दुसरे याजकां तै दिए गये काम तै ज्यादा बाध सै, क्यूँके वो जिस करार का बिचौलिया सै, वो पुराणे करार तै बढ़िया सै, अर बढ़िया चिज्जां की कसमां पै आधारित सै। 7 क्यूँके जै वो पैहलड़ा करार बेकसूर होन्दा, तो दुसरे करार कै खात्तर मौक्का ना तोहया जान्दा। 8 पर प्रभु उनपे दोष लाके कहवै सै, “प्रभु कहवै सै, लखाओ, वे दिन आवै सै के मै इस्राएल के माणसां के गेल्या, अर यहूदा के माणसां के गेल्या नया करार करूँगा। 9 यो उस करार की तरियां न्ही होवैगा, जिसा मनै उनके पूर्वजां के गेल्या उस बखत करया था, जिब मनै उनका हाथ मिस देश तै लिकाड़ ल्याण खात्तर पकड़या था, क्यूँके प्रभु कहवै सै, के वे मेरे करार के विश्वासी न्ही रहे, ज्यांते मनै उनतै मुँह फेर लिया। 10 फेर प्रभु कहवै सै, के जो करार मै आण आळे दिनां म्ह इस्राएल के माणसां के गेल्या करूँगा, वो यो सै के मै अपने नियमां नै उनके मनां म्ह गेँगा, मै उन ताहीं अपने नियमां के बारे म्ह उननै याद दुआऊँगा, अर मै उनका परमेसवर ठहरूँगा अर वे मेरे माणस ठहरेंगे। 11 अर हरेक अपने यहूदा भाई ताहीं अर अपने सगे-सम्बन्धी ताहीं या शिक्षा न्ही देवैगा, के तू प्रभु ताहीं पिच्छाण, क्यूँके छोटे माणसां तै लेके बड़े माणसां ताहीं सारे मनै जाण लेवेंगे। 12 मै उनकी दुष्टता की ओड़ दया करूँगा, अर उनके पापां नै दुबारा याद कोनी करूँगा।” 13 परमेसवर नै इस ताहीं नया करार कइया, इस करके उसने पैहलड़े करार ताहीं पुराणा ठहरा दिया, जो चीज पुराणी अर घिसी होई सै उसका मिट जाणा जरूरी सै।

9 इब, उस पैहलड़े करार म्ह भी सेवा के नियम थे, अर इसी पवित्र जगहां थी, जो इस दुनिया की थी। 2 यानी के एक तम्बू बणाया गया जिस म्ह दो कमरे थे, पैहले कमरे म्ह दीवत, मेज अर मेज के उपर भेंट की चढ़ाई होई रोतियाँ थी, अर वा पवित्र जगहां कुहावै सै। 3 ओड़ै एक परदा था उस परदे के पाच्छे दुसरा कमरा था, जो परमपवित्र जगहां कुहावै सै। 4 उस दुसरे कमरे म्ह सोन्ने की धूपदानी, अर चोगरदेके सोन्ने तै मन्डया होया करार का सन्दूक था, अर उस म्ह मन्ना तै भरया होया सोने का मर्तबान भी था, अर हारुन की छड़ी जिस म्ह फूल फळ आ गये थे, अर करार की पत्थर की पटियाँ भी थी। 5 इसके अलावा सन्दूक के उपर दोन्नु ओड़ तेजोमय करुब थे, जो प्रायश्चित के ढक्कण जिस ताहीं प्रायश्चित के दिन पापबलि के लहू तै छिड़क दिया जावै था। इनका एक-एक करके जिन्न करण का इब्बे बखत न्ही सै। 6 ये चीज इस तरियां तै धरी गई थी। उस पैहलड़े कमरे म्ह परमेसवर की आराधना करण के खात्तर याजक हरेक दिन पैहले कमरे म्ह जाया करै था। 7 पर दुसरे कमरे म्ह यानी घणी पवित्र जगहां म्ह, सिर्फ महायाजक साल भर म्ह एक ए बर जावै सै, अर बलिदान के जानवर का लहू लिये जाया करै था, जिस ताहीं वो अपने खात्तर अर माणसां की भूल-चूक म्ह करया पापां खात्तर भेंट चढ़ावै सै। 8 इस्तै पवित्र आत्मा योए दिखावै सै, के पुराणे करार के मुताबिक दुसरा कमरा यानी घणी पवित्र जगहां जो सुर्ग म्ह सै, जित्त परमेसवर रहवै था, ओड़ तक पुहचण का रास्ता बन्द था। 9 यो तम्बू आज कै दिन का एक उदाहरण सै, जिस म्ह याजक भेंट अर बलिदान चढ़ावै सै, जिब माणस बलिदान की भेट लेके आवै थे, तो उनकी अन्तरात्मा समझ न्ही पावै थी, के इब उसके पाप माफ होए सै या न्ही। 10 क्यूँके ये उपहार अर बलिदान सिर्फ खाण-पीण की चिज्जां, अर कई ढाळ की शुद्ध करण की शारीरिक विधियाँ, तब तक थी, जिब तक परमेसवर कोए नई विधि न्ही देता। 11 पर जिब मसीह म्हारा महायाजक बणके आया, तो अपने साथ बढ़िया-बढ़िया चीज लेके आया जो इब भी मौजूद सै, जिब वो दिख्या तो

वो परमेसवर की मौजूदगी म्ह चला गया, यो तम्बू हाथ का बणाया होया कोनी यानिके इस सृष्टि का कोनी। 12 जिब मसीह तम्बू म्ह चला गया तो वो सब खात्तर सब तै पवित्र जगहां म्ह दाखल होया, उसने बलिदान के रूप म्ह बकरयां अर बाछड़यां का लहू न्ही लिया, बल्के उसने अपना लहू लिया, ताके हम अनन्त छुटकारा पा सकै। (aiōnios g166) 13 क्यूँके जै मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक जिब बकरयां अर बळथां का लहू अर बाछड़े की राख का अपवित्र माणसां पै छिड़के जाण की विधि के मुताबिक, अशुद्धता दूर हो जावै सै। 14 तो मसीह का बेकसूर लहू जो म्हारी अन्तरात्मा नै, म्हारे पाप, जो म्हारी मौत की बजह बणे सै, उनतै शुद्ध करै सै, ताके हम जिन्दे परमेसवर की आराधना कर सका। पवित्र आत्मा की शक्ति के जरिये मसीह नै म्हारे ताहीं अपने पापां खात्तर एक सम्पूर्ण बलिदान के रूप म्ह परमेसवर ताहीं अपने-आप ताहीं दे दिया। (aiōnios g166) 15 इस कारण मसीह परमेसवर अर माणसां के बीच म्ह नये करार का बिचौल्ला सै, ताके जो माणस परमेसवर के जरिये बुलाये गये सै, वो सनातन आशीषे पा सकै, जिसका परमेसवर नै वादा करया सै, क्यूँके पैहलड़े करार के अधीन रहन्दे होए जितने माणसां नै पाप करया, उन ताहीं छुड़ाण खात्तर यीशु नै अपनी जान दे दी। (aiōnios g166) 16 करार एक वसियत के समान हो सै। एक वसियत के नियम नै लागू करण खात्तर यो साबित करणा जरूरी होवै सै, के जिसने वा वसियत बणाई हो, वो मर चुक्या हो। 17 क्यूँके एक वसियत जिब्बे लागू हो सकै सै, जिब उसके बणाण आळा की मौत होगी हो। वो जिब तक लागू न्ही होन्दी जिब ताहीं उसका बणाण आळा जिन्दा हो। 18 इस कारण पैहलड़ा करार का नियम जानवरां के लहू ताहीं बहाए जाण पै लागू होवै था। 19 क्यूँके जिब मूसा नबी सारे माणसां नै नियम-कायदे का हरेक हुकम सुणा चुक्या तो उसने बकरयां अर बाछड़यां का लहू लेके, पाणी म्ह मिला लिया अर लाल ऊन अर जूफा (झाड़ी) की छड़ी के गेल्या, उस नियम-कायदे की किताब अर सारे माणसां पै छिड़क दिया 20 अर कइया, “के यो लहू परमेसवर के साथ करे गये करार नै पक्का करै सै, जिसका हुकम परमेसवर नै थारे खात्तर दिया सै।” 21 अर इससे तरियां तै उसने तम्बू अर सेवा के सारे समान पै लहू छिड़क्या, जित्त सारे माणस आराधना करण लागे थे। 22 सच तो यो सै के नियम-कायदे के मुताबिक आमतौर पै सारी चीज लहू के जरिये शुद्ध करी जावै सै, मसीह नै जो लहू बहाया उसके बौर पापां की माफी कोन्या। 23 यो जरूरी सै के तम्बू अर उसकी सारी चीज, जो सुर्ग की चिज्जां का हुबहू सै, इन जानवरां का लहू सै, जो शुद्ध करया जा, पर सुर्ग की चीज नै शुद्ध करण के खात्तर बढ़िया बलिदानां की जरूरत थी। 24 क्यूँके मसीह जिस पवित्र जगहां म्ह दाखल होया, वो माणसां के हाथ की बणाई होई न्ही थी, वो असली तम्बू की सिर्फ एक नकल सै, बल्के वो सीध्या सुर्ग गया अर इब म्हारी मदद करण खात्तर परमेसवर के साथ सै। 25 वो सुर्ग म्ह इस करके दाखल होया के माणसां के पापां के कारण बारबार अपने-आपने बलिदान करै, जिस तरियां महायाजक हरेक साल दुसरे का लहू लिए पवित्र जगहां म्ह दाखल होया करै था, 26 जै इसा करणा जरूरी था तो दुनिया की शरूआत तै लेके इब तक उसने बार-बार दुख ठाणा पड़दा, पर इब युग कै आखरी म्ह वो एक ए बर जाहिर होया सै, ताके अपने क्रूस पै बलिदान के जरिये पाप ताहीं दूर कर देवै। (aiōn g165) 27 अर जिस तरियां माणसां के खात्तर एक बर मरणा अर उसके पाच्छे न्याय का होणा तय सै, 28 उससे तरियां ए मसीह भी माणसां के पापां की माफी खात्तर एक बर धरती पै आया अर सूळी पै अपनी जान दे दी, अर जो माणस उसकी बोहड़ण की बाट देख्खे सै, उनके उद्धार के खात्तर दुसरी बर बिना पाप उठाए होए दिखेगा।

10 मूसा नबी के नियम-कायदे, आण आळी असली चिज्जां की छाया सै, पर ये वो आळी असली चीज कोनी, ज्यांते नियम-कायदा की विधि के मुताबिक बलिदानां के जरिये जो हरेक साल हर बार चढ़ाए जावै सै, बलिदान चढ़ाण आळा, कदे भी माणसां नै पूरी तरियां तै शुद्ध न्ही कर

सकदा। 2 जै बलिदानां कै जरिये माणस पूरी तरियां शुद्ध हो जावे, तो उनका चढ़ाणा बन्द क्यातै नही हो जान्दा? बलिदान करण आळा, आराधना करण आळा अर सेवा करण आळे एक ए बर शुद्ध हो जान्दे, तो उनका बलिदान चढ़ाण पै भी उनका मन उन ताहीं क्यूँ कहवै सै, के वे पापी सै। 3 उनके जरिये चढ़ाया गया बलिदान उन ताहीं हर साल यो याद दुआवै सै, के उननै पाप करया सै। 4 क्यूँके या अनहोणी बात सै, के बळ्थां अर बकरयां का लहू माणसां के पापां नै माफ करै। 5 इस्से कारण जब मसीह इस दुनिया म्ह आया तो उसनै परमेसवर तै कहा, “बलिदान अर भेंट तन्नै कोनी चाही, पर मैरे खात्तर एक देह त्यार करी सै। 6 बलिदान के रूप म्ह चढ़ाये गये जानवरों की भेंट अर पाप के खात्तर चढ़ाये गये बलिदान तै तू खुश कोनी होया। 7 फेर मसीह नै कहा, “लखा, परमेसवर मै तेरी इच्छा पूरी करण खात्तर आ गया सूँ, जिसा पवित्र ग्रन्थ मैरे बारे म्ह कहवै सै।” 8 पैहले तो मसीह कहवै सै, “बलिदान के रूप म्ह चढ़ाये गये जानवरों की भेंट अर पाप के खात्तर चढ़ाया गया बलिदान कोनी मांग्या, अर ना ए उन भेंटों तै तू खुश होया।” हालाकि ये बलिदान तो नियम-कायदे के मुताबिक चढ़ाए जावै सै। 9 फेर मसीह यो भी कहवै सै, “लखा, मै तेरी इच्छा पूरी करण आ गया सूँ।” इस करके पापां की माफी के पैहले तरिककें ताहीं, जो नियम-कायदा के मुताबिक थे, उननै हटा के नये तरिककें तो जो मेरे लहू के जरिये माफ होवै सै, उन ताहीं लागू करहँ। 10 परमेसवर याए चाहवै था, के हम मसीह यीशु की देह के एके बार बलिदान चढ़ाए जाणके जरिये पवित्र करे जावां। 11 पैहले करार के मुताबिक हरेक याजक वेदी के स्याम्ही खड़े होके रोज सेवा करै सै, अर एक ए ढाल के बलिदान नै, जो पापां नै कदे भी दूर नही कर सकदे, बार-बार चढ़ावै सै। 12 पर मसीह जो म्हारा बड़ा याजक सै, उसनै माणसां के पापां के खात्तर एक ए बलिदान के रूप म्ह, परमेसवर के स्याम्ही सदा के खात्तर अपणे-आप ताहीं चढ़ा दिया, अर परमेसवर के सोळी ओड़ महिमाय जगहां म्ह पै जा बैठ्या, 13 अर उससे बखत तै मसीह इस बात की बाट देखण लागरया सै, के कद परमेसवर उसके बैरियां नै पूरी तरियां तै हरावैगा। 14 क्यूँके क्रूस पै बलिदान के जरिये, परमेसवर नै जिन माणसां ताहीं पवित्र करया, उन ताहीं सदा खात्तर सिध्द कर दिया सै। 15 अर पवित्र आत्मा भी हमनै यीशु के बलिदान के बारे म्ह याए गवाही देवै सै, के यो सच सै, अर म्हारे ताहीं यो बतावै सै के परमेसवर नै इस बलिदान के बारे म्ह के कहा सै। 16 “प्रभु कहवै सै, के जो नया करार, मै आण आळे दिनां म्ह, उनतै करहँगा, वो यो सचै, के मै अपने नियम उन ताहीं याद दुआऊँ, अर नियमां नै मानण म्ह उनकी मदद करहँगा।” 17 फेर यो भी कहवै सै, “मै उनके पापां नै अर उनके अधर्म के काम्मां नै दुबारा याद कोनी करहँगा।” 18 अर जब पापां की माफी होगी तो पापां खात्तर बलिदान चढ़ाण की कोए जरूरत कोनी। 19 ज्यांतै हे बिश्वासी भाईयो, यीशु के सलीब पै लहू बहाण के जरिये हम पिता के धारे बिना डरे घणी पवित्र जगहां म्ह जा सका सां। 20 इस करके हे बिश्वासी भाईयो, परमेसवर के परिवार म्ह म्हारे खात्तर एक सबतै उत्तम याजक निर्धारित सै, यीशु के सलीब पै लहू बहाण के जरिये म्हारे खात्तर एक नया अर जिन्दगी देण आळा राह खोल दिया सै। जिस ताहीं उसनै उस पड़दे, यानिके अपणी देह के बलिदान के जरिये म्हारे ताहीं घणी पवित्र जगहां म्ह जाण का साहस होया सै। 22 तो आओ, हम सचे मन अर पूरे बिश्वास के गेल्या, अर अपणी अन्तरात्मा ताहीं पापां तै मुक्त करण खात्तर अर सच्चे मन तै, देह ताहीं शुद्ध पाणी तै धोके, परमेसवर के लोवै जांवा। 23 अर इब हम बिना किसे शक के अपणी उस आस म्ह मजबूत रहवां, जिस ताहीं हमनै मान्या सै, क्यूँके जिसनै वादा करया सै, वो बिश्वास जोग्गा सै। 24 अर हम यो भी खास ध्यान राख्वां के हम आप्पस म्ह प्यार, अर भले काम्मां म्ह उकसाण के खात्तर हम एक-दुसरे की फिक्क करतै रहवां। 25 अर हम आराधना सभायां म्ह लगातार कट्टे होण म्ह सुस्त ना हो जावां, जिसा के भोत-से तो सुस्त हो भी लिये सै, पर एक-दुसरे नै उत्साहित करते रहों, जिसा के थम जाणो सों, के यीशु का आण का बखत लोवै सै। 26 क्यूँके मसीह नै जाणण के बाद जै हम जाण-बुझके पाप करदे रहवां, तो पापां की

माफी खात्तर फेर कोए बलिदान बाकी नही बचा। 27 तो हौं, परमेसवर के न्याय का दिन आवेगा, अर वो अपणे बिरोधियां नै नाश कर देवेगा, अर ये सारी बात होण आळी सै। 28 जो माणस मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक दो या तीन माणसां की गवाही पै, बिना दया के मार दिया जावै सै, 29 तो सोच ल्यो के वो माणस और भी भारया दण्ड के जोग्गा ठहरैगा, जिसनै परमेसवर के बेट्टे की कदर नही जाणी अर मसीह के लहू ताहीं अपवित्र जाण्या, जो उस ताहीं शुद्ध करै सै, अर उस पवित्र आत्मा का अपमान करै सै, जो हमनै अनुग्रह देवै सै। 30 क्यूँके हम उसनै जाणा सा, जिसनै कहा सै, “बदला लेणा मेरा काम सै, मै ए बदला दियुंगा।” अर फेर यो भी कहा के “प्रभु अपणे माणसां का न्याय करेगा।” 31 जिन्दे परमेसवर के हाथ्थां म्ह पड़णा भयानक (डरावणी) बात सै। 32 पर उन पाच्छले दिनां नै याद करो, जब थमनै पैहली बार मसीह पै बिश्वास करया अर परमेसवर के खात्तर दुख ठाण म्ह पाच्छै नही हटे। 33 कदे-कदे तो माणसां नै सब के स्याम्ही थारी बुराई करी अर थारे ताहीं मारा पिट्या भी, अर थमनै उन माणसां के गैल भी दुख सहया जो इसे दुख ठावै सै। 34 क्यूँके जो लोग कैद म्ह थे, उनके दुख म्ह भी थम दुखी होए, अर अबिश्वासी नै थारी सम्पत्ति ताहीं भी लूट ली, तो थम लुटण खात्तर भी तैयार होगे, न्यू जाणके के थारे गेल्या एक और भी सारया तै बढ़िया अर सारी हाण ठहरण आळी सम्पत्ति सै। 35 ज्यांतै अपणे दुख म्ह भी बिश्वास म्ह बणे रहों क्यूँके उसका ईनाम बड़ड़ा सै। 36 क्यूँके थारा धीरज धरणा जरूरी सै, ताके थम परमेसवर की इच्छा नै पूरी करके वो पा सको जो परमेसवर नै थारे तै वादा करया सै। 37 “क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, घणाए थोड़ा बखत रहग्या सै, जब के आण आळा आवेगा अर वार नही करेगा। 38 पर मेरे धर्मी माणस बिश्वास तै जिन्दा रहवेंगे, जै वो बिश्वास तै पाच्छै हट जावै तो मेरा मन उसतै राज्जी कोनी होवेगा।” 39 पर हम बिश्वास तै हटण आळे कोनी के नाश हो जावै पर परमेसवर पै बिश्वास करण आळे सां ताके हम अनन्त मौत तै बचाएँ जावां।

11 जो माणस परमेसवर म्ह बिश्वास करै सै, वो ये बात आच्छी तरियां जाणै सै, के परमेसवर वे चीज उन ताहीं जरूर देवेगा, जिसकी आस वे राख्खै सै। उननै पूरा बिश्वास सै, के जो चीज उननै इब्बे नही देख्खी, वो असलियत म्ह सै। 2 म्हारे पूर्वजां नै परमेसवर म्ह इस तरियां बिश्वास करया था, इस करके परमेसवर उनतै खुश थे। 3 बिश्वास तै ए हम जाणा सां, के सृष्टि परमेसवर के वचन तै बणी सै। हम या भी जाणै सां, के जो चीज हम देख सका सां, वे अनदेख्खी चिज्जां म्ह तै बणी सै। (aiōn g165) 4 बिश्वास तै ए आदम के बेट्टे हाबिल नै, अपणे बड़े भाई कैन तै घणा बढ़िया बलिदान परमेसवर के खात्तर चढ़ाया, अर उस बलिदान के जरिये परमेसवर नै गवाही दी, के हाबिल एक धर्मी जन सै, क्यूँके परमेसवर उसकी भेंट तै खुश था, इब हाबिल मर लिया सै, अर हमनै उसके जरिये परमेसवर पै बिश्वास करणा सिख्या सै। 5 हनोक के बिश्वास के जरिये परमेसवर नै उस ताहीं जिन्दा ए सुर्ग पै उठा लिया, इस बजह तै इब ताहीं किसे नै उसकी लाश नही मिली, सुर्ग म्ह जाण तै पैहले उसनै परमेसवर ताहीं खुश करया था, जिसा के परमेसवर का पवित्र ग्रन्थ बतावै सै। 6 माणस परमेसवर नै खुश कर सकै सै, जै वे उसपै बिश्वास करै तो। क्यूँके परमेसवर के धारे आणआळे माणस नै बिश्वास करणा चाहिये के वो परमेसवर सै, अर वो पूरी सच्चाई तै अपणे टोह् आळे नै ईनाम देवै सै। 7 बिश्वास ए तै नूह नै परमेसवर के जरिये बाढ़ की चेतावनी पाके, जिस ताहीं उसनै देख्खा भी कोनी था। परमेसवर का डर मानतै होए, अपणे कुण्बे नै बचाण के खात्तर उसनै जहाज बणाया, नूह के बिश्वास के कारण उसनै उस बखत के माणसां ताहीं जिननै बिश्वास नही करया था, उन ताहीं दोषी ठहराया, अर वो डूबके मरगे। नूह नै परमेसवर पै बिश्वास करया था, इस करके परमेसवर नै उस ताहीं धर्मी ठहराया था। 8 जब परमेसवर नै अब्राहम ताहीं किते जाण खात्तर बुलाया था, तो उसनै बिश्वास तै ए परमेसवर के हुकम ताहीं मानके, एक इसी जगहां लिक्ड़ गया, जो जगहां परमेसवर अब्राहम ताहीं उसकी जायदाद के तौर पै देण आळा था,

पर वो या कोनी जाणें था के वो किन्न जावै सै, अर वो फेर भी चला गया। 9 बिश्वास ए तै जिस देश ताहीं परमेसवर नै देण का वादा करया था, ओड़ अब्राहम नै एक परदेशी की तरियां रहके अपने बेटे इसहाक अर अपने पोते याकूब सुधा तम्बुआ म्ह बसेरा करया, जो उसके गेल्या उससे वादे के वारिस थे। 10 क्यूँके वो उस नगर की जो सुर्ग म्ह सै, अर जिसकी नीम पक्की सै, उसकी बाट देखै था, जिसका रचण आळा अर बणाण आळा परमेसवर सै। 11 यो सिर्फ बिश्वास ए सै, जिसके जरिये अब्राहम बाप बण सका, हालाकि अब्राहम भोत बूढ़ा था, अर उसकी पत्नी सारा भी बाळक नही पैदा कर सकै थी, परमेसवर वो जरूर करै सै, जो उन ताहीं वादा करया था। 12 जब अब्राहम इतणा बूढ़ा होगया था, के मरण आळा ए था, तो अकास म्ह सुर्ग के तारां अर समुन्दर के किनारे की बाळू की तरियां उसके अनगिणत वंश पैदा होए। 13 ये सारे माणस जिन्नै परमेसवर पै बिश्वास करया था, वे उन चिज्जां नै पाए बिना मरगे, जिसका परमेसवर नै उन खात्तर वादा करया था। वादा करी होई चीज नही पाई, पर उनै अपने मन म्ह देखके राज्जी होए अर मान लिया के हम धरती पै परदेशी अर बाहर के सां। 14 ये उन माणसां के बारे म्ह सै, जो कहवै सै के वे इस दुनिया म्ह अजनबी सै, वे दिखावै सै के अपने देश की तोह म्ह सै। 15 अर जिस देश तै वे लिकड़ आये थे, जै उसके बारे म्ह सोचते तो वे उल्टा जा सकै था। 16 पर वे एक घणा बढ़िया यानिके सुर्गीय देश के चाहण आळे सै, इससे खात्तर परमेसवर उनका परमेसवर कुहणा म्ह खुशी महसूस करै सै, क्यूँके उनै उनके खात्तर एक नगर तयार करया सै। 17 बिश्वास ए तै अब्राहम नै, परखे जाणके बखत म्ह, अपने बेटे इसहाक ताहीं बलिदान चढ़ाया, उससे नै परमेसवर के वादा ताहीं पाया, क्यूँके वो अपने इकलौते बेटे की बलि देण खात्तर भी तैयार होगया था। 18 अर जिसते न्यू कह्ला गया था, “इसहाक तै तेरा वंश कुहावैगा,” वोए अपने एकलौते बेटे ताहीं बलिदान चढ़ाण लागया। 19 क्यूँके उसनै मान लिया, के परमेसवर सामर्थ्य सै के इसहाक ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा कर सकै सै। यो इसाए था के उनै इसहाक ताहीं मौत के मुँह तै उल्टा पा लिया हो, उदाहरण की रीत पै वो उस ताहीं फेर मिल्या। 20 बिश्वास ए तै इसहाक नै अपने दो बेटे याकूब अर एसाव ताहीं आण आळी बातां के बारे म्ह आशीर्वाद दिया। 21 बिश्वास ए तै याकूब नै मरदे बखत यूसुफ के दोन्नु बेट्यां म्ह तै एक-एक ताहीं आशीर्वाद दिया, अर अपनी लाठी का सहारा लेके प्रभु की आराधना करी। 22 बिश्वास ए तै यूसुफ नै, जब वो मरण पै था, तो आत्मबिश्वास तै कह्ला, के इसाएल के माणस मिस्र देश छोड़ देंगे, हुकम देके जब वो मिस्र देश छोड़ के जान्दे, तो उसकी हाडियां ले जान्दे। 23 तब मिस्र के राजा नै यो हुकम दिया था के सारे इस्राएली छोरे पैदा होण पै मारे जावेंगे, तो बिश्वास के कारण ए तै मूसा नबी के माँ-बाप नै उस ताहीं, पैदा होए पाछै तीन महिन्ने ताहीं ल्हकोए राख्या, क्यूँके उनै देख्या के बाळक भोत सुथरा सै, अर वे राजा के हुकम मानण तै डरे कोनी थे। 24 मिस्र देश के फिरौन की बेट्टी नै मूसा ताहीं अपना लिया था, जब मूसा बड़ा होया, बिश्वास तै वो नही चाहवै था, के माणस उस ताहीं राजकुमारी के बेटे के रूप म्ह बुलावै। 25 ज्यांतै के उस ताहीं पाप म्ह माड़े-से दिन के सुख भोगण तै परमेसवर के माणसां के गेल्या दुख भोगणा घणा बढ़िया लागया। 26 उसनै मसीह के कारण बदनाम होण ताहीं मिस्र देश के भण्डार तै बड़ड़ा धन समझया, क्यूँके वो जो करण लागरया था, उस ताहीं वो जाणे था, के सुर्ग म्ह उसका ईनाम मिलैगा। 27 बिश्वास ए तै राजा के छोटै तै ना डरके उसनै मिस्र देश ताहीं छोड़ दिया, क्यूँके वो समझ गया था, के उसनै इसा लागया, के मान्नी उसनै परमेसवर ताहीं देख लिया हो, जो अदृश्य सै। 28 बिश्वास ए तै मूसा नबी नै फसह अर लहू छिड़कण का तरीका मान्या, जिसते के जेट्टा का विनाशक दूत इस्राएलियां के जेट्टे बेट्टा पै हाथ नही गरै। 29 बिश्वास ए तै इस्राएल के माणस लाल समुन्दर के पार इसे उतरगे, जिस तरियां सूक्खी धरती पर तै, अर जब मिस्र देश नै उससे तरियां ए करणा चाह्ला तो समुन्दर उल्टा अपनी जगहां पै आ गया अर बाढ़ आ गयी अर सब डूब मरे। 30 क्यूँके इस्राएल के माणस परमेसवर पै बिश्वास करै थे, इस

करके वे यरीहो नगर की चारदीवारी के च्यार ओड़ सात दिनां तक लगातार चालते रहे, तो चारदीवारी पड़गी। 31 बिश्वास ए तै राहाब बेश्या परमेसवर का हुकम ना मानण आळा के गेल्या नाश नही होई, उसनै इस्राएली जासूसां का स्वागत करया जो यरीहो नगर नै छुप के देखण आये थे। 32 इब और के कहुँ? क्यूँके बखत कोनी रहया के गिदोन का, अर बाराक का अर शिमशोन का, अर यिफतह जिसा माणसां के बारे म्ह, अर दाऊद अर शमूएल का, अर नबियां का जिन्न करहें। 33 इसे बिश्वास के जरिये राज्य जीते, धर्म के काम करे, वादा करी होई चीज पाई, शेर उन ताहीं खा नही सका। 34 आग की ज्वाला ताहीं शीळा करया, तलवार की धार तै बच लिकड़े, एक बार कमजोर होण पै फेर तै ठाड़े बणा दिया, वे लड़ाई म्ह वीर लिकड़े, उनै अपने दुश्मनां की पलटन ताहीं खदेड़ दिया। 35 लुगाईयां नै अपने मरे होया ताहीं दुबारा जिन्दा पाया, कितने तो मार खांदे-खांदे मरगे अर वे अपना बिश्वास नही छोड़णा चाहवै थे, ताके वे जेळ तै रिहा करे जा सकै, ज्यांतै के घणे मरण के बाद फेर तै जिन्दा हो जावै, अर वे एक बढ़िया जिन्दगी पा सकै। 36 घणखरयां नै मखौल म्ह उड़ाया गया, अर कई नै कोड़े खाणे पड़े, बल्के कई नै बेलां तै जुड़के, जेळ म्ह गेरया गया। 37 कईयां पै पत्थर बरसाए गए, आरे तै चीरे गये, कईयां ताहीं तलवार तै मौत के घाट उतार दिया गया, वे गरीब थे, उन ताहीं यातनाए भी दी गई, अर उनके गैल बुरा व्यवहार करया गया, वे भेड्डां अर बकरियां की खाल ओढ़ के आरसै-पारसै भटकदे रहे। 38 अर जंगळां, अर पहाड़ां, अर गुफायां म्ह, अर धरती की दरारां म्ह भटकदे हॉडे। या बुरी दुनिया इन बिश्वासियां जोगी कोनी थी। 39 बिश्वास ए के जरिये इन सारया के बारे म्ह परमेसवर नै उनके तारीफ करी सै, तोभी वादा करी होई उस चीज नै वो पा नही सकै जो परमेसवर नै उन ताहीं वादा करया था। 40 क्यूँके परमेसवर के धारे सिर्फ उनके खात्तर नही, बल्के म्हारे खात्तर भी एक घणी बढ़िया तरकीब सै, परमेसवर उन ताहीं सिध्द बणाणा चाहवै सै, पर सिर्फ म्हारे साथ मिलके।

12 इस बजह तै जब घणखरे माणसां के बिश्वास की गवाही जो उनकी जिन्दगी म्ह सै, म्हारे बारे म्ह बड़े बाहळ की तरियां घरे होए सै, तो आओ, हरेक रोकणआळी चीज अर उलझाण आळे पाप ताहीं दूर करके, अर राह पै हमनै चालणा सै, धीरज तै चाल्ला। 2 अर बिश्वास के कर्ता अर सिध्द करण आळे यीशु की ओड़ लखान्दे रहवां, उस आनन्द के खात्तर जो बिश्वास म्ह मिलण आळा था, शर्म की कुछ परवाह नही करके क्रूस का दुख सहया, अर परमेसवर के सिंहासन के सोळी ओड़ महिमायम जगहां जा बैठ्या। 3 यीशु के उदाहरण के बारे म्ह सोच्यो, जिसनै अपने बिरोध म्ह पापियां का इतणा बिरोध सह लिया ताके थम निराश होके हिम्मत ना छोड़ घो। 4 पाप के बिरुध्द अपने संघर्ष म्ह थमनै उसतै इसी मुठभेड़ नही करी के थारा लहू बह्ला हो, 5 अर थम उस उपदेश ताहीं, जो थारे ताहीं बेट्टा की तरियां दिया जावै सै, भूल गये सो: “हे मेरे बेटे, प्रभु की ताड़ना नै हल्की बात ना जाण, अर जब वो तन्नै घुड़के तो हिम्मत ना छोड़ै। 6 क्यूँके प्रभु जिसतै प्यार करै सै, उसकी ताड़ना भी करै सै, अर जिस ताहीं बेट्टा बणा लेवे सै, उसके कोड़े भी मारे सै, ताके अपने बाळकां नै सुधार सकै।” 7 थम दुख नै पिता की ताड़ना समझके सह ल्यो, परमेसवर थारे ताहीं बेट्टा जाणके थारे गेल्या सलुक करै सै वो कौण सा बेट्टा सै, जिसकी ताड़ना पिता नही करदा? 8 जै वा ताड़ना जिसके सब भागी होवै सै, अर थारी कोनी होई, तो थम परमेसवर की ऊलाद कोनी। 9 फेर जब के म्हारा शारीरिक पिता भी म्हारी ताड़ना करया करै था अर हमनै उसका आदर-मान करया, तो यो और भी जरूरी सै के अपनी आत्मार्थ के पिता के ओड़ तै अनुशासन स्वीकार करा सां, ताके म्हारे धारे अनन्त जीवन हो। 10 म्हारे धन्यवादी पिता तो, अपनी समझके मुताबिक थोड़े-से बखत के खात्तर म्हारी ताड़ना करै सै, पर वो तो म्हारे फेरदे के खात्तर करै सै, के हम भी उसके समान पवित्र बण जावां। 11 इस बखत ताड़ना दी जावै सै, उस बखत ताड़ना आच्छी कोनी लागी, बल्के वा दुख की बात दिखाई देवै सै। तोभी जो उस ताहीं सहन्दे-सहन्दे पक्के होगे

सै, बाद म्ह उननै चैन कै गेल्या धर्म का ईनाम मिलै सै। 12 इन सारी बात्तां के कारण सब मजबूत बणो अर उत्साहित होओ, 13 अर अपणे पायां कै खात्तर सीध्दी राही बणाओ के लंगड़ा भटक ना जावे पर भला-चंगा हो जावै। 14 सारया तै मेळ-मिलाप राक्खो, अर पवित्र होण खात्तर हरेक ढाळ की कोशिश म्ह रहों, जिसकै बिना कोए प्रभु ताहीं कदे भी न्ही देखैगा। 15 सावधान रहो, इसा ना हो के कोए परमेसवर कै अनुग्रह तै दूर रह जावै या कोए कड़वी जड़ फूटके दर्द देवे, अर उसके जरिये घणखरे माणस परमेसवर के सच्चे रास्ते तै भटक जावै सै। 16 इसा ना हो के कोए माणस जा, या अब्राहम के पोते एसाव की तरियां उस म्ह कोए बुराई ना होवै, क्यूँके वो जेठ्रा बेट्रा था, उसनै खास उत्तराधिकारी होण का हक था, पर उसनै अपणे जन्म सिध्द होण के पद का सम्मान न्ही करया, इस करके उसनै अपणे छोट्टे भाई याकूब ताहीं एक बर के खाणे कै बदले म्ह अपना जन्म सिध्द होण का पद बेच दिया। 17 थमनै बेरा सै के बाद म्ह जिब उसनै आशीष पाणी चाही तो उस ताहीं मना कर दिया गया, अर आँसू बहा-बहाके आशीष के मांगण पै भी वो पैहले जो कुछ भी करया था, उस ताहीं बदलण खात्तर कुछ भी न्ही कर सका। 18 थम आग की लपटे, अन्धरे, काळी घटा जिसा असली पहाड़ पै न्ही आये सों, जिसा के इस्पाएल के माणस सीनै पहाड़ पै आये थे, जिब परमेसवर नै उन ताहीं अपणे नियम दिए थे। 19 थम तुरही की आवाज कै धौरे कोनी सों, अर बोल्लण आळे के इसे शब्द कै धौरे न्ही आए, जिसकै सुनणआळे तै बिनती करी के इब म्हारे तै और बात ना करी जावै। 20 उननै इसा इस करके कह्या, क्यूँके वे इस हुकम नै बर्दाशत न्ही कर सकै, के परमेसवर नै उनतै कह्या था, “जै कोए पशु भी पहाड़ ताहीं छुवै तो उसपै पत्थर बरसाये जावै।” 21 अर वो दर्शन इसा डरावणा था के मूसा नबी नै भी कह्या, “मै घणा डरँ अर काप्पू सूँ।” 22 पर थम सिय्योन कै पहाड़ पै आये सों, जिच्च सुर्गीय यरुशलेम सै, जो जिन्दे परमेसवर का नगर सै, उसके धौरे अर लाखों सुर्गदूत खुशी उत्सव मनावै सै। 23 थम उन परमेसवर के खास बाळकां की सभा अर कलीसिया म्ह आये सों, जिनकै नाम सुर्ग म्ह लिक्खे होए सै, परमेसवर कै धौरे जो सब का न्यायी सै, सुर्ग म्ह धर्मा माणसां की आत्मायाँ खात्तर जो इब सिध्द करे गये सै। 24 थम यीशु कै धौरे आए सों, जो परमेसवर अर माणसां के बीच म्ह करार बणाया, अर छिड़काव का लहू जो माफ़ी के बारे म्ह बोल्लै सै, ना के न्याय के बारे म्ह, जो हाबिल कै लहू तै घणी बढिया बात कहवै सै। 25 सावधान रहो, परमेसवर के हुकम मान्नी, जो थारे तै बात करण लागया सै, क्यूँके इस्पाएल के माणस जिब धरती पै मूसा नबी की चेतावनी पाके बच पाए, क्यूँके उननै मूसा नबी की बात कोनी मान्नी थी, तो हम सुर्ग पै तै चेतावनी देण आळे परमेसवर तै मुँह मोड़के उसके छो तै किस तरियां बच सकांगें? 26 जिब परमेसवर सीनै पहाड़ पै तै बोल्या, तो उसके शब्द नै धरती ताहीं भी हला दिया, पर इब उसनै यो वादा करा सै, “एक बर फेर मै ना सिर्फ धरती ताहीं बल्के अकास ताहीं भी हला देऊंगा।” 27 अर यो बोल “एक बर फेर” इस बात ताहीं दिखावै सै के बणाई होई चीज हलाई, अर हटा दी जावैगी, ताके जो चीज हलाई न्ही जान्दी, वे पक्की तरियां बणी रहवैं। 28 हमनै जो राज्य मिला सै वो न्ही हिलाया जा सकता, इस कारण हमनै उसका धन्यवादी होणा चाहिए, जिसके जरिये हम भगति, अर भय सुधा परमेसवर की इसी आराधना कर सकां सां जिसतै वो राज्जी होवै सै, 29 क्यूँके म्हारा परमेसवर राख करण आळी आग सै।

13 एक-दुसरे तै भाण-भाई की तरियां प्यार करो। 2 अजन्बी की भी सेवा पाणी करो, क्यूँके इसके जरिये कई माणसां नै अनजाणे म्ह सुर्गदूतां का आदर-मान करया सै। 3 कैदियां का इस ढाळ बेरा लेओ के मान्नी उनकै गैल थम भी कैद सो, अर जिन ताहीं पीड़ित करया जावै सै, जिसा के थम अपणी देह हर्द हर्द महसूस करो सों। 4 ब्याह सारया म्ह आदर की बात समझी जावै, अर ब्याह होण के बाद एक-दुसरे के प्रति वफादार रहों, क्यूँके परमेसवर जा, अर बिगान्नी लुगाई कै धौरे जाणीयां का न्याय करैगा। 5 अपणी जिन्दगी नै धन के लालच तै मुक्त राक्खों, अर जो थारे धौरे

सै उससे पै सन्तोष करो, क्यूँके उसनै आप्णे ए कह्या सै, “मै तन्ने कदे भी न्ही छोड़ूंगा, अर ना कदे भी त्यागूंगा।” 6 ज्यांते हम बिना डरे कहां सां, “प्रभु मेरा मददगार सै, मै न्ही डरूंगा, माणस मेरा के करै सके सै।” 7 जो थारे अनुवें थे, अर जिन नै थारे ताहीं परमेसवर का वचन सुणाया सै, उननै याद राक्खो, अर गौर करो के किस तरियां जीणा अर मरणा सै, परमेसवर म्ह एके तरियां का बिश्वास दिखाओ जो उननै दिखाया। 8 यीशु मसीह काल अर आज अर युगानुयुग एक सा सै, वो कदे न्ही बदलता। (aiōn g165) 9 क्यूँके यीशु मसीह कदे न्ही बदलता, इस करके थम नई अर अलग शिक्षा ना अपनाओ। क्यूँके थारे मनां खात्तर आच्छा सै, के वे अनुग्रह के जरिये मजबूत बणै, ना के उन खाण-पीण आळी चिज्जां के जरिये, उन माणसां नै कोए फायदा न्ही होन्दा जो इसे काम करै सै। 10 म्हारे धौरे एक वेदी सै जिस म्ह तै तम्बू के याजक नै खाण का कोए हक कोनी, जो तम्बू की सेवा करै सै। 11 क्यूँके पैहले करार के मुताबिक हर साल जिन जानवरों का लहू महायाजक पाबलि के खात्तर घणी पवित्र जगहां म्ह पापां की माफ़ी खात्तर ले जावै सै, उनकी देह छावणी के बाहरणै जळाई जावै सै। 12 इस्से के कारण, यीशु नै भी माणसां ताहीं अपणे ए लहू के जरिये पवित्र करण कै खात्तर यरुशलेम नगर के बाहरणै दुख सहया अर मारा गया। 13 आओ हम यहूदी नियम-कायदा नै छोड़के यीशु म्ह बिश्वास करों, अर उसके साथ दुख ठावां। 14 क्यूँके इस दुनिया म्ह म्हारा कोए स्थाई घर कोनी, बल्के हम एक आण आळे नगर की टोह म्ह सां। 15 इस करके हम प्रभु यीशु कै जरिये हम अपणे होठों तै परमेसवर की स्तुति करणा जारी राक्खां, वो म्हारा बलिदान सै, यानिके उन होंठा का फळ जो उसके नाम का अंगीकार करै सै, परमेसवर ताहीं सारी हाण चढ़ाया करै। 16 भलाई करणा अर उदारता दिखाणा ना भूलो, क्यूँके परमेसवर इसे बलिदानां तै राज्जी होवै सै। 17 अपणे अगुवां का हुकम मान्नी अर उनके अधीन रहो, क्यूँके वे थमनै देखण लागरे सै, ताके थम भटक ना जाओ, अर उन ताहीं अपणी सेवा के बारे म्ह परमेसवर ताहीं लेखा देणा सै, वे यो काम राज्जी होके करै, यो काम उदारसी कै साथ कोनी करणा, क्यूँके इस हालत म्ह थमनै किमे फायदा कोनी। 18 म्हारे खात्तर प्रार्थना करदे रहो, क्यूँके हमनै भरोस्सा सै के म्हारी अन्तराला शुद्ध सै: हम हर बखत भले काम करणा चाहवां सां। 19 प्रार्थना करण के खात्तर मै थमनै और भी समझाऊँ सूँ के मै तावळा थारे धौरे दुबारा आ सकूँ। 20 अर इब शान्तिदाता परमेसवर, जिसनै म्हारे प्रभु यीशु ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, वो थारे ताहीं सब कुछ दे, जो उसकी इच्छा पूरी करण खात्तर चाहिये सै, परमेसवर यीशु मसीह की शक्ति के जरिये वो सब थारे म्ह पूरा करै, जो उस ताहीं खुशी दे सकै सै, यीशु मसीह भेड़ों का महान् रुखाळा सै, उसनै अपणे लहू कै जरिये सदा के करार नै स्थापित करया सै, (aiōnios g166) 21 उस ताहीं सदा महिमा मिलती रहवै। आमीन। (aiōn g165) 22 हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे तै बिनती करूँ सूँ के उत्साहित करण आळे इन सन्देसां ताहीं धीरज तै सह ल्यो, क्यूँके मन्ने थारे ताहीं थोड़े-से शब्दां म्ह लिख्या सै। 23 थमनै यो बेरा लाग्या हो के तीमथियुस, म्हारा भाई जेळ की कैद तै छुट्या सै, अर जै वो तावळा आ गया तो मै उसके गेल्या थारे तै भेंट करूंगा। 24 अपणे सारे अगुवां अर सारे पवित्र माणसां ताहीं नमस्कार कहो। इटली देश के बिश्वासी थमनै नमस्कार कहवै सै। 25 थम सारया पै परमेसवर का अनुग्रह होंदा रहवै। आमीन।

याकूब

1 मैं याकूब, परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह का दास हूँ, मेरी ओड़ तै थम सारया नै मेरा नमस्कार। मैं या चिट्ठी इस्राएल के उन यहूदी मसीह बिश्वासीयाँ नै लिखूँ, जिनके बाराह गोत्र सारी दुनिया म्ह तित्तर-बितर होकै रहण लागरे सै। 2 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, जब थम कई ढाळ की मुसीबतां का सामना करो सो, तो इसने पूरे आनन्द की बात समझो, 3 क्यूँके थम जाणो सों, के थारे बिश्वास के परखे जाण तै धीरज बढ़े सै। 4 हरेक बात म्ह धीरज धरणा सीखो, ताके थम आत्मिकता म्ह पूरे सिध्द हो जाओ, अर थारे म्ह किसे बात की कमी न रहवै। 5 पर थारे म्ह तै जै किसे नै बुद्धि की कमी सै, तो परमेसवर तै माँगै, जो बिना उल्हाणा दिये, सारया नै बड़ी उदारता तै देवे सै, अर उस ताहीं दी जावैगी। 6 पर वो बिना शंका के बिश्वास तै माँगै, अर कुछ शक न करै, क्यूँके शक करण आळा माणस टिक्या न्ही रहन्दा जो समुन्दर की उस लैहर की तरियाँ सै जो हवा के चाल्लण तै उच्छळै सै। 7 शक करण आळा माणस या बात बिल्कुल ना सोचवै, कै उसने प्रभु तै कुछ मिलेगा, 8 वो माणस दोगला सै अर अपनी किसे बात म्ह टिकता कोनी। 9 जो बिश्वासी भाई गरीब सै, उनने खुश होणा चाहिए, क्यूँके परमेसवर उनकी इज्जत करै सै, 10 अर धनवान अपने ऊँचे पद पै घमण्ड ना करै, क्यूँके वो घास कै फूल की ढाळ सूख जावैगा। 11 सूरज लिकड़दे ए घणा घाम पड़ै सै, अर घास नै सुक्खा देवै सै, अर उसका फूल झड़ जावै सै, अर उसकी खूबसूरती जान्दी रहै सै। इस ढाळ धनवान भी अपने काम करदे-करदे माटी म्ह मिल ज्या जावैगा। 12 धन्य सै वो माणस जो परखे जाण पै खरे उतरे सै, क्यूँके परखे जाणके बाद ए जीवन का वो मुकुट पावेंगें, जिसका वादा परमेसवर नै उन माणसां तै करया सै, जो परमेसवर तै प्यार करै सै। 13 जब किसे की परख हो सै, तो वो या ना कहवै के परमेसवर मनै परखण लागरया सै, क्यूँके परमेसवर बुरी बातों की परख म्ह कोनी पड़ता, अर ना वो किसे की परख आप करै सै। 14 पर हरेक माणस अपनी ए लालसा म्ह पड़के अर फँसके परखा ज्या सै। 15 जब बुरी इच्छा भोत घणी बढ़ ज्या सै, तो पाप नै जन्म देवै सै, अर पाप जब भोत घणा बढ़ जावै सै, तो अनन्त मौत नै जन्म देवै सै। 16 हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, धोक्खे म्ह ना रहों। 17 क्यूँके हरेक आच्छा बरदान अर हरेक उत्तम दान परमेसवर की ओड़ तै ए सै, जो सिध्द सै, जिसने आसमान की ज्योतिषाँ बणाई सै, अर वो इनकी छाया की तरियाँ कदे बदलता कोनी। 18 उसने अपनी ए इच्छा तै, म्हारे ताहीं सच के वचन कै जरिये जन्म दिया, ताके हम उसकी बणाई होई रचना म्ह सब तै खास हो, जिस तरियाँ किसान खात्तर फसल का पैहला हिस्सा नाज होवै सै। 19 हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, या बात थम जाण ल्यो, हरेक माणस सुणण के खात्तर तैयार अर बोल्लण म्ह उतावळा ना हो, अर अपने छो नै काबू म्ह करण आळा हो। 20 क्यूँके माणस जब छो म्ह हो सै तो वो धार्मिकता के काम न्ही कर सकता, जो परमेसवर उसतै करवाणा चाहवै सै। 21 इस करके सारे मन की गंदगी अर नफरत नै दूर करके, परमेसवर के उस वचन नै नम्रता तै मान ल्यो, जो मन म्ह बोया गया सै, अर जो थारे प्राणा का उद्धार कर सकै सै। 22 पर परमेसवर के वचन पै चाल्लण आळे बणो, अर सिर्फ सुणण आळे ए न्ही, जो अपने-आपनै धोक्खा देवै सै। 23 क्यूँके जो कोए परमेसवर के वचन का सुणण आळा हो, अर उसपै चाल्लण आळा ना हो, तो वो उस माणस के समान सै, जो अपना मुँह शीशे म्ह देखवै सै। 24 इस करके के वो अपने-आपनै देखके चाल्या जावै सै, पर जिब्ले भूल जावै सै, के मैं किसा था। 25 पर जो माणस ध्यान तै परमेसवर के सिध्द नियम-कायदा नै पढ़ता रहवै सै, जो हरेक माणसां नै पापां तै आजादी देवै सै, परमेसवर उसने आशीर्वाद देवैगा, क्यूँके वो सुणके भूलता कोनी, पर उसाए करै सै। 26 जै कोए अपने-आपनै परमेसवर का भगत समझै, अर अपनी जीभ पै लगाम ना लगावै, पर अपने मन नै धोक्खा दे, तो उसकी भगति बेकार सै। 27 म्हारे पिता परमेसवर की नजर म्ह सच्ची अर शुद्ध भगति या

सै, के अनास्थां अर विधवाया के कळेश म्ह उसकी सुधि ले, अर अपने-आपने दुनिया तै बेदाग राखवै।

2 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, थम म्हारे महिमामय प्रभु यीशु मसीह के चेल्लें सों, इस करके थारे म्ह भेद-भाव की भावना ना हो। 2 जै एक माणस सोन्ने के छल्ले अर सुथरे लत्ते पहरे होए थारी मण्डली म्ह आवै, अर एक कंगाल भी मैल्ले कुचले लत्ते पहरे होए आवै, 3 अर थम उस सुथरे लत्ते आळे नै इज्जत देके कहे, “तू ओड़ै खास जगहां बैठ,” अर उस कंगाल तै कहे, “तू ओड़ै खड्या रहै,” या “मेरे पायां धोरे बैठो।” 4 तो के थमनै भेद-भाव कोनी करया, अर बुरे विचार तै न्याय करण आळे न्ही बणो? 5 हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, सुणो। के परमेसवर नै इस दुनिया के कंगालां ताहीं न्ही छाट्या, के बिश्वास म्ह धनी हो जाओ, अर उस राज्य के अधिकारी हो जाओ, जिसका वादा उसने उनतै करया सै, जो उसतै प्यार करै सै? 6 पर थमनै उस कंगाल की बेजती करी सै। के धनी माणस ए थारे पै जुल्म न्ही करदे, अर के वे थमनै कोट-कचेहड़ी म्ह न्ही घसीट-घसीट के ले जान्दे? 7 ये वे धनी माणस ए सै, जो प्रभु यीशु के महिमामय नाम की, जिसके थम कहवाओ सों, बेजती करे सै। 8 तोभी जै थम पवित्र ग्रन्थ के इस वचन के मुताबिक के “तू अपने पड़ोसी तै अपने समान प्यार कर” साचे उस राजसी नियम नै पूरा करो सों, तो आच्छा ए करो सों। 9 पर जै थम भेद-भाव करो सों तो पाप करो सों, अर मूसा के नियम-कायदे थमनै कसूरवार बतावै सै। 10 क्यूँके जो कोए मूसा के सारे नियम-कायदे नै पुगावै सै, 11 एके बात म्ह चूक जावै, तो वो सारी बातों म्ह कसूरवार बण लिया सै। 12 इस करके के जिसनै यो कहा, “तू जारी ना करिये” उसने नै यो भी कहा, “तू हत्या ना करिये,” इस करके जै तन्ने जारी तो कोनी करी, अर हत्या करी सै, तोभी तू नियम-कायदा का तोड़ण आळा बणय्या। 12 इस करके थारी कथनी अर करणी उनके समान हो, जिनका न्याय उस नियम-कायदा के मुताबिक करया जावैगा, जो म्हारे ताहीं आजादी देवै सै। 13 क्यूँके जिसनै दया न्ही करी, उसका न्याय बिना दया के होगा: जै थम दुसरयां पै दया न्ही करते, तो न्याय के दिन परमेसवर भी थारे पै दया कोनी करेगा। 14 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, जै कोए कहवै के मैं प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करूँ हूँ पर वो उसके मुताबिक आच्छे काम न्ही करदा हो, तो इसतै के फायदा? के इसा बिश्वास उसका उद्धार कर सकै सै? 15 जै कोए बिश्वासी भाई या भाण जिनके धोरे पैहरण खात्तर भी लत्ते ना हो, अर उनने रोज खाण नै भी ना मिलता हो, 16 मान ल्यो थारे म्ह तै कोए उनतै कहवै, “ठीक-ठाक जाओ, थम गरम लत्ते पैहरो अर छिके रहों,” पर जो चीज देह खात्तर जरूरी सै, वा उनतै ना देवै, तो के फायदा? 17 उससे तरियां बिश्वास भी, जै आच्छे कर्म सुधा ना हो, तो अपने सुभाव म्ह मरया होया सै। 18 बल्के कोए या कह सकै सै, “तन्ने बिश्वास सै, अर मैं कर्म करूँ हूँ।” तू अपना बिश्वास मनै आच्छे कर्म बिना तो दिख्वा, अर मैं अपना बिश्वास तन्ने अपने कर्म के जरिये दिख्वाऊँगा। 19 तन्ने बिश्वास सै, के एके परमेसवर सै, तू आच्छा करै सै। ओपरी आत्मा भी बिश्वास करै सै, अर डर तै थरथर काप्पे सै। 20 पर हे बिना अकल के माणस, के तू यो भी न्ही जाणदा के बिना आच्छे कर्म बिश्वास बेकार सै? 21 म्हारे पूर्वज अब्राहम नै अपने बेटे इसहाक ताहीं (बलि खात्तर) वेदी पै चढ़ाया, तो वो आच्छे कर्मां तै धर्मां ठहरया गया। 22 थमनै देख लिया के उसके काम के गैल बिश्वास नै मिलके असर करया, अर आच्छे काम के कारण उसका बिश्वास सिध्द होया। 23 अर पवित्र ग्रन्थ का यो वचन पूरा होया: “के अब्राहम नै परमेसवर का बिश्वास करया,” अर इस खात्तर धर्मां बण गया, अर वो परमेसवर का साथी कुहाया। 24 इस ढाळ थमनै देख लिया, के माणस सिर्फ बिश्वास तै ए न्ही, पर भले कर्मां तै भी धर्मां मान्ना जावै सै। 25 उससे तरियां राहाब बेश्या भी, जब उसने जासूसां ताहीं अपने घर म्ह शरण दी अर दुसरे राह तै बिदा करया, तो आच्छे कर्मां तै वा धर्मां बणी। 26 जिस तरियां देह आत्मा बिना मरी होई सै, उससे तरियां बिश्वास भी आच्छे कर्म बिना मरया होया सै।

3 हे मेरे विश्वासी भाईयो, थारे म्ह तै कलीसिया म्ह घणे उपदेशक ना बणै, क्यूँके थम जाणो सों के हम जो उपदेशक सां, म्हारा न्याय दुसरयां तै भी घणा सख्ताई तै करया जावैगा। 2 हम सब घणीए बार चूक जावां सा, पर जो कोए मुँह तै गलत बात न्ही बोलता, वोए तो सिध्द माणस सै, अर वोए सारी देह पै भी लगाम लगा सकै सै। 3 जिब हम बस म्ह करण खात्तर घोड्या कै मुँह पै लगाम लगावा सां, तो हम उस घोड़े नै भी काबू कर सकां सां। 4 चाहे हवा कितनी भी तेज क्यूँ ना हो, एक छोटी सी पतवार तै, एक माँझी एक बड़े जहाज नै भी मोड़ सकै सै। 5 उस्से तरियां जीभ भी एक छोटा सा अंग सै, अर वा बड़ी-बड़ी बात करण की डींग मारै सै। देखखों, छोटी सी चिगारी तै कितने बड़े बण म्ह आग लाग ज्या सै। 6 हाँ, जीभ एक आग के समान सै, या म्हारे देह का एक इसा खतरनाक हिस्सा सै, जो माणस तै अधर्म के काम करवा देवै सै, अर उसकी पूरी जिन्दगी नै बरबाद कर देवै सै, या म्हारे जीवन नै नरक की आग के समान खतम कर सकै सै। (Geenna g1067) 7 हरेक ढाळ के जंगळी पशु, पंछी, रेंगण आळे जन्तु, अर पाणी के जीव, तो माणस के बस म्ह हो सकै सै, अर बस म्ह हो भी गये। 8 पर जीभ नै कोए भी बस म्ह न्ही कर सकता, या एक इसी खतरनाक बला सै, जो कदे रुकती कोन्या, जो साँप के समान, जहर तै भरी होई सै। 9 जीभ तै ए एक पिता परमेसवर अर प्रभु की बड़ाई करा सां, अर इस्से तै जो परमेसवर कै रूप म्ह बणाये गये माणसां नै श्राप देवां सां। 10 एके मुँह तै आशीष अर श्राप दोनु लिक्डै सै। हे मेरे विश्वासी भाईयो, इसा न्ही होणा चाहिए। 11 धरती के एके चोवै तै मिठ्ठा अर खारा पाणी दोनु न्ही लिक्ड सकदे। 12 हे मेरे विश्वासी भाईयो, के अंजीर कै पेड़ म्ह जैतून, या अंगूर की डाळी म्ह अंजीर लाग सकै सै? उस्से तरियां खारे चोवै तै मिठ्ठा पाणी न्ही लिक्ड सकता। 13 जै थम समझदार अर परमेसवर की बातां नै समझण आळे माणस सों, तो इस बात नै नरमाई अर समझदारी तै एक आच्छा जीवन जी के, साबित करो। 14 पर जै थारे मन म्ह घणी जळण अर मतलबीपण सै, तो अपने ज्ञान का ज्यादा दिखावा ना करो, क्यूँके इसा करण तै थम सच नै छुपाओ सों। 15 इसा ज्ञान परमेसवर की ओड़ तै न्ही, बल्के वो ज्ञान दुनियावी, शारीरिक अर शैतान की ओड़ तै सै। 16 क्यूँके जड़ै जळण अर मतलबीपण होवै सै, ओड़ै बखेड़ा अर हरेक ढाळ के बुरे काम भी होवै सै। 17 पर जो ज्ञान परमेसवर देवै सै, वो पैहला तो पवित्र होवै सै, फेर शांतिप्रिय, सहनशील, विनम्र, खियावास राखण आळा, भले काम अर दया तै भरया होया परोपकारी अर बिना भेद-भाव का, अर बिना कपट का होवै सै। 18 मेळ-मिलाप करण आळा, किसान की तरियां सै, जो शान्ति का बीज बोवै सै, अर धार्मिकता की फसल काटै सै।

4 थारे म्ह लड़ाई झगड़े का कारण के सै? के थारे भित्त उन बुरी लालसा तै न्ही, जो थारे म्ह लड़ै-भीड़ै सै? 2 थम लालसा राखखों सों, पर थमने मिलता कोनी, ज्यातै थम हत्या करण का भी इरादा राखखों सों। थम जळण करो सों, अर कुछ पान्दे कोनी, इस करके थम लड़ो अर झगड़ो सों। थमनै इस करके न्ही मिलदा क्यूँके थम परमेसवर तै माँगते कोनी। 3 हालाकि थम माँगो सों, फेर भी थमनै मिलता कोनी, क्यूँके भुंटी इच्छा तै माँगो सों, ताके अपने ऐसो-आराम म्ह उड़ा घो। 4 हे बेईमान माणसों, के थम न्ही जाणते, दुनिया की चिज्जां तै प्यार करणा, परमेसवर तै बैर करणा सै। इस करके जो कोए संसार का साथी बणणा चाहवै सै, वो अपने-आपने परमेसवर का बैरी बणावै सै। 5 के थम पवित्र ग्रन्थ म्ह लिखी होई इस बात नै बेकार समझों सों, जिस म्ह लिख्या सै, “जिस पवित्र आत्मा ताहीं परमेसवर नै म्हारे भित्त बसाया सै, वो बड़ी लालसा करै सै, के हम परमेसवर तै प्यार करां।” 6 पर परमेसवर तो और भी अनुग्रह करै सै, ताके हम बुरी इच्छा तै लड़ सकां, इस कारण पवित्र शास्त्र म्ह यो लिख्या सै, “परमेसवर घमण्ड करण आळा का बिरोध करै सै, पर दीन माणसां पै अनुग्रह करै सै।” 7 इस करके परमेसवर कै अधीन हो जाओ, अर शैतान का बिरोध करो, तो वो थारे धोरै तै भाग ज्यागा। 8 परमेसवर कै धारे आओ तो वो भी थारे धोरै आवैगा। हे पापियो,

अपणे जीवन तै पाप दूर करो, अर हे दोगले माणसों अपने मन नै पवित्र करो। 9 अपने पापां के कारण दुखी होओ, अर शोक करो, रोओ। थारी हाँसी शोक म्ह अर थारा आनन्द उदासी म्ह बदल जावै। 10 प्रभु कै स्याम्ही नरम बणो तो वो थमनै आदर मान देवैगा। 11 हे विश्वासी भाईयो, एक-दुसरे की बदनामी ना करया करो। जो अपने विश्वासी भाई की बदनामी करै सै या उसपै दोष लगावै सै, वो मूसा के नियम-कायदा का बिरोध करै सै, अर जै तू मूसा के नियम-कायदा का बिरोध करै सै, तो तू नियम-कायदा पै चाल्लण आळा कोनी, पर उसपै न्याय करण आळा बणया। 12 मूसा के नियम-कायदे देण आळा अर न्याय करण आळा एके सै, जो परमेसवर सै, जो बचाण अर नाश करण म्ह दोनुआ का हक राखखै सै, पर तन्नै किसे पै इल्जाम लगाण का कोए हक कोनी। 13 थम जो या कहो सों, “आज या तड़कै हम किसे और नरार म्ह जाकै ओड़ै एक साल बितावागें, अर व्यापार करके फायदा कमावागें।” 14 पर थम यो न्ही जाणदे के कल के होवैगा? सुण तो ल्यो, थारा जीवन सै ए के? थम तो धुंध की तरियां सों, जो थोड़ी देर दिक्खै सै फेर खु ज्या सै। 15 इसकी बजाए थमनै या कहणा चाहिए, “जै प्रभु चाहवै तो हम जिन्दा रहवागें, अर यो काम भी करागें।” 16 पर इब थम अपने-आप पै घमण्ड करो सों, यो घमण्ड पाप सै। 17 इस करके जो कोए भलाई करणा जाणै सै, अर कोनी करदा, उसके खात्तर यो पाप सै।

5 हे साहूकारों, सुण तो ल्यो, थम अपने आण आळे दुखां पै किल्की मारके रोओ। 2 थारा धन खराब होगया अर थारे लत्ता नै कीड़े खाँगे सै। 3 थारे सोन्ने चाँदी की कोए किम्मत कोनी रही, जिस सोन्ना चाँदी ताहीं थमनै कठ्ठा करया सै, वाए थारी गवाही देंगे, अर थारी देह नै राख कर देगी। थमनै अन्त के युग म्ह थम कठ्ठा करया सै। 4 देखखों जिन मजदूरान नै थारे खेत काट्टे, उनकी वा मजदूरी जो थमनै धोक्खा देके राखली सै। वे मजदूर चिल्लावै सै, अर उनकी दुहाई सेनाओं के प्रभु के कान्ना तक पहुँच गयी सै। 5 थम धरती पै ऐसो-आराम म्ह लागे रहै, अर बड़्ठा ए सुख भोग्या, अर इसा करते-करते थम जानवरां की तरियां बणगे सों, जिन ताहीं काट्टण तै पैहले मोट्टा ताजा करया जावै सै, उस्से तरियां थम न्ही जाणते के थम भी अपने-आप ताहीं परमेसवर की सजा खात्तर तैयार करण लागे सों। 6 जो धर्मी जन थारा सामना न्ही कर सकै थे, थमनै उन ताहीं कसूरवार बणाके मार दिया। 7 इस करके हे विश्वासी भाईयो, प्रभु कै आण तक धीरज धरो। जिस तरियां जमीदार धरती की कीमती फसल की आस धरके पैहली अर आखरी बारिस होण तक धीरज धरै सै। 8 थम भी धीरज धरो, अर अपनी आस नै ना खोओ, क्यूँके प्रभु का आणा लोवै सै। 9 हे विश्वासी भाईयो, एक-दुसरे पै कुड़कुड़ाओ ना, न्ही तो परमेसवर भी थमनै दण्ड देवैगा, क्यूँके लखाओ, न्याय करण आळा आण खात्तर घणा लोवै सै। 10 हे विश्वासी भाईयो, जिन नबियाँ नै प्रभु के नाम तै बात करी, उननै दुख उठाण अर धीरज धरण का एक आदर्श समझों। 11 हम धीरज धरण आळे नै धन्य कहां सों। थमनै अय्यूब नामक माणस कै धीरज के बारे म्ह तो सुणया ए सै, अर किस तरियां प्रभु नै उस ताहीं प्रतिफळ दिया, जिसतै थमनै प्रभु ताहीं जाण भी लिया के किस तरियां प्रभु करुणा अर दया करै सै। 12 पर हे मेरे विश्वासी भाईयो, सारा तै बड़ी बात या सै कै कसम ना खाईयो, ना सुर्ग की, ना धरती की, ना किसे और चीज की, पर थारी बात हाँ की हाँ ना की ना हो, ताके परमेसवर थमनै दण्ड ना देवै। 13 जै थारे म्ह तै कोए दुखी सै, तो वो प्रार्थना करै। जै आनन्दित सै, तो परमेसवर की बड़ाई के भजन गावै। 14 जै थारे म्ह तै कोए रोगी सै, तो कलीसिया के अगुवां नै बुलावै, अर वे प्रभु कै नाम तै उसपै तेल मल कै उसके खात्तर प्रार्थना करै, 15 अर विश्वास की प्रार्थना कै जरिये रोगी बच ज्यागा अर प्रभु उस ताहीं ठीक करैगा, अर उसनै जै पाप भी करे हो, तो उनकी भी माफी हो ज्यागी। 16 इस करके थम एक-दुसरे कै बिरुध्द किये गये, अपने-अपणे पापां नै मान ल्यो, अर एक-दुसरे खात्तर प्रार्थना करो, जिसतै ठीक हो जाओ: धर्मी जन की प्रार्थना कै असर तै सब कुछ हो सकै सै। 17 एलियाह नबी भी तो म्हारे समान दुख-सुख भोगी

माणस था, अर उसनै मन लगाकै प्रार्थना करी, के मिह ना बरसै, अर साढ़े तीन साल तक धरती पै मिह कोनी बरसा। 18 फेर उसनै प्रार्थना करी, तो अकास तै बरसा होई, अर धरती पै फसल भी होई। 19 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, जै थारे म्ह तै कोए सच की राह तै भटक जावै अर दुसरा कोए उसनै बोहड़ के उस राह पै ले आवै सै, 20 तो वो यो सच जाण लेवै के जो कोए भटके होए पापी नै पाप छोड़ण म्ह उसकी मदद करैगा, पाप छोड़ण आळे के अनेक पाप माफ हो जावेंगे अर उसकी जिन्दगी अनन्त मृत्यु तै बचावैगा।

1 पतरस

1 या चिट्ठी पतरस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का प्रेरित सै, मै या चिट्ठी परमेसवर के चुणे होए माणसां के खात्तर लिखण लागरया सूं, जो परदेशी होकै पुन्तुस, गलातिया, कप्पूकिया, आसिया अर बिथुनिया परदेसां म्ह तित्तर-बितर होकै रहवै सै। 2 परमेसवर पिता नै थारे ताहीं अपणे माणस बणाण खात्तर, भोत पैहले चुण लिया था, ताके थमनै पवित्र आत्मा के काम के जरिये पवित्र बनावै, यो उसनै इस खात्तर करया ताके थम यीशु मसीह का कहणा मान्नी, अर उसके लहू तै शुद्ध हो जाओ। हम प्रार्थना करा सां के परमेसवर थमनै अनुग्रह अर शान्ति भोत-ए घणी दे। 3 म्हारे मसीह यीशु के पिता अर परमेसवर का धन्यवाद हो, जिसनै म्हारे पै बड़ी दया करकै म्हारे ताहीं नई जिन्दगी दी सै, क्यूँके परमेसवर नै यीशु मसीह ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, उसनै म्हारे ताहीं बड़े बिश्वास के साथ जीण के लायक बणाया, ताके हम उन चिज्जां की आस राक्खां जिसका देण का उसनै वादा करया सै। 4 हम उस वसियत नै जो परमेसवर नै म्हारे खात्तर तैयार करी सै, उस ताहीं लेण की हम बाट देक्खां सां, उसनै म्हारे खात्तर उस ताहीं सुर्ग म्ह राख्या सै, जित्त वा कदे गळ न्ही सकदी, खराब न्ही हो सकदी, अर नाश न्ही हो सकदी। 5 परमेसवर नै अपनी महान शक्ति तै थारे ताहीं सम्भाळ के राख्या सै, क्यूँके थम मसीह पै बिश्वास करो सों, जिस दिन मसीह बोहड़के आवैगा, उस दिन तक मसीह थमनै सम्भाळ के राक्खेगा, फेर थम जाणोगे के परमेसवर नै थारे ताहीं पाप अर मोत तै बचा के राख्या सै। 6 थमनै इन सारी बात्तां तै खुश होणा चाहिए भलाए थम कुछ बखत खात्तर कई ढाळ की मुसीबतां के कारण दुखी सै। 7 ये मुसीबत इस्से खात्तर आवै सै, ताके देखा जा सके, के परमेसवर पै थारा पक्का बिश्वास सै के न्ही। थारा मसीह यीशु पै बिश्वास करणा सोन्ने तै भी घणा कीमती सै, जिस तरियां नाशवान सोन्ना आग म्ह परख्या अर शुद्ध करया जावै सै, उससे तरियां जै थारा बिश्वास घणी मुसीबतां म्ह भी बण्या रहवै सै, तो जित्त प्रभु यीशु मसीह बोहड़ के आवैगें तो थारे ताहीं बड़ाई महिमा अर आदर मिलेगा। 8 थमनै मसीह ताहीं कदे न्ही देखा, उसतै थम बिन देखे प्यार करो सो, अर इब तो उसपै बिन देखे भी बिश्वास करके इसे राज्जी अर मग्न होवो सो, जिस ताहीं बताण खात्तर म्हारे धोरे शब्द कोनी। 9 थम इस खात्तर खुश सों, क्यूँके परमेसवर नै थारे ताहीं पाप की सजा तै बचा लिया सै, अर योए मसीह पै बिश्वास करण का ईनाम सै। 10 इस्से उद्धार के बारे म्ह उन नबियाँ नै घणी खोज अर जाँच-पड़ताळ करी, जिननै उस अनुग्रह के बारे म्ह, जो थारे पै होण आळा था, भविष्यवाणी करी थी। 11 मसीह का आत्मा जो उन म्ह थ अर उन ताहीं बताण लागरया था, के मसीह किसा दुख ठावैगा अर उसके पाछे उस बारे म्ह उस ताहीं महिमा मिलेगी, इस कारण उननै यो बेरा पाड़ण खात्तर उसकी खोज करी, मसीह कौण होवैगा, के यो सन्देस उन खात्तर न्ही बल्के थारे खात्तर सै, यो सन्देस मसीह यीशु के बारे म्ह खुशखबरी सै, जिसके बारे म्ह थम इब सुणो सों। परमेसवर नै सुर्ग तै पवित्र आत्मा ताहीं भेज्या ताके वो माणसां नै सुसमाचार सुणाण म्ह मदद कर सके, यो इतणा अदभुत सै, के सुर्गदूत भी इन चिज्जां नै होन्दे होए देखणा चाहवै सै। 13 इस खात्तर गौर तै सोचवें के थम के करण आळे सों, अर अपने-आप पै काबू राक्खों अर परमेसवर तै उद्धार पाण का भरोस्सा राक्खों जो अनुग्रह तै मिले सै, अर वो थमनै जित्त देवैगा जित्त मसीह यीशु सुर्ग तै बोहड़के आवैगा। 14 परमेसवर के आज्ञाकारी बणो जिस तरियां आच्छे बाळक अपने पिता का हुकम मान्ने सै, अर पुराणी जिन्दगी के मुताबिक मत जिओ, जित्त थम बुरी लालसा नै पूरी करो थे। 15 पर जिसा थारा बुलाण आळा पवित्र सै, उससे तरियां ए थम भी अपने सारे चाल-चलण म्ह पवित्र बणो। 16 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “पवित्र बणो, क्यूँके मै पवित्र सूं।” 17 अर जित्त के थम हे पिता कहकै परमेसवर तै प्रार्थना करो सो, जो बिना पक्षपात, हरेक के काम के

मुताबिक न्याय करे सै, तो इब जो थम, जित्त इस धरती पै परदेशियों की तरियां जीण लागरे सों, तो थम उसके प्रति बड़े आदर रखते होए अपनी जिन्दगी जीणी चाहिए। 18 क्यूँके थमनै बेरा सै, के थारा निकम्मा चाल-चलण जो बाप-दादां तै चल्या आवै सै, उस बेकार जिन्दगी तै थम बचगे सों, अर थारा छुटकारा चाँदी-सोन्ने यानिके नाश होण आळी चिज्जां के जरिये न्ही होया। 19 पर बेकसूर अर बेदाग मेन्ने, यानिके मसीह के कीमती लहू के जरिये होया। 20 दुनिया बणाण तै पैहल्याए परमेसवर नै मसीह यीशु ताहीं उद्धारकर्ता करके चुण लिया था, पर इब वो इन आखरी दिनां म्ह इस खात्तर आया के थारी मदद कर सके। 21 जो मसीह नै करया उसकी बजह तै थम परमेसवर पै बिश्वास करो सो, अर अपनी आस अर बिश्वास परमेसवर पै राक्खो सो, क्यूँके उसनै मसीह ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, अर उस ताहीं बड़ी महिमा दी। 22 क्यूँके थम सच मानण के जरिये शुद्ध करे गये सों, इस खात्तर थमनै बिश्वासी भाईयाँ तै सच्चे दिल तै प्यार करणा चाहिए, अर तन-मन लाके एक-दुसरे तै प्यार करो। 23 थम एक-दुसरे तै इस खात्तर प्यार करो, क्यूँके थमनै परमेसवर तै नई जिन्दगी पाई सै, थमनै या जिन्दगी उसतै न्ही पाई जो नाशवान सै, पर उसतै पाई सै जो सदा के खात्तर सै। या नई जिन्दगी हमनै परमेसवर के वचन तै मिली सै, जो जीवित अर सदा रहण आळा सै। (aiōn g165) 24 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ यो कहवै सै, “हरेक जीव घास के बरगा सै, अर उनकी शोभा जंगली फूल्लां के समान सै। घास सूख जावै सै, अर फूल झड़ जावै सै।” 25 पर प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहवैगा।” यो वोए सुसमाचार का वचन सै जो थारे ताहीं सुणाया गया था। (aiōn g165)

2 इस करके सारी ढाळ का बैरभाव अर छळ अर कपट अर जळण अर बुराई नै दूर करके, 2 नये जन्मे बच्चे की तरियां जो हमेशा माँ के निर्मल दूध की लालसा करै सै, उससे तरियां थम भी परमेसवर के वचन ताहीं सुणण की लालसा करो, ताके थारा परमेसवर पै बिश्वास मजबूत हो सके, अर थारा उद्धार हो जावै। 3 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के थमनै चख के जाण लिया सै के प्रभु कितना भला सै। 4 थम प्रभु यीशु मसीह के धोरे आए हो, वो उस खास पत्थर की ढाळ सै जो नीम म्ह लागाया जावै सै, पर वो जिन्दा पत्थर सै। भोत सारे माणसां नै उस ताहीं त्याग दिया, पर परमेसवर नै उस ताहीं चुण्या, अर उस ताहीं कीमती बणाया, अर थम जो बिश्वासी लोग प्रभु यीशु के धोरे आए हो, ताके थम भी उसके जरिये जिन्दे पत्थरां की ढाळ हो जाओ, जो परमेसवर की आत्मिक आराधना का घर बणाण म्ह काम आ सके। 5 उसनै थारे ताहीं भी पवित्र याजक बणाया, जिस तरियां याजक परमेसवर ताहीं भेट चढ़ावै सै, उससे तरियां थम भी अपने दिल नै भेट के रूप म्ह चढ़ावो, अर याए भेट परमेसवर नै आच्छी लागे सै, क्यूँके थम यीशु मसीह के कहलाओ सों। 6 यो उससे तरियां सै, जिसा परमेसवर पवित्र ग्रन्थ म्ह कहवै सै: “देखों, मन्ने किसे ताहीं यरुशलेम नगर म्ह कोणे के पत्थर की तरियां राख्या सै, वो उस पत्थर की तरियां सै, जो नीम पै धरया जावै सै, अर जो कोए उसपै बिश्वास करेगा, वो किसे तरियां तै शर्मिन्दा कोनी होवैगा।” 7 यो पत्थर थारे खात्तर कीमती सै, जो मसीह यीशु पै बिश्वास करो सों, पर पवित्र ग्रन्थ उन माणसां के बारे म्ह जो बिश्वास न्ही करदे कहवै सै, “जिस पत्थर ताहीं राजमिस्त्रियाँ नै निकम्मा ठहराया था, वोए कोणे का पत्थर हो गया।”, 8 पवित्र ग्रन्थ यो भी कहवै सै, के “इस पत्थर तै लोगां के ठोक्कर लागेगी, या वा चट्टान सै जिसतै लोग ठोक्कर खाके मिर जावेंगे।” वे इस खात्तर गिरे सै, क्यूँके उननै परमेसवर के वचन पै बिश्वास कोनी करया, परमेसवर नै उन खात्तर याए योजना बणाई सै। 9 पर थारे म्ह इसा ना हो, क्यूँके थम परमेसवर के चुणे होए माणस सो, थम परमेसवर के याजक सों, जो के राजा सै, थम परमेसवर के समर्पित माणस सों, अर थम जो परमेसवर के कुहावै सों, उसनै थारे ताहीं अन्धकार म्ह तै रोशनी म्ह बुलाया सै, ताके थम परमेसवर के उन अनोक्खे काम्मा के बारे म्ह माणसां ताहीं बता सको। 10 पैहले थम परमेसवर के माणस न्ही थे, पर इब परमेसवर के माणस सो, पैहले थम परमेसवर की दया नै कोनी जाणो थे, पर इब जाणो सों, क्यूँके

उसने अपनी दया पैहल्या तै थारे ताहीं दिखाई सै। 11 हे प्यारे विश्वासी भाईयो, मै थारे तै बिनती करैँ सूँ, के थम अपने-आपने दुनिया म्ह परदेशी अर मुसाफर जाणके उन दुनियावी अभिलाषायों तै जो आत्मा तै युध्द करैँ सै, बचे रहो। 12 वे लोग जो परमेसवर पै विश्वास न्ही करदे, वे भी थारे आस्से-पास्से ए रहवैँ सै, अर वे भी कह सकैँ सै, के थम बुरा काम करण लागरे हो। थमनैँ इसी आच्छी जिन्दगी जीणी चाहिए, ताके वो थारे भले काम्मां नैँ देखके परमेसवर की महिमा उस दिन कर सकैँ जिब मसीह बोहड़ के आवेगा। 13 प्रभु नैँ महिमा देण खात्तर थम उन सारे माणसां का हुकम मान्नी जो इस दुनिया के शासक सै, जिस तरियां राजा, जो के सब पै प्रधान शासक सै। 14 अर राज्यपालों के भी अधीन रहों, क्यूँके राजा उन बुरे काम करणीया नैँ दाइ देण अर आच्छे काम करणीया नैँ सम्मानित करण खात्तर इस्तमाल करैँ सै। 15 परमेसवर चाहवैँ सै के थम भले काम करो ताके थम उन बेकूफ माणसां नैँ जो परमेसवर नैँ न्ही जाणदे, अर थारे पै झूठे दोष लगावैँ सै, उन ताहीं रोक सको। 16 थारे खात्तर भी इसा कोए कोनी जो थारे ताहीं रोक सकैँ, जो थम करणा चाहवो सों, क्यूँके यीशु मसीह के जरिये थम आजाद करे गये सों, पर इस बात नैँ थम बुरे काम करण का बहाना ना बणाओ, पर अपने काम्मां के जरिये दिखाओ के थम परमेसवर के सच्चे दास सों। 17 सब का आदर करो, विश्वासी भाईयाँ तै प्यार करो, परमेसवर तै डरो, राजा का आदर करो 18 हे सेवको थम जो घर म्ह काम करो सों, अर विश्वासी भी सों, अपने मालिकां का कहणा मान्नी अर सदा उनका आदर करो, हरेक ढाळ के मालिक के साथ इसाए बरताव करो, चाहे वो भले हो, नग्र हो, या फेर चाहे वे बुरे हो। 19 क्यूँके जैँ हम दुख ठान्दे, फेर भी जिब म्हारी कोए गलती भी ना हो, तोभी हम इस खात्तर सह लेवां सां, क्यूँके हमनैँ बेरा सै, के परमेसवर सब कुछ जाणैँ सै, परमेसवर इसतैँ ए खुश होवैँ सै। 20 क्यूँके जैँ थमनैँ अपराध करके घुँसे खाए, अर धीरज राख्या, तो इस म्ह के बड़ाई की बात सै? पर जैँ भला काम करके दुख ठाया हो अर धीरज राख्या हो, तो यो परमेसवर नैँ भावैँ सै। 21 अर थम इस्से कैँ खात्तर बुलाए भी गये सो, क्यूँके मसीह भी थारे खात्तर दुख ठाके थारे ताहीं एक बढ़िया नमूना दे ग्या सै, ताके थम भी उसके नक्शे-कदम पै चाल्लों। 22 पवित्र ग्रन्थ म्ह मसीह के बारेँ म्ह न्यू लिख्या सै, के “ना तो उसनैँ पाप करया अर ना उसके मुँह तै छळ-कपट की कोए बात लिक्डी।” 23 वो गाळी सुणके गाळी कोनी देवैँ था, अर दुख ठाके किसे ताहीं भी धमकी कोनी देवैँ था, पर अपने-आप ताहीं परमेसवर के हाथ म्ह सोंप दिया, जो धार्मिकता तै न्याय करैँ सै। 24 वो आप ए म्हारे पापां नैँ अपनी देह पै लिये होए क्रूस पै चढ़ गया, जिसतैँ हम पापां के खात्तर मरके धार्मिकता के खात्तर जीवन बितावां, उस्से कैँ मार खान तै थम चंगे होए। 25 क्यूँके थम पैहल्या भटकी होइ भेड्डाँ के बरगे थे, पर इब अपने जीवन के रुखाळे अर पाळी के धोरे बोहड़ आए सों।

3 हे बिरबानियों, थम भी अपने धणी के अधीन रहो, अर जैँ थारे पिता परमेसवर के वचन पै विश्वास करण तै मना करैँ सै, तो जिस तरियां थम उनतैँ बरताव करो सों, उसकी बजह तै थारे बिना कहे वे विश्वास करैँगे, वो मसीह पै जिब विश्वास करैँगे, जिब वो थारा शुद्ध अर भक्तिमय जीवन नैँ देखखेंगे। 3 बाहरली की खूबसूरती के बारेँ म्ह चिन्ता ना करैँ, जिस तरियां खूबसूरती तै बाळ ढूँथणा, महँगे गहणे, या सुधरे लत्तें पैहरणा। 4 पर थारा भीतरी माणसपण, नम्रता अर दीनता जिसे अविनाशी गुणा तै सजा हो, क्यूँके परमेसवर की निगाँह म्ह इसका मोल बड़ाई सै। 5 पैहले बखत म्ह पवित्र बिबान्नी भी, जो परमेसवर पै विश्वास अर आस राक्खे थी, वे अपने-आपनैँ नैँ इस्से तरियां तै सिंगारे थी, अर अपने-अपणे धणी का हुकम मान्नी थी। 6 जिस तरियां सारा अब्राहम के हुकम म्ह रहवैँ थी, अर उसनैँ स्वामी कहा करैँ थी। इस्से ढाळ थम भी जैँ दुसरयां की भलाई करो, अर थमनैँ किसे बात का डर ना हो, तो थम सारा की बेटियाँ की तरियां होओगी। 7 इस्से तरियां ए हे पतियों, थम अपनी पत्नियाँ के साथ मेळ-मिलाप के साथ रहों, अर सोच्छों के उनकी मदद किस तरियां करी जा सकैँ सै, थमनैँ

यो बेरा होणा चाहिए के बिरबान्नी थारे तै कमजोर सै, इस करके थमनैँ उनका आदर करणा चाहिए, क्यूँके थम दोन्नु उस वरदान के साझेदार सों, जिसा के परमेसवर नैँ थारे ताहीं दिया सै, जो के अनन्त जीवन सै, यो इस खात्तर करो ताके जिब थम परमेसवर तै प्रार्थना करो तो वो थारी सुणैँ। 8 आखरी म्ह मै कहणा चाहूँ सूँ, के थम एक मन हो जाओ, एक-दुसरे तै भाई-भाण की तरियां प्यार करो, एक-दुसरे के बाबत दयालु रहो, अर नरम बणो। 9 बुराई कैँ बदले बुराई ना करो अर ना गाळी कैँ बदले गाळी द्यो, पर इसके उल्ट आशीष ए द्यो, क्यूँके परमेसवर नैँ थारे ताहीं इस खात्तर बणाया सै, के थम दुसरयां के खात्तर आशीष बण सकों, जैँ थम इसा करोगे, तो परमेसवर थारे ताहीं भी आशीष देवेगा। 10 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ कहवैँ सै, के “जैँ कोए इन्सान जिन्दगी का आनन्द ठाणा चाहवैँ सै, अर आच्छे दिन देखणा चाहवैँ सै, तो वो ध्यान राक्खे के बुरी बातें अर जो बात सच न्ही उन ताहीं ना बोल्लो। 11 जो बुरे काम सै, उन ताहीं करणा छोड़ दे, इसकी बजाए वो भले काम करैँ, अर एक-दुसरे के साथ शान्ति तै रहण का पूरा जतन करैँ। 12 क्यूँके प्रभु की आँख धर्मियाँ पै लागी रहवैँ सै, अर उसके कान उनकी बिनती की ओइ लागे रहवैँ सै, पर प्रभु बुराई करण आळे तै दूर रहवैँ सै।” 13 जैँ थम सदा भले काम करो तो कोए थमनैँ नुकसान न्ही पहुँचा सकदा। 14 जैँ थम धार्मिकता के कारण दुख भी ठाओ, तो थम धन्य सों, पर माणसां के डराण तै ना डरो, अर ना घबराओ, 15 पर अपने-अपणे मन म्ह मसीह के प्रति आदर राक्खों, अर उस ताहीं अपना प्रभु जाणो। जो कोए थारे तै थारी आस कैँ बारेँ म्ह बुझैँ, जो हम विश्वासियाँ की सै, तो उस ताहीं जवाब देण के खात्तर सारी हाण त्यार रहो, पर नम्रता अर आदर कैँ गैल उस ताहीं जवाब द्यो। जो सही सै वोए करो, जैँ माणस थारे बारेँ म्ह बुरा बोल्लैँ सै, तो वो खुद शर्मिन्दा होवेंगे, जिब वो थारे आच्छे चाल-चलण नैँ देखखेंगे, क्यूँके मसीह के गैल थारा गहरा रिश्ता सै। 17 कई बार परमेसवर म्हारे ताहीं दुख अर मुसीबतां तै गुजारे सै, भलाए हम भला काम करदे हो, पर यो म्हारे खात्तर आच्छा सै, बजाए इसके के हम बुरे काम्मां के कारण दुख अर मुसीबत ठावां। 18 मसीह नैँ भी म्हारे पापां खात्तर एके बार अपनी जान दे दी, यानी के एक धर्मी नैँ सारे अधर्मियाँ खात्तर दुख ठाया, ताके वो थमनैँ परमेसवर तक ले जावैँ, उसकी शारीरिक मौत तो होई पर परमेसवर की आत्मा ताहीं जरिये वो जिन्दा करया गया। 19 तब उसकी आत्मा नैँ उन आत्मायाँ ताहीं सुसमाचार सुणाया, अर प्रचार करया जो उस जगहाँ पै परमेसवर के जरिये केद करी गई थी, जित्त मरे होए लोगां की आत्मा रहवैँ सै। 20 ये वो आत्मा सै, जिननैँ परमेसवर का भोत पैहले कहणा न्ही मान्या। जिब नूह जहाज बणाण लागरया था, तो परमेसवर धीरज तै देखण लागरया था, के ये लोग माफी माँगैँ सै के न्ही, पर पाणी नैँ पूरी दुनिया ताहीं नाश करया सिर्फ आठ माणस जो जहाज म्ह बचे थे। 21 उस्से पाणी का उदाहरण भी, यानिके वपतिस्मा, यीशु मसीह के जी उठण के जरिये, इब थमनैँ बचावैँ सै, इसतैँ देह का मैल दूर करण का मतलब न्ही सै, पर शुद्ध अन्तरात्मा तै परमेसवर के पाच्छे हो जाणा सै। 22 वो सुर्ग पै जाके परमेसवर के सोळी ओइ बैठ गया, अर सुर्गदूत अर अधिकारी अर सामर्थी उसके अधीन करे गये सै।

4 इस करके मसीह नैँ दुख ठाया जिब उसनैँ देह रूप धारण करया, थारा भी रविया उस्से तरियां दुख उठाण का होणा चाहिए, जिसा उसका था, क्यूँके जैँ थमनैँ मसीह खात्तर दुख ठाण की सोच ली सै, तो थमनैँ पाप ना करण की भी सोच ली सै, ताके आगँ तै कदे थम पाप ना करो। 2 उस कारण वो इन्सान अपनी बाकी की जिन्दगी, इस दुनिया म्ह पापमय अभिलाषायों नैँ पूरी करण के खात्तर न्ही इस्तमाल करदा, पर वो, वो करैँ सै जो परमेसवर उस ताहीं करण के खात्तर कहवैँ सै। 3 पैहले थमनैँ भोत सारा बखत वो काम करण म्ह बेकार कर दिया जिस म्ह गैर विश्वासी खुशी मनावैँ सै, जिस तरियां लुचपण की बुरी अभिलाषाओ, मतवाळापण, लीलाक्रीडा, दारू-बाजी, जारी अर घृणित मूर्तिपूजा जिसे काम्मां तै परमेसवर नफरत करैँ सै। 4 इस कारण थारे पुराणे मित्तर अचम्भा करैँ सै, के थम इसे अधांधुध

लुचपण म्ह उनका साथ न्ही देदे, अर वे इब थमने गाळी देवे सै। 5 पर वे उसने जो जिन्द्यां अर मेरे होए माणसां का न्याय करण नै त्यार सै, लेक्खा देवेगें। 6 योए कारण सै के सुसमाचार उन माणसां ताहीं सुणाय्या गया, जो इब मर चुके सै, हालाकि वे सब माणसां की तरियां मरण कै जोगे ए थे, इब वे आत्मा म्ह परमेसवर के साथ हमेशा कै खात्तर रहवै सै। 7 सारी बात्तां का अन्त तावळा होणआळा सै, इस करके सावधान रह अर शान्त मन राख ताके तू प्रार्थना कर सकै। 8 सारया म्ह बढ़िया बात या सै के एक-दुसरे तै घणा प्यार करो, क्यूँके जै थम माणसां तै प्यार करोगे तो थम उन ताहीं माफ करण खात्तर तैयार रहोगे, जो थारा बुरा करै सै। 9 बिना कुडकुड़ाए एक-दुसरे की मेहमान-नवाजी करो। 10 हरेक इन्सान ताहीं परमेसवर के जरिये काबलियत मिली सै अर वो उस काबलियत नै दुसरे लोगां की मदद करण खात्तर इस्तमाल करै, वो परमेसवर के आच्छे सेवक की तरियां उसके अनुग्रह के जरिये दिए गए वरदानां का बढ़िया इस्तमाल करै। 11 जै थारे धौरे प्रचार करण का वरदान सै, तो थमनै परमेसवर के वचन का प्रचार करणा चाहिए, जै थारे धौरे दुसरयां की मदद करण का वरदान सै, तो उस शक्ति तै करो जो परमेसवर नै थारे ताहीं दी सै, फेर जो भी काम करोगे, यीशु मसीह के जरिये परमेसवर नै महिमा मिलेगी, सारी महिमा अर सामर्थ युगानुयुग उससे का सै। आमीन। (aiōn g165) 12 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, उन दुखां कै खात्तर अचम्भा ना करो जो थम सहण लागरे सों, क्यूँके थम मसीह के कुहाओ सों, ये चीज इस खात्तर होण लागरी सै, क्यूँके सचमुच थम यीशु पै बिश्वास करो सों, तो इसा ना समझो के अनोक्खी बात थारे ए गैल होण लागरी सै। 13 इस बात खात्तर खुश होओ, के थम मसीह के दुख म्ह साझेदारी हो सके, उस बजह तै जिब मसीह बोहड़ के आवेगा, अपणी महिमा लोगां नै दिखाण खात्तर, तो थम खुशी तै भर जाओगे। 14 फेर जै मसीह के नाम के खात्तर थारी बुराई करी जावे सै तो थम धन्य सो, क्यूँके परमेसवर की महिमामय आत्मा सै जो थारे म्ह रहवै सै। 15 जै दुख ठाओ सों, तो यो दुख खून्नी, चोर, किसे बुरे काम, या किसे और के काम म्ह दखलंदाजी करण के कारण न्ही होणा चाहिए। 16 पर जै मसीह होण कै कारण दुख पावै, तो शर्मिन्दा ना होइयो, पर इस बात कै खात्तर परमेसवर की महिमा करो, क्यूँके थम उसके कुहाओ सों। 17 क्यूँके वो बखत आण पोंहच्या सै, के पैहल्या परमेसवर के माणसां का न्याय करया जावेगा, अर जिब के न्याय की शरुआत म्हारे ए तै होगी, तो उनका के अन्त होगा जो परमेसवर के सुसमाचार नै न्ही मानते? 18 जिसा पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के “जै धर्मी माणस ए मुश्किल तै उद्धार पावेगा, तो भगतिहीन अर पापी का के ठिकाणा?” 19 ज्यांतै जो परमेसवर की मर्जी के मुताबिक दुख ठावै सै, उननै परमेसवर पै सदा बिश्वास करते रहणा चाहिए, जिसनै उन ताहीं बणाया सै। परमेसवर नै जो भी वादा करया सै, उस ताहीं वो हमेशा पूरा करै सै, इस खात्तर हमनै हमेशा भलाई करदे रहणा चाहिए।

5 थारे म्ह जो कलीसिया के अगुवें सै, मै थारे ताहीं कुछ बताणा चाहूँ सूं, क्यूँके मै थारी तरियां बुजुर्ग सूं, मनने खुद वे दुख देखे सै, जो मसीह नै भोत पैहले सहे सै, जिब वो बोहड़ के आवेगा तो मै भी उसकी महिमा म्ह शामिल होऊँगा। 2 जिस तरियां एक पाळी भेड्या की रुखाळी करै सै, उससे तरियां थमनै भी उन लोगां की रुखाळी करणी चाहिए, जिन ताहीं परमेसवर नै थारे ताहीं सौप्या सै, अर यो मजबूरी म्ह न्ही पर खुद की इच्छा तै राज्जी होके करो, क्यूँके परमेसवर यो चाहवै सै के थम इसाए करो, पर इसा काम पईसा कै खात्तर न्ही पर परमेसवर अर माणसां की सेवा करण खात्तर करो। 3 उन माणसां पै हक ना जमाओ, जो थारे ताहीं सौंपे गये सै, पर उनके खात्तर बढ़िया मिसाल बणो। 4 जिब प्रभु यीशु मसीह जो के पाळीयां का प्रधान बोहड़ के आवेगा, तो थारे ताहीं वो महिमा का मुकुट दिया जावेगा जिसकी चमक कदे न्ही जावेगी। 5 इससे ढाळ हे जवान्नां, थम भी कलीसिया के अगुवां का कहणा मान्ने, बल्के थम सारे के सारे दीनता तै एक-दुसरे की सेवा करते रहो, क्यूँके हम पवित्र ग्रन्थ म्ह पढ़ा सां, के

“परमेसवर घमण्डियां का बिरोध करै सै, पर दीन पै अनुग्रह करै सै।” 6 इस करके परमेसवर के स्याम्ही दीन बणो, जो थमनै बचा सकै, ताके वो थमनै सही बखत आण पै बढ़ा सकै। 7 अपणी सारी चिन्ता परमेसवर ताहीं दे दो, क्यूँके उसनै थारा ध्यान सै। 8 सावधान रहो, अर जागदे रहो, क्यूँके थारा बिरोधी शैतान गरजनआळे शेर की ढाळ इस टाह म्ह रहवै सै, के किसनै पाड़ खावै, ताके थम परमेसवर की राह ना चाल सको। 9 बिश्वास म्ह मजबूत होके, अर न्यू जाणके उसका सामना करो, के थारे भोत-से बिश्वासी भाई जो दुनिया म्ह इसेए दुख सहण लागरे सै। 10 इब परमेसवर जो सारे अनुग्रह का दाता सै, जिसनै थारे ताहीं मसीह म्ह अपणी अनन्त महिमा के खात्तर बुलाया, थारे कुछ बखत तक दुख ठाण के पाच्छे आप ए थमनै सिध्द अर स्थिर अर मजबूत करैगा। (aiōnios g166) 11 उससे का साम्राज्य युगानुयुग रहवै। आमीन। (aiōn g165) 12 मननै या छोटी चिट्ठी लिखके सिलवानुस के हाथ थारे धौरे भेजी सै, जिस ताहीं मै मसीह म्ह बिश्वास जोग्गा भाई समझूँ सूं, मेरे लिखण का यो मकसद सै के मै थारे ताहीं उत्साहित कर सकूँ, अर थारे ताहीं बिश्वास दिला सकूँ, के जो थम अनुभव करण लागरे सों, वो असलियत म्ह परमेसवर की करुणा का हिस्सा सै, थम उस कृपा म्ह बणे रहों। 13 जो बिश्वासी बेबीलोन नगर म्ह सै, उन ताहीं भी परमेसवर नै चुण्या सै, जिस तरियां थारे ताहीं चुण्या, उनका अर मरकुस जो मेरे बेटे की तरियां सै, उसका थारे ताहीं नमस्कार। 14 आप्पस म्ह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलके प्यार तै नमस्कार करो। थम सारया ताहीं, जो मसीह म्ह हो, थमनै शान्ति मिलदी रहवै।

2 पतरस

1 या चिट्ठी शमोन पतरस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का दास अर प्रेरित सै, उन माणसां के नाम सै, जिन नै म्हारे परमेसवर अर उद्धारकर्ता यीशु मसीह की धार्मिकता के जरिये म्हारी तरियां बेसकिमती बिश्वास पाया सै। 2 मै प्रार्थना करूँ सूँ, के परमेसवर थारे ताहीं ज्यादा तै ज्यादा अनुग्रह अर शान्ति दे, जिस तरियां थम परमेसवर के ज्ञान अर म्हारे प्रभु यीशु मसीह म्ह बड़ण लागरे सों। 3 परमेसवर जिसनै अपना शक्ति के जरिये म्हारे ताहीं वो सब दिया सै, जो हमनै भगतिमय जिन्दगी जीण खात्तर चाहिण, यो इस खात्तर मुमकिन सै, क्यूँके हम परमेसवर नै जाणा सां, अर उसनै अपना महिमा अर सदगुणा के मुताबिक अपने माणस होण खात्तर बुलाया सै। 4 अर उसकी महिमा अर भलाई के कारण उसनै म्हारे ताहीं बड़े महान अर कीमती वादे करे सै, ताके इनके जरिये थम इस दुनिया की बुरी लालसा तै बच जाओ, जिन ताहीं वे लोग करणा चाहवै सै, जो मसीह पै बिश्वास न्ही करदे, पर थम ईश्वरीय सुभाव के गैल-साइड़ी हो जाओ। 5 इस कारण थम सिर्फ मसीह पै बिश्वास करण आळे न्ही, पर हमेशा दुसरयां की भलाई करण म्ह लागे रहों, अर सिर्फ भलाई ए न्ही बल्के बुधिदमानी तै बरताव करण आळे भी बणो। 6 थम सिर्फ बुधिदमानी तै ए बरताव करण आळे न्ही बल्के अपने-आप पै काबू राखण आळे भी बणो, अर अपने-आप पै काबू राखण आळे ए न्ही बल्के दुखां नै धीरज तै सहण आळे भी बणो, अर दुखां नै धीरज तै सहण आळे ए न्ही बल्के भगति म्ह जिन्दगी बिताण आळे भी बणो। 7 ना सिर्फ थम परमेसवर नै भावण आळी जिन्दगी जिओ, बल्के बिश्वासियां तै भी अपने परिवार के माणस की तरियां प्यार करण आळे, एक-दुसरे ताहीं अपने परिवार के माणस की तरियां प्यार करण आळे ए न्ही बल्के सब नै प्यार करण आळे भी बणो। 8 जै थारे म्ह ये गुण मौजूद सै अर जै थारे म्ह इनकी बढ़ोतरी होण लागरी सै तो इनके कारण थम म्हारे प्रभु यीशु मसीह के सम्पूर्ण ज्ञान म्ह ना तो निकम्मे अर ना बिना फळ के होओगे। 9 जै कोए इन्सान इसी जिन्दगी न्ही बितान्दा, तो वो उस इन्सान की तरियां सै, जो सही तै न्ही देख पान्दा, अर वो आन्धा सै। वो भूल जावै सै के परमेसवर नै उसके पाप माफ कर दिवै, जो उसनै मसीह पै बिश्वास करण तै पैहले करे सै। 10 इस कारण हे बिश्वासी भाईयो, आच्छा करण की कोशिश करदे रहों, ताके थम अपने-आपनै अर दुसरे माणसां नै दिखा सको, के परमेसवर नै थारे ताहीं चुण्या सै, अर बुलाया सै। जै थम इसाए करदे रहों, तो थम कदे भी परमेसवर तै अलग न्ही होओगे। 11 बल्के इस तरियां तै थम म्हारे प्रभु अर उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य म्ह बड़े आदर के गैल बड़ण पाओगे। (aiōnios g166) 12 ज्यांतै हालाकि थम ये बात जाणो सो, अर जो सच्चा वचन थारे ताहीं मिल्या सै उस म्ह बणे रहो सो, तो भी मै थारे ताहीं ये बात याद दुवाण खात्तर सारी हाण त्यार रहूँगा। 13 मै यो जाणू सूँ के जब तक मै जिन्दा सूँ, यो सही सै, के मै उन बातां के बारे म्ह थारे तै बात करदा रहूँ, ताके थम इन बातां नै कदे भूल ना जाओ। 14 क्यूँके मै जाणू सूँ के मै तावळा मरण आळा सूँ, अर प्रभु यीशु मसीह नै मेरे ताहीं इस बारे म्ह बता दिया सै। 15 ज्यांतै मै इसी कोशिश करूँगा, के मेरे इस दुनिया तै जाये पाच्छै, थम इन सारी बातां नै सारी हाण याद कर सको। 16 क्यूँके जब हमनै थारे ताहीं, अपने प्रभु यीशु मसीह की सामर्थ अर बोहड़ण की खबर दी थी, तो हमनै श्याणपत तै गद्दी होई कहींनियों का सहारा कोनी लिया, बल्के हमनै आप ए उसके प्रताप ताहीं देखा था। 17 क्यूँके जब उसनै परमेसवर पिता तै आदर अर महिमा पाई जो के प्रतापमय महिमा सै, हमनै उस ताहीं यो कहन्दे सुणा, “यो मेरा प्यारा बेटा सै, जिसतै मै राज्जी सूँ।” फेर हम उसके गेल्या पवित्र पहाड़ पै थे, अर सुर्ग तै योए बोल आन्दे सुणया। 19 हम जाणा सां के जो वचन नबियां नै मसीह के बारे म्ह लिख्या सै, वो सच सै, थम इन वचनां नै गौर तै सुणो, जिस तरियां अन्धकार म्ह दीवै का चाँदणा, माणसां नै राह दिखावै सै, उससे तरियां ये वचन भी सच्चाई नै जाणण म्ह

थारी मदद करैंगे, थम इन वचनां नै ध्यान तै सुणते रहो, जब तक के यीशु मसीह बोहड़के ना आ जावै। उसका आणा एक नये दिन की सुबह की तरियां सै, जो उजाळा लेके आवै सै, अर वो सुबह के तारे की तरियां होगा। उस बखत उसका चाँदणा थारे मन म्ह चमकैगा, अर परमेसवर नै साफ तौर पै थारे पै जाहिर करैगा। 20 पर सबतै पैहले यो जाण ल्यो के पवित्र ग्रन्थ की कोए भी भविष्यवाणी, खुद नबियां का अपना विचार कोनी 21 क्यूँके कोए भी भविष्यवाणी माणस की मर्जी तै कदे न्ही होई, पर भगतजन पवित्र आत्मा के जरिये उभारे जाके परमेसवर की ओड़ तै बोल्लै थे।

2 जिस तरियां इसाएली माणसां म्ह झूठे नबी थे, उससे ढाळ थारे म्ह भी झूठे शिक्षक होंगे, वे थारे ताहीं चुपके तै झूठी शिक्षा सिखावेंगे, जिसकी बजह तै लोग मसीह पै बिश्वास न्ही करैंगे, वे झूठे शिक्षक मसीह ताहीं अपना प्रभु न्ही मानैंगे, जिसनै उन ताहीं मोल लिया सै, अर पाप की शक्ति तै आजाद करया सै, इस तरियां वे चाणचक अपने-आप ताहीं नाश कर लेवेंगे। 2 घणखरे जो कहवेंगे के हम बिश्वासी सां, वे उनकी ढाळ लुचपण के सुभाव नै अपनावेंगे, अर उनके कारण जो लोग बिश्वासी कोनी सच के राह की बुराई करैंगे। 3 ये शिक्षक लालची होंगे, अर थारे तै धन पाण के खात्तर मनखन्त कहॉनी सुणाके थारे ताहीं धोक्खा देवेंगे, परमेसवर नै भोत पैहले फैसला ले लिया था, के वो उन ताहीं दण्ड देवैगा, अर वो यो करण आळा सै, वो सच म्ह उन ताहीं नाश करण आळा सै। 4 क्यूँके जब परमेसवर नै उन सुर्गदूतां ताहीं जिननै पाप करया था, उन ताहीं माफ न्ही करया, पर उन ताहीं नरक म्ह भेजके अँधेरे कुण्डां म्ह गेर दिया ताके न्याय के दिन ताहीं कैदी रहवै। (Tartarōō g5020) 5 थम यो भी जाणो सों, के जो लोग भोत पैहले जिन्दा थे, उन म्ह परमेसवर का भय न्ही था, परमेसवर नै उनकी बुराईयां ताहीं नजरअंदाज कोनी करया, जो उननै करी थी, पर उन ताहीं बाढ़ के जरिये नाश कर दिया, उन म्ह तै परमेसवर नै आठ माणसां ताहीं बचाया जिस म्ह नूह भी था, जिसनै धार्मिकता का प्रचार करया। 6 थम यो भी जाणो सों, के जो लोग भोत पैहल्या सदोम अर अमोरा के नगर म्ह रहवै थे, परमेसवर नै उन ताहीं भी दण्ड दिया, क्यूँके उननै भोत बुरे काम करे थे, अर उन ताहीं आग म्ह भस्म करके राख बणा दिया। इसा करण के जरिये उसनै दिखा दिया, के उन माणसां का के होगा जो उसका कहणा न्ही मानते। 7 सदोम नगर का नाश करण तै पैहले उसनै, लूत जो के एक धर्मी माणस था, उस ताहीं उस नगर तै लिकाड़के उस ताहीं बचा लिया। लूत दुखी था क्यूँके सदोम नगर के लोग परमेसवर का कोए भी हुकम कोनी मान्ने थे, अर वे भोत बुरे काम करे थे। 8 वो उन बुरे माणसां के बीच म्ह रहवै था, अर हरेक दिन उनके बुरे कामां नै देखखै था जो वे करे थे, अर बुरी बातां नै सुणै था जो वे बोल्लै थे, अर ये सारी बात उस ताहीं दुखी करै थी, क्यूँके वो धर्मी माणस था। 9 वे सारी बात जो परमेसवर नै पुराणे बखत म्ह करी सै, वे ये दिखावै सै, के परमेसवर पवित्र माणसां नै मुसीबतां तै किस तरियां बचावै सै, अर न्याय होण के दिन तक बुरे माणसां नै लगातार दण्ड दिया जावै। 10 परमेसवर बुरे माणसां नै दण्ड देवैगा, खास करके उन झूठे शिक्षकां नै जो अशुद्ध अभिलाषायां के पाच्छे देह के मुताबिक चाल्दे, अर प्रभुता नै तुच्छ जाणै सै। वे दूध, अर जिदी सै, अर सुर्गीय चिज्जां के बारे म्ह आच्छा-भुंदा कहण तै न्ही डरदे। 11 तोभी सुर्गदूत जो झूठे शिक्षकां तै अर सामर्थ म्ह उनतै बड़े सै, प्रभु के स्याम्ही जब उन झूठे शिक्षकां पै दोष लगावै सै तो वे अपमानजनक बात कहके उनकी बुराई न्ही करदे। 12 पर ये झूठे शिक्षक जंगली-जानवरों की तरियां सै, ये जानवर न्ही जाणते के किस तरियां सोचणा सै, अर उनका मकसद पकड़े जाणा अर मरणा सै। ये लोग भी वोए काम करे सै जो इनके मन म्ह आवै सै, अर उन चिज्जां के बारे म्ह बुराई करे सै, जिसके बारे म्ह वे न्ही समझते, वे नाश हो जावेंगे। 13 दुसरयां का बुरा करण के बदले उन्हे का बुरा होवैगा। उननै दिन-दोफारी म्ह भोग-विलास करणा आच्छा लागै सै। ये थारे पै कलंक अर दोष सै, जब वे थारे गेल्या प्रीति भोज म्ह शामिल होवै सै, तो अपने छलावे का आनन्द ले

सै। 14 वो हरेक जनानी नै देखके उसके साथ जारी करणा चाहवै सै, अर पाप करण का मौक्का तोहवै सै, ये उन माणसां ताहीं धोक्खा देवे सै जो परमेसवर पै पक्का बिश्वास कोनी राखदे, अर उन ताहीं पाप करण खात्तर उकसावै सै, उनकी सदा बढ़दी रहण आळी लालसा के कारण परमेसवर उन ताहीं दण्ड देवैगा। 15 उननै वो करणा छोड़ दिया सै, जो सही सै, अर उननै बओर के बेट्टे बिलाम की तरियां बुरे काम करणे शुरु कर दिए, जो उसनै भोत पैहले करे थे, क्यूँके उसनै बुरे कामां तै पईसा कमाणा चाह्वा। 16 पर परमेसवर नै बिलाम नबी की गधी के जरिये उस ताहीं डांटा-फटकारा जो बुरे काम वो करण जावै था, हालाकि गधी जो बोल नही सके थी, उसनै बिलाम नबी तै इन्सान की वाणी म्ह बात करी, जिब वो राजा तै मिलण जाण लागरया था, तो गधी नै बिलाम नबी ताहीं उसके बावळेपण तै रोक्या। 17 ये झूठे शिक्षक उस बेकार पाणी के चोवे की तरियां सै जो सूख लिया सै, अर ये उस बाढ़ळ की तरियां भी सै जिस ताहीं बारिस तै पैहले हवा उड़ा ले जावै सै, परमेसवर नै उन खात्तर, अनन्त अन्धकार म्ह जगहाँ राक्खी सै। (questioned) 18 जिब वे माणसां नै सिखावै सै तो वो बेकार के अर घमण्डी शब्दां नै इस्तमाल करे सै, वे माणसां नै समझावै सै के वो बुरे काम कर सके सै जो उनकी देह करणा चाहवै सै, अर उन माणसां तै भी दुबारा धोक्खे तै पाप करवाणा चाहवै सै, जो बुरी जिन्दगी तै बाळ-बाळ बचे सै। 19 ये झूठे शिक्षक माणसां ताहीं कहवै सै के थम सारे काम करण खात्तर आजाद सों, जो थम करणा चाहों सों, पर वो खुद गुलाम की तरियां सै, क्यूँके उनका पापी सुभाव उन ताहीं बुरे काम करवावै सै, थम हर उस चीज के गुलाम सों जो थमनै काब्बू करे सै। 20 माणस इस दुनिया की बुराईयां तै भाज्जै सै जिब वो मसीह यीशु नै अपना उद्धारकर्ता मान लेवे सै, पर वे फेर तै बुरे काम करण लागे सै, अर वे बुरी चीज उन ताहीं काब्बू म्ह राक्खे सै, इब उनकी दशा जो के मसीह नै छोड़ देण तै सै, वो पैसळ्डी दशा तै भी भुंडी सै, जिब उननै मसीह पै बिश्वास करया था। 21 मेरे कहण का मतलब यो सै, के परमेसवर उन माणसां ताहीं घणा दण्ड देवैगा जो मसीह ताहीं छोड़ देवे सै, उन माणसां तै ज्यादा जो उस ताहीं कदे नही अपनादे, उन खात्तर यो ठीक होन्दा के वो कदे नही जाणते के धार्मिकता का जीवन किस तरियां जीणा सै, उन ताहीं बेरा सै के सही के सै, पर वो परमेसवर के हुकम नै कोनी मानते जो हम प्रेरितां नै उन ताहीं सिखाये सै। 22 उनपै ये दो कहावत सही बेट्टे सै, के कुत्ता अपना उलटी नै चाटै सै, अर नुहाई होई सुरी कीचड़ म्ह लोट्टण के खात्तर फेर चली जावे सै।

3 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, इब मै थारे ताहीं दुसरी चिट्ठी लिक्खूँ सूं, अर मै दोन्नु चिट्ठियाँ म्ह थारे ताहीं कुछ चीज याद दुआ के थमनै सही ढंग तै सोच्यण खात्तर उत्साहित करण की कोशिश करण लागरया सूं, जो थमनै पैहले तै सीख ली सै। 2 मै यो इस करके करण लागरया सूं, क्यूँके मै थमनै उन नबियाँ के शब्द याद दुवाणा चाहूँ सूं, जो उननै भोत पैहले कहे अर प्रभु यीशु मसीह जो म्हारा उद्धारकर्ता सै, उसकी शिक्षा जो थमनै उन प्रेरितां तै सीखी जो थारे धौरे आए थे। 3 यो जाण ल्यो के आखरी के दिनां म्ह मसीह के आण तै पैहल्या भोत-से इसे माणस होवेंगे जो थारा मजाक उड़ावेंगे, क्यूँके थम बिश्वास करो सों के मसीह बोहड़ के आवैगा, अर वे बुरे तै बुरा काम करेंगे जो उन ताहीं खुश करे सै। 4 अर कहवेंगे, “उसके आण का वादा किन्त गया? क्यूँके जिब तै उनके पूर्वज सों ग्ये सै, सारा किमे उस्से तरियां ए सै जिस तरियां सृष्टि की शुरुआत तै था?” 5 वो इस करके कहवेंगे क्यूँके वो भूलणा चाहवै सै, के परमेसवर के वचन के जरिये अकास पुराणे बखत तै विद्यमान सै। उसनै धरती ताहीं भी पाणी म्ह तै बणाया अर पाणी तै न्यारा करया। 6 यो उनके मजाक का ए नतिज्जा था, के बाद म्ह उसनै एक बड़ी बाढ़ के जरिये इस दुनिया ताहीं पाणी म्ह डूबो के नाश कर दिया। 7 पर परमेसवर नै इब के बखत का अकास अर धरती उस्से वचन के जरिये ज्यांते राख राक्खे सै, के जळाए जावै, अर ये भगतिहीन माणसां के न्याय अर नाश होण के दिन ताहीं इसेए धरे रहवेंगे। 8 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, या बात थारे

तै लुक्की ना रहवै के प्रभु के उरै एक दिन हजार साल के बराबर सै, अर हजार साल एक दिन के बराबर सै, उसके खात्तर दोन्नु एक्के सै। 9 प्रभु अपना वादे के बारे म्ह वार नही करदा, जिसी देर कुछ माणस समझै सै, पर थारे बारे म्ह धीरज धरै सै, अर नही चाहन्दा के कोए नाश हो, बल्के यो, के सारया ताहीं मन पलटन का मौक्का मिलै। 10 पर मसीह जरुर बोहड़ के आवैगा, उस दिन अकास म्ह बड़ा गरजण होगा अर अकास गायब हो जावैगा, जो कुछ अकास म्ह सै जिस तरियां सूरज, चाँद अर तारे ये सब आग म्ह पूरी तरियां जळ जावेंगे, उस दिन परमेसवर सब जाहिर करेगा, अर इस दुनिया म्ह होण लागरे सारे कामां का भी न्याय करेगा। 11 जिब के ये सारी चीज इस तरियां तै पिघळ के खतम होण आळी सै, तो थारे ताहीं पवित्र चाल-चलण अर भगति म्ह किस ढाळ का माणस होणा चाहिये, 12 जिब थम उस दिन की बाट देखो सों जिब परमेसवर इस दुनिया का न्याय करण आवैगा, तो उस दिन ताहीं तावळा ल्याण खात्तर पूरी कोशिश करो, उस दिन आग अकास ताहीं जळा के भस्म कर देवैगी अर जो कुछ अकास म्ह सै उस ताहीं गर्मी पिघळा देवैगी। 13 पर उसके वादे के मुताबिक हम एक नये अकास अर नयी धरती की आस देखेकां सां, जिस म्ह परमेसवर की धार्मिकता वास करेगी। 14 जिब के थम इन बाततां नै पूरा होण की बाट देखो सों तो थम इसी जिन्दगी जिओ जो परमेसवर नै पसन्द सै यानी थम एक-दुसरे के साथ शान्ति तै उसके स्याम्ही बेदाग अर बेकसूर रहे। 15 यो जाण ल्यो के, क्यूँ म्हारा प्रभु धीरजवान सै? क्यूँके वो माणसां नै कुछ और बखत देणा चाहवै सै, ताके वो पाप करणा छोड़ दे, अर वो उन ताहीं बचा सके, जिब म्हारा संगी बिश्वासी भाई पौलस जिसतै हम प्यार करां सां, उसनै परमेसवर के ज्ञान के जरिये थारे ताहीं लिख्या सै, उसनै भी थारे ताहीं येए बात बताई सै, जो मन्ने थारे ताहीं बताई सै। 16 उस्से तरियां ए उसनै अपनी सारी चिट्ठियाँ म्ह भी जो बिश्वासियाँ ताहीं लिखी सै इन बाततां का जिक्र करया सै, जिन म्ह कुछ बात इसी सै जिनका समझणा ओक्खा सै, अर अनपढ़ अर चंचल माणस उनके मतलबां नै गलत तरिके तै बतावै सै जिसा वो पवित्र ग्रन्थ की दुसरे वचनां का गलत मतलब लिकाड़ै सै, इसा करके वो परमेसवर नै मजबूर करे ताके वो उन ताहीं नाश करदे। 17 ज्यांते हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, थम जाणो सों, के ये सारी बात होवैगी, तो ध्यान राक्खों के जो लोग परमेसवर का हुकम ताहीं नही मानते वो झूठ के जरिये थारे ताहीं बहका ना दे, अर उन बाततां के बारे म्ह शक करण लागरे सों, जिनपै पैहले बिश्वास करो थे। 18 पर म्हारे प्रभु अर उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह अर ज्ञान की पहचान म्ह बढ़दे जाओ। उस्से की महिमा इब भी हो, अर युगानुयुग होन्दी रहवै। आमीन। (aiōn g165)

1 यूहन्ना

1 हम उस जीवन देण आळे वचन के बारे में लिखण लागरे सां, जो शरु तै था, जिस ताहीं हमने सुणया, अर जिस ताहीं हमने अपनी आँखां तै देख्या, बल्के जिस ताहीं हमने ध्यान तै देख्या अर हाथ्यां तै छुआ। 2 (यो जीवन दुनिया म्ह आया अर हमने इस ताहीं देख्या, अर हम उसके गवाह सां, अर थमने उस अनन्त जीवन की खबर देवां सां, जो पिता के गैल था अर म्हारे पै जाहिर होया)। (aiōnios g166) 3 जो किमे हमने यीशु मसीह के बारे में देख्या अर सुणया सै उसकी खबर थमने भी देवां सां, इस करके के थम भी म्हारे गैल संगति करे; अर म्हारी या संगति पिता अर उसके बेटे यीशु मसीह के गैल सै। 4 अर ये बात हम इस करके लिखा सां ताके थम खुशी तै भर जाओ। 5 जो खबर हमने यीशु मसीह तै सुणी अर थमने सुणावां सां, वो या सै के परमेसवर चाँदणे के समान पवित्र सै, अर उस म्ह कुछ भी अन्धकार के समान कोए बुराई कोनी। 6 जै हम कहवां, के परमेसवर के गैल म्हारी संगति सै पर फेर भी अन्धकार म्ह चाल्लां, तो हम झूठे सां अर सच की राह पै कोनी चाल्दे; 7 पर जिसा परमेसवर चाँदणे के समान सै, उसेए हम भी चान्दणा म्ह चाल्लां, तो एक-दुसरे तै संगति राक्खा सां, अर उसके बेटे यीशु मसीह का लहू हमने सारे पाप तै शुद्ध करै सै। 8 जै हम कहवां के म्हारे म्ह कोए भी पाप कोनी, तो अपने-आपने धोक्खा देवां सां, अर म्हारे म्ह सच्चाई कोनी। 9 जै हम अपने पाप नै परमेसवर के स्याम्ही मान ल्या, तो वो म्हारे पाप नै माफ करण म्ह भरोसेमन्द अर धर्मी सै, अर वो हमने सारे अधर्म तै शुद्ध करै सै। 10 जै हम कहवां के हमने पाप न्ही करया, तो परमेसवर नै झूठा बणावा सां, अर हम उसके वचन के मुताबिक जीवन कोनी जिन्दे।

2 हे मेरे प्यारे बाळकों, मै ये बात थारे ताहीं इस करके लिखूँ सूँ, के थम पाप ना करो; अर जै कोए पाप करै, तो परमेसवर पिता के धोरे म्हारा एक मददगार सै, यीशु मसीह जो धर्मी सै, जो म्हारे पापां की माफी खात्तर पिता तै बिनती करै सै। 2 यीशु मसीह ए म्हारे पापां के खात्तर प्रायश्चित्त बलि सै, अर सिर्फ म्हारे ए न्ही बल्के सारी दुनिया के माणसां के पापां खात्तर सै। 3 जै हम परमेसवर के हुकम का पालन करंगे, उरसे तै हमने बेरा लागंगा के हम उस ताहीं जाणगे सां। 4 जो कोए या कहवे सै, “मै उसने जाण गया सूँ,” अर उसके हुकम नै न्ही मानता, यो वो माणसा झूठा सै, उस म्ह सच कोन्या; 5 पर जो कोए परमेसवर के वचन नै मान्ने सै, उस म्ह सचमुच परमेसवर का प्यार सिध्द होया सै, परमेसवर म्ह म्हारे बणे रहण का सबूत योए सै, इस्से तै हम जाणा सां के हम उस म्ह सां। 6 जो कोए या कहवे सै के मै मसीह यीशु म्ह बणया रहूँ सूँ, तो उसके खात्तर जरूरी सै, के जिसा मसीह यीशु जिया उसाए वो भी जीवै। 7 हे प्यारे विश्वासी भाईयो, मै थमने कोए नया हुकम न्ही, पर वोए पुराणा हुकम लिखूँ सूँ, जो शरु तै था, यो वाए हुकम सै, जिस ताहीं थमने मसीह म्ह विश्वास करतै बखत सुणया था। 8 फेर भी मै थमने नया हुकम लिखूँ सूँ, उस हुकम की सच्चाई मसीह म्ह थी, अर वाए थारे म्ह भी सै; क्यूँके अन्धकार मिटता जावै सै, अर सच का चान्दणा इब चमकण लागया सै। 9 जो कोए या कहवे सै, के मै चाँदणे म्ह रहूँ सूँ, पर अपने विश्वासी भाई तै बैर राक्खे सै, तो वो इब ताहीं अन्धकार म्ह ए रहण लागरया सै। 10 जो कोए अपने विश्वासी भाई तै प्यार करै सै, वो चान्दणा म्ह रहवे सै, अर उस म्ह इसा कुछ कोनी के दुसरयां नै पाप करवावै। 11 पर जो कोए अपने विश्वासी भाई तै बैर राक्खे सै, वो अन्धकार म्ह रहवे सै अर अन्धरे म्ह चाल्लै सै, अर न्ही जाण्दा के किन्त जावै सै, क्यूँके अन्धकार नै उसकी आँख आँधी कर दी सै। 12 हे बाळकों, मै थमने इस करके लिखूँ सूँ के यीशु के नाम तै थारे पाप माफ होए सै। 13 हे बुजुर्गो, मै थमने इस करके लिखूँ सूँ के जो शरु तै सै, थम उसने जाणो सां। हे गबरूओ, मै थमने इस करके लिखूँ सूँ के थमने उस शैतान पै जीत पाई सै। हे लड़को, मन्ने थारे ताहीं इस करके लिख्या सै के थम पिता परमेसवर

नै जाणगे सां। 14 हे बुजुर्गो, मन्ने थारे ताहीं इस करके लिख्या सै, के जो शरु तै सै, थम पिता परमेसवर नै जाणगे सां। हे गबरूओ, मन्ने थारे ताहीं इस करके लिख्या सै, के थम ताकतवर बणो, अर परमेसवर का वचन थारे म्ह बणा रहवै सै, अर थमने उस शैतान पै जीत पाई सै। 15 थम ना तो दुनिया तै अर ना दुनियावी चिज्जां तै प्यार राक्खो। जै कोए दुनिया तै प्यार राक्खे सै, तो उस म्ह पिता परमेसवर का प्यार कोन्या। 16 क्यूँके जो किमे दुनिया म्ह सै, यानी देह की अभिलाषा, आँखां की अभिलाषा अर रोजी रोटी का घमण्ड, वो पिता परमेसवर की ओड़ तै कोनी पर दुनिया की ए ओड़ तै सै। 17 दुनिया अर उसकी अभिलाषा दोनु मिटते ज्या सै, पर जो परमेसवर की मर्जी पै चाल्ले सै वो सदा बणया रहवेगा। (aiōn g165) 18 हे बाळकों, यो मसीह के आण का आखरी बखत सै; अर जिसा थमने सुणया सै, के मसीह का बिरोधी भी आण आळा सै, उसके मुताबिक इब भी घणेए मसीह बिरोधी उठ खड़े होए सै; इसतै हम जाणगे सां, के यो आखरी बखत सै। 19 मसीह बिरोधी लिक्डै तो म्हारी कलीसिया म्ह ए तै सै, पर वे म्हारे थे ए कोनी; जै वे म्हारे होन्दे, तो हमने छोड़ के ना जान्दे; उनका म्हारे ताहीं छोड़ के जाणा ए यो साबित करै सै, के उन म्ह तै कोए भी म्हारा कोनी थम। 20 पर थारे ताहीं तो पवित्र आत्मा मसीह के जरिये मिला सै, इस करके थम सारी सच्चाई नै जाणो सां। 21 मन्ने थारे ताहीं इस करके न्ही लिख्या, के थम सच्चाई नै न्ही जाणदे, पर इस करके के थम उस ताहीं जाणो सां, क्यूँके कोए भी झूठ, सच की ओड़ तै कोनी लिक्डता। 22 झूठा कौण सै? सिर्फ वो जो यीशु नै मसीह होण तै नाटै सै; अर मसीह का बिरोधी वोए सै, जो पिता परमेसवर का अर बेटे का इन्कार करै सै। 23 जो कोए बेटे नै (मानण) तै नाटै सै उसके धोरे पिता परमेसवर भी कोनी जो बेटे नै मान ले सै, उसके धोरे पिता परमेसवर भी सै। 24 जो संदेश थमने शरु तै सुणया सै, जिब थमने मसीह पै विश्वास करया, जै वो थारे म्ह बणया रहवे, तो थम भी बेटे म्ह अर पिता परमेसवर म्ह बणे रहोगे। 25 परमेसवर नै म्हारे तै वादा करया सै, के वो हमने अनन्त जीवन देवेगा। (aiōnios g166) 26 मै थारे ताहीं उन माणसां के बारे में चैतावनी देऊँ सूँ, जो थमने झूठी शिक्षा तै भरमावै सै; 27 अर थारे म्ह पवित्र आत्मा जो मसीह की ओड़ तै मिला सै, वो थारे म्ह रहवै सै; इस करके यो जरूरी कोनी, के कोए थमने उस सच्चाई के बारे में सिखावै, बल्के पवित्र आत्मा थारे ताहीं उन बात्तां की सारी सच्चाई बतावै सै, अर पवित्र आत्मा जो थारे ताहीं सिखावेगा, वो बिल्कुल सच सै, अर थारे तै झूठ कोनी बोल्लेगा, इस करके मसीह म्ह बणे रहवै, जिसा थारे ताहीं पवित्र आत्मा नै सिखाया सै। 28 हे बाळकों, मसीह म्ह बणे रहवै, के जिब वो दुबारा आवैगा, तो म्हारी हिम्मत बणी रहवै, ताके मसीह के आण पै उसके स्याम्ही शर्मिन्दा ना होआ। 29 जै थम जाणो सां, के मसीह धर्मी सै, अर जो कोए धर्म का काम करै सै, वो परमेसवर की ऊलाद सै।

3 सोच्यों तो सही के पिता परमेसवर नै म्हारे तै किसा प्यार करया, के हम पिता परमेसवर की ऊलाद कुहवाए; अर हम सां भी। पर इस कारण दुनिया के माणस हमने कोनी जाणते, के हम परमेसवर की ऊलाद सां, क्यूँके वे पिता परमेसवर नै भी कोनी जाणते। 2 हे मेरे प्यारे विश्वासी भाईयो, इब हम परमेसवर की ऊलाद सां अर इब ताहीं यो तय न्ही होया, के आण आळे बखत म्ह हम के बणांगे! इतणा जाणा सां के जिब यीशु मसीह आवैगा तो हम उसके समान होवांगे, क्यूँके हम मसीह नै उसेए दिक्खांगे जिसा वो सै। 3 अर जो कोए मसीह पै या आस राक्खे सै, वो अपने-आपने उसाए पवित्र करै सै, जिसा वो पवित्र सै। 4 जो कोए बार-बार पाप करै सै, वो नियम-कायदा का बिरोध करै सै। अर हुकम ना मानना ए पाप सै। 5 थम जाणो सां के मसीह इस खात्तर आया, ताके पाप नै दूर करै; अर उसके म्ह कोए भी पाप कोनी। 6 जो कोए उस म्ह बणया रहै सै, वो बार-बार पाप न्ही करदा: जो कोए बार-बार पाप करै सै, वे कोनी जाणते के मसीह कौण सै, अर ना ए उसके गैल कोए उनका रिश्ता सै। 7 हे बाळकों, किसे के बहकावै म्ह ना आइयो। जो धर्म के काम करै सै, वोए मसीह के समान धर्मी सै। 8

जो कोए पाप करता रहवै सै, वो शैतान की ओड़ तै सै, क्यूँके शैतान शरु तै ए पाप करता आया सै। परमेसवर का बेटा इस खातर आया के शैतान के काम्मां का नाश करै। 9 जो परमेसवर की ऊलाद सै, वो बार-बार पाप न्ही करता; क्यूँके मसीह का सुभाव उस म्ह बणया रहवै सै, अर वो पाप कर ए न्ही सकता, क्यूँके वो परमेसवर की ऊलाद सै। 10 परमेसवर की अर शैतान की ऊलाद की पिच्छाण इस्से तै हो ज्या सै: कोए भी माणस, जिसका जीवन धार्मिकता का कोनी, वो परमेसवर की ओड़ तै कोनी, अर ना ए वो, जिसनै अपणे भाई तै प्यार न्ही करया। 11 जो खबर थमनै शरु तै सुणी, वो या सै के हम एक-दुसरे तै प्यार करां; 12 अर आदम के बेटे कैन की ढाळ ना बणो, जो उस शैतान की ओड़ तै था, अर जिसनै अपणे भाई ताहीं मार दिया। अर उस ताहीं क्यूँ मारया? क्यूँके उसके खुद के काम बुरे थे, अर उसके भाई के काम धर्म के थे। 13 हे विश्वासी भाईयो, जै दुनिया के माणस थारे तै बैर करै सै तो अचम्भा ना करो। 14 हम जाणा सां, के हम मौत के मुँह तै लिंकड़के जीवन म्ह दाखल होवा सां; क्यूँके हम विश्वासी भाईयाँ तै प्यार राक्खा सां। जो प्यार न्ही राखदा वो मृत्यु के सिक्कजे म्ह रहवै सै। 15 जो कोए अपणे विश्वासी भाई तै बैर राक्खै सै, वो हत्यारा सै; अर थम जाणो सों के हत्यारे म्ह अनन्त जीवन न्ही रहदा। (aiōnios g166) 16 प्यार के सै? इस्से तै हमनै जाण लिया के यीशु मसीह नै म्हारे खातर अपणी जान दे दी; इस करके हमनै भी अपणे विश्वासी भाईयाँ के खातर जान देणी चाहिए। 17 पर जिस किसै के धोरे दुनिया की दौलत हो अर वो अपणे विश्वासी भाई नै कंगाल देखके उसपै तरस ना खावै, तो उस म्ह परमेसवर का प्यार किस तरियां बणया रहै सके सै? 18 हे प्यारे बाळकों, म्हारे बोल्लण तै ए न्ही, पर काम अर सच्चाई म्ह भी म्हारा प्यार दिखणा चाहिए। 19 जब हम दुसरयां तै प्यार करां सां, तो हम जाण लेवां सां, के हम सच के सां; अर जिस बात म्ह म्हारा मन हमनै दोष देवै सै, उसके बारे म्ह हम परमेसवर के आगै अपणे-अपणे मन नै होसला दे सकां सां; 20 जै बुरे काम की बजह तै म्हारा मन हमनै दोषी बणावै तोभी हम परमेसवर के स्याम्ही जा सकां सां, क्यूँके परमेसवर म्हारे मन तै बड़ा अर सब कुछ जाणण आळा सै। 21 हे प्यारे विश्वासी भाईयो, जै म्हारा मन हमनै दोष ना दे, तो हमनै परमेसवर के आगै जाण म्ह होसला मिले सै। 22 अर जो कुछ हम परमेसवर तै माँग्या सां, वो हमनै उसतै मिले सै, क्यूँके हम उसके हुकम नै मान्ना सां अर जो उसनै आच्छा लागै सै, वोए हम करा सां। 23 उसका हुकम यो सै के हम उसके बेटे यीशु मसीह पै विश्वास करा, अर जिसा उसनै म्हारे ताहीं हुकम दिया सै उससे के मुताबिक हम आप्पस म्ह प्यार करां। 24 जो परमेसवर के हुकम नै मान्ने सै, वो परमेसवर म्ह वास करे सै, अर वो उन म्ह वास करे सै: अर इस्से तै, हम जाणा सां, के वो म्हारे म्ह रहवै सै उस पवित्र आत्मा के जरिये जो उसनै म्हारे ताहीं दिया सै।

4 हे प्यारे विश्वासी भाईयो, हरेक आत्मा का विश्वास ना करो, बल्के आत्मायाँ नै परखो के वो परमेसवर की ओड़ तै सै के न्ही; क्यूँके घणखरे झूठे नबी दुनिया म्ह उठ खड़े होए सै। 2 परमेसवर की आत्मा थम इस रीति तै पिच्छाण सको सों: जो आत्मा मान ले सै के यीशु मसीह देह धारण करके आया सै, वो परमेसवर की ओड़ तै सै। 3 अर जो आत्मा यीशु नै न्ही मानती, वो परमेसवर की ओड़ तै न्ही सै; अर वोए तो मसीह के बिरोधी की आत्मा सै, जिसका जिन्न थमनै सुणया सै के वो आण आळा सै, अर इब भी दुनिया म्ह सै। 4 हे प्यारे बाळकों, थम परमेसवर के लोग सों, अर थमनै झूठे नबियाँ पै जीत पाई सै; क्यूँके पवित्र आत्मा जो थारे म्ह बसे सै, वो शैतान तै बड़ड़ा सै, जो इस दुनिया म्ह सै। 5 झूठे नबी दुनिया के लोग सै, इस कारण वे दुनिया की बात बोल्लै सै, अर लोग उनकी सुणै सै। 6 हम परमेसवर के लोग सां। जो परमेसवर नै जाणै सै, वो म्हारी सुणै सै; जो परमेसवर नै न्ही जाणता वो म्हारी न्ही सुणदा। इस ढाळ हम सच की आत्मा अर भ्रम की आत्मा नै पिच्छाण लेवां सां। 7 हे प्यारे विश्वासी भाईयो, हम आप्पस म्ह प्यार करां; क्यूँके प्यार परमेसवर की ओड़ तै सै, जो कोए प्यार करे सै, वो

परमेसवर की ऊलाद सै, अर वो परमेसवर नै जाणै सै। 8 जो दुसरयां तै प्यार न्ही करते, वो परमेसवर नै न्ही जाणदा, क्यूँके परमेसवर प्यार सै। 9 जो प्यार परमेसवर म्हारे तै करे सै, वो इस्तै जाहिर होया के परमेसवर नै अपणे इकलौते बेटे ताहीं दुनिया म्ह भेज्जा सै, ताके हम उसके जरिये सच्चे जीवन नै पावां। 10 प्यार वो न्ही जो हमनै परमेसवर तै करया सै, बल्के प्यार वो सै जो उसनै म्हारे तै करया, के म्हारे पापां के प्रायश्चित के खातर अपणे बेटे ताहीं भेज्जा। 11 हे प्यारे विश्वासी भाईयो, जब परमेसवर नै म्हारे ताहीं इसा प्यार करया, तो हमनै भी आप्पस म्ह प्यार करणा चाहिए। 12 परमेसवर ताहीं भी किसै नै न्ही देख्या; जै हम आप्पस म्ह प्यार करां, तो परमेसवर म्हारे म्ह बसा रहवै सै अर उसका प्यार म्हारे म्ह सिध्द होग्या। 13 इस्से तै हम जाणा सां के हम उस म्ह बणे रह्हा सां, अर वो म्हारे म्ह; क्यूँके उसनै अपणे पवित्र आत्मा म्ह तै म्हारे ताहीं दिया सै। 14 हमनै देख भी लिया अर गवाही देवा सां के पिता परमेसवर नै बेटे ताहीं दुनिया का उद्धारकर्ता बणाके भेज्जा सै। 15 जो कोए या मान ले सै के यीशु परमेसवर का बेटा सै, परमेसवर उस माणस म्ह वास करै सै, अर वो परमेसवर म्ह। 16 हम जाणणे सां, अर हमनै विश्वास सै के परमेसवर म्हारे तै प्यार करे सै। परमेसवर प्यार सै, अर जो प्यार म्ह बणया रहवै सै, वो परमेसवर म्ह वास करे सै, अर परमेसवर उस म्ह वास करे सै। 17 इस्से तै प्यार म्हारे म्ह सिध्द होया, के न्याय के दिन हमनै यो होसला मिले, के परमेसवर हमनै दण्ड न्ही देगा। जिसा मसीह दुनिया म्ह रहन्दे होए परमेसवर म्ह वास करै था, उसाए हम भी परमेसवर म्ह वास करां सां। 18 प्यार म्ह डर न्ही होंदा, बल्के सिध्द प्यार डर नै दूर करदे सै; क्यूँके डर का सम्बन्ध दण्ड तै होवै सै, अर जो डरे सै वो प्यार म्ह सिध्द न्ही होया। 19 हम इस करके प्यार करां सां, के पैहले उसनै म्हारे तै प्यार करया। 20 जै कोए कहवै, “मै परमेसवर तै प्यार करूँ सूँ,” पर अपणे विश्वासी भाई तै बैर राक्खे तो वो झूठा सै; क्यूँके जो अपणे विश्वासी भाई तै जिस ताहीं उसनै देख्या सै प्यार न्ही कर सकता, तो वो परमेसवर तै भी जिस ताहीं उसनै न्ही देख्या प्यार न्ही कर सकता। 21 परमेसवर तै हमनै यो हुकम मिल्या सै, के जो कोए परमेसवर तै प्यार राक्खै सै वो अपणे भाई तै भी प्यार राक्खै।

5 जिसका यो विश्वास सै, के यीशु ही मसीह सै, वो परमेसवर पिता की ऊलाद सै; अर जो कोए परमेसवर तै प्यार करे सै, वो उसके माणसां तै भी प्यार करेगा। 2 जब हम परमेसवर तै प्यार करां सां अर उसके हुकम नै मान्ना सां, तो इस्से तै हम जाणा सां, के हम परमेसवर अर उसके माणसां तै प्यार करां सां। 3 परमेसवर तै प्यार करण का मतलब यो सै के हम उसके हुकमां नै मान्ने; अर उसके हुकम मुश्किल कोन्या। 4 क्यूँके जो परमेसवर पिता की ऊलाद सै, उसनै दुनिया पै जीत हासिल करी सै; अर वा जीत दुनिया ताहीं हरा देवै सै, वो म्हारा विश्वास ए सै। 5 दुनिया पै जीत पावैण आळा कौण सै? सिर्फ वो जिसका यो विश्वास सै के यीशु ए परमेसवर का बेटा सै। 6 मसीह यीशु ए सै, जिसनै बपतिस्मा लिया अर म्हारे खातर सूळी पै अपना लहू भी बहाया। 7 गवाही देण आळे तीन सै। 8 आत्मा, पाणी अर लहू; ये तीन्नु एके बात पै सहमत सै। 9 जब हम माणसां की गवाही मान ल्यां सां, तो परमेसवर की गवाही तो उसतै बढके सै; अर परमेसवर की गवाही या सै के उसनै अपणे बेटे के बारे म्ह गवाही दी सै। 10 जो परमेसवर के बेटे पै विश्वास करे सै, वो अपणे मन म्ह ए विश्वास राक्खै सै। जिसनै परमेसवर पै विश्वास न्ही करया उसनै परमेसवर ताहीं झूठा बताया, क्यूँके उसनै उस गवाही पै विश्वास न्ही करया जो परमेसवर नै अपणे बेटे के बारे म्ह दी सै। 11 अर वा गवाही या सै के परमेसवर के बेटे के जरिये हमनै अनन्त जीवन पाया सै, अर यो जीवन उसके बेटे म्ह सै। (aiōnios g166) 12 उसके बेटे तै म्हारा गहरा रिश्ता सै, उसके धोरे अनन्त जीवन सै; अर जिसका परमेसवर के बेटे तै रिश्ता कोनी, उसके धोरे अनन्त जीवन भी कोनी। 13 मै या चिट्ठी थारे ताहीं लिखूँ सूँ, जो परमेसवर के बेटे के नाम पै विश्वास करो सों, ताके थम जाणो के अनन्त जीवन थारा सै। (aiōnios g166) 14 हमनै

परमेसवर के स्याम्ही यो होसला मिलै सै, वो होसला यो सै, के जो हम उसकी इच्छा के मुताबिक माँग्या सां, तो वो म्हारी सुणै सै। 15 जिब हम जाणा सां, के जो कुछ परमेसवर तै माँग्या सै, वो म्हारी सुणै सै, तो यो भी जाणा सां, के जो कुछ हमनै परमेसवर तै माँग्या, वो पाया सै। 16 जै कोए अपणे बिश्वासी भाई नै इसा पाप करते देख्खै, जिसका नतिज्जा मौत ना हो, तो बिनती करै, अर परमेसवर उस ताहीं उन खात्तर, जिन नै इसा पाप करया सै, जिसका कारण मौत ना हो, जीवन देगा। जिस पाप का नतिज्जा मृत्यु सै; मे इसके बारे में बिनती करण खात्तर नही कहन्दा 17 सारी ढाळ के बुरे काम तो पाप सै, पर इसा पाप भी सै जिसका नतिज्जा मृत्यु कोनी। 18 हम जाणा सां, के जो कोए परमेसवर ऊलाद सै, वो बार-बार पाप नही करते; क्यूँके परमेसवर का बेटा यीशु मसीह उसने पाप तै बचाई राक्खेगा, अर शैतान उसनै छू भी नही पांदा। 19 हम जाणा सां, के हम परमेसवर तै सां, अर सारी दुनिया उस शैतान के बस म्ह पड़ी सै। 20 हम यो भी जाणा सां, के परमेसवर का बेटा यीशु मसीह आ गया सै, उसनै म्हारे ताहीं उस सच्चे परमेसवर नै पिच्छाणण की समझ दी सै; के म्हारा परमेसवर का करीबी रिश्ता सै, क्यूँके म्हारा उसके बेटे के गेल्या करीबी रिश्ता सै। सच्चा परमेसवर अर अनन्त जीवन योए सै। (aiōnios g166) 21 हे बाळकों हरेक उस चीज तै दूर रहों जो थमने परमेसवर तै दूर करे सै।

2 यूहन्ना

1 या चिट्ठी मुझ यूहन्ना की ओड़ तै सै, जो कलीसिया का अगुवां सै, मै उस परमेसवर के जरिये चुणी गई बिरबान्नी अर उसके बाळकां के नाम या चिट्ठी लिखण लागरया सूं, जिनतै मै सच्चा प्यार करूं सूं, अर सिर्फ मै ए न्ही बल्के वे सारे भी प्यार करै सै, जो सच्चाई नै जाणै सै। 2 हम थारे तै प्यार करा सां, क्यूँके सच्ची शिक्षा म्हारे म्ह रहवै सै, अर म्हारे साथ सदा रहवैगी। (aiōn g165) 3 परमेसवर पिता, अर उसके बेटे यीशु मसीह की ओड़ तै अनुग्रह, दया, शान्ति, ये सब उनके साथ रहवैगी, जो इस सच्चाई नै मान्ने सै, अर एक-दुसरे तै प्यार करै सै। 4 मै घणा राज्जी होया के मन्ने तेरे कई बाळकां ताहीं उस हुकम कै मुताबिक, जो म्हारे पिता की ओड़ तै मिल्या था, सच पै चाल्दे होए पाया। 5 इब हे नारी, मै तेरे तै बिनती करूं सूं, के हमनै एक-दुसरे तै प्यार करणा चाहिए, यो कोए नया हुकम कोनी, बल्के यो वो हुकम सै जिसनै हम उस बखत तै जाणा सां, जिब हमनै मसीह कै पाच्छे चालणा शरु करया था। 6 अर सच्चा प्यार यो सै, के हम परमेसवर के हुकमां कै मुताबिक चाल्लां, जिस दिन तै थमनै मसीह कै पाच्छे चालणा शरु करया था, उस दिन तै थम जाणो सों, के परमेसवर नै म्हारे ताहीं हुकम दिया सै, के हम सदा एक-दुसरे तै प्यार करा। 7 मै ज्यांतै कहूं सूं, क्यूँके भोत-से लोग झूठी शिक्षा तै दुसरयां नै धोक्खा देण आळे, इस दुनिया म्ह अलग-अलग जगहां तै लिकड़ आए सै, वे कहवै सै, के मसीह इस दुनिया म्ह इन्सान का रूप धारण करके न्ही आया, जै कोए माणस ये बात कहवै सै तो वो माणस यीशु मसीह का बिरोधी सै, वो दुसरयां ताहीं भरमाण आळा सै। 8 थमनै चौक्कस रहणा चाहिए, के ये लोग थमनै धोक्खा न्ही देण पावै, ताके परमेसवर की सेवा करण म्ह जो मेहनत थमनै करी सै, वा बेकार ना जावै, पर परमेसवर थारी उस मेहनत का थमनै ईनाम देवैगा। 9 जै कोए माणस, मसीह नै जो शिक्षाएँ दी सै उसका पालन न्ही करदा, अर अपणी ओड़ तै उन शिक्षा म्ह कुछ और जोडै सै, तो उसकी परमेसवर कै गैल साझेदारी कोनी, पर जो कोए उसकी दी गई शिक्षा का पालन करदा रह सै, उसकी पिता परमेसवर अर उसके बेटे यीशु मसीह कै गैल साझेदारी सै। 10 जै कोए थारे धोरे आवै अर वा शिक्षा दे जो मसीह की शिक्षा तै न्यारी सै, तो उस ताहीं थम ना तो घर म्ह आण द्यो अर ना नमस्कार करो। 11 क्यूँके जो कोए इसे माणस नै नमस्कार करै सै, वो उसके भुन्डे काम्मां म्ह साइझी होवै सै। 12 मन्ने घणीए बात थारे ताहीं बताणी सै, पर मै उन बासां नै इस चिट्ठी म्ह लिखणा कोनी चाहन्दा, अर उम्मीद सै के मै थारे धोरे आऊँगा, अर आम्ही-स्याम्ही थारे तै बात करूँगा, अर फेर हम आच्छी ढाळ खुशी मनावोंगे। 13 परमेसवर के जरिये चुणी गई बेब्बे के बाळकां का, थारे ताहीं नमस्कार।

3 यूहन्ना

1 या चिट्ठी मुझ यूहन्ना की ओड़ तै, जो कलीसिया का अगुवां सै, प्यारे मित्तर गयुस कै नाम सै, जिसतै मै सच्चा प्यार करूँ सूँ। 2 हे प्यारे मित्तर, मेरी या प्रार्थना सै, के जिसा तू आत्मिक बढ़ोतरी करण लाग रह्या सै, उससे तरियां तू सारी बात्तां म्ह बढ़ोतरी करै अर भला चंगा रहवै। 3 क्यूँके जिब कुछ बिश्वासी भाईयाँ नै आणकै मेरे ताहीं बताया के तू ईमानदारी तै परमेसवर की सच्ची राह पै चाल्लण लागरया सै, तो मै भोत-ए राज्जी होया। 4 मन्ने इसतै बढ़कै किसे और बात की खुशी कोनी के जिब मै सुणु सूँ, के वे लोग जो मेरे बाळकां की तरियां सै, वे परमेसवर की सच्ची राह पै चाल्लण लागरे सै। 5 हे प्यारे मित्तर, तू म्हारे बिश्वासी भाईयाँ की मदद कै खात्तर ईमानदारी तै भोत कुछ करण लागरया सै, तन्नै उनकी भी मदद करी जिन ताहीं तू न्ही जाणदा। 6 जिनकी तन्नै मदद करी थी, उन म्ह तै कई माणसां नै, उरै की कलीसिया के बिश्वासी भाईयाँ ताहीं बताया, के तू अपणे बिश्वासी भाईयाँ तै कितना प्यार करै सै, इब मै थमनै कहुँ सूँ के तू इसे माणसां की हमेशा मदद करदा रहै, जिब वे दुसरी जगहां सफर खात्तर जावै सै, क्यूँके योए परमेसवर नै आच्छा लाग्गै सै। 7 क्यूँके ये लोग हरेक जगहां सफर करै सै, ताके मसीह का वचन सुणा सकै, अर गैर यहूदियाँ तै कुछ मदद न्ही लेंदे। 8 इस करके हमनै अपणे घर म्ह, इसे माणसां का स्वागत करके उनकी सेवा-पाणी करणी चाहिए, अर उनकी हरेक जरूरत पूरी करणी चाहिए, ताके हम माणसां म्ह सच्चा सन्देश फैलाण म्ह उनके साइड्रीदार हो सका। 9 मन्ने पैहले थारी कलीसिया के बिश्वासियाँ ताहीं एक चिट्ठी लिखी थी, पर दियुत्रिफेस नै मेरी हिदायत मानण तै इन्कार कर दिया क्यूँके वो खुद हमेशा कलीसिया का अगुवां बणणा चाहवै था। 10 इस करके जिब मै आऊँगा तो, थारे स्याम्ही उसके जरिये करे गये सारी बात्तां नै स्पष्ट कर देऊँगा, यानी सारे बुरे-बुरे शब्दां का इस्तमाल करदे होए जो उसनै म्हारे पै दोष लगाए, इतणाए न्ही बल्के वो ना ए तो किसे शिक्षक ताहीं स्वीकार करै सै, अर ना ए कलीसिया के किसे बिश्वासी ताहीं इसा करण देवै सै, जो स्वीकार करणा चाहवै सै, उन ताहीं वो कलीसिया तै बाहर कर देवै सै। 11 हे प्यारे मित्तर, बुराई करण आळे न्ही, पर भलाई करण आळे बणो। जो भलाई करे सै, वो परमेसवर की ओड़ तै सै, पर जो बुराई करे सै, वो परमेसवर ताहीं कोनी जाणदा। 12 कलीसिया म्ह हर कोए कहवै सै, के देमेत्रियुस एक आच्छा माणस सै, क्यूँके उसका बरताव परमेसवर के सच्चे सन्देश के मुताबिक सै, अर तू भी जाणै सै के जो हम कहवा सां वो सच सै। 13 मन्ने तेरे ताहीं भोत कुछ बताणा तो था, पर मै उन बात्तां नै इस चिट्ठी म्ह लिखणा कोनी चाहन्दा। 14 पर मन्ने उम्मीद सै, के तेरे तै तावळा-ए मिलूँगा, फेर हम आम्ही-स्याम्ही बात करागें। मै प्रार्थना करूँ सूँ, के परमेसवर थमनै शान्ति देवै। ओड़ै के मित्तरां तै नाम ले-लेके म्हारी ओड़ तै नमस्कार कह दिये।

यहूदा

1 या चिट्ठी मुझ यहूदा की ओड़ तै सै, मै, मसीह यीशु का दास अर याकूब का छोटा भाई सूं। मै या चिट्ठी उन माणसां ताहीं लिखण लागरया सूं, जिन ताहीं परमेसवर नै अपणे पै बिश्वास करण खात्तर बुलाया सै। पिता परमेसवर थारे तै प्यार करै सै, अर मसीह यीशु म्ह थारे ताहीं सुरक्षित राक्खै सै। 2 मै प्रार्थना करूँ सूं, के परमेसवर थारे ताहीं दया, शान्ति अर प्यार भोत-ए घणा देवे। 3 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, जिब मै उस नई जिन्दगी के बारे में लिखण म्ह घणी मेहनत करण लागरया था, जो म्हारे ताहीं मसीह यीशु के जरिये परमेसवर तै मिलै सै, अर जिस म्ह हम सब साझीदार सां। तो मन्ने महसूस होया के मै इस चिट्ठी के जरिये थमनै उत्साहित करूँ, ताके थम अपणे बिश्वास की बढोतरी खात्तर और भी मेहनत करो, परमेसवर नै यो बिश्वास सारे माणसां ताहीं सदा खात्तर एके बार दे दिया सै, अर यो बदल्या नही जा सकदा। 4 क्यूँके परमेसवर का कहणा ना मानण आळे भोत-से झूठी शिक्षा देण आळे लोग चुपचाप म्हारे बिना जाणे म्हारे म्ह आ मिले सै, ये वो लोग सै जिनके बारे में परमेसवर नै सदियाँ पैहले पवित्र ग्रन्थ म्ह कह्या था, के उन ताहीं परमेसवर दण्ड देवेगा। वे परमेसवर के अनुग्रह के सन्देस नै बिगाड़ के उस ताहीं भोग-विलास म्ह बदल देवे सै। यीशु मसीह जो म्हारा एकमात्र मालिक अर प्रभु सै, वे उसका इन्कार करै सै। 5 हालाकि थमनै सारी बात्तां का बेरा सै, फेर भी मै थमनै वे बात याद दुवाणा चाहूँ सूं, जिब प्रभु नै इस्राएली माणसां ताहीं मिस देश की गुलामी तै छुड़ाया था, तो उसके बाद उन म्ह बिश्वास ना करणीया का प्रभु नै जंगल-बियाबान म्ह नाश कर दिया। 6 यो भी याद राक्खो के परमेसवर नै उन सुगंदूतां ताहीं भी दण्ड दिया, जिनने अपनी प्रभुता बणाए नही राक्खी, बल्के अपनी खुद की रक्षण की जगहां जो के सुगंध थी छोड़ दी, परमेसवर नै उन ताहीं भी भीषण दिन के न्याय खात्तर अन्धेरे म्ह, जो सदा काल के खात्तर सै, बेलां तै बाँधके राख्या सै, जिन ताहीं कोए तोड़ नही सकदा। (aiōnios g126) 7 उरसे तरियां उन माणसां के बारे में जो सदोम अर अमोरा नगर अर उसके लोवै-धोवै के नगर के माणसां के गैल के बणी थी। वे माणस जार होगे थे, अर अप्राकृतिक यौन-सम्बन्धों के पाछे लागे थे, तो परमेसवर नै उन ताहीं आग तै भस्म कर दिया, जो उनके गैल होया वा दुसरयां खात्तर चेतावनी सै, क्यूँके वे भी अनन्त आग के जरिये दण्ड पावेंगे। (aiōnios g166) 8 इन बात्तां के बारे में बेरा होन्दे होए, परमेसवर का कहणा ना मानण आळे लोग इरसे तरियां तै पाप करै सै, उनका कहणा सै, के वे दर्शन देखखै सै, वे अपनी-अपनी देह नै अशुद्ध करै सै, अर वे परमेसवर की प्रभुता नै अस्वीकार करै सै, अर सुगंदूतां की बुराई करै सै। 9 पर परमेसवर के प्रधान सुगंदूत मीकाईल नै, जिब शैतान तै मूसा नबी की लाश के बारे में म्ह वाद-विवाद करया, तो मीकाईल सुगंदूत नै भी उसतै आच्छा-भुंडा कहके खोत लाण की हिम्मत कोनी करी, पर सिर्फ इतनाए कह्या, के “प्रभु तन्नै फटकारे।” 10 पर परमेसवर का कहणा ना मानण आळे ये लोग उन बात्तां की आलोचना बुरे शब्दां तै करै सै, जिन ताहीं वे जाणदे ए कोनी, अर जिन बात्तां नै वे जाणै सै, उन ताहीं वे बिना सोच्चे-समझे जंगली-जानवरों की तरियां करै सै, इसे काम्मां खात्तर परमेसवर उन ताहीं दण्ड देवेगा। 11 धिक्कार सै उनपै! जो कैन की तरियां बुरी जिन्दगी जीवै सै, जिसनै अपणे भाई का खून इस करके करया था, क्यूँके परमेसवर नै उसकी भेट स्वीकार कोनी करी, अर उसके भाई की कर ली थी, अर वो उस बिलाम की तरियां सै, जिसनै परमेसवर के माणसां ताहीं पाप करण खात्तर उकसाया, ताके वो धन ले सकै जिसकी पेशकस उस ताहीं करी गई थी, अर जो कोरह की ढाळ मूसा नबी के अधिकार का बिरोध करण के कारण नाश होगे। 12 जिब थम परमेसवर के प्यार नै, याद करण के खात्तर प्रीति भोज म्ह कठ्ठे होओ सों, तो वे भी थारे म्ह शामिल हो जावै सै, तब वे उस समुन्दर म्ह लुक्की होए पत्थर की चट्टान की तरियां सै, जो थारे ताहीं डूबो सके सै। वे उस पाळी की तरियां सै जो सिर्फ अपना पेट भरे

सै, अर वे बिना पाणी के बादल सै, जिन ताहीं हवा उड़ा ले जावै सै, वे पतझड़ के इसे दरखत सै, जिन म्ह कदे फळ कोनी लागदे, अर ये जड़ तै उखड़गे सै। 13 ये समुन्दर की तेज झाल के हिलोरे सै, जो अपनी गंदगी का झग उछाळै सै, ये लोग शर्मनाक काम करै सै, ये उन राह तै भटके होए तारां की ढाळ सै, जो किसे नै सही राह नही दिखा सकदे, जिनके खात्तर परमेसवर नै सदा खात्तर घोर अन्धकार की जगहां तय कर राक्खी सै, जड़ै वो सदा खात्तर रहवेंगे। (aiōn g165) 14 हनोक नै भी जो आदम की सातवीं पीढ़ी म्ह तै था, इन माणसां के बाबत या भविष्यवाणी करी थी, “देखो, प्रभु अपणे लाखां पवित्र सुगंदूतां के गेल्या आवैगा, 15 तो उन सब माणसां का न्याय करेगा, अर बुरे माणसां नै उनके बुरे काम्मां का अर दुष्ट माणसां नै जिननै परमेसवर के बिरोध म्ह कड़वे शब्द इस्तमाल करे थे, उन ताहीं कसूरवार ठहरावेगा।” 16 ये तो बेसबरे, बड़बड़ाण आळे, अर अपनी मर्जिया के मुताबिक लगातार बुरे काम करै सै, अर अपणे मुँह तै घमण्ड की बात बोल्लै सै, वे अपणे फायदे के खात्तर चापलूसी की बात करै सै। 17 पर हे प्यारे भाईयो, थम इन बात्तां नै याद राक्खो, जो म्हारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेरित भोत पैहल्याए कहगे सै। 18 वे थमनै कह्या करै थे, “के प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण तै पैहले इसे माणस भी होवेंगे जो प्रभु का मजाक उड़ावेंगे, वे इसे माणस सै, जो अपनी बुरी अभिलाषायां के मुताबिक जिन्दगी जीवेंगे।” 19 ये वे माणस सै, जो थारे म्ह फूट गेरे सै, अर जिन म्ह पवित्र आत्मा नही सै उनकी बुरी अभिलाषा, उन ताहीं अपणे बस म्ह राक्खै सै। 20 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, थम लगातार एक-दुसरे की बढोतरी करते जाओ, अर आप्स म्ह एक-दुसरे नै सच्ची शिक्षा जिसपै थम बिश्वास करो सों, उसतै उत्साहित करदे रहों, अर जिस तरियां पवित्र आत्मा थारे ताहीं अगुवाई करै सै थम प्रार्थना करदे रहों। 21 थमनै यो जाणके जीवन जीणा चाहिए, के परमेसवर थारे तै प्यार करै सै, अर थम उस दिन की बात देखदे रहो जिस दिन म्हारा प्रभु यीशु मसीह बोहड़के आवैगा ताके थमनै अनन्त जीवन मिलै, क्यूँके उसनै म्हारे पै दया करी सै। (aiōnios g166) 22 उन माणसां पै दया करो जिनका बिश्वास डामाडोल होरया सै। 23 घणखरे माणसां नै न्याय की आग तै झपट्टा मारके लिकाड़ो, अर दुसरे माणसां के प्रति दयालु रहों, पर इसके साथ चौक्कस भी रहों, उस लत्ते तै भी नफरत करो जो पाप तै भरे काम्मां तै कलकित हो गया सै। 24 वो एकमात्र सच्चा परमेसवर सै, जो थमनै ठोक्कर खाण तै बचा सके सै, अर वो थमनै बेकसूर अर मगन करके अपणे महिमा म्ह अपणे स्याम्ही खड्या करेगा। जो प्रभु यीशु मसीह नै म्हारे खात्तर कय्या, उसके जरिये परमेसवर नै म्हारे ताहीं बचाया सै। 25 म्हारा प्रभु यीशु मसीह माणसां म्ह, परमेसवर की तारीफ करण का कारण बणा, ताके वो पिच्छाण सकै, के शरूआत तै, इब अर सदा के खात्तर शक्ति अर अधिकार उरसे का सै। आमीन। (aiōn g165)

प्रकाशित वाक्य

1 परमेसवर नै यीशु मसीह तार्हीं वो गुप्त बातें दिखाई जो भोत तावळी होण आळी सै, ताके वो अपने दाससां पै इन बातानं नै जाहिर करै, उसके बाद मसीह नै सुगंदूत भेज्या, ताके अपने दास यूहन्ना तार्हीं ये बात दिखावै। 2 यूहन्ना नै वो सब कुछ लिख लिया, जो उस तार्हीं दिखाया गया था, यानी वो वचन जो परमेसवर की ओड़ तै आया था, अर जो कुछ भी मसीह यीशु नै कहा था। 3 धन्य सै वे जो इस भविष्यवाणी के वचन नै पढ़ै सै, अर वे जो सुण सै अर इस म्ह लिक्खी होई बातानं नै मान्ने सै, क्यूँके ये बात तावळी होण आळी सै। 4 ये चिट्टियाँ यूहन्ना की ओड़ तै आसिया परदेस की सात कलीसियाओं के नाम सै। परमेसवर पिता की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिलै, जो सै, अर जो था, अर जो आण आळा सै, अर इन सात आत्मायाँ की ओड़ तै जो उसके सिंहासन के स्याम्ही सै। 5 अर यीशु मसीह जो विश्वास जोगमा गवाह अर मरे होया म्ह तै जी उठण आळा म्ह तै जेठ्ठा अर धरती के राजयां का हाकिम सै, उसकी की ओड़ तै थारे तार्हीं अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। वो म्हारे तै प्यार करे सै, अर उसनै अपने लहू के जरिये म्हारे तार्हीं पाप तै छुटाया सै। 6 उसनै म्हारे तार्हीं वे माणस बना दिये सै, जिनका परमेसवर राजा सै, अर उसनै म्हारे तार्हीं परमेसवर जो उसका पिता सै, उसका याजक बना दिया सै, उससे की महिमा अर पराक्रम युगानुयुग रहवै। आमीन। (aiōn g165) 7 लखाओ, वो बादलाँ के गेल्या आण आळा सै, अर हरेक आँख उसनै देखेगी, बल्के जिननै उस तार्हीं बेधा था, वे भी उस तार्हीं देखेंगे, अर धरती के सारे कुल उसके कारण छात्ती पीटेंगे, जिन उस तार्हीं देखेंगे। हँ। आमीन। 8 प्रभु परमेसवर वो कहवै सै, के वो जो सै, अर जो था, अर जो आण आळा सै, जो सब तै शक्तिशाली सै, "मै अल्फा अर ओमेगा सूँ।" 9 मै यूहन्ना, जो थारा विश्वासी भाई अर मसीह के खात्तर दुख सहण म्ह अर परमेसवर के राज्य म्ह, अर धीरज तै दुख सहण म्ह साइडी सूँ, जो दुख उन माणसां पै आया सै, जिनका उसके साथ रिश्ता सै, मै पतमुस नाम के टापू पै भेज दिया गया, क्यूँके मन्ने परमेसवर के वचन का प्रचार करया था, अर मसीह यीशु के सच्चे सन्देश तार्हीं सुणाया था। 10 प्रभु के दिन, पवित्र आत्मा मेरे पै आ गया, अर मन्ने अपने पाच्छै तुरही बरगा बड़ड़ा शब्द सुण्या। 11 उसनै उसतै कहा, के "जो कुछ तू देखे सै, उसनै किताब म्ह लिखके सात्तु कलीसियाओं के धारे भेजदे, जो इन नगरां म्ह सै, यानिके इफिसुस, स्मरुना, पिरगमुन, थुआतीरा, सरदीस, फिलदिलफिया, अर लौदीकिया तार्हीं।" 12 फेर मन्ने उस तार्हीं, जो मेरे तै बोल्लण लागरया था, देखखण के खात्तर अपना मुँह फेरया, अर पाच्छै घूमके मन्ने सोन्ने की सात दीवट देखखी, 13 अर उन दीवटां के बिचाळै माणस के बेट्टे के बरगा एक आदमी देखा, जो पायां तार्हीं के लत्ते पहरे, अर छात्ती पै सोन्ने का पटुका बाँधे होइ था। 14 उसके सिर के बाळ धोळी उन बल्के बर्फ की ढाळ जमा धोळे थे, अर उसकी आँख आग की तरियां धक्कण लागरी थी। 15 अर उसके पैर भट्टी म्ह तपा के चमकाए होए पीतळ के जिसे थे, अर उसका बोल घणे पाणी के गरजण जिसा था। 16 वो अपने सोळे हाथ म्ह सात तारे लिए होइ था, अर उसके मुँह म्ह तै पैन्नी दोधारी तलवार लिक्खै थी। उसका मुँह इस ढाळ बळै था, जिस ढाळ सूरज करडी धूप के बखत चमके सै। 17 जब मन्ने उस तार्हीं देखा, तो उसके पायां पै मुर्दा की ढाळ पड़या। उसनै मेरे पै अपना सोळा हाथ, धरके कहा, "मतना डरे, मै पैहल्डा अर आखरी अर जिन्दा सूँ।" 18 मै मरग्या था, अर इब देख मै युगानुयुग जीऊँ सूँ, अर मौत अर पाताळ लोक की ताळी मेरे धारे सै। (aiōn g165, Hadēs g86) 19 इस करके जो बात तन्ने देखखी सै अर जो बात होण लागरी सै अर जो बात इसके पाच्छै होण आळी सै, उन सारियां नै लिख ले। 20 इब मै उन सात तारां का भेद जिन तार्हीं तन्ने मेरे सोळे हाथ म्ह देखा था अर उन सोन्ने की दीवटां का भेद तन्ने बताऊँ सूँ, वे सात तारे सात्तु कलीसियाओं के धारे भेजजे गये सुगंदूत सै, अर वे सात दीवट, सात कलीसिया सै।

2 उसनै मेरे तार्हीं यो भी कहा के इफिसुस नगर की कलीसिया के सुगंदूत नै न्यू लिख के, "जो सात्तु तारे अपने सोळे हाथ म्ह लिए होइ सै, अर सोन्ने की सात्तु दीवटां के बिचाळे हँडै सै, वो न्यू कहवै सै" 2 के मै तेरे काम, अर मेहनत, अर तेरा धीरज जाणू सूँ, अर मै जाणू सूँ, के तू बुरे माणसां की शिक्षा नै सह नही सकदा, अर जो अपने-आपने प्रेरित कहवै सै, अर सै नही, उन तार्हीं तन्ने परख कै झूठा पाया। 3 अर तू धीरज धरे सै, अर मेरे नाम के खात्तर दुख ठा-ठाके भी तन्ने मेरी सेवा करणा नही छोड्या। 4 पर मन्ने तेरे खिलाफ म्ह न्यू कहणा सै, के तेरे म्ह वो प्यार नही रह्या जो तू पैहले मेरे तै करे था। 5 यो याद कर के तन्ने शरु म्ह मेरे तै किसा प्यार करया था, अर इब उसा प्यार नही करदा, तू पाप करणा छोड़ दे, अर जिसा तन्ने शरु म्ह मेरे तै प्यार करया था उसाए प्यार कर, अर जै तू पाप करणा नही छोड्या, तो मै तेरे धारे आके तेरी दीवट नै उस जगहां तै हटा दिऊंगा। 6 पर हँ, तेरे म्ह या बात तो सै, के तू नीकुलइयों के कामानं तै नफरत करै सै, जिनतै मै भी नफरत करूँ सूँ। 7 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै: वे लोग जो बुराई की ताकत पै जीत पावै सै, मै जीवन के दरखत म्ह तै जो जीवन देवै सै, जो सुगंदूत म्ह सै, उस तार्हीं उस फळ म्ह तै खाण नै दिऊंगा। 8 अर उसनै मेरे तार्हीं स्मरुना नगर की कलीसिया के सुगंदूत तार्हीं यो लिखण खात्तर कहा, के, जो पैहल्डा अर आखरी सै, जो मर लिया था अर इब जिन्दा होगया सै, वो न्यू कहवै सै के, 9 मै तेरे क्लेश अर गरीबी नै जाणू सूँ, (पर तू साहूकार सै), अर जो माणस अपने-आप तार्हीं यहूदी कहवै सै, अर सै नही, पर वो शैतान के झुण्ड म्ह तै सै, मै उनकी बुराई नै भी जाणू सूँ। 10 जो दुख तन्ने झेलणे होंगे, उनतै मत घबरा, क्यूँके देखो, शैतान अपने माणसां के जरिये थारे म्ह तै कितन्याँ तार्हीं जेळखाने म्ह गेरगा, ताके थम परखे जाओ, अर थारे तार्हीं दस दिन तक क्लेश ठाणा पड़गा। जान देण तक विश्वासी रह, तो मै थारी जीत के कारण ईनाम के तौर पै थमनै अन्नत जिन्दगी देऊंगा। 11 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै, वे लोग जो बुराई की ताकत पै जीत पावै सै, उसनै दुसरी मौत तै नुकसान कोनी होवैगा। 12 अर उसनै मेरे तार्हीं पिरगमुन नगर की कलीसिया के सुगंदूत तार्हीं यो लिखण खात्तर कहा, के, "जिसके धारे दोधारी अर पैन्नी तलवार सै, वो न्यू कहवै सै" 13 के मन्ने न्यू तो बेरा सै, तू ओड़े रहवै सै जित्त शैतान का राज सै, अर मेरे नाम पै स्थिर रहवै सै, अर मेरे पै विश्वास करण तै उन दिनानं भी पाच्छै नही हट्या जिन म्ह मेरा विश्वास जोगमा गवाह अन्तिपास, तेरे नगर म्ह उस जगहां पै मारया गया जित्त शैतान रहवै सै। 14 पर मन्ने तेरे खिलाफ म्ह न्यू कहणा सै, थम उन माणसां का बिरोध कोनी करदे, जो पुराणे जमाने के नबी बिलाम की तरियां झूठी शिक्षा सिखावै सै, बिलाम नै राजा बालाक तार्हीं यो सिखाया, के इस्राएल के माणसां तै पाप करवाण के खात्तर के करणा चाहिए, के वे इम्तिहान म्ह पड़े, अर पाप कर बेट्टे। उसनै उन तार्हीं मूर्तियाँ के आगमें चढ़ाई होइ चिज्जां तार्हीं खाणा अर अनेतिक जिन्दगी जीणा सिखाया। 15 उससे तरियां-ए तेरे उरे कितने तो इसे सै, जो नीकुलइयों की शिक्षा नै मान्ने सै। 16 इस करके पाप करणा छोड़ दे, नही तो मै तेरे धारे तावळा-ए आऊंगा, अर झूठी शिक्षा देण आळे उन माणसां के खिलाफ अपने मुँह तै लिक्खण आळी उस तलवार तै लडूंगा, जो के मेरा वचन सै। 17 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै, वे लोग जो बुराई की ताकतानं पै जीत पावै सै, उस तार्हीं मै गुप्त मन्ना म्ह तै दिऊंगा, अर उस तार्हीं एक थोळा पत्थर भी दिऊंगा, अर उस पत्थर पै एक नाम लिखा होया होगा, जिस तार्हीं उसके पाण आळे के सिवाए और कोए नही जाणैगा। 18 अर उसनै मेरे तार्हीं थुआतीरा नगर की कलीसिया के सुगंदूत तार्हीं यो लिखण खात्तर कहा, के, मै परमेसवर का बेट्टा, जिसकी आँख आग की ज्वाला की तरियां, अर जिसके पैर बढ़िया पीतळ के जिसे सै, न्यू कहूँ सूँ, के 19 मै तेरे काम, तेरे प्यार, विश्वास, सेवा, अर धीरज नै जाणू सूँ, अर न्यू भी जाणू सूँ, के तेरे पाच्छले काम पैहल्डा तै बढ़के सै, जब तन्ने मेरे पै विश्वास करया था। 20 पर मन्ने तेरे खिलाफ न्यू

कहणा सै, के तू उस जनानी इजेबेल नै रहण देवै सै, जो अपने-आपने नबी कहवै सै, अर मेरे दास्रान नै जारी करण, अर मूर्तिधरि के आगै चढ़ाई होइ चीज नै खाणा सिखाके भकावै सै। 21 मन्ने उस ताहीं पाप छोड़ण का मौक्का दिया, पर वा अपने जारीपणे के पाप नै छोड़ण कोनी चाहन्दी। 22 मै उस ताहीं बीमार कर दिह्युंगा। अर जो उसके गेल्या जारी करै सै, जै वे भी उसके बरगे काम्मान नै जो वा करै सै करणा न्ही छोड़ैंगे, तो उननै मै भारया दण्ड दिह्युंगा। 23 अर मै उसके चेल्या नै मार दिह्युंगा, अर फेर सारी कलीसिया नै बेरा पाट जावैगा, के हृदय अर मन जाँचण आळा मै ए सूं, अर मै थारे म्ह तै हरेक नै उसके काम्मान के मुताबिक बदला देऊंगा। 24 पर थम जो थुआतीरा के बाकी लोग जिनने इस झूठी शिक्षा ताहीं न्ही मान्या, अर उन बात्ता नै जिन नै शैतान की गहरी बात कहवै सै, उन म्ह भाग न्ही लेते, मै न्यू कहूँ सूं, के मै थारे ताहीं और हुकम कोनी दिह्युंगा, पर मै जिब तक ना आ जाऊँ मेरे पै मजबुती तै बिश्वास करते रहों। 25 पर हाँ, जो थारे धोरे सै उसनै मेरे आण तक थाम्बे रहो। 26 वे लोग जो बुराई की ताकत पाँ जीत पावै सै, अर मेरे काम्मान के मुताबिक आखरी ताहीं करदा रहवै, मै उसनै देश-देश के माणसां पै राज करण का हक देऊंगा। 27 मै उसनै भी राज करण का वोए हक देऊंगा जो मेरे पिता नै मेरे ताहीं दिया सै, वो उनपै बिना दया के राज करैगा, अर वो उन ताहीं चकणाचूर कर देवैगा, जिस ढाळ कुम्हार के माट्टी के बासण चकणाचूर हो जावै सै। अर मन्ने भी इसए हक अपने पिता तै मिल्या सै। 28 अर मै उसनै भोर का तारा देऊंगा। 29 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै।

3 उसनै मेरे ताहीं यो भी कहा के सरदीस नगर की कलीसिया के सुर्गदूत नै लिख, के "जिसके धोरे परमेसवर की सात आत्मा अर सात तारे सै, वो न्यू कहवै सै," के मै तेरे काम्मान नै जाणु सूं, के तू मेरा बिश्वास लायक बिश्वासी तो कुहावै सै, पर असल म्ह तन्नै मेरा कहणा मानना छोड़ दिया सै। 2 इस करके सावधान हो जा, अर अपने बिश्वास नै जो मेरे पै सै उसनै मजबूत कर, क्यूँके तेरे म्ह थोड़ा-सा ए बिश्वास बाक्की सै, ताके तेरा बचा होइ बिश्वास भी ना जान्दा रहवै, मै जाणु सूं के तेरे काम अधूरे सै, पर तेरे काम्मान तै, जो तू करण लागरया सै परमेसवर खुश कोनी। 3 इस करके याद कर, के तन्नै किस तरियां तै शिक्षा पाई अर सुणी थी, अर उस म्ह बण्या रह, अर पाप करणा छोड़ दे। जै तू जागदा न्ही रहवैगा, तो मै चोर की ढाळ आ जाऊँगा अर तन्नै कदे भी न्ही बेरा पाटैगा, के मै किस बखत तेरे पै आण पडूँगा। 4 पर हाँ, तेरे धोरे सरदीस म्ह कुछ लोग सै, जो पाप के जरिये अशुद्ध कोनी होए, वे धोळे लत्ते पहरे होइ मेरै गैल हॉटिं क्यूँके वे इस लायक सै। 5 वे लोग जो बुराई की ताकत पाँ जीत पावै सै, उस ताहीं इससे ढाळ धोळे लत्ते पहिराए जावैंगे, अर मै उसका नाम जीवन की किताब म्ह तै किसे तरियां तै भी न्ही काटूँगा, पर उसका नाम अपने पिता अर उसके सुर्गदूता के स्याम्ही मान ल्युँगा के ये मेरे लोग सै। 6 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै। 7 अर उसनै मेरे ताहीं यो भी कहा सै, के फिलदिलफिया नगर की कलीसिया के सुर्गदूत नै न्यू लिख के जो कहवै सै, मै पवित्र अर सच्चा सूं, अर मेरे धोरे वा ताळी सै, जो राजा दाऊद की सै, जिब मै ताळी लेके दरबाजा खोल्लूँ सूं, तो उसनै कोए बन्द न्ही कर सकता, जिब मै ताळी लेके दरबाजा बन्द करूँ सूं, तो उसनै कोए खोल न्ही सकता, वो तेरे तै न्यू कहवै सै के, 8 मन्ने तेरे काम्मान का बेरा सै, देख, मै जाणु सूं के तेरे म्ह भोत कम काबलियत सै, पर तन्नै वा बात मान्नी सै जिसके बारें म्ह मन्ने तेरे ताहीं कहा था, अर तन्नै इस बात का इन्कार न्ही करया के तू मेरे पै बिश्वास करै सै, इस करके मन्ने एक दरबाजा खोल्या सै, जिसनै कोए बन्द न्ही कर सकदा। 9 देख, जो शैतान के झुण्ड म्ह तै सै, अर खुद नै यहूदी कहवै सै, पर सै न्ही, बल्के झूठ बोल्लै सै, देख, मै इसा करूँगा, के वे आके तेरे पायां म्ह मोध्थे पडैंगे, अर न्यू जाण लेवैंगे, के मन्ने तेरे तै प्यार करया सै। 10 क्यूँके जिब तेरे ताहीं सताया जाण लागरया था, तो तन्नै मेरे वचन ताहीं धीरज तै पुगया सै, उसकी बजह तै मै भी तन्नै इम्तिहान के

उस बखत म्ह बचा के राक्खूँगा, जो धरती पै रहण आळे माणसां नै परखण के खातर साब्ती दुनिया पै आण आळा सै। 11 मै तावळा-ए आण आळा सूं, अपने बिश्वास म्ह मजबूत बणो, ताके कोए थमनै थारा ईनाम लेण तै रोक ना पावै। 12 वे लोग जो बुराई की ताकत पाँ जीत पावै सै, उन ताहीं मै अपने परमेसवर के मन्दर म्ह खम्बा बणाऊँगा, वो फेर कदे बाहरणै न्ही लिकडैंगे, अर मै अपने परमेसवर का नाम, अर अपने परमेसवर के नगर, यानिके नये यरुशलम का नाम, जो मेरे परमेसवर की ओड़ तै सुर्ग पै तै उतरण आळा सै, अर अपना नया नाम उसपै लिखूँगा। 13 जिसके कान हों, ध्यान तै सुण ले के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै। 14 अर उसनै मेरे ताहीं यो भी कहा सै, के "लौदीकिया नगर की कलीसिया के सुर्गदूत नै न्यू लिख" के, जो आमीन, अर बिश्वास जोगगा, अर सच्चा गवाह सै, अर परमेसवर की सृष्टि का खास कारण सै, वो न्यू कहवै सै। 15 के मै तेरे काम्मान नै जाणु सूं के तू उस पाणी की ढाळ सै, जो ना तो शीळा सै अर ना तात्ता, आच्छा था के तू इन म्ह तै एक होन्दा 16 क्यूँके तू गुणगुणा सै, अर ना शीळा अर ना तात्ता, मै तन्नै अपने मुँह म्ह तै उगळण पै सूं। 17 तू जो कहवै सै, के मै धनी सूं, अर धनवान होगया सूं, अर मन्ने किसे चीज का घाटा न्ही, अर न्यू न्ही जाण्दा, के तू निरभाग, नीच, कंगाल, आन्धा, अर उघाड़ा सै। 18 इस करके मै तन्ने तारा दिह्युँ सूं, के आग म्ह त्याया होइ सोन्या मेरे तै मोल ले, के तू साहूकार हो जावै, अर धोळा लत्ता ले-ले के पहरे के तन्नै अपने उघाडेपण पै शर्म न्ही आवै, अर अपनी आँखां म्ह लाण के खातर सुरमा ले, के तू देखखण लागूँ। 19 मै जिस-जिसतै प्यार राक्खूँ सूं, उन सारया ताहीं उल्लाणा अर ताड़ना दिह्युँ सूं, इस करके हिम्मत राख, अर पाप करणा छोड़ दे। 20 देख, मै दरबाजे पै खड्या होया खटखटाऊँ सूं, जै कोए मेरा बोल सुणके दरबाजा खोल्लैगा, तो मै उसके धोरे भित्त आके उसके गेल्या खाणा खाऊँगा, अर वो मेरे गेल्या। 21 जो जीत पावै, मै उस ताहीं अपने गेल्या अपने सिंहासन पै बिठाऊँगा, जिसा मै भी जीत पाके, अपने पिता के गेल्या उसके सिंहासन पै बैठ गया। 22 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण लेवै के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै।

4 इन बात्ता के पाच्छे जो मन्ने निगांह करी, तो के देखूँ सूं, के सुर्ग म्ह एक दरबाजा खुल्या होया सै, अर ओड़ कोए था जो मेरे तै बात करण लागरया था, अर जो बात करण लागरया था, वो वोए था जिसनै मेरे तै पैहले बात करी थी, अर जिसकी आवाज तुरही के शब्द की तरियां थी, अर उसनै मेरे तै कहा, के "उरे उपरान आ प्या, अर मै वे बात तन्नै दिखाऊँगा, जिनका इन बात्ता के पाच्छे पूरा होणा जरूरी सै।" 2 अर जिब्बे पवित्र आत्मा मेरे पै आ गया, अर मै के देखूँ सूं, के एक सिंहासन सुर्ग म्ह सै, अर उस सिंहासन पै कोए बेठ्या सै। 3 अर जो उसपै बेठ्या सै, उसकी चमक सूर्यकान्त मणि अर माणिक्य पत्थर के समान थी, अर उस सिंहासन के चौरदके मेघ-धनुष था, उसकी चमक पन्ने के समान की थी। 4 अर उस सिंहासन के चौरदके चौबीस सिंहासन सै, अर इन सिंहासनां पै चौबीस बुजुर्ग धोळे लत्ते पहरे होइ बैठे सै, अर उनके सिरां पै सोन्ये के ताज सै। 5 अर उस सिंहासन म्ह तै बिजली चमकण की अर गरजण की आवाज आण लागरी थी, अर सिंहासन के स्याम्ही आग के सात दिवें जळण लागरे सै, जो के परमेसवर की सात आत्मा सै। 6 अर उस सिंहासन के स्याम्ही पारस था जो के समुंदर जिसा चौड़ा था, अर शीशे जिसा साफ था, सिंहासन के बिचाळे अर सिंहासन के चौरदके चार प्राणी सै, जिनके आगै-पाच्छे आँखें-आँख सै। 7 पैहला प्राणी शेर के बरगा सै, अर दुसरा प्राणी का मुँह बळध के बरगा सै, तीसरे प्राणी का मुँह माणस के बरगा सै, अर चौथा प्राणी उड़दे होइ उकाब के बरगा सै। 8 अर च्यार प्राणियाँ के छः, छः पंख सै, उनके उपपर अर हरेक जगहां ए आँख थी, बल्के पंखां के तळै भी, अर वे दिन-रात बिना आराम करे न्यू कहवै सै, के पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेसवर, जो सब तै शक्तिशाली था, अर जो था, जो सै, अर जो आण आळा सै। 9 अर जिब वे प्राणी उसकी जो सिंहासन पै बेठ्या सै, अर जो युगानुयुग जीवै सै,

महिमा अर आदर अर धन्यवाद करैगें, (aiōn g165) 10 फेर सब चौबीस बुजुर्ग सिंहासन पै बैठण आळे के स्याम्ही पड़ जावैगें, अर उस ताहीं जो युगानुयुग जीवे से प्रणाम करैगें, अर अपणे-अपणे ताज सिंहासन के स्याम्ही न्यू कहन्दे होए धर देवैगें। (aiōn g165) 11 “हे म्हारे प्रभु अर परमेसवर, तू-ए महिमा, अर आदर, अर सामर्थ के जोगमा सै, क्यूँके तन्नै ए सारी चिज्जां ताहीं बणाया अर वे तेरी-ए मर्जी तै थी अर रची गई।”

5 अर जो सिंहासन पै बैठ्या था, मन्ने उसके सोळे हाथ म्ह एक किताब देख्खी, जो भीत्तर अर बाहरणे लिक्खी होइ अर वा सात मोंहर लाके बन्द करी गई थी। 2 फेर मन्ने एक शक्तिशाली सुर्गदूत ताहीं देख्या, जो जोर तै बोलण लागरया था, के इस किताब के खोल्लण अर उसकी मोंहर तोड़ण के जोगमा कौण सै? 3 पर ना सुर्ग म्ह, ना धरती पै, ना धरती के तळे कोए उस किताब नै खोल्लण या उस ताहीं पढ़ण लायक कोए कोनी लिक्ड्या। 4 अर मै फूट-फूटके रोग लाग्या, क्यूँके उस किताब ताहीं खोल्लण, या उस ताहीं पढ़ण लायक कोए न्ही मिल्या। 5 फेर उन बुजुर्गा म्ह तै एक नै मेरे तै कह्या, मतना रोवे, लखा, यहूदा के गोत्र का वो शेर, जो दाऊद का मूल सै, उस किताब नै खोल्लण अर उसकी सात्तु मोंहर तोड़ण के खात्तर जयवन्त होया सै। 6 फेर मन्ने उस सिंहासन अर च्यार प्राणियाँ अर उन बुजुर्गा के बिच्चाळे, मान्नी एक मारया होइ मेम्ना खड्या देख्या जो पैहले मर गया था, पर इब वो जिन्दा होग्या सै, उसके सात सींग अर सात आँख थी, ये परमेसवर की सात्तु आत्मा सै, जो साबती धरती पै भेज्जी गई सै। 7 उसनै आके उसके सोळे हाथ तै जो सिंहासन पै बैठ्या था, वा किताब ले ली, 8 अर जब उसनै किताब ले ली, तो वे च्यार प्राणी अर सब चौबीस बुजुर्ग उस मेम्ने के स्याम्ही झुकगे, अर हरेक हाथ म्ह वीणा अर धूप तै भरे होइ सोन्ने के कटोरे थे, ये तो पवित्र माणसां की प्रार्थना सै। 9 अर वे यो नया गीत गाण लागगे, के तू इस किताब के लेण, अर उसकी मोहरां नै खोल्लण जोगमा सै, क्यूँके तन्नै मरके अपणे लहू तै हरेक कुल, अर भाषा, अर माणस, अर जात म्ह तै परमेसवर के खात्तर माणसां ताहीं मोल लिया सै। 10 अर उन ताहीं म्हारे परमेसवर के खात्तर एक राज्य अर याजक बणाया, ताके वो परमेसवर की सेवा करे, अर वे धरती पै राज्य करे सै। 11 अर जब मन्ने देख्या, तो उस सिंहासन अर उन प्राणियाँ अर उन बुजुर्गा के चौगरदेके अनगिणत सुर्गदूतां का बोल सुणया, जिनकी गिणती लाक्खां अर करोड़ां की थी। 12 अर वे ऊँच्ची आवाज म्ह गाण लागरे थे, के मारया होया मेम्ना ए सामर्थ, धन, ज्ञान, ताकत, आदर, महिमा, अर धन्यवाद के लायक सै। 13 फेर मन्ने सुर्ग म्ह, धरती पै, अर धरती के तळे, अर समुन्दर की सारी बणाई होइ चिज्जां नै, अर सारा किमे, जो उन म्ह सै, उन ताहीं न्यू कहन्दे सुणया, के “जो सिंहासन पै बैठ्या सै, उसका, अर मेम्ने का धन्यवाद हो, मेम्ना ए सामर्थ, धन, ज्ञान, ताकत, आदर, महिमा के लायक सै, अर उसका राज्य, युगानुयुग रहवै।” (aiōn g165) 14 अर च्यार प्राणियाँ नै आमीन कह्या, अर बुजुर्गा नै झुकके प्रणाम करया।

6 फेर मन्ने देख्या, के मेम्ने नै उन सात्तु मोहरां म्ह तै एक ताहीं खोल्या, अर उन च्यार प्राणियाँ म्ह तै एक का गरजण जिंसा शब्द सुणया, के आ जाओ। 2 अर मन्ने निगांह करी, अर देख्खो, मन्ने एक थोळा घोड़ा दिख्या, अर उसका सवार धनुष लिए होइ सै, अर उस ताहीं एक ताज पिहराया गया, अर वो सुर्ग तै चाल्या अर धरती पै लिक्ड्या, जो पैहले तै ए जीत चुका सै, अर फेर तै वो जीत जावैगा। 3 अर जब मेम्ने नै दुसरी मोंहर खोल्ली, तो मन्ने दुसरे प्राणी ताहीं न्यू कहन्दे सुणया, के आ। 4 फेर एकदम तै एक और घोड़ा लिक्ड्या, जो लाल रंग का था, उसके सवार ताहीं यो हक दिया गया, के धरती पै तै मेळ-मिलाप ठा ले, ताके माणस एक-दुसरे नै मारे, अर उस ताहीं एक बड्डी तलवार दी गई थी। 5 अर जब उसनै तीसरी मोंहर खोल्ली, तो मन्ने तीसरे प्राणी ताहीं न्यू कहन्दे सुणया, के “आ” अर मन्ने निगांह करी, अर देख्खो, मन्ने एक काळे घोड़े ताहीं लिक्डये देख्या, अर उसके सवार के

हाथ म्ह एक ताखड़ी सै। 6 अर मन्ने उन च्यार प्राणियाँ के बिचाळे तै एक शब्द न्यू कहन्दे सुणया, के एक दीनार एक दिन की मजदूरी भीत सै, एक किलो गेहूँ, या तीन किलो जो लेण खात्तर, पर तेल अर अंगूर के रस की किम्मत ना बदलिये। 7 अर जब मेम्ने नै चौथी मोंहर खोल्ली, तो मन्ने चौथे प्राणी का बोल न्यू कहन्दे सुणया, के आ। 8 अर मन्ने निगांह करी, अर देख्खो, एक पीछा-सा घोड़ा सै, अर उसके सवार का नाम मौत सै: अर अधोलोक उसके पाच्छे-पाच्छे आण लागरया था, अर उन ताहीं धरती पै रहण आळे चार माणस (या एक चौथाई माणसां) म्ह तै एक-एक ताहीं मारण का हक मिल्या, उननै तलवार, भूख, बीमारी, अर धरती के जंगली-जानवरों के जरिये माणसां ताहीं मार दिया। (Hadēs g86) 9 अर जब मेम्ने नै पाँचवी मोंहर खोल्ली, तो मन्ने वेदी के तळे उनके प्राणां ताहीं देख्या, जो परमेसवर के वचन के कारण, अर उसपै बिश्वास करण के कारण मारे गये थे। 10 अर उसनै जोर तै रुक्का मारके परमेसवर तै कह्या, हे माल्लिक, हे पवित्र, अर सच्चे प्रभु, तू इतनी बाट क्यूँ देखण लागरया सै, उन बुरे माणसां ताहीं दण्ड देण खात्तर, जो इस धरती पै रहण लागरे सै? हम तेरे तै बिनती करां सां, के तू उन माणसां तै बदला ले, जिननै म्हारे ताहीं जान तै मार दिया सै। 11 अर उन म्ह तै हरेक ताहीं थोळे लत्ते देके, परमेसवर नै उनतै कह्या, के और थोड़ी-देर ताहीं आराम करे, जब ताहीं के धारे संगी दास, अर बिश्वासी भाई, जो थारी तरियां मरण आळे सै, उनकी भी गिणती पूरी ना हो लेवै। 12 जब मेम्ने नै छठी मोंहर खोल्ली, तो मन्ने देख्या, के एक बड्ड़ा हाल्लण होया, अर सूरज का रंग मोट्टे काळे काम्बळ की ढाळ काळा पड़ग्या, अर पूरा चाँद लहू जिंसा लाल होग्या। 13 अर अकास के तारे धरती पै इस ढाळ पड़गे जिंसा तरियां आँधी तै हालके अंजीर के दरखत म्ह तै काचे फळ झड़ै सै। 14 आसमान पाटग्या अर एक किताब की ढाळ सुकड ग्या था, अर हरेक पहाड़, अर टापू, अपणी-अपणी जगहां तै हटगे। 15 अर इसका नतिज्जां यो होया के, धरती के राजा, प्रधान, सरदार, साहूकार, अर सामर्थी माणस, हरेक गुलाम, अर हरेक आजाद माणस, पहाड़ां की खोह म्ह, अर चट्टानां म्ह जा लुत्के। 16 अर पहाड़ां, अर चट्टानां तै कहण लागगे, के “म्हारे ताहीं लह्को ल्यो, अर म्हारे ताहीं उसके मुँह तै जो सिंहासन पै बैठ्या सै, अर मेम्ने के प्रकोप तै लह्को ल्यो। 17 क्यूँके उनके प्रकोप के भयानक दिन जब परमेसवर अर मेम्ना उन सारया का न्याय करेगा तो कोए भी उननै दण्ड तै बचा न्ही पावैगा।”

7 उसके पाच्छे मन्ने दुनिया के च्यार कुणयां पै चार सुर्गदूत खड़े देख्खे, उन सुर्गदूतां नै परमेसवर तै यो हक मिल्या था, के वे दुनिया के माणसां ताहीं मरी तै मारे, चाहे वे धरती पै हो या समुन्दर पै हो, उननै हवा ताहीं धरती के च्यार कुणयां पै तै रोक राख्या था, ताके हवा धरती, समुन्दर, या किसी भी जंगल तै ना गुजरे, 2 अर मन्ने एक और सुर्गदूत ताहीं पूरब दिशा की ओइ आन्दे देख्या, उसके हाथ म्ह परमेसवर की ओइ तै एक मोंहर थी, जो युगानुयुग जिन्दा सै, उस सुर्गदूत नै ऊँच्ची आवाज म्ह दुसरे चार सुर्गदूतां तै यो कह्या। 3 जब ताहीं हम अपणे परमेसवर के दास्तां के माथ्थे पै मोंहर न्ही ला देवां, जद ताहीं धरती अर समुन्दर अर दरखतां ताहीं नुकसान ना पोहोचाईयो। 4 अर जब सुर्गदूतां नै मोंहर लगा ली, तो किसे नै मेरे ताहीं बताया के एक लाख चवाळीस हजार पै मोंहर लगा दी गई सै, ये सारे लोग इस्राएल के बारहां गोत्र म्ह तै सै। 5 यहूदा के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै मोंहर दी गई, रूबेन के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, गाद के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै। 6 अशेर के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, नफ्ताली के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, मनशिशह के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै। 7 शमीन के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, लेवी के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, इस्राकार के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै। 8 जबलून के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, यूसुफ के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै अर बिन्यामीन के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै मोंहर दी गई। 9 इसके पाच्छे मन्ने निगांह करी, अर देख्खो, हरेक जात, अर कुल, अर माणस अर भाषा म्ह तै एक इसी बड्डी भीड़, जिंसा ताहीं कोए गिण न्ही

सकै था धोळें लत्ते पैहरे, अर अपणे हाथ्यां म्ह खजूर की डाळी लिए होए सिंहासन के स्याम्ही अर मेम्ने के स्याम्ही खड़ी सै। 10 अर जोर तै रुक्का मारके कहवे सै, के उद्धार म्हारे परमेसवर जो सिंहासन पै विराजमान सै, अर मेम्ने की ओड़ तै आवे सै। 11 अर सारे सुर्गदूत, उस सिंहासन, बुजुर्गा अर च्यारु प्राणियाँ के चौगरदेके खड़े सै, फेर वे सिंहासन के स्याम्ही मुँह के बळ पड़गे, अर परमेसवर ताहीं प्रणाम करके कहा, म्हारे परमेसवर की बड़ाई, 12 महिमा, ज्ञान, धन्यवाद, आदर, सामर्थ, अर ताकत युगानुयुग बणी रहवै। आमीन। (aiōn g165) 13 इसपै बुजुर्गा म्ह तै एक नै मेरे तै कहा, के तू जाणी सै, के या धोळी पोशाक पैहरे होए कौण सै? अर किन्त तै आवे सै? 14 मन्ने उसते कहा, “हे माल्लिक, तन्ने ए बेरा सै।” उसने मेरे तै कहा, “ये वे सै, जो उस बड़े क्लेश म्ह तै लिक्ड़के आवे सै, इन्ने अपणे-अपणे लत्ते मेम्ने के लहू म्ह धोके धोळे करे सै।” 15 इससे कारण वे परमेसवर के सिंहासन के स्याम्ही खड़े सै, अर परमेसवर के घर म्ह दिन-रात उसकी सेवा करे सै, अर जो सिंहासन पै बेठ्या सै, वो उन म्ह रहवैगा अर उन ताहीं बचावैगा। 16 वे इब ना तो कदे भुक्खे होवैगें अर ना तिसाए, अर ना तो सूरज की गर्मी उन ताहीं झुलसावैगी अर ना कोए दुसरी गर्मी। 17 क्यूँके जो मेम्ना सिंहासन के बिचाळे सै वो उनकी रुखाळी करैगा, अर उन ताहीं जीवन रूपी पाणी के चोवे के धोरे ले जाया करैगा, अर परमेसवर उनकी आँखां तै सारे आँसू पुंज देवैगा।

8 अर जब मेम्ने नै सातमी मोंहर खोल्ली, तो सुर्ग म्ह आध्थे घंटे ताहीं सनाटा छा गया। 2 अर मन्ने उन सातु सुर्गदूतां ताहीं जो परमेसवर के स्याम्ही खड़े रहवें सै, देख्या, अर उन ताहीं सात तुरही दी गई। 3 फेर एक और सुर्गदूत सोन्ने का धूपदान लिए होड़ आया, अर वेदी के लोवै खड्या होया, अर उस ताहीं भोत सारी धूप दी गई, ताके वो उस ताहीं सारे पवित्र माणसां की प्रार्थना के साथ उस सोन्ने की वेदी पै भेट चढ़ावे जो सिंहासन के स्याम्ही सै। 4 अर सुर्गदूतां के हाथ म्ह लिये होए उस धूपदान का धुम्मा, पवित्र माणसां की प्रार्थना के साथ परमेसवर के धोरे उप्पर पोहच गया। 5 अर सुर्गदूत नै धूपदान लेके उस म्ह वेदी की आग भरी, अर उस ताहीं धरती पै गेर दी, अर गरजण गड़गड़ाहट, बिजली चमकी अर हाल्लण होण लाग्या। 6 फेर वे सातु सुर्गदूत जिनके धोरे सात तुरही थी, उन ताहीं फुककण खात्तर त्यार होए। 7 पैहले सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, अर लहू तै मिले होड़ ओळे अर आग पैदा होई, अर धरती पै गेरी गई, अर धरती का एक तिहाई हिस्सा जळग्या, अर दरखां का तीसरा हिस्सा जळग्या, अर सारी हरी घास भी जळगी। 8 जब दुसरे सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, तो मान्नों आग जिसा जळदा होया एक बड़ड़ा पहाड़ समुन्दर म्ह गेरया गया, अर समुन्दर का एक तिहाई हिस्सा लहू म्ह होग्या। 9 अर समुन्दर की एक तिहाई बणाई होड़ चीज जो जिन्दी थी मरगी, अर जहाज के तीसरे हिस्से का नाश होग्या। 10 अर तीसरे सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, अर एक बड़ड़ा तारा जो मशाल की ढाळ जळै था, सुर्ग तै टूट्या, अर नदियाँ के तीसरे हिस्से पै, अर पाणी के चोवां पै आण पड्या। 11 उस तारे का नाम नागदौना सै, अर एक तिहाई हिस्से का पाणी नागदौना बरगा कड़वा होग्या, अर घणखरे माणस उस पाणी के कड़वे हो जाण ते मरगे। 12 अर चौथे सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, अर सूरज का एक तिहाई हिस्सा, अर चाँद का एक तिहाई हिस्सा अर तारां के एक तिहाई हिस्से पै आफफत आई, ताके उनका एक तिहाई हिस्सा अन्धेरे म्ह डूब जावै, अर दिन के एक तिहाई हिस्से म्ह चाँदणा न्ही रहया, अर उससे तरियां एक तिहाई रात भी बिना चाँदणे की हो गई। 13 जब मन्ने फेर देख्या, तो अकास के बिचाळे एक उकाब ताहीं उड़दे अर ऊँचे शब्द तै न्यू कन्हन्ने सुणया, “उन तीन सुर्गदूतां की तुरही के शब्दां के कारण, जिनका फूंकणा इब्बे बाक्की सै, धरती के बासिन्द्यां पै धिक्कार सै, धिक्कार, धिक्कार।”

9 जब पाँचमे सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, तो मन्ने सुर्ग तै धरती पै एक तारा पड़दा होड़ देख्या, अर उस तारे ताहीं घणे अथाह कुण्ड की ताळी दी

गई। (Abyssos g12) 2 अर उसने घणे अथाह कुण्ड ताहीं खोल्या, अर कुण्ड म्ह तै बड़ी भट्टी जिसा धुम्मा उठ्या, अर कुण्ड के धुम्मे तै सूरज अर आसमान म्ह अन्धेरा छाग्या। (Abyssos g12) 3 अर उस धुम्मे म्ह भोत सारी टिड्डी लिक्ड़की अर वे सारी धरती पै फैलगी, अर उन ताहीं बिच्छुआ की तरियां माणसां के लड़ण की शक्ति दी गई। 4 अर उनतै कहा गया, के ना धरती की घास ताहीं, ना किसे हरियाली ताहीं, ना किसे दरखत ताहीं नुकसान पोहोचाओ, सिर्फ उन माणसां ताहीं नुकसान पोहोचाओ, जिनके माथ्थे पै परमेसवर की मोंहर कोनी। 5 अर उनकी जान लेण का तो न्ही, पर पाँच महिन्ना तक माणसां ताहीं दर्द देण का हक दिया गया, अर उनका दर्द इसा था, जिसा बिच्छु के डंक मारण तै माणस का होवे सै। 6 उन पाँच महिन्ना म्ह माणस मरण के तरिककें टोहवैगें, वे मरणा तो चाहवैगें, पर वे मर न्ही पावैगें। 7 अर उन टिड्डियाँ के आकार लड़ाई के खात्तर त्यार करे होए घोड्या के जिसे थे, अर उनके सिरां पै मान्नों सोन्ने के ताज थे, अर उनके मुँह माणसां बरगे थे। 8 अर उनके बाळ लुगाईयाँ के जिसे, अर दाँत शेरों के जिसे थे। 9 अर उनका शरीर मान्नों लोहे के कवच तै ढक्या होया था, अर उनके पंखां का शब्द इसा था जिसा रथां अर भोत-से घोड्या का जो लड़ाई म्ह भाज्जै सै। 10 अर उनकी पूँछ अर डंक बिच्छुआ के समान थी, अर उन ताहीं पाँच महिन्ना तक माणसां नै इङ्ख पोहोचाण की जो सामर्थ थी, वा उनकी पुन्झां म्ह थी। 11 घणे अथाह कुण्ड का दूत उनपै राजा था, उसका नाम इब्रानी म्ह अब्दोन, अर यूनानी म्ह अपुल्लयोन सै। (Abyssos g12) 12 पाँच महिन्ना बाद वा बिपदा खतम हो जावैगी, लखाओ इब इनके पाच्छे दो बिपदा और आण आळी सै। 13 अर जब छटमे सुर्गदूत नै तुरही फूक्की तो जो सोन्ने की वेदी परमेसवर के स्याम्ही सै उसके सीनां म्ह तै मन्ने इसा शब्द सुणया। 14 मान्नों कोए छटमे सुर्गदूत तै जिसके धोरे तुरही थी कहण लागरया सै, के “उन चार सुर्गदूतां नै जो बड़ी नदी फरात के धोरे बन्धे होड़ सै, खोल दे।” 15 अर वे च्यारु सुर्गदूत जो उस घड़ी, दिन, महिन्ने, या साल के खात्तर एक तिहाई माणसां नै मारण खात्तर छोड़ दिए गये थे। 16 उननै भोत बड़े घुड़सवारां की पलटन ताहीं कट्टा करया जिनकी गिणती बीस करोड़ सै। 17 अर मन्ने अपने दर्शन म्ह घोड़े अर उसके इसे सवार दिक्खे, उनके धोरे कवच था जो लाल, गहरा नीला अर गन्धक की तरियां पीळा था, अर उन घोड्या के सिर शेर के सिर बरगे थे, अर उनके मुँह तै आग, अर धुम्मा, अर गन्धक लिक्ड़ै थी। 18 इन तीन महामारियाँ तै, यानिके आग, अर धुम्मा, अर गन्धक तै जो उसके मुँह तै लिक्ड़ै थी, एक तिहाई माणस मारे गये। 19 क्यूँके उन घोड्या की ताकत उनके मुँह, अर उनकी पुन्झां म्ह थी, ज्यांते के उनकी पुन्झाड़ साँपां जिसी थी, अर उन पुन्झां के सिर भी थे, अर इन्हे तै वे दर्द देवें थे। 20 अर बाकी माणस जो उन महामारियाँ तै न्ही मरे थे, उननै अपने बुरे काम करणे न्ही छोड़े, जो के ये थे भुंडी ओपरी आत्मायाँ की, अर सोन्ने, चान्दी, पीत्तळ, पत्थर, अर काठ की मूर्तियाँ की पूजा करणा, जो ना देख, ना सुण, ना चाल सकें सै। 21 अर ना ए उननै खून करणा, जादू-टोणा, जारी, अर चोरी करणा छोड्या।

10 फेर मन्ने एक और शक्तिशाली सुर्गदूत ताहीं सुर्ग तै उतरदे देख्या, जिसनै बादळां ताहीं लत्यां के समान धारण करया होया था, उसके सिर पै मेघ-धनुष था, अर उसका मुँह सूरज जिसा अर उसके पाँ आग के खम्भे बरगे थे। 2 उसने अपना सोळा पाँ समुन्दर पै, अर ओळा पाँ धरती पै धरया, अर उसके हाथ म्ह एक छोटी सी खुली होड़ किताब थी, । 3 अर इतनी जोर तै चिल्लाया, जिस ढाळ शेर गरजे सै, अर जब वो चिल्लावे था तो गरजण के सात शब्द सुणाई दिए, जिननै मै समझ न्ही पाया। 4 अर जब सातु गरजण के शब्द सुणाई दे लिए, तो मै लिखण पै था, अर मन्ने सुर्ग तै यो शब्द सुणया, के जो बात गरजण के उन सात शब्दां तै सुणी सै, उननै ल्टकोए राख, अर लिखै ना। 5 अर जिस सुर्गदूत ताहीं मन्ने समुन्दर अर धरती पै खड़े होड़ देख्या था, उसने अपना सोळा हाथ कसम खाण खात्तर सुर्ग के कान्ही ठाया। 6 अर जो युगानुयुग जिन्दा रहवैगा, अर जिसनै सुर्ग

अर उस म्ह बसी होई चिज्जां ताहीं, अर धरती अर उस म्ह बसी होई चिज्जां ताहीं, अर समुन्दर उस म्ह बसी होई चिज्जां ताहीं बणाया सै, उससे की कसम खाके बोल्या, “इब तो और वार नही होगी।” (aiōn g165) 7 जब सातमै सुर्गदूत का तुर्ही फूंककण का बखत होगा, तो परमेसवर की योजना पूरी हो जावैगी, जिस ताहीं उसनै अपने नबियाँ ताहीं बताया, जो उसकी सेवा करै सै, पर वो योजना दुसरे माणसां पै जाहिर कोनी करी थी। 8 अर जिस शब्द करण आळे ताहीं मनै सुर्ग तै बोलदे सुणया था, वो फेर मैरे गेल्या बात करण लाग्या, के जा, जो सुर्गदूत समुन्दर अर धरती पै खड्या सै, उसके हाथ म्ह की खुली होइ किताब ले ले। 9 अर मनै सुर्गदूत कै धोरै जाके कह्या, “या छोटी किताब मनै दे, अर उसनै मेरे ते कह्या, ‘ले इसने खा ले,’ या तेरे मुँह म्ह शहद जिसी मिठी लागैगी, पर या तेरा पेट कडवा कर देगी।” 10 ज्यांतै मै वा छोटी किताब उन सुर्गदूत कै हाथ म्ह तै लेके खाग्या, वा मेरे मुँह म्ह शहद जिसी मिठी तो लागी, पर जब मै उसनै खाग्या, तो मेरा पेट कडवा होग्या। 11 फेर मैरे तै न्यू कह्या गया, “तन्ने घणेए माणसां, जात्तां, भाषा अर राजयां के बारे म्ह फेर तै भविष्यवाणी करणी होगी।”

11 फेर मैरे ताहीं नाप्पण कै खात्तर एक सरकण्डा दिया, जो नाप्पण के यन्त्र जिंसा था, अर किसै नै मेरे तै कह्या, “उठ, परमेसवर के मन्दर अर वेदी ताहीं नाप ले, अर उस म्ह आराधना करण आळा की गिणती करले। 2 अर मन्दर के बाहर का आँगण छोड़दे, उसनै मतना नाप, क्यूँके वो गैर यहूदियाँ ताहीं दिया गया सै, अर वे पवित्र नगर नै बियाळीस महिन्ने ताहीं रँदैगी। 3 अर मै अपने दो गवाहां ताहीं यो हक देऊँगा, के टाट ओढ़ होए एक हजार दो सौ साठ दिन ताहीं भविष्यवाणी करै।” 4 ये वैए जैतून के दो दरखत अर दो दीवट की तरियां सै, जो धरती कै प्रभु कै स्याम्ही खड़े रहवँ सै। 5 अर जै कोए उननै नुकसान पोहचावै सै, तो उनके मुँह तै आग लिङ्कके उनके बैरियाँ ताहीं भस्म करै सै, अर जै कोए उन ताहीं नुकसान पोहोचाणा चाहवैगा, तो जरूर इस्से ढाळ मारया जावैगा। 6 परमेसवर नै उन ताहीं हक दिया सै, के उनकी भविष्यवाणी के दिनां म्ह अकास तै मिह नही बरसै, अर उननै यो भी हक सै, के जिब-जिब वे चाहवँ जद-जद वे पाणी नै लहू म्ह बदल दे, अर धरती पै हरेक ढाळ की बिपदा ल्यावै। 7 अर जब वे अपनी गवाही दे लैवेंगे, तो वो पशु जो घणे अथाह कुण्ड म्ह तै लिंकडैगा, उनतै लड़के उन ताहीं जिंसा अर मार देवैगा। (Abyssos g12) 8 अर उनकी लाश उस बड़े नगर के चौक म्ह पड़ी रहवैगी, जिंत्त उनका प्रभु भी क्रूस पै चढ़ाया गया था, जो आत्मिक तौर तै सदोम अर मिस्र देश कुहावै सै। 9 अर सारे माणस, सारे कुल, सारी भाषा, अर सारी जात्तां के लोग उनकी लाश साढ़े तीन दिन ताहीं देखदे रहवेंगे, अर उनकी लाश कम् म्ह धरण नही देवेंगे। 10 अर धरती के बासिन्दे, उनके मरण तै राज्जी अर मग्न होवेंगे, अर एक-दुसरे के धोरै तोप्के भेज्जैंगे, क्यूँके इन दोनू नबियाँ नै धरती के बासिन्दयां ताहीं भोत सताया था 11 अर साढ़े तीन दिन कै पाच्छे परमेसवर कै कान्ही तै जीवन का साँस उन म्ह आ ग्या, अर वे अपने पायां कै बळ खड़े होग्ये, अर उनके देखण आळे डरगे। 12 अर उननै सुर्ग तै एक बड़्ठा बोल सुणाई दिया, के उरै ऊपरन आओ, न्यू सुण वे बादळां तै सवार होके अपने बैरियाँ के देखदे-देखदे सुर्ग पै चढ़गे। 13 फेर उससे बखत एक बड़्ठा भूकम्प यरुशलम नगर म्ह होया, अर नगर का दसमां हिस्सा पडग्या, अर उन भूकम्प तै सात हजार माणस मरगे अर बाक्की बचे होइ माणस डरगे, अर सुर्ग के परमेसवर की महिमा करी। 14 दुसरी बिपदा बीत ली, देखखो, तीसरी बिपदा तावळी आण आळी सै। 15 अर जब सातमै सुर्गदूत नै तुर्ही फूक्की, तो सुर्ग म्ह इस बारे म्ह बड़े-बड़े शब्द होण लागे, के “दुनिया का राज्य म्हारे प्रभु का, अर उसके मसीह का होग्या सै, अर वो युगानुयुग राज्य करेगा।” (aiōn g165) 16 अर सब चौबीस बुजुर्ग जो परमेसवर कै स्याम्ही अपने-अपने सिंहासन पै बैठे थे, मुँह कै बळ मोध्थे पड़के परमेसवर की आराधना करेंगे। 17 न्यू कहण लागे, “के हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर, जो सै, अर जो था, हम तेरा धन्यवाद करा सां, के तन्ने अपनी बड़ी सामर्थ

के काम तै धरती पै राज करणा शुरु करया। 18 अर दुसरी जात्तां कै छो उठ्या, अर तेरा प्रकोप आण पड्या अर वो बखत आण पोंहच्या सै, के मरे होया का न्याय करया जावै, अर तेरे दास नबियाँ अर पवित्र माणसां ताहीं अर उन छोटे-बड़ा ताहीं जो तेरे नाम तै डरे सै, वो तेरी महिमा करै, अर धरती पै जो माणस दुसरे माणसां नै बिगाड़े सै, उन ताहीं नाश करा जावै।” 19 फेर परमेसवर का जो मन्दर सुर्ग म्ह सै वो खोल्या गया, अर उसके मन्दर म्ह उसका करार का सन्दूक दिख्या, बिजळियाँ, शब्द, गरजण अर भूकम्प होए अर बड़े ओळे पड़े।

12 फेर इन बातों के बाद सुर्ग पै एक बड़्ठा निशान दिख्या, यानिके एक जनानी जो सूरज नै ओढ़े होइ थी, अर चाँद उसके पायां कै तळे था, अर उसके सिर पै बारहा तारां का ताज था। 2 अर वा गर्भवती थी, अर किल्ली मारै थी, क्यूँके जापै का दर्द उसके होण लाग्या था, अर वा बाळक जाम्मण कै दर्द म्ह थी। 3 अर एक और निशान सुर्ग पै दिख्या, अर देखखो, एक भोत बड़्ठा लाल अजगर था जिसके सात सिर अर दस सींग थे, अर उसके सिरां पै सात राजमुकुट थे। 4 अर उसकी पुन्झड़ नै अकास के एक तिहाई हिस्से के तारे खिंचके धरती पै गेर दिए, अर वो अजगर उस जनानी के स्याम्ही जो जच्या थी, खड्या होया, के जिब वा बाळक जणै तो उसके बाळक नै निगळ जावै। 5 अर उसके छोरा होया जो लोहे का राजदंड लिए होइ, सारी जात्तां पै राज करण पै था, अर उसका बाळक चाणचक परमेसवर कै धोरै, अर उसके सिंहासन कै धोरै ठा के पोहोचा दिया गया। 6 अर वा जनानी उस बण म्ह भाजगी, जिंत्त परमेसवर की ओइ तै उसके खात्तर एक जगहां त्यार करी गई थी, ताके ओई एक हजार दो सौ साठ दिन ताहीं उसकी देखभाळ अर उसका पालन-पोषण करया जावै। 7 फेर सुर्ग पै लड़ाई होई, मीकाईल अर उसके सुर्गदूत अजगर तै लड़ण नै लिंकडे, अर अजगर अर उसके दूत उसतै लड़े। 8 पर अजगर हार ग्या अर सुर्ग तै लिकाड़ दिया गया, अर सुर्ग म्ह उनके खात्तर फेर जगहां कोनी रही। 9 अर वो बड़ा अजगर यानिके वोए पुराणा साँप, जो इल्लीस अर शैतान कुहावै सै, अर साब्की दुनिया नै भकाण आळा सै, धरती पै गेर दिया गया, अर उसके दूत उसके गैल गेर दिए गए। 10 फेर मनै सुर्ग पै तै वो बड़्ठा शब्द आन्दे होइ सुणया, के इब म्हारा परमेसवर माणसां ताहीं बचा लेवैगा, अर वो अपनी शक्ति का इस्तमाल करेगा, अर राजा की तरियां राज करेगा, इब उसका मसीह दुनिया पै अपना हक जतावैगा, क्यूँके शैतान परमेसवर की हजुरी म्ह खड़ा होके, जो दिन रात उसके दासां पै दोष लाया करै था, वो सुर्ग तै गिरा दिया गया सै। 11 म्हारे बिश्वासियाँ नै शैतान ताहीं हराया सै, अर वे मेन्ने कै लहू कै कारण, अर अपनी गवाही कै वचन कै कारण, उसपै जीते, अर उननै अपने जी ताहीं प्यारा नही जाणया, उरै ताहीं के मौत भी सहण कर ली। 12 ज्यांतै, हे सुर्ग, अर उस म्ह रहण आळो आनन्दित होओ, अर हे धरती, अर समुन्दर म्ह रहण आळो, थारे पै धिक्कार सै! क्यूँके शैतान घणे छो कै गेल्या थारे धोरै उतर आया सै, क्यूँके वो जाणी सै, के उसका थोड़ा-ए बखत और बच रया सै। 13 अर जब अजगर नै देख्या, के मै धरती पै गेर दिया गया सूं, तो उस जनानी ताहीं जिन नै बेट्टा पैदा करया था, उसका पिच्छा करया। 14 अर उस जनानी ताहीं बड़े उकाब के दो पंख दिए गये, के अजगर कै स्याम्ही तै उड़ कै बण म्ह उस जगहां पोहच जावै, जिंत्त उसकी एक बखत, अर समयों, अर आध्थे बखत ताहीं देख-रेख करी जावै। 15 अर अजगर नै उस जनानी कै पाच्छे अपने मुँह तै नदी की तरियां पाणी बहाया, के उसने नदी तै बहा दे। 16 पर धरती नै उस जनानी की मदद करी, अर अपना मुँह खोल कै उस नदी ताहीं जो अजगर नै अपने मुँह तै बहाई थी, पी लिया। 17 फेर अजगर नै जनानी पै गुस्सा करया, अर उसके वंशजां ताहीं, जो परमेसवर के हुकम नै मान्ने सै, अर यीशु की गवाही देण पै अटल सै, उनतै लड़ण नै गया।

13 अर वो समुन्दर कै बालू पै जा खड्या होया। अर मनै एक पशु ताहीं समुन्दर म्ह तै लिंकडे होइ देख्या, जिसके दस सींग अर सात सिर

थे, उसके सीनां पै दास राजमुकुट अर उसके सिरां पै परमेसवर की बुराई के नाम लिखे होइ थे। 2 अर जो पशु मन्ने देख्या, वो चित्तै बरगा था, अर उसके पाँ भाल्लू जिसे, अर मुँह शेर के बरगा था, अर उस अजगर नै अपनी सामर्थ, अर अपना सिंहासन, अर बड़ड़ा हक, उस ताहीं दे दिया। 3 अर मन्ने उसके सिरां म्ह तै एक पै इसा जानलेवा घाव लाग्या होइ देख्या, मान्ने वो मरण पै सै, फेर उसका जानलेवा घाव ठीक होग्या, अर सात्ती धरती के माणस हैरान होगे अर उस पशु के भगत बण जावैगें। 4 अर उननै अजगर की पूजा करी, क्यूँके उसनै पशु ताहीं अपना हक दे दिया था, अर न्यू कहके पशु की भी पूजा करी, के इस पशु के बरगा कौण सै? कौण उसतै लड़ सकै सै? 5 उस ताहीं डींग मारण अर परमेसवर की बुराई करण का हक अर बियाळीस महिन्ने ताहीं राज करण की इजाजत दी गई। 6 पशु नै, परमेसवर अर उसके नाम, उसके रहण की जगहां यानी सुर्ग अर उन सब की, जो सुर्ग म्ह रहवै सै, उनकी बुराई करणा शरु कर दिया। 7 अर उस ताहीं न्यू हक दिया गया, के पवित्र माणसां तै लड़े, अर उनपै जीत पावै, अर उस ताहीं हरेक कुल, अर माणस, अर भाषा, अर जात पै हक दिया गया। 8 अर धरती पै रहण आळे वे सारे उस पशु की पूजा करैगें। मतलब जिनका दुनिया की शरुआत के बाद के वे सारे माणस जिनके नाम उस मेम्ने की जीवन की किताब म्ह लिखे न्हि गये सै। मेम्ना वोए सै जो मारया गया सै। 9 जिसके कान हों वो ध्यान तै सुणै। 10 जिस ताहीं कैद म्ह पड़णा सै, वो कैद म्ह पड़ेगा, जो तलवार तै मारैगा, जरूरी सै के वो तलवार तै मारया जावैगा। पवित्र माणसां का धीरज दुख ठाण अर उसपै विश्वास करण म्ह सै। 11 फेर मन्ने एक और पशु ताहीं धरती म्ह तै लिकड़दे देख्या, उसके मेम्ने की ढाळ दो सींग थे, अर वो अजगर की ढाळ बोल्लै था। 12 अर यो उस पैहलड़े पशु का सारा हक उसके स्याम्ही काम म्ह ल्यावै था, अर धरती अर उसके बासिन्द्यां तै उस पैहलड़े पशु की जिसका जानलेवा घाव ठीक होग्या था, पूजा करै था। 13 अर वो बड़े-बड़े निशान दिखावै था, उरै ताहीं के माणसां के देखते-देखते सुर्ग तै धरती पै आग बरसा देवै था। 14 अर उन चमत्कारां के कारण जिन ताहीं उस पशु के स्याम्ही दिखण का हक उस ताहीं दिया था, वो धरती के बासिन्द्यां ताहीं इस तरियां भकावै था, के धरती के बासिन्द्यां तै कहवै था, के जिस पशु के तलवार लागरी थी, वो जिन्दा होग्या सै, उसकी मूर्ति बनाओ। 15 अर उस ताहीं उस पशु की मूर्ति म्ह जी घाल्लण का हक दिया गया, के पशु की मूर्ति बोल्लण लागे, अर जितने माणस उस पशु की मूर्ति की पूजा न्हि करे, उन ताहीं मरवा देवै। 16 अर उननै छोटे, बड़े, साहूकार, कंगाल, आजाद, गुलाम सारया के सोळे हाथ था उनकै माथ्यै पै छाप लगावाण खात्तर उन ताहीं मजबूर कर दिया। 17 के उस ताहीं छोड़ जिसपै छाप यानिके उस पशु का नाम, या उसके नाम का अंक हो, अर कोए लेण-देण न्हि कर सकै। 18 ज्ञान इससे म्ह सै: जिस म्ह अकल हो वो इस पशु का अंक जोड़ ले, क्यूँके वो माणस का अंक सै, अर उसका अंक छः सौ छियासठ सै।

14 पर उसके बाद मन्ने कुछ और भी देख्या, वो मेम्ना सियोन पहाड़ पै खड्या सै, अर उसके गेल्या एक लाख चवाळीस हजार माणस सै, जिनके माथ्यै पै उसका अर उसके पिता का नाम लिख्या होइ सै। 2 अर सुर्ग तै मन्ने एक इसा शब्द सुणाई दिया, जो पाणी की घणी धारा अर बड़े गरजण जिसा शब्द था, अर जो शब्द मन्ने सुणया, वो इसा था, मान्ने वीणा बजाण आळे वीणा बजान्दे हों। 3 अर वे सिंहासन के स्याम्ही अर च्यार प्राणियाँ अर बुजुर्ग के स्याम्ही मान्ने, एक नया गीत गाण लागरे थे, अर उन एक लाख चवाळीस हजार माणसां ताहीं छोड़ जो धरती पै तै छुड़ाए गये थे, कोए वो गीत न्हि सीख सकै था। 4 ये वे सै, जो जानियाँ के गेल्या अशुद्ध न्हि होए, पर कुवार सै। ये वैए सै, के जित्त किते मेम्ना जावै सै, वे उसके पाच्छे हो लैवै सै। जिस तरियां लोग अपनी फसल म्ह तै पैहला फळ परमेसवर ताहीं चढ़ावै सै, उससे तरियां वो भी परमेसवर अर मेम्ने खात्तर पैहले फळ के रूप म्ह चढ़ाए गए सै। 5 अर उनके मुँह तै

झूठ न्हि लिकड़या था, वे बेकसूर सै। 6 फेर मन्ने एक और सुर्गदूत ताहीं अकास के बिचाळे उठे होइ देख्या जिसके धोरे धरती पै के बासिन्द्यां की हरेक जात, अर कुल, अर भाषा, अर माणसां ताहीं सुणाण के खात्तर घणा सनातन सुसमाचार था। (aiōnios gl166) 7 अर उसनै ऊँची आवाज म्ह कह्या, “परमेसवर तै डरो, अर उसकी महिमा करो, क्यूँके उसके न्याय करण का बखत आण पोंहच्या सै, अर उसकी आराधना करो, जिसनै सुर्ग अर धरती अर समुन्दर अर पाणी के सोते बनाए।” 8 फेर इसके पाच्छे एक और दुसरा सुर्गदूत न्यू कहन्दा होइ आया, के पड़ग्या, वो बड़ड़ा बेबीलोन नगर पड़ग्या जिसनै अपनी जारी की कोपमय मदिरा सारी जात्तां ताहीं पिलाई सै। 9 फेर इनके पाच्छे एक और सुर्गदूत जोर तै न्यू कहन्दा होइ आया, के जो कोए उस पशु अर उसकी मूर्ति की पूजा करै, अर अपने माथ्यै या अपने हाथ पै उसकी छाप ले। 10 तो वो परमेसवर के प्रकोप की निरी मदिरा जो उसके खुन्दक के कटोरे म्ह घाल्ती गई सै, पीवैगा अर पवित्र सुर्गदूतां के स्याम्ही, अर मेम्ने के स्याम्ही आग अर गन्धक की पीड़ा म्ह पड़ेगा। 11 अर उनकी पीड़ा का धुम्मा युगानुयुग उठदा रहवैगा, अर जो उस पशु अर उसकी मूर्ति की पूजा करै सै, अर जो उसके नाम की छाप लेवै सै, उन ताहीं दिन-रात चैन न्हि मिलैगा। (aiōn gl165) 12 पवित्र माणसां का धीरज इससे म्ह सै, के धीरज तै दुख सहन्दे रहवै अर अन्त ताहीं मजबूर बणके परमेसवर के हुकमां नै मान्ने, अर यीशु पै विश्वास राखवै। 13 फेर मन्ने सुर्ग तै यो शब्द सुणया, के लिख, जो मुद्दे प्रभु म्ह मरे सै, वे इब तै धन्य सै, आत्मा कहवै सै, हॉ, क्यूँके वे अपनी मेहनता तै आराम पावैगें, अर उनके काम उनके गेल्या हो लेवैगें। 14 अर मन्ने निर्गाह करी, अर देखो, एक धोळा बाढळ सै, अर उस बाढळ पै माणस के बेटे बरगा कोए बेठ्या सै, जिसके सिर पै सोन्ने का ताज अर हाथ म्ह तेज दरारती सै। 15 फेर एक और सुर्गदूत नै मन्दर म्ह तै लिकड़के, उसतै जो बाढळ पै बेठ्या था, जोर तै रुक्का मारके कह्या, “के अपनी दरती ल्याके लामणी कर, क्यूँके लामणी का बखत आण पोंहच्या सै, ज्यांतै के धरती की खेती पक ली सै।” 16 इस करके जो बाढळ पै बेठ्या था, उसनै धरती पै अपनी दरती लाई, अर धरती की लामणी करी गई। 17 फेर एक और सुर्गदूत उस मन्दर म्ह तै लिकड़या, जो सुर्ग म्ह सै, अर उसके धोरे भी तेज दरारती थी। 18 फेर एक और सुर्गदूत जिस ताहीं आग पै हक था, वेदी म्ह तै लिकड़या, अर जिसके धोरे तेज दरारती थी, उसतै जोर तै बोल्या, “अपणी तेज दरारती ल्याके धरती की दाखलता के गुच्छे काट ले, क्यूँके उसकी दाख पक ली सै।” 19 अर उस सुर्गदूत नै धरती पै अपनी दरती लाई, अर धरती की दाखलता का फळ काटके, अपने परमेसवर के प्रकोप के बड़े रस के कुण्ड म्ह घाल दिया। 20 अर नगर के बाहरण उस रसकुण्ड म्ह अंगूर रौंदे गये, अर रसकुण्ड म्ह तै इतणा लहू लिकड़या के वो नदी म्ह तबदील होग्या, जो के तीन सौ किलो मीटर लम्बी अर इतनी गहरी थी, के उस म्ह घोड़े भी समा जावै।

15 फेर इसके बाद मन्ने सुर्ग म्ह एक और बड़ड़ा अर अदभुत निशान देख्या, यानिके सात सुर्गदूत जिनके धोरे सात आखरी बिद्या थी, क्यूँके उनके खतम हो जाण पै परमेसवर के प्रकोप का अंत सै। 2 फेर मन्ने इसा लाग्या जणु मान्ने मै एक काँच के समुन्दर नै देखण लागरया सूँ, जिस म्ह आग मिली होई थी, मन्ने इस समुन्दर के किनारे पै उन माणस ताहीं खड़े देख्या, जिननै उस बड़े पशु ताहीं हराया था, क्यूँके उननै उसकी मूर्ति की आराधना करण तै अर उसके नाम की मोहर लगाण तै भी मना कर दिया था, उन माणसां के हाथ म्ह परमेसवर के जरिये दी गई वीणा थी। 3 वे परमेसवर के दास मूसा नबी का गीत, अर मेम्ने का गीत गा-गाके कहवै थे, “हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर, तेरे काम महान्, अर अनोखे सै, हे युग-युग के राजा, तेरी चाल सही अर सच्ची सै।” 4 “हे प्रभु, कौण तेरे तै न्हि डरेगा अर तेरे नाम की महिमा न्हि करैगा? क्यूँके सिर्फ तू ए पवित्र सै। सारी जात आके तेरे स्याम्ही मोध्दे पड़के प्रणाम करैगी, क्यूँके तेरे न्याय के काम दिखो सै।” 5 जबिब माणसां नै गाणा बन्द कर दिया, तो मन्ने सुर्ग म्ह मन्दर

ताहीं खुल्या होया देखा, जो के परमेसवर के तम्बू की तरियां था। 6 अर वे सात्तु सुर्गदूत जिनके धौरे सात्तु बिष्ठा थी, शुद्ध अर चमकदी होई मलमल के लत्ते पहरे होइ, छात्ती पै सुनहरे परणे बांधि होइ मन्दर ते लिकड़े। 7 अर उन च्यारु प्राणियाँ म्ह ते एक नै उन सात सुर्गदूतां ताहीं परमेसवर के, जो युगानुयुग जीवै सै, प्रकोप ते भरे होइ सात सोन्ने के कटोरे दिए। (aiōn g165) 8 अर परमेसवर की महिमा अर उसकी सामर्थ के कारण मन्दर धूमै तै भर गया, अर जिब तक उन सात्तु सुर्गदूतां की सात्तु बिष्ठा खतम न्ही होई तब तक कोए मन्दर म्ह न्ही जा सक्या।

16 फेर मन्ने मन्दर म्ह किसे ताहीं जोर तै उन सात्तु सुर्गदूतां तै न्यू कहन्दे सुण्या के जाओ, परमेसवर कै प्रकोप के सात्तु कटोरयां ताहीं धरती पै उंडेल द्यो। 2 इस करके पैहल्डे सुर्गदूत नै जाके अपणा कटोरा धरती पै उंडेल दिया, अर उन माणसां का जिनपै पशु की छाप थी, अर जो उसकी मूर्ति की पूजा करै थे, उनके एक तरियां तै बुरा अर दुख देण आळा फोड़ा लिकड़्या। 3 अर दुसरे सुर्गदूत नै अपणा कटोरा समुन्दर पै उंडेल दिया, अर वो मरे होए माणसां के लहू जिंसा होग्या, अर समुन्दर म्ह रहण आळा हरेक प्राणी मर ग्या। 4 अर तीसरे सुर्गदूत नै अपणा कटोरा नदियाँ, अर पाणी के चोवां पै उंडेल दिया, अर वो लहू बणग्या। 5 फेर मन्ने पाणी के अधिकारी सुर्गदूत ताहीं न्यू कहन्दे सुण्या, के हे पवित्र, जो सै, अर जो था, तु न्यायी सै, अर तन्ने यो न्याय करया। 6 क्यूँके उनै पवित्र माणसां, अर नबियाँ का लहू बहाया था, इस करके तन्ने उनतै लहू पियाया, क्यूँके वे इस्से जोगे सै। 7 दुबारा मन्ने वेदी तै यो शब्द सुण्या, के हौं। हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर, तेरे फैसले सही अर सच्चे सै। 8 अर चौथे सुर्गदूत नै अपणा कटोरा सूरज पै उंडेल दिया, तो सूरज ताहीं यो हक दिया गया के वो माणसां नै अपणी गर्मी तै झुलसा दे। 9 अर माणस घणी तपण तै झुलसगे, अर वे परमेसवर के नाम की, जिन ताहीं इन मुसीबतां पै हक सै, उन ताहीं श्राप देण लागे, अर ना ए पाप करणा छोड्या, उन उसकी महिमा करी। 10 अर पाँचमै सुर्गदूत नै अपणा कटोरा उस पशु के सिंहासन पै उंडेल दिया अर उसके राज्य पै अन्धेरा छाग्या, अर माणस दर्द के मारे अपणी-अपणी जीभ चबाण लागे। 11 अर अपणे दर्दां अर फोड्यां के कारण सुर्ग कै परमेसवर की बुराई करी, अर अपणे-अपणे बुरे काम्मां ताहीं करणा न्ही छोड्या। 12 अर छठमै सुर्गदूत नै अपणा कटोरा बड़ी नदी फरात पै उंडेल दिया, अर उसका पाणी सूख गया, ताके पूख दिशा के राजयां के खात्तर राह त्यार हो जावै। 13 अर मन्ने उस अजगर के मुँह म्ह तै, अर उस पशु के मुँह म्ह तै, अर उस झूठे नबी के मुँह म्ह तै तीन भुंडी ओपरी आत्मायाँ ताहीं मेंढकां के रूप म्ह लिकड़दे देखा। 14 ये चमत्कार दिखाण आळी भोत सी भुंडी ओपरी आत्मा सै, जो साब्ती दुनिया के राजयां के धौरे तै लिकड़के ज्यांतै जावै सै, के उन ताहीं सर्वशक्तिमान परमेसवर के उस बड़े दिन की लड़ाई के खात्तर कठ्ठे करै। 15 अर देख्यो, मेरा आणा एक चोर की ढाळ होगा जो चुपके तै आवे सै, धन्य वो सै, जो जागदा रहवै सै, अर अपणे लत्यां की चौकसी करे सै, के उघाड़ा कोनी हौँडे, अर माणस उसका उघाड़ापण ना देख पावै। 16 अर उन भुंडी ओपरी आत्मायाँ नै सारे राजा ताहीं उस जगहां कठ्ठा करया, जो इब्रानी म्ह हर-मगिदोन कुहावै सै। 17 अर सातमै सुर्गदूत नै अपणा कटोरा हवा पै उंडेल दिया, अर मन्दर के सिंहासन तै यो बड़्या शब्द होया, के, हो चुक्या। 18 फेर बिजलियाँ, अर शब्द, अर गरजण होए, अर एक इसा बड़्या हाल्लण होया, के जिब तै माणस धरती पै बणाया गया, जद तै इसा बड़्या हाल्लण कदे न्ही होया था। 19 अर उस बड़े नगर के तीन टुकड़े होगे, अर देश-देश के नगर पड़गे, क्यूँके परमेसवर नै बेबीलोन नगर के माणसां ताहीं दण्ड देण का अपणा वादा पूरा करया, अर यो इसा होगा जिंसा मान्ने के वो अपणे छो की जळण की मदिरा उनै प्याणा। 20 अर हरेक टापू अपणी जगहां तै टळ ग्या, अर पहाड़ां का बेरा न्ही पाटया। 21 अकास तै माणसां पै मण-मण के बड़े ओळे पड़े, अर इस करके के या बिष्ठा घणीए भारया थी, लोगां नै ओळयां की बिष्ठा के कारण परमेसवर की बुराई करी।

17 अर जिन सात सुर्गदूतां के धौरे वे सात कटोरे थे, उन म्ह तै एक नै आके मैरे तै न्यू कह्या, के उरे आ, मै तन्ने उस बेश्या का दण्ड दिख्वाऊँ, जो घणेए पाणी पै बेठ्ठी सै। 2 जिसके गेल्या धरती के राजयां नै जारी करी, अर धरती के बासिन्दे उसकी जारी की मदिरा तै मतवाले होगे थे। 3 फेर सुर्गदूत मेरी आत्मा नै एक जंगल-बियाबान म्ह लेग्या, ओडै मन्ने एक जनानी ताहीं लाल रंग के एक पशु पै बेठ्ठे देखा, वो पशु परमेसवर की बुराई करण आळे शब्दां तै ढक्या होइ था, अर इसके सात सिर अर दस सींग थे। 4 या जनानी बैजनी, अर लाल रंग के लत्ते पैहर-री थी, अर सोन्ने अर घणी कीमती मणियाँ अर मोतियाँ के गहणा तै सजी होइ थी, अर उसके हाथ्यां म्ह एक सोन्ने का कटोरा था जो अश्लीलता की घृणित चिज्जां तै अर उसकी जारी की भुंडी चिज्जां तै भरया होइ था। 5 अर उसके माथ्यै पै एक रहस्यमय नाम लिख्या था, “बड़्या बेबीलोन धरती की बेश्यायाँ अर घृणित चिज्जां की माँ, अर सारी अश्लीलता नै जन्म देण आळी।” 6 अर मन्ने उस जनानी ताहीं पवित्र माणसां के लहू अर यीशु के गवाहां के लहू पीण म्ह मतवाली देखा अर उस ताहीं देखके मै हैरान होग्या। 7 उस सुर्गदूत नै मैरे तै कह्या, “तू क्यारै हैरान होया?” मै इस जनानी, अर उस पशु का, जिसपै वा चढ़री सै, अर जिसके सात सिर अर दस सींग सै, उसका तरे ताहीं भेद बढाऊँ सै। 8 जो पशु तन्ने देखा सै, यो पैहल्या तो था, पर इब न्ही सै, अर घणे अथाह कुण्ड तै लिकड़के विनाश म्ह पड़ेगा, अर धरती के बासिन्दे जिनके नाम दुनिया के बणण के बखत तै जीवन की किताब म्ह लिक्खे न्ही गये सै, इस पशु की या हाल्लत देखके अचम्भा करैंगे, के पैहल्या था, अर इब कोनी, पर यो दुबारा आवेगा। (Abyssos g12) 9 यो समझाण कै खात्तर के एक ज्ञानी मन जरूरी सै: वे सात्तु सिर सात पहाड़ सै, जिनपै वा जनानी बेठ्ठी सै। 10 अर वे सात राजा भी सै, पाँच तो मर लिये सै, अर एक बाक्की सै, अर एक इब ताहीं आया कोनी, अर जिब आवेगा, तो कुछ बखत ताहीं उसका रहणा भी जरूरी सै। 11 अर जो पशु पैहल्या था, अर इब न्ही, वो खुद आठमां राजा सै, अर उन सात्तुआ म्ह तै सै, जिसका विनाश तय सै। 12 अर जो दस सींग तन्ने देख्खे सै, वे दस राज्जे सै, जिननै इब ताहीं राज्य न्ही मिल्या, पर उस पशु के गेल्या थोड़े-से बखत खात्तर राजयां बरगा हक दिया जावैगा। 13 ये सारे एक मन होवैंगे, वे अपणी-अपणी सामर्थ अर हक उस पशु ताहीं देवैंगे। 14 ये मेन्ने गैल लडैंगे, अर मेन्ना उनतै जीत जावैगा, क्यूँके वो प्रभुओं का प्रभु, अर राजयां का राजा सै: अर जो बुलाए होइ, चुणे होइ, अर बिश्वासी उसके गैल सै, वे भी जीत पावैंगे। 15 फेर उसनै मैरे तै कह्या, के जो पाणी तन्ने देखा, जिनपै बेश्या बेठ्ठी सै, वो देश, माणस, जाति, अर भाषा सै। 16 अर जो दस सींग तन्ने देख्खे, वे अर पशु उस बेश्या तै बैर राक्खैंगे, अर उस ताहीं लाचार अर उघाड़ी कर देवैंगे, अर उसका माँस खा जावैंगे, अर उस ताहीं आग म्ह जळा देवैंगे। 17 वा जनानी, जिसनै तू देख्खे सै, वो बड़्या नगर सै, जो धरती के राजयां पै राज करे सै। ये सब बात उसके गैल होवैंगी, क्यूँके यो परमेसवर ही सै, जो अपणे मकसद नै पूरा करण खात्तर उनके मन नै उकसावैगा, ताके वे उसकी मनसा पूरी करे, योए कारण सै के वो अपणा हक पशु ताहीं राज करण खात्तर दे देंगे, जिब तक के परमेसवर नै जो कह्या सै वो पूरा ना हो ले।

18 इसके बाद मन्ने एक और सुर्गदूत ताहीं सुर्ग तै उतरदे देखा, जिसके धौरे बड़्या अधिकार था, अर धरती उसके तेज तै चमक ग्यी। 2 उसनै जोर तै रुक्का मारके कह्या, पड़ग्या, बड़्या बेबीलोन नगर पड़ग्या सै, अर भुंडी ओपरी आत्मायाँ का घर, हरेक भुंडी आत्मा का बसेरा, एक अशुद्ध अर घृणित पंछी का बसेरा होग्या। 3 यो इस कारण होवैगा क्यूँके बेबीलोन नगर उस बिरबान्नी की तरियां सै, जिसकी जारी की डरावणी मदिरा के कारण सारी जात पड़गी सै, अर धरती के राजयां नै उसके गेल्या जारी करी सै, अर धरती के व्यापारी उसके भोग-विलास के धन के कारण साहूकार होए सै। 4 फेर मन्ने सुर्ग तै किसे और का बोल सुण्या, के हे मेरे माणसों, उस म्ह तै लिकड़ आओ, के थम उसके पापां म्ह साइड़ी न्ही होओ, अर

उसकी मुसीबतों में तू को ए मुसीबत थारे पै ना आण पड़े। 5 क्यूँके उसके पाप सुर्ग ताहीं पहुँचगे सै, अर उसके अधर्म परमेसवर नै याद करवै सै। 6 जिसा उसनै थारे ताहीं दिया सै, उससे तरियां ए उस ताहीं भी भर द्यो, अर उसके काम्नां कै मुताबिक उस ताहीं दो गुणा बदला द्यो, जिस कटोरे में उसनै भर दिया था उससे में उसके खातर दो गुणा भर द्यो। 7 जितनी उसनै अपणी बड़ाई करी अर सुख-विलास करया, थम भी उसनै उतनाए दुख अर दर्द द्यो, क्यूँके वा अपणे मन में कहवै सै, मै राणी के सामान बण बेठी सूं, मै बिधवा कोनी, अर ना ए कदे बिलाप करूँगी। 8 इस करके एक ए दिन उसके अंहकार के कारण उसपै बिपदा आण पड़ेगी, यानिके मौत, दुख, अकाळ, अर वा आग में भस्म कर दी जावैगी, क्यूँके उसका न्याय करण आळा प्रभु परमेसवर शक्तिशाली सै। 9 अर धरती के राजा जिननै उसके गेट्या जारी, अर भोगविलास करया, जिब उसके जळण का धुम्मा देखेंगें, तो उसके खातर रोवेंगें, अर छाती पीटेंगें। 10 अर उसके दर्द के डर नै याद करके दूर खड़े होके कहवेंगें, हाय! हाय! हे बड़े नगर, बेबीलोन, हे शक्तिशाली नगर, थोड़ी-ए देर में तेरे पै दण्ड आ लेवैगा। 11 अर धरती के व्यापारी उसके खातर रोवेंगें अर कळपेंगें, क्यूँके इब कोए उनकी ये चीज मोल लेण आळा कोन्या रह्या। 12 उन धोरे भोत सारी चीज थी यानिके सोना, चान्दी, रत्न, मोती, अर मलमल, बैजनी, रेशमी, लाल रंग लते, अर हरेक ढाळ की खसबूदार लाकड़ी, अर हाथी दाँत की हरेक ढाळ की चीज, घणी कीमती लाकड़ी, पीतळ, लोहा, अर संगमरमर के सारे ढाळ के बरतन। 13 अर दालचीनी, मसाले, धूप, गन्धरस, लोबान, अंगूर का रस, तेल, मैदा, गेहूँ, गाऊँ, बळध, भेड़, बकरियाँ, घोड़े, रथ, गुलाम, अर माणसां के प्राण का कोए खरीदार कोनी रह्या। 14 व्यापारी उस ताहीं कहवेंगें, के जिन चिज्जां की तन्ने इच्छा करी थी, इब वा कोनी रही, अर एशों-आराम अर शोहरत की चीज तेरे तै दूर होई सै, अर वे कदे भी न्ही मिलेगी। 15 इन चिज्जा के व्यापारी जो उसके जरिये साहूकार होगे थे, उसके दर्द के डर नै याद करके दूर खड़े होके रोन्दे अर कळपदे होए कहवेंगें, 16 “हाय! हाय! यो बड़ड़ा नगर जो मलमल, अर बैजनी, अर लाल रंग के लते पहरे था, अर सोने, अर रत्नां, अर मोतियाँ तै सज्या था, 17 थोड़ी-ए देर में उसका इसा सारा धन नाश होगया, अर हरेक माँझी, अर पाणी में सफर करणीया, किस्ती चलाणीए, अर जितने समुन्दर तै कमावै सै, सारे दूर खड़े होके।” 18 अर उस नगर के जळण का धुम्मा देखे होए रुक्का मारके कहवेंगें, “कौण सा नगर इस बड़े नगर कै जिंसा सै?” 19 अर अपणे-अपणे सिरां पै धूळ सेंगें, अर रोन्दे होए अर कळपदे होए किल्की मार-मारके कहवेंगें, के, हाय! हाय! यो बड़ड़ा नगर जिसकी सम्पत्ति कै जरिये समुन्दर के सारे जहाज आळे साहूकार होगे थे, इब थोड़ी-ए देर में तू उजड़ गया। 20 हे थम जो सुर्ग में रहण आळे, अर हे पवित्र माणसां, प्रेरितों, अर नबियों, जो उसके गैल होया सै, इस कारण थम खुशी मनाओ, क्यूँके परमेसवर नै बेबीलोन नगर ताहीं दण्ड देके उसतै थारा बदला लिया सै। 21 फेर एक ताकतवर सुर्गदूत नै बड़ी चाक्की के पाट जिंसा पत्थर ठाया, अर न्यू कहके समुन्दर में बगा दिया, के, “बड़ड़ा नगर बेबीलोन इससे ढाळ घणी ताकत तै गिराया जावैगा, अर फेर कदे भी उसका बेरा न्ही पाटैगा। 22 अर बेबीलोन नगर में गायक, वीणा बजाण आळे, बाँसुरी बजाण आळे, अर तुरही फूंकण आळा का शब्द फेर कदे भी तन्ने सुणाई न्ही देवैगा, अर किसे काम का भी कोए कारीगर तन्ने कदे न्ही मिलैगा, अर चाक्की के चाल्लण का शब्द फेर कदे भी तन्ने न्ही सुणैगा। 23 अर दीवै का चाँदणा फेर कदे भी तेरे में न्ही चमकेगा, अर बन्दड़ा-बन्दड़ी का शब्द फेर कदे भी तन्ने सुणाई न्ही देवैगा, क्यूँके तेरे व्यापारी धरती के प्रधान थम, अर तेरे जादू-टूणे तै सारी जात भकाई गई थी। 24 परमेसवर बेबीलोन नगर ताहीं इस कारण सजा देवैगा, क्यूँके नबियाँ, पवित्र माणसां, अर धरती पै सारे घात करे होया का लहू उससे में पाया गया सै।”

19 इसके बाद मन्ने सुर्ग में मान्नी भीड़ ताहीं जोर तै न्यू कहन्दे सुणया, के, हालेलूयाह! उद्धार, महिमा, अर सामर्थ, म्हारे परमेसवर ए की

सै। 2 क्यूँके उसका न्याय सच्चा अर सही सै, ज्याँते के उसनै उस बड़ी बेश्या का जो अपणी जारी तै धरती के माणसां तै पाप करवाण लागरी थी, परमेसवर नै उस ताहीं दण्ड देके अपणे दासां कै लहू का बदला लिया सै। 3 फेर दुसरी बर उननै कह्या, हालेलूयाह! अर बेबीलोन नगर के जळण का धुम्मा युगानुयुग उठदा रहवैगा। (aiōn g165) 4 सब चौबीस बुजुर्ग अर च्यार प्राणियाँ नै झुकके परमेसवर ताहीं प्रणाम करया, जो सिंहासन पै बैठ्या था, अर कह्या, “आमीन! हालेलूयाह!” 5 अर सिंहासन में तै मन्ने एक आवाज सुणाई दी, के, हे म्हारे परमेसवर तै सारे डरण आळे दासां, के छोटे, के बड़े, थम सारे उसकी जै-जै कार करो। 6 फेर मन्ने बड़ी भीड़ का शोर सुणाई दिया, यो भोत घणे पाणी अर जबरदस्त गड़गड़ाहट बरगा शब्द था, हालेलूयाह! प्रभु म्हारा परमेसवर, सर्वशक्तिमान राज्य करे सै। 7 आओ, हम खुश अर मग्न होवां, अर उसकी जै-जै कार करा, क्यूँके मेम्ने का ब्याह आण पोहोचा, अर उसकी बन्दड़ी नै अपणे-आप ताहीं त्यार कर लिया सै। 8 अर उस ताहीं शुद्ध अर चमकदार सुथरे मलमल नै पहरण का हक दिया गया, क्यूँके उस सुथरे मलमल का मतलब पवित्र माणसां के धर्म के काम सै। 9 अर सुर्गदूत नै मेरे तै कह्या, न्यू लिख, के, धन्य वे सै, जो मेम्ने के ब्याह के भोज में न्योदे गये सै, फेर उसनै मेरे तै कह्या, ये परमेसवर की कही गई सच्ची बात सै। 10 अर मै उसने पूज्जण के खातर उसके पायां के में पड़गया, उसनै मेरे तै कह्या, “देख, इसा मतना करै, मै तेरे अर तेरे भाईयाँ की तरियां ए दास सूं, जो यीशु की गवाही देण पै अटल सै, परमेसवर नै ए पूज, क्यूँके यीशु की गवाही भविष्यवाणी की आत्मा सै।” 11 फेर मन्ने सुर्ग ताहीं खुल्या होइ देख्या, अर के देक्खूं सूं, के एक धोळा घोड़ा सै, अर उसपै एक सवार सै, जो बिश्वास जोग्गा, अर सच्चा कुहावै सै, अर वो धर्म के साथ न्याय अर लड़ाई करे सै। 12 उसकी आँख आग की लपट की तरियां थी, अर उसके सिर पै भोत-से मुकुट थे, अर उसके माथे पै एक नाम लिख्या था, जिस ताहीं उसने छोड़ और कोए न्ही जाणै था। 13 अर उसने लहू में डबोया होइ बाणा पहरे राख्या था, अर उसका नाम परमेसवर का वचन था। 14 अर सुर्ग की पलटन धोळे घोड़ा पै चढ़के अर धोळा अर शुद्ध मलमल के लते पहरे होइ उसके पाच्छे-पाच्छे चाल्लण लागरी थी। 15 अर हरेक देश के माणसां ताहीं मारण के खातर, उसके मुँह तै एक पैन्ही तलवार लिक्डै थी, अर वो लोहवे का राजदण्ड लिए होइ उनपै राज करेगा, अर वो सर्वशक्तिमान परमेसवर के छो की जलन की मदिरा के कुण्ड में अंगूरान नै रौंदैगा। 16 अर उसके लते अर जाँघ पै यो नाम लिख्या था, राजयां का राजा अर प्रभुओं का प्रभु। 17 फेर मन्ने एक सुर्गदूत ताहीं सूख पै खड्या देख्या, अर उसनै जोर तै रुक्का मारके अकास में उड़ण आळे सारे पंछियाँ तै कह्या, “आओ, परमेसवर के बड़े भोज कै खातर कट्टे हो जाओ। 18 ताके थम राजा, प्रधान, ताकतवर माणसां का, घोड्या का, उनके सवारां का, अर सारे ढाल के आजाद, गुलाम, छोटे, बड़े, सारे माणसां का माँस खा सको।” 19 फेर मन्ने उस पशु जो समुन्दर में तै लिक्ड्या था, धरती के राजयां अर उनकी पलटन ताहीं उस धोळे घोड़े के सवार, अर उसकी पलटन तै लड़ण के खातर कट्टे देख्या। 20 अर वो पशु अर उसके गेट्या वो झूठा नबी पकड्या गया, जिसनै उसके स्याम्ही इसे चमत्कार दिखाए थे, जिनके जरिये उसनै उन ताहीं भकाया, जिन नै उस पशु की छाप ली थी, अर जो उसकी मूर्ति की पूजा करे थे, ये दोन्नु जिन्दे जी उस आग की झील में जो गन्धक तै जळे सै, गेरे गये। (Limnē Pyr g3041 g4442) 21 बाक्की लोग उस घोड़े की तलवार तै, जो उसके मुँह तै लिक्डै थी, मार दिए गये, अर सारे पंछी उनके माँस तै छिकगे।

20 फेर मन्ने एक सुर्गदूत ताहीं सुर्ग तै उतरदे देख्या, जिसके हाथ में अथाह कुण्ड की ताळी, अर एक बड़ी बेल थी। (Abyssos g12) 2 अर उसनै उस अजगर, यानिके पुराणे साँप ताहीं, जो इब्लीस अर शैतान सै, पकड़के हजार साल के खातर बाँध दिया। 3 अर उस ताहीं अथाह कुण्ड में गेर के मूँद दिया, अर उसपै मोहर ला दी, ताके वो हजार साल के पूरे होण

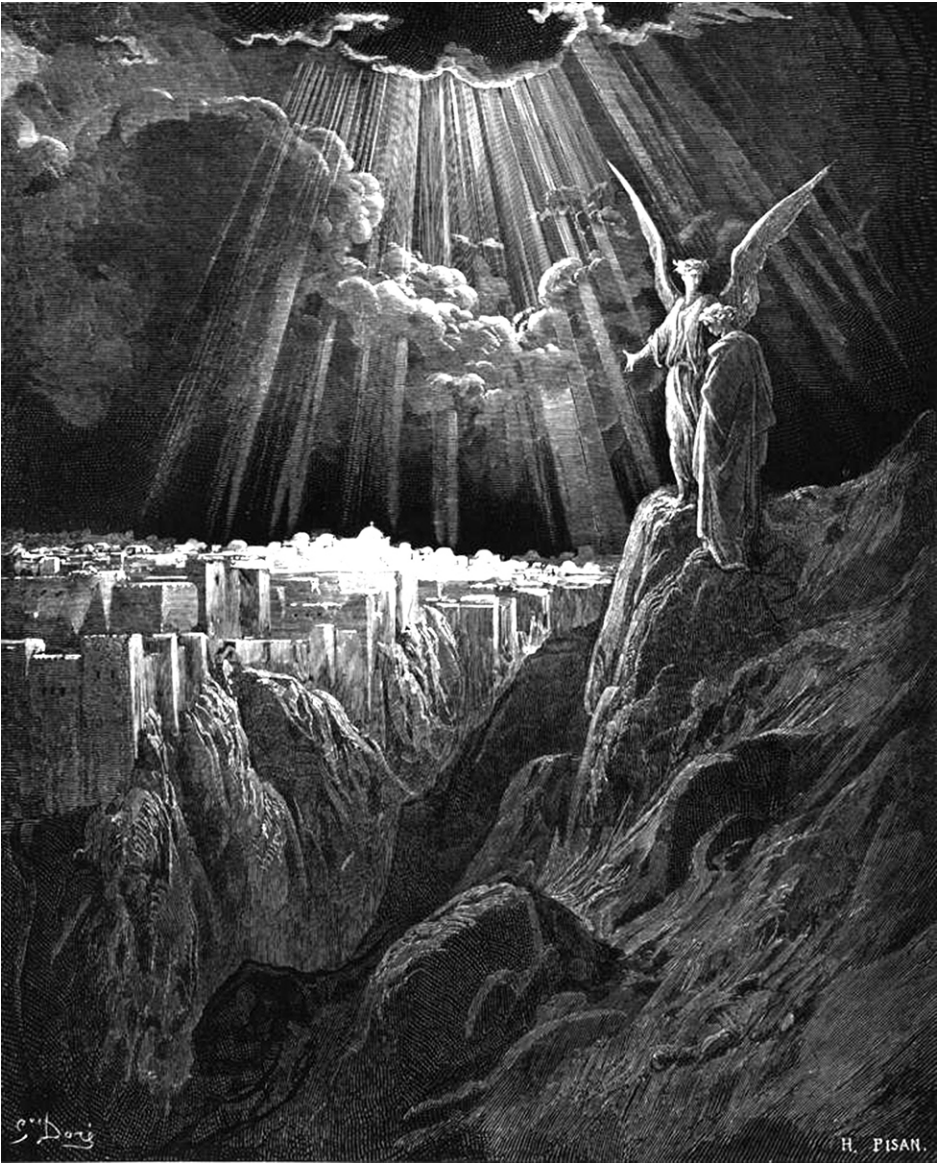
तक देश-देश के माणसां ताहीं दुबारा न्ही भका सके, यो सब होण कै बाद यो जरूरी सै, के थोड़ी देर खातर वो दुबारा खोल्या जावेगा। (Abysos g12) 4 फेर मन्ने सिंहासनां पै कई माणसां ताहीं बेट्टे देखा, अर उन ताहीं न्याय करण का हक दिया गया, अर फेर मन्ने उन माणसां की आत्मा ताहीं भी देखा, जिनके सिर यीशु की गवाही देण अर परमेसवर के वचन कै कारण धड़ तै अलग करे गये थे। उननै उस पशु अर उसकी मूर्ति की पूजा कोनी करी थी, अर ना उसकी छाप अपने माथ्ये अर हाथां पै ली थी, वे जिन्दा होकै मसीह कै गेल्या हजार साल ताहीं राज करदे रहे। 5 जिब तक ये हजार साल पूरे न्ही होए तब तक बाकी मरे होए जिन्दा न्ही होए, यो तो पैहला पुनरुत्थान सै। 6 धन्य अर पवित्र सै वो माणस, जो इस पैहल्ले पुनरुत्थान म्ह शामिल होवेगा, इर्यां पै दुसरी मौत का किमे भी हक कोन्या, पर वे परमेसवर अर मसीह के याजक होंगे, अर उसके गैल हजार साल ताहीं राज्य करेंगे। 7 अर जिब हजार साल पूरे हो लेंगे, तो शैतान कैद तै छोड़ दिया जावेगा। 8 अर उन जात्तां ताहीं जो धरती कै चौगरदेकें होंगी, यानिके गोग अर मगोग जिनकी गिणती समुन्दर की बाळू कै बराबर होगी, उन ताहीं भकाके, कट्टे करके लड़ाई करण खातर लिक्ड़ेगा। 9 वे साब्ती धरती पै फैल जावेंगे, अर पवित्र माणसां की छावणी अर प्यारे नगर नै घेर लेवेंगे, पर सुगं म्ह परमेसवर की आग उतरके उसकी सारी पलटन ताहीं भस्म कर देवेगी। 10 अर उनका भकाण आळा शैतान आग अर गन्धक की उस झील म्ह गेर दिया, जिस म्ह वो पशु अर झूठा नबी भी होगा, अर वे दिन-रात युगानुयुग दर्द तै तड़पदे रहवेंगे। (aiōn g165, Limnē Pyr g3041 g4442) 11 फेर मन्ने एक बड़ड़ा धोळा सिंहासन अर उसपै बेट्टे होए परमेसवर ताहीं देखा, जिसके स्याम्ही तै धरती अर अकास भाजगे, अर उसके बाद वे दिखाई न्ही दिए। 12 फेर मन्ने छोटे-बड़े सारे मरे होया ताहीं परमेसवर के सिंहासन कै स्याम्ही खड़े होए देखा, अर किताबें खोल्ली गई, अर फेर एक और किताब खोल्ली गई, यानिके जीवन की किताब। मरे होया का न्याय उनके काम्मां कै मुताबिक करया गया, जिनका बयान इन किताबां म्ह लिखा होइ था। 13 अर समुन्दर नै उन मरे होए माणसां ताहीं उगळ दिया, जो उस म्ह थे, अर मौत अर अधोलोक नै भी उन मरे होए माणसां ताहीं उगळ दिया, जो उस म्ह थे, अर हरेक का न्याय उनके काम्मां कै मुताबिक करया गया। (Hadēs g86) 14 मौत अर अधोलोक भी आग की झील म्ह गेरे गये, या आग की झील ए दुसरी मौत सै। (Hadēs g86, Limnē Pyr g3041 g4442) 15 अर जिस किसे का नाम जीवन की किताब म्ह लिखा होया न्ही मिल्या, वो आग की झील म्ह गेर दिया गया। (Limnē Pyr g3041 g4442)

21 फेर मन्ने नये अकास अर नयी धरती ताहीं देखा, क्यूँके पैहला अकास अर पैहली धरती खतम हो ली थी, अर समुन्दर भी न्ही रहया। 2 फेर मन्ने पवित्र नगर नये यरुशलेम ताहीं सुगं पै तै, परमेसवर कै धौरे तै उतरदे देखा, अर वो नगर उस बन्दड़ी की तरियां था, जो अपने बन्दड़े खातर सिंगार करके सिंगरी हो सै। 3 फेर मन्ने सिंहासन म्ह तै किसे ताहीं जोर तै न्यु कहन्दे सुण्या, के, देख, आज तै ए परमेसवर का डेरा माणसां कै बिचाळे होवेगा, वो उनके गेल्या वास करेगा, अर वे उसके माणस होंगे, अर परमेसवर खुद उनके गेल्या रहवैगा, अर वो उनका परमेसवर होगा। 4 अर वो उनकी आँखां तै सारे आँसु पुंज देवेगा, अर इसके बाद ना मौत, ना दुख, ना बिलाप, अर ना दर्द रहवैगा, क्यूँके पुराणी बात बीत ली सै। 5 अर जो सिंहासन पै बैठ्या था, उसनै कहा, के देख, इब मै नई सृष्टि की रचना करण लागरया सूं, फेर उसनै कहा, के लिख ले, क्यूँके जो कुछ कहा जाण लागरया सै, जो मै कहण लागरया सूं, तू उसपै विश्वास कर सके सै, क्यूँके यो पक्का होवेगा। 6 फेर उसनै मेरे तै कहा, “सब कुछ पूरा होया सै, मै अल्फा अर ओमेगा, आदि अर अन्त सूं। जो तिसापै सै मै उन ताहीं उस पाणी के चोवै म्ह तै जो अन्नत जिन्दगी देवै सै उन ताहीं मुफ्त म्ह प्याऊँगा। 7 जो बुराई की ताकतां पै जीत पावै, वो ए यारी आशीष मेरे तै पावेगा, अर मै उसका परमेसवर होऊँगा, अर वो मेरा बेट्टा होगा। 8 पर डरपोक,

अविश्वासी, घिनौणे, हत्यारे, जार, जादू-टूणे करणीये, मूर्ति पूजणीये, अर सारे झूठे माणसां का भाग उस झील म्ह मिलेगा, जो आग अर गन्धक तै जळदी रहवै सै, या दुसरी मौत सै।” (Limnē Pyr g3041 g4442) 9 फेर जिन सात सुगंदूत कै धौरे आखरी सात मुसीबतां तै भरे होइ कटोरे थे, उन म्ह तै एक मेरे धौरे आया, अर मेरे गेल्या बात करके कहा, “उरे आ मै तन्ने बन्दड़ी यानिके मेन्ने की घरआळी दिखाऊँगा।” 10 अर वो मन्ने आत्मा म्ह, एक बड़े अर ऊँच्चे पहाड़ पै लेग्या, अर पवित्र नगर यरुशलेम ताहीं सुगं पै तै परमेसवर कै धौरे उतरदे दिखाया। 11 परमेसवर की महिमा उस म्ह थी, अर उसकी चमक बेसकिमती पत्थर पारस के समान अर पन्ने की ढाळ सुथरी थी। 12 अर उसकी चारदीवारी घणी ऊँच्ची थी, अर उसके बारहा फाटक अर फाटकां पै बारहा सुगंदूत थे, अर उनपै इसापेलियाँ के बारहा गोत्रां के नाम लिक्खे थे। 13 पूरक कान्ही तीन फाटक, उत्तर कान्ही तीन फाटक, दक्खिन कान्ही तीन फाटक, अर पश्चिम कान्ही तीन फाटक थे। 14 अर नगर की चारदीवारी की बारहा नीम थी, अर उनपै मेन्ने के बारहा प्रेरितां के बारहा नाम लिक्खे होइ थे। 15 अर जो सुगंदूत मेरे गेल्या बात करण लागरया था, उसके धौरे नगर, उसके फाटकां अर उसकी चारदीवारी ताहीं नापण के खातर एक सोन्ने का सरकण्डा दिया गया था। 16 अर वो नगर चकोर बस्या होइ था, अर उसकी लम्बाई अर चौड़ाई एक सी थी, अर उसनै उस सरकण्डे तै नगर ताहीं नाप्या, तो साढे सात सौ कोस का लिक्डया, उसकी लम्बाई, चौड़ाई, अर ऊँचाई एक सी थी। 17 अर उसनै उसकी चारदीवारी ताहीं माणस के, यानिके सुगंदूत के नाप तै नाप्या, तो छियासठ मीटर लिक्डी। 18 अर उसकी चारदीवारी म्ह पन्ने जड़े थे, अर नगर इसे शुद्ध सोन्ने का था, जो कती शीशे बरगा साफ था। 19 अर उस नगर की नीम हरेक ढाळ के घणे महंगे पत्थरां तै सजाई होइ थी, पैहल्लड़ी नीम पन्ने की थी, दुसरी नीलमणि की, तीसरी लालड़ी की, चौथी मरकत की। 20 पाँचमी गोमेदक की, छठी माणिक्य की, सातमी पीतमणि की, आठमी पेरोज की, नौम्पी पुखराज की, दसमी लहसनिपे की, ग्यारमी धूपकान्त की, बाहरमी याकूत की। 21 अर बारहों फाटक, बारहा मोतियाँ के थे, एक-एक फाटक, एक-एक मोत्ती का बण्या होइ था, अर नगर की सड़क साफ-सुथरे काँच के जिसे शुद्ध सोन्ने की थी। 22 अर मन्ने उस म्ह कोए मन्दर न्ही देखा, क्यूँके सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर, अर मेन्ना उसका मन्दर सै। 23 अर उस नगर म्ह सूरज अर चाँद के चाँदणे की जरूरत कोनी, क्यूँके परमेसवर कै तेज तै उस म्ह चाँदणा होरया सै, अर मेन्ना उसका दीवा सै। 24 अर हरेक देश के माणस उसके चाँदणे म्ह चाल्लै-फिरेंगे, अर धरती के राजा अपनी शानों-शोकत उस म्ह ल्यावेंगे। 25 अर उसके फाटक दिन म्ह कदे भी न्ही मूदे जावेंगे, अर ओड़ै रात न्ही होगी। 26 अर हरेक देश के माणस अपनी शानों-शोकत उस म्ह ल्यावेंगे। 27 पर उस नगर म्ह कोए अशुद्ध चीज, या घृणित काम करण आळा, या झूठ का गढनआळा किसे भी तरियां तै उस म्ह दाखल न्ही हो पावेगा, पर सिर्फ वे लोग दाखल होवेंगे जिनके नाम मेन्ने की जीवन की किताब म्ह लिक्खे सै।

22 फेर सुगंदूत नै मेरे ताहीं पाणी दिखाया जो जीवन देण आळा पाणी कहलावे सै, अर वो पाणी शीशे की तरियां साफ था, अर उसका चोवां परमेसवर का सिंहासन सै, जो के मेन्ने का भी सिंहासन सै। 2 वो नदी नगर के बीचों बीच सड़क के बिचाळे बहवै थी। अर नदी कै इस पार, अर उस पार, उसके दोन्नु किनारां पै जीवन का दरखत था, जो जीवन देवै सै, उस म्ह बारहा ढाळ के फळ लागे थे, अर वो हरेक महिन्ने फळ ल्यावे था, अर उस दरखत के पत्त्यां तै हरेक देश के माणस चंगे होवै थे। 3 अर फेर कोए श्राप न्ही होगा। परमेसवर अर मेन्ने का सिंहासन उस नगर म्ह होगा, अर उसके दास उसकी सेवा करेंगे। 4 अर वे परमेसवर ताहीं आम्ही-स्याम्ही देखेंगे, अर परमेसवर का नाम उनके माथां पै लिखा होया होगा। 5 अर फेर कदे रात न्ही होगी, अर ना ए उन ताहीं दीवै अर सूरज के चाँदणे की जरूरत होगी, क्यूँके प्रभु परमेसवर उन ताहीं चाँदणा देवेगा, अर वे युगानुयुग राज करेंगे।

(aiōn g165) 6 फेर सुर्गदूत नै मेरै तै कहा, “जो मै कहण लागरया सूं, तू उसपै विश्वास कर सके सै, क्यूँके यो पक्का होवैगा, अर प्रभु जो नबियाँ की आत्मार्याँ का परमेसवर सै, अपणे सुर्गदूत ताहीं ज्यांतै भेज्या, के अपणे दास्सां ताहीं वे बात जिनका तावळा पूरा होणा जरूरी सै दिखावै।” 7 देख, मै तावळा आण आळा सूं, धन्य सै वो, जो इस किताब की भविष्यवाणी की बात्तां नै मान्ने सै। 8 मै वोए यूहन्ना सूं, जो ये बात सुणै, अर देखै था, अर जिब मन्ने सुणया, अर देख्या, तो जो सुर्गदूत मन्ने ये बात दिखावै था, मै उसके पायां म्ह प्रणाम करण के खात्तर मोध्था पड़या। 9 अर उसनै मेरै तै कहा, “देख, इस ढाळ मतना करै, क्यूँके मै तेरा अर तेरे भाई नबियाँ का अर इस भविष्यवाणी की अर इस किताब की बात्तां के मानण आळा का जोड़ीदार दास सूं, परमेसवर नै ए पूज।” 10 फेर उसनै मेरै तै कहा, “इस किताब की भविष्यवाणी की बात्तां ताहीं बन्द मतना करै, क्यूँके बखत आ लिया सै। 11 जो जुल्म करै सै, वो जुल्म ए करदा रहवै, अर जो बुरा सै, वो बुरा बणया रहवै, अर जो धर्मी सै, वो धर्मी बणया रहवै, अर जो पवित्र सै, वो पवित्र बणया रहवै।” 12 लखा, मै तावळा-ए आण आळा सूं, अर हरेक के काम के मुताबिक बदला देण के खात्तर प्रतिफळ मेरै धोरै सै। 13 मै अल्फा अर ओमेगा, पैहला अर आखरी, आदि अर अन्त सूं। 14 धन्य वे सै, जो अपणे लत्ते धो लेवै सै, क्यूँके उन ताहीं जीवन के दरखत के लोवे आण का हक मिलैगा, अर वे फाटकां तै हो कै नगर म्ह दाखल होवैगै। 15 पर कुत्ते, अर जादू-टूणा करणीये, जार, हत्यारे, मूर्ति पूजणीया, हरेक झूठ का चाहण आळा, अर झूठ गढ़ण आळा बाहरणै रहवैगा। 16 मुझ यीशु नै अपणे सुर्गदूत ताहीं ज्यांतै भेज्या सै, ताके थारे आगै कलीसियाओं के बारै म्ह इन बात्तां की गवाही दियु, मै दाऊद का मूल, अर वंश, अर भोर का चमकदा होड़ तारा सूं। 17 अर आत्मा, अर बन्दड़ी दोन्नु कहवै सै, “आ!” अर सुणण आळा भी कहवै, के “आ!” अर जो तिसाया हो, वो आवै अर जो कोए चाहवै वो जीवन का पाणी मुफ्त म्ह ले। 18 मै हरेक ताहीं जो इस किताब की भविष्यवाणी की बात सुणै सै, गवाही दियुँ सूं, के जै कोए माणस इन बात्तां म्ह किमे बधावै, तो परमेसवर उन मुसीबतां ताहीं जो इस किताब म्ह लिक्खी सै, उसपै बढ़ावैगा। 19 अर जै कोए इस भविष्यवाणी की किताब की बात्तां म्ह तै किमे लिकाड़ै, तो परमेसवर उस जीवन के दरखत अर पवित्र नगर म्ह तै जिसका जिक्र इस किताब म्ह सै, उसका हिस्सा लिकाड़ देवैगा। 20 जो इन बात्तां की गवाही देवै सै, वो न्यू कहवै सै, “हाँ, मै तावळा आण आळा सूं, आमीन। हे प्रभु यीशु आ!” 21 प्रभु यीशु का अनुग्रह पवित्र लोगां कै गैल रहवै। आमीन।



फेर मन्ने पवित्र नगर नये यरुशलेम ताहीं सुर्ग पै तै, परमेसवर के धारे तै उतरदे देख्या, अर वो नगर उस बन्दड़ी की तरियां था, जो अपणे बन्दड़े खात्तर सिंगार करके सिंगरी हो सै। फेर मन्ने सिंहासन म्ह तै किसे ताहीं जोर तै न्यू कहन्दे सुण्या, के, देख, आज तै ए परमेसवर का डेरा माणसां के बिचाळे होवेगा, वो उनके गेल्या वास करेगा, अर वे उसके माणस होंगे, अर परमेसवर खुद उनके गेल्या रहवेगा, अर वो उनका परमेसवर होगा।

प्रकाशित वाक्य 21:2-3

Reader's Guide

हरियाणवी at AionianBible.org/Readers-Guide

The Aionian Bible republishes public domain and Creative Common Bible texts that are 100% free to copy and print. The original translation is unaltered and notes are added to help your study. The notes show the location of eleven special Greek and Hebrew Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and for all mankind, and the nature of afterlife destinies.

Who has the authority to interpret the Bible and examine the underlying Hebrew and Greek words? That is a good question! We read in 1 John 2:27, *"As for you, the anointing which you received from him remains in you, and you do not need for anyone to teach you. But as his anointing teaches you concerning all things, and is true, and is no lie, and even as it taught you, you remain in him."* Every Christian is qualified to interpret the Bible! Now that does not mean we will all agree. Each of us is still growing in our understanding of the truth. However, it does mean that there is no infallible human or tradition to answer all our questions. Instead the Holy Spirit helps each of us to know the truth and grow closer to God and each other.

The Bible is a library with 66 books in the Protestant Canon. The best way to learn God's word is to read entire books. Read the book of Genesis. Read the book of John. Read the entire Bible library. Topical studies and cross-referencing can be good. However, the safest way to understand context and meaning is to read whole Bible books. Chapter and verse numbers were added for convenience in the 16th century, but unfortunately they can cause the Bible to seem like an encyclopedia. The Aionian Bible is formatted with simple verse numbering, minimal notes, and no cross-referencing in order to encourage the reading of Bible books.

Bible reading must also begin with prayer. Any Christian is qualified to interpret the Bible with God's help. However, this freedom is also a responsibility because without the Holy Spirit we cannot interpret accurately. We read in 1 Corinthians 2:13-14, *"And we speak of these things, not with words taught by human wisdom, but with those taught by the Spirit, comparing spiritual things with spiritual things. Now the natural person does not receive the things of the Spirit of God, for they are foolishness to him, and he cannot understand them, because they are spiritually discerned."* So we cannot understand in our natural self, but we can with God's help through prayer.

The Holy Spirit is the best writer and he uses literary devices such as introductions, conclusions, paragraphs, and metaphors. He also writes various genres including historical narrative, prose, and poetry. So Bible study must spiritually discern and understand literature. Pray, read, observe, interpret, and apply. Finally, *"Do your best to present yourself approved by God, a worker who does not need to be ashamed, properly handling the word of truth."* 2 Timothy 2:15. *"God has granted to us his precious and exceedingly great promises; that through these you may become partakers of the divine nature, having escaped from the corruption that is in the world by lust. Yes, and for this very cause adding on your part all diligence, in your faith supply moral excellence; and in moral excellence, knowledge; and in knowledge, self-control; and in self-control patience; and in patience godliness; and in godliness brotherly affection; and in brotherly affection, love. For if these things are yours and abound, they make you to be not idle nor unfruitful to the knowledge of our Lord Jesus Christ,"* 2 Peter 1:4-8.

Glossary

हरियाणवी at AionianBible.org/Glossary

The Aionian Bible un-translates and instead transliterates eleven special words to help us better understand the extent of God's love for individuals and all mankind, and the nature of afterlife destinies. The original translation is unaltered and a note is added to 64 Old Testament and 200 New Testament verses. Compare the meanings below to the Strong's Concordance and Glossary definitions.

Abyssos g12

Greek: proper noun, place

Usage: 9 times in 3 books, 6 chapters, and 9 verses

Meaning:

Temporary prison for special fallen angels such as Apollyon, the Beast, and Satan.

aidios g126

Greek: adjective

Usage: 2 times in Romans 1:20 and Jude 6

Meaning:

Lasting, enduring forever, eternal.

aiōn g165

Greek: noun

Usage: 127 times in 22 books, 75 chapters, and 102 verses

Meaning:

A lifetime or time period with a beginning and end, an era, an age, the completion of which is beyond human perception, but known only to God the creator of the aiōns, Hebrews 1:2. Never meaning simple endless or infinite chronological time in Greek usage. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs.

aiōnios g166

Greek: adjective

Usage: 71 times in 19 books, 44 chapters, and 69 verses

Meaning:

From start to finish, pertaining to the age, lifetime, entirety, complete, or even consummate. Never meaning simple endless or infinite chronological time in Koine Greek usage. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs.

eleēsē g1653

Greek: verb, aorist tense, active voice, subjunctive mood, 3rd person singular

Usage: 1 time in this conjugation, Romans 11:32

Meaning:

To have pity on, to show mercy. Typically, the subjunctive mood indicates possibility, not certainty. However, a subjunctive in a purpose clause is a resulting action as certain as the causal action. The subjunctive in a purpose clause functions as an indicative, not an optative. Thus, the grand conclusion of grace theology in Romans 11:32 must be clarified. God's mercy on all is not a possibility, but a certainty. See ntgreek.org.

Geenna g1067

Greek: proper noun, place

Usage: 12 times in 4 books, 7 chapters, and 12 verses

Meaning:

Valley of Hinnom, Jerusalem's trash dump, a place of ruin, destruction, and judgment in this life, or the next, though not eternal to Jesus' audience.

Hadēs g86

Greek: proper noun, place

Usage: 11 times in 5 books, 9 chapters, and 11 verses

Meaning:

Synonymous with Sheol, though in New Testament usage Hades is the temporal place of punishment for deceased unbelieving mankind, distinct from Paradise for deceased believers.

Limnē Pyr g3041 g4442

Greek: proper noun, place

Usage: Phrase 5 times in the New Testament

Meaning:

Lake of Fire, final punishment for those not named in the Book of Life, prepared for the Devil and his angels, Matthew 25:41.

Sheol h7585

Hebrew: proper noun, place

Usage: 66 times in 17 books, 50 chapters, and 64 verses

Meaning:

The grave or temporal afterlife world of both the righteous and unrighteous, believing and unbelieving, until the general resurrection.

Tartaroō g5020

Greek: proper noun, place

Usage: 1 time in 2 Peter 2:4

Meaning:

Temporary prison for particular fallen angels awaiting final judgment.

Glossary +

AionianBible.org/Bibles/Haryanvi---Haryanvi-Bible/Noted

Glossary references are below. Strong's Hebrew and Greek number notes are added to 64 Old Testament and 200 New Testament verses. Questioned verse translations do not contain Aionian Glossary words and may wrongly imply *eternal* or *Hell*. * The note placement is skipped or adjusted for verses with non-standard numbering.

Abyssos

लूका 8:31
रोमियों 10:7
प्रकाशित वाक्य 9:1
प्रकाशित वाक्य 9:2
प्रकाशित वाक्य 9:11
प्रकाशित वाक्य 11:7
प्रकाशित वाक्य 17:8
प्रकाशित वाक्य 20:1
प्रकाशित वाक्य 20:3

aidios

रोमियों 1:20
यहूदा 1:6

aiōn

मत्ती 12:32
मत्ती 13:22
मत्ती 13:39
मत्ती 13:40
मत्ती 13:49
मत्ती 21:19
मत्ती 24:3
मत्ती 28:20
मरकुस 3:29
मरकुस 4:19
मरकुस 10:30
मरकुस 11:14
लूका 1:33
लूका 1:55
लूका 1:70
लूका 16:8
लूका 18:30
लूका 20:34
लूका 20:35
यूहन्ना 4:14
यूहन्ना 6:51
यूहन्ना 6:58
यूहन्ना 8:35
यूहन्ना 8:51
यूहन्ना 8:52
यूहन्ना 9:32
यूहन्ना 10:28
यूहन्ना 11:26
यूहन्ना 12:34
यूहन्ना 13:8
यूहन्ना 14:16

प्रेरितों के काम 3:21
प्रेरितों के काम 15:18
रोमियों 1:25
रोमियों 9:5
रोमियों 11:36
रोमियों 12:2
रोमियों 16:27
1 कुरिन्थियों 1:20
1 कुरिन्थियों 2:6
1 कुरिन्थियों 2:7
1 कुरिन्थियों 2:8
1 कुरिन्थियों 3:18
1 कुरिन्थियों 8:13
1 कुरिन्थियों 10:11
2 कुरिन्थियों 4:4
2 कुरिन्थियों 9:9
2 कुरिन्थियों 11:31
गलातियों 1:4
गलातियों 1:5
इफिसियों 1:21
इफिसियों 2:2
इफिसियों 2:7
इफिसियों 3:9
इफिसियों 3:11
इफिसियों 3:21
इफिसियों 6:12
फिलिप्पियों 4:20
कुलुस्सियों 1:26
1 तीमुथियुस 1:17
1 तीमुथियुस 6:17
2 तीमुथियुस 4:10
2 तीमुथियुस 4:18
तीतुस 2:12
इब्रानियों 1:2
इब्रानियों 1:8
इब्रानियों 5:6
इब्रानियों 6:5
इब्रानियों 6:20
इब्रानियों 7:17
इब्रानियों 7:21
इब्रानियों 7:24
इब्रानियों 7:28
इब्रानियों 9:26
इब्रानियों 11:3
इब्रानियों 13:8
इब्रानियों 13:21
1 पतरस 1:23

1 पतरस 1:25
1 पतरस 4:11
1 पतरस 5:11
2 पतरस 3:18
1 यूहन्ना 2:17
2 यूहन्ना 1:2
यहूदा 1:13
यहूदा 1:25
प्रकाशित वाक्य 1:6
प्रकाशित वाक्य 1:18
प्रकाशित वाक्य 4:9
प्रकाशित वाक्य 4:10
प्रकाशित वाक्य 5:13
प्रकाशित वाक्य 7:12
प्रकाशित वाक्य 10:6
प्रकाशित वाक्य 11:15
प्रकाशित वाक्य 14:11
प्रकाशित वाक्य 15:7
प्रकाशित वाक्य 19:3
प्रकाशित वाक्य 20:10
प्रकाशित वाक्य 22:5

aiōnios

मत्ती 18:8
मत्ती 19:16
मत्ती 19:29
मत्ती 25:41
मत्ती 25:46
मरकुस 3:29
मरकुस 10:17
मरकुस 10:30
लूका 10:25
लूका 16:9
लूका 18:18
लूका 18:30
यूहन्ना 3:15
यूहन्ना 3:16
यूहन्ना 3:36
यूहन्ना 4:14
यूहन्ना 4:36
यूहन्ना 5:24
यूहन्ना 5:39
यूहन्ना 6:27
यूहन्ना 6:40
यूहन्ना 6:47
यूहन्ना 6:54
यूहन्ना 6:68

यूहन्ना 10:28
यूहन्ना 12:25
यूहन्ना 12:50
यूहन्ना 17:2
यूहन्ना 17:3
प्रेरितों के काम 13:46
प्रेरितों के काम 13:48
रोमियों 2:7
रोमियों 5:21
रोमियों 6:22
रोमियों 6:23
रोमियों 16:25
रोमियों 16:26
2 कुरिन्थियों 4:17
2 कुरिन्थियों 4:18
2 कुरिन्थियों 5:1
गलातियों 6:8
2 थिस्सलुनीकियों 1:9
2 थिस्सलुनीकियों 2:16
1 तीमुथियुस 1:16
1 तीमुथियुस 6:12
1 तीमुथियुस 6:16
2 तीमुथियुस 1:9
2 तीमुथियुस 2:10
तीतुस 1:2
तीतुस 3:7
फिलेमोन 1:15
इब्रानियों 5:9
इब्रानियों 6:2
इब्रानियों 9:12
इब्रानियों 9:14
इब्रानियों 9:15
इब्रानियों 13:20
1 पतरस 5:10
2 पतरस 1:11
1 यूहन्ना 1:2
1 यूहन्ना 2:25
1 यूहन्ना 3:15
1 यूहन्ना 5:11
1 यूहन्ना 5:13
1 यूहन्ना 5:20
यहूदा 1:7
यहूदा 1:21
प्रकाशित वाक्य 14:6

eleēsē

रोमियों 11:32

Geenna

मत्ती 5:22
मत्ती 5:29
मत्ती 5:30
मत्ती 10:28
मत्ती 18:9
मत्ती 23:15
मत्ती 23:33
मरकुस 9:43

मरकुस 9:45
मरकुस 9:47
लूका 12:5
याकूब 3:6

Hadēs

मत्ती 11:23
मत्ती 16:18
लूका 10:15
लूका 16:23
प्रेरितों के काम 2:27
प्रेरितों के काम 2:31
1 कुरिन्थियों 15:55
प्रकाशित वाक्य 1:18
प्रकाशित वाक्य 6:8
प्रकाशित वाक्य 20:13
प्रकाशित वाक्य 20:14

Limnē Pyr

प्रकाशित वाक्य 19:20
प्रकाशित वाक्य 20:10
प्रकाशित वाक्य 20:14
प्रकाशित वाक्य 20:15
प्रकाशित वाक्य 21:8

Sheol

उत्पत्ति 37:35
उत्पत्ति 42:38
उत्पत्ति 44:29
उत्पत्ति 44:31
गिनती 16:30
गिनती 16:33
व्यवस्था विवरण 32:22
1 शमूएल 2:6
2 शमूएल 22:6
1 राजा 2:6
1 राजा 2:9
अय्यूब 7:9
अय्यूब 11:8
अय्यूब 14:13
अय्यूब 17:13
अय्यूब 17:16
अय्यूब 21:13
अय्यूब 24:19
अय्यूब 26:6

भजन संहिता 6:5
भजन संहिता 9:17
भजन संहिता 16:10
भजन संहिता 18:5
भजन संहिता 30:3
भजन संहिता 31:17
भजन संहिता 49:14
भजन संहिता 49:15
भजन संहिता 55:15
भजन संहिता 86:13
भजन संहिता 88:3
भजन संहिता 89:48

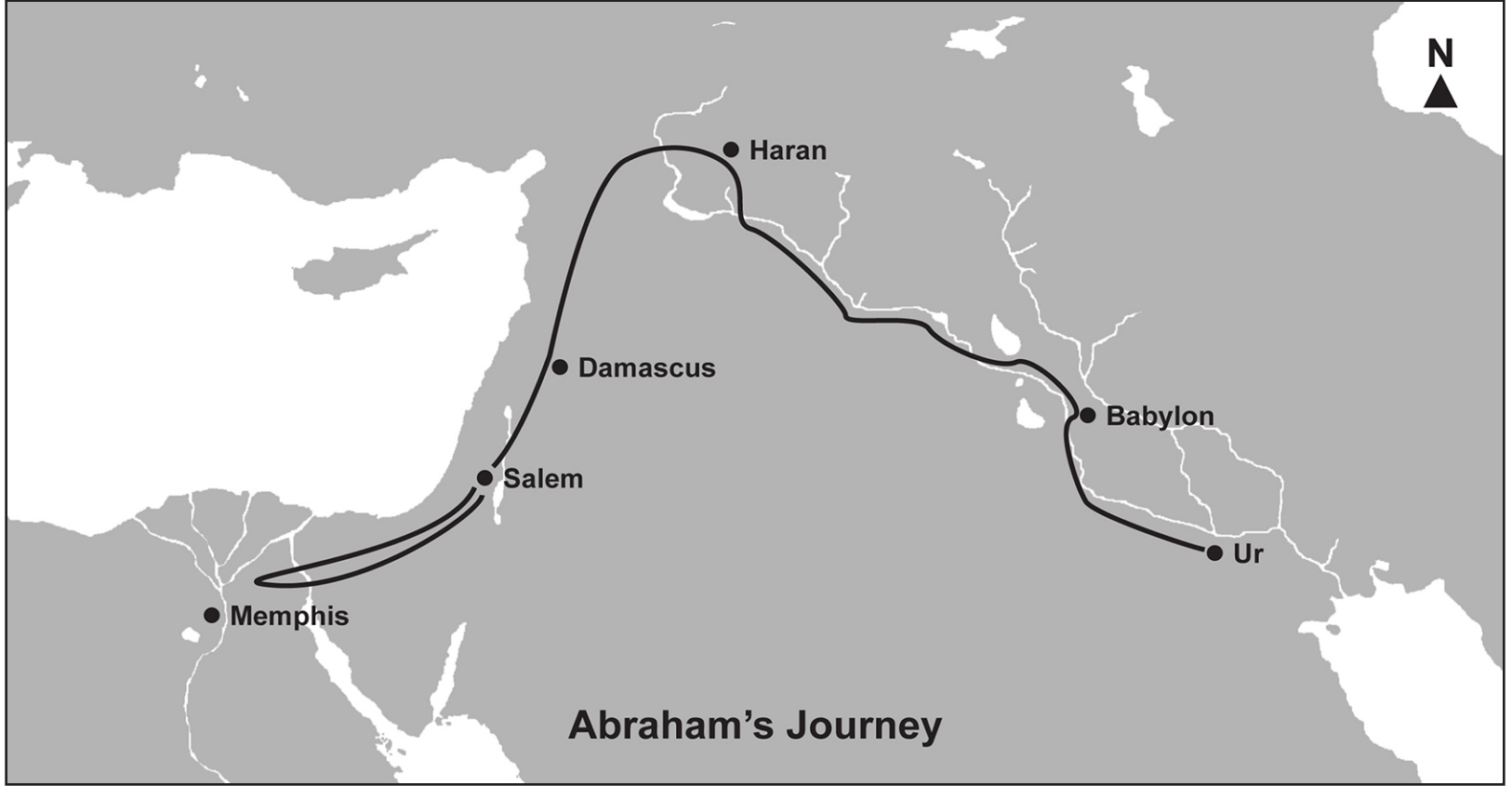
भजन संहिता 116:3
भजन संहिता 139:8
भजन संहिता 141:7
नीतिवचन 1:12
नीतिवचन 5:5
नीतिवचन 7:27
नीतिवचन 9:18
नीतिवचन 15:11
नीतिवचन 15:24
नीतिवचन 23:14
नीतिवचन 27:20
नीतिवचन 30:16
सभोपदेशक 9:10
श्रेष्ठगीत 8:6
यशायाह 5:14
यशायाह 7:11
यशायाह 14:9
यशायाह 14:11
यशायाह 14:15
यशायाह 28:15
यशायाह 28:18
यशायाह 38:10
यशायाह 38:18
यशायाह 57:9
यहेजकेल 31:15
यहेजकेल 31:16
यहेजकेल 31:17
यहेजकेल 32:21
यहेजकेल 32:27
होशे 13:14
आमोस 9:2
योना 2:2
हबक्कूक 2:5

Tartaroō

2 पतरस 2:4

Questioned

मत्ती 3:7
2 पतरस 2:17

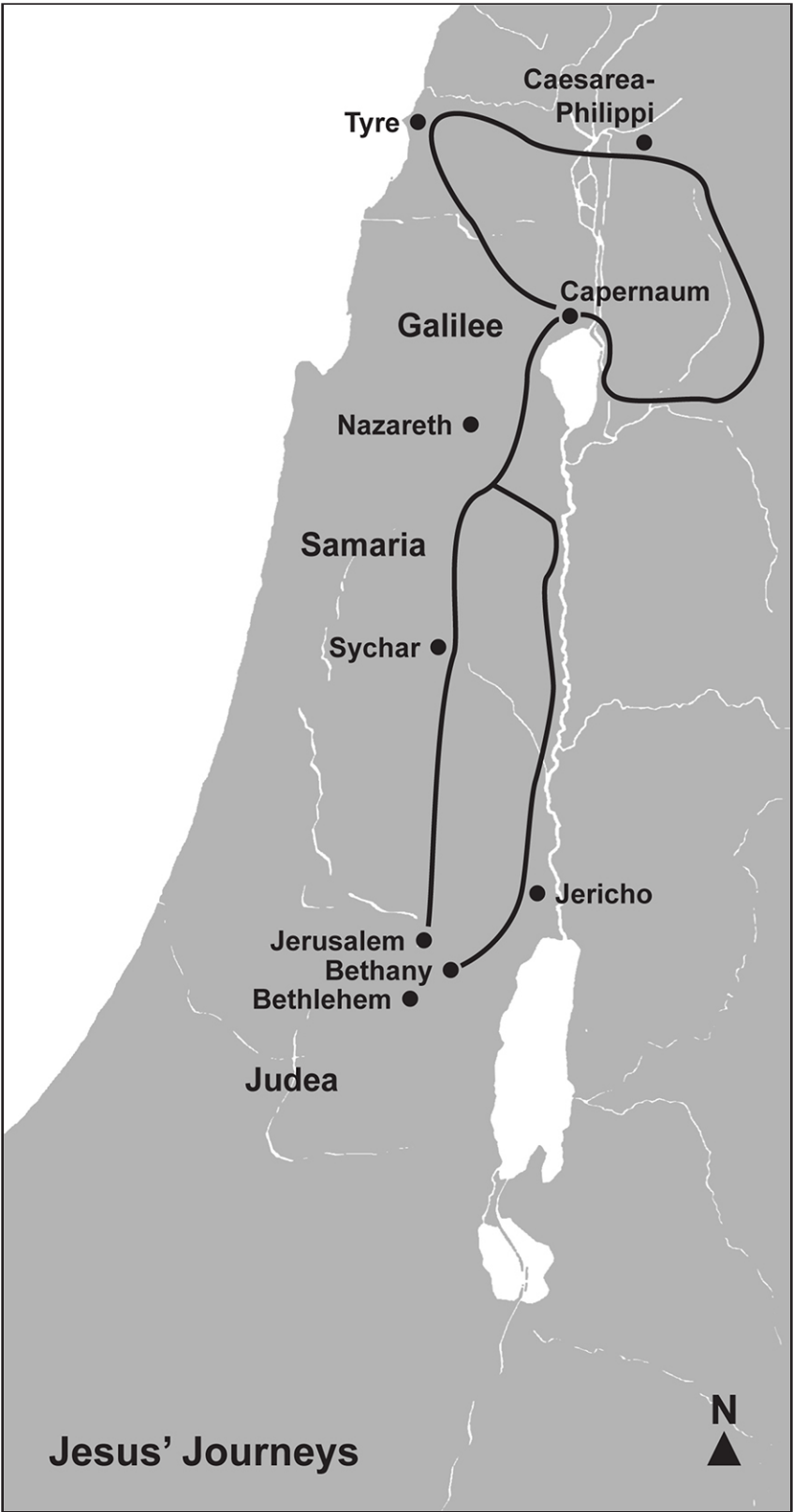


जिब परमेसवर ने अब्राहम ताहीं किते जाण खात्तर बुलाया था, तो उसने बिश्वास तै ए परमेसवर के हुकम ताहीं मानकै, एक इसी जगहां लिकड़ गया, जो जगहां परमेसवर अब्राहम ताहीं उसकी जायदाद के तौर पै देण आळा था, पर वो या कोनी जाणै था के वो कित्त जावै सै, अर वो फेर भी चला गया। - इब्रानियों 11:8

Israel's Exodus



"When Pharaoh had let the people go, God didn't lead them by the way of the land of the Philistines, although that was near; for God said, 'Lest perhaps the people change their minds when they see war, and they return to Egypt!'" Exodus 13:17



वर्कै मै माणस का बेटा ज्यातै कोनी आया के अपनी सेवा-पाणी करवाडै, पर ज्यातै आया के खुद सेवा-पाणी करै, अर घणखरयां के हुटकारै के खालर अपनी जान देऊँ। - मत्तुस 10:45



या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का दास सै अर परमेसवर के जरिये प्रेरित होण के खातर चुणया गया अर उसका सुसमाचार सुणाण खातर न्यारा करया गया सै। - रोमियों 1:1

Creation 4004 B.C.

Adam and Eve created	4004
Tubal-cain forges metal	3300
Enoch walks with God	3017
Methuselah dies at age 969	2349
God floods the Earth	2349
Tower of Babel thwarted	2247
Abraham sojourns to Canaan	1922
Jacob moves to Egypt	1706
Moses leads Exodus from Egypt	1491
Gideon judges Israel	1245
Ruth embraces the God of Israel	1168
David installed as King	1055
King Solomon builds the Temple	1018
Elijah defeats Baal's prophets	896
Jonah preaches to Nineveh	800
Assyrians conquer Israelites	721
King Josiah reforms Judah	630
Babylonians capture Judah	605
Persians conquer Babylonians	539
Cyrus frees Jews, rebuilds Temple	537
Nehemiah rebuilds the wall	454
Malachi prophecies the Messiah	416
Greeks conquer Persians	331
Seleucids conquer Greeks	312
Hebrew Bible translated to Greek	250
Maccabees defeat Seleucids	165
Romans subject Judea	63
Herod the Great rules Judea	37

(The Annals of the World, James Uusher)

Jesus Christ born 4 B.C.

New Heavens and Earth

1956	Christ returns for his people
1830	Jim Elliot martyrd in Ecuador
1731	John Williams reaches Polynesia
1614	Zinzendorf leads Moravian mission
1572	Japanese kill 40,000 Christians
1517	Jesuits reach Mexico
1455	Martin Luther leads Reformation
1323	Gutenberg prints first Bible
1276	Franciscans reach Sumatra
1100	Ramon Llull trains missionaries
1054	Crusades tarnish the church
997	The Great Schism
864	Adalbert martyrd in Prussia
716	Bulgarian Prince Boris converts
635	Boniface reaches Germany
569	Alopen reaches China
432	Longinus reaches Alodia / Sudan
397	Saint Patrick reaches Ireland
341	Carthage ratifies Bible Canon
325	Ulfilas reaches Goth / Romania
250	Niceae proclaims God is Trinity
197	Denis reaches Paris, France
70	Tertullian writes Christian literature
61	Titus destroys the Jewish Temple
52	Paul imprisoned in Rome, Italy
39	Thomas reaches Malabar, India
33	Peter reaches Gentile Cornelius
	Holy Spirit empowers the Church

(Wikipedia, Timeline of Christian missions)

Resurrected 33 A.D.

What are we? ▶			Genesis 1:26 - 2:3		Mankind is created in God's image, male and female He created us				
How are we sinful? ▶			Romans 5:12-19		Sin entered the world through Adam and then death through sin				
Where are we? ▶			When are we? ▼						
			Innocence		Fallen			Glory	
			Eternity Past	Creation 4004 B.C.	Fall to sin No Law	Moses' Law 1500 B.C.	Christ 33 A.D.	Church Age Kingdom Age	New Heavens and Earth
Who are we? ▶	God	Father	John 10:30	Genesis 1:31 God's perfect fellowship with Adam in The Garden of Eden	1 Timothy 6:16 Living in unapproachable light			Acts 3:21 Philippians 2:11 Revelation 20:3 God's perfectly restored fellowship with all Mankind praising Christ as Lord in the Holy City	
		Son	God's perfect fellowship		John 8:58 Pre-incarnate		John 1:14 Incarnate		Luke 23:43 Paradise
		Holy Spirit			Psalm 139:7 Everywhere		John 14:17 Living in believers		
	Mankind	Living	Genesis 1:1 No Creation No people		Ephesians 2:1-5 Serving the Savior or Satan on Earth				
		Deceased believing			Luke 16:22 Blessed in Paradise				
		Deceased unbelieving			Luke 16:23, Revelation 20:5,13 Punished in Hades until the final judgment				
	Angels	Holy		Hebrews 1:14 Serving mankind at God's command					
		Imprisoned		2 Peter 2:4, Jude 6 Imprisoned in Tartarus					
		Fugitive		Genesis 1:31 No Fall No unholy Angels			Revelation 20:13 Thalaasa		
		First Beast	1 Peter 5:8, Revelation 12:10		Revelation 19:20 Lake of Fire				
	False Prophet	Rebelling against Christ Accusing mankind			Revelation 20:2 Abys				
	Satan					Matthew 25:41 Revelation 20:10 Lake of Fire prepared for the Devil and his Angels			
Why are we? ▶			Romans 11:25-36, Ephesian 2:7		For God has bound all over to disobedience in order to show mercy to all				

Destiny

हरियाणवी at AionianBible.org/Destiny

The Aionian Bible shows the location of eleven special Greek and Hebrew Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and for all mankind, and the nature of after-life destinies. The underlying Hebrew and Greek words typically translated as *Hell* show us that there are not just two after-life destinies, Heaven or Hell. Instead, there are a number of different locations, each with different purposes, different durations, and different inhabitants. Locations include 1) Old Testament *Sheol* and New Testament *Hadēs*, 2) *Geenna*, 3) *Tartaroō*, 4) *Abyssos*, 5) *Limnē Pyr*, 6) *Paradise*, 7) *The New Heaven*, and 8) *The New Earth*. So there is reason to review our conclusions about the destinies of redeemed mankind and fallen angels.

The key observation is that fallen angels will be present at the final judgment, 2 Peter 2:4 and Jude 6. Traditionally, we understand the separation of the Sheep and the Goats at the final judgment to divide believing from unbelieving mankind, Matthew 25:31-46 and Revelation 20:11-15. However, the presence of fallen angels alternatively suggests that Jesus is separating redeemed mankind from the fallen angels. We do know that Jesus is the helper of mankind and not the helper of the Devil, Hebrews 2. We also know that Jesus has atoned for the sins of all mankind, both believer and unbeliever alike, 1 John 2:1-2. Deceased believers are rewarded in Paradise, Luke 23:43, while unbelievers are punished in Hades as the story of Lazarus makes plain, Luke 16:19-31. Yet less commonly known, the punishment of this selfish man and all unbelievers is before the final judgment, is temporal, and is punctuated when Hades is evacuated, Revelation 20:13. So is there hope beyond Hades for unbelieving mankind? Jesus promised, "*the gates of Hades will not prevail*," Matthew 16:18. Paul asks, "*Hades where is your victory?*" 1 Corinthians 15:55. John wrote, "*Hades gives up*," Revelation 20:13.

Jesus comforts us saying, "*Do not be afraid*," because he holds the keys to *unlock* death and Hades, Revelation 1:18. Yet too often our *Good News* sounds like a warning to "*be afraid*" because Jesus holds the keys to *lock* Hades! Wow, we have it backwards! Hades will be evacuated! And to guarantee hope, once emptied, Hades is thrown into the Lake of Fire, never needed again, Revelation 20:14.

Finally, we read that anyone whose name is not written in the Book of Life is thrown into the Lake of Fire, the second death, with no exit ever mentioned or promised, Revelation 21:1-8. So are those evacuated from Hades then, "*out of the frying pan, into the fire?*" Certainly, the Lake of Fire is the destiny of the Goats. But, do not be afraid. Instead, read the Bible's explicit mention of the purpose of the Lake of Fire and the identity of the Goats, "*Then he will say also to those on the left hand, 'Depart from me, you cursed, into the consummate fire which is prepared for... the devil and his angels,'"* Matthew 25:41. Bad news for the Devil. Good news for all mankind!

Faith is not a pen to write your own name in the Book of Life. Instead, faith is the glasses to see that the love of Christ for all mankind has already written our names in Heaven. Jesus said, "*You did not choose me, but I chose you*," John 15:16. Though unbelievers will suffer regrettable punishment in Hades, redeemed mankind will never enter the Lake of Fire, prepared for the devil and his angels. And as God promised, all mankind will worship Christ together forever, Philippians 2:9-11.



World Nations

इस करके थम जाओ, सारी जातों के माणसां ताहीं चेल्ला बणाओ; अर उननै पिता, पुत्र अर पवित्र आत्मा के नाम तै बपतिस्मा द्यो, - मत्ती 28:19